ज्यो. ८५१

श्री काश्याम्

शुद्धमकरन्दीय दशवर्षीय पञ्चांगम्

संवत् २०१६ से संवत् २०२५ तक

सम्पादक—पं० चन्द्रशेखर पाठक ज्यौतिषाचार्य, ज्योतिषरत्न

प्रकाशक—पं० पृथ्वीनाथ भार्गव, भार्गव भूषण प्रेस, वाराणसी

प्रधान वितरक—श्री गंगा पुस्तकालय, गायघाट, वाराणसी

मूल्य ५)

पूजन

१–शिव, सूर्य-पूजन शंख से नहीं होता।

२–दो लिंग, दो शालिग्राम, दो चक्र, दो सूर्य, तीन शक्ति, तीन गणेश, दो शंख इनकी पूजा साथ नहीं होती। दो के अतिरिक्त सम शालिग्राम पूजे जाते हैं एक को छोड़ विषम पूजना भी निषिद्ध है।

३–नर्मदेश्वर, ज्योतिर्लिङ्ग, रसलिंग, रत्नलिंग, सिद्ध-प्रतिष्ठित लिंग तथा स्वयम्भू लिंग का शिव निर्माल्य लेना चाहिये। पञ्चायतन पूजा में भी खाया जाता है।

४–सुगन्ध तेल, पुष्प-मिश्रित तेल, द्रव्यान्तर युक्त तेल, गोघृतयुक्त तेल, विप्रवरण-युक्त तेल सर्वदा ग्राह्य है।

५–वाग्दानोत्तर दोनों कुलों में मातृ-पितृ-मरण में १ वर्ष तक, दूसरे के मरण में १ मास तक, विवाहादि नहीं होगा। चार पीढ़ी तक यह विधान लागू है। सूतक के बाद विनायक शान्ति से १ मास के भीतर भी हो सकता है।

६–माता रजस्वला हो तो विवाह, उपनयन, और, यज्ञादि कृत्य न करे। नान्दी श्राद्धानन्तर ऋतुमती हो तो गोदान तथा कूष्माण्डी हवन करके करना चाहिये।

७–एक मातृज का कोई संस्कार एक साथ नहीं होता। यमल का होता है। पुत्र के विवाह के ६ मास तक पुत्री का विवाह या उपनयन आदि कोई काम नहीं करना चाहिये। वर्ष बदलने पर हो सकता है।

८–एक घर में दो मंगल कार्य नहीं होता। मण्डप और आचार्य बदल कर हो सकता है।

९–विवाह से चतुर्थी कर्म तक कोई श्राद्ध की तिथि न पड़नी चाहिये।

१०–एक ही वर को दो कन्या नहीं देनी चाहिये।

११–विवाह होते समय कन्या ऋतुमती हो जाय 'युञ्जाम' इस मन्त्र से हवन, स्नान, पञ्चगव्य पान करे।

१२–व्रत, यज्ञ, विवाहादि में नान्दी श्राद्धानन्तर सूतक नहीं लगता।

१३–विवाहिता का पुनरुद्वाह कलि में वर्ज्य है, मातृ-सपिण्ड विवाह भी त्याज्य है।

१४–द्वितीय विवाह में वर स्वयं नान्दी-श्राद्ध करे, पिता नहीं।

१५–विवाह में स्पर्शास्पर्श का दोष नहीं होता।

१६–विवाह के पश्चात् १ वर्ष तक तिल-तर्पण, शवानुगमन, नूतन-तीर्थ-गमन, मुण्डनादि न करे।

१७–विवाहादि मङ्गल कार्य में गोपीचन्दन धारण निषिद्ध है।

१८–ग्रहण काल में रजस्वला गंगा से लाये हुए जल से स्नान करे।

१९–ग्रहणादि में यज्ञोपवीत बदल देना चाहिये।

२०–मलमास में कोई पर्व नहीं होता।

२१–रजस्वला स्त्री देवता-कार्य के लिये पाँचवें दिन शुद्ध होती है।

२२–भाद्रपद पूर्णिमा को छोड़ शेष पूर्णिमा को श्राद्ध निषिद्ध है।

२३–गर्भिणी के पति को मुण्डन, पिण्डदान, प्रेतकर्म, समुद्र-स्नान, नख-केश-कर्तन, उपनयन, शवानुगमन, अति दूर गमन, नौकारोहण त्याज्य हैं।

२४–सूतक में सन्ध्यादि कर्म होते हैं।

२५–षष्ठी पूजा में अशौच नहीं होता।

२६–जिसका कर्णवेध नहीं हुआ है वह श्राद्धाधिकारी नहीं होता।

२७–जन्मतिथि उदय कालिक लेनी चाहिये।

ज्यो· ५५१

२८–मुण्डन में सशिख का विधान प्रायः नहीं है।

२९–संन्यासी का श्राद्ध द्वादशी को होता है।

३०–एकादशी को श्राद्ध सम्वन्धी भोजन निषिद्ध नहीं है।

३१–श्राद्धकर्ता को ताम्बूल त्याग देना चाहिये।

३२–भोजन के समय एक ब्राह्मण दूसरे ब्राह्मण को स्पर्श न करे।

३३–पिण्ड-निर्माण पत्नी करे।

३४–सधवा-स्त्री भी प्रयाग में दो अंगुल केश कटा सकती है।

३५–मलमास में भी तीर्थश्राद्ध होता है।

३६–श्राद्ध के दिन नित्य-तर्पण, तिल त्याज्य है। श्राद्धाङ्ग तर्पण ही विहित है।

३७–लोहपात्र में श्राद्धदान वर्ज्य है।

३८–अर्घ्यपात्र काँसे का न होना चाहिये।

३९–औरस पुत्र, पौत्र, तत्पुत्र, दत्तक, नप्ता, पत्नी, भ्राता, भतीजा, पिता-माता, बहिन, भागिनेय, सपिण्ड सोदक, क्रमशः श्राद्ध के अधिकारी हैं।

यज्ञ में त्याज्य-पदार्थ

बोड़ा, सहिजन, कोठा, भात, कोदो, गोंद, लाल तुलसी (भक्ष्य में), पालक, हरामिर्च, खारा नमक, काला नमक, सांभर नमक, करौंदा, रहर की दाल, चना, करीर का फल, वायविडंग, पुदीना, छोटी जामुन, परोल, जोन्हरी, बाजरा, मकई, पिपली, मिर्च, कृष्णधान्य, सन, सेव, बर्रे, मदार, धतूर, अड़ूसा, मीठा नींबू, कचनार, कपित्थ, लीची, वनमूँग, पोय, सौंफ, सोवा, मरसा, गाजर, भंटा, केवाच, विजोरा, लिसोड़ा, कमल पादुका, उपानह, रक्त वस्त्र, रक्तपुष्प, मार्जार, चमेली-पुष्प, काञ्जी, पापड़, लोहबान।

यज्ञ में ग्राहय-पदार्थ

तिल, यव, श्वेत चावल, वंशबीज, गेहूँ, मूँग, सोवा, तिल्ली, ककुनी, केला, आम, मूली, अदरक, गो-दही, गोघृत, महिषी-घृत, शहद, ऊख, विदारी, मखाना, अखरोट, सिंघाड़ा, सूरण, बैर, जंगली, शहतूत, अरुई, कटहर, सुथनी, लाजा, खिरनी, ककड़ी, कूट, सरसों का साग, फरेना, जामुन, चिरौंजी, आमला, गूलर, बड़हर, फालसा, कसेरा रायता, चटनी, दालचीनी, तेजपत्ता, लायची, काबुली फल, खरबूजा, परवर, इमली, सोंठ, बथुआ, बिल्व, मुनक्का, अनार, खजूर, सैन्धव, गुड़, चीनी, कपूर, मुलेठी, हींग, खीरा, सतावर, मीठा आलू, नारियल, मड़ुवा, जीरा, धनिया, सत्तू।

अथ मूक प्रश्नानां ज्ञानम्।

प्रश्नाक्षरं द्विगुणितं सैकयुग्वह्निभाजितम्॥ विषमांके जीवचिन्ता समे धातुः प्रकीर्तितः॥ १॥ मूलं शून्ये विजानीयाच्छारदावचनं यथा॥ २॥ दृष्टिवशात्प्रश्नकथनम्॥ व्योमदृष्टिर्भवेज्जीवो-मूलं भूम्यावलोकनम्॥ समावलोकनेधातुर्ज्ञेयं केवलदृष्टिभिः॥ राशिवशात्प्रश्नकथनम्॥ द्विपादचिन्ता अजभे नराणां चतुष्पदानां वृषभेच चिन्ता॥ स्याद् गर्भचिन्ता मिथुनाख्यराशौ कर्के भवेच्च व्यवहारचिन्ता॥ स्याद्रोगचिन्ता मृगराजराशौ स्याद्वल्गुभार्याप्रमदाख्यराशौ॥ वाणिज्यचिन्ता तुलनाम्नि राशौ स्याद् वृश्चिके दुष्टभयादिचिन्ता॥३॥ धनस्यचासे मकरे कलेश्च स्याद्गर्भचिन्ता घटनाम्नि राशौ॥ स्थानस्य मीने सुधिया विचिन्त्यो यो राशिरङ्गे बलवान्स तस्मादिति॥ मम कार्यसिद्धिर्भविष्यति नवेति प्रश्नेतात्कालिकलग्नवशाद्विमर्शः।

केन्द्रत्रिकोणसंस्थाः सौम्याः पापास्त्रिपष्ठलाभेषु ॥ लाभंसिद्धिन्न्रूयात्कार्याणां प्रोपितागमनंचेति
॥१॥ अथाक्षरोपरि ॥ प्रश्नाक्षरं द्विगुणं सैकयुग्वह्नि भाजितम् ॥ एके सिद्धिर्द्विके स्थैर्यं शून्येशून्यं फलं-
भवेत् ॥२॥ अथ सर्वप्रश्नेकार्यसिद्धेरवधि कथनम् ॥ शीघ्रं चरस्थे स्थिरभे स्थिरत्वं गेचरास्पृष्ट-
४ तनौच चन्द्रे ॥ कार्यस्य सिद्धनं रिपुरोगनाशे गमामाद्ये परचक्रभीती ॥ अथ प्रश्नात्समीपदूर ज्ञानम् ।
चरे दूरं बिजानीयात् स्थिरे लाभः स्वमन्दिरे। द्विस्वभावे बहिर्लाभो ग्रहयोगवशाद्वदेत् ॥ ३ ॥ अथ
लाभप्रश्ने कस्यां दिशि लाभो भवेदित्यस्य ज्ञानम् ॥ चरे लग्ने शुभैर्दृष्टे लाभेचन्द्रवलान्विते। त्रिकोण-
केन्द्रगैः सौम्यैर्लाभो भवति तद्दिशि ॥ ५ ॥

हमारा सौर-मण्डल

रात्रि में नक्षत्रों से युक्त आकाश कितना आकर्षक प्रतीत होता है। पूर्णिमा का चन्द्र और अमावस्या के जगमगाते नक्षत्र कैसे सुहावने लगते हैं। उदीयमान बालरवि और अस्ताचल की ओर जाते हुए भास्कर की शोभा अवर्णनीय होती है। किन्तु आज के मानव में प्रकृति के ये खेल कोई भी कुतूहल उत्पन्न नहीं करते, मानो वह इन सब लीलाओं को देखने का अभ्यस्त हो चुका है। पर ये रात और दिन में देदीप्यमान ज्योतिपिण्ड हैं क्या? क्रम से प्रकाश के बाद अन्धकार, चन्द्रमा का घटना-बढ़ना, चमकते हुए तारों का टूटना आदि कैसे होता है? इन प्रश्नों का उत्तर चिरकाल से ही मनुष्य खोजता चला आ रहा है। आज के मानव ने यद्यपि बहुत कुछ जान लिया है, फिर भी अनादिकाल से चली आ रही उसकी यह जिज्ञासा शांत नहीं हुई है।

अति प्राचीन काल में लोकों की यह धारणा थी कि समस्त तारों तथा सूर्य, चन्द्र आदि का केन्द्र हमारी पृथ्वी ही है और सूर्य प्रतिदिन पूर्व से पश्चिम की ओर तथा चन्द्रमा प्रतिमास पश्चिम से पूर्व की ओर पृथ्वी की प्रदक्षिणा करता है। किन्तु कालान्तर में लोगों का यह भ्रम दूर हो गया और उन्हें यह ज्ञात हो गया कि जिसे वे लोग सब कुछ मान बैठे थे वह इस विशाल ब्रह्माण्ड का एक अत्यंत लघु अंश है। सूर्य की परिक्रमा करनेवाले ग्रह अपने उपग्रहों सहित सौर-परिवार या मण्डल कहलाते हैं।

अपने सौर-मण्डल में मुख्यतः (१) बुध, (२) शुक्र, (३) पृथ्वी, (४) मंगल, (५) बृहस्पति, (६) शनि, (७) वारुणी, (युरेनस), (८) वरुण (नेपच्यून) और (९) इन्द्र (प्लूटो) नामक ९ बड़े तथा कुछ हजार अत्यन्त छोटे ग्रह हैं। इनमें से अन्तिम ३ ग्रह१५०वर्ष पूर्व ज्ञात ही नहीं थे। प्राचीन समय में जब पृथ्वी स्थिर मानी जाती थी तब (१) सूर्य, (२) चन्द्र, (३) मंगल, (४) बुध (५) बृहस्पति, (६) शुक्र, (७) शनि, ये सात ग्रह कहलाते थे। दो—राहु और केतु उपग्रह थे। इन दोनों का कोई अकाशीय पिण्ड न था। राहु और केतु वस्तुतः वे दो सम्पात बिन्दु हैं जहा खगोल में सूर्य के मार्ग को चन्द्रमा का मार्ग काटता है तथा ये सम्पात-बिन्दु अस्थिर हैं।

सौर-मण्डल के सभी ग्रह सूर्य के प्रकाश से ही प्रकाशित होते हैं तथा वे सब सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाते रहते हैं। वे सब एक ही दिशा में परिक्रमा करते हैं। जो ग्रह सूर्य के जितना ही निकट रहता है वह उतने ही वेग से चलता है। प्राचीन समय में शनि ही सबसे दूर स्थित ग्रह था तथा वही सबसे मन्द गति से चलनेवाला जान पड़ता था। सम्भवतः इसी कारण उसका नाम शनि या शनैश्चर अथवा धीरे-धीरे चलनेवाला पड़ गया। यह सूर्य का चक्कर लगभग ३० वर्ष में पूरा करता है। किन्तु अब यम के सामने तो यह अत्यन्त तीव्रगामी जान पड़ता है। यम २४९ वर्ष में सूर्य की परिक्रमा पूरी करता है। गुरुत्वाकर्षण की शक्ति द्वारा सूर्य अपने परिवार के सभी सदस्यों को उनकी कक्षा पर बनाये रखता है।

ब्रह्माण्ड में कल्पनातीत दूरियों पर असंख्य स्वतः प्रकाशमान बड़े-बड़े आकाशीय पिण्ड हैं जिनमें हमारा सूर्य एक है। सूर्य आकार में प्रायः गोल है जिसका व्यास ८,६४,००० मील है। इसके सबसे ऊपरी सतह का तापमान लगभग ११,००० डिग्री (फार्नहाइट) है। पृथ्वी से इसकी दूरी लगभग ९,३०,००,००० मील है। इसका धरातल पृथ्वी से १२,००० गुना है तथा आयतन १३,०६,००० गुना अधिक है और वह पृथ्वी की अपेक्षा ३,३३,००० गुना अधिक भारी है।

सूर्य ठोस नहीं है, वह गैस का एक गोला है। यह गैस इतनी दबी हुई है कि सूर्य गैस का होते हुए भी ठोस-सा लगता है। सूर्य के सारे धरातल में भीषण हलचल होती रहती है। उसका कोई भी अंश शान्त नहीं रहता। वह खौलता-सा रहता है और उसमें बराबर विस्फोट होता रहता है। सूर्य के भीतरी भाग में सदैव अति भीषण शक्ति उत्पन्न होती रहती है तथा इस शक्ति की धारा सतह तक आती रहती है। यह शक्ति ताप एवं प्रकाश की रश्मि के रूप में बाहर निकलती रहती है। केवल यही नहीं, अनेक स्थानों पर तो अग्नि की लाल-लाल लपटें निकल पड़ती हैं और ये लपटें सूर्य के धरातल से लाखों मील ऊपर तक पहुँच जाती हैं। इन्हें रक्त-ज्वालाएँ कहते हैं। इन रक्तज्वालाओं का वेग कई हजार मील प्रति मिनट होता है। सूर्य-बिंब के प्रचंड तेज के कारण ये ज्वालायें दिखलाई नहीं पड़तीं। परन्तु जब कभी सर्वसूर्यग्रहण लगता है तो ये ज्वालायें बड़ी चटक दिखलाई पड़ती हैं। सूर्य आग का एक जलता हुआ गोला है, किन्तु उसका यह वर्ण फीका-सा है, सूर्य की आग के सामने हमारी सबसे तप्त बिजली की भट्ठी की भी आग शीतल लगेगी। सूर्य की लपटें रासायनिक रूप से यहाँ की आग की लपटों से भिन्न होती है। पृथ्वी पर आग की लपटों में हल्की गैस ही रहती है, पर सूर्य की ज्वालाओं और इन गैसों के अतिरिक्त लोहा, ताँबा, सीसा, चाँदी, सोना आदि भी वाष्प के रूप में रहता है। वहाँ की कल्पनातीत गर्मी के कारण सभी पदार्थ गैस का रूप धारण कर लेते हैं। यह तो सूर्य के ऊपरी धरातल की दशा है। सूर्य के केन्द्र की गरमी का वर्णन करना तो असम्भव ही है। अनुमान है कि वहाँ का तापक्रम चार करोड़ डिग्री से अधिक ही होगा।

रक्त-ज्वालाओं के अतिरिक्त सूर्य के धरातल पर अत्यन्त बड़े-बड़े ज्वालामुखी पर्वत के मुंह के समान विशालकाय गड्ढे भी धुआँ उगलते हुए दिखलाई पड़ते ह। पृथ्वी पर से वे केवल काले धब्बों के रूप में दिखलाई देते हैं। इन सूर्य के धब्बों को सूर्य-कलंक कहते हैं। ये कलंक स्थायी नहीं होते। वे बनते बिगड़ते रहते हैं। इन्हें लगातार देखते रहने पर यह भी पता चल जाता है कि सूर्य भी अपनी धुरी पर नाचता रहता है तथा लगभग ३८ दिन में वह एक चक्कर लगा लेता है। ये धब्बे काले इसलिए प्रतीत होते हैं कि उनके चारों तरफ का सूर्य-बिंब उनसे कहीं अधिक चमकीला रहता है। इन कलंकों के संबंध में एक आश्चर्यजनक बात यह है कि इसकी संख्या नियमानुसार ११ वर्ष के चक्र में घटती-बढ़ती रहती है। एक वर्ष ऐसा आता है कि जब कलंकों की संख्या बहुत बढ़ जाती है तथा उनके आकार भी काफी बड़े रहते हैं। इसके बाद इन धब्बों की संख्या तथा उनके आकार घटने लगते हैं और एक समय आता है जब बहुत थोड़े से धब्बे तथा वे भी बहुत छोटे आकार के रह जाते हैं। इसके बाद पुनः उनकी संख्या तथा आकार में वृद्धि होने लगती है। इसी प्रकार ११ वर्ष का एक चक्र-सा चलता रहता है। इसका क्या कारण है? ऐसा क्यों होता है? इसके ज्ञान का प्रयास हो रहा है।

सूर्य के चारों तरफ एक वायुमण्डल भी है। यह उसके चारों ओर बहुत दूर तक फैला हुआ है। यह सूर्य-ग्रहण के समय मोती के समान झलकता है। इसे सूर्य-मुकुट अथवा अंग्रेजी में 'काँरोना' कहते हैं। सम्भवतः प्राचीन ज्योतिष-ग्रन्थों में उसी का नाम प्रवह-वायु है।

सूर्य को छोड़कर चन्द्रमा ही सबसे बड़ा आकाशीय पिण्ड प्रतीत होता है, किन्तु वास्तविकता ठीक उसके विपरीत है। यह हमारे सौर-परिवार का सबसे छोटा पिण्ड है। पृथ्वी के सबसे निकट होने के कारण ही यह इतना बड़ा दिखलाई पड़ता है। इसकी दूरी नाप ली गयी है और यह पृथ्वी से २,३९,००० मील दूर है। इसका व्यास केवल २,१६० मील है। चन्द्रमा पृथ्वी की परिक्रमा करता है। तारों के बीच उसे चलता हुआ आसानी से देखा जा सकता है। चन्द्रमा धीरे-धीरे बढ़ता रहता है और

एक दिन चन्द्र-बिंब पूर्ण दिखलाई पड़ता है। उस दिन को पूर्णिमा कहते हैं। चन्द्रमा एक पूर्णिमा से दूसरी पूर्णिमा तक अथवा दूसरे शब्दों में पृथ्वी के चारों ओर अपना एक चक्कर लगभग २९ दिन में (२९ दिन १२ घंटा ४४ मिनट ५ सेकेंड) में पूरा करता है। चन्द्रमा कभी पूर्ण-बिंब में, कभी आधा और कभी धनुषाकार नारंगी की एक फॉंक के रूप में दिखलाई पड़ता है। उसके आकार में इस प्रकार के क्रमिक परिवर्तन को चन्द्रमा की कलाएँ कहते हैं। कलाएँ दिखलाई पड़ने का कारण यह है कि स्वयं चन्द्रमा में कुछ चमक नहीं है, जिधर सूर्य का प्रकाश पड़ता है उधर का ही भाग हमें चमकता हुआ प्रतीत होता है। परन्तु चन्द्रमा चाहे किसी भी स्थिति में रहे, उसका आधा भाग अर्थात् उसका पृष्ठ भाग पृथ्वी के सामने कभी भी नहीं आता, किन्तु द्वितीया तथा तृतीया के चन्द्रमा में उसके अदृश्य भाग का आभास मात्र मिलता है। अब चन्द्रमा के दोनों पृष्ठों का फोटो भी ले लिया गया है।

चन्द्रमा पर वायुमण्डल नहीं है। इसलिए न वहाँ कभी बादल होते हैं और न वर्षा। वहाँ कोई नदी और समुद्र नहीं है। चन्द्रलोक पूर्णतया मृत है। सूर्य के समान यहाँ हलचल या कोई क्रिया नहीं होती। चन्द्रमा की सतह पर बड़े-बड़े मैदान सपाट, ऊँचे पहाड़ तथा बड़ी-बड़ी दरारें दिखलाई पड़ती हैं। इन्हें चन्द्र-कलंक कहते हैं। चारों ओर ज्वालामुखी छिटके हुए हैं, जिन्हें देखकर ऐसा मालूम होता है कि किसी समय चन्द्रमा में अनेक ज्वालामुखी पर्वत थे जो अब मृत हो गये हैं। इन पहाड़ों तथा ज्वालामुखियों के किनारों की विशेषता यह है कि वे बड़े तीक्ष्ण और चमकदार हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे वे हाल ही में बने हों। पृथ्वी पर आँधी पानी के कारण पहाड़ों के धारदार किनारे धुल और बह जाते हैं, किन्तु चन्द्रमा पर वर्षा तथा आँधी-पानी का अभाव होने के कारण पहाड़ सदा धारदार ही बने रहते हैं। साथ ही वहाँ वायुमण्डल के न होने के फलस्वरूप प्रकाश बिखरने नहीं पाता, इसलिए धूप में स्थित भाग खूब चमकते हुए और साये में पड़े भाग काले दिखलाई पड़ते ह। चन्द्रमा पर लगभग १५ दिन की रात और १५ दिन का दिन होता है। वहाँ के दोपहर के समय, जब सूर्य प्रायः शिरो-बिन्दु पर पहुँचता है, इतनी गर्मी पड़ती होगी कि यदि वहाँ पानी होता वह खौलने लगता। इसी प्रकार यहाँ की मध्य रात्रि में इतनी भीषण सर्दी पड़ती होगी कि उसमें पानी क्या बहुत-सी गैसें भी जम जायँगी। चन्द्रमा के आकर्षण के कारण पृथ्वी के समुद्रों में ज्वार-भाटा भी आते हैं। जब सूर्य तथा चन्द्रमा एक सीधी रेखा (१८०°) पर होते हैं तब उनका आकर्षण सबसे अधिक होता है और तभी सबसे बड़ा ज्वार आता है। यह पूर्णिमा के दिन होता है।

अन्य ग्रहों के समान हमारी पृथ्वी भी एक ग्रह है तथा यह सूर्य की प्रदक्षिणा करती है। चन्द्रमा से देखने पर पृथ्वी में भी कलायें दिखलाई पड़ती होंगी। पृथ्वी के चारों ओर एक वायुमण्डल है तथा इसका लगभग ५वाँ भाग आक्सीजन है। इसकी परिधि लगभग २५,००० मील है और व्यास ७,९२० मील है। यह २४ घंटे में अपनी धूरी पर एक चक्कर पूरा कर लेती है तथा इसके अतिरिक्त सूर्य के चारों ओर अपनी कक्षा पर लगभग ३५५ दिन में अपनी एक प्रदक्षिणा पूरी करती है। इसकी यह कक्षा गोल न होकर अण्डाकार है। पृथ्वी के अपनी धूरी पर घूमने के फलस्वरूप दिन रात तथा अपनी कक्षा पर चक्कर करने के कारण ऋतुएँ होती हैं।

बुध सबसे छोटा किन्तु सूर्य के सबसे निकट रहनेवला ग्रह है। आकाश में यह लगभग पृथ्वी का आधा है और ८८ दिन में सूर्य की प्रदक्षिणा कर लेता है। हमारी पृथ्वी और सूर्य के बीच में स्थिर होने के कारण यह सन्ध्या समय या प्रातःकाल ही दिखलाई पड़ सकता है। अधिक रात्रि हो जाने पर यह दिखलाई नहीं पड़ता, क्योंकि उस समय वह सूर्य के साथ क्षितिज के नीचे चला गया रहता है। सन्ध्या समय इसका देखना इसलिए सम्भव रहता है कि उस समय यह क्षितिज के यथेष्ट ऊँचाई पर रहता है और तुरन्त अस्त हुए सूर्य से काफी प्रकाश आता रहता है। यही बात प्रातःकाल भी होती है, उस समय भी सूर्य उगनेवाला ही होता है। बुध पर कोई वायुमण्डल नहीं है, इसलिए चन्द्रमा के समान वहाँ भी चमकते धारदार पहाड़ हों तो कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। वहाँ धूप में ऐसी गरमी पड़ती होगी जिसमें भूमि तप्त हो जाती होगी तथा सीसा भी पिघल जाता होगा तथा ऐसी भीषण शीत पड़ती होगी जिसमें कोई भी प्राणी (यदि वहां हो) जीवित न रह सकता होगा। इस ग्रह का पता पीछे लगा अतः इसका नाम 'ज्ञ' भी है।

बुध के समान शुक्र भी केवल सूर्योदय के लगभग ३ घण्टे पूर्व और सूर्यास्त के करीब ३ घंटे बाद तक ही दिखलाई पड़ता है, क्योंकि यह भी सूर्य तथा पृथ्वी के मध्य में स्थित है। यह बुध की अपेक्षा सूर्य से लगभग दूनी दूरी पर है। सूर्य-परिवार में चन्द्रमा के बाद यह सबसे चमकदार ग्रह है। यह इतना चमकीला है कि बहुधा दिन में भी देखा जा सकता है विशेषकर यदि इसके स्थान का पता रहे। आकार तथा वजन में यह बहुत कुछ पृथ्वी के समान है तथा इसके चारों तरफ एक वायुमण्डल भी है। यह सूर्य की परिक्रमा २२५ दिन में कर लेता है। सदैव बादलों से ढके रहने के कारण इसका धरातल दूरदर्शक-यन्त्र से भी नहीं देखा जा सकता। शुक्र के बहुत मचकीला होने का सम्भवतः एक कारण यह भी है कि यह सफेद बादलों से ढका रहता है। बुध तथा शुक्र दोनों सूर्य की कक्षा-अंश से ६० अंश के भीतर ही रहते हैं अतः इन्हें पार्श्वग्रह भी कहते हैं।

हमारी पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि आदि ग्रहों के मार्ग के भीतर पड़ती है. इसलिए इन ग्रहों को प्रायः बाहरी ग्रह भी कहते हैं। कोई भी बाहरी ग्रह जब सूर्य से विपरीत दिशा में पहुँच जाता है तो अर्द्धरात्रिमें वह ग्रह ठीक हमारे सर के ऊपर रहता है, यदि ठीक सर पर नहीं तो कम-से-कम शिरोबिन्दु से हटकर उत्तरदक्षिण रेखा पर रहता है। उस समय वह ग्रह अपनी महत्तम चमक पर रहता है, क्योंकि पृथ्वी से तब उसकी दूरी सबसे कम रहती है। ऐसे अवसरों पर मंगल और बृहस्पति दोनों बहुत चमकीले जान पड़ते हैं। मंगल में कुछ लाली रहती है तथा बृहस्पति बहुत कुछ पीत-सा दींखता है। पर मंगल की महत्तम चमक शुक्र की महत्तम चमक का केवल दसवाँ भाग ही होता है। शेष ग्रह बृहस्पति और मंगल से बहुत मंद हैं। शनि साधारण तारे-सा लगता है और वारुणी आँखों से केवल देखा ही जा सकता। वरुण केवल दूरदर्शक यन्त्र से ही देखा जा सकता है। और यम को देखने के लिए तो बहुत बड़ा दूरदर्शक-यन्त्र चाहिए।

मंगल पृथ्वी के निकटतम है। यह पृथ्वी से बहुत छोटा है तथा इसका व्यास पृथ्वी के व्यास के आधे से कुछ ही बड़ा है। यह ६८६ दिनों में सूर्य की परिक्रमा पूर्ण कर लेता है। वायुमण्डल के अत्यन्त क्षीण होने के कारण वहाँ बड़ी सरदी पड़ती होगी और मध्यरात्रि में तो वहाँ के विषुवत्‌रेखा पर हमारे यहाँ के ध्रुवों के समान शीत पड़ती होगी। मंगल से आये प्रकाश की जांच से ज्ञात हुआ है कि वहाँ भी ज्वालामुखी-पर्वतों से निकले पत्थर और राख की तरह मिट्टी होगी। इसलिए वहाँ सूर्य की गर्मी धरातल के बहुत नीचे तक प्रवेश न कर पाती होगी, अतएव वहां भूमध्यरेखा के आस-पास भी दोपहर में वैसी ही गरमी पड़ती होगी जैसी जाड़ों के ऋतु में उत्तर भारत में पड़ती है। लोगों का पहले अनुमान था कि मंगल ग्रह में भी प्राणी बसते हैं तथा वहाँ भी वनस्पतियाँ उगती हैं। मंगल पर सीधी पतली रेखायें देखी गयी हैं जिन्हें पहले लोग नहरें मानते थे तथा उनका अनुमान था कि इन नहरों को बुद्धिमान् प्राणियों ने बनाया होगा। पर अब यह स्पष्ट हो गया है कि इस धारणा में कोई तथ्य नहीं है।

बृहस्पति सौर-परिवार के ग्रहों में सबसे बड़ा है। यह सूर्य की प्रदक्षिणा लगभग १२ वर्ष में पूर्ण करता है। पृथ्वी से बड़ा होने पर भी यह अपनी धुरी पर अधिक वेग से नाचता है और केवल १० घण्टे में ही अपना एक चक्कर लगा लेता है। इसी से यह अधिक चिपटा हो गया है और इसका मध्य भाग बाहर की ओर फैल गया है। सम्भवतः सबसे बड़ा होने के कारण ही धार्मिक गाथाओं में देवताओं

का गुरु कहा गया है । **शनि** कई बातों में अन्य ग्रहों से भिन्न है । इसके तीन 'वलय' हैं । ये वलय इसे चारों ओर छल्ले के समान घेले रहते हैं तथा इन छल्लों की मोटाई २० से ४०मील तक की है । इन तीनों वलयों में से बीचवाले की चौड़ाई लगभग २० हजार मील है । शनि का व्यास ७५ हजार मील है । शनि का धरातल ठोस नहीं है, वह पिघले हुए द्रव या गैस का है । लगभग ३० वर्ष में यह अपनी एक परिक्रमा पूरी करता है । वारुणी तथा वरुण क्रमशः ८४ वर्ष तथा १६५ वर्ष में अपनी परिक्रमायें पूरी करते हैं । यह सौरमण्डल का सबसे दूर-स्थित ग्रह है । यह सबसे पहले सन् १९३० में देखा गया । २८४ वर्षों में यह अपनी कक्षा पर सूर्य का एक चक्कर लगा लेता है ।

आँकड़ों में सौर-परिवार

ग्रह का नाम		सूर्य से औसत दूरी (मीलों में)	व्यास (मीलों में)	सूर्य की परिक्रमा का समय (दिनोंमें)	उपग्रहों की संख्या
१. बुध	...	३,६०,००,०००	३,०००	८७,९७	—
२. शुक्र	...	६,७०,००,०००	७,०००	२२४,७०	
३. पृथ्वी	...	९,३०,००,०००	७,९३०	३६५,२६	१
४. मंगल	...	१२,१०,००,०००	४,२००	६८६,९८	२
५. वृहस्पति	...	४८,३०,००,०००	८७,०००	४,३३२,५९	९
६. शनि	...	८८,६०,००,०००	७१,०००	१०,७५९,२०	९
७. वारुणी	...	१,७८,२०,००,०००	३२,०००	३०,८८५,९३	४
८. वरुण	...	२,७९,३०,००,०००	३३,०००	६०,१८७,६४	१
९. यम अथवा अतिशनि	...	३,६८,००,००,०००	४,०००	९०,४७९,२३	--

मंगल और वृहस्पति के बीच कई हजार छोटे-छोटे पिण्ड हैं जिन्हें अवान्तर ग्रह कहते हैं । इनमें से लगभग २,००० ग्रह देखे जा सकते हैं और उनके नाम भी रखे जा चुके हैं । ये ग्रह भी मंगल तथा बृहस्पति के बीच अपनी कक्षा पर सूर्य की परिक्रमा किया करते हैं ।

सूर्य के परिवार में केतु और उल्काओं की भी गणना की जाती हैं, क्योंकि केतु भी सूर्य की प्रदक्षिणा करते हैं और उल्कायें केतु के ही चूर हैं । कुछ केतु बहुत बड़े तथा चमकीले भी होते हैं, इतने बड़े कि क्षितिज से शिरोबिन्दु तक उनकी पूँछ फैली रहती है । पूँछ के कारण केतुओं को पुच्छलतारा भी कहते हैं । धूम केतु या केतु की पहचान उनकी कक्षा से की जाती है । ये कक्षायें ग्रहों की कक्षाओं की तरह गोल नहीं होतीं । इनका मार्ग बहुत लम्बा होता है । इनके मार्ग का पता आज तक वैज्ञानिकों को नहीं चल सका । इनका उगना अनिष्टकारक है । यह केतु राहु का साथी नहीं है ।

पृथ्वी, बुध, शुक्र, मंगल इत्यादि ग्रह हैं, क्योंकि ये सब सूर्य की प्रदक्षिणा करते हैं । चन्द्रमा उपग्रह है, क्योंकि वह सूर्य की नहीं किन्तु एक ग्रह (पृथ्वी) की ही परिक्रमा करता है । अन्य ग्रहों के भी उपग्रह हैं । दो सबसे बड़े ग्रहों—बृहस्पति और शनि—के ९-९ उपग्रह हैं । वारुणीके ४, मंगल के दो तथा पृथ्वी और वरुण के एक-एक उपग्रह हैं । बुध, शुक्र और यम के कोई भी उपग्रह नहीं हैं ।

ज्यौतिष और आकाश

यदि हम सभ्यता शरीर में से कला-विद्या रूपी प्राणात्मा बहिर्भूत कर दें तो सभ्यता-शरीर-निष्क्रिय-निष्प्राण हो जाय । यही कारण है कि हमारे प्राचीन पूर्वज इस अनिर्वचनीय फल की ही इयत्ता पर निर्भर रहे । इसके अतिरिक्त जो आत्मा और ईश्वर सम्बन्धी ज्ञान की परम तेजपुञ्ज शक्ति को प्राप्त करके राजर्षि-महर्षि आदि पदों पर आसीन रहें । ये प्रातःस्मरणीय तेजपुञ्ज-महात्मा हमारे देश के नायक-उन्नायक रहे । इन्होंने जो ज्योति-संसार पर गहन अध्ययन किया और ग्रन्थों का निर्माण किया । सूर्य भगवान्, बादरायण, व्यास, वशिष्ठ, अत्रि, पराशर, गर्ग, नारद आदि चौदह महर्षि ज्यौतिष-शास्त्र के प्राचीन प्रणेता हैं । इन ऋषियों द्वारा ही हमारा उक्त शास्त्र तीन विभागों में विभक्त है—सिद्धान्त, संहिता और मुहूर्त । सम्प्रति साधारण जनता में इसके गणित और फलित दो ही नाम प्रसिद्ध हैं ।

तथोक्त शास्त्र प्रवर्त्तकों के पश्चात् भी आचार्यों ने इस अद्भुत शास्त्र और अद्भुत आकाश का अवलोकन, परिवीक्षण, मनन और अध्ययन आगे बढ़ाया तथा उस शास्त्र-अट्टालिका पर आसीन होने के लिये विविध सोपानों का निर्माण किया । कहना न होगा कि उन लोगों में प्रत्येक की रुचि केवल सिद्धान्त (गणित) की ओर ही थी और स्वान्तः सुखाय ही वे लोग इस ओर प्रवृत्त होते थे और फलवादियों को निम्न-दृष्टि से देखते थे । आज भी उच्च-कोटि के सिद्धान्तज्ञ (गणितज्ञ) फलितज्ञों के प्रति वही भावना रखते हैं ।

परन्तु साधारण जनता उस ओर निमिष-मात्र भी नहीं देख सकती थी, अतः फलित पर प्रकाश पड़ा । तथोक्त ऋषियों ने ब्रह्माण्ड में होनेवाले भविष्य के अद्भुत चमत्कारों की घोषणायें आरम्भ कर दी । इस प्रकार उनकी मनोकामना पूरी हुई । जनता इस ओर आकृष्ट हुई और इस शास्त्र का अध्ययन परम्परागत हो गया । जैमिनि, भृगु और पराशर ने मानव सम्बन्धी फलित शास्त्रों का भी निर्माण किया । शेष ने मुहूर्त और प्रकृति सम्बन्धि विचित्र-परिस्थितियों पर प्रकाश डाला । इन्हीं खण्डों का नाम मुहूर्त और संहिता पड़ा । ग्रहों की भिन्न-भिन्न स्थितियों, युतियों, युद्धों आदि के अवश्यम्भावी फलों का वर्णन संहिता में है (भृगु संहिता इसका अपवाद है) ।

इस प्रकार निर्विवाद हो गया कि फलित के कारण ही ज्यौतिष की प्रसिद्धि सर्व-साधारण में हुई । अतः इसके पठन-पाठन का क्रम सुचारु रूप से आगे बढ़ चला और अधिक से अधिक छात्र इस ओर प्रवृत्त होने लगे । ऋषियों को भय हुआ कि यह लोग इस शास्त्र की मर्यादा कदाचित् भंग न करें, अतः फलित पाठकों के लिए प्रतिबन्ध लगा दिये गये । "जो छात्र व्याकरण, छन्द, सिद्धान्त आदि का अध्ययन कर लें वे ही फलित पढ़ सकते हैं ।"

इस प्रतिबन्ध-के आबद्ध - पाश की सीमा जब तक रही तब तक इस शास्त्र की मर्यादा भी रही । जब उसकी सीमा टूटी तभी हमारे कान यह सुनने गो बाध्य हैं कि "फलित अशुद्ध" हैं, "हम फलित को नहीं मानते" आदि । इस अशुद्धि का घातक भार यदि पाठकों पर है तो राज्याधिकारियों पर कम नहीं । राज्याश्रय से हीन होने पर ही इस शास्त्र की दीन-गति हुई ।

वास्तव में जितना शुद्ध गणित है उतना ही शुद्ध फलित भी है । यदि वह शुद्ध गणित के आधार पर कहा गया हो, देश-काल के अनुरूप हो, जैसे—"२५ मार्च पूर्णिमा को उल्कापात होगा", यह फल कहा गया । गणित में २४ मार्च को ही पूर्णिमा बताया । अब यहाँ पर फलित अवश्य अशुद्ध होगा । अतः यह निर्विवाद है कि यदि गणित शुद्ध होगा तो फलित भी अवश्य शुद्ध होगा । इसका साक्षात् प्रमाण है ज्वार-भाटा ।

अब समय आ गया है । अपनी सरकार है, अपनी भूमि है और है अपना आकाश । हमारा और सरकार का परम कर्त्तव्य है कि इस शास्त्र को प्रबुद्ध करे, आवश्यक यन्त्रों, नियमों द्वारा इसके पाठकों को प्रखर बनायें । जैसा कि उत्तर-प्रदेश की सरकार ने किया है ।

यह तो हुई भारतीय ज्यौतिष की बात । विदेशों में भी प्राचीन और अर्वाचीन काम में ज्यौतिषी हुये हैं और हैं । यूनान मिश्र के ज्यौतिषियों की कृतियाँ आज दिन विद्यमान हैं । विदेशी ज्यौतिष का प्रभाव भी हमारी इस विद्या पर पड़ा है और पड़ रहा है । "नीलकण्ठी" नाम की

पुस्तक में 'मूसरीफ', 'ताजिक' आदि शब्द विदेशी हैं, आज दिन विदेशी गणितज्ञ अपने सूक्ष्मवीक्षण यन्त्रों को लेकर प्रयोगशाला में बैठे इसी आकाश-मण्डल की नींद सोते और जागते हैं। हर्षल (अतिशनि), नेपच्युन (वरुण) प्लुटो (इन्द्र) का निरीक्षण और नामकरण उक्त गणितज्ञों क ही श्रम का फल है। उन लोगों न उक्त प्राचीन ग्रहों और उपग्रहों की भी भूमि से उपमा दी है। पहाड़, नदी, झील आदि का न्यास भी उक्त ग्रहों मे कहा गया है। वे विज्ञ चन्द्रमा को जीव-रहित (डेडबाडी) कहत हैं।

अव भारतीय गणितज्ञ भी ज्ञान प्रबुद्ध हैं। भारत की सबसे बड़ी, विश्व की पाँचवी वेधशाला, हैदराबाद में है। उज्जैन में भी उक्त विषय का यन्त्र है। माननीय श्रा सम्पूर्णानन्दजी के प्रयास से उत्तर प्रदेश में भी यन्त्र मँगाये गये हैं स्थापित भी हैं। किन्तु उक्त दिनों स्थानों पर निरीक्षण का काम मन्द गति से चल रहा है। इस ओर जनता और सरकार को ध्यान देने की आवश्यकता है। हम ज्यौतिषियों को अपार हर्ष होगा कि उत्तरप्रदेशीय सरकार काशी में कुछ वेध सम्बन्धी यन्त्र लगावे। कुछ ज्ञातव्य वातों का विवरण नीचे दिया गया है।

रात्रि में जब आकाश बहुत स्वच्छ रहता है, तब दीपक की तरह टिमटिमाते हुए अगणित तारे अथवा पिण्ड दीख पड़ते हैं। तारे पृथ्वी से बहुत दूर हैं, पृथ्वी से सूर्य की दूरी नौ करोड़ उन्तीस लाख मील है। परन्तु सबसे पास वाले तारे की दूरी इस दूरी की दो लाख अस्सी हजार गुनी अर्थात् (२,६०,१२,००,००,००,०००) २ नील ६० खरब १२ अरब मील है। सबसे चमकीले तारे लुब्धक की दूरी उसकी दूनी अर्थात् ५ नील २० खरब २४ अरब मील हैं।

इन दूरियों को देखने से यह प्रकट है कि इससे भी दूरवाले तारों की दूरी को मिली में लिखना या कहना कितना दुष्कर हैं। इसलिए ज्योतिषियों ने एक अद्भुत इकाई की कल्पना की है जिसे प्रकाश-वर्ष कहते हैं। यह अच्छी तरह सिद्ध हो गया है कि प्रकाश की गति प्रति सेकेण्ड १,८६,००० मील है। सूर्य से यहाँ तक प्रकाश के आने में ८ मिनट १८ सेकेण्ड लगते हैं। इस हिसाब से एक सायन वर्ष में प्रकाश (५८,६९,५८ ८२,५०,८८०) ५८ खरब ६९ अरब ५८ करोड़ ८२ लाख ५० हजार ८ सौ अस्सी मील चलता है। इसी दूरी का नाम प्रकाश-वर्ष है।

सौर जगत् उन सब ग्रहों, उपग्रहों, धूमकेतुओं और उल्का इत्यादि समूहों को कहते हैं जिनका कुछ न कुछ सम्बन्ध सूर्य से रहता है। आकाश के कुछ पिण्ड ऐसे हैं जो सूर्य की परिक्रमा किया करते हैं। इन्हीं पिण्डों को ग्रह कहते हैं। बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, गुरु, शनि, इन्द्र (यूरेनस), वरुण (नेपच्युन) और अतिशनि (हर्षल) ये नव प्रधान ग्रह हैं। पिछले तीन ग्रहों का पता डेढ़ सौ वर्ष पहले नहीं था। इनके सिवा अनेक छोटे-छोटे पिण्ड ऐसे हैं जो दीख नहीं पड़ते, परन्तु मंगल और गुरु की कक्षाओं के बीच सूर्य की परिक्रमा किया करते हैं। इनकी अवान्तर-ग्रह कहते हैं। कुछ ऐसे पिण्ड भी हैं जो ग्रहों की परिक्रमा करते हैं और ग्रहों के साथ ही साथ सूर्य की भी परिक्रमा किया करते हैं। ऐसे पिण्डों को उपग्रह कहते हैं। पृथ्वी का उपग्रह हमारा प्रसिद्ध पड़ोसी चन्द्रमा है। मंगल, गुरु और शनि के भी अनेक उपग्रह हैं।

धूमकेतु भी सूर्य की परिक्रमा करते हैं। परन्तु इनकी कक्षा लम्वाई में बहुत दूर तक फैली रहती है। कई धूमकेतुओं की परिक्रमा का समय और कक्षा के आकार जान लिये गये हैं। धूमकेतु को साधारणतः पुच्छल तारा या झाड़ू तारा कहते हैं, क्योंकि इनका आकार झाड़ू की तरह होता है। उल्का उन आकाशीय पिण्डों को कहते हैं जो आकाश में कहीं-कहीं एक क्षण के लिए चमक कर फिर विलीन हो जाते हैं। इनको टूटने वाले तारे भी कहते हैं।

सूर्य पृथ्वी से ३ लाख ३३ हजार गुना भारी है। चन्द्रमा पृथ्वी से २ लाख ८ हजार मील दूर है। सूर्य का आयतन पृथ्वी से १३ लाख गुना बड़ा है। सूर्य पृथ्वी से ९ करोड़ ३० लाख मील दूर है। सूर्य पृथ्वी से व्यास में १०८ गुना बड़ा है।

क्रान्तिवृत्ति——आकाशमंडल में सूर्य जिस मार्ग से परिक्रमा करते हुए दिखाई देते हैं। उसे क्रान्तिवृत्त कहते हैं और जितने समय में सूर्य इस वृत्त की एक परिक्रमा करते हैं उसे सौरवर्ष कहते हैं। क्रान्तिवृत्त, गोल-चक्र के समान है। इस में ३६० अंश होते हैं। इन अंशों के १२ भाग किये गये हैं। प्रत्येक ३० अंश के एक भाग को राशि कहते हैं।

राशियाँ——राशियाँ १२ हैं। इनके क्रमानुसार नाम हैं——मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुम्भ और मीन। ज्योतिष में राशियों का प्रमुख स्थान है, अतएव यह आवश्यक है कि इनके क्रमानुसार नाम स्मरण रहें।

मानव वर्ष की गणना—हमारे यहाँ पाँच प्रकार की गणना प्रधान रूप में है—(१) सौर, (२) चान्द्र, (३) सावन (४) नाक्षत्र और (५) बार्हस्पत्य। यथावसर इनका प्रयोग दैनिक कार्यों में होता है।

पंचांग—वार, तिथि, नक्षत्र, योग और करण नामक ५ मुख्य विषयों का जिससे निश्चय किया जाय उसे पंचांग कहते हैं।

वार—ज्यौतिष-संसार में वारों का आरंभ सूर्योदयकाल से होता है। वार प्राचीन ग्रहों के नाम से ७ हैं जो सभी को ज्ञान हैं।

तिथि——अमान्त में सूर्य चन्द्र एक सीध में (ऊपर नीचे) आ जाते हैं। चन्द्रमा के १२ अंश आगे बढ़ने पर प्रतिपदा होती है, २४ अंश आगे बढ़ने पर द्वितीया। इसी प्रकार दूसरी अमावस्या तक क्रान्ति वृत्त के २६० अंश पूर्ण होते हैं, इसीलिए अमावस्या को ३० लिखा जाता है।

करण—आधी तिथि जितने समय में बीतती है उसे करण कहते हैं। ये कुल ११ हैं—बव, बालव, कौलव, तैतिल, गर, वणिज, वृष्टि या भद्रा, शकुनी, चतुष्पद, नाग और किंस्तुघ्न। प्रथम ७ करण चर और अंतिम ४ स्थिर करण कहलाते हैं। शुक्लपक्ष की प्रतिपदा के पूर्वार्द्ध में किंस्तुघ्न। उत्तरार्द्ध में बव, कृष्णपक्ष की १४ के उत्तरार्द्ध में शकुनि, अमावस के पूर्वार्द्ध में चतुष्पद और उत्तरार्द्ध में नाग करण होता है। विष्टि या भद्रा अनेक कार्यों के लिए अनिष्ट समझी जाती है। प्रस्तुत पंचांग में भद्रा का काल घटी-पल में दिया गया है।

नक्षत्र——चन्द्रमा अपनी मध्यम गति से २७ दिन में १८ घड़ी १८ पल और १६ विपल में (३६०) अंश क्रान्तिवृत्त का एक चक्कर लगाता है। चन्द्रमा के इस मार्ग के २७वें भाग को नक्षत्र कहते हैं। इस प्रकार १ नक्षत्र या १३ अंश २० कला या ८०० कला की होती है। चन्द्रमा जिस नक्षत्र में जितने समय तक रहता है उतने समय तक उस नक्षत्र की गणना होती है। चन्द्रमा की स्पष्ट गति सदा समान नहीं होती, इसलिए नक्षत्र का मान भी सदा समान नहीं होता। सूर्योदय से जितने कड़ी और पल जो नक्षत्र रहता है उसके सामने वही घड़ी और पल दिया गया है। नक्षत्र २७ हैं। इनके नाम क्रमानुसार ये हैं——अश्विनी, भरणी कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तर फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाती, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़, उत्तराषाढ़, श्रवण, घनिष्ठा, शतभिष, पूर्वा भाद्रपद, उत्तरा भाद्रपद और रेवती। कुछ आचार्यो ने 'अभिजित्' नामक एक २८वें नक्षत्र की कल्पना की है जिसका स्थान उत्तरापाढ़ा और श्रवण के बीच में है और जिसका मान उत्तराषाढ़ा का अंतिम चौथा और श्रवण का प्रथम पन्द्रह घटी है।

योग——योग का अर्थ है दो वा दो से अधिक का मिलन। इस प्रकार के योग अनेक प्रकार के होते हैं। पंचांग में जो योग दिये रहते हैं वे स्थिर-योग हैं। सूर्य और चन्द्रमा किसी समय जिन-जिन

नक्षत्रों में रहते हैं उस समय उन नक्षत्रों के मिलन से जो योग बनता है वह स्थिर योग कहलाता है। ये २७ हैं। इनके क्रमानुसार नाम ये हैं—विष्कुम्भ, प्रीति, आयुष्मान्, सौभाग्य, शोभन, अतिगण्ड, सुकर्मा, धृति, शूल, गण्ड, वृद्धि, ध्रुव, व्याघात, हर्षण, वज्र, सिद्धि, व्यतिपात, वरीयान्, परिघ, शिव, सिद्धि, साध्य, शुभ, शुक्ल, ब्रह्म, ऐन्द्र और वैधृति।

अन्य प्रकार के योग—(१) तिथि और वार, (२) तिथि और नक्षत्र, (३) तिथि, वार और नक्षत्र, (४) नक्षत्र और तिथि, (५) नक्षत्र और वार के योग से बनते हैं।

संक्रान्ति—जब सूर्य १ राशि अर्थात् क्रान्तिवृत्त के ३० अंश की परिक्रमा समाप्त कर दूसरी राशि में प्रवेश करते हैं तब संक्रान्ति होती है। संक्रान्ति-काल पुण्य-काल माना गया है। राशियाँ १२ हैं, अतएव साल में १२ संक्रान्तियाँ हुईं। एक संक्रान्ति से दूसरी संक्रान्ति तक के समय को सौर-मास कहते हैं। सौरवर्ष का आरंभ मेष की संक्रान्ति से होता है जो प्रायः १३ अप्रैल को होती है।

नक्षत्र और नक्षत्र-चरण—चन्द्रमा की गति के अनुसार क्रान्तिवृत्त के १०८ भाग किये गये हैं, जो नक्षत्र-चरण कहलाते हैं। इसलिये हर एक अक्षर वा नक्षण-चरण ३६०÷१०८—३$\frac{१}{३}$ अंश का हुआ। प्रत्येक नक्षत्र १३ अंश का और ९ चरण अथवा ३० अंश की एक राशि हुई।

चन्द्र राशि व नक्षत्र—ऊपर के कथन के अनुसार चन्द्रराशि व नक्षत्र तथा सूर्यराशि और नक्षत्र एक ही हैं, किन्तु सूर्य और चन्द्रमा के भोगने का क्रम भिन्न है। सूर्य एक राशि को १ मास में और १ नक्षत्र को साधारणतः १४ दिन में भोगता है, किन्तु चन्द्रमा मध्यम गति से १ अक्षर (नक्षत्र के चरण) को लगभग १५ दण्ड में और १ नक्षत्र को लगभग अहोरात्र अर्थात् एक रात-दिन में और एक राशि को लगभग २ दिन में भोगता है।

अयन—एक वर्ष में दो अयन होते हैं—उत्तरायण और दक्षिणायण। मकर संक्रान्ति से उत्तरायण प्रारम्भ होता है और मिथुन संक्रान्ति तक रहता है। उत्तरायण में दिन क्रम से बढ़ता है। कर्क संक्रान्ति से लेकर धनु-संक्रान्ति तक दक्षिणायण होता है। दक्षिणायण में दिन घटता है और रात्रि क्रम से बढ़ती है। उत्तरायण देवों का दिन और दक्षिणायण में देवों की रात्रि समझी जाती है। उत्तरायण देवों का दिन होने के कारण सब शुभ कार्यों के लिये श्रेष्ठ हैं।

ग्रह—भारतीय ज्यौतिष में ग्रह ७ हैं—सूर्य, चन्द्र, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र और शनि। उपग्रह दो हैं—राहु और केतु। उपग्रहों को मिलाकर ९ ग्रह माने गये हैं और इन्हें भारतीय ज्यौतिष में नवग्रह कहते हैं। बुध, गुरु, शुक्र और शुक्लपक्ष की नवमी से कृष्णपक्ष की अष्टमी तक के चन्द्रमा को शुभग्रह और शेष को पापग्रह माना गया है। जब बुध किसी पापग्रह के साथ होता है तो वह भी पापग्रह माना जाता है।

भारतीय-ज्यौतिष में पृथ्वी और सब ग्रह गतिवाले माने गये हैं। वेद में पृथ्वी के लिये "आयंगौः पृथ्वी......" आदि उद्धरणों द्वारा पृथ्वी को गतियुक्त कहा गया है। सूर्य की भी गति स्पष्ट की गयी है। सभी ग्रहों की गति भिन्न भिन्न है। सूर्य चन्द्र को छोड़कर शेष ग्रह उलटी गतिवाले भी होते हैं।

लग्न—पृथ्वी की दैनिक गति के कारण राशिचक्र एक रात-दिन अर्थात् एक अहोरात्र में एक परिक्रमा कर लेता है जिससे भिन्न-भिन्न समय में भिन्न-भिन्न राशियाँ पूर्व क्षितिज में उदय होती हैं। कुल बारह राशियाँ २३ घंटा ५६ मिनट में उदय हो जाती हैं, इसलिए एक राशि का उदयकाल प्रायः दो घण्टा होता है। स्थानों के अक्षांश के अनुसार प्रत्येक राशि का उदयकाल भिन्न-भिन्न होता है। जिस समय जो राशि उदय रहने के कारण पूर्व क्षितिज को स्पर्श किये रहती है अथवा लगी रहती है, वही राशि उस समय लग्न कहलाती है। सूर्य जिस राशि में होता है, वही राशि सूर्योदय के समय लग्न होती है।

सूर्य के केन्द्र का तापक्रम अनुमानतः चार करोड़ डिगरी (फारनहाइट) है।

१०५ डिगरी ताप पर तीव्र ज्वर से आप छटपटाने लगते हैं।

२१२ डिगरी पर पानी खौलने लगता है।

१,९४५ डिगरी पर सोना पिघल जाता है।

५,५०० डिगरी पृथ्वी की तप्त से तप्त भट्ठी का तापक्रम है।

अब आप सूर्य की गरमी की कल्पना कीजिये।

यदि किसी प्रकार एक रुपये को इतना गरम किया जा सके कि उसका तापक्रम सूर्य के केन्द्र के तापक्रम के बराबर हो जाय तो उसकी आँच से एक हजार मील की वस्तुयें

पृथ्वी से सूर्य की दूरी ९,३०.००,००० मील है।

यदि ६० मील प्रति घण्टा की चाल से कोई रेलगाड़ी लगातार चलती रहे तो सूर्य तक पहुँचने में हमें (यदि हम मार्ग में ही वृद्ध होकर मर न जायँ या सारी रेलगाड़ी ही जलकर भस्म न हो जाय) १७५ वर्ष लगेंगे।

यदि आधा पैसा प्रति मील की दर से रेल का किराया लिया जाय तो सूर्य तक पहुँचने का किराया लगभग सवा सात लाख रुपया होगा।

यदि यह किराया रुपयों में न देकर सोने में देना पड़े तो ३॥ मन सोना (७० रु० प्रति तोला की दर से) देना पड़ेगा।

प्रति मिनट २०० की दर से लगातार गिनते रहने में सवा नौ करोड़ की संख्या गिनमें में ही ११ महीने लग जायँगे।

शब्द की गति वायु में १,१६० फुट प्रति सेकेण्ड है। यदि शब्द शून्य में भी चल सकता है और वहाँ भी उसकी गति यही रहती है तब सूर्य में घोर शब्द होने पर पृथ्वी पर वह १४ वर्ष बाद सुना जा सकेगा।

नोट—प्रस्तुत पञ्चाङ्ग में अंगों का क्रम इस प्रकार है—दिनमान, वार, तिथि, उसका मान, नक्षत्र उसका मान, स्थिरयोग उसका मान, करण उसका मान, चरयोग, अंग्रेजी, हिजरी, सौर तिथियाँ चन्द्रराशि संचार, सूर्योदय, सूर्यास्त उदय कालिक स्पष्ट रवि, उसकी दैनिक गति तथा पर्व आदि आवश्यक बातों के साथ अंतिम पंक्ति है। सूर्योदय और सूर्यास्त सूर्य घड़ी से (घण्टा मिनट में) दिये गये हैं, शेष सभी मान घटी पल में दिये गये हैं।

व्रतों का निर्णय

गणेश ४

गणेश ४ व्रत तृतीया से विद्ध होना चाहिये। अर्थात् तृतीया के दिन चन्द्रार्घ्य (चन्द्रोदय) के समय जब चतुर्थी मिले उसी दिन गणेश ४ का व्रत होना चाहिए।

कृष्णजन्माष्टमी

भाद्रपद कृष्ण अष्टमी को अर्धरात्रि में जब रोहिणी मिले वही उत्तम जन्माष्टमी का व्रत है। इसमें विभिन्न मत है।

हरतालिका तीज

भाद्रशुक्ल तृतीया में चतुर्थी लगे वही उत्तम व्रत है।

अनन्त चतुर्दशी

भाद्रपद शुक्लपक्ष में मध्याह्न के समय चतुर्दशी होनी चाहिये। उदयकालव्यापिनी भी किसी का मत है परन्तु वह उत्तम नहीं।

जीवित्पुत्रिका व्रत

इस व्रत में दो पक्ष (गौड़ और मैथिल) हैं। आश्विन कृष्णपक्ष में चन्द्र के उदयकाल में यदि अष्टमी मिले वही उत्तम व्रत है। दूसरा पक्ष कहता है उदय-काल में अष्टमी होनी चाहिये। उसी दिन प्रदोष-काल में उक्त व्रत करना चाहिये।

हनुमान-जन्म

कार्तिक कृष्णपक्ष चतुर्दशी को स्वाती नक्षत्र मेष लग्न में हनुमान जी का जन्म हुआ। अतः सायंकाल में ही पूजा होनी चाहिये दूसरे दिन प्रातःकाल में दर्शन होना चाहिये।

एकादशी

गृहस्थों को द्वादशी में ही पारण का विधान है। अतः दशमी से विद्ध एकादशी का व्रत करना चाहिये। विशेष विचार के लिये इसी प्रेस से छपे हुये **एकादशी माहात्म्य** देखें।

वृष्टि विचार

मेष संक्रान्ति लगने के बाद अश्विनी से १० नक्षत्रों तक देखना चाहिए। अश्विनी से जितने संख्या के नक्षत्र में बादल दिखाई दे आर्द्रा से उतनी ही संख्या के नक्षत्र में अच्छी वृष्टि समझनी चाहिये।

सूर्य नक्षत्र	चन्द्र नक्षत्र
रो. मृ. पू. फा. उ. फा. हस्त	आर्द्रा. पुन. पुष्य. श्ले.
चित्रा स्वाती विशाखा अनु.	म. पू. भा. रे. अ. भ. कृत्ति.
ज्येष्ठा शत. उत्त. भा.	पू. षा. उ. फा. अ. धनि.

वृष्टि विचार

यदि सूर्य, चन्द्र नक्षत्र पर रहे और चन्द्रमा सूर्य के नक्षत्रों पर जाय उस दिन वृष्टियोग कहना। सूर्य चन्द्रमा दोनों सूर्य के नक्षत्रों में रहें तो अवृष्टि होगी। दोनों चन्द्र के नक्षत्रों में रहें तो साधारण वृष्टि होगी।

वृष्टि-योग

वर्षाकाल में (१) शुक्र से सप्तम में चन्द्र, शुभ ग्रह से देखा जाता हो (२) शनि से चन्द्र ५,७,९ वें हो, शुभ ग्रह से देखा जाता हो (३) यदि बुध शुक्र समीपस्थ हों (४) सूर्य के पहले या पीछे शुभ ग्रह हों (५) ग्रहों के उदय अस्त में (६) ग्रहों के राश्यन्तर गमन में (७) ग्रह युति में (८) बुध, शुक्र के उदय अस्त में (९) भौम के राशि-सञ्चार में वृष्टि होती है।

यदि बुध शुक्र के बीच में सूर्य आ जाय तो वृष्टि का नाश होता है।

वर्षा ज्ञान के लिये सप्तनाड़ी चक्र

संज्ञा	चण्डा	वात	वह्नि	सौम्य	नीरा	जला	अमृत
	कृ	रो	मृ	आ	पुन	पुष्य	श्ले
	वि	स्वा	चि	ह	उफा	पू.फा	म
	अनु	ज्ये	मू	पूषा	उषा	अभि	श्र
	भ	अ	रे	उभा	पूभा	श	ध
स्वामी	शनि	रवि	भौम	गुरु	शु.	बुध	चन्द्र
	१	२	३	४	५	६	७

उपर्युक्त चक्र में ७ भाग किये गये हैं। यदि किसी भाग के नक्षत्र में रवि चन्द्र भौम हो जायँ तो उनकी परिस्थिति तक अति वृष्टि होगी। बुध शुक्र गुरु एक नाड़ी में हों उसी में सूर्य भी आ जाय तो वृष्टि होगी। यदि उसी में चन्द्र भी आ जाय तो उक्त समय तक अतिवृष्टि होगी।

आषाढ़ मास में वायु-परीक्षा

आषाढ़ की पूर्णिमा को प्रदोष समय में वायु का फल देखा जाता है।

दिशा **फल**

पूर्व में—सुवृष्टि, धान्योत्पत्ति श्रेष्ठ।
अग्नि--अवृष्टि, अत्यल्प धान्य।
दक्षिण में--अल्पवृष्टि, अल्प धान्य, प्रजा-पीड़ा।
नैर्ऋत्य--अनावृष्टि, दुर्भिक्ष।
पश्चिम--महावृष्टि, उत्तम धान्य उत्पत्ति।
वायव्य—वायु की तीव्रता, मध्यम धान्य।
उत्तर—अतिवृष्टि, अति धान्य, जन-सुख।
ईशान—उत्तम वृष्टि, उत्तम धान्य, सुख।

धान रोपने का मुहूर्त

जब सूर्य पुनर्वसु और पुष्य नक्षत्र पर हों तब चन्द्र, बुध, गुरु और शुक्रवार, हस्त, उत्तरा फाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा, उत्तरा भाद्रपद, मूल, धनिष्ठा, रोहिणी, मृग, पुष्य, विशाखा, अनुराधा, मघा नक्षत्रों में धान का रोपना श्रेष्ठ है।

४।९।१४ तिथि शनि भौम वार न हो।

वैधव्य योग

जन्म कुण्डली में (१) लग्न या चन्द्रमा से लग्न, सप्तम अथवा अष्टम स्थान में मंगल शनि राहु और रवि हों (२) भौम से अष्टम अथवा व्यय में रवि पाप युक्त हो, लग्न से सप्तम और अष्टम में पाप युक्त भौम हो।

आयु-विचार

जन्म कुण्डली में लग्न चतुर्थ सप्तम और दशम भाव के अंकों में प्रत्येक को ३ से गुणा करके जोड़िये उसमें से (यदि उक्त स्थानों में राहु और भौम पड़े हों) राहु और भौम की राशि-संख्या को निकाल देना चाहिये जो शेष बचे उतने वर्ष आयु समझिये।

अन्य मत से

लग्न चतुर्थ सप्तम और दशम की राशि संख्या एकत्र करना यदि इन स्थानों में राहु, केतु, मंगल और शनि हों तो उक्त संख्याओं को जोड़कर पूर्वोक्त संख्या में घटाकर शेष को तिगुना करना; वही आयु की वर्ष संख्या होगी।

अन्य मत से

अष्टमेश (१) यदि बलहीन होकर लग्नेश षष्ठ या बारहवें हों (२) अष्टमेश लग्नेश के साथ होकर उक्त स्थानों में दुर्बल या पापग्रह के साथ होकर रहे (३) लग्नेश, चन्द्रमा और सूर्य दुर्बल रहें (४) लग्न या लग्नेश पर कर्त्तरी हो तो बालक हीनायु होता हैं।

लग्नेश अष्टमेश और कर्मेश ये तीनों बली हों, शुभ स्थान में बैठे हों तो दीर्घायु, दो बली हों शुभ स्थान में बैठे हों तो मध्यायु, एक बली हो, शुभ स्थान में बैठा हो तो हीनायु होती है। अष्टमेश अष्टम में; लग्नेश लग्न में; अष्टम में शनि हों तो दीर्घायु होता है।

उपर्युक्त आयु विचार कुछ सूक्ष्म है। इतना तो अवश्य ही है कि यदि ध्यानपूर्वक उपर्युक्त ढंग से विचारा जायगा तो आयु सम्बन्धी साधारण ज्ञान हो ही जायगा। चतुर ज्यौतिषी यदि स्पष्ट ज्ञान करना चाहे, वह "जैमिनि या सत्य" के मत से स्पष्ट आयु जान सकता है। विशेष आयु विचार सं० २०२२ २०२३-२०२४ के पञ्चाङ्गों में देखें।

अथात्र दुष्टग्रहजन्यदोषशमनार्थं शास्त्रोक्तसजलौषधिभिः स्नानं वैदिकमन्त्रैः क्षेमाय कार्यम्।

अत्र गोचराद्यैर्दशाक्रमाद्यैर्ग्रहकृतानिष्टफलस्य शमनार्थं प्रत्येकग्रहाणां दानयोग्य पदार्थाः।

सूर्यदानं	चन्द्रदान	भौमदानं	बुधदानं	गुरुदानं	शुक्रदानं	शनिदानं	राहुदानं	केतुदानं	मुंथादानं
माणिक्य	वंशपात्र	विद्रुम पृथ्वी	कांस्यपात्र	पीतधान्य	श्वेत चन्दन	माषान्न तेल	माषान्नहेमनाग	माषान्न	तण्डुलान्न
गोधूमगुड़	श्वेत चावल	मसूर द्विदल	हरित वस्त्र	पीतवस्त्रस्वर्ण	श्वेतचावल	नीलम तिल	सप्तधान्य	कंवलकस्तूरी	सुवर्ण
सवत्सागौ	श्वेत वस्त्र	गोधूम	गजदन्त घृत	घृत, पीत पुष्प	श्वेतचित्रवस्त्र	कृष्ण वस्त्र	नीलवस्त्रगोमे.	वैडूर्य्यमणि	काँस्यपात्र
कमलपुष्प	श्वेत चन्दन	रक्त वृषभ	मुद्गान्नपन्ना	पुखराज	श्वेत पुष्प	कुलथी लोहा	कृष्ण पुष्प	कृष्ण पुष्प	श्वेत वस्त्र
नूतनगृह	श्वेत पुष्प	गुड़ रक्तचन्दन	सुवर्णदासी	हरिद्रा, अश्व	रजत, हीरा	महिषी	खड्ग तिल	तिल तैल	वर्ण
रक्त चन्दन	चीनी, रजत	रक्त वस्त्र	सर्वपुष्परत्न	पुस्तक, मधु	घृत	कृष्ण धेनु	तैल लोहा	रत्न वर्ण	दक्षिणा
रक्तवस्त्र	वृषभ, घी	रक्तपुष्प	कपूर, शास्त्र	लवण, शर्करा	श्वेताश्वदधि	कृष्ण पुष्प	शूर्प कम्बल	लोहा, बकरा	जपसंख्या
सुवर्णताम्र	शंख, दधि	सुवर्ण ताम्र	अनेक फल	भूमि, क्षेत्र	सुगन्धगीता	उपानह	सतिला	शस्त्र	स्वामिवत्
केशरमूँगा	मोती, कपूर	केसर कस्तूरी	षड्रसभोजन	पीत फल	शर्करागोभूमि	कस्तूरीसुवर्ण	तुरङ्ग, रत्न	सप्त धान्य	
वर्णदक्षिणा	वर्ण दक्षिणा	वर्ण दक्षिणा	वर्ण दक्षिणा	वर्ण दक्षिणा	वर्ण दक्षिणा	वर्ण दक्षिणा	वर्ण दक्षिणा	वर्ण दक्षिणा	
जप७०००	जप ११०००	जप १००००	जप ९०००	जपसं१९०००	जपसं १६०००	जपसं२३०००	जपसं१८०००	जपसं१७०००	

अथ ग्रहाणामेकभे भोग फल समयादिज्ञानम्।

सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा. के.	ग्रहा
भा. १	दि. २।	मा. १।।	मा १	मा १३	मा १	मा ३०	मा १८	एक राशिभोग
भादौ	भांत्ये	भादौ	मध्ये	अन्त्ये	अन्त्ये	अन्त्ये	अन्त्ये	फल समय
दि. ५	घ. ३	दि. ७	मा. २	दि. ७	मा. ६	मा. ३	मा. ३	गन्तव्यराशिपू

अथ सर्वग्रहाणां दोषापनुत्तये सामान्यमौषधीयम्।

सर्षप	देवदारु	हरिद्रा	लौध्र	शरपुंखा कुष्ट	तीर्थोदक
धान का लावा	बरिअरा लजारू	नागरमोथा	कंगुनी		

एतैस्सवारिभिस्नानं प्रोक्तं दानपुरःसरम्। एतत्सामान्यतः सर्वग्रहपीडोपशान्तये ॥१॥ यथासिद्धौषधैः रोगान्नश्येयुर्मन्त्रतो भयम्॥ तथास्नानविधानेन ग्रहदोषः प्रणश्यति ॥इति॥

नवरत्न की अँगूठी इस ढङ्ग से बनानी चाहिये–

नवरत्न की अँगूठी

इस ढङ्ग से बनानी चाहिये–

ईशान पन्ना	पूर्व हीरा	अग्नि मोती
उत्तर पुखराज	माणिक	दक्षिण मूँगा
वायव्य लहसुनिया	नीलम पश्चिम	नैर्ऋत्य गोमेद

शनिस्तोत्र

पिप्पलाद उवाच––नमस्ते कोणसंस्थाय पिङ्गलाय नमोस्तुते। नमस्ते विष्णुरूपाय कृष्णाय च नमोस्तुते। नमस्ते रौद्रदेहाय नमस्ते कालकायजे। नमस्ते यमसंज्ञाय शनैश्चर नमोस्तु ते। प्रसाद कुरु देवेश दीनस्य प्रणतस्य च।

इस स्तोत्र का नित्य सबेरे पाठ करने से शनि का अरिष्ट नहीं होता।

यज्ञोपवीत धारण कैसे करना चाहिये

यज्ञोपवीत को दाहिने हाथ से ही धारण करना चाहिये। लघुशंका के समय दाहिने-कर्ण पर, मलत्यागके समय वाम-कर्ण पर रहना चाहिये। यज्ञोपवीत वाम कन्धे पर दाहिनी भुजा की ओर लटकना चाहिये।

अथ पुत्रलाभार्थउपाय ग्रहानुसार

हरिवंशोरविणाशशी त्रिपुरहा भौमे च रुद्री क्रिया ॥ सौम्ये संपुटकांस्यपात्र विधिवज्जीवे च सेव्या तिथिः ॥ शुक्रे गोप्रतिपालनं च कथितं मन्देव मृत्युञ्जयः ॥ कन्यादान भुजंगकेतु कपिला सन्तानसौख्यप्रदा ॥१॥ वुधशुक्र कृतेदोषे यंत्रमंत्रौषधिर्बलात् ॥२॥ सर्व दोष विनाशाय सन्तानहरि पूजनम् ॥ कुर्याद्भौमव्रतंचापि कामदेव व्रतं तथा ॥३॥ तत्प्राप्तिर्धर्ममूलात्तदनु वुधकवीशंकरस्याभिषेकाश्चन्द्रश्चेतद्वदेवत्रिदशपतिगुरुमंत्र यन्त्रोषधीनाम् ॥ सिद्धया मन्दार सूर्य यदि शिखितमसा तत्र वंशेशपूजा। कार्याम्नप्रोक्तरीत्या वुध गुरु नवपा क्षिप्रमेवात्रसिद्धिः ॥४॥ यावत्संख्या भवेदास्तिस्तावद्वार विनिर्दिशेत् ॥

सन्तान-प्रद औषधि

(१) पञ्चबीजं गव्यपयसा सह या नारी पिबति सा गर्भवती भवति। आदित्यवारे निमन्त्रयेत् चन्द्रवारे भक्षयेत् ।

(२) पूर्वदिग्भागस्थितं शिरीषमूलं गव्यघृतेन सह ऋतु समये भक्षयेत् सा संवत्सरेण गर्भवती भवति।

(३) अनपत्या च या नारी कपित्थं भक्षयेत् सदा ।
अभिमन्त्र्य तु मन्त्रेण, सापि पुत्रवती भवेत् ।

एक वृक्षजो नारी स्नानं कृत्वाभिमन्त्रयेत्। आदिवन्ध्यापि देवेशिभवे, गर्भवती हि सा। देवः शिवो भवेद्यत्र नदीसंगमसन्निधौ तस्यां नद्यां दिशि स्नाता वन्ध्या पुत्रवती भवेत्।

मन्त्रः क्षां क्षीं क्षूं क्षैं क्षौं क्षः

विधिः

कपिलागोमयेनाथ भूमिं संलिप्य यत्नतः। स्नात्वा विधिप्रकारेण मण्डलं कारयेत् ततः। चतुरस्रं चतुष्कोणं तन्मध्ये वर्तुलं स्मृतम्। तन्मध्ये विलिखेत् पश्चादष्ट पत्रं सकर्णिकम् । मध्ये तु पूजयेद् देवं पत्रे शक्ति प्रपूजयेत्। निर्व्रण मण्डलस्याग्रे कमलं स्थापयेद् वुधः।

लेखनी

शिखिपत्र नख वर्णेन लिखेत् ।

शनि का वास्तविक विचार

शनि जिस नक्षत्र पर हो उससे अपने नक्षत्र तक गिनिये। यदि वही नक्षत्र हो तो ३ मास १० दिन तक अनेक प्रकार की हानियाँ होंगी। दूसरे से पाँचवें नक्षत्र तक १३$\frac{१}{३}$ मास की अवधि में युद्ध में विजय होगी। ततः ६ से ११ वें नक्षत्र तक १ वर्ष ८ मास का समय वायु-रोग, देशान्तर में भ्रमण करायेगा। ततः १२ से १५ वें नक्षत्र तक १३ मास १० दिन तक कष्टकारक समय बीतेगा। ततः १६ से १८ नक्षत्र तक १० मास का समय उत्तम राज-यश कारक होगा। ततः १९-२० वाँ नक्षत्र समय ६$\frac{२}{३}$ मास सुखदायक रहेगा। ततः २१-२२ वाँ नक्षत्र ६ मास २० दिन महाकष्ट, वायुविकार होगा। ततः २३ से २७ वाँ नक्षत्र १६ मास २० दिन तक अनुचित ढंग से धन-धान्य का लाभ होगा।

चक्र

शनि नक्षत्र	समय	फल
१	३ मास १० दिन	अनेक हानियाँ
४	१३ मास १० दिन	विजय, साफल्य
६	२० मास	व्यर्थ भ्रमण
४	१३ मास १० दिन	कष्ट, भुजा-व्यथा
३	१० मास	सम्मान, यश, सुख
२	६ मास २० दिन	उन्नति, सुख
२	६ मास २० दिन	महादुःख, वायु-विकार आमाशय
५	१६ मास २० दिन	धन-धान्य का लाभ

अन्य प्रकार

जिस दिन शनि राशि-संक्रमण करे उस दिन का चन्द्र नक्षत्र की राशि बनावे। यदि वह राशि अपनी राशि १-६-११ वें पड़े वो लाभ, शुभ, २-५-९ वीं पड़े तो साधारण लाभ, शुभ, ३-७-१० वीं पड़े तो साधारण; ४-८-१२ वीं पड़े तो अनिष्ट समझे। परन्तु पञ्चाङ्गों में भेद के कारण यह फल नहीं मिलता। शनि के नक्षत्र-संक्रमण में भी इसका विचार किया जा सकता है।

मुख्य बातें

शनि एक राशि में २॥ वर्ष रहता है। जन्मराशि से बारहवें जन्मराशि का तथा दूसरे; इन तीन राशियों का मिलाकर ७॥ वर्ष हुआ। इसी को साढ़े साती शनि कहते हैं। जन्मराशि से जब शनि चौथे या आठवें हों तो अढ़ैया कहा जाता है जो कष्टप्रद है। जब शनि जन्मराशि से बारहवें आता है तो व्ययाधिक्य अवश्य होता है। जन्मराशि का होने पर यात्रा, चर्म-वायुरोग अवश्य होता है, दूसरे होने पर परिवार में किसी की मृत्यु तथा धन-हानि होती ही है। चौथे शनि में मित्रों से सम्बन्ध-विच्छेद, विवाद मुकदमा, आठवें में व्यय, हानि-रोग होता है।

इसकी शान्ति

नीलम धारण करना चाहिये। छायादान करना चाहिये। शनिश्चर का जप करना चाहिये। काले घोड़े के नाल की अँगूठी बिना कटी हुई, बिना जोड़ी हुई धारण करनी चाहिये। शनिवार को भुना हुआ चना खाना चाहिये। काला-वस्त्र धारण, काले-तिल का तेल लगाना चाहिये।

नीलम किन-किन राशि वालों को लाभप्रद होता है।

तुला	कुम्भ	को अत्यन्त लाभद
मकर	वृष	को साधारण लाभप्रद
मिथुन	कन्या	को साधारण शुभ
धनु	मीन	को कभी अच्छा कभी साधारण बुरा

मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक को कभी भी अच्छा नहीं होता जब तक कुण्डली में शनि बहुत अच्छा न हो।

शनि के स्तोत्र का पाठ करना चाहिये। हनुमान बाहुक या हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिये।

जहाँ पर हनुमान जी की मूर्ति दक्षिण मुख की हो वहाँ पर हनुमान बाहुक, बजरंग बाण या और किसी हनुमान के मन्त्र या स्तोत्र से ४० बार परिक्रमा करनी चाहिये। ततः पीपल में जल देकर ७ परिक्रमा करनी चाहिये।

इस प्रकार शनि की बाधा दूर हो जायगी। जीवन में प्रायः साढ़ेसाती शनि ३ बार या किसी किसी को ४ बार आता है। पहली बार तो कोई प्रभाव नहीं रहता है। दूसरी बार जीवन-भवन की नींव हिला देता है तीसरी बार उस भवन को उखाड़ फेंकता है और चौथी बार जला देता है।

होड़ाचक्रम्

नक्षत्र	अ.	भ.	कृ.	रो.	मृ.	आ.	पुन.	पुष्य.	आश्ले.
अक्षर	चू चे चो ला	ली लू ले लो	अ इ उ ए	ओ वा वी वु	वे वो का की	कु घ ङ छ	के को हा ही	हू हे हो डा	डी डू डे डो
रा.	मे.	मे.	मे. १ वृ. ३	वृ.	वृ. २ मि. २	मि.	मि. ३ क. १	क.	क.
वर्ण	क्ष.	क्ष.	क्ष. १ वै. ३	वैश्य	वै. २ शू. २	शूद्र	शू. ३ विप्र १	विप्र	विप्र
वश्य.	चतुष्प.	च.	च.	च.	च. २ द्वि. प.	द्विपद	द्वि.३ ज. १	जलच.	ज.
योनि	अश्व	गज.	छाग	सर्प.	सर्प.	श्वान	मार्जार	छाग	मार्जार
रा.स्वा.	भौम.	भौम.	भौम १ शु. ३	शु.	शु. २ बु. २	बु.	बु. ३ चं. १	चं	चं.
गण	दे.	मनु.	राक्षस	म.	दे.	म.	दे.	दे.	रा.
नाड़ी	आदि	मध्य	अन्त्य	अं.	मध्य	आ.	आ.	म.	अं.

नक्षत्र	म.	पू.फा.	उ.फा.	ह.	चि.	स्वा.	वि.	अनु.	ज्ये.
अक्षर	मा मी मू मे	मो टा टी टू	टे टो पा पी	पू ष ण ठ	पे पो रा री	रू रे रो ता	ती तू ते तो	ना नी नू ने	नो या यि यू
रा.	सिं.	सिं.	सिं. १ कं. ३	कं.	कं. २ तु. २	तु.	तु. ३ वृ. १	वृ.	वृ.
वर्ण	क्ष.	क्ष.	क्ष. १ वै. ३	वै.	वै. २ शू. २	शू.	शू. ३ वि. १	विप्र	विप्र
वश्य.	च.	च.	च. १ द्वि.३	मान.	मान.	द्विप.	द्वि. ३ की. १	कीट	की.
योनि	मूषक	मूषक	गौ.	महि.	व्याघ्र	महि.	व्याघ्र	हरि.	हरिण
रा.स्वा.	सू.	सू.	सू. १ बु. ३	बु.	बु. २ शु. २	शु.	शु. ३ मं. १	मं.	मं.
गण	रा.	म.	म.	दे.	रा.	दे.	रा.	दे.	रा.
नाड़ी	अं.	म.	आ.	आ.	म.	अं.	अं.	म.	आ.

नक्षत्र	मू.	पू.षा.	उ.षा.	श्र.	ध.	श.	पू. भा.	उ. भा.	रे.
अक्षर	ये यो भा भी	भू ध फ ढ	भे भो जा जी	खी खू खे खो	गा गी गू गे	गो सा सी सू	से सो दा दी	दू थ झ ञ	दे दो चा ची
रा.	ध.	ध.	ध. १ म. ३	म.	म. २ कुं. २	कुं.	कुं. ३ मी. १	मी.	मी.
वर्ण	क्ष.	क्ष.	क्ष. १ वै. ३	वै.	वै. २ शू. २	शू.	शू. ३ विप्र १	विप्र	वि.
वश्य.	मनुष्य	मनु. १/२ पू. चतु.	चतु.	चतुष्प.	चतु. २ द्विप २	द्विप.	द्विप. ३ ज. १	जलचर	ज.
योनि	श्वान	वानर	नकुल	वानर	सिंह	अश्व	सिंह	गौ	गज
रा.स्वा.	बृ.	बृ.	बृ. १ श. ३	श.	श.	श.	श. ३ गुरु १	गुरु	गुरु
गण	रा.	म.	म.	दे.	रा.	रा.	म.	म.	दे.
नाड़ी	आ.	म.	अं.	अं.	म.	आ.	आ.	म.	अं.

१ वर्ण गुणज्ञानाय चक्रम् । वरस्य

कन्यायाः

	ब्रा.	क्ष.	वै.	शू.
ब्राह्मण	१	०	०	०
क्षत्रिय	१	१	०	०
वैश्य	१	१	१	०
शूद्र	१	१	१	१

२ वश्य गुणज्ञानाय चक्रम् । वरस्य

कन्या

	च.	मा.	ज.	व.	की
चतुष्पद	२	१	१	॥	१
मानव	१	२	१	०	१
जलचर	१	१	२	१	१
वनचर	०	०	१	२	०
कीट	१	१	१	०	२

७ भकूटगुणाः ।

राशयः	म.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
मे.	७	०	७	७	०	०	७	०	०	७	७	०
वृ.	०	७	०	७	७	०	०	७	०	०	७	७
मि.	७	०	७	०	७	७	०	०	७	०	०	७
क.	७	७	०	७	०	७	७	०	०	७	०	०
सिंह	०	७	७	०	७	०	७	७	०	०	७	०
कं.	०	०	७	७	०	७	०	७	७	०	०	७
तु.	७	०	०	७	७	०	७	०	७	७	०	०
वृ.	०	७	०	०	७	७	०	७	०	७	७	०
ध.	०	०	७	०	०	७	७	०	७	०	७	७
म.	७	०	०	७	०	०	७	७	०	७	०	७
कुं.	७	७	०	०	७	०	०	७	७	०	७	७
मी.	०	७	७	०	०	७	०	०	७	७	०	०

गणमैत्री गुणज्ञानाय चक्रम्

कन्यायाः ६

गणः	दे.	म.	रा.
देवता	६	५	१
मनुष्य	६	६	०
राक्षस	१	०	६

नाड़ी कूटस्य गुणज्ञानाय चक्रम् ।

कन्या ८

नाड़ी	आ.	म.	अं.
आदि	०	८	८
मध्य	८	०	८
अन्त	८	८	०

३ तारायाः गणबोधक चक्रम् वरस्य ।

ता.	१	२	३	४	५	६	७	८	९
१	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
२	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
३	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
४	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
५	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
६	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
७	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
८	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
९	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३

नैसर्गिक मैत्री चक्र ।

सू.	चन्द्र	मंगल	बुध	बृह.	शुक्र	शनि	ग्रह
मं. चं. बृ.	सूर्य बुध	सू. चं. बृ	सू. शु.	सू. चं.मं.	बुध शनि	बुध शुक्र	मित्र
बुध	मं. बृ. शु. श.	शुक्र शनि	मं. बृ. शनि	शनि	मङ्गल बृह.	बृह.	सम
शुक्र शनि	०	बुध	चन्द्र	बुध शुक्र	सूर्य चं.	सू. चं. मं.	शत्रु

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमेकुजः । कन्याया भर्तृ विनाशाय भर्तुः पत्नी विनाश कृत् ॥ इदं लग्नेन्दुभ्यां विचार्यम् । एवं कन्याया लग्नचन्द्राभ्याम् ।

अथ गणना गुणैक्येन ग्राह्याग्राह्य विचारः । गुणाः षोडशभिर्निन्द्यमध्यमाः विंशतिस्तथा । श्रेष्ठं त्रिंशद्गुणैयावत् तपरस्तूत्तमम् ॥ सद्भकूटे इतिज्ञेय दुष्टकुटोऽथ कथ्यते । निन्द्यंगुणविंशतभिर्मर्ध्वंवाणाधिकैः स्मृतम् । ऊर्ध्वंपंचविंशत्याः श्रेष्ठं ततो श्रेष्ठतां गुणः इति ।

नक्षत्र-मेलापक गुणबोधक-चक्रम्

(वर नक्षत्र)

(कन्या नक्षत्र)

वर कं.	म. अ.	मे. भ.	मे. कृ. १	वृ. कृ. ३	वृ. रो.	वृ. मृ. २	मि. मृ. २	मि. आ.	मि. पु. ३	क. पु. १	क. ति.	क. श्ले.	सिं. म.	सिं. पू.	सिं. उ. १	कं. उ. ३	कं. ह.	कं. चि.२	तु. चि.२	तु. स्वा.	तु. वि.३	वृ. वि.१	वृ. अ.	वृ. ज्ये.	ध. मू.	ध. पू.।।	ध. पू३।।	ध. उ. १	म. उ.३	म. श्र२।।	म. श्र१।।	म. ध.२	कुं. ध. २	कुं. श.	कुं. पू. ३	मी. पू.१	मी. उ.	मी. रे.
अ.	२८	३३	२८॥	१८॥	२१॥	२२॥	२६	१७	१८	२२॥	३१॥	२७	२१	२६	१७॥	११	९	१३	२२॥	२६॥	२२॥	१९॥	२६॥	१५	१३	२६	२७	२४॥	२६	२६	२४	२१	२१	१५	१६	१४॥	२४॥	२६
भ.	३४	२८	२९	१९	२२॥	१३॥	१७	२६	२६	३०॥	२३॥	२४॥	२१	१९	२८	२१॥	१९	६	१४॥	२९॥	२२॥	१९॥	१७॥	१९॥	२०	१९	२०	२७	२८॥	२८	२६	१०	१०	२०	२४	२२॥	१६॥	२८॥
कृ. १	२७॥	२७॥	२८	१६॥	९	१५॥	१९	२०	२१	२५॥	२६॥	२३॥	१७॥	२१	२२	१५॥	१५॥	१८॥	२७॥	१५॥	१९॥	१६॥	२०॥	२६॥	२४॥	१८	१९	१४	१५	११॥	१०॥	२५	२५	२	१९॥	१७॥	१९॥	११॥
कृ. ३	१८॥	१८॥	१९	२८	१९	२५॥	१६॥	१७॥	१८॥	२२	२३	२०॥	१९॥	२३	२४	२१	२१	२३॥	२२॥	१०॥	१४॥	२१॥	२५॥	३१॥	२०	१२॥	१३॥	९॥	१४	११	१०	२३॥	२९॥	३१	२३॥	२०	२२	१४
रो.	२३॥	२३॥	१०	१९	२८	३६	२७	२३॥	२३॥	२७	२६	१३	१२॥	२६॥	२८	२५	२६	२०	१९	१५॥	९॥	१६॥	३०॥	२४॥	१४	१९	२०	१॥	१७	१९	१८	२०	२६	२४॥	३०॥	२७	२६	१९
मृ. २	२२॥	१३॥	१५॥	२४॥	३४	२८	२०	२५	२३॥	२६	१९	२२	२१॥	१७॥	२५॥	२३॥	२७	१३	१०	२५	१७॥	२३॥	२२॥	२५॥	१५	१२	११	१८	२१	२४॥	२४॥	१३	१९	२७	२९॥	२६॥	१७	२७
मृ. २	२७	१८	२१	१९॥	२५॥	२०	२८	३३	३१॥	१९॥	१०॥	१५॥	२४	२०॥	२८॥	३०॥	३४	२१	१४	२७	१९॥	१४	११	१३	२३	१९	१८	२४	२०॥	२५	२५	१२	१३	२१	२३॥	२७॥	१७	२७
आ.	१९	२७	२१	१९॥	२४॥	२६	३४	२८	२५	१३	२०॥	१३॥	२३॥	२९॥	२२॥	२४॥	२४॥	२७	२०	२७	२०	१३॥	१७	४	१६	२८	२७	२७	२२॥	२२॥	२२॥	१७	२०	११	१६	१९	२७	२७
पु. ३	१९	२६	२२	२०॥	२३॥	२४॥	३२॥	२४	२८	१६	२३	१६॥	२२॥	२७॥	२१॥	२३॥	२४॥	२५॥	१८॥	२७	२१	१३॥	२०॥	५	१३	२७	२६	२७	२७॥	२२॥	२३॥	१७॥	१८॥	११	१७	१९॥	२७॥	२८॥
पु. १	२१॥	२८	२३॥	२०	२४	२५	१९	१०॥	१४॥	२८	३५	२८॥	१५॥	२०॥	१४॥	१७॥	१८	२०॥	२०	२७	२०	१९	२६	१०॥	८	२१	२०॥	२१॥	२८॥	२५	२७	२१	१२॥	७	११	१७	२५	२५
पु.	३०॥	२१॥	२६॥	२३	२४	१७	१०	१८	२१॥	३५	२८	३०	१८॥	१४॥	२३॥	२६	२७	१२	११॥	२६	२१	२०	१९	२२	१७	११	११॥	२२॥	२६	२४	२५	१३	४॥	१४॥	१८	२४	१८	२७
श्ले.	२५	२३॥	२२॥	१९	१२	२१	१३	१२	१५	२८॥	२८॥	२८	१५	१५॥	१७॥	२०॥	२०॥	२६	२५॥	११॥	१६॥	१५॥	२०	२६	२२॥	१६	१६॥	८॥	१२	१३	१३	२७	१८॥	१८॥	१२॥	१८॥	२०	१२
म.	२१	२१	१७॥	१८॥	११॥	१९॥	२२॥	२२॥	२१॥	१६॥	१८॥	१६	२८	३०	२६॥	१६॥	१६॥	२२॥	२५॥	११॥	१७॥	२४॥	२६॥	३४	२४	२०	२१	११॥	५॥	५॥	४॥	१८॥	२४॥	२५॥	१८॥	१७॥	१८॥	१२॥
पू.फा.	२७	१९	२१	२२	२५॥	१७॥	२०॥	२८॥	२७॥	२२॥	१६॥	१६॥	३०	२८	३४	२४	२२॥	८॥	११॥	२५॥	१९॥	२६॥	२४॥	२४॥	१९	१८	१९	२७	२१	१९॥	१८॥	४॥	११॥	१९॥	२४॥	२३॥	१६॥	२४॥
उ.फा. १	१८॥	२७	२२	२३	२७	२५॥	२८॥	२१॥	२१॥	१६॥	२५॥	१८॥	२६॥	३४	२८	१८	१६॥	१४॥	१७॥	२६॥	१७॥	२४॥	३१॥	१९॥	१०	२६	२७	२८	२२	२१	२०	११॥	१८॥	१२॥	१५॥	१५॥	२६॥	२४॥
उ.फा. ३	१३	२१॥	१६॥	२१	२५	२३॥	३०॥	२३॥	२३॥	१९॥	२८॥	२१॥	१७॥	२५	१९	२८	२५॥	२४॥	१६॥	२५॥	१६॥	१८	२७	१३	१५॥	२९॥	२८॥	२९॥	२६	२५	२५	१६॥	१६॥	१०॥	१४॥	१८	२९	२७
ह.	११	२०	१६॥	२१	२६	२६	३३	२३॥	२३॥	१९॥	२८॥	२१॥	१७॥	२२॥	१७	२६	२८	२७	१९	२६॥	१७॥	१९॥	२६	१२	१४	२७	२६	२७॥	२३	२४	२४	१९	१९	७॥	१४॥	१९	२७	२७
चि. २	१३	६	१९	२५॥	२०	१२	१९	२६	२४॥	२०॥	१२॥	२६॥	२३॥	९॥	१५॥	२४॥	२७	२८	२०	१९	२६॥	२८	११	२५	२८	१४	१३	२१	१७॥	१९	१९	१८	१८	२४	१८॥	२२	११	२१
चि. २	२२॥	१५॥	२८॥	२३॥	२०	१२	१३	२०	१८॥	२०	१२	२६	२५॥	१०	१७॥	१७॥	२०	२१	२८	२७	३४॥	२४॥	७॥	२१॥	२८	१४	१३	२१	२५॥	२७	२७	२६	२०	२६	२१	१५	४	१३
स्वा.	२७॥	२९॥	१७॥	१२॥	१६॥	२७	२७	२६	२६॥	२८	२८	१५॥	१३॥	२५॥	२५॥	२५॥	२७॥	२१	२८	२८	२०	१०	२३॥	१८॥	२३	२७	२६	१८	२२॥	२३॥	२३॥	२७	२१	२०	२५	१९॥	२०	१३
वि. ३	२२॥	२२॥	२०॥	१५॥	१०॥	१८॥	१९॥	२१	२१	२२॥	२१॥	१९	१७॥	१९॥	१८॥	१७॥	१८॥	२७॥	३४॥	१८	२८	१८	१७	२१॥	२८	२२	२१	१३	१७॥	१७॥	१७॥	३२॥	२६॥	२६	२२	१६॥	१३	५
वि. १	१६॥	१६॥	१४॥	१९॥	१४॥	२२॥	१३	१४॥	१४॥	१९	१८	१५॥	२१॥	२३॥	२१॥	१८	१९	२८	२३॥	८	१७	२८	२७	३१॥	२३॥	१७॥	१७॥	९॥	१२	१२	१२	२७	२७	२६॥	२२॥	२१	१८	९
अनु.	२३॥	१४॥	१९॥	२४॥	२७॥	२०॥	११	१६	२१॥	२६॥	१८	२१	२४॥	२०॥	२९॥	२६	२७	१२	७॥	२२॥	१७	२८	२८	३१	१६॥	२४॥	१४॥	२२	२५	२६	२६	१२	१२	२२	२४॥	२४	१८	२७॥
ज्ये.	१२	१८॥	२४॥	२९॥	२२॥	२२॥	१३	३	६	१०॥	२०	२६	३१	२३॥	१६॥	१३	१२	२५॥	२०॥	१६॥	२०॥	३१॥	३०	२८	१५	१७॥	१७॥	१७॥	२०	२०	२०	२४	२५	१९	११	९	२१	२१
मू.	१२	२०	२४॥	१९	१३	१४	२१	१५	१२	८॥	१७॥	२४	२५	१९	९॥	१३	१३	२७	२७	२१	२७	२४॥	१६॥	१६	२८	२८	२७	२५॥	१५॥	१५॥	१५॥	२३॥	२५	२१॥	११	१७॥	२५॥	२७
पू.षा.।।	२६	१९	१८	१२॥	१९	११	१९	२७	२७	२३॥	१३॥	१७॥	२१	१९	२७	२८॥	२७	१२	१२	२७	२०	१६॥	१८॥	१८॥	२८	२८	२७	३३	२३	२३॥	२३॥	८॥	१६॥	२३॥	३३॥	३२॥	२३॥	३२
पू.षा.३।।	२७	२०	१९	१३॥	२०	१२	१८	२६	२६	२३॥	१३॥	१७॥	२१	१९	२७	२७	२६	११	११	२६	१९	१८॥	१८॥	१९॥	२७	२७	२८	३४	२४	२४	२३॥	८॥	१५॥	२२॥	२९॥	३२॥	२३॥	३२॥
उ.षा. १	२५॥	२७	१४	८॥	११॥	१८	२४	२६	२६	२३॥	२४॥	९॥	११॥	२७	२८	२८॥	२७॥	२०	२०	१९	१२	११॥	२५॥	१९॥	२५॥	३३	३४	२८	१८	१६	१५	१५॥	२२॥	२२॥	२८॥	३१॥	३२॥	२३॥
उ.षा. ३	२८	२९॥	१६॥	१४	१७	२२	२०॥	२२॥	२२॥	२७	२८॥	१३	६॥	२२	२३	२६	२५	१७॥	२४॥	२३॥	१६॥	१४	२८	२२	१६॥	२६	२५	१९	२८	२६	२५	२५॥	१७॥	१७॥	२३॥	३०॥	३२॥	२३॥
श्र. २।।	२८	२७	१४॥	१२	१८	२६॥	२४	२१॥	२१॥	२७	२५	१५	१७॥	१९॥	२०	२४	२५	१९	२६	२३॥	१६॥	१४	२८	२३	१७॥	२३॥	२४॥	१७	२५	२८	२७	३०	२२	१८॥	२३॥	३१॥	३०॥	२२॥
श्र. १।।	२७	२६	१३॥	१०	१७	२६	२३॥	२१	२३॥	२८	२६	१५	६॥	१८॥	२०॥	२३॥	२४॥	१८॥	२५॥	२३	१६	१४	२८	२३	१९	२५	२५॥	१५	२४	२७	२८	३०	२०॥	१८	२३	३२॥	३१॥	२४॥
ध. २	२०॥	१०॥	२६	२३॥	२०	१२	८॥	१७॥	१७॥	२२	१३	२८	१८॥	५॥	१२॥	१६	१७	१६॥	२५॥	२६	३०	२८	१४	२५	२१	९	९॥	१६॥	२५॥	२८	२१	२८	१८॥	२३॥	२१	२६॥	१५॥	२२॥
ध. २	२०	११	२६	३०॥	२७॥	१९	१०	२०	१९	१४	५	२०	२५॥	११॥	१९॥	१७॥	२१	१८	१९	२२	२५॥	२८	१२	२६	२९॥	१७॥	१६॥	१३॥	१८॥	२१	२१	१९॥	२८	३३	२८॥	१८	७॥	१४॥
श.	१५	२१	२८	३२॥	२५॥	२५	१८	१०	१०	७॥	१५	२०	२६॥	२०॥	१३॥	११॥	८॥	२६	२६	१९	२६	२६॥	२१	१९	२२॥	२४॥	२३॥	२३॥	१८॥	१८॥	१८॥	२५	३३	२८	१९	९	१७॥	१६
पू.भा.३	१८	२५	२०	२४॥	३१॥	३१॥	२४॥	१७	१७	१३॥	२०॥	१४	१९॥	२५॥	१७॥	१५॥	१७॥	१८॥	१९॥	२८	२१	२३॥	२७॥	१२	१५॥	३१॥	३०॥	२९॥	२४॥	२५॥	२५॥	२०॥	२७॥	१९	२८	१८	२३	२०
पू.भा.१	१४॥	२१॥	११॥	१९	२६	२६	२५॥	१८	१८	१८	२५	१८॥	१६॥	२२॥	१४॥	१६॥	१८॥	१९॥	१२॥	१९	१४	२१	२७	११॥	१५	३१	३१॥	३०॥	२८॥	२९॥	३०॥	२५॥	१७	७॥	१६॥	२८	३३	३०
उ.भा.	२४॥	१५॥	१८॥	२१	२५	१७	१६॥	२५॥	२७	२६	१९	२०	१७॥	१५॥	२५॥	२७॥	२६	९॥	५	१९॥	१२	१९	२०	२२	२४	२२	२२॥	३१॥	२९॥	२८॥	२९॥	१४॥	६	१६	२१॥	३३	२८	३४
रे.	२५	२४॥	११॥	१४	१७	२६	२५॥	२४	२५॥	२४॥	२७	१३	१२	२२	२२	२४॥	२६॥	२०॥	१३॥	११॥	५॥	१२॥	२७	२२	२७	३०॥	३०	२१	१९	२०	२२॥	२२॥	१४	१६	१८	२९॥	३३	२८

विवाहे रविचन्द्रगुरुशुद्धिचक्रम् ।

रविः	चन्द्रः	गुरुः	ग्रहाः
३।६ १०।११	२।३।६।७ १०।११	२।५।७ ९।११	शुभ स्थानानि
१।२।५।७ ९	५।९ १	१।३ १०।६	पूज्य स्थानानि
४ ८।१२	४ ८।१२	४ ८।१२	निन्द्य स्थानानि

अत्र कन्याविवाहे कुमारस्योपनयने गुरुबलं चिन्त्यम् ॥ कुमारस्योपनयने विवाहेऽपि सूर्यबलं चिन्त्यम् । उभयोश्चन्द्रबलं चिन्त्यमिति ॥

अथ राज्ञां खड्गविवाहः ॥ शशिपञ्चाङ्गसंशुद्धौ सौम्यायन विवाहभे । राज्ञां गोधूलिके लग्ने खड्गोद्वाहः प्रशस्यते ॥ १ ॥

अथोद्वाहानन्तरं मण्डपोद्वासनम् ॥ युग्मे घस्रे षष्ठहीने च पञ्च सप्ताहे कार्य्यं शुभवारे ॥

अथ सामान्यविवाहकृत्यम् ॥ विवाहकृत्यं सकलं विवाहभैर्विलोकयेच्चैव बलं हिमद्युतेः ॥ नवत्रिषष्ठेऽह्नि विवाहपूर्वतो न वर्णकोमंडपतैलमङ्गलम् ॥ अथ प्रथमं कन्यातैलं पश्चात्तैलं वरस्य ॥ इदं रात्रौ प्रथमयामे ॥

अथ स्वस्वाधिष्ठितस्थानाद् ग्रहाणां दृष्टिवोधकचक्रम् ।

र.	चं.	मं.	वु.	गु.	शु.	श.	ग्रहाः
३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	०।०	एकपाद दृष्टिः
५।९	५।९	५।९	५।९	०।०	५।९	५।९	द्विपाद दृष्टिः
४।८	४।८	०।०	४।८	४।८	४।८	४।८	त्रिपाद दृष्टिः
७	७	४।८।७	७	५।७।९	७	७।१० ३	सम्पूर्ण दृष्टिः

गणनायां नृदूरविचारः । भामिनी जन्मनक्षत्राद् द्वितीयं पतिजन्मभम् । न शुभं भर्तृनाशाय इत्युक्तं रुद्रयामले ॥ परिहारः ॥ भिन्नर्क्षराश्यैकक्कं भिन्नाङ्घ्रचेक भमेतयोर्गणखगौ नाडी नृदूरं न च । अन्यो विशेषः—वश्याभावे तथान्योऽन्यं ताराशुद्धौ परस्परम् । न चेत्षष्ठाष्टमो दोषस्तदा षष्ठाष्टमः शुभः ॥ हीनवर्णो यदा राशीराशीशो वर्ण उत्तमः । तदाराशीश्वरो ग्राह्यस्तद्राशिं नैव चिन्तयेत् । नृदूरदोषोदक्षिणदेशे त्याज्यो न मध्यदेशे ।

शुभच्छिक्का ।

भोजने ॥ शयने ॥ दाने ॥ आसने ॥ वामे ॥ पृष्ठे ॥ युद्धे ॥ औषधिसेवने ॥ अध्ययने ॥ वीजवापे एषु सत् ।

अथाष्टकवर्गानुसारेण ग्रहफलम् ।

स्वाष्टवर्गे यदा खेटोऽधिकारेखा तु राशितः । तदा गोचरदुष्टोऽपि श्रेष्ठो नाल्पगरेखगः ॥ १ ॥ इति ॥

आवश्यकेद्व यर्केता ग्रसुवर्णमष्टरिपुके गौयुग्ममर्थांकके । रौप्यं कांस्ययथैकनाडियुजिगोस्वर्णादि- दत्वोद्वहेत् ।

ग्रहाणां तन्त्रसारोक्त मन्त्राः ।

सूर्य	ॐ घृणि सूर्याय नमः ॥
चन्द्र	ॐ सों सोमाय नमः ॥
भौम	ॐ अं. अंगारकाय नमः ॥
बुध	ॐ बुं बुधाय नमः ॥
बृह.	ॐ बृं बृहस्पतये नमः ॥
शुक्र.	ॐ शुं शुक्राय नमः ॥
शनि.	ॐ शं शनैश्चराय नमः ॥
राहु.	ॐ रां राहवे नमः ॥
केतु.	ॐ कें केतवे नमः ॥

विवाहे ग्रहमेलापक-विचारः ॥

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजः ॥ कन्या भर्त्तुर्विनाशाय भर्ता पत्नीविनाशकृत् ॥ इदं लग्नेन्दुभ्यां विचार्यम् ॥ एवं कन्याजन्मकुण्डल्यां लग्नचन्द्राभ्यां १।४।७।८।१२ स्थानेषु कश्चित् पापग्रहोऽधिकारवांस्तिष्ठेत्तदाप्यनिष्टः ॥ अथैतेषां वरकुण्डल्यां परिहारः—जामित्रे च यदा सौरिलग्ने वा हिबुकेऽथवा । अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत् ॥ शनिभौमोऽथवा कश्चित्पापो वा तादृशो भवेत् । तेष्वेव भवनेष्वेवं भौमदोषविनाशकृत् । एवं यावान् पापग्रहः कन्याया नेष्टस्थानस्थितो भवेत्तावानेव ततोऽधिको वा वरस्यापि कुण्डल्यां दृष्ट्वा शुभदो वाच्यः नान्यथा ॥ कन्यायाः सप्तमभावनाथ शुक्रादिसौम्यग्रहाणां शुभस्थानस्थित्यादिना सौभाग्ययोगश्च विलोक्य इति ।

अथैवं ज्ञातगणनायां निश्चयमुहूर्तमाह । पुण्याहे च विवाहर्क्षे चित्रावस्वग्निविष्णुभे ॥ लब्ध्वा चन्द्रबलं दद्यात् निश्चयं सत्यया गिरा ॥ १ ॥ शुभे लग्नेऽग्निसान्निध्ये स्नातां पुण्यामरोगिणीम् । तत्कालोपस्थिते कन्यां पिता तुभ्यं प्रयच्छति ॥ २ ॥ यदि त्वं पतितो न स्याः सर्वदोषविवर्जितः । तुभ्यं कन्यां प्रदास्यामि द्विजदेवाग्निसन्निधौ ॥ ३ ॥ तुभ्यं कन्यार्थिने वाचा कन्यादानं प्रयच्छति । तन्निश्चयार्थं महते गृह्यतां साक्षात् फलम् ॥ ४ ॥ इति ॥

ज्योतिःप्रकाशे ॥ यथोक्तमौषधीस्नानं ग्रहविप्रार्चनं तथा ॥ ग्रहानुद्दिश्य होमो वा त्रिधा शान्तिर्बुधैः स्मृता ॥ १ ॥ श्रीपतिः—देवब्राह्मणवन्दनाद् गुरुवचःसम्पादनात्प्रत्यहं साधूनामपि भाषणाश्रुछ्रुतिरवाच्छ्रेयः कथाकर्णनात् ॥ होमादध्वरदर्शनाच्छुचिमनोभावाज्जपाद्दानतो नो कुर्वन्ति कदाचिदेव पुरुषस्यैव ग्रहाः पीडनम् ॥२॥ इति ॥

अथ वारदोषशमनार्थं दानान्याह ॥

भानुस्ताम्बूलदानादपहरति नृणां वैकृतं वासरोत्थं सोमः श्रीखंडदानादवनिवरसुतो भोजनात्पुष्पदानात् । सौम्यः शक्रस्य मंत्री हरिहरनमनाद् भार्गवः शुभ्रवस्त्रात्तैलस्नानात्प्रभाते दिनकरतनयो ब्रह्महत्या परे च ॥ १ ॥ इति ॥

अष्टौ वर्गास्तदीशाश्च ।

अ. ६	क. ५	च. ५	ट. ५	त. ५	प. ५	य. ४	श. ४	वर्गाः
गरुड़	विडाल	सिंह	श्वान	सर्प	मूषक	मृग	मेढ़ा	स्वा.

अथ मेलापके विशेषस्तदाह अज्ञातजन्मनां नृणां नामभं परिकल्पयेत् ॥ तेनैव चिन्तयेत्सर्वं राशिकूटादि जन्मवत् ॥१॥ जन्मभं जन्मधिष्ण्येन नामधिष्ण्येन नामभम् । व्यत्ययेन यदा योज्यं दम्पत्योर्निधनं भवेत् ॥२॥ इति ॥

स्त्रीणामाद्यरजोदर्शने श्रेष्ठमासपक्षतिथ्यादीनां बोधकचक्रम् ।

तत्रज्येष्ठश्रेष्ठमासेषु	वैशाखे फाल्गुने माघे मार्गाख्ये श्रावणाश्विने ॥ एषु सितपक्षे चोत्तमम् । प्रश्वेतवस्त्रं श्रेष्ठम् । नान्यद्वस्त्रम्
तिथयः	१।२।३।५।७।१०।११।१३।१५ एतासु तिथिषुसत् ॥ परंतु तत्र कृष्णपक्षस्य दशमीं यावन्मध्यं तदुपरि कुलटात्वं स्यात्
वाराः	चन्द्रबुधगुरुशुक्राणां वारे प्रशस्तम् ॥
शुभ-नक्षत्राणि	श्र.मृ.श.ध.रे.चि. अनु.ह.अश्वि.पुष्य. उत्तरा. ३ रोहि. स्वा एतद्भेषु शुभम् ॥ मू. पुन. ज्ये. वि.कृ.एषु मध्यमं परेष्वसत् ॥ दुर्योगभद्रादिरहिते दिवा श्रेष्ठन्नरात्रौ ॥
शुभ-लग्नानि	२।३।४।६।७।९।१२एतद्भस्याङ्गेषुसद्भिदृष्टेषुसत्सूत्तमम्॥तत्र विवाहवद्ग्रहसंस्थाऽपि विचार्य्या ॥ इति॥

अथाद्यरजोदर्शने निषिद्धसमयः ।

अष्टम्यां द्वादशी षष्ठी रिक्तादर्शेऽथ संक्रमे ॥ भद्रानिद्रा व्यतीपाते ग्रहणे रुजि वैधृतौ ॥ १ ॥ परतातगृहे मार्गे कुदेशे कृष्णवाससि ॥ प्राग्रजोदर्शनं नेष्टं शान्त्या तु शुभदं भवेत् ॥२॥ प्रागुक्ता विलयं याति रजोदर्शनसम्भवः ॥ ३ ॥

अथ ऋतुमत्याः स्नानस्य मुहूर्त्तविचारः ।

ह. स्वा. अश्वि. मृ. अनु. ध. रो. उत्तरा ३, ज्ये. एषु भेषु शुभतिथौ सद्वारे सत्तनौ स्नायादृतुमती नारी ॥इति॥ तथास्याः शुद्धिः॥ भर्तृ स्पृश्या चतुर्थेऽह्नि दैवे पित्र्ये च पञ्चमे ॥

अथास्य शान्तिः कल्पोक्ता ॥ घृतदूर्वातिलाक्षतैरष्टोत्तरशतं जुहुयादिति । स्वर्णगोभूदानञ्च विस्तारस्त्वन्यनिबन्धेभ्य इति

गर्भादत्रमासानामधिपाः ॥

१	२	३	४	५	६	मासाः
शु.	मं.	बृ.	सू.	चं.	श.	पतयः
७	८			९	१०	मासाः
बु.	गर्भल.पतिः			चं.	सू.	पतयः

अथ गर्भसंस्कारे विशेषः ।

स्त्रीणांविधोर्बलमुशंतिविवाहगर्भे
संस्कारयोरितरकर्मसुभर्तुरेव ॥

अथगर्भाधानमुहूर्तस्यात्रविचारः

तत्र त्रिविधं गण्डान्तं, जन्मतारां, भ. मू. अश्वि.रे.ग्रहणदिनं व्यतिपातो, वैधृतिः, श्राद्धदिनं, दिवा परिघाद्यर्द्धमुत्पात हतभम् जन्मराशितो ८ अष्टमभं पापग्रहस्य भवनम् ॥ भद्रा पर्वदिनं ४।६।९।१४ तिथिषु संध्यायां मं. सू. श. वासरेषु । रजोदर्शनाच्चतुर्थरात्रौ न शुभः । उत्तरा ३ मृ. ह. अनु. रो. स्वा. श्र. ध. श. एषु भेषु ॥ लग्नात् १।४।५।७।९।१० शुभैः, लग्नात् ३।६।११ पापैश्चोत्तमः॥ सू. मं. गु. दृष्टलग्ने, विषमराशिनवांशके चन्द्रे शुभं ॥ युग्मरात्रौ ६।८।१०।१२ चोत्तमं गर्भाधानं । चि. पुन. अश्वि. पुष्य. एतद् भेषु मध्यमं अन्यभेषु न सदिति ॥

अथ जातकर्मानन्तरकृत्यम् ।

जन्मलग्नं निरीक्ष्य तत्स्थग्रहदोषपरिहाराय ग्रहदानं जपं वा कुर्यात्॥जातमात्रस्य मूलादावुत्पन्नस्य मुखमालोक्य स्नायादिति ॥

अथ पुंसवनसीमन्तयोर्मुहूर्तस्यात्र बोधकचक्रम् ।

तत्र गर्भतो द्वितीये तृतीये वा मासि पुंसवनं कर्म विधेयं चतुर्थे वा षष्ठेऽष्टमे मासि, मासाधिपतौ बलवति, सीमन्तोन्नयनं शस्तं, नात्र शुक्रेज्ययोर्मूढ़त्वदोषः ॥

सद्वारा	सू. मं. बृ. एषां वारे मतान्तरेण इन्दुशुक्राणांवारेऽपिदम्पत्योश्चन्द्रतारा शुद्धौ सत्यां पुंसवनसीमन्तौ प्रशस्तौ ॥
सद्भानि	मृ. पुष्य. मू. श्र. पुन. ह. रे. रो. उत्तरा ३ एतद्भेषु जन्मभं विना सीमन्तोन्नयनं पुंसवनञ्च प्रशस्तम् ॥
सत्ति-थयः	१।२।३।५।७।१०।११।१३ एतत्तिथौ सिते, तिथि १० यावत्कृष्णेच शुभं परंतु पूर्वाह्ण एव कार्यं नापराह्णे ॥
साङ्ग शुद्धिः	संस्कारद्वयंपुम्भस्यांगे पुंभांशेच श्रेष्ठम्॥ तत्र लग्नात् १।४।५।७।९।१० एषु शुभैः।३।६।११एषु पापैश्चोत्तमं॥चन्द्रे १।६।८।१२ वर्जिते श्रेष्ठः ॥४।८।१२ एषु पापएकोप्यसत्

अथ सूतिकायाः सूतिगृहप्रवेशमुहूर्त्तस्य विचारः ।

रो. मृ. पुष्य. स्वा. श. पुन. ह. ध. अनु.चि.अश्वि.उ.३ श्र.एषुभेषु शुभवासरे सत्तिथौ रिक्तापष्ठचष्टमीवर्जिते शुभांगे लग्नतःकेन्द्रेषु शुभाक्रान्तेषु ३।६।११ एषु पापे शुभांशे सत्युत्तमः ॥

अथ जातकर्ममुहूर्त्तस्यात्र विचारः

श्रुत्वा जातं पिता पुत्रं सचैलं स्नानमाचरेत् । एतच्च रात्रावपि कर्त्तव्यम् ॥ श्राद्धादिके स्नातव्यं तत्कालातिक्रान्ते अभावे सूतिकान्तेऽपि कर्तव्यम् ॥

तत्कालातिक्रमणे जातकर्मणि विचारः ।

सत्तिथयः	१।२।३।५।६।७।१०।११।१२।१३ एतत्तिथौ व्यतीपातसंक्रान्तिभद्रादिदोषाभावे श्रेष्ठः ।
सद्वाराः	चन्द्रबुधगुरुशुक्राणांवारेजन्माहात् ११।१२ दिनंचोत्तमम्
सद्भानि	मृ. रे. चि. उ. ३ रो. पुनर्व. स्वा. श्र. ध. श. ह. पुष्य. अश्वि. एषु नक्षत्रेषु सत्तनौ चायं श्रेष्ठः ।

अथ स्तनपानमुहूर्त्तविचारः ।

उत्तरा ३, रो०, अश्वि., रे, पुष्य., पुनर्व., अनु., ह., चि., मृ., ध. श्र. श. एषु भेषु ॥ शुभवारे शुभतिथौ स्थिरांगे स्तनपानं प्रशस्तं स्यादिति ॥

अथ सूतिकापथ्यम् ।

अन्नप्राशनोक्तभे तिथौ च दुर्योगादिरहिते श्रेष्ठम् ॥

अथ जन्मदेवानां पूजनादि ।

प्रथमेऽह्नि षष्ठे वा दशमे चैव सर्वदा । त्रिधा शौचं न कुर्वीत सूत्रके पुत्रजन्मनि॥ पञ्चम्यां षष्ठीपूजनम्॥ जन्मतःपञ्चम्यांरात्रौ जीवन्त्याः पूजनं निशि । षष्ठेऽह्निषष्ठिका पूज्या गीतैर्ज्जागरणादिभिः ॥ अत्र प्रथमेऽह्नि आभ्युदयिकं पञ्चमे जन्मदाषष्ठिकयोः पूजनम् ॥ दशमे बलिदानम् ॥ अष्टमेऽन्नदानमिति ॥ अथात्र सूतिकाक्वाथमुहूर्त्तज्ञानम् ॥ भैषज्यगदिते वारे नक्षत्रे च दुर्योग वर्जिते च सूतिकायाश्च तच्छिशोरपि क्वाथग्रहणं सत् ।

अथ सूतिकास्नानमुहूर्तविचारः। रे. उत्तरा. ३ रो. मृ. ह. स्वा. अश्वि. अनु. एषु भेषु ॥ १।२।३।५।७।१०।११।१३।१५ एतत्तिथौ रवीज्यकुजानां वासरे सूतिकास्नानं प्रशस्तम् ॥ प्रोक्तादन्यतिथिवारेष्वसत् ॥ पञ्चमशुद्धलग्नेग्रहयुतेदोषवर्जितंश्रेष्ठमिति

अथ दोलारोहणमुहूर्त विचारः ।

तत्र जन्माहात् १०।२।१६।१८।३२ एषु दिवसेषु शुभवासरे मृ. रे. चि. अनु. ह. अश्वि पुष्य. अभि. उत्तरा ३ रो. एषुभेषु रिक्तामारहिततिथौ चरांगे शुभयुग्लग्ने लग्नात् १।४।५।७।९।१० शुभैः ॥ ३।६।११ पापैश्चोत्तमः ॥

दोलारोहणे दोलाचक्रम् । रविभाद्गणना

५ न.	नैरुज्यं
५ न.	मरणं
५ न.	कृशता
५ न.	व्याधिः
७ न.	सौख्यं

अथ जल पूजनमुहूर्तविचारः ।

तत्र सूतिकाया मासपूर्त्तौ सत्यां शुक्रेज्ययोरस्ते चैत्रपौषयोर्मासि तथाधिकमासे जलं न पूजयेत् ॥ श्र. पु. पुन. मृ. ह. मू. अनु. एषु भेषु विरिक्तेतिथौ चं. बु. बृ. एषां वारे मासपूर्तौ सत् ॥

अथ भूम्युपवेशनमुहूर्तविचारः ।

तत्रादौ पृथ्वीं वाराहञ्चाभिपूज्य भौमबले पञ्चमे मासि उत्तरा ३ रो.मृ. ज्ये. अनु.अश्वि. ह. अभि. पुष्य एतद्भेषु रिक्तामारहिततिथौ स्थिरभस्यांगे शुभवासरे च ॥ बालकटिस्थले कटिसूत्रं बद्ध्वा पृथिव्यामुपवेशयेत् तन्त्र मन्त्रः—रक्षैनं वसुधे देवि सदा सर्वगते शुभे । आयुः प्रमाणं सकलं निक्षिपस्व हरिप्रिये ॥इति॥ अथात्र बालस्याग्र इमानि स्थापयेत् ॥ वस्त्रं, शस्त्रं, पुस्तकं, लेखनीं, स्वर्ण, रौप्यं एषु यद्बालो गृह्णाति तैराजीवैस्तस्य वृत्तिः प्रतिष्ठा च भवेत् ॥

भानि	मृ. रे. चि. अनु. उत्तरा. ३ रो. ह. अश्वि. स्वा. पुष्य- अभि. पुन. श्र. ध. श. एषु भेषु शुभः ॥
वाराः	चं. बु. बृ. एषां. वारे. नामकर्म हितम् ॥

अथ खट्वारोहणमुहूर्तविचारः ।

जन्माहात् १०।१२।१६।२२ एषु दिवसेषु मृदु-ध्रुव-क्षिप्र-एषु भेषु शुभाहे रिक्तामारहिततिथौ प्राक्शीर्षं बालं विन्यसेत् ।

अथ निष्क्रमणमुहूर्तः ।

जन्मतश्चतुर्थमासे यात्रोक्तसमयेऽर्कमितेऽह्नि वा सत् ॥

अथ नामकरणमुहूर्तस्यात्र विचारः—

सूतकान्ते नामकर्म कर्तव्यं स्वकुलोचितम् ॥ व्यासः ॥ नामधेयं दशम्यां तु केचिदिच्छन्ति सूरयः ॥ द्वादश्यामाहुरन्येतु मासे पूर्णे तथेतरे ॥ अष्टादशेऽहनि तथा वदन्त्येके मनीषिणः ॥ सारसंग्रहे । एकादशेऽह्नि विप्राणां क्षत्रियाणां त्रयोदशे ॥ वैश्यानां षोडशेनाम मासान्ते शूद्रजन्मनः ॥ बृहस्पतिः ॥ द्वादशे दिवसे वापि जन्मतो दिवसे शुभे ॥ षोड़शे विंशतौचैव द्वाविंशे वर्णतः क्रमात् ॥इति॥

भानि	मृ. रे. चि. श्र. उ. ३ रो. ह. अ. पु. अभि. स्व. पु. अनु. ध. श. एषु भेषु शुभः
वाराः	चं. बु. बृ. शु. एषांवारेनामकर्म हितम् ॥
तिथयः	१।२।३।५।७।१०।११।१३ एतत्तिथौ भद्रादिरहिते सत्युत्तमः ।
लग्न शुद्धिः	लग्नात् १।४।५।७।९।१० शुभैर्लग्नात् ३।६।११ पापैश्चोत्तमः ॥ लग्नात् ८।१२ ग्रह रहितौ ॥ चन्द्रताराबले पितृपुत्रयोः दिवा पूर्वाह्णे चैव कर्तव्यम् ॥ मध्याह्ने मध्यमं तदग्रे न सत् ।

व्यतीपातसंक्रान्त्यमावैधृतिग्रहवाहश्राद्धाहपक्षच्छिद्ररिक्तापूर्णाशकुनिकिंस्तुघ्नविष्टिकरणदीन्वर्जयित्वोक्ततिथिषु नामकर्म हितम् ॥ अथ विहितकालाति क्रमे सति गुरुशुक्रयोरस्तादिदोषरहिते सौम्यायने कार्यं नान्यथेति ।

अथ चैत्रादि १२ मासानां नामानि ।

चै.	वै.	ज्ये.	आ.	श्रा.	भा.	आ.	का.	मा.	पौ.	मा.	फा.	मा.
वैकुंठ	जनार्दन	उपेन्द्र	यज्ञपुरुष	वासुदेव	त्रिविक्रम	योगीश	पुंडरीकाक्ष	कृष्ण	अनन्त	अच्युत	चक्रधारी	नामानि

अथप्रथमादिमासेषु बालकानां दन्तजननफलबोध चक्रम्

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	मा.
स्वयंना.	कनिष्ठ नाशः	भगिनी	मा. ना	ज्ये. भ्रा. नाश	सुभोग	तातसु.	पुष्टतां	लक्ष्मी	सौख्यं	सौख्यं	धनसं.	फलानि

अथजन्मनिसदशनोब्दोर्ध्वंस्वपित्रादिहा॥ तदर्थंशांतिःविधेया इति

अथान्नप्राशनमुहूर्तः ।

अत्र बालानां षष्ठमासादारभ्य सममासेषु कन्यकानां पञ्चमासादारभ्य विषममासेषु कार्यः सौरेणान्नाशनं परम् ॥

सद्भानि	रो. उत्तरा ३, मृग. रे. चि. अनु.ह.पुष्य.अश्वि.अभि. पुनर्व. स्वा. श्र. ध. श. एषु भेषु कार्यः ॥
तिथयःशुभ	२।३।५।७।१०।१३।१५ एषु सत् ।
वाराः	चं. बु. गु. शु. एषां वारे श्रेष्ठः नान्येऽह्नि ।
सदङ्गानि	२।३।४।५।६।७।९।१०।११ एषु जन्मांगभयोर्मृत्युभस्यांगं तदंशकं च हित्वा प्रशस्तः नान्यलग्ने ।
अस्यांगशुद्धिश्चात्राह	लग्नात् १।३।४।५।७।९ एषु शुभैः ३।६।११ एषु पापैः, १० शुद्धेः १।६।८।१२ रहिते चन्द्रे चोत्तम

अथ कर्णवेधस्य मुहूर्तज्ञानाय चक्रम् ।

तत्र जन्माहात् १२।१६ दिनं ततः ६।७।८ मास ततः विषमवर्षे कर्णवेधः ५ शुभः ॥ चैत्रपौषावमाहजन्ममासचातुर्मासरिक्ताऽमासमवर्षजन्मतारा एतान् हित्वा कर्णवेधः प्रशस्तः ।

सत्तिथयः	१।२।३।५।६।७।८।१०।११।१२।१३।१५ एतत्तिथौ सिते; कृष्णे च तिथिं ५ यावदुत्तमः ॥
वाराः	चं. बु. बृ. शु. एषां वारे भद्रादिरहिते सत्युत्तमः ॥
सद्भानि	पुन. अश्वि. ह. पुष्य. अभि. मृ. चि. अनु. रे. श्र. ध. एतद्भेषु चन्द्रबले सति प्रशस्तः ॥
शु. ल.	२।३।४।५।७।९।१२ एतद्भस्य लग्नेष्वंशुषे च सत् ॥
लग्नशुद्धिश्च	लग्नादष्टमभवने संशुद्धे लग्नात् १।३।४।५।७।९।१० एषु. शुभैः तथा ३।६।११ एषु पापैश्चोत्तमः लग्नस्थे गुरौ कर्णवेधः शुभावहः ॥

अथ चौलमुहूर्त्तबोधकचक्रम् ॥

तत्र वर्षत्रयाद्विषमवर्षेषु जन्मतः ॥ विचैत्रोदगयने भानौ चोत्तमः ॥ मनुना प्रथमवर्षेऽपि सदुक्तं चौलम् ॥

सद्भानि	ज्ये. मृ. रे. चि. ह. अश्वि. पुष्य. अभि. स्वा. पुन. श्र. ध. श. एषु चन्द्रतारानुकूले सति शुभम् ।
वाराः	चं. बु. बृ. शु. एतद्वारेषु भद्रादिदोषरहितेश्रेष्ठम् ॥
सत्तिथयः	२।३।५।७।१०।११।१३एतत्तिथौसत् परन्तु पर्वोनाहे॥
शु. ल.	२।३।४।६।७।९।११ एतद्भस्य लग्नांशे श्रेष्ठम् ॥

अथ जन्मांगभयोर्मृत्युभस्य लग्नांशयोर्विनोक्ताङ्गांशे श्रेष्ठम् ॥

लग्न शुद्धिः	लग्नात् १।२।४।५।७।९।१० शुभैः ३।६।११ पापैश्चैतद्गृहोपगतैस्तथा ६।८।१२विवर्जितेन्दौ शुक्रवर्जिताष्टमभवने संशुद्धे चोत्तमं चन्द्रस्यात्रवारांगोक्तकृष्णपक्षेऽनिष्टमिति ॥

अथ शिशोस्ताम्बूलभक्षणस्यात्र मुहूर्त्तः ॥

उत्तरा ३ रो, मृ. रे. अनु. ह. अश्वि. पुष्य. ज्ये. मू. श्र. स्वा. ध. पुन. अभि. एषुभेषु. ॥ सू. चं. बु. बृ. एषां वारे ॥ एतद् २।३।६।१०।११।१२ एतद्भस्यांगे चोत्तमः ॥ तत्रलग्नात् १।४।५।७।९।१० एषु शुभैः ३।११ एषु पापैश्चोत्तमः ॥ सार्द्धमासद्वयसमयेऽन्नाशने वा कार्यः ॥

अथाक्षरारम्भस्य मुहूर्तज्ञानचक्रम् ॥ तत्रोत्तरायणे रवौ, पञ्चमेऽब्दे गणेशविष्णुसरस्वतीलक्ष्मीकुलदेवान्नत्वा सविधिं प्रपूज्य च शिशोर्नूतनाक्षरलेखनाऽरम्भः कार्यः ॥

तिथयः	२।३।५।६।१०।११।१२ एतत्तिथौ दुर्योगभद्रादिदोषरहिते सति शुभः ॥
वाराः	चन्द्रबुधगुरुशुक्राणां वारे शुक्लपक्षे चाक्षरारम्भः शुभः ।
भानि	अश्वि. आर्द्रा. पुन. पुष्य. ह. चि. स्वा. अनु. श्र. रे. एतद्भेषु शुभः ।

सांग लग्नशुद्धि	२।३।६।९।१२ एतद्भस्यांगे तदंशे चोत्तमः ॥ अत्राष्टमशुद्धे लग्ने कुम्भांशकं विनोत्तमः । स्वस्थे जीवे बुधे शुक्रे लग्ने खेटे बलाढ्यः श्रेष्ठोऽयम् ॥

अथ विद्यारम्भमुहूर्तस्य बोधकचक्रम् ।

तदात्रौ अक्षरग्रहणं दृढ़े सञ्जाते सति सौम्यायने रवौ वाश्विने कन्यार्के बुधप्राबल्ये चेद्गणेशगिरावभ्यर्च्य कार्यः ।

सद्वाराः	सू. बु. बृ. शु. एतद्वारेषु शुभः ॥
सद्भानि	अश्वि. पुष्य. आर्द्रा. अनु. मृ. पुनर्व. ह. चि. स्वा. श्र. ध. श. मू. पू. ३ आश्ले. एषु सत् ॥
सत्तिथयः	२।३।५।६।१०।११।१२ एषु सिते ति. ५ यावत्कृष्णे चोत्तमः ॥

अथ व्रतबन्धमुहूर्तस्य बोधकचक्रम् ।

तत्र गुरुशुक्रयोर्वृद्धत्वास्तशिशुत्वकालं विनोत्तरायणे रवौ माघादि ५ मासेषु शुभः ॥ परन्त्वर्केन्दुगुरुशुद्धिवशेन चैत्रे सति मीनार्के ब्राह्मणानां व्रतं सत् ।

सद्भानि	अश्वि. ह. पुष्य उत्तरा ३ रो. आश्ले. स्वा. पुन. श्र. ध. श. मू. चि. मृ. अनु. पूर्वा ३ रे. आर्द्राएतद्वेधरहितेषु भेषु सत् ॥ परन्तु नापराह्णे ।
तिथयः	२।३।५।१०।११।१३ एतच्छुक्ले २।३।५ एतत्कृष्णेतिथौचोत्तमः ।
सद्वारा	सू. चं. बु. शु. एषां वारे भद्रारुग्बाणादिदोषरहिते चोत्तमः ॥

सांग लग्नशुद्धि	२।३।६।९।१२ एतद्भस्यांगे शुभः । लग्नादष्टमे सर्वे ग्रहाः नेष्टाः । लग्नात् १।२।३।४।५।७।९।१०।११ एषु शुभैः ३।६।११ एषु पापैश्चोत्तमाधीतिरिति ॥

लग्न शुद्धिः	त्रिषट्संस्थाः खलाः सर्वे चन्द्रो द्विद्यून दक्त्रिगः ।। सौम्याः केन्द्रत्रिकोणस्था लाभे सर्वे व्रते शुभाः ।। १ ।। चं. शु. बृ. लग्नेशाः लग्नात् ६।८ ना शुभौ ।। चन्द्रशुक्रौ लग्नात् १२ निन्द्यौ । लग्नात् १।५।८ पापाः न शुभाः ।। ६।८।१२ सौम्या न शुभाः ।। ३।६।११ पापाश्शुभदाः पूर्णेन्दौ वृषकर्कगते लग्ने श्रेष्ठोऽन्यथा न ।। लग्नेऽर्कः शुभः ।।

अथ दीक्षाग्रहणमुहूर्त्तबोधकचक्रमिदम् ।

मासाः	चैं. वैं. श्रा. आश्वि. का. मार्ग. माघ. फा. एतन्मासेषु शुभो नाधिमासे ।
सद्भाः	अश्वि. रो. मृ. उ. ३ पू. ३. चि. रे. अ. पु. ह. स्वा. पुन. मू. श्र. ध. श. एषु सत् ।
सद्वाराः	सू. चं. बु.बृ.श.एषांवारे भद्रादिदोषवर्जिते सति प्रशस्तः ।।
तिथयः	२।३।५।६।७।१०।११।१२ एतत्तिथौ सिते श्रेष्ठः कृष्णे यावत्पञ्चमीं सत् ।।
शु. ल.	२।३।४।५।६।७।९।१२ एतद्भस्याङ्गेषुचन्द्रतारानुकूलेशुभः
अङ्गशुद्धिश्च	लग्नात् ३।६।११ एषु पापैः ।। १।४।५।७।९।१० एषु शुभैश्चोत्तमः ।। अष्टम्यां संक्रान्तौ रविचन्द्रोपरागे नोत्तमः ।। गुरुशुक्रयोर्दृश्ये श्रेष्ठः ।।

अथ चन्द्र १२ फलम्

पाणिग्रहे स्त्रीसुरतेऽभिषेके यात्रान्नप्राशे व्रतबन्धने च । व्रतोपवासादिषु गर्गपूर्वैः प्रोक्तः शुभो द्वादशगो हिमांशुः ।। १ ।। इति ।।

अथात्र वधूप्रवेशस्य मुहूर्त्तः ।।

नतनपरिणीतायाः वध्वाः प्रथमं भर्तृगृहे प्रवेशो वधूप्रवेशः स च विवाहदिवसात् २।४।५।६।७।८।१०।१२।१४ दिवसेषु शुभः ।। ऊर्ध्वे विषममासवर्षेषु ।। पञ्चवर्षात्परतः कामचारः ।।

तिथयः	१।२।३।५।६।७।८।१०।११।१२।१३।१५ एषुभद्राहीनेशुभः
वाराः	चं. वृ. शु. श.एषु दुष्टयोगादिरहितेशुभः।केचिद्बुधमप्यंगीकु
सद्भानि	उत्तरा ३ रो अश्वि. ह. पुष्य. अभि. मू. रे. चि. अनु. ।। श्र. ध. मू. म. स्वा. एतद्भेषु प्रशस्तम् ।।
शु. ल.	२।३।५।६।८।९।११।१२ एतद्भम्य लग्नशुभांशे चोत्तमः।।
लग्नशुद्धि	अत्र लग्नात् १।३।५।७।९।१०।११ एषु शुभैः ३।६।११ एष पापैश्चोत्तमः।।चतुर्थाष्टमशुद्धौ सत्यां शुभः ।।

अत्र केनचिद्विशेष उक्तः।। रात्रौ विवाहभे शस्तः सन्मुहूर्ते स्थिरोदये । वधूप्रवेशो नैवात्र प्रतिशुक्राद् भयं विदुः।।१।। इति।।

अथ क्षेमार्थ शान्तिमुहूर्त्तः ।।

तत्र ।। ह. अश्वि. पुष्य. अभि. रे. उत्तरा. ३ रो. स्वा. श्र. ध. श. पुनर्व अनु. म. एषु शुभनक्षत्र वारे सत्तिथौ चोत्तमः । परन्तु सितज्ययोरस्तादिदोषरहिते आवश्यके अस्तादावपि ।। ४ विधौ १० रवौ १ जीवे ८।१ पापरहिते चोत्तमः ।।

अथ भर्तृगृहात् पितृगृहागमनमुहूर्तविचारः ।

दारुणोग्रभिन्नेषु भेषु शनिसूर्यभौमभिन्नवारे सत्तिथौ शुभलग्ने कुयोगादिरहिते प्रशस्तः ।। इति ।।

अथात्र द्विरागमनमुहूर्त्तस्य बोधकचक्रमिदम् ।

स च कृतविवाहाया द्वितीयवारं भर्त्तृगृहे गमो द्विरागमः विवाहतो विषमाब्दमासयोः मेषवृश्चिककुम्भस्थिते रवौ शुक्ल पक्षे वरस्य रविगुरुशुक्रयोरस्तादिदोषस्य सन्मुखदक्षिणयोः शुक्रकृतदोषस्य चाभावे सत्युत्तमः ।। नान्यथा इति ।।

शुभभानि	ह. अश्वि. पुष्य. उत्तरा ३ रो. स्वा. पुन. श्र. ध. श. मू. मृ. रे. चि. अनु. एतद्भेषु चन्द्रतारानुकूले सति शोभनः ।।
सद्वाराः	चं.गु.बु.शु. एषां वारे दुष्टयोगभद्रादिदोषरहिते प्रशस्तः ।।
तिथयः	१।२।३।५।६।७।८।१०।११।१२।१३।१५ एतत्तिथौशुभः ।।
लग्नम्	२।३।६।७।१२ एतद्भस्यांगे शुभयुक्तेक्षिते वा सतिशुभः ।।
लग्नबलमाह	उपचयगते जीवे भृगौ केन्द्रमुपागते ।। शुभे लग्ने शुभाक्रांतेगंतव्यं भर्तृमंदिरेम् लग्नात् ३।६।११ एषुपापैः शुभदः।

अथ अग्न्याधानमुहुर्त्तबोधकचक्रमिदम् ।।

तत्रोत्तरायणे रवौ स्वशाखेशगुरुसितानामुदये चोत्तमः ।।

ङ्गानि	वि. कृ. रो. ज्ये. मृ. उत्तरा ३ रे. पुष्य. एतद्भेषुचन्द्रतारावलान्विते सतिशुभः ।। अयं न्यूनाधिकमासेन .कार्य्यः
सद्वाराः	र. चं. बु. बृ. शु. एतद्वारेषु भद्रादिदोषरहिते सत्युत्तमः ।।
तिथयः	१।२।३।५।६।७।८।१०।११।१२।१३।१५ एतत्तिथौशुभ
अङ्गानि	१।२।३।५।६।७।८।९ एतद्भस्याङ्गे तन्नांवशे चोत्तमः ।।

लग्नशुद्धिः	त्रिकोणोपचये केन्द्रे सूर्यजीवकुजेन्दुषु । शेषे चोपचये शुद्धे रन्ध्रेऽग्न्याधानमुत्तमम् ।। अत्रेन्दुर्लग्ने शुभः ।। रव्यारेन्दुशुक्रेज्याः न नीचे नास्तं गते वारिगेहे वर्जितेचेत्तदोत्तमः । धनुर्लग्ने जीवयुते वा मेषगे भौमे ७।१० गते वा ३।६।११ गतेषु सूर्यचन्द्रशनिराहुषु एषामन्यतमे वलगेहे सति शुभः ।। एषामन्यतमे वक्रगेहे सति शुभः ।।

अथ राज्याभिषेकस्य मुहूर्त्तज्ञानाय चक्रम् ।

तत्रोत्तरायणे भानौ गुरुचन्द्रशुक्र दृश्ये तथा भौमार्कलग्नेशदशमेशजन्मपैर्बलाढ्यैश्चेदुत्तमः ।। परन्तु नाधिमासे चैत्रे च रात्रौ न सदिति ।।

सद्भानि	ज्ये. श्र. ह. अश्वि. पुष्य. अभि. मृ. रे. वि. अनु. उ. ३ रो. एतद्भेषु सत् ।।
सद्वाराः	र.चं.बु.बृ.शु.एषांवारेन्दुबले कुयोगादिरहितेसतिशुभः
तिथयः	१।२।३।६।७।१०।११।१२।१३।१५ एषुभद्रादिरहितेषु शुभः ।।
शुभाङ्गानि	२।३।५।६।८।९।११।१२ एतद्भस्याङ्गेवाजन्माङ्गाभ्यामुपचये सद्ग्रहेक्षिते सति इष्टः ।। जन्माङ्गभयोर्मृत्युभस्य लग्ने नेष्टः ।।
लग्नशुद्धिश्च	लग्नात् पापैस्त्रिषष्ठायगतैः शुभः।। लग्नात्शुभग्रहैःकेन्द्रत्रिकोणायधनत्रिसंस्थितैः शुभः । सुहृत्स्वर्क्षोपगैः खेटैश्चेदिष्टोऽस्तगतनीचारिमस्थस्तत्रासत्।५।दृष्टग्रहैश्चेदुत्तमोयं

अथ वापीकूपतडागादीनामारम्भस्य मुहूर्त्तबोधकचक्रम्

शुभभानि	ह. अनु. रो. उत्तरा ३ ध.श.म.रे.पुष्य. मृ. पू. षां. एतद्भेषु शुभः । शुभ मासिगुरुसितयोरस्तादिदोषस्य भद्रादिदोषस्य रहिते शुभः ।
सद्वाराः	चं. बु. गु.शु. एषां वारे स्वस्वचक्रशुद्धौ सत्यां शुभः ।
तिथयः	१।२।३।५।६।७।८।०।११।१२।१३।१५एतत्तिथौ शुभः ।
लग्नबलम्	लग्ने जीवे ज्ञेऽथवा दुर्बलश्च क्रूरैः शुक्रे चापि मेषूरणस्थे । आप्ये चन्द्रे सर्वतोयाश्रयाणामारम्भाः स्युःसिद्धये निर्विकल्पम् ।

अथ द्वारशाखारोपणमुहूर्त्तस्य ज्ञानमाह ।

अश्विन्यामुत्तराहस्तपुष्यश्रुतिमृगेषु च ।। रोहिण्यां स्वातिभेऽन्त्ये च द्वारशाखां प्ररोपयेत् ।।१।। सत्तिथौ शुभोदये सद्वारे श्रेष्ठः ।। अथ द्वारचक्रशुद्धिर्लग्नशुद्धिश्चावलोक्येति ।।

अथ वृक्षलतागुल्मरोपणस्यमुहूर्तज्ञानमाह ।

लतागुल्मवृक्षारोपो हस्तपुष्याश्विनीध्रुवैः ।। विशाखामृदुमूलाहिवारुणैश्च प्रशस्यते ।।१।। गुरौ केन्द्रे त्रिकोणो का विधौ वारिविधूदये ।। शुभयुक्तेक्षिते चन्द्रे सद्वारे वा शुभोदये ।।२।। इति ।।

अथ जलाशयारामसुरप्रतिष्ठामुहूर्त्तबोधकचक्रम् ।

अत्रोत्तरायणे भानौ जीवेन्दुशुक्रे दृश्येसितेपक्षेचोत्तमोक्ताप्रतिष्ठा॥

सद्भानि	मृ. रे.चि.अनु.ह.अश्वि. पुष्य. अभि. स्वा. पुन. श्र. ध. श. उत्तरा ३ रो. एतद्भेषु चन्द्रतारानुकूले सति शुभः ॥ वा यस्य देवस्य प्रतिष्टाकर्तुमिष्ठातस्यतत्स्वामिके नक्षत्रे तिथौ मुहूर्त्ते प्रशस्तः ।
वाराः	सू. चं. बु. बृ. शु. एतद्वारेषु शुभः
तिथयः	१।२।३।५।६।७।८।१०।११।१२।१३।१५ एतद्भद्रादिरहिते चेत्तिथौ सत् ।
शुभल.	२।३।५।६।८।९।११।१२ एतद्भस्यांगे तदंशे चोत्तमः॥ चरांगे न शुभः ।
अत्राङ्ग शुद्धिः	लग्नात् १।२।४।५।७।९।१०।११ एतत्स्थानेषु शुभैः॥ ३।६।११ एषु सेन्दुभिः पापैश्चातिसुतैश्वर्यप्रदा । अत्र पञ्चेष्टखेटोनं लग्नं कर्तृ जन्माङ्ग भयोर्भृत्युभस्य लग्नञ्चानिष्टम् ॥ इष्ट ग्रहं । शुभांशे श्रेष्ठम् ॥

अथ गृहप्रतिष्ठामुहूर्त्तविचारः ।

मृ. रे. चि. अनु. उत्तरा ३ रो. ह. अश्वि. अभि. पुष्य. पुनर्व. स्वा. श्र.श.मू. एषु भेषु वास्त्वर्चनंभूतवलिञ्चकारयेत् ॥ लग्नात् १।३।५।७।९।१० शुभैः ३।६।११ पापैश्चोत्तमः ॥

अथ गृहारम्भमुहूर्त्तस्य बोधकचक्रम् ।

शुभमासाः	वै. श्रा. मार्ग. पौ. फा. एतन्मासेषु ॥ मेष. कर्क. सिंह. वृश्चिक. मकर. कुम्भे तद्भस्थे रवौ चोत्तमः ॥ परञ्च सितेज्ययोरुदिते सति ॥
भानिः	उत्तरा. ३ मृ. पुष्य. अनु. ध. श. चि. ह. स्वा. रो. रे. एषु विपञ्चके चोत्तमः ।
वाराः	चं. बु. शु. श. एषां वारे वत्सचक्रशुद्धौ सत्यांबले श्रेष्ठः ॥
तिथयः	२।३।५।७।१०।११।१३।१५ एतत्तिथौ भद्रादिदोषरहिते चेदुत्तमः ।
लग्नानि	२।३।५।६।८।९।११।१२ एष्वङ्गेषु सदग्रहेक्षितयुते सति शुभः ॥

अत्राङ्ग शुद्धिः	लग्नात् १।४।५।७।९।१० एषुशुभैः ३।६।११ एषुपापैश्चोत्तम अत्राष्टमे व्यये च क्रूरः कर्तुर्मृत्युकरः ॥ ८ ॥ १२ सद्ग्रहोऽप्यनिष्टः गृहेशतत्स्त्रीसुखवित्तनाशोऽर्केन्द्वीज्यशुक्रे विबलेस्तनीचैः ।

अथ देवालयमठाद्यारम्भस्य मुहूर्त्तज्ञानम् ।

गृहारम्भोक्तनक्षत्रैर्मठं कुर्यात् च शाश्विभैः ॥ सर्वदेवालयस्तैस्तैः पुनर्भैः : श्रवणान्वितैः ॥

अथ नूतनवध्वाःपाककर्ममुहूर्त्तज्ञानम् ।

मृगोत्तरातिष्यकृशानुशाक्रे श्रुतित्रये ब्राह्मद्विदैवपौष्णे । शुभे तिथौ व्याररवौ प्रकुर्यात् नवा वधूर्नूतनपाककर्म ॥१॥ स्थिरे लग्ने सुखे शुद्धे सप्तमे च बलान्विते । रन्ध्रे खेटविहीने च नवोढापाकमाचरेत् ॥इति॥

अथ दत्तकग्रहणस्य मुहूर्त्तः ।

हस्तादिपञ्चकभिषग्वसुपुष्यभेषु सूर्यक्षमाजगुरुभार्गववासरेषु । रिक्ताविवर्जिततिथिष्वलिकुम्भलग्ने सिंहे वृषे भवति दत्तपरिग्रहोऽयम् ॥

अथवृक्षारोपण मन्त्रः	ज्र वसुधेति च शीतेति पुण्यदेतिधरेति च । नमस्ते शुभगे देवी द्रुमोयं वर्द्धतामिति ॥

अथ नवगेहप्रवेशमुहूर्त्तस्य बोधचक्रम् ।

मासाः	वै. ज्ये. माघ. फा. एतन्मासेषु सौम्यायने रवौ सति शोभनः ॥
भानि	उ. ३ अनु. रो. मृ. चि. रे. एषु द्वारस्थभे कुम्भचक्रशुद्धौ सत्याम् ॥
वाराः तिथयः	चं. बु. बृ. शु. एषु सत् । सत्तिथयः १।२।३।५।६।७।८।१०।११।१२।१३ इति ।
लग्नानि	२।५।८।११ एषु सत् ॥ ३।६।९।१२ एषु मध्यमम् ॥ तत्र सेन्दुलग्नन्नेष्टम् ।
अत्राङ्ग-शुद्धि	जन्मर्क्षलग्नादुपचयस्थचरोनभाङ्गे लग्नाच्चतुर्थाष्टमशुद्धौ सत्यां शुभः । लग्ना.१।२।५।७।९।१०।११शुभैः३।६।११ पापैश्चोत्तम अत्यावश्यके चतुर्थशुद्धेऽपि सत् ॥ वामार्के श्रेष्ठ इति ॥

गृहेष्टनक्षत्रतो गणनाविचारः ।

आर्द्रादितिर्गुरुश्चव सर्पश्चैव पिताभगः॥ शतभंपूर्वयुग्मञ्च नवेष्टाः गृहतारकाः ॥ इति ॥ तत्र राशिकूटादिक सर्वदम्पत्योरिवचिन्तयेत् ॥ सेव्यसेवकयोश्चैव गृहतत्स्वामिनोरपि । परस्परं मित्रयोश्च एकनाडी प्रशस्यते ॥ इति ॥ अत्रैका नाड़ी प्रशस्ता ॥

वास्तुभूमिशुभाशुभज्ञानप्रकारः ।

सायंकाले हस्तप्रमितंविस्तृतिप्रमाणं गर्तं विधाय तज्जल पूर्णं कृत्वा प्रातःकाले विलोक्य तत्सजलं शुभं, निर्जलं मध्यमं, निर्जलं स्फुटितमसदिति ॥

पिण्डत आयाद्यानयनप्रकारः ।

पिण्डे नवस्थानस्थापिते क्रमात् ९।९।६।८।३।८।८।४।८ एतैर्गुणिते ८।७।९।१२।८।२७।१५।२७।१२० एतैर्विभक्ते शेषं क्रमात्—आयः १ वारः २ अंशः ३ द्रव्यं ४ ऋणं ५ ऋक्षं ६ तिथिः ७ योगः ८ आयुश्च ९ भवति । बहुऋणमल्पद्रव्यं गृहमसत् । गृहगृहेशनक्षत्रैक्यञ्चन सदिति सर्वमायो विचार्यताम् ॥ आयोध्वजादिः । वारोऽर्कादि । अंशको मेषादिनवमांशाः । अंशकशब्देन केचन जन्मादितारा गणयन्ति तदनुचितं तस्याऽन्या गणनोक्तेत्यन्यत्र प्रसिद्धम् ॥

अथाऽयानां नामानि उपयोगकथनञ्च ।

ध्वजः	धूम्रः	हरिः	अश्वः	वृषः	गर्दभः	हस्ती	काक

वापीकूपतड़ागादौ गजो देयो विचक्षणैः । आसनेयोजयेत्सिहं शयने काककुञ्जरौ ॥१॥ वृषंभोजनपत्रेषुदद्याच्छालादिषुध्वजम् । महानसोऽग्निशालायां गृहे वाग्न्युपजीविनाम् ॥२॥ धूम्रं दद्यात्तथा श्वानंयवनान्त्यजयोर्गृहे । खरो वेश्यागृहे योज्यो ध्वांक्षस्तुपक्षिणोः गृहे ॥३॥ वृषं सिंह गजं दद्यात् प्रासादे पुरमन्दिरे ॥शुभम् ॥

पिण्डानयने सुगमा रीतिः ।

अष्टघ्नेष्टायमृक्षैरधिकमनधिकं यद्गजैरंकचन्द्रैर्निघ्नं भैः शेषितं तद्गजगुणितमथो साऽयमेवं हि पिण्डः ॥इति॥

अथ प्रवेशस्य समयमाह ।

वधूप्रवेशोनदिवा प्रशस्तो राजप्रवेशो न निशिप्रशस्तः दिवाचरात्रौच गृहप्रवेशः सत्कीर्तिदः स्यात्त्रिविधः प्रवेशः ।

अथ वीजाप्तौ फणिचक्रम्—राहुभादत्र दिनभावधि गणना ॥

८	३	१	३	१	३	१	३	४	भानि
असत्	शुभम्	असत्	शुभम्	अशुभम्	शुभम्	असत्	शुभम्	असत्	फलम्

अथ राज्याभिषेककाले चक्रशुद्धिज्ञानार्थमिदं राज्यमुद्रावलयचक्रम् ॥रविभादस्य गणना ॥

स्थानानि	नक्षत्र	फलम्
सिंहासनस्य मध्यस्थले	२	सैन्यपदार्थ नाशः
स्कन्धयुग्मे	४	श्रेष्ठम्
पश्चाद्विदिक्के	४	मरणम्
पूर्वस्याम्	४	कीर्तिवर्द्धनम्
भद्रासने	२	भीतिः
चामरयो	४	शोभनम्
पत्रकरणे छत्रे	४	मरणम्
शिर उपरि	३	सार्वभौमता

अथात्राधोमुखनक्षत्राणि ।

मूल, आश्ले, मघा, पूर्वा ३ भरणी विशाखा, कृत्तिका, एपुभेषु, वापीकूपतड़ागादिखातंनिधिस्थापनंचोत्तममिति ।

अथात्र पुरे ग्रामारम्भे वत्सचक्रमिदम् । ॥रविभाद्गणना ॥

स्थानम्	नक्षत्र	फलम्
मस्तके	३	अग्निदाहः
अग्रपादे	४	विनाशः
पृष्ठपादे	४	स्थैर्यम्
पृष्ठे	३	लक्ष्मीलाभः
वामकुक्षौ	४	श्रीः
दक्षकुक्षौ	४	शूलः
पुच्छे	३	भयंहानिश्च
नासिकायाम	२	मृत्युभीतिः

अथात्र हलप्रवहण मुहूर्तवचारः ।

तत्र—मू. वि. म. स्वा. पुन. श्र. ध. श. उ. ३ रो. मृ. रे. चि. अनु. ह. अश्वि. पुष्य. अभि. एपु. भेषु. र. श. वारं. विन । अन्यवारेषु सत् ॥ तथा षष्ठीरिक्तावजिततिथौ स्वचक्रशुद्धौ सत्यां शुभः ॥ अत्र—पापैर्हीनवलैर्जलचरराशौ चन्द्रे सतिशनिपुष्टेसति गुरुर्लग्ने ॥ २।३।६।८।९।१२ एतस्यांदभरयांगेषु ॥ प्रशस्तः ॥

अथ वास्तुपुरुषः शिरः ।

पूर्वे	दक्षिण	पश्चिमे	उत्तरे
भाद्रपद	मार्गशीर्ष	फाल्गुन	ज्येष्ठ
आश्विन	पौष	चैत्र	आषाढ़
कार्तिक	माघ	वैशाख	श्रावण

अथोर्ध्वमुखभानि ।

आद्रा, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शत, उत्तरा ३, रोहिणी एषुभेषुगृहारामनृपाभिषेकध्वजकर्ममण्डपादिकृत्यमीदृशंश्रेष्ठमिति

अथ हवनचक्रमिदम् ।

नक्षत्र	३	३	३	३	३	३	३	३	३
ग्रहाः	सू.	बुधः	शुक्रः	श.	चन्द्रः	भौ.	गुरुः	रा.	केतु
फलम्	अ.	शुभः	शुभः	अ.	शुभः	अ.	शुभः	अशु.	अशुभः

अथ हौमादौ वह्निवासविचारः

गततिथ्यः शुक्लादिरीत्या सैका कार्याः ॥ ततो वारयुताः चतुर्भिस्तष्टाः ०।३ भुवि वह्निवासः होमे सौख्याय ॥ एक १ शेषेस्वर्गे वासः फलं प्राणनाशः ॥ २ शेषेपातालेवासः अर्थनाशः॥

पल्लीपतनस्यानिष्टफलवारणायात्र दानजपः ।

तिलमाषादिदानानि स्नात्वादेयाद्विजन्मने ॥ पिनाकिनं नमस्कृत्यजपेत् मन्त्रंषडक्षरम् ॥ १ ॥ शतंसहस्रमथवासर्वदोषनिवर्हणम् । शिवालयेप्रयद्याद्ब दीपंदोषोपशान्तये ॥ २ ॥ अशुभध्वस्तये मृत्युञ्जयजप स्वर्णगोदानं कार्यमिति शुभम् ॥

अथ कूपचक्रम् । रोहिणीनक्षत्राद्दिनभावधि गणना ॥

भागाः९	न.	फलम्
मध्ये	३	शीघ्र जल स्वादुः
पूर्वदिशि	३	भूमिस्तु खंडितं न जलम्
अग्निकोणे	३	शुभं सुजलम्
दक्षिणे	३	निर्जलं तथा दुष्टम्
नैरृत्ये	३	शुभं अमृतं वारि
पश्चिमे	३	शुभं निर्मलम् जलम्
वायव्ये	३	दुष्टं जलहानिः
उत्तरे	३	शभं मधुरं जलम्
ईशाने	३	दुष्टं क्षारं, कटुजलम्

अथ गजचक्रम् सूर्यभाद्गणना | अथाश्वचक्रम् रवियुग्भादगणना

स्थानम्	न.	फलम्	स्थान	न.	फलम्
शीर्षे	३	लक्ष्मीप्रा	शीर्षे	५	सुख
शुण्डे	३	श्रीलाभः	पृष्ठे	१०	लाभद
मुखे	२	मरणम्	पुच्छे	२	स्त्रीना.
हृदि	३	सुखम्	पादे	४	रणेभंग
अग्रपादे	४	व्याधिभ	उदरे	५	हयना.
पृष्ठपादे	४	भीतिः	मुखे	२	लाभः
पुच्छे	४	स्मृतिः	इदमानयनेआरोहणे च विचार्यम्		
पृष्ठ	४	व्याधिभ			

कूपचक्रम् केचिदाहुः रविभाद्गणना | द्वारचक्रम् रविभाद्गणना

भागाः ९	न.	फलानि	न.	फलम्
मध्ये	३	स्वादुजल	४	राज्यला
पूर्वे	३	खंडितजलं	२	हानिः
अग्नौ	३	स्वादुजलं	४	धनाप्तिः
दक्षिणे	३	जलहानिः	२	भयम्
नैरृत्ये	३	स्वादुजलं	४	मृत्युभयम्
पश्चिमे	३	क्षारोदकम्	२	मृत्युः
वायव्ये	३	मिश्रीतोद	४	द्रव्याप्तिः
उत्तरे	३	मिष्टोदकं	२	शोकभय मृ.
ईशाने	३	क्षारोदकं	३	धनलाभः

अथ तैलिचक्रम्

स्थानानि	नक्ष	फलम्
शृंगे	७	सम्पत्
मध्ये	३	शोकः
तले	२	विपत्
कर्णे	७	धनम्
दारुयुर	३	ऋद्धि
संभार	५	सुखम्

इदमिक्षुरसादि यंत्रकर्मण्यपिज्ञातव्यम्

चूडिकाचक्रं रविभात् ॥

नक्षत्राणि	फलम्
३	असत्
५	अशुभम्
३	शुभम्
४	शुभम्
७	अनिष्टम्
२	अनिष्टम्
१	शुभम्
२	शुभम्
१	असत्

अथात्र तिर्य्यङ्मुखभानि ।

अनु. ह. स्वा. पुन. ज्ये. चि. अश्वि. रे. मू. एपु भेषु हलप्रवहणगमन गजाश्वरथादिकृत्यंशोभनम् ।

गृह निर्माणार्थं शुद्ध-पिण्ड-चक्रम् ।

दीर्घ	२१	२१	२३	२३	२३	२५	२५	२५	२७	२७	२७	२९	२९	२९	३१	३१	३१	३१	३३	३३	३३	३३	३५	३५	३५	३५
विस्तार	१९	२१	१९	२१	२३	२१	२३	२५	२३	२५	२७	२५	२७	२९	२५	२७	२९	३१	२७	२९	३१	३३	२९	३१	३३	३५
आय	७	१	५	३	१	५	७	१	५	३	१	५	७	१	७	५	३	१	३	५	७	१	७	५	३	१
वार	७	७	६	७	१	७	२	४	३	६	२	१	५	२	३	१	६	४	४	३	२	१	७	७	७	७
अंश	९	९	३	९	६	९	३	६	९	९	९	३	९	६	६	९	३	६	९	९	९	९	६	३	९	६
द्रव्य	१२	१२	४	१२	८	१२	४	८	१२	१२	१२	४	१२	८	८	१२	६	८	१२	१२	१२	१२	८	४	१२	८
ऋण	५	३	७	१	३	७	५	३	७	१	३	७	५	३	५	७	१	३	१	७	५	३	५	७	१	३
ऋक्ष	६	१८	१३	३	२०	१५	१०	५	२७	२७	२७	२२	२७	५	१७	२७	१०	२०	२७	१५	३	१८	२०	१३	६	२६
तिथिः	१२	३	१	९	२	१५	१०	५	३	१५	१२	१०	९	८	५	६	७	८	३	६	९	१२	५	१०	१५	५
योगः	३	९	२०	१५	१०	२१	५	१६	२७	२७	२७	११	२७	१६	२२	२७	५	१०	२७	२१	१५	९	१०	२०	३	१३
आयुः	७२	४८	१६	२४	३२	१२०	४०	८०	४८	१२०	७२	४०	२४	८	८०	९६	११२	८	४८	९६	२४	७२	८०	४०	१२०	८०
दीर्घ	३७	३७	३७	३७	३९	३९	३९	३९	४१	४१	४१	४१	४१	४३	४३	४३	४३	४३	४५	४५	४५	४५	४५	४७	४७	४७
विस्तार	३१	३३	३५	३७	३३	३५	३७	३९	३३	३५	३७	३९	४१	३७	३७	३९	४१	४३	३७	३९	४१	४३	४५	३९	४१	४३
आय	३	५	७	१	७	५	३	१	१	३	५	७	१	१	७	५	३	१	१	३	५	७	१	१	७	५
वार	५	६	७	१	५	७	२	४	४	७	३	६	१	७	४	१	५	२	५	३	१	६	४	५	४	३
अंश	६	९	३	६	९	९	९	९	९	६	३	९	६	३	६	९	३	६	९	९	९	९	९	९	६	३
द्रव्य	८	१२	४	८	१२	१२	१२	१२	१२	८	४	१२	८	४	८	१२	४	८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	८	४
ऋण	१	७	५	३	५	७	१	३	३	१	७	५	३	३	५	७	१	३	३	१	७	५	३	३	६	७
ऋक्ष	२३	२१	१९	१७	९	१२	१५	१८	२४	५	१३	२१	२	२५	११	२४	१०	२३	९	२७	१८	९	२७	३	२६	२२
तिथिः	१०	३	१०	२	६	१५	९	३	९	५	१	१२	८	१०	८	६	४	२	१५	१५	१५	१५	१५	९	११	१३
योगः	२५	२४	२३	२२	१८	६	२१	९	१२	१६	२०	२४	१	२६	१९	१२	५	२५	१८	२७	९	१८	२७	१५	१३	११
आयुः	५६	४८	४०	३२	९६	१२०	२४	४८	२४	८०	१६	७२	८	४०	८	९६	६४	३२	१२०	१२०	१२०	१२०	१२०	२४	५६	८८
दीर्घ	४७	४७	४९	४९	४९	४९	४९	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५७
विस्तार	४५	४७	४१	४३	४५	४७	४९	४१	४३	४५	४७	४९	५१	४३	४५	४७	४९	५१	५३	४५	४७	४९	५१	५३	५५	४७
आय	३	१	१	३	५	७	१	३	१	७	५	३	१	७	१	३	५	७	१	३	१	७	५	३	१	७
वार	२	१	७	७	७	७	७	३	४	५	६	७	१	१	३	५	७	२	४	१	४	७	३	६	२	३
अंश	९	६	३	६	९	३	६	९	९	९	९	९	९	३	९	६	३	९	६	९	३	६	९	३	६	९
द्रव्य	१२	८	४	८	१२	४	८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	४	१	८	४	१२	८	१२	४	८	१२	४	८	१२
ऋण	१	३	३	१	७	५	३	१	३	५	७	१	३	५	३	१	७	५	३	१	३	५	७	१	३	५
ऋक्ष	१८	१४	७	८	९	१०	११	१५	२१	२७	६	१२	१८	७	१८	२	१३	२४	८	९	२५	२४	३	१९	८	२१
तिथिः	१५	२	७	११	१५	४	८	३	९	१५	६	१२	३	७	१५	८	१	९	२	१५	१०	५	१५	१०	५	१२
योगः	९	७	१७	४	१८	५	१९	२१	२४	२७	३	६	९	१७	९	१	२०	१२	४	१८	२६	७	१५	२३	४	२४
आयुः	१२०	३२	११२	५६	१२०	६४	८	४८	२४	१२०	९६	७२	४८	११२	१२०	८	१६	२४	३२	१२०	४०	८०	१२०	४०	८०	७२

गृह निर्माणार्थ शुद्ध-पिण्ड-चक्रम् ।

दीर्घ	५७	५७	५७	५७	५७	५९	५९	५९	५९	५९	५९	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६३	६३	६३	६३	६३	६३	६३	६५
विस्तार	४९	५१	५३	५५	५७	४९	५१	५३	५५	५७	५९	४९	५१	५३	५५	५७	५९	६१	५१	५३	५५	५७	५९	६१	६३	५३
आय	१	३	५	७	१	३	१	७	५	३	१	५	७	१	३	५	७	१	५	३	१	७	५	३	१	५
बार	७	४	१	५	२	७	५	३	१	६	४	७	६	५	४	३	२	१	७	७	७	७	७	७	७	२
अंश	९	९	९	९	९	३	९	६	३	९	६	६	९	३	६	९	३	६	९	९	९	९	९	९	९	६
द्रव्य	१२	१२	१२	१२	१२	४	१२	८	४	१२	८	८	१२	४	८	१२	४	८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	८
ऋण	३	१	७	५	३	१	३	५	७	१	३	७	५	३	१	७	५	३	७	१	३	५	७	१	३	७
ऋक्ष	१५	९	३	२४	१८	१६	१५	१४	१३	१२	११	१७	२१	२५	२	६	१०	१४	२७	९	१८	२७	९	१८	२७	२०
तिथिः	९	६	३	१५	१२	१३	१२	११	१०	९	८	२	३	४	५	६	७	८	९	१२	१५	३	६	९	१२	५
योगः	२१	१८	१५	१२	९	८	२१	७	२०	६	१९	२२	२६	२६	१	३	५	७	२७	१८	९	२७	१८	९	२७	१०
आयुः	२४	९६	४८	१२०	७२	८८	७२	५६	४०	२४	८	३२	४८	६४	८०	९६	११२	८	२४	७२	१२०	४८	९६	२४	७२	८०

दीर्घ	६५	६५	६५	६५	६५	६५	६७	६७	६७	६७	६७	६७	६७	६९	६९	६९	६९	६९	६९	६९	७१	७१	७१	७१	७१	७१
विस्तार	५५	५७	५९	६१	६३	६५	५५	५७	५९	६१	६३	६५	६७	५७	५९	६१	६३	६५	६७	६९	५७	५९	६१	६३	६५	६७
आय	७	१	३	५	७	१	५	३	१	७	५	३	१	५	७	१	३	५	७	१	७	५	३	१	७	५
बार	३	४	५	६	७	१	६	१	३	५	७	२	४	५	१	४	७	३	६	२	२	६	३	७	४	१
अंश	३	९	६	३	९	६	६	९	३	६	९	३	६	९	९	९	९	९	९	९	९	६	३	९	५	३
द्रव्य	४	१२	८	४	१२	८	८	१२	४	८	१२	४	८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	८	४	१२	८	४
ऋण	५	३	१	७	५	३	७	१	३	५	७	१	३	७	५	३	१	७	५	३	५	७	१	३	५	७
ऋक्ष	७	२१	८	२२	९	२३	२३	१५	७	२६	१८	१०	२	९	६	३	२७	२४	२१	१८	३	५	७	९	११	१३
तिथिः	१०	१५	५	१०	१५	५	५	१२	४	११	३	१०	२	९	३	१२	६	१५	९	३	६	२	१३	९	५	१
योगः	१७	२४	४	११	१८	२५	२५	२१	१७	१३	९	५	१	१८	३	१५	२७	२१	२४	९	१५	१६	१७	१८	१९	२०
आयुः	४०	१२०	८०	४०	१२०	८०	८०	७२	६४	५६	४८	४०	३२	२४	४८	७२	९६	१२०	२४	४८	९६	३२	८८	२४	८०	१६

दीर्घ	७१	७१	७३	७३	७३	७३	७३	७३	७३	७३	७५	७५	७५	७५	७५	७५	७५	७५
विस्तार	६९	७१	५९	६१	६३	६५	६७	६९	७१	७३	६१	६३	६५	६७	६९	७१	७३	७५
आय	३	१	३	५	७	१	३	५	७	१	७	५	३	१	७	५	३	१
वार	५	२	४	२	७	५	३	१	६	४	१	७	६	५	४	३	२	१
अंश	९	६	३	६	९	३	६	९	३	६	९	९	९	९	९	९	९	९
द्रव्य	१२	८	४	८	१२	४	८	१२	४	८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२
ऋण	१	३	१	७	५	३	१	७	५	३	५	७	१	३	५	७	१	३
ऋक्ष	१५	१७	४	११	१८	२५	५	१२	१९	२६	१५	२७	१२	२४	९	२१	६	१८
तिथिः	१२	८	१	१४	१२	१०	८	६	४	२	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५
योगः	२१	२२	२	१९	९	२६	१६	६	२३	१३	२१	२७	६	१२	१८	२४	३	१९
आयुः	७२	४८	१६	१४	७२	४०	८	९६	६४	३२	१२०	१२०	१२०	१२०	१२०	१२०	१२०	१२०

यह चक्र देखने की रीति

पहले गृहकर्ता के नाम नक्षत्र से दूसरे किसी नक्षत्र की विवाहवत् गणना गिनिये। परन्तु नाड़ी एक हो। जिस नक्षत्र से अच्छा गुण मिले उसी नक्षत्र वाले पिण्ड को इसमें से छाँटिये। जिसमें आयु अच्छी हो, द्रव्य अधिक, व्यय कम हो और सब बातें ठीक मिलती हों वही पिण्ड बताइये। इस बात का ध्यान रहे कि गृह-स्वामी का नाम-नक्षत्र तथा राशि और गृह का नक्षत्र तथा राशि एक हो।

मृत्युञ्जयजपविधिप्रकरण–इसमें अरिष्टशांतिदरिद्रतानिवारणदीर्घायुप्राप्ति आरोग्यप्राप्तिनिमित्तवैदिकमहामृत्युञ्जय मंत्रजपविधि दी गई है

अथारिष्टशान्तये महामृत्युञ्जय वैदिकमन्त्रजपविधिः ।।

आचम्य प्राणानायम्य शान्तिपाठं सुमुखश्चेत्यादि गणेशस्मरणं च कृत्वा ।। संकल्पः अमुकमासीयामुकपक्षीयामुकतिथावमुकवासरे स्वस्य (यजमानस्य वा) शरीरे उत्पन्नोत्पत्स्यमानाखिलारिष्टशान्तये श्रीमृत्युञ्जयप्रसादाद्दीर्घायुष्यसततारोग्यतावाप्तये मृत्युञ्जयमंत्रजपमहं करिष्ये ।। ऋष्यादिन्यासः ।। वामदेवकहोलंवशिष्ठाऋषयः मूर्ध्नि ।। पंक्तिगायत्री अनुष्टुप्छन्दांसि वक्त्रे ।। सदाशिवमहामृत्युञ्जयरुद्रदेवतायै नमः हृदि ।। ह्रींशक्तयेनमः लिंगे ।। श्रींबीजायनमः पादयोः ।। इति ऋष्यादिन्यासः ।। ॐ ह्रों ॐ जूंसः भूर्भुवः स्वः त्र्यम्बकंयजामहे सुगन्धिपुष्टिवर्द्धनम् ।। उर्व्वारुकमिवैबन्धनान्मृत्योर्मुक्षीयमामृतात् ।। भूर्भुवः स्वरोंजूसः ह्रौं ॐ ।। अस्य श्रीमहामृत्युञ्जयमंत्रस्य वामदेवकहोलवशिष्ठा ऋषयः पंक्तिगायत्र्युष्णिगनुष्टुप्छन्दांसि सदाशिवमहामृत्युञ्जयरुद्रो देवता ह्रींशक्तिः श्रींबीजं महामृत्युञ्जयप्राप्तये ममाभीष्टसिद्धयर्थंजपे विनियोगः ।। ॐ ह्रों ॐ जूँसः भूर्भुवः स्वः त्र्यम्बकं ॐ नमोभगवते रुद्राय शूलपाणयेस्वाहा हृदयायनमः ।। ॐ ह्रौं ॐ जूँसः भूर्भुवः स्व यजामहे ॐ नमोभगवतेरुद्राय अमृतमूर्तयेमांजीवय शिरसिस्वाहा ।। ॐ ह्रों ॐ जूँसः भूर्भुवः स्वः सुगन्धिपुष्टिवर्द्धनं ॐ नमोभगवतेरुद्राय चन्द्रशिरसे जटिनेस्वाहा शिखायै वौषट् ।। ॐ ह्रौं ॐ जूँसः भूर्भुवः स्वः उर्व्वारुकमिवबन्धनात् ॐ नमोभगवतेरुद्रायत्रिपुरान्तकाय ह्रों कवचायहुँ ।। ॐ ह्रौं ॐ जूँसः भूर्भुवः स्वः मामृतात् ॐ नमोभगवतेरुद्राय अग्नित्रयाय उज्वलज्वालायमांरक्षरक्ष अघोराय अस्त्रायफट् ।। इति षडङ्गन्यासः ।।

त्र्यम्बकंशिरसि । यजामहेभ्रुवो : सुगन्धिंनेत्रयोः । पुष्टिवर्द्धनंमुखे । उर्व्वारुकं गण्डयोः । इवहृदये । बन्धनात् जठरे । मृत्योःलिङ्गे । मुक्षीयऊर्व्वोः । मा जान्वोः ।। अमृतात् पादयोः ।। इति पदन्यासः ।। मूलेनव्यापकंकृत्वाध्यानं कुर्यात् ।। अथध्यानं ।। हस्तांभोजयुगस्थकुम्भयुगलादुद्धृत्यतोयंशिरः सिञ्चन्तंकरयोर्युगेन दधतं स्वांकेशकुम्भौकरो ।। अक्षस्रमृगहस्तमम्बुजगतं मूर्धस्थचन्द्रस्रवत्पीयूषोन्नतनुम्भजेसंगिरिजंमृत्युञ्जयंत्र्यम्बकम् ।।१।। चन्द्रोद्भासितमूर्द्धजंसुरपतिंपीयूषपात्रं बद्धहस्ताब्जेनदधत्सुदिव्यममलंहास्यास्यपंकेरुहम् ।। सूर्येन्द्वग्निविलोचनं करतलैः पाशाक्षसूत्रांकुशांभोजं विभ्रतमक्षयपशुपतिंमृत्युञ्जयं संस्मरे ।।२।। इति ध्यात्वा ।। मानसोपचारैः संपूज्य ।। ॐ लंपृथिव्यात्मकगंधंसमर्पयामि ।। ॐहंआकाशात्मकं मन्त्रपुष्पं समर्पयामि ।। ॐ यवाय्वात्मकं धूपं समर्पयामि ।। ॐ रंतेजसात्मकं दीपंसमर्पयामि ।। ॐ पंअमृतात्मकं नैवेद्यं समर्पयामि ।। ॐ सं सर्वात्मकं मन्त्रपुष्पं समर्पयामि ।। मन्त्रं जपेत् ।। ॐ ह्रौं ॐ जूँसः भूर्भुवः स्वः त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिपुष्टिवर्द्धनम् ।। उर्व्वारुकमिवबन्धनान्मृत्योर्मुक्षीयमामृतात् भूर्भुवः स्वरों जूँसः ह्रों ॐ ।। ततो जपानंतरं देवदक्षिणकरे जपं समर्पयेत् । गुह्यातिगुह्यगोप्तात्वंगृहाणास्मत्कृतं जपम् ।। सिद्धिर्भवतुमेदेवत्वत्प्रसादान्महेश्वर ।।१।। मृत्युञ्जयमहारुद्र त्राहिमां शरणागतम् ।। जन्ममृत्यु जरारोगैः पीडितंकर्मबन्धनैः ।।२।। अर्पणं ।। अनेनमहामृत्युञ्जयजपाख्येनकर्मणा श्री महामृत्युञ्जयः प्रीयतांन मम ।। इति विज्ञाप्य देवेशं जपेन्मन्त्रं तु त्र्यम्बकम् ।। जपनिवेदन ।। जपसांगतासिद्ध्यर्थंयथाकामनाद्रव्येण तद्दशांशदुग्धाज्यसंसिक्तापामार्गसमिद्भिर्होमः ।। तद्दशांशमार्जनं ।। तद्दशांशतर्पणम् । तद्दशांशब्राह्मणभोजनं कुर्यात् ।। इति ।। अथहोमार्थशताक्षरागायत्रीमन्त्रः ।। ॐ तत्सवितुर्वेरेण्यम्भर्गोदेवस्यधीमहि धियोयोनः प्रचोदयात् ॐ जातवेदसेसुनवा सोममरातीयतोनिदहातिवेदः । सनः पर्षदतिदुर्गाणिविश्वानावेवसिन्धुंदुरितात्यग्निः ।। ॐ त्र्यम्बकं यजामहेसुगन्धिंपुष्टिवर्द्धनम् ।। उर्व्वारुकमिवबन्धनान्मृत्योर्मुक्षीयमामृतात् स्वाहा ।।

अथ शंकरजी के नैवेद्य (प्रसाद) भक्षण का विचार

पद्मपुराण में लिखा है—द्रव्यं अन्नं फलं तोयं शिवस्य न स्पृशेत्क्वचित् । लंघयेनैव निर्माल्यं कूपे सर्वंपरित्यजेत् । मक्षिकापाद मात्रं यः शिवस्वमुपजीवति ।। लोभान्मोहान्स गच्छेत कल्पान्तंनरके पुनः ।। शिव नारद सम्वादे विशेषमुक्तम् ।। बाणलिंगे तु चण्डाशोर्न च निर्माल्य कल्पना ।। सर्वं बाणार्पितं ग्राह्यं शक्त्या भक्तेश्च नान्यथा ।। ग्राह्याग्राह्यविचारो यं बाणलिंगे न विद्यते ।। तदर्पितं जलं चान्नं ग्राह्यं प्रसादसंज्ञया ।। (बाणलिंग नर्मदेश्वर लिंग को कहते हैं)

प्रश्नोपरि विनष्टार्थस्य लाभालाभ विचारः

प्रश्न लग्नासौम्याः केन्द्रोपचये वित्तलाभाय । तत्रस्थिते पापे हान्यै । पूर्णेन्दुभृगुजीवानामेको पि लग्नगो लाभः । चन्द्राधिष्ठित भवनं स्वस्वामिना दृष्टंचेल्लाभः । लग्नेशे सप्तमे सप्तमे लग्ने लाभः । उभौ सप्तमौ मुथशीलिनौ लाभः । चेत्तो मुथशीलिनी चौरः स्वयं धनं ददाति । चन्द्रे सप्तमे अष्टमे वा सूर्यः लग्ने न लाभः । कर्मेशलग्नेशयो इत्थशाल चौरः नगरात् पलायते । लग्नेशः अष्टमे न लाभः केन्द्रस्थितेचन्द्रे लाभः । सप्तमेशेस्वार्थं तत्रैव धनम् । सप्तमेशे वा चन्द्रे केन्द्रे धनं लाभः ।

मेषादि राशीनामत्रद्रष्काणचक्रम् ॥

मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	बृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः
१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	अंश-
मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	र.	चं.	मं.	बु.	व.	वृ.	श.	पतयः
२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	अंश
र.	चं.	मं.	ब.	बृ.	शु.	श.	र.	चं.	मं.	बु.	व.	पतयः
३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	अंश-
शु.	श.	र.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	र.	चं.	मं.	पतयः

वर्ष प्रवेशसारिणीयम् । जन्मवारेष्टघटीपलेषु-प्रतिवर्षक्षेपकंबारादिः ।

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	ग वर्ष
१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	४	५	वा.
१५	३१	४६	२	१७	३३	४८	४	१९	३५	५०	६	२१	३७	५२	८	२३	३९	५४	१०	२६	४१	५७	१२	२८	४३	५९	१४	३०	४५	१	१६	घ.
३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	७५	५८	३०	१	३३	४	३६	७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८	प.
३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०५	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	वि.
३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	ग.वि.
६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	वा.
३२	४७	३	१८	३४	४९	५	२१	३६	५२	७	२३	३८	५४	९	२५	४०	५६	११	५७	४२	५८	१३	२९	४४	०	१५	३१	४७	२	१८	३३	घ.
१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०	१	३३	४	३६	प.
३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	वि.
६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	ग. व.
४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	वा.
४९	४	२०	३५	५१	६	२२	३७	५३	८	२४	३९	५५	१०	२६	४२	५७	१३	२८	४४	५९	१५	३०	४६	१	१७	३२	४८	३	१९	३४	५०	घ.
७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	प.
३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	वि.

अथात्र त्रिराशिपाः ।

लग्न	मे.	बृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	बृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
दिवा	र.	शु.	श.	शु.	बृ.	चं.	बु.	मं.	श.	मं.	बृ.	चं.
रात्रौ	बृ.	चं.	बु.	मं.	र.	शु.	श..	शु.	श.	मं.	बृ.	चं.

ग्रहणामुच्नोचदीप्तांशहर्षस्थानि

सू.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	ग्रह
०	१	९	५	३	११	६	राउच्च
१०	३	२८	१५	५	२७	२०	अं.
६	७	३	११	९	५	०	रा.नीच
१०	३	२८	१५	५	२७	२०	अं.
१५	१२	८	७	९	७	९	दीप्रां.
९	३	६	१	११	५	१२	हर्षांशा

उच्चबलानयनं ॥ नीचग्रहान्तरं कार्यं षंडभादल्पं यथाभवेत् ॥ तदंशानवभिर्भक्ता स्पष्टमुच्चबलंभवेत् ।

ग्रहके नीचमें से स्पष्ट ग्रह घटाइये शेप ६ राशिसे अधिक हो तो उसे १२ राशिमें से घटाइये । शेपको अंशात्मक कीजिये ९ का भाग दीजिये । लब्धि उच्चबल होगा ।

अथ वर्षकुण्डल्यां तन्वादिभावस्थग्रहाणां फलं ताजिकोक्तम् ।

श्रीः	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
सूर्यः	क्लेशम् चिन्ता च	शोकःनृपाद्भीतिः	पराक्रमोः धनलाभः	हानिः पीडाभयं	रोगभय पुत्रनाशः	सौख्यम् शत्रुनाशः	स्त्रीकष्टं पीडाभयम्	शोककष्टादिभयम्	धर्मवृद्धिः राज्यप्रदः	सुखाप्तिः राज्याप्ति	सुखार्थलाभः	उद्योगं पीडा च
चन्द्रः	कफज्वरः पीडनम्	नेत्रपीड़ा धनप्राप्ति	धनाप्तिः हर्षश्च	सुखं शत्रुनाशः	सुखं सुमतिश्च	अङ्गपीडा व्यय	ज्वारार्ति भयम्	विविध कष्टभयम्	पुण्योदय धनागम	सुकर्म जयाप्ति	यशोर्थं लाभः	व्ययं नेत्रपीडा
भौम	वातार्तिः व्रणाश्च	दृशो रुक् वित्तनाशः	नैरुज्यं द्रव्यलाभः	व्यसनं रुग्भयम्	पुत्राप्तिः दुर्मतिः	सुखं शत्रुनाशः	स्त्रीनाशः कष्टम्	ज्वरार्तिः व्रणश्च	पुण्योदयः धनाप्ति	राजार्थ लाभः	धनादिकर्णपीड़ा	विरोधः लाभः
बुधः	सौख्यम् धनलाभः	द्रव्याप्तिः सुखम्	सुख सुमानञ्च	सुखं द्रव्यलाभः	पुत्रवित्तसुखाप्तिः	रोगभय कलहश्च	धनागमः सुखम्	व्यग्रता अकीर्ति	धन कार्त्याप्ति	मानसखादि	सुख जयाप्ति	शत्रुरोगादिभयं
गुरुः	सुखयशोलाभ	कीर्तिधनादिलाभः	जयः सौख्यञ्च	ववहनप्राप्तिसुख	पुत्राप्तिः सुखञ्च	शत्रुरोगादिभयं	सुखम् वित्तप्राप्ति	कठिनरुग्भयम्	सुखंभग्यादिवृ.	राज्यार्थलाभः	सुतार्थ रोगादिभयं	शोकरोग लाभः
शुक्रः	सुमानम् धनलाभः	धमप्रि रारोग्यम्	कीर्तिवृं. अर्थागमः	सुखार्थं लाभौ	धनागमः सुखम्	रिपुभीतिः कष्टम्	कलत्र सौख्यम्	ज्वरपीडादिभयम्	धर्म धनागमः	मानजयादिलाभः	क्षेमार्थलाभः	व्ययतोलाभः
शनि	रिपोर्भयम् वातार्तिः	पीडाभय विरोध	धनाप्तिः जयश्च	सुखार्थं नाशःकष्ट	सुतहानिः पीडा च	धनाप्तिः अर्तिनाशः	स्त्रीकष्ट कलिः	दुःखं रोगादि	भाग्यवृ. शत्रुनाशः	धनहानिः पीडाभयं	धनाप्तिः पुत्राप्तिः	क्लेशं चिन्ता च
राहुः	शिरोर्तिः कलहः	नृपभयं पीडा च	शत्रुनाशः शुभश्च	वातार्तिः दुःखञ्च	बुद्धिनाश अधनी	रिपुक्षयं आरोग्यम्	पीडाभयं धनक्षयः	धनक्षयः रुग्भयम्	धनादि वृद्धिः	वाहननाशजयः	विपुत्रः सुलाभः	व्याधिभयम्
केतुः	पीडाभय चिन्ता च	क्लेशं धनक्षय	आरोग्य धर्मनाशः	कष्टं नृपाद्भयं	पीडाभयं दुर्मतिः	सुखं धनागमेः	क्लेशः रुक् च	ज्वरपीडादिभयम्	भाग्यय शोर्थला	कीर्त्यर्थलाभः	पुत्रार्थसुखलाभः	शोकार्तिभयम्
मुन्था	सौख्यम् शत्रुनाशः	सुयशः अर्थागमः	कार्यपुष्टि धनम्	अङ्गपीड़ा दुःखञ्च	सुबुद्धिः सुखाप्तिः	रोगभयं अर्थनाशः	रोगभयं व्यसनम्	दुर्व्यसनम् रोगभयम्	भाग्योदयम्	राज्यसुखं धनाप्तिः	धर्मार्थं लाभः	सुव्ययः लाभः

अथवर्षत्रिपताकचक्रे ग्रहसंस्थापनम् ।

सैकागताब्दसंख्यायाविभक्तानवभिस्ततः । शेषांके जन्मनिगताच्चन्द्र राशेरिहन्यसेत् ।
शेषग्रहांश्चतुर्भक्तशेषसंख्यासुविन्यसेत् । त्रिपताकेवर्षलग्नमादौ ।
स्थाप्यंतत्रविधूर्यदा ॥ शुभैर्विद्धाशुभफलौ पापैः पापफलप्रदाइति ।

अथात्रनित्यदानविधिः ।

दानकर्त्ता हस्तौपादौ प्रक्षाल्याऽचम्य प्राणानायम्य ।। संकल्पः ।। अथ पूर्वोच्चरितस्वगुणविशेषेणविशिष्टयां शुभपुण्यतिथौ ममाऽऽत्मनः श्रुतिस्मृतिपुराणोक्तफलप्राप्त्यर्थममुकब्राह्मणाय अमुकदानमहंकरिष्ये ।। ततोब्राह्मण पूजनम् ॐ भूर्भुवः स्वः ब्रह्मणेइदमासनम् स्वासनम् ।। ॐ भूर्भुवः स्वः ब्रह्मणेइदवाचं सुवाचम् । ओंभूर्भुवः स्वः ब्रह्मणेइदमर्घ्यम् ।। इदआचमनम् ।। ओं भूर्भूवःस्वः ब्रह्मणेनमः इदमाचमनीयम् —अस्त्वाचमनीयम् ।। ओं भूर्भुवः स्वः ब्रह्मणे गन्धाः पांतु—सौमंगल्यंचास्तु ।। अक्षताः पांतु—आयुष्यमस्तु ।। पुष्पाणिपान्तु—सौश्रियमस्तु ।। ताम्बूलानिपांतु—ऐश्वर्यमस्तु ।। दक्षिणाः पांतु—बहुदेयं चास्तु ।। नमोस्त्वनन्तायसहस्रमूर्त्तये सहस्रपादाक्षिशिरोरुवाहवे ।। सहस्रनाम्नेपुरुषायशाश्वते सहस्र कोटीयुगधारिणेनम : ।। सकलाराधनः स्वर्चितमस्तु ।। अस्तु ब्राह्मणः स्वर्चितमिति प्रतिवदेत् ।। इदममुकदानं सदक्षिणाकं गन्धादिभिरर्चितं अमुकप्रवरान्वितायामुक गोत्रोत्पान्नायामुकशर्मणेतुभ्यम्संप्रददे । प्रतिगृह्यताम् ।। ब्राह्मणोवदेत् ।। प्रतिगृहणामीति ।। साङ्ग दानफलप्राप्त्यर्थमिदंदक्षिणा तुभ्यमहंसम्प्रददे ।। ब्राह्मणोवदेत् प्रतिगृहणामि ।। तथास्तु—इति यजमानो ब्रूयात् ।। अर्पणमनेनअमुकद्रव्यस्य मयाकृतेन नित्यदानेन श्रीपरमेश्वरः प्रीयताम्नमम ।। ओं तत्सद्ब्रह्मार्पणमस्तु ।।

।। इति नित्यदानप्रयोगः ।।

अथ संक्षेपतो यज्ञोपवीतधारणप्रयोगः ।।

यज्ञोपवीतान्युदकेन प्रक्षाल्यानन्तरमाचम्यप्राणानायम्य ।। संकल्पः ।। अद्येत्यादि ममश्रौतस्मार्तकर्मानुष्ठानसिद्धध्यर्थं तथा च अमुककर्माङ्गत्वेन नवीनयज्ञोपवीतधारण महंकरिष्ये ।। इति संकल्प्य यज्ञोपवीतानि कर संपुटेनिधायदशगायंत्रीमन्त्रैः अभिमन्त्रयेत् ।। तदनन्तरं । ओं यज्ञोपवीतंपरमम्पवित्रं प्रजापतेर्यत्सहजम्पुरस्तात् ।। आयुष्यमग्रयम्प्रतिमुञ्चशुभ्रंयज्ञोपवीतम्बलमस्तुतेजः । ओंयज्ञोपवीतमसि यज्ञस्यत्वांयज्ञोपवीतेनोपनह्यामि ।। इति मन्त्रोपठित्वा पृथक् पृथक् यज्ञोपवीतानि सव्यहस्तद्वाराधार्याणि ।। प्रतियज्ञोपवीतधारणान्ते आचम्य ।। पश्चात् यथाशक्तिगायत्रीजपेत् ।। ततोजीर्ण यज्ञोपवीतत्यागः ।। अनेननवयज्ञोपवीतधारणार्थेन यथा शक्तिगायत्रीजपाख्येनकर्मणा ओंसूर्यनारायणः प्रीयतांनमम ।। ओं तत्सद्ब्रह्मार्पणमस्तु ।।

अथ होमद्रव्याणि ।।

पुत्रार्थेशालिवीजेन धनार्थे विल्वपत्रके
दूर्वाभिरायुष्कामस्तुपुष्टिकामस्तुवेतसै ।। १ ।।
कन्याकामस्तुलाजाभिः पशुकामोधृतेनतु ।
विवाहकामस्तुपालाशैर्दशांशेनतुहोमयेत् ।। २ ।।
धान्यकामो यवश्चैवगुग्गुलेनरिपुक्षये । तिले
रारोग्यकामस्तुव्रीहिभिः सुखमश्नुते ।। ३ ।।

अथ पुत्रप्रदसन्तानगोपालमंत्रः ।।

देवकीसुतगोविन्दवासुदेवजगत्पते ।
देहिमेतनयंकृष्णत्वामहंशरणागतः ।। इति ।।
लक्षंजपः ।। तिलमधुर संयुतरयुतहोमः ।।
चतुर्गुणकृतपुत्रावाप्तिः ।।

अथ गणेशमंत्रः ।। गंगणेपतयेनमः

६ षड्लक्षजपः ।। इति ।।

अथ बगलामुखीमन्त्रः ।।

ओं ह्लीं बगलामुखि सर्वदुष्टानांवाचं मुखंपदं स्तम्भय जिह्वांकीलय बुद्धिं विनाशय ह्लीं ओं स्वाहा ।।३६।। लक्षंजपः ।। चम्पकपुष्पैहोमः । ।। इति ।।

अथ हनुमन्मन्त्रः ।।

ओं हौंस्क्रौंस हसौं हसखे फौंहसौं हनुमतेनमः । अर्क १२ सहस्रं जपः ।।

अथ देवस्पर्शोऽनधिकारः ।

नारद पुराणे--देवताओं का स्पर्श किन लोगों को न करना चाहिये। स्त्रीणामनुपनीतानां शूद्राणां च नराधिपः। स्पर्शने नाधिकारोऽस्ति विष्णोर्वा शंकरस्य च ।। शूद्रो वाऽनुपनीतोवा स्त्री वा पतितोऽपिवा । केशवं वा शिव वापि स्पृष्ट्वा नरकमश्नुते ।। भावार्थ--स्त्रियों को तथा जिनका यज्ञोपवीत नहीं हुआ है और शूद्रों को विष्णु की मूर्ति या शंकर की मूर्ति को छूने से नरक प्राप्त होता है यह नारदजी का वाक्य है। देवी गणेशेत्यादि देवताओं को स्पर्श करने का दोष नहीं है।

अथ गृहस्थानां देव प्रतिमाविचारः

सौवर्णीराजतोवापि ताम्री रत्नमयी तथा । शैलीदारुमयी वापि लोह संघमयी तथा।। अंगुष्ठ पूर्वदारभ्य वितस्तिर्यावदेवतु। ग्रहेषु प्रतिमा कार्या नाधिकाशस्यते बुधैः।। भावार्थः— सुवर्ण, चाँदी, ताम्र, रत्नों शिला (पत्थर) काष्ठ और पंचधातु की प्रतिमा गृहस्थों को बनवाना चाहिये । यह मूर्ति अंगुल मात्र से लेकर एक विता (वितस्ति) की होना चाहिये इस से अधिक बड़ी मूर्ति गृहस्थों को शुभ नहीं होती है ।

जमिनीयमतेनायुविचारः ।

दीर्घायुः	मध्यायुः	अल्पायुः ॥
चरभे लग्नेशः चरभे अष्टमेशः	चरभे लग्नेशः स्थिरभे अष्टमेशः	चरभे लग्नेशः द्विस्वभावभे रन्ध्रेशः
दीर्घायुः ॥	मध्यायुः ॥	अल्पायुः ॥
स्थिरभे लग्नेशः द्विस्वभावभे अष्टमेशः	स्थिरभे लग्नेशः चरभे रन्ध्रेशः	स्थिरभे लग्नेशः स्थिरभे रन्ध्रेशः
दीर्घायुः ॥	मध्यायुः ॥	अल्पायुः ॥
द्विदेहभे लग्नेशः स्थिरभे अष्टमेशः	द्विस्वभावभे लग्नेशः द्विस्वभावभे रन्ध्रेशः	द्विस्वभावभे लग्नेशः चरभे रन्ध्रेशः

अथायुनिर्णयचक्रानुसारेण जन्मलग्नाष्टमलग्नेशाभ्यां लग्नचन्द्राभ्यां लग्नहोरालग्नाभ्यांचेतिप्रकारत्रयेणायुनिर्णेतव्यम् ॥ त्रिधाऽप्येकरूपायुष्यागतेतदेवग्राह्यम् ॥ संवादात् प्रकारद्वयागतायुर्ग्राह्यम् ॥ त्रयाणां विसंवादेलग्नहोरालग्नायुर्ग्राह्यम् एवं विसंवादे लग्नसप्तमयोरन्यतरेचन्द्रेलग्नचन्द्रायुर्ग्राह्यम् ॥ पूर्वप्रकारत्रये शनौयोगकर्तरिदीर्घायुषि मध्यायुः ॥ मध्यायुषिहीनायुः ॥ हीनायुषिनकिञ्चिदिति ॥ नैवंस्वर्क्षोच्चवगतेशनौ कक्षाहानिः ॥ लग्नसप्तमयोरष्टमनाथयोर्योबलीतस्य केन्द्रेस्थित्यादीर्घायुः ॥ पणफरेस्थित्यामध्यायुः ॥ आपोक्लिमेस्थित्याहीनायुरेव ॥ कारकस्थितस्थानात्तत्सप्तमाच्चाष्टमनाथयोर्योवलवांस्तेनापिनिर्णैतव्यम् । सारण्युदाहरणम् ॥ कस्यचिज्जन्मेष्टम् ५३।४ जन्मलग्नं ९।५।४७।२५ होरालग्नं ६।१९।४७।२५ लग्नेशः शनिः ११।२१।४८।३२ अष्ठमेशोऽर्कः १०।४।८।१२ चन्द्रः ७।६।३४।१६ अत्रलग्नेशाष्टमेशयोःस्थित्या दीर्घायुः ॥ किन्त्वत्र शनियोगकर्तृत्वान्मध्यायुः ॥ लग्नेन्दुभ्यां मध्यायुः लग्नहोरालग्नाभ्यां दीर्घायुः एवमत्रमध्यायुःप्रमाणसिद्धम् ॥ तत्र शनिसूर्ययोगदलम् १२।५८।१२ अत्रांशानां वर्षादिफलं १२।९।१८ कलानां मासादि १२।११।२२ विकलानांदिनादि १।१६।४८ तेषांमेकापचितस्थानयोगाद्वर्षादिः १३।१०।२।२८।४८ मध्यायुषि ६४ शुद्धस्पष्टमायुपीवर्षादिकम् ५०।१।२९।३१।१२ एवं लग्नेन्दुभ्यां स्फुटम् ॥ एवमत्रायुरानयने ॥ भोग्यांशानुक्रमात्प्रत्येकयोकारकग्रहांशादिवशात् ॥ एवमन्दचन्द्राभ्याम् ॥ इत्यस्यसूत्रस्यार्थान्तरात् । भवन्तिवहूनिभेदानिनात्रविस्तृतभिवालिखितांन्यपि वुद्धमद्भिर्गणकवरैस्त्रिस्कंधपारीणैरनुचिन्तनीयानीति।

सर्वघातचक्र।

राशिः	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
सू. घा.	४	८	१२	५	९	१	६	१०	७	११	२	३
चं. घा.	१	५	९	२	६	१०	३	७	४	८	११	१२
मं. घा.	५	९	१	६	१०	२	७	११	८	१२	३	४
बु. घा.	२	६	१०	३	७	११	४	८	५	९	१२	१
गु. घा.	६	१०	२	७	११	३	८	१२	९	१	४	५
शु. घा.	७	१०	३	८	१२	४	९	१	१०	२	५	६
श. घा.	३	७	११	४	८	१२	४	९	६	१०	१	२
रा. घा.	८	७	६	४	५	१०	१२	१	२	९	११	३
के. घा.	८	७	१०	१	११	५	६	४	२	३	१२	९
मा. घा.	का.	मा	पौ	मा	फा.	चै.	वै.	ज्ये	आ.	श्रा.	भा.	आ
ति.घा	१ ६ ११	५ १० १५	२ ७ १२	२ ७ १२	३ ८ १३	५ १० १५	४ ९ १४	१ ६ ११	३ ८ १३	४ ९ १४	३ ८ १३	५ १० १५
वा.घा	सू.	श.	च.	बु.	श.	बृ.	बृ.	शु.	श.	मं.	गु.	शु.
न. घा.	म.	ह.	स्वा	ऽनु.	मू.	श्र.	श.	रे.	भ.	रा.	आ.	श्ले
वा.घा	वि.	शू.	प.	धृ.	प्रा.	शु.	शु.	व्र.	वै.	ग.	व्या	व.
ल. घा.	१	२	४	७	१०	१२	६	८	९	११	३	५
ग्र. घा.	मं.	शु.	बु.	चं.	सू.	बु.	शु.	मं.	ऽगु.	श्र.	श.	गु.
धा. घा.	पि	वा	स.	क.	पि	वा	स.	क.	पि	वा	स.	व.
व. घा.	क्ष.	व.	शू.	वि	व.	व.	शु.	वि	क्ष.	वै.	शू.	वि
सं. घा.	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.त्	स्त्री	पु.	स्त्री
सं. घा.	क्रू.	सौ.	क्रू.	सौ.	क्रू.	सौ.	क्रू.	सौ.	क्रू.	स	क्रू.	सौ.
स. घा.	च.	स्थि	द्वि	च.	स्थि	द्वि	च.	स्थि	द्वि	च.	स्थि	द्वि
रंग.घा.	र.	श्वे	ह.	पा.	धू.	चि.	कृ.	कन	पी.	कृ.	धू.	श्वे
स्त्री.	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
चं. घा.	१	८	७	९	४	३	६	२	१०	११	५	१२

सर्वघात चक्र का विचार रोग, यात्रा, रण तथा शुभ कार्यों में करना चाहिए । प्रत्येक राशि वालों के नीचे सभी घात लिखे हुए हैं इनको सर्वदा सर्वथा बँचाना चाहिए । प्रधानतः उपर्युक्त कृत्यों में ।

अथ मारकस्थानायुस्थानयोर्ज्ञानमाह।। अष्टमर्क्षं तृतीयञ्चलग्नादायुरुदाहृतम् ।। द्वितीयसप्तमस्थानं मारकस्थानमुच्यते ।। क्वचिद् रोगेशव्ययेशाष्टमेशदशास्वपिमारकसम्भवः । परम्परषष्ठाष्टमेशयोर्दशाऽन्तरञ्चनशोभनम् । मारकेमारकान्तरान्तरनशोभनम् । व्ययद्वितीयेशौसम्बन्धतः फलप्रदौ । लग्नेशदशाऽनिष्टदशासम्बन्धरहिता न मारकारिणी । पापदशाप्यनिष्टवति ।

चरकारकः । सर्वेभ्योऽपिस्फुटग्रहेभ्योराशिविहाययोऽधिकांशः स आत्मकारकः तदल्पोऽमात्यस्ततः क्रमात् मातुः पित्राः पुत्रस्यज्ञातेर्दाराया कारकाभवन्ति ।

होरा लग्न द्विघ्नेष्टनाड्यः पञ्चाप्ताः यच्छेषंचपलीकृतम् । दशाप्तमंशास्तेयुक्ता रवौ होरोदयं भवेत् ।

अथतन्वादिभावानांजातकोक्तस्थिरकारकज्ञानायचक्रमिदम् ॥

त. १	ध. २	स. ३	मातृ४	पुत्रः५	रोग६	जा.७	मृ.८	भा.९	कर्मः १०	ला११	व्य.१२	भावा
सूर्यः	गुरुः	कुजः	चं.गु.	गुरुः	भौमः	शुक्रः	शनिः	गुरुः	बुधः	जीव	शनिः	कारकः

रोगेत्रिनाड़ी चक्रम् ॥

आर्दा	पुन	पुष्य
पू.फा.	मघा	ऽश्लेषा
उ.फा.	हस्त	चित्रा.
अनु	विशा	स्वाती
ज्येष्ठा	मूल	पू. षा.
धनि	श्रवण	उ. षा
शत.	पू.भा.	उ. भा
भरणी	अश्वि	रेवती
कृत्ति	रोहि	मृग.

रवीन्दुनामनक्षत्रमेकनाड्यांयदाभ
तदामृत्युविजानीयाद्विति ॥

पित्रादीनामभावेकस्यकन्यादानाधिकारः ।

याज्ञवल्क्यः । पिता पितामहो भ्राता सकुल्यो जननी तथा । कन्या प्रदः पूर्व नाशे प्रकृतिस्थः परः परः ।१। अप्रयच्छन् समाप्नोति भ्रूण हत्या मृतावृतौ । गस्थंत्वभावे दातृणां कन्या कूर्यात् स्वयंवरम् । माधवीथे नारदः । विना तद्यात्स्वयं कन्या भ्राताबानुमतेः पितुः । मातामही मातुलश्च समुल्यो जननी तथा । मातात्वभावे सर्वेषां प्रकृत्तौ यदि वर्तते । तस्थामप्रकृतिस्थायां कन्या दद्युः स्वजातयः । यदातु नैग कश्चित्स्यात् कन्यानमा व्रजेत । अत्र भ्रातृणामदनीताभपिगाधिकारः । अनपनीत भ्रातुः यात्रादेश्च स्वत्देमात्रादेवाधिकारः । गत्वनपनीत भ्रातुः । इति

अथ द्विपदादिमानां बोधकचक्रम् ।

द्विपद	चतुष्पद	जलचर	कीट
मि. कन्या तुला धनुःपूर्वार्धम्	मेष वृष सिंह धनुरुत्तार्धम् मकर पूर्वार्धम्	कर्क कुम्भ मीन मकर उत्तरार्धम्	वृश्चिक ०

अथ ग्रहाणां होमार्थ समिधः ॥

अर्कः पलाशः खदिरस्त्वपामार्गोऽथ पिप्पलः ॥
औदुम्बरः शमीदूर्वाकुशाश्च समिधः क्रमात् ॥ इति ।

द्वादशभावेषुकिं किंविचार्यमिति ॥ जन्मकुण्डल्यां लग्नं तनुः ॥ शरीरवर्णाकृतिलक्षणं यशःस्थानं गुणं सुखंदुःखंप्रवासः तेजोबलं दौर्बल्यं ॥ धनभावे ॥ वित्त नेत्रसुखं विद्या वाक्कुटुम्बाशनानिच । तृतीये । ज्येष्ठानुजस्थितिपराक्रमासनानिकण्ठस्वरश्रुतिवराभरणांशुकानि । धैर्यञ्चवीर्यबलमूलफलाशनानि ॥ चतुर्थे ॥ विद्याजननी सुखसुगन्ध बुधमनोगुणमहीपमानक्षितिगृहाणि । पञ्चमे । देवमहीपुत्रपितृधी पुण्यनिचयोवा ॥ शत्रौ ॥ रोगारिव्यसनक्षतानि ॥ सप्तमे ॥ यात्रापुत्रकलत्रसौख्यमखिलं संचिन्तयेत्सप्तमादुक्तं पुत्रसुखागमागमफलं ॥ अष्टमे ॥ आयुर्दायमनिष्टहेतुमुदयन्योमायुरीशार्कजैः ॥ नवमे । भाग्यप्रभावगुरुधर्मतपःशुभानिसञ्चिन्तयेन्नवमंदेवपुरोहिताभ्याम् । भाग्यकर्मेशयोः संबंधाद्राजयोगश्च ॥ दशमे । आज्ञामानविभूषणानि वसनव्यापारनिद्राकृषिप्रव्रज्यागमकर्मजीवन यशोविज्ञान विद्याक्रमात् । कर्मस्वामिदिनेश बोधनगुरुच्छायासुतैः एकादशे । अखिलधनचयप्राप्तिम् ॥ द्वादशे । लग्नादन्त्यतदीयभानुतनयैर्दूराटन दुर्गतिं दातृत्वं शयनादिसौख्यविभवं वित्तक्षयमिति ॥

अथात्र जैमिनीयसूत्रोक्तायुःसाधने अंशफलज्ञानाय सारिणीयम् ।

अंशा	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
वर्ष	३२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
मास	०	०	१	२	२	४	४	५	६	७	८	८	९	१०	११	०	०	१	२	३	४	४	५	६	७	८	८	९	१०	११
दिन	०	२४	१८	१२	६	०	२४	१८	१२	६	०	२४	१८	१२	६	०	२४	१८	१२	६	०	२४	१८	१२	६	०	२४	१८	१२	६

अथात्र जैमिनीयसूत्रोक्तायुःसाधने कलाफलज्ञानाय सारिणीयम् ॥

कला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
मास	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	६	६
दिन	६	१२	१९	२५	२	८	१४	२१	२७	४	१०	१६	२३	२९	६	१२	१८	२५	१	८	१४	२०	२७	३	१०	१६	२२	२९	५	१२
घटी	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०
कला	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
मास	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२
दिन	१८	२४	१	७	१४	२०	२६	३	९	१६	२२	२८	५	११	१८	२४	०	७	१३	२०	२६	२	९	१५	२२	२८	४	११	१७	२४
घटी	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०

अथात्र जैमिनीयसूत्रोक्तायुःसाधनविकला सारिणीयम् ॥

विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
दिन	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३
घटी	६	१२	१९	२५	३२	३८	४४	५१	५७	४	१०	१६	२३	२९	३६	४२	४८	५५	१	८	१४	२०	२७	३३	४०	४६	५२	५९	५	१२
पल	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०
विकला	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	३०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
दिन	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६
घटी	१८	२४	३१	३७	४४	५०	५६	३	९	१६	२२	२८	३५	४१	४८	५४	०	७	१३	२०	२६	३२	३९	४५	५२	५८	४	११	१७	२४
पल	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	२२	३६	०

अथत्रिधायुर्गोयुर्गोस्ति ॥ तदाह ॥ त्रिविधाश्चायुषांयोगाः स्वल्पायुर्मध्यमोत्तमाः ॥ द्वात्रिंशत्पूर्वमल्पायुर्मध्यमायुस्ततोभवेत् ॥१॥ चतुःषष्टचापुरस्तात्तुततो दीर्घमुदाहृतम् । उत्तमायुः शतादूर्ध्वमिति । अथाल्पाद्यायुस्त्रयेपित्रिधायुर्योगोस्तितदाह ॥ अल्पायुरल्पमध्यंतुपूर्णायुस्त्रिविधंभवेत् ॥ मध्यमादल्पमध्यंतुपूर्णायुस्त्रिविधंभवेत् ॥ दीर्घायुषोल्पमध्यंतु पूर्णायुस्त्रिविधंभवेत् ॥ एवंनवविधं प्रोक्तमायुषांन्तु विनिर्णयः ॥ अल्पायुर्योगजातस्य विपद्दायेमृतिं वदेत् ॥ जातस्य मध्यमे योगे प्रत्यरेस्तुमृतिर्भवेत् ॥ दीर्घायुर्योगजातानांवधभेतुमृतिर्भवेत् ॥ त्रिषुयोगेषुचैतेषुप्रत्येकंत्रिविधंभवेदिति ॥

अथ तिथिवारर्क्षयोगादनेकयोगानां बोधकचक्रमिदम् ।

योगनामानि	सूर्यः	चन्द्रः	भौमः	बुधः	गुरुः	शुक्रः	शनिः
चरयोगः	पू. षा.	आर्द्रा	विशा	रोहि	पुष्य	मघा	मूल
क्रकचयोगः	१२ ति.	११ ति.	१०ति	९ति	८ ति.	७ ति.	६ ति.
दग्धयोगः	१२ ति.	११ ति.	५ति	३ति	६ ति.	८ ति.	९ ति.
विषाख्ययोगः	४ ति.	६ ति.	७ति	२ति	८ ति.	९ ति.	७ ति.
हुताशनयोगः	१२ ति.	६ ति.	७ति	८ति	९ ति.	१० ति.	११ ति.
यमघण्टयोगः	मघा.	विशाखा	आर्द्रा	मूल	कृत्तिका	रोहिणी	हस्त
दग्धयोगः	भरणी	चित्रा	उ.षा.	धनि.	उत्तरा फा.	ज्येष्ठा	रेवती
यमदंष्ट्रयोगः	म. ध.	वि. मू.	कृ. म.	पू.षा.पु	उ. षा. अश्वि	रो. अनु.	श्र. श.
सर्वार्थसिद्धि	हृ.मू.उ.३	श्र. रो.	अश्वि.	रो.अनु.	रेव. अनु.	रे. अनु.	श्रवण
योगः ॥ भवा-	पुष्य	मृ. अनु.	उ.फा.	हृ. कृ.	अश्विनी	अश्विनी	रोहिणी
रयोर्योगात्	अश्वि.	पुष्य	कृ.आ.	मृ.	पुष्य पुनर्वसु	पुन. श्र	स्वाती
अमृतसिद्धि योगः	हस्त	मृ. श्र.	अश्वि.	अनु.	पुष्य	रेवती	रोहिणी

अथ नवगेहप्रवेश वर्ज्यपदार्थानित्राह ।

चैत्रो मासः कुजार्कौ च रिक्ता दग्धास्त्वमा धृतिः ॥ दुष्टचन्द्र इमे त्याज्या नवगहप्रवेशने ॥ १ ॥ अत्र वह्निबाणं चरभाङ्गं जन्माङ्गभयोर्मृत्युभस्याङ्गं सितेज्ययोरस्तकालमधिकमासो नेष्ट इति ॥

नक्षत्रवशाद्भस्य पादवशाच्चात्र रोगावलीचक्रम्

ज्वरादिरोगोत्पत्तौ भस्य पादवशादत्र दिनसंख्या

भानि	दिनसं	दानानि	च१	च२	च३	च४	जपाय मन्त्राः
अश्वि	दिन ९	भोजन	९	११	१०	२०	मृत्युञ्जयजपमन्त्रः
भरणी	दि११	गोऽन्नादि	०	८०	४०	११	यमायत्त्वेति मन्त्रः
कृति.	दिन ९	स्वर्णदान,	९	११	१६	२८	अग्निर्मूर्धेति मन्त्र
रोहि	दिनं ७	वृतदान्	७	९	१८	३०	ब्रह्मयज्ञेति मन्त्र
मृगि.	दि.३०	तिलदान	९	५	७	१०	इमं देवति मन्त्र
आर्द्रा	मृति	गोदान	०	१८	०	०	नमस्तेरुद्रइतिमन्त्र
पुन.	दिनं ७	गीतल	७	१४	२	२१	अदितिर्द्यौं रितिमन्त्र
पुष्य	दिनं ७	तिलान्न	६	७	१०	२१	वृहस्पति मन्त्र
अश्ले	मृतिः	गोऽजादि	०	०	४१	०	नमोस्तुसर्पेति मन्त्र
मघा	दि.२०	वस्त्राज्यम्	१५	७	१७	२०	पितृभ्यइति मन्त्र
पू.फा.	मृतिः	भोजनम्	०	१५	०	३०	भगप्रुणेति मन्त्र
उ. फा.	दिनं७	अन्नदानम्	७	४	७	६०	दध्यावद्धेति मन्त्र
हस्त	दि.१५	तिलदानम्	११	१७	१५	०	उदुत्यजातवदेतिनन्त्र
चित्रा	दि. ११	दुग्धदानम्	११	९	९	१६	त्वष्टा तुरीयेति मन्त्र
स्वाती	मृतिः	गोघृतम्	६०	१७	०	०	वायोरग्नेति मन्त्र
विशा	दि.१६	गोस्वर्णम्	१५	०	४	१३	इन्द्राग्नी इति मन्त्र
अनु.	स्थिरः	गोघृतम्	६०	१२	३६	३०	नमोमित्रोत मन्त्रः
ज्येष्ठा	मृतिः	तिलदानम्	५९	९	६	४	त्राता रमिन्द्रेति मन्त्र
मूल	दिनं ९	रौप्यपात्रम्	९	१२	१५	६	मातापुत्रेति मन्त्र
पू.पा.	मृतिः	गोमुक्ता	०	१५	४	१०	आपोधर्मेति मन्त्रः
उ.पा.	दि. ३	भोजनम्	३०	२४	२६	१६	विश्वेदेवति मन्त्रः
श्रवण	दि.११	श्रीफलम्	६०	२४	६	९	विष्णोररा. मन्त्रः
धनि.	दि.१५	अश्वान्नम्	१५	४	२०	२१	वसोःपवित्रेति मन्त्रः
शतभि	दि.११	भोजनान्नं	०	४५	३	२२	वरुणस्तम्भेति मन्त्रः
पू.भा.	मृतिः	भोजनम्	०	१२	२१	१९	अहिर्बुध्न्येति मन्त्रः
उ.भा.	दि. ७	अन्नदानम्	१०	३	९	१५	अहिर्बुध्न्येति मन्त्रः
रेवती	स्थिरः	वृषदानम्	१८	१०	१९	२०	पूषन्तवव्रतेति मन्त्रः

नवग्रहाणां जपार्थं वैदिकमन्त्रा ॥ सूर्यस्य ॥ ॐ आकृष्णेन रजसावर्तमानोनिवेश्यन्नमृतं मर्त्यञ्च ॥ हिरण्ययेन सवितारथेनादेवोयाति भुवनानिपश्यन् ॥ चन्द्रस्य ॥ ॐ इमन्देवाऽअसपत्नठं सुवध्वंमहतेक्षत्रायमहते ज्यैठचायमहतेजानराज्यायेन्द्रस्येन्द्रियाय ॥ इममुष्य-पुत्रममुष्यै पुत्रमस्यै विशऽएषवोमी राजासोमोस्माकं ब्राह्मणानाटराजा ॥ भौमस्य ॥ ॐ अग्निर्मूर्धादिवःककुत्पतिः पृथिव्याऽअयम् ॥ अपाठं रेताठंसिजिन्वति ॥ बुधस्य ॥ ॐ उद्बुध्यस्वाग्नेप्रतिजागृहीत्वमिष्टापूर्तेसठं ॥ अस्मिन्त्सधस्थेऽअध्युत्त रस्मिन्विश्वेदेवायजमानश्च-सीदत ॥ गुरोः॥ ॐ वृहस्पतेऽयतिअदर्यो अर्हाद्युमद्विभातिक्रतुमज्जनेषु ॥ यदीदय च्छवसऽऋतु प्रजाततदस्मासुद्रविणं धेहि चित्रम् । शुक्रस्य ॥ ॐ अन्नात्परिश्रुतोरसं ब्रह्मणाष्यपिवत्क्षत्रं पयः सोमं प्रजापतिः ऋतेनसत्यमिन्द्रियं विपानठं शुक्रमन्धसऽइन्द्रस्येन्द्रियमिदं पयोऽमृतंमधु ॥ शनेः । ॐशन्नोदेवीरभिष्टयआपोभवन्तुपीतये ॥ शंय्योरभिश्रवन्तुनः ॥ ॥ राहोः ॥ ॐकयानश्चित्रऽआभुवदूतीसदावृधः सखा ॥ कयाश चिष्ठयावृत्ता ॥ केतुः केतुंकृण्वनकेतपेशोमर्याऽअपेशसे समुषद्भिरजायथाः ॥

अथात्र साधारण्येन गोचरफलज्ञानाय चक्रम्

सूर्यः	चन्द्रः	भौमः	बुधः	गुरुः	शुक्रः	श. रा. के	ग्रहाः
३।६।	१।२।३।५।६	३।६	२।६	२।५।७	१।२।छ	३।६।१०	
१०।११	७।९।१०।११	१०।११	१०।११	।९।११	।९।११	।११।	शोभना
१।५ ७।९	०	१।२।५ ७।९	१।३।५ ७।९	१।३।६ ॥१०॥	५।३। ७।१०	१।२।५ ७।९।	पूज्य
४।८।१२	४।८।१२	४।८।१२	४।८।१२	४।८।१२	४।८।१२	४।८।१२	निन्द्या

अथात्र मासिजन्निभे रविसरादौ फलम् ।

सूर्यः	चन्द्रः	भौमः	बुधः	गुरुः	शुक्रः	शनिः	वाराः
गमनम्	सुभोज्यम्	वह्निभयम्	सन्मतिः	वस्त्रलाभः	सौख्यम्	दुखम्	फलम्

अथ व्रतारम्भोत्सर्गयोमुहूर्तस्यात्र विचार ।

मृ. रे. चि. अनु. उ. ३ रो. हैः अश्वि. स्वाती. पुन. श्र. ध. श. एषु. भेषु शुभे वासरे ॥ तत्तद्देवतिथौ शशांकार्कसुरेज्यवले ॥ लग्ने गुरौ ॥९।१२।३।६ लग्नेषु ॥ सौम्यायने । लग्नात् ॥ १।४।५।७।९।१० एषु शुभैः सत् ॥ याम्यायने व्रतानां न दोषः । क्षयमलमासयो श्चास्तादौ नेवृम् ।

अथ योगिनीदशाकृतारिष्टशमनाय जपार्थं मंगलादिनां मन्त्राः ।

मङ्गला मन्त्र	ॐपङ्गलामन्त्रः	धान्यामन्त्रः	भ्रामरी मन्त्रः
ॐ ह्लींमंगलेमंगले स्वाहा	ॐलौंपिंगलेवैरिकारिणिप्रसीदफटस्वाहा	ॐश्रीधनदे धान्ये स्वाहा	ॐभ्रामरिजगतमधीश्वरिभ्रामरिक्लींस्वाहा
भद्रिका मन्त्रः	उल्कामन्त्र	सिद्धामन्त्र	सकटामन्त्रः
ॐ भद्रिके भद्रं देहि अभद्रंनाशय स्वाहा	ॐउल्के मम रोगं नाशय जम्भाय स्वाहा	ॐह्लीं सिद्धे मे सर्वमानसंसाधय स्वाहा	ॐ ह्लीं संकटे मम रोगं नाशय स्वाहा

सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा	के.
माणिक्य	मुक्ताफल	प्रवाल	पन्ना	पुखराज	हीरा	नीलम	गोमेद्	व ड्डुर्य
विद्रुम	रौप्यम्	विद्रुम	सुवर्ण	मक्ताफल	रोप्यम्	लोहम्	लाजवर्त	लाजवर्त

अथ ग्रहदुष्टयर्थं धारणीय मणयः ।

अथ जन्मकाले वृहज्जातकोक्त स्वगृहादिराशिस्थितानां ग्रहाणांफल बोधकचक्रमिदम् ।

ग्र. सं०	१	२	३	४	५	६	७
स्वक्षेत्रे	कुल समः	कुल मुख्यः	बन्धु पूज्यः	धन वान	भुखान्वितः	भोगानृपसमः	भूमि पतिः
स्व मित्रभे	परविभवपोष्य	सुहृत्पोष्य	स्वज्ञात पोष्यः	बन्धु पोष्यः	गण स्वामि	सेना पतिः	भूमि पतिः
स्वशत्रुनोचर्क्षभे	धन रहितः	दुःखान्वितः	मूढः	ब्याधि पीड़ित	बन्धन तप्तः	बहुदुःखाढचः	बहुदुःखाढचः
स्व तुंगभे	सुखिनः	धनी सामन्त	सा.भू. पतिः	भूपाल राट्	लोकेश्वरः	राज्याधिराज	राजा-धिराज

श्रीकाश्यां लग्नसारिणीयम् ।

०	श्री.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	रा.	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६
७	०	४९	५६	४	११	१८	२६	३३	४१	४८	५७	६	१४	२३	३१	४०	४८	५६	५	१३	२२	३०	३९	४७	५५	४	१२	२१	२९	३८	४६
२२	मे.	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	०	२८	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	२२
०	रा.	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११
८	१	५४	३	११	२०	२८	३७	४५	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६
२६	वृ.	५८	२४	५०	१६	३२	१६	३६	५२	१८	४४	०	२६	५२	२६	५४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	१६	२४	३२	४०	४८	५६
०	रा.	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७
१०	२	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५८	९	२०	३२	४३	५५	६	१७	२८	४०	५२	३	१४	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४६	५७	८
८	मि.	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	३४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६
०	रा.	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२
११	३	२०	३१	४३	५४	६	१७	२८	४०	५१	३	१४	२६	३७	४९	०	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१९	३०	४१	५३
१४	क.	१२	२६	४०	५४	८	२२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१६	३२	५४	५८	१२	२६	४०	५४	२८	२२	३६	५०	५४	१८	३२	०
०	रा.	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८
११	४	४	१६	२७	३९	५०	२	१३	२५	३६	४७	५८	९	२०	३२	४३	५४	५	१६	२७	३९	५०	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९	३०
३०	सिं.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०
०	रा.	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४
११	५	४१	५३	४	१५	२६	३७	४८	०	११	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५१	२	१४	२५	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	५
१०	कं.	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०
०	रा.	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९
११	६	१६	२८	३९	५०	१	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	१५	२६	३९	५०	२	१३	२५	३६	४८
१०	तु.	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०
०	रा.	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५
११	७	५९	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४२	५४	५	१७	२८	३९	५१	२	१४	२५	३६	४८	५९	११	२२	३३	४५	५६	८	१९	३०
३०	वृ.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०
०	रा.	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०
११	८	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४
२४	ध.	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५३	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६
०	रा.	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५
१०	९	५५	५	१५	२५	३५	४४	५५	६	१४	२२	३१	३९	४८	५६	५	१३	२१	३०	३८	४७	५५	४	१२	२०	२९	३७	४६	५४	३	११
८	म.	४	१२	२०	२८	३६	४५	५२	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	४१	४०	६	३२
०	रा.	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९
८	१०	१९	२८	३६	४५	५३	२	१०	१९	२६	३३	४१	४८	५५	३	१०	१७	२५	३२	४०	४७	५४	२	९	१६	२४	३१	३८	४६	५३	१
२६	कुं.	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४
०	रा.	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२
७	११	८	१५	२३	३०	३७	४५	५२	०	७	१४	२२	२९	३६	४४	५१	५८	६	१३	२१	२८	३५	४३	५०	५७	५	१२	१९	२७	३४	४२
२२	मी.	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	०	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४

यत्सूर्यराश्यंशसमानकोष्ठे घट्यादिकं स्वेष्टघटीयुतं तत् । तत्तुल्यघट्यादि भवेद्धि यत्र तत्तिर्यगूर्ध्वाङ्कमितं हि लग्नम् ॥१॥ लग्नवीर्यं विना यत्र यत्कर्म क्रियते बुधैः ॥ तत्फलं विलयं याति ग्रीष्मे कुसरितो यथा ॥२॥ न तिथिर्नच नक्षत्र न योगं नैन्दवं बलम् । लग्नमेकं प्रशंसन्ति गर्गनारदकश्यपाः ॥३॥ स्वामिना बलिना दृष्टः सबलश्च शुभग्रहैः । पाप दृष्टं न युतं पापैस्तल्लग्नसबलंस्मृतम् ॥ ४ ॥

स्त्री पुंसयोर्मध्ये कस्य जन्मपत्रम् ।

लग्न का अंक और सूर्य मंगल तथा राहु जिस राशि में हों यह तीनों अंक मिला करके १ हीन करे ३ का भाग देवै यदि शेष २ रहे तो स्त्री का जन्मपत्र और शेष शून्य या १ रहे तो पुरुष का जन्मपत्र जानना चाहिये ।

लग्न से सम में शनि रहे तो स्त्री, विषय में शनि रहे तो पुरुष जानना चाहिये ।

लग्न गुरु चन्द्रमा और सूर्य यदि विषम राशि के विषय नवमांश में रहे तो पुरुष की कुण्डली, यदि सम राशि सम राशि के नवमांश में रहे तो स्त्री की कुण्डली जानना चाहिये ।

अथ दशमसारिणी ।

		०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	रा.	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८
९	०	३३	४२	५१	०	१०	१९	२८	३९	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७
१६	मे.	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६
०	रा.	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३
९	१	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४६	५७	९	२०	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५६	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	३३	३३
५८	वृ.	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५३
०	रा.	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८
१०	२	४४	५३	६	१६	२७	३८	४९	०	१०	२१	३२	४३	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	१९	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५६
४६	मि.	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	०	४६	३२	१८	४	५०	६	२२	८	५२	४०	२६	१२	५८	२४	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५२
०	रा.	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२४
१०	३	७	१८	२९	३९	५०	१	१२	२३	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१०	२२	३२	४२	५२	२
४६	क.	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	५६
०	रा.	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८
९	४	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३१	४१	४९	५८	८	१७	२६	३६	४५	५४	३	१३	२२	३१	४१	५०	५९	८	१८	२७	३६	४५
५८	सिं.	३४	२२	१०	८	६	४	२	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५
०	रा.	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३
९	५	५५	४	१३	२२	३२	४१	५०	०	९	१८	२७	३७	४६	५५	४	१४	२३	३२	४१	५१	०	९	१९	२८	३७	४६	५६	५	१४	२३
१६	कं.	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५०
०	रा.	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८
९	६	३३	४२	५१	०	१०	१९	२८	३८	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७
१६	तु.	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	१४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	१६	३२
०	रा.	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३
९	७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५८	९	२०	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५६	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२३	२३
५८	वृ.	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५२
०	रा.	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८
१०	८	४४	५५	६	१६	२७	३८	४९	०	१०	२१	३२	४३	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	१९	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५६
४६	ध.	३८	२४	१०	५९	४२	२८	१४	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५
०	रा.	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४
१०	९	७	१८	२९	३९	५१	१	१२	२३	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२
४६	म.	३८	२४	१०	५६	५२	२८	१४	०	५८	५६	४५	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	५६	२४	२२	२०	१८	१६
०	रा.	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८
९	१०	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३१	४०	४९	५९	८	१७	२६	३६	४५	५४	३	१३	२२	३१	४१	५०	५९	८	१८	२७	३६	४५
५८	कुं.	१४	१२	१०	९	६	४	२	०	५८	५६	४८	४	२०	३६	५२	८	४४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	१०	३६	५२
०	रा.	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३
९	११	५५	४	१३	२२	३२	४१	५०	०	९	१८	२७	३७	४६	५५	४	१४	२३	३२	४१	५१	०	९	१९	२८	३७	४६	५६	५	१४	२३
१६	मी.	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२

यत्सूर्यंराश्यंशसमानकोष्ठे घट्यादिकं पूर्वंनतेन हीनम् ॥ प्रत्यग्नतेनाढ्यमियान्विशेषांमध्यस्य सिद्धयगणकैःप्रदिष्टः ।

अथात्रकूर्मंचक्रोपरिसदसत्फलज्ञानमाह

कूर्मंचक्रेशनिर्मंध्येतश्चेत् प्राच्यादिषुक्रमात् ॥ नाशयेत्क्रमतोदेशानक्रुत्तिकाद्यैस्त्रिभिस्त्रिभिः ॥ २ ॥ निजाधिष्ठितभैर्देशानंतर्वेदमुखांस्ततः ॥ मागधाश्चकलिंगादीनवन्तिकमुखांस्तथा ॥ ३ ॥ ततः कौंकणपौंड्रादीन्सिंधुसौराष्ट्रकादिकान् ॥ पौलिंदचीनकायांश्चकुरुकाश्मीरमत्स्यकान् ॥ ४ ॥ खिल बाह्लीकलालाटान्नवखंडानिमांस्तथा ॥ दृष्टास्वाधिष्ठितान्देशान्हन्यांश्चयमदिगतान् ॥ ५ ॥

मूल श्लेपानक्षत्र जन्मपाद फलम्——जिसका मूलके प्रथम चरण में जन्म हो बव पिता का, दूसरे चरण में और माता का, तीसरे चरण में धन का नाश चाहता है, चौथे चरण में शांति करने से शुभ होता है, श्लेषा का चौथा चरण पिताका, तीसरा माता का, और दूसरा धन का नाशकारक है, प्रथम चरण शांति करने करने से शुभ होता है ।

अथ रव्यादिग्रहाणां जन्मभाद्गोचरे फलवेधयोर्ज्ञानाय चक्रम् ।

श्रीः	सूर्यः	चन्द्रः	मंगलः	बुधः	गुरुः	शुक्रः	शनिः	राहुः	केतुः
१	स्थाननाशः पन्था	पुष्टिः अङ्गलाभः	भयं पीड़ा च	बन्धनभयम्	अरिष्टादिभयम्	सुखं शत्रुनाश	सर्वनाशः पीड़ाभयम्	हानिः कष्टभयम्	हानिः रोगभयम्
२	हानिः भयम्	धनलाभः सुखम्	धननाशः नेत्रार्तिः	धनलाभः	धनादिलाभः	सुखम् धनप्राप्ति	शोकं- धनहानिः	नैःस्वं व्ययञ्च	वैरं पित्तनाशः
३	सुखं श्रियाप्तिः	द्रव्य प्राप्ति सुखम्	सुखं श्रीप्राप्तिः	शत्रुतो भयम्	भयं रोगाप्तिः	सुखम् अर्थलाभः	सुखार्थलाभः	नैरुज्यं धनप्राप्ति	सुखलाभः वृद्धिः
४	रोगभयं माननाशः	रोगमानार्थनाशः	कष्टं- शत्रुभीतिः	धनं सुखादिप्राप्तिः	धनहानिः व्ययम्	धनागम	पोड़ाभय शत्रुवृद्धिः	वैरं शोकश्च	भीतिः पीड़ा च
५	दैन्यं अर्थनाशः	सुख कार्यनाशः	रुग्भयं धननाशः	रुक् श्चोकश्श	लाभः सुखच	सुखं पुत्रलाभः	धनपुत्रयोर्नाशः	हानिशोकाश्च	लोकोऽर्थनाशौ
६	रिपुनाशः सुखं	वित्तलाभः	सुखार्थः लाभः	अलाभस्थितिः	रोगः शोकश्च	शत्रुवृद्धिः पीडा च	सुखं वित्तलाभ	सुखंलक्ष्मीप्राप्तिः	सुखंवित्तदम्
७	गमनं धनहानिः	द्रव्यप्राप्ति सुखम्	कार्श्यम् धननाशः	पीड़ाभयं विग्रहः	सम्मानं सुखं च	शोकः अतिभयम्	दोषः पीड़ाभयम्	हानिः कलहः	दुर्गतिः पीड़ा च
८	रोगार्तिः भयम्	क्लेशभय मृत्युः	भयं पापवृद्धिः	धनादि लाभः	मृत्युभय पीड़ा च	विपत्तिः धनक्षयः	पीड़ाभयम् शत्रुवृद्धिः	सभयं सुखं च	पीड़ाभयं हानिश्च
९	कान्तिक्षयं पापवृद्धि	मानं नृपभयम्	रुग्भयम्	रुग्भयं धननाशः	सुखं संमानम्	सुखं लाभः	पापः धननाशः	पापकर्मे रतिः	पापं दैन्यश्च
१०	सौख्यं कार्यसिद्धिः	शुभम् सुखम्	सुखं शोकश्च	सुखं सुभोगः	अतिदैन्यम्	धर्मलाभः असुखम्	वैमनस्यम्	वैरं सुखम्	भयं शोकश्च
११	वित्ताप्तिः सुखम्	विविधार्थ लाभः	लाभः सुखाप्तिः	शुभसर्थागमः	सौख्यं न प्राप्तिः	दुःखं धनागमः	सुखंवित्तलाभः	सुखं वित्तप्राप्ति	सुयशोर्थलाभः
१२	द्रव्यनाशः पीड़ाभयं	रुजम् धननाशः	रोगश्शोकश्च	शोकः धननाशः	देहेपीड़ा भयं	धनागमः	क्लेशमनर्थश्च	हानिः पीड़ा व	पीड़ा वैरश्च
शु.	३।११।। ६।१०।।	७।६।१० १।३।११	३।६। ११।	२।४। ६।८। १०।११	५।२।९ ।७।११	१।२।३ ४।५।८ ९।१२।११	६।११ ३।	३।११ ६	३।६ ११
वे.	९।५ १२।४ शनिर्वर्जितः	२।१२।४ ५।९।८ बुधवाजत	१२।९ ५।	५।३।९ १।८।१२ चन्द्रवर्जित	८।१२ १०।३। ८	८।७।१ १०।९।५ ११।६३	९।५। १२ शनिर्वर्जित	१२।५। ।९।	५।९।१२

आवश्यकेऽनिष्टतिथ्यादौ दानम् ।

ति.	वार.	नक्षत्र	करण	योग
तण्डु	रत्न	गो.	धान्यम्	सुवर्ण
चन्द्र	भद्रा	ना	ब्राह्मणाय दत्वतत्कर्म कार्यम्	
शंख	धान्य	स्व		

ग्रहमैत्र्या गुणा वरः ।

कन्या		सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
	सू.	५	५	५	४	५	०	०
	चं.	५	५	४	१	४	॥	॥
	मं.	५	४	५	॥	५	३	॥
	बु.	४	१	॥	५	॥	५	४
	गु.	५	४	५	॥	५	॥	३
	शु.	०	॥	३	५	॥	५	५
	श.	०	॥	॥	४	३	५	५

अथ यात्रायांदिनमानस्याष्टमांशनरात्रौ रात्रिमानस्याष्टमांशनचवेलाफलमिदम् ॥

श्री	सू.दि.	सू.रा.	चं.दि.	चं.रा.	भौ.दि.	भौ.रा	बु.दि.	बु.रा.	बृ.दि.	बृ.रा.	शु. दि.	शु.रा.	श.दि.	श.रा
४	उद्वेग	चर	अमृत	काल	रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ
४	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग	चर	अमृत	काल	रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग
४	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग	चर	अमृत	काल	रोग	उद्वेग
४	अमृत	काल	रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग	चर
४	काल	शुभ	उद्वेग	चर	अमृत	काल	रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ
४	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वग	चर	अमृत	काल	रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत
४	रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग	चर	अमृत	काल
४	उद्वेग	चर	अमृत	काल	रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ

अथात्र सूतिकातत्व सूत्रवद्धं जातकतत्त्वोक्तमाह ।

चन्द्रेणादृष्टेङ्गेपितुःपरोक्ष जन्म ।१। स्थिरेर्केष्टमांकायान्त्ये चन्द्रेणचादृष्टेस्वदेशस्थपितु परोक्ष जन्म ।२। चरेकेतुः प्राग्वज्जातस्यांपंतरिविदेशङ्गतेजन्म ।३। मन्दाङ्गवास्तेभौमेपितुः परोक्षे जन्म ।४। सूर्यास्त्रिकोणास्थौमन्दारौजन्मनिपितुः वृद्धः ।५। माता पितृग्रहयोर्योर्बलीतत्सम्बन्धि-गृहेजन्म।६। सबलेर्केभौमदृष्टे वहुदीपगृहेजन्म।७।चन्द्रात्तैलज्ञानम्।८।लग्नाद्दीपवर्तिज्ञानं।९।चरेर्केचरः स्थिरेर्केस्थिरोद्विस्वभावे खण्डवद्दीपः।१०। शीर्षोदयांशेङ्गेमूर्द्धतः प्रसव उभयोदयांशे हस्ततोन्यत्र पादतः लग्नचन्द्रान्यतमेषुवन्ध्वस्तग्षुक्रूरेषुमातुः कष्टम् ।१२। केन्द्रगस्यवलिनोग्रहस्यदिशिगृहद्वारम् ।१३। काष्ठाढचनवदग्धचित्रंदृढ़रम्यजीर्णं क्रमादेर्कादिषुयोबलीतदनुसौरिगृहम्।१४। वृषाजयोरुदयेगृहस्य पूर्वंभागेयुग्मस्याग्नेय्यां कर्कसिंहयोर्याम्येकन्यायां नैऋतेतुलावृश्चिकयोः पश्चिमेधनुषो वायौ मन्दभयोरुत्तरेक्षषस्येशभ्यां जन्म।१५।एवं शय्याज्ञानम्।१६।लग्नदिशि शय्याशिरस्त्रिजडकांस्येषुपादाः ।१७। यत्रपापे-तद्धातुतः ।१८। लग्नेचन्द्रे न्यतमग्रहसंस्थत्वेउपसूत्तिकाउदगर्द्धाभ्यन्तरगादक्षिणार्द्धेवाह्याः।१९। वक्रोच्चसस्थैस्त्रिगुणाः स्वर्क्षत्र्यशनवांशेस्थितैर्द्विगुणनीचरस्तगैरर्द्धमिता।२०। गोजाश्वियुग्म सिंहागेवहुरुदितोजातोऽन्य भागेअंकेचन्द्रग्रह मात्रादृष्टेनिर्जनेप्रसवः ।२१। स्वाम्बुगेपु शुभेपुसुखेन प्रसवः त्रिकोणास्तगेषुपापेषुकष्टः ।२२। तुर्येवाखेमन्दारार्कयोगै जन्मतः प्राक्पितृमरणम् ॥ २३ ॥

अथ पञ्चस्वरातः शून्यानयनोदाहरणं विलिख्यते तत्र श्लोकाः ॥

जन्म	कर्म	आधा	पिण्ड	छिद्र
उदित	भौम	भ्रात	सध्वा	अस्त
८१	८७	९३	९९	१०५
अ	इ	उ	ए	ओ
आ	ई	ऊ	ऐ	औ
क	ख	ग	घ	च
छ	ज	झ	ट	ठ
ड	ढ	त	थ	द
ध	न	प	फ	ब
भ	म	य	र	ल
व	श	ष	स	ह
नामाद्याक्षर	नामाद्याक्षर	नामाद्याक्षर	नामाद्याक्षर	नामाद्याक्षर

वयो राशिस्वरांकाश्च एकीकृत्यत्रिधान्यसेत् । द्विचतुस्त्रिहतंकार्यं सप्ताष्टरसभाजितम् ॥ आधानेनवदेयानि स्वरेकर्मणिपञ्च च सर्वैकव्यापितःपिण्डश्छिद्रेश्रेणी व्यवस्थिता २ एतेगणितो पयौगिकाः ॥ केचित्ग्रंथान्तरीयाः अपिश्लोकाः ॥ तिथिराशिवयोंकाश्च प्रथमे जन्मकोष्ठके ॥ द्विचतुस्त्रिगुणितं सप्ताष्टरसभाजितम् १ कर्मकोष्टेपंचदत्वाआधानेनवकन्तथा । पूर्ववद्गुणनंकार्यंभजनञ्चापिपूर्ववत् २ पिण्डेचतुर्दशं दत्वाछिद्रेऽष्टाविंशतिसुधीः । द्विचतुस्त्रिभिर्गुणितं सप्ताष्टरसभाजितव् ३ एवंनैसर्गिकंक्षेयं चलचक्रस्वराल्लिखेत् ॥ यत्रकोष्टेस्ववर्णो वैतदेवजन्मसंज्ञकम् ॥ कर्माधानादिकान्सर्वान् विदित्वासन्नियोजयेत्५ जन्मनाजन्मभंयोज्यं कर्मणाकर्मसंज्ञकम् ॥ आधानादित्रिकेप्येवंयोज्याऽत्रध्रुवकान्क्षिपेत् ६ तैरेवगुणकैर्गुण्यं भजनञ्च तथा विधम् ॥ स्पष्टोर्थः ॥ उदाहरणम् ॥ गतवर्षाणि ३३ जन्मराशिः ६ नामादिमोवर्णः (ठ) अस्यस्वरांकाः १०५ वृषादिगणनया राशिः ५ वयोराशिस्वरांकानामैक्यं पिण्डम् १४३ त्रिषुस्थानेषु संस्थाप्यक्रमात् २ । ४ । ३ गुणितः २८६।५७२ । ४२९ यथाक्रमं ७।८।६ विभक्तं शेषाणि ६।४।३ एते नैसर्गिकजन्मकोष्ठकेऽधोऽधः स्थाप्याः ॥ कर्मस्वरसाधनार्थं पिण्डे ५ युक्तं १४८ इदं पूर्वगुणकेन यथाक्रमं गुणितं २९६।५९२।४४४ पूर्वछेद हृतेशेषाणि २।०।६ नैसर्गिककर्मस्वरांककोष्टे स्थापनीयाः ॥ पुनराधानस्वरांकाः ॥ पिण्डेनवयुते.१५२ गुणगुणे छेदहृच ५।०।० आधानस्वरांकाः ५।०।० पिण्डस्वरसाधनार्थपिण्डगत ०।५।९ ध्रुवांकानांयोग १४ मितेयुक्ते १५६ पूर्ववत्तैरेवगुणवैर्गुणिते छेदैर्विभक्तेशेषाणि ६।४।३ पुनश्छिदस्वरसाधनार्थपिण्डे २८ संयोज्य गुणकैःसंगुण्यछेदै विभज्यशेषाणि ६।४।३ पूर्वयन्नैसर्गिक कोष्ठके यथोक्तवत्स्थापिते निष्पन्नं नैसर्गिककोष्टकम् ॥ अतश्चलचक्रंविधाय ततोयोगजफलं कृत्वा यदुत्पद्यते तदेव वर्षफलस्वरूपम् ॥ नैसर्गिकादिचक्रसाधने न्यान्यपि प्रकाराणिसान्तिकिन्त्वत्रैव बहुसम्मतेरस्माभिरपिदर्शितम् ॥ अथयोगचक्रमुसाध्यते ॥ तत्रोभयजन्मकोष्ठस्थांकयुतिः १२।८।६ ध्रुवाच्छून्यध्रुवंसंयोज्य *

जन्मभं त्रियुतं तष्टमष्टभिः शेषतो दशा ॥ मङ्गलाद्या वषवृद्ध्या संकटाष्टौ समागता ॥१॥
यस्य भुक्तघटी स्वीयवर्षगुण्या भभोगतः ॥ लब्धवर्षादिकं भुक्तं भोग्यं तच्छेषमुच्यते ॥२॥

योगिनीदशाऽन्तर्दशाज्ञान के लिये चक्र

मंगला १			पिंगला २			धान्या ३			भ्रामरी ४			भद्रिका ५			उल्का ६			सिद्धा ७			संकटा ८		
मा.	१२	चं.	मा.	२४	सू.	मा.	३६	वृ.	भा.	४८	मं.	मा.	६०	बु.	मा.	७२	श.	मा.	८४	मु.	मा.	९६	के.
मं.	०	१०	पिं.	१	१०	धा.	३	०	भ्रा	५	१०	भ.	८	१०	उ.	१२	०	सि.	१६	१०	सं.	२१	१०
पिं.	०	२०	धा.	२	०	भ्रा	४	०	भ.	६	२०	उ.	१०	०	सि.	१४	०	सं.	१८	२०	मं.	२	२०
धा.	१	०	भ्रा	२	२०	भ.	५	०	उ.	८	०	सि.	११	२०	सं.	१६	०	मं.	२	१०	पिं.	५	१०
भ्रा	१	१०	भ.	३	१०	उ.	६	०	सि.	९	१०	सं.	१३	१०	मं.	२	०	पि.	४	२०	धा.	८	०
भ.	१	२०	उ.	४	०	सि.	७	०	सं.	१०	२०	मं.	१	२०	पिं.	४	०	धा.	७	०	भ्रा	१०	२०
उ.	२	०	सि.	४	२०	सं.	८	०	मं.	१	१०	पिं.	३	१०	धा.	६	०	भ्रा	९	१०	भ.	१३	१०
सि.	२	१०	सं.	५	१०	मं.	१	०	पिं.	२	२०	धा.	५	०	भ्रा	८	०	भ.	११	२०	उ.	१६	०
सं.	२	२०	मं.	०	२०	प.	२	०	धा.	४	०	भ्रा	६	२०	भ.	१०	०	उ.	१४	०	स	१८	२०
अं. आर्द्रा. चित्रा			ग्र. पुनर्वसु. स्वाती			श. पुष्य. विशा.			अश्वि. ऽश्ले अनु. पू. भा.			भर. मघा. ज्ये.उ.भा.			कृ. पू. फा. मू. रे.			रो. उ. फा. पू. षा.			मृग. हस्त. उ. षा.		

केवल जन्माङ्ग से अरिष्ट वर्षों का ज्ञान।

ज. ल.	अरिष्टवर्ष							आयु.
१ मेष	४	११	१६	४४	५८			१००
२ वृष	१	२८	३३	४४	६१			९०
३ मिथुन	४	१०	१४	३८	५८			८६
४ कर्क	५	२५	४०	४८	६२			१००
५ सिंह	५	१३	२८	३६	४८			६३
६ कन्या	४	१६	२३	३६	४५			१००
७ तुला	१५	३१	३५	६२	६४			७५
८ वृश्चिक	११	२८	५२	३८	६२			१००
९ धनु	२	१०	३१	१८	३८	४२	६७	८१
१० मकर	५	१३	२७	३६	५७	६२		९५
११ कुंभ	२	२८	३३	४८	६४			९०
१२ मीन	१	८	१३	३६	४८			८३

सूर्यदशावर्ष ६				चन्द्रदशावर्ष१०				भौमदशावर्ष७			
कृ.उ.फा.उ.षा.				रोहि. ह. श्रवण.				मृ. चि. ध.			
अन्तर्दशादि१८				अन्तर्दशादि ३०				अन्तर्दशादि २१			
ग्र.	व.	मा.	दि	ग्र.	व.	मा.	दि	ग्र.	व.	मा	दि
सू.	०	३	१८	चं.	०	१०	०	मं.	०	४	२७
चं.	०	६	०	मं.	०	७	०	रा.	१	०	१८
मं.	०	४	६	रा.	१	६	०	बृ.	०	११	६
रा.	०	१०	२४	बृ.	१	४	०	श.	१	१	९
गु.	०	९	१८	श.	१	७	०	बु.	०	११	२७
श.	०	११	१२	बु.	१	५	०	के.	०	४	२७
ब.	०	१०	६	के.	०	७	०	शु.	१	२	०
के.	०	४	६	शु.	१	८	०	सू.	०	४	६
शु.	१	०	०	सू.	०	६	०	चं.	०	७	०

राहुदशावर्ष १८				गुरुदशावर्ष १६				शनिदशावर्ष१९			
आर्द्रा.स्वा. शत.				पुन.वि.पू.भा.				पुष्य.अनु.उ. भा.			
अन्तर्दशादि ५४				अन्तर्दशादि ४८				अन्तर्दशादि ५७			
ग्र.	व.	मा	दि	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा	दि.
रा.	२	८	१२	बृ.	२	१	१८	श.	३	०	३
बृ.	२	४	२४	श.	२	६	१२	बु.	२	८	९
श.	२	१०	६	बु.	२	३	६	के.	१	१	९
बु.	२	६	१८	के.	०	११	६	शु.	३	२	०
के.	१	०	१८	शु.	२	८	०	सू.	०	११	१२
शु.	३	०	०	सू.	०	९	१८	चं.	१	७	०
सू.	०	१०	२४	चं.	१	४	०	मं.	१	१	९
चं.	१	६	०	मं.	०	११	६	रा	२	१०	६
मं.	१	०	१८	रा	२	४	२४	बृ.	२	६	१२

बुधदशावर्ष१७				केतुदशावर्ष७				शुक्रदशावर्ष २०			
आश्ले.ज्ये.रेवती				मघा.मू.अश्वि				पू.फा.पू.षा.भर			
अन्तर्दशादि ५१				अन्तर्दशादि २१				अन्तर्दशादि ६०			
ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.
बु.	२	४	२७	के.	०	४	२७	शु.	३	४	०
के.	०	११	२७	शु.	१	२	०	सू.	१	०	०
शु.	२	१०	०	सू.	०	४	६	चं.	१	८	०
सू.	०	१०	६	चं.	०	७	०	मं.	१	२	०
चं.	१	५	०	मं.	०	४	२७	रा	३	०	०
मं.	०	११	२७	रा	१	०	१८	बृ.	२	८	०
रा.	२	६	१८	बृ.	०	११	६	श.	३	२	०
बृ.	२	३	६	श.	१	१	९	बु.	२	१०	०
श.	२	८	९	ब.	०	११	२७	के.	१	२	०

*२।४।३ गुणितं २४।३२।१८ स्वच्छेदैः ७।८।६ यथाक्रमंविभक्तम् ३।०।० जातं योगचक्रस्यजन्मकोष्ठेप्रथमसंकत्रयम् ॥ कर्मस्वरसाधनेचोभयकर्मकोष्टांकयोगः ८।४।३ पञ्चध्रुवयुक्ते १३।९।८ गुणगुणैर्छेदहृदं ५।४।० योग कर्मकोष्टके स्थाप्यम् ॥ आधानयोर्योगे ९ ध्रुवयुंसुतेथोक्तकृते ४।०।० जातं पिण्डस्वरसाधनेध्रुवः १४ अथोक्तवत्कृते २।०।१ जातम् ॥ छिद्रस्वरयोगेध्रुवः २८ युक्तेयथोक्त कृते ३।० ।० जाताछिद्रस्वरांका०

अथ यात्रायां शुभाशुभनक्षत्रज्ञानाय चक्रमिदम् ॥

अश्वि	पुन	अनु	मृ	पुष्य	रे	ह	श्र	ध	एषुशुभा
रो	उ	३	पू	३	मू	श		ज्ये	एषुमध्या
भ	कृ	आ	ऽश्ले	म	चि	स्वा		वि	एतद्भेषुनिंद्या
श्र	ह	मृ	पु	एषुसर्वदाशुभा		अश्वि		पुष्य	अनु
पू ३	कृ	म	भ	स्वा	ज्य	वि	ऽश्ले	चि	एषुआवश्यके
१६	२१	११	७	१४	१४	१४	१४	४०	यात्रायांत्याज्य

यात्रायां द्वादशराशिगत चन्द्रफलम् ।

आद्यचन्द्रः श्रियं कुर्याद्द्वितीये धनधान्यदः । तृतीयेराज सन्मानं चतुर्थेकलहागमः १ पञ्चमेज्ञान वृद्धिश्चषष्ठेसम्पत्तिरुत्तमा ॥ सप्तमेसुखकृच्चन्द्रोह्यष्टमे मरणं भवेत् (कष्टं वा) नवमेभाग्यवृद्धिश्च दशमे सुखसंपदः । एकादशे सर्वलाभो द्वादशेचाशुभावहः । आवश्यके द्वादशगतेऽपि यात्रा कार्यानिष्ट चन्द्रदानात् ।

दधि तण्डुलसिता घृत-रजत मुक्तादयः ॥

संमुखेह्यर्थलाभायदक्षिणेसुखसंपदः । पृष्ठतोमरणंचैववामेचन्द्रेधनक्षयः ॥ सर्वे दोपालयं यान्तिपूर्णेचन्द्रेहि संमुखे ॥

आवश्यकेदिक्शूलदोष नाशाय वार क्रमात् वस्तुनाम ।

सू.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा
घृतम्	पयः	गुडम्	तिलान्	दधिः	यवान्	माषान्	धारणं
ताम्बूल	चन्दन	मृद्	पुष्प	दधिः	घृत	तिलम्	भक्षणं

वरदानंदोषानिष्टनाशायकार्यम् ।

दिग् लग्नानि ।

पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर	दिक्
१।५।९	२।१०।६	३।७।११	४।८।१२	शुभ
२।६।१०	३।७।११	४।८।१२	१।५।९	मध्य
४।८।१२	१।५।९	२।६।१०	३।७।११	नेष्ट
३।७।११	४।८।१२	१।५।९	२।६।१०	नष्ट

कुलगणः ।

पूर्वा ३ अश्वि पुष्य मघा मृग श्रव कृ ज्ये चि वि ॥ मं शु वारौ ॥४॥ ८।१२।१४। तिथयो ऽत्रस्थायी जयति ।

अकुलगणः ।

भ पुन ऽश्ले हस्त स्वा अनु रो उ ३ ध रेव भानि विषमास्तिथयः॥सू च वृ श वाराः ॥ अत्रयायी जयी ।

कुलाकुलगणः ।

आर्द्रा मू अभि शतभि २।६।१० तिथयः ॥ बुधश्च ॥ अत्र सन्धिः ।

चन्द्रवासः ।

पू	द	प	उ
मे	वृ	मि	क
सिं	कं	तु	वृ
ध	म	कुं	मी

यात्रासमय विचारः । जन्मेशे जन्मदशेशेस्तंगतेपिनगन्तव्यम् ॥ तीर्थयात्रायां गुरुशुक्रयोरस्तोवर्ज्यः । सिंहस्थगुरुः नीचगोपिवर्ज्यः ।

यात्रायां—लग्नशुद्धिः जन्मराशि-लग्नाभ्यामष्टमराशिलग्ने । कुम्भकुम्भांशकौ ! मीनपृष्टोदयराशयः त्याज्याः ।लग्नात् १।४।७।१० ५।९ स्थानेषुशुभाः ३।६।११ स्थानेषु पापाः । १० शनि ७ शुक्रः नेष्टः । लग्नात् १।६।७।८ स्थानगश्चन्द्रो-६।७।८।१२ लग्नेशोनसत् । शुभाऽशुभहीनमष्टमंभवनम् ।

अथ समयशूलचक्रम् ।

पूर्वस्याम्	प्रातःकाल
दक्षिणे	मध्याह्नकाल
पश्चिमे	संध्यायाम्
उत्तरस्यां	अर्धरात्रे

यात्रायां छिक्काफलम् ।

पूर्वे	अशुभम्
अग्नौ	दुःखी
दक्षिणे	अनिष्टः
नैरृत्यः	शुभम्
पश्चिमे	सुभोज्य
वायव्ये	धनाप्तिः
उत्तरे	कलहः
ईशाने	शुभम्
मध्ये	भयम्

अथ पथिराहुचक्रमिदम् ।

अश्वि	पुष्य	ऽश्ले	वि	ऽनु	धनि	श	भानि धर्म्मे
भरणी	पुन	मघा	स्वा	ज्ये	श्रव	पू भा	अर्थभानि
कृत्ति	आर्द्रा	पू फा	चित्रा	मूल	ऽभि	उ भा	कामभानि
रोहि	मृग	उ फा	ह	पू षा	उ षा	रेव	मोक्षभानि

अथपन्थाराहु चक्राद्यात्रायां शुभाशुभज्ञानमाह।

सूर्ये धर्म्मगतेचन्द्रोधनेमोक्षेशुभप्रदः । सूर्ये धनगतेधर्ममोक्षमार्गेशुभः शशी ॥ कामेर्के धर्ममोक्षार्थे संस्थश्चन्द्रो जयप्रदः । मोक्षेऽर्के धर्मगश्चन्द्रः शुभोन्यत्र नशोभनः ।।इति॥

अथ योगिनी वासचक्रम् ।

पूर्व	अग्नि	दक्षिण	नैऋ	पश्चिम	वायु	उत्तर	ईशा	दिशा
१।९	३।११	५।१३	४।१२	६।१४	७।१५	२।१०	८।३०	तिथयः

अथैकस्मिन्दिनेप्यावश्यकेयोगिनीभोगस्तद्बोधकचक्रम् ॥

पू	त्रा	द	इ	प	आ	उ	ने	दिशा
३	७	११	१५	१८	२२	२६	३०	घटि
४५	३०	१५	०	४५	३०	१५	०	पल
३३	३७	४१	४५	४८	५२	५६	६०	घटि
४५	३०	१५	०	४५	३०	१५	०	पल

अथास्यफलम् ।

योगिनीसंमुखेद्यूते गमेयुद्धे च मृत्युदा अशुभावामभागस्था पृष्ठेदक्षेजयप्रदा ।

यात्रानिवृत्तौ प्रवेशः । षष्टाष्टमी विष्णुदिनानिरिक्तां विहाय चित्रोत्तररोहिणीञ्च । मृगान्त्यमैत्रेशनिवित् सितेज्येनिवृत्यगेहं प्रविशेत्प्रयाणात् । स्थिरराशिलग्ने ४।८ शुद्धौ १।७।४।१०।५।९ स्थानेषु शुभैः । ३।६।११ स्थानेषुपापैः योजनान्तं लघुयात्रा २५ योजनं मध्याऽतः परंदीर्घाज्ञेया ।

अथवारस्यात्रसविदिकशूलज्ञानायचक्रम् ॥

पूर्व	आ.	दक्षि.	नैऋ.	पश्चि	वाय	उत्तर	ईशा.	दिक
चं. श.	चं. वृ.	गुरु	सू. शु.	सू. शु.	भौम	मं. बु.	बु. श.	वारा

अथ नक्षत्रशूलचक्रम् ॥ | अथप्रतिदिग्यात्रायांवाहनानि

पू.	द.	प.	उ.	दि.४	पू.	द.	प.	उ.	दि
ज्ये.	पू.भा.	रो.	उ.फा.	भानि	गज	रथ	अश्व	शिवि	वा

यात्रायां वारदोहदज्ञानायचक्रम् ।

र.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.
रसालं	पायसं	कांजी	पक्वदुग्ध	दधि	पयोश्रि	ति. अ.

अथवारपरत्वेनकालचक्रम् ॥

पू.	अ.	द.	नै.	प.	वा	उ.	ई.	दिगः
श.	शु.	बृ.	बु.	मं.	चं.	सू.	०	वाराः

अथयात्रायां तिथिदोहदज्ञानायचक्रम् ।

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५
अर्कपत्रम्	तंडुलोदक	घृतम्	यवागू	हविष्य	स्वर्णजलम्	अपूपम्	बीजपूरफलम्	जलम्	गोमूत्रम्	यावक	पायसम्	गुडम्	दधिरसम्	मुद्गदानम्

अथवारपरत्वेनपाशचक्रम् ॥

पू.	अ.	द.	नै.	प.	वा	उ.	ई.	दिगः
मं.	चं.	सू.	०	श.	शु.	बृ.	बु.	वारा

अथ यात्रायां दिग्दोहदचक्रम् ।

दिशः	पू.	आ.	द.	नै.	प.	वा	उ.	ई
वस्तूनि	घृतम्	तंडलं	तिलौद	सक्तुकं	मत्स्य	गोधूम	दुग्धम्	पायस

विवाहे पञ्चशलाकाचक्रम्

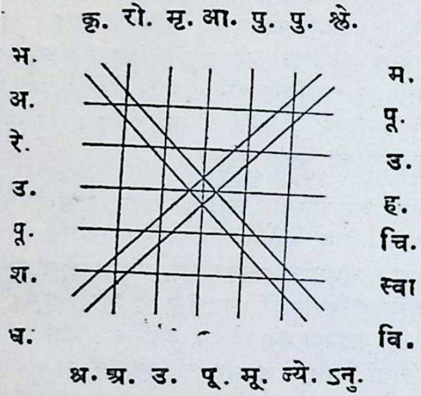
कृ. रो. मृ. आ. पु. पु. श्ले.
भ.
अ.
रे.
उ.
पू.
श.
ध.
म.
पू.
उ.
ह.
चि.
स्वा
वि.
श्र. अ. उ. पू. मू. ज्ये. ऽनु.

राजा गुरुः

श्रीगणेशाय नमः

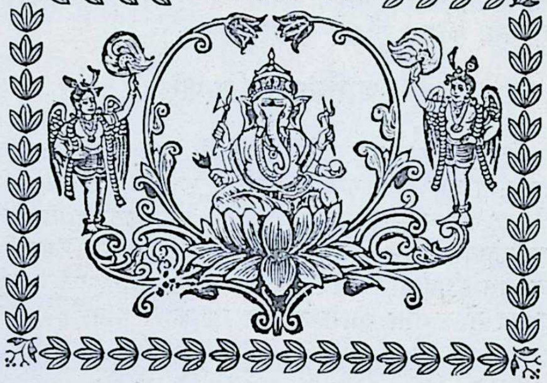

मन्त्री चन्द्रः

अन्येषु सप्तशलाकाचक्रम्

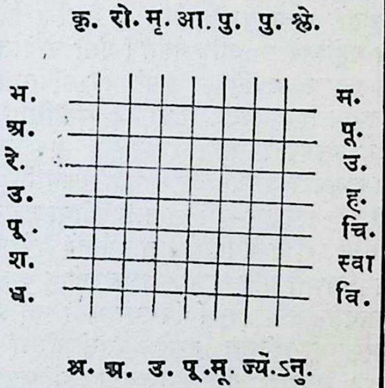
कृ. रो. मृ. आ. पु. पु. श्ले.
भ.
अ.
रे.
उ.
पू.
श.
ध.
म.
पू.
उ.
ह.
चि.
स्वा
वि.
श्र. अ. उ. पू. मू. ज्ये. ऽनु.

श्री संवत् २०१६, शकः १८८१, हिजरी सन् १३७८-७९, फसली सन् १३६६-६७, ईस्वी सन् १९५९-६०।
परिधावि नाम संवत्सरः।

विंशोत्तरी मतेन आयव्ययचक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
१४	८	१४	८	११	१४	८	१४	११	५	५	११
२	११	८	५	२	८	११	२	८	११	११	८

अष्टोत्तरी मतेन आयव्ययचक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
२	५	८	२	५	८	५	२	८	२	२	८
५	१४	११	११	५	११	१४	५	११	८	८	११

देखने की रीति

आयव्ययौ समौ कृत्वा एक हीनं तु कारयेत्।
अष्टभिस्तु हरेद्भागं शेषाङ्के फलमादिशेत्॥
१ लाभं, २ सौख्यं तथा ३ क्लेशं ४ रोगं ५ लोकापवादकम्।
६ सम्मानं ७ विजयं ८ हानिः कथितं पूर्व सूरिभिः॥

श्री काश्याम्

शुद्धमकरन्दीय दशवर्षीय पञ्चाङ्गम्

श्री
गंगा

काशी
पञ्चाङ्गम्

समय-शुद्धिः

गुरु—मार्गशीर्ष कृष्ण ७ रवौ पश्चिमास्तः।
पौष कृष्ण २ गुरौ पूर्वोदयः।

शुक्र—भाद्रपद कृ. ३ भृगौ शुक्रास्त पश्चिमायाम्।
भाद्रपद शुक्ल ४ रवौ शुक्रोदय पूर्वस्याम्।

शनि—धनु राशौ वर्ष पर्यन्तम्।

राहु—संवत्सरं यावद् कन्या राशौ।

प्रधान वितरक—**श्री गंगा पुस्तकालय,**
गायघाट, वाराणसी।

सम्पादक—**पं० चन्द्रशेखर पाठक ज्यौतिषाचार्य, ज्योतिषरत्न**
सी. के. ६४/७० हीरापुरा, वाराणसी।

प्रकाशक व मुद्रक—**पं० पृथ्वीनाथ भार्गव,**
भार्गव भूषण प्रेस, गायघाट, वाराणसी।

वर्ष-फल

श्री संवत् २०१६ शाके १८८१

अथास्मिन्वर्षे राजा गुरुस्तत्फलम्––गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले कामदुघाश्च धेनवः। यजन्ति विप्राः बहवोऽग्निहोत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते। मंत्री चन्द्रस्तत्फलम्–शशिनि मंत्रिगते बहुसस्यवत्यपिधरा रमते सुखमंडिता। विपति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाः सुखराशि सुशोभिता। सस्येशो गुरुस्तत्फलम्–सस्यपतौ सुरराजपुरोहिते सकलसौख्यकरः श्रुतिपूर्वका। जलधरा जलदाः बहु सस्यदारसपयांसि बहूनि वसूनि वै। धान्येशो बुधस्तत्फलम्–बुधे धान्याधिपे मेघा जलं मुञ्चन्ति वै भृशम्। सैन्धवे लाट देशे च मघवाऽल्पं च वर्षति। मेधेशश्चन्द्रस्तत्फलम्–शशिनि तोयपतौ यदि गोमहिष्यजखरादिषु दुग्धरसं तदा। फलवती धनधान्यवती धरा विविधभोगवती ननु भामिनी। रसेशो शनिस्तत्फलम्–रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधरा। अजगवां गज वाजिखरोष्ट्रहा जनपदेषु नरान्नसुखैयुताः। नीरसेशो गुरुस्तत्फलम्–हरिद्रापीतवस्तूनां पीतवस्त्रादिकं च यत्। नीरसेशो यदा जीव सर्वेषां प्रीति सत्तमा। फलेशो रविस्तत्फलम्–द्रुमवती फलपुष्पवती धरा प्रमुदिता फल योगमशेषता। बहुजलं जलदो भुवि मुञ्चति क्वचिदपि प्रपिते फलपो रविः। धनेशो गुरुस्तत्फलम्-सुमनसा च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिजवृत्तिपरा सुखभाजना। फलित पुष्पित भूमिरुहा सदा विविध द्रव्ययुता भुवि मानवाः। गढ़पतिर्मृगलाञ्छनको यदा, नृपसुराज्य विलासित पौरजाः। बहुधनेक्षुजगोरस भोगिनो, नरवरा नर वर्णित विग्रहाः॥

इस वर्ष के राजा गुरु; मन्त्री चन्द्रमा हैं। राजा गुरु ने ही धान्य, नीरस पदार्थ तथा अर्थ मन्त्रित्व का भार सम्हाला है। प्रधान-मन्त्री चन्द्रमा ने ही सिंचाई तथा राष्ट्ररक्षा का भार सम्हाला है। शेष मन्त्रियों में रसमन्त्री शनि, धान्य मन्त्री बुध तथा फलमन्त्री रवि हैं। यह अधिकार-विभाजन यह सूचित करता है कि इस वर्ष भारत सरकार उत्तम कोटि की राजनीति का आश्रय लेगी। कहीं भी ओछी कूटनीति का प्रभाव न दिखायी देगा। राष्ट्ररक्षा के काम में स्त्रण नीति का प्रयोग होगा। जलवृष्टि होगी। आषाढ़ तक जनता में ज्वर बाधा रहेगी, घी, तेल, धातु मंदी; सोना तेज; ततः ६ मास के लिये स्वल्प-वृष्टि, पापाधिक्य, राजा, चोर तथा सर्प से भय होगा। रुई, सोना, चाँदी, तिल, गुड़, श्वेत पदार्थ तेज रहेगा। इस वर्ष गरजता हुआ मेघ भी वृष्टि न करेगा, जल का अभाव रहेगा। युद्ध की सम्भावना है। किसी राज्य का नाश होगा। पश्चिम में ही युद्ध या रक्त-प्रवाह सम्भव है। अन्तर्वेद तथा कन्नौज में पीड़ा होगी। पौष के पश्चात् खेती होगी। घी, सोना, चाँदी, कपास, ताँबा, तेज; तेल, कपड़ा, गुड़, मद्य, काँसा, शीशा, मन्दा होगा।

वार्षिक राशि-फल

मेष––वर्ष साधारण है। वर्षादि से आषाढ़ तक तथा पौष से वर्षान्त तक श्रेष्ठ सफलता, लाभ, उल्लास के लिये होगा। वर्ष भर शत्रु पराजित रहेंगे। बीच में असफलता हानि होगी। कष्ट रहेगा। लाभ होने पर भी दैन्य तो रहेगा ही। व्ययाधिक्य अनायास ही होगा। सौर वैशाख, श्रावण, अगहन बुरे रहेंगे। भाद्रपद में सन्तान को कष्ट, चैत्र व्ययकारी होगा।

वृष––वर्ष साधारण है। चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट, वायु-विकार, चर्मरोग रहेगा; वर्ष के मध्य में कोई शुभ काम भी होगा। सफलता मिलती रहेगी; अनाचार से लाभ सम्भव है। नीलम धारण करें। सौर ज्येष्ठ, भाद्रपद, पौष बुरे रहेंगे। वैशाख में व्यय होगा। आश्विन में सन्तान को कष्ट, चिढ़ होगी।

मिथुन––वर्ष साधारण है। उदर-विकार, कमर या हृदय में व्यथा, माता-पिता को कष्ट; वर्षादि तथा अन्त के ३ मास (कुल ६ मास) अच्छे रहेंगे। सफलता मिलती रहेगी। सौर आषाढ़, आश्विन, माघ बुरे रहेंगे। ज्येष्ठ में व्यय होगा। कार्तिक में चिढ़, सन्तान को कष्ट होगा।

कर्क––वर्ष अच्छा है। लाभ, हर्ष, विजय, सफलता, व्यापार में उन्नति रहेगी। वर्षादि तथा अन्त के ३ मास अच्छे न रहेंगे। भ्रातृ-वर्ग में कष्ट रहेगा। सफलता की दृष्टि से वर्ष का मध्य अच्छा रहेगा। सौर, श्रावण, कार्तिक और फाल्गुन बुरे रहेंगे। आषाढ़ में व्यय होगा। मार्गशीर्ष में चिढ़, सन्तान को कष्ट रहेगा।

सिंह––वर्षान्त के ३ मास के अतिरिक्त शेष वर्ष बुरा है। धन-हानि, परिवार में अशान्ति, जीर्ण रोग, चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट रहेगा। सौर भाद्रपद, अगहन और चैत्र बुरे रहेंगे, श्रावण में व्यय होगा। सौर पौष में सन्तान को कष्ट, चिन्ता रहेगी।

कन्या––वर्षादि के ३ मास सफलता के लिये श्रेष्ठ रहेंगे। शेष वर्ष बुरा रहेगा। वर्ष भर रोग, कष्ट, चिढ़, चिन्ता, चोट, व्रण, विवाद, माता-पिता, स्त्री को कष्ट रहेगा। गोमेद, लहसुनिया, नीलम धारण करें। सौर वैशाख, आश्विन, पौष बुरे रहेंगे। भाद्रपद में व्यय होगा। माघ में चिढ़, सन्तान को कष्ट रहेगा।

तुला––वर्ष का मध्य-भाग सफलता की दृष्टि से अच्छा है। शेष वर्ष साधारण है। व्यय की मात्रा अधिक रहेगी। लाभ, हर्ष भी होता रहेगा। व्यापार में उन्नति, भाइयों को कष्ट रहेगा। शत्रु अनायास पराजित होंगे। सौर ज्येष्ठ, कार्त्तिक, माघ, बुरे रहेंगे। आश्विन में अधिक व्यय होगा। फाल्गुन में चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट रहेगा।

वृश्चिक––वर्ष का अन्तिम चतुर्थांश लाभ, शुभ काम की दृष्टि से अच्छा है। शेष वर्ष अच्छा नहीं। वर्षादि में शुभ काम में व्यय होगा। सामान्य लाभ होता रहेगा। चिढ़, सन्तान को कष्ट, धन-हानि, परिवार में अशान्ति तो रहेगी ही। सौर आषाढ़, अगहन और फाल्गुन बुरे रहेंगे। कार्तिक में अधिक व्यय होगा। चैत्र में चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट होगा।

धनु––वर्षादि के ३ मास सफलता की दृष्टि से ठीक हैं शेष वर्ष अच्छा नहीं। मध्य वर्ष में शुभ काम में व्यय होगा। माता-पिता को कष्ट, चिढ़, मित्रों से झगड़ा, भूमि-विवाद रहेगा। शरीर रुग्ण रहेगा। सौर श्रावण, पौष और चैत्र बुरे रहेंगे। अगहन में व्ययाधिक्य रहेगा। वैशाख में चिढ़, सन्तान को कष्ट रहेगा।

मकर––वर्ष का मध्य भाग शुभ काम तथा सफलता के लिये है। वर्षान्त में शुभ काम में व्यय होगा। धर्म में अरुचि, व्यापार में उन्नति, भाइयों को कष्ट, अपव्यय रहेगा। सौर वैशाख, भाद्रपद, माघ बुरे रहेंगे। पौष में व्यय होगा। ज्येष्ठ में चिढ़, सन्तान को कष्ट रहेगा।

कुम्भ––वर्षादि तथा अन्त के ३ मास श्रेष्ठ हैं, शेष वर्ष असफलता-सूचक है। इस वर्ष लाभ, उल्लास, शुभ काम होगा। कोई रोग, परिवार में अशान्ति, धन-हानि होती रहेगी। गोमेद धारण करें। सौर ज्येष्ठ, आश्विन, फाल्गुन बुरे रहेंगे। माघ में व्यय होगा। आषाढ़ में चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट होगा।

मीन––वर्ष में मध्य के ६ मास लाभ, शुभ काम के लिये हैं। शेष वर्ष असफलता, चिढ़, चिन्ता, आलस्य के लिये हैं। रोग, स्त्री को कष्ट पूरे वर्ष रहेगा। लहसुनिया धारण कीजिये। सौर आषाढ़, कार्तिक और चैत्र बुरे रहेंगे। फाल्गुन में व्यय होगा। श्रावण में चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट रहेगा।

इस वर्ष में ३ ग्रहण लगेंगे

(१) संवत् २०१६ भाद्रपद शुक्ल १५ बुधवार

१६-१७ सित. १९५९

(२) संवत् २०१६ आश्विन कृष्ण ३० शुक्रवार

२ अक्टूबर, १९५९

(३) संवत् २०१६ फाल्गुन शुक्ल १५ रविवार

१३ मार्च, १९६०

दूसरा ग्रहण भारतवर्ष में दिखाई देगा काशी में कदाचित् दर्शन हो।

श्री संवत् २०१६ विवाहमुहूर्ताः

चैत्र शुक्ल १० शनौ मघा भे।
,, ,, ११ रवौ मघा भे, दिवा लग्नम्।
,, ,, १२ चन्द्रे उ. फा. भे।
,, ,, १३ भौ. हस्त भे।
,, ,, १५ गुरौ स्वाती भे।
वैशाख कृष्ण १ शुक्रे अनु. भे।
,, ,, ३ शनौ अनु. भे।
,, ,, ४ रवौ मूल भे।
,, ,, ५ चन्द्रे मूल भे दिवा लग्नम्।
,, ,, ६ भौमे उ. षा. भे।
,, ,, ७ बुधे उ. षा. भे दिवा लग्नम्।
,, ,, ११ रवौ उ. भा. भे।
,, ,, १२ चन्द्रे उ. भा. रेवती भे।
,, ,, १३ भौम. रेवती भे।
,, शुक्ल २ शनौ रोहिणी भे।
,, ,, ३ रवौ रो. भ. दिवा लग्नम्,
मृग भ रात्रौ।
,, ,, ३ चन्द्रे मृग भे दिवा लग्नम्।
वैशाख शुक्ल ७ शुक्र मघा भे।
,, ,, ८ शनौ मघा भे।
,, ,, ९ रवौ उ. फा. भे।
,, ,, १० चन्द्रे उ. फा. हस्त भे।
,, ,, १३ बुधे स्वाती भे।
,, ,, १४ गुरौ स्वाती भे. दिवा लग्नम्।
,, ,, १५ शुक्रे अनु. भे।
ज्येष्ठ कृष्ण २ रवौ मूल भे।
,, ,, ५ भौमे उ. षा. भे।
,, ,, १० रवौ उ. भा. भे।
,, ,, ११ चन्द्रे रेवती भे।
ज्येष्ठ शुक्ल ६ शुक्रे मघा भे।
,, ,, ८ रवौ उ. फा. भे.।
,, ,, ९ चन्द्रे. हस्त. भे.।
,, ,, ११ बुधे. स्वाती भ.।
,, ,, १२ गुरौ अनु. भे.।
,, ,, १३ शुक्रे अनु. भे. दिवा. लग्नम्।
,, ,, १५ शनौ. मूल भे.।
आषाढ़ कृष्ण १ रवौ मूल भे. दिवा लग्नम्।
,, ,, २ चन्द्रे उ. षा. भे.।
,, ,, ७ शनौ उ. भा. भ.।
,, ,, ८ रवौ रेवती भे।
,, ,, ९ चन्द्रे रेवती भ. दिवा लग्नम्।
,, ,, १३ शुक्रे रोहिणी भ.।
,, शुक्ल ३ गुरौ मघा. भे।
,, ,, ५ शनौ उ. फा. भे.।
,, ,, ६ रवौ हस्त भे.।
,, ,, ९ भौ. स्वाती भे.।
,, ,, ११ गुरौ अनु. भे. संक्रान्ति दोष।
माघ कृष्ण ४ चन्द्रे. उ. फा. भे।
,, ,, ५ भौम हस्त भे।
,, ,, ७ गुरौ स्वाती भे।
,, ,, ८ शुक्र स्त्राती भे. दिवा लग्नम्।
,, ,, १० शनौ. अनु. भे।
,, ,, १२ चन्द्रे मूल भे.।
माघ शुक्ल २ रवौ उ. भा. भे।
,, ,, ३ चन्द्रे उ. भा. रेवती भे।
,, ,, ४ रवौ. उ. फा. भे।
,, ,, ५ चन्द्रे उ. भा. रेवती भे।
,, ,, ६ भौमे. रेवती भे।
,, ,, ७ शुक्रे रोहिणी भे।
माघ शुक्ल ८ शनौ रो.।
,, ,, ९ शनौ रोहिणी भे।
,, ,, १० रवौ रो. मृ. भे।
,, ,, ११ चन्द्रे मृ. भे दिवा लग्नम्।
,, ,, १५ शुक्रे मघा भे।
फाल्गुन कृष्ण २ शनौ मघायां ल. ७।
,, ,, ३ चन्द्रे उ. फा. भे।
,, ,, ४ भौमे हस्ते ल. ७।
,, ,, ६ शुक्रे अनु. भे।
,, ,, ८ शनौ अनु. भे.।
,, ,, ९ सूर्ये मूले ल. ७।
,, ,, १० चन्द्रे मूलभे दिवा लग्न।
,, ,, ११ भौ. उ. षा. भे।

वर्षलग्नम्

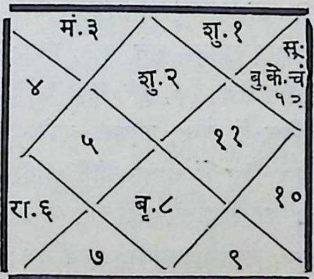

आर्द्राप्रवेश लग्नम्

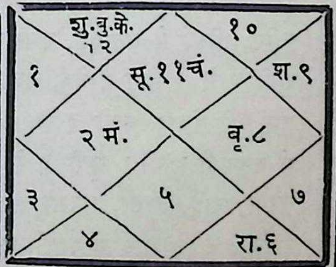

भविष्य-वाणी संवत् २०१६

चैत्र-शुक्लपक्ष

सुदी २ से १८ दिन में तिल नाश, भैंसों का नाश; भय; सुदी ६ से १ मास में रुई, ईख, तिल, तेल, चाँदी-सोना, गुड़, रंग तेज; उसी दिन से १४ दिन में सर्वधान्य, सर्वरस, सोना-चाँदी, लोहा, राँगा, पारा, सीसा, ऊन, वस्त्र, तीसी, रेंड़ी, तिल, मेथी, अल्ता, आलू, लाल चन्दन, इलायची, सुपारी, लौंग, नारियल, कपूर, हींग, तेज; सुदी ९ से २ मास में शेयर तेज होकर मंदा; चाँदी तेज, चावल, घी, तेल, तीसी, सरसों, तम्बाकू, कपड़ा तेज; सुदी १० से ८ दिन में, पातक-वृद्धि, जनसंहार, अफीम तेज; चाँदी, सोना, तीसी, रेंड़ी, सरसों, घी, तेल, गुड़, खाँड़, सुपारी, ऊन मंदा होगा।

१३-१४-१५, २०-२१-२२ अप्रैल को बादल-वृष्टि, वायु की सम्भावना है।

चाँदी——पोते का काम करें, १६ अप्रैल को तेजी ।।) १)

वैशाख

वदी ६ से ९ दिन में केसर, मजीठ, कुसुम्ब, अफीम, अल्ता तेज; वदी ७ से १० दिन में रस तेज, गेहूँ, चना, कराई मंदी; वदी ११ से तिल नाश, महिषी नाश, श्वेत वस्तु, कपास, नमक, रस, धान्य तेज; वदी १२ से २२ दिन में वायु की तीव्रता, जल-वृष्टि, तीसी में घट-बढ़, कपास, सूत, कपड़ा, सन, पाट, मंदा; सुदी २ से ९ दिन में गेहूँ, चना, यव तेज; ईख, दूध, गुड़, खाँड़, रस, घी मंदा; सुदी ३ से ८ दिन में वृष्टि, कोशल, कलिङ्ग में गड़बड़ी होगी। सुदी ३ से १४ दिन में चावल, गेहूँ, चाँदी-सोना, राई, तीसी, सरसों तेज; खान इन्सपेक्टरों को कष्ट; सुदी ७ से १ मास में स्वर्ण, धान्य, अफीम, कपड़ा, शस्त्र तेज; रुई, चाँदी, मंदी; पीड़ा; तेजी; कहीं वृष्टि होगी। सुदी ९ से ९ दिन में हाथियों को पीड़ा; चाण्डालों का नाश; धान्य तेज; सुदी १३ से ४५ दिन में ईख, गुड़, शक्कर, धान, रुई तेज; सुदी १५ से १० दिन में धान्य, घी मन्दा; चाँदी, रुई, ३ बार घट-बढ़कर तेज होगी।

२६-२७-२८ अप्रैल ३-४-५, ११-१२-१३, १८-१९-२० मई को साधारण बादल-वृष्टियोग है।

चाँदी——१४ मई तक सोने का काम करें।

ज्येष्ठ

वदी १ से विप्र पीड़ा, ज्वर बाधा, चाँदी, अफीम में गड़बड़ी; वदी २ से ८ दिन में अकस्मात् विदर्भ में जननाश, धान्य बिनौला तेज; वृष्टि, वदी ३ से १४ दिन में चावल, सभी धान्य, तीसी, सरसों, रेंड़ी, राई, सुपारी, हींग, दाख, खजूर, गुड़, खाँड़, रुई, सूत, पान, सन, पाट, ऊन, घी, तेज; धनवान, भोगी, गाड़ीवान, चौपायों को पीड़ा; पृथ्वी पर कलह, महाभय, रुई, अफीम तेज; चोर-भय, चाँदी मंदी; वदी ७ से ८ दिन में कपास, तिल, तेल, सूत, चावल, गुड़, खाँड़ तेज; राई, तूवर, सन, पाट मंदा; वदी १० से २५ दिन में वायु-वृष्टि की तीव्रता, अन्न, शेयर, गुड़, खाँड़, शक्कर तेज़; रुई, चाँदी मंदी; वदी १२ से १० दिन में वृष्टि, लाख, चपड़ा, गुड़, कपूर, हींग, हिंगलू मंदा; रुई, सन, पाट, धान्य तेज; सुदी १ से ८ दिन में वायु-वृष्टि की तीव्रता; गेहूँ, उड़द, तिल मंदा; सुदी २ से १४ दिन में वायु-वृष्टि की तीव्रता, गर्मी अधिक, सोना, चाँदी, लोहा, ताँबा, राँगा, सीसा, अभ्रक, जलज पदार्थ, नारियल, सर्वफल, रुई, सूत, रेशम, उड़द, मूँग, ज्वार, बाजरा, कपड़ा, कपूर, चन्दन, सुगन्ध, चना, कराई, धान्य, चतुष्पद तेज; सुदी ९ से १ मास में कपास, कन्द-मूल, तिल, स्वर्ण, धान्य तेज; सर्वधान्य, खेतियाँ तेज; रुई, तेल, यव, पीला रंग तथा पीली सामग्री तेज; तूवर, चावल, मोठ, चना, कराई मंदी; सुदी ११ से १८ दिन में धान्य तेज; वर्षा की कमी, दुर्भिक्ष की सम्भावना, सुदी १२ से ८ दिन में रुई, कपास, चाँदी, कपड़ा, खूब मंदा होगा।

२४-२५-२६, ३०-३१ मई १-२, ७-८-९, १४-१५-१६, २० जून को तीव्र हवा या बादल-वृष्टि की सम्भावना है।

चाँदी——प्रारम्भ में मन्दी ततः तेजी, फिर मासान्त में मन्दी खेलें।

आषाढ़

वदी १ से १० दिन में घी, तेल, तिल्ली, सरसों, रस तेज; वदी २ से १४ दिन में घी, सुपारी, गुड़, खाँड़, चावल, मणि, मोती, कराई, गेहूँ, सूरमा, कपूर, सूत, तीसी, रेंड़ी, रस, सुगन्ध, लाल वस्त्र, कपास, रुई, सोंठ, लोहू, चपड़ा ५) ८); चाँदी १) १।।) तेज; वकील तथा चोरों को कष्ट, सर्वत्र न्यूनाधिक वर्षा होगी; वदी ४ से २२ दिन में अफीम २०) २५) चाँदी २) तेज; खाँड़, सोना, श्वेत वस्त्र मंदा; वदी ६ से ८ दिन में रुई, जवाहरात, सोना मंदा १); वदी १० से २१ दिन में स्वर्ण, लाल रंग तेज; मारवाड़ में अवर्षण, रूई ५) ८); चाँदी १) २) मंदी; अमावस से १४ दिन में उड़द, मूँग, सोठ, चावल, मसूर, नमक, ज्वार, तीसी, बिनौला, सज्जी, लाख, चपड़ा, नील, तिल, तेल, रेंड़ी, माजूफल, केसर, हरड़, कुसुम्ब, देवदारु, लवँग, अफीम, नारियल, श्वेत पदार्थ, सोना, चाँदी तेज; इञ्जीनियर, दास, धनी, सुन्दर लोगों को पीड़ा, कहीं वृष्टि होगी; सुदी ३ से ४५ दिन में सोना, रूपा, चाँदी, ताँबा, लाल रंग, गेहूँ तीसी, लाल मिर्च, ५) ७), गुड़, मजीठ, कुसुम्ब, तेज; वृष्टि होगी; उसी दिन से १८ दिन में तिल, उड़द, मूँग का नाश; सुदी ११ से १ मास में चाँदी तेज १) २); कहीं अच्छी वृष्टि; सुदी १२ से ८ दिन में वृष्टि, गेहूँ, यव, ज्वार, बाजरा, चना मंदा; सुदी १४ से शेयर खरीदो; चाँदी, सरसों, तेज; लाख, चपड़ा, चावल मंदा; सुदी १५ से १४ दिन में मद्य, गुड़, तिल, तेल, ज्वार, गुगुल, सुपारी, चावल, शक्कर, सोंठ, मोम, हींग, हल्दी, लाख, चपड़ा, सन, पाट, ऊनी वस्त्र, शीशा, सोना १), चाँदी १।।), २) तेज; साधुओं, जलजीवियों, ईशान देशवासियों को पीड़ा होगी।

२१-२२, २७-२८-२९ जून ४-५-६, ११-१२-१३, १८-१९ जुलाई को वादल-वृष्टि होगी।

चाँदी——तेज जायगी १) २)।

श्रावण

वदी २ से ईख, गुड़, रुई, शेयर, खाँड़, रस, तिल, तेल, रेंड़ी, विनौला, रस तेज; सम्भव है चाँदी तेज होकर मंदी हो; वदी ८ से चाँदी मंदी; अनावृष्टि, वदी ११ से १८ दिन में अल्प-वृष्टि, प्रजा-पीड़ा, खाँड़, गुड़, तेल, घी, रस तेज; वदी १४ से १४ दिन में गेहूँ, चना, तीसी, तिल, तेल, गुड़, प्रामिसरी नोट, विनौला, चावल, उड़द, नोट, नील, अफीम, सोना-चाँदी, रस तेज; ईशानकोण में उपद्रव होगा; सुदी ७ से १० दिन में चाँदी-सोना, पीतल, गाय, वैल, घी, तेल तेज; सुदी १४ से ६ मास तक चोर तथा सर्पों का भय; रुई, सोना, चाँदी, कपास, ताँबा, घी, तेल तेज, कपड़ा, भैंस, घोड़ा, मंदा; उसी दिन से १ मास में ईख, गुड़, शक्कर, लाल मिर्च, ज्वार, दाख, रक्त पदार्थ, तिल, जवाहरात, तिल, तेल, घी, रुई, चाँदी तेज होगी।

२४-२५-२६ जुलाई १-२-३, ७-८-९, १४-१५-१६ अग. को वादल-वृष्टि योग है।

चाँदी——पोते का काम करें।

भाद्रपद

वदी ३ से जलावरोध, गुड़, खाँड़, अश्व तेज; चौपाये कष्ट में रहेंगे, वदी ४ से २० दिन में चाँदी, सूत, कपड़ा, विनौला, मूँगफली, तिल, उड़द, रस तेज; गुजरात में वृष्टि; वदी ८ से ४५ दिन में चन्दन, रेशमी, वस्त्र, लाल पदार्थ, लाल मिर्च, तीसी, लाल कपड़ा, गुड़, मजीठ, अनावृष्टि होगी; सोना-चाँदी, साधारण तेज; वदी १२ से १४ दिन में चाँदी १) २), सोना ।।) १); सूत, कपड़ा, चावल, गेहूँ, सरसों, तिल, ज्वार, जीरा, घी, अफीम तेज; आबरेज मंदा; वदी १३ से २२ दिन में दही, खट्टे पदार्थ, देवदारु, रुई, चाँदी, सोना मंदा; शेयर, खाँड़, शक्कर, कपूर, रस मंदा; अमावस से १६ दिन में धान्य, घी मन्दा; चाँदी, रूई, घट-बढ़ कर तेज; सुदी २ से २ मास में तेल, सरसों, हींग, मिर्च तेज; चीन में भूकम्प, अफीम मंदा; सुदी ४ से वृष्टि, शुद्ध चाँदी, सोना तेज; सुदी ५ से ४३ दिन में चना, गुड़, गेहूँ, तीसी, तेज; रुई मंदी; सुदी ६ से अनाज मंदा; सुदी ९ से १८ दिन में अल्प जल-वृष्टि, मडुआ, टाँगुन, कोदो, घी, गुड़, नमक तेज; सुदी ११ से १४ दिन में सोना, चाँदी, लोहा, तेल, घी, सरसों, रेंड़ी, सुपारी, मूंज, बाँस, नील, अफीम, रेशम, कपास, ज्वार उड़द, तीसी तेज; सुदी १३ से उड़द, मूंग, मोठ तेज होगा।

२०-२१-२२, २८-२९-३० अगस्त ४-५-६, १०-११-१२ सितम्बर को बादल-वृष्टियोग है।

चाँदी——बाजार साधारण तेज रहेगा; १) तेज हो जायगा।

आश्विन

वदी १ से १ मास में मजीठ, नारियल, तिल, तेल, घी, कपास तेज; चाँदी मंदी; वायु-वृष्टि की तीव्रता, सोना, यव, चना, खाँड़ तेज; वदी ४ से ५ दिन में सोना, चाँदी, नोट, मोती मन्दा; ततः तेज; रूई मंदी; बादल रहें; वदी ८ से १४ दिन में गेहूँ, यव, ज्वार, गुड़, खाँड़, सन, कपास, पाट, हल्दी, घास, लकड़ी, हरड़, हींग, क्षार, कथीर तेज; वदी १४ से १८ दिन में रोग-वृद्धि, चावल, गेहूँ, धान्य, धातुयें, सोना, तेज; सुदी ३ से ८ दिन में अवर्षण, चतुष्पद-वृद्धि, भूचाल, खाँड़, चावल मन्दा; सुदी ५ से १२ दिन में चाँदी-सोना, रुई मन्दी; सुदी १० से १४ दिन में धान्य, गेहूँ, चना, सूत, कपास, राई, सन, पाट, सोना, अरहर, गुड़, केसर, जवाहरात, चाँदी तेज; सुदी ११ से ४५ दिन में धान्य, उड़द, मूंग, रुई, सूत, सन, कपास, दूध, घी, शहद, श्वेत वस्तुयें, अफीम तेज होगा।

१७-१८-१९, २४-२५-२६ सितम्बर १-२-३, ७-८-९, १४-१५-१६ नवम्बर को साधारण बादल-वृष्टि की संभावना है।

चाँदी——मत्थे का काम करें। शुक्लपक्ष में अवश्य।

कार्तिक

वदी २ से १ मास में स्वर्ण, सभी धान्य, तीसी, गेहूँ, अनाज, आमला, अफीम, रुई, चाँदी मंदी; सोना तेज; उपद्रव, कष्ट रहेगा; वदी ४ से १८ दिन में अनावृष्टि, रुई, गेहूँ, ऊन, रस, धातुयें, तिल, तेल तेज; वदी ७ से १४ दिन में सभी धातुयें, गुड़, मिर्च, खाँड़, तेल, राई, हींग, कपूर, लाख, चपड़ा, सोना, विनौला, केराना, गुग्गुल, हल्दी, रुई, सन, पाट तेज; शायद चाँदी भी तेज; परन्तु वदी ८ या ९ से मंदी; सुदी ३ से २२ दिन में खेतियों का नाश; अनाज, चावल, घास तेज; चाँदी घट-वढ़कर तेज; सुदी ७ से १४ दिन में चाँदी, धातु, तिल, नोट, चावल, सर्वरस, सूत, अफीम, सरसों, मसूर, रेंड़ी तेज; पूर्व दक्षिण में उपद्रव; सुदी ११ से १८ दिन में कपास, रुई, गेहूँ तेज; वर्षा की कमी; सुदी ११ से ८ दिन में ईख, चावल, घी, रस तेज; सुदी १४ से चाँदी, शक्कर, गुड़, शहद, रस, शेयर, सोना, रुई, तेज; तीसी मन्दी होगी।

२२-२३-२४, २९-३० अक्टूबर ४-५-६, १०-११-१२ नव. को साधारण बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी——मत्थे का ही काम करें।

मार्गशीर्ष

वदी २ से १ मास में ऊनी वस्त्र, चाँदी, ताँबा, तेल, रुई, अफीम तेज; धान्य मंदा; वदी ४ से १४ दिन में चाँदी १) २) सोना १।), १।।); ऊन, गेहूँ, नोट, रस, धातु, चना मंदा, रुई तेज; वदी ७ से रुई, शेयर तेज; चाँदी, सोना, अनाज मंदा; वदी ८ से ४५ दिन में शस्त्र, धातुयें, अफीम, रुई तेज; चाँदी, घट-बढ़-

कर तेज; वदी १० से १० दिन में गुजरात, बम्बई में वृष्टि, अन्यत्र वृष्टि का अभाव; वदी १४ से १८ दिन में गेहूँ, लाल-मिर्च तेज; अमावस से चाँदी मंदी; सुदी १ से रुई, चाँदी घट-बढ़कर तेज; सुदी ४ से १४ दिन में सोना-चाँदी, गुड़, रेंड़ी, गुगुल, पारा, सरसों, चावल, वस्त्र, अफीम तेज; सुदी ५ से रेंड़ी, बिनौला, तृण, काष्ठ तेज; अफीम, कपूर, चन्दन, अगर, रेशम मंदा; सुदी ८ से अनाज मंदा; रस तेज; जल-वृष्टि; सुदी ९ से २ मास में यव, कपास, जीरा, क्षार, सरसों, ज्वार, तेज; नागपुर में दुर्भिक्ष होगा।

१८-१९-२०, २५-२६-२७ नवम्बर १-२-३, ८-९-१०, १५ दिसम्बर को साधारण बादल-वृष्टियोग है।

चाँदी——वदी परिवा से मंदी; अमावस के दो दिन बाद से तेजी खोलिये।

पौष

वदी १ से १ मास सुभिक्ष, तिल, तेल, कपास, अनाज, सूत, चाँदी तेज; कोटा, मालवा में उपद्रव; उसी दिन से १४ दिन में धान्य, रुई, सूत तेज; वदी २ से १८ दिन में जलयोग; अफीम तेज १५) २०); वदी ३ से २ मास में दुर्भिक्ष, धान्य तेज; गणितज्ञों को पीड़ा; चाँदी तेज; रुई, सोना मन्दा, वदी ४ से जलवृष्टि, रुई मन्दी; वदी ५ से ईख, चावल, घी, रस तेज; अश्वपीड़ा; वदी ९ से २० दिन में अमेरिका में तथा राजपूताने में वर्षा, अफीम, रुई, उड़द, तिल, तेल तेज; वदी १२ से २१ दिन में रुई, शेयर, चाँदी मंदी; अमावस से १४ दिन में तिल, तेल, गुड़, गुगुल, हल्दी, चपड़ा, कपूर, ऊनी वस्त्र, सन, पाट, चाँदी, अफीम, चना, बिनौला, तेज; सुदी १ से अवर्षण, खाँड़, चावल मन्दा; सुदी ३ से ४५ दिन में सूत, बिनौला, कपड़ा, आलू मन्दा; कपड़ा, घी, घास, लकड़ी, ऊन, तीसी तेज; रुई, सोना, चाँदी घट-बढ़कर तेज; सुदी ७ से २ मास में गुजरात में अवृष्टि; सुदी ११ से ८ दिन में बिनौला तेज; सुदी १२ से ८ दिन में धान्य कुछ तेज; सोना, चाँदी, चावल, सरसों, तेल, हींग मन्दा; सुदी १३ से १४ दिन में उड़द, मूँग, चावल, रेंड़ी, रेशम, गुड़, कपास, तीसी, घी, लोहा, पिपरामूल, लाख, चपड़ा, मूँज, बाँस, सरसों तेज होगा।

१६-१७, २२-२३-२४, २९-३० दिसम्बर ४-५, १०, ११-१२-१३ जन. को साधारण बादल-वृष्टियोग है।

चाँदी——साधारण तेजी, शुक्लपक्ष में होगी।

माघ

वदी १ से १ मास में घी, तेल, तीसी, लाल वस्त्र, सूई, धान्य तेज; गुड़-वृद्धि, वायु की तीव्रता, मालवा में वृष्टि; वदी ४ से २ मास में आबरेज, मूँग, सज्जी, लहसुन, चावल, गुड़, खाँड़, जस्ता, रंग तेज; शेयर, रुई, रेंड़ी, बिनौला, मूँगफली मंदी; वदी ५ से २० दिन में सोना, चाँदी तेज; वदी ७ से २२ दिन में अनाज तेज; खेतियों का नाश; रुई, चाँदी मंदी; शेयर तेज; वदी ८ से कुलथी, मूँग मंदी; वदी १० से १८ दिन में जल-वृष्टि, चावल, तिल, घी, उड़द तेज; वदी ११ से ८ दिन में गुड़, तीसी, धान, चना, हिमपात, उसी दिन से १४ दिन में गेहूँ, यव, चावल, चाँदी, सोना, लोहा, पारा, राँगा, सीसा, पीपरि, सुपारी, लवँग, शक्कर, नोट, तीसी, अफीम तेज; सुदी ५ से ८ दिन में जलज पदार्थ, उड़द, तेल, क्षार, नमक मंदा; गायों को पीड़ा; सुदी ९ से १४ दिन में जवाहरात, रुई, सोना, चाँदी तेज; सुदी १२ से ८ दिन में चावल, तिल, घी, उड़द तेज; सुदी १५ से चाँदी रुई मंदी होगी।

१९-२०-२१, २५-२६-२७, ३१ जनवरी १-२, ८-९-२० फरवरी को साधारण बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी——तेज जायगी। पूर्णिमा को ५ दिन के लिये मत्थे हो जाइये।

फाल्गुन

वदी १ से १ मास में अनाज मंदा; नमक तेल, रुई तेज; गुड़, रक्त पदार्थ, रेंड़ी, अफीम, तीसी मन्दा; वदी २ से ४५ दिन में घी, तेल, तीसी, रूई, सोना-चाँदी, आबरेज तेज; गेहूँ अवश्य तेज; वदी ३ से २९ दिन में अनाज, रस तेज; वदी ७ से १४ दिन में चाँदी-सोना, सरसों, सन, पाट, सूत, कपड़ा, नील, दाख, खारक, सोंठ, तेल, हींग, केराना, जायफल, रेंड़ी तेज; वदी १२ से रुई मंदी; मेथी, लौंग, तिल, तेल, तीसी, तेज; राजा प्रजा में विरोध; सुदी २ से १८ दिन में गेहूँ तेज; तिल, यव, अफीम, धातु तेज; सुदी ३ से १५ दिन में रुई, चाँदी, शेयर तेज; सुदी ६ से १४ दिन में सोना-चाँदी, गेहूँ, चना, उड़द, घी, रुई, रेशम, गुगुल, पिपरामूल, ज्वार, बाजरा, तिल तेज; सम्भव है रुई, चाँदी में मंदी भी आयी। सुदी ८ से ९ दिन में हाथियों को पीड़ा; सुदी १२ से रस तेज होकर मंदा होगा।

१५-१६-१७, २१-२२-२३, २८-२९ फरवरी १, ६-७-८ १३ मार्च को साधारण बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी——३ मार्च से मंदी खेल सकते हैं।

चैत्र कृष्ण पक्ष

वदी ३ से गेहूँ, खाँड़, यव, धातु, राई, चावल तेज; घी, रुई, तीसी, रेंड़ी मन्दा; वदी ४ से १४ दिन में सभी रस, गुड़, घी, तेल, नमक, धान्य, मणि, चावल तेज; वदी ११ से ८ दिन में सोना, सुपारी, सरसों, सोंठ, लाख, चपड़ा, तृण, भूसा, लकड़ी तेज; चाँदी, अफीम, कपूर, चन्दन, अगर मन्दा; वदी १२ से ४५ दिन में चाँदी, रुई में घट-बढ़, धान्य महर्घ, आबरेज मन्दा; वदी १४ से ८ दिन में वृष्टि, रुई तेज होगी।

१४-१५, २०-२१, २६-२७ मार्च को तीव्र हवा, बादल-वृष्टि की सम्भावना है।

चाँदी——लम्बी लाइन के लिये पोते का काम करें।

हस्त-रेखा-रहस्य

यह दक्षिण हाथ का चित्र है। इस चित्र में अंकों पर ध्यान दें, ततः उसके फल पर दृष्टिपात करें। फल अवश्य ही सत्य मिलेंगे।

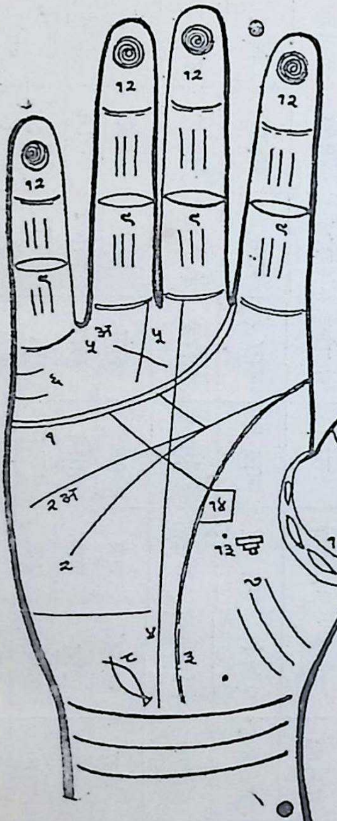

१—यह शास्त्रीय विधान के अनुसार आयु रेखा है। इससे आयु का विचार तथा निर्णय होता है। इसके अनेकों प्रकार विभिन्न हाथों में होते हैं उन्हीं के अनुसार इनका फल भी होता है। इस रेखा में नीचे की ओर जो रेखायें इससे काँटे की तरह स्पर्श करती हैं वे अकस्मात् आयु के लिये बाधक होती हैं जैसे जल में डूबना, पेड़ से गिरना या जलना आदि। जो ऊपर की ओर उसी तरह की रेखायें हैं वे अरिष्टकारक होती हैं। एक मोटे यव का चौड़ाई को नाप कर उतनी दूरी इस रेखा में ८ वर्ष मानना। जिस वर्ष में ये अरिष्ट आवें बताना चाहिये। लगभग एकदम सत्य होगा। जहाँ पर यह रेखा कटी हुई है वहीं पर कठिन अरिष्ट बताना चाहिये। इस रेखा से हृदय का विचार होता है। यदि रेखा दृढ़ बिना कटी फटी हो तो दृढ़ हृदय तथा कटी फटी हो तो ओछे हृदय का मनुष्य जानना चाहिये।

२, ३—ये क्रमशः पितृ मातृ रेखायें हैं। यदि १ संख्या में से कोई रेखा (१५ की तरह) निकल जितने वर्ष की अवस्था में काटे उतने ही वर्ष की अवस्था म माता पिता का मरण कहना चाहिये। यदि ये रेखायें पुष्ट हों तो माता पिता को स्वस्थ कहना चाहिये, यदि अपुष्ट हों तो रोगी कहना चाहिये। २ संख्या की रेखा का शीर्ष भाग यदि नुकीला हो तो बालक का मस्तिष्क तीव्र होगा। यदि मोटा हो तो साधारण मस्तिष्क होगा। यदि यह रेखा (२ अ) की तरह हाथ के बाहर जा रही हो तो वह व्यक्ति अति तीव्र बुद्धि का होगा या पागल होगा।

४—यही वह रेखा है जिसे कुन्ती ने अपने पुत्रों के लिये माँगा था। इसका नाम है भाग्य रेखा। इसी से सब कुछ होता है इसी के विभिन्न प्रकार होते हैं उनका नाम हल रेखा, करवाल रेखा आदि नाम हैं। बिना इसके मनुष्य कौड़ी के मोल विकता है।

५—यही रेखा समाचार-पत्रों में नाम छपाती है। कलक्टर कमिश्नर और मिनिस्टर बनाती है। यदि यह कुशाग्र है भाग्य रेखा कुशाग्र है तो वह मनुष्य विद्वान्, सम्भ्रान्त, सम्माननीय आदि आदि सब कुछ होगा। ४, ५ संख्या की रेखायें एक दूसरी की पूरक हैं। यदि ये रेखायें दोनों हाथों में हैं तो निस्सन्देह व्यक्ति सफल जीवन का व्यक्ति होगा। यदि इसमें ५ अ की रेखा इस प्रकार काटे तो वह व्यक्ति वकील, तिकड़मी, नेता, राजनीतिक, विप्लवकारी होगा। उसकी बुद्धि अतिशय तीव्रगामी होगी।

६—विवाह रेखायें हैं। यदि यह रेखा ब संख्या की रेखा को स्पर्श करे तो स्त्री की मृत्यु होगी।

७—सन्तान रेखायें हैं। इनमें पुष्ट, पुत्रद, और अपुष्ट कन्याप्रद, कटी-फटी सन्तान हानिकर होती हैं।

८—डमरू रेखा—केवल इस रेखा वाला आदमी माँगकर खानेवाला होता है। यदि भाग्य-वश रेखा भी श्रेष्ठ हों तो बैठकर खानेवाला होगा या मस्तिष्क की कमाई खायेगा परन्तु माँगना तब भी पड़ेगा। जैसे वकील, डाक्टर, ज्योतिषी आदि।

९—यव रेखा—यदि अँगुलियों के मध्य में यव रेखा हो तो आदमी सुखी रहेगा।

१०—अंगुष्ठ की यव रेखा यशस्वी बनाती है।

११—अंगुष्ठ मूल की यव रेखा संख्या उतने पुत्र की सूचक होती है।

१२—चक्ररेखा—शासक, बुद्धिमान् या योगी बनाती है।

१३—पर्वत रेखा है। धनी की सूचक है।

१४—भवन-निर्मायिक रेखा है।

१५—मीन रेखा है। जिसके हाथ में यह रेखा होती है हजार के नीचे के रुपयों का स्वामी होता है।

अथाङ्गस्फुरणफ़ल

स्थान		फल		स्थान		फल		स्थान		फल
मस्तकस्फुर	..	पृथ्वीलाभः	..	वक्षःस्फुर	..	विजयध्रुव	..	कण्ठस्फुर	..	ऐश्वर्यलाभः
ललाटस्फुर	..	स्थानलाभः	..	हृदयस्फुर	..	वांछितसिद्धि	..	ग्रीवास्फुर	..	रिपुभयम्
स्कन्धस्फुर	..	भोगसमृद्धिः	..	कंठस्फुर	..	प्रमोदबलः	..	पृष्ठस्फुर	..	युद्धपराजयः
भ्रुवोर्मध्ये	..	सुखप्राप्तिः	..	कट्यां पार्श्वे	..	प्रीतिरनुत्तमम्	..	कपोलस्फुर	..	वरांगनाप्तिः
भ्रुवोर्युग्म	..	महत्सौख्य	..	नाभिस्फुर	..	स्त्रीनाशः	..	मुखस्फुर	..	मधुरभोजनम्
कपालस्फुर	..	शमावाप्ति	..	आंत्रिकस्फुर	..	कोषवृद्धिः	..	बाहुस्फुर	..	प्रियप्राप्तिः
नेत्रकोण	..	लक्ष्मीलाभः	..	कुक्षिस्फुर	..	सुप्रीतिलाभः	..	वस्तिदेशस्फुर	..	अभ्युदयः
नेत्रसमीप	..	प्रियसमागमः	..	उदरस्फुर	..	कोषप्राप्तिः	..	ऊरोस्फुर	..	वस्त्रलाभः
नाभिकोण	..	प्राप्तिसुखः	..	ओष्ठस्फुर	..	प्रियवस्तुलाभः	..	पादतले	..	नृपत्व
हस्तस्फुर	..	सद्द्रव्यलाभः	..	हनस्फुर	..	भयं महत्	..	पद्भ्यां स्फुर	..	अलाभ

प्रश्न के प्रथम अक्षर से इन आठ आयों में स्थान देखकर तब फल कहना चाहिए

अथ प्रश्न-विचार

ध्वज	धूम्र	सिंह	श्वान	वृष	खर	गज	ध्वांश	आय वर्ग
अइउएओ	कखगघङ	चछजझञ	टठडढण	तथदधन	पफबभम	यरलव	शषसह	प्रश्नाक्षराणि
हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	प्रश्ननिर्णयः
धातु	धातु	मूल	जीव	जीव	जीव	मूल	जीव	प्रश्नः
कुशल	रोगी	सुख	कष्ट	सुख	कष्ट	कुशल	रोगी	प्रवासीप्रश्नं
स्थिर	महाकष्ट	चंचल	चंचल	महाकष्ट	स्थिर	स्थिर	कष्ट	प्रवासीचरादि
समीप	समीप	दूर	पुनगतः	मार्गस्थं	मार्गस्थं	दूरस्थ	पुनर्गत	प्रवासी
स्वल्प	७ दिन	२१ दिन	१ मास	१।। मास	२ मास	६ मास	१ वर्ष	प्रश्नदिनानि
पत्र	अस्थि	फल	काष्ठ	धान्य	तृण	जीव	पुष्प	मुष्टि प्रश्न
गोधूम	तिल	पीतान्न	दाल	तण्डुल	चणक	गुड़	यव	धान्य ज्ञान
कुसुम्ब	श्वेत	लोहितांग	पांडुनील	तीत	आकाश	श्याम	मिश्र	मुष्टि वर्ण
सुख	कष्ट	सुख	कष्ट	सुख	कष्ट	सुख	कष्ट	रोगी प्रश्नः
७ दिन	दो मास	१५ दिन	१ मास	१५ दिन	१ मास	७ दिन	२ मास	कष्ट दिन
लाभ	हानि	लाभ	हानि	लाभ	हानिः	लाभ	हानिः	नष्ट लाभः
पूर्व	अग्नि	दक्षिण	नैर्ऋत्य	पश्चिम	वायव्य	उत्तर	ईशान	दिक्षुनष्टः
ब्राह्मण	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र	धनिक	नौकर	दासी	नाई	चौर जाति
कोण में	अग्निगृहे	अरण्ये	अंतरिक्षे	भांडगते	काष्ठशिल	गृह में	भुविमध्य	नष्टस्थानम्
भैरव	जगदम्बा	सूर्य	हनुमत्	रुद्रगण	सरस्वती	गणेश	पितृ	देवपूजा
आगम	न आगम	आगम	न आगम	आगम	न आगम	आगम	न आगम	शत्रु
जय	हानिः	जय	हानिः	जय	हानिः	जय	हानिः	शत्रुजयहानि
न मोक्षं	मोक्षं	न मोक्षं	मोक्षं	न मोक्षं	मोक्षं	मोक्षं	न मोक्षं	बंदीमोक्षप्रश्न
सप्तदिन	१ वर्ष	पक्ष १५	मास ६	मास १	मास ६	मास ३	वर्ष १	दिनानि
स्थिर	न सिद्धि	त्वरितं	दीर्घकालं	त्वरितं	दीर्घकालं	स्थिर	न सिद्धि	कार्यसिद्धि
शुभ	कलह	शुभ	कलह	शुभ	कलह	शुभ	कलह	व्यवहार प्रश्न
लाभ	हानि	लाभ	हानि	लाभ	हानि	लाभ	हानि	स्त्रीलाभप्रश्न
पुत्र	कन्या	पुत्र	कन्या	पुत्र	कन्या	पुत्र	कन्या	सन्तानप्रश्न
१००	२१	१००	२०	६०	४५	७५	१६	आयुप्रश्न
विलंब	उत्तम	विलंब	उत्तम	उत्तम	न वर्षा	उत्तम	न वर्षा	वृष्टिप्रश्न
२७	७	३०	२०	१०	६०	३०	६०	दिनानि

रोगोत्पत्ति सन्तान प्रतिबन्धादि में देवदोष ज्ञान

प्रश्नलग्न से ३।६।९।१२ स्थान में शुभरहित कोई पापग्रह हो तो विष, जल, शस्त्र से मरे हुए किसी स्वकुलोत्पन्न व्यक्ति का दोष जाने। यदि ८।१२वें स्थान में राहु हो तो प्रेतदोष, गुरु हो तो पितरदोष, चन्द्रमा या शुक्र हो तो जलदेवी का दोष, सूर्य हो तो देवीदोष, लग्न में सूर्य हो तो क्षेत्रपाल का दोष, शनि हो तो सतीदोष, बुध हो तो भूतदोष, भौम हो तो शाकिनीदोष होता है। भौम स्वक्षेत्री १२ में हो तो छाया चुड़ैल, चौथे श. मं. राहु प्रेत बली वा नीच भौम १।४।८ वें हो तो शत्रु के घर से मसान, १० मं. गु. हो तो कुल की सती, १० मं. चं. हो तो अपने दुर्गास्थान का दोष कहना।

यह ग्रह योग न हों तो केवल प्रश्नलग्न से निम्नलिखित दोष जानें। बलवान् मेषलग्न में प्रश्न हो तो पितृदोष कहें, वृष हो तो आकाशदेवी का, मिथुन हो तो महामाया का, कर्क में शाकिनी का, सिंह में जल देव तथा प्रेतदोष, कन्या में केवल ग्रहदोष, तुला में केवल ग्रहदोष, तुला में क्षेत्रपाल का, वृश्चिक में नाग का, धन में कर्मजन्य मकर में दुर्गा कुम्भ में समीपी प्रेत का, मीन में योगिनी का दोष कहें, बलवान् पापग्रह केन्द्र हो तो पूर्वोक्त देवता असाध्य, शुभ ग्रह हो तो साध्य होगा। वस्तुतः राहु शनि से प्रेत दोष होता है ये ग्रह किसी तरह भी नेष्ट हों तो प्रेत दोष अवश्य होता है। शनि से हिन्दू-प्रेत, राहु से जिन्न आदि प्रेत होते हैं।

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३१	११	१	बृ.	१०	४९	अ.	४१	५६	वै.	१	३५	वव	१०	४९	वा.	४३	५४	मानस	९	३०	२६				५	४६	६	१४	११	२५	१३	११	५८	५७
३१	१४	२	शु.	१६	५९	भ.	४९	३५	वि.	२	४६	कौ	१६	५९	तै.	५०	७	मुद्गर	१०	१	२७				५	४५	६	१५	११	२६	१२	८	५८	५५
३१	१८	३	श.	२३	१६	कृ.	५५	५६	प्री.	५	४३	ग.	२३	१६	व.	५६	२७	ध्वज	११	२	२८	वृ.	६	१०	५	४४	६	१६	११	२७	११	३	५८	५३
३१	२२	४	र.	२९	३९	रो.	६०	०	आ.	७	३७	वि.	२९	३९	वव	६०	०	धाता	१२	३	२९				५	४४	६	१६	११	२८	९	५६	५८	५१
३१	२५	५	चं.	३६	४६	रो.	४	४६	सौ.	९	५५	वव	२	४२	वा.	३५	४६	प्रवर्ध.	१३	४	३०	मि.	३७	०	५	४३	६	१७	११	२९	८	४७	५८	४६
३१	२९	६	मं.	४०	४४	मृ.	११	१४	शो.	११	४१	कौ.	८	१५	तै.	४०	४४	रक्ष	१४	५	१				५	४२	६	१८	०	०	७	३६	५८	४७
३१	३२	७	बु.	४४	४९	आ.	१७	२४	अ.	१२	३३	ग.	१२	४६	व.	४४	४९	मुसल	१५	६	२				५	४२	६	१८	०	१	६	२३	५८	४५
३१	३६	८	बृ.	४७	१७	पु.	२१	४३	सु.	११	४९	वि.	१५	५९	वव	४७	१७	सिद्धि	१६	७	३	क.	५	३८	५	४१	६	१९	०	२	५	८	५८	४३
३१	३९	९	शु.	४७	३१	पु.	२४	१८	धृ.	१०	१५	वा.	१७	३०	कौ.	४७	३१	उत्पात	१७	८	४				५	४०	६	२०	०	३	३	५१	५८	४१
३१	४२	१०	श.	४५	५६	श्ले	२४	४१	शू.	६	३९	तै	१६	४३	ग.	४५	५६	मानस	१८	९	५	सिं.	२४	४१	५	४०	६	२०	०	४	२	३२	५८	३९
३१	४५	११	र.	४२	३९	म.	२३	१९	गं.	१ ५४	५२ १९	व.	१०	४५	वि.	४२	३९	मुद्गर	१९	१०	६				५	३९	६	२१	०	५	१	११	५८	३७
३१	४९	१२	चं.	३६	३६	पू.	१९	४१	ध्रु.	४६	३९	वव	[illegible]	३९	वा.	३६	३६	ध्वज	२०	११	७	कं.	३५	५५	५	३८	६	२२	०	५	५९	४८	५८	३८
३१	५२	१३	मं.	२९	३४	उ.	१४	३६	व्या	३७	१७	कौ.	२	५५	तै.	२९ ५५	३४ ५३	धाता	२१	१२	८				५	३७	६	२३	०	६	५८	२६	५८	३३
३१	५५	१४	बु.	१२	१३	ह.	७	५७	ह.	२७	१२	व.	३२	१३	वि.	४८	१५	आनंद	२२	१३	९	तु.	३४	५३	५	३७	६	२३	०	७	५६	५९	५८	३१
३१	५८	१५	बृ.	१५	१७	चि.	० ५२	५३ १७	ब.	१६	९९	ब.	१५	१७	वा.	४०	१८	स्थिर	२३	१४	१०				५	३६	६	२४	०	८	५५	३०	५८	२९
×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	× ×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×

श्री शुभ संवत् २०१६ शके १८८१ चैत्र शुक्लपक्षः। सौम्यायनम्। मेषार्कतः सौम्य गोलः। अप्रैल ९ से २३ तक।

चन्द्रदर्शनम् । नववर्षारम्भः । नवरात्रारम्भः । तिथि- a
शव्वाल। आर्द्रा भे भौमः ७।५ । e दानात्। स.सि.योगः।
भ. ५६।२७ उ. । मत्स्य जयन्ती । c प्रतीच्यां यात्रा मु.।
भ. २९।३९ या. । पञ्चमी योगे या.ज.मु. । b स.सि.योगः।
आश्विन्यां मेषेऽर्कः ५२।६। मृगभे दक्षिणस्यां यात्रा मु. । b
h दक्षिणस्यां यात्रा मु.। तिथि दानात्।
भ. ४४।४९ उ. । आर्द्रा भे १ भौमः ५०।१२ । पुन. भे।
भ. १५।५९ या. भवान्युत्पत्तिः। उदीच्यां यात्रा मु. तिथि e
वक्री शनिः ७।५२। रोहिणी भे शुक्रः ३१।७ रामनवमी f
f व्रतं सर्वेषाम्। तिथि दानात् उदीच्यां या.g
भ. १०।४५ उ. ४२।३९ या.। कामदा ११ व्रतं प्रायःसर्वेषाम्।
प्रदोपः । a दानात् पूर्वस्यां यात्रा मु. । स. सि. योगः।
हस्त भे दक्षिणस्यां यात्रा मु. । g मा. मु.।
भ. २२।१३ उ. ४८।१५ या. । स. सि. योगः। हस्त भे h
वैशाख स्नानारम्भः। यायी. जय. मु.। स्वाती भे।

चैत्र शुं. ५ चं. इ. ४५।४२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	२	११	७	१	८	५	११
२९	८	७	७	५	१३	१९	१९
५९	४९	५०	३८	४०	४३	१८	१८
५३	३४	३४	३७	२६	३०	४६	४६
५८	३५	०	४ ४५	७१	०	३	३
४९	२	२९	व.	४५	२१	११	११

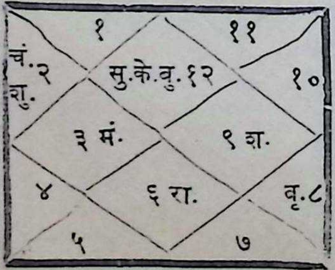

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१बृ.	२शु.	३श.	४र.	५चं	राशयः	६ मं.	७ बु.	८बृ.	९ शु.	१०श.	११ र.	१२चं.	१३ मं.	१४बु.	१५बृ.
मी. अं.	६ २	५ ५८	५ ५४	५ ५०	५ ४९	मे. अं	७ १७	७ १२	७ ८	७ ४	७ ०	६ ५६	६ ५३	६ ५०	६ ४७	६ ४३
मे. अं.	७ ३८	७ ३४	७ ३०	७ २६	७ २२	वृ. अं	९ १४	९ ११	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५२	८ ४९	८ ४६	८ ४३
वृ. अं	९ ३४	९ ३०	९ २६	९ २२	९ १८	मि. अं	११ २९	११ २५	११ २२	११ १८	११ १४	११ १०	११ ६	११ ३	११ ०	१० ५७
मि. अं.	११ ४९	११ ४५	११ ४१	११ ३७	११ ३३	क. अं	१ ४६	१ ४३	१ ४०	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २४	१ २१	१ १८	१ १५
क. अं.	२ ६	२ २	१ ५८	१ ५४	१ ५०	सिं अं	४ ३	४ ०	३ ५७	३ ५३	३ ४९	३ ४५	३ ४१	३ ३८	३ ३५	३ ३२
सिं. अं.	४ ३	४ १९	४ १५	४ ११	४ ७	कं. अं.	६ १५	६ १२	६ ८	६ ४	६ १	५ ५७	५ ५३	५ ५०	५ ४६	४ ४२
रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
कं. अं.	६ ३५	६ ३१	६ २७	६ २३	६ १९	तु. अं	८ ३७	८ ३४	८ ३१	८ २८	८ २४	८ २०	८ १६	८ १२	८ ९	८ ६
तु. अं.	८ ५७	८ ५३	८ ५०	८ ४६	८ ४२	वृ अं	१० ५१	१० ४७	१० ४३	१० ३९	१० ३५	१० ३२	१० २८	१० २४	१० २०	१० १६
वृ. अं.	११ १५	११ ७	११ ३	१० ५९	१० ५५	ध. अं.	१ ०	१२ ५७	१२ ५४	१२ ५०	१२ ४६	१२ ४२	१२ ३८	१२ ३५	१२ ३२	१२ २९
ध. अं.	१ २०	१ १६	१ १२	१ ८	१ ४	म. अ.	२ ४५	२ ४२	२ ३९	२ ३५	२ ३१	२ २७	२ ३३	२ २९	२ २५	२ २१
म. अं.	३ ५	३ १	२ ५७	२ ५३	२ ५०	कुं. अं.	४ १२	४ ९	४ ५	४ १	३ ५७	३ ५३	३ ५०	३ ४७	३ ४४	३ ४०
कुं अं.	४ ३५	४ २७	४ २३	४ १९	४ १५	मी. अं.	५ ४५	५ ४०	५ ३६	५ ३२	५ २८	५ २४	५ २०	५ १६	५ १२	५ ९

चैत्र शुक्ल १२ चं. इ ४५।५४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	११	७	१	८	५	११
६	१२	१०	७	१३	१३	१८	१८
४१	४३	३५	९	४८	४२	५६	५६
५३	४८	७	४८	५३	४५	३७	३७
५९	३५	३०	२ ४५	७१	० २४	३	३
३८	१४	४९	व	२५	व	११	११

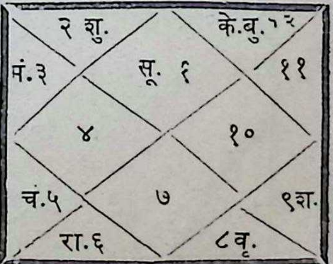

१०

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	ओं. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि
३२	३	१	शु.	६/५२	३/२९	वि.	४५	२३	सि.	०/५३	४९/३३	कौ.	६	३२	तै.	३२/५९	४३/१	मातंग	२४	१५	११	वृ.	२४	४९	५	३५	६	२४	०	९	५३	५३	५८	२७
३२	६	३	श.	४३	५७	अनु	३८	२२	व.	४५	१२	व.	१७	२३	वि.	४३	५७	अमृत	२५	१६	१२				५	३५	६	२५	०	१०	५२	२६	५८	२५
३२	९	४	र.	३५	४५	ज्ये.	३२	३४	प.	३६	१७	वव	८	४९	वा.	३५	४५	काग	२६	१७	१३	ध.	३२	३४	५	३४	६	२६	०	११	५०	५१	५८	२५
३२	१२	५	चं.	२८	१५	मू.	२८	१२	शि.	२८	३६	कौ.	१	२८	तै.	२८	१५	लुम्ब	२७	१८	१४				५	३३	६	२७	०	१२	४९	१६	५८	२०
३२	१६	६	मं.	२३	३१	पू.	२५	२१	सि.	२२	३१	व.	२३	३१	वि.	५२	३	मित्र	२८	१९	१५	म.	४०	२९	५	३३	६	२७	०	१३	४७	३६	५८	१७
३२	१९	७	बु.	२०	३५	उ.	२४	४१	सा.	१७	४३	वव	२०	३५	वा.	४९	५५	वज्र	२९	२०	१६				५	३२	६	२८	०	१४	४५	५३	५८	१५
३२	२२	८	बृ.	१९	१६	श्र.	२५	३९	शु.	१४	१४	कौ.	१९	१६	तै.	४९	३२	ध्वज	३०	२१	१७	कुं.	५६	५२	५	३२	६	२८	०	१५	४४	८	५८	१३
३२	२५	९	शु.	१९	४९	ध.	२८	१५	शु.	१२	१३	ग.	१९	४९	व.	५०	४६	धाता	१	२२	१८				५	३१	६	२९	०	१६	४२	२१	५८	११
३२	२८	१०	श.	२१	४३	श.	३२	१५	ब्र.	११	२५	वि.	२१	४३	वव	५३	१२	आनन्द	२	२३	१९				५	३०	६	३०	०	१७	४०	३१	५८	९
३२	३२	११	र.	२५	४१	पू.	३७	३३	ऐं.	११	५३	वा.	२५	४१	कौ.	५७	४७	चर	३	२४	२०	मी.	२१	१३	५	३०	६	३०	०	१८	३८	४०	५८	७
३२	३५	१२	चं.	२९	५३	उ,	४३	५८	वै.	१२	५६	तै.	२९	५३	ग.	६०	०	गद	४	२५	२१				५	२९	६	३१	०	१९	३६	४७	५८	५
३२	३८	१३	मं.	३४	३६	रे.	५०	५९	वि.	१४	३६	ग.	२	१४	व.	३४	३६	शुभ	५	२६	२२	मे.	५०	५९	५	२९	६	३१	०	२०	३४	५२	५८	३
३२	४५	१४	बु.	४०	४४	अ.	५७	३५	प्री.	१६	३६	वि.	७	५०	श.	४०	४४	मृत्यु	६	२७	२३				५	२८	६	३२	०	२१	३२	५५	५८	०
३२	४५	३०	बृ.	४७	१६	भ.	६०	०	आ.	१८	४५	च.	१३	५५	ना.	४७	१६	पद्म	७	२८	२४				५	२७	६	३३	०	२२	३०	५५	५७	५७

श्री शुभ संवत् २०१६ शके १८८१ वैशाख कृष्णपक्षः। सौम्यायन गोलौ। अप्रैल २४ मई ७ तक।

a या. ज. मु.।

भ. १७२३ उ. ४३।५७ या.। प्राच्यामुदीच्यां यात्रा मु.। a

स. सि. योगः ३२।३४ उ.।

भरणी भे रविः ३५।१२।

भ. २३।३१ उ. ५२।३ या.। मृग भे शुक्रः ५७।५। रेवती b

दक्षिणस्यां यात्रा मु. श्रवसि। b भे बुधः ५।५२।

वक्री, अनु. भे १ पादे गुरुः १२।५। प्राच्यां यात्रा मु.। c

मई। भ. ५०।४६ उ.। c तिथि दानात्।

भ. २१।४३ या.। e स. सि.योगः ३७।३३ उ.।

पुन. भे भौमः ३६।१३। वरूथिनी ११ व्रतं सर्वेषाम्। e

मिथुने शुक्रः ४५।१२। प्रदोषः।

भ. ३४।३६ उ.। मासशिवरात्रि व्रतम्।

भ. ७।५० या.।

या. ज. मु.।

वैं. कृ. ५ चं. इ. ४६।६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	११	७	१	८	५	११
१३	१६	१६	६	२१	१३	१८	१८
३१	४८	२१	५६	५८	३७	३४	३४
१४	१५	५२	२३	१३	२२	१८	१८
५८	३५	५६	४/३२	७०	१/७	३	३
२०	३५	३६	व.	२५	व	११	११

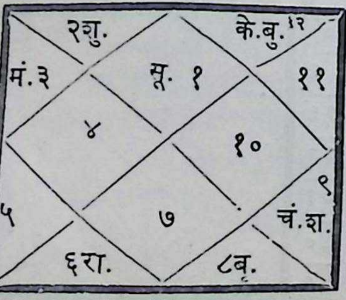

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१शु.	३ श.	४ र.	५च.	६ म.	७ बु.	८बृ.	९शु.	१०श.	११ र.	१२चं.	१३मं.	१४ बु.	३० बृ.
मे. अं.	६ ४३	६ ३९	६ ३५	६ ३१	६ २७	६ २३	६ १९	६ १५	६ ११	६ ७	६ ३	५ ५९	५ ५५	५ ५२
वृ. अं	८ ३९	८ ३५	८ ३१	८ २७	८ २३	८ १९	८ १५	८ ११	८ ७	८ ३	७ ५९	७ ५५	७ ५१	७ ४८
मि. अं.	१० ५३	१० ४९	१० ४५	१० ४१	१० ३७	१० ३३	१० २९	१० २५	१० २१	१० १७	१० १३	१० ९	१० ५	१० २
क. अं.	१ ११	१ ७	१ ३	१२ ५९	१२ ५५	१२ ५१	१२ ४७	१२ ४३	१२ ३९	१२ ३५	१२ ३१	१२ २७	१२ २३	१२ २०
सिं. अं.	३ २८	३ २४	३ २०	३ १६	३ १२	३ ८	३ ४	३ ०	२ ५६	२ ५२	२ ४८	२ ४४	२ ४०	२ ३७
कं. अं.	५ ४४	५ ४०	७ ३६	५ ३२	५ २८	५ २४	५ २०	५ १६	५ १२	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५६	४ ५३
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
तु. अं.	८ २	७ ५८	७ ५४	७ ५०	७ ४६	७ ४२	७ ३८	७ ३४	७ ३०	७ २६	७ २२	७ १८	७ १४	७ ११
वृ. अं.	१० २०	१० १६	१० १२	१० ८	१० ४	१० ०	९ ५६	९ ५२	९ ४८	९ ४४	९ ४०	९ ३६	९ ३२	९ २९
ध. अं.	१२ २५	१२ २१	१२ १७	१२ १३	१२ ९	१२ ५	१२ १	११ ५७	११ ५३	११ ४९	११ ४५	११ ४१	११ ३७	११ ३४
म. अं.	२ १२	२ ८	२ १	१ ५८	१ ५४	१ ५०	१ ४६	१ ४२	१ ३८	१ ३४	१ ३०	१ २६	१ २२	१ १९
कुं. अं.	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २४	३ २०	३ १६	३ १२	३ ८	३ ४	३ ०	२ ५६	२ ५२	३ ४९
मी. अ.	५ ७	५ ३	४ ५९	४ ५५	४ ५१	४ ४७	४ ४३	४ ३९	४ ३५	४ ३१	४ २७	४ २३	४ १९	४ १६

वैं. कृ. १२ चं. इ. ४६।१७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	११	७	२	८	५	११
२०	१९	२४	५	०	१३	१८	१८
१८	१	५०	३२	५	२७	१२	१२
५४	५	२३	१	४	१८	५	५
५७	३५	७७	७/२८	७०	१/४९	३	३
५	५६	३२	व	१२	व	११	११

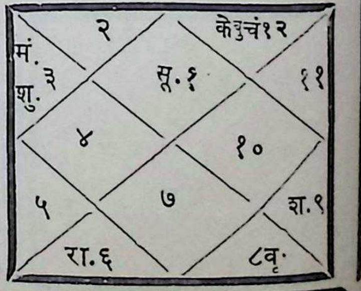

दि. मा.		वा.	ति.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	ब्रं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घ.	मि.	घ.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३२	४६	१	शु.	५३	३४	भ.	५	१७	सौ.	२०	११	किं.	२०	१४	वव.	५२	३४	मुद्गर	८	२९	२५	वृ.	२२	२८	५	२७	६	३३	०	२३	२८	५२	५७	५३
३२	४९	२	श.	५९	१३	कृ.	१२	४१	शो.	२२	३५	वा.	२६	७	कौ.	५९	१३	ध्वज	९	३०	२६				५	२६	६	३४	०	२४	२६	४५	५७	५०
३२	५२	३	र.	६०	०	रो	२०	१९	अ.	२४	५१	तै.	२९	३६	ग.	६०	०	धाता	१०	१	२७	मि.	५३	३६	५	२६	६	३४	०	२५	२४	३५	५७	४७
३२	५४	३	चं.	४	५४	मृ.	२६	५४	सु.	२६	२९	ग.	४	५४	व.	३६	५२	आनन्द	११	२	२८				५	२५	६	३५	०	२६	२२	२२	५७	४५
३२	५७	४	मं.	९	५५	आ.	३२	५३	धृ.	२७	३५	वि.	९	५५	वव	४१	५५	चर	१२	३	२९				५	२५	६	३५	०	२७	२०	७	५७	४२
३३	०	५	बु.	१३	५४	पु.	३७	५३	शू.	२८	१२	वा.	१३	५४	कौ.	४५	१८	गद	१३	४	३०	क.	२१	३८	५	२४	६	३६	०	२८	१७	४९	५७	४०
३३	२	६	बृ.	१६	४३	पु.	४१	३५	गं.	२७	६	तै.	१६	४३	ग.	४७	५९	शुभ	१४	५	३१				५	२४	६	३६	०	२९	१५	२९	५७	३८
३३	५	७	शु.	१९	१५	श्ले.	४३	३७	वृं.	२६	१३	व.	१९	१५	वि.	४८	३२	मृत्यु	१५	६	१	सिं.	४३	३७	५	२३	६	३७	१	०	१३	७	५७	३६
३३	७	८	श.	१७	४९	म.	४४	१३	ध्रु.	२१	५६	वव	१७	४९	वा.	४६	१३	पद्म	१६	७	२				५	२३	६	३७	१	१	१०	४३	५७	३४
३३	९	९	र.	१४	३७	पू.	४२	४२	व्या	१७	४९	कौ.	१४	३७	तै.	४३	६	छत्र	१७	८	३	कं.	५६	५६	५	२२	६	३८	१	२	८	१७	५७	३२
३३	१२	१०	चं.	११	३५	उ.	३९	३७	ह.	११	३७	ग.	११	३५	व.	३८	४०	श्रीवत्स	१८	९	४				५	२२	६	३८	१	३	५	५९	५७	३१
३३	१५	११	मं.	५ ५३	४६ १९	ह.	३४	३४	व.	३ ५२	५१ ५४	वि.	५	४६	वव	३२ ५९	२५ ५	सौम्य	१९	१०	५				५	२१	६	३९	१	४	३	३०	५७	३०
३३	१७	१३	बु.	४९	३१	चि.	२८	१३	व्य.	४४	५९	कौ.	२३	५५	तै.	४९	३१	काल	२०	११	६	तु.	१	२७	५	२१	६	३९	१	५	१	०	५७	२९
३३	१९	१४	बृ.	३९	१५	स्व	२०	३६	व.	३३	५१	ग	१४	४०	व.	३९	१५	स्थिर	२१	१२	७				५	२०	६	४०	१	५	५८	२९	५७	२८
३३	२२	१५	शु.	२९	४६	वि.	१५	४१	प.	२३	१२	वि.	४	४८	वव	२९	४६	मातंग	२२	१३	८	वृ.	१	५४	५	२०	६	४०	१	६	५५	५७	५७	२७

श्री शुभ संवत् २०१६ शके १८८१ वैशाख शुक्लपक्षः। सौम्यायन गोलौ। मई ८ से २२ तक।

अश्विनी भे मेषे बुधः ४४।१२। वक्री मूले ४ चरणे शनि a
चन्द्रदर्शनम्। स. सि. योगः रोहि. भे। तृतीया योगे या.ज.मु.
जिल्काद। आर्द्रा भे शुक्रः ३२।१२। परशुराम जयन्ती। b
भ. ३६।५२ उ.। कृत्तिका भे रविः २२।५४। स.सि.अ. c
भ. ९।५५ या.। b अक्षयतृतीया। या. ज. मु.।
प्रतीच्यां यात्रा मु.। c सि. योगः। प्रतीच्यां यात्रा मु.।
वृषेऽर्कः ४२।१५। वक्री विशाखा भे ४ गुरुः १७।५४। d
भ. १९।१५ उ. ४८।३२ या.। a ५६।१२।
उग्र कर्म मु.। d स.सि.अ.सि. योगः। तिथि दानात् f
भरणी भे बुधः ३।१४।
भ. ३८।४० उ.। मोहिनी ११ व्रतं सर्वेषाम्।
भ. ५।४६ या.। तिथि दानात् याम्यां यात्रा मु.।
कर्के भौमः ४०।१२। प्रदोषः। f उदीच्यां यात्रा मु.।
भ. ३९।१५ उ.। नृसिंह जयन्ती। e यात्रा मु.।
भ.२९।४६ या.। पूर्वास्तं बुधः ३४।५। अनु. भे उदीच्यां e

वैशाख शु. ३ चं. इ. ४६।२७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	०	७	२	८	५	११
२७	२४	५	४	८	१३	१७	१७
१४	५०	०	४१	५	१२	५०	५०
१५	३३	३८	५९	२३	२७	३	३
५७	३६	९६	७ ५२	२९	७ २३	३	३
४५	३२	३७	व.	२६	व.	११	११

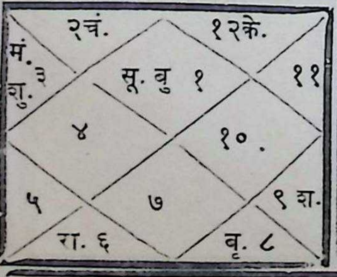

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.		२ श.		३ र.		३ चं.		४ मं.		५ बु.		६ बृ.		तिथयः	७ शु.		८ श.		९ र.		१० चं.		११ मं.		१३ बु.		१४ बृ.		१५ शु.	
मे. अं.	५	४९	५	४५	५	४१	५	३७	५	३३	५	२९	५	२५	वृ. अं.	७	१६	७	१३	७	९	७	५	७	१	६	५७	६	५४	६	५१
वृ. अं.	७	४४	७	४०	७	३६	७	३२	७	२८	७	२४	७	२२	मि. अं.	९	३०	९	२७	८	२३	९	१९	९	१५	९	११	९	८	९	५
मि. अं.	९	५८	९	५४	९	५०	९	४६	९	४२	९	३८	९	३४	क. अं.	११	४८	११	४५	११	४१	११	३७	११	३३	११	२९	११	२६	११	२३
क. अं.	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५६	११	५२	सिं. अं.	२	५	२	२	१	५८	१	५४	१	५०	१	४६	१	४३	१	४०
सिं.अं.	२	३	२	२९	२	२५	२	२१	२	१७	२	१३	२	९	कं. अं	४	२१	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	४	२	३	५९	३	५६
कं. अं.	४	४९	४	४५	४	४१	४	३७	४	३३	४	२९	४	२५	तु. अं.	३	३९	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४	३	२०	३	१७	३	१४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
तु. अं.	७	७	७	३	६	५९	६	५५	६	५१	६	४७	६	४३	वृ. अं.	८	५७	८	५४	८	५०	८	४६	८	४२	८	३८	८	३५	८	३२
वृ. अं.	९	२५	९	२१	९	१७	९	१३	९	९	९	५	९	१	ध. अं.	११	२	१०	५९	१०	५५	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	४०	१०	३७
ध. अं.	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	६	म. अं.	१२	४७	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२५	१२	२२
म. अं.	१	१५	१	११	१	७	१	३	१२	५९	१२	५५	१२	५१	कुं. अं.	२	१७	२	१४	२	१०	२	६	२	२	१	५९	१	५६	१	५२
कुं. अं.	२	४५	२	४१	२	३७	२	३३	२	२९	२	२५	२	२१	मी. अं.	३	४४	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५	३	२२	३	१९
मी. अं.	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५२	३	४८	मे. अं.	५	२१	५	१७	५	१३	५	९	५	५	५	१	४	५८	४	५५

वैशाख शु. १० चं. इ. ४६।३६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	२	०	७	२	८	५	११
३	२८	१६	३	१५	१२	१७	१७
४७	४९	४३	४७	५८	५३	१७	१७
१४	५२	२३	४९	५२	३५	२५	२५
५७	३६	१२९	६ ४८	६२	३ २	३	३
३१	४२	३८	व.	२३	व.	११	११

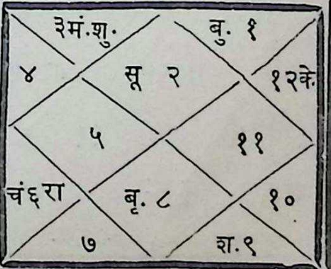

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	ओ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	२४	१	श.	१९	३९	अ.	४/५४	५३/४४	शि.	१२	५१	कौ.	१९	३९	तै.	४५	५९	अमृत	२३	१४	९	ध.	५९	३७	५	१९	६	४१	१	७	५३	२३	५७	२६
३३	२६	२	र.	१२	१९	मू.	५१	२१	सि.	०/४७	५७/४६	ग.	१२	१९	व.	३५	१६	सिद्धि	२४	१५	१०				५	१९	६	४१	१	८	५०	४९	५७	२५
३३	२८	३	चं.	४/५२	५३/२६	पू.	४६	२३	शु.	४४	३७	वि.	४	१३	बव	२९	५६	उत्पात	२५	१६	११				५	१८	६	४२	१	९	४८	१४	५७	२३
३३	३०	५	मं.	५०	३७	उ.	४३	४५	शु.	३८	१२	कौ.	२४	२	तै.	५०	३७	मानस	२६	१७	१२	म.	०	४३	५	१८	६	४२	१	१०	४५	३७	५७	२१
३३	३१	६	बु.	४८	१३	श्र.	४२	४३	ब्र.	३३	६	ग.	१९	२०	व.	४८	१३	छत्र	२७	१८	१३				५	१८	६	४२	१	११	४२	५८	५७	१९
३३	३३	७	बृ.	४७	३६	ध.	४३	५२	ऐं.	२९	५१	त्रि.	१७	४९	बव	४७	३६	श्रीवत्स	२८	१९	१४	कुं.	१३	१८	५	१७	६	४३	१	१२	४०	५५	५७	१७
३३	३५	८	शु.	४९	१६	श.	४६	५४	वै.	२८	१५	वा.	१८	२१	कौ.	४९	१६	सौम्य	२९	२०	१५				५	१७	६	४३	१	१३	३८	१२	५७	१६
३३	३७	९	श.	५२	१५	पू.	५१	५१	वि.	२८	१७	तै.	२०	३४	ग.	५२	१५	कालदं	३०	२१	१६	मी.	३५	३४	५	१७	६	४३	१	१४	३५	२८	५७	१५
३३	३८	१०	र.	५६	४१	उ.	५७	५५	प्री.	२८	५४	व.	२४	२१	वि.	५६	४१	स्थिर	३१	२२	१७				५	१६	६	४४	१	१५	३२	४३	५७	१४
३३	४०	११	चं.	६०	०	रे.	६०	०	आ.	३०	२९	व.	२८	२०	वा.	६०	०	मातंग	१	२३	१८				५	१६	६	४४	१	१६	३०	७	५७	१३
३३	४१	११	मं.	२	१३	रे.	५	१२	सौ.	३३	३६	वा.	२	१३	कौ.	३५	१४	शुभ	२	२४	१९	मे.	५	१२	५	१६	६	४४	१	१७	२७	२०	५७	१२
३३	४३	१२	बु.	८	१६	अ.	१२	३६	शो.	३५	३५	तै.	८	१६	ग.	४१	३२	मृत्यु	३	२५	२०				५	१५	६	४५	१	१८	२४	३२	५७	११
३३	४५	१३	बृ.	१४	४७	भ.	२०	६	अ.	३८	१३	व.	१४	४७	वि.	४७	४२	पद्म	४	२६	२१	बृ.	३६	५८	५	१५	६	४५	१	१९	२१	४३	५७	१०
३३	४६	१४	शु.	२०	३७	कृ.	३७	२७	सु.	४०	२३	श.	२०	३७	च.	५३	३४	छत्र	५	२७	२२				५	१५	६	४५	१	२०	१८	५३	५७	९
३३	४६	३०	श.	२६	३१	रो.	३४	१२	धृ.	४२	३९	ना.	२६	३१	किं.	५८	३०	श्रीवत्स	६	२८	२३				५	१५	६	४५	१	२१	१६	२	५७	८

श्री शुभ संवत् २०१६ शके १८८१ ज्येष्ठ कृष्णपक्षः ।
सौम्यायन गोलौ । मई २३ से जून ६ तक ।

कृत्तिका भे बुधः ५७।१२ । भरणी योगे या. ज. मु. । a
भ. ३८।१६ उ. । पुनर्वसु भे शुक्रः ३७।५ । स. सि. योगः ।
भ. ४।१३ या. । पुष्ये भौमः ४४।१३ । वृषे बुधः २३।५ ।b
श्रवसि याम्यां यात्रा मु. । a अनु. भे. उदीच्यां यात्रा मु. ।
भ. ४८।१३ उ. । तिथि दानात् दक्षिणस्यां यात्रा मु. ।
भ. १७।४९ या. । रोहिणी भे बुधः २१।९ । या. ज. मु. ।
चर कर्म मु. । b रोहिणी भे रविः १७।१३ ।
उग्र कार्य मु. ।
भ. २४।२१ उ. ५६।४१या. । कर्के शुक्रः ३७।५ । स.सि.योगः ।
भ. २४।२१ उ. ५६।४१या. । कर्के शुक्रः ३७।५ । स.सि.योगः ।
जून अपरा ११व्रतं स्मार्तानाम् । या.ज.मु. । प्रतीच्यां यात्रा मु.
अपरा ११ व्रतं वैष्णवानाम् । हस्ते २ च. राहुः उ. भा. भे c
पुष्य भे शुक्रः १२।२३ । प्रदोषः । स.सि.अ.सि.योगः । ५।१उ. ।
भ. १४।४७ उ. ४७।४२या. । या.ज.मु. । मास शिवरात्रिव्रतम्
मिश्र कर्म मु. । मृग भे बुधः ५।९ । c४ च. केतुः ५४।७ ।
वटसावित्री व्रतम् । स. सि. योगः । या. ज. मु. ।

ज्ये. कृ. ३ चन्द्रे इ. ४६।४४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	१	७	२	८	५	११
१०	३	०	२	२३	१२	१७	१७
२९	४	३२	५४	४४	३१	५	५
५६	५२	३९	१२	२५	४४	१७	१७
५७	३६	१२२	७/५०	६७	३/३१	३	३
२६	४७	३९	व.	२५	व.	११	११

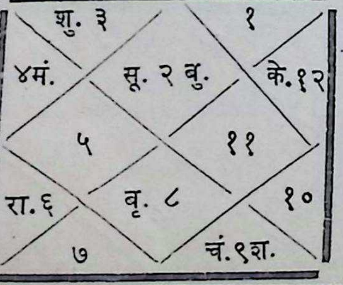

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.		२ र		३ चं.		५ मं.		६ बु.		७ बृ.		८ शु.		९ श.		१० र.		११ चं.		११ मं.		१२ बु.		१३ बृ.		१४ शु.		३०श.	
बृ. अं.	६	४६	६	४३	६	३९	६	३५	६	३१	६	२७	६	२३	६	१९	६	१५	६	१०	६	५	६	१	५	५७	५	५३	५	४९
मि. अं.	९	०	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३७	८	३४	८	३०	८	२७	८	१८	८	१४	८	१०	८	६	८	२
क. अं.	११	१८	११	१४	११	१०	११	६	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४२	१०	३८	१०	३३	१०	२६	१०	२३	१०	२१
सिं. अं.	१	३५	१	३२	१	२८	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४५	१२	३९
कं. अं.	३	५१	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५	३	३१	३	२७	३	२३	३	१८	३	१४	३	१०	३	६	३	२	२	५८	२	५४
तु. अं.	६	९	६	५	६	१	५	५७	५	५३	५	४९	५	४५	५	४१	५	३७	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०	५	१६	५	१२
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५४	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	७	३०
ध. अं.	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	९	४७	९	४३	९	३९	९	३५
म. अं.	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	५	१२	१	११	५७	११	५३	११	४९	११	४५	११	४१	११	३७	११	३२	११	२८	११	२४	११	२०
कुं. अं.	१	४७	१	४३	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५	१	११	१	७	१	२	१२	५८	१२	५४	१२	५०
मी. अं.	३	१४	३	१०	३	६	३	२	२	५८	२	५४	२	५०	२	४६	२	४१	२	३७	२	३२	२	२८	२	२४	२	२०	२	१८
मे. अं.	४	५०	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	४	३०	४	२६	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	५	४	१	३	५७	३	५३

ज्ये. कृ. ११ चं. इ. ४६।५०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	१	७	३	८	५	११
१७	७	१५	२	१	१२	१६	१६
११	१३	२५	३	२३	७	४२	४२
१५	५५	१४	५९	५५	१	५२	५२
५७	३७	१२९	७/४२	२५	३	३	३
१३	४२	२४	व.	४९	५६	११	११

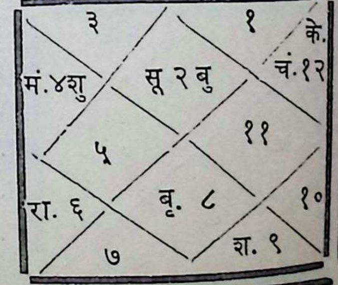

दि.मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः		श्री शुभ संवत् २०१६ शके १८८१ ज्येष्ठ शुक्लपक्षः । सौम्यायन गोलौ । जून ७ से २० तक ।
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	
३३	४६	१	र.	३१	३४	मृ.	४१	१५	शू.	५३	५६	व.	३१	३४	वा.	३१	३४	सौम्य	७	२९	२४	मि.	७	४३	५	१४	६	४६	१	२२	१३	१०	५७	७	चन्द्रदर्शनम् सम्भवः । मृग भे बुधः४५।९ ।
३३	४९	२	चं.	३५	५५	आ.	४६	५१	गं.	४४	४७	वा.	३	४४	कौ.	३५	५५	कालदं	८	३०	२५				५	१४	६	४६	१	२३	१०	१७	५७	५	मिथुने बुधः २१।५ । मृग भे रविः१६।१२ ।
३३	५०	३	मं.	३८	३१	पु.	५१	४१	वृ.	४५	५७	तै.	७	१३	ग.	३८	३१	स्थिर	९	१	२६	क.	३५	२८	५	१४	६	४६	१	२४	७	२२	५७	४	जिलहिज । दक्षिणस्यां यात्रा मु. ।
३३	५१	४	बु.	४२	१३	पु.	५५	३४	ध्रु.	४४	१६	व.	१०	१६	वि.	४२	१३	मातंग	१०	२	२७				५	१४	६	४६	१	२५	४	२६	५७	३	भ. १०।१६ उ.४२।१३ या. । तिथि दानात् प्रतीच्यां यात्रा मु.
३३	५२	५	बृ.	४३	१३	श्ले	५८	१५	व्या	४[illegible]	४४	वव	१२	३७	वा.	४३	१३	अमृत	११	३	२८	सिं.	५८	१५	५	१४	६	४६	१	२६	१	२९	५७	२	या. ज. मु. । c व्रतम् सर्वेषाम् । पश्चिमोदयं बुधः४९।१२ ।
३३	५३	६	शु.	४३	३१	म.	५९	२९	ह.	४०	२४	कौ.	१३	१७	तै.	४३	३१	काण	१२	४	२९				५	१४	६	४६	१	२६	५८	३१	५७	०	उग्र कर्म मु. । b दक्षिणस्यां यात्रा मु.व्य. दोषः । या.ज.मु. ।
३३	५४	७	श.	४१	५७	पू.	५९	३५	व.	३६	४५	ग.	१२	३९	व.	४१	५७	लुम्ब	१३	५	३०				५	१४	६	४६	१	२७	५५	३१	५६	५९	भ. ४१।५७ उ. । क्रूर कर्म मु. ।
३३	५५	८	र.	३९	२३	उ.	५८	१३	सि.	३१	५७	वि.	१०	४०	वव	३९	२३	मित्र	१४	६	३१	कं.	१३	१५	५	१३	६	४७	१	२८	५२	३०	५६	५८	भ. १०।४० या. । स. सि. योगः ।
३३	५५	९	चं.	३३	३९	ह.	५५	१६	व्य.	२५	५७	वा.	६	३१	कौ.	३३	३९	वज्र	१५	७	३२				५	१३	६	४७	१	२९	४९	२८	५६	५७	सं. मिथुनेऽर्कः ११।४६। श्लेषा भे शुक्रः २०।१२ । तिथिदानात् b
३३	५५	१०	मं.	२९	४६	चि.	५१	१६	व.	१८	५६	तै.	१	४२	ग.	२१/५६	४६/१५	ध्वांक्ष	१६	८	१	तु.	२३	२०	५	१३	६	४७	२	०	४६	२५	५६	५६	भ. ५६।१५ उ. । गंगा दशहरा । गंगावतारः ।
३३	५५	११	बु.	२२	४४	स्वा	४५	३९	प.	१०	४३	वि.	२२	४४	वव	४८	४१	धूम्र	१७	९	२				५	१३	६	४७	२	१	४३	२१	५६	५६	भ. २२।४४ या. । श्लेषा भे भौमः ३२।१९ । निर्जलां ११c
३३	५६	१२	बृ.	१४	३९	वि.	३९	४२	शि.	१/५६	५७/८	वा.	१४	३९	कौ.	४०	४२	प्रवर्ध	१८	१०	३	वृ.	२५	४३	५	१३	६	४७	२	२	४०	१७	५६	५६	पुन. भे बुधः १५।७ । प्रदोषः ।
३३	५६	१३	शु.	६/५२	४५/३३	अ.	३२	१७	सा.	४१	३४	तै.	६	४५	ग.	३३/५९	९/१८	रक्ष	१९	११	४				५	१३	६	४७	२	३	३७	१३	५६	५५	भ. ५९।१८ उ. । स. सि. योगः । उदीच्यां यात्रा मु. ।
३३	५६	१५	श.	४७	१३	ज्ये	२५	४६	शु.	३१	१३	वि.	२१	४२	वव	४७	१३	मुसल	२०	१२	५	ध.	२५	४६	५	१३	६	४७	२	४	३४	९	५६	५५	भ. २१।४२ या. ।

ज्येष्ठ शुक्ल २ चं. इ. ४६।५४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	२	७	३	८	५	११
२३	११	०	१	८	११	१६	१६
५०	२६	५८	९	४२	३९	२०	२०
४७	४५	४३	५९	५३	५	५७	५७
५७	३७	१२५	९/४२	६४	४/१७	३	३
५	३८	१२	व	९	व	११	११

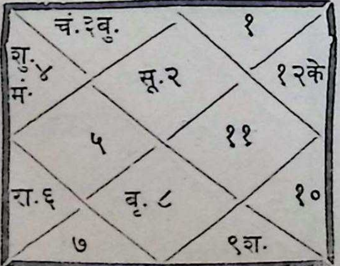

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.	२ चं.	३ मं.	४ बु.	५ बृ.	६ शु.	७ श.	८ र.	९ चं.	तिथयः	१० मं.	११ बु.	१२ बृ.	१३ शु.	१५ श
वृ. अं.	५ ४४	५ ४०	५ ३६	५ ३२	५ २८	५ २४	५ २०	५ १६	५ १२	मि.अं.	७ २२	७ १८	७ १४	७ १०	७ ६
मि. अं.	७ ५८	७ ५४	७ ५०	७ ४६	७ ४२	७ ३८	७ ३४	७ ३०	७ २६	क. अं.	९ ४०	९ ३६	९ ३२	९ २८	९ २४
क. अं.	१० १६	१० १२	१० ८	१० ४	१० ०	९ ५६	९ ५२	९ ४८	९ ४४	सिं.अं.	११ ५७	११ ५३	११ ४९	११ ४५	११ ४१
सिं. अं.	१२ ३३	१२ २९	१२ २५	१२ २१	१२ १७	१२ १३	१२ ९	१२ ५	१२ १	कं. अं.	२ १३	२ ९	२ ५	२ २	१ ५७
कं. अं.	२ ४९	२ ४५	२ ४१	२ ३७	२ ३३	२ २९	२ २५	२ २१	२ १७	तु. अं.	४ ३१	४ २७	४ २३	४ १९	४ १५
तु. अं.	५ ७	५ ३	४ ५९	४ ५५	४ ५१	४ ४७	४ ४३	४ ३९	४ ३५	वृ. अं.	६ ४९	६ ४५	६ ४१	६ ३७	६ ३३
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ. अं.	७ २५	७ २१	७ १७	७ १३	७ ९	७ ५	७ १	६ ५७	६ ५३	ध. अं.	८ ५४	८ ५०	८ ४६	८ ४२	८ ३८
ध. अं.	९ ३०	९ २६	९ २२	९ १८	९ १४	९ १०	९ ६	९ २	८ ५८	म. अं.	१० ३९	१० ३५	१० ३१	१० २७	१० २३
म. अं.	११ १५	११ ११	११ ७	११ ३	१० ५९	१० ५५	१० ५१	१० ४७	१० ४३	कुं. अं.	१२ ९	१२ ५	१२ १	११ ५७	११ ५३
कुं. अं.	१२ ४५	१२ ४१	१२ ३७	१२ ३३	१२ २९	१२ २५	१२ २१	१२ १७	१२ १३	मी.अं.	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २४	१ २०
मी. अं.	२ १२	२ ८	२ ४	२ ०	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४४	१ ४०	मे अं.	३ १४	३ ८	३ ४	३ ०	२ ५६
मे. अं.	३ ४८	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २४	३ २	३ १६	वृ. अं.	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५६	४ ५२

ज्येष्ठ शुक्ल ९ चं. इ. ४६।५७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	२	७	३	८	५	११
०	१५	१५	०	१५	११	१५	१५
२९	३४	११	३२	५०	९	५८	५८
१५	३५	३७	५७	४४	५५	३६	३६
५६	३७	११७	५/५४	६१	४/३३	३	३
५७	४२	४५	व	१८	व	११	११

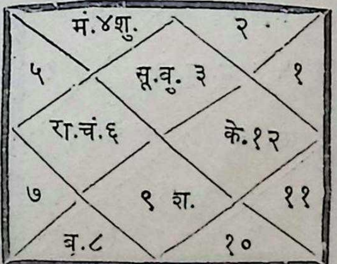

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	५६	१	र.	३८	१६	मू.	१७	५९	शु.	२१	१४	वा.	१२	३९	कौ.	३८	१६	सिद्धि	२१	१३	६				५	१३	६	४७	२	५	३१	४	५६	४१
३३	५६	२	चं.	३०	३४	पू.	१२	१३	ब्र.	१२	१६	तै.	४	२४	ग.	३० ५७	३४ ३३	उत्पात	२२	१४	७	म.	२५	५७	५	१३	६	४७	२	६	२७	५५	५६	५१
३३	५६	३	मं.	२४	३१	उ.	७	२६	ऐं.	४ ५४	५३ ३९	वि.	२४	३१	वव	५३	३०	मानस	२३	१५	८				५	१३	६	४७	२	७	२४	४६	५६	५२
३३	५६	४	बु.	२०	२९	श्र.	४	४५	वि.	५२	१२	वा.	२०	२९	कौ.	४९	२७	छत्र	२४	१६	९	कुं.	३४	३१	५	१३	६	४७	२	८	२१	३८	५६	५३
३३	५६	५	बृ.	१८	२६	ध.	४	१८	प्री.	४९	५३	तै.	१८	२६	ग.	४८	२९	श्रीवत्स	२५	१७	१०				५	१३	६	४७	२	९	१८	३१	५६	५४
३३	५६	६	शु.	१८	३३	श.	५	४३	आ.	४८	३१	व.	१८	३३	वि.	४९	४३	सौम्य	२६	१८	११	मी.	५३	३३	५	१३	६	४७	२	१०	१५	२५	५६	५४
३३	५६	७	श.	२०	५४	पू.	९	२७	सौ.	४८	४३	वव	२०	५४	वा.	५२	५०	कालदं	२७	१९	१२				५	१३	६	४७	२	११	१२	१९	५६	५५
३३	५६	८	र.	२४	४६	उ.	१४	३५	शो.	४९	४७	कौ.	२४	४६	तै.	५७	३२	स्थिर	२८	२०	१३				५	१३	६	४७	२	१२	९	१४	५६	५५
३३	५६	९	चं.	३०	१८	रे.	२१	१९	अ.	५१	४३	ग.	३०	१८	व.	६०	०	मातंग	२९	२१	१४	मे.	२१	१९	५	१३	६	४७	२	१३	६	९	५६	५६
३३	५६	१०	मं.	३६	१६	अ.	२८	३१	सु.	५४	१७	व.	३	१७	वि	२६	१६	अमृत	३०	२२	१५				५	१३	६	४७	२	१४	३	४	५६	५६
३३	५६	११	बु.	४२	३३	भ.	३६	१३	धृ.	५६	४९	व.	९	१९	वा.	४२	३३	काण	१	२३	१६	वृ.	५२	५४	५	१३	६	४७	२	१५	०	०	५६	५६
३३	५६	१२	बृ.	४८	३४	कृ.	४३	५४	शू.	५९	१७	कौ.	१५	३३	तै.	४८	३४	लुंब	२	२४	१७				५	१३	६	४७	२	१५	५६	५६	५६	५७
३३	५६	१३	शु.	५४	१७	रो.	५०	४७	गं.	६०	०	ग.	२१	२५	व.	५४	१७	मित्र	३	२५	१८				५	१३	६	४७	२	१६	५३	५३	५६	५७
३३	५६	१४	श.	५९	१४	मृ.	५६	५६	ग.	१	२४	वि.	२६	३८	श.	५९	१४	वज्र	४	२६	१९	मि.	२३	४४	५	१३	६	४७	२	१७	५०	५०	५६	५७
३३	५५	३०	र.	६०	०	आ.	६०	०	वृ.	२	३५	च.	२९	३०	ना.	६०	०	ध्वांक्ष	५	२७	२०				५	१३	६	४७	२	१८	४७	४७	५६	५७
३३	५५	३०	चं.	२	३६	आ.	२	१६	ध्रु.	२	५६	ना.	२	३८	किं.	३३	३१	सौम्य	६	२८	२१	क.	४९	४२	५	१३	६	४७	२	१९	४४	४४	५६	५७

श्री शुभ संवत् २०१६ शके १८८१ आषाढ़ कृष्णपक्षः।
सौम्यायन गोलौ। २१ जून से ६ जुलाई तक।

वक्री विशाखा भे ३ चरणे तुलायां गुरुः ३०।५। स.सि. योगः।
भ. ५७।३३ उ.। आर्द्रा भे रविः १८।५। या.ज.मु.३०।३४उ.।
भ. २४।३१ या.। गणेश ४। दक्षिणस्यां यात्रा मु. श्रवणे।
कर्के बुधः १०।५। तिथिदानात् याम्यां यात्रा मु.।
या. ज. मु. ४।१८ या.।
भ. १८।३३ उ. ४९।४३ या.। पुष्ये बुधः ८।५।
या. ज. मु. ९।२७ उ. २०।५४ या.।
स. सि. योगः १४।३५ या.। या. ज. मु. २४।४६ उ.।
या. ज. मु. २१।१९ या.। तिथि दानात् उदीच्यां यात्रा मु.।
भ. ३।१७ उ. ३६।१६ या.। मघा भे सिंहे शुक्रः ३७।५। a
जुलाई। वक्री मूले ३ च. शनिः ४४।५। योगिनी ११ व्रतंb
aस. सि. अ. सि. योगः। प्राच्यां यात्रा मु.।
भ. ५४।१७ उ.। प्रदोषः। bसर्वेषाम्।
भ. २६।३८ या.। तिथि दानात् याम्यां यात्रा मु.। मासc
cशिवरात्रि व्रतम्।
श्लेषा भे बुधः ३५।१२। पुन. भे सूर्यः २२।७।

आ. कृ. २ चं. इ. ४६।५८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	२	६	३	८	५	११
७	१९	२७	२९	२२	१०	१५	१५
७	५०	४४	५७	४१	३९	३६	३६
३२	५२	१६	२८	३५	१५	२४	२४
५६	३७	१००	४ ४/५	५९	३ ३/९	३	३
५१	५३	५३	व.	१३	व.	११	११

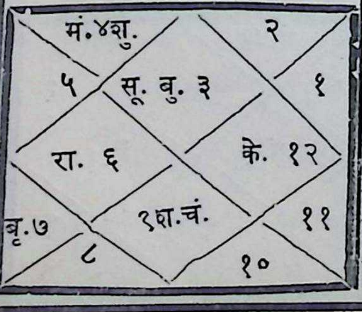

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.		२ चं.		३ मं.		४ बु.		५ बृ.		६ शु.		७ श.		८ र.		९ चं.		१० मं.		११ बु.		१२ बृ.		१३ शु.		१४ श.		३० र.		३० चं.	
मि. अं.	७	३	६	५९	६	५४	६	५०	६	४५	६	४०	६	३५	६	३०	६	२५	६	२१	६	१७	६	१३	६	९	६	५	६	१	५	५६
क. अं.	९	२१	९	१६	९	११	९	६	९	१	८	५६	८	५१	८	४७	८	४३	८	३९	८	३५	८	३१	८	२७	८	२३	८	१९	८	१४
सिं. अं.	११	३८	११	३४	११	२९	११	२४	११	१९	११	१४	११	९	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३१
क. अं.	१	५४	१	५०	१	४५	१	४०	१	३६	१	३१	१	२६	१	२१	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४७
तु. अं	४	१२	४	७	४	२	३	५७	३	५२	३	४७	३	४२	३	३८	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	३	१४	३	१०	३	५
वृ. अं.	६	३०	६	२५	६	२१	६	१६	६	११	६	६	६	१	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६	५	३२	५	२८	५	२३
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
ध. अं.	८	३५	८	३०	८	२५	८	२१	८	१६	८	११	८	६	८	१	७	५७	७	५३	७	४९	७	४५	७	४१	७	३७	७	३३	७	२८
म. अं.	१०	२०	१०	१५	१०	११	१०	६	१०	१	९	५६	९	५२	९	४७	९	४२	९	३८	९	३४	९	३०	९	२६	९	२२	९	१८	९	१३
कुं. अं.	११	५०	११	४५	११	४०	११	३५	११	३०	११	२६	११	२१	११	१६	११	१२	११	८	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४३
मी. अं.	१	१७	१	१३	१	८	१	४	१२	५९	१२	५४	१२	४९	१२	४३	१२	३९	१२	३५	१२	३१	१२	२७	१२	२३	१२	१९	१२	१५	१२	१०
मे. अं.	२	५३	२	४९	२	४४	२	३९	२	३१	२	२७	२	२३	२	१९	२	१५	२	११	२	७	२	३	१	५९	१	५५	१	५१	१	४६
वृ. अं.	४	४९	४	४५	४	४०	४	३५	४	३०	४	२६	४	२१	४	१६	४	११	४	७	४	३	३	५९	३	५५	३	५१	३	४७	३	४२

आ. कृ. ३० चं. इ. ५६।४७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	क.
२	३	३	६	४	८	५	११
२०	२८	१६	२९	५	९	१४	१४
२३	२१	४९	६	१५	३७	५१	५१
३७	१५	३६	४४	२३	३७	५७	५७
५६	३८	५१	३ २/९	५१	३ ४/२	३	३
५७	३९	२७	व.	२९	व.	११	११

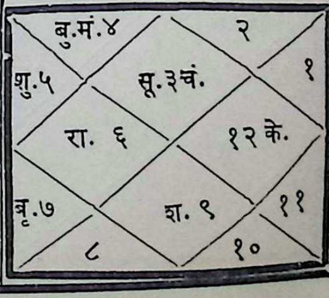

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	आ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	५२	१	मं.	५	२६	पुन.	५	२६	व्या	१२	३९	व.	५	१६	वा.	३६	०	स्थिर	७	२९	२२				५	१४	६	४६	२	२०	४१	४१	५६	५६
३३	५१	२	बु.	६	४४	पु.	९	३३	ह.	३/७	५७/५९	कौ.	६	४४	तै.	२६	५५	मातंग	८	१	२३				५	१४	६	४६	२	२१	३८	३७	५६	५६
३३	५०	३	बृ	७	१६	श्ले.	१०	३९	सि.	५६	३३	ग.	७	१६	व.	३६	५७	अमृत	९	२	२४	सिं.	१०	३९	५	१४	६	४६	२	२२	३५	३३	५६	५५
३३	४९	४	शु.	६	३९	म.	१२	३६	व्य.	५२	५६	त्रि.	६	३९	वव	३५	४४	काण	१०	३	२५				५	१४	६	४६	२	२३	३२	२८	५६	५५
३३	४८	५	श.	४	४९	पू.	१२	५९	व.	४८	३७	वा.	४	४९	कौ.	३३	४१	लुम्ब	११	४	२६	कं.	२७	४८	५	१४	६	४६	२	२४	२९	२३	५६	५५
३३	४६	६	र.	२/५६	३३/१५	उ.	१२	१०	प.	४३	२३	तै.	२	३३	ग.	३०/५८	४०/४८	मित्र	१२	५	२७				५	१४	६	४६	२	२५	२६	१८	५६	५४
३३	४४	८	चं.	५४	३१	ह.	१०	१७	शि.	३७	३१	वि.	२६	३९	वव	५४	१	वज्र	१३	६	२८	तु.	३८	५५	५	१४	६	४६	२	२६	१३	१२	५६	४४
३३	४२	९	मं.	४९	१६	चि.	७	३३	सि.	३०	५७	वा.	२१	४८	कौ.	४९	१६	ध्वांक्ष	१४	७	२९				५	१४	६	४६	२	२७	१०	६	५६	४५
३३	४१	१०	बु.	४२	१६	स्वा	४/५५	५/३	सा.	२३	३५	तै.	१५	३६	ग.	४९	१६	धूम्र	१५	८	३०	वृ.	४६	०	५	१५	६	४५	२	२८	७	१	५६	५५
३३	४०	११	बृ.	३६	१३	अ.	४५	४४	शु.	१५	३३	व.	९	१०	वि	३६	१३	आनन्द.	१६	९	३१				५	१५	६	४५	२	२९	३	५६	५६	५६
३३	३८	१२	शु.	२८	३६	ज्ये.	४९	१३	शु.	७/५२	५१/१	व.	२	२५	वा.	२८/५४	३६/४१	चर	१७	१०	१	ध.	४९	१३	५	१५	६	४५	३	०	०	५२	५६	५६
३३	३६	१३	श.	२०	४७	मू.	४३	३४	ऐं.	४९	१६	तै.	२०	४७	ग.	४७	१	गद	१८	११	२				५	१५	६	४५	३	०	५७	४८	५६	५७
३३	३४	१४	र.	१३	१६	पू.	३८	१२	वै.	४०	३४	व.	१३	६	वि.	३९	३५	शुभ	१९	१२	३	म.	५५	४८	५	१६	६	४४	३	१	५४	४५	५३	५७
३३	३२	१५	चं.	५/५३	५५/४८	उ.	३३	१९	वि.	३२	३५	व.	५	५५	वा.	३२	४९	मृत्यु	२०	१३	४				५	१६	६	४४	३	२	५१	४२	५६	५७

श्री शुभ संवत् २०१६ शके १८८१ आषाढ़ शुक्लपक्षः।
सौम्यायनम्। कर्कार्कितः याम्यायनम्। सौम्यगोलः। जुलाई *

चन्द्रदर्शनम्। * ७ से २० तक।
मुहर्रम, हिजरी सन् १३७९। पुष्ये प्रतीच्यां यात्रा मु.।
भ. ३६।५७ उ.। मघा भे सिंहे भौमः २२।१५। या.जय. मु.
भ. ६।३९ या.।
उग्र कर्म मु.।
भ. ५८।४८ उ.। या.जय. मु. २१।३३ उ.। स.सि.योगः।
भ. २६।३९ या.।
aयात्रा मु.। स.सि. योगः। हरिशयनी ११ व्रतं सर्वेषाम्। c
चर कर्म मु.। c चातुर्मास्य व्रतारम्भः।
सं कर्कर्कः ५७।१२। सं. ९।१० उ.३६।१३ या.। उदीच्यां a
प्रदोषः। hपरीक्षा। व्रताय १५। उत्तरायोगे यायी जय. मु.।
तीक्ष्ण कर्म मु.। d३३।१९ या.।
भ. १३।६ उ. ३९।३५ या.। मार्गी गुरुः ६।५७। वायु h
पुष्ये रविः २६।३९। गुरु व्यासयो पूजनम्। या. जय. मु. d

आ. शु. ८ चं. इ. ४६।५२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	३	६	४	८	५	११
२७	२	२२	२८	१०	९	१४	१४
१	३८	५१	५५	४८	२	२९	२९
५२	४२	२२	५२	५२	४२	५३	५३
५६	३८	२६	१/२	४५	४/१४	३	३
५४	४२	३७	व.	५२	व.	११	११

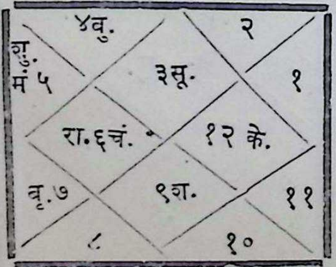

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ म.		२ बु.		३बृ.		४ शु.		५ श.		६ र.		८ चं.		९ मं.		१०बु.		११ बृ.		तिथयः	१२ शु.		१३ श.		१४र.		१५चं.	
मि. अं.	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०	क. अं.	७	३४	७	३०	७	२६	७	२२
क. अं	८	१४	८	१०	८	६	८	२	७	५८	७	५४	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८	सिं. अं.	९	५१	९	४७	९	४३	९	३९
सिं. अं.	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१५	१०	११	१०	७	१०	३	९	५९	९	५५	कं. अं.	१२	७	१२	३	११	५९	११	५५
कं. अं.	१२	४७	१२	४३	१२	३९	१२	३५	१२	३१	१२	२७	१२	२३	१२	१९	१२	१५	१२	११	तु. अं.	२	२५	२	२१	२	१७	२	१३
तु. अं.	३	५	३	१	२	५७	२	५३	२	४९	२	४५	२	४१	२	३७	२	३३	२	२९	वृ. अं.	४	४३	४	३९	४	३५	४	३१
वृ. अं.	५	२३	५	१९	५	१५	५	११	५	७	५	३	४	५९	४	५५	४	५१	४	४७	ध. अं.	६	४८	६	४४	६	४०	६	३६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	रा०		रा०		रा०		रा०	
ध. अं.	७	२८	७	२४	७	२०	७	१६	७	१२	७	८	७	४	७	०	६	५६	६	५२	म. अं.	८	३३	८	२९	८	२५	८	२१
म. अं.	९	१३	९	९	९	५	९	१	८	५७	८	५३	८	४९	८	४५	८	४१	८	३७	कुं. अं.	१०	३	९	५९	९	५५	९	५१
कुं. अं.	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१५	१०	११	१०	७	मी. अं.	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८
मी. अं.	१२	१०	१२	६	१२	२	११	५८	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२	११	३८	११	३४	मे. अं.	१	६	१	२	१२	५८	१२	५४
मे. अं.	१	४६	१	४२	१	३८	१	३४	१	३०	१	२६	१	२२	१	१८	१	१४	१	१०	वृ. अं.	३	२	२	५८	२	५४	२	५०
वृ. अं.	३	४२	३	३८	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	३	१४	३	१०	३	६	मि. अं.	५	१६	५	१२	५	८	५	४

आ. शु. १५ चं. इ. ४६।४६

चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	३	६	४	८	५	११
३	६	२५	२८	१५	८	१४	१४
४०	५९	४१	५०	३२	४१	७	७
१३	५२	४६	७	५२	५५	४३	४३
५६	३८	०	०/१४	३८	३/५५	३	३
५७	३९	२२	व.	३२	व.	१२	११

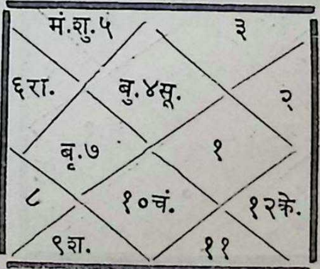

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	३०	२	मं.	५५	१९	श्र.	२९	५१	प्री.	२५	३१	तै.	२७	२८	ग.	५३	१९	लुम्ब	२१	१४	५	कुं.	५९	१	५	१७	६	४३	३	३	४८	३९	५६	५८
३३	२८	३	बु.	५२	३१	ध.	२८	१२	आ.	१९	३५	व.	२३	४५	वि.	५२	३१	मित्र	२२	१५	६				५	१८	६	४२	३	४	४५	३७	५७	०
३३	२६	४	बृ.	५१	२५	श.	२८	१६	सौ.	१५	९	वव	२१	५३	व.	५१	२५	वज्र	२३	१६	७				५	१८	६	४२	३	५	४२	३७	५७	१
३३	२४	५	शु.	५५	४४	पू.	३०	३३	शो.	१२	३६	कौ.	२२	४	तै.	५५	४४	ध्वांक्ष	२४	१७	८	मी.	१५	५८	५	१८	६	४२	३	६	३९	३८	५७	२
३३	२२	६	श.	५६	५६	उ.	३४	२७	अ.	११	३५	ग.	२४	५०	व.	५६	५६	धूम्र	२५	१८	९				५	१९	६	४१	३	७	३६	४०	५७	३
३३	२०	७	र.	६०	०	रे.	३९	३६	सु.	११	२६	वि.	२८	४८	व.	६०	०	प्रवर्ध	२६	१९	१०	मे.	३९	३६	५	१९	६	४१	३	८	३३	४३	५७	४
३३	१८	७	चं.	०	४१	अ.	४६	४५	धृ.	१२	५६	व.	०	४१	वा.	३३	२७	रक्ष	२७	२०	११				५	२०	६	४०	३	९	३०	४७	५७	५
३३	१६	८	मं.	६	१४	भ.	५४	१७	शू.	१४	५६	कौ.	६	१४	तै.	३९	३२	मुसल	२८	२१	१२				५	२०	६	४०	३	१०	२७	५२	५७	६
३३	१३	९	बु.	१२	५१	कृ.	६०	०	गं.	१७	३७	ग.	१२	५१	व.	४५	४३	सिद्धि	२९	२२	१३	वृ.	११	११	५	२१	६	३९	३	११	२४	५८	५७	७
३३	१०	१०	बृ.	१८	३५	कृ.	१	४१	वृ.	१९	५६	वि.	१८	३५	वव	५१	२५	लुम्ब	३०	२३	१४				५	२१	६	३९	३	१२	२२	५	५७	८
३३	८	११	शु.	२४	१५	रो.	९	११	ध्रु.	२२	१३	वा.	२४	१५	कौ.	५६	४४	मित्र	३१	२४	१५	मि.	४२	२३	५	२१	६	३९	३	१३	१९	१३	५७	९
३३	६	१२	श.	२९	१३	मृ.	१५	३६	व्या	२३	४१	तै.	२९	१३	ग.	६०	०	वज्र	१	२५	१६				५	२२	६	३८	३	१४	१६	२२	५७	१०
३३	३	१३	र.	३२	१३	आ.	२०	३७	ह.	२४	१५	ग.	०	४३	वि.	३२	१३	ध्वांक्ष	२	२६	१७				५	२२	६	३८	३	१५	१३	३२	५७	११
३३	०	१४	चं.	३४	१४	पु.	२४	३५	व.	२३	३६	वि.	३	१३	श.	३४	१४	धूम्र	३	२७	१८	क.	८	३६	५	२३	६	३७	३	१६	१०	४३	५७	१२
३२	५८	३०	मं.	३४	४६	पु.	२७	१९	सि.	२१	३९	च.	४	३०	ना.	३४	४६	प्रवर्ध	४	२८	१९				५	२३	६	३७	३	१७	७	५५	५७	१३

श्री शुभ संवत् २०१६ शके १८८१ श्रावण कृष्णपक्षः। याम्यायनम् । सौम्यगोलः । जुलाई २१ से अगस्त ४ तक।

वक्री बुधः ४।१७ । उदीच्यां यात्रा मु. ।

भ. २३।४५ उ. ५२।३१ या. । प्रतीच्यां यात्रा मु. ।

चर कर्म मु. । d रेवत्यां पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. ।

भ. ५६।५६ उ. । सप्तमी योगे या.ज.मु. । तिथिदानात् d

भ. २८।४८ या. । यायी. ज. मु. ।

उदीच्यां यात्रा मु. । e मृग भे याम्यां यात्रा मु. ।

पश्चिमास्तं बुधः ३२।९ । उग्र कर्म मु. ।

भ. ४५।४३ उ. । स. सि. योगः । hपुष्य भे स. सि. योगः ।

भ. १८।३५ या. । एकादशी योगे यायी जय. मु. ।

पूर्वा फाल्गुनी भे भौमः १३।९ । कामदा ११ व्रतं सर्वेषाम् e

अगस्त । प्रदोषः । प्रतीच्यां यात्रा मु. ।

भ. ३२।१३ उ. । पुन.योगे यायीजय. मु. । मासशिवरात्रिव्रतम्

भ. ३।१३या. । श्लेषा भे रविः ३६।९ । प्रतीच्यां यात्रा मु. h

हस्त भे १ च. राहुः उ. भा. भे ३ च. केतुः ५२।९ ।

श्रावण कृ. ७ चं. इ. ४६।३९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	३	६	४	८	५	११
१०	१०	२४	२८	१९	८	१३	१३
१९	४०	१२	५५	१७	१६	४४	४४
५२	५३	१६	२	२३	५२	५९	५९
५७	३८	२/२ २/१	१	२८	३ ३/६	३	३
५	३४	व.	२७	४४	व.	११	११

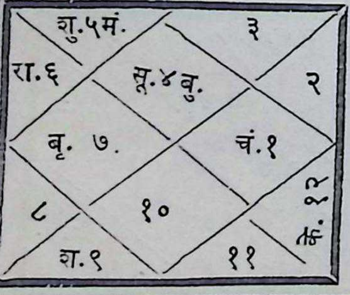

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	२ मं.		३ बु.		४ बृ.		५ शु.		६ श.		७ र.		७ चं.		८ मं.		९ बु.		१० बृ.		११ शु.		१२ श.		१३ र.		१४ चं.		३० मं.	
क. अं.	७	१८	७	१४	७	१०	७	६	७	२	६	५८	६	५५	६	५२	६	४८	६	४४	६	४०	६	३६	६	३२	६	२८	६	२५
सिं. अं.	९	३५	९	३१	९	२७	९	२३	९	१९	९	१५	९	१२	९	९	९	५	९	१	८	५७	८	५३	८	४९	८	४५	८	४२
कं. अं.	११	५२	११	४७	११	४३	११	३९	११	३५	११	३१	११	२८	११	२५	११	२१	११	१७	११	१३	११	९	११	५	११	१	१०	५८
तु. अं.	२	९	२	५	२	१	१	५७	१	५३	१	४९	१	४६	१	४३	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१६
वृ. अं.	४	२७	४	२३	४	१९	४	१५	४	११	४	७	४	४	४	१	३	५७	३	५३	३	४९	३	४७	३	४१	३	३७	३	३४
ध. अं.	६	३२	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	९	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३९
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
म. अं.	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	१	७	५७	७	५४	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९	७	३५	७	३१	७	२७	७	२४
कुं. अं.	९	४७	९	४३	९	३९	९	३५	९	३१	९	२७	९	२४	९	२१	९	१७	९	१३	९	९	९	५	९	१	८	५७	८	५४
मी. अं.	११	१४	११	१०	११	६	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	५१	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२१
मे. अं.	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२७	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५७
वृ. अं.	२	४६	२	४२	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	२	२३	२	२०	२	१६	२	१२	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५३
मि. अं.	५	०	४	५६	४	५२	४	४८	४	४४	४	४०	४	३७	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२	४	१८	४	१४	४	१०	४	७

श्रावण कृ. १४ चं. इ. ४६।३०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	३	६	४	८	५	११
१७	१५	२०	२९	२१	७	१३	१३
०	४१	२८	९	५०	५६	२२	२२
१	३६	१३	१२	३७	५९	४५	४५
५७	३	४/१ ९/२	२	१८	/५८ २/	३	३
१२	५६	व.	५१	५७	व.	११	११

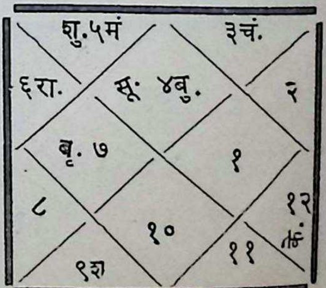

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि
३२	५६	१	बु.	३३	४९	श्ले	२८	१३	व्य.	१८	४६	किं.	४	१७	बव	३३	४९	रक्ष	५	२९	२०	सिं.	२८	१३	५	२४	६	३६	३	१८	५	८	५७	१५
३२	५४	२	बृ.	३१	५१	म.	२८	१४	व्र.	१५	६	वा.	२	५०	कौ.	३१	५१	मुसल	६	३०	२१				५	२५	६	३५	३	१९	२	२३	५७	१६
३२	५०	३	शु.	२८	५४	पू.	२७	३५	प.	१०	४३	तै.	०	२२	ग.	२८ ५७	५४ ८	सिद्धि	७	१	२२	कं.	४२	३	५	२६	६	३४	३	१९	५९	३९	५७	१८
३२	४७	४	श.	२५	२३	उ.	२५	५७	शि.	५ ५४	१५ १७	वि.	२५	२३	व.	५३	२०	उत्पात	८	२	२३				५	२७	६	३३	३	२०	५६	५७	५७	१९
३२	४३	५	र.	२१	१७	ह.	२३	३४	सा.	५३	३६	वा.	२१	१७	कौ.	४८	५८	मानस	९	३	२४	तु.	५२	२३	५	२७	६	३३	३	२१	५४	१६	५७	२०
३२	३९	६	चं.	१६	३९	चि.	२१	१३	शु.	४७	१५	तै.	१६	३९	ग.	४४	१६	मुद्गर	१०	४	२५				५	२८	६	३२	३	२२	५१	३६	५७	२१
३२	३६	७	मं.	११	५४	स्वा	१८	५	शु.	४०	३६	व.	११	५४	वि.	३९	१८	ध्वज	११	५	२६				५	२८	६	३२	३	२३	४८	५७	५७	२२
३२	३३	८	बु.	६	४३	वि.	१४	५१	ब्र.	३३	३७	बव	६	४३	वा.	३४	१	धाता	१२	६	२७	वृ.	०	२९	५	२९	६	३१	३	२४	४६	१९	५७	२४
३२	३१	९	बृ.	१ ५४	१९ ७	ऽनु	११	१५	ऐं.	२६	१६	कौ.	१	१९	तै.	२८ ५५	२२ २६	आनन्द	१३	७	२८				५	२९	६	३१	३	२५	४३	४३	५७	२७
३२	२८	११	शु.	४९	३३	ज्ये.	७	३६	वै.	१८	५९	व.	२२	५७	वि.	४९	३३	चर	१४	८	२९	ध.	७	३६	५	३०	६	३०	३	२६	४१	१०	५७	२९
३२	२४	१२	श.	४३	३६	मू.	३	३५	वि.	११	३६	व.	१६	३५	वा.	४३	३६	गद	१५	९	३०				५	३१	६	२९	३	२७	३८	३९	५७	३१
३२	२०	१३	र.	३८	१५	पू.	० ५६	५५ ५९	प्री.	४ ५३	१५ १४	कौ.	१०	१	तै.	३८	१५	शुभ	१६	१०	३१	म.	१५	१०	५	३२	६	२८	३	२८	३६	१०	५७	३३
३२	१७	१४	चं.	३३	१५	श्र.	५३	३६	सौ.	५०	४५	ग.	५	३७	व.	३३	१५	सिद्धि	१७	११	३२				५	३३	६	२७	३	२९	३३	३३	५७	३४
३२	१३	१५	मं.	२९	२४	ध.	५१	४५	शो	४५	१३	वि.	१	१४	बव	२९	२४	उत्पात	१८	१२	१	कुं.	२२	४०	५	३४	६	२६	४	०	३१	७	५७	३५

श्री शुभ संवत् २०१६शके१८८१श्रावण शुक्लपक्षः। याम्या-
यनम् सौम्य गोलः। अगस्त ५से१८तक। aदक्षिण यात्रा मु.।
b बुधः ९७।१२। स. सि. योगः। प्राच्यां यात्रा मु.।
चन्द्रदर्शनम्। f बन्धनम्। २२।४० या. दक्षिण यात्रा मु.।
सफर। भ. ५७।८ उ.। गणेश ४। उग्र कर्म मु.।
भ. २५।२३ या.। पञ्चमी योगे यायी जय. मु.। हस्त भेa
नागपञ्चमी। ऋग्वेदिनामुपाकर्म। वक्री पुष्य भे ४ च.b
वक्री शुक्रः ५७।३५। स्वाती योगे या. ज. मु.।
भ. ११।५४ उ. ३९।१८ या.। c भे प्रतीच्यां यात्रा मु.।
दुर्गा ८। स. सि. योगः १४।५१ उ.। तिथि दानात् अनु.c
कल्कि जयन्ती। स. सि. योगः ११।१५ या.। दशमी योगेd
भ. २२।५७ उ. ४९।३३ या.। पुत्रदा ११ व्रतं स्मार्तानाम्।
पुत्रदा ११ व्रतं वैष्णवानाम्। e गुरुः २३।७। स.सि.योगः।
प्रदोषः। स. सि. योगः ०।५५ उ.। d उदीच्यां यात्रा मु.।
मघा भे सिंहेऽर्कः २७।१४। भ. ३५।१५ उ.। वृश्चिके e
भ. १।१४ या.। मार्गी बुधः ५५।१२ श्रावणी। रक्षा f

श्रावण शु. ६ चं. इ. ४६।१९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	३	६	४	८	५	११
२३	२०	१५	२९	२२	७	१३	१३
४०	५	३४	२०	४२	३६	०	०
२१	२२	१४	२८	१७	३३	१९	१९
५७	३९	५ २३	४	०	२ २०	३	३
२१	९	व.	१६	१	व.	११	११

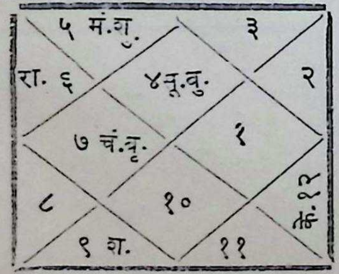

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.		२ बृ.		३ शु.		४ श.		५ र.		६ चं.		७ मं.		८ बु.		९ बृ.		११ शु.		१२ श.		१३ र.		१४ चं.		तिथयः	१५ मं.	
क. अं.	६	२०	६	१६	६	१२	६	८	६	४	६	०	५	५७	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८	५	३५	सिं. अं.	७	४९
सिं. अं.	८	३७	८	३३	८	२९	८	२५	८	२१	८	१७	८	१४	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५५	७	५२	कं. अं.	१०	५
कं. अं.	१०	५३	१०	४९	११	४५	१०	४१	१०	३७	१०	३३	१०	३०	१०	२७	१०	२२	१०	१९	१०	१५	१०	११	१०	८	तु. अं.	१२	२३
तु. अं.	१	११	१	७	१	३	१२	५९	१२	५५	१२	५१	१२	४८	१२	४५	१२	४१	१२	३७	१२	३३	१२	२९	१२	२६	वृ. अं.	२	४१
वृ. अं.	३	२९	३	२५	३	२१	३	१७	३	१३	३	९	३	६	३	३	२	५९	२	५५	२	५१	२	४७	२	४४	ध. अं.	४	४६
ध. अं.	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८	५	१४	५	११	५	८	५	४	५	०	४	५६	४	५२	४	४९	म. अं.	६	३१
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०	
म. अं.	७	१९	७	१५	७	११	७	७	७	३	६	५९	६	५६	६	५४	६	४९	६	४५	६	४१	६	३७	६	३४	कुं. अं.	८	१
कुं. अं.	८	४९	८	४५	८	४१	८	३७	८	३३	८	२९	८	२६	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	४	मी. अं.	९	२८
मी. अं.	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६	९	५३	९	५०	९	४६	९	४२	९	३८	९	३४	९	३१	मे. अं	११	४
मे. अं.	११	५२	११	४८	११	४४	११	४०	११	३६	११	३२	११	२९	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	७	वृ. अं.	१	०
वृ. अं.	१	४८	१	४४	१	४०	१	३६	१	३२	१	२८	१	२५	१	२२	१	१८	१	१४	१	१०	१	६	१	३	मि. अं.	३	१४
मि. अं.	४	२	३	५८	३	५४	३	५०	३	४६	३	४२	३	३९	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४	३	२०	३	१७	क. अं.	५	३२

श्रावण शु. १४ चं. इ. ४६।८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	३	७	४	८	५	११
०	२४	१४	०	२१	७	१२	१२
२२	३०	४५	२	५१	२२	३८	३८
१९	३९	३७	४२	२५	२६	४	४
५७	३९	२ ४०	५	१६ २७	१ ४५	३	३
३०	९	व.	११	व.	व.	११	११

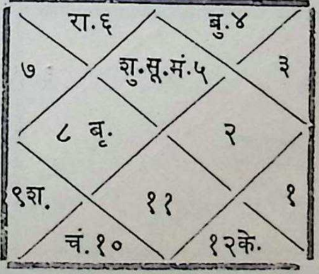

१८

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्य				गतिः	
घ.	प.			घ.	प.		घ.	प.		घ.	प.		घ.	प.		घ.	प.					रा.	घ.	प.	घं.	मि	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.
३२	९	१	बु.	२६	५५	श.	५१	४१	अ.	४०	३४	कौ.	२६	५५	तै.	५६	३३	मानस	१९	१३	२				५	३५	६	२५	४	१	२८	४२	५७	३९
३२	५	२	बृ.	२६	१२	पू.	५३	१२	सु.	३७	२३	ग.	२६	०	व.	५६	३१	मुद्गर	२०	१४	३	मी.	३७	४९	५	३६	६	२४	४	२	२६	१९	५७	३८
३२	१	३	शु.	२६	४९	उ.	५६	१६	धृ.	३५	३१	वि.	२६	४९	वव	५८	१२	ध्वज	२१	१५	४				५	३७	६	२३	४	३	२३	५७	५७	४०
३१	५७	४	श.	२९	३५	रे.	६०	०	शू	३४	४४	वा.	२९	२५	कौ.	६०	०	धाता	२२	१६	५				५	३७	६	२३	४	४	२१	३७	५७	५१
३१	५४	५	र.	३३	३६	रे.	०	४६	गं.	३५	३४	कौ.	१	३५	तै.	३३	३६	प्रवर्ध	२३	१७	६	मे.	०	४६	५	३८	६	२२	४	५	१९	१८	५७	४३
३१	५०	६	चं.	३८	५५	अ.	७	१६	वृ.	३६	४६	ग.	६	१४	व.	३८	५५	रक्ष	२४	१८	७				५	३९	६	२१	४	६	१७	१	५७	४४
३१	४६	७	मं.	४५	१३	भ.	१४	५	ध्रु.	३९	१५	वि.	११	५७	वव	४५	१३	मुसल	२५	१९	८	वृ.	३०	५७	५	३९	६	२१	४	७	१४	४५	५७	४६
३१	४३	८	बु.	५१	१९	कृ.	२१	३४	व्या	४१	३७	वा.	१८	६	कौ.	५१	१९	सिद्धि	२६	२०	९				५	४०	६	२०	४	८	१२	३१	५७	४८
३१	४०	९	बृ.	५७	१५	रो.	२९	१३	ह.	४३	४६	तै.	२४	५	ग.	५७	१५	उत्पात	२७	२१	१०				५	४१	६	१९	४	९	१०	१६	५७	४९
३१	३६	१०	शु.	६०	०	मृ.	३५	५७	व.	४५	३९	व.	२८	३१	वि.	६०	०	मानस	२८	२२	११	मि.	२	३२	५	४१	६	१९	४	१०	८	७	५७	५१
३१	३३	१०	श.	१	५६	आ.	४१	३३	सि.	४६	३९	वि.	१	५६	वव	३३	४४	मुद्गर	२९	२३	१२				५	४२	६	१८	४	११	५	५८	५७	५३
३१	३०	११	र.	५	३५	पुन.	४५	४७	व्य.	४६	१९	वा.	५	३५	कौ.	३६	३७	ध्वज	३०	२४	१३	क.	२९	४३	५	४३	६	१७	४	१२	३	५१	५७	५४
३१	२७	१२	चं.	७	३७	पु.	४८	३१	व.	४४	३६	तै.	७	३७	ग.	३०	४१	धाता	३१	२५	१४				५	४३	६	१७	४	१३	१४	५५	५७	५५
३१	२४	१३	मं.	७	४४	श्ले.	४९	११	प.	४१	३७	व.	७	४४	वि.	३६	५१	आनन्द	१	२६	१५	सिं.	४९	११	५	४४	६	१६	४	१३	५९	४२	५८	०
३१	२१	१४	बु.	५	५९	म.	४८	१६	शि.	३७	१४	श.	५	५९	च.	३४	२७	चर	२	२७	१६				५	४५	६	१५	४	१४	५७	४२	५८	२
३१	१७	३०	वृ.	५$\frac{२}{६}$	$\frac{५}{३}\frac{६}{३}$	पू.	४६	१७	सि.	३१	४४	ना.	२	५६	किं.	३१	१२	गद	३	२८	१७				५	४५	६	१५	४	१५	५५	४४	५८	४

श्री शुभ संवत् २०१६ शके १८८१। भाद्रपद कृष्णपक्षः। याम्यायनम् सौम्यगोलः। अगस्त १९ से सितम्बर ३ तक।

चर कर्म मु.। aभे भौमः ६।१२ गणेश ४व्रतम्। कज्जली ३। g
भ. ५६।३१। उग्र कर्म मु. उ.भा. योगे या जय. मु.।
भ. २६।४९या.। शुक्रास्तः पश्चिमायाम्५२।९। उत्तराफाल्गुनीa
श्लेषा भे.बुधः७।४४। पञ्चमी योगे प्रतीच्यां यात्रामु.पञ्चमीd
अश्विनी भे प्राच्यां यात्रा मु.। यायी जय.मु. ०।४६ या.।
भ.३८।५५उ.।हलषष्ठीhदश्याम्।श्ले.योगेया.ज.मु.।स.सि.योगः।
भ.११।५७या.। स.सि.योगः१४।५उ.। y२३।९। स.सि.योगः।
कन्यायां भौमः २३।९। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रतं सर्वेषाम्।c
यायी जय. मु.।
भ. २८।३१उ.। दक्षिणपश्चिमयोयात्रामु.। dयोगेया.ज.मु.।
भ.१।५६या.। पुन.योगेया.ज.मु.। gरेवती योगे स.सि.योगः।
अजा ११ व्रतं सर्वेषाम्।
पूर्वाषाढ़ भे सूर्यः१४।१५। प्रदोषः। उदीच्यां यात्रा मु.त्रयो- h
सितम्बर। भ.७।४४ उ. ३६।५१ या.। मघा भे सिंहे बुधः y
कुशोत्पाटिनी अमावस्या। c स. सि. योगः २१।३४ या.
वक्री मघा भे शुक्रः ४०।५। पूर्वास्तं बुधः १४।५।

भा. कृ. ६ चं. इ. ४५।५५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	३	७	४	८	५	११
७	२९	१९	०	१८	७	१२	१२
७	५७	१६	४०	५१	१२	१५	१५
५२	५४	२२	२७	२२	२५	३७	३७
५७	३९	५९	६	$\frac{३}{४}$	$\frac{३}{१}$	३	३
४४	३५	३७	१८	व	व.	११	११

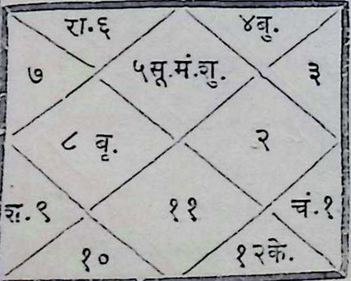

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१बु.	२बृ.	३ शु	४ श.	५ र.	६ चं.	७ मं.	८ बु.	९बृ.	१० शु.	१० श.	११ र.	१२ चं.	१३ मं.	१४ बु.	३० बृ.
सिं अं.	७ ४५	७ ४१	७ ३७	७ ३३	७ २९	७ २५	७ २२	७ १९	७ १५	७ ११	७ ७	७ ३	६ ५९	६ ५६	६ ५३	६ ५०
कं. अं.	८ १	७ ५७	७ ५३	७ ४९	७ ४५	७ ४१	७ ३८	७ ३५	७ ३१	७ २७	७ २३	७ १९	७ १५	७ १२	७ ९	७ ६
तु. अं.	१२ १९	१२ १५	१२ ११	१२ ७	१२ ३	११ ५९	११ ५६	११ ५३	११ ४९	११ ४५	११ ४१	११ ३७	११ ३३	११ ३०	११ २७	११ २४
वृ. अं	२ ३७	२ ३३	२ २९	२ २५	२ २१	२ १७	२ १४	२ ११	२ ७	२ ३	१ ५९	१ ५५	१ ५१	१ ४८	१ ४५	१ ४२
ध. अं.	४ ४२	४ ३८	४ ३४	४ ३०	४ २६	४ २२	४ १९	४ १६	४ १२	४ ८	४ ४	४ ०	३ ५६	३ ५३	३ ५०	३ ४७
म. अं.	६ २७	६ २३	६ १९	६ १५	६ ११	६ ७	६ ४	६ १	५ ५७	५ ५३	५ ४९	५ ४५	५ ४१	५ ३८	५ ३५	५ ३२
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
कुं अं.	७ ५७	७ ५३	७ ४९	७ ४५	७ ४१	७ ३७	७ ३४	७ ३१	७ २७	७ २३	७ १९	७ १५	७ ११	७ ८	७ ५	७ २
मी. अं.	९ २४	९ २०	९ १६	९ १२	९ ८	९ ४	९ १	८ ५८	८ ५४	८ ५०	८ ४६	८ ४२	८ ३८	८ ३५	८ ३२	८ २९
मे. अं.	११ ०	१० ५६	१० ५२	१० ४८	१० ४४	१० ४०	१० ३७	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० ११	१० ८	१० ५
वृ. अं.	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३३	१२ ३०	१२ २६	१२ २२	१२ १८	१२ १४	१२ १०	१२ ७	१२ ४	१२ १
मि. अं.	३ १०	३ ६	३ २	२ ५८	२ ५४	२ ५०	२ ४७	२ ४४	२ ४०	२ ३६	२ ३२	२ २८	२ २४	२ २१	२ १८	२ १५
क. अं.	५ २८	५ २४	५ २०	५ १६	५ १२	५ ८	५ ५	५ २	४ ५८	४ ५४	४ ५०	४ ४६	४ ४२	४ ३९	४ ३६	४ ३३

भा.कृ. १२ चं. इ. ४५।४४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	३	७	४	८	५	११
१३	३	२८	१	१४	७	११	११
५१	३६	५९	२६	५९	७	५३	५३
२३	५२	२२	३३	१५	२३	४२	४२
५७	३९	१०४	७	$\frac{३६}{२४}$	$\frac{०}{२१}$	३	३
५७	३४	४२	२२	व.	व.	११	११

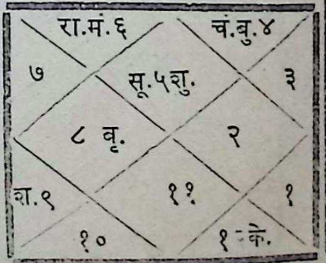

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योग.	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि
३१	१७	२	शु.	५३	१६	उ.	४२	३७	सा.	२५	३६	वा.	२५	५२	कौ.	५३	१६	शुभ	४	२९	१८	क.	०	२५	५	४५	६	१५	४	१६	१३	४८	५८	६
३१	१३	३	श.	४७	३५	ह.	३९	३६	शु.	१८	३६	तै.	२०	२५	ग.	४७	३५	मृत्यु	५	१	१९				५	४५	६	१५	४	१७	५१	५४	५८	८
३१	९	४	र.	४१	४७	चि.	३५	४६	शु.	१०	५९	व.	१४	३७	वि.	४१	३७	पद्म	६	२	२०	तु.	७	५१	५	४६	६	१४	४	१८	५०	२	५८	१०
३१	५	५	चं.	३५	३९	स्वा	३१	५५	ब्र.	३ ५३	[illegible] २९	व.	८	२९	वा.	३५	३९	छत्र	७	३	२१				५	४७	६	१३	४	१९	४८	१२	५८	१२
३१	६	६	मं.	३०	७	वि.	२८	१५	वै.	५८	३३	कौ.	२	४६	तै.	३० ५७	७ २८	श्रीवत्स	८	४	२२	वृ.	१३	१०	५	४८	६	१२	४	२०	४६	२४	५८	१५
३०	५८	७	बु.	२४	३६	अ.	२४	३१	वि.	४१	१९	व.	२४	२६	वि.	५२	२६	सौम्य	९	५	२३				५	४८	६	१२	४	२१	४४	३९	५८	१७
३०	५४	८	बृ.	१९	१७	ज्ये.	२१	१६	प्री.	३४	३३	व.	१३	१७	वा.	४६	५२	कालदं	१०	६	२४	ध.	२१	१६	५	४९	६	११	४	२२	४२	५६	५८	१९
३०	५१	९	शु.	१४	३७	मू.	१८	१९	आ.	२७	४५	कौ.	१४	३७	तै.	४२	३५	स्थिर	११	७	२५				५	५०	६	१	४	२३	४१	१५	५८	२२
३०	४८	१०	श.	१०	१४	पू.	१५	३३	सौ.	२१	३५	ग.	१०	१४	व.	३८	२५	प्रवर्ध.	१२	८	२६	म.	३०	१०	५	५०	६	१०	४	२४	३९	३७	५८	२४
३०	४४	११	र.	६	३७	उ.	१४	१२	शो.	१५	३७	वि.	६	२७	व.	२५	०	रक्ष	१३	९	२७				५	५१	६	९	४	२५	३८	१	५८	२६
३०	४१	१२	चं.	३	१३	श्र.	१२	४४	अ.	१०	५३	वा.	३	१३	कौ.	३१	५८	सिद्धि	१४	१०	२८	कुं.	४२	४२	५	५२	६	८	४	२६	३६	२७	५८	२८
३०	३४	१३	मं.	० ५८	४४ १३	ध.	१२	११	सु.	५	४४	तै.	०	४४	ग.	२० २८	५ ५७	उत्पात	१५	११	२९				५	५३	६	७	४	२७	३४	५५	५८	३०
३०	३१	१५	बु.	५९	३५	श.	१२	४४	धृ.	५६	५७ २	वि.	२९	३६	वव	५९	३५	मानस	१६	१२	३०	मी.	५८	५८	५	५४	६	६	४	२८	३३	२५	५८	३१

श्री शुभ संवत् २०१६ शके १८८१ भाद्रपद शुक्ल पक्षः।
याम्यायनम् । सौम्यगोलः । सितम्बर ४ से १६ तक ।

चन्द्रदर्शनम् । मार्गी शनिः १२।५ । d सि. योगः ।
रवि उल अव्वल । हरतालिका ३ व्रतम् । a ४ व्रतम् ।
भ. १४।३७ उ.४१।४७ या. । पूर्वोदयं शुक्रः ३७।५ । गणेशa
भौमास्तः १२।५ । ऋषि पञ्चमी । यायीजय मु. ।
पूर्वा फाल्गुनी भे वुधः ३४।१२ । अर्कषष्ठी । काश्यां लोलार्कb
भ. २४।२६ उ.५२।२६ या. । महालक्ष्मी व्रतारम्भः । स.d
हस्त भे भौमः ५६।१२ । e व्रतं सर्वेषाम् । स.सि. योगः ।
तीक्ष्ण कर्म मु. । b कुण्डेस्नानम् (अपुत्रेभ्यो)
भ. ३८।२५ उ. । उत्तरा योगे या.ज. मु. ।
भ. ६।२७या. । उत्तरा फा. भे सूर्यः ५६।१२ । पद्मा ११ e
प्रदोषः । दक्षिण पश्चिमो यात्रा मु.४२।४२ या. । स.सि.योगः ।
भ. ५८।५७ उ. । अनु.भे. १ ग्र.गुरुः ९।१२ । अनन्त १४व्रतम्
भ. २९।३६ या. । महालयारम्भः ।

भा. शु. ५ चं. इ. ४५।३२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	४	७	४	८	५	११
२०	९	११	२	१०	७	११	११
३८	१	४३	१९	५३	७	३१	३१
९	४	१७	२८	१८	२०	२१	२१
५८	३९	१२३	०	४० ५६	० २४	३	३
१	४४	१४	१९	व.	मा.	११	११

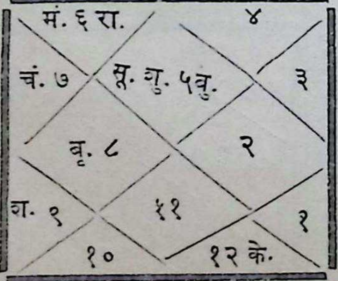

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	२ शु.		३ श.		४ र.		५ चं.		६ मं.		७ बु.		८ बृ.		९शु.		१० श.		११ र.		१२ चं.		१३ मं.		१५ बु.	
सिं. अं.	६	४७	६	४३	६	३९	६	३५	६	३१	६	२७	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	८	६	५	६	२
कं. अं.	९	३	८	५९	८	५५	८	५१	८	४७	८	४३	८	४०	८	३६	८	३२	८	२८	८	२४	८	२१	८	१८
तु. अं.	११	२१	११	१७	११	१३	११	९	११	५	११	१	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४२	१०	३९	१०	३६
वृ. अं.	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५७	१२	५४
ध. अं.	३	४४	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४	३	२१	३	१७	३	१३	३	९	३	५	३	२	२	५९
म. अं.	५	३०	५	२५	५	२१	५	१७	५	१३	५	९	५	६	५	२	४	५८	४	५४	४	५०	४	४७	४	४४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कुं. अं.	६	५९	६	५५	६	५१	६	४७	६	४३	६	३९	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	६	२०	६	१७	६	१४
मी. अं.	८	२६	८	२२	८	१७	८	१३	८	१०	८	६	८	३	७	५८	७	५५	७	५१	७	४७	७	४४	७	४१
मे. अं.	१०	२	९	५८	९	५४	९	५०	९	४६	९	४२	९	३९	९	३५	९	३१	९	२७	९	२३	९	२०	९	१७
वृ. अं.	११	५९	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२	११	३८	११	३५	११	३१	११	२७	११	२३	११	१९	११	१६	११	१३
मि. अं.	२	१२	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५२	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७	१	३३	१	३०	१	२७
क. अं.	४	३०	४	२६	४	२२	४	१८	४	१४	४	१०	४	७	४	३	४	०	३	५५	३	५१	३	४८	३	४५

भा. शु. १२ चं. इ. ४५।२०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	४	७	४	८	५	११
२७	१२	२४	३	७	७	११	११
२६	२७	५६	४६	५२	११	९	९
३५	४५	३७	२	२३	५७	१४	१४
५८	३९	१२५	९	३७	१	३	३
२७	५४	३९	८	२४	१०	११	११

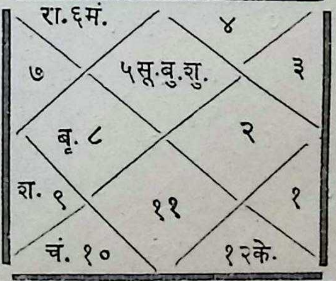

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३०	२३	१	बृ.	६०	०	पू.	१४	२३	गं.	५७	११	वा.	२९	४६	कौ.	६०	०	मुद्गर	१७	१३	३१				५	५५	६	५	४	२९	३१	५६	५८	३६
३०	१९	१	शु.	०	५३	उ.	१७	३४	वृ.	५६	१६	कौ.	०	५३	तै.	३२	२५	ध्वज	१८	१४	१				५	५५	६	५	५	०	३०	३२	५८	३८
३०	१५	२	श.	३	५७	रे.	२१	५६	ध्रु.	५६	१५	ग.	३	५७	व.	३५	५१	धाता	१९	१५	२	मे.	२१	५६	५	५६	६	४	५	१	२९	१०	५८	४०
३०	११	३	र.	७	४६	अ.	२७	३१	व्या	५७	३६	वि	७	४६	वव	४०	२०	आनंद	२०	१६	३				५	५७	६	३	५	२	२७	५०	५८	४३
३०	७	४	चं.	१२	५४	भ.	३४	३३	ह.	५९	२५	वा.	१२	५४	कौ.	४५	२५	चर	२१	१७	४	वृ.	५१	२८	५	५८	६	२	५	३	२६	३३	५८	४५
३०	३	५	मं.	१७	५६	कृ.	४१	४४	व.	६०	०	तै.	१७	५६	ग	५१	३३	गद	२२	१८	५				५	५९	६	१	५	४	२५	१८	५८	४७
३०	०	६	बु.	२५	११	रो.	४९	२६	व.	१	४३	व	२५	११	वि.	५८	२२	शुभ	२३	१९	६				६	०	६	०	५	५	२४	५	५८	४९
२९	५७	७	बृ.	३१	३४	मृ.	५६	३९	सि.	४	१८	व.	३१	३०	वा.	६०	०	मृत्यु	२४	२०	७	मि.	२३	२	६	१	५	५९	५	६	२२	५४	५८	५१
२९	५३	८	शु.	३७	१२	आ.	६०	०	व्य.	६	२५	बा.	४	२३	कौ.	३७	१२	पद्म	२५	२१	८				६	१	५	५९	५	७	२१	४५	५८	५३
२९	५०	९	श.	४१	१५	आ.	०	२१	व.	७	४१	तै.	९	१	ग.	४१	१५	मुद्गर	२६	२२	९	क.	५१	२२	६	२	५	५८	५	८	२०	३८	५८	५५
२९	४७	१०	र.	४३	४४	पुन.	८	२३	प.	८	१५	व.	१२	२३	वि.	४३	४४	ध्वज	२७	२३	१०				६	३	५	५७	५	९	१९	३३	५८	५७
२९	४३	११	चं.	४४	३६	पु.	११	५५	शि.	७	३७	व.	१४	३	वा.	४४	३६	धाता	२८	२४	११				६	४	५	५६	५	१०	१८	३०	५९	०
२९	४०	१२	मं.	४२	१७	श्ले	१३	३५	सि.	५	१९	कौ.	१३	१९	तै.	४२	१७	आनंद	२९	२५	१२	सिं.	१३	३५	६	५	५	५५	५	११	१७	३०	५९	२
२९	३६	१३	बु.	४०	१२	म.	१३	१५	सा.	५ ५४	२४ ३९	ग.	११	५	व.	४०	१२	चर	३०	२६	१३				६	५	५	५५	५	१२	१६	३२	५९	४
२९	३३	१४	बृ.	३४	५६	पू.	११	१९	शु.	४९	१२	वि.	७	२९	श.	३४	५६	मद	१	२७	१४	कं.	२५	१९	६	६	५	५४	५	१३	१५	३६	५९	६
२९	३०	३०	शु.	२८	३९	उ.	७	३९	ब्र.	४१	१६	च.	१	४८	न.	२८	३९	आनंद	२	२८	१५				६	७	५	५३	५	१४	१४	४२	५९	९

श्री शुभ संवत् २०१६ शके १८८१ आश्विन कृष्णपक्षः। याम्यायनम्। सौम्यगोलः। सितम्बर१७ से अक्टूबर २ तक।

कन्यायामर्कः २९।१२। कन्यायां बुधः २७।१२। उग्र कर्म a

रेवती भे स. सि. योगः। रेवती भे.उदीच्यां यात्रा मु.।

भ. ३५।५१ उ.। तृतीया योगे यायी जय.मु.।

भ. ७।४६ या.। सि. योगः। तिथि दानात् प्राच्यां e

पञ्चमी योगे यायी जय. मु.। e यात्रा मु.।

मार्गी शुक्रः २१।१२। हस्ते बुधः ५४।१२। स. सि. योगः।

भ. २५।११ उ. ५८।२२ या.। स. सि.योगः।

प्राच्यां यात्रा मु. २३।२ या.।

तीक्ष्ण कर्म मु.। a मु.। उत्तरा योग यायी जय. मु.।

मातृ नवमी। तिथि दानात् प्रतीच्यां यात्रा मु.

भ. १२।२३ उ. ४३।४४ या.। पुष्यभे स. सि. योगः।

स. सि. योगः। उदीच्यां यात्रा मु. ११।५५ या.।

इन्दिरा ११ व्रतं सर्वेषाम्। स. सि. योगः।

भ. ४०।१२ उ.। चित्रा भे बुधः ४०।१२। शुक्रोदयं पूर्वे b

अक्टूबर। भ. ७।२९। या। चित्राभे भौमः १९।५३।

पितृ विसर्जनम्। b ३।१२। मास शिवरात्रि व्रतम्

आश्विन. कृ. ४ चं. इ. ४५।७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	क.
५	५	५	७	४	८	५	११
४	१७	८	३	६	७	१०	१०
१६	१	१	२६	३६	२०	४७	४७
२५	५	४२	२८	५८	५७	३	३
५८	४०	१०८	१०	१/१९	५/४९	३	३
४५	१२	३५	९	व	मा.	११	११

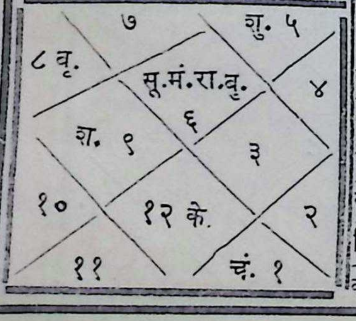

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ बृ.	ति.	१ शु.	२ श.	३ र.	४ चं.	५ मं.	६ बु.	७ बृ.	८ शु.	९ श.	१० र.	११ चं.	१२ मं.	१३ बु.	१४ बृ.	३० शु.
सिं.	६ १	कं.	८ १२	८ ८	८ ४	८ ०	७ ५६	७ ५३	७ ५०	७ ४७	७ ४३	७ ३९	७ ३५	७ ३१	७ २७	७ २४	७ २१
कं.	८ १६	तु.	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० ११	१० ८	१० ५	१० १	९ ५७	९ ५३	९ ४९	९ ४५	९ ४२	९ ३९
तु.	१० ३४	वृ.	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३२	१२ २९	१२ २६	१२ २३	१२ १९	१२ १५	१२ ११	१२ ७	१२ ३	१२ ०	११ ५७
वृ.	१२ ५२	ध.	२ ५३	२ ४९	२ ४५	२ ४१	२ ३७	२ ३४	२ ३१	२ २९	२ २४	२ २०	२ १६	२ १२	२ ८	२ ५	२ २
ध.	२ ५७	म.	४ ३८	४ ३४	४ ३०	४ २६	४ २२	४ १९	४ १६	४ १३	४ ९	४ ५	४ १	३ ५७	३ ५३	३ ५०	३ ४७
म.	४ ४२	कुं.	६ ८	६ ४	६ ०	५ ५६	५ ५२	५ ४९	५ ४६	५ ४३	५ ३९	५ ३५	५ ३१	५ २७	५ २३	५ २०	५ १७
रा.	रा०	रा	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
कुं.	६ १२	मी.	७ ३५	७ ३१	७ २७	७ २४	७ १९	७ १६	७ १३	७ १०	७ ६	७ २	६ ५८	६ ५४	६ ५०	६ ४७	६ ४४
मी	७ ३९	मे.	९ ११	९ ७	९ ३	८ ५९	८ ५५	८ ५२	८ ४९	८ ४६	८ ४२	८ ३८	८ ३४	८ ३०	८ २६	८ २३	८ २०
मे.	९ १५	वृ.	११ ७	११ ३	१० ५९	१० ५५	१० ५१	१० ४८	१० ४५	१० ४२	१० ३८	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १९	१० १६
वृ.	११ ११	मि.	१ २१	१ १७	१ १३	१ ९	१ ५	१ २	१२ ५९	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३३	१२ ३०
मि.	१ २५	क.	३ ३९	३ ३५	३ ३१	३ २७	३ २३	३ २०	३ १७	३ १४	३ १०	३ ६	३ २	२ ५८	२ ५४	२ ५१	२ ४८
क.	३ ४२	सिं.	५ ५६	५ ५२	५ ४८	५ ४४	५ ४०	५ ३७	५ ३४	५ ३१	५ २७	५ २३	५ १९	५ १५	५ ११	५ ८	५ ५

आश्विन कृ. ११ चं. इ. ४४।५१

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	५	५	७	४	८	५	११
११	२१	२०	५	७	७	११	११
१	३६	१०	३१	१९	३४	४३	४३
५७	३२	११	६	२२	१२	५८	५८
५९	४०	१०१	१०	१४	२	३	३
०	१२	५३	३९	१३	२५	११	११

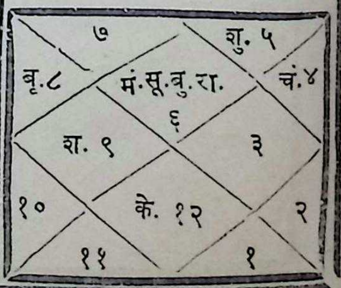

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२९	२४	१	श.	२१	२५	ह.	२ ५४	३ २५	ऐं.	३२	३६	व.	२१	२५	वा.	४७	६	मृत्यु	३	२९	१६	तु.	२९	४८	६	७	५	५३	५	१५	१३	५१	५९	११
२९	२०	२	र.	१३	४७	स्वा	५१	२७	वै.	२३	३१	कौ.	१३	४७	तै.	४०	६	लुम्ब	४	१	१७				६	८	५	५२	५	१६	१३	१२	५९	१३
२९	१६	३	चं.	५ ५३	५६ ४१	वि.	४५	४६	वि.	१४	५१	ग.	५	५६	व.	३२ ५९	१६ ३७	मित्र	५	२	१८	वृ.	३२	३	६	९	५	५१	५	१७	१२	१५	५९	१६
२९	१५	५	मं.	५१	१३	अ.	४०	२५	प्री.	५ ५४	४ २०	वा.	२५	८	व.	५१	१३	वज्र	६	३	१९				६	९	५	५१	५	१८	११	३१	५९	१८
२९	९	६	बु.	४५	३७	ज्ये.	३५	५१	सौ	४८	३५	कौ.	१८	४०	तै.	४५	३७	ध्वांक्ष	७	४	२०	ध.	३५	५१	६	१०	५	५०	५	१९	१०	४९	५९	२०
२९	५	७	बृ.	४०	२९	मू.	३२	१६	शो.	४१	५६	ग	१३	३	व.	४०	२९	धूम्र	८	५	२१				६	११	५	४९	५	२०	१०	९	५९	२३
२९	२	८	शु.	३६	२३	पू.	२९	३१	अ.	३४	५७	वि.	८	२६	वव	३६	२३	प्रवर्ध.	९	६	२२	म.	४४	६	६	१२	५	४८	५	२१	९	३२	५९	२५
२८	५८	९	श.	३३	२५	उ.	२७	५३	सु.	२९	३३	वा.	४	५१	कौ.	३३	२५	रक्ष	१०	७	२३				६	१२	५	४८	५	२२	८	५७	५९	२७
२८	५५	१०	र.	३१	१९	श्र.	२७	२९	धृ.	२४	२६	तै.	२	१५	ग.	३१	१९	गद	११	८	२४	कुं.	५७	३८	६	१३	५	४७	५	२३	८	२४	५९	२९
२८	५१	११	चं.	३०	१७	ध.	२७	४९	शू.	२०	३६	व.	०	४८	वि.	३०	१७	शुभ	१२	९	२५				६	१४	५	४६	५	२४	७	५३	५९	३१
२८	४८	१२	मं.	३०	३३	श.	३०	३४	गं.	१७	३९	वव	०	१६	व.	३०	३३	मृत्यु	१३	१०	२६				६	१५	५	४५	५	२५	७	२४	५९	३३
२८	४५	१३	बु.	३१	३४	पू.	३१	५५	वृ.	१५	५१	कौ.	०	५८	तै.	३१	३४	पद्म	१४	११	२७	मी.	१६	३४	६	१५	५	४५	५	२६	६	५७	५९	३५
२८	४०	१४	बृ.	३३	२५	उ.	३५	३६	ध्रु.	१३	३७	ग.	२	३१	व.	३२	२५	छत्र	१५	१२	२८				६	१६	५	४४	५	२७	६	३२	५९	३७
२८	३६	१५	शु.	३७	३४	रे.	४०	५६	व्या	१४	१४	वि.	५	२६	व.	३७	३४	श्रीवत्स	१६	१३	२९	मे.	४०	५६	६	१७	५	४३	५	२८	६	९	५९	३९

श्री शुभ संवत् २०१६ शके १८८१ आश्विन शुक्लपक्षः ।
याम्यायनम् । सौम्यगोलः । अक्टूबर ३ से १६ तक ।

चन्द्रदर्शनम् । मातामह श्राद्धम् । शारदीय नवरात्रारम्भः ।
तुलायां बुधः४६।१५। रवि उस्सानी । तृतीया योगे या.ज.मु.।
भ. ३२।१६ उ. ५९।३७ या. । अनु. २ चर. गुरुः५।५९ । a
उ. फा. भे ४ चर. राहुः उ.मा.भे २ पादे केतुः ३९।१२ । b
तीक्ष्ण कर्म मु. । aअनु. भे. स. सि. योगः ।
भ. ४०।२९ उ.। स्वाती भे बुधः५१।१२ । सरस्वत्यावाहनम् ।
भ. ८।२६ या. । b पश्चिमोदयं बुधः ५३।९
यायी ज. मु. । c सरस्वती विसर्जनम् । बौद्धजयन्ती । e
तुलायां भौमः३८।१४ । चित्रा भे रविः ७।९ विजया १० ।c
भ. ०।४८ उ.३०।१७या.। पू.फा.भेशुक्रः ३८।२९पापांकुशा f
प्रदोषः । चर कर्म मु. । e एकादशीयोगे या. ज. मु. ।
उग्र कर्म मु. । d स्नानारम्भः । स. सि. योगः ।
भ. ३२।२५ उ.। रेवती योगे या.ज.मु. । f ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
भ. ५।२६ या.। शरद् पूर्णिमा । कोजागरी १५ । कार्तिक-d

आ. शु. ३ चं. इ. ४४।३८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	५	६	७	४	८	५	११
१८	२६	१	६	९	७	१०	१०
२	१५	३५	४८	४१	५३	२	२
३६	३३	२४	९	३५	२	११	११
५९	४०	९८	११	२७	३	३	३
१६	२७	४५	१५	३	९	११	११

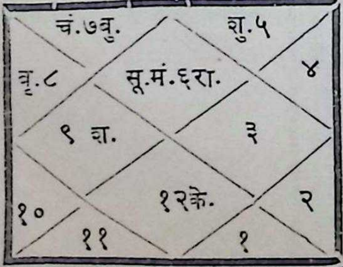

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.		२ र.		३ चं.		५ मं.		६बु.		७बृ.		८शु.		९श.		१०र.		११ चं.		१२मं.		१३ बु.		१४ बृ.		१५ शु.	
कं. अं.	७	१३	७	९	७	५	७	१	६	५८	६	५५	६	५२	६	४८	६	४४	६	४०	६	३६	६	३३	६	३०	६	२६
तु. अं.	९	३१	९	२७	९	२३	९	१९	९	१५	९	१३	९	१०	९	६	९	२	८	५८	८	५४	८	५१	८	४८	८	४४
वृ. अं.	११	५०	११	४५	११	४१	११	३७	११	३४	११	३१	११	२८	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२	११	९	११	६	११	२
ध. अं.	१	५४	१	५०	१	४६	१	४२	१	३९	१	३६	१	३३	१	२९	१	२५	१	१	१	१७	१	१४	१	११	१	७
म. अं	३	४०	३	३५	३	३१	३	२७	३	२४	३	२१	३	१८	३	१४	३	१०	३	६	३	२	२	५९	२	५६	२	५२
कुं. अं.	५	१०	५	५	५	१	४	५७	४	५४	४	५१	४	४८	४	४४	४	४०	४	३६	४	३२	४	२९	४	२६	४	२२
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मी. अं.	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	३	२१	६	१८	६	१५	६	११	६	७	६	३	५	५९	५	५६	५	५३	५	४९
मे. अं.	८	१२	८	८	८	४	८	०	७	५७	७	५४	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९	७	३५	७	३२	७	२९	७	२५
वृ. अं.	१०	९	१०	४	१०	०	९	५६	९	५३	९	५०	९	४७	२	४३	९	३९	९	३५	९	३१	९	२८	९	२५	९	२१
मि. अं.	१२	२२	११	१८	१२	१४	१२	१०	१२	७	१२	४	१२	१	११	५७	११	५३	११	४९	११	४५	११	४२	११	३९	११	३५
क. अं.	२	४०	२	३६	२	३२	२	२८	२	२५	२	२२	२	१९	२	१५	२	११	२	७	२	३	२	०	१	५७	१	५३
सिं. अं.	४	५७	४	५३	४	४९	४	४५	४	४२	४	३९	४	३६	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०	४	१७	४	१४	४	१०

आ. शु. ११ चं. इ. ४४।२५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	६	६	७	४	८	५	११
२४	०	१२	८	१३	८	९	९
५८	४८	२१	९	२५	१६	४०	४०
१२	१३	१२	३५	१७	२७	११	११
५९	४०	९३	११	३६	३	३	३
३१	३७	५७	३७	५७	४९	११	११

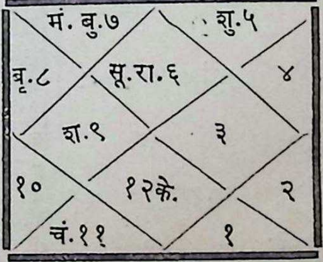

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२८	३३	१	श.	४२	१५	अ.	४६	४५	ह.	१४	२५	वा.	९	४४	कौ.	४२	१५	सौम्य	१७	१४	३०				६	१७	५	४३	६	२९	५	४८	५९	४१
२८	३०	२	र.	४६	३७	भ.	५३	१४	व.	१५	३७	तै.	१४	१६	ग.	४६	३७	कालदं	१८	१५	१				६	१८	५	४२	६	०	५	२९	५९	४३
२८	२६	३	चं.	५३	३७	कृ.	६०	०	सि.	१६	५६	व.	१९	५८	वि.	५३	३७	स्थिर	१९	१६	२	वृ.	१०	३	६	१९	५	४१	६	१	५	१२	५९	४६
२८	२३	४	मं.	५९	४७	कृ.	०	३१	व्य.	१९	१५	व.	२६	३८	वा.	५९	४७	गद	२०	१७	३				६	२०	५	४०	६	२	४	५८	५९	४९
२८	१९	५	बु.	६०	०	रो.	७	५६	व.	२१	३४	कौ.	२९	५३	तै.	६०	०	शुभ	२१	१८	४	मि.	४१	३५	६	२०	५	४०	६	३	४	४७	५९	५१
२८	१६	५	बृ.	६	२१	मृ.	१५	१४	प.	२३	५६	तै.	६	२१	ग.	३९	१८	मृत्यु	२२	१९	५				६	२१	५	३९	६	४	४	३८	५९	५३
२८	१२	६	शु.	१२	१५	आ.	२२	४१	शि.	२५	५६	व.	१२	१५	वि.	४४	३७	पद्म	२३	२०	६				६	२२	५	३८	६	५	४	३१	५९	५६
२८	९	७	श.	१७	१७	पु.	२८	५५	सि.	२७	१५	व.	१७	१७	वा.	४८	१	छत्र	२४	२१	७	क.	१२	२१	६	२२	५	३८	६	६	४	२७	५९	५८
२८	५	८	र	१८	४५	पु.	३३	४६	सा	२७	३१	कौ.	१८	३५	तै.	५०	१५	श्रीवत्स	२५	२२	८				६	२३	५	३७	६	७	४	२५	६०	०
२८	२	९	चं.	२१	४६	श्ले.	३६	५६	शु.	२६	२७	ग.	२१	४६	व.	५१	५९	सौम्य	२६	२३	९	सिं.	३६	५६	६	२४	५	३६	६	८	४	१५	६०	२
२८	०	१०	मं.	२२	१३	म.	३८	१४	शु.	२३	४१	वि.	२२	१३	व.	५१	१२	कालदं	२७	२४	१०				६	२४	५	३६	६	९	४	२७	६०	४
२७	५८	११	बु.	२०	१२	पू.	३७	२१	ब्र.	१९	३५	वा.	२०	१२	कौ.	४७	४४	स्थिर	२८	२५	११	कं.	५२	९	६	२५	५	३५	६	१०	४	३१	६०	७
२७	५५	१२	बृ.	१५	१७	उ.	३४	३५	ऐं.	१३	३४	तै.	१५	१७	ग.	४१	५८	मातंग	२९	२६	१२				६	२६	५	३४	६	११	४	३८	६०	९
२७	५१	१३	शु.	८	३९	ह.	२९	४५	वै.	६ ५२	५१ ५७	व.	८	३९	वि.	३५	२६	अमृतं	३०	२७	१३	तु.	५६	४८	६	२७	५	३३	६	१२	४	४७	६०	११
२७	४८	१४	श.	२ ५७	१४ १४	चि.	२३	४१	प्री.	४७	४३	श.	२	१४	च.	३० ४५	५९ २८	काण	३१	२८	१४				६	२८	५	३२	६	१३	४	५८	६०	१४

श्री शुभ संवत् २०१६ शके १८८१ कार्तिक कृष्णपक्षः।
याम्यायन गोलौ। अक्टूबर १७ से ३१ तक।
सं. तुलायामर्कः ५४।१४ विशाखा भे बुधः ५८।५९। उदीच्यांn
तृतीया भरणी योगे या.ज.मु.।
भ. १९।५८ उ. ५३।३७ या.। aस. सि.योगः ०।३१ या.।
स्वाती भे भौमः १५।५९। करक चतुर्थी। (करवा चौथ)। a
स. सि. योगः। दक्षिणस्यां यात्रा मु.।
अनु. ३ च. गुरुः ४८।१२। n यात्रा मु.।
भ. १२।१५ उ. ३४।४७ या.। b या.। प्रतीच्यां यात्रा मु.।
स्वाती भे रवि. ३०।१२। अहोई ८। यायी जय. मु. १७।१७ b
वृश्चिके बुधः। २०१७ स. सि. योगः। g स. सि. योगेश्च।
भ. ५१।५९ उ.। या. ज. मु. २१।४६। या.।
भ. २२।१३ या.। अनु. भे बुधः ५९।४८। c रात्रि व्रतम्
रम्भा ११ व्रतं सर्वेषाम्। उग्र कर्म मु.। d या. ज. मु.।
गोवत्स द्वादशी। प्रदोषः। यमाय दीपदानम्। त्रयोदशी योगे d
भ. ८।३९ उ. ३५।२६ या.। उ.फा.भे.शुक्रः १०।७। मासशिवc
महालक्ष्मी पूजनम् दीपावली। स्वाती योगे या. ज. मु. g

का. शु. ३ चं. इ. ४४।१३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	६	७	४	८	५	११
१	५	२२	९	८	८	९	९
५५	३७	२८	२२	८	४३	१७	१७
३७	३६	१३	३५	५२	५	५६	५६
५९	४०	८४	१२	४४	४	३	३
४६	४८	१५	१७	४५	३१	११	११

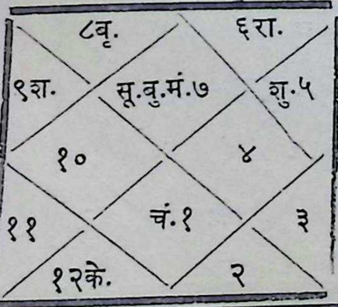

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.	तिथयः	२ र.	३ चं.	४ मं.	५ बु.	५ बृ.	६ शु.	७ श.	८ र.	९ च.	१० मं.	११ बृ.	१२ ब.	१३ शु.	१४ श.
कं. अं.	६ २६	तु. अं	८ ४०	८ ३५	८ ३०	८ २५	८ २१	८ १७	८ १४	८ १०	८ ६	८ २	७ ५८	७ ५४	७ ५०	७ ४७
तु. अं.	८ ४४	वृ. अं.	१० ५८	१० ५४	१० ४९	१० ४४	१० ३९	१० ३५	१० ३२	१० २८	१० २४	१० २०	१० १६	१० १२	१० ८	१० ५
वृ. अं.	११ २	ध. अं.	१ १	१२ ५६	१२ ५१	१२ ४७	१२ ४३	१२ ४०	१२ ३७	१२ ३३	१२ २९	१२ २५	१२ २१	१२ १७	१२ १३	१२ १०
ध. अं.	१ ६	म. अं.	२ ४८	२ ४५	२ ४०	२ ३५	२ ३०	२ २५	२ २२	२ १८	२ १४	२ १०	२ ६	२ २	१ ५८	१ ५५
म. अं.	२ ५२	कुं. अं.	४ १८	४ १३	४ ६	४ ३	३ ५८	३ ५५	३ ५२	३ ४८	३ ४४	५ ४०	३ ३६	३ ३२	३ ८	३ २५
कुं. अं.	४ २२	मी. अं.	५ ४५	५ ४०	५ ३५	५ ३०	५ २५	५ २२	५ १९	५ १५	५ ११	५ ७	५ ३	४ ५९	४ ५५	४ ५२
राशयः	रा०	राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मी. अं.	५ ४९	मे. अं.	७ २०	७ १५	७ १०	७ ५	७ १	६ ५८	६ ५५	६ ५१	६ ४७	६ ४३	६ ३९	६ ३५	६ ३१	६ २८
मे. अं.	७ २५	वृ. अं.	९ १६	९ १२	९ ७	९ ३	८ ५७	८ ५४	८ ५१	८ ४७	८ ४३	८ ३९	८ ३५	८ ३१	८ २७	८ २४
वृ. अं.	९ २१	मि. अं.	११ ३०	११ २५	११ २०	११ १५	११ ११	११ ८	११ ५	११ १	१० ५७	१० ५३	१० ४९	१० ४५	१० ४१	१० ३८
मि. अं.	११ ३५	क. अं.	१ ४९	१ ४५	१ ४०	१ ३६	२ ३१	१ २६	१ २३	१ १९	१ १५	१ ११	१ ७	१ ३	१२ ५९	१२ ५६
क. अं.	१ ५३	सि. अं.	४ ६	४ २	३ ५८	३ ५३	३ ५०	३ ४६	३ ४१	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २४	३ २०	३ १६	३ १३
सिं. अं.	४ १०	कं. अं.	६ २२	६ १८	६ १४	६ ११	६ ८	६ ५	६ १	५ ५७	५ ५४	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३८	५ ३५

का. कृ. ९ चं. इ. ४४।१

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	७	७	४	८	५	११
८	१०	१	१०	२३	९	८	८
५६	२४	४५	५०	४६	१३	५५	५५
३७	१७	३८	४७	५४	३४	४६	४६
६०	४०	७४	१२	५०	४	३	३
२	३५	३५	३६	२७	५१	११	११

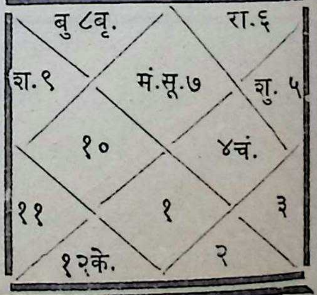

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र.			सू. उ		सू. अ.		आ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२७	४२	१	र.	४४	२६	स्वा	१७	१२	आ.	३७	२७	कि.	१९	३	व.	४४	२६	लुम्ब	१	२९	१५	वृ.	५६	२६	६	२८	५	३२	६	१४	४	१२	६०	१६
२७	३८	२	चं.	३५	१९	वि.	९	४४	सौ.	२६	५६	वा.	९	४२	कौ.	३५	१९	मित्र	२	३०	१६				६	२८	५	३२	६	१५	४	२८	६०	१८
२७	३५	३	मं.	२६	३३	अ.	२/५३	६/३७	शो	१६	३५	तै.	०	५१	ग.	२३/५३	३३/१०	वज्र	३	१	१७	ध.	५६	१३	६	२९	५	३१	६	१६	४	४६	६०	२०
२७	३२	४	बु.	१९	४७	मू.	५०	२२	अ.	३/२४	२०/४३	वि.	१९	४७	वव	४५	५०	ध्वज	४	२	१८				६	३०	५	३०	६	१७	५	६	६०	२१
२७	२९	५	बृ.	११	५३	पू.	४६	१९	धृ.	४९	३६	वा.	११	५३	कौ.	३८	४५	धाता	५	३	१९				६	३०	५	३०	६	१८	६	२७	६०	२३
२७	२६	६	शु.	६	३७	उ.	४३	१६	शू.	४२	४४	तै.	६	३७	ग.	३४	४६	आनन्द	६	४	२०	म.	०	२९	६	३१	५	२९	६	१९	६	५०	६०	२५
२७	२२	७	श.	२	५६	श्र.	४०	५६	गं.	३७	१७	व.	२	५६	वि.	३२	३८	स्थिर	७	५	२१				६	३२	५	२८	६	२०	७	१५	६०	२७
२७	२०	८	र.	०	४१	ध.	४२	१८	वृ.	३२	५६	वव	०	४१	बा.	३०	२७	मातंग	८	६	२२	कुं.	११	३७	६	३२	५	२८	६	२१	७	४२	६०	२८
२७	१६	९	चं.	०	१३	श.	४३	५७	ध्रु.	२९	५०	कौ	७	१३	तै.	३०	४३	अमृत	९	७	२३				६	३३	५	२७	६	२२	८	१०	६०	२९
२७	१३	१०	मं.	१	१४	पू.	४७	११	व्या	२७	५६	ग.	१	१४	व.	३२	१४	काण	१०	८	२४	मी.	३५	२१	६	३३	५	२७	६	२३	८	३९	६०	३१
२७	१०	११	बु.	३	१५	उ.	५१	२५	ह.	२६	५९	वि.	३	१५	वव	३४	५५	लुम्ब	११	९	२५				६	३४	५	२६	६	२४	९	१०	६०	३३
२७	८	१२	बृ.	६	३६	रे.	५६	१९	व.	२६	५७	वा.	६	३६	कौ.	३८	४६	मित्र	१२	१०	२६	मे.	५६	१९	६	३४	५	२६	६	२५	९	४३	६०	३४
२७	५	१३	शु.	१०	५७	अ.	६०	०	सि.	२७	२७	तै.	१०	५७	ग.	४३	३५	वज्र	१३	११	२७				६	३५	५	२५	६	२६	१०	१७	६०	३६
२७	२	१४	श.	१६	१४	अ.	२	३९	व्य.	२८	४१	व.	१६	१४	वि.	४९	४	सौम्य	१४	१२	२८				६	३६	५	२४	६	२७	१०	५३	६०	३६
२६	५६	१५	र.	२	५४	भ.	९	१६	व.	३०	३६	व.	२१	५४	वा.	५१	५९	कालदं	१५	१३	२९	वृ.	२६	५	६	३६	५	२४	६	२८	११	३१	६०	४०

श्री शुभ संवत् २०१६ शके १८८१ कार्तिक शुक्लपक्षः।
याम्यायन गोलौ। नवम्बर १ से १५ तक।

नवम्बर। अन्नकूट गोवर्धन पूजा। या. ज. मु.।
चन्द्रदर्शनम्। कन्या भे शुक्रः ४१।१२। यम २। भातृa
जमादि उल अव्वल। भ. ५३।१० उ.। eस. सि. योगः।
भ. १९।४७ या.। तीक्ष्ण कर्म मु.। c स.सि.योगः दक्षिण g
मूले ४ पादे शनिः १०।५। दारुण कर्म मु.। d सर्वेषाम्।
विशाखा भे रविः ४८।९। श्रवसि स. सि. योगः।
भ. २।५६ उ.३२।३८ या.। अनु.४ गुरुः ३८।१२। गोपाष्टमीc
तिथि दानात् दक्षिण यात्रा मु. ११।३७ या.।
अक्षय नवमी। चर कर्म मु.। f यात्रा मु.। स. सि. योगः।
भ. ३२।१४ उ.। उग्र कर्म मु.। gयात्रा मु. तिथि दानात्।
भ. ३।१५ या. विशाखा भे भौमः १३।७। प्रबोधिनी ११व्रतंd
ज्येष्ठा भे बुधः ६।१२। प्रदोषः। प्रदीच्यां यात्रा मुः।e
हस्ते शुक्रः ३।१२। वक्री बुधः ९।४९। वैकुण्ठ १४। प्राच्यांf
भ. १६।१४ उ. ४९।४ या.। b तृतीया योगे या.जय.मु.।
यायी जय. मु.। aद्वितीया। प्रतीच्यां यात्रा मु.अनु. भे।b

का. शु. २ चं. इ. ४३।४९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	७	७	५	८	५	११
१५	१५	९	१२	०	९	८	८
५४	११	५२	१८	९	४७	३३	३३
२	४३	४३	३५	३७	५०	२७	२७
६०	४१	६	१३	५४	५	३	३
१८	७	५	७	५९	२२	११	११

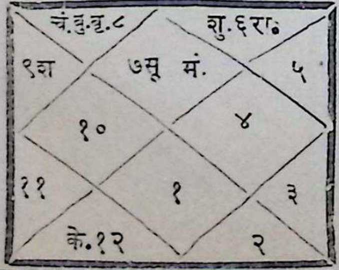

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१र.		२चं.		३ मं.		४ बु.		५ बृ.		६शु.		७ श.		८ र.	
तु. अं	७	४८	७	४४	७	३९	७	३५	७	३१	७	२७	७	२३	७	१९
वृ.. अं	१०	६	१०	२	९	५७	९	५३	९	४९	९	४५	९	४१	९	३७
ध. अं.	१२	११	१२	७	१२	२	११	५८	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२
म. अं.	१	५६	१	५२	१	४७	१	४३	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७
कुं. अं.	३	२६	३	२२	३	१७	३	१३	३	९	३	५	३	१	२	५७
मी. अं.	४	५३	५	४९	४	४४	४	४०	४	३६	४	३२	४	२८	४	२४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मे. अं.	६	२९	६	२५	६	२०	६	१६	६	१२	६	८	६	४	६	०
वृ. अं.	८	२५	८	२१	८	१६	८	१२	८	८	८	४	८	०	७	५६
मि. अं.	१०	३९	११	३५	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०
कं. अं.	१२	५७	१२	५३	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८
सिं अं.	३	१४	३	१०	३	६	३	१	२	५७	२	५३	२	४९	२	४५
कं. अं.	५	३०	५	२६	५	२१	५	१७	५	१३	५	९	५	५	५	१

तिथयः	९ चं.		१० मं.		११ बु.		१२ बृ.		१३ शु.		१४ श.		१५ र.	
तु. अं	७	१५	७	११	७	७	७	३	६	५९	६	५५	६	५१
वृ.. अं	९	३३	९	२९	९	२५	९	२१	९	१७	९	१३	९	९
ध. अं.	११	३८	११	३४	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४
म. अं.	१	२३	१	१९	१	१५	१	११	१	७	१	३	१२	५९
कुं. अं.	२	५३	२	४९	२	४५	२	४१	२	३७	२	३३	२	२९
मी. अं.	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मे. अं.	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६	५	३२
वृ. अं.	७	५२	७	४८	७	४४	७	४०	७	३६	७	३२	७	२८
मि. अं.	१०	६	१०	२	९	५८	९	५४	९	५०	९	४६	९	४२
कं. अं.	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०
सिं अं.	२	४१	२	३७	२	३३	२	२९	२	२५	२	२१	२	१७
कं. अं.	४	५७	४	५३	४	४९	४	४५	४	४१	४	३७	४	३३

का. शु. ९ चं. इ. ४३।३८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	७	७	५	८	५	११
२३	१९	१५	१३	६	१०	८	८
०	०	२९	४८	४६	४६	२१	११
११	२१	१४	४९	११	४४	३५	२५
६०	४१	२८	१३	५८	५	३	३
३९	१७	२५	२१	३७	५२	११	११

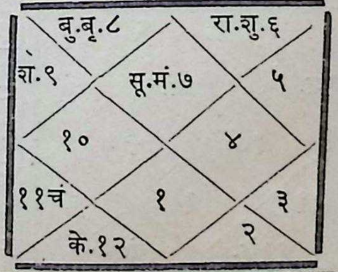

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	५७	१	चं.	२८	५	कृ.	१६	५४	प.	३२	३४	कौ.	२८	५	तै.	६०	०	स्थिर	१६	१४	३०				६	३७	५	२३	७	२३	१२	११	६०	४०
२६	१४	२	मं.	३४	३७	रो.	२२	५६	शि.	३४	४१	तै.	१	२६	ग.	३४	३७	मातंग	१७	१५	१				६	३७	५	२३	७	०	१२	५१	६०	४२
२६	५१	३	बु.	४०	४७	मृ.	३१	३१	सि.	३६	५६	व.	७	३७	वि.	४०	४७	अमृत	१८	१६	२	मि.	२	१३	६	३८	५	२२	७	१	१३	३२	६०	४४
२६	४९	४	बृ.	४६	४९	आ.	३८	५२	सा.	३९	३१	व.	१३	४८	वा.	४६	४९	चर	१९	१७	३				६	३८	५	२२	७	२	१४	१६	६०	४६
२६	४६	५	शु.	५०	५५	पु.	४५	२५	शु.	४०	३३	कौ	१८	५२	तै.	५०	५५	लुम्ब.	२०	१८	४	क.	२८	४६	६	३९	५	२१	७	३	१५	२	६०	४८
२६	४४	६	श.	५६	१९	पु.	५१	१२	शु.	४१	३९	ग.	२३	३२	व.	५६	१९	मित्र.	२१	१९	५				६	३९	५	२१	७	४	१५	५०	६०	४६
२६	४२	७	र.	५९	१३	श्ले.	५५	३४	व्र.	४१	३३	वि.	२७	३६	वव	५३	१३	वज्र	२२	२०	६	सिं.	५५	३४	६	४०	५	२०	७	५	१६	३९	६०	५०
२६	३९	८	चं.	६०	०	म.	५८	२५	ऐं.	३७	५६	वा.	२९	३२	कौ.	६०	०	ध्वांक्ष	२३	२१	७				६	४०	५	२०	७	६	१७	२९	६०	५२
२६	२७	८	मं.	० ५९	१३ २०	पू.	५९	१७	वै.	३७	१६	कौ	०	१३	तै.	३० ५९	५३ १३	धूम्र	२४	२२	८				६	४१	५	१९	७	७	१८	२१	६०	५४
२६	३३	१०	बु.	५५	५४	उ.	५८	१३	वि.	३३	१२	व.	२७	३०	वि.	५५	५४	प्रवर्ध.	२५	२३	९	कं.	१३	३८	६	४१	५	१९	७	८	१९	१५	६०	५६
२६	३२	११	बृ.	५१	५३	ह.	५५	२९	प्री.	२७	११	व.	२३	४३	वा.	५१	५३	चर	२६	२४	१०				६	४१	५	१९	७	९	२०	११	६०	५८
२६	३०	१२	शु.	४५	३१	चि.	५०	३७	आ.	१९	३६	कौ.	१८	४२	तै.	४५	३१	गद	२७	२५	११	तु.	२३	३	६	४२	५	१८	७	१०	२१	९	६०	५९
२६	२८	१३	श.	३७	३४	स्वा	४८	३१	सौ.	१०	५५	ग.	११	३३	व.	३७	३४	शुभ.	२८	२६	१२				६	४३	५	१७	७	११	२२	६	६१	०
२६	२६	१४	र.	२८	२५	वि.	३७	१९	शो.	१ ५३	४० २६	वि.	२	५८	श.	२८	२५	उत्पात	२९	२७	१३	वृ.	३९	३६	६	४३	५	१७	७	१२	२३	८	६१	२
२६	२५	३०	चं.	१९	५१	अ.	२९	३४	सु.	४९	२०	ना.	१९	५१	किं.	४५	३४	मानस	३०	२८	१४				६	४३	५	१७	७	१३	२४	१०	६१	३

श्री शुभ संवत् २०१६ शके १८८१ मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः।
नवम्बर १६ से ३० तक।

सं. वृश्चिके रविः ४७।४६। स. सि.योगः १६।२४ उ. ।a
वक्री अनुराधा भे बुधः २३।७।
भ. ७।३७ उ. ४०।४७ या.। स. सि. योगः ३१।३१ या.।
अनुराधा भे. रविः ५९।३१। पश्चिमास्तं बुधः १८।५। b
bपञ्चमी योगे या. ज. स. सि. योगः।
भ. ५६।१९ उ.। तिथि दानात् प्रतीच्यां यात्रा मु.।
भ. १७।३६ या.। अस्तं गुरुः २५।११। ज्येष्ठा भे गुरुः c
उग्र कर्म मु.। c ४५।११। या. ज. मु.।
वृश्चिके भौमः ८।४९।
भ. २७।३० उ. ५५।५४ या.। चित्रा भे शुक्रः ४०।१२।
उत्पन्ना ११ व्रतं स्मार्तानाम्। या. ज. मु.। प्राच्यां यात्रा मु.
उत्पन्ना ११ व्रतं वैष्णवानाम्। d मास शिवरात्रि व्रतम्।
भ. ३७।३४ उ.। अनुराधा भे भौमः ५६।१२। प्रदोषः। d
भ. २।५८ या.। a रोहिणी भे या. जय. मु. १८।५ या.।
सोमवती अमावस्या। कपिलधारा तीर्थ श्राद्धम्।

मा. कृ. १ चं. इ. ४३।१८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	७	७	५	८	५	११
२९	२४	१६	१५	१३	११	७	७
१२	४४	५०	२०	५१	४	४८	४८
११	१३	९	१३	३३	५३	५२	५२
६०	४१	३२ ३७	१३	५०	६	३	३
४०	३२	व.	१७	१४	२५	११	११

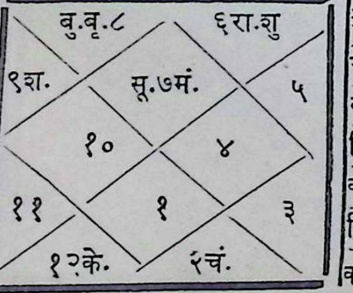

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.		तिथयः	२ मं.		३ बु.		४ बृ.		५ शु.		६ श.		७ र.		८ चं.		८ मं.		१० बु.		११ बृ.		१२ शु.		१३ श.		१४ र.		३० चं.	
तु. अं.	६	४७	वृ. अं.	९	१	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३६	८	३१	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७
वृ. अं	९	५	ध. अं.	११	६	११	१	१०	५७	१०	५३	१०	४९	१०	४५	१०	४१	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२
ध. अं.	११	१०	म. अं.	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२६	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	५	१२	१	११	५७
म. अं.	१२	५४	कुं. अं.	२	२१	२	१६	२	१२	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५१	१	४७	१	४३	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७
कुं. अं.	२	२५	मी. अं.	३	४८	३	४३	३	३९	३	३५	३	३१	३	२७	३	२३	३	१८	३	१४	३	१०	३	६	३	२	२	५८	२	५४
मी. अं.	३	५२	मे. अं.	५	२४	५	२०	५	१५	५	११	५	७	५	३	४	५९	४	५४	४	५०	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	४	३०
मे. अं.	रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
राशयः	५	२८	वृ. अं.	७	२०	७	१५	७	११	७	७	७	३	६	५९	६	५५	६	५०	६	४६	६	४२	६	३८	६	३४	६	३०	६	२६
वृ. अं	७	२४	मि. अं.	९	३४	९	२९	९	२५	९	२१	९	१७	९	१३	९	९	९	४	९	०	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०
मि. अं.	९	३८	क. अं.	११	५२	११	४७	११	४३	११	३९	११	३५	११	३१	११	२७	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	६	११	२	१०	५८
क. अं.	११	५६	सिं. अं.	२	९	२	४	२	०	१	५६	१	५२	१	४८	१	४४	१	४०	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५
सिं. अं.	२	१३	कं. अं.	४	२५	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५५	३	५१	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५	३	३१
कं. अं.	४	२९	तु. अं.	६	४३	६	३८	६	३४	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१३	६	९	६	५	६	१	५	५७	५	५३	४	४९

मा. कृ. ८ चं. इ. ४३।१९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	६	७	७	५	८	५	११
७	२९	८	१६	२१	११	७	७
८	४४	४८	५३	१७	४६	२६	२६
३२	१३	१४	१४	१२	१३	३६	३६
६०	४१	५८ १३	१३	१३	६	३	३
५२	३९	व.	३२	३६	३१	११	११

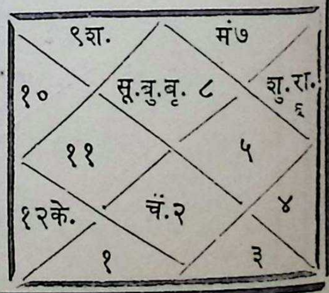

श्री शुभ संवत् २०१६ शके १८८१ मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः । याम्यायन गोलौ । दिसम्बर १ से १५ तक ।

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अ.	फा.	बं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	२३	१	मं.	१२	५६	ज्ये.	२१	४६	धृ.	२८	१६	व.	१२	५६	वा.	३९	९	मुद्गर	१	२९	१५	ध.	१२	४६	६	४३	५	१७	७	१४	२५	१३	६१	४
२६	२१	२	बु.	५/५३	२२/४६	मू.	१४	१५	शू.	१७	३५	कौ.	१५	२२	तै.	३२/५९	१५/८	ध्वज	२	१	१६				६	४४	५	१६	७	१५	२६	१७	६१	५
२६	२०	४	बृ.	४४	१४	पू.	७	५५	गं.	७/५५	५०/२	व.	१७	३८	वि.	४४	१४	धाता	३	२	१७	म.	२१	२५	६	४४	५	१६	७	१६	२७	१२	६१	६
२६	१८	५	शु.	३८	४४	उ.	१/५६	५/५१	ध्रु.	५१	३६	व.	११	२४	वा.	३८	४४	आनन्द	४	३	१८				६	४४	५	१६	७	१७	२८	२८	६१	७
२६	१७	६	श.	३५	१९	ध.	५८	३३	व्या	४५	५५	कौ.	६	५६	तै.	३५	१९	प्रवर्ध.	५	४	१९	कुं	२८	४०	६	४५	५	१५	७	१८	२९	३५	६१	८
२६	१५	७	र.	३३	४३	श.	५९	१७	ह.	४१	३६	ग.	४	२०	व.	३३	४३	राक्षस	६	५	२०				६	४५	५	१५	७	१९	३०	४३	६१	९
२६	१४	८	चं.	३४	१७	पू.	६०	०	व.	३८	५१	वि.	३	५६	वव	३४	१७	मुसल	७	६	२१	मी.	४६	५	६	४५	५	१५	७	२०	४१	५२	६१	११
२६	१२	९	मं.	३६	२५	पू.	१	४६	सि.	३७	३७	वा.	५	१६	कौ.	३६	२५	काण	८	७	२२				६	४६	५	१४	७	२१	४३	३	६१	१२
२६	११	१०	बु.	३९	५६	उ.	५	५५	व्य.	३७	५३	तै.	८	१०	ग.	३९	५६	लुम्ब	९	८	२३				६	४६	५	१४	७	२२	४४	१३	६१	१३
२६	१०	११	बृ.	४४	५९	रे.	११	१५	व.	३८	२१	व.	१२	२८	वि.	४४	५९	मित्र	१०	९	२४	मे.	११	१५	६	४६	५	१४	७	२३	४५	२६	६१	१४
२६	९	१२	शु.	५०	४५	अ.	१७	३२	प.	४०	१६	वव	१७	५२	बा.	५०	४५	वज्र	११	१०	२५				६	४६	५	१४	७	२४	४६	४०	६१	१५
२६	८	१३	श.	५७	१२	भ.	२३	४९	शि.	४१	५६	कौ.	२३	५३	तै.	५७	१२	ध्वांक्ष	१२	११	२६	वृ.	४०	३१	६	४६	५	१४	७	२५	४७	५५	६१	१६
२६	७	१४	र.	६०	०	कृ.	३२	३६	सि.	४३	५९	ग.	२८	३०	व.	६०	०	धूम्र	१३	१२	२७				६	४७	५	१३	७	२६	४९	११	६१	१७
२६	७	१४	चं.	३	२६	रो.	३९	५६	सा	४६	१५	व.	३	२६	त्रि.	३६	३५	प्रवर्ध.	१४	१३	२८				६	४७	५	१३	७	२७	५०	२८	६१	१८
२६	६	१५	मं.	९	४५	मृ.	४७	२३	शु.	४८	२१	व.	९	४५	वा.	४२	१२	रक्ष	१५	१४	२९	मि.	१३	३९	६	४७	५	१३	७	२८	५१	४६	६१	१९

चन्द्रदर्शनम् । दिसम्बर । तुलाभे शुक्रः ४२।३ । पूर्वोदयं a जमादि उस्सानी । a बुधः १२।७ । h योगः रेवती भे भ. १७।३८ उ. ४४।१४ या. । ज्येष्ठा भे. रविः ७।१२ । मार्गी बुधः ३।५ । स. सि. योगः १।५ उ. । प्राच्यां यात्रा मु. चम्पाषष्ठी । सप्तमी योगे या. ज. मु. । तिथि दानात् b भ. ३३।४३ उ. । g यात्रा मु. । ११।१५ या. स. सि. h भ. ३।५६ या. । स्वाती भे शुक्रः ३७।८ । ज्येष्ठा भे २ पादे c पूर्वाषाढ भे शनिः ५।१२ । उ.फा.भे ३ चरणे राहुः उ. भा. d रेवती भे प्रतीच्यां यात्रा मु. । d चरणे केतुः ३३।४ । भ. १२।२८ उ. ४४।२९ या. । अनु भे.बुधः ५१।९ मोक्षदा e स. सि.योगः १७।३२ या.। प्राच्यां यात्रा मु. । c गुरुः ५८।९ । प्रदोषः । या. ज. मु. २३।४९ या. । b प्रतीच्यां यात्रा मु. । विमल तीर्थ यात्रा । e११ व्रतं प्रायस्सर्वेषाम् । उदीच्यां g भ. ३।२६ उ. ३६।३५ या. । स. सि. योगः । या. ज. मु. f अस्तं शनिः ४।४८ । दक्षिणस्यां यात्रा मु. । f ३।२६ उ. ।

मा. शु. ८ चं. इ. ४३।७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	७	७	६	८	५	११
२१	९	१	१९	६	१३	६	६
१२	४३	२५	५६	४८	१७	४२	४२
३९	५८	३१	३७	३५	३५	१	१
६१	२	३६/५३	१३	६६	७	३	३
११	६	मा.	४२	३२	२	११	११

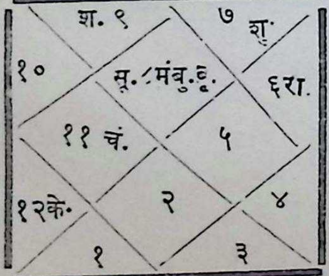

दैनिक लग्नसारिणी

राशयः	१मं.		२बु.		४बृ.		५शु.		६श.		७र.		८चं.		९मं.		१० बु.		११ बृ.		१२ शु.		१३श.		१४र.		१४चं.		१५मं.	
वृ. अं.	८	१	७	५७	७	५२	७	४८	७	४४	७	४०	७	३६	७	३२	७	२७	७	२२	७	१७	७	१३	७	९	७	५	७	१
ध. अं.	१०	६	१०	२	९	५७	९	५४	९	४९	९	४५	९	४१	९	३७	९	३२	९	२७	९	२२	९	१८	९	१४	९	१०	९	६
म. अं.	११	५१	११	४७	११	४२	११	३८	११	३४	११	३०	११	२६	११	२२	११	१७	११	१२	११	७	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	५१
कुं. अं.	१	२१	१	१७	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४७	१२	४२	१२	३७	१२	३३	१२	२९	१२	२५	१२	२१
मी. अं.	२	४९	२	४४	२	४०	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३	२	१९	२	१४	२	९	२	४	२	०	१	५६	१	५२	१	४८
मे. अं.	४	२४	४	२०	४	१५	४	११	४	७	४	३	३	५९	३	५५	३	५०	३	४५	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	६	२०	६	१६	६	११	६	७	६	३	५	५९	५	५५	५	५१	५	४६	५	४१	५	३६	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०
मि. अं.	८	३४	८	३०	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	०	७	५५	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४
क. अं.	१०	५२	१०	४८	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१८	१०	१३	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२
सि. अं.	१	९	१	५	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३५	१२	३०	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९
कं. अं.	३	२५	३	२१	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५६	२	५१	२	४६	२	४१	२	३७	२	३३	२	२९	२	२५
तु. अं.	५	४३	५	३९	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८	५	१४	५	९	५	४	५	०	४	५५	४	५१	४	४७	४	४३

मा. शु. १४ चं. इ. ४३।३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	७	७	६	८	५	११
२८	२४	६	२१	१४	१४	६	६
३१	३७	१३	३८	४८	५	१९	१९
३२	५२	२९	५३	५३	१०	५३	५३
६१	४२	९	१३	६४	७	३	३
१८	३	३८	५४	३८	१८	११	११

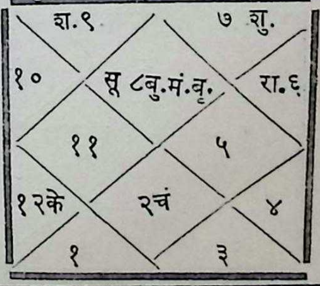

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ.स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	५	१	बु.	१५	५९	आ.	५४	२४	शू.	५०	२५	कौ.	१५	५९	तै.	४८	४९	मुसल	१६	१५	३०				६	४७	५	१३	७	२९	५३	५	६१	२०
२६	५	२	बृ.	२१	३९	पुन.	६०	०	व्र.	५१	३३	ग.	२१	३९	व.	५४	७	सिद्धि	१७	१६	१	क.	४४	९	६	४७	५	१३	८	०	५४	२५	६१	२०
२६	५	३	शु.	२६	३५	पु.	०	४४	ऐं.	५३	१९	वि.	२६	३५	व.	५८	३६	लुम्ब	१८	१७	२				६	४७	५	१३	८	१	५५	४५	६१	२१
२६	४	४	श.	३०	३७	पु.	६	३१	वैं.	५२	२५	त्र.	३०	३७	कौ	६०	०	मित्र	१९	१८	३				६	४७	५	१३	८	२	५७	५	६१	२१
२६	४	५	र.	३३	५६	श्ले.	११	१३	वि.	५१	३४	कौ.	२	१६	तै.	३३	५६	वज्र	२०	१९	४	सिं.	११	१३	६	४७	५	१३	८	३	५८	२६	६१	२२
२६	४	६	चं.	३५	१६	म.	१४	४७	प्री.	४९	४३	ग.	४	१६	व.	३५	१	ध्वांक्ष	२१	२०	५				६	४७	५	१३	८	४	५९	४८	६१	२३
२६	४	७	मं.	३५	२३	पू.	१६	५५	आ.	४६	३९	वि	५	१४	वव	३५	२३	धूम्र	२२	२१	६	कं.	३२	५	६	४७	५	१३	८	६	१	१	६१	२३
२६	४	८	बु.	३४	५	उ.	१७	३४	सौ.	४३	१७	वा.	४	४२	कौ.	३४	५	प्रवर्द्ध.	२३	२२	७				६	४७	५	१३	८	७	२	३४	६१	२४
२६	४	९	बृ	३१	१४	ह.	१६	२९	शो.	३६	५४	तै.	२	३३	ग.	२/५८	१४/४५	राक्षस	२४	२३	८	तु.	४५	७	६	४७	५	१३	८	८	३	५८	६१	२४
२६	४	१०	शु.	२६	१७	चि.	१३	४६	अ.	२८	५१	वि.	२६	१७	व.	५३	१६	मुसल	२५	२४	९				६	४७	५	१३	८	९	५	२३	६१	२५
२६	४	११	श.	२०	१५	स्वा	९	४६	सु.	२१	३९	वा.	२०	२५	कौ.	४६	२८	सिद्धि	२६	२५	१०	वृ.	४९	५४	६	४७	५	१३	८	१०	६	४७	६१	२५
२६	४	१२	र.	१२	४१	वि.	३/५४	१७/१७	धृ.	१[illegible]	४५	तै.	१२	४१	ग.	३८	२७	उत्पात	२७	२६	११				६	४७	५	१३	८	११	८	१२	६१	२६
२६	५	१३	चं.	४/५५	१३/३२	ज्ये.	४/०	१७/१	शू.	२/५५	४०/१४	व.	४	१३	वि.	३२	२	पद्म	२८	२७	१२	ध.	५०	१५	६	४७	५	१३	८	१२	९	३८	६१	२६
२६	५	३०	मं.	४६	१९	मू.	४२	४१	वृ.	४०	४१	च.	२	१	ना.	४५	१९	छत्र	२९	२८	१३				६	४७	५	१३	८	१२	११	४	६१	२६

श्री शुभ संवत् २०१६ शाके १८८१ पौष कृष्णपक्षः याम्यायन गोलौ। दिसम्बर १६ से २९ तक।

सं. मूले धनुष्यर्कः ६।४६।

भ. ५४।७ उ.। उदयं गुरुः ५९।५५। ज्येष्ठा भे ३९।१२। a

भ. २६।३५ या.। उदीच्यां यात्रा मु.।

विशाखा भे शुक्रः ९।७।

ज्येष्ठा भे बुधः १५।३। यायी जय. मु. ११।१३ या.।

भ. ३५।१६ उ.। a पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.। स.सि.योगः।

भ. ५।१४ या.। ज्येष्ठा भे ३ चरणे गुरुः १३।५२

भौमोदयः ५५।५६।

भ. ५८।४५ उ.। यायी जय मु. १६।२९ या.। b

भ. २६।१७ या.। b तिथि दानात् प्राच्यां यात्रा मु.।

सफला ११ व्रतं सर्वेषाम्। यायी जय मु. ९।४६ या.। c

वृश्चिके शुक्रः ४०।८। प्रदोषः। त्रयोदश्यां यायी जय मु.

भ. ४।१३ उ. ३२।२ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्।

पूर्वाषाढ भे सूर्यः ११।५२ c स. सि. योगः ९।४६।

पौषकृष्ण ६ चं. इ. ४३।२

सू.	म.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	७	७	७	६	८	५	११
५	१९	१७	२३	२२	१४	५	५
४०	३६	४	६	५७	४८	५७	५७
५७	४५	३३	२९	४	५२	४२	४८
६१	४२	१५	१३	६८	७	३	३
२३	१३	७	२९	२५	१५	११	११

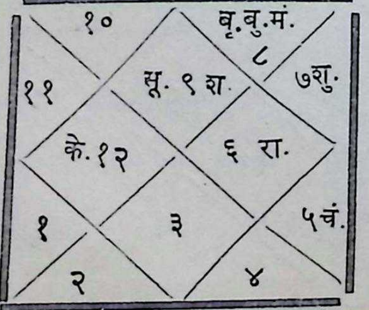

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१बु.	राशयः	२बृ.	३शु.	४श.	५र.	६चं.	७मं.	८बु.	९बृ.	१०शु.	११श.	१२र.	१३चं.	३०मं.
वृ. अं.	६ ५४	ध. अं.	८ ५६	८ ५१	८ ४६	८ ४१	८ ३७	८ ३३	८ २९	८ २४	८ २०	८ १५	८ ११	८ ७	८ ३
ध. अं.	९ ०	म. अं.	१० ४१	१० ३६	१० ३१	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० ९	१० ४	१० ०	९ ५६	९ ५२	९ ४८
म. अं.	१० ४५	कुं. अं.	१२ ११	१२ ६	१२ १	११ ५६	११ ५२	११ ४८	१२ ४४	११ ३९	११ ३४	११ ३०	११ २६	११ २२	११ १८
कु. अं.	१२ १५	मी. अं.	१ ३८	१ ३३	१ २८	१ २३	१ १९	१ १५	१ ११	१ ६	१ १	१२ ५७	१२ ५३	१२ ४९	१२ ४५
मी. अं.	१ ४२	मे. अं.	३ १४	३ ९	३ ४	२ ५९	२ ५५	२ ५१	२ ४७	२ ४२	२ ३७	२ ३३	२ २९	२ २५	२ २१
मे. अं.	३ १८	वृ. अं.	५ १०	५ ५	५ ०	४ ५५	४ ५१	४ ४७	४ ४३	४ ३८	४ ३३	४ २९	४ २५	४ २१	४ १७
राशयः	रा०	राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ. अं.	५ १४	मि. अं.	७ २४	७ १९	७ १४	७ ९	७ ५	७ १	६ ५७	६ ५२	६ ४७	६ ४३	६ ३९	६ ३५	६ ३१
मि. अं.	७ २८	क. अं.	९ ४२	९ ३७	९ ३२	९ २७	९ २३	९ १९	९ १५	९ १०	९ ५	९ १	८ ५७	८ ५३	८ ४९
क. अं.	९ ४६	सि. अं.	११ ५९	११ ५४	११ ४९	११ ४४	११ ४०	११ ३६	११ ३२	११ २७	११ २२	११ १८	११ १४	११ १०	११ ६
सिं. अं.	१२ ३	कं. अं.	२ १५	२ १०	२ ५	२ ०	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४३	१ ३८	१ ३४	१ ३०	१ २६	१ २२
कं. अं.	२ १९	तु. अं.	४ ३३	४ २८	४ २३	४ १९	४ १४	४ १०	४ ६	४ १	३ ५६	३ ५२	३ ४८	३ ४४	३ ४०
तु. अं.	४ ३७	वृ. अं.	६ ५१	६ ४६	६ ४१	६ ३६	६ ३२	६ २८	६ २४	६ १९	६ १४	६ १०	६ ६	६ २	५ ५८

पौ. कृ. १३ चं. इ. ४३।३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	७	७	७	७	८	५	११
१२	३४	२७	२४	१	१५	५	५
५०	४९	१	४४	१५	४३	३५	३५
३६	३३	४५	५३	१८	५२	४२	४२
६१	४२	४४	१३	६९	७	३	३
२६	२७	१२	९	३५	२८	११	११

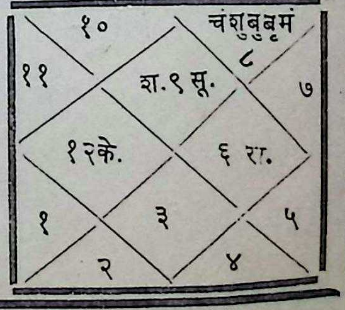

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
																						रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२६	७	१	बु.	३६	१६	पू.	३५	१७	ध्रु.	२९	५४	कि.	१०	४२	वव	३६	१६	श्रीवत्स	३०	२९	१४	म.	४८	४१	६	४७	५	१३	८	१४	१२	३०	६१	२६
२६	७	२	बृ.	२७	५५	उ	२८	५३	व्या	१९	५९	वा.	१	५९	कौ.	२७	५५	सौम्य	३१	३०	१५				६	४७	५	१३	८	१५	१३	५६	६१	२६
२६	८	३	शु.	२१	१४	श्र.	२३	५५	ह.	११	१५	ग.	२१	१४	व.	४८	४३	धूम्र	१	१	१६	कुं.	५४	५०	६	४६	५	१४	८	१६	१५	२२	६१	२६
२६	९	४	श.	१६	१२	ध.	२०	५४	व.	३/५४	१६/३	वि.	१६	१२	व.	४४	३९	प्रवर्ध	२	२	१७				६	४६	५	१४	८	१७	१६	४८	६१	२६
२६	१०	५	र.	१३	६	श.	१९	१३	व्य.	५३	२१	वा	१३	६	कौ.	४२	३९	राक्षस	३	३	१८				६	४६	५	१४	८	१८	१८	१४	६१	२६
२६	११	६	चं.	१२	१२	पू.	२०	१५	व.	५०	३६	तै.	१२	१२	ग.	४२	४६	मुसल	४	४	१९	मी.	५	०	६	४६	५	१४	८	१९	१९	४०	६१	२६
२६	१२	७	मं.	१३	२१	उ.	२२	५१	प.	४९	३८	व.	१३	२१	वि.	४४	५६	सिद्धि	५	५	२०				६	४६	५	१४	८	२०	२१	६	६१	२६
२६	१४	८	बु.	१६	३१	रे	२७	४१	शि.	४९	५९	व.	१६	३१	वा.	४८	५३	उत्पात	६	६	२१	मे	२७	४१	६	४६	५	१४	८	२१	२२	३२	६१	२६
२६	१५	९	बृ.	२१	१५	अ.	३३	५१	सि.	५१	९	कौ.	२१	१५	तै.	५५	१६	मानस	७	७	२२				६	४६	५	१४	८	२२	२३	५८	६१	२६
२६	१७	१०	शु.	२९	१८	भ.	४१	११	सा.	५३	१९	ग.	२९	१८	व.	६०	०	मुद्गर	८	८	२३	वृ.	५८	१	६	४६	५	१४	८	२३	२५	२४	६१	२५
२६	१८	११	श.	३३	३२	कृ.	४८	३३	शु.	५५	२६	व.	१	२१	वि.	३३	३२	ध्वज	९	९	२४				६	४६	५	१४	८	२४	२६	४९	६१	२५
२६	२०	१२	र.	४०	१४	रो.	५६	१४	शु.	५७	५४	ब.	६	५३	वा.	४०	१४	धाता	१०	१०	२५				६	४५	५	१५	८	२५	२८	१४	६१	२५
२६	२१	१३	चं.	४६	३९	मृ.	६०	०	ब्र.	५९	४९	कौ.	१३	२६	तै.	४६	३९	आनंद	११	११	२६	मि.	२९	५०	६	४७	५	१३	८	२६	२९	३९	६१	२४
२६	२३	१४	मं.	५२	३९	मृ.	३	२६	ऐं.	६०	०	ग.	१९	३४	व.	५२	३९	राक्षस	१२	१२	२७				६	४५	५	१५	८	२७	३१	३	६१	२४
२६	२५	१५	बु.	५७	४७	आ.	१०	३९	ऐं.	१	३१	वि.	२५	४	वव	५७	४७	मुसल	१३	१३	२८	क.	४९	२७	६	४४	५	१६	८	२८	३२	२७	६१	२३

श्री शुभ संवत् २०१६ शके १८८१ पौष शुक्लपक्षः । याम्यायन गोलौ । दिस. ३० से जनवरी १३ सन् १९६० तक ।

अनुराधा भे शुक्रः ३२।२९ । उग्र कर्म मु. । c यात्रा मु. ।
चन्द्रदर्शनम् । स्थिर कर्म मु. । b योगे या. ज. मु. ।
जनवरी १९६० ई. । भ. ४८।४३ उ. । मूले धनुषि बुधः a
भ. १६।१२ या. । पञ्चमी योगे २०।४५ या. ज. मु. ।
चर कर्म मु. । a ४६।५९ । रज्जब । स.सि.योगः । २३।५५ या. ।
मूले धनुषि भौमः ५८।५६ । पूर्वास्तं बुधः ११।९ । उत्तरा-b
भ. १३।२१ उ. ४४।४६ या. । पूर्वाषाढ़ भे २ पादे शनिः ३८।९ ।
ज्येष्ठा भे ४ चरणे गुरुः ३०।५९ । तिथि दानात् प्रतीच्यांc
तिथि दानात् पूर्वोत्तरौ यात्रा मु. । स.सि.योगः ३३।५१ या.
पूर्वाषाढ़ भे बुधः ४६।३९ । d स.सि.योगः ४८।३३ उ. ।
भ. १।२१ उ. ३३।३२ या. । पुत्रदा ११ व्रतं सर्वेषाम् ।d
ज्येष्ठा भे शुक्रः ३६।७ । e पश्चिमी यात्रा मु. । स.सि.योगः ।
उत्तराषाढ़ भे रविः १४।५ । प्रदोषः । मिथुने चन्द्रे दक्षिण-e
भ. ५२।३९ उ. । दक्षिणस्यां यात्रा मु. ३।२६ या. ।
भ. २५।४ या. । माघस्नानारम्भः ।

पौ. शु. ६ चं. इ. ४३।५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	७	८	७	७	८	५	११
२०	२९	७	२६	९	१६	५	५
१	४९	२१	१२	३१	३३	१३	१३
१४	१२	१५	१९	१५	१५	१६	१६
६१	४२	९४	१३	०	७	३	३
२६	४७	३५	१७	१५	२१	११	११

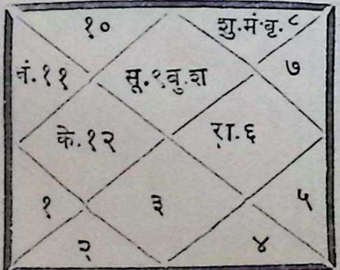

दैनिकलग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.		२ बृ.		३ शु.		४ श.		५ र.		६चं.		७ मं.		८बु.		९बृ.		१०शु.		११श.		१२र.		१३ चं.		१४मं.		१५ बु.	
ध. अं.	७	५९	७	५५	७	५०	७	४५	७	४१	७	३७	७	३३	७	२९	७	२४	७	१९	७	१४	७	९	७	५	७	१	६	५७
म. अं.	९	४४	९	४०	९	३५	९	३०	९	२६	९	२२	९	१८	९	१४	९	९	९	४	८	५९	८	५४	८	५०	८	४६	८	४२
कुं. अं.	११	१४	११	१०	११	५	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	३९	१०	३४	१०	२९	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२
मी. अं.	१२	४१	१२	३७	१२	३२	१२	२७	१२	२३	१२	१९	१२	१५	१२	११	१२	६	१२	१	११	५६	११	५१	११	४७	११	४३	११	३९
मे. अं.	२	१७	२	१३	२	८	२	३	१	५९	१	५५	१	५१	१	४७	१	४२	१	३७	१	२३	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५
वृ. अं.	४	१३	४	९	४	४	४	०	३	५५	३	५१	३	४७	३	४३	३	३८	३	३३	३	२८	३	२३	३	३९	३	१५	३	११
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मि. अं.	६	२७	६	२३	६	१८	६	१३	६	९	६	५	६	१	५	५७	५	५२	५	४७	५	४२	५	३७	५	३३	५	२९	५	२५
क. अं	८	४५	८	४१	८	३७	८	३२	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	१०	८	५	८	०	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३
सिं. अं	१२	२	१०	५८	१०	५३	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२७	१०	२२	१०	१७	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०
कं. अं	११	८	१	१४	१	९	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४३	१२	३८	१२	३३	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६
तु. अं.	३	३६	३	३२	३	२७	३	२२	३	१८	३	१४	३	१०	३	६	३	१	२	५६	२	५१	२	४६	२	४२	२	३८	२	३४
वृ. अं.	५	५४	५	५०	५	४५	५	४०	५	३६	५	३२	५	२८	५	२४	५	१९	५	१४	५	९	५	४	५	०	४	५६	४	५२

पौ. शु. १३ चं. इ. ४३।११

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	८	८	७	७	८	५	११
२७	४	१८	२७	१८	१७	४	४
१०	५९	१२	४७	१	२२	५०	५०
३७	१५	५६	३५	१५	२५	४९	४९
६१	४२	९८	१२	७०	७	३	३
२४	५३	४२	४८	४८	१६	११	११

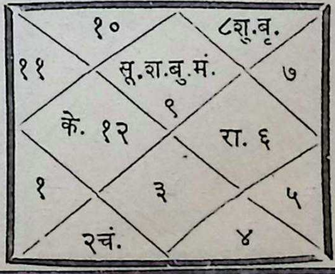

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं.रा.प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	२७	१	वृ.	६०	०	पुन	१६	३६	वै.	२	३७	वा.	२८	५०	कौ.	६०	०	सिद्धि	१४	१४	२९				६	४३	५	१७	८	२९	३३	५०	६१	२३
२६	२९	१	शु.	१	५६	पु.	२१	५१	वि.	३	१	कौ.	१	५६	तै.	३३	३५	उत्पात	१५	१५	१				६	४२	५	१८	९	०	३५	१३	६१	२२
२६	३१	२	श.	५	१४	श्ले	२५	५४	प्री.	२	१७	ग.	५	१४	व.	३६	१९	मानस	१६	१६	२	सिं.	२५	५४	६	४२	५	१८	९	१	३६	३५	६१	२१
२६	३२	३	र.	७	२५	म.	२८	१७	आ.	१/५७	२६/५९	वि.	७	२५	वव	३७	५९	मुद्गर	१७	१७	३				६	४१	५	१९	९	२	३७	५६	६१	२४
२६	३५	४	चं.	८	३४	पू.	३१	११	शो.	५६	३५	वा.	८	३४	कौ.	३८	३५	ध्वज	१८	१८	४	कं.	४६	२७	६	४१	५	१९	९	३	३९	१६	६१	१९
२६	३७	५	मं.	८	३६	उ.	३२	१६	अ.	५२	५३	तै.	८	३६	ग.	३६	५६	धाता	१९	१९	५				६	४१	५	१९	९	४	४०	३५	६१	१८
२६	४०	६	बु.	७	३६	ह.	३२	३३	सु.	४८	१६	व.	७	३६	वि.	३६	२६	आनन्द	२०	२०	६				६	४०	५	२०	९	५	४१	५३	६१	१७
२६	४२	७	वृ.	५	१६	चि.	३०	५९	धृ.	४२	४१	वव	५	१६	वा.	३३	३६	चर	२१	२१	७	तु.	१	४६	६	४०	५	२०	९	६	४३	१०	६१	१६
२६	४४	८	शु.	१/५५	५६/३६	स्वा	२८	४४	शू.	३६	१७	कौ.	१	५६	तै.	२९/५७	३६/३२	गद	२२	२२	८				६	३९	५	२१	९	७	४४	२६	६१	१५
२६	४७	१०	श.	५२	२६	वि.	२५	१५	गं.	२८	४४	व.	२४	५३	वि.	५२	२६	शुभ	२३	२३	९	वृ.	११	८	६	३९	५	२१	९	८	४५	४१	६१	१४
२६	३४	११	र.	४५	१७	अ.	२०	४३	वृ.	२०	३४	वव	१८	४१	वा.	४५	१७	अमृत	२४	२४	१०				६	३९	५	२१	९	९	४६	५५	६१	१३
२६	५२	१२	चं.	३७	३५	ज्ये.	१५	११	ध्रु.	११	२७	कौ.	११	२१	तै.	३७	३५	पद्म	२५	२५	११	ध.	१५	११	६	३८	५	२२	९	१०	४८	८	६१	१३
२६	५४	१३	मं.	२९	३५	मू.	९	१५	व्या	५/५५	५०/५	ग.	३	३०	व.	२९	३५	शुभ	२६	२६	१२				६	३८	५	२२	९	११	४९	२१	६१	१२
२६	५७	१४	बु.	२१	२१	पू.	२/४	५३/४५	व.	४२	६	श.	२१	११	च.	४७	१६	श्रीवत्स	२७	२७	१३	म.	१६	३४	६	३८	५	२२	९	१२	५०	३३	६१	११
२७	०	३०	बृ.	१३	११	श्र.	५०	५४	सि.	३२	५३	ना.	१३	११	कि.	३९	१३	ध्वज	२८	२८	१४				६	३७	५	२३	९	१३	४१	४४	६१	१०

श्री शुभ संवत् २०१६ शके १८८१ माघ कृष्णपक्षः।
सौम्यायनम् याम्यगोलः। जनवरी १४ से २८ तक।

सं. मकरेऽर्कः २५।३५। पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. वैधृत्योपरि a
उदीच्यां यात्रा मु.। a स.सि. योगः। या. ज. मु. १६।३६ या.।
भ. ३६।१९ उ.। तृतीया योगे या. जय. २५।५४ या.।
भ. ७।३५ या.। शन्योदयः २१।७। उत्तराषाढ़ भे बुधः ७।८।
उग्र कर्म मु.।
मकरे बुधः ४।२। हस्त भे दक्षिण पूर्वं यात्रा मु. तिथिदानात्।
भ. ८।३६ उ. ३६।२६ या.। भद्रा प्राक् याम्य पूर्वौ यात्रा मु. b
धनुषि शुक्रः ४६।१२। b स. सि. योगः।
पूर्वाषाढ़ भे भौमः ५७।३२। मूले १ धनुषि गुरुः ३८।५२।
भ. २४।५३ उ. ५२।२६ या.।
श्रवण भे बुधः १।५। श्रवण भे रविः १६।९। षट्तिला c
षट्तिला ११ व्रतं वैष्णवानाम्। मूल भे स. सि. योगः।
भ. २९।३५ उ. ५२।२८ या.। प्रदोषः। मासशिवरात्रि व्रतम्।
उग्र कर्म मु.। c ११ व्रतं स्मार्तानाम्। या. ज. मु.।
चर कर्म मु.।

माघ कृ. ४ चं. इ. ४३।१६

सू.	मं.	वु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	८	८	७	७	८	५	११
४	१०	२९	२९	२६	१८	४	४
२०	९	२७	१४	२२	११	२८	२८
१४	२३	१६	२३	१७	२९	३५	३५
६१	४३	१०१	१२	७१	७	३	३
१९	१४	५४	२२	२७	९	११	११

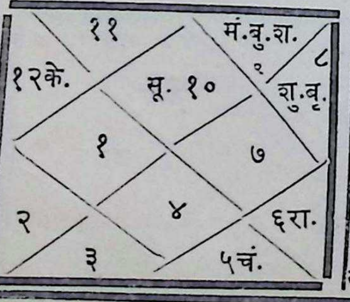

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.	तिथयः	१ शु.	२ श.	३ र.	४ चं.	५ मं.	६ बु.	७ बृ.	८ शु.	१० श.	११ र.	१२ चं.	१३ मं.	१४ बु.	३० बृ.
घ. अं.	६ ५२	म. अं.	८ ३३	८ २८	८ २३	८ १८	८ १३	८ ९	८ ५	८ १	७ ५७	७ ५३	७ ४९	७ ४५	७ ४१	७ ३८
म. अं.	८ ३७	कुं. अं.	१० ३	९ ५८	९ ५३	९ ४८	९ ४३	९ ३९	९ ३५	९ ३१	९ २७	९ २३	९ १९	९ १५	९ ११	९ ८
कुं. अं.	१० ७	मी. अं.	११ ३०	११ २५	११ २०	११ १५	११ १०	११ ६	११ २	१० ५८	१० ५५	१० ५०	१० ४६	१० ४२	१० ३८	१० ३५
मी. अं.	११ ३४	मे. अं.	१ ६	१ २	१२ ५८	१२ ५४	१२ ५०	१२ ४६	१२ ४२	१२ ३८	१२ ३४	१२ ३०	१२ २६	१२ २१	१२ १७	१२ १३
मे. अं.	१ १०	वृ. अं.	२ २	१ ५८	१ ५३	१ ४९	१ ४५	१ ४१	१ ३७	१ ३३	१ ३०	१ २६	१ २२	१ १८	१ १४	१ १०
वृ. अं.	३ ६	मि. अं.	५ १६	५ १२	५ ७	५ ४	५ ०	४ ५६	४ ५१	४ ४७	४ ४३	४ ३९	४ ३५	४ ३१	४ २७	४ २३
राशयः	रा०	राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मि. अं.	५ २०	क. अं.	७ ३४	७ ३०	७ २५	७ २१	७ १७	७ १२	७ ८	७ ४	७ ०	६ ५६	६ ५२	६ ४८	६ ४४	६ ४०
क. अं.	७ ३८	सिं. अं.	९ ५१	९ ४६	९ ४१	९ ३६	९ ३१	९ २७	९ २३	९ १९	९ १५	९ ११	९ ७	९ ३	८ ५९	८ ५६
सिं. अं.	९ ५५	कं. अं.	१२ ७	१२ २	११ ५७	११ ५२	११ ४७	११ ४३	११ ३९	११ ३५	११ ३१	११ २७	११ २३	११ १९	११ १५	११ १२
कं. अं.	१२ ११	तु. अं.	२ २५	२ २०	२ १५	२ १०	२ ५	२ १	१ ५७	१ ५३	१ ४९	१ ४५	१ ४१	१ ३७	१ ३३	१ ३०
तु. अं.	२ २९	वृ. अं.	४ ४३	४ ३८	४ ३३	४ २८	४ २३	४ १९	४ १५	४ ११	४ ७	४ ३	३ ५९	३ ५५	३ ५१	३ ४८
वृ. अं.	४ ४७	घ. अं.	६ ४८	४ ४३	६ ३८	६ ३३	६ २८	६ २४	६ २०	६ १६	६ १२	६ ८	६ ४	६ ०	५ ५६	५ ५३

माघ कृ. १२ चं. इ. ४३।२६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	८	९	८	८	८	५	११
११	१५	१३	०	५	१८	४	४
२९	२१	७	३८	१	१८	६	६
१२	३७	३७	३५	४७	३६	२८	२८
६१	४३	१०५	१२	७१	७	३	३
१३	१७	४२	३	४५	२	११	११

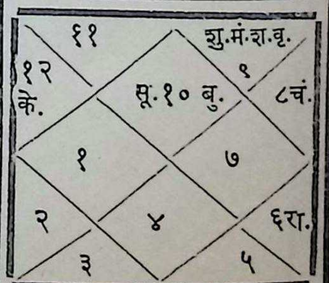

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि
२७	३	१	शु.	६	१५	ध.	४६	३७	व्य.	२४	३७	व.	६	१५	वा.	३३	१५	धाता	२९	२३	१५	कुं.	१८	४५	६	३५	५	२५	९	१४	५२	५४	६१	८
२७	६	२	श.	० ५५	१६ ३३	श.	४३	५५	व.	१७	२९	कौ.	०	१६	तै.	२८ ५७	२ ४९	आनंद	३०	१	१६				६	३५	५	२५	९	१५	५४	२	६१	७
२७	८	४	र.	५५	१७	पू.	४३	२	प.	११	४१	व.	२५	४३	वि.	५५	१७	चर	३१	२	१७	मी.	४४	२७	६	३४	५	२६	९	१६	५५	९	६१	६
२७	११	५	चं.	५४	१४	उ.	४४	३१	शि.	७	४५	वव	२४	४५	वा.	५४	१४	गद	१	३	१८				६	३४	५	२६	९	१७	५६	१५	६१	४
२७	१४	६	मं.	५६	३३	रे.	४७	५१	सि.	५	३३	कौ.	२५	१८	तै.	५६	३३	शुभ	२	४	१९	मे	४७	५१	६	३३	५	२७	९	१८	५७	१९	६१	३
२७	१७	७	बु.	६०	०	अ.	५२	५५	सा.	४	५६	ग.	२८	१२	व.	६०	०	मृत्यु	३	५	२०				६	३३	५	२७	९	१९	५८	२२	६१	२
२७	२०	७	बृ.	०	२५	भ.	५९	३६	शु.	५	१४	व	०	१५	वि.	३२	४१	पद्म	४	६	२१				६	३२	५	२८	९	२०	५९	२४	६१	१
२७	२१	८	शु.	४	५७	कृ.	६०	०	शु.	६	४९	वव	४	५७	वा.	३८	२५	छत्र	५	७	२२	वृ.	१६	२१	६	३१	५	२९	९	२२	०	२५	६१	०
२७	२७	९	श.	११	५४	कृ.	६	३५	ब्र.	८	४९	कौ.	११	५४	तै.	४५	१६	ध्वज	६	८	२३				६	३१	५	२९	९	२३	१	२५	६०	५८
२७	३०	१०	र.	१८	३९	रो.	१४	१६	ऐं.	११	१७	ग.	१८	३९	व.	५१	४६	धाता	७	९	२४	मि.	४८	०	६	३०	५	३०	९	२४	२	२३	६०	५६
२७	३३	११	चं.	२४	५३	मृ.	२१	४५	वै.	१३	२४	वि.	२४	५३	वव	५७	४६	आनंद	८	१०	२५				६	२९	५	३१	९	२५	३	१९	६०	५५
२७	३६	१२	मं.	३०	२९	आ.	२८	४७	वि.	१५	११	वा.	३०	२९	कौ.	६०	०	चर	९	११	२६				६	२९	५	३१	९	२६	४	१४	६०	५३
२७	३९	१३	बु.	३५	३७	पुन.	३४	४५	प्री.	१६	१५	कौ.	३	८	तै.	३५	३७	गद	१०	१२	२७	क.	१८	१६	६	२८	५	३२	९	२७	५	७	६०	५१
२७	४३	१४	बृ.	३९	११	पु.	३९	३४	आ	१६	१९	ग.	७	२४	व.	३९	११	शुभ	११	१३	२८				६	२७	५	३३	९	२८	५	५८	६०	४९
२७	४६	१५	शु.	४१	३४	श्ले.	४३	१३	सौ.	१५	२७	वि	१०	२०	वव	४१	३४	मृत्यु	१२	१४	२९	सिं.	४३	१३	६	२७	५	३३	९	२९	६	४७	६०	४७

श्री शुभ संवत् २०१६ शके १८८१ माघ शुक्लपक्षः ।
सौम्यायनम् । याम्यगोलः । जन.२९ से फरवरी १२ तक ।

चन्द्रदर्शनम् ।
शावान । चर कर्म मु. । aभे बुधः ५०।३९ । श्री पञ्चमीb
भ.२५।४३ उ.५५।१७ या. । गणेश ४ व्रतम् । उग्र कर्म मु.
फरवरी । पूर्वाषाढ़ भे शुक्रः ३५।१२ । या. ज. मु. धनिष्ठाa
स. सि. अ. सि. योगः ४७।५१ उ. । b वसन्त पञ्चमी ।
पूर्वाषाढ़ भे ३ चरणे शनि५६।७। रथसप्तमी। प्राच्यांयात्रामु.।
भ. ०।१५ उ. ३२।४१ या. । या. जय. ९०।२५ या. ।
कुम्भे बुधः ३८।१३ । भीष्माष्टमी । d द्वादशी ।
धनिष्ठा भे रविः ३१।५९ । स. सि. योगः ६।३५ उ. ।
भ. ५१।४६ उ. । दक्षिणस्यां यात्रा मु. । c अ. सि. योगः ।
भ.२४।५३या.।जया११व्रतंसर्वेषाम्। स.सि.योगः२१।४५या.।
उ.षा. भे भौमः ५२।७ । मूले २ पादे गुरुः ६।५९ । भीष्मd
प्रदोषः । प्रतीच्यां यात्रा मु. ।
भ. ३९।११ उ. । तिथि दानात् उदीच्यां यात्रा मु. । स.सि.c
भ.१०।२० या.। उत्तराषाढ़ भे शुक्रः ३२।४९। कुम्भेर्कः५४।७

माघ. शु. ५ चं. इ. ४३।३५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	८	९	८	८	८	५	११
१८	२०	२३	१	१३	१९	३	३
३६	३५	९	५३	३०	४५	४४	४४
१४	३९	३७	१३	३७	१३	९	९
६१	४३	१०९	११	७२	६	३	३
५	२५	१३	३७	२५	३७	११	११

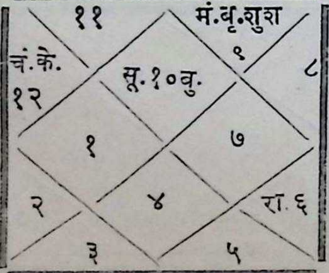

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.		२ श.		४ र.		५ चं.		६ मं.		७ बु.		७ बृ.		८ शु.		९ श.		१० र.		११ चं.		१२ मं.		१३ बु.		१४ बृ.		१५ शु.	
म. अं.	७	३७	७	३३	७	२९	७	२५	७	२१	७	१७	७	१३	७	९	७	६	७	१	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४१
कुं. अं	९	३	८	५९	८	५५	८	५१	८	४७	८	४३	८	३९	८	३६	८	३१	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७
मी. अं.	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	६	१०	३	९	५८	९	५४	९	५०	९	४६	९	४२	९	३८	९	३४
मे. अं.	१२	६	१२	२	११	५८	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२	११	३९	११	३४	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०
वृ. अं	२	२	१	५८	१	५४	१	५०	१	४६	१	४२	१	३८	१	३५	१	३०	१	२६	१	२२	१	१८	१	१४	१	१०	१	६
मि. अं.	४	१६	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५२	३	४९	३	४४	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४	३	२०
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
क. अं.	६	३४	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१४	६	१०	६	७	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८
सिं. अं.	८	५१	८	४७	८	४३	८	३९	८	३५	८	३१	८	२७	८	२४	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५५
कं. अं.	११	७	११	३	११	५९	१०	५५	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	४०	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१५	१०	११
तु. अं.	१	२५	१	२१	१	१७	१	१३	१	९	१	५	१	१	१२	५८	१२	५३	१२	४९	१२	४५	१२	४१	१२	३७	१२	३३	१२	२९
वृ. अं.	३	४३	३	३९	३	३५	३	३१	३	२७	३	२३	३	१९	३	१६	३	११	३	७	३	३	२	५९	२	५५	२	५१	२	४७
ध. अं.	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६	५	३२	५	२८	५	२४	५	२१	५	१६	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५६	४	५२

माघ शु. ११ चं. इ. ४३।४६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	८	१०	८	८	८	५	११
२५	२५	५	३	२२	२०	३	३
४३	५२	४९	१६	६	२८	२१	२१
२७	११	४३	३९	३७	५२	४९	४९
६०	४३	१०९	१०	७२	६	३	३
५५	४७	४३	५१	२२	२७	११	११

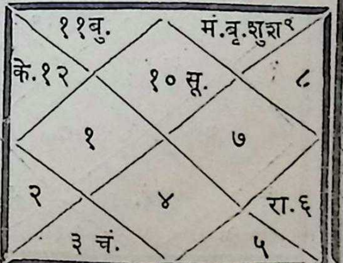

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि	ओ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गातः क.	वि.	श्री शुभ सवत् २०१६ शके १८८१ फाल्गुन कृष्णपक्षः । सौम्यायनम् । याम्यगोलः । फर. १३ से २६ तक ।
२७	४९	१	श.	४१	३९	म.	४५	३३	शो.	१३	४५	वा.	११	३४	कौ.	४१	३९	पद्म	१३	१५	१				६	२६	५	३४	१०	०	७	३४	६०	४४	क्रूर कर्म मु. ।
२७	५३	२	र.	४२	४७	पू.	४६	४३	अ.	११	१५	तै.	१२	८	ग.	४२	४७	छत्र	१४	१६	२				६	२५	५	३५	१०	१	८	८	६०	४३	मकरे भौमः ११।४४ । उग्र कर्म मु. । उत्तरा योगे या. a
२७	५६	३	चं.	४१	३५	उ.	४७	१२	सु.	७	३५	ब.	१२	१	वि.	४१	३५	श्रीवत्स	१५	१७	३	कं.	१	५०	६	२५	५	३५	१०	२	९	१	६०	४२	भ. १२।१३ उ. ४१।३५ या. । मकरे भृगुः ९।५
२८	०	४	मं.	३९	१९	ह.	४८	३७	धृ.	३/५५	४/१४	वव	१०	२२	वा.	३९	१९	सौम्य	१६	१८	४				६	२४	५	३६	१०	३	९	४३	६०	४१	पू. भा. भे बुधः ५५।५७ । दक्षिण यात्रा मु. ।
२८	३	५	बु.	३६	३१	चि.	४५	६	गं.	५२	४७	कौ.	७	५५	तै.	३६	३१	कालदं	१७	१९	५	तु.	१५	५१	६	२३	५	३७	१०	४	१०	२४	६०	३९	a ज. योगः स. सि. योगश्च ।
२८	६	६	बृ.	३३	१६	स्वा	४३	१७	वृ.	४६	४३	ग.	४	४९	व.	३३	१६	स्थिर	१८	२०	६				६	२३	५	३७	१०	५	११	३	६०	३८	भ. ३३।१६ उ. । सप्तमी योगे या. ज. मु. ।
२८	१०	७	शु.	२९	२५	वि	४०	५५	ध्रु.	४०	१७	वि.	१	१५	वव	२०/५७	२५/३२	मातंग	१९	२१	७	वृ.	२६	२३	६	२२	५	३८	१०	६	११	४१	६०	३६	भ. १।१५ या. । शतभिष भे रविः ३१।१४। अनु.योगे स. b
२८	१४	८	श.	२५	३९	अ.	३७	३७	व्या	३३	१७	कौ.	२५	४९	तै.	५३	१	अमृत	२०	२२	८				६	२१	५	३९	१०	७	१२	१७	६०	३५	नवमी योगे यायी जय मु.तिथि दानात् प्रतीच्यांउदीच्यांयात्रा मु
२८	१७	९	र.	१९	२३	ज्ये.	३३	४१	ह.	२५	३६	ग	१९	२३	व.	४६	२९	काण	२१	२३	९	ध.	३३	४१	६	२१	५	३९	१०	८	१२	५२	६०	३३	भ. ४६।२९ उ. । मूल योगे या. ज. मु. । b सि. योगः ।
२८	२०	१०	चं.	१३	३६	मू.	२९	३५	व.	१७	५१	वि.	१३	३६	वव	४०	३०	लुम्ब	२२	२४	१०				६	२०	५	४०	१०	९	१३	२५	६०	३१	भ. १३।३६ या. ।
२८	२४	११	मं.	७	२४	पू.	२४	५५	सि.	९	३६	वा.	७	२४	कौ.	३४	१८	मित्र	२३	२५	११	म.	३८	४५	६	१९	५	४१	१०	१०	१३	५६	६०	३०	विजया ११ व्रतं सर्वेषाम् । उग्र कर्म मु. ।
२८	२५	१२	बु.	०/५६	५३/३६	उ.	२०	१६	व्य.	१/५२	२९/४४	तै.	०	५३	ग.	२०/५७	११/२९	ज्र	२४	२६	१२				६	१८	५	४२	१०	११	१४	२६	६०	२८	भ. ५७।२९ उ. । श्रवसि दक्षिण यात्रा मु. । श्रवणे शुक्रः c
२८	३१	१४	बृ.	४८	३४	श्र.	१५	४३	प.	४५	२९	वि.	२१	२४	श.	४८	३४	ध्वज.	२५	२७	१३	कुं.	४३	४९	६	१८	५	४२	१०	१२	१५	५४	६०	२७	भ. २१।२४ या. । महाशिवरात्रि व्रतम् ।
२८	३५	३०	शु.	४३	६	ध.	११	५६	शि.	३८	१६	चं.	१५	५६	ना.	४३	६	घाता.	२६	२८	१४				६	१७	५	४३	१०	१३	१६	२१	६०	२५	अमा. । c २।३९ । मीने बुधः २५।११ । प्रदोषः ।

फा. कृ. ३ चं. इ. ४३।५८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	९	१०	८	९	८	५	११
२	१	१८	४	०	२१	२	२
४९	८	१	२८	४०	११	५९	५९
७	५२	३३	१२	३३	५४	२५	२५
६१	४४	९९	१०	७२	६	३	३
४२	२	३५	२	३५	९	११	११

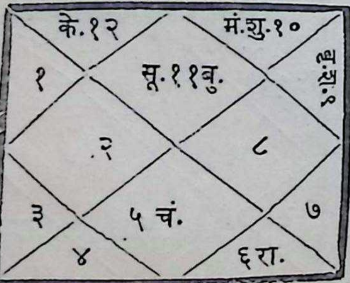

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.		२ र.		३ चं.		४ मं.		५ बु.		६ बृ.		७ शु.		८ श.		९ र.		१० चं.		११ मं.		१२ बु.		१४ बृ.		३० शु.	
कुं. अं.	८	१	७	५७	७	५३	७	४९	७	४५	७	४१	७	३७	७	३३	७	२९	७	२५	७	२१	७	१७	७	१३	७	१०
मी. अं.	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३७
मे. अं.	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१३
वृ. अं.	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	९
मि. अं.	३	१४	३	१०	३	६	३	२	२	५८	२	५४	२	५०	२	४६	२	४२	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	२	२३
क. अं.	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०	५	१६	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५६	४	५२	४	४८	४	४४	४	४१
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
सिं. अं.	७	४९	७	४५	७	४१	७	३७	७	३३	७	२९	७	२५	७	२१	७	१७	७	१३	७	९	७	४	७	१	६	५८
कं. अं.	१०	५	१०	१	९	५७	९	५३	९	४९	९	४५	९	४१	९	३७	९	३३	९	२९	९	२५	९	२१	९	१७	९	१४
तु. अं.	१२	२२	१२	१९	१२	१५	१२	११	१२	७	१२	३	११	५९	११	५५	११	५१	११	४७	११	४३	१०	३९	११	३५	११	३२
वृ. अं.	२	४१	२	३७	२	३३	२	२९	२	२५	२	२१	२	१७	२	१३	२	९	२	५	२	१	१	५७	१	५३	१	५०
ध. अं.	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	४	३०	४	२६	२	२२	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	४	२	३	५८	३	५५
म. अं.	६	३१	६	२७	६	२३	६	१९	६	१५	६	११	६	७	६	३	५	५९	५	५५	५	५१	४	४७	५	४३	५	४०

फा. कृ. १०चं. इ. ४४।१०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	९	१०	८	९	८	५	११
९	६	२७	५	९	२१	२	२
५४	२८	५९	३४	१८	५३	३७	३७
२२	३	२३	१३	२३	४७	३५	३५
६०	४४	७०	९	७३	५	३	३
३१	१३	२५	२६	२	४६	११	११

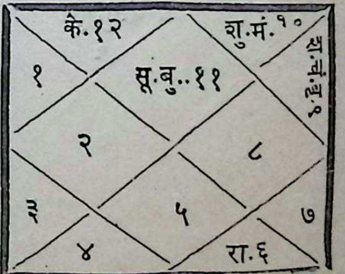

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२८	३७	१	श.	३९	१६	श.	९	१७	सि.	३२	३३	किं.	११	७	वव	३९	१६	आनन्द	२७	२९	१५	मी.	५३	१७	६	१७	५	४३	१०	१४	१६	४६	६०	२४
२८	४८	२	र.	३६	५१	पू.	७	५७	सा.	२७	५६	वा.	७	५८	कौ.	३६	५१	चर	२८	३०	१६				६	१६	५	४४	१०	१५	१७	१०	६०	२२
२८	४६	३	चं.	३६	१६	उ.	८	३४	शु.	२४	३६	तै.	६	३३	ग.	३६	१६	गद	२९	१	१७				६	१५	५	४५	१०	१६	१७	३२	६०	२०
२८	४९	४	मं.	३७	३६	रे.	१०	२६	शु.	२३	१२	व.	६	५६	वि.	३७	३६	शुभ	१	२	१८	मे.	१०	२६	६	१४	५	४६	१०	१७	१८	५२	६०	१८
२८	५३	५	बु.	४२	४४	अ.	४	३६	ब्र.	२२	३५	व.	१०	१०	वा.	४२	४४	मृत्यु	२	३	१९				६	१३	५	४७	१०	१८	१९	१०	६०	१६
२८	५७	६	बृ.	४५	३३	भ.	२०	१७	ऐं.	२३	३३	कौ.	१४	३	तै.	४५	३३	पद्म	३	४	२०	वृ.	३६	४७	६	१३	५	४७	१०	१९	१९	२६	६०	१४
२९	०	७	शु.	५१	१७	कृ.	२६	५७	वै.	२५	१२	ग.	१८	१६	व.	५१	१७	छत्र	४	५	२१				६	१२	५	४८	१०	२०	१९	४०	६०	१२
२९	४	८	श.	५७	३४	रो.	३४	११	वि.	२७	११	वि.	२४	२७	वव	५४	३४	श्रीवत्स	५	६	२२				६	११	५	४९	१०	२१	१९	५२	६०	१०
२९	८	९	र.	६०	०	मृ.	४१	४७	प्री.	२९	३१	वा.	२८	४७	कौ.	६०	०	सौम्य	६	७	२३	मि.	७	५७	६	१०	५	५०	१०	२२	२०	२	६०	८
२९	११	९	चं.	३	५७	आ.	४८	५३	आ.	३१	३९	कौ.	३	५७	तै.	३६	५५	कालदं	७	८	२४				६	१०	५	५०	१०	२३	२०	१०	६०	५
२९	१५	१०	मं.	९	५५	पु.	५५	११	सौ.	३३	१४	ग.	९	५५	व.	५२	२४	स्थिर	८	९	२५	क.	१३	५४	६	९	५	५१	१०	२४	२०	१५	६०	२
२९	१९	११	बु.	१४	४४	पु.	६०	०	शो.	३३	५४	वि.	१४	४४	वव	४६	१८	मातंग	९	१०	२६				६	८	५	५२	१०	२५	२०	१७	६०	०
२९	२४	१२	बृ.	१८	१२	पु.	०	१७	अ.	३२	४४	वा.	१८	१२	कौ	४९	४	शुभ	१०	११	२७				६	८	५	५२	१०	२६	२०	१७	५९	५८
२९	२६	१३	शु.	१९	५७	श्ले	३	५५	सु.	३०	४३	तै.	१९	५७	ग.	५०	१६	मृत्यु	११	१२	२८	सिं.	३	५५	६	७	५	५३	१०	२७	२०	१५	५९	५६
२९	३०	१४	श.	२०	३५	म.	५	४४	धृ.	२७	२५	व.	२०	३५	वि.	४९	४५	पद्‌म	१२	१३	२९				६	६	५	५४	१०	२८	२०	११	५९	५४
२९	३४	१५	र.	१८	५५	पू.	६	१९	शू.	२३	१३	वव	१८	५५	वा.	५०	४७	छत्र	१३	१४	३०	कं.	२१	९	६	५	५	५५	१०	२९	२०	५	५९	५१

श्री शुभ संवत् २०१६ शके १८८१ फाल्गुन शुक्लपक्षः । सौम्यायनम् याम्यगोलः । फरवरी २७ से मार्च १३ तक ।

चर कर्म मु. । f उत्तरा योगे या. ज. मु. स. सि. योगश्च ।
चन्द्रदर्शनम् । श्रवणे भौमः ३३।५२ । उ. भा. भे स. सि. a
वक्री बुधः २६।४९ । रमजान । या. ज. योगः ८।३४ या. ।
मार्च । भ. ६।५६ उ. ३७।३६ या. । मूले ३ चरणे गुरुः b
प्राच्यां यात्रा मु. अश्विनी भे । d यात्रा मु. ।
पूर्वाभाद्रपद भे रविः ४६।७ । बुधास्तः पश्चिमायां १।२७ ।
भ. ५१।१७ उ. । e स. सि.योगः अ. सि.योगश्च ०।१७ या. ।
भ. २४।२७ या. । धनिष्ठा भे शुक्रः १०।५९ । स. सि. योगः
तिथि दानात् प्राच्यां यात्रा मु. ७।५७ या. ।
व. कुम्भे बुधः ३७।५२ । a योगः । तृतीया योगे या.ज.मु. ।
भ. ५२।१४ उ. । दक्षिणस्यां यात्रा मु. १३।५४ या. ।
भ. १४।४४ या. । आमलकी ११ व्रतं सर्वेषाम् । प्रतीच्यां d
कुम्भे शुक्रः ३५।७ । प्रदोषः । त्रयोदशी योगे या. ज. मु. e
b ५४।७ । अश्विनी योगे स. सि. अ. सि.योगः
भ. २०।३५ उ. ४९।४५ या. ।भद्रोत्तरे होलिकादहनम् ।
पू. षा. भे ४. च. शनिः १०।११ । सं. मीनेऽर्कः ४०।१२ ।f

फाल्गुन शु. ३ चं इ. ४४।२३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	९	११	८	९	८	५	११
१६	११	२	६	१७	२२	२	२
५४	४६	२४	३०	५४	२९	१५	१५
११	१४	५३	६५	१३	३३	७	७
६०	४४	५४/६	८	७३	५	३	३
२०	१४	व	२३	१४	१६	११	११

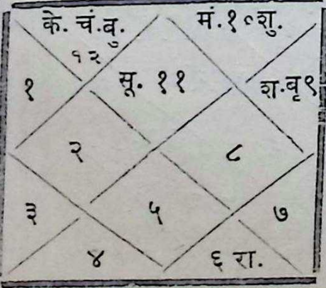

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.		२ र.		३ चं.		४ मं.		५ बु.		६ बृ.		७ शु.		८ श.		९ र.		९ चं.		१० मं.		११ बु.		१२ बृ.		१३ शु.		१४ श.		१५ र.	
कुं. अं.	७	७	७	३	६	५९	६	५५	६	५१	६	४७	६	४३	६	४०	६	३७	६	३३	६	२९	६	२५	६	२१	६	१८	६	१५	६	१२
मी. अं.	८	३४	८	३०	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०	८	७	८	४	८	०	७	५६	७	५२	७	४८	७	४५	७	४२	७	३८
मे. अं.	१०	१०	१०	६	१०	२	९	५८	९	५४	९	५०	९	४६	९	४३	९	४०	९	३७	९	३२	९	२८	९	२४	९	२१	९	१८	९	११
वृ. अं.	१२	६	१२	२	११	५८	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२	११	३९	११	३६	११	३२	११	२८	११	२४	११	२०	११	१७	११	१४	११	१०
मि. अं.	२	२०	२	१६	२	१२	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५३	१	५०	१	४६	१	४२	१	८	१	३४	१	३१	१	२८	१	२४
क. अं.	४	३८	५	३४	४	३०	४	२६	४	२२	४	१८	४	१४	४	११	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५२	३	४९	३	४६	३	४२
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
सिं. अं.	६	५५	६	५१	६	४७	६	४३	६	३९	६	३५	६	३१	६	२८	६	२५	६	२१	६	१७	६	१३	६	९	६	६	६	३	६	०
कं. अं.	९	११	९	७	९	३	८	५८	८	५५	८	५१	८	४७	८	४४	८	४१	८	३७	८	३३	८	२९	८	२५	८	२२	८	१९	८	१५
तु. अं.	११	२९	११	२५	११	२१	११	१७	११	१३	११	९	११	५	११	२	१०	५९	१०	५५	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	४०	१०	३७	१०	३४
वृ. अं.	१	४७	१	४३	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	२०	१	१७	१	१३	१	९	१	५	१	१	१२	५८	१२	५५	१२	५१
ध. अं.	३	५२	३	४८	३	४४	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२५	३	२२	३	१८	३	१४	३	१०	३	६	३	३	३	०	२	५७
म. अं.	६	३७	५	३३	५	२९	५	२५	५	२१	५	१७	५	१३	५	१०	५	७	५	३	४	५९	४	५५	४	५१	४	४७	४	४५	४	४४

फाल्गुन शु. ९ चं. इ. ४४।३५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	९	१०	८	९	८	५	११
२३	१७	२९	९	२६	२३	१	१
५८	६	३६	३१	३१	[illegible]	५३	४३
१४	३४	१९	१५	१७	४४	४९	४९
६०	४४	५४/१९	७	७३	४	३	३
५	४२	व	१९	२५	५०	११	११

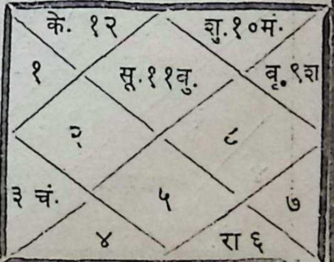

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२९	३४	१	चं.	१६	३७	उ.	५	३९	गं.	१७	५५	कौ.	१६	३७	तै.	४४	३९	श्रीवत्स	१४	१५	१				६	५	५	५५	११	०	१९	५६	५९	४९
२९	३८	२	मं.	१२	४१	ह.	३	३७	वृ.	१७	५३	ग.	१२	४१	व.	४०	३०	सौम्य	१५	१६	२	तु.	३२	१६	६	५	५	५५	११	१	१९	४५	५९	४७
२९	४१	३	बु.	८	१९	चि.	०/५२	५६/५२	ध्रु	५/५३	२३/१९	वि.	८	१९	व.	३५	५४	काल	१६	१७	३				६	४	५	५६	११	२	१९	३२	५९	४५
२९	४५	४	बृ.	३/५४	२९/५५	वि.	५३	३६	ह.	५१	३१	वा.	३	२९	कौ.	३०/५८	५१/२४	प्रवर्ध	१७	१८	४	वृ.	४२	३३	६	३	५	५७	११	३	१९	१७	५९	४३
२९	४९	६	शु.	५३	१७	अ.	५१	१३	वि.	४४	३४	ग.	२५	४६	व.	५३	१७	रक्ष	१८	१९	५				६	२	५	५८	११	४	१९	०	५९	४१
२९	५३	७	श.	४८	१६	ज्ये.	४७	४५	सि.	३७	१३	वि.	२०	३९	व.	४८	१६	मुसल	१९	२०	६	ध.	४७	४५	६	२	५	५८	११	५	१८	४१	५९	३९
२९	५६	८	र.	४३	५	मू.	४४	३४	व्य.	३०	१६	वा.	१५	३६	कौ.	४३	५	सिद्धि	२०	२१	७				६	१	५	५९	११	६	१८	२०	५९	३७
२९	५९	९	चं.	३७	५६	पू.	४१	१३	व.	२३	११	तै.	१०	३०	ग.	३७	५६	उत्पात	२१	२२	८	म.	५५	१३	६	१	५	५९	११	७	१७	५७	५९	३५
३०	०	१०	मं.	३२	५८	उ.	३७	१४	प.	१६	१६	व.	५	३७	वि.	३२	५८	मानस	२२	२३	९				६	०	६	०	११	८	१७	३२	५९	३३
३०	४	११	बु.	२८	९	श्र.	३५	६	शि.	९	३५	व.	०	३३	वा.	२८	९	छत्र	२३	२४	१०				५	५९	६	१	११	९	१७	५	५९	३०
३०	७	१२	बृ.	२३	४६	ध.	३२	५४	सि.	३/५४	८/११	तै.	२३	४६	ग.	५२	०	श्रीवत्स	२४	२५	११	कुं.	४	०	५	५९	६	१	११	१०	१६	३५	५९	२८
३०	१०	१३	शु.	२०	१४	श.	३१	६	शु.	५२	१७	व.	२०	१४	वि.	४८	४४	सौम्य	२५	२६	१२				५	५८	६	२	११	११	१६	३	५९	२५
३०	१३	१४	श.	१७	१५	पू.	३०	३४	शु.	४७	४७	श.	१७	१५	च.	४४	४५	कालदं	२६	२७	१३	मी.	४४	३६	५	५७	६	३	११	१२	१५	२८	५९	२३
३०	१७	३०	र.	१५	३४	उ.	३१	१२	ब्र.	४४	४७	ना.	१५	३४	कि.	४५	२१	स्थिर	२७	२८	१४				५	५६	६	४	११	१३	१४	५१	५९	२५

श्री शुभ संवत् २०१६ शके १८८१ चैत्र कृष्णपक्षः।
सौम्यायनम् । याम्यगोलः । मार्च १४ से २७ तक ।

या. जय. मु. ५।३९ या. । दक्षिण यात्रा मु. ।
भ. ४०।३० उ. । शतभिष भे शुक्रः ५९।७ । धनिष्ठा भे भौमः a
भ. ८।१९या. । a ५४।५७ । दक्षिणस्यां यात्रा मु. ३।३७या. ।
उत्तरा भाद्रपद भे रविः ७।५ । अनु. योगः या. ज. मु. । e
भ. ५३।१७ उ. बुधः पूर्वोदयः ६।५८ ।
भ. २०।३९ या. । e उदीच्यां यात्रा मु. ।
वक्री शतभिष भे बुधः ७।३६ । स. सि. योगः ।
क्रूर कर्म मु. ।
भ. ५।३७ उ. ३२।५२ या. मार्गी बुधः ४५।९ ।
पापमोचनी ११ व्रतं सर्वेषाम् । दक्षिणस्यां यात्रा मु. ।
कुम्भे भौमः ४०।५२ प्रदोषः । प्रतीच्यां यात्रा मु. ४।९ उ.
भ. २०।१४ उ. ४८।४४ या. । चर कर्म मु. । माशशिव- d
पूर्वाभाद्रपद भे शुक्रः ३८।५१ उग्र कर्म मु. । d रात्रि व्रतम् ।
स्नानदानादौ अमा. ।

चैत्र कृ. १ चं. इ. ४४।४७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	९	१०	८	१०	८	५	११
०	२२	२३	८	५	२३	१	१
५८	२६	२४	१९	१०	३१	३०	३०
३९	१७	२५	३५	९	३६	३५	३५
५९	४४	३७/१९	६	७३	४	३	३
४९	२६	व.	२०	३८	२२	११	११

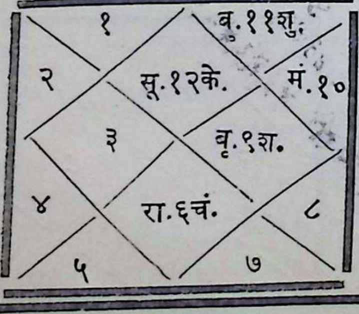

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.		२ मं.		३ बु.		४ बृ.		६ शु.		७ श.		८ र.		९ चं.		१० मं.		११ बु.		१२ बृ.		१३ शु.		१४ श.		३० र.	
मी. अं.	७	३५	७	३१	७	२७	७	२३	७	१९	७	१५	७	१२	७	९	७	५	७	१	६	५७	६	५४	६	५०	६	४७
मे. अं.	९	११	९	७	९	३	८	५९	८	५५	८	५१	८	४८	८	४५	८	४१	८	३७	८	३३	८	२९	८	२६	८	२३
वृ. अं.	११	७	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	१	१०	४७	१०	४४	१०	४१	१०	३७	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२२	१०	१९
मि. अं.	१	२१	१	१७	१	१३	१	९	१	५	१	१	१२	५८	१२	५५	१२	५१	१२	४७	१२	४३	१२	३९	१२	३६	१२	३३
क. अं.	३	३९	३	३५	३	३१	३	२७	३	२३	३	१९	३	१६	३	१३	३	९	३	५	३	१	२	५७	२	५४	२	५१
सिं. अं.	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६	५	३३	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८	५	१४	५	११	५	८
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कं. अं.	८	१२	८	८	८	४	८	०	७	५६	७	५२	७	४९	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	७	३०	७	२७	७	२४
तु. अं.	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	७	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८	९	४५	९	४२
वृ. अं.	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२५	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	१०	१२	६	१२	३	१२	०
ध. अं.	२	५३	२	४९	२	४५	२	४१	२	३७	२	३३	२	३०	२	२७	२	२३	२	१९	२	१५	२	११	२	८	२	५
म. अं.	४	३८	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२	४	१८	४	१५	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५३	३	५०
कुं. अ.	६	१०	६	४	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४५	५	४२	५	३८	५	३४	५	३०	५	२६	५	२३	५	२०

चैत्र कृ. ९ चं. इ. ४५।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	९	१०	८	१०	८	५	११
७	२७	१९	९	१३	१३	१	१
५६	५२	१६	०	४६	५८	८	८
२३	३३	३६	१	१४	१	१९	१९
५९	४४	२४/२९	५	७३	३	३	३
३५	२७	व.	११	४८	४८	११	११

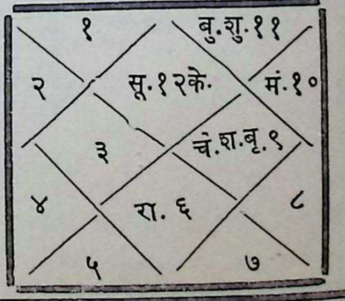

विवाहे पञ्चशलाका चक्रम्

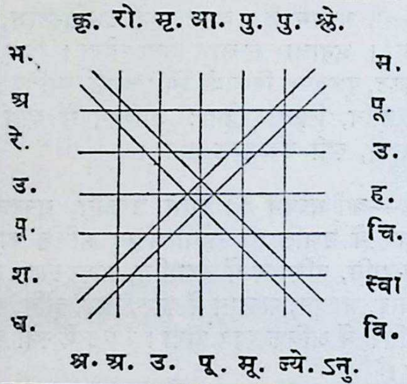

राजा चन्द्रः

श्रीगणेशाय नमः

मन्त्री बुधः

अन्येषु सप्तशलाका चक्रम्

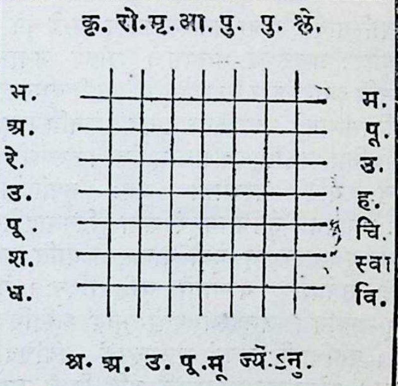

श्री संवत् २०१७, शकः १८८२, हिजरी सन् १३७९-८०, फसली सन् १३६७-६८, ईस्वी सन् १९६०-६१।
प्रमादि नाम संवत्सरः

विंशोत्तरी मतेन आयव्ययचक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
११	५	११	५	८	११	५	११	८	२	२	८
१४	८	८	२	१४	८	८	१४	८	८	८	८

अष्टोत्तरी मतेन आयव्ययचक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
१४	८	११	५	८	११	८	१४	२	५	५	२
२	११	८	८	२	८	११	२	११	८	८	११

देखने की रीति

आयव्ययौ समौ कृत्वा एक हीनं तु कारयेत्।
अष्टभिस्तु हरेद्भागं शेषाङ्के फलमादिशेत् ॥
१ लाभं, २ सौख्यं तथा ३ क्लेशं ४ रोगं ५ लोकापवादकम्।
६ सम्मानं ७ विजयं ८ हानिः कथितं पूर्व सूरिभिः।

श्री काश्याम्
शुद्धमकरन्दीय दशवर्षीय पञ्चाङ्गम्

श्री गंगा

काशी पञ्चाङ्गम्

समय-शुद्धिः

गुरु—पौष शुक्ल ८ रवौ पश्चिमास्तः
माघ शुक्ल ४ शुक्रे पूर्वोदयः।

शुक्र—ज्येष्ठ कृष्ण ११ शनौ शुक्रास्तः प्राच्याम्।
श्रावण शुक्ल ४ गुरौ शुक्रोदयः प्रतीच्याम्।

शनि—फालगुन कृष्ण २ गुरौ मकरराशिगतः
प्राक् धनुराशिगतः।

राहु—वैशाख कृष्ण १ भौमतः संवत्सरं यावद्
सिंहराशौ।

प्रधान वितरक—श्री गंगा पुस्तकालय,
गायघाट, बनारस।

सम्पादक—पं० चन्द्रशेखर पाठक ज्योतिषाचार्य, ज्योतिषरत्न
सी. के. ६४/७० हीरापुरा, बनारस।

प्रकाशक व मुद्रक—पं० पृथ्वीनाथ भार्गव,
भार्गव भूषण प्रेस, गायघाट, बनारस।

Shri ... Prasad Upadhyaya
... Niwas' K. 23/96, Dudhavinayak,
VARANASI-1.

वर्ष-फल

श्री संवत् २०१७ शाके १८८२

अथास्मिन्वर्षे राजा चन्द्रस्तत्फलम्—चन्द्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचुरं च धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरा नराणाम् ॥ मन्त्री बुधस्तत्फलम्—शशिसुते शुभमन्त्रिसमागते स्वपतिना कुरुते मदनक्रियाम् । बहु धनं बहु वारिसमन्वितं यवमसूरचणान्नमहर्घता । सस्येशो शनिस्तत्फलम्—रविसुते यदि सस्यपतौ जनैः नृपतिभिः परिपीडितविग्रहः । गदभयं तुषधान्यहरं सदा दुरितवादविवादयुता नराः । धान्येशो गुरुस्तत्फलम्—गुरौ धान्यपतौ याति यवगोधूमशालयः । पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्वानो बुद्धिवादिनः । मेघेशो भौमस्तत्फलम्—अवनिजे जलदस्य पतौ भुवि श्रुतिविचारविहीन धराभवाः । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रचुरं बहुतोयदम् । रसेसश्चन्द्रस्तत्फलम्—यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियाम् । जलधरा बहुवारिविधायकाः रसवती धनधान्यवती मही । नीरसेशो शुक्रस्तत्फलम्—कर्पूरागरुगंधानां हेममौक्तिकवाससाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि । फलेशो भौमस्तत्फलम्—फलपतिर्यदि भूतनयो भवेत्सुबहुपुष्पफलान्वितमेदिनी । गतभयानृत देशजनास्तदा नृपतयो बहुविग्रहकारकाः । धनेशो शुक्रस्तत्फलम्—द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधना सकला भुवि मानवाः । समसुखा क्रयविक्रयजीविनो नृपतयो जनपालनतत्पराः । दुर्गेशो भौमस्तत्फलम्—अवनिजे गढनायकतां गते विविधदुःखवियोगसमन्विताः । जनपदेषु जना क्रयविक्रये भयविशेषतया न फलं क्वचित् ।

इस वर्ष के राजा चन्द्रमा और प्रधान मन्त्री बुधदेव हैं । और अधिकारों में इस वर्ष भौम की प्रधानता है । राजा ने केवल रस का अधिकार लिया है । प्रधान मन्त्री ने कोई और अधिकार ग्रहण नहीं किया है । भौम को सिंचाई, फल, राष्ट्ररक्षा का मन्त्रित्व मिला है । शुक्र नीरस तथा अर्थ-विभाग का मन्त्री है । सस्य मन्त्री शनि तथा धान्यमन्त्री गुरु बनाया गया है ।

इस प्रकार का अधिकार-विभाजन कल्याणप्रद नहीं होगा । रक्षा-मन्त्री अपनी जगह देखते रह जायँगे, अनाचार हो जायगा । सेना की प्रधानता रहेगी । उग्रकर्म अधिक होंगे । खेतियाँ अच्छी न होंगी । वृष्टि की भी अल्पता रहेगी । यह भी सम्भव है कि तैयार खेती नष्ट हो जाय । कहीं अतिवृष्टि होगी तो कहीं अनावृष्टि । राजाओं का नाश होगा । रक्त-पात होगा, प्रजा का नाश होगा । अनाज तेज रहेगा । गेहूँ महँगा, चना, तिल, गुड़ सस्ता होगा । गुरु के वक्र काल तक मंदी रहेगी । मार्गशीर्ष में शायद तेजी रहे । पश्चिम के देश पीड़ित रहेंगे, कन्नौज में पीड़ा होगी ।

वार्षिक राशि-फल

मेष—वर्ष मध्यम है । चिढ़, सन्तान को कष्ट, दैन्य होगा । शुभ काम में सफलता मिलेगी । बुद्धि अस्थिर, उदर-विकार रहेगा । अनाचार द्वारा लाभ रहेगा । कार्तिक में स्त्री को कष्ट, वैशाख, श्रावण, अगहन में यात्रा, व्यथा, हानि, मानसिक अशान्ति रहेगी । चैत्र में व्यय होगा । माघ में कार्य-व्यस्त, आश्विन, फाल्गुन में लाभ, हर्ष, सफलता रहेगी ।

वृष—वर्ष अच्छा नहीं । यात्रा-दैन्य, रोग, अशान्ति, चिढ़, झगड़ा, असफलता, उदर-विकार, माता-पिता को कष्ट रहेगा । नीलम पुखराज गोमेद धारण करें । मार्गशीर्ष में स्त्री को कष्ट; ज्येष्ठ, भाद्रपद, में पौष कष्ट-चिढ़, हानि, यात्रा-व्यथा होगी । वैशाख में नेत्रदोष तथा व्यय होगा ।

मिथुन—वर्ष अच्छा है । स्त्री को कष्ट, भ्रातृवर्ग दुःखी रहेगा । लाभ, उल्लास, सफलता रहेगी । शुभ काम होगा । व्यापार में उन्नति, धर्म में अरुचि रहेगी । आषाढ़, आश्विन, माघ में यात्रा-व्यथा, विवाद, हानि होगी । ज्येष्ठ में अधिक व्यय होगा । पौष में स्त्री को कष्ट, यात्रा होगी ।

कर्क—वर्ष साधारण है । विजय सफलता के लक्षण होते हुए भी सफलता अगले वर्ष के लिये टल जायगी । शत्रु पराजित होंगे । श्रावण, कार्तिक, फाल्गुन में कष्ट-चिढ़, हानि, विवाद-व्यथा होगी । आषाढ़ में व्यय होगा । माघ में यात्रा, स्त्री को कष्ट रहेगा । अनाचार से लाभ, परिवार में अशान्ति, धन-हानि होगी ।

सिंह—वर्ष मध्यम है । साधारण लाभ, हर्ष, सफलता रहगी । चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट रहेगा । सन्तान-प्राप्ति का भी योग है । रोग, चोट, व्रण, स्त्री को कष्ट रहेगा । भाद्रपद, अगहन, चैत्र में कष्ट, चिढ़, हानि, विवाद, श्रावण में व्यय होगा । फाल्गुन में स्त्री को कष्ट, यात्रा होगी ।

कन्या—वर्ष अच्छा नहीं । यात्रा, व्यथा, विवाद, माता-पिता को कष्ट, चिढ़, चिन्ता, अनायास व्यय होगा । शत्रु पराजित होंगे, सामान्य लाभ भी होता रहेगा । वैशाख, आश्विन, पौष में कष्ट, चिढ़, हानि, व्यय, कामुकता रहेगी । भाद्रपद में व्यय, चैत्र में स्त्री को कष्ट रहेगा ।

तुला—वर्ष मध्यम है । व्यापार में उन्नति-लाभ, भाइयों को कष्ट रहेगा । अनाचार से लाभ होता रहेगा । चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट, दुःस्वप्न दिखायी देंगे । ज्येष्ठ, कार्तिक, माघ में कष्ट, चिढ़, हानि, चिन्ता रहेगी; आश्विन में व्यय होगा । वैशाख में यात्रा, स्त्री को कष्ट होगा ।

वृश्चिक—वर्ष मध्यम है । लाभ, उल्लास, सफलता, शुभ काम, परिवार में उन्नति तो रहेगी परन्तु अधिक व्यय होता रहेगा । धन-हानि, परिवार में अशान्ति, माता-पिता को कष्ट होगा । आषाढ़, अगहन, फाल्गुन में कष्ट, चिढ़, हानि, कामुकता रहेगी । कार्तिक में अधिक व्यय होगा । ज्येष्ठ में स्त्री को कष्ट, यात्रा होगी ।

धनु—वर्ष अच्छा नहीं । रोग, दुर्बलता, व्यय, असफलता, वायु-विकार रहेगा । धर्म में अरुचि, भाइयों को कष्ट, व्यापार में उन्नति, साधारण लाभ रहेगा । सौर चैत्र, श्रावण, पौष में हानि, कष्ट, चिढ़, चिन्ता रहेगी । अगहन में व्यय होगा । आषाढ़ में यात्रा, स्त्री को कष्ट होगा ।

मकर—वर्ष साधारण है । व्ययाधिक्य से सन्त्रस्त रहेंगे । रोग, उदरविकार, दर्द, व्रण, धन-हानि, परिवार में अशान्ति रहेगी । शुभ कार्य में भी व्यय होगा । गोमेद धारण करें । माघ, वैशाख, भाद्रपद में कष्ट, चिढ़, हानि, यात्रा चिन्ता रहेगी । पौष में अधिक व्यय, नेत्रदोष रहेगा; श्रावण में यात्रा, स्त्री को कष्ट होगा ।

कुम्भ—वर्ष अच्छा है । लाभ, हर्ष, भोजन-वस्त्र में विशेषता, उन्नति रहेगी । स्त्री को कष्ट, रोग, दुर्बलता, चोट, व्रण, उदर-विकार रहेगा । गोमेद, लहसुनिया धारण करें । ज्येष्ठ, आश्विन, फाल्गुन में कष्ट, चिढ़, हानि, चिन्ता, विवाद, व्यथा रहेगी । माघ में व्यय होगा । भाद्रपद में यात्रा, स्त्री को कष्ट रहेगा ।

मीन—वर्ष साधारण है । आलस्य, असफलता , चिढ़, चिन्ता, माता-पिता को कष्ट, व्यय की अधिकता रहेगी । शत्रु पराजित रहेंगे, सामान्य लाभ रहेगा । आषाढ़, कार्तिक, चैत्र में कष्ट, चिढ़ , चिन्ता, व्यथा रहेगी । फाल्गुन में व्यय होगा । आश्विन में यात्रा, स्त्री को कष्ट रहेगा ।

(१) श्री संवत् २०१७ भाद्रपद शुक्ल १५ चन्द्रे

खग्रास ग्रस्तोदय चन्द्रग्रहणम्

शतभिषभे कुम्भराशौ। ता० ५ सितम्बर सन् १९६० ई०।

	घ.	प.
स्पर्श	२२	२७
मोक्ष	३१	१५

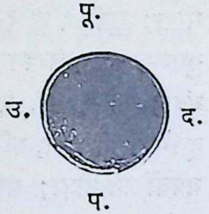

यह ग्रहण लगा हुआ ही चन्द्रमा उदय होके लगभग ३५ मिनट तक काशी में दिखायी देगा। बहुत स्थल पर यह ग्रहण दिखायी भी न देगा।

इसका फल—खर, कपूर नाश, रुई ३०) ३५) तेज।

नोटः—२० सितम्वर को भी ग्रहण सम्भव है। २०-२१ की वीच की रात में कहीं-कहीं दिखायी देगा।

(२) श्री संवत् २०१७ फाल्गुन कृष्ण ३० बुधे

खग्रास सूर्यग्रहणम्

धनिष्ठा शतभे कुम्भराशौ। ता० १५ फरवरी सन् १९६१ ई०।

	घ.	प.	वि.
स्पर्श	१८	२७	३०
मोक्ष	२३	२	३०

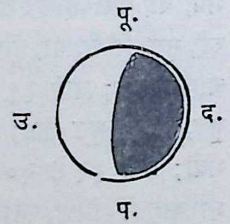

इसका प्रभाव कपास, कपड़ा, लवँग, अफीम पर पड़ेगा। संग्रह करने से लाभ होगा।

(३) श्री संवत् २०१७ फाल्गुन शुक्ल १५ गुरौ

ग्रस्तोदय खण्डग्रास चन्द्रग्रहणम्

पूर्वाफाल्गुनी भे सिंहराशौ। ता० २ मार्च सन् १९६१ ई०।

	घ.	प.	वि.
स्पर्श	२८	६	३०
मोक्ष	३६	१७	३०

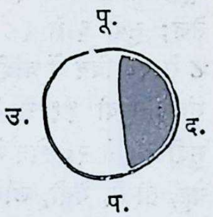

इसका प्रभाव लाल, पीली वस्तुओं, सोना, केराना तथा सुगन्ध पर पड़ेगा। ये वस्तुयें आगे तेज होंगी।

ग्रहण-फल

	(१)	(२)	(३)
मे.	लाभ	लाभ	चिन्ता
वृ.	सुख	सुख	व्यथा
मि.	मानन्नाश	मानन्नाश	श्रीः
क.	विशेष कष्ट	विशेष कष्ट	क्षतिः
सि.	स्त्री को कष्ट	स्त्री-कष्ट	घातः
क.	सौख्य	सौख्य	व्यय
तु.	चिन्ता	चिन्ता	लाभ
वृ.	व्यथा	व्यथा	सुख
ध.	श्रीः	श्रीः	मानन्नाश
म.	क्षतिः	क्षतिः	विशेष कष्ट
कुं.	घातः	घातः	स्त्री को कष्ट
मी.	व्यय	व्यय	सौख्य

वर्ष लग्नम्

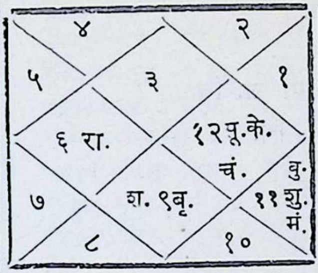

आर्द्राप्रवेश लग्नम्

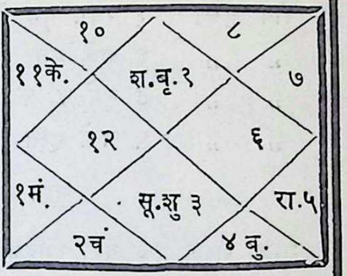

श्री संवत् २०१७ विवाहमुहूर्ताः

वैशाखमासः

वैशाख	कृष्ण	५	शनौ मूले ल.
,,	,,	६	सूर्ये उ. षा. ल. १२
,,	,,	७	चन्द्रे उ. षा. यां. ल. ८
,,	,,	१३	शनौ उ. भा. भे.
,,	शुक्ल	३	गुरौ रोहिण्यां. ल. १२ रे.
,,	,,	९	गुरौ मघायां ल. गोधू.
,,	,,	११	शनौ उ. फा. भे.
,,	,,	१२	रवौ हस्त भे.
,,	,,	१४	भौमे. स्वाती भे.
,,	,,	१५	बुध अनु. भे.
ज्येष्ठ	कृष्ण	१	गुरौ अनु. भे. दिवा लग्नम्।
,,	,,	३	शुक्रे मूल भे.
,,	,,	१०	चन्द्रे उ. भा. रेवती भे.
मा. शी.	शुक्ल	३	चन्द्रे मूल भे.
,,	,,	४	भौ. उ. षा. भे.
,,	,,	९	सूर्ये उ. भा. यां. ल. चिन्त्यम्

आवश्यके

,,	,,	१४	शुक्रे रोहिण्यां ल. ६

ग्रहण-प्रभाव के देश

प्रथम दो ग्रहणों का प्रभाव रूस, ईरान, भारत, अफगानिस्तान, पञ्जाव, वंगाल, यूनान, आक्सफोर्ड, ब्रुसेल्स पर पड़ेगा। तीसरे ग्रहण का प्रभाव—इटली, सिसली, रोम, व्रिस्टल, वम्बई पर पड़ेगा।

पौष मासः

पौष कृष्ण १ रवौ. मृग भे.
,, ,, ६ शुक्रे मघा भे.
,, ,, ८ सूर्ये उ. फा. यां. ल. चि.
,, ,, ९ चन्द्रे हस्ते ल. चि.

माघ मासः

माघ शुक्ल १० गुरौ रोहिण्याम्
,, ,, ११ शुक्रे मृग भे.

फाल्गुन मासः

फाल्गुन कृष्ण २ शुक्रे मघा. भे.
,, ,, ३ शनौ उ. फा. भे.
,, ,, ४ सूर्ये हस्ते.
,, ,, ५ भौ. स्वाती. भे.
,, ,, ८ गुरौ अनु. भे.
,, ,, १३ चन्द्रे उ. षा. भे.
,, शुक्ल २ शुक्रे उ. भा. भे.
,, ,, ३ शनौ रेवती भे.
,, ,, ८ बुधे रोहिणी भे.
,, ,, ९ गुरौ मृग. भे.
,, ,, १४ बुधे मघा भे.

चैत्र मासः

चैत्र कृष्ण १ शुक्रे उ. फा. भे.
,, ,, २ शनौ हस्ते ल.
,, ,, ३ रवौ. हस्ते. भे. दिवा लग्नम्।
,, ,, ६ बुधे अनु. भे.
,, ,, ७ गुरौ अनु. भे. दिवालग्नम्।
,, ,, ८ शुक्रे मूले.

भविष्य-वाणी संवत् २०१७

सुदी ४ से १४ दिन में जलज पदार्थ, मोती, मूंग, रत्न, फल, फूल, उड़द, चावल, नमक, लहसुन, लाख, सज्जी, रुई का भाव तेज; सुदी ६ से १८ दिन में मूषकों द्वारा धान्य नाश; सुदी ८ से २० दिन में चाँदी २) तेज होकर मंदी; रुई तेज; बिनौला मंदा; सुदी ११ से ८ दिन में चावल, मोती, शक्कर मंदा; सुदी १५ से २० दिन में मृग, हाथी का नाश; रुई-चाँदी, अफीम, गेहूँ, तीसी, मेथी, लौंग, बिनौला तेज होगा।

२-३-४, १०-११ अप्रैल को साधारण बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी—४-५-६ तक तेजी खेलिये। फिर मन्दे भाव में पोते होने की तैयारी कीजिये।

वैशाख

वदी १ से ६ मास पश्चात् अदरक, सोंठ, मिर्च, पिप्पली, चौगुनी तेज; वदी २ से १ मास में रुई, ईख, तिल, तेल, चाँदी-सोना, गुड़, रंग तेज; उसी दिन से १४ दिन में सर्वधान्य, सर्वरस, सर्वधातु, ऊनी वस्त्र, तीसी, चाँदी, रेंड़ी, तिल, तेल, मेथी, अल्ता, लाल चन्दन, इलायची, लौंग, सुपारी, नारियल, कपूर, हींग तेज; वदी ६ से ८ दिन में रुई, कपास, चन्दन, कपूर, जवाहरात मंदा; वदी ९ से १८ दिन में तिल, तेल, वस्त्र, सोपारी, कपास, सोना-चाँदी, सूत, सरसों, रुई, तीसी, रेंड़ी तेज; धान्य, गुड़, नमक, शेयर मंदा; वदी १३ से ८ दिन में केसर, मजीठ, कुसुम, अफीम, लाल चन्दन तेज; अमावस से ३ दिन में चाँदी मंदी १); सुदी २ से १४ दिन में चावल, हल्दी, मिर्च, गुड़, घी, जव, चना, मोठ, तीसी, गुड़, सोना-चाँदी, ताँबा, पीतल, लोहा, राँगा, शीशा, पारा तेज; उसी दिन से २ मास से शेयर तेज होकर मन्दा; लोगों को पीड़ा; रुई में ५०) १५) की घटवढ़; सोना-चाँदी तेज; गेहूँ, ज्वार, चावल, घी, तेल, तीसी, सरसों, तम्बाकू, कपड़ा तेज; सुदी ३ से २३ दिन में सभी धान्य तेज; पशुओं को पीड़ा; रुई चाँदी तेज; तीसी, ऊन मन्दा; वर्षा, उसी दिन से ८ दिन में तिल, जव, उड़द, तीसी, चना, सोंठ, सर्व रस, धातु, अन्न मंदा; सुदी ५ से १५ दिन में तृण, काष्ठ, चौपाये, रुई, चाँदी मंदी होकर तेज; सोना, घास, चौपाये, गेहूँ, यव, चना, मोती-जवाहरात, लकड़ी तेज; ईख, गुड़, दूध, खाँड़, रस, घी मन्दा; सुदी ९ से १८ दिन में बादल होने पर भी वृष्टि न हो, सुगन्ध, कपूर, चन्दन तेज; सुदी १० से १२ दिन में धान्य, घी मंदा; चाँदी, रुई, घट-बढ़कर तेज; सुदी १२ से ८ दिन में हाथियों को पीड़ा, रुई-धान्य तेज; सुदी १२ से ८ दिन में किरात-यवनों को पीड़ा; चाँदी, अफीम, रक्त पदार्थ, उड़द, घी, तेल, नारियल मन्दा; रुई तेज; सुदी १४ से १४ दिन में श्वेत पुष्प, सोना-चाँदी, ताँबा, घी, पीतल, धातुयें तेज; मनुष्यों को पीड़ा होगी - १६-१७-१८, २२-२३-२४, ३० अप्रैल, १-२-७-८-९ मई को साधारण बादल-वृष्टियोग है।

चाँदी—मासादि से तेजी खेलिये।

ज्येष्ठ

वदी ४ से १ मास में स्वर्ण, धान्य, अफीम, कपड़ा, शस्त्र तेज; चाँदी मंदी; कहीं वृष्टि, पीड़ा, महर्घता, विप्रपीड़ा; अफीम में गड़बड़ी; वदी ६ से २२ दिन में संसार में कलह, युद्ध-भय, रुई मंदी होकर तेज; वदी १० से ८ दिन में अति-वृष्टि, रुई, सूत, चाँदी, घी, हींग, खजूर, कपास, तेल, तिल, रेंड़ी, सरसों, चावल मंदा; वदी ११ से ९ दिन में कपास, तिल, तेल, चावल, गुड़, खाँड़, सूत तेज; राई, सन-पाट मंदा; रुई तेज होकर मंदी; वदी १२ से २० दिन में चाँदी-सोना में विशेष गड़बड़ी; मारवाड़ में दुर्भिक्ष, पहाड़ों पर रोग बढ़ेगा; रस तेज; महावृष्टि; वदी १३ से १५ दिन में शेयर, रुई मंदी; वदी १४ से १४ दिन में चावल, धान्य, तीसी, सरसों, घी, रेंड़ी, मिर्च, सोपारी, हींग, तिल, खजूर, दाख, खाँड़, रुई, सूत, सन, पाट तेज; सुदी ३ से ८ दिन में वायु की तीव्रता, वृष्टि, गेहूँ, तिल, उड़द मंदा; सुदी ५ से वायु, वृष्टि की तीव्रता; सुदी ६ से १० दिन में पातक-वृद्धि, जनसंहार, चाँदी-सोना, धातु, तीसी,

रेंड़ी सरसों, घी, तेल, गुड़, खड़, सोपारी, ऊन मंदा; सुदी ८ से वृष्टि का आधिक्य, वाढ़, भवनों की हानि; गेहूँ, तिल, उड़द मंदा; सुदी १० से १५ दिन में चाँदी २) ४), धान, कपड़ा, रुई मंदी; सुदी ५ से १४ दिन में सोना, चाँदी, लोहा, ताँबा, राँगा, सीसा, पारा, जलज पदार्थ, नारियल, रुई, सूत, रेशम, उड़द, मूँग, मोठ, कपड़ा, कपूर, बाजरा, चन्दन, सुगन्ध, चना, कराई तेज होगा।

१३-१४-१५, २०-२१-२२, २७-२८-२९ मई ३-४-५ जून को वादल-वृष्टियोग है।

चाँदी—मंदी अगोरिये। ५) ७) मंदा होने पर पोते होइये।

आषाढ़

वदी १ से ८ दिन में धान्य नाश, मधुर पदार्थ, रस तेज; गेहूँ, चना, ज्वार, कराई मंदी; गायों को कष्ट; वदी २ से ८ दिन में कपास, सूत मंदा; बालकों को पीड़ा; वदी ३ से १॥ मास में चाँदी, प्रवाल, तिल, ज्वार, ऊन, कपास तेज; अफीम १५) २०) तेज; उसी दिन से १८ दिन में शीत का कष्ट, कराई मंदी; ज्वार, वाजरा, चना तेज; वदी ६ से १ मास में कपास, कन्दमूल, तिल, धान्य तेज; वदी ८ से ८ दिन में वायु की तीव्रता, वृष्टि, रुई, सूत, कपड़ा, सूत, पाट मंदा; अफीम तेज; वदी ११ से २२ दिन में चाँदी, अफीम तेज; खाँड़, तिल, श्वेत-वस्त्र मन्दा; वदी १३ से १४ दिन में सर्वत्र कुछ-न-कुछ वृष्टि होगी; घी, गुड़, खाँड़, खल, चावल, मणि, मोती, कराई, सूत, रेंड़ी, तीसी, रस, गेहूँ, सुरसा, कपूर, चन्दन, सुगन्ध, लाल वस्त्र, रुई, हल्दी, सोंठ, लोहा, कपड़ा, चाँदी तेज; कौशल, कलिङ्ग में गड़वड़ी; वदी १४ से ८ दिन में चाँदी-सोना साधारण मंदा; सुदी ७ से १६ दिन में शेयर, चाँदी, गुड़, खाँड़, कपूर, रस, तिल, तेल, रेंड़ी, विनौला, मूंगफली, रुई तेज; सुदी ८ से ८ दिन में विनौला तेज; सुदी १० से १८ दिन में ब्राह्मणों को पीड़ा; रुई, धान्य तेज; सुदी ११ से १४ दिन में उड़द, मूँग, मोठ, चावल, मसूर, नमक, ज्वार, तीसी, विनौला, सज्जी, लाख, चपड़ा, नील, तिल, रेंड़ी, मजीठ, माजूफल, केसर, हरड़, सरसों, कुसुम्व, कपूर, चन्दन, लवँग, श्वेत पदार्थ, नारियल तेज; वृष्टि; सुदी १५ से १२ दिन में रुई, चाँदी मंदी; राजपूताने में वृष्टि होगी।

१०-११-१६-१७-१८, २३-२४-२५ जून १-२-३, ७-८ जुलाई को वादल-वृष्टि योग है।

चाँदी—साधारण तेजी रहेगी।

श्रावण

वदी २ से २४ दिन में वायु-वृष्टि में तीव्रता, अनाज, शेयर, तीसी, रेंड़ी, गुड़, खाँड़, शक्कर तेज; वदी ५ से ८ दिन में वृष्टि में आधिक्य, प्रसिद्ध चोर पकड़ा जायगा; लाख, चपड़ा, गुड़, कपूर, पारा, हींग, हिंगल मंदा; रूई, सूत, सन, पाट, धान्य तेज; वदी ८ से १ मास में चाँदी तेज; धान्य, रुई, चाँदी, रेंड़ी, साधारण तेज; वदी १० से १८ दिन में तपस्वियों को पीड़ा; देश भंग; रुई, सूत, कपड़ा, तिल, तेल, घी, गेहूँ, राई, रेंड़ी, यव, चावल, मसूर, मोठ तेज; रुई मंदी; वदी ११ से १४ दिन में तिल, तेल, गुड़, मद्य, ज्वार, गुगुल, सोपारी, चावल, शक्कर, सोंठ, मोम, हींग, हल्दी, लाख, सन, ऊनी वस्त्र, शीशा, सोना-चाँदी, तेज; सुदी १ से ११ दिन में सर्प से पीड़ा; वर्षा की कमी; चना, मोठ, चावल, कराई मन्दी; पाट, सूत, धान्य तेज; सुदी ३ से ४५ दिन में सभी धान्य, चन्दन, केसर, वस्त्र, कपास तेज; सोना, रुई तेज; आवरेज, अफीम मन्दा; सुदी ३ से १० दिन में चाँदी, रुई तेज; वृष्टि की अधिकता रहेगी। सुदी ५ से ८ दिन में रुई, सूत, सन, पाट, वस्त्र, सोना, चाँदी, चना, मूंग, हाथी, घोड़ा, अफीम, कपूर, चन्दन, अगर, तगर, रेशम मन्दा; तृण, काष्ठ, तिल, चावल, तेल तेज; वृष्टि की अधिकता घास कम होगी। सुदी ११ से १४ दिन में गेहूँ, चना, तीसी, तिल, तेल, गुड़, प्रामिसरी नोट, विनौला, चावल, उड़द, नील, अफीम, सोना, चाँदी, रस तेज; पूर्व-उत्तर में बाधायें होंगी। सुदी १२ से २२ दिन में स्वर्ण, लाल रंग, रक्त पदार्थ, चाँदी मंदी; धान्य तेज; मारवाड़ में वृष्टि, चौपायों को पीड़ा; सुदी १३ से २० दिन में चाँदी तेज; खाँड़, सोना, रुई, श्वेत पदार्थ मन्दा; सुदी १५ से १८ दिन में वृक्षों का नाश; कपास, शेयर, सूत, वस्त्र, सन, पाट, रेशम, गुड़, खाँड़, छुहारा, हींग, कालीमिर्च, राई, सरसों, तेल, तेज होगा।

१३-१४-१५, २०-२१-२२-२३, २८-२९-३० जुलाई और ३-४-५ अगस्त को वादल-वृष्टि योग है।

चाँदी—तेजी का ही काम करें।

भाद्रपद

वदी २ से १० दिन में रुई घट-बढ़कर मंदी; जवाहरात, सोना, चाँदी मंदी; वदी ८ से ८ दिन में द्यूतज्ञों को पीड़ा; वृष्टि, रुई तेज; वदी १० से १ मास में ज्वार, मूंग, रुई, तिल, रेंड़ी, दाख, मिर्च, अफीम, गुड़, शक्कर, ईख, रक्त-पदार्थ, चाँदी, रत्न, तिल, घी, तेज; १४ दिन में वृष्टि होगी; वदी ११ से १३ दिन में धान्य, घी मंदा; चाँदी, रुई, ३ बार घट-बढ़कर तेज; वदी १४ से चाँदी, सरसों, घी, तेज; लाख, चपड़ा, रुई, चावल, मंदा; सुदी २ से ८ दिन में धान्य नाश; प्रजा-भय, सूत, कपड़ा, देवदारु तेज; उसी दिन में २२ दिन में दही, अमचूर, इमली, देवदारु, सूत, कपड़ा, रेलवे-स्लीपर, सोना, चाँदी तेज; शयर खाँड़, शक्कर, कपूर, रस, मंदा; सुदी ३ से वृष्टि; सुदी ६ से ९ दिन में शाल, अनाज, चावल तेज; सुदी ७ से १८ दिन में कपास, तिल तेज; रुई, मन्दी होकर तेज; शेष पदार्थ मन्दा; सुदी ८ से १४ दिन में चाँदी-सोना, सूत, कपास, कपड़ा, चावल, ज्वार, बाजरा, मूंग, रूई, तिल, गेहूँ, सरसों, जीरा, घी, रेंड़ी, दाख, मिर्च तेज; आवरेज मंदा; सुदी १५ से ८ दिन में अवर्षण, धान, रुई मंदा होगा।

९-१०-११, १७-१८-१९, २४-२५-२६, ३१ अगस्त को वादल-वृष्टियोग है।

चाँदी-कृष्ण-पक्ष में तेजी का व्यापार करें; शुक्लपक्ष में केवल ३ दिन तेजी खेलें।

आश्विन

वदी १ से ८ दिन में उड़द, मूँग, मोठ साधारण तेज; वदी ३ से २१ दिन में वायु-वृष्टि की तीव्रता; गेहूँ, यव, खाँड़, सोना तेज; वदी ४ से ४५ दिन में वृष्टि होगी। दूध, दही, घी, गुड़, खाँड़, रस, अनाज, अफीम, तीसी, ताँबा, कुसुम्ब, मजीठ, लाल वस्तुयें तेज; वदी ८ से १४ दिन में सोना, चाँदी, लोहा, तेल, घी, सरसों, रेंड़ी, ज्वार, सोपारी, उड़द, मूँज, तीसी, बाँस, नील, अफीम, रेशम, कपास तेज; चौपायों को पीड़ा; वदी १० से ९ दिन में रुई, कपास, चाँदी, धान, कपड़ा मंदा; वदी ११ से २ मास में रुई, तेल, तिल, हींग, सरसों, मिर्च मंदा; ५ दिन में रुई, अफीम मंदी; वदी ११ से वम्बई गुजरात में वृष्टि; वदी १३ से १ मास में मजीठ, नारियल, तिल, घी, कपास तेज; चाँदी मंदी; सुदी १ से १८ दिन में तिल नाश; वृष्टि, रुई मंदी होकर तेज; सुदी २ से २२ दिन में चाँदी में घटबढ़; सोना तेज; रुई तेज होकर मंदी; मन्द वृष्टि; सुदी ६ से ११ दिन में वृष्टि, वायु की तीव्रता, सोना, चाँदी, धान्य तेज; शेयर, सरसों, रेंड़ी, बिनौला, मूँगफली मंदी; सुदी ७ से १४ दिन में ज्वार, बाजरा, यव, गुड़, खाँड़, सन, कपास, पाट, हल्दी, हरड़, घास, लकड़ी, हींग, क्षार, कथीर तेज होगा।

६-७-८, १३-१४-१५, २०-२१-२२, २७-२८-२९ सित. ३-४ अक्टू. को बादल-वृष्टियोग है।

चाँदी—मंदी खेलिये।

कार्तिक

वदी ४ से ९ दिन में वृष्टि, व्यापारियों को भय; रुई मन्दी; ६ वदी ६ से १४ दिन में धान्य, गेहूँ, चना, सन, पाट, सूत, रुई, सोना, चाँदी, केसर, जवाहरात, गुड़, लाख, चपड़ा तेज; वदी ७ से ८ दिन में रुई मंदी; व्याधि-भय; वदी ११ से २१ दिन में रुई, शेयर, चाँदी, अनाज में मंदी; वदी १२ से १४ दिन में स्वर्ण, धान्य, तीसी, गेहूँ, यव, अनाज, आमला तेज; रुई, अफीम, मन्दी; युद्ध की वातचीत रहेगी; वदी १४ से ११ दिन में अवर्षण, भूकम्प, चौपायों की वृद्धि, खाँड़, चावल, चाँदी मंदी; सुदी १ से १८ दिन में तिल, महिषी नाश; श्वेत, वस्तु, कपास, नमक, रस, धान्य तेज; सुदी ३ से २२ दिन में रुई, चाँदी तेज; अफीम, घी, तेल, अनाज, सोना, चाँदी मन्दा; सुदी ४ से १४ दिन में सभी धातुयें, गुड़, मिर्च, खाँड़, तेल, राई, हींग, कपूर, लाख, बिनौला, चपड़ा, कपड़ा, गुगुल, हल्दी, रुई, सन, पाट, तेज; सुदी ८ से १६ दिन में सोना, चाँदी, शेयर, ईख, गुड़, खाँड़, कपूर, रस, तिल, तेल, रेंड़ी, बिनौला, मूँगफली तेज; सुदी ११ से ११ दिन में अवर्षण, सोना-चाँदी, चावल, सरसों, तेल, हींग मन्दा; बालकों को पीड़ा; सुदी १३ से चाँदी, सोना, रुई, घटबढ़कर तेज होगी।

१३, १८-१९-२०, २४-२५-२६, ३१ अक्टू. १-२ मई को बादल-वृष्टियोग है।

चाँदी—मन्दी खेलिये।

मार्गशीर्ष

वदी ३ से १४ दिन में चाँदी, नोट, धातु, तिल, तेल, चावल, सर्वरस, सूत, अफीम, सरसों, रेंड़ी तेज; पूर्व दक्षिण में उपद्रव; वदी ७ से २२ दिन में धान्य, शेयर, तेज; रुई मंदी; वदी १२ से १ मास में ऊनी वस्त्र, ताँबा, चाँदी सभी पदार्थ, तेल, रुई, तेज; धान्य मन्दा; वदी १३ से ८ दिन में तृण, लकड़ी, घी, शक्कर, तीसी, औषधियाँ तेज; अफीम मंदा; अमावस से १४ दिन में चाँदी, रुई तेज; राजपूताने में वृष्टि; सुदी १ से १४ दिन में रस, धातु, चना, ऊन तेज; गेहूँ, तीसी, मिर्च, तेज होकर मंदा; सोना १) २) चाँदी १) ३) मंदा; सुदी २ से ११ दिन में जलचर जन्तु, जलज द्रव्य तेज; उड़द, तिल, तेल, क्षार, नमक मंदा; सुदी ७ से ८ दिन में रुई मंदी; सुदी ८ से १८ दिन में चाँदी, लाल मिर्च, लाल कपड़ा, तीसी, सरसों तेज; अवर्षण; सुदी १४ से १४ दिन तक सोना-चाँदी, गुड़, प्रामिसरी-नोट, धान्य, रेंड़ी, गूगुल, पारा, सरसों, वस्त्र, अफीम तेज; सुदी १५ से २० दिन में चौपाये, चाँदी, रुई तेज; घी, तेल, अनाज मंदा होगा।

७-८-९, १४-१५-१६, २१-२२, २७-२८-२९ नव. को साधारण बादल-वृष्टियोग है।

चाँदी—तेजी खेलिये।

पौष

वदी १ से २० दिन में सभी अनाज, रस, चाँदी, रुई, शेयर, गुड़, चना तेज; खेतियों का नाश; वदी २ से ९ दिन में पक्षियों को पीड़ा; वदी ९ से ११ दिन में चाँदी, सोना, गुड़, धातु, साधारण तेज; वदी १० से १६ दिन में धान्य, घी, मंदा; चाँदी, सोना, रुई, घट-बढ़कर तेज; वदी ११ से ८ दिन में ईख, चावल, घी, रस तेज; अश्वों को पीड़ा; वदी १२ से १ मास में तिल, तेल, कपास, अनाज, सूत, चाँदी तेज; कोटा मालवा में उपद्रव; अमावस से १८ दिन में चाँदी तेज; तिल, भैंसों का नाश; भय-वृद्धि; सुदी ६ से २२ दिन में रुई, कपास मंदी; सुदी ८ से १ मास में रुई, शेयर तेज होकर मंदा; चाँदी, सोना, मंदा; रेंड़ी, अनाज तेज; सुदी ११ से १४ दिन में तिल, तेल, गुड़, गूगुल, हल्दी, चपड़ा, कपूर, ऊनी वस्त्र, सन, चना, बिनौला, चाँदी, अफीम तेज; सुदी १४ से ८ दिन में बिनौला तेज; धान्य मन्दा; वृष्टि अच्छी होगी।

४-५-६, ११-१२-१३, १८-१९-२०, २४-२५-२६, ३१ दिस. १ जनवरी को बादल-वृष्टियोग है।

माघ

वदी ३ से ८ दिन में गेहूँ, गुड़, खाँड़, चावल तेज; वदी ७ से ८ दिन में बच्चों को कष्ट; वदी ८ से १४ दिन में उड़द, गेहूँ, मूंग, चावल, रेंड़ी, रेशम, गुड़, कपड़ा, चाँदी, सोना, कपास, घी, लोहा, धान, पिपरामूल, लाख, चपड़ा, मूँग, बाँस, सरसों तेज; वदी १२ से १ मास में घी, तीसी, तेल, लाल वस्त्र, गुड़ वृद्धि तेज; वायु की तीव्रता, मालवा में वर्षा, सुदी १ से रुई तेज; सुदी ६ से दुर्भिक्ष-भय, धान्य तेज; गणितज्ञों को पीड़ा; अफीम तेज; राजपूताने में वृष्टि; रुई मन्दी; चाँदी तेज; सुदी ६ से ३ दिन पश्चात् चावल, मूँग, सज्जी, लहसुन, गुड़, खाँड़, लोहा, जस्ता, सीसा, रंग तेज; रुई, बिनौला, मूँगफली मंदी; सुदी ७ से १४ दिन में गेहूँ, यव, चावल, रेंड़ी, चाँदी, सभी धातुयें नोट, तीसी, सोपारी, लौंग, शक्कर, अफीम तेज; सुदी ९ से कपास, धान, कपड़ा, मंदी; सुदी १० से २५ दिन में चाँदी तेज होकर मंदी; रुई तेज; बिनौला मंदा; सुदी १२ से २२ दिन में तीसी, रुई, मंदी; चाँदी मन्दी होकर तेज; घी, तेल, रस तेज; सुदी १४ से ११ दिन में चावल, मोती, शक्कर, कपूर मन्दा होगा।

२-८-९-१०, १४-१५-१६, २०-२१-२२, २८-२९-३० जनवरी को बादल-वृष्टियोग है।

चाँदी—तेजी की ओर।

फाल्गुन

वदी २ से ३ मास में नर्मदा तट के देशों में दुर्भिक्ष, भयंकर रोग, युद्ध होगा। मजीठ, चन्दन, दाख, कपास, तेज; वदी ३ से १५ दिन में रुई मन्दी; तेल, चाँदी तेज; वदी ५ से १४ दिन में मूंग, मसूर, नोट, जवाहरात, रुई, सोना-चाँदी, मोती तेज; वदी ९ से ३ मास तक दुर्भिक्ष, कलह होगा। वदी १२ से १ मास में रेंड़ी, तीसी, अनाज मन्दा; नमक, तेल, धान, रुई तेज; गुड़, रक्त पदार्थ की वृद्धि; वदी १२ से रुई, कपास, चन्दन, कपूर, जवाहरात, सोना, चाँदी, शेयर, रस, तिल, तेल, रेंड़ी, बिनौला, मूँगफली तेज; वदी १४ से ८ दिन में सोना-चाँदी, शेयर मन्दा होकर तेज; सुदी ५ से १४ दिन में चाँदी, सरसों, सन, सूत, पाट, कपड़ा, नील, तेल, हींग, केराना, रेंड़ी, गुड़, जायफल, दाख, खारक सोंठ तेज; सुदी १४ से वदी १४ के भावों का उलटा भाव आयेगा। पूर्णिमा से २५ दिन में सर्वधान्य, रुई, चाँदी, तेज; तीसी, ऊन मन्दा; पशु पीड़ा होगी। थोड़ी वृष्टि भी सम्भव है।

४-५-६, ११-१२-१३, १७-१८-१९, २४-२५-२६ फरवरी को साधारण बादल-वृष्टि सम्भव है।

चाँदी—तेजी की ओर।

चैत्र कृष्णपक्षः

वदी ५ से २ मास कामरूप में अवर्षण, दुर्भिक्ष, धान तेज; राजविग्रह; वदी ६ से ९ दिन में सोना, सोपारी, सरसों, सोंठ, लाख, चपड़ा तेज; चाँदी मन्दी; वदी १२ से १ मास में धान्य, नमक, तिल, तेल, रस तेज; अफीम मन्दी होगी।

३-४-५, १०-११-१२, १६ मार्च को साधारण बादल-वृष्टियोग है।

देशों का राशि-चक्र

आधुनिक ज्यौतिषियों ने देशों की राशि मान ली है। इसी से देशों का फल भी कहते हैं। उनके विचार से शनि ही देशों में विशेष उथल-पुथल करता है। शनि उस राशि पर बैठा हो या देखता हो तो अवश्य गड़वड़ी करेगा; मेरे विचार से शनि और हर्षल उक्त काम किया करते हैं। अतः देशों का राशिफलचक्र दिया जा रहा है।

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मो.
इंगलैण्ड	आयरलैण्ड	पूर्व पंजाव	स्काटलैण्ड	फ्रांस	टर्की	जापान	मोरक्को	स्पेन	मेक्सिको	रूस	पुर्तगाल
सीलोन	मध्यदेश	जयपुर	अफ्रीका	काबुल	बगदाद	बर्मा	ब्राजील	अरब	भारतवर्ष	फारस	गशीलिया
मद्रास	आस्ट्रेलिया	मत्स्य देश	सिंध	विन्ध्यप्रदेश	मालवा	तिब्बत	लिवरपूल	हंगरी	अफगानिस्तान	अबीसीनिया	नारमण्डी
नैपाल	ईरान	मिश्र (अफ्रीका)	हालैण्ड	इटली	पेरिस	चीन	वाशिंगटन	काठियावाड़	पञ्जाब	हेम्बर्ग	ईजिप्ट
पोलैण्ड	डबलिन	लन्दन	चीन	सिसली	पूना	लिस्बन	डोवरमुहाना	शेफील्ड	बंगाल	ब्राइटर	लंकाशायर
जर्मनी	सूरत	वेल्स	उत्तरी अफ्रीका	रोम	नागपुर	गुजरात	दिल्ली		यूनान		
सीरिया		बेलजियम	न्यूजीलैण्ड	ब्रिस्टल	स्विटजरलैण्ड				आक्सफोर्ड		
फ्रांस		पालामू	कनाडा	बम्बई							
डेनमार्क			जिनेवा								
शिकागो			मैनचेस्टर								
वड़ौदा			कलकत्ता								

राशिज्ञान के लिये विशेष-विचार

नक्षत्र और राशि विचार में श और स; ब और व में कोई भेद नहीं होता, तथा जिसके नाम का पहला अक्षर संयुक्त हो वहाँ प्रथमाक्षर ग्रहण करें। उदाहरण—ज्ञानेन्द्र की मकरराशि क्षेमेन्द्र की मिथुन राशि हुई।

नाम्नि ऋलृक् अनुस्वारमात्रायां न भवन्ति ते। चेद्भवन्ति तदा ज्ञेया इ उ ए च यथाक्रमम् ॥१॥ वहूनि यस्य नामानि नरस्य स्युः कथञ्चन। ततःपश्चाद्भवं नाम ग्राह्यं स्वरविशारदैः ॥२॥ प्रसुप्तो भाषिते येन येनागच्छति शब्दितः। तस्य नामाद्यवर्णो या मात्रा स्वरः स एव हि ॥३॥ अथ जन्मराशि—नामराश्योः प्रधानता निर्णीयते-विवाहे सर्वमांगल्ये यात्रादौ ग्रहगोचरे। जन्मराशेः प्रधानत्वं नामराशिं न चिन्तयेत् ॥४॥ देशे ग्रामे गृहे युद्धे सेवायां व्यवहारके ॥ नामराशेः प्रधानत्वं जन्मराशिं न चिन्तयेत् ॥५॥ काकिण्यां वर्गशुद्धौ च दाने द्यूते ज्वरोदये। मन्त्रे पुनर्भूवरणे च नामराशेः प्रधानता ॥६॥ कुर्यात्षोडश कर्माणि जन्मराशौ वलान्विते। सर्वाण्यन्यानि कर्माणि नामराशौ बलान्विते ॥७॥ विवाहघटनं चैव लग्नजं ग्रहजं बलम्। नामभाच्चिन्तयेत् सर्वं जन्म न ज्ञायते यदा ॥८॥

अभिजित्—निर्णयः—वैश्वप्रान्त्यांघ्रिः श्रुति-तिथि-भागतोभिजित्स्यात् ॥ उत्तराषाढा का चौथा चरण श्रवण का पहला १५ वाँ भाग जोड़ के उसके चार भाग करे, उसको अभिजित् का एक चरण मान कर नाम रखने आदि के विचार में उपयोग करे। उत्तराषाढ़ा के तीन चरणों के ही चार भाग करके उत्तराषाढ़ा का एक चरण माने। श्रवण का १५ वाँ भाग छोड़ के जो शेष रहे उसके चार भाग करे, उसको श्रवण का १–१ चरण माने। 'वैश्वदैवतचतुर्लवः श्रवः पञ्चमूलव इहाभिजिन्मितिः'।

नक्षत्र विषघटी ज्ञानम्—अव विषघटी के स्पष्ट करने की क्रिया समझ लीजिये। नक्षत्रगुणज्ञानचक्र में नक्षत्रों के विषघटी के ध्रुवांक लिखे हैं, इनका स्पष्ट ऐसे करना चाहिये यथा—जिस दिन विषघटी देखना है उस दिन के सर्वर्क्ष से उसी नक्षत्र के ध्रुवांक को गुणाकर ६० का भाग देने से जो लब्धि मिले वही विषघटी के प्रवेश का समय है और विषघटी ४ घटी की होती है। इनका भी स्पष्टीकरण यों है। उदाहरण—मघा के सर्वर्क्ष ६० को मघा के ध्रुवांक ३० से गुणा कर ६० का भाग देने से लब्धि ३० मिले, बस इसी समय से विषघटी का प्रारम्भ हुआ, विषघटी ४ को ६० से गुणा कर ६० का भाग देने से लब्धि ४ मिले, बस इतने समय तक अर्थात् ३०।० से ३४।० तक शुभ कार्य नहीं करना।

जन्मकुण्डली से विशेष विचार और इष्टशुद्धि

लघु भ्राता का जन्म समय जानना—(१) स्पष्ट जन्म लग्न में स्पष्ट दशम लग्न जोड़े जो राशि हो, उस पर जब गोचर में गुरु ग्रह आवे तो भाई या बहन का जन्म होता है।

(२) तृतीयेश, तृतीयस्थग्रह, तृतीयेशस्थ राशीश की दशा में छोटे भ्राता का जन्म होता है यदि भ्रातृ-प्रतिबन्धक योग न हो।

भ्राता के कष्ट (खतरे) का समय जानना—(१) जन्म लग्नेश के स्पष्ट राश्यादि में स्पष्ट तृतीयेश के राश्यादि को

घटावे, शेष राश्यादि का जो नक्षत्र हो उस नक्षत्र पर जब गोचर में शनि या भौम, राहु या केतु आता है तब भाई या बहिन को कष्ट होता हैं।

(२) स्पष्ट लग्नेश में से स्पष्ट तृतीयेश घटावे, शेष में स्पष्ट दशमेश और स्पष्ट मंगल क्रमशः घटावे, शेष राश्यादि में जब गोचर का मंगल या राहु केतु या शनि होता है तब भ्रातृकष्ट होता है।

(३) लग्नेश, तृतीयेश, दशमेश, मंगल इन चारों स्पष्टों को जोड़कर जो राश्यादि हो उसके नवांश राशि में जब गोचर शनि मंगल राहु केतु या सूर्य होता है उस काल में भ्रातृकष्ट होता है।

(४) लग्नेश, तृतीयेश, दशमेश और भौम के राश्यादि को जोड़कर जो राश्यादि हो उसके द्रेष्काण राशि में जब गोचर का गुरु होता है तब भ्रातृकष्ट जानिये।

माता की मृत्यु का समय जानना–(१) जन्म के स्पष्ट सूर्य में से चन्द्रस्पष्ट को घटावे तो शेष के उस राशि में या त्रिकोण राशि में या उस शेष राशि के नवांश राशि में जब गोचर का शनि वा गुरु होगा तब माता की मृत्यु का समय जानना।

(२) सुखेश, चन्द्रमा या इनके साथवाला ग्रह सुखस्थ ग्रह चतुर्थ भाव पूर्णदर्शी ग्रह इनमें जो माता के लिये विशेष अरिष्टकारी ग्रह हो उस ग्रह की दशान्तर्दशा में माता को कष्ट होता है।

पुत्रोत्पत्ति का समय जानना–(१) जन्मलग्नेश पुत्रेश के स्पष्ट को जोड़े योगफल के राश्यादि और नवांश की राशि में या इन दोनों के त्रिकोण राशि में जब गोचर का गुरु होता है तब सन्तान उत्पन्न होती है। यदि सन्तान प्रतिबन्धक ग्रह न हों।

(२) ल० चं० गु० इन तीनों से पंचम स्थानेश या नवम स्थानेश की दशान्तर्दशा में सन्तानोत्पत्ति होती है।

विवाह या स्त्री-सुख होने का समय जानना–

(१) जन्म लग्नेश सप्तमेश को जोड़कर जो राशि हो उस राशि में जब गोचर का गुरु आवे तब विवाह होता है।

(२) चन्द्र राशीश और अष्टमेश को जोड़े उस राशि में जब गोचर का गुरु हो तब विवाह होता है।

(३) लग्नेश का नवमांशेश जिस राशि में हो उस राशि से द्वितीय भाव में जब गोचर में गुरु चन्द्र होते हैं तब विवाह होता है।

(४) श० चं० सप्तमेश की दशान्तर्दशा में विवाह होता है।

पिता के खतरे का समय जानना–(१) गुलिकस्पष्ट में से स्पष्ट सूर्य घटावें, शेष राशि के त्रिकोण में गोचर का शनि मंगल राहु या केतु जब हो तब पिता रोगग्रस्त होता है। और उक्त शेष राश्यादि के समय जब गोचर का गुरु होता है तब पिता की मृत्यु होती हैं।

(२) सूर्य से १।२।७।१२ भाव में जो पापग्रह हो उसकी दशान्तर्दशा में पिता की मृत्यु होती है।

प्राणपद का स्पष्टीकरण–पला में १५ का भाग देकर जो लब्ध आवे वह चारगुणी की हुई इष्ट घटीके अंक में मिला दें। १५ का भाग देने से जो अंश फल रहें उसका दूना अंश हुआ। चतुर्गुणित राशि और १५ का भाग देने से प्राप्त लब्धि राशि हुई। राशि १२ से अधिक हो तो १२ का भाग देना शेष राशि हुई। अंश पहले आ चुका है। इस राशि अंश को स्पष्ट सूर्य में जोड़ देना प्राणपद हुआ। प्राणपद से मनुष्यों का लग्न प्रायः १।५।९ स्थान में, पशुओं का लग्न २।६।१० स्थान में, पक्षियों का लग्न ३।७।११ स्थान में और कीट सर्प जलचर जन्तुओं का लग्न ४।८।१२ स्थान में रहता है। लग्न के व प्राणपद के अंश सदा समान रहते हैं।

मयूर-चित्रक के विचार

(१) पौष मास में मूल नक्षत्र से लेकर भरणी नक्षत्र तक के ११ नक्षत्रों को ध्यान पूर्वक देखकर कापी में लिख रक्खें, यदि इन दिनों में बादल हो तो आगे वर्षाकाल में सूर्य के आर्द्रा नक्षत्र से लेकर विशाखा तक ११ नक्षत्रों में वर्षा होगी। अर्थात् मूल नक्षत्र में बादल हों तो आगे वर्षाकाल में सूर्य का आर्द्रा नक्षत्र वर्षता निकले। एसे ही पूर्वाषाढ़ा से पुनर्वसु, उत्तराषाढ़ा से पुष्य, श्रवण से अश्लेषा, धनिष्ठा से मघा, शतभिषा से पूर्वाफाल्गुनी, पूर्वाभाद्रपद से उ. फा., उ. भा. से हस्त, रेवती से चित्रा, अश्विनी से स्वाती और भरणी से विशाखा नक्षत्र में वर्षा होवे॥ सुज्ञ जनों को चाहिये कि इन दिनों को अवश्य देखें और विचारपूर्वक अपने पास नोट कर लें जिससे वर्षा का अन्दाजा ध्यान में रहे।

(२) माघशुक्ल सप्तमी को पूर्व उत्तर की वायु चले आकाश बादलों से ढका रहे या बिजली चमके तो आगामी वर्ष अच्छा होता है, इस दिन आकाश निर्मल हो तो दुर्भिक्ष पड़ता है, निश्चय है।

(३) माघशुक्लनवमी को बादल या वर्षा आदि हो तो भाद्रपद में वर्षा अच्छी होती है।

(४) चैत्रकृष्ण में आकाश का निर्मल रहना अच्छा है, यदि यहाँ मूल से भरणी नक्षत्र तक बादल व वर्षा हो तो अनावृष्टि होती है। पौष में तो इन नक्षत्रों में बादल होना अच्छा है और इधर इस मास में निर्मल रहना अच्छा है।

(५) चैत्रशुक्लप्रतिपदा को वर्षा बिजली, या मेघ गर्जन हो तो श्रावण भाद्रपद में वर्षा की खैंच जरूर होती है।

(६) अश्विनी भरणी नक्षत्र पर सूर्य रहते यदि वायु-शास्त्र सम्बन्धी कोई वर्षानाशक अपयोग बना हो, परन्तु कृत्तिका के सूर्य में बिजली छीटें आदि हो जायँ तो अशुभ फल नहीं होता है। रोहिणी में तपे, कृत्तिका में छींटें, बिजली वा वर्षा हो और मृगशिरा में वायु चले तो वर्षाकाल में अच्छी वर्षा होती है, परन्तु रोहिणी में मेघ गर्जे, थोड़ी वर्षा हो या वायु चले, कृत्तिका में तपे पर मेघ गर्जन बिजली छींटें न हों, मृगशीर्ष में तपता हो तो वर्षा में न्यूनता होती है और दुर्भिक्ष पड़ता है।

(७) कृत्तिका में यदि वर्षा बूंदा-बाँदी हो जाय तो वायुमण्डल में पहले कुछ अशुभ योग भी हुए हों तो उनका बुरा फल नहीं होता, वर्षा काल में अच्छा पानी वर्षता है। अतः कृत्तिका के सूर्य में बूंदा-बाँदी बिजली बादल का होना अच्छा है।

(८) रोहिणी पर सूर्य रहे तो अच्छा तपना चाहिये, गर्मी अधिक हो तो वर्षा श्रेष्ठ, वायु अधिक हो तो वर्षा की कमी और वर्षा हो तो पहले वर्षा की कमी होकर पीछे वर्षा होती है, इन १५ दिनों में वायु, बादल, बिजली वर्षा होना हितकर नहीं, स्वच्छ धूप पड़नी चाहिये, रोहिणी में बूंदा-बाँदी होने पर वर्षा की खींच अवश्य होती है यह अनुभवसिद्ध है। आषाढ़ी पूर्णिमा की वायु अच्छी होने पर भी इसकी न्यूनता का प्रभाव तो पहले होता ही है।

(९) मृगशिरा नक्षत्र पर सूर्य रहे तब तक जोर का पवन चलना अच्छा है, यदि वायु न चले तो वर्षा देर से आती है और न्यून भी होती है।

दि. मा घ. प		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा. घ. प.			सू. उ. घं. मि.		सू. अ. घं. मि.		औ. स्पष्ट सूर्यः रा. अं. क. वि.				गतिः क. वि.	
३०	२९	१	चं.	१५	१९	रे.	३२	५५	ऐं.	४२	४७	व.	१५	१९	वा.	४५	५६	मातंग	२८	२९	१५	मे.	३२	५५	५	५४	६	६	११	१४	७	४४	५९	१८
३०	३२	२	मं.	१६	३३	अ.	३६	३३	वै.	४१	४३	कौ.	१६	२३	तै.	४७	५९	अमृत	२९	१	१६				५	५४	६	६	११	१५	७	२	५९	१६
३०	३६	३	बु.	१९	२५	भ.	४१	१६	वि.	४१	४९	ग.	१९	२५	व.	५१	३६	काण	३०	२	१७	वृ.	५७	५१	५	५३	६	७	११	१६	६	१५	५९	१४
३०	४०	४	गु.	२३	४७	कृ.	४७	३४	प्री.	४३	१३	वि.	२३	४७	व.	५६	३०	लुम्ब	३१	३	१८				५	५२	६	८	११	१७	५	३२	५९	१२
३०	४३	५	शु.	२९	१३	रो.	५४	३५	आ.	४५	१९	वा.	२९	१३	कौ.	६०	०	मित्र	१	४	१९				५	५१	६	९	११	१८	४	४४	५९	१०
३०	४७	६	श.	३५	१३	मृ.	६०	०	सौ.	४७	४१	कौ.	२	१३	तै.	३५	१३	वज्र	२	५	२०	मि.	२८	२४	५	५१	६	९	११	१९	३	५४	५९	८
३०	५१	७	र.	४१	३३	मृ.	२	१३	शो.	४९	५६	गं.	५	२३	व.	४१	३३	सौम्य	३	६	२१				५	५०	६	१०	११	२०	३	२	५९	६
३०	५३	८	चं.	४७	४१	आ.	९	३९	अ.	५१	५६	वि.	१४	३७	व.	४७	४१	कालदं.	४	७	२२	क.	५९	५०	५	४९	६	११	११	२१	२	८	५९	४
३०	५६	९	मं.	५२	५४	पुन.	१६	३४	सु.	५३	१६	वा.	२०	१६	कौ.	५२	५४	स्थिर	५	८	२३				५	४९	६	११	११	२२	१	१२	५९	२
३१	२०	१०	बु.	५७	३४	पु.	२२	१४	धृ.	५३	१९	तै	२५	१३	ग.	५७	३४	मातंग	६	९	२४				५	४८	६	१२	११	२३	०	१४	५८	५९
३१	२४	११	गु.	५८	४१	श्ले	२६	३१	शू.	५१	४६	व.	२८	६	वि.	५८	४१	अमृत	७	१०	२५	सिं.	२६	३१	५	४७	६	१३	११	२३	५९	१३	५८	५७
३१	२७	१२	शु.	५८	५६	म.	२८	५३	गं.	४९	१३	ब.	२८	४९	वा.	५८	५६	काण	८	११	२६				५	४७	६	१३	११	२४	५८	१०	५८	५५
३१	११	१३	श.	५७	२५	पू	२९	३१	वृ.	४४	३९	कौ.	२८	६	तै.	५७	२५	लुम्ब	९	१२	२७	कं.	४४	१२	५	४६	६	१४	११	२५	५७	५	५८	५३
३१	१४	१४	र.	५४	३६	उ.	२८	१७	ध्रु.	३८	५५	ग.	२५	५०	व.	५४	३६	मित्र	१०	१३	२८				५	४५	६	१५	११	२६	५५	५८	५८	५१
३१	१६	१५	चं.	४८	४९	ह.	२५	३३	व्या	३१	१६	वि.	२१	३७	व.	४८	४९	वज्र	११	१४	२९	तु.	५३	३४	५	४४	६	१६	११	२७	५४	४९	५८	४९

श्री शुभ संवत् २०१७ शके १८८२ चैत्र शुक्लपक्षः। सौम्यायनम् याम्यगोलः। मार्च २८ से अप्रैल ११ तक, सन् १९६० ई०।

चन्द्रदर्शनम्। नववर्षारम्भः। नवरात्रारम्भः। प्रतीच्यां g
शव्वाल स. सि. योगः। f या. जय. मु. २६।३१ या.।
गणेश ४ व्रतम्। मत्स्य जयन्ती। भ. ५१।३६ उ.।
भ. २३।४७ या.। रो. भे या. जय. मु.।
अप्रैल। मन्वादि। e २८।२४ उ. पश्चिम यात्रा मु.।
शतभिषा भे भौमः १२।१५। तिथिदानात् दक्षिण यात्रा मु. e
भ. ४१।३३ उ.। मीने शुक्रः ५८।१२।
भ. १४।३७ या.। तीक्ष्ण कर्म मु.। h १५।१९ या.।
रामनवमी व्रतम्। g यात्रा मु. द्वितीयायाम्। या. ज. मु.। h
मूले ४ च. गुरुः १।१२। उत्तरभाद्रपद भे शुक्रः ४०।१२।
भ. २८।६ उ. ५८।४१ या.। कामदा ११ व्रतं स्मार्तानाम् f
कामदा ११ व्रतं वैष्णवानाम्।
या. ज. मु. ३९।३१ उ.।
मीने बुधः ४२।९। भ. ५४।३६ उ.। स. सि. योगः।
भ. २१।३७ या.। वैशाख स्नानारम्भः।

चै. शु. १ चं. इ. ४५।१४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	१०	१०	८	१०	८	५	११
१४	३	१९	९	२२	२४	०	०
१२	१२	५३	३२	२३	१६	४६	४६
४४	८	४७	१८	१४	४४	५७	५७
५९	४४	३२	४	७३	३	३	३
१८	४५	२७	५	४७	१	११	११

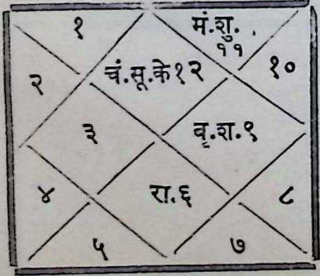

दैनिकलग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.		२ मं.		३ बु.		४ बृ.		५ शु.		६ श.		७ र.		८ चं.		९ मं.		१० बु.		११ बृ.		१२ श.		१३ श.		१४ र.		१	
मी. अं.	६	४२	६	३९	६	३५	६	३१	६	२७	६	२३	६	२०	६	१७	६	१३	६	९	६	५	६	१	५	५७	५	५४	५	५१
मे. अं.	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५६	७	५३	७	४९	७	४५	७	४१	७	३८	७	३३	७	३०	७	२७
वृ. अं.	१०	१४	१०	१०	१०	७	१०	३	९	५९	९	५५	९	५२	९	४९	९	४५	९	४१	९	३७	९	३३	९	२९	९	२६	९	२३
मि. अं.	१२	२९	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	६	१२	३	११	५९	११	५५	११	५१	११	४७	११	४३	११	४०	११	३७
क. अं.	२	४७	२	४३	२	३९	२	३५	२	३१	२	२७	२	२४	२	२१	२	१७	२	१३	२	९	२	५	२	१	१	५८	१	५५
सिं. अं.	५	४	५	०	४	५६	४	५२	४	४८	४	४५	४	४१	४	३८	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२	४	१८	४	१५	४	१२
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कं. अं.	७	२०	७	१६	७	१२	७	८	७	४	७	०	६	५७	६	५४	६	५०	६	४६	६	४२	६	३८	६	३४	६	३१	६	२८
तु. अं.	९	३८	९	३४	९	३०	९	२६	९	२२	९	१८	९	१५	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५६	८	५२	८	४९	८	४६
वृ. अं.	११	५४	११	५२	११	४८	११	४४	११	४०	११	३६	११	३३	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	७	११	४
ध. अं.	२	०	१	५७	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१	१	३८	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५	१	१२	१	९
म. अं.	३	४६	३	४२	३	३८	३	३४	३	३०	३	२६	३	२३	३	२०	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५७	२	५४
कुं. अं.	५	१६	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५६	४	५३	४	४९	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	४	३०	४	२७	४	२४

चत्र शु. ९ चं. इ.४५।२७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	१०	१०	८	११	८	५	११
२१	८	२३	९	१	२४	०	०
४६	३५	१५	५६	१	३६	२४	२४
३७	१४	१४	४६	४४	३६	५२	५२
५९	४४	४६	२	७३	२	३	३
४	४७	१४	४६	४८	१९	११	११

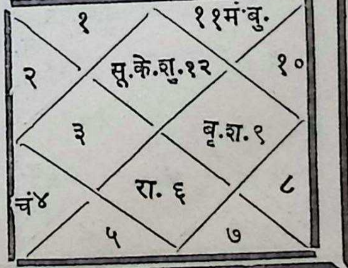

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	ब.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा	अं.	क	वि.	गतिः क.	वि.
३१	२३	१	मं.	४२	४६	चि.	२१	३६	ह	२३	१९	वा.	१५	४७	कौ.	४२	४६	ध्वांक्ष	१२	१५	३०				५	४३	६	१७	११	२८	५३	३८	५८	४७
३१	२७	२	बु.	३६	३१	स्वा	१७	१४	व.	१६	७	तै.	९	३८	ग.	३६	३१	धूम्र	१३	१६	३१	वृ.	४८	५५	५	४२	६	१८	११	२९	५२	२५	५८	४५
३१	३०	३	बृ.	२९	१७	वि.	१२	१३	सि	७/५९	५/३७	वि.	२	५२	वि	२९/५५	१७/४२	प्रवर्ध.	१४	१७	१				५	४१	६	१९	०	०	५१	१०	५८	४३
३१	३३	४	शु.	२२	१५	अ.	७	१३	व.	५१	१३	वा.	२२	१५	कौ.	४८	५४	रक्ष	१५	१८	२				५	४१	६	१९	०	१	४६	५३	५८	४१
३१	३७	५	श.	१५	३१	ज्ये.	२/५६	५५/४४	प.	४३	३४	तै.	१५	३१	ग.	४२	३३	मुशल	१६	१९	३	ध.	२	५५	५	४०	६	२०	०	२	४५	३४	५८	३९
३१	४१	६	र.	९	३६	पू.	५४	३४	शि.	३६	१२	व.	९	३६	वि.	३६	५६	शुभ	१७	२०	४				५	४०	६	२०	०	३	४७	१३	५८	३७
३१	४४	७	चं.	४/५५	१७/१५	उ.	५१	४१	सि.	२९	१६	वव	४	१७	वा	३१/५९	५४/३२	मृत्यु	१८	२१	५	म.	५८	५१	५	३९	६	२१	०	४	४५	५०	५८	३६
३१	४७	९	मं.	५५	१४	श्र.	४९	३४	सा.	२३	१५	तै.	२	२३	ग.	५५	१४	लुम्ब	१९	२२	६				५	३८	६	२२	०	५	४४	२६	५८	३८
३१	५१	१०	बु.	५२	६	ध.	४८	१३	शु.	१७	३४	व.	२३	४६	वि.	५२	६	मित्र	२०	२३	७	कुं.	१९	९	५	३७	६	२३	०	६	४३	०	५८	३२
३१	५४	११	बृ.	४९	३९	श.	४७	४६	ग	१२	४५	बव	२०	५३	वा	४९	३९	वज्र	२१	२४	८				५	३६	६	२४	०	७	४१	३२	५८	२८
३१	५७	१२	शु.	४८	१३	पू.	४७	१९	ब्र.	८	३७	कौ.	१८	५६	तै	४८	१३	ध्वांक्ष	२२	२५	९	मी.	३१	२५	५	३५	६	२५	०	८	४०	०	५८	२६
३२	१	१३	श.	४७	५६	उ.	४९	३७	ऐं.	५	३१	ग	१८	५	व	४७	५६	धूम्र	२३	२६	१०				५	३५	६	२५	०	९	३८	२६	५८	२४
३२	४	१४	र.	४८	३५	रे.	५२	१६	वै.	२	४६	वि.	२६	११	श.	४८	३५	प्रवर्ध.	२४	२७	११	मे.	५२	१६	५	३४	६	२६	०	१०	३६	५०	५८	२१
३२	७	३०	चं.	५०	३६	अ.	५५	५१	वि.	२	३७	च.	१९	२५	ना	५०	३६	रक्ष	२५	२८	१२				५	३४	६	२६	०	११	३५	११	५८	१७

श्रा शुभ सवत् २०१७ शके १८८२ वैशाख कृष्णपक्षः ।
सौम्यायन गोलौ । अप्रैल १२ से २५ तक ।

उ. फा. भे १ पादे सिंहे राहुः पू. भा. भे ३ पादे कुम्भे केतुः१२।९
सं. मेषेऽर्कः ७।१८ । उ. भा. भे बुधः ३४।४
भ. २।५२ उ. २९।१७ या. । स. सि. योगः यायी जय योगश्च a
दारुण कर्म. मु. ज्येष्ठा भे । b ५४।३४ उ.
तीक्षण कर्म मु. । a १२।१३ उ. । उदीच्यां यात्रा मु. अनु. भे ।
भ. ९।३६ उ.३६।५६ या. । रेवती भे.शुक्रः४५।९।स.सि.योगःb
स. सि.योगः ५१।४१ उ. । या. जय मु. ४।१७ या.
पूर्वभाद्रपदभे भौमः४१।१९ । गुरुः वक्री ३३।४ । दक्षिणस्यां c
भ. २३।४६ उ. ५२।६ या. । १९।९ या. दक्षिणस्यां यात्रा मु.
वरूथिनी ११ व्रतं स्मार्तानाम् । c यात्रा मु. तिथिदानात् ।
वरूथिनी ११ व्रतं वैष्णवानाम् ।
भ. ४७।५६ उ. । रेवती भे. बुधः १२।९ । यायी. जय मु. ।
भ. ३६।११या । स.सि.योगः५२।१५उ. । मास शिवरात्रि व्रतम् ।
सोमवती ३०। कपिलधारा तीर्थे श्राद्धम् ।

वै. कृ. २ बुधे ई. ४५।४३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	१०	११	८	११	८	४	१०
१	१५	३	१०	११	२४	२९	२९
६	२४	२४	१५	५८	४८	५६	५६
३१	३७	२७	३१	५२	२३	२०	२०
५८	४५	६९	१	७४	१	३	३
४५	१६	३७	९	७	३४	११	११

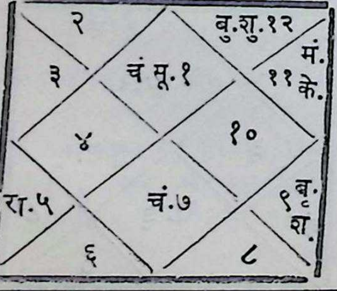

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ म.	२ बु.	तिथयः	३ बृ.	४ शु.	५ श.	६ र.	७ चं.	९ मं.	१० .	११ बृ.	१२ शु.	१३ श.	१४ र.	३० चं.
मी. अं.	५ ४९	५ ४४	मे. अं	७ १७	७ १३	७ ९	७ ५	७ २	६ ५९	६ ५५	६ ५१	६ ४७	६ ४३	६ ३९	६ ३६
मे. अं.	७ २५	७ २१	वृ. अं	९ १३	९ ९	९ ५	९ १	८ ५७	८ ५५	८ ५१	८ ४७	८ ४३	८ ३९	८ ३५	८ ३२
वृ. अं.	९ २१	९ १७	मि. अं	११ २७	११ २३	११ १९	११ १५	११ १२	११ ९	११ ५	११ १	१० ५७	१० ५३	१० ४९	१० ४६
मि. अं.	११ ३५	११ ३१	क अं	१ ४५	१ ४१	१ ३७	१ ३३	१ ३०	१ २७	१ २३	१ १९	१ १५	१ ११	१ ७	१ ४
क. अं.	१ ५३	१ ४९	सिं अं	४ २	३ ५८	३ ५४	३ ५०	३ ४७	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २४	३ २१
सिं. अं.	४ १०	४ ३	कं अं	६ २०	६ १५	६ १०	६ ६	६ ३	६ ०	५ ५६	५ ५२	५ ४८	५ ४५	५ ४०	५ ३७
राशयः	रा०	रा०	राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
कं. अं.	६ २८	६ २४	तु अं	८ ३६	८ ३२	८ २८	८ २४	८ २१	८ १८	८ १४	८ १०	८ ६	८ २	७ ५८	७ ५५
तु. अं.	८ ४४	८ ४०	व. अं	१० ५४	१० ५०	१० ४६	१० ४२	१० ३९	१० ३६	१० ३२	१० २८	१० २४	१० २०	१० १६	१० १३
वृ. अं.	११ २	१० ५८	ध अं.	१२ ५९	१२ ५५	१२ ५१	१२ ४७	१२ ४४	१२ ४१	१२ ३७	१२ ३३	१२ २९	१२ २५	१२ २१	१२ १८
ध. अं.	१ ७	१ ३	म. अं.	२ ४४	२ ४०	२ ३६	२ ३२	२ २९	२ २६	२ २२	२ १८	२ १४	२ १०	२ ६	२ ३
म. अं	२ ५२	२ ४८	कुं अं.	४ १४	४ १०	४ ६	४ २	३ ५९	३ ५६	३ ५२	३ ४८	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३३
कुं. अं.	४ २२	४ १८	मी अं.	५ ४१	५ ३७	५ ३३	५ २९	५ २६	५ २३	५ १९	५ १५	५ ११	५ ७	५ ३	५ ०

वै. कृ. १० बृधे इ. ४५।५५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	१०	११	८	११	८	४	१०
७	१०	१३	१०	२०	२५	२९	३९
२६	४५	३	१९	२४	१	३४	३४
५९	४७	२७	४१	५४	४८	११	११
५८	४५	८४	०	७४	०	३	३
३२	७	३९	व	३४	५४	११	११

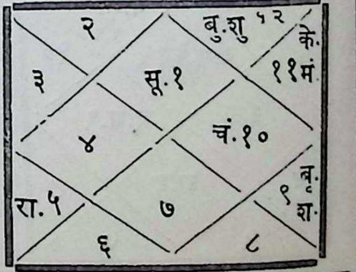

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्प. सूर्यः				गतिः	
घं.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३२	११	१	मं.	५३	१५	भ.	६०	०	प्री.	०	५१	किं.	२१	१३	वव	५३	१५	मुसल	२६	२९	१३				५	३४	६	२६	०	१२	३३	२८	५८	१२
३२	१३	२	बु.	५७	४९	भ.	१	३१	आ.	१	१५	वा.	२२	२५	कौ.	५७	४९	काण	२७	३०	१४	वृ.	१७	४०	५	३३	६	२७	०	१३	३१	४०	५८	१०
३२	१६	३	गु.	६०	०	कृ.	६	४६	सौ	२	२४	तै.	३०	४	ग.	६०	०	लुंब	२८	१	१५				५	३३	६	२७	०	१४	२९	५०	५८	८
३२	१९	३	शु.	२	१९	रो.	१३	३४	शो.	३	५९	ग.	२	१९	व.	३२	४९	मित्र	२९	२	१६	मि.	४७	२३	५	३२	६	२८	०	१५	२७	५८	५८	६
३२	२२	४	श.	९	१९	मृ.	२१	१३	अ.	६	१५	वि.	९	१९	वव	४२	१	वज्र	३०	३	१७				५	३१	६	२९	०	१६	२६	४	५८	४
३२	२५	५	र.	१५	४४	आ.	२८	४४	मु.	८	४९	वा.	१५	४४	कौ.	४८	४९	ध्वांक्ष	१	४	१८				५	३१	६	२९	०	१७	२४	८	५८	२
३२	२८	६	चं.	२१	५५	पुन	३६	१७	धृ.	११	१४	तै.	२१	५५	ग.	५४	४४	धूम्र	२	५	१९	क.	१९	२३	५	३०	६	३०	०	१८	१२	१०	५८	०
३२	३१	७	मं.	२७	३३	पु.	४२	४४	शु.	१३	१३	व.	२७	३३	वि.	५६	४१	प्रवर्ध.	३	६	२०				५	२९	६	३१	०	१९	१०	१०	५७	५७
३२	३४	८	बु.	३१	४९	श्ले	४८	१६	ग.	१४	१७	व	३१	४९	वा.	६०	०	रक्ष	४	७	२१	सिं.	४८	१६	५	२९	६	३१	०	२०	८	७	५७	५५
३२	३७	९	गु.	३४	४७	म.	५१	५३	वृ.	१३	५६	वा.	३	१८	कौ.	३४	४७	मुसल	५	८	२२				५	२८	६	३२	०	२१	६	२	५७	५३
३२	४०	१०	शु.	३५	४९	पू.	५२	४५	ध्रु.	१२	२४	तै.	५	१८	ग.	३५	४९	सिद्धि	६	९	२३				५	२८	६	३२	०	२२	३	५५	५७	५१
३२	४३	११	श.	३४	४६	उ.	५३	२५	व्या	९	१५	व.	५	१७	वि.	३४	४६	उत्पात	७	१०	२४	कं.	७	५५	५	२७	६	३३	०	२३	१	४६	५७	४९
३२	४६	१२	र.	३१	३९	ह.	५०	५५	ह.	८ ४/३	३/३५	वव	३	१२	वा.	३१/५९	३/७९	मानस	८	११	२५				५	२७	६	३३	०	२३	५३	३५	५७	४७
३२	४९	१३	चं.	२६	३५	चि.	४६	१७	सि.	५०	१२	तै.	२६	३५	ग.	५२	४३	मुद्गर	९	१२	२६	तु.	१८	६	५	२६	६	३४	०	२४	५७	२२	५७	४५
३२	५२	१४	मं.	१[illegible]	५१	स्वा	४१	४४	व्य.	४१	१३	व.	१८	५१	वि	४५	२३	ध्वज	१०	१३	२७				५	२५	६	३५	०	२५	५५	७	५७	४४
३२	५५	१५	व.	१२	१५	वि.	३५	३७	व.	३१	३५	वव	१२	१५	वा.	३८	४०	धाता	११	१४	२८	वृ.	२२	८	५	२५	६	३५	०	२६	५२	५१	५७	४३

श्री शुभ संवत् २०१७ शके १८८२ वैशाख शुक्लपक्षः।
सौम्म्यायन गोलौ। अप्रैल २६ से मई ११ तक।

भरणी भे रविः ४९।१२। स.सि.अ.सि.योगः। d या. ज. मु.।
चन्द्रदर्शनम् शनिः वक्री ३४।१२। स. सि. योगः १३।३
जिल्काद। मेषे शुक्रः २३।१२। अक्षय तृतीया। परशुराम a
भ. ३२।४९ उ.। प्राच्यां यात्रा मु. मृग भे। c यात्रा मु.।
भ. ३।१९ या.। प्रतीच्यां यात्रा मु. भद्रान्ते।
मई। मीने भौमः ३१।१२। मेषे बुधः ३०।१२।
या. जय मु. २१।५५ उ. ३६।१७ या.। तिथिदानात् प्रतीच्यां c
भ. २७।३३ उ. ५९।४१ या.। a जयन्ती। युगादि कल्पादि।
वक्री मूले ३ पादे गुरुः ३४।७।
उत्तराभाद्रपद भे भौमः ५९।५७।
पूर्वास्तं बुधः २४।८। e योगः, दक्षिणायां यात्रा मु.।
भ. ५।१७ उ. ३४।४६ या.। मोहिनी ११ व्रतं सर्वेषाम्। d
भरणी भे बुधः २६।९। त्रयोदशी योगे या. जय मु.। स. सि. e
भरणी भे शुक्रः ३।४१। नृसिंह जयन्ती। h कूर्मजयन्ती।
भ.१८।५१ उ. ४५।२३ या.। कृत्तिका भे रविः ३९।४। h
स्नानदानादौ १५।

वै. शु. २ वुधे इ. ४५।४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	१०	११	८	११	८	४	१०
१४	२५	२४	१०	२९	२५	२९	२९
१०	५१	७	१६	१०	३	११	११
२४	३३	१३	५८	४५	३०	१६	१६
५८	४४	१०२	२४	७४	०	३	३
१०	४५	३	व	१७	८	११	११

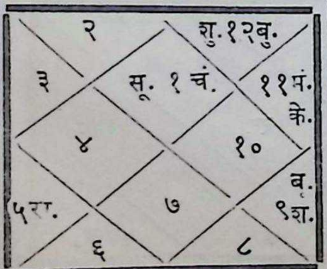

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.	२ बु.	३ गु.	३ शु.	४ श.	५ र.	६ चं.	७ मं.	८ बु.	९ गु.	१० शु.	११ श.	१२ र.	१३ चं.	१४ मं	१५ बु.
मे. अं.	६ ३३	६ २९	६ २५	६ २१	६ १७	६ १३	६ ९	६ ५	६ १	५ ५७	५ ५३	५ ४९	५ ४५	५ ४१	५ ३७	५ ३३
वृ. अं.	८ २९	८ २५	८ २१	८ १७	८ १३	८ ९	८ ५	८ १	७ ५७	७ ५३	७ ४९	७ ४५	७ ४१	७ ३७	७ ३३	७ २९
मि. अं.	१० ४३	१० ३९	१० ३५	१० ३१	१० २७	१० २३	१० १९	१० १५	१० ११	१० ७	१० ३	९ ५९	९ ५५	९ ५१	९ ४७	९ ४३
क. अं.	१ १	१२ ५७	१२ ५३	१२ ४९	१२ ४५	१२ ४१	१२ ३७	१२ ३३	१२ २९	१२ २५	१२ २१	१२ १७	१२ १३	१२ ९	१२ ५	१२ १
सिं. अं.	३ १८	३ १४	३ १०	३ ६	३ २	२ ५८	२ ५४	२ ५०	२ ४६	२ ४२	२ ३८	२ ३४	२ ३०	२ २६	२ २२	२ १८
कं. अं.	५ ३४	५ ३०	५ २६	५ २२	५ १८	५ १४	५ १०	५ ६	५ २	४ ५८	४ ५४	४ ५०	४ ४६	४ ४२	४ ३८	४ ३४
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
तु. अं.	७ ५२	७ ४८	७ ४४	७ ४०	७ ३६	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २०	७ १६	७ १२	७ ८	७ ४	७ ०	६ ५६	६ ५२
वृ. अं.	१० १०	१० ६	१० २	९ ५८	९ ५४	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३८	९ ३४	९ ३०	९ २६	९ २२	९ १८	९ १४	९ १०
ध. अं.	१२ १५	१२ ११	१२ ७	१२ ३	११ ५९	११ ५५	११ ५१	११ ४७	११ ४३	११ ३९	११ ३५	११ ३१	११ २७	११ २३	११ १९	११ १५
म. अं.	२ ०	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४४	१ ४०	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २४	१ २०	१ १६	१ १२	१ ८	१ ४	१ ०
कुं. अं.	३ ३०	३ २६	३ २२	३ १८	३ १४	३ १०	३ ६	३ २	२ ५८	२ ५४	२ ५०	२ ४६	२ ४२	२ ३८	२ ३४	२ ३०
मी. अं.	४ ५७	४ ५३	४ ४९	४ ४५	४ ४१	४ ३७	४ ३३	४ २९	४ २५	४ २१	४ १७	४ १३	४ ९	४ ५	४ १	३ ५७

वै. शु. ८ वुधे इ. ४५।२१

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	११	०	८	०	८	४	१०
२०	२	६	९	७	२५	२८	२८
५५	२१	९	०	४६	१	४९	४९
५४	४३	२७	३६	१४	५	३८	३८
५७	४४	११५	५२/१	७४	२७	३	३
५४	५२	९	व.	२३	व.	११	११

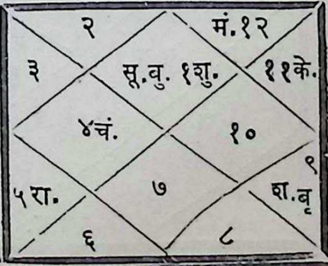

इ. स्ता. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतः क.	वि.	श्री शुभ सवत् २०१७ शके १८८२ ज्येष्ठ कृष्णपक्षः । सौम्यायन गोलौ । मई १२ से २५ तक ।
३२	५८	१	गु.	$\frac{४}{५२}$	$\frac{२८}{५}$	अ.	२८	४९	प.	२१	४१	कौ.	४	२८	तै.	$\frac{३०}{५६}$	$\frac{३०}{३३}$	आनंद	१२	१५	२९				५	२४	६	३६	०	२७	५०	३४	५७	४२	या. जय. मु. ४।२८ या. ।
३३	१	३	शु.	४६	१५	ज्ये.	२२	१३	शि.	११	३६	व.	१७	२९	वि.	४६	१५	चर	१३	१६	३०	ध.	२२	१३	५	२४	६	३६	०	२८	४८	१६	५७	४१	भ. १७।२९ उ. ४६।१५ या. । कृत्तिका भे बुधः ४२।९ ।
३३	४	४	श.	३८	१४	मू.	१६	११	सि.	$\frac{२}{५२}$	$५\frac{३}{४}$	व.	१२	४	वा.	३८	१४	गद	१४	१७	३१				५	२३	६	३७	०	२९	४५	५६	५७	३९	वृषेऽर्कः १५।१२ । गणेश ४ व्रतम् ।
३३	६	५	र.	३०	५४	पू.	१०	४२	शु.	४५	१८	कौ.	४	२९	तै.	$\frac{३०}{५७}$	$\frac{१२}{१५}$	शुभ	१५	१८	१	म.	२४	४९	५	२३	६	३७	१	०	४३	३६	५७	३८	या. जय. मु. स. सि. योगश्च १०।४२ उ. ।
३३	९	६	चं.	२४	५५	उ.	७	११	शु.	३८	२०	व.	२४	५५	वि.	४७	५२	मृत्यु	१६	१९	२				५	२२	६	३८	१	१	४१	१४	५७	३६	भ. २४।५५ उ. ४७।५२ या. । वृष बुधः ३:४४ । दक्षिणस्यां a
३३	११	७	मं.	२०	१३	श्र.	३	३६	ब्र.	३२	४	ब	२०	१३	वा.	४८	३५	लुम्ब	१७	२०	३	कुं.	३२	३४	५	२२	६	३८	१	२	३८	५०	५७	३४	दक्षिण पूर्वो यात्रा मु. । h यात्रा मु. तिथि दानात् ।
३३	१३	८	बु.	१६	५७	ध.	१	४३	ऐं.	२७	२६	कौ.	१६	५७	तै.	४५	५१	मित्र	१८	२१	४				५	२१	६	३९	१	३	३६	२४	५७	३३	प्रतीच्यां यात्रा मु. ।
३३	१५	९	गु.	१४	४५	श.	१	२९	वै.	२३	३५	ग.	१४	४५	व.	४४	५०	वज्र	१९	२२	५	मी.	४७	७	५	२१	६	३९	१	४	३३	५७	५७	३१	भ. ४४।५० उ. । चर कर्म मु. । i शुक्रः ४।१२ ।
३३	१८	१०	शु.	१३	५६	पू.	२	२०	वि.	२१	४८	वि.	१३	५६	व.	४४	५८	ध्वांक्ष	२०	२३	६				५	२०	६	४०	१	५	३१	२८	५७	३०	भ. १३।५८ या. । रोहिणी भे बुधः ४०।१२ । कृत्तिका भे i
३३	२०	११	श.	१४	४१	उ.	४	२७	प्री.	१९	५	बा.	१४	४१	कौ.	४४	३०	धूम्र	२१	२४	७				५	२०	६	४०	१	६	२८	५८	५७	२८	अपरा ११ व्रतं सर्वेषाम् । शुक्रास्तः पूर्वस्याम् । या. जय. मु. g
३३	२२	१२	र.	१६	१९	रे.	७	३९	आ.	१८	१७	तै.	१६	१९	ग.	४७	१९	प्रवर्ध	२२	२५	८	मे.	७	३९	५	२०	६	४०	१	७	२६	२६	५७	२७	वृषे शुक्रः ५०।१२ । g ४।२७ या. ।
३३	२४	१३	चं.	१८	१९	अ.	१२	९	सौ.	१८	३१	व.	१८	१९	वि.	५०	४६	रक्ष	२३	२६	९				५	१९	६	४१	१	८	२३	५३	५७	२५	भ. १८।१९ उ. ५०।४६ या. । मास शिवरात्रि व्रतम् ।
३३	२६	१४	मं.	२३	१४	भ.	१७	३२	शो.	१९	०	श.	२३	१४	च.	५५	१०	मुशल	२४	२७	१०	वृ.	३३	६	५	१९	६	४१	१	९	२१	१८	५७	२३	रोहिणी भे रविः ३३।१२ । रेवती भे भौमः ३९।१४ ।
३३	२८	३०	बु.	२७	४	कृ.	२३	४५	अ.	२०	२६	ना.	२७	४	किं.	५७	५९	सिद्धि	२५	२८	११				५	१८	६	४२	१	१०	१८	४१	५७	२२	वट सावित्री व्रतम् । स. सि. योगः ।

ज्ये. कृ. ८ बुधे इ. ४६।३६

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	११	१	८	०	८	४	१०
४	११	६	९	२४	२४	२८	२८
२३	५४	४३	५	५८	४१	४	४
५२	३५	१४	१	३५	५७	५२	५२
५४	४४	१२८	५	७४	$\frac{२}{२}$	३	३
३३	३५	२७	६	२३	व	११	११

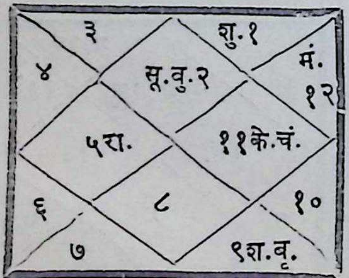

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ वृ.	३ शु.	४ श.	तिथयः	५ र.	६ चं.	७ मं.	८ बु.	९ वृ.	१० शु.	११ श.	१२ र.	१३चं.	१४ मं.	३० बु.
मी. अं.	५ ३१	५ २७	५ २३	वृ. अं.	७ १५	७ ११	७ ७	७ ३	६ ५९	६ ५५	६ ५१	६ ४७	६ ४३	६ ३९	६ ३६
मे. अं.	७ २७	७ २३	७ १९	मि. अं.	९ २७	९ ३३	९ २९	९ २५	९ २१	९ १७	९ १३	९ ९	९ ५	९ १	८ ५७
वृ. अं.	९ ४१	९ ३७	९ ३३	क. अं.	११ ४७	११ ४२	११ ३९	११ ३३	११ ३१	११ २७	११ २३	११ १९	११ १५	११ ११	११ ७
मि. अं.	११ ५९	११ ५५	११ ५१	सिं. अं.	२ १४	२ ०	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४४	१ ४०	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २४
क. अं.	२ १६	२ १२	२ ८	कं. अं.	४ २०	४ १६	४ १२	४ ८	४ ४	४ ०	३ ५६	३ ५२	३ ४८	३ ३४	३ ४१
सिं. अं.	४ ३२	४ २८	४ २४	तु. अं.	६ ३८	६ ३४	६ ३०	६ २६	६ २२	६ १८	६ १४	६ १०	६ ६	६ २	५ ५९
कं. अं.	रा०	रा०	रा०	वृ. अं.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
तु. अं.	६ ५०	६ ४६	६ ४२	राशयः	८ ५६	८ ५२	८ ४८	८ ४४	८ ४०	८ ३६	८ ३२	८ २८	८ २४	८ २०	८ १७
राशयः	९ ८	९ ४	९ ०	ध. अं.	११ १	१० ५७	१० ५३	१० ४९	१० ४५	१० ४१	१० ३७	१० ३३	१० २९	१० २५	१० २२
वृ. अं.	११ १३	११ ९	११ ५	म. अं.	१२ ४६	१२ ४२	१२ ३८	१२ ३४	१२ ३०	१२ २६	१२ २२	१२ १८	१२ १४	१२ १०	१२ ९
ध. अं.	१२ ५८	१२ ५४	१२ ५०	कुं. अं.	२ १६	२ १२	२ ८	२ ४	२ ०	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४४	१ ४०	१ ३७
म. अं.	२ २८	२ २४	२ २०	मी. अं.	३ ४३	३ ३९	३ ३५	३ ३१	३ २७	३ २३	३ १९	३ १५	३ ११	३ ७	३ ४
कुं. अं.	३ ५४	३ ५०	३ ४६	मे. अं.	५ १९	५ १५	५ १२	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५६	४ ५२	४ ४८	४ ४४	४ ४०

ज्ये. कृ. ३० बुधे. इ. ४६।४४

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	११	१	८	१	८	४	१०
११	१७	१९	८	३	२४	२७	२७
१६	२७	२९	२५	३५	२७	४२	४२
५०	१८	३५	३३	१७	२९	२९	२९
५७	४४	१०७	$\frac{२}{१४}$	७४	२	३	३
२२	३४	४२	व	३२	३५	११	११

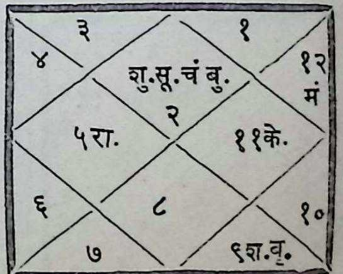

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.
३३	३०	१	गु.	३३	१४	रो.	३७	४१	सु.	२२	१७	वव	०	७	वा.	३३	१४	उत्पात	२६	२९	१२				५	१८	६	४२	१	११	१६	३	५७	२०
३३	३२	२	शु.	३९	१५	मृ.	३६	६	धृ.	२४	३६	वा.	६	१९	कौ.	३९	१५	मानस	२७	३०	१३	मि.	५	५३	५	१७	६	४३	१	१२	१३	२३	५७	१९
३३	३४	३	श.	४५	३१	आ.	४५	३६	शु.	२७	१४	तै.	१२	२३	ग.	४५	३१	मुद्गर	२८	१	१४				५	१७	६	४३	१	१३	१०	४२	५७	१७
३३	३६	४	र.	५१	४९	पुन.	५३	१४	गं.	२९	५७	व.	१८	३५	वि.	५१	४९	ध्वज	२९	२	१५	क.	३६	१९	५	१७	६	४३	१	१४	७	५९	५७	१६
३३	३७	५	चं.	५६	३९	पु.	६०	०	वृ.	३१	४६	व.	२४	९	वा.	५६	३९	धाता	३०	३	१६				५	१७	६	४३	१	१५	५	१५	५७	१४
३३	३९	६	मं.	६०	०	पु.	०	१९	ध्रु.	३३	३६	कौ.	२७	२५	तै.	६०	०	प्रवर्ध	३१	४	१७				५	१६	६	४४	१	१६	२	२९	५७	१३
३३	४१	६	बु.	०	३१	श्ले.	६	३९	व्या	३४	३३	तै.	०	३१	ग.	३३	१३	रक्ष	१	५	१८	सिं.	६	३९	५	१६	६	४४	१	१६	५९	४२	५७	१२
३३	४२	७	गु.	५	५७	म.	११	४१	ह.	२४	१२	व	५	५७	वि.	३७	५	मूसल	२	६	१९				५	१६	६	४४	१	१७	५६	५४	५७	११
३३	४४	८	शु.	८	१९	पू.	१५	१५	व.	३२	१७	व.	८	९	वा.	३८	२५	सिद्धि	३	७	२०	कं.	३०	३०	५	१५	६	४५	१	१८	५४	५	५७	१०
३३	४५	९	श.	८	३१	उ.	१६	२५	सि.	२८	५७	कौ.	८	३१	तै.	३७	३३	उत्पा.	४	८	२१				५	१५	६	४५	१	१९	५१	१५	५७	९
३३	४६	१०	र.	६	३५	ह.	१५	५५	व्य.	२४	१५	ग.	६	३५	व.	३४	३५	मानस	५	९	२२	तु	४४	१०	५	१५	६	४५	१	२०	४८	२४	५७	८
३३	४७	११	चं.	४	४३	चि.	१४	२५	व.	१७	३४	वि.	४	३४	व.	३३	३८	मुद्गर	६	१०	२३				५	१५	६	४५	१	२१	४५	३२	५७	७
३३	४९	१२	मं.	२ ५२	४३ ३६	स्वा	८	५२	प.	९	५६	वा.	२	४३	कौ.	२९	१	ध्वज	७	११	२४	वृ.	४९	३७	५	१४	६	४६	१	२२	४८	३९	५७	५
३३	५०	१४	बु.	४५	१४	वि.	३ ५३	१३ २१	शि.	० ५४	४९ ४५	ग.	१४	४७	व.	४५	१४	धाता	८	१२	२५				५	१४	६	४६	१	२३	३९	४४	५७	४
३३	५१	१५	ग.	३८	३४	ज्ये.	४८	१७	सा.	३९	२६	वि.	५	१९	वव	३८	३४	काल	९	१३	२६	ध.	४८	१७	५	१४	६	४६	१	२४	३६	४८	५७	३
×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	× ×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×

श्री शुभ संवत् २०१७ शके १८८२ ज्येष्ठ शुक्लपक्षः।
सौम्यायन गोलौ। मई २७ से जून ९ तक।

या. जय. मु.।
चन्द्रदर्शनम्। मृगशिरा भे बुधः ५८।१२। दक्षिण पश्चिमयो a
जिलहिज्ज। a यात्रा मु.।
भ. १८।३५ उ. ५१।४९ या.। b योगः यायी जय योगश्च।
मिथुने बुधः १०।५१। रोहिणी भे शुक्रः ५७।५४। स. सि. b
स. सि. योगः ०।१९ उ.।
जून। c या. जय योगः ६।३५ उ. १५।५५ या.।
भ. ५।५७ उ. ३७।५ या.। आर्द्रा भे बुधः ४२।३७।
उग्र कर्म मु.।
पश्चिमोदयं बुधः ५८।१२। यायी जय योगः ८।३१ या.।
भ. ३४।३५ उ.। गंगा दशहरा। स. सि. योगः १५।५५ या. c
भ. ४।३४ या.। निर्जला ११ व्रतं सर्वेषाम्।
मृगशिरा भे रविः ३१।८। वक्री मूले २ चर. गुरुः २९।५७
भ. ४५।१४ उ.। स. सि.योगः ३।१३ उ.।
भ. ५।१९ या.।

ज्ये. शु. ६ बुधे. इ. ४६।५१

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	११	२	८	१	८	४	१०
१७	२२	४	७	१२	२४	२७	२७
४७	५२	४८	३९	११	९	२०	२०
५३	१७	३९	३५	१४	१५	२७	२७
५७	४४	११५	९ ४८	७४	३	३	३
१२	१४	४०	व.	३६	१४	११	११

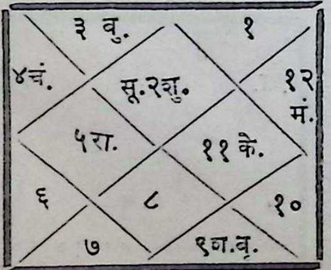

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ गु.	२ शु.	३ श.	४ र.	५ चं.	६ मं.	६ बु.	७ गु.	८ शु.	९ श.	१० र.	११चं.	१२ म.	१४ बु.	१५ गु.
वृ. अं.	६ ३१	६ २७	६ २३	६ १९	६ १५	६ ११	६ ७	६ ३	५ ५९	५ ५४	५ ४९	५ ४५	५ ४१	५ ३७	५ ३३
मि. अं.	८ ४५	८ ४१	८ ३७	८ ३३	८ २९	८ २५	८ २१	८ १७	८ १३	८ ९	८ ४	७ ५९	७ ५५	७ ५१	७ ४७
क. अं.	११ ३	१० ५९	१० ५५	१० ५१	१० ४७	१० ४३	१० ३९	१० ३५	१० ३१	१० २६	१० २१	१० १७	१० १३	१० ९	१० ५
सिं. अं.	१ २०	१ १६	१ १२	१ ८	१ ४	१ ०	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४३	१२ ३८	१२ ३४	१२ ३०	१२ २६	१२ २२
कं. अं.	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २४	३ २०	३ १६	३ १२	३ ८	३ ४	३ ०	२ ५५	२ ५०	२ ४६	२ ४२	२ ३८
तु. अं.	५ ५४	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३८	५ ३४	५ ३०	५ २६	५ २२	५ १७	५ १२	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५६
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ. अं.	८ १२	८ ८	८ ४	८ ०	७ ५६	७ ५२	७ ४८	७ ४४	७ ४०	७ ३६	७ ३१	७ २६	७ २२	७ १८	७ १४
ध. अं.	१० १७	१० १३	१० ९	१० ५	१० १	९ ५७	९ ५३	९ ४९	९ ४५	९ ४०	९ ३५	९ ३१	९ २७	९ २३	९ १९
म. अं.	१२ २	११ ५८	११ ५४	११ ५०	११ ४६	११ ४२	११ ३८	११ ३४	११ ३०	११ २५	११ २०	११ १६	११ १२	११ ८	११ ४
कुं. अं.	१ ३२	१ २८	१ २४	१ २०	१ १६	१ १२	१ ८	१ ४	१ ०	१२ ५५	१२ ५०	१२ ४६	१२ ४२	१२ ३८	१२ ३४
मी. अं.	२ ५९	२ ५५	२ ५१	२ ४७	२ ४३	२ ३९	२ ३५	२ ३१	२ २७	२ २२	२ १७	२ १३	२ ९	२ ५	२ १
मे. अं.	४ ३५	४ ३१	४ २७	४ २३	४ १९	४ १५	४ ११	४ ७	४ ३	३ ५९	३ ५४	३ ४९	३ ४५	३ ४१	३ ३७

ज्ये. शु. १४ बुधे. इ. ४६।५५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के
१	११	२	८	१	८	४	१०
२४	२६	१६	६	२१	२४	२६	२६
२७	५५	१६	३१	९	१	५७	५७
१५	३३	३४	४४	५२	१५	१३	१३
५७	४४	९३	७ ३५	७३	३	३	३
४	९	२२	व	३४	४६	११	११

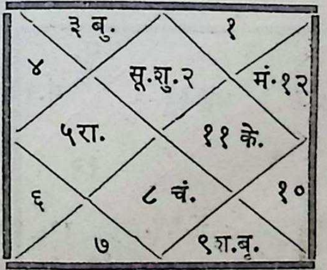

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	५१	१	शु.	२९	३५	मू.	४०	३४	शु.	२८	३३	कौ.	२९	३५	तै.	५२	१६	स्थिर	१०	१४	२७				५	१४	६	४६	१	२५	३३	५१	५७	२
३३	५२	२	श.	२०	५७	पू.	३२	५६	शु.	१८	१६	ग.	२०	५७	व.	४६	५०	मातंग	११	१५	२८	म.	४६	२६	५	१४	६	४६	१	२६	३०	५३	५७	०
३३	५३	३	र.	१२	४३	उ.	२६	५६	ब्र.	$\frac{७}{५१}$	$\frac{५०}{१३}$	वि.	१२	४३	ब.	३८	५९	अमृत	१२	१६	२९				५	१३	६	४७	१	२७	२७	५३	५६	५९
३३	५४	५	चं.	$\frac{५}{५८}$	$\frac{५५}{४६}$	श्र.	२१	२३	वै.	५१	४४	कौ.	५	१५	कौ.	$\frac{३१}{५८}$	$\frac{३८}{१}$	सिद्धि	१३	१७	३०	कुं.	५३	४१	५	१३	६	४७	१	२८	२४	५२	५६	५८
३३	५४	६	मं.	४५	३६	ध.	१७	५९	वि.	४५	३९	ग.	१४	५१	व.	४५	३६	उत्पात	१४	१८	३१				५	१३	६	४७	१	२९	२१	५०	५६	५७
३३	५५	७	बु.	३९	३२	श.	१६	१८	प्री.	४०	४७	वि.	११	५	व.	३९	३२	मानस	१५	१९	१				५	१३	६	४७	२	०	१५	४७	५६	५६
३३	५५	८	गु.	३९	१८	पू.	१६	९	आ.	३६	१३	वा.	९	२०	कौ.	३९	१८	मुद्गर	१६	२०	२	मी.	१	११	५	१३	६	४७	२	१	१५	४३	५६	५६
३३	५६	९	शु.	३९	१३	उ.	१७	५३	सौ.	३५	५३	तै.	९	५	ग.	३९	१३	ध्वज	१७	२१	३				५	१३	६	४७	२	२	१२	३९	५६	५६
३३	५६	१०	श.	४१	१५	रे.	२१	२५	शो	३४	३४	व.	१०	४	वि	४१	१५	धाता	१८	२२	४	मे.	१२	२५	५	१३	६	४७	२	३	९	३५	५६	५५
३३	५६	११	र.	४४	३५	अ.	२६	१४	अ.	३५	१६	व.	१२	५०	वा.	४४	३५	आनन्द	१९	२३	५				५	१३	६	४७	२	४	६	३०	५६	५५
३३	५६	१२	चं.	४८	५६	भ.	३१	४९	सु.	३६	१४	कौ.	१६	४६	तै.	४८	५६	चर	२०	२४	६	वृ.	५९	३१	५	१३	६	४७	२	५	३	२५	५६	५५
३३	५६	१३	मं.	५४	१९	कृ.	३८	३७	धृ.	३७	४६	ग.	२१	३८	व.	५४	१९	गद	२१	२५	७				५	१३	६	४७	२	६	०	२०	५६	५४
३३	५६	१४	बु.	६०	०	रो.	४५	५७	शू.	४१	३६	वि.	२७	१२	श.	६०	०	शुभ	२२	२६	८				५	१३	६	४७	२	६	५७	१४	५६	५४
३३	५६	१४	गु.	०	१६	मृ.	५३	१६	गं.	४२	१४	श.	०	१६	च.	३२	१८	मृत्यु	२३	२७	९	मि.	१९	३६	५	१३	६	४७	२	७	५४	८	५६	५३
३३	५६	३०	शु.	६	२१	आ.	६०	०	बृ.	४५	५१	ना.	६	२१	वि.	३९	७	पद्म	२४	२८	१०				५	१३	६	४७	२	८	५१	१	५६	५३

श्रीं शुभ संवत् २०१७ शके १८८२ आषाढ़ कृष्णपक्षः सौम्यायन गोलौ । जून १० से २४ तक ।

पुन. भे बुधः ५८।५६ । मृग. भे शुक्रः २८।१२ ।
भ. ४६।५० उ. । उ. षा. योगे यायी जय. मु. ।
मेषे भौमः १२।७ । भ. १२।४३ या. जय. स. सि. योगः ।d
स. सि. योगः । a भे ३ चर. शनिः ४७।३१ ।
सं. मिथुनेऽर्कः ३९।१४ । भ. ४५।३६ उ. । वक्री पू. षा. a
भ. ११।५ या. । चर कर्म मु. ।
मिथुने शुक्रः १०।३६ । d गणेश ४ व्रतम् ।
स्थिर कर्म मु. ।
भ. १०।४ उ. ४१।१५ या. । उदीच्यां यात्रा. ।
कर्के बुधः १८।५ । योगिनी ११ व्रतं सर्वेषाम् । स. सि. b
b योगः पूर्व यात्रा मु. । भरणी योगे या. जय मु. ।
भ. ५४।१९ उ. । आर्द्रा भे रविः ३३।२२ । आर्द्रा भे शुक्रः c
भ. २७।१२ या. । स. सि. योगः । मास शिवरात्रि व्रतम् ।
पुष्ये बुधः २८।५ । c३९।६ । स. सि. योगः ।
स्नानादौ ३० ।

आ. कृ. ७ बुधे इ. ४६।५८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	०	२	८	१	८	४	१०
१	२	१६	५	२९	२३	२६	२६
७	३३	१	५९	२५	१६	३६	३६
२७	१४	३५	२७	१४	९	१४	१४
५६	४३	६९	$\frac{०}{८१}$	७४	$\frac{×}{८}$	३	३
५६	३९	२७	व.	३७	व.	११	११

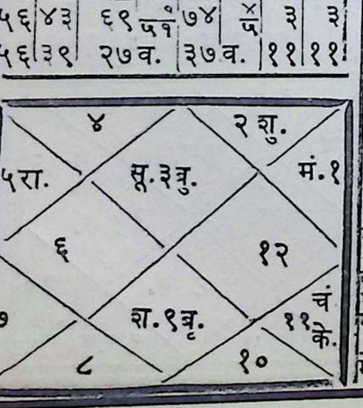

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.		२ श.		३ र.		५ चं.		६ मं.	
वृ. अं.	५	२९	५	२५	५	२१	५	१७	५	१३
मि. अं.	७	४३	७	३९	७	३५	७	३१	७	२७
क. अं.	१०	१	९	५७	९	५३	९	४९	९	४५
सिं. अं.	१२	१८	१२	१४	१२	१०	१२	६	१२	२
कं. अं.	२	३४	२	३०	२	२६	२	२२	२	१८
तु. अं.	४	५२	४	४८	४	४४	४	४०	४	३६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	७	१०	७	६	७	२	६	५८	६	५४
ध. अं.	९	१५	९	११	९	७	९	३	८	५९
म. अं.	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४
कुं. अं.	१२	३०	१२	२६	१२	२२	१२	१८	१२	१४
मी. अं.	१	५६	१	५२	१	४९	१	४५	१	४१
मे. अं.	३	३३	३	२९	३	२५	३	२१	३	१७

तिथय.	७ बु.		८ बृ.		९ शु.		१० श.		११ र.		१२ चं.		१३ मं.		१४ बु.		१४ बृ.		३० शु.	
मि. अं.	७	२४	७	१९	७	१५	७	११	७	७	७	३	६	५९	६	५५	६	५१	६	४७
क. अं.	९	४१	९	३७	९	३३	९	२९	९	२५	९	२१	९	१७	९	१३	९	९	९	५
सिं. अं.	११	५८	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२	११	३८	११	३४	११	३०	११	२६	११	२२
कं. अं.	२	१४	२	१०	२	६	२	२	१	५८	१	५४	१	५०	१	४६	१	४२	१	३८
तु. अं.	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५६
वृ. अं.	६	५०	६	४६	६	४२	६	३८	६	३४	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
ध. अं.	८	५५	८	५१	८	४७	८	४३	८	३९	८	३५	८	३१	८	२७	८	२३	८	१९
म. अं.	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४
कु. अं.	१२	१०	१२	६	१२	२	११	५८	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२	११	३८	११	३४
मी. अं.	१	३७	१	३३	१	२९	१	२५	१	२१	१	१७	१	१३	१	९	१	५	१	१
मे. अं.	३	१३	३	९	३	५	३	१	२	५७	२	५३	२	४९	२	४५	२	४१	२	३७
वृ. अं.	५	९	५	५	५	०	४	५६	४	५२	४	४८	४	४४	४	४०	४	३६	४	३२

आ. कृ. १४ बुधे इ. ४६।५८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	०	३	८	२	८	४	१०
७	५	३	५	७	२२	२६	२६
४५	११	५	६	५९	४९	१४	१४
५४	२९	५९	२९	५३	१५	३	३
५६	४३	२९	$\frac{७}{८२}$	७४	$\frac{×}{११}$	३	३
५४	३४	३९	व.	३९	व.	११	११

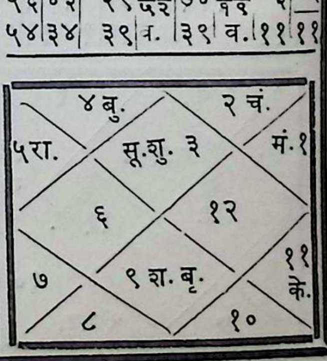

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.	मि	रा.	अं	क.	वि.	क.	वि.
३३	५६	१	श.	११	५३	आ.	०	३९	ध्रु.	४७	३९	व.	११	५३	वा.	४७	१४	मुद्गर	२५	२९	१	क.	५१	६	५	१३	६	४७	२	९	४७	५३	५६	५२
३३	५५	२	र.	१८	३५	पुन	७	५५	व्या	४९	४७	कौ.	१८	३५	तै.	५१	१७	ध्वज	२६	१	१२				५	१३	६	४७	२	१०	४४	४५	५६	५१
३३	५५	३	चं.	२३	५९	पु.	१४	५९	ह.	५१	१५	ग.	२३	५९	व.	५६	२०	धाता	२७	२	१३				५	१३	६	४७	२	११	४१	३६	५६	५१
३३	५४	४	मं.	२८	४१	श्ले.	२१	३१	व.	५२	१४	वि.	२८	४१	वव	६०	०	आनन्द	२८	३	१४	सिं.	२१	३१	५	१३	६	४७	२	१२	३८	२७	५६	५०
३३	५४	५	बु.	३२	३५	म.	२६	५३	सि.	५१	३६	व.	०	३८	वा.	३२	३५	चर	२९	४	१५				५	१३	६	४७	२	१३	३५	१७	५६	५०
३३	५३	६	गु.	३५	१७	पू.	३१	१४	व्य.	५१	५३	कौ.	३	५१	तै.	३५	१७	गद	३०	५	१६	कं.	४६	५५	५	१३	६	४७	२	१४	३२	७	५६	५०
३३	५२	७	शु.	३६	१६	उ.	३३	५९	व.	५०	१५	ग	५	४३	व.	३६	१६	शुभ	१	६	१७				५	१३	६	४७	२	१५	२८	५७	५६	५०
३३	५२	८	श.	३५	४९	ह.	३५	१५	प.	४६	४५	वि.	६	२	व.	३५	४९	मृत्यु	२	७	१८				५	१३	६	४७	२	१६	२५	४७	५६	५०
३३	५१	९	र.	३३	१६	चि.	३४	५७	शि.	४२	१४	वा.	४	३२	कौ.	३३	१६	पद्म	३	८	१९	तु.	५	६	५	१४	६	४६	२	१७	२२	३७	५६	५०
३३	५०	१०	चं.	२९	१९	स्वा	३२	२९	सि	३५	३९	तै.	१	१२	ग.	२९/५	१९/१७	छत्र	४	९	२०				५	१४	६	४६	२	१८	१९	२७	५६	५०
३३	४९	११	मं.	२३	१५	वि.	२८	१६	सा.	२७	४२	वि.	२३	१५	वव	५२	३१	श्रीवत्स	५	१०	२१	वृ.	४१	४९	५	१५	६	४५	२	१९	१६	१७	५६	५०
३३	४८	१२	बु.	१५	४६	अ	२२	३३	शु.	१९	१५	बा.	१५	४६	कौ.	४१	१६	सौम्य	६	११	२२				५	१५	६	४५	२	२०	१३	७	५६	५१
३३	४६	१३	गु.	६/५२	४७/३७	ज्ये.	१५	३६	शु.	०/५०	४०/११	तै.	६	४७	ग.	३३/५९	५/२४	कालदं	७	१२	२३	ध.	१५	३६	५	१५	६	४५	२	२	९	५८	५६	५१
३३	४५	१५	शु.	४६	२९	मू.	७	५७	ऐं.	४७	४५	वि.	२२	१२	वव	४६	२९	स्थिर	८	१३	२४				५	१५	६	४५	२	२२	६	४९	५६	५२

श्रा शुभ संवत् २०१७ शके १८८२ आषाढ़ शुक्लपक्षः।
सौम्यायन गोलौ। जून २५ से जुलाई ८ तक।

चन्द्रदर्शनम्। या. ज. मु. ०।३९ उ. ११।५३ या.।
मुहर्रम हिजरी सन् १३८०। स. सि. योगः ७।५५ उ.।
भ. ५६।२० उ.। स. सि. योगः १४।५९। प्राच्यामुदीच्यां या. मु.
भ. २८।४१ या.। a पूर्वं यात्रा मु.।
क्रूर कर्म मु.। c वायुपरीक्षाः। बुधास्तः पश्चिमायाम् ३।१९।
उग्र कर्म मु.। b ११ व्रतं सर्वेषाम्। चातुर्मास्य व्रतारम्भः।
जुलाई। भ. ३६।१६ उ.। वक्री बुधः ३६।१७। हस्त भे a
भ. ६।२ या.। पुन. भे शुक्रः २७।५।
भरणी भे भौमः ५६।१९।
भ. ५६।१७ उ.।
भ. २३।१५ या.। पुनर्वसु भे रविः ३७।४५। हरिशयनी b
स. सि. योगः २२।३३ या.। तिथिदानात् प्रतीच्यां यात्रा मु.
भ. ५९।२४ उ.। वक्री मूले १ च. गुरुः १।७।
भ. २२।१२ या.। गुरुव्यासयोः पूजनम्। आषाढ़ी योगः। c

आ. शु. ५ बुधे. इ. ४६।५७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	०	३	८	२	८	४	१०
१४	१०	६	४	१६	२२	२५	२५
२३	१८	७	१३	३६	१८	५०	५०
२४	३०	४७	३७	१४	३४	३९	३९
५६	४३	१०	७/४२	७४	४	३	३
५०	२	३२	व	३४	३७	११	११

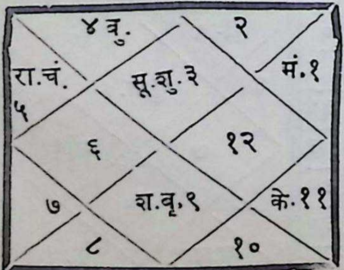

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.		२ र.		३ चं.		४ मं.		५ बु.		६ बृ.		७ शु.		८ श.		९ र.		० चं.		११ मं.		१२ बु.		१३ बृ.		१५ शु.	
मि. अं.	६	४२	६	३८	६	३४	६	०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१४	६	९	६	५	६	१	५	५७	५	५३	५	४९
क. अं.	९	०	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३६	८	२	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७
सिं. अ.	११	१७	११	१३	११	८	११	५	११	१	१०	५७	१०	५३	१०	४९	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४
कं. अं.	१	३३	१	२९	१	२५	१	२१	१	१७	१	१३	१	९	१	५	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०
तु. अं.	३	५१	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५	३	३१	३	२७	३	२३	३	१८	३	१४	३	१०	३	६	३	२	३	५८
वृ. अं.	६	११	६	५	६	१	५	२५	५	५१	५	४९	५	४५	५	४१	५	३६	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०	५	१६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
ध. अं.	८	१४	८	१०	८	६	८	२	७	५८	७	५४	७	५०	७	४६	७	४१	७	३७	७	३३	७	२९	७	२५	७	२१
म. अं.	९	९	९	५५	९	५१	९	४७	९	४३		३९	९	३५	९	३१	९	२६	९	२२	९	१	९	१४	९	१०	९	६
कुं. अं.	११	२९	११	२५	११	२१	१	७	१	१३	११	०	११	५	११	१	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६
मी. अं.	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२३	१२	१९	१२	१५	१२	११	१२	७	१२	३
मि. अं.	२	३२	२	२८	२	२४	२	२०	२	१६	२	१२		८	२	४	१	५०	१	५५	१	५१	१	४७	१	४३	१	३९
वृ. अं.	४	२८	४	२४	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५५		५१	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५

आ. शु. १२ बुधे. इ. ४६।५४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	०	३	८	२	८	४	१०
२१	१८	६	३	२५	२१	२५	२५
११	१	९	२२	१३	२४	३९	२९
४३	३९	१५	१५	४३	१	२८	२९
५६	४२	२०/३७	७/१८	७४	४	३	३
५	४१	व	व	३२	३९	११	११

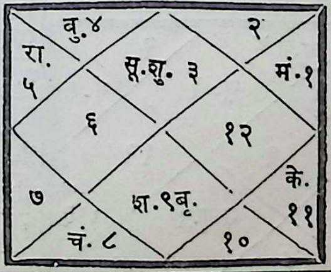

१६

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	४४	१	श.	३७	३६	पू.	६ ५५	७ १५	वै.	३६	५३	वा.	११	५३	कौ.	३७	३६	मातंग	९	१४	२५	म.	१३	५१	५	१५	६	४५	२	२३	३	४१	५६	५३
३३	४२	२	र.	२८	४३	श्र.	४५	३७	वि	२६	३५	तै.	२	३९	ग.	२८	४३	गद	१०	१५	२६				५	१६	६	४४	२	२४	८	३४	५६	५४
३३	४१	३	चं.	१९	३५	ध.	४०	१३	प्री.	१७	१६	वि.	१९	३५	वव	४६	१६	धूम्र	११	१६	२७	कुं.	१२	५५	५	१६	६	४४	२	२४	५७	२८	५६	५४
३३	३९	४	मं.	१२	५७	श.	३६	१३	आ.	९	१५	बा.	१२	५७	कौ.	४१	४	मृत्यु	१२	१७	२८				५	१६	६	४४	२	२५	५४	२२	५६	५५
३३	३८	५	बु.	९	११	पू.	३४	१७	सौ.	२ ५५	३ ३ १	तै.	९	११	ग.	३८	२३	पद्म	१३	१८	२९	मी.	१९	३८	५	१६	६	४४	२	२६	५१	१७	५६	५५
३३	३६	६	गु.	५	३६	उ.	३४	३१	अ.	५४	३१	व.	५	३६	वि	३५	३४	छत्र	१४	१९	३०				५	१७	६	४३	२	२७	४८	१२	५६	५६
३३	३४	७	शु.	५	३३	रे.	३८	४९	सु.	५२	४५	वव	५	३३	वा.	३४	११	श्रीवत्स	१५	२०	३१	मे.	३८	४९	५	१७	६	४३	२	२८	४५	८	५६	५६
३३	३३	८	श.	४	४९	अ.	४०	५६	धृ.	५२	३६	कौ.	४	४९	तै.	३३	३१	सौम्य	१६	२१	३२				५	१७	६	४३	२	२९	४२	४	५६	५६
३३	३१	९	र.	१०	१४	भ.	४६	२१	शू.	५३	२५	ग.	१०	१४	व.	४२	३४	कालदं	१७	२२	१				५	१८	६	४२	३	०	३९	०	५६	५७
३३	२९	१०	चं.	१४	५५	कृ.	५३	१६	गं.	५५	१६	वि.	१४	५५	वव	४७	५३	स्थिर	१८	२३	२	वृ.	३	१२	५	१८	६	४२	३	१	३५	५७	५६	५७
३३	२७	११	मं.	२०	४१	रो.	५९	५७	वृ.	५७	३७	वा.	२०	४१	कौ.	५३	३९	मातंग	१९	२४	३				५	१९	६	४१	३	२	३२	५४	५६	५७
३३	२५	१२	बु.	२६	३७	मृ.	६०	०	ध्रु.	५९	५६	तै.	२६	३७	ग.	५९	४५	अमृत	२०	२५	४	मि.	३३	५१	५	१९	६	४१	३	३	२९	५१	५६	५७
३३	२३	१३	गु.	३२	५६	मृ.	७	४६	व्या	६०	०	व.	३२	५६	वि.	६०	०	मृत्यु	२१	२६	५				५	१९	६	४१	३	४	२६	४८	५७	०
३३	२१	१४	शु.	३८	५५	आ.	१५	३३	व्या	२	३६	वि.	५	५५	श.	३८	५५	पद्म	२२	२७	६				५	२०	६	४०	३	५	२३	४८	५७	१
३३	१८	३०	श.	४४	४४	पुन	२२	३६	ह.	४	५६	च.	११	४८	ना.	४४	४४	छत्र	२३	२८	७	क.	५	५०	५	२०	६	४०	३	६	२०	४९	५७	२

श्री शुभ संवत् २०१७ शके १८८२ श्रावण कृष्णपक्षः। सौम्यायनम् । कर्कार्कतः याम्यायनम् । उत्तरगोलः जुलाई h

उ. षा. भे या. जय योगः । a मु. । तिथि दानात् ।
भ. २८।४३ उ. । कर्के शुक्रः ३८।१२ । प्राच्यां यात्रा मु. ।
भ. १९।३५ या. । प्रतीच्यां यात्रा मु. ।
चर कर्म मु. । b बुधः ४२।९ । रो. भे या. जय मु. ।
वक्री. पुन. भे बुधः १८।१२ । पुष्ये शुक्रः १९।१७ ।
भ. ५।३६ उ. ३५।३४ या. । रेवती भे स. सि. योगः ।
उदीच्यां यात्रा मु. । स. सि. योगः अ. सि. योगः ।
कर्केऽर्कः १८।५७ । शुक्रास्त पूर्वे ५।४२ । उदीच्यां यात्रा a
भ. ४२।३४ उ. । या. जय मु. । १०।१४ या. ।
भ. १४।५५ या. । कृत्तिका भे भौमः ४३।१२ । वक्री मिथुने b
पुष्ये रविः ४१।९ । कामदा ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
दक्षिण पश्चिमौ यात्रा मु. । h ९ से २३ तक ।
भ. ३२।५६ उ. । मृदु कर्म मु. । मास शिवरात्रि व्रतम् ।
भ. ५।५५ या. । दारुण कर्म मु. ।
या. जय मु. । २२।२६ या. । स्नान श्राद्धादौ ३० ।

श्रा. कृ. ७ बुधे. इ. ४६।४९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	०	३	८	३	८	४	१०
२७	२३	३	२	३	२१	२५	२५
३९	५	५	१२	४९	१६	६	६
५९	२४	११	१	५२	३०	२९	२९
५६	४२	३७ १४	६ ३४	७४	४ ४०	३	३
५५	१४	व.	व.	३७	व.	११	११

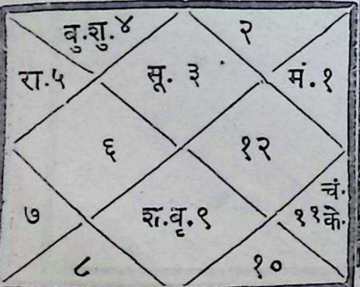

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.		२ र.		३ चं.		४ मं.		५ बु.		६ बृ.		७ शु.		८ श.		तिथयः	९ र.		१० चं.		११ मं.		१२ बु.		१३ बृ		१४ शु.		३० श.	
मि. अं.	५	४५	५	४१	५	३६	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०	५	१६	क. अं.	८	१	७	५७	७	५२	७	४७	७	४२	७	३८	७	३४
क अं.	८	३४	८	३०	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०	८	६	सिं. अं.	१०	१६	१०	११	१०	७	१०	३	९	५९	९	५५	९	५१
सिं. अं.	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	९	२८	१०	२४	१०	२०	कं. अं.	१२	३	११	५९	११	५५	११	५१	११	४७	११	४३	११	४०
कं. अं.	१२	३६	१२	३२	१२	२७	१२	२३	१२	१९	१२	१५	१२	११	१२	७	तु. अं.	२	२१	२	१७	२	१३	२	९	२	५	२	१	१	५८
तु. अं.	२	५४	२	५०	२	४५	२	४१	२	३७	२	३३	२	२९	२	२५	वृ. अं.	४	३९	४	३५	४	३१	४	२७	४	२३	४	१९	४	१६
वृ. अं.	५	१२	५	८	५	४	४	५९	४	५५	४	५१	४	४७	४	४३	ध. अं.	६	४४	६	४०	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	६	२१
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
ध. अं.	७	१७	७	१३	७	८	७	४	७	०	६	५६	६	५२	६	४८	म. अं.	८	२९	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	९	८	६
म. अं.	९	२	८	५८	८	५३	८	४९	८	४५	८	४१	८	३७	८	३३	कुं. अं.	९	५९	९	५५	९	५१	९	४७	९	४३	९	३९	९	३६
कुं. अं.	१०	३२	१०	२८	१०	२३	१०	१९	१०	१५	१०	११	१०	७	१०	३	मी. अं.	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	६	११	३
मी. अं.	११	५९	११	५५	११	५०	११	४६	११	४२	११	३८	११	३४	११	३७	मे. अं.	९	१२	१२	५८	१२	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३९
मे अं.	१	३५	१	३१	१	२७	१	२२	१	१८	१	१४	१	१०	१	६	वृ. अं.	२	५८	२	५४	२	५०	२	४६	२	४२	२	३८	२	३५
वृ. अं.	३	३१	३	२७	३	२२	३	१८	३	१४	३	१०	३	६	३	२	मि. अं.	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५६	४	५२	४	४९

श्रा. कृ. १२ बुधे. इ. ४६।४२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	०	२	८	३	८	४	१०
४	२८	२८	१	१२	२०	२४	२४
१८	२	३०	५३	२६	४०	४४	४४
२९	२३	१५	५७	३४	३०	३२	३
५६	४१	३८ ३७	५ ३९	७४	४ २६	३	३
५७	५७	व.	व.	३२	व.	११	११

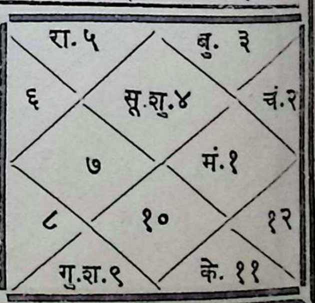

दि. मा. घ. प.		ति. वा.		घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र. रा. घ. प.			सू. उ. घ. मि.		सू. अ. घं. मि.		ओ. स्पष्ट सूर्य रा. अं. क. वि.				गतिः क. वि.	
३३	१६	१	र.	४९	३७	पु.	२९	३६	व.	६	५३	किं.	१७	१०	वव	४९	३७	श्रीवत्स	२४	२९	८				५	२१	६	३९	३	७	१७	५१	५७	३
३३	१४	२	चं.	५३	५७	श्ले.	३५	३४	सि.	८	१६	वा.	२१	३७	कौ.	५५	५७	सौम्य	२५	३०	९	सिं.	३५	३४	५	२१	६	३९	३	८	१४	५४	५७	४
३३	१२	३	मं.	५७	१७	म.	४१	१०	व्य.	९	१५	तै.	२५	१३	ग.	५७	१७	काल	२६	१	१०				५	२२	६	३८	३	९	११	५८	५७	५
३३	९	४	बु.	६०	०	पू.	४४	५५	व.	९	३६	व.	२८	६	वि.	६०	०	स्थिर	२७	२	११				५	२२	६	३८	३	१०	९	३	५७	६
३३	७	४	गु.	०	३२	उ.	४८	१३	ग.	८	३६	वि.	०	३२	वव	३०	२८	मातंग	२८	३	१२	कं.	०	४४	५	२३	६	३७	३	११	६	९	५७	७
३३	४	५	शु.	०	३१	ह.	५०	१५	शि.	७	१०	वा.	०	३१	कौ.	३०	२६	अमृत	२९	४	१३				५	२३	६	३७	३	१२	३	६	५७	८
३३	२	६	श.	०/५८	३१/३७	चि.	५०	४९	सि.	४	४३	तै.	०	३१	ग.	२०/५९	४९/८	काण	३०	५	१४	तु.	२०	३२	५	२४	६	३६	३	१३	०	१४	५७	९
३२	५६	८	र.	५६	१५	स्वा	५०	२७	सा.	१/५७	५५/१३	वि.	२७	२२	व.	५६	१५	लुम्ब	३१	६	१५				५	२४	६	३६	३	१३	५७	२३	५७	१०
३२	५७	९	चं.	५१	५६	वि.	४८	१२	शु.	५०	२७	वा	२४	६	कौ.	५१	५६	मित्र	१	७	१६	वृ.	३३	४४	५	२५	६	३५	३	१४	५४	३३	५७	१२
३२	५४	१०	मं.	४६	३७	अ.	४४	३५	ब्र.	४३	३४	तै.	१९	१२	ग.	४६	३७	वज्र	२	८	१७				५	२५	६	३५	३	१५	५१	४५	५७	१३
३२	५१	११	बु.	३९	३७	ज्ये.	३९	४५	ऐं.	३५	१६	ब.	१३	२	वि.	३९	३७	ध्वांक्ष	३	९	१८	ध.	३९	४५	५	२६	६	३४	३	१६	४८	५८	५७	१४
३२	४८	१२	गु.	३१	२५	मू.	३३	३९	वै.	२६	२७	व.	५	३१	वा.	३१	२५	धूम्र	४	१०	१९				५	२६	६	३४	३	१७	४६	१२	५७	१६
३२	४५	१३	शु.	२२	३५	पू.	२७	१५	वि.	१६	३६	तै.	२२	३५	ग.	४७	५५	प्रवधं.	५	११	२०	म.	४०	२२	५	२७	६	३३	३	१८	४३	२८	५७	१७
३२	४८	१४	श.	१३	१५	उ.	१९	४५	प्री.	६/२१	४९/३९	व.	१३	१५	वि.	३९	१५	रक्ष	६	१२	२१				५	२७	६	३३	३	१९	४०	४५	५७	१८
३२	४०	१५	र.	५	१६	श्र	१२	४२	सौ.	४६	११	वव	५	१६	वा.	३१	२३	गद	७	१३	२२	कुं.	३९	४३	५	२८	६	३२	३	२०	३८	३	५७	१९
+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+ +	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+

श्री शुभ सवत् २०१७ शके १८८२। श्रावण शुक्लपक्षः।
याम्यायनम् सौम्यगोलः। जुलाई २४ से अगस्त ७ तक

श्लेषा भे शुक्रः ६।२९। शारदीय नवरात्रारम्भः। स.सि. a
वृषे भौमः २।५९। चन्द्रदर्शनम्। बुधः पूर्वोदयः ५५।५९।
सफर। मधुश्रवा ३। a योगः २९।३६ या.।
भ. २८।२६ उ. ६०।० या. गणेश ४ व्रतम्।
मार्गी बुधः ४३।१४। शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ५९।७। पंचमी b
नागपञ्चमी। याम्य पूर्व यात्रा मु.। bयोगे या. जय मु.।
भ. ५९।८ उ.। या. जय मु. ५०।४९ उ.।
भ. २७।२२ या.।
अगस्त। वक्री पू. षा. भे २ चरणे शनिः ३०।८।
श्लेषा भे रविः ५२।९।
भ. १३।२ उ. ३९।३७ या.। मघायां सिंहे शुक्रः ५७।४५। c
कर्के बुधः ५४।१२। c पुत्रदा ११ व्रतं सर्वेषाम्।
उग्र कर्म मु.।
भ. १३।१५ उ. ३९।१५ या.। स. सि. योगः १९।४५ उ.।
रोहिणी भे भौमः ४३।५९। श्रावणी। रक्षाबन्धनम्।

श्रा. शु. ४ बुधे. इ. ४६।३४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	१	२	८	३	८	४	१०
१०	१	२६	१	२१	२०	२४	२४
५७	४९	१९	५०	३	१९	५१	५१
१९	३७	१३	४४	५१	५८	५७	५७
५७	४१	११/७	४/३३	७४	४/८	३	३
६	४७	व.	व.	३५	व.	११	११

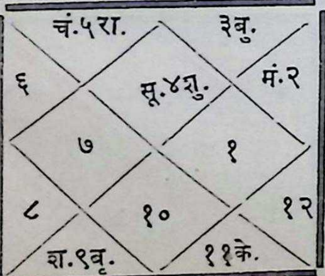

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.		२ चं.		३ मं.		४ बु.		४ बृ.		५ शु.		६ श.		८र.		९ चं.		१० मं.		११ बु.		१२ बृ.		१३श.		१४ श.		१५ र.	
क. अं.	७	४	७	०	६	५६	६	५२	६	४८	६	४४	६	४०	६	३६	६	३३	६	२९	६	२५	६	२१	६	१७	६	१३	६	९
सि. अ.	९	२१	९	१७	९	१३	९	९	९	५	९	१	८	५७	८	५३	८	५०	८	४६	८	४२	८	३८	८	३४	८	३०	८	२६
कं. अ.	११	३६	११	३३	११	२९	११	२५	११	२१	११	१७	११	१३	११	९	११	६	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४२
तु. अं.	१	५५	१	५१	१	४७	१	४३	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१	०
वृ. अं.	४	१३	४	९	४	५	४	१	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५	३	४२	३	३८	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८
ध. अं.	६	१८	६	१४	६	१०	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४७	५	४३	५	३९	५	३५	५	३१	५	२७	५	२३
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
म. अं.	८	३	७	५९	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९	७	३५	७	३२	७	२८	७	२४	७	२०	७	१६	७	१२	७	८
कु. अं.	९	३२	९	२९	९	२५	९	२१	९	१७	९	१३	९	९	९	५	९	२	८	५८	८	५४	८	५०	८	४६	८	४२	८	३८
मी. अं.	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२९	१०	२५	१०	२१	१०	१७	१०	१३	१०	९	१०	५
मे. अं.	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	५	१२	१	११	५७	११	५३	११	४९	११	४५	११	४१
वृ. अ.	२	३२	२	२८	२	२४	२	२०	२	१६	२	१२	२	८	२	४	२	१	१	५७	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७
मि. अं.	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२	४	१८	४	१५	४	११	४	७	४	३	३	५९	३	५५	३	५१

श्रा. शु. ११ बुधे. इ. ४६।२५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	१	२	८	३	८	४	१०
१७	७	२९	०	२९	१९	२४	२४
३७	३१	९	३०	४०	५२	०	०
४४	१४	३७	४९	३८	४९	२९	२९
५७	४१	४०	३/२९	७४	४/४९	३	३
१४	४	३४	व.	२८	व	११	११

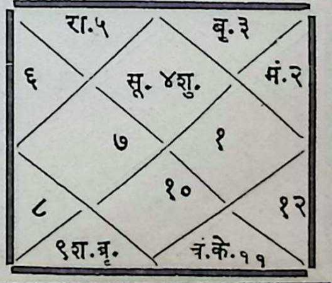

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. पं.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	ब.	च. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः		श्रीं शुभ संवत् २०१७ शके १८८२ भाद्रपद कृष्णपक्षः।
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	याम्यायनम्। सौम्यगोलः। अगस्त ८ से २२ तक।
३२	३७	२	चं.	४७	५४	ध.	६	३७	शो.	३७	९	तै.	२१	३९	ग.	४७	५४	शुभ	८	१४	२३				५	२९	६	३१	३	२१	३५	२२	५७	२१	पुष्ये बुधः २१।१४। प्रतीच्यां यात्रा मु.।
३२	३४	३	मं.	४२	१५	श.	९ ५७	५७ २४	अ.	२८	५९	व.	१४	५९	वि.	४२	१५	मृत्यु	९	१५	२४	मी.	४५	०	५	२९	६	३१	३	२२	३२	४३	५७	२२	भ. १४।५९ उ. ४२।१५ या.। चर कर्म मु.। उग्र कर्म a
३२	३१	४	बु.	३८	१६	उ.	५५	५६	सु.	२२	२७	वव	१०	५	वा.	३८	१६	लुम्ब	१०	१६	२५				५	३०	६	३०	३	२३	३०	५	५७	२३	गणेश ४ व्रतम्। a मु. १।५७ उ.।
३२	२८	५	गु.	३६	१४	रे.	५६	३१	धृ.	१७	२९	कौ.	७	१०	तै.	३६	१४	मित्र	११	१७	२६	मे.	५६	३१	५	३०	६	३०	३	२४	२७	२८	५७	२४	उदीच्यां यात्रा मु.। या. जय मु.।
३२	२५	६	शु.	३६	४७	अ.	५९	११	शू.	१४	२२	ग.	६	२७	व.	३६	४७	वज्र	१२	१८	२७				५	३१	६	२९	३	२५	२४	५२	५७	२७	हलषष्ठी। भ. ३६।४७ उ.। तिथिदानात् प्राच्यां यात्रा मु.
३२	२२	७	श.	३९	१३	भ.	६०	०	गं.	१२	५२	वि.	७	५६	वव	३९	१३	ध्वांक्ष	१३	१९	२८				५	३२	६	२८	३	२६	२२	१९	५७	२९	भ. ७।५६ या.। जन्माष्टमी व्रतं स्मार्तानाम्। यायी b
३२	१९	८	र.	४३	२५	भ.	३	४७	वृ.	१२	२	वा.	११	१६	कौ.	४३	२५	कालदं	१४	२०	२९	वृ.	२०	१५	५	३२	६	२८	३	२७	१९	४८	५७	३१	जन्माष्टमी व्रतम् वैष्णवानाम्। पू. षा. भे. शुक्रः ४८।४९।
३२	१५	९	चं.	४८	४५	कृ.	९	३९	ध्रु.	१३	५६	तै.	११	२	ग.	४८	४५	स्थिर	१५	२१	३०				५	३३	६	२७	३	२८	१७	१९	५७	३३	रोहिणी योगे यायी जय मु.। स. सि. योगश्च।
३२	११	१०	मं.	५४	४५	रो.	१६	४५	व्या	१६	३	व.	२१	४५	वि.	५४	४५	मातंग	१६	२२	३१	मि.	५०	३१	५	३३	६	२७	३	२९	१४	५२	५७	३४	सं. मघा भे सिंहे च रविः ४६।५२। भ. २१।४५ उ. ५४।४५ या.
३२	९	११	बु.	६०	०	मृ.	२४	१६	ह.	१८	२२	वव	२८	२	वा	६०	०	अमृत	१७	२३	१				५	३४	६	२६	४	०	१२	२६	५७	३५	स. सि. योगः २४।१६ या.। b जय योगश्च।
३२	६	११	गु.	१	१९	आ.	३१	५४	व्र.	२०	५५	बा.	१	१९	कौ.	३३	२६	काण	१८	२४	२				५	३४	६	२६	४	१	१०	१	५७	३७	जया ११ व्रतं सर्वेषाम्। पूर्वास्तं बुधः ७।२१।
३२	४	१२	शु.	७	३३	पुन	३९	५	सि.	२३	२०	तै.	७	३३	ग.	४०	२५	लुम्ब	१९	२५	३	क.	२२	१६	५	३५	६	२५	४	२	७	३८	५७	३८	स. सि. योगः उ. १९।५ या.।
३२	०	१३	श.	१३	१७	पु.	४५	५५	व्य.	२५	२१	व.	१३	१७	वि.	४९	३	मित्र	२०	२६	४				५	३६	६	२४	४	३	५	१६	५७	४०	भ. १३।१७ उ. ४९।३ या.।
३१	५७	१४	र.	१८	४९	श्ले	५१	३५	व.	२६	४१	श	१८	४९	च.	५०	४	वज्र	२१	२७	५	सिं.	५१	३५	५	३७	६	२३	४	४	२	५६	५७	४१	मार्गी गुरुः १२।२९। या. जय योगः १८।४९ उ.।
३१	५४	३०	चं.	२१	१९	म.	५६	३४	प.	२६	५९	ना.	२१	१९	किं.	५२	३२	ध्वांक्ष	२२	२८	६				५	३७	६	२३	४	५	०	३७	५७	४३	कुशोत्पाटिनी अमा.। सोमवती अमा.।
+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+ +	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	

भाद्रपद कृ. ४ बुधे. इ. ४६।१६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	१	३	८	४	८	४	१०
२४	१२	६	०	८	१९	२३	२३
१८	४	४३	२६	१६	३०	३८	३८
३७	३७	२४	१३	२५	२१	३५	३५
५७	३९	८४	२ ७	७४	३	३	३
२३	५८	४९	व.	३३	२५	११	११

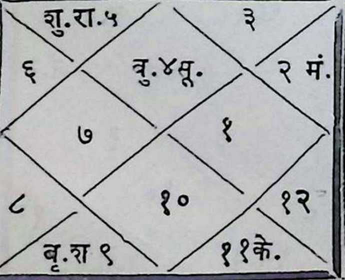

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	२ चं.	३ मं.	४ बु.	५बृ.	६शु.	७श.	८र.	९चं.	१०मं.	तिथयः	११बु.	११बृ.	१२ शु.	१३श.	१४ र.	३० चं.
क. अं.	६ ६	६ २	५ ५८	५ ५४	५ ५०	५ ४६	५ ४३	५ ४०	५ ३६	सिं. अं.	७ ४९	७ ४५	७ ४१	७ ३७	७ ३४	७ ३१
सिं. अं.	८ २३	८ १९	८ १५	८ ११	८ ७	८ ३	८ ०	७ ५७	७ ५३	कं. अं	१० ५	१० १	९ ५७	९ ५३	९ ५०	९ ४६
कं. अं.	१० ३९	१० ३२	१० ३१	१० ७	१० २३	१० १९	१० १६	१० १३	१० ९	तु. अं.	१२ २३	१२ १९	१२ १५	१२ ११	१२ ८	१२ ५
तु. अं.	१२ ५७	१२ ५३	१२ ४९	१२ ४५	१२ ४१	१२ ३७	१२ ३४	१२ ३१	१२ २७	वृ. अं.	२ ४१	२ ३	२ ३३	२ २९	२ २६	२ २३
वृ. अं.	३ १५	३ ११	३ ७	३ ३	२ ५९	२ ५५	२ ५२	२ ४९	२ ४५	ध. अं.	४ ४६	४ ४२	४ ३८	४ ३४	४ ३१	४ २८
ध. अं.	५ २०	५ १६	५ १२	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५७	४ ५४	४ ५०	म. अं.	६ ३१	६ २७	६ २३	६ १९	६ १६	६ १३
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
म. अं.	७ ५	७ १	६ ५७	६ ५३	६ ४९	६ ४५	६ ४२	६ ३९	६ ३५	कु अं.	८ १	७ ५७	७ ५३	७ ४९	७ ४६	७ ४३
कुं. अं.	८ ३५	८ ३१	८ २७	८ २३	८ १८	८ १५	८ १२	८ ६	८ ५	मी. अं.	९ २८	९ २४	९ २०	९ १६	९ १३	९ १०
मी. अ.	१० २	९ ५८	९ ५४	९ ५०	९ ४५	९ ४२	९ ३९	९ ३६	९ ३२	मे. अं.	११ ४	११ ०	१० ५६	१० ५	१० ४९	१० ४६
मे. अं.	११ ३८	११ ३४	११ ३०	११ २६	११ २२	११ ८	११ १५	११ १२	११ ८	वृ. अं	१ ०	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४८	१२ ४२
वृ. अं.	१ ३४	१ ३०	१ २६	१ २२	१ १८	१ १४	१ ११	१ ८	१ ४	मि. अं.	३ १४	३ १०	३ ६	३ २	२ ५९	२ ५६
मि. अं.	३ ४८	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २५	३ २२	३ १८	क. अं.	५ ३३	५ २८	५ २४	५ ०	५ १९	५ १४

भाद्रपद कृ. ११ बुधे. इ. ४६।४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	१	३	८	४	८	४	१०
१	१६	१८	०	१६	१९	२३	२३
०	३५	५	१९	५४	४	१४	१४
५३	३७	१९	३५	३५	३८	५८	५८
५७	३९	११२	० ४४	७४	२ ४६	३	३
३५	१७	१९	व.	१९	व.	११	११

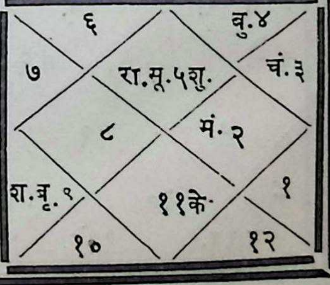

श्री शुभ संवत् २०१७ शके १८८२ भाद्रपद शुक्लपक्षः
याम्यायनम् सौम्यगोलः । अगस्त २३ से सितम्बर ५ तक ।

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३१	४६	१	मं.	२३	४५	पू.	५९	५१	शि.	२६	३९	व.	२३	४५	वा.	५४	३०	धूम्र	२३	२९	७				५	३८	६	२२	४	५	५७	२०	५७	४५
३१	४६	२	बु.	२५	१६	उ.	६०	०	सि.	२५	३१	कौ.	२५	१६	तै.	५५	१८	प्रवर्ध.	२४	१	८	क.	१५	३२	५	३९	६	२१	४	६	५५	५	५७	४६
३१	४३	३	गु.	२५	२१	उ.	२	३७	सा.	२३	१५	ग.	२५	२१	व.	५५	८	मातंग	२५	२	९				५	३९	६	२१	४	७	५२	५१	५७	४८
३१	३९	४	शु.	२४	३६	ह.	३	४६	शु.	२०	१५	वि.	२४	३६	व.	५६	१६	उत्पा.	२६	३	१०	तु.	३४	१२	५	४०	६	२०	४	८	५०	३९	५७	५०
३१	३६	५	श.	२५	५६	चि.	४	३९	शु.	१६	१७	वा.	२२	५६	कौ.	५३	१	काण	२७	४	११				५	४१	६	१९	४	९	४८	२९	५७	५२
३१	३२	६	र.	२०	१६	स्वा	४	१५	ब्र.	१२	१९	तै.	२०	१६	ग.	४८	२६	लुम्ब	२८	५	१२	वृ.	४७	४५	५	४२	६	१८	४	१०	४६	२१	५७	५४
३१	२९	७	चं.	१६	३६	दि.	२	४६	ऐं.	६	५३	व.	१६	३६	वि.	४४	४८	मित्र	२९	६	१३				५	४२	६	१८	४	११	४४	१५	५७	५६
३१	२५	८	मं.	१५	२१	अ.	० ५७	५६ ४६	वै.	१ ५५	५३ ३४	व.	१५	२१	वा.	४२	४६	वज्र	३०	७	१४	ध.	५६	४२	५	४३	६	१७	४	१२	४२	११	५७	५८
३१	२२	९	बु.	८	१७	मू.	५३	३३	प्री.	४७	६	कौ.	८	११	तै.	३६	१२	ध्वज	३१	८	१५				५	४४	६	१६	४	१३	४०	४९	५८	०
३१	१८	१०	गु.	४ ५३	५५ १४	पू.	४८	४१	आ.	३९	५	ग.	४	१५	व.	३० ५७	५२ २९	धाता	१	९	१६				५	४४	६	१६	४	१४	३८	९	५८	२
३१	१५	१२	शु.	४६	५३	उ.	४३	३४	सौ.	३०	३९	व.	२०	२६	वा.	४६	५३	आनंद	२	१०	१७	म.	२	३४	५	४५	६	१५	४	१५	३६	११	५८	४
३१	११	१३	श.	३९	१४	श्र.	३७	४४	शो.	२१	४१	कौ.	१३	३	तै.	३९	१४	चर.	३	११	१८				५	४६	६	१४	४	१६	३४	१५	५८	६
३१	६	१४	र.	३१	४१	ध.	३२	२७	अ.	१२	४६	ग.	५	२७	व.	३१ ५७	४१ ५५	मातंग	४	१२	१९	कुं.	१०	१६	५	४६	६	१४	४	१७	३२	२१	५८	८
३१	४	१५	चं.	२४	५३	श.	२७	३५	सु.	४ ५३	५२ २	व.	२४	५३	वा.	५१	५५	अमृत	५	१३	२०				५	४७	६	१३	४	१८	३०	२९	५८	१०

चन्द्रदर्शनम् । उग्र कर्म मु. । a व्रतम् । प्राच्यां यात्रा मु. ।
रवी उल अव्वल । सिंहे बुधः ९।१२ ।
भ. ५५।८ उ. । उ. फा. भे शुक्रः ३७।५ । हरतालिका ३ a
भ. २४।३६ या. । गणेश ४ व्रतम् । याम्ये यात्रा मु. हस्त भे ।
ऋषि पञ्चमी । bयोगः २।४६ उ. ।
मृगशिरा भे भौमः ४५।७ । कन्यायां शुक्रः २१।९ ।
भ. १६।३६ उ. ४४।४८ या. । लक्ष्मी व्रतारम्भः । स. सि. b
पूर्वा फाल्गुनी भे रविः २९।७ । पूर्वा फाल्गुनी भे बुधः३०।७
तीक्ष्ण कर्म मु. ।
सितम्बर । भ. ३०।५२ उ. ५७।२९ या. । पद्मा ११ व्रतंd
पद्मा ११ व्रतं वैष्णवानाम् । वामनावतारः ।
स. सि. योगः । दक्षिण यात्रा मु. । dस्मार्तानाम् ।
भ. ३१।४१ उ. ५७।५५ या. । अनन्त १४ व्रतम् ।
हस्ते शुक्रः २८।९ महालयारम्भः ।

भाद्रपद शु. कृ. २ बुधे. इ. ४५।५३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	१	४	८	४	८	४	१०
८	२१	१	०	२५	१८	२२	२२
१	१२	४७	३०	३१	५०	५०	५०
१३	१९	१३	२७	१४	३५	५२	५२
५७	३८	११९	०	७४	२ ११	३	३
४८	७	३०	३४	९	व.	११	११

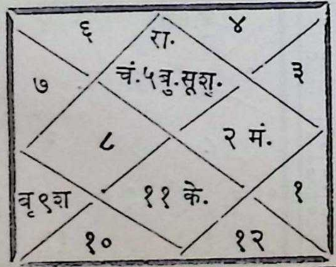

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.		२ बु.		३ गु.		४ शु.		५ श.		६ र.		७ चं.		८ मं.		९ बु.		१० गु.		१२ शु.		१३ श.		१४ र.		१५ चं.	
सिं. अं.	७	२६	७	२२	७	१८	७	१४	७	१०	७	७	७	४	७	१	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४३	६	४०
कं. अं.	९	४२	९	३८	९	३४	९	३०	९	२६	९	२३	९	२०	९	१७	९	१३	९	९	९	५	९	२	८	५९	८	५६
तु. अं.	१२	०	११	५६	११	५२	११	४८	११	४४	११	४१	११	३८	११	३५	११	३१	११	२७	११	२३	११	२०	११	१७	११	१४
वृ. अं.	२	१८	२	१४	२	१०	२	६	२	२	१	५९	१	५६	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१	१	३८	१	३५	१	३२
ध. अं.	४	२३	४	१९	४	१५	४	११	४	७	४	४	४	१	३	५८	३	५४	३	५०	३	४६	३	४३	३	४०	३	३७
म. अं.	६	१०	६	४	६	०	५	५६	५	५२	५	४९	५	४६	५	४३	५	३९	५	३५	५	३१	५	२८	५	२५	५	२२
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कुं. अं.	७	३८	७	३४	७	३०	७	२६	७	२२	७	१९	७	१६	७	१३	७	९	७	५	७	१	६	५८	६	५५	६	५२
मी. अं.	९	५	९	१	८	५७	८	५३	८	४९	८	४६	८	४३	८	४०	८	३६	८	३२	८	२८	८	२५	८	२२	८	१९
मे. अं.	१०	४१	१०	३७	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२२	१०	१९	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	१	९	५८	९	५५
वृ. अं.	१२	३७	१२	३३	१२	२९	१२	२५	१२	२१	१२	१८	१२	१५	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५१	११	५४	११	५१
मि. अं.	२	५१	२	४७	२	४३	२	३९	२	३५	२	३२	२	२९	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	११	२	८	२	५
क. अं.	५	९	५	५	५	१	४	५७	४	५३	४	५०	४	४७	४	४४	४	४०	४	३६	४	३२	४	२९	४	२६	४	२३

भाद्रपद शु. ९ बुधे. इ. ४५।४१

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	१	४	८	५	८	४	१०
१४	२५	१५	०	४	१८	२२	२२
२९	१९	३९	४०	८	३४	३०	३०
१८	३९	१७	१४	१९	३०	१९	१९
५८	३७	११९	१	७२	१	३	३
०	१८	२२	४७	२	३३	११	११

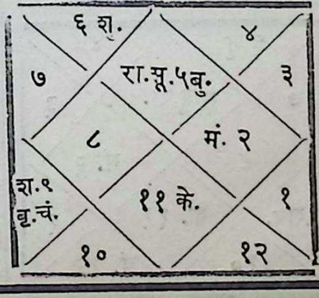

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घ.	मि.	सू. ज. घ.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	श्री शुभ संवत् २०१७ शके १८८२ । आश्विन कृष्णपक्षः । याम्यायनम् । सौम्यगोलः । सितम्बर ६ से २० तक ।
३१	१	१	मं.	१८	५७	पू.	२३	२३	शू.	४८	४८	कौ.	१८	५७	तै.	४६	४६	काण	६	१४	२१	मी.	१०	११	५	४८	६	१२	४	१९	२८	३९	५७	१२	उत्तरा फाल्गुनी भे बुधः ३५।७ ।
३०	५७	२	बु.	१४	३५	उ.	२०	४७	गं.	४३	१२	ग.	१४	३५	व.	४३	२५	लुम्ब	७	१५	२२				५	४९	६	११	४	२०	२७	५५	५८	१४	भ. ४३।२५ उ. । रेवती भे प्रतीच्यां यात्रा मु. ।
३०	५४	३	गु.	१२	१५	रे.	१९	५४	वृ.	३८	४३	वि.	१२	१५	वव	४१	२५	मित्र	८	१६	२३	मे.	१९	५४	५	४९	६	११	४	२१	२६	५	५८	१६	भ. १२।१५ या. । मिथुने भौमः ५२।७ । कन्यायां बुधः२७।२ ।a
३०	५०	४	शु.	१०	३६	अ.	२१	१३	ध्रु.	३५	५५	वा.	१०	३६	कौ.	४१	३६	वज्र	९	१७	२४				५	५०	६	१०	४	२२	२४	२१	५८	१९	स. सि. योगः । तिथि दानात् प्राच्यां यात्रा मु. ।
३०	४६	५	श.	१२	५६	भ.	२४	३९	व्या	३४	४६	तै.	१२	५६	ग.	४४	६	ध्वांक्ष	१०	१८	२५	वृ.	४०	४४	५	५१	६	९	४	२३	२२	४०	५८	२१	यायी जय योगः १२।५६ या. । a उदीच्यां यात्रा मु. । या. जयf
३०	४३	६	र.	१६	३३	कृ.	२८	५९	ह.	३४	४४	व.	१६	३३	वि.	४८	५५	धूम्र	११	१९	२६				५	५२	६	८	४	२४	२१	१	५८	२४	भ. १६।३३ उ. ४८।५५ या. । f योगः स. सि.योगः१२।२५या.।
३०	३९	७	चं.	२१	१७	रो.	३५	३३	व.	३५	५६	बव	२१	१७	वा.	५४	१७	प्रवर्ध	१२	२०	२७				५	५३	६	७	४	२५	१९	२५	५८	२६	स. सि. योगः । मृगे भे दक्षिणस्यां यात्रा मु. । bव्रत समाप्तिः ।
३०	३६	८	मं.	२७	१६	मृ.	४२	३४	सि.	३७	५७	कौ.	२७	१६	तै.	५७	२७	रक्ष	१३	२१	२८	मि.	९	३	५	५४	६	६	४	२६	१८	५१	५८	२८	उत्तरा फाल्गुनी भे रविः १४।९ ।जीवित्पुत्रिका व्रतम् । लक्ष्मीb
३०	३२	९	बु.	३३	३१	आ.	५०	१७	व्य.	४०	१५	तै.	०	१३	ग.	३३	३१	मुशल	१४	२२	२९				५	५४	६	६	४	२७	१७	१९	५८	३०	हस्त भे बुधः १।१९ । मातृ नवमी ।
३०	२८	१०	गु.	३९	५५	पुन.	५७	४६	व.	४२	३९	व.	६	३६	वि.	३९	५५	सिद्धि	१५	२३	३०	क.	४०	५३	५	५५	६	५	४	२८	१५	४९	५८	३२	भ. ६।३६ उ. ३९।५५ या. । मार्गीशनिः २७।१२ स.सि.योगः।c
३०	२५	११	शु.	४५	१९	पु.	६०	०	प.	४५	१५	बव	१२	३७	वा.	४१	१९	उत्पात	१६	२४	३१				५	५६	६	४	४	२९	१४	२१	५८	३४	कन्यायामर्कः ४६।४७ । चित्रा भे शुक्रः१७।९ । इन्दिरा ११.d
३०	२१	१२	श.	५०	१६	पु.	४	३५	शि.	४६	३५	कौ.	१७	४३	तै.	५०	१६	मित्र	१७	२५	१				५	५७	६	३	५	०	१२	५५	५८	३६	तिथि दानात् पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. ।
३०	१७	१३	र.	५३	३७	श्ले.	१०	१६	सि.	४६	४६	ग.	२१	४४	व.	५३	३७	वज्र	१८	२६	२	सिं.	१०	१६	५	५७	६	३	५	१	११	३१	५८	३८	भ. ५३।३७ उ. । या. जय योगः । e योगे यायीजय मु. ।
३०	१४	१४	चं.	५५	१४	म.	१४	५१	सा.	४६	१३	वि.	२४	१७	श.	५५	१४	ध्वांक्ष	१९	२७	३				५	५८	६	२	५	२	१०	९	५८	४०	भ. २४।१७ या । c बुधोदयः पश्चिमायाम् ३४।७ । एकादशी e
३०	१०	३०	मं.	५५	३५	पू.	१७	५५	शु.	४४	१४	च.	२५	३४	ना.	५५	३५	ध्वज	२०	२८	४	कं.	३३	२३	५	५९	६	१	५	३	८	४९	५८	४४	पितृविसर्जनम् । d व्रतं प्रायः सर्वेषाम् । उदीच्यां यात्रा मु. ।

आ. कृष्ण २ बुधे. ४५।२८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	१	४	८	५	८	४	१०
२१	२९	२८	०	१२	१८	२२	२२
१९	१७	४२	५९	४५	३०	८	८
२५	२५	५९	३	३९	४९	५७	५७
५८	३६	११०	३	७३	०	३	३
१४	२७	५४	२०	३५	४८	११	११

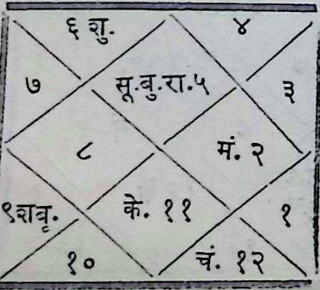

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.	२ बु.	३ गु.	४ शु.	५ श.	६ र.	७ चं.	८ मं.	९ बु.	१० गु.	११ शु.
सिं. अं.	६ ३६	६ ३२	६ २८	६ २४	६ २०	६ १७	६ १४	६ ११	६ ७	६ ३	५ ५९
कं. अं.	८ ५२	८ ४८	८ ४४	८ ४०	८ ३६	८ ३३	८ ३०	८ २७	८ २३	८ १९	८ १५
तु. अं.	११ १०	११ ६	११ २	१० ५८	१० ५४	१० ५१	१० ४८	१० ४५	१० ४१	१० ३७	१० ३३
वृ. अं.	१ २८	१ २४	१ २०	१ १६	१ १२	१ ९	१ ६	१ ३	१२ ५९	१२ ५५	१२ ५१
ध. अं.	३ ३३	३ २९	३ २५	३ २१	३ १७	३ १४	३ ११	३ ८	३ ४	३ ०	२ ५६
म. अं.	५ १८	५ १४	५ १०	५ ६	५ २	४ ५९	४ ५६	४ ५३	४ ४९	४ ४५	४ ४
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
कुं. अं.	६ ४८	६ ४४	६ ४०	६ ३६	६ ३२	६ २९	६ २६	६ २३	६ १९	६ १५	६ ११
मी. अं.	८ १५	८ ११	८ ७	८ ३	७ ५९	७ ५६	७ ५३	७ ५०	७ ४६	७ ४२	७ ३८
मे. अं.	९ ५१	९ ४७	९ ४३	९ ३९	९ ३५	९ ३२	९ २९	९ २६	९ २२	९ १८	९ १४
वृ. अं.	११ ४७	११ ४३	११ ३९	११ ३५	११ ३१	११ २८	११ २५	११ २२	११ १८	११ १४	११ १०
मि. अं.	२ १	१ ५७	१ ५३	१ ४९	१ ४५	१ ४२	१ ३९	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २४
कं. अं.	४ १९	४ १५	४ ११	४ ७	४ ३	४ ०	३ ५७	३ ५४	३ ५०	३ ४६	३ ४२

तिथयः	१२ श.	१३ र.	१४ चं.	३० मं.
क. अं.	८ ११	८ ८	८ ५	८ २
तु. अं.	१० २९	१० २६	१० २३	१० २०
वृ. अं.	१२ ४७	१२ ४४	१२ ४१	१२ ३८
ध. अं.	२ ५२	२ ४९	२ ४६	२ ४३
म. अं.	४ ३७	४ ३४	४ ३१	४ २८
कुं. अं.	६ ७	६ ४	६ १	५ ५८
राशय	रा०	रा०	रा०	रा०
मी. अं.	७ ३४	७ ३१	७ २८	७ २५
मे. अं.	९ १०	९ ७	९ ४	९ १
वृ. अं.	११ ६	११ ३	११ ०	१० ५७
मि. अं.	१ २०	१ १७	१ १४	१ ११
क. अं.	३ ३८	३ ३५	३ ३२	३ २९
सिं अं.	५ ५५	५ ५२	५ ४९	५ ४६

आ. कृ. ९ बुधे. ४५।१६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	२	५	८	५	८	४	१०
२८	३	१७	१	२१	१८	२१	२१
५	३५	५५	२०	२१	२७	४७	४७
४६	१८	२६	३९	३२	५४	१३	१३
५८	३५	१०४	४	७३	०	३	३
३०	११	४५	२४	३९	व	११	११

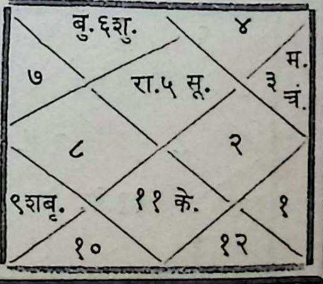

दि. मा.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क	घ.	प.	क़.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		ओ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
प्र.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३०	६	१	बु.	५४	३५	ऊ.	१९	४९	शु.	४१	२१	किं.	२५	५	वव	५४	३५	प्रवर्ध	२१	२९	५				५	५९	६	१	५	४	७	३३	५८	४७
३०	२	२	बृ.	५२	३५	ह.	१९	१४	ब्र.	३७	३३	वा.	२३	३३	कौ.	५२	३५	रक्ष	२२	३०	६	तु.	४९	२८	६	०	६	०	५	५	६	२०	५८	४९
३०	०	३	शु.	४९	३९	चि.	१९	३१	ऐं.	३२	५३	तै	२१	०	ग.	४९	३९	मित्र	२३	१	७				६	०	६	०	५	६	५	९	५८	५१
२९	५६	४	श.	४५	५७	स्वा	२०	३	वै.	२७	२३	व.	१७	३९	वि.	४५	५७	सिद्धि	२४	२	८				६	१	५	५९	५	७	४	०	५८	५३
२९	४३	५	र.	४१	३९	वि.	१८	५४	वि.	२०	२३	वव	१३	४४	वा.	४१	३९	उत्पा.	२५	३	९	वृ.	४	११	६	२	५	५८	५	८	२	५३	५८	५५
२९	४९	६	चं.	३७	१३	अ.	१७	१६	प्री.	१५	२४	कौ.	९	२६	तै.	३७	१३	मानस	२६	४	१०				६	२	५	५८	५	९	१	४८	५८	५७
२९	४४	७	मं.	३२	२१	ज्ये.	१४	४१	आ.	८	५४	ग.	४	२७	व.	३२	२१	मुद्गर	२७	५	११	ध.	१४	४१	६	३	५	५७	५	१०	०	४५	५९	०
२९	४१	८	बु.	२७	११	मू.	११	५७	सौ.	२ ५५	५५ ४९	वि.	१	१६	वव	२७ ५४	११ ३८	ध्वज	२८	६	१२				६	४	५	५६	५	१०	५९	४५	५९	२
२९	३७	९	बृ.	२१	५९	पू.	८	४५	अ.	४७	३६	कौ.	२१	५९	तै.	४९	३९	धाता	२९	७	१३	म.	२२	५२	६	५	५	५५	५	११	५८	४७	५९	४
२९	३३	१०	शु.	१७	१९	उ.	५	१२	सु.	४०	१७	ग.	१७	१९	व.	४३	४८	आनंद	३०	८	१४				६	५	५	५५	५	१२	५७	५१	५९	६
२९	३०	११	श.	१०	१७	श्र.	१ ५५	५५ ३६	धृ.	३२	५५	वि.	१०	१७	वव	३८	११	स्थिर	१	९	१५	कुं.	२९	४३	६	६	५	५४	५	१३	५६	५७	५९	९
२९	२६	१२	र.	६ ५३	६ ५१	श.	५२	३४	शू.	२५	३७	वा.	६	६	कौ.	३३ २९	१ ५७	रक्ष	२	१०	१६				६	७	५	५३	५	१४	५६	६	५९	११
२९	२२	१४	चं.	५५	३१	पू.	४९	३९	ग.	१८	४१	ग.	२७	४४	व.	५५	३१	मुसल	३	११	१७	मी.	४२	४८	६	८	५	५२	५	१५	५५	१७	५९	१४
२९	१८	१५	मं.	५१	४९	उ.	४५	३५	वृ.	१२	१३	वि.	२३	४०	वव	५१	४९	मानस	४	१२	१८				६	८	५	५२	५	१६	५४	३१	५९	१७

श्री शुभ संवत् २०१७ शके १८८२ आश्विन शुक्लपक्षः।
याम्यायनम्। सौम्यगोलः। सितम्बर २१ से अक्टूबर ४ तक।

आर्द्रा भे भौमः १३।९। तुलायां शुक्रः ५८।४३। नवरात्रारम्भः।
चन्द्रदर्शनम्। चित्रा भे बुधः २२।९। पूर्व यात्रा मु.।
रविउस्सानी। b ५।१२ उ.। सरस्वत्या विसर्जनम्।
भ. १७।३९ उ. ४५।५७ या.। स. सि. योगः।
अनु. भे यायी जय मु.। a सरस्वत्यावाहनम् मूल भे।
तुलायां बुधः ५४।९। तिथिदानात् उदीच्यां यात्रा मु.।
भ. ३२।२१ उ.। हस्ते रविः १।१५। स्वाती भे शुक्रः ११।९।a
भ. १।१६ या.। दुर्गाष्टमी।
उग्र कर्म मु.। नवम्यां उ. षा. योगे या. ज. मु.।
विजया १०। बौद्धावतारः। भ. ४३।४८ उ.। स. सि. योगः b
अक्टूबर। भ. १०।१७ या.। स्वाती भे बुधः २५।९। पापां-c
चर कर्म मु.। c कुशा ११ व्रतं सर्वेषाम्। श्रवसि स.सि.योगः।
भ. ५५।३१ उ.। मूले २ चर. गुरुः ३२।७। उग्र कर्म मु.।
भ. २३।४० या.। कोजागरी १५। शरत् पूर्णिमा।

आ. शु. १ वुघे. इ. ४५।३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	२	५	८	५	८	४	१०
४	६	२२	२	२९	१८	२१	२१
५५	५५	१३	१	३७	२९	२४	२४
२२	१४	२७	४३	९	३५	३	३
५८	३३	९७	५	७३	०	३	३
४७	३६	२२	२८	२२	३६	११	११

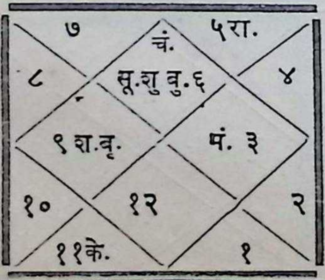

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.		२ बृ.		३ शु.		४ श.		५ र.		६ चं.		७ मं.		८ बु.		९ बृ.		१० शु.		११ श.		१२ र.		१४ चं.		१५ मं.	
कं. अं.	७	५८	७	५४	७	५०	७	४६	७	४२	७	३९	७	३६	७	३३	७	२९	७	२५	७	२१	७	१७	७	१३	७	१५
तु. अं.	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०	९	५७	९	५४	९	५१	९	४७	९	४३	९	३९	९	३५	९	३१	९	२८
वृ. अं.	१२	३४	१२	३०	१२	२६	१२	२२	१२	१८	१२	१५	१२	१२	१२	९	१२	५	१२	१	११	५७	११	५३	११	४९	११	४६
ध. अं.	२	३९	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३	२	२०	२	१८	२	१४	२	१०	२	६	२	२	१	५८	१	५४	१	५१
म. अं.	४	२४	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	५	४	२	३	५९	३	५५	३	५१	३	४७	३	४३	३	३९	३	३६
कुं. अं.	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८	५	३५	५	३२	५	२९	५	२५	५	२१	५	१७	५	१३	५	९	५	६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मी.अं.	७	२१	७	१७	७	१३	७	९	७	५	७	२	६	५९	६	५६	६	५२	६	४८	६	४४	६	४०	६	३६	६	३३
मे. अं.	८	५७	८	५३	८	४९	८	४५	८	४१	८	३८	८	३५	८	३२	८	२८	८	२४	८	२०	८	१६	८	१२	८	९
वृ. अं.	१०	५३	१०	४९	१०	४५	१०	४१	१०	३७	१०	३४	१०	३१	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	५
मि.अं.	१	७	१	३	१२	५९	१२	५५	१२	५१	१२	४८	१२	४५	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	२०	१२	२६	१२	२२	१२	१९
क. अं.	३	२५	३	२१	३	१७	३	१३	३	९	३	६	३	३	३	०	२	५६	२	५२	२	४८	२	४४	२	४०	२	३७
सिं. अं.	५	४२	५	३८	५	३४	५	३०	५	२६	५	२३	५	२०	५	१७	५	१३	५	९	५	५	५	१	४	५७	४	५४

आ. शु. ८ वुघे. इ. ४४।५०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा	के.
५	२	६	८	६	८	४	१०
११	१०	२	२	८	१८	२१	२१
४८	२४	३७	४०	२९	३६	१	१
३५	१७	१९	१५	११	१९	२६	२५
५९	३१	८६	६	७३	१	३	३
२	४७	३५	३६	२५	२४	११	११

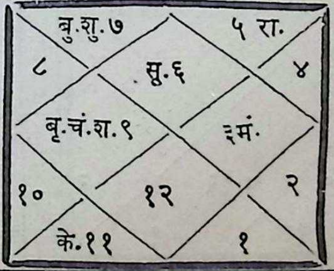

दि.मा.		ति.	वा	घ. प.		न.	घ. प.		यो	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२९	१५	१	बु.	४९	३९	रे.	४३	४५	ध्रु.	६	३४	वा.	२०	४४	कौ.	४९	३९	उत्पा.	५	१३	१९	मे.	४३	४५	६	९	५	५१	५	१७	५३	४८	५९	१९
२९	११	२	गु.	४८	५७	अ.	४३	१५	व्या	१ ५६	४६ ४१	तै.	१९	१८	ग.	४८	५७	मानस	६	१४	२०				६	१०	५	५०	५	१८	५३	६	५९	२०
२९	७	३	शु.	५०	१६	भ.	४४	३९	व.	५६	४६	व.	१९	३२	वि.	५०	१६	मुद्गर	७	१५	२१				६	११	५	४९	५	१९	५२	२६	५९	२२
२९	४	४	श.	५३	१२	कृ.	४७	४७	सि.	५५	५३	बव	२१	३४	वा.	५३	१२	ध्वज	८	१६	२२	वृ.	०	२६	६	११	५	४९	५	२०	५१	४८	५९	२४
२९	०	५	र.	५४	२९	रो.	५२	३९	व्य.	५६	३३	कौ.	२३	४४	तै.	५४	२९	धाता	९	१७	२३				६	१२	५	४८	५	२१	५१	१२	५९	२६
२८	५७	६	चं.	६०	०	मृ.	५८	३७	व.	५७	५१	ग.	२८	३३	व.	६०	०	आनंद	१०	१८	२४	मि.	२५	३८	६	१३	५	४७	५	२२	५०	३८	५९	२८
२८	५३	६	मं.	२	४६	आ.	६०	०	प.	५९	३३	व.	२	४६	वि.	३६	१	चर	११	१९	२५				६	१३	५	४७	५	२३	५०	६	५९	३१
२८	४९	७	बु.	९	१६	आ.	५	३७	शि.	६०	०	बव	९	१६	वा.	४२	२५	मुसल	१२	२०	२६	क.	५२	१२	६	१४	५	४६	५	२४	४९	३७	५९	३३
२८	४६	८	गु.	१५	३५	पुन	१०	५७	शि.	१	५३	कौ.	१५	३५	तै.	४८	३५	सिद्धि	१३	२१	२७				६	१५	५	४५	५	२५	४९	१०	५९	३५
२८	४१	९	शु.	२१	३६	पु.	१७	३१	सि.	४	१३	ग.	२१	२६	व.	५३	६	उत्पा.	१४	२२	२८				६	१६	५	४४	५	२६	४८	४५	५९	३७
२८	३८	१०	श.	२६	३६	श्ले.	२५	४६	सा.	५	५७	वि.	२६	२६	व.	५७	१६	मानस	१५	२३	२९	सिं.	२५	४६	६	१६	५	४४	५	२७	४८	२२	५९	३९
२८	३५	११	र.	२९	५५	म.	३३	२१	शु.	६	४५	वा.	२९	५५	कौ.	६०	०	मद्गर	१६	२४	३०				६	१७	५	४३	५	२८	४८	१	५९	४१
२८	३१	१२	चं.	३१	५४	पू.	३९	५५	शु.	६	१७	कौ.	०	५४	तै.	३१	५४	ध्वज	१७	२५	३१	क.	५५	२१	६	१८	५	४२	५	२९	४७	४२	५९	४३
२८	२८	१३	मं.	३२	१८	उ.	४१	३९	ब्र.	४	४७	ग.	२	६	व.	३२	१८	धाता	१८	२६	१				६	१८	६	४२	५	०	४७	२५	५९	४६
२८	२४	१४	बु.	३०	३१	ह.	४१	३९	ऐं.	१ ५५	६ ३३	वि.	१	१४	श.	३७ ५९	३४ ४८	आनंद	१९	२७	२				६	१९	६	४१	५	१	४७	११	५९	४९
२८	२१	३०	गु.	२७	१७	चि.	३९	५७	वि.	५१	३७	ना.	२७	१७	कि.	५५	१	चर	२०	२८	३	तु.	१०	४८	६	२०	६	४०	५	२	४७	०	५९	५१

श्री शुभ संवत् २०१७ शके १८८२ कार्तिक कृष्णपक्षः।
याम्यायनम् । सौम्यगोलः । तुलार्कतः दक्षिण गोलः । ×

प्रतीच्यां यात्रा मु. । × अक्टूबर ५ से २० तक।
पूर्वोत्तरौ यात्रा मु. । स.सि.योगः । तृतीया योगे या.जय मु.।
भ. १९।३२ उ. ५०।१६ या. । a पञ्चमी योगे या. जय मु.।
विशाखा भे शुक्रः १।५ । करक चतुर्थी (करवा चौथ) । a
यायी जय योगः । मृग भे पूर्व यात्रा मु. ।
चित्रा भे रविः २२।९ तिथि दानात् याम्ये यात्रा मु. । स.b
भ. २।४६ उ. ३६।१ या. । विशाखा भे बुधः ४८।९ ।
दक्षिण पश्चिम यात्रा मु. तिथि दानात् । b सि. योगः ।
उदीच्यां यात्रा मु. । तिथि दानात् । स.सि. योग अ. सि.c
भ. ५३।६ उ. । c योगः ७।५७ उ. ।
भ. २६।२६ या. ।
वृश्चिके शुक्रः १०।९ । रमा ११ व्रतं सर्वेषाम् । उग्र कर्म मु. ।
तुलायामर्कः १३।२४ । क्रूर कर्म मु. । उत्तरा योगे या जय मु. ।
भ. ३२।१८ उ. । पू. फा. भे राहुः शते ४ चर. केतुः १०।२९ ।
भ. १।१४ या । अनु. भे शुक्रः २७।९ । दीपावली । स.d
अन्नकूट । गोवर्धन पूजा । d सि. योगः ।

कार्तिक कृष्ण १ बुधे इ. ४४।३७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	२	६	८	६	८	४	१०
१८	१३	१२	३	१७	१८	१०	१०
४३	२५	२०	३६	८	४७	३९	३९
३४	१७	१९	१५	१९	३२	२५	२५
५९	२९	८२	७	७३	२	३	३
१८	५४	५७	३६	२१	४	११	११

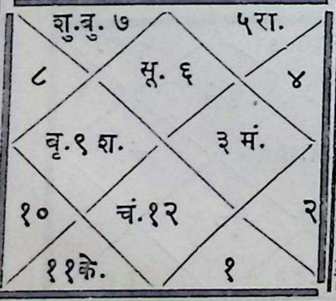

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ बु.		२ बृ.		३ शु.		४ श.		५ र		६चं.		६मं		७बु.		८वृ.		९शु.		१० श.		११र.		ति	१२चं.		१३ मं		१४बु.		३० वृ.	
कं.	७	८	७	४	७	०	६	५६	६	५२	६	४८	६	४४	६	४१	३	३८	६	३४	६	३०	६	२६	तु.	८	४०	८	३६	८	३३	८	२९
तु.	९	२६	९	२२	९	१८	९	१४	९	१०	९	६	९	२	८	५९	८	५६	८	५२	४	४८	८	४४	वृ.	१०	५८	१०	५४	१०	५१	१०	४७
वृ.	११	४४	११	४०	११	३६	११	३२	११	२८	११	२४	११	२०	११	१७	११	१४	११	१०	११	६	११	२	ध.	१	३	१२	५९	१२	५६	१२	५२
ध.	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७	१	३३	१	२९	१	२५	१	२२	१	१९	१	१५	१	११	१	७	म.	२	४८	२	४४	२	४१	२	३८
म.	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	३	१४	३	१०	३	७	३	४	३	०	२	५६	२	५२	कुं.	४	१८	४	१४	४	११	४	८
कु.	५	४	५	०	४	५६	४	५२	४	४८	४	४४	४	४०	४	३७	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२	मी.	५	४५	५	४१	५	३८	५	३५
रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा.	रा०		रा०		रा०		रा०	
मी.	६	३१	६	२७	६	२३	६	१९	६	१५	६	११	६	७	६	४	६	१	५	५७	५	५३	५	४९	मे.	७	२१	७	१७	७	१४	७	११
मे.	८	७	८	३	७	५९	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३	७	४०	७	३७	७	३३	७	२९	७	२५	वृ.	९	१७	९	१३	९	१०	९	७
वृ.	१०	२	९	५८	९	५५	९	५१	९	४७	९	४३	९	३९	९	३६	९	३३	९	२९	९	२५	९	२१	मि.	११	३१	११	२७	११	२४	११	२१
मि.	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	५	१२	१	११	५७	११	५३	११	५०	११	४७	११	४३	११	३९	११	३५	क.	१	४९	१	४५	१	४२	१	३९
क.	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३	२	२९	२	१५	२	११	२	८	२	५	२	१	१	५७	१	५३	सिं.	४	२	३	५९	३	५६	३	५२
सिं.	४	५२	४	४८	४	४४	४	४०	४	३६	४	३२	४	२८	४	२३	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	कं.	६	२२	६	१८	६	१५	६	१२

कार्तिक कृष्ण ७ बुधे. इ ४४।३४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	२	६	८	६	८	४	१०
२५	१५	२०	४	२५	१९	२०	२०
३८	४३	४६	३५	४४	२	१७	१७
२५	१७	१९	३९	१५	५३	४३	४३
५९	२४	४२	९	७२	३	३	३
३३	५७	४५	२६	५७	२४	११	११

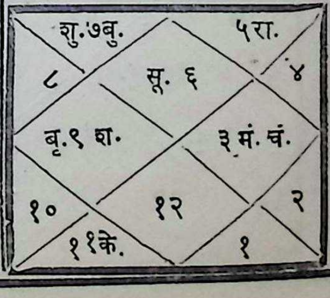

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	अ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि
२८	१७	१	शु.	२२	४५	स्वा	३७	३३	प्री.	४५	१५	व.	२२	४५	बा	५१	१२	गद	२१	२९	४				६	२१	५	३९	६	३	४६	५१	५९	५३
२८	१४	२	श.	१७	३९	वि.	३३	४४	आ.	३७	५१	कौ.	१७	२९	तै.	४४	४०	शुभ	२२	१	५	वृ.	१९	४८	६	२१	५	३९	६	४	४६	४१	५९	५६
२८	१०	३	र.	११	४१	अ.	२९	४४	सौ.	३०	१७	ग.	११	४०	व.	३८	३७	मृत्यु	२३	२	६				६	२२	५	३८	६	५	४६	३७	५९	५९
२८	७	४	चं.	५ ५४	४४ १३	ज्ये.	२५	४१	शो.	२२	३४	वि.	५	४४	वव	३२ ५९	५० ५७	पद्म	२४	३	७	ध.	२५	४१	६	२३	५	३७	६	६	४६	३५	६०	०
२८	४	६	मं.	५४	९	मू.	२१	३७	अ.	१४	४५	कौ.	२७	२	त.	५४	९	छत्र	२५	४	८				६	२३	५	३७	६	७	४६	३५	६०	२
२८	०	७	बु.	४८	५९	पू.	१७	४६	सु.	७ ५२	५२ ३७	ग.	२१	३४	व.	४८	५९	श्रीवत्स	२६	५	९	म.	३१	५७	६	२४	५	३६	६	८	४६	३७	६०	४
२७	५७	८	गु.	४३	४७	उ.	१४	३१	शू.	५१	५१	वि.	१६	२३	व.	४३	४७	सौम्य	२७	६	१०				६	२५	५	३५	६	९	४६	४१	६०	७
२७	५३	९	शु.	३९	३४	श्र.	११	१५	गं.	४६	११	वा.	११	३३	कौ.	३९	३४	धूम्र	२८	७	११	कुं.	४०	०	६	२५	५	३५	६	१०	४६	४८	६०	९
२७	५०	१०	श.	३५	१९	ध.	८	४५	वृ.	३९	५३	तै.	७	१५	ग.	३५	१९	प्रवर्ध.	२९	८	१२				६	२६	५	३४	६	११	४६	५७	६०	११
२७	४७	११	र.	३०	४५	श.	६	३४	ध्रु.	३४	१५	व.	२	५७	वि.	३०	४५	रक्ष	३०	९	१३	मी.	५०	१९	६	२७	५	३३	६	१२	४७	८	६०	१३
२७	४३	१२	चं.	२७	५३	पू.	४	५५	व्या	२८	४५	वा	२७	५३	कौ.	५७	२३	मुसल	३१	१०	१४				६	२७	५	३३	६	१३	४७	२१	६०	१६
२७	४०	१३	मं.	२६	५३	उ.	४	१३	ह.	२४	१२	त.	२६	५३	ग.	५७	३४	शुभ	१	११	१५				६	२८	५	३२	६	१४	४७	४७	६०	१९
२७	३७	१४	बु.	२६	१९	रे.	४	६	व.	२०	११	त्र.	२६	१९	वि.	५६	१९	उत्पा.	२	१२	१६	मे.	४	६	६	२९	५	३१	६	१५	४८	६	६०	२१
२७	३४	१५	गु.	२६	१७	अ.	५	४५	सि.	१७	१६	ब.	२६	१७	वा.	५६	१९	गानस	३	१३	१७				६	२९	५	३१	६	१६	४८	२७	६०	२३

श्री शुभ संवत् २०१७ शके १८८२ कार्तिक शुक्लपक्षः ।
याम्ययन गोलौ । अक्टूबर २१ से नवम्बर ४ तक ।

चन्द्रदर्शनम् । पुनर्वसु भे भौमः २१।९ e यात्रा मु. ।
यम २ । जमादि उल अव्वल । अनु.भे योगे यायी जय मु. ।a
भ. ३८।३७ उ. । स्वाती भे रविः ४६।९ । वृश्चिके बुधः b
भ. ५।४४ या. । तीक्ष्ण कार्य मु. । a अनु. भे प्रतीच्यां e
मूले ३ चर. गुरुः ५५।७ । दारुण कर्म मु. । f यात्रा मु. ।
भ. ४८।५९ उ. । वक्री बुधः ४८।९ । h योगेः ११।४१ या. ।
भ. १६।२३ या. । गोपाष्टमी । b १३।९ । यायी जय h
अक्षय नवमी । प्राच्यां यात्रा मु.श्रवसि । c ३७।५ । प्रतीच्यां f
ज्येष्ठा भे शुक्र ४८।५ । मार्गी पू.षाढ़ भे ३ चरण शनिः c
भ. २।५७ उ. ३०।४५ या. । प्रबोधिनी ११ व्रतं सर्वेषाम् । d
वक्री तुलायां बुधः ३३।८ । उग्र कर्म मु. । g कर्म मु. ।
नवम्बर । बुधास्तः पश्चिमायाम् ३६।९ । वैकुण्ठ चतुर्दशी ।
भ. २६।१८ उ. ५६।१९ या. । d तुलसी विवाहः । चर g
स. सि. योगः ५।१५ या. । या. जय. मु. ५।४५ उ. ।

कार्तिक शुक्ल ७ बुधे. इ. ४४।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	२	७	८	७	८	४	१०
९	२१	०	६	१२	१९	१९	१९
३९	१८	५०	४७	५१	४७	३२	३२
५३	१९	१९	१८	१९	१३	३५	३५
६०	२१	६	१०	७२	४	३	३
४	५७	३	१२	३५	५	११	११

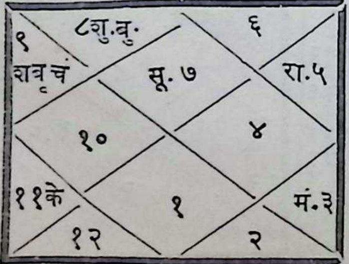

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.		२ श.		३ र.		४चं.		६मं.		७बु.		८ग.		९ शु.		१० श.		११ र.		१२चं.		१३मं.		१४ बु.		१५बृ.	
तु. अं.	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०	८	६	८	३	८	०	७	५६	७	५२	७	४८	७	४४	७	४०	६	३६
वृ. अं.	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२१	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	६	१०	२	९	५८	९	५४
ध. अं.	१२	४९	२१	४५	१२	४१	१२	३७	१२	३३	१२	२९	१२	२६	१२	२३	१२	१९	१२	१५	१२	११	१२	७	१२	३	११	५९
म. अं.	२	३४	२	३०	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	११	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५२	१	४८	१	४४
कुं. अं.	४	४	४	०	३	५६	३	५२	३	४८	३	४४	३	४१	३	३८	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	३	१४
मी. अ.	५	३१	५	२७	५	२३	५	१९	५	१५	५	११	५	८	५	५	५	१	४	५७	४	५३	४	४९	४	४५	४	४१
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मे. अं.	७	७	७	३	६	५९	६	५५	६	५१	६	४७	६	४४	६	४१	६	३७	६	३३	६	२९	६	२५	६	२१	६	१७
वृ. अं.	९	३	८	५९	८	५५	८	५१	८	४७	८	४३	८	४०	८	३७	८	३३	८	२९	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३
मि. अं.	११	१७	११	१३	११	९	११	५	११	१	१०	५७	१०	५४	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७
क. अं.	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५	१	१२	१	९	१	५	१	१	१२	५७	१२	५३	१२	४९	१२	४५
सिं. अं.	३	५२	३	४८	३	४४	३	४०	३	३६	३	३२	३	२९	३	२६	३	२२	३	१८	३	१४	३	१०	३	६	३	२
कं. अं.	६	८	६	४	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४५	५	४२	५	३८	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८

कार्तिक शुक्ल १४ बुधे. इ. ४३।४९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	२	६	८	७	८	४	१०
१६	२३	२८	७	२१	२०	१९	१९
३६	१८	२	२	२२	१४	१०	१०
५७	३५	५१	१९	१९	४९	१७	१७
६०	१७	३० १४	१०	७२	४	३	३
२१	५२	व.	५४	२७	३७	११	११

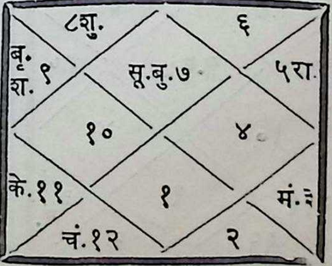

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		आ. स्पष्टसूर्यः				गतिः		श्री शुभ संवत् २०१७ शके १८८२। मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः।
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	याम्यायन गोलौ। नवम्बर ४ से १८ तक।
२७	३०	१	शु.	२८	१	भ.	७	५९	व्य.	१५	१६	कौ.	२८	०	तै.	५९	२३	मुद्गर	४	१४	१७	वृ.	२३	५५	६	३०	५	३०	६	१७	४८	५०	६०	२४	उग्र कर्म मु.। a १६।४९ या.। मृग भे दक्षिण या. मु.।
२७	२७	२	श.	३०	४५	कृ.	११	४४	व.	१४	२१	ग.	३०	४५	व.	६०	०	ध्वज	५	१५	१८				६	३१	५	२९	६	१८	४९	१४	६०	२५	तृतीया योगे यायी जय मु.।
२७	२४	३	र.	३५	३१	रो.	१६	४९	प.	१४	२१	व.	३	७	वि.	३५	३१	धाता	६	१६	१९	मि.	५०	१२	६	३१	५	२९	६	१९	४९	३९	६०	२७	भ. ३।७ उ. ३५।३१ या.। विशाखा भे रविः ३।२। या.जय.मु.a
२७	२१	४	चं.	४०	४७	मृ.	२३	१६	शि.	१५	३७	वव	८	८	वा	४०	४७	आनंद	७	१७	२०				६	३२	५	२८	६	२०	५०	६	६०	२९	तिथि दानात् पश्चिम यात्रा मु.। c उदीच्यां यात्रा मु.।
२७	१८	५	मं.	४६	३३	आ.	३०	१४	सि.	१७	९	कौ.	१३	४०	तै.	४६	३३	चर	८	१८	२१				६	३२	५	२८	६	२१	५०	३५	६०	३०	उग्र कर्म मु.। b४५।१९। तिथि दानात् प्रतीच्यां यात्रा मु.।
२७	१५	६	बु.	५३	३६	पुन	३७	४६	सा.	१९	१६	ग.	१९	५९	व.	५३	३६	गद	९	१९	२२	क.	५०	३९	६	३३	५	२७	६	२२	५१	५	६०	३१	भ. ५३।३६ उ.। वक्री स्वात्यां बुधः ७।२। मूले धनुषि शुक्रः b
२७	१२	७	गु.	५९	५५	पु.	४५	१६	शु.	२१	४६	वि.	२३	२६	वव	५९	५५	शुभ	१०	२०	२३				६	३४	५	२६	६	२३	५१	३६	६०	३५	भ. २३।३६ या.। श्लेषा सप्तमी योगे या. जय मु.। c
२७	९	८	शु.	६०	०	श्ले.	४७	३५	शु.	२३	५५	वा.	३४	४४	कौ.	६०	०	मृत्यु	११	२१	२४	सिं	४७	३५	६	३४	५	२६	६	२४	५२	९	६०	३४	तीक्ष्ण कर्म मु.।
२७	६	८	श.	३	३३	म.	५८	३४	ब्र.	२५	१३	कौ.	३	३३	तै.	३६	३३	पद्म	१२	२२	२५				६	३५	५	२५	६	२५	५२	४३	६०	३६	मूले ४ गुरुः ५३।९। d त्रयोदशी योगे या. जय. मु.।
२७	३	९	र.	९	३३	पू.	६०	०	ऐं.	२५	४४	ग.	९	३३	व.	४०	५६	छत्र	१३	२३	२६				६	३५	५	२५	६	२६	५३	१९	६०	३७	भ. ४०।५६ उ.।
२७	१	१०	चं.	१२	१९	पू.	१	४६	वै.	२४	५३	वि.	१२	१९	वत्र	४२	३६	ध्वज	१४	२४	२७	कं.	१७	४२	६	३६	५	२४	६	२७	५४	५६	६०	३९	भ. १२।१९ या.। एकादशी योगे यायी जय मु.।
२७	५८	११	मं.	१२	५४	उ.	५	३६	वि.	२२	३६	वा.	१२	५४	कौ.	४२	१२	धाता	१५	२५	२८				६	३६	५	२४	६	२८	५५	३५	६०	४०	दक्षिण यात्रा मु. हस्त भे। उत्पन्ना ११ व्रतं सर्वेषाम्।
२६	५६	१२	बु.	११	३६	ह.	६	१३	प्री.	१२	३१	तै.	११	३६	ग.	३९	५५	आनन्द	१६	२६	२९	तु.	३५	३०	६	३७	५	२३	६	२९	५६	१५	६०	४२	वृश्चिकेऽर्कः ३।४४। स. सि. योगः।
२६	५३	१३	गु.	८	१५	चि.	४	४७	आ.	१३	५	व.	८	१५	वि.	३५	४३	चर	१७	२७	१				६	३७	५	२३	७	०	५६	५७	६०	४४	भ. ८।१५ उ. ३५।४३ या.। मार्गी बुधः १।३७। स्वाती d
२६	५०	१४	शु.	३ ५३	११ ४६	स्वा	४६ २९	१ २	सौ.	६ ५२	५७ ८	श.	३	११	च.	३० ५३	४ ४६	गद	१८	२८	२	वृ.	४१	३७	६	३८	५	२२	७	१	५७	४१	६०	४६	बुधोदयः पूर्वस्यां ३७।९।

मार्गशीर्ष कृ. ६ वुधे इ. ४३।३७

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	२	६	८	७	८	४	१०
२३	२४	१९	९	२९	२०	१८	१८
४३	३४	१२	२३	५४	४८	४८	४८
३४	१५	१९	१४	१३	१४	४७	४७
६	१३	३२	११	७१	५	३	३
३१	४५	व.	२७	५८	६	११	१०

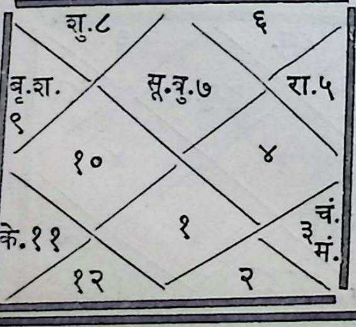

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.	२ श.	३ र.	४ चं.	५ मं.	६ बु.	७ गु.	८ शु.	८ श.	९ र.	१०चं.	११ मं.	१२ बु.	तिथयः	१३ वृ.	१४ श.
तु. अं.	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २०	७ १६	७ १२	७ ८	७ ४	७ ०	६ ५५	६ ५१	६ ४७	६ ४३	वृ. अं.	८ ५७	८ ५३
वृ. अं.	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३८	९ ३४	९ ३०	९ २६	९ २२	९ १८	९ १३	९ ९	९ ५	९ १	ध. अं.	११ २	१० ५८
ध. अं.	११ ५५	११ ५१	११ ४७	११ ४३	११ ३९	११ ३५	११ ३१	११ २७	११ २३	११ १८	११ १४	११ १०	११ ६	म. अं.	१२ ४७	१२ ४३
म. अं.	१ ४०	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २४	१ २०	१ १६	१ १२	१ ८	१ ३	१२ ५९	१२ ५५	१२ ५१	कुं. अं	२ १७	२ १३
कुं. अं.	३ १०	३ ६	३ २	२ ५८	२ ५४	२ ५०	२ ४६	२ ४२	२ ३८	२ ३३	२ २९	२ २५	२ २१	मी. अं.	३ ४४	३ ४०
मी. अं.	४ ३७	४ ३३	४ २९	४ २५	४ २१	४ १७	४ १३	४ ९	४ ५	४ ०	३ ५६	३ ५२	३ ४८	मे. अं.	५ २०	५ १६
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	राशयः	रा०	रा०
मे. अं.	६ १३	६ ९	६ ५	६ १	५ ५७	५ ५३	५ ४९	५ ४५	५ ४१	५ ३६	५ ३२	५ २८	५ २४	वृ. अं.	७ १६	७ १२
वृ. अं.	८ ९	८ ५	८ १	७ ७५	७ ५३	७ ४९	७ ४५	७ ४१	७ ३७	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २०	मि. अं.	९ ३०	९ २६
मि. अं.	१० २३	१० १९	१० १५	१० ११	१० ७	१० ३	९ ५९	९ ५५	९ ५१	९ ४६	९ ४२	९ ३८	९ ३४	क. अं.	११ ४८	११ ४४
क. अं.	१२ ४१	१२ ३७	१२ ३३	१२ २९	१२ २५	१२ २१	१२ १७	१२ १३	१२ ९	१२ ४	१२ ०	११ ५६	११ ५२	सि. अं.	२ ५	२ १
सिं. अं.	२ ५८	२ ५४	२ ५०	२ ४६	२ ४२	२ ३८	२ ३४	२ ३०	२ २६	२ २१	२ १७	२ १३	२ ९	कं. अं.	४ २१	४ १७
कं. अं.	५ १४	५ १०	५ ६	५ २	४ ५८	४ ५४	४ ५०	४ ४६	४ ४२	४ ३७	४ ३३	४ २९	४ २५	तु. अं.	६ ३९	६ ३५

मार्गशीर्ष कृ. ११ वुधे इ. ४३।२८

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	२	६	८	८	८	४	१०
०	२५	१४	१०	७	२१	१८	१८
४७	११	४१	४६	२५	३१	२८	२८
१३	१७	१५	१९	२३	३५	१४	१४
६०	८	४४	१२	७१	५	३	३
४२	२१	व.	६	३७	४४	११	११

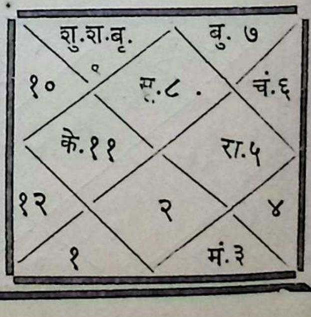

दि. मा. घ. प.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.घ. प.			सू. उ. घं. मि.		सू. अ. घं. मि.		औ. स्पष्ट सूर्यः रा. अं. क. वि.				गतिः क. वि.	
२६	४८	१	श.	४९	३६	अ.	५२	१५	अ.	४९	१६	कि.	२३	१६	वव	४९	३६	अमृत	१९	२९	३				६	३८	५	२२	७	२	५८	२७	६०	४८
२६	४५	२	र.	४१	५९	ज्ये.	४६	१५	सु.	४०	१९	वा.	१५	४७	का.	४१	५९	काण	२०	३०	४	ध.	४६	१५	६	३९	५	२१	७	३	५९	१५	६०	५०
२६	४३	३	चं.	३४	१९	मू.	४०	१३	धृ.	३०	५१	तै.	८	४	ग.	३४	१९	लुम्ब	२१	१	५				६	३९	५	२१	७	५	०	५	६०	५२
२६	४०	४	मं.	२६	३६	पू.	३४	४३	शू.	२१	३५	व.	०	२३	वि.	२६	३६	मित्र	२२	२	६	म.	४८	३६	६	४०	५	२०	७	६	०	५७	६०	५३
२६	३८	५	बु.	२०	१४	उ.	२९	४४	गं.	१२	४१	वा	२०	१४	कौ.	४७	१४	वज्र	२३	३	७				६	४०	५	२०	७	७	१	५०	६०	५४
२६	३६	६	गु.	१४	१३	श्र.	२५	३६	वृ.	४/५२	५५/२८	तै.	१४	१३	ग.	४१	४५	ध्वज	२४	४	८	कुं.	५४	०	६	४१	५	१९	७	८	२	४४	६०	५६
२६	३४	७	शु.	९	१६	ध.	२२	२५	व्या	५०	३३	व.	९	१६	वि.	३७	१६	धाता	२५	५	९				६	४१	५	१९	७	९	३	४०	६०	५७
२६	३२	८	श.	५	१७	श.	२०	२४	ह.	४४	४६	ब.	५	१७	वा.	३३	५०	आनन्द	२६	६	१०				६	४२	५	१८	७	१०	४	३७	६०	५९
२६	३०	९	र.	२	२४	पू.	१९	३९	व.	४०	१९	कौ.	२	२४	तै.	३१	३२	चर	२७	७	११	मी.	४	५०	६	४२	५	१८	७	११	५	३६	६१	०
२६	२८	१०	चं.	०/५९	४७/१५	उ.	१९	३४	सि	३६	१६	ग.	०	४१	व.	३०/५९	१८/५६	गद	२८	८	१२				६	४२	५	१८	७	१२	६	३६	६१	२
२६	२६	१२	मं.	६०	०	रे.	२०	३१	व्य	३२	५४	व.	३०	१४	वा.	६०	०	शुभ	२९	९	१३	मे.	२०	३१	६	४३	५	१७	७	१३	७	३८	६१	३
२६	२४	१२	बु.	०	३५	अ.	२२	५५	व.	३०	५६	वा.	०	३५	कौ.	३१	२३	मृत्यु	३०	१०	१४				६	४३	५	१७	७	१४	८	४१	६१	४
२६	२२	१३	गु.	२	१२	भ.	२६	१३	प.	२९	३४	तै.	२	१२	ग.	३३	२४	पद्म	१	११	१५	वृ.	४२	१५	६	४४	५	१६	७	१५	९	४५	६१	५
२६	२२	१४	शु.	४	३६	कृ.	३०	२१	शि.	२६	५३	व.	४	३६	वि	३६	२८	छत्र	२	१२	१६				६	४४	५	१६	७	१६	१०	५०	६१	६
२६	२२	१५	श.	९	२१	रो.	३५	३४	सि.	२९	१९	ब.	८	२१	वा	४०	४८	मित्र	३	१३	१७				६	४४	५	१६	७	१७	११	५६	६१	७
×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	× ×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×

श्री शुभ संवत् २०१७ शके १८८२। मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः।
याम्यायन गोलौ। नवम्बर १९ से दिसम्बर ३ तक।

अनुराधा भे रविः १४।५९। aसि. योगः।
चन्द्रदर्शनम्। पूर्वाषाढ़ भे शुक्रः ४३।३४। मूल योगे स. a
जमादिउस्सानी। b मोक्षदा ११ व्रतं स्मार्तानाम्।
भ. ०।२३ उ. २६।३६ या.। उग्र कर्म मु.।
श्रवसि दक्षिण यात्रा मु.। तिथि दानात्।
चम्पाषष्ठी। प्राच्यां यात्रा मु.। d२०।३१ उ.।
भ. ९।१६ उ. ३७।१६ या.। विशाखा भे बुधः ३८।९।
वक्री भौमः १६।३९। f मृग भे दक्षिण यात्रा मु.।
स. सि. योगः १९।३९ उ.।
भ. ३०।१८ उ. ५९।५६ या.। पू.षाढ़ भे १ पादे गुरुः ५३।९b
मोक्षदा ११ व्रतं वैष्णवानाम्। स.सि. योग अ. सि. योगःd
प्राच्यांयात्रामु.। e(लोटा भंटा) या. जय मु. २।१२ या.।
दिसम्बर। उत्तराषाढ़ भे शुक्रः ५२।९। विमल तीर्थ यात्राe
भ. ४।३६ उ. ३६।२८ या.। ज्येष्ठा भे रविः २१।५९।
वृश्चिके बुधः १२।३७। दत्त जयन्ती। स. सि. योगः। f

मार्गशीर्ष शुक्ल ५ बुधे. इ.४३।१९

सू	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	२	६	८	८	८	४	१०
७	२७	१८	१२	१६	२२	१८	१८
४०	१३	१४	१२	५०	३	३	३
१७	१५	२२	२३	४७	३७	२९	२९
६०	४	५४	१२	७१	६	३	३
५४	२	४९	२६	११	१	११	११

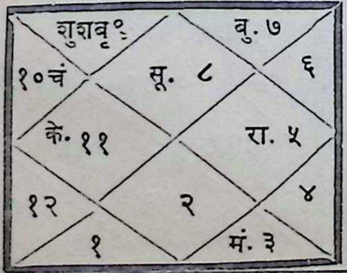

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.		२ र.		३ चं.		४ मं.		५ बु.		६ गु.		७ शु.		८ श.		९ र.		१० चं.		११ मं.		१२ बु.		१३ गु.		१४ शु.		१५ श.	
वृ. अं	८	५०	८	४६	८	४१	८	३६	८	३२	८	२८	८	२४	८	२०	८	१५	८	११	८	७	८	३	८	०	७	५५	७	५१
ध. अं.	१०	५५	१०	५१	१०	४६	१०	४१	१०	३७	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६
म. अं.	१२	४०	१२	३६	१२	३१	१२	२६	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	१०	१२	५	१२	१	११	५७	११	५३	११	४९	११	४५	११	४१
कुं. अं.	२	१०	२	६	२	१	१	५६	१	५२	१	४८	१	४४	१	४०	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५	१	११
मी. अं	३	३७	३	३३	३	२८	३	२३	३	१९	३	१५	३	११	३	७	३	२	२	५८	२	५४	२	५०	२	४६	२	४२	२	३८
मे. अं.	५	१३	५	९	५	४	४	५९	४	५५	४	५१	४	४७	४	४३	४	३८	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२	४	४८	४	१४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	७	९	७	५	७	१	६	५६	६	५१	६	४७	६	४३	६	३९	६	३४	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१४	६	१०
मि. अं.	९	२३	९	१९	९	१४	९	९	९	५	९	१	८	५७	८	५३	८	४८	८	४४	८	४०	८	३६	८	३२	८	२८	८	२४
क. अं.	११	४१	११	३७	११	३२	११	२७	११	२३	११	१९	११	१५	११	११	११	६	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४२
सिं.अं.	१	५८	१	५४	१	४९	१	४४	१	४०	१	३६	१	३२	१	२८	१	२३	१	१९	१	१५	१	११	१	७	१	३	१२	५९
क. अं.	४	१४	४	१०	४	५	४	०	३	५६	३	५२	३	४८	३	४४	३	३९	३	३१	३	२७	३	२३	३	१९	३	१५	३	११
तु. अं.	६	२८	८	२४	६	२०	६	१७	६	१४	६	१०	६	६	६	२	५	५७	५	५३	५	४९	५	४५	५	४१	५	३७	५	३३

मार्गशीर्ष शु. १२ बुधे इ.४३।१२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	२	६	८	८	८	४	१०
१५	२८	१६	१३	२५	२२	१७	१७
३	५२	३४	४३	१४	४३	४१	४१
२५	३७	५७	१४	१७	१५	३९	३९
६१	५/१	७८	१२	७८	६	३	३
४	व	४६	५२	३३	२२	११	११

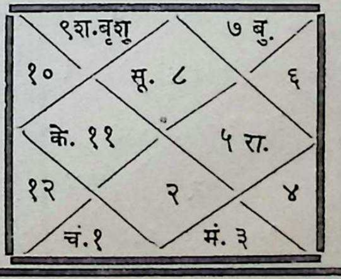

दि. मा.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः		श्रीशुभ सवत् २०१७ शके १८८२ पौष कृष्णपक्षः। याम्यायन गोलौ। दिसम्बर ४ से १८ तक।
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	
२६	१७	१	र.	१३	१६	मृ.	४३	५५	सा.	३०	१७	कौ.	१३	१८	तै.	४६	१	सौम्य	४	१४	१८	मि.	९	४४	६	४५	५	१५	७	१८	१३	३	६१	८	मकरे शुक्रः ३३।७। याम्यां यात्रा मु.।
२६	१६	२	चं.	१८	४६	आ.	४९	५७	शु.	३१	४१	ग.	१८	४६	व.	५१	०	कालदं	५	१५	१९				६	४५	५	१५	७	१९	१४	५	६१	९	भ. ५१।० । अनु. भे बुधः २४।९। c यात्रा मु.।
२६	१४	३	मं.	२३	१५	पुन	५६	३१	शु.	३५	४५	वि.	२३	१५	बव	५७	६	स्थिर	६	१६	२०	क.	४२	२५	६	४५	५	१५	७	२०	१५	१४	६१	११	भ. २३।१५ । पूर्वाषाढ़ भे ४ शनिः २५।९ । दक्षिणस्यां c
२६	१३	४	बु.	३०	५७	पु.	६०	०	व्र	३६	१६	वा.	३०	५७	कौ.	६०	०	मातंग	७	१७	२१				६	४५	५	१५	७	२१	१६	२५	६१	१३	तिथि दानात् प्रतीच्यां यात्रा मु.।
२६	१२	५	गु	३७	५९	पु.	३	५१	ऐं.	३८	१५	कौ.	४	२८	तै.	३७	५९	शुभ	८	१८	२२				६	४६	५	१४	७	२२	१७	३७	६१	१२	उदीच्यां यात्रा मु. ३।५१ या.। स. सि. अ. सि.योगः ३।५१ या.
२६	११	६	शु.	४१	५६	श्ले.	११	३५	वै.	४०	३३	ग.	९	५६	व.	४१	५६	मृत्यु	९	१९	२३	सिं.	११	३५	६	४६	५	१४	७	२३	१८	४७	६१	१३	भ. ४१।५६ उ. a ५६।९। दक्षिण यात्रा मु.।
२६	१०	७	श.	४९	१	म.	१८	१३	वि.	४१	३५	वि.	१५	२९	बव	४९	१	पद्म	१०	२०	२४				६	४६	५	१४	७	२४	१९	५२	६१	१८	भ. १५।२९ । उग्र कर्म मु.।
२६	९	८	र.	५२	३६	पू.	२३	३९	प्री.	४१	४७	वा	२०	४८	कौ.	५२	३६	छत्र	११	२१	२५	कं.	३९	३८	६	४६	५	१४	७	२५	२१	७	६१	१९	उग्र कर्म मु.या.। स. सि. योगः २३।३९ उ.।
२६	८	९	चं.	५४	२१	उ.	२७	३६	आ.	४०	३९	तै.	२३	५९	ग.	५४	२१	श्रीवत्स	१२	२२	२६				६	४६	५	१४	७	२६	२२	२३	६१	१९	श्रवण भे शुक्रः ४२।५९। या. ज. मु.।
२६	७	१०	मं.	५४	६	ह.	२९	५७	सौ	३७	५७	व.	२४	१३	वि.	५४	६	सौम्य	१३	२३	२७				६	४७	५	१३	७	२७	२३	४२	६१	१९	भ. २४।३ उ. ५४।६ या.। पूर्वाषाढ़ भे २ चरणे गुरुः a
२६	६	११	बु.	५१	५७	चि.	३०	१६	शो.	३३	४१	व.	२२	५८	वा.	५१	५१	कालदं	१४	२४	२८	तु.	०	६	६	४७	५	१३	७	२८	२५	१	६१	२०	सफला ११ व्रतं स्मार्तानाम्।
२६	५	१२	गु.	४७	३३	स्वा	२८	१७	अ.	२७	४३	कौ.	१९	४२	तै.	४७	३३	स्थिर	१५	२५	२९				६	४७	५	१३	७	२९	२६	२१	६१	२१	मूले धनुषियार्कः ३३।४६ । सफला ११ व्रतं वैष्णवानाम्।
२६	५	१३	शु.	४१	३६	वि.	२४	२५	सु.	२०	३४	ग.	१४	२९	व.	४१	३६	मातंग	१६	२६	१	वृ.	१०	२३	६	४७	५	१३	८	०	२७	४२	६१	२१	भ. ४१।३६ उ.। उदीच्यां यात्रा मु. २४।२५ उ.।
२६	४	१४	श.	३३	४५	अ.	१९	१२	धृ.	११	३५	वि	७	३५	श.	३२ ५९	४५ ५५	अमृत	१७	२७	२				६	४७	५	१३	८	१	२९	३	६१	२१	भ. ७।३५ या.।
२६	४	३०	र.	२५	१६	ज्ये.	१२	३१	शू.	१ ५८	४० ९	ना	२५	१६	कि.	५०	४६	काण	१८	२८	३	ध.	१२	३१	६	४७	५	१३	८	२	३०	२४	६१	२१	वक्री आर्द्रायां भौमः ९।८। स्नान श्राद्धादौ ३०।

पौ कृ. ४ बुधे इ. ४३।६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	२	७	८	९	८	४	१०
२१	२३	६	१५	३	२३	१७	१७
५३	९	३६	१	४४	२७	१९	१९
२४	१७	१४	१७	३९	१५	२५	२५
६१	१२ ३५	८७	१३	७०	६	३	३
१३	व	२४	१४	२	३६	११	११

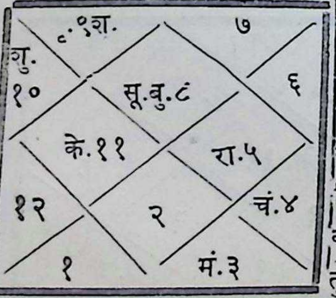

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.	२ चं.	३ मं.	४ बु.	५ बृ.	६ शु.	७ श.	८ र.	९ चं.	१० मं.	११ बु.	१२बृ.	तिथयः	१३ शु.	१४ श.	३० र.
वृ. अं.	७ ४६	७ ४२	७ ३७	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २०	७ १६	७ ११	७ ६	७ १	६ ५६	ध. अं.	८ ५७	८ ५३	८ ४९
ध. अं.	९ ५१	९ ४७	९ ४२	९ ३७	९ ३३	९ २९	९ २५	९ २१	९ १६	९ ११	९ ६	९ १	म. अं.	१० ४२	१० ३८	१० ३४
म. अं.	११ ३६	११ ३२	११ २७	११ २२	११ १८	११ १४	११ १०	११ ६	११ १	१० ५६	१० ५१	१० ४६	कुं. अं.	१२ १२	१२ ८	१२ ४
कुं. अं.	१ ६	१ २	१२ ५७	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३१	१२ २६	१२ २१	१२ १६	मी. अं.	१ ३९	१ ३५	१ ३१
मी. अं.	२ ३३	२ २९	२ २४	२ १९	२ १५	२ ११	२ ७	२ ३	१ ५८	१ ५३	१ ४८	१ ४३	मे. अं.	३ १५	३ ११	३ ७
मे. अं.	४ ९	४ ५	४ ०	३ ५५	३ ५१	३ ४७	३ ४३	३ ३९	३ ३४	३ २९	३ २४	३ १९	वृ. अं	५ ११	५ ७	५ ३
राशय.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	राशयः	रा०	रा०	रा०
वृ. अं.	६ ५	६ १	५ ५६	५ ५१	५ ४७	५ ४३	५ ३९	५ ३५	५ ३०	५ २५	५ २०	५ १५	मि. अं.	७ २५	७ २१	७ १७
मि. अं.	८ १९	८ १५	८ १०	८ ५	८ १	७ ५७	७ ५३	७ ४९	७ ४४	७ ३९	७ ३४	७ २९	क. अं.	९ ४२	९ ३८	९ ३५
क. अं.	१० ३७	१० ३३	१० २८	१० २३	१० १९	१० १५	१० ११	१० ७	१० २	९ ५७	९ ५२	९ ४७	सिं. अं.	१२ ०	११ ५६	११ ५२
सिं. अं.	१२ ५४	१२ ५०	१२ ४५	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१२ १९	१२ १४	१२ ९	१२ ४	कं. अं.	२ १६	२ १२	२ ८
कं. अं.	३ १०	३ ६	३ १	२ ५६	२ ५२	२ ४८	२ ४४	२ ४०	२ ३५	२ ३०	२ २५	२ २०	तु. अं.	४ ३४	४ ३०	४ २६
तु. अं.	५ २८	५ २४	५ १९	५ १४	५ १०	५ ६	५ २	४ ५८	४ ५३	४ ४८	४ ४३	४ ३८	वृ. अं.	६ ५२	६ ४८	६ ४४

पौ. कृ. ११ बुधे इ. ४३।३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	२	७	८	९	८	४	१०
२९	२१	१७	१६	१२	२४	१६	१६
११	७	१५	४९	१३	१३	५६	५६
२७	१८	२९	१४	९	३४	२७	२७
६१	१२ २५	९३	१३	६९	६	३	३
२०	व	२६	६	५	५५	११	११

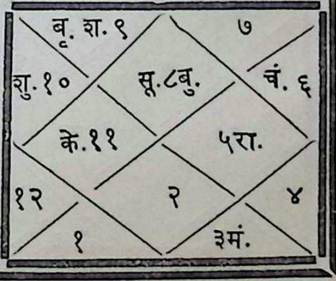

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	श्री शुभ संवत् २०१७ शके १८८२। पौष शुक्लपक्षः याम्यायन गोलौ। दिसम्बर १९ से जनवरी १ सन् १९६१।
२६	४	१	चं.	१६	१७	मृ.	५/५३	१८/४३	वृ.	४०	४९	वा.	१६	१७	व.	४३	७	लुम्ब	१९	२९	४				६	४७	५	१३	८	३	३१	४५	६१	२२	चन्द्रदर्शनम्। उग्र कर्म मु.।
२६	४	२	मं.	९	५७	उ.	५१	१३	ध्रु.	३०	१६	कौ.	९	५७	तै.	३६	१०	मानस	२०	१	५	म.	१२	४	६	४७	५	१३	८	४	३३	७	६१	२२	रज्जव। पूर्वाफाल्गुनी भे १चरणे राहुःशत,भे३चर.केतुः २।१९।
२६	४	३	बु.	२/५२	२४/३७	श्र.	४४	४६	व्या	२०	१६	ग.	२	२४	वि.	२/५४	४२/१	छत्र	२१	२	६				६	४७	५	१३	८	५	३४	२९	६१	२३	भ. २८।४२ उ. ५४।१ या.। श्रवसि दक्षिण यात्रा मु.।
२६	४	५	बृ.	४४	६	ध.	३९	५३	ह.	१०	५६	ब.	१८	१८	वा.	४४	६	श्रीवत्स	२२	३	७	कुं.	१२	१९	६	४७	५	१३	८	६	३५	५२	६१	२३	धनुषि बुधः ५३।९।पश्चिम यात्रा मु. १२।१९ उ.। या.जय.मु.।
२६	४	६	शु.	३८	५१	श.	३६	१९	व.	१/५८	५३/६	कौ.	१२	२८	तै.	३८	५१	सौम्य	२३	४	८				६	४७	५	१३	८	७	३७	१५	६१	२४	चर कर्म मु.। a नवमी योगे या. जय. मु.।
२६	४	७	श.	३५	११	पू.	३४	१६	व्य	५०	१६	ग.	७	०	व.	३५	११	कालदं	२४	५	९	मी.	१९	४६	६	४७	५	१३	८	८	३८	३९	६१	२४	भ. ३५।११ उ.। धनिष्ठा भे शुक्रः ५४।९।
२६	४	८	र.	३३	१६	उ.	३३	५६	व.	४५	५७	वि.	४	९	वव	३३	१६	स्थिर	२५	६	१०				६	४७	५	१३	८	९	४०	३	६१	२५	भ. ४।९ या.। अस्तं गुरुः ९।३९। अस्तं शनिः २६।२२।a
२६	४	९	चं.	३२	४३	रे.	३४	४६	प.	४२	५३	वा.	२	५५	कौ.	३२	४३	मातंग	२६	७	११	मे.	३४	४६	६	४७	५	१३	८	१०	४१	२८	६१	२५	पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. तिथि दानात्।
२६	४	१०	मं.	३३	५४	अ.	३७	१७	शि.	४०	५४	तै.	३	१८	ग.	३३	५४	अमृ	२७	८	१२				६	४७	५	१३	८	११	४२	५३	६१	२६	स. सि. अ. सि. योगः। प्राच्यां यात्रा मु.।
२६	४	११	बु.	३६	३१	भ.	४१	२४	सि.	३९	५५	व.	५	७	वि	३६	३१	काण	२८	९	१३	वृ.	५७	३०	६	४७	५	१३	८	१२	४४	१९	६१	२६	भ. ५।७ उ. ३६।३१ या.। पूर्वाषाढ़ भे रविः २८।९। पूर्वा-b
२६	५	१२	बृ.	४०	७	कृ.	४६	१९	सा.	४०	१३	वव	८	६०	वा.	४०	७	लुम्ब	२९	१०	१४				६	४७	५	१३	८	१३	४५	४५	६१	२६	त्रयोदशीदानात् यायी जय योगः। b षाढ़ भे ३ चर. गुरुःc
२६	६	१३	शु.	४९	३६	रो.	५१	५९	शु.	४०	४३	कौ.	१२	१९	तै.	३४	३६	मित्र	३०	११	१५				६	४७	५	१३	८	१४	४७	११	६१	२६	मृगभे दक्षिण यात्रा मु.।c३३।३९। पुत्रदा ११ व्रतं सर्वेषाम्।
२६	७	१४	श.	५०	११	मृ.	५८	३३	शु.	४१	५६	ग.	१७	१९	व.	५०	११	वज्र	३१	१२	१६	मि.	३२	१६	६	४७	५	१४	८	१५	४८	३७	६१	२६	भ. ५०।११उ.। पूर्वाषाढ़ भे बुधः १४।५९। कुम्भे शुक्रः २९।१७।
२६	८	१५	र.	५५	४६	आ.	६०	०	ब्र.	४३	३९	वि.	२२	२४	वव	५५	४६	ध्वांक्ष	१	१३	१७				६	४६	५	१४	८	१६	५०	३	६१	२६	जनवरी १९६१। भ. २२।२४ या.। माघस्नानारम्भः।

पौ. शु. ३ बृधे इ. ४३।२

सू.	मं.	बु.	व.	शु.	श.	रा.	के.
८	२	७	८	९	८	४	१०
६	१८	२८	१८	१९	२५	१६	१६
२१	४३	१	२३	३८	१	३४	३४
५३	१७	५४	१७	२५	३	१५	१५
६१	२४/१७	९६	१३	६८	७	३	३
२३	व	४५	३४	२५	३	११	११

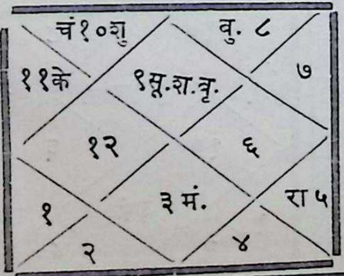

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.		२ मं.		३ बु.		५ बृ.		६ शु.		७ श.		८ र.		९ चं.		१० मं.		११ बु.		१२ बृ.		१३ शु.		१४श.		१५ र.	
ध. अ.	८	४६	८	४०	८	३५	८	३०	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	८	८	४	८	०	७	५६	७	५२	७	४८
म. अं.	१०	२९	१०	२५	१०	२०	१०	१५	१०	१०	१०	६	१०	२	९	५७	९	५३	९	४९	९	५४	९	४१	९	३७	९	३३
कुं. अं.	११	५९	११	५५	११	५०	११	४५	११	४०	११	३६	११	३२	११	२८	११	२३	११	१९	११	१५	११	११	११	७	११	३
मी. अं.	१	२६	१	२२	१	१७	१	१२	१	७	१	३	१२	५९	१२	५५	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०
मे. अं.	३	२	२	५८	२	५३	२	४८	२	४३	२	३९	२	३५	२	३१	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	१०	२	६
वृ. अं.	४	५८	४	५४	४	४९	४	४४	४	३९	४	३५	४	३१	४	२७	४	२२	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	४	२
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मि. अं.	७	१२	७	८	७	३	६	५८	६	५३	६	४९	६	४५	६	४१	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६
क. अं.	९	३०	९	२६	९	२१	९	१६	९	११	९	७	९	३	८	५९	८	५४	८	५०	८	४६	८	४२	८	३८	८	३४
सिं. अं.	११	४७	११	४३	११	३८	११	३३	११	२८	११	२४	११	२०	११	१६	११	११	११	७	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	५१
कं. अं.	२	०	१	५९	१	५४	१	४९	१	४४	१	४०	१	३६	१	३२	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५	१	११	१	७
तु. अं.	४	२१	४	१७	४	१२	४	७	४	२	३	५८	३	५४	३	५०	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५
वृ. अं.	६	३९	६	३५	६	३०	६	२५	६	२०	६	१६	६	१२	६	८	६	३	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७	५	४३

पौ. शु. ११ बुधे इ. ४३।२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	२	८	८	९	८	४	१०
१३	१६	९	२०	२७	२५	१६	१६
३१	५९	२	१	५५	४२	१२	१२
३५	१७	१७	३	१९	१५	३९	३९
६१	२८/३२	९९	१३	६७	७	३	३
२६	व	२७	३६	१४	१५	११	११

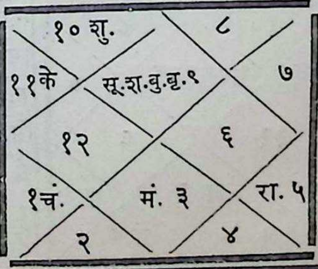

दि. मा.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	व.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अ.	फा.	ब.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः		श्री शुभ संवत् २०१७ शके १८८२। माघ कृष्णपक्षः। याम्यायन गोलौ। मकरार्कतः सौम्यायनम्। जनवरी २ से १६ तक।
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	
२६	१०	१	चं.	६०	०	आ.	५	३३	ऐं.	४५	४४	वा.	२९	१	कौ.	६०	०	कालदं.	२	१४	१८	क.	५०	४२	६	४६	५	१४	८	१७	५१	२९	६१	२६	या. जय मु. ५।३३ उ.। प्रतीच्यां यात्रा मु. पुन. भे.।
२६	११	१	मं.	२	१५	पुन	१२	५६	व.	४७	५९	कौ.	२	१५	तै.	३५	५०	स्थिर	३	१५	१९				६	४६	५	१४	८	१८	५२	५५	६१	२६	
२६	१२	२	बु.	८	४४	पु.	२०	२६	वि.	५०	१९	ग.	८	४४	व.	४१	५८	मातंग	४	१६	२०				६	४६	५	१४	८	१९	५४	२१	६१	२६	प्रतीच्यां यात्रा मु.।
२६	१३	३	गु.	१५	१२	श्ले.	२७	५१	प्री.	५२	१३	वि.	१५	१२	वव	४८	५	अमृत	५	१७	२१	सिं.	२७	५६	६	४५	५	१५	८	२०	५५	४७	६१	२५	या. जय मु. १५।१२ या.।
२६	१४	४	शु.	२०	५९	म.	३४	५१	आ.	५३	४१	वा.	२०	५९	कौ.	५३	३१	काण	६	१८	२२				६	४५	५	१५	८	२१	५७	१२	६१	२५	उग्र कर्म मु.।
२६	१५	५	श.	२६	३	पू.	४०	५९	सौ.	५४	३५	तै.	२६	३	ग.	५८	९	लुम्ब	७	१९	२३	क.	५७	१४	६	४५	५	१५	८	२२	५८	३७	६१	२५	उग्र कर्म मु.।
२६	१६	६	र.	३०	१५	उ.	४५	५९	शो.	५४	३१	व.	३०	१५	वि.	६०	०	मित्र	८	२०	२४				६	४५	५	१५	८	२४	०	२	६१	२४	स. सि. योगः।
२६	१८	७	चं.	३२	५३	ह.	४९	३६	अ.	५३	१३	वि.	१	३४	वव	३२	५३	वज्र	९	२१	२५				६	४५	५	१५	८	२५	१	२६	६१	२४	दक्षिणयां यात्रा मु.। यायी जय मु.।
२६	१९	८	मं.	३३	५१	चि.	५१	३६	सु.	५०	२५	वा.	३	२२	कौ.	३३	५१	ध्वांक्ष	१०	२२	२६	तु.	२०	३६	६	४४	५	१६	८	२६	२	५०	६१	२४	
२६	२०	९	बु.	३३	१३	स्वा	५१	३७	धृ.	४५	५९	तै.	३	२९	ग.	३३	१३	धूम्र	११	२३	२७				६	४४	५	१६	८	२७	४	१४	६१	२३	चर कर्म मु.।
२६	२१	१०	गु.	३०	१९	वि.	४९	३६	शू.	४०	१३	व.	१	३६	वि	३१/५७	१९/५८	प्रवर्ध.	१२	२४	२८	वृ.	३५	७	६	४४	५	१६	८	२८	५	३७	६१	२२	उदीच्यां यात्रा मु. अनु. भे.। स. सि. योगः ४९।३६ उ.।
२६	२३	११	शु.	२५	३७	अ.	४५	५९	गं.	३२	४६	वा.	२५	३७	कौ.	५३	२४	रक्ष	१३	२५	२९				६	४३	५	१७	८	२९	६	५९	६१	२२	सं. मकरेऽर्कः ५२।४८। उदीच्यां यात्रा मु.।
२६	२६	१२	श.	१९	११	ज्ये	४०	३४	वृ.	३४	११	तै.	१९	११	ग.	४५	४४	मुशल	१४	२६	१	ध.	४०	३४	६	४३	५	१७	९	०	८	५१	६१	२१	तीक्ष्ण कर्म मु.।
२६	२६	१३	र.	१२	११	मू.	३३	४१	ध्रु.	१४	२५	व.	१२	११	वि.	३८	४२	सिद्धि	१५	२७	२				६	४२	५	१८	९	१	९	४२	६१	२१	स. सि. योगः। मास शिवरात्रि व्रतम्।
२६	२६	१४	चं.	८ ५/३	१३/१६	पू.	२६	११	व्या	३/५४	४६/४३	श.	५	३	च.	२१/५८	१०/३९	उत्पात	१६	२८	३	म.			६	४२	५	१८	९	२	११	३	६१	२०	श्राद्धादौ ३०।

मा. कृ. २ बुधे इ. ४३।४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	२	८	८	१०	८	४	१०
२०	१३	२०	२१	६	२६	१५	१५
४१	३२	१२	३९	१३	३७	२९	४९
३७	११	३९	५४	१४	१९	३७	३७
६१	२९/३	१०१	१३	६६	७	३	३
२६	व.	३६	३८	१९	२०	११	११

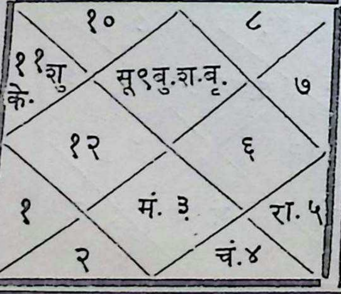

दैनिकलग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.	१ मं.	२ बु.	३ बृ.	४ शु.	५ श.	६ र.	७ चं.	८ मं.	९ बु.	१० बृ.	११ शु.	तिथयः	१२ श.	१३ र.	१४ चं.
ध. अं.	७|४४	७|४०	७|३५	७|३०	७|२५	७|२०	७|१६	७|१२	७|८	७|३	६|५८	६|५३	म. अं.	८|३३	८|२९	८|२५
म. अं.	९|२९	९|२५	९|२०	९|१५	९|१०	९|५	९|१	८|५६	८|५३	८|४८	८|४३	८|३८	कुं. अं.	१०|४	९|५९	९|५५
कुं. अं.	१०|५९	१०|५५	१०|५०	१०|४५	१०|४०	१०|३५	१०|३१	१०|२७	१०|२३	१०|१८	१०|१३	१०|८	मी. अं.	११|३०	११|२६	११|२२
मी. अं.	१२|२६	१२|२२	१२|१७	१२|१२	१२|७	१२|२	११|५८	११|५४	११|५०	११|४५	११|४०	११|३५	मे. अं.	१|६	१|२	१२|५८
मे. अं.	२|२	१|५८	१|५३	१|४८	१|४३	१|३८	१|३४	१|३०	१|२६	१|२१	१|१६	१|११	वृ. अं.	३|२	२|५८	२|५४
वृ. अं.	३|५८	३|५४	३|४९	३|४४	३|३९	३|३४	३|३०	३|२६	३|२२	३|१७	३|१२	३|७	मि. अं.	५|१६	५|१२	५|८
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मि. अं.	६|१२	६|८	६|३	५|५८	५|५३	५|४८	५|४४	५|४०	५|३६	५|३१	५|२६	५|२१	क. अं.	७|३४	७|३०	७|२६
क. अं.	८|३०	८|२६	८|२१	८|१६	८|११	८|६	८|२	७|५८	७|५४	७|४९	७|४४	७|३९	सिं. अं.	९|५१	९|४७	९|४३
सिं. अ	१०|४७	१०|४३	१०|३८	१०|३३	१०|२८	१०|२३	१०|१९	१०|१५	१०|११	१०|६	१०|१	९|५६	कं. अं.	१२|७	१२|३	११|५९
कं. अं.	१|३	१२|५९	१२|५४	१२|४९	१२|४४	१२|३९	१२|३५	१२|३१	१२|२७	१२|२२	१२|१७	१२|१२	तु. अं.	२|२५	२|२१	२|१७
तु. अं.	३|२१	३|१७	३|१२	३|७	३|२	२|५७	२|५३	२|४९	२|४५	२|४०	२|३५	२|३०	वृ. अं.	४|४३	४|३९	४|३५
वृ. अं.	५|३९	५|३५	५|३०	५|२५	५|२०	५|१५	५|११	५|७	५|३	४|५८	४|५३	४|४८	ध. अं.	६|४८	६|४४	६|४०

मा. कृ. ९ बुधे. इ. ४३।१

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	२	९	८	१०	८	४	१०
२७	११	१	२२	१४	२७	१५	१५
५१	१८	३९	१६	४	२७	१७	१७
३७	२७	१८	३७	३९	५८	३९	३९
६१	२४/५४	१०३	१४	६४	७	३	३
२३	व.	१७	३९	३७	२०	११	११

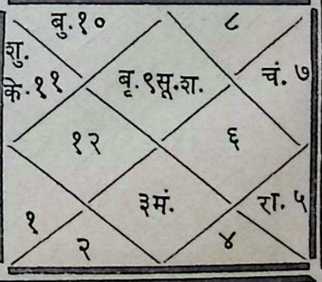

श्री शुभ संवत् २०१७ शके १८८२ ।माघशुक्लपक्षः सौम्यायनम् याम्यगोलः । जनवरी १७ से ३१ तक । f योगे स. सि. योगः ।

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	३४	१	मं.	४३	३५	उ.	१८	१५	ब.	४१	२६	किं.	१७	५८	ब.	४३	३५	मानस	१७	२९	४				६	४१	५	१९	९	३	१२	२३	६१	१९
२६	३६	२	बु.	३३	१९	श्र.	१०	३७	सि.	३०	४६	वा.	८	२२	कौ.	३३	१९	छत्र	१८	३०	५	कुं.	३०	३८	६	४१	५	१९	९	४	१३	४२	६१	१८
२६	३८	३	बृ.	२४	५७	ध.	३ ५९	३४ ९	व्य.	२०	५३	ग.	२४	५७	व.	५१	२१	श्रीवत्स	१९	१	६				६	४०	५	२०	९	५	१५	७	६१	१७
२६	४१	४	शु.	१७	४६	पू.	५३	४४	व.	११	४७	वि.	१७	४६	व.	४५	११	ध्वांक्ष	२०	२	७	मी.	२९	४३	६	४०	५	२०	९	६	१६	१७	६१	१६
२६	४३	५	श.	१२	३७	उ.	५१	३७	प.	४ ५४	२९ १४	वा.	१२	३७	कौ.	४१	५६	धूम्र	२१	३	८				६	४०	५	२०	९	७	१७	३३	६१	१५
२६	४५	६	र.	९	१४	रे.	५१	१६	सि.	५४	१६	तै.	९	१४	ग.	३८	२९	प्रवर्ध	२२	४	९	मे.	५१	१६	६	३९	५	२१	९	८	१८	४८	६१	१४
२६	४८	७	चं.	७	४४	अ.	५२	४१	सा.	५१	३२	व.	७	४४	वि.	३८	९	राक्षस	२३	५	१०				६	३९	५	२१	९	९	२०	२	६१	१३
२६	५१	८	मं.	८	३४	भ.	५६	४	शु.	५०	५	बव	८	३४	वा.	३९	३७	मुसल	२४	६	११				६	३८	५	२२	९	१०	२१	१५	६१	१२
२६	५३	९	बु.	१०	४१	कृ.	६०	०	शु.	५१	२१	कौ.	१०	४१	तै.	४२	२८	सिद्धि	२५	७	१२	वृ.	१२	२२	६	३८	५	२२	९	११	२२	२७	६१	११
२६	५६	१०	बृ.	१४	३६	कृ.	१	१४	ब्र.	५०	५	ग.	१४	३६	व.	४७	२९	लुम्ब	२६	८	१३				६	३७	५	२३	९	१२	२३	३८	६१	१०
२६	५९	११	शु.	१९	४३	रो.	७	१९	ऐं.	५९	३१	वि.	१९	४३	व.	५२	४०	मित्र	२७	९	१४	मि.	४०	४८	६	३७	५	२३	९	१३	२४	४८	६१	९
२७	१	१२	श.	२५	३७	मृ.	१४	१७	वै.	५४	३४	वा.	२५	३७	कौ.	५८	४४	वज्र	२८	१०	१५				६	३६	५	२४	९	१४	२५	५७	६१	८
२७	४	१३	र.	३१	५१	आ.	२१	१६	वि.	५६	४४	तै.	११	५१	ग.	६०	०	ध्वांक्ष	२९	११	१६				६	३५	५	२५	९	१५	२७	५	६१	७
२७	७	१४	चं.	३८	२६	पुन	२३	२१	प्री.	५८	५२	ग.	५	९	व.	३८	२६	धूम्र	३०	१२	१७	क.	१	२२	६	३५	५	२५	९	१६	२८	१२	६१	६
२७	१०	१५	मं.	४४	३६	पु.	३६	१५	आ.	६०	०	वि.	६	३२	बव	४४	३६	प्रवर्ध.	३१	१३	१८				६	३४	५	२६	९	१७	२९	१८	६१	५

श्रवण भे बुधः ४०।३९ । पूर्वा भाद्रपद भे शुक्रः ३।९
चन्द्रदर्शनम् । दक्षिण यात्रा मु. ३०।३८ या. । a कर्म मु. ।
शावान । भ. ५१।२१ उ. । प्रतीच्यां यात्रा मु. ।
भ. १७।४६ या. । उदयं गुरुः २७।३९ । गणेश ४ । उग्र a
वसन्त पञ्चमी । श्री पञ्चमी । b उदीच्यां यात्रा मु. ।
उदयं शनिः ३।९ । सप्तमी योगे या. जय मु. । c ४७।९ ।
भ. ७।४४ उ. ३८।९ या. । श्रवणे रविः ३२।९ । रथ ७ । b
धनिष्ठा भे बुधः ३५।९ । भीष्म ८। बुधोदयः पश्चिमायाम् c
मित्र कर्म मु. । d ३३।९ । एकादशी योगे यायी जय. मु. ।
भ. ४७।९२ उ. । उ.षा. भे १ पादे गुरुः १५।७ । मीने शुक्रः d
भ. १९।४३ । जया ११ व्रतं सर्वेषाम् । मृग भे दक्षिण यात्रा e
कुम्भे बुधः २३।७ । प्रदोषः । e मु. तिथि दानात् ।
उत्तरा भाद्रपद भे शुक्रः ४०।५१ । पुनः योगे यायी जय मु. ।
भ. ३८।२६ उ. । प्रतीच्यां यात्रा मु. तिथि दानात् । पुष्य f

मा. शु. २ बु. इ. ४३।१८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	२	१	८	१०	८	४	१०
५	९	१३	२४	२१	२४	१५	१५
२	२६	२२	५३	४०	१८	५	५
४७	३५	४४	१४	१७	२१	१४	१४
६१	३० २५	१०३	१३	६३	७	३	३
१८	व.		७	३२	१९	२०	११	११

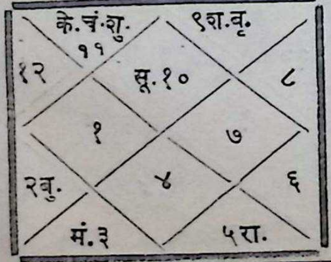

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.		२ बु.		३ बृ.		४ शु.		५ श.		६ र.		७चं.		८ मं.		९ बु.		१० बृ.		११ शु.		१२ श.		१३ र.		१४ चं.		१५ मं.	
म. अं.	८	२१	८	१७	८	१२	८	७	८	३	७	५९	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९	७	३५	७	३१	७	२७	७	२३
कुं. अं.	९	५१	९	४७	९	४२	९	३७	९	३३	९	२९	९	२५	९	२१	९	१७	९	१३	९	९	९	५५	९	१	८	५७	८	५३
मी. अं.	११	१८	११	१४	११	९	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०
मे. अं.	१२	५४	१२	५०	१२	४५	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५६
वृ. अं.	२	५०	२	४६	२	४१	२	३७	२	३२	२	२८	२	२४	२	२०	२	१६	२	१२	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५२
मि. अं.	५	४	५	०	४	५५	४	५०	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२	४	१८	४	१४	४	१०	४	६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
क. अं.	७	२२	७	१८	७	१३	७	८	७	४	७	०	६	५६	६	५२	६	४	६	४४	६	४०	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४
सिं. अं.	९	३९	९	३५	९	३१	९	२६	९	२१	९	१७	९	१३	९	९	९	५	९	१	८	५७	८	५३	८	४९	८	४५	८	४१
कं. अं.	११	५५	११	५१	११	४६	११	४१	११	३७	११	३३	११	२९	११	२५	११	२१	११	१७	११	१३	११	९	११	५	११	१	१०	५७
तु. अं.	२	१३	२	९	२	४	१	५९	१	५५	१	५१	१	४७	१	४३	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५
वृ. अं.	४	३१	४	२७	४	२२	४	१७	४	१३	४	९	४	५	४	१	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३
ध. अं.	६	३६	६	३२	६	२७	६	२२	६	१८	६	१४	६	१०	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८

मा. शु. ९ बुधे. इ. ४३।३

सू.	मं.	बु.	बृ	शु.	श.	रा.	के.
९	२	९	८	१०	८	४	१०
१२	८	२५	२६	२९	२९	१४	१४
११	१२	३७	३१	९	७	४३	४३
५३	३९	९	१४	१७	१४	१७	१७
६१	१३	१२२	१३	५१	७	३	३
११	५७	२३	२५	९	१४	११	११

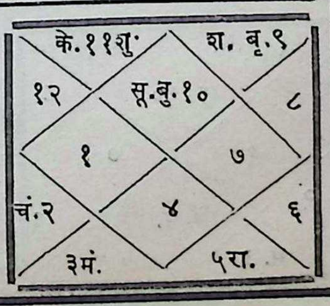

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि
२७	१२	१	बु.	५०	४७	श्ले	४३	१३	आ.	१	१२	वा.	१७	४१	कौ.	५०	५७	रक्ष	१	१४	१९	सिं.	४९	१३	६	३३	५	२७	९	१८	३०	२३	६१	३
२७	१५	२	गु.	५६	२१	म.	५०	३४	सौ.	२	५३	तै.	२३	३३	ग.	५६	२१	मुशल	२	१५	२०				६	३३	५	२७	९	१९	३१	२६	६१	२
२७	१९	३	शु.	६०	०	पू.	५६	११	शो.	४	१४	व.	२८	३८	वि.	६०	०	सिद्धि	३	१६	२१				६	३२	५	२८	९	२०	३२	२८	६१	१
२७	२०	३	श.	०	५६	उ.	६०	०	अ.	४	५६	वि.	०	५६	व.	३२	५६	उत्पात	४	१७	२२	कं.	१२	३२	६	३२	५	२८	९	२१	३३	२९	६१	०
२७	२५	४	र.	४	५७	उ.	१	३६	सु.	५	५१	वा.	४	५७	कौ.	३६	१५	मित्र	५	१८	२३				६	३२	५	२८	९	२२	३४	२९	६०	५८
२७	२८	५	चं.	७	३४	ह.	५	१४	धृ.	४	१५	तै.	७	३४	ग.	३८	१५	वज्र	६	१९	२४	तु.	३६	४२	६	३१	५	२९	९	२३	३५	२७	६०	५६
२७	३१	६	मं.	८	५७	चि.	८	११	शू.	२/५६	२६/१३	व.	८	५७	वि.	३३	१३	ध्वांक्ष	७	२०	२५				६	३०	५	३०	९	२४	३६	२३	६०	५५
२७	३४	७	बु.	९	१३	स्वा	९	३५	वृ.	५०	१४	ब.	९	१३	वा.	३८	२३	धूम्र	८	२१	२६	वृ.	५४	३४	६	३०	५	३०	९	२५	३७	१८	६०	५३
२७	३८	८	गु.	७	३३	वि.	९	३१	ध्रु.	४९	४३	कौ	७	३३	तै.	३६	१	प्रवर्ध	९	२२	२७				६	२९	५	३१	९	२६	३८	११	६०	५१
२७	४१	९	शु.	४/५	२९/६	अ.	७	४३	व्या	४२	४५	ग.	४	२९	व.	३२/५९	३/२५	रक्ष	१०	२३	२८				६	२८	५	३२	९	२७	३९	२	६०	४९
२७	४४	११	श.	५३	३३	ज्ये	४/५५	२५/२१	ह.	३४	४४	व.	२६	३५	वा.	५३	३३	मुशल	११	२४	२९	ध.	४	२५	६	२८	५	३२	९	२८	३९	५१	६०	४७
२७	४८	१२	र.	४५	४६	पू.	५३	३३	व.	२५	३६	कौ.	१९	४०	तै.	४५	४६	शुभ	१२	२५	३०				६	२७	५	३३	९	२९	४०	३८	६०	४५
२७	५१	१३	चं.	३७	१४	उ.	४६	३७	सि.	१५	४३	ग.	११	३१	च.	३७	१४	मृत्यु	१३	२६	१	म.	६	४९	६	२६	५	३४	१०	०	४१	२३	६०	४३
२७	५२	१४	मं.	२९	५९	श्र.	३८	५६	व्य.	५/५१	४९/७	वि.	२	६	श.	२९/५६	५९/१५	लुम्ब	१४	२७	२				६	२५	५	३५	१०	१	४२	६	६०	४२
२७	५४	३०	बु.	२१	३१	ध.	३१	३३	प.	४३	२६	ना.	२१	३१	किं.	४७	५७	मित्र	१५	२८	३	कुं.	७	३	६	२४	५	३६	१०	२	४२	४८	६०	४१

श्री शुभ संवत् २०१७ शके १८८२ फाल्गुन कृष्णपक्षः।
सौम्यायनम् । याम्यगोलः । फरवरी १ से १५ तक।

फरवरी । शत. भे बुधः ४३।९ ।
उ. षा. भे १ पादे मकरे शनिः १५।९ ।
भ. २८।३८ उ. । b १३।९ । स. सि. योगः ७।४३ या. ।
भ. ०।५६ या. । मार्गी भौमः २७।५२ ।
धनिष्ठा भे रविः ३८।९ । स. सि. योगः यायी. जय योगश्च a
या. जय योगः ५।१४ या. । दक्षिण यात्रा मु. ।
भ. ८।५७ उ. ३९।१३ या. ।

a ४।५७ उ. । पूर्व यात्रा मु. हस्ते।
स. सि. योगः ९।३१ उ. । अनु. योगे यायी जय. मु. ।
भ. ३२।३ उ. ५९।२५ या. । उ. षा. भे २ चरणे मकरे गुरुःb
विजया ११ व्रतं स्मार्तानाम् ।
सं. कुम्भेऽर्कः १९।१७ । वक्रीबुध. ४४।९ । रेवती भे शुक्रः c
भ. ३७।१४ उ. । महाशिवरात्रि व्रतम् । या. जय. योगः ।
भ. २।६ या. । बुधास्तः पश्चिमायाम् ।
ग्रहणसम्भवः । c ४३।९ । विजया ११ व्रतं वैष्णवानाम् ।

फा. कृ. १ बुधे. इ. ४३।३६

सू.	मं.	बु.	बृ.	श.	श.	रा.	के.
९	२	१०	८	११	८	४	१०
१९	६	६	२७	६	२९	१४	१४
१६	४४	३४	३५	१०	५५	२०	२०
३१	१३	३४	१४	२७	२२	४७	४७
६१	४/५६	८९	१३	५७	७	३	३
३	व.	३३	३९	४४	४	११	११

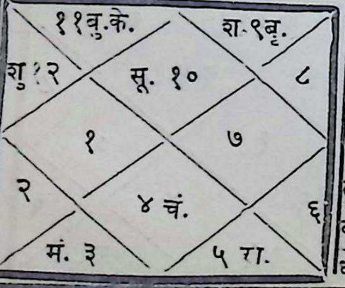

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.	२ बृ.	३ शु.	३ श.	४ र.	५ चं.	६ मं.	७ बु.	८ बृ.	९ शु.	११ श.	१२ र.	तिथयः	१३ चं.	१४ म.	३० बु.
म. अं.	७ १८	७ १४	७ १०	७ ६	७ २	६ ५८	६ ५४	६ ५०	६ ४६	६ ४१	६ ३७	६ ३३	कुं. अं.	७ ५९	७ ५५	७ ५१
कुं. अं	८ ४८	८ ४४	८ ४०	८ ३६	८ ३२	८ २८	८ २४	८ २०	८ १६	८ ११	८ ७	८ ३	मी. अं.	९ २६	९ २२	९ १८
मी. अं.	१० १५	१० ११	१० ७	१० ३	९ ५९	९ ५५	९ ५१	९ ४७	९ ४३	९ ३८	९ ३४	९ ३०	मे. अं.	११ २	१० ५८	१० ५४
मे. अं.	११ ५१	११ ४७	११ ४३	११ ३९	११ ३५	११ ३१	११ २७	११ २३	११ १९	११ १४	११ १०	११ ६	वृ. अं.	१२ ५८	१२ ५४	१२ ५०
वृ. अं.	१ ४७	१ ४३	१ ३९	१ ३५	१ ३१	१ २७	१ २३	१ १९	१ १५	१ १०	१ ६	१ २	मि. अं.	३ १२	३ ८	३ ४
मि.अं.	४ ०	३ ५७	३ ५३	३ ४९	३ ४५	३ ४१	३ ३७	३ ३३	३ २९	३ २४	३ २०	३ १६	क. अं.	५ ३०	५ २६	५ २२
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	राशयः	रा०	रा०	रा०
क. अं.	६ १९	६ १५	६ ११	६ ७	६ ३	५ ५९	५ ५५	५ ५१	५ ४७	५ ४२	५ ३८	५ ३४	सिं. अं.	७ ४७	७ ४३	७ ३९
सिं. अं.	८ ३६	८ ३२	८ २८	८ २४	८ २०	८ १६	८ १२	८ ८	८ ४	७ ५९	७ ५५	७ ५१	कं. अं.	१० ३	९ ५९	९ ५५
कं. अं.	१० ५२	१० ४८	१० ४४	१० ४०	१० ३६	१० ३२	१० २८	१० २४	१० २०	१० १५	१० ११	१० ७	तु. अं.	१२ २१	१२ १७	१२ १३
तु. अं.	१ १०	१ ६	१ २	१२ ५८	१२ ५४	१२ ५०	१२ ४६	१२ ४२	१२ ३८	१२ ३३	१२ २९	१२ २५	वृ. अं.	२ ३९	२ ३५	२ ३१
वृ. अं.	३ २८	३ २४	३ २०	३ १६	३ १२	३ ८	३ ४	३ ०	२ ५६	२ ५१	२ ४७	२ ४३	ध. अं.	४ ४४	४ ४०	४ ३६
ध. अं.	५ ३३	५ २९	५ २५	५ २१	५ १७	५ १३	५ ९	५ ५	५ १	४ ५६	४ ५२	४ ४८	म. अं.	६ २९	६ २५	६ २१

फा कृ. ७ बुधे. इ. ४३।४९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	२	१०	८	११	९	४	१०
२६	७	१४	२९	१२	०	१३	१३
२४	१४	२६	३८	४९	४३	५८	५८
१७	३८	३९	१४	३४	५०	५७	५७
६०	५/२७	५२	१३	८४	६	३	३
५३	मा.	३२	४	५६	५४	११	११

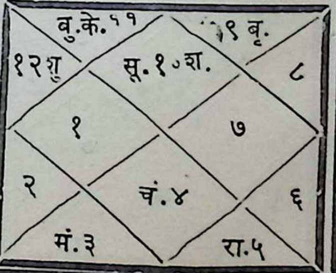

Nepal Sanskrit University, Balmaki Campus, Kathmandu

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	क्रा.	वं.	च. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतः	
घ	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२७	५९	१	बृ.	१३	१५	श.	२४	२७	शि.	३३	३७	वव	१३	१५	वा	३९	४७	वज्र	१६	२९	४				६	२४	५	३६	१०	३	४३	२९	६०	३९
२८	४	२	शु.	६/५३	१९/१५	पू.	१८	४७	सि.	२४	३५	कौ.	६	१९	तै.	३२/५९	५६/३७	ध्वांक्ष	१७	१	५	मी	३८	२	६	२३	५	३७	१०	४	४४	८	६०	३८
२८	८	४	श.	४५	३४	उ.	१३	३९	सा.	१६	५५	व.	१९	५४	वि.	४५	३४	धूम्र	१८	२	६				६	२२	५	३८	१०	५	४४	४६	६०	३६
२८	१२	५	र.	४५	३४	रे.	१२	१६	शु.	१०	५१	वव	१५	२४	वा.	४५	३४	प्रवर्ध.	१९	३	७	मे.	१२	१६	६	२२	५	३८	१०	६	४५	२२	६०	३४
२८	१५	६	चं.	४५	४५	अ.	१२	११	शु.	६	४६	कौ.	१५	३४	तै.	४५	४५	रक्ष	२०	४	८				६	२१	५	३९	१०	७	४५	५६	६०	३२
२८	१९	७	मं.	४७	१२	भ.	१३	५६	व्र.	४	१७	ग.	१५	२२	व.	४७	१२	मुसल	२१	५	९	वृ.	३०	०	६	२०	५	४०	१०	८	४६	१८	६०	३०
२८	२२	८	बु.	५०	१५	कृ.	१८	१२	ऐं.	३	७	वि.	१८	३६	वव	५०	१५	सिद्धि	२२	६	१०				६	२०	५	४०	१०	९	४६	४८	६०	२८
२८	२६	९	बृ.	५५	१९	रो.	२३	२५	वै.	३	२५	वा.	२२	४०	कौ.	५५	१९	उत्पात	२३	७	११	मि.	५७	५	६	१९	५	४१	१०	१०	४७	१६	६०	२६
२८	३०	१०	शु.	६०	०	मृ.	२०	३५	वि.	४	३५	तै.	३०	२	ग.	६०	०	मानस	२४	८	१२				६	१८	५	४२	१०	११	४७	४२	६०	२४
२८	३३	१०	श.	०	५६	आ.	३६	५४	प्री.	६	४७	ग.	०	५६	व.	३४	६	मुद्गर	२५	९	१३				६	१७	५	४३	१०	१२	४८	६	६०	२२
२८	३७	११	र.	७	१६	पु.	४५	१५	आ.	९	१	वि	७	१८	वव	४०	४१	ध्वज	२६	१०	१४	क.	२८	१०	६	१७	५	४३	१०	१३	४८	२८	६०	२०
२८	४०	१२	चं.	१४	६	पु.	५२	४९	सौ.	११	२९	वा.	१४	८	कौ.	४७	१५	धाता	२७	११	१५				६	१६	५	४४	१०	१४	४८	४८	६०	१८
२८	४४	१३	मं.	२०	२४	श्ले.	५९	१	शो.	१२	३६	तै.	२०	२४	ग.	५३	२०	आनन्द	२८	१२	१६	सिं.	५९	१	६	१५	५	४५	१०	१५	४९	६	६०	१७
२८	४८	१४	बु.	२६	१६	म.	६०	०	अ.	१५	१७	व.	२६	१६	वि.	५६	४६	चर	१	१३	१७				६	१५	५	४५	१०	१६	४९	२३	६०	१६
२८	५१	१५	बृ.	३१	१६	म.	६	२१	सु.	१६	३५	व.	३१	०	वा.	६०	०	मुशल	२	१४	१८				६	१४	५	४६	१०	१७	४९	३९	६०	१५
×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	× ×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×

श्री शुभ सवत् २०१७ शके १८८२। फाल्गुन शुक्लपक्षः।
सौम्यायनम्। याम्यगोलः। फरवरी १६ से मार्च २ तक।

चन्द्रदर्शनम्। चर कर्म मु.।
रमजान। उग्र कर्म मु.। b उदीच्यां यात्रा मु.।
भ. १९।५४ उ. ४५।३४ या.। शतभिषभे रविः४६।४९। a
या. जय. मु. १२।१६ या.।
मघा भे ४ चर. राहुः शत. भे २ चरणे केतुः ५६।१७। b
भ. ४७।१२ उ.। उग्र कर्म मु.।
भ. १८।३६ या.। स. सि. योगः १८।१५ या.।
स्थिर कर्म मु. या. जय. मु. २३।३५ या.।
वक्री धनिष्ठा भे बुधः ३२।१७। c मु. ७।१६ या.।
भ. ३४।६ उ.। d ४८।१७।
भ. ७।१८ या.। आमलकी ११ व्रतं सर्वेषाम्। या. जय c
उत्तराषाढ़ भे ३ चरणे गुरुः १२।३९। स. सि. योगः।
a रेवत्यां प्रतीच्यां यात्रा मु.। तिथि दानात्।
मार्च। भ. २६।१६ उ. ५६।४६ या.। बुधोदयः पूर्वस्याम् d
मेषे शुक्रः २०।१२। होलिका दहनम्। ग्रहण सम्भवः।

फा. शु. ८ बुधे. इ. ४४।११

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	२	१०	९	११	९	४	१०
१०	८	९	२	२४	२	१३	१३
३६	५७	१	४८	४५	११	१४	१४
१२	४३	१२	३९	३९	२५	४६	४६
६०	११	७४/५	१२	४४	६	३	३
२८	३३	व	१६	४५	२१	११	११

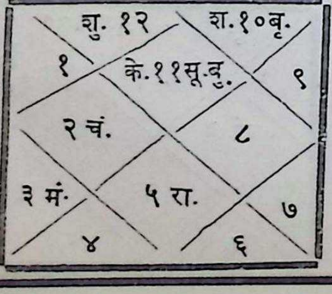

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.		२ शु.		४ श.		५ र.		६ चं.		७ मं.		८ बु.		९ बृ.		१० शु.		१० श.		११ र.		१२ चं.		१३ मं.		१४ बु.		१५ बृ.	
कुं. अं.	७	४८	७	४४	७	४०	७	३६	७	३२	७	२८	७	२४	७	२०	७	१६	७	१२	७	८	७	४	७	०	६	५६	६	५३
मी. अं.	९	१५	९	११	९	७	९	३	८	५९	८	५५	८	५१	८	४७	८	४३	८	३९	८	३५	८	३१	८	२७	८	२३	८	२०
मे. अं.	१०	११	१०	४७	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१५	१०	११	१०	७	१०	३	९	५९	९	५६
वृ. अं.	१२	४७	१२	४३	१२	३९	१२	३५	१२	३१	१२	२७	१२	२३	१२	१९	१२	१५	१२	११	१२	७	१२	३	११	५९	११	५५	११	५२
मि. अं	३	२	२	५७	२	५३	२	४९	२	४५	२	४१	२	३७	२	३३	२	२९	२	२५	२	२१	२	१७	२	१३	२	९	२	६
क. अं.	५	१९	५	१५	५	११	५	७	५	३	४	५९	४	५५	४	५१	४	४७	४	४३	४	३९	४	३५	४	३१	४	२७	४	२४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
सिं. अं	७	३६	७	३२	७	२८	७	२४	७	२०	७	१६	७	१२	७	८	७	४	७	०	६	५६	६	५२	६	४८	६	४४	६	४१
कं. अं.	९	५२	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५७
तु. अं.	१२	१०	१२	६	१२	२	११	५८	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२	११	३८	११	३४	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८	११	१५
वृ. अं.	२	२८	२	२४	२	२०	२	१६	२	१२	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५२	१	४८	१	४४	१	४०	१	३६	१	३३
ध. अं.	४	३३	४	२९	४	२५	४	२१	४	१७	४	१३	४	९	४	५	४	१	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५	३	१४	३	३०
म. अं.	६	१८	६	१४	६	१०	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८	५	३४	५	३०	५	२६	५	२३

फा. शु. १४ बुधे. इ. ४४।२४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	२	१०	९	११	९	४	१०
१७	१०	२	३	२९	२	१२	१२
३७	१९	२२	४८	३४	४२	५१	५१
१४	२५	३५	३९	१४	३७	४५	४५
६०	१५	४६/४६	११	३७	६	३	३
१९	५२	व	४७	३९	२	११	११

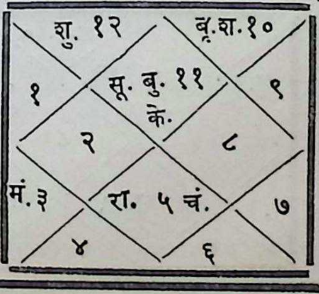

Kathmandu

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र.			सू. उ		सू. अ.		आ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	वं	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२८	५५	१	शु.	३५	१३	पू.	११	२३	धृ.	१६	४९	बा.	३	१	कौ.	३५	१३	सिद्धि	३	१५	१९	क.	२७	३८	६	१३	५	४७	१०	१८	४९	५४	६०	१४
२८	५९	२	श.	३७	५९	उ.	१६	२३	शू.	१६	२६	तै.	६	३१	ग.	३७	५९	उत्पात	४	१६	२०				६	१२	५	४५	१०	१९	५०	८	६०	१२
२९	२	३	र.	३९	४७	ह.	२०	२२	गं.	१५	१९	व.	८	५३	वि.	३९	४७	मानस	५	१७	२१	तु.	५१	२२	६	१२	५	४८	१०	२०	५०	२०	६०	१०
२९	६	४	चं.	४०	३३	चि.	२२	३३	वृ.	१३	२२	व.	५	१०	वा.	४०	३३	मुद्गर	६	१८	२२				६	११	५	४९	१०	२१	५०	३०	६०	८
२९	१०	५	मं.	४०	१९	स्वा	२३	५८	ध्रु.	१०	३२	कौ.	१०	२६	तै.	४०	१९	ध्वज	७	१९	२३				६	१०	५	५०	१०	२२	५०	३८	६०	५
२९	१३	६	बु.	३८	५५	वि.	२४	३७	व्या	६	४७	ग.	९	३७	व.	३८	५५	धाता	८	२०	२४	वृ.	९	२२	६	९	५	५१	१०	२३	५०	४३	६०	२
२९	१७	७	बृ.	३६	३३	अ.	२३	४१	ह.	२/२२	५४/२३	वि.	७	४४	व.	३६	३३	आनंद	९	२१	२५				६	९	५	५१	१०	२४	५०	४५	६०	०
२९	२१	८	शु.	३३	१२	ज्ये.	२१	५९	सि.	५०	१८	वा.	५	४६	कौ.	३३	१२	चर	१०	२२	२६	ध.	२१	५९	६	८	५	५२	१०	२५	५०	४५	५९	५८
२९	२४	९	श.	३२	३३	मू.	१८	५६	व्य.	४२	५८	तै.	२	४१	ग.	३२/५९	३३/५	गद	११	२३	२७				६	७	५	५३	१०	२६	५०	४३	५९	५६
२९	२५	१०	र.	२५	३७	पू.	१५	१३	व.	३४	५३	वि	२५	३७	व.	५०	१५	शुभ	१२	२४	२८	म.	२८	५५	६	६	५	५४	१०	२७	५०	३९	५९	५४
२९	३२	११	चं.	१६	५४	उ.	१०	२	प.	२६	१	वा.	१६	४४	कौ.	४२	४३	मृत्यु	१३	२५	२९				६	६	५	५४	१०	२८	५०	३३	५९	५१
२९	३६	१२	मं.	८	३३	श्र.	४/५३	२७/३२	शि.	१६	३५	तै.	८	३३	ग.	३५	५४	लुम्ब	१४	२६	३०	कुं.	३१	१३	६	५	५	५५	१०	२९	५०	३४	५९	४९
२९	३९	१३	बु.	३/५४	५५/५४	श.	५१	५९	सि.	६/४४	५०/३२	ब.	३	१५	वि.	३०/५	४२/९	मानस	१५	२७	१				६	५	५	५५	११	०	५०	१३	५९	४७
२९	४३	३०	बृ.	४०	०	पू.	४६	२	शु.	४८	९	च.	१८	३	ना.	४४	०	काण	१६	२८	२				६	४	५	५६	११	१	५०	०	५९	४५
+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+ +	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+
+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+ +	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+

श्री शुभ संवत् २०१७ शके १८८२। चैत्र कृष्णपक्षः। सौम्यायनम्। याम्यगोलः। मार्च ३ से १६ तक।

वसन्तोत्सवः। चूत कुसुम प्राशनम्। श्वपचस्पर्शः।
पूर्वाभाद्रपद भे रविः १।३९।
भ. ८।५३ उ. ३९।४७ या.। या. जय मु.। स. सि. योगः।

उ. षा. भे ३ चरणे शनिः ४८।५९।
भ. ३८।५५ उ.। मार्गी बुधः २७।९।
भ. ७।४४ या.। शीतलाष्टमी। या. जय मु.।

भ. ३२।३३ उ.।
भ. २५।३७ या.।
पापमोचनी ११ व्रतं सर्वेषाम्। या. जय मु.।
मीनेऽर्कः ९।३७। उ. षा. भे ४ चरणे गुरुः ४।९।
भ. ३।१५ उ. ३०।४२ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्।
स्नान श्राद्धादौ अमा.।

चै. कृ. ६ बु. इ. ४४।३६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	२	१०	९	०	९	४	१०
२४	११	१	५	३	३	१२	१२
३९	५१	१२	२९	३०	३०	२९	२९
४४	४५	२७	३७	१५	१४	२८	२८
६०	१९	५२/०	११	२७	५	३	३
२	१०	व.	८	५४	३६	११	११

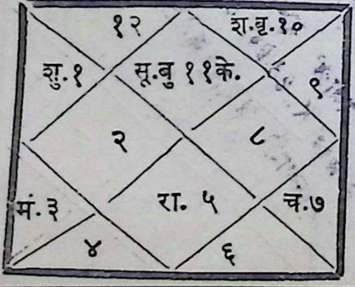

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.		२ श.		३ र.		४ चं.		५ मं.		६ बु.		७ बृ.		८ शु.		९ श.		१० र.		११ चं.		१२ मं.		तिथयः	१३ बु.		३० बृ.	
कुं. अं.	६	५०	६	४६	६	४२	६	३८	६	३४	६	३०	६	२७	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	८	मी. अ.	७	३१	७	२८
मी. अं.	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	१	७	५७	७	५४	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९	७	३५	मे. अ.	९	७	९	४
मे. अं.	९	५३	९	४९	९	४५	९	४१	९	३७	९	३३	९	३०	९	२७	९	२३	९	१९	९	१५	९	११	वृ. अ.	११	३	११	०
वृ. अं.	११	४९	११	४५	११	४१	११	३७	११	३३	११	२९	११	२६	११	२३	११	१९	११	१५	११	११	११	७	मि. अ.	१	१७	१	१४
मि. अं.	२	३	१	५९	१	५५	१	५१	१	४७	१	४३	१	४०	१	३७	१	३३	१	२९	१	२५	१	२१	क. अ.	३	३५	३	३२
क. अं.	४	२१	४	१७	४	१३	४	९	४	४	४	१	३	५८	३	५५	३	५१	३	४७	३	४३	३	३९	सिं अ.	५	५२	५	४९
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०		रा०	
सिं. अं.	६	३८	६	३४	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१५	६	१२	६	८	६	४	६	०	५	५६	कं. अ.	८	८	८	५
कं. अं.	८	५४	८	५०	८	४६	८	४२	८	३८	८	३४	८	३१	८	२८	८	२४	८	२०	८	१६	८	१२	तु. अ.	१०	२६	१०	२३
तु. अं.	११	१२	११	८	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४९	१०	४६	१०	४२	१०	३८	१०	३४	१०	३०	वृ. अ.	१२	४४	१२	४१
वृ. अं.	१	३०	१	२६	१	२२	१	१८	१	१४	१	१०	१	७	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	ध. अ.	२	४९	२	४६
ध. अं.	३	३५	३	३१	३	२७	३	२३	३	१९	३	१५	३	१२	३	९	३	४	३	१	२	५७	२	५३	म. अ.	४	३४	४	३१
म. अं.	५	२०	५	१६	५	१२	५	८	५	५	५	०	४	५७	४	५४	४	५०	४	४६	४	४२	४	३८	कुं. अ.	६	४	६	१

चै. कृ. १३ बु. इ. ४४।४९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	२	१०	९	०	९	४	१०
१	१४	४	६	५	४	१२	१२
४३	२४	३१	४६	१८	५	७	७
४४	१५	१८	१४	१३	१२	१४	१४
५९	२१	३२	१०	५३	५	३	३
४७	५४	५८	२९	४०	७	११	११

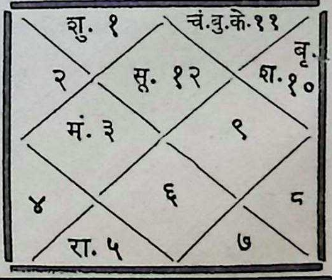

विवाहे पञ्चशलाकाचक्रम्

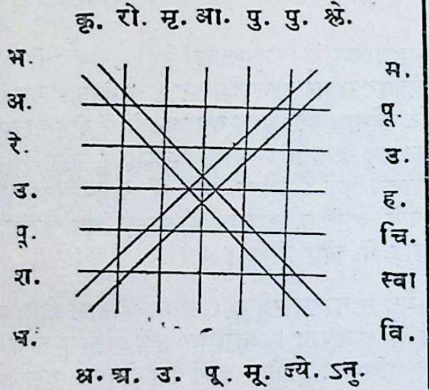

राजा शुक्रः

श्रीगणेशाय नमः

मन्त्री गुरुः

अन्येषु सप्तशलाकाचक्रम्

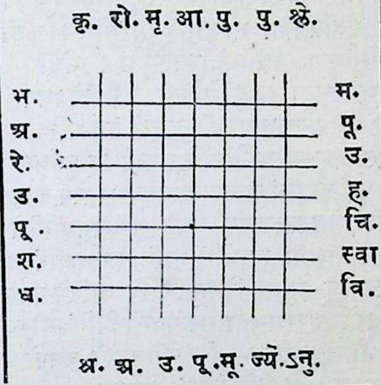

श्री संवत् २०१८, शकः १८८३, हिजरी सन् १३८०-८१, फसली सन् १३६८-६९, ईस्वी सन् १९६१-६२ ।

आनन्द नाम संवत्सरः ।

विंशोत्तरी मतेन आयव्ययचक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
११	५	११	५	८	११	५	११	८	२	२	८
५	१४	११	८	५	१३	१४	५	११	१४	१४	११

अष्टोत्तरी मतेन आयव्ययचक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	मः	कुं.	मी.
१४	११	१४	१४	११	१४	११	१४	१३	८	८	१३
५	१४	८	८	५	८	१४	५	११	८	८	११

देखने की रीति

आयव्ययौ समौ कृत्वा एकहीनं तु कारयेत्।
अष्टभिस्तु हरेद् भागं शेषाङ्के फलमादिशेत्॥
१ लाभं, २ सौख्यं तथा ३ क्लेशं ४ रोगं ५ लोकापवादकम् ।
६ सम्मानं ७ विजयं ८ हानिः कथितं पूर्वसूरिभिः ॥

प्रधान वितरक—**श्री गंगा पुस्तकालय,**
गायघाट, वाराणसी ।

श्री काश्याम्

शुद्धमकरन्दीय दशवर्षीय पञ्चाङ्गम्

श्री **काशी**

गंगा **पञ्चाङ्गम्**

सम्पादक—**पं० चन्द्रशेखर पाठक ज्योतिषाचार्य, ज्योतिषरत्न**
सी. के. ६४/७० हीरापुरा, वाराणसी ।

समय-शुद्धिः

गुरु—माघ कृष्ण ८ चन्द्रे पश्चिमास्तः ।
फाल्गुन कृष्ण ६ रवौ पूर्वोदयः ।

शुक्र—वैशाख कृ. ८ शनौ शुक्रास्तः पश्चिमायाम् ।
वैशाख शुक्ल २ चन्द्रे शुक्रोदयः प्रतीच्याम् ।
पौष कृष्ण १० चन्द्रे पूर्वास्तः ।
फाल्गुन कृष्ण २ बुधे पश्चिमोदयः ।

शनि—मकरराशौ वर्षपर्यन्तम् ।

राहु—कार्तिक कृष्ण ७ चन्द्रे कर्क राशि गतः ।

प्रकाशक व मुद्रक—पं० पृथ्वीनाथ भार्गव,
भार्गव भूषण प्रेस, गायघाट, वाराणसी ।

VARANASI-1

वर्ष-फल

श्री संवत् २०१८ शके १८८३

अथास्मिन्वर्षे राजा भृगुस्तत्फलम्—शुक्रस्य राज्ये वहुसस्यसंकुला सुतीव्रवेगाः सरितोम्वुराशिभिः। फलंति वृक्षा वहुगोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिवसौख्यसंयुता। मंत्री गुरुस्तत्फलम्——विविधधान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुरतोयघना मुदिता भवेत्। नृपतयो जनपालनतत्पराः सुरगुरौ ननु मन्त्रिसमागते। सस्येशोरविस्तत्फलम्—सस्याधिनाथे तरणौ हि पूर्वधान्यं समर्घं वहवोऽपि चौराः। युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्यं बहुभूरुहाश्च। धान्यशो शुक्रस्तत्फलम्—भृगौ पश्चिमधान्येशे पश्चाद्धान्यं न पश्यति। सस्याः समर्घतां यांति स्वल्पक्षीरं गवामपि। मेघेशो बुधस्तत्फलम्—अमृतरश्मिसुते यदि वारिपे बहुजलं तुषधान्यरसादिकम्। द्विजवरा यजनोत्सुकचेतसो विविधसौख्ययुता धरणी तदा। रसेशो भौमस्तत्फलम्—यदि धरातनयो रसपो भवेन्नरसराशियुता जनता शुभा। नरपतिर्विषमो जनतापदो जनजलदो बहुवृष्टिकरो भुवि। नीरसेशः शनिस्तत्फलम्—त्रपुः पिण्डादिलोहानां कृष्णवस्त्रादिवस्तुनाम्। अर्थवृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरसनायके। फलेशो बुधस्तत्फलम् – यदि बुधे फलपे फलमुत्तमं जलधरा जलराशिमुचस्तदा। बहुतृणं कुसुमं कमलैर्युतं जनपदा जनसौख्यमुदान्विता। धनेशः शनिस्तत्फलम्—द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणीपतयः सदा। अधनिका वणिजाः कृषिजीविनो द्विजवराः परिपीड़ितमानसाः। दुर्गेशो बुधस्तत्फलम्—विषयसाम्य सुखं शशिजे प्रभौ भवति राशिगते तु विशेषतः। शशिसुते यदि कोटकनायके पथिषु द्रव्यभुजां नभयं क्वचिद्। आनन्द नाम संवत्सरस्तत्फलम्—आनन्दाब्देऽखिला लोका सर्वदानन्दचेतसः। राजानः सुखिनः सर्वे वत्सरे मेदिनी शिवम्॥

इस वर्ष के राजा शुक्र प्रधानमंत्री गुरु हैं। राजा ने वर्षान्त की खेती का मन्त्रित्व स्वीकार किया है। मन्त्रिमण्डल में चन्द्रमा का वहिष्कार किया गया है। शेष सभी ग्रहों को अधिकार दिये गये हैं। बुध के हाथ में सिंचाई, फल तथा राष्ट्ररक्षा का शासनसूत्र है। शनि, नीरस तथा अर्थ मन्त्री हैं। रस-मन्त्री भौम है। इस प्रकार इस वर्ष का मन्त्रिमण्डल सर्वदलीय है। अतः इस वर्ष कोई भी श्रेष्ठ कार्य न होगा। यहाँ तक कि प्रशासकीय ढाँचे में भी अडंगा लगा रहेगा। विदेश नीति तथा राजनीति में भी लोग एक मत न होंगे। श्रावण में अच्छी वृष्टि होगी। भाद्रपद में छिटपुट वर्षा होगी। इस वर्ष माघ कृष्ण १३ शनिवार को शाम लगभग २८।१० पर ८ ग्रह एकत्र होंगे। 'अष्टग्रहैः स्यात् खलु कूट-योगः।' के अनुसार यह भयानक योग है। इसका परिणाम भी अच्छा न होगा। भूकम्प, जलप्लावन, विस्फोट-युद्ध आदि जो भी हो जाय; थोड़ा ही है। मेरे जीवन में ऐसा योग नहीं आया है। संवत् १९९० में इसी तिथि को सप्तग्रह योग लगा था। जिसका उद्धरण पहले पहल दैनिक पत्र 'आज' में मैंने किया था। वह भी बड़ा भयानक था। बिहार ध्वस्त हो गया। इस बार भी इसका प्रभाव पञ्जाब, बिहार, उड़ीसा, बंगाल, यूनान, आक्सफोर्ड, ब्रूसल, अफगानिस्तान, मेक्सिको, न्यूजीलैण्ड पर पड़ेगा। सम्भव है अकाल की स्थिति हो। सप्तग्रह तो माघ कृष्ण तृतीया से माघ शुक्ल पञ्चमी तक रहेंगे, इन १७ दिनों में भी भयंकर उत्पात होंगे जिनमें भूकम्प के अतिरिक्त ऐसी घटनाएँ घटेंगी जिनकी कल्पना लोग न किये होंगे। वर्षान्त में सुकाल होगा। फल अच्छी दशा में न रहेगा। पशु क्षय, राजाओं में परस्पर कलह रहेगा। कामुक लोगों का नाश, विन्ध्य देश में दुर्भिक्ष होगा। यहाँ तक कि माता अपने पुत्रों को त्याग देगी अथवा महामारी होगी। परस्पर युद्ध, महासंग्राम सम्भव है। मजीठ, चन्दन, दाख, कपास तेज होगा। इस वर्ष घुटने और उदर के रोग अधिक होंगे।

वार्षिक राशि-फल

मेष——आलस्य, असफलता, चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट रहेगा। सामान्य लाभ तो रहेगा ही; आषाढ़ माघ में व्यवसाय में वृद्धि, आश्विन फाल्गुन में विजय-उल्लास, सफलता रहेगी। चैत्र में व्यय, वैशाख, श्रावण, अगहन में कामुकता कष्ट, चिढ़, हानि, यात्रा होगी।

वृष——वर्ष साधारण है। सफलता तो मिलेगी; परन्तु कष्ट, विवाद-व्यथा, दैन्य रहेगा। धर्म में अरुचि रहेगी। उदर-विकार रहेगा। माता-पिता को कष्ट होगा। सफलता, लाभ के मास कार्तिक और चैत्र रहेंगे; श्रावण, फाल्गुन में अधिक काम करना पड़ेगा। वैशाख में व्यय होगा। भाद्रपद, ज्येष्ठ, पौष में यात्रा, व्यथा, विषाद, हानि, कामुकता रहेगी।

मिथुन——वर्ष अच्छा नहीं। विवाद-व्यथा, हानि, असफलता रोग, घुटनों में व्यथा होगी। वायु-विकार तथा चर्मरोग भी सम्भव है। व्यापार में उन्नति, साधारण लाभ, भाइयों को कष्ट होगा। धर्म में अरुचि। आषाढ़, आश्विन, माघ में विवाद-व्यथा, हानि, चिढ़, मानसिक अशान्ति रहेगी। ज्येष्ठ में व्यय होगा। भाद्रपद, चैत्र में व्यापार वृद्धि पर रहेगा। मार्गशीर्ष, वैशाख में लाभ, हर्ष, भोजन-वस्त्र में विशेषता, मित्रों से भेंट होगी।

कर्क——साधारण है। सफलता रहेगी परन्तु स्त्री को कष्ट, यात्रा, वायु विकार रहेगा। वर्षार्द्ध तक उदर विकार, व्यथा, रोग, पींडुरी में कष्ट रहेगा। ततः हृदय तथा घुटनों में रोग हो जायगा। स्त्री को कष्ट बढ़ जायगा। औषधि लाभ न करेगी। गोमेद, लहसुनिया धारण करें। ज्येष्ठ, पौष में लाभ-उल्लास, विजय रहेगी। श्रावण, कार्तिक, फाल्गुन में कष्ट, चिढ़, हानि, यात्रा होगी। आषाढ़ में व्यय होगा।

सिंह——वर्ष साधारण रहेगा। सामान्य लाभ होता रहेगा। चिढ़, चिन्ता से सावधान। आश्विन तक अधिक रुग्ण रहेंगे। ततः व्यय की अधिकता होगी। रोग कम होगा। कुछ अनायास लाभ भी बढ़ जायगा। हृदय की रक्षा करें। ज्येष्ठ, कार्तिक में व्यापार उन्नति पर रहेगा। आषाढ़ माघ में लाभ, हर्ष, भोजन-वस्त्र में विशेषता मित्रों से भेंट होगी। श्रावण में व्यय होगा। भाद्रपद, मार्गशीर्ष, चैत्र में कष्ट, चिढ़, हानि होगी।

कन्या——वर्ष सफलता का है। लाभ, शुभ काम होगा। आश्विन के पश्चात् लाभ की मात्रा बढ़ जायगी। पूर्वार्द्ध वर्ष में व्यय, चिढ़, चिन्ता, पूर्ण वर्ष सन्तान को कष्ट रहेगा। वैशाख, आश्विन, पौष में कष्ट, चिढ़, हानि रहेगी। श्रावण, फाल्गुन में लाभ, हर्ष, विजय, भोजन, वस्त्र में विशेषता रहेगी। भाद्रपद में व्यय करेंगे। आषाढ़, अगहन में व्यापार में उन्नति होगी।

तुला——वर्ष अच्छा नहीं। विवाद-व्यथा, मानसिक अशान्ति, चिढ़, सन्तान को कष्ट, हानि रहेगी। असफलता का वातावरण व्याप्त रहेगा। भाद्रपद तक लाभ रहेगा; ततः माता-पिता को कष्ट, लीवर, उदर विकार, घुटनों में व्यथा होगी। ज्येष्ठ, कार्तिक, माघ में विशेष परेशानियाँ रहेंगी। पौष, श्रावण में व्यापार में उन्नति रहेगी। आश्विन में व्यय होगा। भाद्रपद, चैत्र लाभ हर्ष के लिये है।

वृश्चिक——वर्ष अच्छा नहीं। भाइयों को कष्ट, व्यापार में उन्नति, साधारण लाभ, लोगों से अनायास मनमुटाव होगा। आश्विन के पश्चात् व्यापार में उन्नति तो रहेगी परन्तु धर्म से अरुचि हो जायगी। आषाढ़, अगहन, फाल्गुन में कष्ट, चिढ़,

हानि, मानसिक अशान्ति रहेगी; वैशाख, आश्विन में लाभ, हर्ष रहेगा। कार्तिक में व्यय, भाद्रपद, माघ में कार्य-व्यस्त रहेंगे।

धनु––वर्ष पिछले वर्ष से अच्छा है। व्यापार में उन्नति, सफलता, लाभ, शुभ कार्य होंगे। परन्तु धर्म में अरुचि रहेगी। आश्विन के पश्चात् पूरे वर्ष भर धन-हानि, परिवार में अशान्ति, हृदय में रोग, दुर्बलता होगी। श्रावण, पौष और चैत्र कष्टकारी रहेंगे। मार्गशीर्ष में व्यय होगा; ज्येष्ठ, कार्तिक में लाभ, हर्ष रहेगा। आश्विन, फाल्गुन में व्यापार बढ़ा रहेगा।

मकर––वर्ष अच्छा नहीं। असफलता, रोग, दुर्बलता, रहेगी। सिर, हृदय, घुटना तथा उदर से सावधान। सम्भव है लम्बी-लम्बी यात्रायें करनी पड़ें। स्त्री भी कष्ट में रहेगी। गोमेद, लहसुनिया धारण करें। वैशाख, भाद्रपद, माघ में कष्ट, चिढ़, हानि, यात्रा, मानसिक अशान्ति रहेगी। आषाढ़, अगहन में लाभ, हर्ष, विजय, उन्नति रहेगी। पौष में व्यय होगा। कार्तिक चैत्र में कार्य-व्यस्त रहेंगे।

कुम्भ––वर्ष व्ययकारी है। पुराना रोग लगा रहेगा। आश्विन के पश्चात् लाभ की आशा अधिक होगी, परन्तु उतनी ही मात्रा में व्यय भी बढ़ जायगा। असफलता रहेगी। सौर ज्येष्ठ, आश्विन और फाल्गुन में कष्ट, चिढ़, मानसिक-अशान्ति, हानि, यात्रा होगी। श्रावण और पौष में लाभ, हर्ष, भोजन-वस्त्र में विशेषता, मित्रों से भेंट होगी। अगहन और वैशाख में व्यापारिक संघर्ष रहेगा। माघ में व्यय होगा। ज्येष्ठ, आश्विन, फाल्गुन में मानसिक अशान्ति, चिढ़, चिन्ता रहेगी।

मीन––वर्ष अच्छा है। लाभ, उन्नति, सफलता, हर्ष, शुभ-काम, विजय, व्यय होगा। आश्विन के पश्चात् चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट भी होगा। लाभ बढ़ जायगा। व्यय घट जायगा। आषाढ़, कार्तिक और चैत्र अच्छे न रहेंगे। इन मासों में चिढ़, चिन्ता, यात्रा, मानसिक अशान्ति, कामुकता रहेगी। ज्येष्ठ और पौष में व्यापार-व्यस्त रहेंगे। फाल्गुन में व्यय होगा।

इस वर्ष कुल ३ ग्रहण लगेंगे

१ चन्द्रग्रहण २ सूर्यग्रहण

श्रावण शुक्ल पूर्णिमा २६ अगस्त १९६१ को चन्द्रग्रहण होगा

श्रावण अमावस ११ अगस्त १९६१ तथा माघ अमावस ५ फरवरी १९६२ ई० को सूर्यग्रहण होगा

सम्भवतः कोई दिखाई न देगा। चन्द्रग्रहण पश्चिम में। ५ फरवरीवाला सूर्यग्रहण पूर्व में दिखाई दे सकता है।

संवत् २०१८ विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

वैशाख	शुक्ल	४ बुधे मृगभे ल. ८
,,	,,	१० भौमे मघा भे.
,,	,,	१२ गुरौ उ. फा. भे.
,,	,,	१३ शुक्रे हस्ते ल. ८
,,	,,	१५ रवौ स्वाती भे.

ज्येष्ठ मासः

शु. ज्येष्ठ	कृष्ण	२ भौ. अनु. भे.
,,	,,	४ गुरौ मूले. ल. ८
,,	,,	६ शुक्रे उ. षा. भे.
,,	,,	११ बुधे उ. भा. यां ल. ८
शु. ,,	शुक्ल	५ रवौ मघा भे.
,,	,,	७ भौमे उ. फा. ल.
,,	,,	८ बुधे हस्ते ल. २
,,	,,	९ गुरौ हस्ते ल. चि.
,,	,,	११ शनौ स्वाती भे.
,,	,,	१३ चन्द्रे अनु. ल.
,,	,,	१४ भौमे मूले ल. १२
,,	,,	१५ बुधे मूल भे. दिवा लग्नम्।

आषाढ़ मासः

आषाढ़	कृष्ण	१ उ. षा. भे. वैधृतिप्राक्.
,,	,,	७ भौमे उ. भा. भे. ल. चिन्त्यम्
,,	,,	९ बुधे रेवती भे.
,,	,,	१२ रवौ रोहिणी भे.

कार्तिक मासः

कार्तिक	शुक्ल	११ शनौ उ. भा. रेवत्यां ल. ६
,,	,,	१२ सूर्ये रेवत्यां ल. ३
,,	,,	१५ बुधे रोहिण्यां ल. ५

मार्गशीर्ष मासः

मा. शी.	कृष्ण	१ गुरौ रोहिण्यां ल. ३
,,	,,	७ बुधे मघा. भे.
,,	,,	९ शुक्रे उ. फा. भे. ल. ५
,,	,,	१० शनौ उ.फा.भे. दिवा.ल.वा. हस्तभे. रात्रौ।
,,	,,	११ चन्द्रे स्वात्यां ल. ५
मा. शी.	शुक्ल	१ शुक्रे मूल. भे. ल. चि.
,,	,,	३ रवौ उ. षा. भे. ल. चि.

फाल्गुन मासः

फाल्गुन	कृष्ण	८ बुधे मूले ल. ८
,,	,,	९ गुरौ मूले. ल. चिन्त्यम्
,,	,,	१० शुक्रे उ. षा. भे.
,,	शुक्ल	१ बुधे उ. भा. ल. ८–९
,,	,,	२ गुरौ रेवत्यां ल. ८–९
,,	,,	६ सूर्ये रोहिण्यां. ल. ६

वर्ष लग्नम्

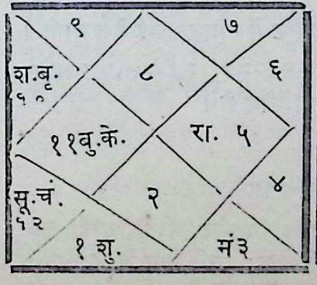

आद्राप्रवेश लग्नम्

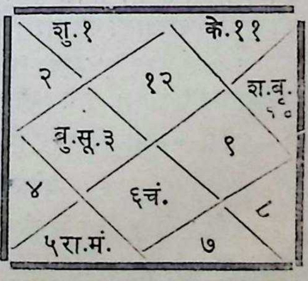

भविष्यवाणी संवत् २०१८

चैत्र शुक्ल पक्ष

सुदी १ से १४ दिन में सर्वरस, धान्य, तेल, रत्न, चावल तेज; सुदी ५ से २१ दिन में धान्य, घी, तेल, तेज; स्त्रियों को कष्ट; सुदी १३ से श्वेत वस्तु, कपास, नमक, रस तेज; तिल-महिषी नाश होगा।

१७-१८, २३-२४-२५, ३१ मार्च, १ अप्रैल को साधारण बादल-वृष्टि-योग है।

चाँदी——तेजी की ओर।

वैशाख

वदी ३ से मृग, हस्ती का नाश; राजा-प्रजा में विरोध; अफीम, चाँदी, गेहूँ मन्दा; विनौला, तीसी, मेथी, लौंग तेज; वदी ४ से तीसी तेज; वदी ६ से २१ दिन में रूई, चाँदी, धान, बिनौला मंदा; वदी ८ से २ मास में चाँदी, सूत, कपड़ा, विनौला, मूँगफली तेज; पहाड़ी देशों में रोग; मारवाड़ में दुर्भिक्ष; वदी १३ से १ मास में रूई, ईख, तिल, तेल, रस, चाँदी, सोना, गुड़, रंग तेज; उसी दिन से १४ दिन में सर्वधान्य, सर्वरस, सर्वधातु, सोना-चाँदी, ऊन, वस्त्र, रेशम, तीसी, रेंडी, तिल, मेथी, लालचन्दन, लौग, सोपारी, नारियल, कपूर, हींग, हिंगलू तेज; सुदी १ से ९ दिन में केसर, मजीठ, कुसुम्व, लाल वस्तुयें तेज; सुदी ५ से १६ दिन में धान्य, घी मन्दा; चाँदी-सोना, रूई, घटवढ़ कर तेज; सुदी ७ से ४५ दिन में सभी धान्य तेज; ईख, गुड़, शक्कर, अफीम, धान, रूई तेज; सुदी ८ से ८ दिन में साधारण वर्षा; मोती, जवाहरात, गेहूँ, यव, तेज; तिल, तेल, ईख, दूध, गुड़, खाँड़, रस, घी मन्दा; सुदी १२ से १४ दिन में सोना-चाँदी, चावल, हल्दी, मिर्च, गुड़, घी, यव, चना, मोट, तुवर, तीसी, ताँबा, पीतल तेज; सुदी १५ से ५ दिन में हाथियों को पीड़ा; चाण्डालों का नाश; वृष्टि में न्यूनता, रूई तेज होगी।

६-७-८, १३-१४-१६, १९-२०-२१, २६-२७-२८ अप्रैल को साधारण बादल, तीव्र हवा का योग है।

चाँदी——तेजी की ओर।

ज्येष्ठ (प्रथम)

वदी २ से ५ दिन में सोना-चाँदी, नोट, मोती, मन्दी ततः तेज; वदी ६ से २ मास में तीसी तेज; उसी दिन से ८ दिन में अल्प-वृष्टि, ज्वर-बाधा, चाँदी, अफीम में घटवढ़, वदी ७ से २१ दिन में संसार में कलह, युद्ध, महाभय, रूई मंदी होकर तेज; अफीम तेज; वदी ११ से १४ दिन में श्वेतपुष्प, यव, चावल, गेहूँ, मूँग, मोठ, राई, सरसों, तीसी, रेंडी, सोना-चाँदी तेज; वदी १२ से ८ दिन में कपास, तिल, तेल, सूत, चावल, गुड़, खाँड़, तेज; राई, सन, पाट मंदा; हुई तेज होकर मंदा; वदी १३ से १६ दिन में चाँदी, रूई मंदी; अमावस से १ मास में स्वर्ण, धान्य, अफीम, कपड़ा, शस्त्र तेज; रूई, चाँदी मंदी; कहीं-कहीं वृष्टि; सुदी ५ से ८ दिन में दुर्भिक्ष वायु-वर्षा की तीव्रता; गेहूँ, तिल, उड़द मंदा; सुदी ९ से १६ दिन में वृष्टि की अधिकता, वायु की तीव्रता; २ मासमें मद्रास, महाराष्ट्र, बंगालमें कष्ट, धान्य नाश, अवृष्टि, रूई मंदी; और देशों में मंदी; सुभिक्ष, धातु, रूई, केसर, कपूर, मन्दा; सुदी १० से १४ दिन में चावल, धान्य, तीसी, सरसों, राई, तेल, दाल, सोपारी, सरसों, रूई, सूत, सन, पाट, घी, रेंडी, हींग, खजूर, तिल, मिर्च तेज; सुदी ११ से १८ दिन में अल्प-वृष्टि, धान्य तेज; १४ से १८वें दिन तक चाँदी मंदी २) ३); सुदी १२ से ८ दिन में गेहुँ, तिल, उड़द मंदा; वहुवृष्टि, बाढ़, गृह-नष्ट; सुदी १३ से ११ दिन में तिल, यव, उड़द, तीसी, चना, सोंठ, सर्वरस, गुड़, खाँड़, धातुयें मंदी; चाँदी तेज होगी।

४-५, १०-११-१२, १७-१८-१९, २४-२५-२६ को बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी——५) ७) मंदी होकर तेज होगी।

ज्येष्ठ (द्वितीय)

वदी १० से १४ दिन में सोना-चाँदी, राँगा, शीशा, लोहा, पारा, जस्ता, सिघाड़ा, कवलगट्टा, चावल, नारियल, रुई, रेशम, उड़द, मूँग, मोठ, बाजरा, चन्दन, सुगन्ध, कराई तेज; ग्रीष्म तथा वायु की तीव्रता; अमावस से १६ दिन में चाँदी, रूई, रस, तिल, ईख, गुड़, खाँड़, शेयर, सोना, तेल, रेंड़ी, बिनौला, मूँगफली तेज; शाक मंदा; सुदी १ से ११ दिन में किरात यवनों को पीड़ा; चाँदी, अफीम, रक्तपदार्थ, तीसी, उड़द, मूँग, घी, तेल, तिल, चना, मंदा; सुदी २ से १ मास में कपास, कन्दमूल, तिल, तेल, सम्पूर्ण धान्य तेज; सुदी ४ से १॥ मास में सोना, रूपा, चाँदी, ताँबा, गेहूँ, लालरंग, तीसी, लालमिर्च तेज; अवृष्टि; सुदी ५ से ८ दिन में चाँदी, रूई, शेयर मंदा; राजपूताने में वृष्टि; सुदी ८ से १४ दिन में घी, गुड़, खाँड़, खली, चावल, मणि, मोती कराई, गेहूँ, सुरमा, कपूर, चन्दन, सुगन्ध, लाल वस्त्र, कपास, रूई, हल्दी, सोंठ, लोहा, चपड़ा, सूत, तीसी, रेंडी, रस तेज; सर्वत्र वृष्टि; सुदी १५ से ८ दिन में वृष्टि, रूई, सूत, चाँदी, घी, हींग, खजूर, कपास, तिल, रेंड़ी, सरसों मन्दा होगा।

३१ मई १-२, ६-७-८, १३-१४-१५, २१-२२-२३, २७-२८ को बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी——तेजी की ओर। लाल मिर्च का व्यापार भर पेट करें।

आषाढ़

वदी ३ से २५ दिन में चाँदी, रुई, शेयर मन्दी; धान्य तेज; वदी ५ से १४ दिन में उड़द, मूँग, सोठ, चावल, मसूर,नमक, ज्वार, तीसी, बिनौला, सज्जी, लाख, नील, तिल, रेंड़ी, मजीठ, माजूफल, केसर, हरड़, सरसों, कुसुम्ब, कपूर, चन्दन, देवदारु, लवँग, नारियल, श्वेत, पदार्थ तेज; वृष्टि होगी; वदी ९ से १२ दिन में चाँदी तेज; बहुवृष्टि राजपूताने में वर्षा; वदी १२ से १५ दिन में अल्प-वृष्टि, प्रजा पीड़ा, खाँड़, गुड़, तेल, घी, रस, तेज; वदी १३ से हाथी, घोड़ा, चना, मूँग, मोठ, चाँदी, सोना, धातु, तीसी, रेंड़ी, सरसों, घी, तेल, गुड़, खाँड़, सोपारी, अफीम, कपूर, चन्दन, अगर, तगर, रेशम मंदा; घास, भूसा तेज; पातक-वृद्धि, जनसंहार; सुदी ४ से १ मास में चाँदी तेज; प्रजा सुखी, वृष्टि श्रेष्ठ; सुदी ७ से १ मास में तिल, तेज, ज्वार, गुगुल, सुपारी मन्दा, गुड़, सोंठ, मूँग, हींग, हल्दी, लाख, सन, चपड़ा, ऊनी वस्त्र, शीशा, सोना-चाँदी तेज; रूई तेज होकर मन्दा; सुदी १० से ११ दिन में धान्य नाश, मधुर पदार्थ, रस तेज; गेहूँ, चना, ज्वार, कराई मन्दी; सुदी १२ से ८ दिन में बालकों को पीड़ा; कपास, सूत, मन्दा होगा।

३-४-५, १०-११-१२, १८-१९-२०, २५-२६-२७ जुलाई को बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी——पेज रहेगी।

श्रावण

वदी २ से ११ दिन में वायु की तीव्रता, वृष्टि, कपास, सूत, कपड़ा, सन, पाट मन्दा; अफीम तेज; वदी ४ से १८ दिन में धान्य, सुगन्ध, कपूर, चाँदी, चन्दन तेज; खाँड़, सोना, श्वेत वस्त्र मन्दा; वदी ७ से १४ दिन में गेहूँ, चना, तीसी, तिल, तेल, गुड़, प्रामिसरी नोट, तिल, अफीम, सोना, चाँदी, रस, बिनौला, चावल, उड़द, तेज; बदी ७ से १६ दिन में धान्य, घी मंदा; चाँदी, सोना, घटबढ़कर तेज; अतिवृष्टि, कोशल, कलिंग में गड़बड़ी; वदी ११ से ४५ दिन में चन्दन, रेशमी वस्त्र, लाल.

द्रव्य, गेहूँ, तीसी, गुड़, मजीठ, लाल मिर्च तेज; सोना, चाँदी, ठहर कर तेज; वदी १३ से ८ दिन में अति-वृष्टि, तिल, उड़द, रस तेज; सुदी ५ से २२ दिन में अमचुर, अँचार, दही, देवदारु, सूत, कपड़ा, रूई, चाँदी, सोना तेज; शेयर, खाँड़, कपूर, रस मंदा; सुदी ६ से १ मास में ईख, गुड़, शक्कर, रक्त पदार्थ, तिल, तेल, घी, तेल, रूई, चाँदी, रेंड़ी तेज; उसी दिन से १४ दिन में ज्वार, मूँग, रूई, तिल, रेंड़ी, दाख, मिर्च तेज; सुदी ११ से १८ दिन में अल्प-वृष्टि, क्षुद्र धान्य, घी, गुड़, नमक तेज; सुदी १२ से २५ दिन में वायु-वृष्टि की तीव्रता, रूई, चाँदी मंदी; शेयर, तीसी, रेंड़ी, गुड़, खाँड़, शक्कर तेज होगी ।

३१ जुलाई १-२, ७-८-९, १४-१५-१६ ,२१-२२-२३ अगस्त को बादल-वृष्टि योग है ।

चाँदी--साधारण तेज ।

भाद्रपद

वदी ४ से ८ दिन में उड़द, मूँग, मोठ, कुछ तेज; वदी ६ से १४ दिन में चाँदी-सोना, सूत, ऊनी कपड़ा, चावल, गेहूँ, सरसों, तिल, ज्वार, जीरा, घी तेज; ,आवरेज मंदा; वदी ७ से २० दिन में वायु-वृष्टि की अधिकता, यव, चना तेज; वदी १० से १६ दिन में कपड़ा, रूई, धान मंदा; वदी १३ से ८ दिन में बादल की सम्भावना; तूवर, चना, चावल, मोठ, कराई मंदी; सुदी २ से १८ दिन में कपास, गेहूँ तेज; वर्षा की कमी ; सुदी ३ से १४ दिन में शेयर तेज होकर मंदा; सोना-चाँदी लोहा, तेल, घी सरसों, रेंड़ी, सोपारी, बाँस, मूँज तिल, अफीम, रेशम तेज; सुदी ६ से १५ दिन में अल्प-वृष्टि, द्विज, शिल्पी को पीड़ा; सुदी ७ से १ मास में नारियल, मजीठ, तिल, तेल, घी, कपास तेज; चाँदी मंदी; सुदी ८ से २५ दिन में स्वर्ण, लाल रंग तेज; रुई, चाँदी, मंदी; सुदी १३ से ४५ दिन में सभी धान्य तेज; उड़द, मूँग, रुई, सूत, सन, पाट, अफीम, गुड़, घी, श्वेत पदार्थ तेज; चाँदी, तीसी, सरसों, रेंड़ी, विनौला, मूँगफली मंदी; वृष्टि होगी ।

२७-२८-२९ अगस्त ३-४-५, १०-११-१२, १८-१९, २४ सितम्बर को बादल-वृष्टि योग है ।

चाँदी--दूसरे पक्ष में मंदी खेलिये ।

आश्विन

वदी ३ से ८ दिन में मन्द-वृष्टि, उसी दिन से २ मास में चीनमें भूकम्प, तेल, सरसों, हींग, मिर्च तेज; अफीम मन्दा; उसी दिन से १४ दिन में गेहूँ, ज्वार, यव, गुड़, खाँड़, कपास, हल्दी, घास, लकड़ी, हरड़, हींग, क्षार, कथीर तेज; वदी ६ से १० दिन में चाँदी, सरसों, तीसी, तम्बाकू तेज; गेहूँ, यव, ज्वार, बाजरा, चना मंदा; वृष्टि होगी । जलयान-युद्ध सम्भव है; विरोध बढ़ेगा । वदी ८ से १८ दिन में अनावृष्टि, रूई, गेहूँ, रस, धातुयें, तिल, तेल, रुई तेज; सुदी १ से १४ दिन में धान्य, चना, सन, कपास, रुई, सोना, सूत, केसर, जवाहरात, लाख, चपड़ा तेज; सुदी ३ से सोना, मजीठ, चन्दन, दाख, कपास, चाँदी, अनाज तेज; विन्ध्य प्रदेश तथा नर्मदा तट पर अकाल, युद्ध की सम्भावना; सुदी ३ से २२ दिन में शाल, अनाज, चावल, घास तेज; रुई चाँदी मंदी होकर तेज; सुदी ४ से १२ दिन में व्यापारियों में खलबली; सोना-चाँदी, रुई तेज; सुदी ७ से १० दिन में चना, गेहूँ, गुड़, तीसी तेज; रुई मंदी; सुदी ८ से १ मास में स्वर्ण-धान्य, तीसी, गेहूँ, अनाज, आमला तेज; रूई, चाँदी मंदी; राजपूताने में वृष्टि; सुदी ११ से ८ दिन में अवर्षण, धान, रुई, मंदी; सुदी १२ से १८ दिन में कपास, रुई, गेहूँ तेज; वर्षा की न्यूनता रहेगी ।

२५-३० सितम्बर १-२, ८-९-१०, १५-१६-१७, २१-२२-२३ अक्टूबर को साधारण बादल-वृष्टि योग है ।

चाँदी--मंदी की ओर ।

कार्तिक

वदी १ से १४ दिन में सभी धातुएँ, गुड़, खाँड़, तेल, हींग, कपूर, लाख, चपड़ा, गुगुल, हल्दी, रुई, सन, पाट, मिर्च, राई, विनौला, केराना, सोपारी तेज; वदी ६ से १६ दिन में सोना चाँदी, रुई तेज; राजपूताने में वृष्टि; वदी ७ से ६ मास में लोहा, रुई, सोना, चाँदी, में अच्छी मंदी; ततः तेजी; चोरों का भय; अनावृष्टि, धान्य तेज; वदी ८ से १० दिन में बम्बई, गुजरात में वृष्टि, पक्षियों को पीड़ा; वदी ९ से १० दिन में तृण, काष्ठ, चौपाये, अंगूर, चन्दन, सोपारी, गेहूँ, जव, चना, नारियल तेज; तेल, तीसी, गुड़, बिनौला, मंदा; वदी ११ से ४१ दिन में सर्व द्रव्य, अफीम, रुई, धातुयें, शास्त्र तेज; चाँदी घट-वढ़ कर तेज; वदी १३ से १४ दिन में चाँदी, धातु, नोट, चावल, सर्वरस, सूत, अफीम, तिल, सरसों, मसूर, सोना, रेंड़ी तेज; दक्षिण में उपद्रव; अमावस से १० दिन में सोना, रुई तेज; चाँदी, रेंड़ी, तीसी, सरसों, विनौला, मूँगफली मन्दी; सुदी १ से १८ दिन में गेहूँ, लाल मिर्च तेज; सुदी ३ से १२ दिन में अनाज मंदा; रस तेज; जलवृष्टि, अग्नि, चोरों का उपद्रव; सुदी ९ से १ मास में ऊनी, वस्त्र, चाँदी, ताँबा, तेल, राई, अफीम तेज; धान्य मन्दा; सुदी १२ से १४ दिन में रस, धातुयें, गेहूँ, चना, ऊन, नोट तेज; सोना, चाँदी मंदी; सुदी १४ से वृष्टि, रुई मंदी होगी ।

२८-२९-३० अक्टूबर ४-५-६, ११-१२-१३, १७-१८-१९ नवम्बर को बादल-वृष्टि योग है ।

चाँदी--तेजी मिलने पर मन्दी का ही काम करें ।

मार्गशीर्ष

वदी १ से १९ दिन में धान्य की मन्दी; सोना, चाँदी, रुई, धातुयें घटबढ़ कर तेज; वदी ४ से तीसी तेज; वदी ५ से स्वल्प जल, रोग-वृद्धि, रुई में घटबढ़, चौपाये, सोना, चाँदी तेज; घी, तेल, अनाज मंदा; वदी ८ से सभी धान्य मन्दा; रुई, चाँदी, शेयर घटबढ़ कर मन्दा; वदी ११ से १४ दिन में सोना चाँदी, गुड़, रेंडी, चावल, गुगुल, पारा, सरसों, वस्त्र तेज; अमावस से १० दिन में ईख, चावल, घी, रस तेज; घोड़ों को पीड़ा; सुदी ६ से ११ दिन में सोना-चाँदी, सरसों, चावल, तेल, हींग मन्दा; अवर्षण; सुदी ९ से १ मास में तेल, कपास, अनाज, रुई, सूत, चाँदी, घी, कपास, मूल, द्रव्य, तृण, काष्ठ, चौपाये, सूत, बिनौला, कपड़ा, घी, घास, लकड़ी तेज होगा ।

२४-२५-२६ नवम्बर १-२-३, ८-९-१०, १५-१६-२१ दि. को साधारण बादल-वृष्टि योग है ।

चाँदी--निश्चित नहीं । तेजी मन्दी दोनों का योग है । मन्दी की सम्भावना अधिक है ।

पौष

वदी २ से २२ दिन में सर्वधान्य महर्घ, खेतियों का नाश; रुई, चाँदी मंदी; शेयर तेज; वदी ३ से ८ दिन में बिनौला तेज; धान्य मन्दा; वदी ७ से १४ दिन में तिल, तेल, गुड़, गुगुल, हल्दी, चपड़ा, कपूर, ऊनी वस्त्र, सन, चाँदी, चना, बिनौला, अफीम तेज; वदी १० से १० दिन में ज्वार, मक्का, खाल, तेज; अनावृष्टि, सोना-चाँदी में फेरफार; वदी ११ से १८ दिन में जल-वृष्टि, चावल, घी, तिल, उड़द तेज; उत्पादन में वृद्धि; वदी १२ से २० दिन में अफीम सोना-चाँदी तेज; वदी १२ से १० दिन में जलचर जन्तु, जलज द्रव्य, उड़द, तेल, क्षार, नमक, मन्दा; अमावस से २ मास में रुई, शेयर मन्दा; अनाज तेज; सुदी १ से १५ दिन में कपास, धान, कपड़ा, चाँदी मन्दी; सुदी ३ से ८ दिन में गुड़, तीसी, धान, चना, तेज; हिमपात; सुदी ६ से १४ दिन में उड़द, मूँग, चावल, रेंड़ी, रेशम, गुड़, कपास, तीसी, घी, लोहा, धान, पिपरामूल, लाख, चपड़ा, मूँज, बाँस, सरसों तेज; सुदी ११ से २२ दिन में खेतियों का नाश; सुदी १४ से ८ दिन में गायों को कष्ट; पूर्णिमा से १८ दिन में जल-वृष्टि, चावल, तिल, घी, उड़द तेज होगा।

२२-२३, २८-२९-३० दिसम्बर ५-६-७, ११-१२-१३, १८-१९-२० जनवरी को साधारण बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी——तेजी की ओर।

माघ

वदी ३ से १४ दिन में गेहूँ, यव, चावल, चाँदी, सभी रस, सभी धातुयें, नोट, तीसी, अफीम, पिप्पली, सोपारी, लवँग तेज; वदी ४ से ४५ दिन में घी, तेल, सूत, बिनौला, आवरेज, कपड़ा, घी, घास, रस, रुई, तिल, तेल, लकड़ी, तेज; रुई मन्दी; वदी ६ से १४ दिन में कपूर, रस, तिल, रेंड़ी, बिनौला, शेयर, रुई, चाँदी तेज; वदी ८ से ३ दिन में रुई, शेयर तेज; सोना-चाँदी, अनाज मंदा; वदी ९ से १४ दिन में चाँदी मंदी; चौपायों को पीड़ा; मध्यम-वृष्टि; वदी १३ से ३ दिन में भयानक खतरा, भूमि में खलवली, भूकम्प, उपद्रव, अग्निदाह आदि भयानक शब्द होगा। सुदी २ से १४ दिन में जवाहरात, मूँग, मसूर हर्रे, जवाहरात, सोना-चाँदी, नील, अफीम, यव, तिल तेज; गेहूँ अवश्य तेज ; सुदी ५ से ३ दिन पश्चात् आवरेज, गुड़, खाँड़ लोहा, जस्ता, सीसा, रंग, मूँग, चावल, खजूर, लहसुन तेज; शेयर, सरसों, रेंड़ी, बिनौला, मूँगफली, रुई मंदी; वृष्टि, सुदी ८ से १ मास में अनाज मन्दा; नमक, तेल, धान्य, तीसी, रेंड़ी मंदा; गुड़ वृद्धि, उसी दिन से १४ दिन में चाँदी, रूई, सोना, तेज; राजपूताना में वृष्टि; सुदी ११ से ११ दिन में गुड़, खाँड़ तेज; सुदी १५ से १४ दिन में चाँदी, सरसों, सन, सूत, पाट, कपड़ा, नील, तेल, हींग, केराना, रेंड़ी, गुड़, जायफल, दाख, खारक, सोंठ तेज; उसी दिन से १३ दिन में वायु की तीव्रता; वृष्टि की सम्भावना; तृण, काष्ठ, तेज; अफीम, कपूर, चन्दन, अगर, तगर, रेशम मन्दा होगा।

२५-२६-२७ जनवरी १-२-३, ७-८-९, १४-१५-१६ फरवरी को बादल-वृष्टि योग है। इस मास में ७ ग्रह लगभग १७ दिन एकत्र रहेंगे। २ दिन तक ८ ग्रह एकत्र रहेंगे इसका परिणाम भयंकर होगा सम्भव है तेजी भी आवे।

चाँदी——तेजी की ओर।

फाल्गुन

वदी १ से रुई, सूत, सन, पाट, वस्त्र, सोना-चाँदी, तिल, चावल तेज; अनावृष्टि; वदी २ से वैश्यों को पीड़ा; उड़द, तिल, तेल, तेज; राजपूताने में वृष्टि; वदी ४ से १८ दिन में गुड़, शक्कर, गेहूँ, धातु, राई, यव तेज; वदी ५ से ३ मास में सोना, चाँदी, ताँबा, धातु तथा फूल की वस्तुयें तेज; अल्पजल-वृष्टि, खेती का नाश; पूर्व देशों में तेजी; वदी ६ से २ मास में राजाओं में विग्रह, दुर्भिक्ष, अफीम, चाँदी तेज; सोना, रुई, मंदी; राजपूताने में वृष्टि; वदी १२ से ४५ दिन में आवरेज मंदा; वदी १३ से १४ दिन में सोना-चाँदी, गेहूँ, चना, गुड़, उड़द, घी, रुई, रेशम, गुगुल, पिपरामूल, ज्वार, बाजरा, तेज; वदी १४ से २ मास में चाँदी-सोना, लोहा, राँगा, सीसा, पारा, ताँबा, नवरत्न, प्रामिसरीनोट, गेहूँ, चना, यव, सभी धान्य, तीसी, सरसों, तिल, तेल, घी, गुड़, खाँड़, सर्वरस, क्षार, मजीठ, नारियल, सोपारी, लौंग, इलायची तेज; समुद्रतट तथा उत्तरी तट पर विरोध होगा। सुदी ३ से चावल, शक्कर, मोती, कपूर मन्दा; सुदी ६ से २२ दिन में तीसी, रुई मन्दी; चाँदी मन्दी होकर तेज; घी, तेल, रस तेज; सुदी ७ से १८ दिन में धान्य नाश; मूषकों की वृद्धि; सुदी ९ से १ मास में सभी धान्य, नमक, तिल, तेल, रस तेज; अफीम मन्दा; सुदी १३ से १४ दिन में सर्वरस, धान्य, तेल, मणि, चावल, तेज; सुदी १३ से ११ दिन में चावल, चन्दन, कपूर, जवाहरात मन्दा रहेगा।

२१-२२-२३ फरवरी ७-८, १३-१४-१५, २०-२१ मार्च को बादल वृष्टियोग है।

चाँदी——तेजी की ओर।

चैत्र कृष्णपक्ष

वदी ८ से १८ दिन में तिल, तेल, वस्त्र, सोपारी, कपास, सोना, सूत, सरसों, रुई, तीसी, रेंड़ी तेज; वदी ९ से २५ दिन में धान्य; चाँदी, रुई तेज; ऊन, तिल, जव, उड़द, चना, तिल, सोंठ, रस, धातु, ऊन मन्दा; वदी ९ से २२ दिन में मृग, हस्ती का नाश; तीसी बिनौला, मेथी, लौंग तेज; रुई, चाँदी, गेहूँ, मन्दा; वदी १० से १४ दिन में जलज पदार्थ, मोती, तीसी, सरसों, रेड़ी, मूँगफली, कवलगट्टा, सिंघाड़ा, रत्न, फल, फूल, नमक, सुगन्ध, चतुष्पद, तूवर, मूँग, उड़द, लहसुन, लाख, चपड़ा, सज्जी तेज; अमावस से १७ दिन में चाँदी, रुई तेज होगी।

२२-२३, २८-२९-३० मार्च ३-४ अप्रैल को साधारण बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी——तेजी की ओर।

② माता 'सावित्री' को मृत्यु तिथि

दि. मा.

श्री पं० ईश्वरी प्रसाद उपाध्याय बाँस्कोटा (खर्दार)

जन्मः—वि० सं० १९१८ आषाढ ९ गते मंगलबार, आषाढ कृष्ण तृतीया ।

स्थानः—केवल पुर, पश्चिम १ नम्बर, नेपाल ।

मृत्युः—वि० सं० २००२ वैशाख २३ गते शनिश्चर बार, वैशाख कृष्ण अष्टमी ।

स्थानः—के० २३।९६, दुधबिनायक, वाराणसी ।

श्री मती सावित्री देवी उपाध्याय बाँस्कोटा

जन्मः—वि० सं० १९४४ ~~आषाढ~~ श्रावण. १७ गते शनिश्चर बार, ~~आषाढ~~ श्रावण. कृष्ण पंचमी, शतभिषा ।

स्थानः— बुधसीङ, पश्चिम १ नम्बर, नेपाल ।

मृत्युः—वि० सं० २०१७ चैत्र ५ गते शनिश्चर बार, चैत्र शुक्ल द्वितिया, रेवती ।

स्थानः— मौजा वर्गदी, जिल्ला बर्दिया, नेपाल ।

८

५रा· ७ कुं अं. ५५८ ५५४ ५५० ५४६ ५४२ ५३८ ५३५ ५३२ ५२८ ५२४ ५२० ५१६ ५१२ ५ ८ ५ ५ ५ २ रा.चं. ७

② माता 'सावित्री' को मृत्यु तिथि

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः
२९	५०	१	शु.	३६	५८	उ.	४१	५४	शु.	३९	५३	किं.	१०	२९	व.	३२	५८	ध्वज
२९	५२	२	श.	३२	१६	रे.	३७	४७	ब्र.	३२	४९	बा.	५	५	कौ	३२ ५९	१६ ५८	धाता
२९	५४	३	र.	२७	९	अ.	३५	५१	ऐं.	२७	१५	ग.	२७	९	व.	५६	१५	आनंद
२९	५६	४	चं.	२५	१२	भ.	३६	१७	वै.	२३	१२	वि.	२५	१२	वव	५५	१५	चर
३०	०	५	मं.	२५	१९	कृ.	३८	४७	वि.	२०	५१	बा.	२५	१९	कौ.	५६	१७	गद
३०	४	६	बु.	२७	१५	रो.	४०	४४	प्री.	२०	१५	तै.	२७	१५	ग.	५९	२६	शुभ
३०	८	७	बृ.	३१	३७	मृ.	४८	४३	आ.	२०	४५	व.	३१	३७	वि.	६०	०	मृत्यु
३०	१२	८	शु.	३७	१५	आ.	५५	३६	सौ.	२२	१६	वि.	४	२६	वव	३७	१५	पद्म
३०	१७	९	श.	४३	१७	पुन.	६०	०	शो.	२३	२१	बा.	१०	३	कौ.	४३	१७	छत्र
३०	२१	१०	र.	४९	३५	पु.	२	३४	अ.	२६	२५	तै	१६	१८	ग.	४९	३५	ध्वज
३०	२४	११	चं.	५५	४६	पु.	१०	४४	सु.	२९	११	व.	२२	४१	वि.	५५	४६	धाता
३०	२८	१२	मं.	६०	०	श्ले	१७	४९	धृ.	३१	३	व	२८	३६	बा.	६०	०	आनन्द
३०	३२	१२	बु.	१	३४	म.	२४	२१	शू.	३२	७	बा.	१	२४	कौ.	३३	५३	चर
३०	३५	१३	बृ.	६	१२	पू.	२९	४३	गं.	३२	१८	तै.	६	१	ग.	३७	४७	गद
३०	३९	१४	शु.	९	२३	उ.	३३	५१	वृ.	३१	३१	व.	९	२३	वि.	४०	५	शुभ
३०	४३	१५	श.	११	३४	ह.	३६	३८	ध्रु.	२९	५२	ब.	११	२४	बा.	४१	४३	मृत्यु

ति.	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
१	१७	२९	३				६	३	५	५७	११	२	५४	१२	५९	४३
२	१८	३०	४	मे.	३७	४७	६	२	५	५८	११	३	५३	५५	५९	४१
३	१९	१	५				६	१	५	५९	११	४	५३	३६	५९	३९
४	२०	२	६	वृ.	५१	५४	६	०	६	०	११	५	५३	१५	५९	३७
५	२१	३	७				६	०	६	०	११	६	५२	५२	५९	३५
६	२२	४	८				५	५८	६	२	११	७	५२	२७	५९	३२
७	२३	५	९	मि.	१४	४४	५	५७	६	३	११	८	५१	५९	५९	३०
८	२४	६	१०				५	५६	६	४	११	९	५०	२९	५९	२८
९	२५	७	११	क.	२९	५	५	५५	६	५	११	१०	४९	५७	५९	२६
१०	२६	८	१२				५	५४	६	६	११	११	४९	२४	५९	६
११	२७	९	१३				५	५४	६	६	११	१२	४८	४७	५९	२२
१२	२८	१०	१४	सिं.	१७	४९	५	५३	६	७	११	१३	४८	९	५९	१९
१२	२९	११	१५				५	५२	६	८	११	१४	४७	२८	५९	१७
१३	३०	१२	१६	कं.	५	४५	५	५१	६	९	११	१५	४६	४५	५९	१४
१४	३१	१३	१७				५	५१	६	९	११	१६	४५	५९	५९	१२
१५	१	१४	१८	×	×	×	५	५१	६	९	११	१७	४५	११	५९	११

श्री शुभ संवत् २०१८ शके १८८३ चैत्र शुक्लपक्षः।
सौम्यायनम् । याम्यगोलः । मार्च १७ से अप्रैल १ तक

उत्तराभाद्रपद भे रविः २२।३३ । नवरात्रारम्भः । नव-a
चन्द्रदर्शनम् । प्राच्यामुदीच्यां यात्रा मु.। तृतीया रेवती योगेb
शव्वाल । शतभिष भे बुधः ३३।५४। भ. ५६।१५ उ. । c
भ. २५।१२ या. । वक्री शुक्रः ४२।५४। पञ्चमी भरणी d
स. सि. योग :। a वर्षारम्भः । रेवत्यां स. सि. योगः ।
स. सि. योगः । स्थिर कर्म मु. । c प्राच्यां यात्रा मु. ।
भ. ३१।३७ उ. । f रेवती भे रविः ५०।९ । उग्र कर्म मु.।
भ. ४।२६ या. । भवान्युत्पत्तिः । पुनर्वसौ स. सि. योगः।
रामनवमी । प्रतीच्यां यात्रा मु. तिथि दानात् । या. जय मु. ।
स. सि. योगः २।३४ उ. । d योगे या. जय मु. ।
भ. २२।४१ उ. ५५।४६ या. । कामदा ११व्रतं स्मार्तानाम् ।e
कामदा ११व्रतं वैष्णवानाम् । तीक्ष्ण कर्म मु. । bया. जय मु. ।
प्रदोषः । उग्र कर्म मु. । e स. सि. योगः १०।४४ या. ।
पुनर्वसु भे. भौमः ३४।९ । पूर्वाभाद्रपद भे बुधः २४।२३ f
भ. ९।२३ उ. ४०।५ या. । हस्ते दक्षिण यात्रा मु. ।
अप्रैल । वैशाखस्नानारम्भः । हस्ते दक्षिण यात्रा मु. ।

चैत्र शु. ६ बुधे. इ. ४५।२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	२	१०	९	०	९	४	१०
८	१९	१०	७	५	४	११	११
४२	५२	४१	५९	४५	३८	४५	४५
३	३५	३५	१३	३२	५२	५८	५८
५९	२८	५७	९	३	४	३	३
३२	२८	१४	४५	३९	४०	११	११

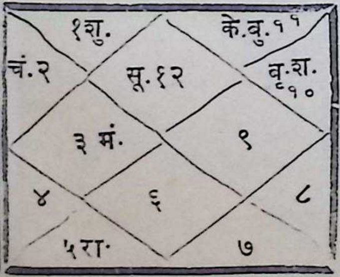

दैनिक लग्नसारिणी

तिथय	१शु.		२श.		३र.		४चं		५ मं.		६ बु.		७बृ.		८शु.		९श.		१० र.		१ चं.		१२मं.		१२बु.		१३बृ.		१४शु.		१५श.	
मी. अं.	७	२५	७	२१	७	१७	७	१३	७	९	७	५	७	२	६	५९	६	५५	६	५१	६	४७	६	४३	६	३९	६	३५	६	३१	६	२८
मे. अं.	९	१	८	५७	८	५३	८	४९	८	४५	८	४१	८	३८	८	३५	८	३१	८	२७	८	२४	८	१९	८	१५	८	११	८	८	८	५
वृ. अं	१०	५७	१०	५३	१०	४९	१०	४५	१०	४१	१०	३७	१०	३४	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१५	१०	११	१०	७	१०	४	१०	१
मि. अं.	१	११	१	७	१	३	१२	५९	१२	५५	१२	५१	१२	४८	१२	४५	१२	४१	१२	३७	१२	३३	१२	२९	१२	२५	१२	२१	१२	१८	१२	१५
क. अं.	३	२९	३	२५	३	२१	३	१७	३	१३	३	९	३	६	३	३	२	५९	२	५५	२	५१	२	४७	२	४३	२	३९	२	३६	२	३३
सिं. अं.	५	४६	५	४२	५	३८	५	३४	५	३०	५	२६	५	२३	५	२०	५	१६	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५६	४	५३	४	५०
रा०	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कं. अं.	८	२	७	५८	७	५४	७	५०	७	४६	७	४२	७	३९	७	३६	७	३२	७	२८	७	२४	७	२०	७	१६	७	१२	७	९	७	६
तु. अं.	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०	९	५७	९	५४	९	५०	९	४६	९	४२	९	३८	९	३४	९	३०	९	२७	९	२४
वृ. अं.	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२६	१२	२२	१२	१८	१२	१५	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५६	११	५२	११	४८	११	४५	११	४२
ध. अं.	२	४३	२	३९	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३	२	१९	२	१५	२	११	२	८	२	५	२	१	१	५७	१	५३	१	५०	१	४७
म. अं.	४	२८	४	२४	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	५	४	२	३	५८	३	५४	३	५०	३	४६	३	४२	३	३८	३	३५	३	३२
कुं अं.	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८	५	३५	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०	५	१६	५	१२	५	८	५	५	५	२

चैत्र शुक्ल १२ बुधे. इ ४५।१५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	२	१०	९	०	९	४	१०
५४	१९	१९	९	४	५	११	११
३४	३६	११	१७	१०	१६	२२	२२
१५	१५	३५	४२	१९	१५	२५	२५
५९	२६	५७	८	२० ५८	३	३	३
१७	३७	२७	५७	व	१२	११	११

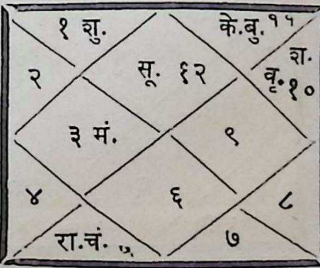

दिः मा.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		आं. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि
३०	४६	१	र.	११	५३	चि.	३८	१६	व्या	२७	१९	कौ.	११	५३	तै.	४१	४२	पद्म	२	१५	१९	तु.	७	२४	६	९	५	११	११	१८	४४	४२	५९	१०
३०	५०	२	चं.	११	३१	स्वा	३८	५१	ह.	२३	३७	ग.	११	३१	व.	४०	४२	छत्र	३	१६	२०				६	१०	५	५०	११	१९	४३	३२	५९	८
३०	५४	३	मं.	९	५५	वि.	३८	३७	व.	१९	३७	वि.	९	५५	वव	३८	४५	श्रीवत्स	४	१७	२१	वृ.	२३	४०	६	११	५	४९	११	२०	४२	४०	५९	६
३०	५७	४	बु.	७	३५	अ.	३७	२७	सि.	१४	३१	वा.	७	३५	कौ.	३५	५७	सौम्य	५	१८	२२				६	११	५	४९	११	२१	४१	४६	५९	४
३१	१	५	बृ.	४	१९	ज्ये.	३५	४६	व्य.	९	१७	तै.	४	१९	ग.	३२	२८	कालदं	६	१९	२३	ध.	३५	४६	६	१२	५	४८	११	२२	४०	५०	५९	२
३१	४	६	शु.	०/५५	३६/४१	मू.	३३	३४	व.	३/५४	५६/४६	व.	०	३६	वि.	२८/५६	२६/१७	स्थिर	७	२०	२४				६	१३	५	४७	११	२३	३३	११	५८	५९
३१	८	८	श.	५१	३३	पू.	३०	३३	शि.	४९	५१	वा.	२३	३७	कौ.	५१	३३	मातंग	८	२१	२५	म.	४४	४४	६	१४	५	४६	११	२४	३८	५०	५८	५६
३१	१२	९	र.	४६	१५	उ.	२७	१७	सि.	४२	३६	तै.	१८	५३	ग.	४६	१५	अमृत	९	२२	२६				६	१४	५	४६	११	२५	३७	४६	५८	५४
३१	१५	१०	चं.	४०	३५	श्र.	२३	१६	सा.	३४	४६	ब.	१३	१८	वि.	४०	३५	सिद्धि	१०	२३	२७	कुं.	५१	१५	६	१५	५	४५	११	२६	३६	४७	५८	५२
३१	१९	११	मं.	३४	१४	ध.	१८	५३	शु.	२६	४१	ब.	७	२०	वा.	३४	१४	उत्पात	११	२४	२८				६	१६	५	४४	११	२७	३५	३२	५८	५०
३१	२३	१२	बु.	२७	४३	श.	१४	१६	शु.	१८	४३	तै.	२७	४३	ग.	५४	३९	मानस	१२	२५	२९	मी.	५५	२१	६	१७	५	४३	११	२८	३४	२२	५८	४८
३१	२७	१३	बृ.	२१	२५	पू.	९	३	ब्र.	१०	४४	व.	२१	२५	वि.	४८	३७	मुद्गर	१३	२६	३०				६	१७	५	४३	११	२९	३३	१०	५८	४६
३१	३०	१४	शु.	१५	३९	उ.	६	१४	ऐं.	३/५६	१६/२९	श.	१५	२९	च.	४२	५८	ध्वज	१४	२७	१				६	१८	५	४२	०	०	३१	५६	५८	४४
३१	३४	३०	श.	१०	१६	रे.	३	१२	वि.	५०	३३	ना.	१०	१६	किं.	३८	१५	धाता	१५	२८	२	मे.	३	१२	६	१९	५	४१	०	१	३०	४०	५८	४१

श्री शुभ संवत् २०१८ शके १८८३ वैशाख कृष्णपक्षःसौम्याय-नम् । याम्यगोलः मेषार्कतः उत्तर गोलः अप्रैल २ से १५ तक

e शिवरात्रि व्रतम् ।
भ. ४०।४२ उ. । a ४४।५२ ।
भ. ९।५५ या. । मीने बुधः ८।३९ । श्रवणे १ चरणे गुरुः a
स. सि. योगः । पञ्चम्यां प्रतीच्यां यात्रामु. ।
उ. भा. भे बुधः १८।९ ।
भ ०।३६ उ. २९।४६ या. । वक्री मीने शुक्रः २३।९ ।
शुक्रास्तः पश्चिमायाम् ४०।१२ ।
स. सि. या. जय योगश्च ।
भ. १३।१८ उ. ४०।३५ या. । स. सि. योगः २३।१६ या. ।b
वरूथिनी ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
प्रदोषः । चर कर्म मु. । b दक्षिण यात्रा मु. । एकादशीc
सं. मेषेऽर्कः २७।८ । भ. २१।२५ उ. ४८।३७ या. । e
रेवत्यां स. सि. योगः । श्राद्धादौ अमा. ।
स्नानादौ अमा. । c योगे या. जयमु. ।

वैं. कृ. ४ बुधे. इ. ४५।२८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	२	११	९	०	९	४	१०
२२	२२	३	१०	१	५	११	११
२२	३२	२४	७	१	३७	०	०
१९	१४	१९	३८	१३	३०	२१	२१
५९	२८	९२	८	२२	३	३	३
४	२४	१७	५	३३	२७	११	११

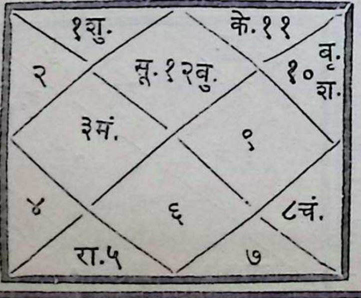

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१र.	२चं.	३मं.	४ बु.	५ बृ.	६शु.	८ श.	९ र.	१०चं.	११ मं.	१२ बु.	१३बृ.	तिथयः	१४शु.	१५श.
मी. अं.	६ २६	६ २२	६ १८	६ १४	६ १०	६ ७	६ ४	६ १	५ ५७	५ ५३	५ ४९	५ ४५	मे अं.	७ १७	७ १४
मे. अं.	८ २	७ ५८	७ ५४	७ ५०	७ ४६	७ ४३	७ ४०	७ ३७	७ ३३	७ २९	७ २५	७ २१	वृ अं.	९ १४	९ १०
वृ. अं.	९ ५८	९ ५४	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३९	९ ३६	९ ३३	९ २९	९ २५	९ २१	९ १७	मि. अं	११ २७	११ २४
मि. अं.	१२ १२	१२ ८	१२ ४	१२ ०	११ ५६	११ ५३	११ ५०	११ ४७	११ ४३	११ ३९	११ ३५	११ ३१	क. अं.	१ ४५	१ ४२
क. अं.	२ ३०	२ २६	२ २२	२ १८	२ १४	२ ११	२ ८	२ ५	२ १	१ ५८	१ ५३	१ ४९	सिं. अं.	४ २	३ ५९
सिं. अं.	४ ४७	४ ४३	४ ३९	४ ३५	४ ३१	४ २८	४ २५	४ २२	४ १८	४ १४	४ १०	४ ६	कं. अं.	६ १८	६ १५
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	राशयः	रा०	रा०
कं. अं.	७ २	६ ५९	६ ५५	६ ५१	६ ४७	६ ४४	६ ४१	६ ३८	६ ३४	६ ३०	६ २६	६ २२	तु. अं.	८ ३६	८ ३३
तु. अं.	९ २१	९ १७	९ १३	९ ९	९ ५	९ २	८ ५९	८ ५६	८ ५२	८ ४८	८ ४४	८ ४०	वृ अं	१० ५४	१० ५१
वृ. अं.	११ ३९	११ ३५	११ ३१	११ २७	११ २३	११ २०	११ १७	११ १४	११ १०	११ ६	११ २	१० ५८	ध. अं.	१२ ५९	१२ ५६
ध. अं.	१ ४४	१ ४०	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २५	१ २२	१ १९	१ १५	१ ११	१ ७	१ ३	म. अं.	२ ४४	२ ४१
म. अं.	३ २९	३ २५	३ २१	३ १७	३ १३	३ १०	३ ७	३ ४	३ ०	२ ५६	२ ५२	२ ४८	कुं. अं.	४ १४	४ ११
कुं. अं.	४ ५९	४ ५५	४ ५१	४ ४७	४ ४३	४ ४०	४ ३७	४ ३४	४ ३०	४ २६	४ २२	४ १८	मी अं.	५ ४१	५ ३८

वैं. कृ. १३ गु. इ. ४५।४३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	११	९	११	९	४	१०
०	२५	१२	११	२७	५	१०	१०
२०	१६	१४	१२	११	५६	३४	३४
३४	४४	५८	५०	१४	३१	४५	४५
५८	३०	१०६	६	३/१ ५/४	२	३	३
४६	९	३	१३	व.	३९	११	११

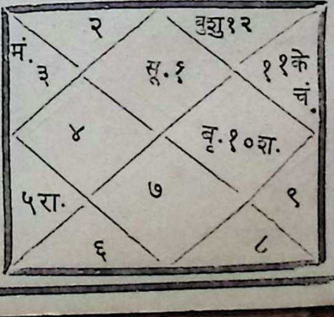

दि. मा.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३१	३७	१	र.	६	१५	अ.	१	४४	प्री.	४५	५६	व.	६	१५	वा.	३५	५	आनन्द	१६	२९	३				५	४१	६	१९	०	२	२८	२१	५८	३५
३१	४१	२	चं.	३	५६	भ.	०	३५	आ.	४२	४४	कौ.	३	५६	तै.	३३	४५	चर	१७	१	४	वृ.	१५	५५	५	४०	६	२०	०	३	२६	५६	५८	३३
३१	४४	३	मं.	३	३४	कृ.	१	५४	सौ.	४१	१८	ग.	३	३४	व.	३४	१५	गद	१८	२	५				५	३९	६	२१	०	४	२५	२९	५८	३१
३१	४७	४	बु.	४	५६	रो.	५	१६	शो.	४०	३६	वि.	४	५६	वव	३६	३६	शुभ	१९	३	६	मि.	३७	३१	५	३९	६	२१	०	५	२४	०	५८	२९
३१	५१	५	बृ.	८	१५	मृ.	९	४७	अ.	४१	३४	वा.	८	१५	कौ.	४०	३२	मृत्यु	२०	४	७				५	३८	६	२२	०	६	२२	२९	५८	२७
३१	५४	६	शु.	१२	४९	आ.	१६	११	सु.	४३	९	तै.	१२	४९	ग.	४५	३४	पद्म	२१	५	८				५	३७	६	२३	०	७	२०	५६	५८	२४
३१	५७	७	श.	१८	१९	पु.	२३	१६	धृ.	३५	२९	व.	१८	१९	वि.	५१	३१	छत्र	२२	६	९	क.	५०	१८	५	३७	६	२३	०	८	१९	२०	५८	२२
३२	१	८	र.	२४	४४	पु.	३०	५१	शु.	४७	५४	वव	२४	४४	वा.	५७	४७	श्रीवत्स	२३	७	१०				५	३६	६	२४	०	९	१७	२	५८	२०
३२	४	९	चं.	३०	४९	श्ले.	३८	१३	गं.	५०	५	कौ.	३०	४९	तै.	६०	०	सौम्य	२४	८	११	सिं.	३८	१३	५	३५	६	२५	०	१०	१६	२	५८	१७
३२	७	१०	मं.	३५	३१	म.	४५	१७	वृ.	५१	४३	तै.	३	१०	ग.	३५	३१	कालदं.	२५	९	१२				५	३४	६	२६	०	११	१४	१९	५८	१५
३२	११	११	बु.	४१	१३	पू.	५०	२६	ध्रु.	५२	१५	व.	८	२२	वि	४१	१३	स्थिर	२६	१०	१३				५	३४	६	२६	०	१२	१२	१४	५८	१३
३२	१४	१२	बृ.	४४	१६	उ.	५४	४३	व्या	५१	४६	वव	१२	४५	वा.	४४	१६	मातंग	२७	११	१४	कं.	६	३०	५	३३	६	२७	०	१३	१०	२७	५८	११
३२	१७	१३	शु.	४५	५६	ह.	५७	१५	ह.	४९	५४	कौ.	१५	८	तै.	४५	४६	अमृत	२८	१२	१५				५	३३	६	२७	०	१४	८	३८	५८	९
३२	२०	१४	श.	४५	४६	चि.	५८	२७	व.	४६	४५	ग.	१५	५२	व.	४५	४६	काण	२९	१३	१६	तु.	२७	५१	५	३२	६	२८	०	१५	६	४७	५८	७
३२	२३	१५	र.	४४	१५	स्वा	५८	१५	सि.	४२	४१	वि.	१४	५६	वव	४४	१५	लम्ब	३०	१४	१७				५	३१	६	२९	०	१६	४	४	५८	५

श्री शुभ संवत् २०१८ शके १८८३ वैशाख शुक्लपक्षः सौम्यायन गोलौ । अप्रैल १६ से ३० तक ।

चन्द्रदर्शनम् । रेवती भे बुधः १२।९ । भरण्यां या. जय a
जिल्काद । शुक्रोदयः प्राच्याम् । ३६।१५ ।
भ. ३४।१५ उ. । अक्षयतृतीया । परशुराम जयन्ती । b
भ. ४।५६ या. । बुधास्तः पूर्वस्याम् ५०।१२ । स. सि. योगः c
प्रतीच्यां यात्रा मु. मृग । भे । b स. सि. योगः १।५४ या. ।
तीक्ष्णकर्म मु. । c ५।१६ । दक्षिणस्यां यात्रा मु. तिथिदानात् ।
भ. १८।१९ उ. ५१।३१ या. । प्रतीच्यां यात्रा मु. । कर्के-d
स. सि. योगः । d भौमः ९।२२ । मेषे बुधः ४४।५ । या.e
मघा भे ३ चर. राहुः शते १ चरणे केतुः ४५।७ । या. जय मु.f
a योगः ६।१५ या. । प्राच्यां यात्रा मु. १।४४ या. ।
भ. ८।२२ उ. ४१।१३ या. । मोहिनी ११ प्रायः सर्वेषाम् ।
भरणी भे रविः ५।५२ । e जय मु. १८।१९ या. । गंगा सप्तमी ।
पुष्ये भौमः ४८।९ । प्रदोषः । दक्षिणस्यां यात्रा मु. ।
भ. ४५।४६ उ. । भरणी भे बुधः ४२।९ । नृसिंह जयन्ती ।
मू.१४।५६ या. । कूर्म जयन्ती । या. जय मु. । f ३०।४९ या.

वैशाख शु. ५ गुरौ. इ. ४५।५९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	११	९	११	९	४	१०
६	२९	२४	११	२४	६	१०	१०
१७	१५	५६	५९	७	११	११	११
३९	१४	४५	५८	२५	१४	५६	५६
१८	३१	११६	५	२९ २३	२	३	३
२९	२	५४	५३	व.	१	११	११

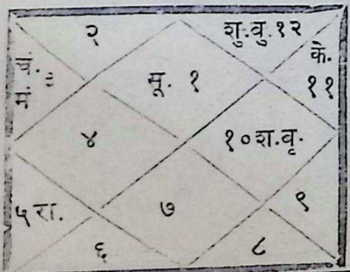

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.		२ चं.		३ मं.		४ बु.		५ बृ.		६ शु.		७ श.		८ र.		९ च.		१० म.		११ बु.		१२ बृ.		१३ शु.		१४ श.		१५ र.	
मे. अं.	७	११	७	७	७	३	६	५९	६	५५	६	५२	६	४९	६	४६	६	४२	६	३८	६	३४	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८
वृ. अं.	९	७	९	३	८	५९	८	५५	८	५१	८	४८	८	४५	८	४२	८	३८	८	३४	८	३०	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४
मि. अं.	११	२१	११	१७	११	१३	११	९	११	५	११	२	१०	५९	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२९
क. अं.	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	२०	१	१७	१	१४	१	१०	१	६	१	२	१२	५८	१२	५४	१२	५०	१२	४६
सिं.अं.	३	५६	३	५२	३	४८	३	४४	३	४०	३	३७	३	३४	३	३१	३	२७	३	२३	३	१९	३	१५	३	११	३	७	३	३
कं. अं.	६	१२	६	८	६	४	६	०	५	५६	५	५३	५	५०	५	४७	५	४३	५	३९	५	३५	५	३१	५	२७	५	२३	५	१९
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
तु. अं.	८	३०	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४	८	११	८	८	८	५	८	१	७	५७	७	५३	७	४९	७	४५	७	४१	७	३७
वृ. अं.	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२९	१०	२६	१०	२३	१०	१९	१०	१५	१०	११	१०	७	१०	२	९	५९	९	५५
ध. अं.	१२	५३	१२	४९	१२	४५	१२	४१	१२	३७	१२	३४	१२	३१	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०
म. अं.	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	२	२२	२	१९	२	१६	२	१३	२	९	२	५	२	१	१	५७	१	५३	१	४९	१	४५
कुं. अं.	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५२	३	४९	३	४६	३	४३	३	३९	३	३५	३	३१	३	२७	३	२३	३	१९	३	१५
मी. अं.	५	३५	५	३१	५	२७	५	२३	५	१९	५	१६	५	१३	५	१०	५	६	५	२	४	५८	४	५४	४	५०	४	४६	४	४२

वैशाख शु. १२ गुरौ. इ. ४६।७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	३	०	९	११	९	४	१०
१३	२	८	१२	११	६	९	९
५४	४५	५८	३९	५८	२०	४९	४९
५८	१५	३९	४७	३९	५७	२३	२३
५८	३३	१३०	४	१०	१ २०	३	३
११	३	१४	४६	३९	व.	११	११

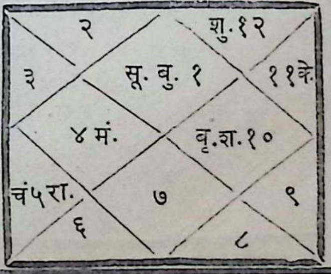

१०

दि.मा.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३२	२७	१	चं.	४१	३२	वि.	५६	३९	व्य.	३७	३६	वा.	१२	२४	कौ.	४१	३२	मित्र	१	१५	१८	वृ.	४२	३	५	३१	६	२९	०	१७	२	५९	५६	०
३२	३०	२	मं.	३७	३४	अ.	५३	५९	व.	३१	३५	तै.	९	१३	ग.	३७	३४	वज्र	२	१६	१९				५	३०	६	३०	०	१८	०	५९	५७	५८
३२	३३	३	बु.	३२	३६	ज्ये.	५१	२४	प.	२४	५१	व.	४	५०	वि.	३२	३६	ध्वांक्ष	३	१७	२०	ध.	५१	२४	५	२९	६	३१	०	१८	५८	५७	५७	५६
३२	३६	४	बृ.	२७	२१	मू.	४७	५६	शि.	१७	४५	वा.	२७	३१	कौ.	५४	४३	धूम्र	४	१८	२१				५	२९	६	३१	०	१९	५६	५३	५७	५४
३२	३८	५	शु.	२१	५६	पू.	४४	३४	सि.	१०	३३	तै.	२१	५६	ग.	४९	२०	प्रवर्ध	५	१९	२२	म.	४८	३९	५	२८	६	३२	०	२०	५४	४७	५७	५१
३२	४१	६	श.	१६	४५	उ.	४०	५६	सा.	२ ५४	५८ ३४	व.	१६	४५	वि.	४४	११	रक्ष	६	२०	२३				५	२८	६	३२	०	२१	५२	३९	५७	५०
३२	४४	७	र.	११	३७	श्र.	३७	३९	शु.	४९	३७	व.	११	३७	वा.	३९	५	गद	७	२१	२४				५	२७	६	३३	०	२२	५०	२९	५७	४७
३२	४७	८	चं.	६	३४	ध.	३४	३६	ब्र.	४२	३३	कौ.	६	३४	तै.	३३	२८	शुभ	८	२२	२५	कुं.	५	४२	५	२७	६	३३	०	२३	४८	१	५७	४७
३२	५०	९	मं.	० ५४	२३ ५६	श.	३१	३५	ऐं.	३५	५७	ग.	०	२३	व.	२७ ५५	५५ १९	मृत्यु	९	२३	२६				५	२६	६	३४	०	२४	४६	१	५७	४[illegible]
३२	५३	११	बु.	५०	३१	पू.	२८	३१	वै.	२९	३४	व.	२५	४	वा.	५०	३१	पद्म	१०	२४	२७	मी.	१८	१७	५	२५	६	३५	०	२५	४३	४४	५७	४२
३२	५६	१२	बृ.	४७	२५	उ.	२१	३३	वि.	२३	३२	कौ.	१८	३८	तै.	४७	२५	छत्र	११	२५	२८				५	२५	६	३५	०	२६	४१	२६	५७	४२
३२	५९	१३	शु.	४३	३५	रे.	२३	४९	प्री.	१७	३१	गं.	१५	१०	व.	४३	३५	श्रीवत्स	१२	२६	२९	मे.	२३	४९	५	२४	६	३६	०	२७	३९	८	५७	४१
३३	१	१४	श.	४०	३६	अ.	२२	३३	आ.	१२	३७	वि.	१२	१५	श.	४०	३६	सौम्य	१३	२७	३०				५	२४	६	३६	०	२८	३६	४९	५७	४१
३३	३	३०	र.	३८	५१	भ.	२२	३५	सौ.	८	३९	च.	९	२८	ना.	३८	५१	कालदं	१४	२८	३१	वृ.	३७	४८	५	२३	६	३७	०	२९	३४	३०	५७	४०

श्री शुभ संवत् २०१८ शके १८८३ शुद्ध ज्येष्ठ कृष्णपक्षः।
सौम्यायन गोलौ । मई १ से १४ तक ।

मई । शुक्रः मार्गी ५२।३३ ।
d सि. अ. सि. योगः । उदीच्यां यात्रा मु.। मास शिवरात्रि *
भ. ४।५ उ. ३२।३६ या. * व्रतम्
तीक्ष्ण कर्म मु. । b ११ व्रतं स्मार्तानाम् ।
कृत्तिका भे बुधः ५८।९ । a सप्तमी योगे या. जय मु. ।
भ. १६।४५ उ. ४४।११ या. । श्रवणे २ च. मा. ८।४९ । a
वृषे बुधः ३२।७ । दक्षिणस्यां यात्रा मु. ।
नवमी योगे या. जय मु. । प्रतीच्यां यात्रा मु. । तिथिदानात्
भ. २७।५१ उ. ५५।१९ या. ।
वक्री शनिः ३९।८ । कृत्तिका भे रविः ५४।९ । अपराb
अपरा ११ व्रतं वैष्णवानाम् । रेवती भे स. सि. योगः । भ. ।
भ. ४३।३५ उ. । रोहिणी भे बुधः १२।९ । प्रदोषः । स. मास d
भ. १२।१५ या. । बुधोदयः पश्चिमायाम् ३।९ ।
सं. वृषेऽर्कः २६।२९ । या. जय मु. ।

शु. ज्ये. कृ. ४ गुरौ इ. ४५।१८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	३	०	९	११	९	४	१०
२०	६	२३	१३	१९	६	९	९
४२	१५	५९	१४	३७	२७	२७	२७
३९	५९	१४	२८	१९	९	४८	४८
५७	३२	१२९	३	६	०	३	३
५४	५४	१८	२९	१३	३९	११	११

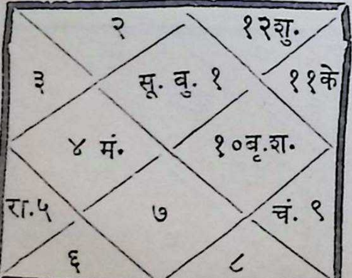

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ च.		२ मं.		३ बु.		४ बृ.		५ शु.		६ श.		७ र.		८ चं.		९ म.		११ बु.		१२ बृ.		१३ शु.		१४ श.		३० र.	
मे. अं.	६	१४	६	१०	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८	५	३४	५	३०	५	२७	५	२४
वृ. अं.	८	१०	८	६	८	२	७	५८	७	५४	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	७	३०	७	२६	७	२३	७	२०
मि. अं.	१०	२४	१०	२०	१०	१७	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८	९	४४	९	४०	९	३७	९	३४
क. अं.	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२६	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	१०	१२	६	१२	२	११	५८	११	५५	११	५२
सिं. अं.	२	५९	२	५५	२	५१	२	४७	२	४३	२	३९	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३	२	१९	२	१५	२	१२	२	९
कं. अं.	५	१५	५	११	५	७	५	३	४	५९	४	५५	४	५१	४	४७	४	४३	४	३९	४	३५	४	३१	४	२८	४	२५
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
तु. अं.	७	३३	७	२९	७	२५	७	२१	७	१७	७	१३	७	९	७	५	७	१	६	५७	६	५३	६	४९	६	४६	६	४३
वृ. अं.	९	५१	९	४७	९	४३	९	३९	९	३५	९	३१	९	२७	९	२३	९	१९	९	१५	९	११	९	७	९	४	९	१
ध. अं.	११	५६	११	५२	११	४८	११	४४	११	४०	११	३०	११	३२	११	२८	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२	११	९	११	६
म. अं.	१	४१	१	३७	१	३३	१	२९	१	२५	१	२१	१	१७	१	१३	१	९	१	५	१	१	१२	५७	१२	५४	१२	५१
कुं. अं.	३	११	३	७	३	३	२	५९	२	५५	२	५१	२	४७	२	४३	२	३९	२	३५	२	३१	२	२७	२	२४	२	२१
मी. अं.	४	३८	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	४	२	३	५८	३	५४	३	५१	३	४८

शु. ज्ये. कृ. १२ गुरौ. इ. ४६।२८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	३	१	९	११	९	४	१०
२७	९	८	१३	२१	६	९	९
२६	५२	५९	३४	१६	२९	६	६
३९	३५	५७	१४	५२	५९	१	१
५७	३३	१२१	२	२२	० ५	३	३
४२	४४	४९	१७	४४	व.	११	११

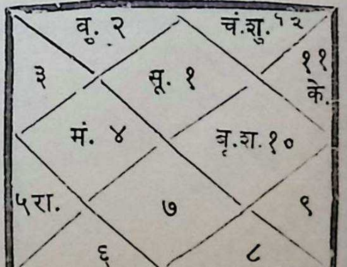

Nepal Sanskrit University, Balmooki Campus, Kath

दि. घ.	ना. प.	ति.	वा	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो	घ.	प.	क	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	६	१	चं.	३९	१८	कृ.	२३	३७	शो.	५	२५	कि.	८	५४	वव	३९	१८	स्थिर	१५	२९	१				५	२३	६	३७	१	०	३२	१०	५७	३८
३३	९	२	म.	४०	३१	रो.	२७	१३	अ.	३	३९	वा.	९	४९	कौ.	४०	३१	मातंग	१६	३०	२	मि.	५९	१२	५	२२	६	३८	१	१	२९	४८	५७	३६
३३	११	३	बु.	४२	४४	मृ.	३१	११	सु.	२	४३	तै	११	३७	ग.	४२	४४	अमृत	१७	१	३				५	२२	६	३८	१	२	२७	२४	५७	३५
३३	१३	४	बृ.	४७	१९	आ.	३६	३४	धृ.	२	५९	व.	१४	५६	वि.	४७	१९	काण	१८	२	४				५	२१	६	३९	१	३	२४	५९	५७	३३
३३	१६	५	शु.	५२	१६	पुन	४२	५३	शू.	४	१४	व.	१९	४३	वा.	५२	१६	लुम्ब	१९	३	५	क.	२६	१८	५	२१	६	३९	१	४	२२	३२	५७	३१
३३	१८	६	श.	५८	३७	पु.	५०	२६	गं.	६	३४	कौ.	२५	२३	तै.	५८	३७	मित्र	२०	४	६				५	२०	६	४०	१	५	२०	३	५७	३०
३३	२०	७	र.	६०	०	श्ले	५७	५३	वृ.	८	४७	ग.	३१	३५	व.	६०	०	वज्र	२१	५	७	सिं.	५७	५३	५	२०	६	४०	१	६	१७	३३	५७	२८
३३	२२	७	चं.	४	४३	म.	६०	०	ध्रु.	११	५६	व.	४	४३	वि.	३७	३७	ध्वांक्ष	२२	६	८				५	२०	६	४०	१	७	१५	१	५७	२६
३३	२४	८	मं	१०	३१	म.	५	१५	व्या	१३	१७	ब.	१०	३१	वा.	४३	४	कालदं	२३	७	९				५	१९	६	४१	१	८	१२	२७	५७	२५
३३	२६	९	बु.	१५	३६	पू.	११	३५	ह.	१४	३५	कौ.	१५	३६	तै.	४७	२५	स्थिर	२४	८	१०	क.	२७	४९	५	१९	६	४१	१	९	१०	५२	५७	२४
३३	२८	१०	बृ.	१९	१४	उ.	१६	३३	ब.	१४	४१	ग.	१९	१४	व.	५०	६	मातंग	२५	९	११				५	१८	६	४२	१	१०	८	१६	५७	२२
३३	३०	११	शु.	२०	५६	ह.	१९	३३	सि.	१३	३५	वि.	२०	५६	वव	५०	५१	अमृत	२६	१०	१२	तु.	५०	२६	५	१८	६	४२	१	११	५	३८	५७	२०
३३	३२	१२	श.	२०	४७	चि.	२१	१९	व्य.	१०	५३	वा.	२०	४७	कौ.	४९	४८	काण	२७	११	१३				५	१८	६	४२	१	१२	२	५८	५७	१८
३३	३४	१३	र.	१८	४९	स्वा	२०	५४	व.	६	४४	तै.	१८	४९	ग.	४७	३१	लुम्ब	२८	१२	१४				५	१७	६	४३	१	१३	०	१६	५७	१७
३३	३६	१४	चं.	१५	१३	वि.	१८	४७	प.	१/२५	१८/२८	व.	१५	१३	वि.	४२	३१	मित्र	२९	१३	१५	बृ.	४	१८	५	१७	६	४३	१	१३	५७	३३	५७	१५
३३	३७	१५	मं.	९	४९	अ.	१५	५९	सि.	४६	५१	वव	९	४९	वा.	३६	३२	वज्र	३०	१४	१६				५	१७	६	४३	१	१४	५४	४८	५७	१३

श्री शुभ संवत् २०१८ शके १८८३ अधिक ज्येष्ठ शुक्लपक्षः। सौम्यायन गोलौ। मई १५ से ३० तक।

पुरुषोत्तम मासारम्भः। या. जय योगः रो. प्रतिपद्ग योगे।
चन्द्रदर्शनम्। दक्षिणयात्रा मु.।
जिलहिज। प्रतीच्यां यात्रा मु.। a मु. १६।३३ उ.।
भ. १४।५६ उ. ४७।१९ या.।
मृगशिरा मे बुधः २१।९। उदीच्यां यात्रा मु. २६।१८ उ.।
प्राच्यामुदीच्याम् यात्रा मु. तिथि दानात्।
यायी जय. मु.। d सर्वेषाम्। प्राच्यां यात्रा मु. १९।३३ या.।
भ. ४।४३ उ. ३७।३७ या.। उग्र कर्म मु.।
मिथुने बुधः ५५।७। e अनु. योगे या. जय योगः।
वक्री गुरुः १।५२। रोहिणी भे रविः ४७।५२।
भ. ५०।६ उ.। या जय योगः। १९।१४ उ.। प्राच्यां यात्रा a
भ. २०।५६ या.। श्लेषा भे भौमः २६।९। कमला ११ व्रतं d
आर्द्रा भे बुधः ५०।३। प्रदोषः।
मेषे शुक्रः ६।९। यायी जय योगः। १८।४९ या.।
भ. १५।१३ उ. ४२।३१ या.। उत्तर पश्चिम यात्रा मु.। e
स्नानादौ १५

अ. ज्ये. शु. ४ बृ. इ. ४६।३६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	१	९	११	९	४	१०
४	१३	२२	१३	२४	६	८	८
१०	३२	१३	४४	११	२४	४३	४३
२९	१३	१९	३९	१५	७	५४	५४
५७	२४	१०५	०	३८	०	३	३
३३	१३	९	५९	२६	२९	११	११

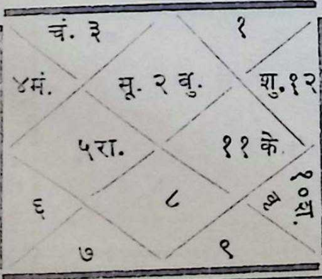

दैनिक लग्नसारणा

तिथयः	१ चं.	२ म.	३ बु.	४ बृ.	५ शु.	६ श.	७ र.	७ चं.	८ म.	९ बु.	१० बृ.	११ शु.	१२ श.	१३ र.	१४ चं.	१५ मं.
वृ. अं.	७ १६	७ १२	७ ८	७ ४	७ ०	६ ५६	६ ५२	६ ४९	६ ४६	६ ४१	६ ३६	६ ३२	६ २८	६ २४	६ २०	६ १६
मि. अं.	९ ३०	९ २६	९ २२	९ १८	९ १४	९ १०	९ ६	९ ३	९ ०	८ ५५	८ ५०	८ ४६	८ ४२	८ ३८	८ ३४	८ ३०
क. अं.	११ ४८	११ ४४	११ ४०	११ ३६	११ ३२	११ २८	११ २४	११ २१	११ १८	११ १३	११ ९	११ ४	११ ०	१० ५६	१० ५२	१० ४८
सिं. अं.	२ ५	२ १	१ ५७	१ ५३	१ ४९	१ ४५	१ ४१	१ ३८	१ ३५	१ ३०	१ २५	१ २१	१ १७	१ १३	१ ९	१ ५
कं. अं.	४ २१	४ १७	४ १३	४ ९	४ ५	४ १	३ ५७	३ ५०	३ ५१	३ ४६	३ ४१	३ ३७	३ ३३	३ २९	३ २५	३ २१
तु. अं	६ ३९	६ ३५	६ ३१	६ २७	६ २३	६ १९	६ १५	६ १२	६ ९	६ ४	५ ५९	५ ५५	५ ५१	५ ४७	५ ४३	५ ३९
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ. अं.	८ ५७	८ ५३	८ ४९	८ ४५	८ ४१	८ ३७	८ ३३	८ ३०	८ २७	८ २२	८ १७	८ १३	८ ९	८ ५	८ १	७ ५७
ध. अं.	११ २	१० ५८	१० ५४	१० ५०	१० ४६	१० ४२	१० ३८	१० ३५	१० ३२	१० २७	१० २२	१० १८	१० १४	१० १०	१० ६	१० २
म. अं.	१२ ४७	१२ ४३	१२ ३९	१२ ३५	१२ ३१	१२ २७	१२ २३	१२ २०	१२ १६	१२ १२	१२ ७	१२ ३	११ ५९	११ ५५	११ ५१	११ ४७
कुं. अं.	२ १७	२ १३	२ ९	२ ५	२ १	१ ५७	१ ५३	१ ५०	१ ४७	१ ४२	१ ३७	१ ३३	१ २९	१ २५	१ २१	१ १७
मी. अं.	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २४	३ २०	३ १७	३ १४	३ ९	३ ४	३ ०	२ ५६	२ ५२	२ ४८	२ ४४
मे. अं.	५ २०	५ १६	५ १२	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५६	४ ५२	४ ५०	४ ४५	४ ४०	४ ३६	४ ३२	४ २८	४ २४	४ २०

अ. ज्ये. शु.१०बृ. इ. ४६।४४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	२	९	११	९	४	१०
१०	१७	३	१३	२८	६	८	८
१२	२२	३	५२	१	१५	२१	२१
५३	११	१४	२६	५२	४९	३८	३८
१७	३४	३०८	१ ०	४१	३ ५	३	३
२२	४८	५८	व.	१२	व.	११	११

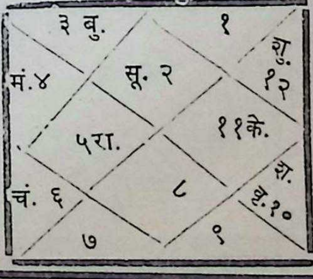

१२

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३३	३९	१	बु.	५ ५३	५६ २६	ज्ये.	१०	४९	सा.	३८	२७	कौ.	३	१६	तै.	२० ५६	५० ४२	ध्वांक्ष	३१	१५	१७	ध.	१०	४९	५	१६	६	४४	१	१५	५२	१	५७	१३
३३	४१	३	बृ.	४९	१४	मू.	५	५४	शु.	२९	५९	ब.	२१	२०	वि.	४९	१४	धूम्र	१	१६	१८				५	१६	६	४४	१	१६	४९	१४	५७	१३
३३	४२	४	शु.	४२	१६	पू.	० ५५	४२ ४६	शु.	२१	३३	बव	१५	४१	वा.	४२	१६	प्रवर्ध	२	१७	१९	म.	१५	८	५	१६	६	४४	१	१७	४६	२७	५७	१२
३३	४४	५	श.	३५	३१	श्र.	५१	११	ब्र.	१३	१३	कौ.	८	४४	तै.	३५	३१	स्थिर	३	१८	२०				५	१५	६	४५	१	१८	४३	३९	५७	११
३३	४५	६	र.	२८	५४	ध.	४७	१३	ऐं.	५ ५३	२७ १८	ग.	२	१२	व.	२८ ५६	५४ १५	मातंग	४	१९	२१	कुं.	१९	१२	५	१५	६	४५	१	१९	४०	५०	५७	१०
३३	४६	७	चं.	२३	३६	श.	४३	४७	वि	५०	२७	बव	३३	३६	व.	५१	२७	अमृत	५	२०	२२				५	१५	६	४५	१	२०	३८	०	५७	९
३३	४७	८	मं.	१८	५९	पू.	४१	३४	प्री.	४५	१३	कौ.	१८	५३	तै.	४६	५६	काण	६	२१	२३	मी.	४३	२०	५	१५	६	४५	१	२१	३५	९	५७	८
३३	४९	९	बु.	१४	५४	उ.	३९	४६	आ.	३९	३६	ग.	१४	५४	व.	४२	५१	लुम्ब	७	२२	२४				५	१४	६	४६	१	२२	३२	१७	५७	७
३३	५०	१०	बृ.	११	४४	रे.	३७	३१	सौ.	३५	५	वि.	११	४४	बव	४०	३९	मित्र	८	२३	२५	मे.	३७	३१	५	१४	६	४६	१	२३	२९	२४	५७	५
३३	५१	११	शु.	९	३५	अ.	३८	५७	शो.	३१	१६	बा.	९	३५	कौ.	३८	४३	वज्र	९	२४	२६				५	१४	६	४६	१	२४	२६	२३	५७	४
३३	५२	१२	श.	७	५१	भ.	३९	५४	अ.	२८	१४	तै.	७	५१	ग.	३७	४७	ध्वांक्ष	१०	२५	२७	वृ.	५५	१२	५	१४	६	४६	१	२५	२३	३३	५७	३
३३	५३	१३	र.	७	४४	कृ.	४१	५	सु.	२५	४९	ब.	७	४४	वि.	३८	०	धूम्र	११	२६	२८				५	१४	६	४६	१	२६	२०	३६	५७	०
३३	५३	१४	चं.	८	१६	रो.	४५	६	धृ.	२४	२९	श.	८	१६	चं.	३९	३२	प्रवर्ध	१२	२७	२९				५	१३	६	४७	१	२७	१७	३८	५७	१
३३	५३	३०	मं.	१०	३५	मृ.	४९	४९	शू.	२४	१३	ना	१०	३५	किं.	४२	९	रक्ष	१३	२८	३०	मि.	१७	२७	५	१३	६	४७	१	२८	१४	३९	५६	५९

श्री शुभ संवत् २०१८ शके १८८३ अधिक ज्येष्ठ कृष्णपक्षः।
सौम्यायन गोलौ मई ३१ से जून १३ तक।

तीक्ष्ण कर्म मु.।

जून। भ. २१।२० उ. ४९।१४ या.। उग्र कर्म मु.।

स्थिर कर्म मु.।

स. सि. योगः। स्रवसि दक्षिण यात्रा मु.।

भ. २८।५४ उ. ५६।१५ या.। सप्तमी धनिष्ठा योगे यायी*

चर कर्म मु.। * जय मु.।

क्रूर कर्म मु.।

भ. ४२।५१ उ.। मृग भे रविः ४६।३२।

भ. ११।४४ या.। स. सि. योगः। उदीच्यां यात्रा मु.।

कमला ११ व्रतं सर्वेषाम्। प्राच्यां यात्रा मु.।

प्रदोषः। त्रयोदशी योगे यायी जय योगः।

भ. ७।४४ उ. ३८।० या.। मास शिवरात्रि व्रतम्

वक्री बुधः ५६।३७। श्राद्धादौ ३०।

भरणी भे शुक्रः ३७।३८। स्नानादौ ३०।

अ. ज्ये. कृ. ३ गुरौ. इ. ४६।५१

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	२	९	०	९	४	१०
१७	२१	१०	१३	३	६	७	७
३४	१४	५९	४७	२५	२	५९	५९
१५	१४	७	४७	४९	४२	१२	१२
५७	३५	५२	५ ३६	४७	२ १२	३	३
१३	३४	१८	व.	४४	व.	११	११

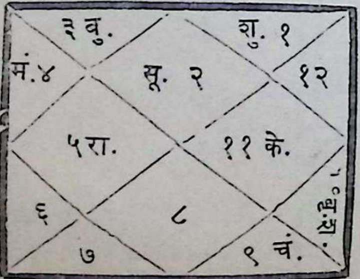

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.		३ बृ.		४ शु.		५ श.		६ र.		७ चं.		८ मं.		९ बु.		१० बृ.		११ शु.		१२ श.		१३ र.		१४ चं.		३० मं.	
वृ. अं.	६	११	६	७	६	३	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७	५	४५	५	३८	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८
मि. अं.	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	१	७	५६	७	५२	७	४८	७	४४	७	४०	७	३६	७	३२
क. अं.	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१४	१०	१०	१०	६	१०	२	९	५८	९	५४	९	५०
सिं. अं.	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३१	१२	२७	१२	२३	१२	१९	१२	१५	१२	११	१२	७
कं. अं.	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५६	२	५२	२	४७	२	४३	२	३९	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३
तु. अं.	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८	५	१४	५	१०	५	५	५	१	४	५७	४	५३	४	४९	४	४५	४	४१
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	७	५२	७	४८	७	४४	७	४०	७	३६	७	३२	७	२८	७	२३	७	१९	७	१५	७	११	७	७	७	३	६	५९
ध. अं.	९	५७	९	५३	९	४९	९	४४	९	४१	९	३७	९	३३	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	८	९	४
म. अं.	११	४२	११	३८	११	३४	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८	११	१३	११	५१	११	५	११	१	१०	५६	१०	५३	१०	४९
कुं. अं.	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४३	१२	३९	१२	३५	१२	३१	१२	२७	१२	२३	१२	१९
मी. अं.	२	३९	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३	२	१९	२	१५	२	१०	२	६	२	२	१	५८	१	५४	१	५१	१	४६
मे. अं.	४	१५	४	११	४	७	४	३	३	५९	३	५५	३	५१	३	४६	३	४२	३	३८	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२

अ. ज्ये. कृ. १० गुरौ. इ. ४६।५५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	२	९	०	९	४	१०
२४	२५	१५	१३	८	५	७	७
१५	१४	४०	३९	५७	५३	३७	३७
१३	४३	३२	३०	४९	१४	१	१
५७	३५	१९	२ २६	५३	२ ५०	३	३
५	४४	३९	व.	१२	व.	११	११

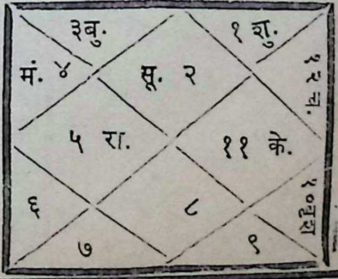

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	ब्रं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३३	५४	१	बु.	१३	४४	आ.	५५	३३	गं.	२४	१५	व.	१३	४४	वा.	४६	१०	मुसल	१४	२९	३१				५	१३	६	४७	१	२९	११	३८	५६	५८
३३	५५	२	बृ.	१८	३६	पु.	६०	०	वृ.	२५	३९	कौ.	१८	३६	तै.	५०	३५	सिद्धि	१५	१	१	क.	४५	१०	५	१३	६	४७	२	०	८	३६	५६	५७
३३	५५	३	शु.	२३	३४	पु.	१	५५	ध्रु.	२७	१६	ग.	२३	३४	व.	५६	४०	लुंब	१६	२	२				५	१३	६	४७	२	१	५	३३	५६	५६
३३	५६	४	श.	२९	४७	पु.	९	३	व्या	२९	२६	वि.	२९	४७	वव	६०	०	मित्र	१७	३	३				५	१३	६	४७	२	२	२	२९	५६	५६
३३	५६	५	र.	३५	४९	श्ले.	१६	४४	ह.	३२	२	वा.	२	४४	वा.	३५	४९	वज्र	१८	४	४	सिं.	१६	४४	५	१३	६	४७	२	२	५९	२५	५६	५६
३३	५६	६	चं.	४१	४९	म	२४	१३	व.	३४	४१	कौ.	८	४९	तै.	४१	४९	ध्वांक्ष	१९	५	५				५	१३	६	४७	२	३	५३	२१	५६	५५
३३	५६	७	मं.	४७	१६	पू.	३१	१६	सि.	३६	३५	ग.	१४	३३	व.	४७	१६	धूम्र	२०	६	६	कं.	४७	४६	५	१३	६	४७	२	४	५०	१६	५६	५५
३३	५६	८	बु.	५१	३३	उ.	३७	१७	व्य.	३७	३५	वि.	१९	२५	वव	५१	३३	प्रवर्ध	२१	७	७				५	१३	६	४७	२	५	४७	११	५६	५५
३३	५६	९	बृ.	५४	११	ह.	४२	५४	व.	३७	३४	वा.	२२	५१	कौ.	५४	११	रक्ष	२२	८	८				५	१३	६	४७	२	६	४४	६	५६	५४
३३	५६	१०	शु.	५४	५७	चि.	४४	३६	प.	३६	१३	तै.	२४	३४	ग.	५४	५७	मुसल	२३	९	९	तु.	१३	१५	५	१३	६	४७	२	७	४१	०	५६	५३
३३	५६	११	श.	५३	४१	स्वा	४४	५६	शि.	३३	१२	व.	२४	१९	वि.	५३	४१	सिद्धि	२४	१०	१०				५	१३	६	४७	२	८	३७	५३	५६	५३
३३	५६	१२	र.	५१	२७	वि.	४४	१२	सि.	२८	१३	वव	२२	३१	वा.	५१	२७	उत्पात	२५	११	११	वृ.	२९	२३	५	१३	६	४७	२	९	३४	४६	५६	५२
३३	५६	१३	चं.	४५	१४	अ.	४१	१३	सा.	२१	५६	कौ.	१८	१२	तै.	४५	१४	मानस	२६	१२	१२				५	१३	६	४७	२	१०	३१	३८	५६	५२
३३	५५	१४	मं.	३८	१४	ज्ये.	३६	११	शु.	१४	१५	ग.	११	३४	व.	३९	१४	मुद्गर	२७	१३	१३	ध.	३६	११	५	१३	६	४७	२	११	२८	३०	५६	५१
३३	५४	१५	बु.	३०	१३	मू.	३०	६	शु.	५ ५४	२ २१	वि.	४	१२	वव	३० ५६	१३ १४	ध्वज	२८	१४	१४				५	१३	६	४७	२	१२	२५	२१	५६	५१

श्री शुभ संवत् २०१८ शके १८८३ शुद्ध ज्येष्ठ शुक्लपक्षः ।
सौम्यायन गोली जून १४ से २८ तक ।

सं. मिथुने चार्कः ४९।१७ चन्द्रदर्शनम् ।
वक्री श्रवणे १ चरणे गुरुः५।९। मुहर्रम हिजरी सन् १३८१ ।a
भ. ५६।४० उ. रम्भा व्रतम् । उदीच्यां यात्रा मु.
भ. २९।४७ या. । सिंहे भौमः११।९ । प्रतीच्यां यात्रा मु. b
बुधास्तः पश्चिमायाम् ७।९। यायी जय मु. ।
उग्र कर्म मु. b तिथिदानात् ।
भ. ४७।१६ उ. । क्रूर कर्म मु. । a प्रतीच्यां यात्रा मु. ।
भ. १९।२५ या. । आर्द्रा भे रविः ४९।५ ।
यायी जय योगः । g यात्रा मु. ।
गंगा दशहरा । d प्रदोषः । यायी जय मु. । प्राच्युदीच्यां g
भ. २४।१९ उ. ५३।४१ या. । निर्जला ११ व्रतं स्मार्तानाम् c
निर्जला ११ व्रतं वैष्णवानाम् । c यायी जय मु. ।
मघा भे २ चरणे राहुः धनिष्ठा भे ४ चरणे केतुः ४१।९ । d
भ. ३८।१४ उ. । कृत्तिका भे शुक्रः३२।९ । तीक्ष्ण कर्म मु. ।
भ. ४।१२ या. । दारुण कर्म मु. ।

शु. ज्ये. शु. २ गुरौ. इ. ४६।५९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	१	९	०	९	४	१०
०	२९	१६	१३	१५	५	७	७
५२	३	४४	१७	२०	२४	१४	१४
५४	४५	१३	१४	२४	२२	५६	५६
५६	३६	१ ७	४ ३	५७	३ ३२	३	३
५७	२९	व.	व.	५	व.	११	११

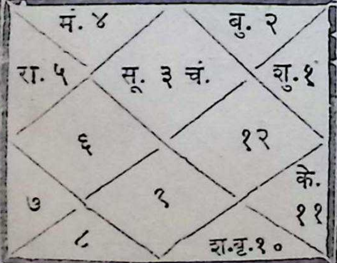

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.		तिथयः	२ बृ.		३ शु.		४ श.		५ र.		६ चं.		७ मं.		८ बु.		९ बृ.		१० शु.		११ श.		१२ र.		१३ च.		१४ मं.		१५बु.	
वृ. अं.	५	१४	मि.अं.	७	२४	७	२०	७	१६	७	१२	७	८	७	४	७	१	६	५६	६	५१	६	४७	६	४३	६	३९	६	३५	६	३१
मि. अं.	७	२८	क अं.	९	४२	९	३८	९	३४	९	३०	९	२६	९	२२	९	१८	९	१४	९	९	९	५	९	१	८	५७	८	५३	८	४९
क. अं.	९	४६	सिं.अं.	११	५५	११	५१	११	४७	११	४३	११	३९	११	३६	११	३१	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	६	११	२
सिं. अं.	१२	०	कं. अं.	२	१५	२	११	२	७	२	३	१	५९	१	५५	१	५२	१	४७	१	४२	१	३८	१	३४	१	३०	१	२६	१	२२
कं. अं.	२	१९	तु. अं.	४	३३	४	२९	४	२५	४	२१	४	१७	४	१३	४	१०	४	५	४	०	३	५६	३	५२	३	४८	३	४४	३	४०
तु. अं.	४	३७	वृ. अं.	६	५१	६	४७	६	४३	६	३९	६	३५	६	३१	६	२८	६	२३	६	१८	६	१४	६	१०	६	६	६	२	५	५८
राशयः	रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	६	५५	ध. अं.	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३६	८	३३	८	२८	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३
घ. अं.	९	०	म. अं.	१०	४१	१०	३७	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२१	१०	१८	१०	१३	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८
म. अं.	१०	४५	कुं. अं.	१२	११	१२	७	१२	३	११	५९	११	५५	११	५१	११	४८	११	४३	११	३८	११	३४	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८
कुं. अं.	१२	१५	मी.अं.	१	३८	१	३४	१	३०	१	२६	१	२२	१	१८	१	१५	१	१०	१	५	१	१	१२	७	१२	५३	१२	४९	१२	४५
मी. अं.	१	४२	मे. अं.	३	१४	३	१०	३	६	३	२	२	५८	२	५४	२	५१	२	४६	२	४२	२	३७	२	३३	२	२९	२	२५	२	२१
मे. अं.	३	१८	वृ. अं.	५	१०	५	६	५	२	४	५८	४	५४	४	५१	४	४६	४	४१	४	३७	४	३३	४	२९	४	२५	४	२१	४	१७

शु. ज्ये. शु. ९ गुरौ. इ. ४६।५८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	२	९	०	९	४	१०
७	३	१४	१२	२२	४	६	६
३५	१२	३५	३७	४	१	५२	५२
१४	९	१४	१२	३	५८	१४	१४
५६	३६	३० ४	५ ११	६०	३	३	३
५४	५७	व.	व.	२७	५०	११	११

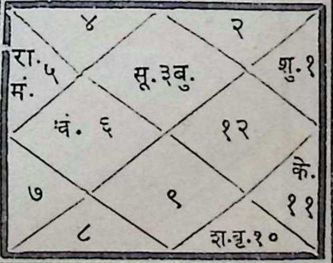

श्री शुभ संवत् २०१८ शके १८८३ आषाढ़ कृष्ण पक्षः । सौम्यायनगोलौ । जून २९ से जुलाई १२ तक।

१४

दि. मा.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		ओं. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घ.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३३	५४	१	बृ.	२३	३६	पू.	२०	३७	ऐं.	४६	५६	कौ.	२३	२६	तै.	४९	३२	धाता	२९	१५	१५	म.	३४	४१	५	१३	६	४७	२	१३	२२	१२	५६	५०
३३	५३	२	शु.	१५	१९	उ.	१६	५१	व.	३६	१३	ग.	१५	१९	व.	४१	३४	आनंद	३०	१६	१६				५	१४	६	४६	२	१४	१९	२	५६	५०
३३	५२	३	श.	७	३९	श्र.	११	२६	वि.	२६	२४	वि.	७	३९	वव	३/५९	४८/५७	स्थिर	१	१७	१७	कुं.	३८	५०	५	१४	६	४६	२	१५	१५	५२	५६	५०
३३	५२	५	र.	२/४८	१८/२७	ध.	४/५५	१५/१७	प्री.	१७	२६	कौ.	२०	७	तै.	४८	२७	मातंग	२	१८	१८				५	१४	६	४६	२	१६	१२	४२	५६	५०
३३	५१	६	चं.	४२	२१	पू.	५५	४१	आ.	९	१३	ग.	१५	२४	व.	४२	२१	मुसल	३	१९	१९	मी.	५०	१	५	१४	६	४६	२	१७	९	३२	५६	५०
३३	५०	७	मं.	३६	४१	उ.	५३	१५	सौ.	२/५६	९/११	वि.	९	३१	वव	३६	४१	सिद्धि	४	२०	२०				५	१४	६	४६	२	१८	६	२२	५६	५०
३३	४९	८	बु.	३४	२५	रे.	५२	२१	अ.	५१	१४	वा.	५	३१	कौ.	३४	२५	उत्पात	५	२१	२१	मे.	११	३६	५	१४	६	४६	२	१९	३	१२	५६	५०
३३	४८	९	बृ.	३२	१६	अ.	५२	२३	सु.	४७	३३	तै.	३	२०	ग.	३२	१६	मानस	६	२२	२२				५	१५	६	४५	२	२०	०	२	५६	५०
३३	४६	१०	शु.	३२	२१	भ.	५४	४५	धृ.	४४	४१	व.	२	१९	वि.	३२	२१	मुद्गर	७	२३	२३				५	१५	६	४५	२	२०	५६	५२	५६	५१
३३	४५	११	श.	३२	२५	कृ.	६०	०	शू.	४३	१४	व.	२	२२	वा.	३२	२५	ध्वज	८	२४	२४	वृ.	११	१५	५	१५	६	४५	२	२१	५३	४३	५६	५१
३३	४५	१२	र.	३४	१३	कृ.	०	४६	गं.	४२	३३	कौ.	३	२२	तै.	३४	१३	धूम्र	९	२५	२५				५	१६	६	४४	२	२२	५०	३४	५६	५२
३३	४२	१३	चं.	३७	२३	रो.	०	४९	वृ.	४२	५४	ग.	३	१०	व.	३७	२३	प्रवर्ध.	१०	२६	२६	मि.	३३	१९	५	१६	६	४४	२	२३	४७	२६	५६	५३
३३	४१	१४	मं.	३८	१५	मृ.	५	४९	ध्रु.	४३	३७	वि.	७	४८	श.	३८	१५	रक्ष	११	२७	२७				५	१६	६	४४	२	२४	४४	१९	५६	५४
३३	३९	३०	बु.	४६	१३	आ.	११	४१	व्या.	४४	५३	चं.	१२	१४	ना.	४६	१३	मुसल	१२	२८	२८				५	१६	६	४४	२	२५	४१	१३	५६	५५

उग्र कर्म मु. ।
भ. ४१।३४ उ. । वृषे शुक्रः ४३ ।४७ ।
जुलाई । भ. ७।३९ या. । दक्षिणस्यां यात्रा मु. ।
या. जय योगः ४।१५ या. ।
भ. ४२।२१ उ. । उत्तरा योगे या. जय योगः ।
भ. ९।३१ या.
पुनर्वसु भे रविः ५२।४७
बुधोदयः पूर्वस्याम् १३।२५ । प्राच्यां यात्रा मु.तिथि दानात् a
भ. २२।१९ उ. ३२।२१ या. । a स. सि. योगः ।
योगिनी ११ व्रतं सर्वेषाम् । bत्रयोदशीयोगे यायी जय मु. ।
पूर्वा फाल्गुनी भे भौमः ४०।१५ । मार्गी बुधः ५८।९ ।b
भ. ३७।२३ उ. । रोहिणी भे शुक्रः ३६।३९ । प्रदोषः ।c
भ. ७।४८ या. । c मृग भे दक्षिण यात्रा मु.। स. सि. योगः ।d
स्नानश्राद्धादौ । d मास शिवरात्रि व्रतम् ।

आ. कृ. १ गुरौ. इ. ४६।४७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	२	९	०	९	४	१०
१४	७	१०	१२	२८	४	६	६
१३	१३	३८	११	२०	६	३०	३०
१४	२२	१४	३९	९	५३	४८	३८
५६	३७	३६/४५	६/१४	६२	३	३	३
५०	२८	व.	व.	३६	९	११	११

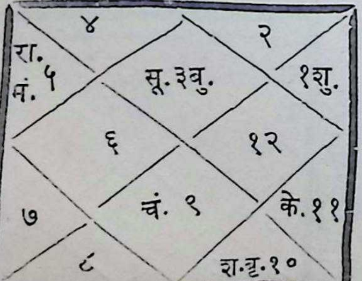

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.		२ शु.		३ श.		५ र.		६ चं.		७ मं.		८ बु.		९ बृ.		१० शु.		११ श.		१२ र.		१३ चं.		१४ मं.		१५ बु.	
मि. अं.	६	२७	६	२३	६	१८	६	१४	६	१०	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	४८	५	३४
क. अं.	८	४५	८	४१	८	३७	८	३२	८	२८	८	२४	८	२०	८	१६	८	१२	८	८	८	४	८	०	७	५६	७	५२
सिं. अं.	११	२	१०	५८	१०	५३	१०	४९	१०	४५	१०	४१	१०	३७	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२१	१०	१७	१०	१३	१०	९
कं. अं.	१	१८	१	१४	१	९	१	५	१	१	१२	५७	१२	५३	१२	४९	१२	४५	१२	४१	१२	३७	१२	३३	१२	२९	१२	२५
तु. अं.	३	३६	३	३२	३	२७	३	२३	३	१९	३	१५	३	११	३	७	३	३	२	५९	२	५५	२	५१	२	४७	२	४३
वृ. अं.	५	५४	५	५०	५	४५	५	४१	५	३७	५	३३	५	२९	५	२५	५	२१	५	१७	५	१३	५	९	५	५	५	१
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
ध. अं.	७	५९	७	५५	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	७	३०	७	२६	७	२२	७	१८	७	१४	७	१०	७	६
म. अं.	९	४४	९	४०	९	३५	९	३१	९	२७	९	२३	९	१९	९	१५	९	११	९	७	९	३	८	५९	८	५५	८	५१
कुं. अं.	११	१४	११	१०	११	५	११	१	१०	५७	१०	५२	१०	४९	१०	४५	१०	४१	१०	३७	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२१
मी. अं.	१२	४१	१२	३७	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५६	११	५२	११	४८
मे. अं.	२	१७	२	१३	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५२	१	४८	१	४४	१	४०	१	३६	१	३२	१	२८	१	२४
वृ अं.	४	१३	४	९	४	४	४	०	३	५६	३	५२	३	४८	३	४४	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४	३	२०

आ. कृ. ९ गुरौ. इ. ४६।५४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	२	९	१	९	४	१०
२०	११	८	११	६	४	६	६
५१	३१	२२	१६	१३	४	७	७
३९	३४	१९	१७	१४	५७	४९	४९
५६	३७	१७/५०	६/५६	६४	४	३	३
५०	२२	व.	व.	२९	२७	११	११

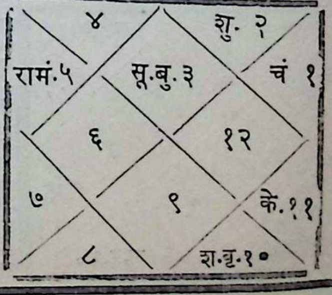

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		आ. स्पष्टसूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३३	३८	१	वृ.	५१	३३	पुन.	१६	२३	ह.	४६	४१	किं.	१८	५३	व.	५१	३३	सिद्धि	१३	२८	२८	क.	०	३३	५	१६	६	४४	२	२६	१०	२	५६	५५
३३	३६	२	शु.	५७	४१	पु.	३५	३३	व.	४८	५७	वा.	२४	२६	कौ.	५७	४१	उत्पात	१४	२९	२९				५	१७	६	४३	२	२७	७	३	५६	५६
३३	३४	३	श.	६०	०	श्ले.	३३	१९	सि.	५१	३४	तै.	३०	४६	ग.	६०	०	मानस	१५	१	३०	सिं.	३३	१९	५	१७	६	४३	२	२८	३	५६	५६	५७
३३	३३	३	र.	३	५३	म.	४०	४७	व्य.	५३	५५	ग.	३	५३	व.	३७	३	मुद्गर	१६	२	३१				५	१७	६	४३	२	२९	०	५६	५६	५८
३३	३१	४	चं.	१०	१३	पू.	४८	१४	व.	५६	१६	वि.	१०	१३	व.	४२	५९	ध्वज	१७	३	३२				५	१८	६	४२	३	२९	५७	५४	५७	०
३३	२९	५	मं.	१५	४५	उ	५४	५१	प.	५७	५९	वा.	१५	४५	कौ.	४७	१०	धाता	१८	४	१	कं.	४	६	५	१८	६	४२	३	०	५४	५४	५७	२
३३	२७	६	बु.	२०	३५	ह.	६०	०	शि.	५८	४६	तै.	२०	३५	ग.	५२	२५	आनन्द.	१९	५	२				५	१९	६	४१	३	१	५१	५६	५७	४
३३	२५	७	बृ.	२४	१२	ह	८	४१	सि.	५८	३१	व.	२४	१२	वि	५५	४	रक्ष	२०	६	३	तु.	३२	१	५	१९	६	४१	३	२	४९	०	५७	६
३३	२३	८	शु.	२५	५७	चि.	४	५३	सा.	५६	४४	व.	२५	५७	वा.	५५	३५	मुसल	२१	७	४				५	१९	६	४१	३	३	३६	६	५७	८
३३	२१	९	श.	२५	५३	स्वा	६	४६	शु.	५३	३५	कौ.	२५	५३	तै.	५४	५५	सिद्धि	२२	८	५	वृ.	५२	१९	५	२०	६	४०	३	४	४३	१४	५८	१०
३३	१८	१०	र.	२३	५७	वि.	७	३१	शु.	४८	४३	ग.	२३	५७	व.	५१	५५	उत्पात	२३	९	६				५	२०	६	४०	३	५	४०	२४	५७	१२
३३	१६	११	चं.	१९	५३	अ.	५	३३	ब्र.	४२	१४	त्रि.	१९	५३	व.	४६	५५	वज्र	२४	१०	७				५	२१	६	३९	३	६	३७	३६	५७	१४
३३	१४	१२	मं.	१३	५७	ज्ये.	२ ५७	३३ १३	ऐं.	३४	२५	वा.	१३	५७	कौ.	४२	५	ध्वांक्ष	२५	११	८	ध.	२	३३	५	२१	६	३९	३	७	३४	५०	५७	१६
३३	१२	१३	बु.	६ ५२	१४ ५४	पू.	५०	४४	वै.	२५	११	तै.	६	१४	ग.	३२	४१	श्रीवत्स	२६	१२	९				५	२२	६	३८	३	८	३२	६	५७	१८
३३	९	१५	बृ.	४७	२५	उ.	४३	४	वि.	१५	६	वि.	१९	९	वव	४७	२५	सौम्य	२७	१३	१०	म.	५६	९	५	२३	६	३७	३	९	२९	२४	५७	२०

श्री शुभ संवत् २०१८ शके १८८३ आषाढ़ शुक्लपक्षः। सौम्यायनगोलौ। कर्कार्कतः याम्यायानम्। जुलाई १३से २७ तक।

स. सि. योगः या. जय योगश्च। अमृतसि० योगः १६।२३ a
चन्द्रदर्शनम्। उदीच्यां यात्रा मु.। a उ.। उदीच्यां यात्रा b
सफर। या. जय योगः। b मु. तिथिदानात्।
भ. ३७।३ उ.। वक्री उ. षा. भे ४ चरणे गुरुः ५०।५२।
भ. १०।१३ या.। कर्केऽर्कः ०।१५।

पुष्य भे रविः ५५।५६। पूर्व दक्षिण यात्रा मु. २०।३५ उ.।
भ. २४।१२ उ. ५५।४ या.। या. जय योगः ०।४१ या.।

मृगशिरा भे शुक्रः १२।४९। या. जय योगः ६।४६ या.।
भ. ५१।५५ उ.। एकादशी योगे यायी जय योगः।
भ. १९।५३ या.। हरिशयनी ११ व्रतं सर्वेषाम्। चातुर्मास्य d
पुनर्वसु भे बुधः २१।४७। तीक्ष्ण कर्म मु.। d व्रतारम्भः।
भ. ५९।५ उ.। उग्र कर्म मु.। c जय योगः।
भ. १९।९ या.। गुरु पूर्णिमा। गुरुव्यासयोः पूजनम्। यायी c

१५

आ. शु. १ चं. इ. ४६।४९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	२	९	१	९	४	१०
२७	१६	८	१०	१३	३	५	५
१३	१३	३८	२१	१	६	३०	३०
१७	१४	४४	९	१४	३४	४५	४५
५६	३७	३६ ४५	६ १४	२२	३	३	३
५५	२८	व.	व.	३५	९	११	११

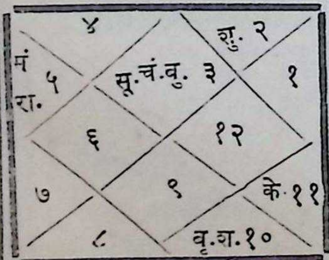

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१वृ.		२ शु.		३श.		३ र.		४ चं.		तिथयः	५ म.		६ बु.		७ बृ.		८ शु.		९ श.		१०र.		११च.		१२ म.		१३ बु.		१५वृ.	
मि. अं.	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८	५	१४	क. अं.	७	२८	७	२४	७	२०	७	१६	७	१२	७	८	७	४	७	०	६	५६	६	५३
क. अं	७	४८	७	४४	७	४०	७	३६	७	३२	सिं. अं.	९	४५	९	४१	९	३७	९	३३	९	२९	९	२५	९	२१	९	१७	९	१३	९	९
सिं. अं.	१०	५	१०	१	९	५७	९	५३	९	४९	कं. अं.	१२	१	११	५७	११	५३	११	४९	११	४५	११	४१	११	३७	११	३३	११	२९	११	२६
कं. अं.	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	५	तु. अं.	२	१९	२	१५	२	११	२	७	२	३	१	५९	१	५५	१	५१	१	४७	१	४४
तु. अं.	२	३९	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३	वृ. अं.	४	३७	४	३३	४	२९	४	२५	४	२१	४	१७	४	१३	४	९	४	५	४	२
वृ. अं.	४	५७	४	५३	४	४९	४	४५	४	४१	ध. अं.	६	४२	६	३८	६	३४	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१४	६	१०	६	७
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
ध. अं.	७	२	६	५८	६	५४	६	५०	६	४६	म. अं.	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५५	७	५२
म. अं.	८	४७	८	४३	८	३९	८	३५	८	३१	कुं. अं.	९	५७	९	५३	९	४९	९	४५	९	४१	९	३७	९	३३	९	२९	९	२५	९	२२
कुं. अं.	१०	१७	१०	१३	१०	९	१०	५	१०	१	मी. अं.	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२	११	८	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४९
मी. अं.	११	४४	११	४०	११	३६	११	३२	११	२८	मे. अं.	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२५
मे. अं.	१	२०	१	१६	१	१२	१	८	१	४	वृ. अं.	२	५६	२	५२	२	४८	२	४४	२	४०	२	३६	२	३२	२	२८	२	२४	२	२१
वृ. अं.	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०	मि. अं.	५	१०	५	६	५	२	४	५८	४	५४	४	५०	४	४६	४	४२	४	३८	४	३५

आ. शु. १५ चं. इ. ४६।३४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	२	९	१	९	४	१०
१०	२३	२३	८	२८	२	५	५
३८	७	४०	३१	११	३२	१	१
१४	३३	१५	१४	१४	१	२	२
५७	३८	८९	७	६८	४ ३६	३	३
२०	५६	१५	३४	३७	व.	१२	११

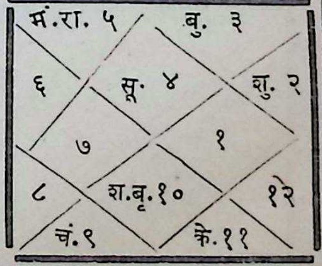

१६

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	७	१	शु.	३९	३१	श्र.	३४	३२	प्री.	$\frac{४}{५३}$	$\frac{३३}{४१}$	वा.	१२	३७	कौ.	३९	३१	धूम्र	२८	१४	११				५	२३	६	३७	३	१०	२६	४४	५७	२०
३३	४	२	श.	३१	४६	ध.	२७	४३	सौ.	४३	६	तै.	५७	३८	ग.	$\frac{३}{५८}$	$\frac{४६}{६}$	प्रवर्ध	२९	१५	१२	कुं.	१	२	५	२३	६	३७	३	११	२४	४	५७	२०
३३	२	३	र.	२४	३६	श.	२०	३६	शो.	३२	५७	वि.	२४	३६	व.	५०	१०	रक्ष	३०	१६	१३				५	२४	६	३६	३	१२	२१	२४	५७	२१
३२	५९	४	चं.	१५	४५	पू.	१४	२१	अ.	२४	६	वा.	१०	४५	कौ.	४०	४९	मुसल	३१	१७	१४	मी.	०	५४	५	२४	६	३६	३	१३	१८	४५	५७	२१
३२	५७	५	मं.	$\frac{६}{५३}$	$\frac{१३}{३७}$	उ.	१०	३५	सु.	१६	१३	तै.	४	१२	ग.	$\frac{३३}{५०}$	$\frac{४३}{५०}$	सिद्धि	१	१८	१५				५	२५	६	३५	३	१४	१६	६	५७	२१
३२	५४	७	बु.	५६	५२	रे.	६	१२	धृ.	९	५१	वि.	२६	११	व.	५६	५२	उत्पा.	२	१९	१६	मे.	६	१२	५	२५	६	३५	३	१५	१३	२७	५७	२२
३२	५१	८	बृ.	५५	४६	अ.	७	१७	शू.	४	४७	वा.	२६	१०	कौ.	५५	४६	मानस	३	२०	१७				५	२६	६	३४	३	१६	१०	४९	५७	२२
३२	४८	९	शु.	५६	३३	भ.	६	५३	गं.	$\frac{५}{५८}$	$\frac{१९}{३३}$	तै.	२६	१०	ग.	५६	३३	मुद्गर	४	२१	१८	वृ.	२३	२	५	२६	६	३४	३	१७	८	११	५७	२३
३२	४५	१०	श.	५७	२०	कृ.	१०	३६	ध्रु.	५८	४४	व.	२६	५६	वि.	५७	२०	ध्वज	५	२२	१९				५	२७	६	३३	३	१८	५	३४	५७	२४
३२	४२	११	र.	६०	०	रो.	१४	४७	व्या	५९	२२	वव	२९	५४	वा.	६०	०	धाता	६	२३	२०	मि.	४७	२६	५	२८	६	३२	३	१९	२	५८	५७	२४
३२	४०	११	चं.	२	३९	मृ.	२०	५	ह.	६०	०	वा.	२	२९	कौ.	३४	४३	आनन्द	७	२४	२१				५	२८	६	३२	३	२०	०	२२	५७	२५
३२	३७	१२	मं.	७	७	आ.	२६	१५	ह.	०	१७	तै.	७	७	ग.	३९	५९	चर	८	२५	२२				५	२९	६	३१	३	२०	५७	४७	५७	२५
३२	३४	१३	बु.	१२	५१	पु.	३३	२३	व.	२	११	व.	१२	५१	वि.	४५	४२	गद	९	२६	२३	क.	१६	३६	५	२९	६	३१	३	२१	५५	१२	५७	२६
३२	३१	१४	बृ.	१८	५३	पु.	५०	३९	सि.	४	१५	श.	१८	२३	च.	५१	३	शुभ	१०	२७	२४				५	३०	६	३०	३	२२	५२	३७	५७	२६
३२	२८	३०	शु.	२४	४६	श्ले.	४८	१७	व्य.	६	३७	ना.	२४	४६	किं.	५७	५३	मृत्यु	११	२८	२५	सिं.	४८	१७	५	३१	६	२९	३	२३	५०	१३	५७	२६

श्री शुभ संवत् २०१८ शके १८८३ श्रावण कृष्णपक्षः ।
याम्यायनम् । सौम्यगोलः । जुलाई २८ से अगस्त ११ तक ।
दक्षिण पूर्व यात्रा मु. । स. सि. योगः ।
भ. ५८।६ उ. मिथुने शुक्रः ३०।१२ । प्रतीच्यां यात्रा मु. ।
भ. २४।३६ या. । क्रूर कर्म मु. । a उग्रकर्म मु. ।
उत्तरा फाल्गुनी भे भौमः ४३।७ । कर्के बुधः ३९।१९ । a
अगस्त । भ. ५९।५० उ. । c मु. । स. सि. योगः ।
भ. २६।११ या. । पुष्ये बुधः २१।३९ । प्रतीच्यां यात्रा b
आर्द्रा भे शुक्रः ३९।१९ । तिथिदानात् प्राच्यां यात्रा c
b मु. श्लेषा भे रविः ७।९ । बुधास्तः पूर्वस्याम् ३१।१९ ।
भ. २६।५६ उ. ५७।२० या. । रोहिणी भे. स. सि. योगः ।
कन्या भे भौमः १०।९ ।
कामदा ११ व्रतं सर्वेषाम् । स. सि. योगः २०।५ या. ।
श्लेषा भे बुधः ५८।९ । प्रदोषः ।
भ. १२।५१ उ. ४५।४२ या. । मासशिवरात्रि व्रतम् ।
स. सि. अ. सि. योगः ।
स्नान दानादौ ३० ।

श्रावण कृ. ८ गुरौ. इ. ४६।२५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	३	९	२	९	४	१०
१७	२८	६	७	६	२	४	४
२७	२६	७	४५	४९	२	३८	३८
३४	३४	१४	१३	३५	१७	४७	४७
५७	३९	१२०	७	६९	१$\frac{४}{९}$	३	३
२२	१४	१३	४४	९	व.	११	११

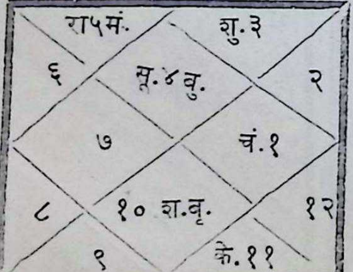

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.	२ श.	३ र.	४ चं.	५ मं.	७बु.	८ बृ.	९ शु.	१० श.	११ र.	११ चं.	१२ मं.	१३ बु.	१४ बृ.	३० शु
क. अं.	६ ४९	६ ४५	६ ४१	६ ३७	६ ३३	६ २९	६ २५	६ २२	६ १८	६ १४	६ १०	६ ६	६ २	५ ५९	५ ५६
सिं अं.	९ ६	९ २	८ ५८	८ ५४	८ ५०	८ ४६	८ ४२	८ ३९	८ ३५	८ ३१	८ २७	८ २३	८ १८	८ १६	८ १३
कं. अं.	११ २२	११ १८	११ १४	११ १०	११ ६	११ २	१० ५८	१० ५५	१० ५१	१० ४७	१० ४३	१० ३९	१० ३५	१० ३२	१० २९
तु. अं.	१ ४०	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २४	१ २०	१ १७	१ १४	१ ९	१ ५	१ १	१२ ५७	१२ ५३	१२ ५०	१२ ४७
वृ. अं.	३ ५८	३ ५४	३ ५०	३ ४६	३ ४२	३ ३८	३ ३४	३ ३१	३ २७	३ २३	३ १८	३ १५	३ ११	३ ८	३ ५
ध. अं.	६ ३	५ ५९	५ ५५	५ ५१	५ ४७	५ ४३	५ ३९	५ ३६	५ ३२	५ २८	५ २४	५ २०	५ १६	५ १३	५ १०
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
म. अं.	७ ४८	७ ४४	७ ४०	७ ३६	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २१	७ १७	७ १३	७ ९	७ ५	७ १	६ ५९	६ ५५
कुं. अं.	९ १८	९ १४	९ १०	९ ६	९ २	८ ५८	८ ५४	८ ५१	८ ४७	८ ४३	८ ३९	८ ३५	८ ३१	८ २८	८ २५
मी. अं.	१० ४५	१० ४१	१० ३७	१० ३३	१० २९	१० २५	१० २१	१० १८	१० १४	१० १०	१० ६	१० २	९ ५८	९ ५५	९ ५२
मे. अं.	१२ २१	१२ १०	१२ १३	१२ ९	१२ ५	१२ १	११ ५७	११ ५४	११ ५०	११ ४६	११ ४२	११ ३८	११ ३४	११ ३१	११ २८
वृ. अं.	२ १७	२ १३	२ ९	२ ५	२ १	१ ५७	१ ५३	१ ५०	१ ४६	१ ४२	१ ३८	१ ३४	१ ३०	१ २७	१ २४
मि. अं.	४ ३१	४ २७	४ २३	४ १९	४ १५	४ ११	४ ७	४ ४	४ ०	३ ५६	३ ५२	३ ४८	३ ४४	३ ४१	३ ३८

श्रावण कृ. १४ गुरौ. इ. ४६।१६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	५	३	९	२	९	४	१०
२४	२	२०	६	१४	१	४	४
९	४८	२२	५८	४८	२३	१६	१६
१३	४४	१७	१९	१९	५८	२३	२३
५७	३९	१२२	$\frac{७}{२४}$	७०	$\frac{४}{५}$	३	३
२६	३५	१३	व.	९	व.	११	११

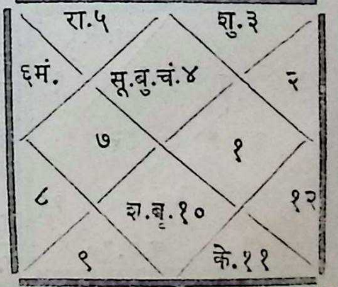

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३२	२५	१	श.	३१	१२	म.	५५	३६	व.	९	९	व.	३१	१२	वा.	६०	०	पद्म	१२	२९	२६				५	३१	६	२९	३	२४	४७	२९	५७	२८
३२	२२	२	र.	३४	४३	पू.	६०	०	प.	११	३४	बा.	३	४१	कौ.	३६	४३	छत्र	१३	३०	२७				५	३२	६	२८	३	२५	४४	५७	५७	३०
३२	१९	३	चं.	४१	४६	पू.	२	५१	शि.	१३	३९	तै.	९	१४	ग.	४१	४६	ध्वज	१४	१	२८	कं.	१९	३४	५	३२	६	२८	३	२६	४२	२९	५७	३२
३२	१५	४	मं.	४७	१३	उ.	९	४१	सि.	१५	१९	व.	१४	२४	वि.	४७	१३	धाता	१५	२	२९				५	३३	६	२७	३	२७	३९	५९	५७	३४
३२	१२	५	बु.	५०	५१	ह.	१५	४५	सा.	१६	१७	बव	१८	५७	वा.	५०	५१	आनंद	१६	३	३०	तु.	४८	१०	५	३४	६	२६	३	२८	३७	३३	५७	३६
३२	९	६	गु.	५२	१५	चि.	२०	३६	शु.	१५	३९	कौ	२२	२	तै.	५२	१५	चर	१७	४	३१				५	३४	६	२६	३	२९	३५	९	५७	३८
३२	६	७	शु.	५३	५३	स्वा	२४	१३	शु.	१४	५१	ग.	२३	३३	व.	५५	५३	गद	१८	५	१				५	३५	६	२५	४	०	३२	४७	५७	४०
३२	३	-८	श.	५३	३९	वि.	२६	११	ब्र.	१२	५६	वि.	३३	४५	बव	५३	३९	शुभ	१९	६	२	वृ.	२	१३	५	३५	६	२५	४	१	३०	२७	५७	४२
३१	५९	९	र.	५१	१५	अ.	२६	३९	ऐं.	९	३६	बा	२२	२५	कौ.	५१	१५	मृत्यु	२०	७	३				५	३६	६	२४	४	२	२८	९	५७	४४
३१	५६	१०	चं.	४६	३५	ज्ये.	२५	१५	वै.	४ ५४	५६ ४७	तै.	१८	५२	ग.	४६	३५	पद्म	२१	८	४	ध.	२५	१५	५	३७	६	२३	४	३	२५	५३	५७	४६
३१	५३	११	मं.	४१	१२	मू.	२१	५३	प्री.	५४	१३	व.	१३	४८	वि.	४१	१२	छत्र	२२	९	५				५	३७	६	२३	४	४	२३	३९	५७	४८
३१	४९	१२	बु.	३३	३३	पू.	१६	५४	आ.	४२	३१	बव	७	१२	वा.	३३ ५९	३३ २५	श्रीवत्स	२३	१०	६	म.	३०	१९	५	३८	६	२२	४	५	२१	२७	५७	५०
३१	४६	१३	गु.	२५	१८	उ.	१०	३३	सौ.	३२	३९	तै.	२४	१८	ग.	५२	३६	सौम्य	२४	११	७				५	३९	६	२१	४	६	१९	१७	५७	५२
३१	४३	१४	शु.	१७	५४	श्र	३ ५५	२५ २५	शो.	२२	७	व.	१४	५४	वि.	४३	२३	धूम्र	२५	१२	८	कुं.	३०	३३	५	४०	६	२०	४	७	१७	९	५७	५४
३१	३९	१५	श.	५ ८/५	५ ३/६	श.	४७	१६	अ.	११	१७	बव	५	५३	वा.	३४ ५९	२६ ५९	आनंद	२६	१३	९				५	४०	६	२०	४	८	१५	३	५७	५६
+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+ +	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+

श्रा शुभ सवत् २०१८ शक १८८३ श्रावण शुक्लपक्षः।
याम्यायनम्। सौम्यगोलः अगस्त १२ से २६ तक।

उग्र कर्म मु.। dपा. भे बुधः २३।७। पुत्रदा ११ व्रतं सर्वेषाम्।
चन्द्रदर्शनम्। वक्री उत्तराषाढ़ भे ३ चरणे गुरुः १६।९।a
रबीउल अव्वल या. जय योगः २।५१ उ.। a क्रूर कर्म मु.।
भ. १४।२४ उ. ४७।१३ या.। सिंहे बुधः २९।९। पुन. भे b
नागपञ्चमी। दक्षिण पूर्व यात्रा मु. स. सि. योगः। १५।४५
भ. सिंहेचार्कः२५।९। या.जय मु. ५३।५ .उ। b शुक्रः २१।९।
भ. ५५।५३ उ.।
भ. २३।४५ या.। दुर्गाष्टमी। अनु. भे प्राच्युदीच्यां यात्रा c
या. जय योगः २६।३९ या.। c मु.। तिथिदानात्।
तीक्ष्ण कर्म मु.।
भ. १३।४८ उ. ४१।१२ या.। हस्त भे भौमः २८।९। पू. d
कर्के शुक्रः ५४।९। प्रदोषः।
प्राच्यां यात्रा मु. श्रवण भे।
भ. १४।५४ उ. ४३।२३ या.। स. सि. योगः ३।२१ या.।
पुष्ये शुक्रः ४८।९। रक्षाबन्धनम्। श्रावणी कर्म।

श्रा. शु. ६ गुरौ. इ. ४६।४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	४	९	२	९	४	१०
०	७	४	६	२२	१	३	३
५१	१३	३६	७	५	८	५४	५४
३७	५६	१४	४९	१४	४४	१६	१६
५७	३९	११९	६ ३४	७८	३ ४५	३	३
३९	५४	१५	व.	४९	व.	११	११

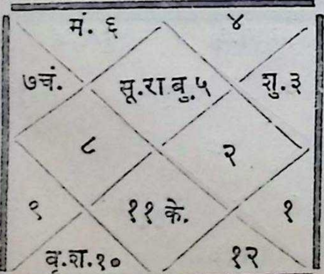

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.		२ र.		३ चं.		४ मं.		५ बु.		६ गु.	
क. अं.	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६	५	३२
सिं. अ.	८	९	८	५	८	१	७	५७	७	५३	७	४९
कं. अं.	१०	२५	१०	२१	१०	१७	१०	१३	१०	९	१०	५
तु. अं.	१२	४३	१२	३९	१२	३५	१२	३१	१२	२७	१२	२३
वृ. अं.	३	१	२	५७	२	५३	२	४९	२	४५	२	४१
ध. अं.	५	६	५	२	४	५८	४	५४	४	५०	४	४६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
म. अं.	६	५१	६	४७	६	४३	६	३९	६	३५	६	३१
कुं. अं.	८	२१	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	१
मी. अं.	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८
मे. अं.	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२	११	८	११	४
वृ. अं.	१	२०	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१	०
मि. अं.	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	३	१४

तिथयः	७ शु.		८श.		९ र.		१० चं.		११ मं.		१२ बु.		१३ गु.		१४ शु.		१५ श.	
सिं. अं.	७	४६	७	४३	७	३९	७	३५	७	३१	७	२७	७	२३	७	२०	७	१७
कं. अं.	१०	२	९	५९	९	५५	९	५१	९	४७	९	४३	९	३९	९	३६	९	३३
तु. अं.	१२	२०	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	५	१२	१	११	५७	११	५४	११	५१
वृ. अं.	२	३८	२	३५	२	३१	२	२७	२	२२	२	१९	२	१५	२	१२	२	९
ध. अं.	४	४३	४	४०	४	३६	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०	४	१७	४	१४
म. अं.	६	२८	६	२५	६	२१	६	१७	६	१३	६	९	६	५	६	२	५	५६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कुं. अं.	७	५८	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९	७	३५	७	३२	७	२९
मी. अं.	९	२५	९	२२	९	१८	९	१४	९	१०	९	६	९	२	८	५९	८	५५
मे. अं.	११	१	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४२	१०	३८	१०	३४	१०	३२
वृ. अं	१२	५७	१२	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३१	१२	२८
मि. अं.	३	११	३	८	३	४	३	०	२	५६	२	५२	२	४८	२	४४	२	४०
क. अं.	५	२९	५	२६	५	२२	५	१८	५	१४	५	१०	५	६	५	३	५	०

श्रा. शु. १३ गुरौ. इ. ४५।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	४	९	३	९	४	१०
८	११	१७	५	३	०	३	३
१४	३६	४६	२६	३	४५	३२	३२
१७	१६	३९	४१	१७	१	४	४
५७	४०	१११	५७	७१	३ ९	३	३
४२	११	२७	व.	२२	व	११	११

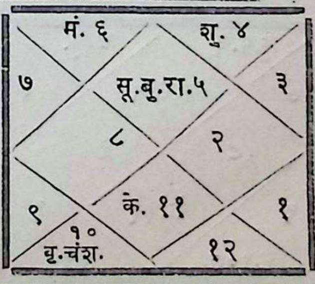

Jammu University, Balmeeki Campus, Kathua

दि. मा.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३१	३६	२	र.	४५	४४	पू.	४०	६	सु.	० ५७	४२ ५३	तै.	१७	२२	ग.	४५	४४	चर	२७	१४	१०	मी.	२६	५४	५	४१	६	१९	४	९	१२	५९	५७	५८
३१	३२	३	चं.	३७	३९	उ.	२३	५१	शू.	३९	३६	व.	११	४०	वि.	३७	३९	गद	२८	१५	११				५	४२	६	१८	४	१०	१०	५७	५८	०
३१	२९	४	मं.	३१	२७	रे.	२९	७	गं.	३२	११	व.	४	३३	वा.	३ ५९	२७ १२	शुभ	२९	१६	१२	मे.	२९	७	५	४२	६	१८	४	११	८	५७	५८	२
३१	२५	५	बु.	२६	५७	अ.	२६	२३	वृ.	२५	३६	तै.	२६	५७	ग.	५४	२४	मृत्यु	३०	१७	१३				५	४३	६	१७	४	१२	६	५९	५८	४
३१	२२	६	गु.	२४	३१	भ.	२५	२६	ध्रु.	२०	१५	व.	२४	३१	वि.	५४	३३	पद्म	३१	१८	१४	वृ.	४०	४९	५	४४	६	१६	४	१३	५	३	५८	६
३१	१८	७	शु.	२४	३५	कृ.	२६	५३	व्या	१६	५१	व.	२४	२५	वा	५५	२७	छत्र	१	१९	१५				५	४४	६	१६	४	१४	३	९	५८	८
३१	१५	८	श.	२६	१६	रो.	२९	१२	ह.	१५	१२	कौ.	२६	१६	तै.	५	१०	श्रीवत्स	२	२०	१६				५	४५	६	१५	४	१५	१	१०	५८	११
३१	११	९	र.	२३	३५	मृ.	३४	५६	व.	१४	५६	ग.	२९	३५	व.	६०	०	सौम्य	३	२१	१७	मि.	२	४	५	४६	६	१४	४	१५	५९	२८	५८	१३
३१	९	१०	चं.	३४	२९	आ.	३१	१३	सि.	१४	३४	व.	२	२	वि.	३४	२९	कालदं	४	२२	१८				५	४६	६	१४	४	१६	१७	४१	५८	१५
३१	४	११	मं.	४०	२५	पु.	४८	२९	व्य.	१६	१५	त्र.	७	२५	वा.	४०	२५	स्थिर	५	२३	१९	क.	३१	४०	५	४७	६	१३	४	१७	२५	५६	५८	१७
३१	१	१२	बु.	४६	३९	पु.	५५	४६	व.	१९	४१	कौ.	१३	२५	तै.	४६	३९	मातंग	६	२४	२०				५	४८	६	१२	४	१८	१४	१३	५८	१९
३०	५७	१३	गु.	५२	५७	श्ले	६०	०	प.	२२	४३	ग.	१९	४३	व.	५२	५७	अमृत	७	२५	२१				५	४९	६	११	४	१९	५२	३२	५८	२१
३०	५४	१४	शु.	५९	१६	श्ले.	३	३४	शि.	२४	४६	वि.	२६	१	श.	५९	१६	मृत्यु	८	२६	२२	सिं.	३	३४	५	४९	६	११	४	२०	५०	५३	५८	२४
३०	५०	३०	श.	६०	०	म.	११	१८	सि.	२७	१५	च.	३१	५७	ना	६०	०	पद्म	९	२७	२३				५	५०	६	१०	४	२१	४९	१७	५८	२६
३०	४६	३०	र.	४	४९	पू.	१७	५६	सा.	२९	१५	ना.	४	४९	कि.	३७	४६	छत्र	१०	२८	२४	कं.	३४	३३	५	५१	६	९	४	२२	४७	४३	५८	२८
+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+ +	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+

श्री शुभ सवत् २०१८ शके १८८३ भाद्रपद कृष्णपक्षः।
याम्यायनम्। सौम्यगोलः। अगस्त २७ से सितम्बर १० तक।

उग्र कर्म मु.। या. जय योगः ४०।६ उ.। b हलषष्ठी।
भ. ११।४० उ. ३७।३९ या.। मघा भे १ राहुः। धनिष्ठा a
उत्तरा फाल्गुनी भे बुधः ५०।९। dपुन. योगे या. जय मु.।
पूर्वा फाल्गुनी भे रविः ४४।३९। प्राच्यामुदीच्याम् यात्रा मु.।
भ. २४।३१ उ. ५४।३३ या.। कन्या भे बुधः ४५।३१। b
सितम्बर। श्रीकृष्णजन्माष्टमी व्रतं स्मार्तानाम्।
श्रीकृष्णजन्माष्टमीव्रतं वैष्णवानाम्। स. सि. योगः c
मृदु कर्म मु.। a भे ३ चरणे केतुः ३४।७। या. जय h
भ. २।२ उ. ३४।२९ या.। बुधोदयः पश्चिमायाम् १८।४६ d
जया ११ व्रतं सर्वेषाम्। दक्षिण यात्रा मु. ३१।४० या.।
हस्त भे बुधः ४८।२९। प्रतीच्यां यात्रा मु. तिथिदानात्।
भ. ५२।५७ उ.। श्लेषा भे शुक्रः ४।९। प्रदोषः। या. जय मु.
भ. २६।१ या.। तीक्ष्ण कर्म मु.। मास शिवरात्रिव्रतम्।
कुशोत्पाटिनी ३०। हुँ फट् मन्त्रेण। h मु. २३।५१ या.।
c २९।१२ या.।

भाद्रपद कृ. ६ गुरौ. इ. ४५।४१

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	५	९	३	९	४	१०
१४	१६	०	४	९	०	३	३
२०	११	०	५३	११	२५	९	९
२२	२९	३४	१५	२८	५४	४५	४५
५८	४०	१०४	३ २९	७१	३ ३३	३	३
६	२२	१३	व.	२३	व.	११	११

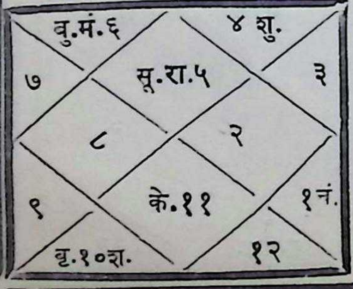

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	२ र.		३ चं.		४ मं		५बु.		६ग.		७शु.		८श.		९र.		१०चं.		११मं.		१२बु.		१३गु.		१४शु.		३०श.		३० र.	
सिं. अं.	७	१४	७	१०	७	६	७	२	६	५८	६	५४	६	५१	६	४७	६	४३	६	४०	६	३५	६	३१	६	२७	६	२५	६	२२
कं. अं.	९	३०	९	२६	९	२२	९	१८	९	१४	९	१०	९	७	९	३	८	५९	८	५५	८	५१	८	४७	८	४४	८	४१	८	३७
तु. अं.	११	४८	११	४	११	४०	११	३६	११	३२	११	२८	११	२५	११	२१	११	१७	११	१२	११	९	११	५	११	२	१०	५९	१०	५६
वृ. अं.	२		२	२	१	५८	१	५४	१	५०	१	४६	१	४३	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	२०	१	१७	१	१४
ध. अं.	४	११	४	७	३	५९	३	५५	३	५१	३	४८	३	४४	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२५	३	२२	३	१९	३	१६
म. अं.	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६	५	३३	५	२९	५	२५	५	२१	५	१७	५	१३	५	१०	५	७	५	४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कुं. अं.	७	२६	७	२२	७	१८	७	१४	७	१०	७	६	७	३	६	५९	६	५५	६	५१	६	४७	६	४३	६	४०	६	३७	६	३४
मी. अ.	८	५३	८	४९	८	४५	८	४१	८	३७	८	३३	८	३०	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०	८	७	८	४	८	१
मे. अं.	१०	२९	१०	२५	१०	२१	१०	१७	१०	१३	१०	९	१०	६	१०	२	९	५८	९	५४	९	५०	९	४६	९	४३	९	४०	९	३७
वृ. अं.	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	५	१२	२	११	५८	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२	११	३९	११	३६	११	३३
मि. अं.	२	३९	२	३		३१	२	२	२	२३	२	१९	२	१६	२	१२	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५३	१	५०	१	४७
क. अं.	४	५७	४	५३	४	४९	४	४५		४१	४	३७	४	३४	४	३०	४	२६	४	२	४	१८	४	१४	४	११	४	८	४	४

भाद्रपद कृ. १३ गुरौ. इ. ४५।२८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	५	९	३	९	४	१०
२१	२०	११	४	१७	०	२	२
१६	४३	१४	२७	३१	९	४७	४७
३५	१४	५१	१४	१८	४५	१५	१५
५८	४०	९४	३ २९	७२	१	३	३
२१	२५	३७	व.	१०	५७	११	११

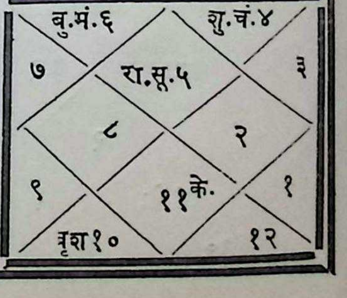

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३०	४३	१	चं.	१०	४३	उ.	२४	१३	शु.	३०	१९	व.	१०	४३	वा.	४२	२२	श्रीवत्स	११	२९	२५				५	५१	६	९	४	२३	४६	११	५८	३०
३०	३९	२	मं.	१४	५	ह.	२९	४५	शु.	३२	३९	कौ.	१४	५	तै.	४५	४९	सौम्य	१२	१	२६				५	५२	६	८	४	२४	४४	४१	५८	३२
३०	३६	३	बु.	१७	३३	चि.	३३	३६	ब्र.	३२	१२	ग.	१७	३३	व.	४८	३६	कालदं	१३	२	२७	तु.	१	४०	५	५३	६	७	४	२५	४३	१३	५८	३५
३०	३२	४	गु.	१९	३९	स्वा	३७	११	ऐं.	३१	१६	वि	१९	३९	बव	५०	८	स्थिर	१४	३	२८				५	५४	६	६	४	२६	४१	४८	५८	३७
३०	२८	५	शु.	२०	३७	वि.	४०	३६	वै.	२९	३३	वा.	२०	३७	कौ.	५०	३७	मातंग	१५	४	२९	वृ.	२४	४४	५	५४	६	६	४	२७	४०	५५	५८	३९
३०	२५	६	श.	२०	३७	अ.	४१	५४	वि.	२६	५७	तै.	२०	३७	ग.	४९	५४	अमृत	१६	५	३०				५	५५	६	५	४	२८	३९	३४	५८	४२
३०	२१	७	र.	१९	११	ज्ये.	४१	४३	प्री.	२३	१६	व.	१९	११	वि.	४८	५	काण	१७	६	३१	ध.	४१	४३	५	५६	६	४	४	२९	३८	१६	५८	४४
३०	१७	८	चं.	१६	३९	मू.	४०	३१	आ.	१८	३१	व.	१६	३९	वा.	४४	१४	लुम्ब	१८	७	१				५	५७	६	३	४	०	३७	०	५८	४६
३०	१४	९	मं.	११	४९	पू.	३७	४७	सौ.	१२	३६	कौ.	११	४९	तै.	३९	६	मित्र	१९	८	२	म.	५१	४२	५	५७	६	३	४	१	३५	४६	५८	४८
३०	१०	१०	बु.	६ ५३	२४ ५	उ.	३३	३६	शो.	५ ५३	५७ ३१	ग.	६	२४	व.	३२ ५०	५६ २९	वज्र	२०	९	३				५	५८	६	२	४	२	३४	३४	५८	५०
३०	६	१२	गु.	५१	३५	श्र.	२६	१३	सु.	४८	४५	व.	२२	१६	वा.	५१	३५	ंक्ष	२१	१०	४	कुं.	५३	४४	५	५९	६	१	४	३	३३	२४	५८	५३
३०	२	१३	शु.	४२	५३	ध.	२१	५६	धृ.	३९	१२	कौ.	१७	१२	तै.	४२	५३	धाता	२२	११	५				६	०	६	०	४	४	३२	१७	५८	५५
३०	०	१४	श.	३५	१९	श.	१५	१	शू.	२८	५१	ग.	८	३१	व.	३५	१९	आनंद	२३	१२	६	मी.	५४	३६	६	०	६	०	४	५	३१	१२	५८	५७
२९	५७	१५	र.	२६	४५	पू.	७	४७	गं.	१८	२६	वि.	१	२	व.	२६ ५३	४५ १	चर.	२४	१३	७				६	१	५	५९	४	६	३०	९	५९	०

श्री शुभ सवत् २०१८ शक १८८३ भाद्रपद शुक्ल पक्षः।
याम्यायनम् सौम्यगोलः। सितम्वर ११ से २४ तक।

चन्द्रदर्शनम्। चित्रा भे भौमः ३७।८। या. जय मु. १०।४३ या.
रवि उस्सानी। दक्षिण यात्रा मु.। f हरतालिका ३ व्रतम्
भ. ४८।३६ उ.। वक्री उत्तराषाढ़ मे १ चरणे शनिः ३३।१० a
भ. १९।३९ या.। गणेश ४। पञ्चमी योगे या. जय मु.।
ऋषि पञ्चमी। अनु. भे स. सि. योगः।
चित्रा भे शुक्रः ८।१९। उत्तर पश्चिम यात्रा मु.।
सं. कन्या भे रविः २१।३३। भ. १९।११ उ. ४८।५ या.। b
सिहे शुक्रः ५।२। a उत्तरा फाल्गुनी भे रविः २९।७। f
उग्र कर्म मु.। bमहालक्ष्मी व्रतारम्भः। मूल भे स. सि. योग।
भ. ३२।५६ उ. ५९।२९ या.। पद्मा ११ व्रतं स्मार्तानाम्। e
तुलायां भौमः ४५।१९। तुलायां बुधः १८।९। पद्मा ११b
प्रदोषः। चर कर्म मु.। e श्रवसि दक्षिण यात्रा मु.।
भ. ३५।१९ उ.। अनन्त १४ व्रतम्। dव्रतं वैष्णवानाम्।
महालयारम्भः। १।२ या.। उ. भा. भे स. सि. योगः।

भाद्रपद शु. ४ गु. इ. ४५।१६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	५	९	३	८	४	१०
२७	२५	२१	४	२६	२९	२	२
५५	१९	२६	१०	१	५८	२५	२५
१४	१४	३५	५२	२३	१	१३	१३
५८	४१	८३	२ ७	७२	२१ १	३	३
३७	७	२५	व	३४	व.	११	११

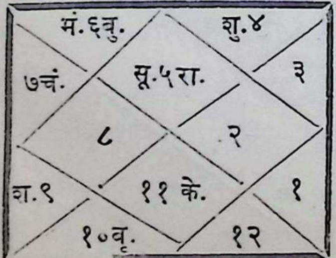

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.		२ मं.		३ बु.		४ गु.		५ शु.		६ श.		७ र.	
सिं. अं.	६	१९	६	१५	६	११	६	७	६	३	६	०	५	५७
कं. अं.	८	३५	८	३१	८	२७	८	२३	८	१९	८	१६	८	१३
तु. अं.	१०	५३	१०	४९	१०	४५	१०	४१	१०	३७	१०	३४	१०	३१
वृ. अं.	१	११	१	७	१	३	१२	५९	१२	५५	१२	५२	१२	४९
ध. अं.	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५७	२	५४
म. अं.	५	१	४	५७	४	५३	४	४९	४	४५	४	४२	४	३९
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कुं. अं.	६	३१	६	२७	६	२३	६	१९	६	१५	६	१२	६	९
मी. अं.	७	५८	७	५४	७	५०	७	४६	७	४२	७	३९	७	३६
मे. अं.	९	४	९	३०	९	२६	९	२२	९	१८	९	१५	९	१२
वृ. अं.	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	११	११	८
मि. अं.	१	४४	१	४०	१	३६	१	३२	१	२८	१	२५	१	२२
क. अं.	४	२	३	५८	३	५४	३	५०	३	४६	३	४३	३	४०

तिथयः	८ चं.		९ मं.		१० बु.		१२ गु.		१३ शु.		१४ श.		१५ र.	
क. अं.	८	१०	८	६	८	२	७	५८	७	५१	७	४८	७	४४
तु. अं.	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	९	१०	६
वृ. अं.	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२७	१२	२४
ध. अं.	२	५१	२	४७	२	४३	२	३९	२	३५	२	३२	२	२९
म. अं.	४	३६	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०	४	१७	४	१४
कुं. अं.	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४७	५	४४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मी. अं.	७	३३	७	२९	७	२५	७	२१	७	१७	७	१४	७	११
मे. अं.	९	९	९	५	९	१	८	५७	८	५३	८	५०	८	४७
वृ. अं.	११	५	११	१	१०	५७	१०	५३	१०	४९	१०	४६	१०	४३
मि. अं.	१	१९	१	१५	१	११	१	७	१	३	१	०	१२	५७
क. अं.	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५	३	२१	३	१८	३	१५
सिं. अं.	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८	५	३५	५	३२

भाद्रपद शु. १२ गु. इ. ४५।३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	५	६	९	४	८	४	१०
४	२९	०	४	४	२९	२	२
४५	५९	३३	२	२९	५२	२	२
१७	४७	४५	४०	२७	३७	३८	३८
५८	४१	७१	४० ०	७२	० ३३	३	३
४३	२१	७	व	५४	व	११	११

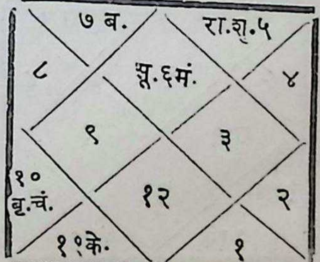

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अ.	फा.	ब.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घ.	मि.	सू. ज. घ.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतः क.	दि.	श्री शुभ सवत् २०१८ शके १८८३ आश्विन कृष्णपक्षः याम्यायनम् । सौम्यगोलः । सितम्बर २५ से अक्टूबर ९ तक।
२९	५२	१	चं.	१७	१७	उ.	द ७/१	२ ५५/१	वृ.	द ८/१	५ ४/४	कौ.	१७	१७	तै.	४३	१५	गद	२५	१४	८	मे.	५७	१६	६	२	५	५८	५	७	२३	७	५९	३	या. जय मु. ।
२९	४८	२	मं.	९	१३	अ.	५१	७	व्य	५१	२५	ग.	९	१३	व.	३६	२५	अमृत	२६	१५	९				६	२	५	५८	५	८	२८	१०	५९	६	भ. ३६।२५ उ. । स. सि. अ. सि. योगः । प्राच्यां यात्रा मु.।
२९	४४	३	बु.	द ३/६	३/१ ७/६	भ.	४८	१४	ह.	४७	३३	वि.	३	३७	वव	३/५ १/९	४/५ ५/३	काण	२७	१६	१०				६	३	५	५७	५	९	२७	१६	५९	८	भ. ३।३७ या. । स्वाती भे बुध ८।९ । मार्गी शनिः १२। a
२९	४१	५	गु.	५८	३३	कृ.	४७	४६	व.	३९	२६	कौ.	२७	१९	तै	५८	३३	लुम्ब	२८	१७	११	वृ.	३	६	६	४	५	५६	५	१०	२६	२४	५९	१०	
२९	३७	६	शु.	५८	४३	रो.	४९	२४	सि	३६	१२	ग.	२८	३३	व	५८	४३	मित्र	२९	१८	१२				६	५	५	५५	५	११	२५	३४	५९	१२	भ. ५८।४३ उ. । पूर्वाषाढ़ भे शुक्रः ४।९ । मार्गी गुरुः २८।९ ।
२९	३३	७	श.	६०	०	मृ.	५२	५७	व्य.	३२	३४	वि	३०	१८	व.	६०	०	वज्र	३०	१९	१३	मि.	२१	१०	६	५	५	५५	५	१२	२४	४८	५९	१४	भ. ३०।१८ या. । a ३९ । हस्त भे रविः ७।२५ ।
२९	३०	७	र.	१	५४	आ.	५८	१७	व.	३४	२६	व.	१	५४	वा.	३४	६	ध्वाक्ष	१	२०	१४				६	६	५	५४	५	१३	२४	२	५९	१६	अक्टूबर । स्वाती भे भौमः ४२।४ ।
२९	२६	८	चं.	६	१९	पु.	६०	०	प.	३५	१४	कौ.	६	१९	तै.	३९	७	धूम्र	२	२१	१५	क.	४८	१९	६	७	५	५३	५	१४	२३	१६	५९	१९	नवमी योगे या. जय योगः ।
२९	२२	९	मं.	११	५५	पु.	४	५९	शि.	३७	३६	ग.	११	५५	व.	४४	५७	स्थिर	३	२२	१६				६	८	५	५२	५	१५	२२	३५	५९	२१	मातृ नवमी । भ. ४४।५७ उ. ।
२९	१८	१०	बु.	१७	५९	पु.	१२	२५	सि.	३९	३५	वि.	१७	५९	वव	४१	१७	मातंग	४	२३	१७				६	८	५	५२	५	१६	२१	३६	५९	२३	भ. १७।५९ या. ।
२९	१५	११	गु.	२४	३५	श्ले.	२०	१६	सा.	४२	१३	वा	२४	३५	कौ.	५७	४६	अमृत	५	२४	१८	सिं.	२०	१६	६	९	५	५१	५	१७	२०	५९	५९	२५	इन्दिरा ११ व्रतं सर्वेषाम् । या. जय मु. २०।१६ या. ।
२९	११	१२	शु.	३०	५७	म.	२७	४३	शु.	४४	३१	तै.	३०	५७	ग.	६०	०	काण	६	२५	१९				६	१०	५	५०	५	१८	२०	२४	५९	२७	उग्र कर्म मु. । b शिवरात्रि व्रतम् ।
२९	७	१३	श.	३६	१३	पू.	३४	४७	शु.	४६	४७	ग.	३	३५	व.	३६	१३	लुम्ब	७	२६	२०	कं.	५०	३४	६	११	५	४९	५	१९	१९	४१	५९	१९	भ. ३६।१३ उ. । प्रदोषः । हस्ते दक्षिण यात्रा मु. । मास b
२९	४	१४	र.	४२	१३	उ.	४०	५३	ब्र.	४७	४७	वि.	९	७	श.	४२	१३	मित्र	८	२७	२१				६	११	५	४९	५	२०	१९	२०	५९	३२	भ. ९।७ या. । स. सि. योगः ।
२९	०	३०	चं.	४४	५१	ह.	४५	४६	ऐं.	४७	५६	च.	१३	३१	ना.	४४	५१	वज्र	९	२८	२२				६	१२	५	४८	५	२१	१८	५२	५९	३४	पितृविसर्जनम् । उत्तरा फाल्गुनी भे शुक्रः ५९।३ ।

आ. कृ. ५ गुरौ. इ. ४४।५०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	६	६	९	४	८	४	१०
११	४	८	४	१२	२९	१	१
३७	४६	८	१	४७	४७	३९	३९
४७	३४	१९	११	५६	११	३६	३६
५९	४१	५४	०	२३	०/७	३	३
१०	३७	७	१८	५२	भा.	११	११

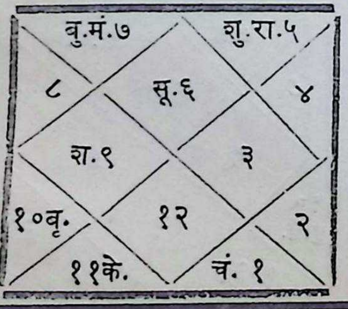

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.		२ मं.		३ बु.		५ बृ.		६ शु.		७ श.		७ र.		८ चं.		९ मं.		१० बु.		११ बृ.		१२ शु.		१३ श.		१४ र.		३० चं.	
कं. अं.	७	४४	७	४०	७	६	७	३२	७	२९	७	२६	७	२३	७	२०	७	१६	७	१२	७	८	७	४	७	०	६	५६	६	५३
तु. अं.	१०	२	९	५८	९	५४	९	५०	९	४७	९	४४	९	४१	९	३८	९	३४	९	३०	९	२६	९	२२	९	१८	९	४	९	१
वृ. अं.	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	५	१२	२	११	५९	११	५६	११	५२	११	४८	११	४४	११	४०	११	३६	११	१२	११	२९
ध. अं.		२५	२	२१	२	१७	२	१३	२	१०		७	२	४	२	१	१	५७	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७	१	३४
म. अं.	४	१०	४	६	४	२	३	५८	३	५५	३	५२	३	४९	३	४६	३	४२	३	३८	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२	३	१९
कुं. अं.	५	४०	५	३६	५	३२	५	२८	५	२५	५	२२	५	१९	५	१५	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५६	४	५२	४	४९
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मी. अं.	७	७	७	३	६	५९	६	५५	६	५२	६	४९	६	४६	६	३९	६	३५	६	३१	६	२७	६	२३	६	१९	६	१६	६	१२
मे. अं.	८	४२	८	३९	८	३५	८	३१	८	२८	८	२५	८	२२	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५५	७	५२
वृ. अं.	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२४	१०	२१	१०	१८	१०	१५	१०	११	१०	७	१०	३	९	५९	९	५५	९	५१	९	४८
मि. अं.	१२	५३	१२	४९	१२	४५	१२	४१	१२	३८	१२	३५	१२	३२	१२	२९	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१२	१२	९	१२	५	१	२२
क. अं.	३	११	३	७	३	३	२	५९	२	५६	२	५३	२	५०	२	५७	२	४३	२	३९	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३	२	२०
सिं. अं.	५	२८	५	२४	५	२०	५	१६	५	१३	५	१०	५	७	५	४	५	०	४	५६	४	५२	४	४८	४	४४	४	४०	४	३७

आ. कृ. ११ गु. इ. ४४।३७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	६	६	९	४	८	४	१०
१८	९	१३	४	२१	२९	१	१
३१	१८	२५	१५	३१	५४	१८	१८
१४	१७	१७	१	३४	११	१२	१२
५९	४१	२६	[illegible]	७३	द/६	३	३
१५	४८	४४	भा	३४	भा	११	११

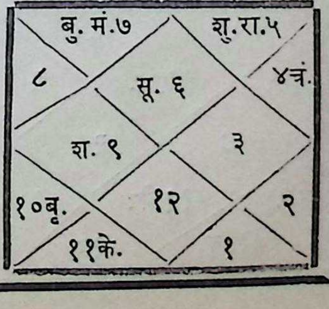

दि. मा.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२८	५७	१	मं.	४८	१४	चि.	४९	५४	वै.	४७	३७	किं.	१६	२७	बव	४८	१४	ध्वाक्ष	१०	२९	२३				६	१३	५	४७	५	२२	१८	२६	५९	३६
२८	५३	२	बु.	४८	३३	स्वा	५२	५५	वि	४६	१२	वा.	१८	१३	कौ.	४८	३३	धूम्र	११	३०	२४				६	१३	५	४७	५	२३	१८	-	५९	३९
२८	४९	३	गु.	४८	३५	वि.	५४	३४	प्री.	४३	३६	तै	१८	२७	ग.	४८	३५	प्रवर्ध	१२	१	२५	वृ.	३९	९	६	१४	५	४६	५	२४	१७	४१	५९	४२
२८	४६	४	शु.	४७	४५	अ.	५५	४५	आ.	४०	३३	व.	१८	७	वि.	४७	४५	रक्ष	१३	२	२६				६	१५	५	४५	५	२५	१७	२३	५९	४४
२८	४२	५	श.	४६	१९	ज्ये.	५५	४१	सौ.	३६	२६	व.	१६	५५	वा.	४६	१९	मुसल	१४	३	२७	ध.	५५	४१	६	१६	५	४४	५	२६	१७	७	५९	४७
२८	३८	६	र.	४३	३१	मू.	५४	४१	शो.	३२	१७	कौ.	१४	४५	तै.	४३	३१	सिद्धि	१५	४	२८				६	१६	५	४४	५	२७	१६	५४	५९	५०
२८	३५	७	चं.	४०	११	पू.	५२	५४	अ.	२६	३५	ग.	११	४१	व.	४०	११	उत्पा.	१६	५	२९				६	१७	५	४३	५	२८	१६	४४	५९	५२
२८	३१	८	मं.	३९	४७	उ.	५०	१६	सु.	२०	३८	वि.	९	५१	बव	३९	४७	मानस	१७	६	३०	म.	७	४५	६	१८	५	४२	५	२९	१६	३६	५९	५५
२८	२८	९	बु.	३०	३९	श्र.	४६	५१	धृ.	१४	१२	बा.	५	४	कौ.	३० ५७	३९ ३	छत्र	१८	७	१				६	१८	५	४२	६	०	१६	३१	५९	५७
२८	२४	१०	गु.	२४	३७	ध.	४२	३९	शू.	६ ५३	५६ १	ग.	२४	३७	व.	५१	२५	श्रीवत्स	१९	८	२	कुं.	१४	४५	६	१९	५	४१	६	१	१६	२८	५९	५९
२८	२१	११	शु.	१८	१४	श.	३७	४१	वृ.	५०	१७	वि.	१८	१४	व.	४४	३०	सौम्य	२०	९	३				६	२०	५	४०	६	२	१६	२७	६०	१
२८	१७	१२	श.	१०	४६	पू.	३२	१३	ध्रु.	४१	३३	वा.	१०	४६	कौ.	३७	१२	कालदं.	२१	१०	४	मी.	१८	३६	६	२१	५	३९	६	३	१६	२८	६०	३
२८	१४	१३	र.	३ ५५	३९ ३४	उ.	२६	४६	व्या	३३	१५	तै.	३	३९	ग.	३ ५९	२६ १३	स्थिर	२२	११	५				६	२१	५	३९	६	४	१६	३०	६०	६
२८	१०	१५	चं.	४९	४७	रे.	२१	३४	ह.	२३	४९	वि.	२१	१०	बव	४९	४७	मातंग	२३	१२	६	मे.	२१	३४	६	२२	५	३८	६	५	१६	३७	६०	८

श्री शुभ संवत् २०१८ शक १८८३ आश्विन शुक्ल पक्षः। याम्यायनम् सौम्यगोलः। तुलार्कतः याम्यगोलः अक्टूबर १० से २३ तक।

शारदीय नवरात्रारम्भः। चित्रा भे रविः ३८।९।
चन्द्रदर्शनम्। उत्तराषाढ़ भे २ चरणे मकरे च शनिः २०।९।
जमादिउल अव्वल। वक्री बुधः ४९।९। कन्या भे शुक्रःa
भ. १८।७ उ. ४७।४५ या.। तिथि दानात् उदीच्यां यात्रा मु.।
तीक्ष्ण कर्म मु.। d स्नानारम्भ। उत्तर पश्चिमौ यात्रा मु.।
सरस्वत्यावाहनम्। स. सि. योगः।
भ. ४०।११ उ.। भौमास्तं गतः ५३।९। b यात्रा मु.।
सं. तुलायामर्कः ४३।२५। भ. ९।५१ या.। महाष्टमी।
दुर्गा नवमी। तिथि दानात् दक्षिण यात्रा मु.। a ४०।९।
विजया १०। बुद्ध जयंती। भ. ५१।२५ उ.। प्रतीच्यां b
भ. १८।१४ या.। पापाङ्कुशा ११ व्रतं सर्वेषाम्।
विशाखा भे भौमः ९।५। प्रदोषः। c २६।४६ या.।
भ. ५९।१३ उ.। वक्री चित्रा भे बुधः १९।९। स. सि. योगःc
भ. २१।१० या.। कोजागरी १५। शरद् पूर्णिमा। कार्तिकd

आ. शु. ३ गुरौ इ. ४४।२४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	६	६	९	५	९	४	१०
२५	१४	१६	४	०	०	०	०
२७	२	३४	३७	६	२	५६	५६
१४	२४	५५	४२	१७	३	२८	२८
५९	४१	४ ३४	३	७३	१	३	३
४२	१२	व.	१८	३४	३९	११	११

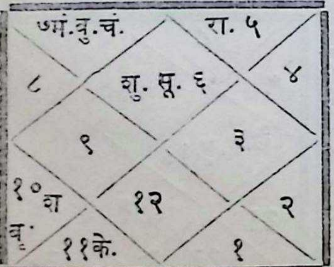

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.	२ बु.	३ बृ.	४ शु.	५ श.	६ र.	७ चं.	८ मं.	तिथयः	९ बु.	१० बृ.	११ शु.	१२ श.	१३ र.	१५ चं.
कं. अं.	६ ५०	६ ४६	६ ४२	६ ३८	६ ३४	६ ३०	६ २७	६ २४	तु. अं.	८ ३४	८ ३०	८ २६	८ २२	८ १९	८ १६
तु. अं.	९ ८	९ ०	८ ५६	८ ५२	८ ४८	८ ४५	८ ४२	८ ३८	वृ. अं.	१० ५६	१० ५२	१० ४८	१० ४४	१० ४०	१० ३७
वृ. अं.	११ २६	११ २२	११ १८	११ १४	११ १०	११ ६	११ ३	११ ०	ध. अं.	१ १	१२ ५७	१२ ५३	१२ ४९	१२ ४५	१२ ४२
ध. अं.	१ ३१	१ २७	१ २३	१ १९	१ १६	१ १२	१ ८	१ ५	म. अं.	२ ४६	२ ४२	२ ३८	२ ३४	२ ३०	२ २७
म. अं.	३ १६	३ १२	३ ८	३ ४	३ ०	२ ५७	२ ५३	२ ५०	कुं. अं.	४ १	४ १२	४ ८	४ ४	४ ०	३ ५७
कुं. अं.	४ ४६	४ ४२	४ ३८	४ ३४	४ ३०	४ २७	४ २३	४ २०	मी. अं.	५ ४	५ ३९	५ ३५	५ ३१	५ २७	५ २४
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मी.अं.	५ १	५ ९	५ ५	५ १	५ ५७	५ ५३	५ ५०	५ ४७	मे. अं.	७ १९	७ १५	७ ११	७ ७	७ ३	७ ०
मे. अं.	७ ४९	७ ४५	७ ४१	७ ३७	७ ३२	७ २९	७ २६	७ २३	वृ. अं.	९ १५	९ ११	९ ७	९ ३	८ ५८	८ ५६
वृ. अं.	९ ४५	९ ४१	९ ३७	९ ३३	९ २९	९ २५	९ २२	९ १९	मि. अं.	११ २९	११ २५	११ २१	११ १७	११ १३	११ १०
मि. अं.	११ ५९	११ ५५	११ ५१	११ ४७	११ ४३	११ ३९	११ ३६	११ ३३	क. अं.	१ ४७	१ ४३	१ ३९	१ ३५	१ ३१	१ २८
क. अं.	२ १७	२ १३	२ ९	२ ५	२ १	१ ५७	१ ५४	१ ५१	सिं. अं.	४ ४	४ ०	३ ५६	३ ५२	३ ४८	३ ४५
सिं. अं.	४ ३४	४ ३०	४ २६	४ २२	४ १८	४ १४	४ ११	४ ८	कं. अं.	६ २०	६ १६	६ १२	६ ८	६ ४	६ १

आ. शु. १० गुरौ इ. ४४।१२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा	के.
६	६	६	९	५	९	४	१०
२	११	१	५	८	०	०	०
२५	१	३४	५	४८	१४	३३	३३
१९	२५	१४	५८	१७	३७	१७	१७
५९	४२	७८ ३९	४	७३	२	३	३
५	१५	व.	३०	४४	२१	११	११

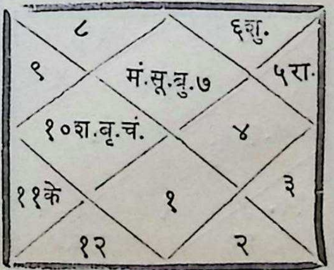

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	ब.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	आ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गा..: क.	वि.
२८	७	१	मं.	४४	१३	अ.	१७	६	व.	१०	४४	वा.	१०	५५	कौ.	४४	१३	अमृत	२४	१३	७				६	२३	५	३७	६	६	१६	४५	६०	१०
२८	४	२	बु.	३९	५६	भ.	१३	५१	सि.	८	३९	तै.	११	५९	ग.	३९	५६	काण	२५	१४	८	वृ.	४३	३	६	२३	५	३७	६	७	१६	५५	६०	१२
२८	०	३	गु.	३७	४५	कृ.	१२	१५	व्य.	५७	५७/२	व.	८	५१	वि.	३७	४५	लुम्ब	२६	१५	९				६	२४	५	३६	६	८	१७	७	६०	१४
२७	५७	४	शु.	३७	२४	रो.	१२	३७	प.	५०	१	वव	७	३४	वा.	३७	२४	मित्र	२७	१६	१०	मि.	४३	३९	६	२५	५	३५	६	९	१७	२१	६०	१६
२७	५३	५	श.	३९	१६	मृ.	१४	४१	शि.	५३	३६	कौ.	८	२०	तै.	३९	१६	वज्र	२८	१७	११				६	२५	५	३५	६	१०	१७	३७	६०	१९
२७	५०	६	र.	४३	१	आ.	१८	४९	सि.	५३	३३	ग.	११	८	व.	४३	१	ध्वांक्ष	२९	१८	१२				६	२६	५	३४	६	११	१७	५६	६०	२१
२७	४७	७	चं.	४८	१७	पु.	२४	३३	सा.	५४	३४	वि.	१५	३४	वव	४८	१७	धूम्र	३०	१९	१३	क.	८	७	६	२७	५	३३	६	१२	१८	१७	६०	२४
२७	४३	८	मं.	५४	१५	पु.	३१	३४	शु.	५६	२२	वा.	२१	६	कौ.	५४	१५	प्रवर्ध.	३१	२०	१४				६	२७	५	३३	६	१३	१८	४१	६०	२६
२७	४०	९	बु.	६०	०	श्ले	३९	४५	शु.	५८	२७	तै.	२७	२२	ग.	६०	०	रक्ष	१	२१	१५	सिं.	३९	४५	६	२८	५	३२	६	१४	१९	७	६०	२८
२७	३७	९	गु.	०	४७	म.	४६	१९	व.	६०	०	ग.	०	४७	व.	३४	१	मुसल	२	२२	१६				६	२९	५	३१	६	१५	१९	३५	६०	३०
२७	३४	१०	शु.	७	१४	पू.	५३	४४	ब्र.	१	३	वि.	७	४	वव	३९	४९	सिद्धि	३	२३	१७				६	२९	५	३१	६	१६	२०	५	६०	३३
२७	३०	११	श.	१२	४५	उ.	६०	०	ऐं	३	६	वा.	१२	४५	कौ.	४५	९	उत्पा.	४	२४	१८	क.	१०	१६	६	३०	५	३०	६	१७	२०	३८	६०	३५
२७	२७	१२	र.	१७	३४	उ.	०	३	वै.	४	२४	तै.	१७	३४	ग.	४९	९	मानस	५	२५	१९				६	३१	५	२९	६	१८	२१	३	६०	३७
२७	२४	१३	चं.	२०	४४	ह.	५	९	वि.	४	४९	व.	२०	४४	वि.	५२	२०	वज्र	६	२६	२०	तु.	३६	५८	६	३१	५	२९	६	१९	२१	४०	६०	३९
२७	२१	१४	मं.	२३	५७	चि.	८	४६	प्री.	४	३	श.	२३	५७	च.	५३	२६	ध्वांक्ष	७	२७	२१				६	३२	५	२८	६	२०	२२	१९	६०	४१
२७	१८	३०	बु.	२२	५६	स्वा	७	११	आ.	२	५०	ना.	२२/५४	५६/५६	कि.	५२	२१		८	२८	२२	वृ.	५६	५२	६	३२	५	२८	६	२१	२३	०	६०	४३

श्री शुभ सवत् २०१८ शके १८८३ कार्तिक कृष्णपक्षः।
याम्यायनगोलौ। अक्टूबर २४ से नवम्बर ८ तक।

स्वाती भे रविः १।९। स. सि. अ. सि. योगः।
dयमाय दीपदानम्। दक्षिण यात्रा मु.। मासशिवरात्रि व्रतम्।
भ. ८।५१ उ. ३७।४५ या.। रो. योगे या. जय मु.।
वक्री कन्यायां बुधः ५९।३९। कर्क ४ (करवा चौथ)।
बुधोदयः पूर्वस्याम् ५३।३५। दक्षिण पश्चिम यात्रा मु.।
भ. ४३।१ उ.। a केतुः २५।३७।
श्लेषा भे ४ चरणे कर्के च राहुः धनि. भे २ पादे मकरे च a
मार्गी बुधः ५९।५८। चित्रा भे शुक्रः २७।४९।
नवम्बर।
भ. ३४।१ उ.। क्रूर कर्म मु.। c दानात्।
भ. ७।४ या.। उ. षा. भे ४ चरणे गुरुः ३८।९। उग्रb
वृश्चिके भौमः २४।५२। गोवत्स द्वादशी। b कर्म मु.।
तुलायां शुक्रः ५१।४४। प्रदोषः। प्राच्यां यात्रा मु. तिथिc
भ. २०।४४ उ. ५२।२० या.। विशाखा भे सूर्यः १९।५ ।d
तुलायां बुधः ३२।४७। दीपावली।
अन्नकूट गोवर्धन पूजा।

का. कृ. ३ गुरौ. इ. ४४।०

सू	मं	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	६	९	५	९	४	१०
९	२२	१	५	१७	०	०	०
२४	१३	२७	५२	२५	३२	११	११
४२	१७	१[illegible]	१३	४९	१५	३३	३३
६०	४२	$\frac{३८}{३९}$	५	७३	२	३	३
५४	३७	व.	३७	५६	५७	११	११

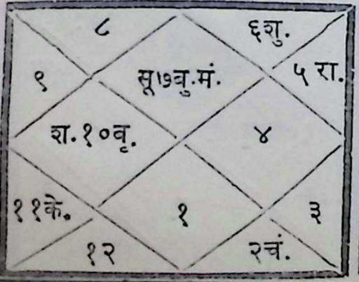

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.		२ बु.		३ गु.		४ शु.		५ श.		६ र.		७ चं.		८ मं.		९ बु.		९ गु.		१० शु.		११ श.		१२ र.		१३ चं.		१४ मं.		३० बु.	
तु. अं.	८	१६	८	१२	८	८	८	४	८	०	७	५६	७	५२	७	४८	७	४५	७	४१	७	३७	७	३३	७	२९	७	२५	७	२१	७	१७
वृ. अं	१०	३४	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	६	१०	३	९	५९	९	५५	९	५१	९	४७	९	४३	९	३९	९	३५
ध. अं.	१२	३९	१२	३५	१२	३१	१२	२७	१२	२३	२	१९	१२	१५	१२	११	१२	८	१२	४	१२	०	११	५६	११	५२	११	४८	११	४४	११	४०
म. अं.	२	२४	२	२०	२	१६	२	१२	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७	१	३३	१	२९	१	२५
कुं. अं.	३	५४	३	५०	३	४६	३	४२	३	३८	३	३४	३	३०	३	२६	३	२३	३	१९	३	१५	३	११	३	७	३	३	२	५९	२	५५
मी. अं.	५	२१	५	१७	५	१३	५	९	५	५	५	१	४	५७	४	५३	४	५०	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२
राशय	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मे. अं.	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४१	६	३७	६	३३	६	२९	६	२६	६	२२	६	१८	६	१४	६	१०	६	६	६	२	५	५८
वृ. अं.	८	५३	८	४९	८	४५	८	४१	८	३७	८	३३	८	२९	८	२५	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०	८	६	८	२	७	५८	७	५४
मि. अं.	११	७	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	५१	१०	४७	१०	४३	११	३९	१०	३	१०	३[illegible]	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८
क. अं.	१	२५	१	२१	१	१७	१	१३	१	९	१	५	१	१	१२	५७	१२	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२६
सिं. अं.	३	४२	३	३८	३	३४	३	२७	३	२६	३	२२	३	१८	३	१४	३	११	३	७	३	३	२	५९	२	५५	२	५१	२	४७	२	४३
कं. अं.	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८	५	३४	५	३०	५	२७	५	२३	५	१९	५	१५	५	११	५	७	५	३	४	५९

का. कृ. ९ गुरौ. इ. ४३।४८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	५	९	५	९	३	९
१६	२८	२७	६	२६	०	२९	२९
२५	४८	५६	३४	९	५४	४९	४९
४९	१२	३९	१४	१७	५४	२७	२७
६०	४२	२५	६	७३	३	३	३
३०	१२	३९	३४	५६	३८	११	११

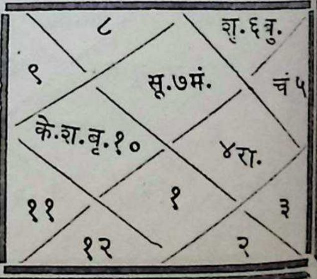

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	ब.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	ओ.१५८ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क	वि
२७	१५	१	गु.	२१	४७	वि.	१२	१५	शो.	५८	१२	व.	२१	४७	वा.	५०	५३	प्रवर्ध.	९	२९	२३				६	३३	५	२७	६	२२	२३	४२	६०	४५
२७	१२	२	शु.	१९	३९	अ.	१२	१	अ.	५०	२१	को.	१९	३९	तै.	४६	४१	रक्ष	१०	१	२४				६	३४	५	१६	६	२३	२४	२८	६०	४[illegible]
२७	९	३	श.	१३	४४	ज्ये.	१०	४८	सु.	४४	३६	ग.	१३	४४	व.	४३	२२	मुसल	११	२	२५	ध.	१०	४८	६	३४	५	२६	६	२४	२५	१६	६०	५०
२७	६	४	र.	१२	५३	मू.	८	५३	धृ.	३९	३	वि	१२	५३	वव	४०	५३	सिद्धि	१२	३	२६				६	३५	५	२५	६	२५	२६	६	६०	५२
२७	३	५	चं.	८	५३	पू.	६	४५	शू.	३३	१४	वा.	८	५३	कौ.	३६	४०	उत्पात	१३	४	२७	म.	२१	१	६	३५	५	२५	६	२६	२६	५८	६०	५४
२७	१	६	मं.	४ ५४	४४ ५३	उ.	३	५६	ग.	२५	३४	तै.	४	४४	ग.	३२ ५९	१० ३७	मानस	१४	५	२८				६	३६	५	२४	६	२७	२७	५२	६०	५७
२६	५८	८	बु.	५४	३९	श्र.	१ ५५	५० ४०	वृ.	१८	३१	वि.	२४	४६	व.	५४	३९	छत्र	१५	६	२९	कुं.	२९	४९	६	३६	५	२४	६	२८	२८	४९	६१	०
२६	५६	९	गु.	४९	२६	श.	५४	११	ध्रु.	११	१४	वा.	२२	३	कौ.	४९	२६	वज्र	१६	७	३०				६	३७	५	२३	६	२९	२९	४९	६१	२
२६	५३	१०	शु.	४४	१५	पू.	५०	३१	व्या	३ ५४	५७ ३६	तै.	१६	४६	ग.	४४	१५	ध्वांक्ष	१७	८	१	मी.	३६	२६	६	३७	५	२३	७	०	३०	५१	६१	४
२६	५०	११	श.	३८	४३	उ.	४६	३६	व.	४९	१७	व.	११	२४	वि.	३८	४३	धूम्र	१८	९	२				६	३८	५	२२	७	१	३१	५५	६१	६
२६	४८	१२	र.	३३	३५	रे.	४३	२३	सि.	४२	१५	ब.	६	४	वा.	३३	३५	प्रवर्ध	१९	१०	३	मे.	४३	२३	६	३८	५	२२	७	२	३३	१	६१	८
२६	४५	१३	चं.	२८	३३	अ.	४७	२४	व्य.	३५	३	कौ.	१	४	तै.	२८ ५५	३३ ५४	रक्ष	२०	११	४				६	३९	५	२१	७	३	३४	९	६१	११
२६	४३	१४	मं.	२४	१६	भ.	३७	३९	व.	२८	३५	ब.	२४	१६	वि.	५२	३४	मुसल	२१	१२	५	वृ.	५२	२२	६	३९	५	२१	७	४	३५	२०	६१	१३
२६	४०	१५	बु.	२०	५३	कृ	३६	३३	प.	२२	५५	ब.	२०	५३	वा.	५०	४	सिद्धि	२२	१३	६				६	४०	५	२०	७	५	३६	३२	६१	१५

श्री शुभ संवत् २०१८ शक १८८३ कार्तिक शुक्ल पक्षः।
याम्यायन गोलौ। नवम्बर ९ से २२ तक।

चन्द्रदर्शनं सम्भवः। अनुराधा भे भौमः ७।४९। अनु. भेa
जमादि उस्सानी। यम २। भ्रातृ द्वितीया। स. सि. योगःb
भ. ४३।२२ उ.। स्वाती भे बुधः ३।१३। स्वाती भे शुक्रःc
भ. १२।५३ या.। स. सि. योगः ८।५३। c ११।२९।
या. जय योगः ६।४५ उ. ८।५३ या.। b १२।१ या.।
भ. ५९।३७ उ.। दक्षिण यात्रा मु.। a स. सि. योगः।
भ. २४।४६ या.। गोपाष्टमी। तिथि दानात् दक्षिणयात्रा मु.।
सं. वृश्चिकेऽर्कः ३०।७। अक्षय नवमी।
उग्र कर्म मु.। d रेवती भे प्राच्यामुदीच्याम् यात्रा मु.।
भ. ११।२४ उ. ३८।४३ या.। प्रबोधिनी ११ व्रतं सर्वेषाम्d
अनुराधा भे रविः ३१।९। प्रदोषः।
विशाखा भे बुधः २०।३९। वैकुण्ठ १४।
भ. २४।१६ उ. ५२।३४ या.। विशाखा भे शुक्रः ४८।३७।
स्नानदानादौ १५।

का. शु. १ गुरौ इ. ४३।३७

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	७	६	९	६	९	३	९
२३	३	५	७	४	१	२९	२९
२८	४६	३	२७	५२	२०	२७	२७
३२	१	५७	४८	३९	१५	१४	१४
६०	४३	७३	७	७४	४	३	३
४५	१२	३२	४८	२	२०	११	११

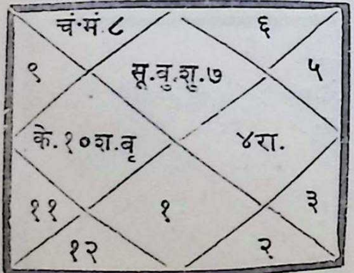

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.	२ शु.	३ श.	४ र.	५ चं.	६ मं.	८ बु.	९ बृ.
तु. अं.	७ १३	७ ९	७ ५	७ १	६ ५७	६ ५३	६ ४९	६ ४५
वृ. अं.	९ ३१	९ २७	९ २३	९ १९	९ १५	९ ११	९ ७	९ ४
ध. अं.	११ ३६	११ ३२	११ २८	११ २४	११ २०	११ १६	११ १२	११ ९
म. अं.	१ २१	१ १७	१ १३	१ ९	१ ५	१ १	१२ ५७	१२ ५४
कुं. अं.	२ ५१	२ ४७	२ ४३	२ ३९	२ ३५	२ ३१	२ २७	२ २३
मी. अं.	४ १८	४ १४	४ १०	४ ६	४ २	३ ५८	३ ५४	३ ५१
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मे. अं.	५ ५४	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३८	५ ३४	५ ३०	५ २७
वृ. अं.	७ ५०	७ ४६	७ ४२	७ ३८	७ ३४	७ ३०	७ २६	७ २२
मि. अं.	१० ४	१० ०	९ ५६	९ ५२	९ ४८	९ ४४	९ ४	९ ३८
क. अं.	१२ २२	१२ १८	१२ १४	१२ १०	१२ ६	१२ २	११ ५८	११ ५४
सिं. अं.	२ ३८	२ ३४	२ ३१	२ २७	२ २३	२ १९	२ १५	२ १२
कं. अं.	४ ५५	४ ५१	४ ४७	४ ४३	४ ३९	४ ३५	४ ३१	४ २८

तिथयः	१० शु.	११ श.	१२ र.	१३ चं.	१४ मं.	१५ बु.
वृ. अं.	९ ०	८ ५५	८ ५१	८ ४७	८ ४३	८ ३९
ध. अं.	११ ४	११ ०	१० ५६	१० ५२	१० ४८	१० ४४
म. अं.	१२ ५०	१२ ४५	१२ ४१	१२ ३७	१२ ३३	१२ २९
कुं. अं.	२ १९	२ १५	२ ११	२ ७	२ ३	१ ५९
मी. अं.	३ ४६	३ ४२	३ ३८	३ ३४	३ ३०	३ २६
मे. अं	५ २२	५ १८	५ १४	५ १०	५ ६	५ २
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ. अं.	७ १८	७ १४	७ १०	७ ६	७ २	६ ५८
मि. अं.	९ ३२	९ २८	९ २४	९ २०	९ १६	९ १२
क. अं.	११ ०	११ ४६	११ ४२	११ ३८	११ ३४	११ ३०
सिं. अं.	२ ७	२ ३	१ ५९	१ ५५	१ ५१	१ ४७
कं. अं.	४ २३	४ १९	४ १५	४ ११	४ ७	४ ३
तु. अं.	६ ४१	६ ३७	६ ३३	६ २९	६ २५	६ २१

का. शु. ९ गुरौ इ. ४३।२८

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	६	९	६	९	३	९
०	८	१४	८	१३	१	२९	२९
४२	५७	४३	२८	३७	४७	४	४
४२	३२	१५	३१	३६	५९	१५	१५
६०	४३	८९	८	७४	४	३	३
२	३२	३७	३९	७	४९	११	११

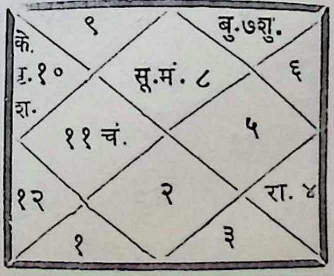

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	ब.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		आ. स्पष्टसूर्यः				गतिः		श्री शुभ संवत् २०१८ शके १८८३ मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः। याम्यायन गोलौ। नवम्बर २३ से दिसम्बर ७ तक।
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	
२६	३८	१	गु.	१९	१६	रो.	३६	३९	शि.	१८	७	कौ.	१९	१६	तै.	४९	०	उत्पात	२३	१४	७				६	४०	५	२०	७	६	३७	४८	६१	१७	बुधास्तः पूर्वस्याम् १।९।
२६	३६	२	शु.	१८	४४	मृ.	३७	५९	सि.	१४	५५	ग.	१८	४४	व.	४९	३२	मानस	२४	१५	८	मि.	७	१९	६	४१	५	१९	७	७	३९	५	६१	२०	भ. ४९।३२ उ.। दक्षिण पश्चिम यात्रा मु.।
२६	३५	३	श.	२०	२१	आ.	४१	१६	सा.	१२	५६	वि.	२०	२१	बव	५१	५८	मुद्गर	२५	१६	९				६	४१	५	१९	७	८	४०	२५	६१	२२	भ. २०।२१ या.।
२६	३०	४	र.	२३	३७	पुन	४५	५१	शु.	११	४७	वा.	२३	३१	कौ.	५५	५८	ध्वज	२६	१७	१०	क.	२९	४३	६	४२	५	१८	७	९	४१	४७	६१	२४	ज्येष्ठा भे भौमः ४९।९। या. जय. मु.२३।३७ उ.। वृश्चिके e
२६	३०	५	चं.	२८	१९	पु.	५२	३४	शु.	१२	११	तै.	२८	१९	ग.	६०	०	धाता	२७	१८	११				६	४२	५	१८	७	१०	४४	११	६१	२६	स. सि. योगः ५२।३४ या.। उत्तर पश्चिमौ यात्रा मु.।
२६	३०	६	मं.	३३	५१	श्ले.	५९	१४	व्र.	१३	३९	ग.	१	५	व.	३३	५१	आनंद	२८	१९	१२	सिं.	५९	१४	६	४२	५	१८	७	११	४५	३७	६१	२८	भ. ३३।५१ उ.। अनुराधा भे बुधः ४९।७। स. सि. योगः
२६	२५	७	बु.	४०	२१	म.	६०	०	ऐं.	१५	१६	वि.	७	६	बव	४०	२१	चँर	२९	२०	१३				६	४३	५	१७	७	१२	४७	५	६१	३१	भ. ७।६ या.। वृश्चिके शुक्रः ४६।७।
२६	२३	८	गु.	४६	४५	म.	६	५६	वै.	१७	३३	वा.	१३	३३	कौ.	४६	४५	मुसल	३०	२१	१४				६	४३	५	१७	७	१३	४८	३६	६१	३३	तीक्ष्ण कर्म मु.। eबुधः ४५।९। श्रवणे १ चरणे गुरुः १०।७।
२६	२१	९	शु.	५२	४५	पू.	१४	१७	वि.	१९	४३	तै.	१९	४५	ग.	५२	४५	सिद्धि	१	२२	१५	कं.	३०	३३	६	४४	५	१६	७	१४	५०	९	६१	३५	दिसम्बर। उग्र कर्म मु.।
२६	१९	१०	श.	५७	४२	उ.	२१	१५	प्री.	२१	१५	व.	२५	१३	वि.	५७	४२	उत्पा.	२	२३	१६				६	४४	५	१६	७	१५	५१	४४	६१	३८	भ. २५।१३ उ. ५७।४२ या.। हस्त भे दक्षिण यात्रा मु.।
२६	१८	११	र.	६०	०	ह.	२६	५१	आ.	२२	१३	ब.	२९	२६	वा.	६०	०	मानस	३	२४	१७	तु.	५८	५३	६	४४	५	१६	७	१६	५३	१२	६१	४०	उ. षा. भे ३ चरणे शनिः ५४।९। हस्ते प्राच्यां यात्रा मु.।
२६	१६	११	चं.	१	१५	चि.	३०	५६	सौ.	२१	४६	वा	१	१५	कौ.	३२	१३	पद्म	४	२५	१८				६	४५	५	१५	७	१७	५४	५२	६१	४२	उत्पन्ना ११ व्रतं सर्वेषाम्।
२६	१४	१२	मं.	३	११	स्वा	३३	२६	शो.	२०	१७	तै.	३	११	ग.	३३	१४	ध्वज	५	२६	१९				६	४५	५	१५	७	१८	५६	३४	६१	४४	प्रदोषः। चर. कर्म मु.।
२६	१२	१३	बु.	३	१७	वि.	३४	११	अ.	१७	१५	व.	३	१७	वि.	३२	२०	धाता	६	२७	२०	वृ.	१८	५९	६	४५	५	१५	७	१९	५८	१८	६१	४६	भ. ३।१७ उ. ३२।२० या.। मासशिवरात्रि व्रतम्
२६	११	१४	गु.	१	२३	अ.	३३	३६	सु.	१२	३३	श.	१	२३	च.	२९ ५१	४७ ८०	आनन्द	७	२८	२१				६	४५	५	१५	७	२१	०	४	६१	४८	ज्येष्ठा भे बुधः १४।४७। स्नान श्राद्धादौ ३०।

मार्गशीर्ष कृ. १ गुरौ. इ. ४३।१९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	६	९	६	९	३	९
७	१३	२५	९	२२	२	२८	२८
३८	५१	२२	३६	२३	२५	४२	४२
३९	३७	५९	५१	३९	१	१७	१७
६१	४३	९४	९	७४	५	३	३
१७	४८	४८	३३	१९	३९	११	११

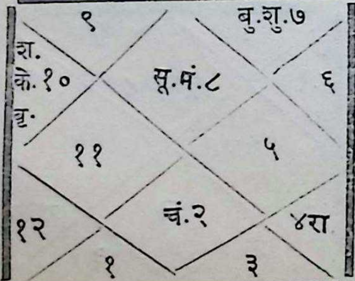

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.		२ शु.		३ श.		४ र.		५ चं.		६ मं.		७ बु.		८ बृ.		९ शु.		१०श.		११ र.		११ चं.		१२ मं.		१३ बु.		१४ बृ.	
वृ. अं.	८	३३	८	२९	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	०	७	५५	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४
ध. अं.	१०	३८	१०	३४	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	५	१०	०	९	५५	९	५१	९	४७	९	४३	९	३९
म. अं.	१२	२३	१२	१९	१२	१५	१२	११	१२	७	१२	३	११	५९	११	५५	११	५०	११	४५	११	४०	११	३६	११	३२	११	२८	११	२४
कुं. अं.	१	५४	१	५०	१	४५	१	४१	१	३७	१	३३	१	२९	१	२५	१	२०	१	१५	१	१०	१	६	१	२	१२	५८	१२	५४
मी. अं.	३	२०	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५६	२	५२	२	४७	२	४२	२	३७	२	३३	२	२९	२	२५	२	२१
मे. अं.	४	५६	४	५२	४	४८	४	४४	४	४०	४	३६	४	३२	४	२८	४	२३	४	१८	४	१३	४	९	४	५	४	१	३	५७
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	६	५२	६	४८	६	४४	६	४०	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	६	१९	६	१४	६	९	६	५	६	१	५	५७	५	५३
मि. अं.	९	६	९	२	८	५८	८	५४	८	५०	८	४६	८	४२	८	३८	८	३३	८	२८	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७
क. अं.	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२	११	८	११	४	११	०	१०	५६	१०	५१	१०	४६	१०	४१	१०	३७	१०	३३	१०	२९	१०	२५
सि. अं.	१	४१	१	३७	१	३३	१	२९	१	२५	१	२१	१	१७	१	१३	१	८	१	३	१२	५८	१२	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२
कं. अं.	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९	३	२४	३	१९	३	१४	३	१०	३	६	३	२	२	५८
तु. अं.	६	१५	६	११	६	७	६	३	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७	५	४२	५	३७	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०	५	१६

मार्गशीर्ष कृ. ८ गुरौ. इ. ४३।१

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	७	९	७	९	३	९
१४	१९	६	१०	०	३	२८	२८
४५	४३	२६	४९	११	१	२०	२०
१७	१९	३९	३५	३५	३९	१८	१८
६१	४४	९८	११	७४	६	३	३
३३	९	२१	३	३७	१३	११	११

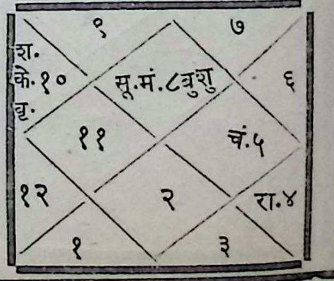

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	ब्रं.	च. रा. प्र. रा.	घं.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	ओ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	श्री शुभ संवत् २०१८ शके १८८३ मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः। याम्यायनगोलौ। दिसम्बर ८ से २१ तक।
२६	१०	१	शु.	५३	३६	ज्ये.	३१	१३	धृ.	६	५१	किं.	२५	११	व.	५३	३६	चर	८	२९	२२	ध.	३१	१३	६	४६	५	१४	७	२२	१	५२	६१	५०	तीक्ष्ण कर्म मु.।
२६	९	२	श.	४८	३१	मू.	२७	५५	शू.	० ५२	५५ ४६	वा.	२०	५८	कौ.	४८	३१	गद	९	३०	२३				६	४६	५	१४	७	२३	३	४२	६१	५१	चन्द्रदर्शनम्।
२६	९	३	र.	४२	३६	पू.	२४	१३	वृ.	४५	९	तै.	१५	२८	ग.	४२	३६	शुभ	१०	१	२४	म.	३८	१२	६	४७	५	१३	७	२४	५	३३	६१	५१	रज्जव। उत्तरा योगे या जय मु.।
२६	८	४	चं.	३६	३९	उ.	१९	४१	ध्रु.	३७	१६	व.	९	३७	वि	३६	३९	मृत्यु	११	२	२५				६	४७	५	१३	७	२५	७	२४	६१	५१	भ. ९।३७ उ. ३६।३९ या.।
२६	८	५	मं.	३०	५३	श्र.	१५	३५	व्या.	२९	६	ब.	३	४६	वा.	३० ५८	५३ ६	लुम्ब	१२	३	२६	कुं.	४७	४९	६	४७	५	१३	७	२६	९	१५	६१	५१	ज्येष्ठा भे शुक्रः ५९।४८। दक्षिण यात्रा मु.।
२६	७	६	बु.	२५	१९	ध.	११	५१	ह.	२१	३३	तै.	२५	१९	ग.	५२	४६	मित्र	१३	४	२७				६	४७	५	१३	७	२७	२१	१६	६१	५१	श्रवणे २ गुरुः ४६।७। चम्पाषष्ठी।
२६	७	७	बृ.	२०	१३	श.	८	१३	ब.	१४	१५	ब.	२०	३	वि.	४७	१८	वज्र	१४	५	२८	मी.	५०	४३	६	४७	५	१३	७	२८	१२	५७	६१	५१	भ. २०।३ उ.। ४७।१८ या.।
२६	६	८	शु.	१५	३	पू.	४	५३	सिं.	६	४६	ब.	१५	३	वा.	४२	५४	ध्वांक्ष	१५	६	२९				६	४७	५	१३	७	२९	१४	४८	६१	५१	सं. मूले धनुष्यर्कः ४५।१२। मूले धनुषि भौमः ४१।११ a
२६	५	९	श.	१०	४६	उ.	१ ५७	५९ ३०	व्य.	० ५३	५ ४६	कौ.	१०	४६	तै.	३९	१७	धूम्र	१६	७	१	मे.	५९	२९	६	४७	५	१३	८	०	१६	३९	६१	५१	या. जय मु. १।५९ या.। aधनुषि बुधः ३७।४४।
२६	५	१०	र.	७	४९	अ.	५७	४७	प.	४७	५९	ग.	७	४९	व.	३५	४२	आनंद	१७	८	२				६	४७	५	१३	८	१	१८	३०	६१	५१	भ. ३५।४२ उ.। स. सि. योगः।
२६	४	११	चं.	३	३६	भ.	५६	५५	शि.	४२	४३	वि.	३	३६	व.	३२	२२	चर	१८	९	३				६	४७	५	१३	८	२	२०	२१	६१	५१	भ. ३।३६ या.। मोक्षदा ११ व्रतं सर्वेषाम्।
२६	४	१२	मं.	५ ५८	८ १३	कृ.	५६	३१	सि.	३८	१३	वा.	१	८	कौ	२८ ५९	४ २१	गद	१९	१०	४	वृ.	११	४९	६	४७	५	१३	८	३	२२	१२	६१	५१	प्रदोषः। स. सि. योगः।
२६	४	१४	बु.	५८	४६	रो.	५७	१४	सा.	३४	१५	ग.	२८	३०	व.	५८	४६	शुभ	२०	११	५				६	४७	५	१३	८	४	२४	३	६१	५१	भ.५८।४६ उ.। पिशाचमोचन यात्रा (लोटाभंटा) स.सि.योगः
२६	४	१५	बृ.	५९	१२	मृ.	५९	१५	शु.	३१	११	वि.	२९	०	ब.	५९	१५	मृत्यु	२१	१२	६	मि.	२८	१४	६	४७	५	१३	८	५	२५	५४	६१	५१	भ. २९।० या.।

मा. शु. ७ गुरौ. इ. ४३।३२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	७	९	७	९	३	९
२९	२९	२८	१३	१८	४	२७	२७
२	१७	३०	३१	४९	१९	५५	५५
१५	२५	४४	५	३५	१९	१४	१४
२१	४४	१११	११	७४	६	३	३
४१	२५	४५	३७	२५	२८	११	११

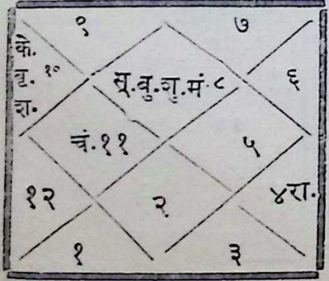

दैनिकलग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.		२ श.		३ र.		४ चं.		५ मं.		६ बु.		७ बृ.		८ शु.		तिथयः	९ श.		१० र.		११ चं.		१२ मं.		१४ बु.		१५ बृ.	
वृ. अं.	७	३०	७	२६	७	२१	७	१६	७	११	७	७	७	३	६	५९	ध. अं.	८	५९	८	५४	८	४९	८	४४	८	४०	८	३६
ध. अं.	९	३५	९	३१	९	२६	९	२१	९	१६	९	१२	९	८	९	४	म. अं.	१०	४४	१०	३९	१०	३४	१०	२९	१०	२५	१०	२१
म. अं.	११	२०	११	१६	११	११	११	६	११	१	१०	५७	१०	५३	१०	४९	कुं. अं.	१२	१४	१२	९	१२	५	१२	१	११	५६	११	५१
कुं. अं.	१२	५०	१२	४६	१२	४१	१२	३६	१२	३१	१२	२७	१२	२३	१२	१९	मी. अं.	१	४१	१	३६	१	३१	१	२६	१	२२	१	१८
मी. अं.	२	१७	२	१३	२	८	२	३	१	५८	१	५४	१	५०	१	४६	मे. अं.	३	१७	३	१२	३	७	३	३	२	५८	२	५४
मे. अं.	३	५३	३	४९	३	४४	३	३९	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२	वृ. अं	५	१३	५	८	५	३	४	५८	४	५४	४	५०
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	५	४९	५	४५	५	४०	५	३५	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८	मि. अं.	७	२७	७	२२	७	१७	७	१२	७	८	७	४
मि. अं.	८	३	७	५९	७	५४	७	४९	७	४४	७	४०	७	३६	७	३२	क. अं.	९	४५	९	४०	९	३५	९	३०	९	२६	९	२२
क. अं	१०	२१	१०	१७	१०	१२	१०	७	१०	२	९	५८	९	५४	९	५०	सिं अं.	१२	२	११	५७	११	५२	११	४७	११	४३	११	३९
सिं. अं.	१२	३८	१२	३४	१२	२९	१२	२४	१२	१९	१२	१५	१२	११	१२	७	कं. अं.	२	१८	२	१३	२	८	२	३	१	५९	१	५५
कं. अं.	२	५४	२	५०	२	४५	२	४०	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३	तु. अं.	४	३६	४	३१	४	२६	४	२१	४	१७	४	१३
तु. अं.	५	१२	५	८	५	३	४	५८	४	५३	४	४९	४	४५	४	४१	वृ. अं.	६	५४	६	४९	६	४४	६	३९	६	३५	६	३१

मा. शु. १५ गुरौ. इ. ४३।२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	८	८	९	७	९	३	९
६	४	९	१४	२७	५	२७	२७
११	२७	२२	५७	३७	८	१३	१३
१९	१४	३९	५३	१८	४८	३१	३१
६१	४४	१०१	१२	७४	६	३	३
५१	३७	१९	११	२७	४२	११	११

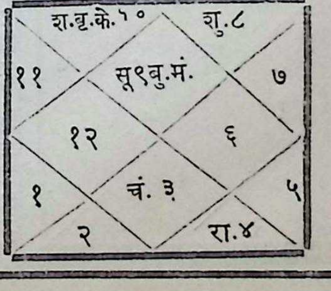

२६

दि.मा. घ	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्य. रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	४	१	शु.	६०	०	आ.	६०	०	शु.	२९	३७	वा.	३०	१५	कौ	६०	०	पद्म	२२	१३	७				६	४७	५	१३	८	६	२७	४५	६१	५०
२६	४	१	श.	१	१९	आ.	२	२७	ब्र.	२८	१६	कौ.	१	१९	तै.	३२	५५	मुद्गर	२३	१४	८				६	४७	५	१३	८	७	२९	३५	६१	४९
२६	४	२	र.	४	३२	पु.	७	३	ऐं.	२८	१५	ग.	४	३२	व.	३६	३७	ध्वज	२४	१५	९	क.	५१	२	६	४७	५	१३	८	८	३१	२४	६१	४८
२६	४	३	चं.	८	४३	पु.	१३	१६	वै.	२९	१६	वि.	८	४३	ब.	४१	२७	धाता	२५	१६	१०				६	४७	५	१३	८	९	३३	१२	६१	४७
२६	५	४	मं.	१४	१२	श्ले.	१९	४५	वि.	३०	५३	वा	१४	१२	कौ.	४७	२०	आनन्द	२६	१७	११	सिं.	१९	४५	६	४७	५	१३	८	१०	३४	५९	६१	४६
२६	५	५	बु.	२०	२८	म.	२७	६	प्री.	३२	५१	तै.	२०	२८	ग.	५३	४७	चर	२७	१८	१२				६	४७	५	१३	८	११	३६	४१	६१	४५
२६	६	६	बृ.	२७	६	पू.	३४	४५	आ.	३५	१३	व.	२७	६	वि.	६०	०	गद	२८	१९	१३	कं.	५१	३९	६	४७	५	१३	८	१२	३८	३०	६१	४३
२६	६	७	शु.	३३	३०	उ.	४२	१७	सौ.	३७	२१	वि	०	१८	व.	३३	३०	शुभ	२९	२०	१४				६	४७	५	१३	८	१३	३०	१४	६१	४३
२६	७	८	श.	३९	८	ह.	४८	३७	शो.	३८	३७	वा.	६	१६	कौ.	३९	८	मृत्यु	३०	२१	१५				६	४७	५	१३	८	१४	४१	५७	६१	४३
२६	८	९	र.	४३	१५	चि.	५४	५६	अ.	३९	११	तै.	११	८	ग.	४३	१५	पद्म	३१	२२	१६	तु.	२१	४६	६	४६	५	१४	८	१५	४४	४०	६१	४३
२६	९	१०	चं.	४५	४५	स्वा	५७	१७	सु.	३८	१९	व.	१४	३५	वि.	४५	४५	छत्र	१	२३	१७				६	४६	५	१४	८	१६	४६	२३	६१	४३
२६	१०	११	मं.	४६	४०	वि.	५८	५१	धृ.	३६	१४	व.	१६	१७	वा.	४६	४०	श्रीवत्स	२	२४	१८	वृ.	४३	३७	६	४६	५	१४	८	१७	४८	६	६१	४३
२६	११	१२	बु.	४४	१७	अ.	५८	३४	शू.	३२	१९	कौ.	१५	२८	तै.	४४	१७	सौम्य	३	२५	१९				६	४६	५	१४	८	१८	४९	४९	६१	४३
२६	१२	१३	बृ.	४१	४६	ज्ये.	५६	१६	गं.	२६	५०	ग.	१३	१	व.	४१	४६	कालदं.	४	२६	२०	ध.	५८	३४	६	४६	५	१४	८	१९	५१	३२	६१	४३
२६	१३	१४	शु.	३६	४७	मू.	५२	१७	वृ.	१९	५९	वि.	९	१९	श.	३६	४७	स्थिर	५	२७	२१				६	४५	५	१५	८	२०	५३	१५	६१	४३
२६	१४	३०	श.	३०	१३	पू.	४८	११	ध्रु.	११	५४	च.	३	३०	ना.	३०	१३	मातंग	६	२८	२२				६	४५	५	१५	८	२१	५४	५८	६१	४३

श्री शुभ संवत् २०१८ शके १८८३ पौष कृष्ण पक्षः । याम्यायन गोलौ । दिसम्बर २२ से जनवरी ६ सन् १९६२ ई. ।

f पूर्वस्याम् । १०।५ । उत्तराषाढ़ भे बुधः १४।९ ।
धनुषि शुक्रः ३८।५ पुन. भे प्रतीच्यां यात्रा मु.। a स. सि. योगः।
भ. ३६।३७ उ. । पूर्वाषाढ़ भे बुधः ६।९ । पुष्ये स. सि. योगः।
भ. ८।४३ या. । रात्रौ उत्तरपश्चिमायां यात्रा मु. । पुष्ये a
स. सि. योगः १९।४५ या. । b या. जय. मु.।
उग्र कर्म मु. । e यात्रा मु. तिथि दानात् ।
भ. २७।६ उ. । पूर्वाषाढ़ भे रविः ४२।३७ । उ. फा. योगे b
भ. ०।१८ या. । श्रवण भे ३ चर. गुरुः ४२।३९ । हस्ते प्राच्यां e
g योग. । सफला ११ व्रतं वैष्णवानाम् । प्रतीच्यां h
श्लेषा भे ३ चरणे राहुः धनि. भे १ चरणे केतुः १७।१ ।
जनवरी १९६२ ई. । भ. १४।३५ उ. ४५।४५ या. । शुक्रास्त f
पूर्वाषाढ़ भे भौमः २४।५३ । सफला ११ व्रतं स्मार्तानाम् ।
मकरे बुधः २४।१७ । पूर्वाषाढ़ भे शुक्रः ३६।४९ । स. सि. g
भ. ४१।४६ उ.। उत्तराषाढ़ भे ४ चरणे शनिः ११।९ । प्रदोषः h
भ. ९।१९ या । शस्तंगत ५४।१२ ।
h यात्रा मु. तिथि दानात् । मास शिवरात्रि व्रतम् ।

पौ. कृ. ६ गु. इ. ४३।३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	८	८	९	८	९	३	९
१३	९	२०	१६	६	५	२६	२६
२१	४६	४९	२७	२७	५५	५१	५१
५९	१७	१७	२८	२८	२९	५	५
६१	४४	१०१	१२	७४	७	३	३
४४	५६	५२	३२	१७	१	११	११

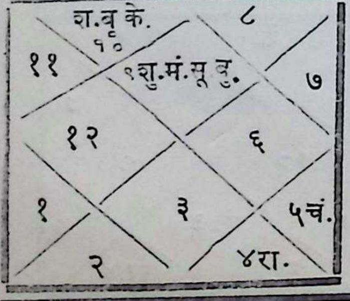

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.	१ श.	२ र.	३ चं.	४ मं.	५ बु.	६ बृ.	७ शु.	८ श.	९ र.	१० चं.	११ मं.	१२ बु.	१३ बृ.	१४ शु.	३० श.
ध. अं.	८ ३१	८ २७	८ २२	८ १८	८ १३	८ ९	८ ५	८ १	७ ५६	७ ५२	७ ४७	७ ४३	७ ३९	७ ३५	७ ३१	७ २७
म. अं.	१० १६	१० १२	१० ७	१० २	९ ५८	९ ५४	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३७	९ ३२	९ २८	९ २४	९ २०	९ १६	९ १२
कुं. अं.	११ ४६	११ ४२	११ ३७	११ ३२	११ २८	११ २४	११ २०	११ १६	११ ११	११ ७	११ २	१० ५८	१० ५४	१० ५०	१० ४६	१० ४२
मी. अं.	१ १३	१ ९	१ ४	१२ ५९	१२ ५५	१२ ५१	१२ ४७	१२ ४३	१२ ३९	१२ ३४	१२ २९	१२ २५	१२ २१	१२ १७	१२ १३	१२ ९
मे. अं.	२ ४९	२ ४५	२ ४०	२ ३५	२ ३१	२ २७	२ २३	२ १९	२ १५	२ १०	२ ५	२ १	१ ५७	१ ५३	१ ४९	१ ४५
वृ. अं.	४ ४५	४ ४१	४ ३६	४ ३१	४ २७	४ २३	४ १९	४ १५	४ ११	४ ६	४ १	३ ५७	३ ५३	३ ४९	३ ४५	३ ४१
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मि. अं	६ ५९	६ ५५	६ ५०	६ ४५	६ ४१	६ ३७	६ ३३	६ २९	६ २५	६ २०	६ १५	६ ११	६ ७	६ ३	५ ५९	५ ५५
क. अं.	९ १७	९ १३	९ ९	९ ४	८ ५९	८ ५५	८ ५१	८ ४७	८ ४३	८ ३८	८ ३३	८ २९	८ २५	८ २१	८ १७	८ १३
सिं. अं	११ ३४	११ ३०	११ २५	११ २०	११ १६	११ १२	११ ८	११ ४	११ ०	१० ५५	१० ५०	१० ४६	१० ४२	१० ३८	१० ३४	१० ३०
कं. अं.	१ ५०	१ ४६	१ ४१	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २४	१ २०	१ १६	१ ११	१ ६	१ २	१२ ५८	१२ ५४	१२ ५०	१२ ४६
तु. अं.	४ ८	४ ४	३ ५९	३ ५४	३ ५०	३ ४६	३ ४२	३ ३८	३ ३४	३ २९	३ २४	३ २०	३ १६	३ १२	३ ८	३ ४
वृ. अं.	६ २६	६ २२	६ १७	६ १२	६ ८	६ ४	६ ०	५ ५६	५ ५२	५ ४७	५ ४२	५ ३८	५ ३४	५ ३०	५ २६	५ २२

पौ. कृ. १३ गु. इ. ४३।६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	८	९	९	८	९	३	९
२०	१५	२	१७	१४	६	२६	२६
३१	३	९	३०	४२	४३	२९	२९
४४	३५	३७	३२	१२	४७	१८	१८
६१	४४	९८	१३	७४	७	३	३
४३	५२	३७	१	३३	८	११	११

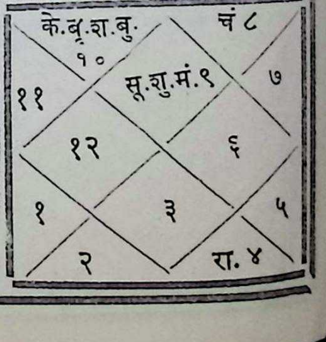

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	ब.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२६	१६	१	र.	२२	५२	उ.	४१	४१	व्या	३ ५२	५३ ४२	व.	२२	५२	वा.	४९	४	अमृत	७	२९	२३				६	४५	५	१५	८	२२	५६	४१	६१	४१
२६	१७	२	चं.	१५	१७	श्र.	३५	३९	व.	४४	६	कौ.	१५	१७	तै.	४१	२९	सिद्धि	८	१	२४				६	४५	५	१५	८	२३	५८	२२	६१	३९
२६	१९	३	मं.	७ ५२	२१ ३७	ध.	२९	४४	सि.	३४	४५	ग.	७	२१	व.	३३ ५९	३९ ५८	उत्पा.	९	२	२५	कुं.	२	४१	६	४४	५	१६	८	२५	०	११	६१	३७
२६	२०	५	बु.	५३	२१	श.	२४	३३	व्य	२५	४५	ब.	२२	५९	वा.	५३	२१	मानस	१०	३	२६				६	४४	५	१६	८	२६	१	४८	६१	३५
२६	२२	६	गु.	४७	२६	पू.	१९	५१	व.	१७	३७	कौ.	२०	२४	तै.	४७	२६	मुद्गर	११	४	२७	मी.	६	१	६	४४	५	१६	८	२७	३	२३	६१	३२
२६	२४	७	शु.	४२	३१	उ.	१६	१४	प.	९	४६	ग.	१४	५९	व.	४२	३१	ध्वज	१२	५	२८				६	४३	५	१७	८	२८	४	५५	६१	३०
२६	२६	८	श.	३८	५१	रे.	१३	३१	शि.	३ ५७	[illegible] २०	वि.	१०	४१	व.	३८	५१	धाता	१३	६	२९	मे.	१३	३१	६	४३	५	१७	८	२९	६	२५	६१	२८
२६	२९	९	र.	३६	१२	अ.	१२	१६	सा.	५२	३५	वा.	७	२६	कौ.	३६	१२	आनंद	१४	७	१				६	४२	५	१८	९	०	७	५५	६१	२६
२६	३०	१०	चं.	३४	३३	भ.	११	४१	शु.	४८	३४	तै.	५	१७	ग.	३४	३३	चर	१५	८	२	वृ.	२६	५२	६	४२	५	१८	९	१	९	२१	६१	२४
२६	३२	११	मं.	३४	१३	कृ.	१२	२७	शु.	४५	३६	व.	४	२८	वि	३४	१३	गद	१६	९	३				६	४२	५	१८	९	२	१०	४५	६१	२२
२६	३४	१२	बु.	३४	५६	रो.	१४	१६	ब्र.	४३	३६	व.	४	२९	वा.	३४	५६	शुभ	१७	१०	४	मि.	५९	४५	६	४१	५	१९	९	३	१२	७	६१	२१
२६	३६	१३	गु.	३७	२७	मृ.	१६	४३	ऐं.	४२	१७	कौ.	६	११	तै.	३७	२७	मृत्यु	१८	११	५				६	४१	५	१९	९	४	१३	२८	६१	२०
२६	३८	१४	शु.	३९	३१	आ.	२०	४६	वै.	४१	५३	ग.	८	१४	व.	३९	३१	पद्म	१९	१२	६	क.	३६	४५	६	४०	५	२०	९	५	१४	४८	६१	१९
२६	४१	१५	श.	४३	१४	पु.	२५	४३	वि.	४२	१३	वि.	११	१७	व.	४३	१४	छत्र	२०	१३	७				६	४०	५	२०	९	६	१६	७	६१	१८

श्री शुभ सवत् २०१८ शके १८८३ पौष शुक्ल पक्षः ।
याम्यायनम्। मकरार्कतः सौम्यायनम्। याम्यंगोलः। जनवरी e

चन्द्रदर्शनं सम्भवः। बुधोदयः पश्चिमायाम् ७।३। या. जयमु.।
शावान। उदीच्यां यात्रा मु.। e ७ से २० तक।
भ. ३३।३९ उ. ५९।५८ या.। श्रवणे बुधः २१।७।
उत्तराषाढ़ भे रविः ४४।१३।
उग्र कर्म मु.। a ४ चरणे गुरुः २९।७। भ. १०।४१ या.
भ. ४२।३१ उ.। रेवत्यां उदीच्यां यात्रा मु.।
मकरेऽर्कः ५२।३७। उत्तराषाढ़ भे शुक्रः ४९।५२। श्रवण भे a
स. सि. योगः। तिथि दानात् प्राच्यां यात्रा मु.।
y ११ व्रतं सर्वेषाम्। स. सि. योगः १२।२७ या.।
भ. ४।२८ उ. ३४।१३ या.। मकरे शुक्रः २३।५२। पुत्रदा y
स. सि. योगः १४।१६ या.। मृगे दक्षिण यात्रा मु. तिथि दानात्
धनिष्ठा भे बुधः ३९।९। प्रदोषः।
भ. ३९।३१ उ.। उत्तराषाढ़ भे भौमः ५५।७।
भ. ११।१७ या.। माघस्नानारम्भः। प्रतीच्यां यात्रा मु.।

पौ. शु. ६ गुरौ इ. ४३।११

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	८	९	९	८	९	३	९
२७	२०	१३	१९	२४	७	२६	२६
४०	२४	३३	३६	४	३२	६	६
३३	३४	१	४७	३६	२४	१४	१४
६१	४५	९४	१३	४७	७	३	३
३२	१३	७	१९	३७	१७	११	११

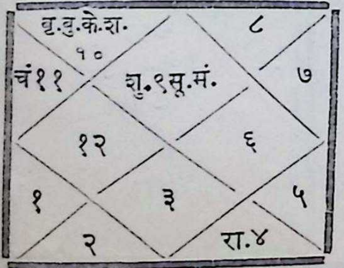

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.		२ चं.		३ मं.		५ बु.		६ बृ.		७ शु.		८ श.	
घ. अं.	७	२२	७	१८	७	१३	७	८	७	३	६	५९	६	५५
म. अं.	९	७	९	३	८	५८	८	५३	८	४८	८	४४	८	४०
कुं. अं.	१०	३७	१०	३३	१०	२८	१०	२३	१०	१८	१०	१४	१०	१०
मी. अं.	१२	४	१२	०	११	५५	११	५०	११	४५	११	४१	११	३७
मे. अं.	१	४०	१	३६	१	३१	१	२६	१	२१	१	१७	१	१३
वृ. अं.	३	३६	३	३२	३	२७	३	२२	३	१७	३	१३	३	९
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मि. अं.	५	५०	५	४६	५	४१	५	३६	५	३१	५	२७	५	२३
क. अं.	८	८	८	४	७	५९	७	५४	७	४९	७	४५	७	४१
सिं. अं.	१०	२५	१०	२१	१०	१६	१०	११	१०	६	१०	२	९	५८
कं. अं.	१२	४१	१२	३७	१२	३२	१२	२७	१२	२२	१२	१८	१२	१४
तु. अं.	२	५९	२	५५	२	५०	२	४५	२	४०	२	३६	२	३२
वृ. अं.	५	१७	५	१३	५	८	५	३	४	५९	४	५४	४	५०

तिथयः	९ र.		१० चं.		११ मं.		१२ बु.		१३ बृ.		१४ शु.		१५ श.	
म. अं.	८	३६	८	३१	८	२६	८	२१	८	१७	८	१३	८	९
कुं. अं.	१०	६	१०	१	९	५६	९	५१	९	४७	९	४३	९	३९
मी. अं.	११	३३	११	२८	११	२३	११	१८	११	१४	११	१०	११	६
मे. अं.	१	९	१	४	१२	५९	१२	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२
वृ. अं.	३	५	३	०	२	५५	२	५१	२	४६	२	४२	२	३८
मि. अं.	५	१९	५	१४	५	९	५	४	५	०	४	५६	४	५२
रा०	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
क. अं.	७	३७	७	३२	७	२८	७	२२	७	१८	७	१४	७	१९
सिं. अं.	९	५४	९	५०	९	४५	९	४०	९	३५	९	३१	९	२७
कं. अं.	१२	१०	१२	५	१२	०	११	५५	११	५१	११	४७	११	४३
तु. अं.	२	२८	२	२३	२	१८	२	१३	२	९	२	५	२	१
वृ. अं.	४	४६	४	४१	४	३६	४	३१	४	२७	४	२३	४	१९
ध. अं.	६	५१	६	४६	६	४१	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४

पौ. शु. १३ गुरौ इ. ४३।१८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	८	९	९	९	९	३	९
४	२५	२३	२१	२	८	२५	२५
४९	४६	२५	१३	५२	२१	४४	४४
३४	१७	५३	४८	१७	३९	१७	१७
६१	४५	७६	१३	७४	७	३	३
२०	१७	३४	२३	३७	२०	११	११

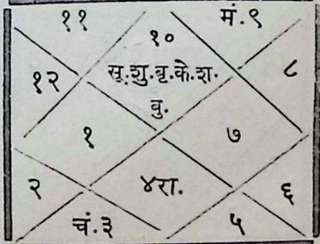

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औं. स्पष्ट सूर्यः				गतः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि
२६	४३	१	र.	४८	३४	पु.	३१	४१	प्री.	४३	१५	वा.	१५	४९	कौ.	४८	३४	श्रीवत्स	२१	१४	८				६	३९	५	२१	९	७	१७	२५	६१	१६
२६	४५	२	चं.	५३	५१	श्ले	३८	२१	आ.	४४	३४	तै.	२१	७	ग.	५३	५१	सौम्य	२२	१५	९	सिं.	३८	२१	६	३९	५	२१	९	८	१८	४१	६१	१५
२६	४८	३	मं	६०	०	म.	४५	४२	सौ.	४६	३६	व.	२७	०	वि.	६०	०	कालदं	२३	१६	१०				६	३८	५	२२	९	९	१९	५९	६१	१४
२६	५१	३	बु.	०	१९	पू.	५३	१५	शो.	४८	४७	वि.	०	१९	व.	३३	२८	स्थिर	२४	१७	११				६	३८	५	२२	९	१०	२१	१०	६१	१४
२६	५३	४	बृ.	६	३७	उ.	६०	०	अ.	५१	१५	वा.	६	३७	कौ.	३९	५६	मातंग	२५	१८	१२	कं.	१०	१०	६	३७	५	२३	९	११	२२	२४	६१	१३
२६	५५	५	शु.	१३	१६	उ.	०	५६	सु.	५२	५६	तै.	१३	१६	ग.	४६	४	शुभ	२६	१९	१३				६	३७	५	२३	९	१२	२३	३७	६१	१३
२६	५९	६	श.	१८	५३	ह.	८	३७	धृ.	५४	१३	व.	१८	५३	वि.	५२	२०	मृत्यु	२७	२०	१४	तु.	४१	२३	६	३६	५	२४	९	१३	२४	५०	६१	१२
२७	१	७	र.	२३	४४	चि.	१४	९	शू.	५४	१६	ब.	२३	४४	वा.	५५	२९	पद्म	२८	२१	१५				६	३६	५	२४	९	१४	२६	२	६१	११
२७	४	८	चं.	२७	१५	स्वा	१३	११	गं.	५३	२१	कौ.	२७	१५	तै.	५७	५१	छत्र	२९	२२	१६				६	३५	५	२५	९	१५	२७	१३	६१	१०
२७	७	९	मं.	२८	३७	वि.	३२	५	वृ.	५०	५५	ग.	२८	३७	व.	५८	२९	श्रीवत्स	३०	२३	१७	वृ.	७	११	६	३५	५	२५	९	१६	२८	२३	६१	९
२७	१०	१०	बु.	२८	२१	अ.	२३	१५	ध्रु.	४६	४४	वि.	२८	२१	व.	५७	७	सौम्य	३१	२४	१८				६	३४	५	२६	९	१७	२९	३२	६१	८
२७	१३	११	बृ.	२५	५४	ज्ये.	२२	१४	व्य.	४०	५६	वा.	२५	५४	कौ.	५३	४२	कालदं.	१	२५	१९	ध.	२२	१४	६	३३	५	२७	९	१८	२०	४०	६१	७
२७	१६	१२	शु.	२१	३३	मू.	१३	१६	ह.	३३	४३	तै.	२१	३३	ग.	४८	२४	स्थिर	२	२६	२०				६	३२	५	२८	९	१९	३१	४७	६१	६
२७	१९	१३	श.	१५	१५	पू.	१४	३९	व.	२४	३४	व.	१५	१५	वि.	४१	२१	मातंग	३	२७	२१	म.	२८	१०	६	३१	५	२९	९	२०	३२	५३	६१	४
२७	२२	१४	र.	७ ५५	२८ २४	उ.	८	३९	सिं.	१५	१६	श.	७	२८	च.	३३	४०	अमृत	४	२८	२२				६	३०	५	३०	९	२१	३३	५७	६१	२

श्री शुभ संवत् २०१८ शके १८८३ माघ कृष्ण पक्षः। सौम्यायनम् । याम्यगोलः । जनवरी २१ से फरवरी ४ तक।

स. सि. योगः ।

दारुण कर्म मु. ।

भ. २७।० उ. । श्रवण भे रविः ४६।५९ । उग्र कर्म मु. ।

भ. ०।१९ या. । मकरे भौमः ११।९ । श्रवणे शुक्रः २२।५ b

पञ्चमी योगे यायी जय योगः । b गणेश व्रतम् ।

हस्ते दक्षिण पूर्व यात्रा मु. । a भे १ पादे गुरुः ४२।५२ ।

भ. १८।५३ उ. ५८।२० या.। वक्री बुधः ४१।७ । धनिष्ठा a

स्वाती योगे या जय मु. ।

गुरुः अस्तं गतः २५।९ ।

भ. ५८।२९ उ. । बुधास्तः ३६।२७ पश्चिमायाम् ।

भ. २८।११ या. । प्रतीच्यां यात्रा मु. ।

फरवरी । श्रवणे १ चर. शनिः ४४।५७ । षट्तिला ११ व्रतंc

प्रदोषः । तीक्ष्ण कर्म मु. । c सर्वेषाम् ।

भ. १५।१५ उ. ४१।२१ या. । मास शिवरात्रि व्रतम् ।

धनिष्ठा भे शुक्रः २।९। स.सि.योगः८।३९या. । श्राद्धादौ ३० ।

मा. कृ. ४ गु. इ. ४३।२६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	९	९	९	९	९	३	९
११	१	२९	२२	१२	९	२५	२५
५९	१०	१२	५२	१	१२	२२	२२
१४	२७	२७	१७	१४	११	१७	१७
६१	४५	२९	१३	७४	७	३	३
१३	३७	३७	४४	३७	२१	११	११

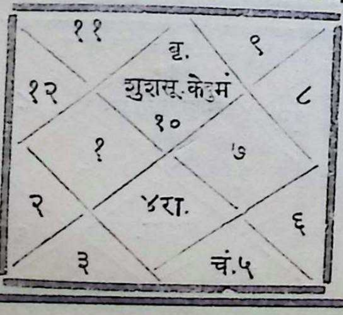

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.		२ चं.		३ मं.		३ बु.		४ बृ.		५ शु.		६ श.		७ र.		८ चं		९ मं.		१० बु.		११ बृ.		१२ शु.		१३ श.		१४ र.	
म. अं.	८	३	७	५९	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९	७	३५	७	३१	७	२७	७	२३	७	१९	७	१५	७	११	७	७
कुं. अं.	९	३३	९	२९	९	२५	९	२१	९	१५	९	१३	९	९	९	५	९	१	८	५७	८	५३	८	४९	८	४५	८	४१	८	३७
मी. अं.	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४
मे. अं.	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५६	११	५२	११	४८	११	४४	११	४०
वृ. अं.	२	३२	२	२८	२	२४	२	२०	२	१६	२	१२	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५२	१	४८	१	४४	१	४०	१	३६
मि. अं.	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	४	२	३	५८	३	५४	३	५०
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
क. अं.	७	४	७	०	६	५६	६	५२	६	४८	६	४४	६	४०	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	८
सिं. अं.	९	२१	९	१७	९	१३	९	९	९	५	९	१	८	५७	८	५३	८	४९	८	४५	८	४१	८	३७	८	३३	८	२९	८	२५
कं. अं.	११	३७	११	३३	११	२९	११	२५	११	२१	११	१७	११	१३	११	९	११	५	११	१	१०	५७	१०	५३	१०	४९	१०	४५	१०	४१
तु. अं.	१	५५	१	५१	१	४७	१	४३	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५	१	११	१	७	१	३	१२	५९
वृ. अं.	४	१३	४	९	४	५	४	१	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५	३	२१	३	१७
ध. अं.	६	१८	६	१४	६	१०	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२

मा. कृ. ११ गु. इ. ४३।३५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	९	९	९	९	९	३	९
१९	६	२७	२४	२०	९	२४	२४
७	३४	२९	३२	२८	५९	५९	५९
५५	५९	१४	१४	५१	१३	५७	५७
६१	४६	६५ १२	१३	७४	७	३	३
७	५	व.	३८	९	१९	११	१

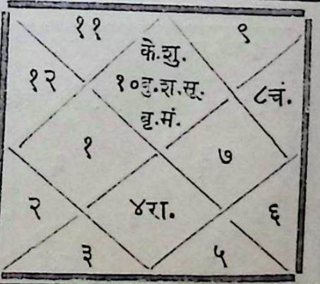

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	ब.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गातः क.	वि.
२७	२५	१	चं.	४९	३५	श्र.	७/५४	५४/२०	व्य.	५/५२	५४/१४	किं.	२०	४४	व.	४९	३५	सिद्धि	५	२९	२३	कुं.	२९	४	६	३१	५	२९	९	२२	३४	५९	६१	०
२७	२८	२	मं.	४०	३९	श.	४७	१३	प.	४३	४१	वा.	१७	१५	कौ.	४०	३९	मृत्यु	६	३०	२४				६	३०	५	३०	९	२३	३५	५९	६०	५८
२७	३१	३	बु.	३१	४६	पू.	४०	३१	शि.	३२	३६	तै.	६	७	ग.	३१/५७	४६/११	पद्म	७	१	२५	मी.	२७	१२	६	३०	५	३०	९	२४	३६	५७	६०	५६
२७	३४	४	गु.	२३	३७	उ.	३४	४३	सि	२३	५१	वि.	२३	३७	व.	५०	३६	छत्र	८	२	२६				६	२९	५	३१	९	२५	३७	५३	६०	५४
२७	३८	५	शु.	१७	३५	रे.	३०	३३	सा.	१५	४९	वा.	१७	३५	कौ.	४४	२६	श्रीवत्स	९	३	२७	मे.	३०	३३	६	२८	५	३२	९	२६	३८	४७	६०	५२
२७	४१	६	श.	१२	१६	अ.	२७	३७	शु.	८	४६	तै.	१२	१६	ग.	४०	१५	सौम्य	१०	४	२८				६	२८	५	३२	९	२७	३९	३९	६०	५१
२७	४४	७	र.	८	१४	भ.	२६	२१	शु.	२/५७	५६/३५	व.	८	१४	वि	३७	४५	कालदं.	११	५	२९	वृ.	४१	२५	६	२७	५	३३	९	२८	४०	३०	६०	४९
२७	४८	८	चं.	७	१७	कृ.	२६	३५	ऐं.	५५	३३	व.	७	१७	वा.	३६	५६	स्थिर	१२	६	३०				६	२७	५	३३	९	२९	४१	१९	६०	४७
२७	५१	९	मं.	६	३५	रो.	२८	२४	वै.	५३	४६	कौ.	६	३५	तै.	३७	१३	मातंग	१३	७	१				६	२६	५	३४	१०	०	४२	१६	६०	४५
२७	५४	१०	बु.	७	५१	मृ.	३१	४७	वि.	५२	५१	ग.	७	५१	व.	३९	२६	अमृत	१४	८	२	मि.	०	५	६	२५	५	३५	१०	१	४३	१	६०	४३
२७	५८	११	गु.	१०	१६	आ.	३६	१६	प्री.	५३	१३	वि.	१०	१६	व.	४२	१६	काण	१५	९	३				६	२४	५	३६	१०	२	४३	४४	६०	४१
२८	१	१२	शु.	१४	१५	पु.	४१	३९	आ.	५३	४४	वा.	१४	१५	कौ.	४६	२८	लुम्ब	१६	१०	४	क.	२५	१८	६	२४	५	३६	१०	३	४४	२५	६०	३९
२८	५	१३	श.	१८	४१	पु.	४८	६	सौ.	५५	१६	तै.	१८	४१	ग.	५१	३९	मित्र	१७	११	५				६	२३	५	३७	१०	४	४५	४	६०	३८
२८	८	१४	र.	२४	३३	श्ले.	५४	५६	शो.	५६	४९	व.	२४	२३	वि.	५७	२४	वज्र	१८	१२	६	सिं.	५४	५६	६	२२	५	३८	१०	५	४६	४८	६०	३७
२८	१२	१५	चं.	३०	१५	म.	६०	०	अ.	५९	१७	व.	३०	१५	वा.	५७	१३	ध्वांक्ष	१९	१३	७				६	२२	५	३८	१०	६	४७	१९	६०	३६

श्रा शुभ सवत् २०१८ शके १८८३ माघ शुक्ल पक्षः। सौम्यायनम् याम्यगोलः। फरवरी ५ से १९ तक।

धनिष्ठा भे रविः ५३।७। वक्री श्रवणे बुधः ९।७। दक्षिणयात्राb चन्द्रदर्शनम्। श्रवणे भौमः। ६।९। चर कर्म मु.। c३०।३३ या. रमजान। भ. ५७।११ उ.। गणेश ४ व्रतम्। उग्र कर्म मु.। भ. २३।३७ या.। रेवत्यां यात्रा मु. उदीच्याम्। कुम्भे शुक्रः २९।५३। वसन्तपञ्चमी श्री ५। उदीच्यां यात्रामु.c धनिष्ठा भे २ पादे गुरुः ३८।९। उदीच्यां यात्रा मु. तिथिd भ. ८।१४ उ. ३७।४५ या.। रथ ७। या. जय मु.। ८।१४ या. सं. कुम्भेऽर्कः १८।३९। भीष्माष्टमी। बुधोदयः पूर्वस्याम्e मृग भे दक्षिण पूर्व यात्रा मु.। e ३।१९। रो.योगे या जय मु.।f भ.३९।१६ उ.।शते शुक्रः ३८।३७।प्रतीच्यांयात्रा मु.३१।४७या. भ. १०।१६या.। जया ११व्रतं सर्वेषाम्। पुन.योगे या.जय मु.। प्रदोषः। स.सि.योगः ४१।३९या. ।उदीच्यांयात्रा मु.२५।१८ उ. उदीच्यां यात्रा मु.।dदानात्२७।३७या.।भरणीयोगे या.जय.मु.। भ. २४।२३ उ. ५७।२४ या.। f स.सि. योगः २६।३५ उ.। शतभिषायां रविः ३।१७। मार्गी बुधः ३०। bमु.तिथिदानात्।

मा. शु. ४ गु. इ. ४३।४७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	९	९	९	९	९	९	९
२६	१२	१९	२६	२९	१०	२४	२४
१३	०	११	१३	१४	३२	३७	३७
२७	३८	१५	४७	५९	१४	१७	१७
६०	४५	५७/२५	१३	७४	७	३	३
५४	४७	व.	३९	३५	११	११	११

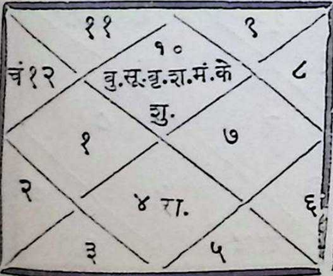

दैनिकलग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.		२ मं.		३ बु.		४ बृ.		५ शु.		६ श.		७ र.		८ चं.		तिथयः	९ मं.		१० बु.		११बृ.		१२शु.		१३श.		१४ र.		१५चं.	
म. अं.	७	३	६	५९	६	५५	६	५१	६	४७	६	४३	६	३९	६	३५	कुं. अं.	८	०	७	५६	७	५२	७	४८	७	४४	७	४०	७	३६
कुं. अं.	८	३८	८	३३	८	२९	८	२५	८	२०	८	१६	८	१२	८	५	मी. अं.	९	२७	९	२३	९	१९	९	१५	९	११	९	७	९	३
मी. अं.	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	मे. अं.	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	३९
मे. अं.	११	३६	११	३२	११	२८	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२	११	८	वृ. अं.	१	०	१२	५५	१२	५१	१२	४७	१२	४३	१२	३९	१२	३५
वृ. अं.	१	३२	१	२८	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२	१	८	१	४	मि. अं.	३	१३	३	९	३	५	३	१	२	५७	२	५३	२	४९
मि. अं.	३	४६	३	४२	३	३८	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	क. अं.	५	३१	५	२७	५	२३	५	१९	५	१५	५	११	५	७
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
क. अं.	६	४	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६	सिं. अं.	७	४८	७	४४	७	४०	७	३६	७	३२	७	२८	७	२४
सिं. अ	८	२१	८	१७	८	१३	८	०	८	५	८	१	७	५७	७	५३	कं. अं.	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८	९	४४	९	४०
कं. अं.	१०	३७	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२१	१०	१७	१०	१३	१०	९	तु. अं.	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	१०	१२	६	१२	२	११	५८
तु. अं.	१२	५५	१२	५१	१२	४७	१२	४३	१२	३९	१२	३५	१२	३१	१२	२७	वृ. अं.	२	४०	२	३६	२	३२	२	२८	२	२४	२	२०	२	१६
वृ. अं.	३	१३	३	९	३	५	३	१	२	५७	२	५३	२	४९	२	४५	ध. अं.	४	४५	४	४१	४	३७	४	३३	४	२९	४	२५	४	२१
ध. अं.	५	१८	५	१४	५	१०	५	६	५	२	४	५८	४	५४	४	५०	म. अं.	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१४	६	१०	६	६

मा. शु. ११ गु. इ. ४३।५९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	९	९	९	१०	९	३	९
३	१७	१५	२७	८	११	२४	२४
१९	३३	०	५४	१	३९	१५	१५
४७	१४	११	२९	१२	१४	१३	१३
६०	४५	५५/४०	१३	७४	७	३	३
४१	५६	व.	४४	२१	६	११	११

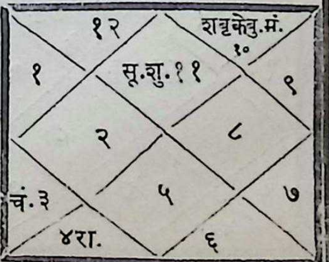

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२८	१५	१	मं.	३६	३१	म.	२	१४	सु.	६०	०	व.	३	१७	कौ.	३६	३१	काल दं	२०	१४	८				६	२१	५	३९	१०	७	४७	५५	६०	३४
२८	१९	२	बु.	४२	३७	पू.	९	५३	सु.	१	९	तै.	९	३३	ग.	४२	३७	स्थिर	२१	१५	९	कं.	२६	४३	६	२०	५	४०	१०	८	४८	२९	६०	३२
२८	२२	३	गु.	४९	४५	उ.	१७	१४	धृ.	३	३४	व.	१६	११	वि.	४९	४५	मातंग	२२	१६	१०				६	२०	५	४०	१०	९	४९	१	६०	३१
२८	२६	४	शु.	५४	४६	ह.	२४	३७	शू.	५	३५	ब.	२२	१६	वा.	५४	४६	अमृत	२३	१७	११	तु.	५७	४१	६	१९	५	४१	१०	१०	४९	३२	६०	२९
२८	३०	५	श.	५९	४४	चि.	३०	४६	गं.	६	५४	कौ	२७	१६	तै.	५९	४४	काण	२४	१८	१२				६	१८	५	४२	१०	११	५०	१	६०	२७
२८	३३	६	र.	६०	०	स्वा	३६	३३	वृ.	७	४३	ग.	३१	४१	व.	६०	०	लुम्ब	२५	१९	१३				६	१७	५	४३	१०	१२	५०	२८	६०	२५
२८	३७	६	चं.	३	३६	वि.	४०	४६	ध्रु.	७	५५	व.	३	३६	वि.	३४	५४	मित्र	२६	२०	१४	वृ.	२४	४२	६	१७	५	४३	१०	१३	५१	५३	६०	२४
२८	४०	७	मं.	६	१३	अ.	४३	३३	व्या	६	२२	व.	६	१३	ना.	३६	३२	वज्र	२७	२१	१५				६	१६	५	४४	१०	१४	५२	१७	६०	२२
२	४४	८	बु.	६	५१	ज्ये	४४	३३	ह.	३ ५१	५० ४३	कौ.	६	५१	तै.	३६	१६	ध्वांक्ष	२८	२२	१६	ध.	४०	४३	६	१५	५	४५	१०	१५	५२	३९	६०	२०
८	४८	९	गु.	५	४३	मू.	४३	३५	सि.	५४	८	गं.	५	४३	व.	३४	१३	धूम्र	१	२३	१७				६	१५	५	४५	१०	१६	५२	५९	६०	१८
२८	५१	१०	शु.	२ ५७	४४ ७	पू.	४०	३३	व्य.	४६	५५	वि.	२	४४	वा.	३० ५८	५२ १	प्रवर्ध	२	२४	१८	म.	५६	५३	६	१४	५	४६	१०	१७	५३	१७	६०	१६
२८	५५	१२	श.	५१	१३	उ.	३५	५५	व.	३८	३९	कौ.	२५	१०	तै.	५१	१३	रक्ष	३	२५	१९				६	१३	५	४७	१०	१८	५३	३३	६०	१४
२८	५९	१३	र.	४३	१	श्र.	२९	४३	प.	२८	४७	ग.	१७	७	व.	४३	१	गद	४	२६	२०	कुं.	५६	९	६	१२	५	४८	१०	१९	५३	४७	६०	१२
२९	२	१४	चं.	३३	५२	ध.	२२	३५	शि.	१८	२२	वि.	८	२६	च.	३३ ५८	५२ ५१	शुभ	५	२७	२१				६	१२	५	४८	१०	२०	५३	५३	६०	१०
२९	६	३०	मं.	२४	११	श.	१४	३३	सि.	७ ५२	६ १८	ना.	२४	११	किं.	५३	५९	मृत्यु	६	२८	२२	मी.	५३	५८	६	११	५	४९	१०	२१	५४	३	६०	८

श्री शुभ संवत् २०१८ शके १८८३ फाल्गुन कृष्णपक्षः।सौम्यायनम् याम्यगोलः। फरवरी २० से मार्च ६ तक।

शुक्रोदयः पश्चिमायाम् २१।१४। उग्रकर्म मु.।
भौमोदयः ३।७। क्रूर कर्म मु.। a योगे या. जय योगः।
भ. १६।११ उ.४९।४५या.। या.जय योगः। हस्तेप्राच्यांयात्रामु.
धनिष्ठा भे भौमः ९।७। तिथि दानात् हस्त भे दक्षिण यात्रा मु.
धनिष्ठा भे ३ चरणे गुरुः ३७।९। कुम्भे गुरुः ३७।९। स्वातीa
पूर्वभाद्रपद भे शुक्रः १९।३७। उदयं गुरुः प्राच्याम् ३८।३७।
भ. ३।३६ उ. ३४।५४ या.। b श्रवणे २ शनिः ८।९।
d२६ या. धनिष्ठा भे बुधः २५।७ मीने शुक्रः २४।१२।
तीक्ष्ण कर्म मु.। cमहाशिवरात्रि व्रतम्।
मार्च। भ. ३४।१३ उ.।
भ. २।४४ या.। विजया ११ व्रतं स्मार्तानाम्।
विजया ११ व्रतं वैष्णवानाम्। कुम्भे भौमः ५०।७। b
भ. ४३।१ उ.। पूर्वाभाद्रपद भे रविः १७।९। प्रदोषः। c
श्लेषा भे २ चरणे राहुः श्रवणे ४ चरणे केतुः ३।९। भ.८।d
स्नान श्राद्धादौ ३०।

फा. कृ. ३ गु. इ. ४४।११

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	९	९	९	१०	९	३	९
१०	२३	१५	२३	१६	१२	२३	२३
२४	१	१३	३४	४६	२५	५३	५३
१७	१५	४१	४५	३८	५५	१७	१७
६०	४६	११	१३	७४	६	३	३
३१	९	४४	३७	१४	४६	११	११

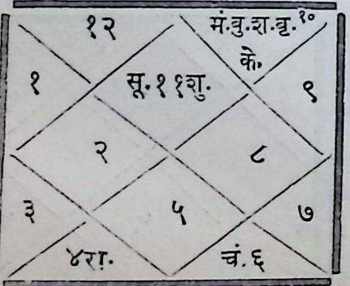

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.		२ बु.		३ बृ.		४ शु.		५ श.		६ र.		६ चं.		७ मं.		८ बु.		९ बृ.		१० शु.		१२ श.		१३ र.		१४ चं.		३० मं.	
म. अं.	७	३१	७	२७	७	२३	७	१९	७	१५	७	११	७	८	७	५	७	२	६	५८	६	५४	६	५०	६	४६	६	४३	६	४०
कुं. अं	८	५८	८	५४	८	५०	८	४६	८	४२	८	३८	८	३५	८	३२	८	२८	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	१०	८	७
मी. अं	१०	३४	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	११	१०	८	१०	५	१०	१	९	५७	९	५३	९	४९	९	४६	९	४३
मे. अं.	१२	३०	१२	२६	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	१०	१२	७	१२	४	१२	१	११	५७	११	५३	११	४९	११	४५	११	४२	११	३९
वृ. अं.	२	४४	२	४०	२	३६	२	३२	२	२८	२	२४	२	२१	२	१८	२	१५	२	११	२	७	२	३	१	५९	१	५६	१	५३
मि. अं.	५	२	४	५८	४	५४	४	५०	४	४६	४	४२	४	३९	४	३६	४	३३	४	२९	४	२५	४	२१	४	१७	४	१४	४	११
राशय	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
क. अं.	७	१९	७	१५	७	११	७	७	७	३	६	५९	६	५६	६	५३	६	५०	६	४६	६	४२	६	३८	६	३४	६	३१	६	२८
सिं. अं.	९	३५	९	३१	९	२७	९	२३	९	१९	९	१५	९	१२	९	९	९	६	९	२	८	५८	८	५४	८	५०	८	४७	८	४४
क. अं.	११	५३	११	४९	११	४५	११	४१	११	३७	११	३३	११	३०	११	२७	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२	११	८	११	५	११	२
तु. अं.	२	११	२	७	२	३	१	५९	१	५५	१	५१	१	४८	१	४५	१	४२	१	३८	१	३४	१	३०	१	२६	१	२३	१	२०
वृ. अं.	४	१६	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५३	३	५०	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५	३	३१	३	२८	३	२५
ध. अं.	६	१	५	५७	५	५३	५	४९	५	४५	५	४१	५	३८	५	३५	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०	५	१५	५	१३	५	१०

फा. कृ. ९ गु. इ. ४४।२४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	९	९	१०	१०	९	३	९
१७	२८	२०	१	२५	१३	२३	२३
२६	२३	१९	१३	५५	१०	३०	३०
५८	४७	४८	३७	३९	१५	४७	४७
६०	४१	४९	५३	७४	६	३	३
१८	१४	५	२५	२५	३१	११	११

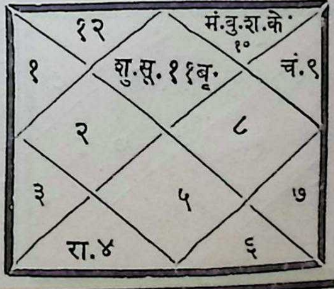

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	ब.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः	
घ.	प.			घ.	प.		घ.	प.		घ.	प.		घ.	प.		घ.	प.					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२९	१०	१	बु.	१४	९	पू.	६ ८२	८ १९	गु	४५	३५	व	१४	९	वा.	४१	२६	पद्म	७	२९	२३				६	१०	५	५०	१०	२२	५४	१७	६०	६
२९	१३	२	गु.	६ ८२	४४ १४	रे.	५२	५१	शु.	३५	३३	कौ.	६	४४	तै.	३२ ८८	५१ ८८	मित्र	८	१	२४	मे.	५२	५१	६	९	५	५१	१०	२३	५४	२३	६०	४
२९	१७	४	शु.	४९	१४	अ.	४७	५६	व्र	२६	२६	व.	२०	३९	वि.	४९	१४	वज्र	९	२	२५				६	९	५	५१	१०	२४	५४	२७	६०	२
२९	३१	५	श.	४४	१५	भ.	४४	४२	ऐं.	१८	४६	व.	१६	३९	वा.	४४	१५	ध्वांक्ष	१०	३	२६	वृ.	५९	३४	६	८	५	५२	१०	२५	५४	२९	६०	०
२९	२४	६	र.	४०	४६	कृ.	४३	३१	वै.	१३	११	कौ.	१२	२५	तै.	४०	४६	धूम्र	११	४	२७				६	७	५	५३	१०	२६	५४	२९	५९	५८
२९	२८	७	चं.	३९	३१	रो.	४४	१४	वि.	८	३४	ग.	१०	३	व.	३९	३१	प्रवर्ध.	१२	५	२८				६	६	५	५४	१०	२७	५४	२७	५९	५६
२९	३२	८	मं.	४०	१३	मृ.	४७	१२	प्री.	५	५१	वि.	९	४	व.	४०	१३	रक्ष	१३	६	२९	मि.	१५	१३	६	६	५	५४	१०	२८	५४	२३	५९	५३
२९	३६	९	बु.	४२	३६	आ.	५१	३	आ.	५	३७	वा	११	१४	कौ.	४२	३६	मुसल	१४	७	३०				६	५	५	५५	१०	२९	५४	१६	५९	५०
२९	३९	१०	गु.	४६	३६	पु.	५६	३६	सौ	४	४७	तै.	१४	२६	ग.	४६	३६	सिद्धि	१५	८	१	क.	४०	१२	६	४	५	५६	११	०	५४	६	५९	४८
२९	४३	११	शु.	५१	२७	पु.	६०	०	शो.	५	३३	व.	१८	५६	वि	५१	२७	उत्पा.	१६	९	२				६	३	५	५७	११	१	५३	५४	५९	४६
२९	४७	१२	श.	५७	३१	पु.	३	१९	अ.	७	१७	वव	२४	२८	बा.	५७	३१	मित्र	१७	१०	३				६	३	५	५७	११	२	५३	४०	५९	४४
२६	५१	१३	र.	६०	०	श्ले.	१०	३७	सु.	९	३१	कौ.	३०	३२	तै.	६०	०	वज्र	१८	११	४	सिं.	१०	३७	६	२	५	५८	११	३	५३	२४	५९	४२
२९	५४	१३	चं.	३	३५	म.	१७	५५	धृ.	११	३७	तै.	३	३५	ग.	३६	४४	ध्वांक्ष	१९	१२	५				६	१	५	५९	११	४	५३	६	५९	४०
२९	५८	१४	मं.	१०	१४	पू.	२५	२१	शू.	१३	५७	व.	१०	१४	वि.	४२	१६	धूम्र	२०	१३	६	क.	४१	५६	६	०	६	०	११	५	५२	४६	५९	३८
३०	२	१५	बृ.	१६	१७	उ.	३१	४१	गं.	१६	२३	व.	१६	१७	बा	४९	१४	प्रवर्ध.	२१	१४	७				६	०	६	०	११	६	५२	१४	५९	३६

श्री शुभ सवत् २०१८ शके १८८३ फाल्गुन शुक्ल पक्षः।
सौम्यायनम् याम्यगोलः। मार्च ७ से २१ तक।

चन्द्रदर्शनम्। क्रूर कर्म मु.। a यात्रा मु.।
शव्वाल। उत्तरा भाद्रपद भे शुक्रः ४४।३७। उदीच्यां a
भ. २०।३९ उ. ४९।१४ या.। प्राच्यां यात्रा पुनः तिथि b
कुम्भे बुधः ३८।९। धनिष्ठा भे ४ चरणे गुरुः ५४।९। या. c
मित्र कर्म मु.। b दानात्।
भ. ३९।३१ उ.। शतभिष भे भौमः २३।७। या. जय मु.।
भ. ९।४२ या.। होलाष्टकारम्भः। c जय. मु.।
सं. मीनेऽर्कः ५।४८।
शतभिष भे बुधः ३०।१२। d नाम्। उदीच्यां यात्रा मु.
भ. १८।५६ उ. ५१।२७ या.। आमलकी ११ व्रतं स्मार्ता- d
उत्तरा भाद्र पद भे शुक्रः ३८।४। आमलकी ११ व्रतं e
रेवती भे शुक्रः ४६।९। यायी जय मु. १०।३७ या.।
उग्र कर्म मु.। e वैष्णवानाम्।
भ. १०।४ उ. ४२।१६ या.। होलिका दाहनं भद्रान्ते।
हस्त भे दक्षिण यात्रा मु.।

फा. शु. २ गुरौ. इ. ४४।३६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के
१०	१०	९	१०	११	९	३	९
२४	३	२७	२	५	१३	२३	२३
२८	५१	५३	५१	१६	५६	८	८
२६	२४	२३	१७	४७	१८	१९	१९
६०	४६	६९	१३	७४	६	३	३
४	३	४७	३४	२५	४७	११	११

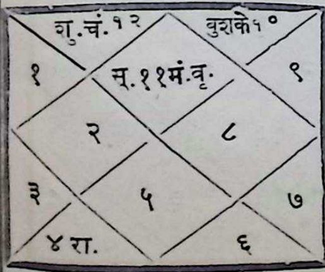

दैनिक लग्नसारिणी

तिथय	१ बु.		२ बृ.		४ शु.		५ श.		६ र.		७ च.		८ मं.		९ बु.		तिथय	१०बृ.		११ शु.		१२ श.		१३ र.		१३ चं.		१४ मं		१५ बु.	
कुं. अं.	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६	६	१३	६	१०	मी. अं.	७	३३	७	२९	७	२५	७	२१	७	१७	७	१४	७	११
मी. अं.	८	३	७	५९	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३	७	४०	७	३७	मे. अं.	९	९	९	५	९	१	८	५७	८	५३	८	५०	८	४७
मे. अं.	९	३९	९	३५	९	३१	९	२७	९	२३	९	१९	९	१६	९	१३	वृ. अं	११	५	११	१	१०	५७	१०	५३	१०	४९	१०	४६	१०	४३
वृ. अं.	११	३५	११	३१	११	२७	११	२३	११	१९	११	१५	११	१२	११	९	मि. अं.	१	१९	१	१५	१	११	१	७	१	३	१	०	१२	५७
मि. अं.	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७	१	३३	१	२९	१	२६	१	२३	क. अं.	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५	३	२१	३	१८	३	१५
क. अं	४	७	४	३	३	५९	३	५५	३	५१	३	४७	३	४४	३	४१	सिं. अं.	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८	५	३५	५	३२
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
सिं. अं.	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	८	६	४	६	१	५	५८	क. अं.	८	१०	८	६	८	२	७	५८	७	५४	७	५१	७	४८
कं. अं.	८	४०	८	३६	८	३२	८	२८	८	२४	८	२०	८	१७	८	१४	तु. अं.	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	९	१०	६
तु. अं.	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४२	१०	३८	१०	३५	१०	३२	वृ. अं.	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२७	१२	२४
वृ. अं.	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५६	१२	५३	१२	५०	ध. अं.	२	५१	२	४७	२	४३	२	३९	२	३५	२	३२	२	२९
ध. अं.	३	२१	३	१७	३	१३	३	९	३	५	३	१	२	५८	२	५५	म. अं.	४	३६	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०	४	१७	४	१४
म. अं.	५	६	५	२	४	५८	४	५४	४	५०	४	४६	४	४३	४	४०	कुं. अं.	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४७	५	४४

फा. शु. १० गुरौ. इ. ४४।४९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	१०	१०	१०	११	९	३	९
१	९	७	४	१२	१४	२२	२२
२७	२१	१	२७	५६	५४	४६	४६
३६	४५	१४	१५	१९	१३	१४	१३
५९	४६	८२	१३	७४	५	३	३
४९	९	३३	४	२७	५३	११	११

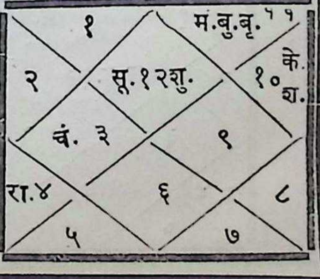

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	आ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३०	५	१	गु.	२२	११	ह.	३८	४३	वृ.	१८	११	कौ.	२२	११	तै.	५४	४	रक्ष	२२	१५	८				५	५९	६	१	११	७	५१	५०	५९	३४
३०	८	२	शु.	२७	१६	चि.	४५	५१	ध्रु.	१९	३३	ग.	२७	१६	व.	५९	३१	मुसल	२३	१६	९	तु.	१२	१७	५	५८	६	२	११	८	५१	२४	५९	३२
३०	११	३	श.	३१	४६	स्वा	५१	२३	व्या	२०	१९	वि.	३१	४६	व.	६०	०	सिद्धि	२४	१७	१०				५	५७	६	३	११	९	५०	५६	५९	३०
३०	१४	४	र.	३५	२३	वि.	५५	५६	ह.	२०	११	व.	४	४	वा.	३५	२३	उत्पात	२५	१८	११	वृ.	३०	४७	५	५६	६	४	११	१०	५०	२६	५९	२७
३०	१८	५	चं.	३७	४४	अ.	५९	१६	व.	१९	२३	कौ.	६	३३	तै.	३७	४४	मानस	२६	१९	१२				५	५६	६	४	११	११	४९	५३	५९	२४
३०	२२	६	मं.	३८	५७	ज्ये.	६०	०	सि.	१७	३६	ग.	८	२०	व.	३८	५७	मुद्गर	२७	२०	१३				५	५५	६	५	११	१२	४९	१७	५९	२२
३०	२५	७	बु.	३८	३६	ज्ये.	१	१९	व्य.	१४	४३	वि.	८	४६	व.	३८	३६	ध्वांक्ष	२८	२१	१४	ध.	१	१९	५	५४	६	६	११	१३	४८	३९	५९	२०
३०	२९	८	गु.	३६	३४	मू.	१	५४	व.	१०	५१	बा.	७	४५	कौ.	३६	३४	धूम्र	२९	२२	१५				५	५४	६	६	११	१४	४७	५९	५९	१८
३०	३२	९	शु.	३३	३६	पू.	० ५७	५९ २१	प.	५ ५३	५६ ४१	तै.	५	१५	ग.	३३	३६	प्रवर्ध.	३०	२३	१६	म.	१५	१७	५	५३	६	७	११	१५	४७	१७	५९	१६
३०	३६	१०	श.	२८	३७	श्र.	५४	१४	सि.	५०	५८	ब.	१	६	वि.	२८ ५५	३७ २२	स्थिर	३१	२४	१७				५	५२	६	८	११	१६	४६	३३	५९	१३
३०	४०	११	र.	२२	१४	ध.	४८	३६	सा.	४२	३	बा.	२२	१४	कौ.	४८	२१	मातंग	१	२५	१८	कुं.	२१	३५	५	५१	६	९	११	१७	४५	४६	५९	१०
३०	४४	१२	चं.	१४	२९	श.	४२	१३	शु.	३२	३१	तै.	१४	२९	ग.	४०	७	अमृत	२	२६	१९				५	५०	६	१०	११	१८	४४	५६	५९	८
३०	४८	१३	मं.	५ ८३	४५ ३८	पू.	३४	५६	शू.	२१	४५	व	५	४५	वि.	३२ ५९	३४ २३	काण	३	२७	२०	मी.	२१	४६	५	५०	६	१०	११	१९	४४	४	५९	६
३०	५२	३०	बु.	४६	४४	उ.	२७	२३	ब्र.	११	११	च.	१८	४१	ना.	४६	४४	लुम्ब	४	२८	२१				५	४९	६	११	११	२०	४३	१०	५९	४
+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+ +	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+
+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+ +	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+

श्री शुभ संवत् २०१८ शाके १८८३ चैत्र कृष्णपक्षः। सौम्यायनम् । याम्यगोलः। मार्च २२ से अप्रैल ४ तक।

धूलि वन्दनम् । श्वपचस्पर्शः । वसन्तोत्सवः । प्राच्यां यात्रा मु.
भ. ५९।३१ उ.
भ. ३१।४६ या । पूर्वा भाद्रपद भे बुधः ३७।९ । या.जय.मु.।
शतभिष भे १ चरणे गुरुः ५०।५ । aस. सि. योगः
उदीच्यां यात्रा मु. । स. सि. योगः ।
भ. ३८।५७ उ. । तीक्ष्ण कर्म मु. ।
भ. ८।४६ या. । रात्रौ शीतला पूजनम् ।
पूर्वा भाद्रपद भे भौमः १९।४२ । मेषे शुक्रः ३८।९
मीने बुधः २६।९ b दक्षिण यात्रा मु.
भ. १।६ उ. २८।३७ या. । रेवती भे. रविः ५।३९ । b
अप्रैल । उत्तरा भाद्रपद भे बुधः ३२।९ । पापमोचिनी ११b
प्रदोषः । चरकर्म मु. । c व्रतं सर्वेषाम् ।
भ. ५।४५ उ. ३२।३४ या. । उग्रकर्म मु. । मास शिवरात्रिव्रतम्
बुधास्तः पूर्वस्याम् २१।७ ।

चै. कृ. १ गुरौ. इ. ४५।२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	१०	१०	१०	११	९	३	९
८	१४	१७	६	२१	१५	२२	२२
२५	५१	२१	१	५६	१२	२४	२४
५७	३३	३७	३७	३९	१३	२७	२७
५९	४६	८४	१२	७४	५	३	३
३४	७	५९	३९	३५	२५	११	११

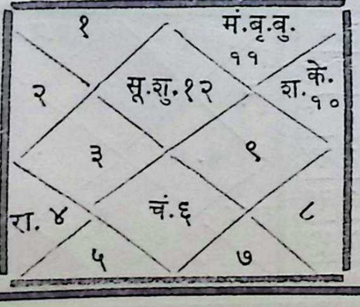

दैनिक लग्नसारिणो

तिथयः	१ बृ.		२ शु.		३ श.		४ र.		५ चं.		६ मं.		७ बु.		८ बृ.		९ शु.		१० श.		११ र.		१२ चं.		१३ मं.		३० बु.	
मी. अं.	७	८	७	४	७	०	६	५६	६	५२	६	४८	६	४४	६	४०	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६
मे. अं.	८	४४	८	४०	८	३६	८	३२	८	२८	८	२४	८	२०	८	१६	८	१२	८	८	८	४	८	०	७	५६	७	५२
वृ. अं.	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८
मि. अं.	१२	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२६	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	१०	१२	६	१२	२
क. अं.	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५६	२	५२	२	४८	२	४४	२	४०	२	३६	२	३२	२	२८	२	२४	२	२०
सिं. अं.	५	२९	५	२५	५	२१	५	१७	५	१३	५	९	५	५	५	१	४	५७	४	५३	४	४९	४	४५	४	४१	४	३७
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कं. अं.	७	४५	७	४१	७	३७	७	३३	७	२९	७	२५	७	२१	७	१७	७	१३	७	९	७	५	७	१	६	५७	६	५३
तु. अं.	१०	३	९	५९	९	५५	९	५१	९	४७	९	४३	९	३९	९	३५	९	३१	९	२७	९	२३	९	१९	९	१५	९	११
वृ. अं.	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	५	१२	१	११	५७	११	५३	११	४९	११	४५	११	४१	११	३७	११	३३	११	२९
ध. अं.	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	१०	२	६	२	२	१	५८	१	५४	१	५०	१	४६	१	४२	१	३८	१	३४
म. अं.	४	११	४	७	४	३	३	५९	३	५५	३	५१	३	४२	३	४३	३	३९	३	३५	३	३१	३	२७	३	२३	३	१९
कुं. अं.	५	४१	५	३७	५	३३	५	२९	५	२५	५	२१	५	१७	५	१३	५	९	५	५	५	१	४	५७	४	५३	४	४९

चै. कृ. ८ गुरौ. इ. ४५।१५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	१०	१०	१०	०	९	३	९
१५	२०	२९	७	०	२५	२२	२२
२२	१९	६	३१	१०	४६	१	१
२४	५७	१७	५२	११	५७	११	११
५९	४६	२५	१	७४	४	३	३
१८	१७	३७	१४	२३	५८	११	११

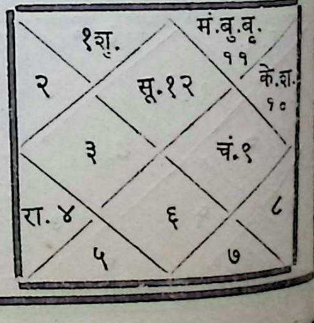

विवाहे पञ्चशलाका चक्रम्

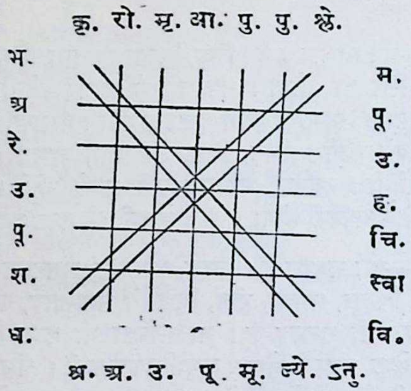
क्रु. रो. मृ. आ. पु. पु. श्ले.
भ.
अ
रे.
उ.
पू.
श.
ध.
म.
पू.
उ.
ह.
चि.
स्वा
वि.
अ. श्र. उ. पू. मू. ज्ये. ऽनु.

राजा गुरुः

श्रीगणेशाय नमः

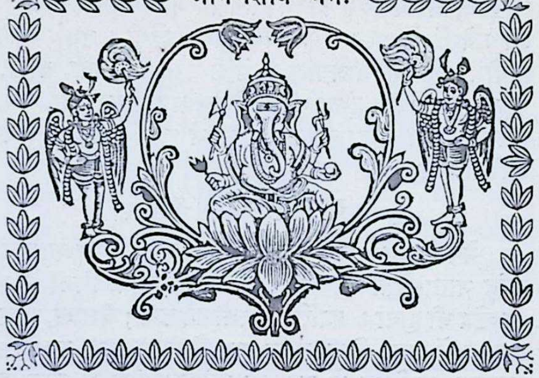

मन्त्री शुक्रः

अन्येषु सप्तशलाका चक्रम्

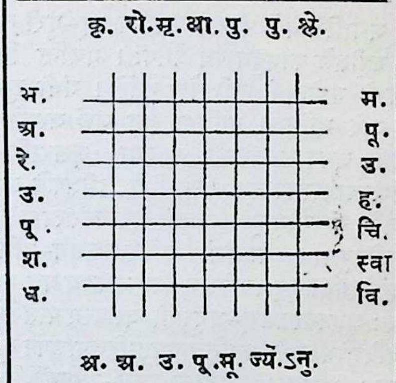
क्रु. रो.मृ.आ.पु. पु. श्ले.
भ.
अ.
रे.
उ.
पू.
श.
ध.
म.
पू.
उ.
ह.
चि.
स्वा
वि.
अ. श्र. उ. पू.मू. ज्ये.ऽनु.

श्री संवत् २०१९, शकः १८८४, हिजरी सन् १३८१-८२, फसली सन् १३६९-७०, ईस्वी सन् १९६२-६३ ।

राक्षस नाम संवत्सरः

विंशोत्तरी मतेन आयव्यय चक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
१४	८	१४	८	११	१४	८	१४	११	५	५	११
२	११	८	५	२	८	११	२	८	११	११	८

अष्टोत्तरी मतेन आयव्यय चक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
८	५	८	२	८	८	१	८	१४	२	२	१४
५	१४	८	८	५	८	१४	५	११	८	८	११

देखने की रीति

आयव्ययौ समौ कृत्वा एक हीनं तु कारयेत्।
अष्टभिस्तु हरेद्भागं शेषाङ्के फलमादिशेत् ॥
१ लाभं, २ सौख्यं तथा ३ क्लेशं ४ रोगं ५ लोकापवादकम्।
६ सम्मानं ७ विजयं ८ हानिः कथितं पूर्व सूरिभिः ।

प्रधान वितरक—**श्री गंगा पुस्तकालय,**
गायघाट, बनारस ।

श्री काश्यम्
शुद्धमकरन्दीय दशवर्षीय पञ्चाङ्गम्

श्री गंगा

काशी पञ्चाङ्गम्

सम्पादक—**पं० चन्द्रशेखर पाठक ज्यौतिषाचार्य, ज्योतिषरत्न**
सी. के. ६४/७० हीरापुरा, बनारस ।

समय-शुद्धिः

गुरु—फाल्गन शुक्ल १० भौमे पश्चिमास्तः

शुक्र—कार्तिक शुक्ल ९ भौमे शुक्रास्तः पश्चिमायाम्।
मार्गशीर्ष कृष्ण ७ रवौ शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

शनि—मकरराशौ वर्ष पर्यन्तम् ।

राहु—संबतसरं यावद् कर्कराशौ ।

प्रकाशक व मुद्रक—पं० पृथ्वीनाथ भार्गव,
भार्गव भूषण प्रेस, गायघाट, बनारस ।

वर्ष-फल

श्री संवत् २०१९ शके १८८४

अथास्मिन्वर्षे राजा गुरुस्तत्फलम्—गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले कामदुघाश्च धेनवः। यजन्ति विप्राः वहवोऽग्नि-होत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते। मंत्री शुक्रस्तत्फलम्—भृगुसुतो यदि मन्त्रिणि पार्थिवा वहु जलं जलदो भुवि मुञ्चति। नृपतयो जनपालनतत्परा जनपदा सुखराशि सुशोभिताः ॥ सस्येशश्चन्द्रस्तत्फलम्—सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुखं मेघा पयो मुञ्चति गोपगोधुक्। देवद्विजाराधनतत्परा नृपा धरा भवेद्धान्यधनौघपूर्णा। धान्येशो शनिस्तत्फलम्—दुर्भिक्षं जायते तत्रकलहं देशविग्रहम्। सौराष्ट्रदेशो नष्टश्च यत्र धान्याधिपः शनिः। मेघेशः शुक्रस्तत्फलम्—भृगुसुतो जलदस्य पतिर्यदा जलयुतो जलदादिविशोभनाः। धननिधानयुताद्विजपालका नृपतयो जनतासुखदायकाः। रसेशो बुधंस्तत्फलम्—रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभधान्यघृतादियुता जनाः। प्रमुदिता नरनायकपालिता बहुजलाखिलदेशसुरक्षिताः। नीरसेशश्चन्द्रस्तत्फलम्--शुक्लवर्णादिवस्तूनां मुक्तारजतवाससाम्। अर्घवृष्टिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे। फलेशो गुरुस्तत्फलम्—सुरगुरौ फलनायकतां गते गतभया वनराशिमहाद्रुमाः। यजनयाजनकोत्सवमंदिरा श्रुतिविचारपरा द्विजपूर्वका। धनेशश्चन्द्रस्तत्फलम्—धनपतिर्मृगलांछनको यदा रसचयं क्रयविक्रयतो धनम्। वसनशालयुगे धनजं वहु द्रविणतैलघृतं नृप सौख्यकम्। दुर्गेशो भृगुस्तत्फलम्—भृगुसुतो द्रविणस्य पतिर्यदा वहुधनं लभते क्रयविक्रयात्। नरवरा धनधान्ययुताः सदा द्विजवरा बहुशास्त्रपरायणाः। राक्षस नाम संवत्सरस्तत्फलम्—राक्षसाब्देऽखिलालोकाः राक्षसा इव अकृपा। इन्द्रोऽति जलदो न स्यात् सुभिक्षं कुत्र तिष्ठति।

इस वर्ष गत वर्ष के राजा मन्त्रियों ने अपने अधिकारों को बदल दिया है अर्थात् गत वर्ष के राजा शुक्र इस वर्ष मन्त्री हैं और गत वर्ष के मन्त्री गुरु इस वर्ष राजा हैं। राजा गुरु ने ही फल का मन्त्रित्व स्वीकार किया है। प्रधानमन्त्री शुक्र ने ही सिचाई और गृहरक्षा का मन्त्रित्व सम्हाला है। चन्द्रमा को तीन विभाग सौंपे गये हैं; सस्य, नीरस पदार्थ और कोष। शेष अधिकारियों में रसमन्त्री बुध, धान्येश शनि हैं।

इस प्रकार का अधिकार-विभाजन जनता के पक्ष में हितकर है। पूर्व धान्य शायद न्यून मात्रा में हो; शेष धान्य ठीक होगा। अन्न तैयार होने पर बाधा की सम्भावना है। भारतीय राजनीति दृढ़तम होगी। संसार में इसकी महत्ता व्याप्त रहेगी परन्तु आपस केउच्च अधिकारियों में मानसिक मेल न रहेगा। नर्मदा तट तथा अन्तर्वेद, विन्ध्य प्रदेश को छोड़कर शेष जगह आनन्द-मंगल रहेगा। इन प्रदेशों में अकाल की सम्भावना रहेगी। वर्षा की न्यूनता होगी। पूर्व देशों में अनाज की तेजी रहेगी। सोना, चाँदी, ताँबा, कपूर, चन्दन तेज होगा। वर्ष के विचार से गुड़, घी, तेल, खाँड़, कपास, हल्दी मन्दा होगा। इस वर्ष हृदय तथा घुटने के रोग अधिक होंगे।

वार्षिक राशि-फल

मेष—वर्ष मध्यम है। लाभ, उल्लास, शुभ काम तो होगा परंतु माता-पिता को कष्ट, आलस्य, विवाद, मित्रों से सम्बन्ध-विच्छेद भी होगा। कार्तिक में स्त्री को कष्ट; वैशाख, श्रावण और अगहन में कष्ट, चिढ़, हानि, मानसिक सन्तुलन गड़बड़ रहेगा; फाल्गुन, आश्विन में उल्लास रहेगा। चैत्र में व्यय अनिवार्य होगा।

वृष—वर्ष अच्छा नहीं, असफलता, दैन्य, आलस्य, धार्मिक अरुचि रहेगी। व्यापार में उन्नति, अधिक पराक्रम करना पड़ेगा भ्रातृ-वर्ग कष्ट में रहेगा। मार्गशीर्ष में स्त्री दुःखी रहेगी; ज्येष्ठ, भाद्रपद, पौष में विवाद-व्यथा, यात्रा, मानसिक अशांति रहेगी। वैशाख तो व्यय के लिये है ही। कार्तिक, चैत्र में प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन—वर्ष साधारण है। पिछले वर्ष से अच्छा है। लाभ, हर्ष, शुभ काम तो होगा; परन्तु रोगग्रस्त रहेंगे। हृदय या घुटने के समीप कष्ट रहेगा। चोट-व्रण से सावधान, परिवार में अशान्ति धन-हानि भी रहेगी ही। पौष में स्त्री को कष्ट रहेगा। आषाढ़, आश्विन और माघ अशान्ति, यात्रा, मनोमालिन्य तथा व्यथाकारक होंगे। वैशाख, मार्गशीर्ष में विजय, हर्ष रहेगा। ज्येष्ठ में व्यय होगा।

कर्क—वर्ष अच्छा नहीं। अनेक प्रकार की कठिनाइयाँ उपस्थित होंगी; सिर, हृदय, इन्द्रिय, घुटने में व्यथा रहेगी। सफलता भी दूर-दूर रहेगी। प्रेतबाधा से सावधान। गोमेद, लहसुनिया, नीलम, पुखराज पहनें। श्रावण, कार्तिक, फाल्गुन में हानि, कष्ट, यात्रा, व्यथा, विवाद, मानसिक अशान्ति रहेगी। ज्येष्ठ, पौष में लाभ, उल्लास, भोजन-वस्त्र में विशेषता, मित्रों से भेंट होगी। आषाढ़ में व्यय होना ही है। माघ में स्त्री की रक्षा कीजिये।

सिंह—वर्ष अच्छा है। लाभ, हर्ष, उन्नति, सफलता रहेगी। सन्तान-प्राप्ति का योग है। शत्रु पराजित होंगे। अनायास लाभ होता जायगा। भाद्रपद, चैत्र, अगहन मासों में अशान्ति रहेगी। श्रावण में व्यय होगा। फाल्गुन में स्त्री कष्ट में रहेगी। आषाढ़ और माघ अच्छे रहेंगे।

कन्या—वर्ष साधारण है। चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट और बुद्धि में अस्थिरता रहेगी। सफलता में बाधा पड़ेगी। कार्यों में अवरोध होगा, सामान्य लाभ होता रहेगा। वैशाख, आश्विन, पौष मास बुरे रहेंगे। चिढ़, चिन्ता, व्यग्रता, यात्रा, मानसिक अशान्ति रहेगी। श्रावण, फाल्गुन कुछ अच्छे रहेंगे। भाद्रपद आपके लिये व्ययकारी होगा। चैत्र में स्त्री को कष्ट रहेगा।

तुला—वर्ष मध्यम है। लाभ, सफलता, शुभकाम तो होगा ही। चिढ़, चिन्ता, झगड़ा, रोग, मित्रों से मनमुटाव, चोट, व्रण, उदर-विकार भी सम्भव है। माता-पिता भी कष्ट में रहेंगे। कार्तिक, ज्येष्ठ, माघ विशेषतः अशान्तिकारक हैं। चैत्र, भाद्रपद उल्लासदायी हैं। आश्विन में व्यय होगा। वैशाख में स्त्री की रक्षा कीजिये।

वृश्चिक—वर्ष मध्यम है। व्यापार में उन्नति, लाभ, पराक्रम तो रहेगा परन्तु विवाद-व्यथा, असफलता, धर्म में अरुचि भी रहेगी। मार्गशीर्ष, आषाढ़, फाल्गुन में यात्रा-व्यथा, मानसिक अशान्ति, चिढ़ होगी। आश्विन, वैशाख में अच्छाई से समय वीतेगा। ज्येष्ठ में स्त्री को कष्ट; कार्तिक में व्यय होगा।

धनु—वर्ष बुरा है। धन-हानि, परिवार में अशान्ति, चिढ़, चिन्ता, हृदय में उद्विग्नता रहेगी। चोट-व्रण से सावधान। भ्रातृ-वर्ग भी कष्ट में रहेगा। सफलता न मिलेगी। पौष, श्रावण, चैत्र में विवाद-व्यथा, यात्रा, स्थान-परिवर्तन, मानसिक कष्ट रहेगा। मार्गशीर्ष में व्यय होगा; कार्तिक, ज्येष्ठ अच्छे रहेंगे।

मकर—वर्ष मध्यम है। लाभ, हर्ष, शुभ काम तो होगा परन्तु शरीर रुग्ण रहेगा। वायु-विकार, उदर-विकार, दुःख, प्रेत-बाधा, चोट-व्रण, स्त्री को कष्ट; हृदय, मस्तक, घुटना तथा इन्द्रिय-विकार भी सम्भव है। वैशाख, भाद्रपद, माघ बुरे रहेंगे। पौष में अधिक व्यय होगा। श्रावण में स्त्री को कष्ट रहेगा। आषाढ़, अगहन आह्लादकारी होंगे।

कुम्भ—वर्ष अच्छा नहीं। असफलता, कष्ट, अधिक व्यय रहेगा। शत्रु पर विजय, सामान्य लाभ रहेगा। ज्येष्ठ, भाद्रपद, आश्विन में कष्ट, चिढ़, हानि, चिन्ता, यात्रा होगी। पौष, श्रावण

में लाभ, हर्ष, भोजन-वस्त्र में विशेपता; मित्रों से भेंट; माघ में व्ययाधिक्य रहेगा। भाद्रपद में स्त्री को कष्ट होगा।

मीन—वर्ष मध्यम है। लाभ पूर्ववत् रहेगा। शुभ काम में व्यय होगा; चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट होगा। असफलता भी मिलती रहेगी। आषाढ़, कार्तिक, चैत्र में कष्ट, हानि, चिढ़, चिन्ता, यात्रा होगी। भाद्रपद, माघ अच्छे रहेंगे। फाल्गुन में व्यय होगा। आश्विन में स्त्री को कष्ट होगा।

श्री संवत् २०१९ पौष शुक्ल १५ बुधे

स्वल्पग्रास चन्द्रग्रहणम्

पुन. भे मिथुनराशौ। जन. ९ सन् १९६३

	घ.	प.
स्पर्श	५५	५४
मोक्ष	५६	४४

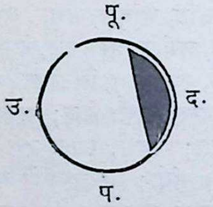

ग्रहण फल	
रा.	फल
मे.	श्रीः
वृ.	क्षति
मि.	घात
क.	व्यय
सि.	लाभ
कं.	सुख
तु.	मा.ना.
वृ.	कष्ट
ध.	स्त्री-क.
म.	सुख
कुं.	चिन्ता
मी.	व्यथा

३१ जुलाई को भी सूर्यग्रहण होगा जो पूर्व गोलार्ध में दिखायी देगा।

वर्ष लग्नम्

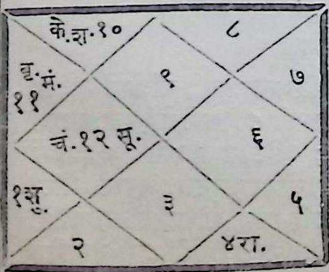

आर्द्राप्रवेश लग्नम्

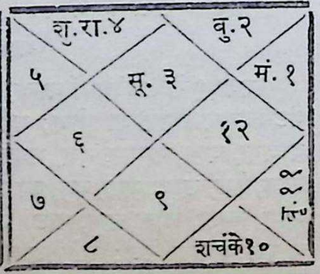

संवत् २०१९ विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

चैत्र	शुक्ल	१२	चं. उ. फा. यां. ल. ९
,,	,,	१३	मं. उ. फा. यां. ल. ९
,,	,,	१४	वुधे हस्त भे. ल. ९

वैशाख मासः

वैशाख	कृष्ण	१	स्वाती भे.
,,	,,	२	रवौ अनु. भे.
,,	,,	४	भौमे मूल भे.
,,	,,	६	गुरौ उ. षा. यां, ल. ८
,,	,,	१२	भौम उ. भा. भे.
,,	,,	१३	वुधे रेवती भे. दिवा ल. चि.
,,	शुक्ल	३	सूर्ये मृगे ल. ८
,,	,,	९	शनौ मघा भे.
,,	,,	१०	चन्द्रे उ. फा. भे.
,,	,,	११	भौमे हस्ते ल. चिन्त्यम्
,,	,,	१३	गुरौ स्वाती भे.
,,	,,	१४	शुक्रे स्वाती भे. दिवा लग्न
,,	,,	१५	शनौ अनु. भे. लग्न चिन्त्यम्

ज्येष्ठ मासः

ज्येष्ठ	कृष्ण	२	चन्द्रे मूले. ल. चि.
,,	,,	३	भौमे मूल भे. दिवा. लग्नम्।
,,	,,	४	बुधे उ. पा. यां ल. १२ चिन्त्यम्।
,,	,,	५	गुरौ उ. षा. भे. दिवा लग्नम्।
,,	,,	९	चन्द्रे उ. भा. भे. ल. चि.
,,	,,	१०	भौ. रेवती भे. लग्न चिन्त्यम्।
,,	शुक्ल	६	शुक्रे मघा भे. ल. चि.
,,	,,	८	सूर्ये उ. फा. यां. ल. चिन्त्यम्
,,	,,	१०	भौमे हस्त भे. ल. चि.
,,	,,	११	गुरौ स्वात्यां ल. चि.
,,	,,	१३	शनौ अनु. भे. ल. चि.
,,	,,	१५	चन्द्रे मूल भे. ल. चि.

आषाढ़ मासः

आषाढ़	कृष्ण	३	वुधे उषा. भे. दिवा. लग्नम्।
,,	,,	७	सूर्ये उ. भा. यां. ल. चिन्त्यम्
,,	,,	८	चन्द्रे रेवती भे. ल. चि.
,,	शुक्ल	५	शनौ उ. फा. यां. ल. चि.
,,	,,	७	चन्द्रे हस्त भे. ल. चि.
,,	,,	९	बुधे स्वात्यां ल. चि.

मार्गशीर्ष मासः

मा. शी.	कृष्ण	१०	वुधे उ. फा. यां. ल. चि.
,,	,,	११	गुरौ हस्ते ल. चि.
,,	शुक्ल	१	वुधे मूले ल. ६
,,	,,	२	गुरौ मूले. ल. ५
,,	,,	४	शनौ उ. षा. यां. ल. चि.

माघ मासः

माघ	कृष्ण	५	चन्द्रे उ. फा. यां. ल. चिन्त्यम्
,,	,,	६	बुधे हस्ते ल. ८
,,	,,	१०	सूर्ये अनु. यां ल. ६
,,	,,	१२	भौमे मूले. ल. चि.
,,	शुक्ल	४	भौमे उ. भा. यां. ल. ८
,,	,,	५	बुधे रेवत्यां. ल. ८
,,	,,	१०	सूर्ये रोहिण्यां ल. ६

फाल्गुन मासः

फाल्गुन	कृष्ण	३	चंद्रे उ. फा. यां. ल. ८ चि.
,,	,,	६	गुरौ स्वात्यां. ल. ८ चि.
,,	,,	७	शनौ अनु. यां. ल. चि.
,,	,,	८	सूर्ये अनु. यां. ल. ६
,,	,,	१०	भौमे मूले. ल. ८
,,	शुक्ल	२	चन्द्र उ. भा. यां. ल.
,,	,,	३	भौमे. रेवत्यां ल. चि.
,,	,,	७	शनौ रोहिण्यां ल. चि.

भविष्य-वाणी संवत् २०१९

चैत्र शुक्लपक्ष

सुदी ४ से ८ दिन में केसर, मजीठ, कुसुम्ब, लाल वस्तुयें अफीम तेज; सुदी ५ से ११ दिन में किरात, यवनों को पीड़ा, चाँदी, अफीम, रक्तपदार्थ, उड़द, मूँग, घी, तेल, तिल, नारियल, तीसी मन्दा; रुई तेज; चना में घट-बढ़ होगी। सुदी ७ से १ मास में कामरूप देश में अवर्षण, रस, धान्य में तेजी; उसी दिन से ४५ दिन में धान्य, तृण, काष्ठ, चौपाये, सोना तेज; राजपूताने में पीड़ा; सुदी ९ से १ मास में रुई, ईख, तिल, तेल, चाँदी-सोना, गुड़, खाँड़ तेज; उसी दिन से १४ दिन में सर्वधान्य, सर्वरस, सोना-चाँदी, राँगा, सीसा, लोहा, पारा, ऊन, वस्त्र, तीसी, रेंड़ी, बिनौला, तिल, तेल, मेथी, आल्ता, लाल चन्दन, इलायची, लौंग, सुपारी, नारियल, कपूर, हींग तेज; सुदी ११ से ९ दिन में मोती, जवाहरात, गेहूँ, चना, यव तेज; ईख, गुड़, तिल, तेल, दूध, खाँड़, रस, घी मन्दा; सुदी १२ से १८ दिन में बादल होकर भी वृष्टि का अभाव; धान्य, सुगन्ध, कपूर, चन्दन तेज होगा।

९-१०-११, १७-१८-१९ अप्रैल को साधारण बादल-वृष्टि वायु योग है।

चाँदी—तेजी की ओर।

वैशाख

वदी १ से ११ दिन में वृष्टि, रुई, सूत, चाँदी, घी, हींग, खजूर, कपास, तेल, तिल, रेंड़ी, सरसों, जवाहरात, यव, चावल मन्दा; वदी २ से ८ दिन में हाथियों को पीड़ा, चाण्डाल नाश, प्रजा पीड़ा; वैर-वृद्धि, रुई तेज; वृष्टि में न्यूनता; वदी ४ से २५ दिन में शेयर, रुई, चाँदी मन्दी; धान्य, अफीम तेज; वदी ७ से १४ दिन में चावल, हल्दी, मिर्च, गुड़, घी, यव, चना, मजीठ, मोठ, तूवर, तीसी, गुगुल, घी, पीतल, सोना-चाँदी, लोहा, राँगा, सीसा, पारा, अफीम तेज; सुदी ८ से १५ दिन में रुई, धान, कपड़ा, चाँदी मन्दी; वदी १० से २१ दिन में संसार में कलह, युद्ध-भय, रुई मन्दी होकर तेज; अफीम तेज; वदी १२ से ११ दिन में पातक-वृद्धि, जनसंहार, दाख, चाँदी-सोना, तीसी, रेंड़ी, सरसों, घी तेज; गुड़, खाँड़, सुपारी, ऊन मन्दा; वदी १४ से १८ दिन में धान्य तेज; सुदी १ से ८ दिन में कपास, तिल, तेल, सूत, चावल, गुड़, खाँड़ तेज; सन, तूवर मंदा; रुई तेज होकर मंदी; सुदी ४ से ६२ दिन में घोड़ा, गाय, चतुष्पद, कपूर, सुगन्ध, तेल, घी, रस, गेहूँ, धान्य, कपड़ा तेज; कलिङ्ग, गौड़, मथुरा, समुद्रतट में विग्रह; सुदी ८ से १४ दिन में श्वेतपुष्प, यव, गेहूँ, मूँग, मोठ, राई, तीसी, सरसों, रेंड़ी, रुई, सोना-चाँदी तेज; सुदी ९ से ११ दिन में धान्य, मधुर पदार्थ, रस तेज; गेहूँ, चना, ज्वार, कराई, मंदी; सुदी १० से कपास, स्वर्ण, धान्य, अफीम, कपड़ा, शस्त्र तेज; रुई, चाँदी मन्दी; सुदी १२ से ८ दिन में वायु-तीव्र, वृष्टि होगी। गेहूँ, तिल, उड़द मन्दा; सुदी १३ से २५ दिन में कपास, सूत, कपड़ा, सन मन्दा; अफीम तेज; वायु की तीव्रता, वृष्टि की सम्भावना होगी।

२४-२५-२६ अप्रैल १-२, ७-८-९, १४-१५-१६ मई को बादल-वृष्टि, वायुयोग है।

चाँदी—मन्दी में पोते हो जायँ।

ज्येष्ठ

वदी १ से २ मास में गुजरात, गौड़, सौराष्ट्र में जलाधिक्य, पूर्व में भूकम्प, रुई में ५०), १००) की घट-बढ़; सोना-चाँदी घट-बढ़कर मंदा; शेयर तेज; गेहूँ, मूँग, ज्वार, चावल, घी, तेल, तीसी, सरसों, तमाखू, कपड़ा तेज; वदी ३ से ४५ दिन में धान्य मन्दा; तिल, ज्वार, ऊन, कपास, चाँदी तेज; ६-७ जून को अफीम २५) तेज; वदी ४ से ११ दिन में अतिवृष्टि, कोशल, कलिङ्ग में जनक्षय; वदी ५ से १० दिन में ईख, गुड़, खाँड़, कपूर, रस, तिल, तेल, रेंड़ी, बिनौला, मूँगफली, सब धान्य मन्दा; शेयर, रुई तेज; वदी ६ से १४ दिन में चावल, तीसी, सरसों, घी, रेंडी, मिर्च, सुपारी, हींग, तिल, खजूर, सरसों, रुई, सूत, सन, पाट तेज, धनवान्, योगी, सात्त्विक वृत्तिवालों को कष्ट; वदी १० से १० दिन में चाँदी घट-बढ़कर तेज; सुदी १ से ११ दिन में विदर्भ में जननाश; बिनौला तेज; सुदी ५ से १८ दिन में रुई, धान्य तेज; ब्राह्मणों को पीड़ा; सुदी ६ से १४ दिन में पातक-वृद्धि, जनसंहार, गुड़, चीनी, शहत्, खाँड़ तेज; चना, क़राई, गेहूँ मन्दा; सुदी ९ से २५ दिन में वायु-वृष्टि की तीव्रता; गुड़, खाँड़, शक्कर, रेंड़ी, शेयर, अनाज तेज; रुई, चाँदी मन्दी; सुदी ११ से लाख, चपड़ा, गुड़, कपूर, पारा, हींग, हिंगलू मन्दा; रुई, सन, पाट, सूत, धान्य तेज; , सुदी १२ से १ मास में कपास, कन्द मूल, तिल, धान्य तेज; चाँदी, रुई, सोना घट-बढ़कर तेज; राजपूताने में वृष्टि होगी।

२१-२२-२३, २८-२९-३० मई ३-४-५, १०-११-१२, १८ जून को बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी—मन्दी होकर तेजी की ओर।

आषाढ़

वदी ४ से ५ दिन में तृण, काष्ठ तेज; रुई, तीसी, गेहूँ, चाँदी, शक्कर, सूत, कपड़ा, मन्दा; वदी ५ से १४ दिन में घी, गुड़, खाँड़, खल, चावल, मणि, मोती, कराई, धान्य, गेहूँ, सुरमा, कपूर, सूत, रेंड़ी, तीसी, रस, चन्दन, सुगन्ध, लालवस्त्र, कपास, रुई, हल्दी, सोंठ, लोहा, चाँदी तेज; न्यूनाधिक वर्षा होगी। वकील, चोरों को कष्ट; वदी ८ से १८ दिन में देश-भंग की समस्या; तपस्वियों को कष्ट, रुई, सूत, कपड़ा, तिल, तेल, घी, गेहूँ, राई, रेंड़ी, यव, चावल, कपूर, मोठ तेज; वदी ९ से ११ दिन में तूवर, चावल, मोंठ, चना, कराई, मन्दा; सर्प से लोगों को भय; अनाज तेज; वदी १३ से ४५ दिन में सर्वधान्य तेज; चन्दन, केसर, वस्त्र, कपास तेज होकर मंदा; अफीम काफी मन्दी; महाराष्ट्र, मद्रास में अनावृष्टि, धान्य नाश, दूध, रुई, रस मन्दा; धान्य संग्रह में चौगुना लाभ होगा; सुदी ४ से १४ दिन में उड़द, मूँग, मोंठ, चावल, मसूर, नमक, सज्जी, लाख, चपड़ा, नील, तिल रेंड़ी, मजीठ, माज़फल, केसर, कुसुम्ब, चन्दन, देवदारु, लवँग, नारियल, श्वेतवस्तु, बिनौला , कपास, ज्वार, तीसी, हरड़, सोना-चाँदी, ज्वार, तीसी तेज; सुदी ५ से २५ दिन में वायु-वृष्टि में तीव्रता; स्वर्ण, लाल रंग के पदार्थ, चतुष्पद तेज; रुई ८) चाँदी २) मंदी; मारवाड़ में वृष्टि; सुदी ७ से २ मास में चाँदी, लोहा, नोट, कपास सफेद कपड़ा, तेल, घी, गुड़, खाँड़, लाल, नील, चपड़ा, जीरा, यव, चना तेज; सुदी ९ से गेहूँ, तिल, उड़द मंदा; वृष्टि , बाढ़ से भवनों का विनाश; सुदी १२ से १८ दिन में वृक्ष, चौपाये नाश, कपूर, शेयर, सूत, वस्त्र, रुई, सन, पाट, रेशम, गुड़, खाँड़, छुहारा, हींग, मिर्च, राई, सरसों, तेल, तेज; सुदी १५ से १ मास में धान्य में साधारण तेजी; चाँदी तेज होगी।

१९-२०, २४-२५-२६ जून १-२-३, ८-९-१०, १५-१६-१७ जुलाई को बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी—तेजी की ओर।

श्रावण

वदी १ से ८ दिन में धान्य, घी मन्दा; रुई, चाँदी में २ बार घट-बढ़कर तीसरी बार तेज; वदी २ से ८ दिन में गेहूँ, यव, ज्वार, बाजरा, चना, कपास, सूत, मन्दा; वृष्टि, वदी ३ से १४ दिन में तिल, तेल, उड़द, मद्य, गुड़, ज्वार, बाजरा, गुगल, सुपारी, मोंठ, मोम, हल्दी, लाख, सन, पाट, ऊनी वस्त्र, शीशा, सोना, चांदी, चावल, शक्कर तेज; रुई तेज होकर मन्दी; वदी ८ से २१ दिन

में चाँदी तेज; खाँड़, सोना, श्वेत वस्त्र मन्दा; वदी ९ से ८ दिन में चाँदी-सोना, जवाहरात मन्दा; रुई घट-बढ़कर मन्दा; अमावस से वृष्टि, धान्य तेज; सुदी १ से महावृष्टि, तिल, उड़द, रस, तेज; गुजरात में वृष्टि; सुदी २ से १८ दिन में कपास, तिल, नाश; रुई मन्दी होकर तेज, शेष पदार्थ विनौला, गेहूँ, चना, उड़द, तीसी, तिल, तेल, गुड़, प्रामिसरी नोट तेज, सुदी ३ से २५ दिन में अनाज, चावल, घास, शाल तेज; रुई, चाँदी मंदी; पूर्वोत्तर में विघ्न होगा; सुदी ६ से २२ दिनमें दही, अमचूर, खट्टा पदार्थ, देवदारु, रुई, चाँदी, सोना तेज; रुई, शेयर, खाँड़, गुड़, शक्कर, कपूर, रस, मंदा; सुदी १० से ११ दिन में रुई मन्दी; वृष्टि का अभाव; सुदी ११ से ४५ दिन में अच्छी वृष्टि, दूध, दही , गुड़, खाँड़, रस, अनाज, अफीम, तीसी, ताँबा, कुसुम्व, मजीठ, लाल वस्तु तेज; अफीम तेज होकर मंदी; थान, कपड़ा, रुई, चाँदी मन्दी; सुदी १३ से ८ दिन में उड़द, मूंग, मोठ कुछ तेज होगी।

२१-२२-२३, २८-२९-३० जुलाई ४-५-६, ११-१२-१३ अगस्त को बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी——कृष्णपक्ष में तेजी, शुक्ल पक्ष में मन्दी खेलें।

भाद्रपद

वदी २ से १४ दिन में ज्वार, मूँग, रुई, तिल, रेंड़ी, दाख, मिर्च तेज; वृष्टि; उसी दिन से १ मास में ईख, गुड़, शक्कर, रक्त पदार्थ, रत्न, तिल, तेल, घी, रेंड़ी, रुई, चाँदी तेज; वदी ८ से १८ दिन में रुई, कपास, सन, पाट, रेंड़ी, तेज; तिल, भैंसों का नाश; वदी ९ से ८ दिन में उड़द, मोठ, मूँग, तेज; रुई घट-बढ़ कर मंदी; वदी ११ से २१ दिन में वायुवृष्टि में तीव्रता; सोना, खाँड़, यव, चना तेज; चाँदी मन्दी; सुदी १ से १४ दिन में चाँदी-सोना, सूत, कपास, कपड़ा, ऊन, चावल, गेहूँ, सरसों, तिल, ज्वार, जीरा, घी तेज; आवरेज मंदा; सुदी ८ से १० दिन में अनाज मंदा; सुदी १० से १ मास में चाँदी नोट, अफीम, तीसी सुदी१३से१८ दिन में श्वेत वस्तु, कपास, नमक, रस, धान्य, तेज; सुदी १५ से १४ दिन में तिल, भैंसों का नाश; सोना-चाँदी, लोहा, तेल घी, सरसों, रेंड़ी, सुपारी, मूंज, बाँस, नील, अफीम, रेशम, कपास तेज होगा।

१८-१९, २४-२५-२६, ३१ अगस्त १-२-३, ८-९-१०, १४ सितम्बर को बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी——साधारण तेज।

आश्विन

वदी ४ से १ मास में मजीठ, नारियल, तिल, तेल, घी, कपास तेज; चाँदी मन्दी; वदी ९ से ११ दिन में वृष्टि-व्यापारियों को भय, रुई मन्दी; वदी १० से १६ दिन में रुई, शेयर, चाँदी, सोना, तेल, ईख, गुड़, खाँड़, कपूर, रस, तिल, रेंड़ी, बिनौला, मूँगफली तेज; धान्य मन्दा; वदी १४ से १४ दिन में गेहूँ, यव, ज्वार, गुड़, खाँड़, सन, पाट, तीसी, कपास, हल्दी, हरड़, हींग, क्षार, कथीर, लकड़ी, भूसा, तेज; सुदी १ से ४५ दिन में ईख, गुड़, शक्कर, अफीम, धान, रुई, तेज; वृष्टि; सुदी २ से १५ दिन में रुई, चाँदी मंदी; राजपूताने में वृष्टि; सुदी ७ से १८ दिन में रुई, चाँदी तेज; सोना में घटवढ़, चोर भय, राजाओं में विरोध; सुदी ९ से २२ दिन में धान्य, चाँदी, रुई, शेयर मन्दा; सुदी १० से २ मास में तेल, सरसों, हींग, मिर्च, तेज; रुई मन्दी; सुदी १३ से १४ दिन में धान्य, गेहूँ, सूत, कपास, रुई, अरहर, सोना, सूत, केसर, जवाहरात, गुड़, खाँड़, चपड़ा तेज; सुदी १५ से १५ दिन में राजपूताने में वृष्टि चाँदी; रुई तेज होगी।

१५-१६, २०-२१-२२, २८-२९-३० सितम्बर ५-६-७, १२ १३ अक्टूवर को बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी——मास भर मंदी खेलिये। पूर्णिमा को काटकर ३ दिन के लिये पोते।

कार्तिक

वदी २ से ११ दिन में खाँड़, चावल मन्दा; भूचाल तथा रोग की सम्भावना; वदी ३ से १३ दिन में गेहूँ, यव, चना, घास, भूसा, लकड़ी तेज; अफीम, कपूर, चन्दन, अगर, तगर, तेल, तीसी, मूँगफली, गुड़, बिनौला मंदा; वदी ६ से २५ दिन में स्वर्ण, धान्य, तीसी, गेहूँ, अनाज, आमला तेज; रुई,चाँदी,अफीम, मन्दा; पीड़ा, महर्घता, कीड़ों का उपद्रव; वदी १० से चाँदी, धान्य मंदा; घी, तेल, तेज; वदी ११ से १४ दिन में सभी धातुयें गुड़, मिर्च, खाँड़, तेल, राई, हींग, कपूर, लाख, चपड़ा, बिनौला, केराना, गुगुल, हल्दी, सन, पाट तेज; सुदी ४ से वृष्टि, वायु की तीव्रता, ज्वरादि कष्ट, युद्ध की स्थिति; चाँदी, तीसी, सरसों, रेंड़ी, बिनौला, मूँगफली तेज; सुदी ४ से १८ दिन में अल्पवृष्टि, धान्यनाश (१४ से १८ वें दिन चाँदी मंदी) चाँदी-सोना, रुई तेज; धान्य, घी मन्दा; सुदी ४ से ८ दिन में साधारण वृष्टि, चाँदी, सूत, कपड़ा, बिनौला, मूँगफली तेज; सुदी ९ से १४ दिन में चाँदी, धातु, नोट, तिल, चावल, सर्वरस, सूत, अफीम, सरसों, मसूर, रेंड़ी तेज होगी।

१८-१९-२०, २५-२६-२७ अक्टूवर १-२-३, ८-९-१० नव. को बादल-वृष्टियोग है।

चाँदी——मंदी की ओर।

मार्गशीर्ष

वदी २ से ८ दिन में रुई मन्दी; वदी ५ से १ मास में ऊनी वस्त्र, चाँदी, ताँबा, सभी द्रव्य, तेल, रुई, अफीम तेज; धान्य मन्दा; वदी ६ से ११ दिन में स्वल्प वृष्टि, धान्य–समर्घ, पीड़ा; चाँदी, चावल, सूत, सन, पाट, वस्त्र, सोना तेज; वदी ८ से २१ दिन में चौपाय, रुई, चाँदी तेज; घी, तेल, अफीम, अनाज मंदा; वदी ९ से १४ दिन में रस, धातु, चना, ऊन, नोट तेज; सोना-चाँदी मन्दा; सुदी १ से २ मास में कामरूप देश में अशान्ति; सुदी ३ से ८ दिन में ईख, चावल, घी, अश्व, रस तेज; सुदी ६ से १४ दिन में सोना-चाँदी, गुड़, धान्य, रेंड़ी, चावल, गुगुल, पाट, सरसों, वस्त्र, पारा तेज; सुदी ८ से ६ दिन में सोना-चाँदी, नोट, मोती मंदी ततः तेजः; उसी दिन से १ मास पश्चात् सूत, घी, हाथीदाँत, चावल, तेज; सुदी १२ से २२ दिन में रुई, चाँदी मन्दी; सुदी १५ से ४५ दिन में सोना-चाँदी, रूपा, ताँबा, गेहूँ, राँगा शीशा, लाल रंग, लाल मिर्च, तिल, उड़द, मूँग, धान्य तेज होगा।

१४-१५-१६, २१-२२-२३, २९-३० नवम्बर १, ५-६ ११ दिसम्बर को साधारण बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी——साधारण तेज।

पौष

वदी ३ से ११ दिन में उत्तम-वृष्टि व्यापारियों को भय; रुई मन्दी; वदी ५ से १ मास में तिल, तेल, कपास, अनाज, सूत, चाँदी तेज; कोटा मालवा में उपद्रव; वदी ६ से १५ दिन में कपास, धान, कपड़ा, चाँदी, रुई मन्दी; सुदी २ से २२ दिन में दुर्भिक्ष, महाभय, रक्त-वर्ण के सभी पदार्थ तेज; सुदी ३ से १४ दिन में तिल, तेल, गुड़, गुगुल, हल्दी, चपड़ा, कपूर, ऊनी वस्त्र, सन, पाट, चांदी, चना, बिनौला तेज; सुदी ३ से रूई, शेयर, चाँदी मन्दी; सुदी ८ से ११ दिन में खाँड़, चावल मन्दा; भूचाल, रोग होगा। उसी दिन से २ मास में कामरूप देश में दुर्भिक्ष, अन्न, रस तेज; अवर्षण; सुदी ९ से ८ दिन में गुड़, तीसी, धान, चना तेज; हिमपात, राजपुत्र का नाश; वदी १० से १२ दिन में गेहूँ, तीसी में घट-बढ़ होगी।

१२-१३, १८-१९-२०, २५-२६-२७-२८ दिसम्बर २-३, ८-९ जनवरी को साधारण बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी——घट-बढ़ चलेगी।

(शेष पृष्ठ ८ पर)

।। अक्षांश और देशान्तरसारिणी ।।

स्थान का नाम		अक्षांश अंशादि में	देशान्तर दण्डादि में			स्थान का नाम		अक्षांश अंशादि में	देशान्तर दण्डादि में		
			द.	प.	वि.				द.	प.	वि.
अजमेर		२६.१५	—१	१५	४२	अहमदाबाद	बम्बई	२३.०	—१	४६	१२
कोचिन, चायना अनाम		१०.०	+३	४९	४८	अहमदनगर	,,	१९.५	—१	२४	४१
खासीहोल	आसाम	२५.१०	+६	१९	४८	कच्छ	,,	२३.०	—२	१०	१२
गारोपहाड़	,,	२६.०	+९	११	४८	कराँची	,,	२४.५०	—२	४४	५४
चेरापूंजी	,,	२५.१५	+१	२४	१८	काठियावाड़	,,	२२.०	—२	०	१२
सिलांग	,,	२५.३३	+१	२५	१८	कम्बात	,,	२२.१५	—१	४५	४२
सिलहठ	,,	२५.५३	+१	२५	१२	कोल्हापुर	,,	१६.४५	—१	२०	४२
मनीपुर उत्तर पूर्वभारत		२५.०	+२	५२	४८	खानदेश	,,	२०.४५	—१	२०	५२
कटक	उड़ीसा	२०.३०	+०	२९	४८	गोआ	,,	१५.३०	—१	३०	१२
जगन्नाथपुरी	,,	१९.४५	+०	२९	४८	गुजरात	,,	२२.२३	—१	५०	१२
सम्भलपुर	,,	२१.३१	+०	५	३०	जूनागढ़	,,	२१.३१	—२	६	३६
भूटान	उत्तर भारत	२७.०	+१	१९	४८	पूना	,,	१८:३०	—१	३०	१२
सिकम	,,	२७.२०	+०	५३	४८	बेलगाँव	,,	१५.४५	—१	२७	१२
हिमालय	,,	२०.९	+०	१९	४८	बड़ौदा	,,	२२.०	—१	३७	१२
अलेंपी	ट्रावनकोर	२९.३०	—१	७	५५	बीजापुर	,,	१६.४९	—१	१५	३६
जम्बू	काश्मीर	३२.४४	—१	२५	१८	भड़ोच	,,	२१.४३	—१	३८	१२
श्रीनगर	,,	३४.६	—१	२४	४२	भुज	,,	२३.१५	—२	१०	१२
कुर्ग	दक्षिण भारत	१२.१५	—१	१५	४	भार	,,	१८.९	—१	३४	४८
डेकन	,,	१८.०	—०	०	१२	सतपुड़ा पर्वत	,,	२१.५०	—१	२७	१२
दोदावेटा	,,	११.१५	—१	५८	३६	सितारा	,,	१७.४१	—१	२९	१२
मनारखाड़ी	,,	८.०	—०	४०	१२	सालसिट	,,	१९.१५	—१	४५	१०
हैदराबाद	,,	१७.१५	—०	४७	१२	सिन्ध	,,	२६.०	—२	२०	१२
काठमाण्ड	नैपाल	२७.४२	+०	२१	०	सूरत	,,	२१.०	—१	४०	१२
धौलागिरि	,,	२९.०	—१०	०	१२	शोलापुर	,,	१७.३०	—१	१०	१२
अटक	पंजाब	३३.५३	—१	४८	३०	अक्याब	बर्मा प्रान्त	२९.०	+१	३९	४८
अम्बाला	,,	३०.२१	—१	५	०	अमरपुर	,,	२१.५५	+२	१६	४८
अमृतसर	,,	३७.३७	—१	२५	२४	अमहरष्ट्र	,,	१६.२	+२	२३	६
जिलियानवाला	,,	३२.४०	—१	३६	१८	आराकान	,,	२०.५०	+१	४२	३६
डेरागाजीखाँ	,,	३०.५	—२	५	०	तनाश्रम	,,	१२.०	+२	३२	४८
पटियाला	,,	३०.२०	—१	७	४२	पेगू	,,	१७.१५	+२	१२	४८
वहावलपुर	,,	२९.२४	—१	५६	०	वसैस	,,	१६.३०	+२	४	१८
मुलतान	,,	३०.५६	—१	४५	१२	भामो	,,	२४.०	+२	१९	४८
रावलपिण्डी	,,	३३.३६	—१	३७	१२	मेरगुई	,,	१२.१५	—४	५	४२
लाहौर	,,	३१.२७	—१	२७	३६	मौलमीन	,,	१६.३०	+२	२३	३६
शिमला	,,	३१.६	—०	५९	६	रंगून	,,	१६.४५	+२	९	४८
चित्राल	पश्चिमोत्तरसी.	३५.४८	—११	५५	०	अकोला	बरार प्रांत	२०.४८	—०	५८	१२
पेशावर	,,	३४.१५	—१	५५	४२	अमरावती	,,	२१.३६	—०	५५	३०
भावनगर पश्चिमी भारत		२१.४५	—१	४९	०	एलिचपुर	,,	२१.१५	—०	५७	१८
कलकत्ता	वङ्गाल	२२.३०	+०	५२	४२	आरा	विहार प्रांत	२५.५	+०	१९	५०
कूचविहार	,,	२६.१९	+१	२	४२	गया	,,	२४.५	+०	२१	२०
चिटगाँव	,,	२२.१५	+१	९	४२	छपरा	,,	२५.८	+०	२०	३०
डामन	वङ्गाल प्रांत	२२.२५	—१	४४	५४	डालटेनगंज	,,	२४.२	+०	९	०
ढाका	,,	२४.४०	—१	१३	१८	दरभङ्गा	,,	२६.२	+०	३२	१०
दमदम	,,	२२.३८	+०	५२	३६	पटना	,,	२५.७	+०	२४	५०
बरहामपुर	,,	२४.५	+०	५०	५०	पुरलिया	,,	२३.४	+०	३०	०
बर्दवान	,,	२३.१५	+०	४९	४८	पलामू	,,	२३.५६	+०	१३	०
वरकपुर	,,	२२.४६	—१	४	१२	विहार	,,	२५.१५	+०	२१	०
मुर्शिदावाद	,,	२४.११	+०	५१	४२	भागलपुर	,,	२५.२	+०	४३	१०
भतपारा	,,	२२.५४	+०	५२	१८	मुंगेर	,,	२५.६	+०	३७	५०
मिदिनीपुर	,,	२२.२५	+०	४१	५४	मुजपफरपुर	,,	२६.०	+०	२८	५०
सुन्दरवन	,,	२२.०	+०	५९	४८	राँची	,,	२३.३	+०	२६	३०
हवड़ा	,,	२२.३०	+०	५२	४८	ससराम	,,	२५.०	+०	१३	२०
अकलकोट	वम्वई	१७.३१	—१	८	४२	हजारीवाग	,,	२४.०	+०	१८	५

स्थान का नाम		अक्षांश अंशादि में	देशान्तर दण्डादि में			स्थान का नाम		अक्षांश अंशादि में	देशान्तर दण्डादि में		
			द.	प.	वि.				द.	प.	वि.
हाजीपुर	,,	२५.७	+०	२५	१०	नागपुर	मध्यप्रांत	२१.१५	—१	३७	१२
अण्डमनद्वीप	भारतवर्ष	१३.०	+०	३५	०	वतसर	,,	१९.०	—०	२०	१२
अहमदपुर	,,	२८.०	+१	५७	१२	बरार	,,	२०.३	—०	०	१२
एवरेस्ट-चोटी	,,	२८.०	—१	३४	१८	सागर	,,	२३.५७	—१	४६	१२
काश्मीर	,,	३४.०	+०	२०	१२	अलीराजपुर	मध्यभारत	२२.११	—०	२७	४८
खैबरघाटी	,,	३४.०	—१	५७	१२	अजयगढ़	,,	२४.५३	—१	२४	४२
गङ्गा	,,	२३.०	+१	१९	४८	इन्दौर	,,	२२.४५	—०	१०	१२
जयपुर	,,	२५.४३	—१	२५	१२	उज्जैन	,,	२३.११	—१	१५	०
जोधपुर	,,	२६.२५	—१	३६	१२	ग्वालियर	,,	२६.१५	—०	४६	१२
दिल्ली	,,	२८.३०	—१	४८	४२	बघेलखण्ड	,,	२२.४०	—०	—	—
बम्बई	,,	१८.५५	—०	४४	४८	बखानी	,,	२२.३	—१	२४	३०
बिहार	उड़ीसा	२३.०	—१	१९	४८	विजवार	,,	२४.३८	—०	३७	०
मद्रास	,,	१३.४	+०	२८	३५	विन्ध्याचल	,,	२२.३०	—१	१०	१
मैसूर	,,	१२.०	—०	७	१२	बुन्देलखण्ड	,,	२४.३०	—०	३०	१२
राजपूताना	,,	१७.०	—१	४०	१२	भूपाल	,,	२३.०	—०	५७	१२
लंकाद्वीप	,,	११.३०	—१	४५	१२	म्हाउ	,,	२२.२३	—१	१५	३६
हैदराबाद	,,	२५.१५	—१	२५	४२	बङ्गलोर	मैसूर	१२.४५	—०	५७	१२
अनमलाएप.	मद्रासप्रांत	१०.३०	—२	०	१२	अलवर	राजपूताना	२७.३६	—१	६	२४
आरकट	,,	१२.५५	—१	३७	४२	आबू पहाड़	,,	२४.३६	—१	४५	४२
उटकमण्ड	,,	११.२०	—०	५	१२	आराबली	,,	२६.३०	—१	२०	१२
एनोन	,,	१६.४४	—१	८	१२	उदयपुर	,,	२४.३७	—१	३५	५४
ववाडमन	,,	९.२७	—०	५	२	थरमरूभूमि	,,	२७.०	—२	०	१२
कर्नालि	,,	१५.४७	—०	४५	१०	बीकानेर	,,	२८.०	—१	३७	०
कुमरिन	,,	८.०	—०	५७	१२	बून्दी	,,	२५.२७	—१	१६	६
करोमण्डल	,,	१३.६	—०	२७	१२	बांशवाड़ा	,,	२३.३०	—१	२७	४२
कालीकट	,,	११.१५	—०	१५	४२	भरतपुर	,,	२७.०	—०	५७	१२
कारीकल	,,	१०.३४	—१	३६	१२	कोलम्बो	सिलोन	६.५६	—०	३४	८
कुदलुर	,,	११.३०	—०	३५	४२	गैली	,,	६.०	—०	२९	१८
कुदापह	,,	१४.३०	—०	४५	४२	असई	हैदराबाद	२०.१५	—१	१०	१२
कोकण	,,	१६.५७	—०	८	४२	अदिलाबाद	,,	१९.३७	—०	४७	१२
कोचीन	,,	१०.०	—०	८	४२	एलोरा	,,	२०.२	—१	१८	५४
कञ्जीवरम्	,,	१२.५०	—१	३५	४२	औरङ्गाबाद	,,	२०.२	—१	१७	१२
क्वानवेट्र	,,	११.०	—०	५९	४२	गुलवर्गा	,,	१७.२०	—१	५	०
गञ्जाम	,,	१९.०	—०	२२	४८	गोलकुण्डा	,,	१७.२२	—०	४७	३६
चिलकाझील	,,	१९.३०	+०	२२	४८	सिकन्दराबाद	,,	१७.१६	—०	४७	२४
ट्रावनकोर	,,	९.०	—०	०	१२	अलमोड़ा	उत्तरप्रदेश	२९.३५	—०	३६	६
तीनीभेली	,,	८.४५	—१	५५	४८	अलीगढ़	,,	२७.५५	—०	४४	०
तेलीचरी	,,	११.४५	—०	१७	०	आगरा	,,	२७.०	—०	४८	४२
तुतिकोरन	,,	८.४८	—०	४९	६	अयोध्या	,,	२६.३८	—०	८	४२
तञ्जोर	,,	१०.४५	—०	३२	४२	इलाहाबाद	,,	२५.२२	—०	१५	१२
नीलगिरि	,,	११.१२	—०	८	२४	कानपुर	,,	२६.३०	—०	२८	४२
नेलोर	,,	१४.३०	—१	३०	१२	गोण्डा	,,	२५.५९	—०	१५	३०
पाण्डुचेरी	,,	१२.०	—०	३०	१२	देहरादून	,,	३०.२०	—०	४९	४२
वरहामपुर	,,	१९.१८	—०	१४	३६	नैनीताल	,,	२९.२२	—०	३७	१८
विजगापट्टम	,,	१७.३०	+०	२	४८	फर्रुखाबाद	,,	२७.२०	—०	३७	१२
विजयानगरम्	,,	१७.७	—०	२	३०	फैजाबाद	,,	२६.९	—०	१५	१२
वैगनपूला	,,	१५.१९	—०	४८	३०	बनारस	,,	२५.१५	—०	०	१२
वैपुर	,,	११.०	—०	१५	४२	मिर्जापुर	,,	५५.०	—०	७	१२
मछलीपट्टम	,,	१६.०	—१	१८	४२	सहारनपुर	,,	२९.५८	—०	५६	४२
मङ्गलौर	,,	१२.४५	—०	२०	१२	बरेली	संयुक्त प्रांत	२८.१५	—०	३७	१२
शिकासोल	,,	१८.१५	+०	९	४८	मथुरा	,,	२७.३०	—०	५५	४८
सरिपङ्गाट्ट	,,	१२.३०	+०	८	१२	नार्नकिंग	चीन	३२.०	५	५९	४८
सलेम	,,	११.३७	—१	५१	१२	पेकिंग	,,	४०.०	५	३२	४८
त्रिचनापल्ली	,,	१०.४५	—०	४५	४८	सवाई	,,	३१.३०	६	२२	४८
त्रिवेन्द्रम	,,	८.१५	—५	०	१२	हांगकांग	,,	२२.०	५	१०	४८

स्थान का नाम		अक्षांश अंशादि में	देशान्तर दण्डादि में		
			द.	प.	वि.
टोकियो	जापान	३५.४३	९	२४	६
याकोहामा	,,	३५.१५	९	२३	४८
अदन	अरब	१३.०	—६	२०	१२
मक्का	,,	२१.०	—७	१०	१२
मदीना	,,	२५.१०	—७	१५	१२
वगदाद	मेसोपोटामियाँ	३३.२०	—६	२७	४२
काबुल	अफगानिस्तान	३४.३०	—२	२०	१२
हेरात	,,	३४.२५	—३	३०	१२
क्वेटा	वेलुचिस्तान	३०.१०	—२	४०	१२
कुस्तुन्तुनिया	तुर्कि.	४१.०	—९	०	१२
औक्सफ़ोर्ड	इङ्गलैण्ड	५१.४६	–१३	३८	४२
डरहम	,,	५६.०	–१३	३६	४२
डोवर	,,	५१.८	–१३	३८	४२
वरमिंघम	,,	५२.३०	–१३	३४	४२
मैनचेस्टर	,,	५२.३०	–१३	३४	४२
यार्क	,,	५३.५८	–१३	३७	१२
लण्डन	,,	५१.३०	–१३	४५	१२
डबलिंग	आयरलैण्ड	५३.२३	–१२	४८	१२
गाभेडा	,,	५४.४४	–१२	४८	१२
वेलफास्ट	,,	५४.३६	–१२	५०	१२
पेरिस	फ्रांस	४८.५०	–१३	२८	०
मारसेलिश	,,	४३.२०	–१२	५७	३०
वारसिलोना	स्पेन	४१.२५	–१३	२९	१२

स्थान का नाम		अक्षांश अंशादि में	देशान्तर दण्डादि में		
			द.	प.	वि.
मैड्रेड	स्पेन	४०.२५	–१३	१५	४२
नेपुल्स	इटली	४०.५०	–११	२८	४२
मीलन	,,	४५.३०	–१२	१९	१२
रोम	,,	४१.५५	–११	४०	१२
वरलिन	जर्मनी	५२.४५	–११	३७	४८
हैमवर्ग	,,	५३.३५	–१२	१०	१२
वियना	आस्ट्रिया	४८.१५	–११	८	१२
प्रेग	जेकोस्लोवेकिया	५०.५	–११	२७	४०
वुडापेस्ट	हङ्गरी	४७.२९	–११	३७	१२
वुखारेष्ट	रुमानियाँ	४४.२५	—९	२५	१२
वासली	नार्वे	५९.५४	–१२	५	४२
अमेस्टर्डम	हालैण्ड	५२.२२	–१३	४	५४
कोपेनहेगेन	डेनमार्क	५५.४०	–११	४७	१२
स्टाकहोम	स्वीडन	५९.२०	–१०	५०	१२
हेलसिंगको	फीनलैण्ड	६०.१०	—९	४०	१२
मास्को	रूस	५५.४०	–७	३७	१२
लेनिनग्राड	,,	५९.५८	—८	४७	३२
टिफिल	ट्रान्सकाकेशिया	४१.४०	—६	२५	४४
सौफिमा	बलगेरिया	४२.४५	—९	५८	४८
वारसा	पोलैण्ड	५२.१६	–१०	३०	१६
रेभेल	स्टोनिया	५९.२७	—९	४५	१२
एथेन्स	ग्रीस	३७.५६	—९	५६	२२
वेलग्रेड	यूगोस्लाविया	४४.५	–१०	२७	१२

पृष्ठ ६ का शेष

माघ

वदी २ से १४ दिन में उड़द, मूँग, मोठ, रेंड़ी, रेशम, गुड़, कपास, घी, लोहा, पिपरामूल, लांख, चपड़ा, मूँज, बाँस, सरसों, तेज; वदी ३ से १६ दिन में ईख, गुड़, खाँड़, शक्कर, कपूर, रस, तिल, तेल, रेंड़ी, बिनौला, गेहूँ, सोना-चाँदी, शेयर तेज; वदी ५ से १ मास में घी, तीसी, तेल, रुई, लाख, चपड़ा, लाल वस्त्र, धान्य तेज; वायु की तीव्रता; गुड़ की वृद्धि; मालवा में वृष्टि; चाँदी में घट-वढ़ कर मंदी; वदी ७ से सोना, चाँदी, चावल, सरसों, तेल, हींग, रुई, शेयर मन्दा; वदी १४ से १४ दिन में गेहूँ, यव, चावल, चाँदी, सोना, लोहा, पारा, राँगा, सीसा, नोट, तीसी, सोपारी, पिप्पली, लवँग, अफीम तेज; सुदी १ से १५ दिन में सोना-चाँदी, रुई तेज; सुदी ५ से २२ दिन में धान्य, महर्घ, रुई, चाँदी मन्दी; शेयर तेज; सुदी ९ से १३ दिन में तृण, काष्ठ, ईख, चावल तेज; अफीम, कपूर, चन्दन, अगर, तगर मन्दा; सुदी १३ से १४ दिन में जवाहरात, रुई, सोना-चाँदी, मोती, मूंग, मसूर, नील तेज होगा।

१५-१६-१७, २२-२३-२४, २९-३०-३१ जनवरी ४-५-६ फरवरी को वादल-वृष्टि योग है।

फाल्गुन

वदी ४ से ११ दिन में जलचर जन्तु, जलज पदार्थों को पीड़ा; उड़द, तेल, क्षार, नमक मंदा; वदी ५ से १ मास में अनाज, रेंड़ी, तीसी मंदा; नमक, तेल, धान्य, तेल, रुई, तेज; वदी ९ से गुड़, तीसी, धान, चना तेज; हिमपात; वदी १० से १४ में चाँदी, सरसों, सन, पाट, सूत, कपड़ा, नील, तेल, हींग, केराना, रेंड़ी, गुड़, जायफल, दाख, खारक, सोंठ तेज; वदी ११ से युद्धवृद्धि, चतुष्पद-नाश, तृण, काष्ठ, लोह, आवरेज, मूंग, सज्जी, लहसुन, चावल, गुड़, खाँड़, लोहा, जस्ता, सीसा, रंग, तेल, शेयर, सरसों, तीसी, रेंड़ी, बिनौला, मूंगफली, मंदी; अमावस्या से ११ दिन में रोग-वृद्धि, तीसी, रस मन्दा; रुई, घट-वढ़; सुदी ४ से २५ दिन में अन्न, रस, रुई, चाँदी, शेयर, अफीम, गुड़, चना, खाँड़, घी, गेहूँ तेज; सुदी ९ से १४ दिन में सोना-चाँदी, गेहूँ, चना, गुड़, उड़द, घी, रेशम, गुगुल, पिपरामूल, ज्वार, बाजरा, तिल तेज; सुदी १० से २१ दिन में तीसी, रुई मंदी; अफीम तेज होकर मंदी; चाँदी मंदी होकर तेज; घी, तेल, रस तेज; सुदी १२ से ११ दिन में रुई, तेल, तिल, तेज; कान में पीड़ा; सुदी १२ से ४ मास में पूर्व दक्षिण में दुर्भिक्ष, रुई, श्वेत पदार्थ मंदा होगा।

११-१२-१३, १९-२०-२१, २५-२७-२६ फरवरी ३-४-५ मार्च को साधारण बादल-वृष्टियोग है।

चाँदी—तेजी की ओर।

चैत्र कृष्णपक्ष

वदी ४ से १ मास में धान्य, नमक, तिल, तेल, रस, तेज; वदी ६ से चाँदी, रूई, सोना, घट-वढ़कर तेज; धान्य, घी, मन्दा; वदी ६ से रुई मंदी; तेल, चाँदी तेज; वदी ७ से १४ दिन में रस, धान्य, मणि, तेल, चावल, तेज; वदी १४ से ८ दिन में चावल, मोती, शक्कर, कपूर, मन्दा; वदी ३० से चाँदी, मंदी होगी।

११-१२-१३, १८-१९-२०, २५ मार्च को साधारण बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी—साधारण तेज।

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि	गतिः क.	वि.
३०	५६	१	गु.	३७	३१	रे.	२०	६	ऐं.	०/५६	५०/३०	किं.	१२	७	वव	३७	३१	मित्र	५	२९	२२	मे.	२०	६	५	४९	६	११	११	२१	३०	१४	५९	२
३१	०	२	शु.	२९	१८	अ.	१३	४१	वि.	४१	४७	वा.	३	२४	कौ.	२२/५६	१८/५३	वज्र	६	३०	२३				५	४८	६	१२	११	२२	२९	१६	५८	५९
३१	४	३	श.	२२	३९	भ.	९	१३	प्री.	३४	१७	ग.	२२	३९	व.	५०	६	ध्वांक्ष	७	१	२४	वृ.	२३	१९	५	४७	६	१३	११	२३	१८	१५	५८	५७
३१	७	४	र.	१७	३४	कृ.	५	३७	आ.	२७	५९	वि.	१७	३४	व.	४५	३४	धूम्र	८	२	२५				५	४७	६	१३	११	२४	१८	१२	५८	५५
३१	११	५	चं.	१४	३४	रो.	४	११	सौ.	२३	५३	वा.	१४	३४	कौ.	४३	१५	प्रवर्ध.	९	३	२६	मि.	३३	१४	५	४६	६	१४	११	२५	१६	७	५८	५३
३१	१५	६	मं.	१३	५६	मृ.	३	१७	शो.	२१	५	तै.	१३	५६	ग.	४४	४४	रक्ष	१०	४	२७				५	४५	६	१५	११	२६	१५	०	५८	५१
३१	१८	७	बु.	१५	६	आ.	८	१७	अ.	२०	१५	व.	१५	६	वि.	४६	४९	मुसल	११	५	२८	कं.	५६	४७	५	४४	६	१६	११	२७	१३	५१	५८	४९
३१	२१	८	गु.	१८	३२	पु.	१२	५७	सु.	२०	३१	वव	१८	३२	वा.	५०	४३	सिद्धि	१२	६	२९				५	४४	६	१६	११	२८	१२	४०	५८	४७
३१	२५	९	शु.	२२	५४	पु.	१९	१२	धृ.	२१	४५	कौ	२२	५४	तै.	५६	२	उत्पात	१३	७	३०				५	४३	६	१७	११	२९	११	२७	५८	४५
३१	२९	१०	श.	२९	१३	श्ले.	२६	२३	शु.	२४	१९	ग.	२९	१३	व.	६०	०	मानस	१४	८	१	सिं.	२६	२३	५	४२	६	१८	०	०	१०	१२	५८	४३
३१	३२	११	र.	३५	२६	म.	३३	४७	गं.	२६	३६	व.	२	१९	वि.	३५	२६	मुद्गर	१५	९	२				५	४२	६	१८	०	१	८	५५	५८	४०
३१	३५	१२	चं.	४१	५४	पू.	४१	३३	वृ.	२९	१३	वव	८	४०	वा.	४१	५४	ध्वज	१६	१०	३	कं.	५७	५०	५	४१	६	१९	०	२	७	३५	५८	३८
३१	३९	१३	मं.	४७	५६	उ.	४८	४३	ध्रु.	३१	१५	कौ.	१४	५७	तै.	४७	५६	धाता	१७	११	४				५	४०	६	२०	०	३	६	१३	५८	३५
३१	४२	१४	बु.	५३	३३	ह.	५५	५३	व्या	३३	७	ग.	२०	२९	व.	५३	३३	आनन्द	१८	१२	५				५	४०	६	२०	०	४	४	४८	५८	३३
३१	४६	१५	गु.	५८	६	चि.	६०	०	ह.	३४	२१	वि.	२५	४९	वव	५८	६	चर	१९	१३	६	तु.	२२	५५	५	३९	६	२१	०	५	२	२१	५८	३१

श्री शुभ संवत् २०१९ शके १८८४ चैत्र शुक्लपक्षः।
सौम्यायनम् याम्यगोलः। मेषार्कतः सौम्य गोलः। +

नववर्षारम्भः। नवरात्रारम्भः। उदीच्यां यात्रा मु. २०।६ a
चन्द्रदर्शनम्। मत्स्य जयन्ती। प्राच्यां यात्रा मु. अश्वि. भे c
जिल्काद। भ.५०।६ उ.। शतभिष भे २ चर.गुरुः ७।५। d
भ.१७।३४ या.। रेवती भे बुधः ४०।५। c स.सि. योगः।
भरणी भे शुक्रः १८।९। या. जय मु. योगः ४।११ या.। e
श्रवण भे ३ चरणे शनिः ५४।४। d या. जय.मु. ९।१३ या.।
भ. १५।६ उ. ४६।४९ या.। मीने भौम. १०।९। दक्षिण. f
प्रतीच्यां यात्रा मु.। पुष्य भे स. सि. अ. सि. योगः।
सं. मेषे चार्कः ४८।५२। रामनवमी व्रतं सर्वेषाम्। उदीच्यां g
मघा भे उग्र कर्म मु.। e दक्षिणपूर्वयोः यात्रा मु.। i स.सि. योगः।
भ. २।१९ उ. ३५।२६ या.। उत्तरा भाद्रपद भे भौमः h
उ. फा. भे या. जय योगः। f पश्चिमयोः यात्रा मु.।
प्रदोषः। a या.ततः प्राच्यां यात्रा मु. तिथिदानात्। या. b
भ. ५३।३३ उ.। g यात्रा मु. तिथिदानात्। b जय योगः, i
भ. २५।४९ या.। h ३०।५२। कामदा ११ व्रतं सर्वेषाम्।

चै. शु. २ शु. इ. ४५।३०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	१०	११	१०	०	९	३	९
२३	२४	१३	९	१०	१६	२१	२१
१४	५३	१४	५५	१३	२३	३५	३५
१७	३४	४७	२२	४२	३५	४७	४७
५८	४५	१०४	१२	७४	४	३	३
५९	५७	४७	६	१५	३०	११	११

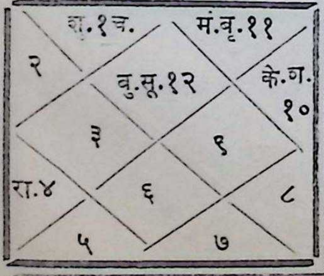

दैनिक लग्नसारिणी

+ अप्रैल ५ से १९ तक सन् १९६२ ई०

तिथयः	१ बृ.		२ शु.		३ श.		४ र.		५ चं.		६ मं.		७ बु.		८ बृ.		९ शु.	
मी. अं.	६	१६	६	१२	६	८	६	४	६	०	५	५६	५	५३	५	५०	५	४६
मे. अं.	७	५२	७	४८	७	४४	७	४०	७	३६	७	३२	७	२९	७	२६	७	२२
वृ. अं.	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	९	२५	९	२२	९	१८
मि. अं.	१२	२	११	५८	११	५४	११	५०	११	४५	११	४२	११	३९	११	३६	११	३२
क. अं.	२	२०	२	१६	२	१२	२	८	२	४	२	०	१	५७	१	५४	१	५०
सिं. अं.	४	३७	४	३३	४	२९	४	२५	४	२१	४	१७	४	१४	४	११	४	७
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
क. अं.	६	५३	६	४९	६	४५	६	४१	६	३७	६	३३	६	३०	६	२७	६	२३
तु. अं.	९	११	९	७	९	३	८	५९	८	५५	८	११	८	४८	८	४५	८	४१
वृ. अं.	११	२९	११	२५	११	२१	११	१७	११	१३	११	९	११	६	११	३	१०	५९
ध. अं.	१	३४	१	३०	१	२६	१	२२	१	१८	१	१४	१	११	१	८	१	४
म. अं.	३	१९	३	१५	३	११	३	७	३	३	२	५९	२	५६	२	५३	२	४९
कुं. अं.	४	४९	४	४५	४	४१	४	३७	४	३३	४	२९	४	२६	४	२३	४	१९

तिथयः	१० श.		११ र.		१२ चं.		१३ मं.		१४ बु.		१५ बृ.	
मे. अं.	७	१८	७	१४	७	१०	७	६	७	३	७	०
वृ. अं.	९	१४	९	१०	९	६	९	२	८	५९	८	५६
मि.अं.	११	२९	११	२४	११	२०	११	१६	११	१३	११	१०
क. अं.	१	४६	१	४२	१	३८	१	३४	१	३१	१	२८
सिं.अं.	४	३	३	५९	३	५५	३	५१	३	४८	३	४५
कं. अं,	६	१९	६	१५	६	११	६	७	६	४	६	१
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
तु. अं.	८	३७	८	३३	८	२९	८	२५	८	२३	८	१९
वृ. अं.	१०	५५	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	४०	१०	३७
ध.अं.	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४५	१२	४२
म. अं.	२	४५	२	४१	२	३७	२	३३	२	३०	२	२७
कुं. अं.	४	१५	४	११	४	७	४	३	४	०	३	५७
मी.अं.	५	४२	५	३८	५	३४	५	३०	५	२७	५	२४

चै. शु. ९ शु. इ. ४५।४२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	११	११	१०	०	९	३	९
०	१	१७	१०	१८	१६	२१	२१
५	५९	२५	३६	४१	५०	१४	१४
२२	४५	१४	४७	१९	५४	४१	४१
५८	४९	१२४	११	७४	३	३	३
४५	४७	१३	५	७	४२	११	११

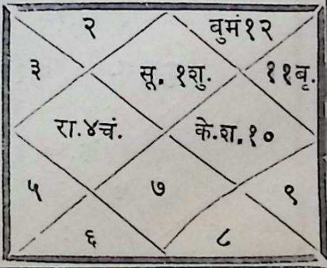

श्री शुभ संवत् २०१९ शके १८८४ वैशाख कृष्णपक्षः। सौम्यायनगोलौ। अप्रैल २० से मई ४ तक।

दि. मा.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३१	४९	१	शु.	६०	०	चि.	१	३७	व.	३४	३९	वा.	२९	५८	कौ.	६०	०	मुसल	२०	१४	७				५	३८	६	२२	०	६	१	५८	५८	२९
३१	५३	१	श.	१	५१	स्वा	६	३७	सि	३४	३[illegible]	कौ.	१	५१	तै	३६	१२	सिद्धि	२१	१५	८	वृ.	५४	३१	५	३७	६	२३	०	७	०	२१	५८	२७
३१	५६	२	र.	४	३६	वि.	१०	१६	व्य.	३३	१५	ग	४	३६	व	३५	२५	उत्पात	२२	१६	९				५	३६	६	२३	०	७	५८	४८	५८	२४
३१	५९	३	चं.	६	१५	अ.	१३	३१	व.	३१	३३	वि.	६	१५	ब.	३६	२७	मुद्‌गर	२३	१७	१०				५	३६	६	२४	०	८	५७	१२	५८	२२
३२	३	४	मं.	६	३९	ज्ये.	१५	२१	प.	२८	३५	वा.	६	३९	कौ.	३६	४५	ध्वज	२४	१८	११	ध.	१५	२१	५	३५	६	२५	०	९	५५	३४	५८	१९
३२	६	५	बु.	६	२५	मू.	१६	१५	शि.	२४	५९	तै.	६	२५	ग	३५	२५	धाता	२५	१९	१२				५	३५	६	२५	०	१०	५३	५३	५८	१६
३२	९	६	गु.	४	२६	पू.	१६	१२	सि.	२०	३६	व.	४	२६	वि.	३३	३०	आनंद	२६	२०	१३	म.	३०	१०	५	३४	६	२६	०	११	५२	९	५८	१४
३२	१२	७	शु.	१	५५	उ.	१४	३६	सा.	१५	११	वव	१	५५	वा	३० ५८	९ ८	स्थिर	२७	२१	१४				५	३३	६	२७	०	१२	५०	२३	५८	१२
३२	१६	९	श.	५६	१३	श्र.	१२	१६	शु.	८	५३	तै.	२४	४४	ग.	५३	१३	चर	२८	२२	१५	कुं.	४१	३५	५	३३	६	२७	०	१३	४८	३५	५८	१०
३२	१९	१०	र.	४७	२७	ध.	१०	५४	श	० ५३	५३ ५५	व.	२०	१६	वि.	४[illegible]	२७	मातंग	२९	२३	१६				५	३२	६	२८	०	१४	४६	४५	५८	८
३२	२२	११	चं.	४०	४	श.	४ ५४	५९ ११	ऐं.	४५	११	वव	१३	४०	वा.	४०	४	अमृत	३०	२४	१७	मी.	४५	३८	५	३२	६	२८	०	१५	४४	५३	५८	६
३२	२५	१२	मं.	३२	५३	उ.	५२	५६	वैं.	३५	५४	कौ.	६	२८	तै.	३२	५३	सिद्धि	१	२५	१८				५	३१	६	२९	०	१६	४२	५९	५८	४
३२	२८	१३	बु.	२४	५४	रे.	४६	४६	वि.	२६	३१	व.	२४	५४	वि.	५०	३४	उत्पात	२	२६	१९	मे.	४६	४६	५	३०	६	३०	०	१७	४१	३	५८	२
३२	३१	१४	गु.	२६	१४	अ.	४९	३९	प्री.	१६	५१	श.	१६	१४	च.	४१	४७	मानस	३	२७	२०				५	३०	६	३०	०	१८	३९	५	५८	०
३२	३४	३०	शु.	८	१९	भ.	३५	१६	आ.	७ ५१	५ ४८	ना.	८	१९	किं.	३४	४६	मुद्‌गर	४	२८	२१	वृ.	४९	१७	५	२९	६	३१	०	१९	३७	५	५७	५८

कृत्तिका भे शुक्रः १०।५४। a योगः ६।३७ या.।
भरणी भे बुधः १५।८। या. जय मु. १।५१ या.। स. सि. a
भ. ३५।२५ उ.। वृषे शुक्रः ५३।३५। अनु. योगे या. जय मु.
भ. ६।१५ या.। या. जय मु. ६।१५ या.। भद्रो परि. अनु. b
तीक्ष्ण कर्म मु.।
दारुण कर्म मु.।
भ. ४।२६ उ. ३३।२० या.।bभे प्रतीच्यामुदीच्यां यात्रा मु.।
कृत्तिका भे बुधः४०।९। भरणी भे रविः २१।३७। बुधोदयः c
शत. भे ३ पादे गुरुः ४१।७। स. सि. योगः। १२।१६ या.।
भ.२०।१६उ.४७।२७या.।वृषेबुधः२०।३९cपश्चिमायाम् ४।९।
वरूथिनी ११ व्रतं सर्वेषाम्।
मई। रोहिणी भे शुक्रः २।५४।
भ. २४।५४ उ. ५०।३४ या.। रेवती भे भौमः ४२।५९ d
स. सि. योगः। dप्रतीच्यां यात्रा मु.। मासशिवरात्रि व्रतम्।
रोहिणी भे बुधः ५३।९। या. जय मु. ८।१९ या.।

वै. कृ. १ शु. इ. ४५।५४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	११	०	१०	०	९	३	९
६	७	१२	११	२७	१७	२०	२०
५५	२५	१७	५६	२३	१३	५२	५२
३४	४६	४७	५९	३२	५४	३४	३४
५८	४५	१२३	१०	७३	६	३	३
२९	४६	३५	२३	५४	५	११	११

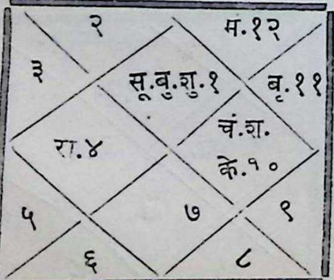

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.		१ श.		२ र.		३ चं.		४ म.		५ बु.		६ बृ.		७ शु.		९ श.		१० र.		११ चं.		१२ मं.		१३ बु.		१४ बृ.		३० श.	
मे. अं.	६	५८	६	५४	६	५०	६	४६	६	४२	६	३८	६	३४	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१४	६	१०	६	६	६	३
वृ. अं.	८	५४	८	५०	८	४६	८	४२	८	३८	८	३४	८	३०	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०	८	६	८	२	७	५९
मि. अं.	११	८	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१३
क. अं.	१	२६	१	२२	१	१८	१	१४	१	१०	१	६	१	२	१२	५८	१२	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३५	१२	३१
सिं. अं.	३	४३	३	३९	३	३५	३	३१	३	२७	३	२३	३	१९	३	१५	३	११	३	७	३	३	२	५९	२	५५	२	५१	२	४८
क. अं.	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७	५	४३	५	३९	५	३५	५	३१	५	२७	५	२३	५	१९	५	१५	५	११	५	७	५	४
राशय.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
तु. अं.	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	१	७	५७	७	५३	७	४९	७	४५	७	४१	७	३७	७	३३	७	२९	७	२५	७	२२
वृ. अं.	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१५	१०	११	१०	७	१०	३	९	५९	९	५५	९	५१	९	४७	९	४३	९	४०
ध. अं.	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५६	११	५२	११	४८	११	४५
म. अं	२	२५	२	२१	२	१७	२	१३	२	९	२	५	२	१	१	५७	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७	१	३३	१	३०
कुं. अं.	३	५५	३	५१	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५	३	३१	३	२७	३	२३	३	१९	३	१५	३	११	३	७	३	३	३	०
मी. अं.	५	२२	५	१८	५	१४	५	१०	५	६	५	२	४	५८	४	५६	४	५०	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	४	३०	४	२७

वै. कृ. ३० शृ. इ. ४६।१७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	११	१	१०	१	९	३	९
२०	१८	९	१५	१४	१७	२०	२०
३७	११	४४	९	२७	४५	७	७
४४	३३	३४	३५	३५	३५	३५	३५
५७	४५	९९	९	७३	१	३	३
५८	२५	२८	७	३५	४९	११	११

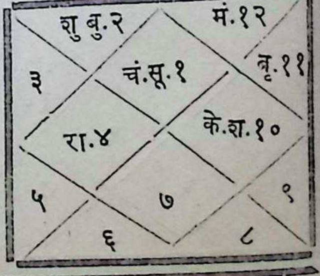

श्री शुभ संवत् २०१९ शके १८८४ वैशाख शुक्लपक्षः ।
सौम्यायनगोलौ । मई ५ से १९ तक ।

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३२	३०	१	श.	१	१४	कृ.	३१	१९	शो.	५२	५६	व.	१	१४	कौ.	२८	३२	ध्वज	५	२९	२२				५	२९	६	३१	०	२०	३५	३	५७	५५
३२	३४	३	र.	५१	३३	रो	२८	२६	अ.	४७	१४	तै.	२२	५९	ग.	५१	३३	धाता	६	१	२३	मि.	५८	६	५	२८	६	३२	०	२१	३२	५८	५७	५३
३२	३७	४	चं.	४९	४५	मृ.	२७	४६	सु.	४३	१३	व.	२०	३७	वि.	४९	४५	आनन्द	७	२	२४				५	२७	६	३३	०	२२	३०	५१	५७	५१
३२	४०	५	मं.	५०	४६	आ.	२९	९	धृ.	४१	९	ब.	१९	४३	वा.	५०	४६	चर	८	३	२५				५	२७	६	३३	०	२३	२८	४१	५७	५०
३२	४३	६	बु.	५१	५५	पु.	३२	३५	शु.	४०	४३	कौ.	२९	५०	तै.	५१	५५	गद	९	४	२६	क.	१६	४३	५	२६	६	३४	०	२४	२६	३२	५७	४८
३२	४६	७	गु.	५५	५३	पु.	३७	४६	गं.	४०	५४	ग.	२३	५४	व.	५५	५३	शुभ	१०	५	२७				५	२६	६	३४	०	२५	२४	२०	५७	४६
३२	४९	८	शु.	५९	२६	श्ले.	४४	१७	वृ.	४२	३६	वि.	२७	३९	बव	५९	२६	मृत्यु	११	६	२८	सिं.	४४	१७	५	२५	६	३५	०	२६	२२	६	५७	४४
३२	५२	९	श.	६०	०	म.	५१	४४	ध्रु.	४४	५१	वा.	३३	१९	कौ.	६०	०	पद्म	१२	७	२९				५	२५	६	३५	०	२७	१९	५०	५७	४२
३२	५४	९	र.	७	१२	पू.	५९	५	व्या	४७	१७	कौ.	७	१२	तै.	४०	२८	छत्र	१३	८	३०				५	२४	६	३६	९	२८	१७	२३	५७	४०
३२	५७	१०	चं.	१३	४५	उ.	६०	०	ह.	४९	४४	ग.	१३	४५	व.	४६	४४	श्रीवत्स	१४	९	३१	कं.	१५	२८	५	२४	६	३६	०	२९	१५	१२	५७	३८
३३	०	११	मं.	१९	४३	उ.	६	३६	व.	५१	३४	वि.	१९	४३	व.	५२	२७	धाता	१५	१०	१				५	२३	६	३७	१	०	१२	५०	५७	३६
३३	२	१२	बु.	२५	११	ह.	१३	३१	सि.	५२	५२	वा.	२५	[illegible]	कौ.	५७	१७	आनंद	१६	११	२	तु.	४६	२७	५	२३	६	३७	१	१	१०	१६	५७	३५
३३	५	१३	गु.	२९	२६	चि.	१९	२३	व्य.	५३	५३	तै.	२९	२६	ग.	६०	०	चर	१७	१२	३				५	२२	६	३८	१	२	७	५१	५७	३४
३३	७	१४	शु.	३२	३७	स्वा	२३	५६	व.	५२	३१	ग.	१	२१	व.	३२	३७	गद	१८	१३	४				५	२२	६	३८	१	३	५	२५	५७	३४
३३	९	१५	श.	३४	११	वि.	२७	२३	प.	५०	४६	वि.	३	५९	बव	३४	११	शुभ	१९	१४	५	वृ.	११	१३	५	२१	६	३९	१	४	२	५८	५७	३३

चन्द्रदर्शनम् । या. जय योगः ३१।१९ उ. । a २८।२६ या. ।
जिलहिज । अक्षय ३ । परशुराम जयन्ती । या. जय योगः a
भ. २०।३७ उ. ४९।४५ या. । श्लेषा भे १ चरणे राहुः श्रवण b
तीक्ष्णकर्म मु. ।b भे ३ चरणे केतुः १३।५९ । प्रतीच्यां यात्रा मु. ।
तिथिदानात् प्रतीच्यां यात्रा मु. । c श्ले. भे या. जय योगः ।
भ. ५५।५३ उ. । उदीच्यां यात्रा मु. । स. सि. अ. सि. योगः c
भ. २७।३९ या. । कृत्तिका भे रविः ९।४२ ।
मृगशिरा भे शुक्रः १।९ । उग्र कर्म मु. ।
उग्र कर्म मु. । d दक्षिण यात्रा मु. ।
सं. वृषेऽर्कः ४५।१२ । भ. ४६।४४ उ. ।
भ. १९।४३ या. । मोहिनी ११ व्रतं सर्वेषाम् । हस्त भे d
मृगशिरा भे बुधः २६।१९ । तिथिदानात् याम्यपूर्वौ यात्रा. e
मिथुने शुक्रः ३६।२४ । e मु. । स. सि. योगः १४।३१ या. ।
भ. ३१।३७ उ. । नृसिंह जयन्ती ।
भ. ३।५९ या. ।

वै. शु. ८ शु. इ. ४६।२४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	११	१	१०	१	९	३	९
२७	२३	१८	१५	२३	१७	१९	१९
१५	३३	४६	२४	२	५४	४५	४५
४७	५७	४७	३६	५४	३९	४०	४०
५७	४५	६८	८	७३	१	३	३
४४	४०	२७	२	३३	७	१०	११

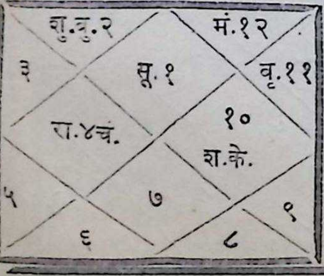

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.		३ र.		४ चं.		५ मं.		६ बु.		७ बृ.		८ शु.		९ श.		९ र.		१० चं.		तिथय	११ मं.		१२ बु.		१३ बृ.		१४ शु.		१५ श.	
मे. अं.	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७	५	४३	५	३९	५	३५	५	३२	५	२८	५	२४	वृ. अं.	७	१६	७	१२	७	८	७	५	७	२
वृ. अं.	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९	७	३५	७	३१	७	२८	७	२४	७	२०	मि. अं.	९	३०	९	२६	९	२२	९	१९	९	१६
मि. अं.	१०	९	१०	५	१०	१	९	५७	९	५३	९	४९	९	४५	९	४२	९	३८	९	३४	क. अं.	११	४८	११	४४	११	४०	११	३७	११	३४
क. अं.	१२	२७	१२	२३	१२	१९	१२	१५	१२	११	१२	७	१२	३	१२	०	११	५६	११	५२	सिं. अं.	२	५	२	१	१	५७	१	५४	१	५१
सिं. अं.	२	४४	२	४०	२	३६	२	३२	२	२८	२	२४	२	२०	२	१७	२	१३	२	९	कं. अं.	४	२१	४	१७	४	१३	४	१०	४	७
कं. अं.	५	०	४	५६	४	५२	४	४८	४	४४	४	४०	४	३६	४	३३	४	२९	४	२५	तु. अं.	६	३९	६	३५	६	३१	६	२८	६	२४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
तु. अं.	७	१८	७	१४	७	१०	७	६	७	२	६	५८	६	५४	६	५१	६	४७	६	४३	वृ. अं.	८	५७	८	५३	८	४९	८	४६	८	४३
वृ. अं.	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	९	९	५	९	१	ध. अं.	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	५१	१०	४८
ध. अं.	११	४१	११	३७	११	३३	११	२९	११	२५	११	२१	११	१७	११	१४	११	१०	११	६	म. अं.	१२	४७	१२	४३	१२	३९	१२	३६	१२	३३
म. अं.	१	२६	१	२२	१	१८	१	१४	१	१०	१	६	१	२	१२	५९	१२	५५	१२	५१	कुं. अं.	२	१७	२	१३	२	९	२	६	२	३
कुं. अं.	२	५६	२	५२	२	४८	२	४४	२	४०	२	३६	२	३२	२	२९	२	२५	२	२१	मी. अं.	३	४४	३	४०	३	३६	३	३३	३	३०
मी. अं.	४	२३	४	१९	४	१५	४	११	४	७	४	३	३	५९	३	५६	३	५२	३	४८	मे. अं.	५	२०	५	१६	५	१२	५	९	५	६

वै. शु. १४ शु. इ. ४६।३३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	११	१	१०	२	९	३	३
३	२६	२४	१६	१	१७	१९	१९
५९	५३	५१	२१	२६	५५	२३	२३
५२	१४	१	१२	१४	१६	२४	२४
५७	४५	३०	६	७३	०	३	३
३४	२५	३२	५५	२१	२२	११	११

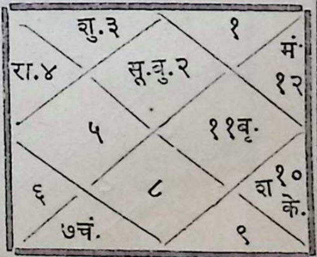

श्री शुभ संवत् २०१९ शके १८८४ ज्येष्ठ कृष्णपक्षः।
सौम्यायन गोलौ । मई २० से जून २ तक ।

१२

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा	बं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	१७	१	र.	३४	३१	अ.	३०	१६	शि.	४८	१३	वा	४	२०	कौ	३४	३१	मृत्यु	२०	१५	६				५	२१	६	३९	१	५	०	३२	५७	३१
३३	१९	२	चं.	३३	४९	ज्ये.	३०	१९	सि.	४४	३९	तै.	४	९	ग.	३३	४९	पद्म	२१	१६	७	ध.	३०	१९	५	२०	६	४०	१	५	५	८३	५७	३०
३३	२२	३	मं.	३१	५५	मू.	३०	२३	सा.	४०	३९	व.	२	५३	वि.	३१	५५	छत्र	२२	१७	८				५	२०	६	४०	१	६	५५	३३	५७	२८
३३	२४	४	बु.	२९	१६	पू.	२९	३४	शु.	३५	३५	वव	०	३५	वा.	५७	३३	श्रीवत्स	२३	१८	९	म.	४४	२४	५	१९	६	४१	१	७	५३	१५	५७	२७
३३	२६	५	गु.	२५	५१	उ.	२७	५६	शु.	३०	११	तै.	२५	५१	ग.	५३	१८	सौम्य	२४	१९	१०				५	१९	६	४१	१	८	५०	२८	५७	२५
३३	२८	६	शु.	२२	५	श्र.	२६	३	ब्र.	२४	१९	व.	२२	५	वि.	४९	४९	धूम्र	२५	२०	११	कुं.	५४	११	५	१८	६	४२	१	९	४७	५३	५७	२३
३३	३०	७	श.	१७	३३	ध.	२२	१९	ऐं.	१७	५४	वव	१७	३३	वा.	४५	४	प्रवर्ध.	२६	२१	१२				५	१८	६	४२	१	१०	४५	१६	५७	२२
३३	३२	८	र.	१२	३६	श.	१९	१३	वै.	११	१६	कौ.	१२	३६	तै.	३९	५६	रक्ष	२७	२२	१३				५	१८	६	४२	१	११	४२	३८	५७	२०
३३	३४	९	चं.	७	१६	पू.	१५	१५	वि.	१/५६	४/२४	ग.	७	१६	व.	३४	३६	मुसल	२८	२३	१४	मी.	२	१४	५	१७	६	४३	१	१२	३९	५८	५७	१९
३३	३५	१०	मं.	१/५३	३६/२५	उ.	११	२६	आ.	४३	२६	वि.	१	३६	वव	२८	१८	सिद्धि	२९	२४	१५				५	१७	६	४३	१	१३	३७	१७	५७	१७
३३	६६	१२	बु.	४८	२७	रे.	६	५६	सौ.	४०	३६	कौ.	२०	५३	तै.	४८	२७	उत्पात	३०	२५	१६	मे.	६	५६	५	१७	६	४३	१	१४	३४	३४	५७	१६
३३	३३	१३	ग.	४१	५९	अ.	२/५६	५८/१४	शो.	३२	४७	ग.	१५	१९	व.	४१	५९	मानस	३१	२६	१७				५	१६	६	४४	१	१५	३१	५०	५७	१४
३३	३७	१४	शु.	३५	५४	कृ.	५४	३८	अ.	२५	३६	वि.	८	५६	श.	३५	५४	छत्र	१	२७	१८	वृ.	१३	४१	५	१६	६	४४	१	१६	२९	४	५७	१३
३३	४०	३०	श.	३०	४९	रो.	५२	१०	सु.	१८	४४	च.	३	३१	ना.	३०	४९	श्रीवत्स	२	२८	१९				५	१६	६	४४	१	१७	२७	१७	५७	१२

वक्री शनिः ८।२३। या. जय मु. ३०।१६ या.।
शतभिष भे ४ चरणे गुरुः २८।९।
भ. २।५३ उ. ३१।५५ या.। मेषे भौमः ५३।७।
आर्द्रा भे शुक्रः ५।९।
वक्री वुधः ४७।३। या. जय योगः २५।५१ या.।
भ. २२।५ उ. ४९।४९ या.। रोहिणी भे रविः ३।३६। u
प्रतीच्यां यात्रा मु.। uदक्षिण यात्रा मु.। स. सि. योगः।
चर कर्म मु.।
भ. ३४।३६ उ.। वुधास्तः पश्चिमायाम् १८।३५।
अपरा ११ व्रतं स्मार्तानाम्। भ. १।३६ या.।
अपरा ११ व्रतं वैष्णवानाम्।
भ. ४१।५९ उ.। उत्तरपूर्व यात्रा मु.। मास शिवरात्रि व्रतम्
भ. ८।५६ या.। मिश्र कर्म मु.।
वटसावित्री व्रतम्। या. जय मु.।

ज्ये. कृ. ६ शु. इ. ४६।४५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	०	१	१०	२	९	३	९
१०	४	२६	१७	९	१७	१९	१९
४१	१०	५७	११	५७	५८	१	१
३४	३२	५२	४२	२५	३१	२५	२५
५७	४५	४ ४/६	६	७३	२ ०/२	३	३
२३	१४	व.	४	१२	व.	११	११

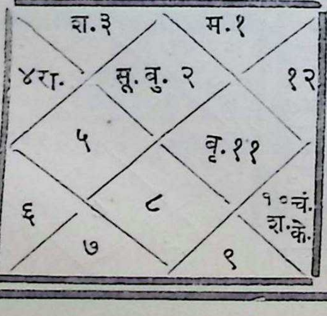

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.	२ चं.	३ मं.	४बु.	५ बृ.	६ शु.	७ श.	८ र.	९ चं.	१० मं.	१२ बु.	१३ बृ.	१४ शु.	३० श.
वृ. अं.	६ ५७	६ ५३	६ ४९	६ ४५	६ ४१	६ ३७	६ ३३	६ २९	६ २४	६ २०	६ १६	६ १२	६ ८	६ ४
मि. अं.	९ ११	९ ७	९ ३	८ ५९	८ ५५	८ ५१	८ ४७	८ ४३	८ ३८	८ ३४	८ ३०	८ २६	८ २२	८ १८
क. अं.	११ २९	११ २५	११ २१	११ १७	११ १३	११ ९	११ ५	११ १	१० ५६	१० ५२	१० ४८	१० ४४	१० ४०	१० ३६
सिं. अं.	१ ४६	१ ४२	१ ३८	१ ३४	१ ३०	१ २६	१ २२	१ १८	१ १३	१ ९	१ ५	१ १	१२ ५७	१२ ५३
कं. अं.	४ २	३ ५८	३ ५४	३ ५०	३ ४६	३ ४२	३ ३८	३ ३४	३ २९	३ २५	३ २१	३ १७	३ १३	३ ९
तु. अं.	६ २०	६ १६	६ १२	६ ८	६ ४	६ ०	५ ५६	५ ५२	५ ४७	५ ४३	५ ३९	५ ३५	५ ३१	५ २७
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ. अं.	८ ३८	८ ३४	८ ३०	८ २६	८ २२	८ १८	८ १४	८ १०	८ ५	८ १	७ ५७	७ ५३	७ ४९	७ ४५
ध. अं.	१० ४१	१० ३९	१० ३५	१० ३१	१० २७	१० २३	१० १९	१० १५	१० १०	१० ६	१० २	९ ५८	९ ५४	९ ५०
म. अं.	१२ २८	१२ २४	१२ २०	१२ १६	१२ १२	१२ ८	१२ ४	१२ ०	११ ५५	११ ५१	११ ४७	११ ४३	११ ३९	११ ३५
कुं. अं.	१ ५८	१ ५४	१ ५०	१ ४६	१ ४२	१ ३८	१ ३४	१ ३०	१ २५	१ २१	१ १७	१ १३	१ ९	१ ५
मी. अं.	३ २५	३ २१	३ १७	३ १३	३ ८	३ ५	३ १	२ ५७	२ ५२	२ ४८	२ ४४	२ ४०	२ ३६	२ ३२
मे. अं.	५ १	४ ५७	४ ५३	४ ४९	४ ४५	४ ४१	४ ३६	४ ३३	४ २८	४ २४	४ २०	४ १६	४ १२	४ ८

ज्ये. कृ. १४ शु. इ. ४६।४९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	०	१	१०	२	९	३	९
१७	९	२५	१७	१८	१७	१८	१८
२२	२४	२२	५४	२०	५३	३८	३८
४४	५८	५३	४६	३१	२४	४२	४२
५७	४४	२/३ ०/५	४	७२	१/४	३	३
१३	५६	व.	५९	४०	व.	११	११

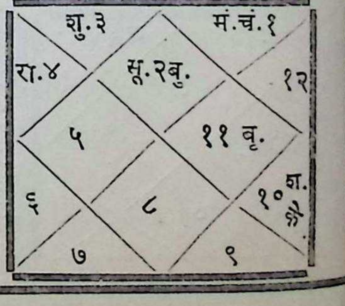

श्री शुभ संवत् २०१९ शके १८८४ ज्येष्ठ शुक्लपक्षः।
सौम्यायन गोलौ। जून ३ से १८ तक।

दि.मा.		ति.	वा	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः		
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	
३३	४३	१	र.	२६	५५	मृ.	५०	५४	धृ.	१२	५५	व.	२६	५५	वा.	५७	२०	सौम्य	३	२९	२०	मि.	११	३२	५	१५	६	४५	१	१८	२४	२९	५७	११	चन्द्रदर्शनं सम्भवः। पुनर्वसु भे शुक्रः ८।३९।
३३	४५	२	चं.	२४	४५	आ.	५१	१६	शू.	८	२६	कौ.	२४	४५	तै.	५३	३१	कालदं	४	१	२१				५	१५	६	४५	१	१९	२१	४०	५७	१०	मुहर्रम हिजरी सन् १३८२। पुन. योगे या. जय मु.।
३३	४६	३	मं.	२४	१७	पुन.	५३	३६	गं.	५ ५३	५४ ५०	ग.	२४	१७	व.	५५	४	स्थिर	५	२	२२	क.	३८	१	५	१५	६	४५	१	२०	१८	५०	५७	९	भ. ५५।४ उ.। याम्ये यात्रा मु.।
३३	४७	४	व.	२५	५१	पु.	५७	४६	ध्रु.	६०	०	वि.	२५	५१	वव	५६	५४	मातंग	६	३	२३				५	१५	६	४५	१	२१	१५	५९	५७	८	भ. २५।५१ या.। वक्री रोहिणी भे बुधः २३।९। प्रतीच्यां c
३३	४८	५	गु.	२८	५९	श्ले.	६०	०	ध्रु.	३	३१	वा.	२८	५९	कौ.	६०	०	अमृत	७	४	२४				५	१५	६	४५	१	२२	१३	७	५७	७	भरणी भे भौमः ३।२३। या. जय मु. २८।५९ या.।
३३	४९	६	शु.	३४	४१	श्ले.	२	३६	व्या	४	३५	कौ.	१	४५	तै.	३४	४१	मृत्यु	८	५	२५	सिं.	२	३६	५	१४	६	४६	१	२३	१०	१४	५७	६	मृगशिरा भे रविः २।९।
३३	५०	७	श.	३९	२७	म.	१०	१५	ह.	६	१७	ग.	७	०	व.	३९	२७	पद्म	९	६	२६				५	१४	६	४६	१	२४	७	२०	५७	५	भ. ३९।२७ उ.। c यात्रा मु.। तिथि दानात्।
३३	५१	८	र.	४४	३३	पू.	१७	३५	व.	८	३९	वि.	१२	२६	वव	४५	३३	छत्र	१०	७	२७	कं.	३४	३०	५	१४	६	४६	१	२५	४	२५	५७	४	भ. १२।२६ या.।
३३	५२	९	चं.	५१	३५	उ.	२५	१४	सि.	१०	५३	वा.	१८	३३	कौ.	५१	३५	श्रीवत्स	११	८	२८				५	१४	६	४६	१	२६	१	२९	५७	३	कर्क शुक्रः ३०।९। या. जय मु. २५।१४ या.।
३३	५३	१०	मं.	५७	६	ह.	४४	१६	व्य.	१३	१९	तै.	२४	२१	ग.	५७	६	सौम्य	१२	९	२९				५	१४	६	४६	१	२६	५८	३२	५७	२	गंगा दशहरा। पूर्व दक्षिण यात्रा मु. १३।१९ उ.।
३३	५३	११	बु.	६०	०	चि.	४०	१३	व.	१४	५३	व.	२९	२२	वि.	६०	०	काल	१३	१०	३०	तु.	१२	१४	५	१४	६	४६	१	२७	५५	३४	५७	१	भ. २९।२२ उ.। d १।३७ या.। बुधोदयः पूर्वस्याम् a
३३	५४	११	गु.	१	३७	स्वा	४४	३४	प.	१५	३५	वि.	१	३७	वव	३२	५९	स्थिर	१४	११	३१				५	१३	६	४७	१	२८	५२	३५	५६	५८	निर्जला ११ व्रतं सर्वेषाम्। पुष्ये शुक्रः २८।४५। या. जय मु. d
३३	५५	१२	शु.	४	२१	वि.	४७	३५	शि.	१४	५९	वा.	४	२१	कौ.	३५	४	मातंग	१५	१२	३२	वृ.	३२	५७	५	१३	६	४७	१	२९	४९	३३	५६	५६	सं. मिथुने चार्कः १३।१४। a ४४।४९। भ. १।३७ या.।
३३	५५	१३	श.	५	४७	अ.	४९	३३	सि.	१३	१७	तै.	५	४७	ग.	३५	३२	अमृत	१६	१३	१				५	१३	६	४७	१	०	४६	२९	५६	५६	या. जय मु. ५।४७ या.।
३३	५५	१४	र.	५	१६	ज्ये.	४९	३६	सा.	१०	१४	व.	५	१६	वि.	३४	८	काण	१७	१४	२	ध.	४९	३६	५	१३	६	४७	१	१	४३	२५	५६	५६	भ. ५।१६ उ. ३४।८ या.।
३३	५६	१५	चं.	३	२१	मू.	४८	३३	शु.	५	४६	व.	३	२१	वा.	३१	४३	लुम्ब	१८	१५	३				५	१३	६	४७	१	२	४०	२१	५६	५६	स्नानादौ १५

ज्ये. शु. ६ शु. इ. ४६।५५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	०	१	१०	२	९	३	९
२४	१४	२१	१८	२६	१७	१८	१८
२	३७	५४	२९	४३	४२	१६	१६
३६	१९	१४	२७	१४	११	३६	३६
५७	४४	३२ १३	३	७२	१ ४६	३	३
६	५८	व.	५३	२७	व.	११	११

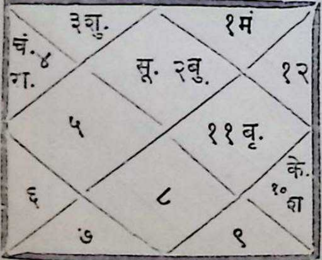

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ र.	२ चं.	३ मं.	४ बु.	५ बृ.	६ शु.	७ श.	८ र.	९ चं.	१०मं.	११बु.	११बृ.	१२शु.	ति.	१३ श.	१४ र.	१५ चं.
वृ.	६ ०	५ ५६	५ ५१	५ ४७	५ ४३	५ ३९	५ ३५	५ ३१	५ २७	५ २३	५ १९	५ १५	५ ११	मि.	७ २१	७ १७	७ १३
मि.	८ १४	८ १०	८ ५	८ १	७ ५७	७ ५३	७ ४९	७ ४५	७ ४१	७ ३७	७ ३३	७ २९	७ २५	क.	९ ३९	९ ३५	९ ३१
क.	१० ३२	१० २८	१० २३	१० १९	१० १५	१० ११	१० ७	१० ३	९ ५९	९ ५५	९ ५१	९ ४७	९ ४३	सि.	११ ५६	११ ५२	११ ४८
सि.	१२ ४९	१२ ४५	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१२ २०	१२ १६	१२ १२	१२ ८	१२ ४	१२ ०	कं.	२ १२	२ ८	२ ४
कं.	३ ५	३ १	२ ५६	२ ५२	२ ४८	२ ४४	२ ४०	२ ३६	२ ३२	२ २८	२ २४	२ २०	२ १६	तु.	४ ३०	४ २६	४ २२
तु.	५ २३	५ १९	५ १४	५ १०	५ ६	५ २	४ ५८	४ ५४	४ ५०	४ ४६	४ ४२	४ ३८	४ ३४	वृ.	६ ४८	६ ४४	६ ४०
रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा.	रा०	रा०	रा०
वृ.	७ ४१	७ ३७	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २०	७ १६	७ १२	७ ८	७ ४	७ १	६ ५६	६ ५२	ध.	८ ५३	८ ४९	८ ४५
ध.	९ ४६	९ ४२	९ ३७	९ ३३	९ २९	९ २५	९ २१	९ १७	९ १३	९ ९	९ ५	९ १	८ ५७	म.	१० ३८	१० ३४	१० ३०
म.	११ ३१	११ २७	११ २२	११ १८	११ १४	११ १०	११ ६	११ २	१० ५८	१० ५४	१० ५०	१० ४६	१० ४२	कुं.	१२ ८	१२ ४	१२ ०
कुं.	१ १	१२ ५७	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१२ २०	१२ १६	१२ १२	मी.	१ ३५	१ ३१	१ २७
मी.	२ २८	२ २४	२ १९	२ १५	२ ११	२ ७	२ ३	१ ५९	१ ५५	१ ५१	१ ४७	१ ४३	१ ३९	मे.	३ ११	३ ७	३ ३
मे.	४ ४	४ ०	३ ५५	३ ५१	३ ४७	३ ४३	३ ३९	३ ३५	३ ३१	३ २७	३ २३	३ १९	३ १५	वृ.	५ ७	५ ३	४ ५२

ज्ये. शु. १२ शु. इ ४६।५८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	०	१	१०	३	९	३	९
०	१९	१८	१८	५	१७	१७	१७
४१	४५	४९	५६	१	२९	५४	५४
४६	३७	४	२५	३	४२	२१	२१
५६	४४	३० ३८	२	७२	२ ५०	३	३
५६	३४	व.	३६	७	व.	११	११

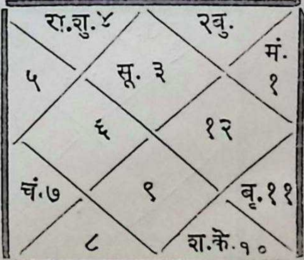

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि	रा.	अं	क.	वि.	क.	वि.
३३	५६	१	मं.	$\frac{०}{५५}$	$\frac{३६}{५१}$	पू.	४६	३५	शु.	$\frac{०}{५४}$	$\frac{३६}{३५}$	कौ.	०	१६	तै.	$\frac{२८}{५६}$	$\frac{५१}{७}$	मित्र	१९	१६	४				५	१३	६	४७	२	३	३७	१७	५६	५५
३३	५६	३	बु.	४९	५८	उ.	४३	३४	ऐं.	४८	१२	व.	२३	२४	वि	४९	५८	वज्र	२०	१७	५	म.	०	४७	५	१३	६	४७	२	४	३४	१२	५६	५५
३३	५६	४	गु.	४५	३३	श्र.	४०	११	वै.	४१	१५	वव	१८	१५	वा.	४५	३३	ध्वांक्ष	२१	१८	६				५	१३	६	४७	२	५	३१	७	५६	५५
३३	५६	५	शु.	४०	१	ध.	३६	४१	वि.	३३	५७	कौ.	१२	४६	तै.	४०	१	धाता	२२	१९	७	कुं.	८	२६	५	१३	६	४७	२	६	२८	२	५६	५४
३३	५६	६	श.	३४	३९	श.	३३	१५	प्री.	२७	७	ग.	७	२४	व.	३४	३९	आनन्द	२३	२०	८				५	१३	६	४७	२	७	२४	५६	५६	५३
३३	५६	७	र.	२९	९	पू.	२९	१६	आ.	१९	५१	वि.	१	५४	व.	$\frac{२९}{५७}$	$\frac{९}{८}$	चर	२४	२१	९	मी.	२९	१६	५	१३	६	४७	२	८	२१	४९	५६	५३
३३	५६	८	चं.	२३	५३	उ.	२५	३४	सौ.	१३	१५	कौ.	२३	५९	तै.	५१	१८	गद	२५	२२	१०				५	१३	६	४७	२	९	१८	४२	५६	५२
३३	५६	९	मं.	१८	३७	रे.	२३	१३	शो.	$\frac{६}{५}$	$\frac{५}{२४}$	ग.	१८	३७	व.	४६	७	शुभ	२६	२३	११	मे.	२३	१३	५	१३	६	४७	२	१०	१५	३४	५६	५२
३३	५६	१०	बु.	१३	३६	अ.	२०	१९	सु.	५२	५७	वि.	१३	३६	वव	४१	१४	मृत्यु	२७	२४	१२				५	१३	६	४७	२	११	१२	२६	५६	५१
३३	५५	११	गु.	८	५३	भ.	१७	३१	धृ.	४६	५४	बा.	८	५३	कौ.	३६	४४	पद्म	२८	२५	१३	वृ.	३२	१	५	१३	६	४७	२	१२	३	१७	५६	५१
३३	५५	१२	शु.	४	३६	कृ.	१५	३१	शू.	४१	३४	तै.	४	३६	ग.	३२	५६	छत्र	२९	२६	१४				५	१३	६	४७	२	१३	६	८	५६	५०
३३	५५	१३	श.	$\frac{५}{५८}$	$\frac{७}{५}$	रो.	१३	४९	गं.	३६	३४	ब.	१	१७	वि.	$\frac{३०}{५९}$	$\frac{२४}{३२}$	श्रीवत्स	३०	२७	१५	मि.	४३	४६	५	१३	६	४७	२	१४	२	५८	५६	५०
३३	५५	३०	र.	५६	५९	मृ.	१३	४४	वृ.	३२	४४	च.	२७	३७	ना.	५६	५९	सौम्य	१	२८	१६				५	१३	६	४७	२	१४	५९	४८	५६	५०

श्री शुभ सवत् २०१९ शके १८८४ आषाढ़ कृष्णपक्षः।
सौम्यायन गोलौ। जून १९ से जुलाई १ तक।

उग्र कर्म मु.। a दक्षिण यात्रा मु.।
भ. २३।२४ उ. ४९।५८ या.। मार्गी बुधः ५२।५९। श्रवसि a
वैधृतियोगात् शुभकर्माभावः। b यात्रा मु. तिथिदानात्।
आर्द्रा भे रविः ४।३५।
भ. ३४।३९ उ.। चर कर्म मु.।
भ. १।५४ या.। उग्र कर्म मु.। उ. भा. योगे स. सि. योगः।
कृत्तिका भे भौमः १२।३७। श्लेषा भे शुक्रः ३७।५। उदीच्यां b
भ. ४६।७ उ.। अश्विनी योगे स. सि. अ. सि. योगश्च।
भ. १३।३६ या.।
योगिनी ११ व्रतं सर्वेषाम्। या. जय मु. ८।५३ या.।
वृषे भौमः ५२।३६। d जय मु. स. सि. योगः १३।४९ या.।
भ. १।७ उ. ३०।२४ या.। मृग भे बुधः ५२।३५। मास c
जुलाई। c शिवरात्रि व्रतम्। वक्री गुरुः ४।१९। या. d

आ. कृ. ५ शुक्रे. इ. ४६।५८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	०	१	१०	३	९	३	९
७	२४	१८	१९	१३	१७	१७	१७
२०	५२	४७	१३	१६	५	३२	३२
१२	११	१	५२	४७	२९	२	२
५६	४४	$\frac{७}{५८}$	१	७१	$\frac{२}{५७}$	३	३
५४	१७	मा	१५	४४	व.	११	११

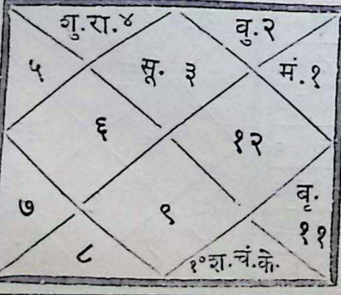

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.		३ बु.		४ बृ.		५ शु.		६ श.		७ र.		८ चं.		९ मं.		१० बु.		११ बृ.		१२ शु.		१३ श.		३० र.	
मि. अं.	७	९	७	५	७	१	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४०	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	६	२०
क. अं.	९	२७	९	२३	९	१९	९	१५	९	११	९	७	९	३	८	५८	८	५४	८	५०	८	४६	८	४२	८	३८
सिं. अ.	११	४४	११	४०	११	३६	११	३२	११	२८	११	२४	११	२०	११	१५	११	११	११	७	११	३	१०	५९	१०	५५
कं. अं.	२	२	१	५६	१	५२	१	४८	१	४४	१	४०	१	३६	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५	१	११
तु. अं.	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	४	२	३	५८	३	५४	३	५०	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९
वृ. अं.	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	७	६	३	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
ध. अं.	८	४१	८	३७	८	३३	८	२९	८	२६	८	२१	८	१७	८	१२	८	८	८	४	८	०	७	५६	७	५२
म. अं.	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	६	१०	२	९	५७	९	५३	९	४९	९	४५	९	४१	९	३७
कुं. अं.	११	५६	११	५२	११	४८	११	४४	११	४०	११	३६	११	३२	११	२७	११	२३	११	१९	११	१५	११	११	११	७
मी. अं.	१	२३	१	१९	१	१५	१	११	१	७	१	३	१२	५९	१२	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४
मे. अं.	२	५९	२	५५	२	५१	२	४७	२	४३	२	३९	२	३५	२	३०	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	१०
वृ. अं.	४	५५	४	५१	४	४७	४	४३	४	३९	४	३५	४	३१	४	२६	४	२२	४	१८	४	१४	४	१०	४	६

आ. कृ. १२ शुक्रे. इ. ४६।५३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	०	१	१०	३	९	३	९
१३	२९	२२	१९	२१	१६	१७	१७
५८	५५	३१	२२	२९	४९	९	९
१९	२७	३७	३८	५०	५३	५०	५०
५६	४३	४३	$\frac{७०}{२४}$	७१	$\frac{३}{३५}$	३	३
५०	४२	४४	मा	१५	व.	११	११

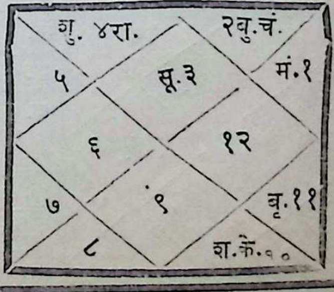

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतः		श्री शुभ सवत् २०१९ शाक १८८४ आषाढ़ शुक्लपक्षः। सौम्यायन गोलौ। जुलाई २ से १७ तक।
घं.	प.			घ.	प.		घ.	प.		घ.	प.		घ.	प.		घ.	प.					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	
३३	५४	१	चं.	५६	५५	आ.	१४	११	ध्रु.	२९	२६	किं	२६	५५	व.	५६	५५	कालदं.	२	२९	१७				५	१४	६	४६	२	१५	५६	३८	५६	५१	वक्रगत्या श्रवणे २ चर. शनिः २९।२५।
३३	५३	२	मं.	५८	३६	पु.	१६	२७	व्या	२७	५३	वा.	२७	३८	कौ.	५८	३६	स्थिर	३	३०	१८	क.	०	५३	५	१४	६	४६	२	१६	५३	२९	५६	५१	चन्द्रदर्शनम्।
३३	५२	३	बु.	६०	०	पु.	१९	५४	ह.	२६	५७	तै.	२९	५३	ग.	६०	०	मातंग	४	१	१९				५	१४	६	४६	२	१७	५०	२०	५६	५१	सफर। प्रतीच्यां यात्रा मु.।
३३	५१	३	गु.	१	२१	श्ले	२४	५६	व.	२७	१६	ग.	१	२१	व.	३३	३८	अमृत	५	२	२०	सिं.	२४	५६	५	१४	६	४६	२	१८	४७	११	५६	५१	भ. ३३।३८ उ.।
३३	५०	४	शु.	५	५६	म.	३१	३४	सि.	२८	३५	वि.	५	५६	व.	३८	३५	काण	६	३	२१				५	१४	६	४६	२	१९	४४	२	५६	५१	भ. ५।५६ या.। मिथुने बुधः ४४।१२। पुनर्वसु भे रविः ७।२५।
३३	४९	५	श.	११	१५	पू.	३७	५६	व्य.	३०	४६	वा.	११	१५	कौ.	४४	२०	लुंब	७	४	२२	कं.	५४	५१	५	१४	६	४६	२	२०	४०	५३	५६	५२	सिंहे शुक्रः ५।४७। उग्र कर्म मु.।
३३	४७	६	र.	१७	२५	उ.	४५	३५	व.	३३	१५	तै.	१७	२५	ग.	५०	३२	मित्र	८	५	२३				५	१४	६	४६	२	२१	३७	४५	५६	५२	सप्तमी योगे यायी जय योगः स. सि. योगश्च।
३३	४६	७	चं.	२३	३९	ह.	५३	३२	प.	३५	४५	व.	२३	३९	वि.	५६	३६	वज्र	९	६	२४				५	१५	६	४५	२	२२	३४	३७	५६	५३	भ. २३।३९ उ. ५६।२६ या.। पुष्ये ४ चरणे राहुः a
३३	४४	८	मं.	२९	१४	चि.	६०	०	शि.	३७	५५	ब.	२९	१४	वा.	६०	०	ध्वांक्ष	१०	७	२५	तु.	२६	४७	५	१५	६	४५	२	२३	३१	३०	५६	५४	a श्रवणे २ चरणे केतुः ७।२५। दक्षिण यात्रा मु.।
३३	४३	९	बु.	३४	१६	चि.	०	११	सि.	३९	१४	बा.	१	४५	कौ.	३४	१६	कालदं	११	८	२६				५	१५	६	४५	२	२४	२८	२४	५६	५५	आर्द्रा भे बुधः ३०।२९।
३३	४२	१०	गु.	३७	३३	स्वा	५	५५	सा.	३९	२७	तै.	५	४४	ग.	३७	३३	स्थिर	१२	९	२७	वृ.	५४	५	५	१६	६	४४	२	२५	२५	१९	५६	५५	b हरिशयनी ११ व्रतं सर्वेषाम्। चातुर्मास्य व्रतारम्भः।
३३	४२	११	शु.	३९	११	वि.	१०	९	शु.	३८	१५	व.	८	१७	वि.	३९	११	मातंग	१३	१०	२८				५	१६	६	४४	२	२६	२२	१४	५६	५६	भ. ८।१७ उ. ३९।११ या.। रोहिणी भे भौमः ५७।५९। b
३३	४०	१२	श.	३८	५५	अ.	१२	१३	शु.	३५	३१	व.	९	१	वा.	३८	५५	अमृत	१४	११	२९				५	१६	६	४४	२	२७	१९	१०	५६	५७	प्रतीच्यां उदीच्यां यात्रा मु. १२।१३। तिथिदानात्।
३३	३९	१३	र.	३६	३९	ज्ये.	१२	३	ब्र.	३१	१७	कौ.	७	४६	तै.	३६	३९	काण	१५	१२	३०	ध.	१२	३	५	१७	६	४३	२	२८	१६	७	५६	५७	दारुण कर्म मु.। c वायु परीक्षा। आषाढी योगः।
३३	३८	१४	चं.	३२	३७	मू.	११	३९	ऐं.	२५	४७	ग.	४	३३	ब.	३२	३७	लुम्ब	१६	१३	३१				५	१७	६	४३	२	२९	१३	४	५६	५८	सं. कर्केऽर्कः ४७।१५। भ. ३२।३७ उ.।
३३	३७	१५	मं.	२७	१४	पू.	८	३५	वै.	१९	६	व.	२७	१४	वि.	२७	१४	मित्र	१७	१४	१	म.	२२	४१	५	१७	६	४३	३	०	१०	२	५६	५८	भ. २७।१४। गुरु पूर्णिमा। गुरुव्यासयोः पूजनम्।

आ. शु. ४ शु. इ. ४६।५५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	१	२	१०	३	९	३	९
२०	४	०	१९	२९	१६	१६	१६
३६	५४	२	२१	३७	२४	४७	४७
१२	२७	१	१२	५२	५८	३५	३५
५६	४३	८०	१/१७	७०	३/५५	३	३
५१	४४	१२	व.	३९	व.	११	११

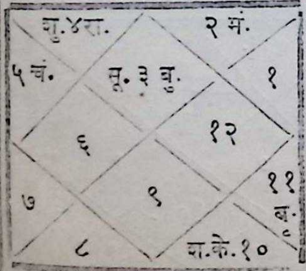

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ चं.		२ मं.		३ बु.		३ बृ.		४ शु.		५ श.		६ र.		७ चं.		८ मं.		९ बु.		१० बृ.		११ शु.		१२ श.		१३ र.		१४ चं.		ति.	१५ मं.	
मि.	६	१६	६	१२	६	७	६	२	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७	५	४३	५	३९	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८	क.	७	३२
क.	८	३४	८	३०	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	१	७	५६	७	५२	७	४८	७	४४	७	४०	७	३६	सिं.	९	४९
सिं.	१०	५१	१०	४७	१०	४२	१०	३८	१०	३४	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१३	१०	९	१०	५	१०	१	९	५७	९	५३	कं.	१२	५
कं.	१	६	१	२	१२	५८	१२	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	२९	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९	तु.	२	२३
तु.	३	२५	३	२१	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५६	२	५२	२	४८	२	४३	२	३९	२	३५	२	३१	२	२७	वृ.	४	४१
वृ.	५	४३	५	३९	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८	५	१४	५	१०	५	५	५	१	४	५७	४	५३	४	४९	४	४५	ध.	६	४६
रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा.	रा०	
ध.	७	४८	७	४४	७	४०	७	३५	७	३१	७	२७	७	२३	७	१९	७	१५	७	१०	७	६	७	२	६	५८	६	५४	६	५०	म.	८	३१
म.	९	३३	९	२९	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	९	९	४	९	०	८	५५	८	५१	८	४७	८	४३	८	३९	८	३५	कु.	१०	१
कुं.	११	३	१०	५९	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४२	१०	३८	१०	३४	१०	३०	१०	२५	१०	२१	१०	१७	१०	१३	१०	८	१०	५	मी.	११	२८
मी.	१२	३०	१२	२६	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	५	१२	१	११	५७	११	५२	११	४८	११	४४	११	४०	११	३६	११	३२	मे.	१	४
मे.	२	४	२	२	१	५७	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७	१	३३	१	२८	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२	१	८	वृ.	३	०
वृ.	४	२	३	५८	३	५३	३	४९	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९	३	२४	३	२०	३	१६	३	१२	३	८	३	४	मि.	५	१५

आ. शु. ११ शु. इ. ४६।५१

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	१	२	१०	४	९	३	९
२७	९	१०	१९	७	१५	१६	१६
१४	५१	४२	९	४१	५७	२५	२५
२४	३९	१४	४४	१७	११	१९	१९
५६	४३	१०९	५/३३	६९	४/१	३	३
५६	१९	११	व.	५७	व.	११	११

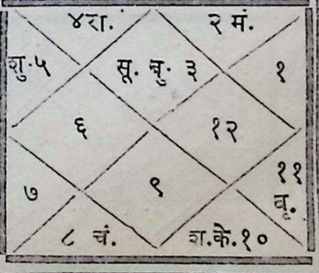

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३३	३०	१	बु.	२०	४१	उ.	$\frac{४}{५५}$	$\frac{५}{२२}$	वि.	११	२६	कौ.	२०	४१	तै.	४७	८	वज्र	१८	१५	२				५	१८	६	४२	३	१	७	०	५६	५९
३३	२८	२	गु.	१३	३५	ध.	५४	१७	प्री.	$\frac{३}{५५}$	$\frac{५४}{३१}$	ग.	१३	३५	व.	३९	५५	श्रीवत्स	१९	१६	३	कुं.	२३	५४	५	१८	६	४२	३	२	३	५९	५६	५९
३३	२६	३	शु.	$\frac{६}{५२}$	$\frac{१५}{४६}$	श.	४९	१४	सौ.	३६	५	वि.	६	१५	व.	$\frac{३२}{५९}$	$\frac{३८}{१}$	सौम्य	२०	१७	४				५	१८	६	४२	३	३	०	५८	५७	१
३३	२४	५	श.	५२	१४	पू.	४३	१४	शो.	३७	४५	कौ.	२२	३१	तै.	५२	१४	कालदं	२१	१८	५	मी.	२८	१४	५	१९	६	४१	३	३	५७	५९	५७	२
३३	२२	६	र.	४६	१५	उ.	३९	५३	अ.	२९	५७	ग.	१९	९	व.	४६	१५	स्थिर	२२	१९	६				५	१९	६	४१	३	४	५५	१	५७	३
३३	१९	७	चं.	४०	३५	रे.	३६	१६	सु.	२२	३६	वि.	१३	१५	व.	४०	३५	मातंग	२३	२०	७	मे.	३६	१६	५	२०	६	४०	३	५	५२	४	५७	४
३३	१७	८	मं.	३५	४६	अ.	३३	३६	धृ.	१५	३७	बा.	८	५	कौ.	३५	४६	अमृत	२४	२१	८				५	२०	६	४०	३	६	४९	८	५७	५
३३	१५	९	बु.	३१	५१	भ.	३१	३१	शू.	९	३५	तै.	३	४८	ग.	३१	५१	काण	२५	२२	९	वृ.	४६	१२	५	२१	६	३९	३	७	४६	१३	५७	६
३३	१३	१०	गु.	२८	४६	कृ.	३०	१५	गं.	$\frac{४}{५५}$	$\frac{५}{३७}$	व.	०	२८	व.	$\frac{२८}{५७}$	$\frac{४६}{४०}$	लुम्ब	२६	२३	१०				५	२१	६	३९	३	८	४२	१९	५७	७
३३	१०	११	शु.	२६	३५	रो.	२९	५६	ध्रु.	५५	२९	बा.	२६	३५	कौ.	५६	०	मित्र	२७	२४	११				५	२१	६	३९	३	९	४०	२६	५७	८
३३	८	१२	श.	२५	२५	मृ.	३०	१७	व्या	५२	२९	तै.	२५	२५	ग.	५५	२१	वज्र	२८	२५	१२	मि.	०	६	५	२२	६	३८	३	१०	३७	३४	५७	९
३३	५	१३	र.	२५	१६	आ.	३२	६	ह.	५०	११	व.	२५	१६	वि.	५५	४३	ध्वांक्ष	२९	२६	१३				५	२२	६	३८	३	११	३४	४३	५७	१०
३३	३	१४	चं.	२६	११	पु.	३४	५९	व.	४८	५४	श.	२६	११	च.	५७	२३	धूम्र	३०	२७	१४	क.	१९	१५	५	२३	६	३७	३	१२	३१	५३	५७	११
३३	१	३०	मं.	२८	३४	पु.	३८	५१	सि.	४८	३७	ना.	२८	३४	कि.	६०	०	प्रवर्ध	३१	२८	१५				५	२३	६	३७	३	१३	२९	४	५७	१२

श्रा शुभ सवत् २०१९ शके १८८४ श्रावण कृष्ण पक्षः। याम्यायनम् । सौम्यगोलः । जुलाई १८ से ३१ तक ।

पुनर्वसु भे बुधः ४७।५२ । पूर्वा फाल्गुनी भे शुक्रः ४६।९ । c

भ. ३९।५५ उ. । तृतीया योगे या. जय मु. ।

भ. ६।१५ या. । पुष्य भे रविः ११।५ । चर कर्म मु. ।

उग्र कर्म मु. । c बुधास्तः पूर्वस्याम् २१।५ ।

भ. ४६।१५ उ. । स्थिर कर्म मु. । f मु. । या. जय योगः ।

भ. १३।१५ या. । कर्के बुधः ४२।३५ । उत्तर पश्चिमयोः यात्रा ।

स. सि. अ. सि. योगः । प्राच्यां यात्रा मु. । h यात्रा मु. ।

पुष्ये बुधः ८।२१ ।

भ. ०।२८ उ. २८।४६ या. । रोहिणी योगे यायी जय मु. ।

कामदा ११ व्रतं सर्वेषाम् । मृगशिरा भे दक्षिण प्राच्यां h प्रतीच्यां यात्रा मु. तिथि दानात् ।

भ. २५।१६ ५५।४३ या. ।

उत्तरा फाल्गुनी भे शुक्रः ३६।३९ ।

श्लेषा भे बुधः ४२।५२ ।

श्रा. कृ. ३ शु. इ. ४६।४३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	१	२	१०	४	९	३	९
३	१४	२४	१८	१५	१५	१६	१६
५२	४४	१	५०	३८	२७	३	३
४७	१९	३७	१२	४२	४२	१	१
५७	४३	१२२	$\frac{३}{४७}$	६९	४	३	३
१	३७	१४	व.	११	३१	११	११

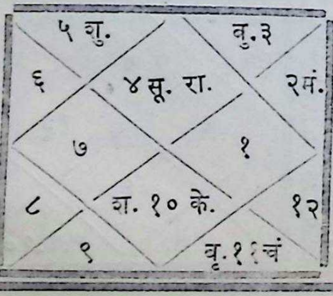

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.		२ बृ.		३ शु.		५ श.		६ र.		७ चं.		८ मं.		९ बु.		१० बृ.		११ शु.		१२ श.		१३ र.		१४ चं.		३० मं.	
क. अं.	७	२९	७	२५	७	२१	७	१७	७	१३	७	९	७	५	७	२	६	५८	६	५४	६	५०	६	४६	६	४२	६	३९
सि. अं.	९	४६	९	४२	९	३८	९	३४	९	३०	९	२६	९	२२	९	१९	९	१५	९	११	९	७	९	३	८	५९	८	५६
कं. अं.	१२	२	११	५८	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२	११	३८	११	३५	११	३१	११	२७	११	२३	११	१९	११	१५	११	१२
तु. अं.	२	२०	२	१६	२	१२	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७	१	३३	१	३०
वृ. अं.	४	३८	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२	४	१८	४	१४	४	११	४	७	४	३	३	५९	३	५५	३	५१	३	४८
ध. अं.	५	४३	६	३९	६	३५	६	३१	६	२७	६	२३	६	१९	६	१६	६	१२	६	८	६	४	६	०	५	५६	५	५३
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
म. अ.	८	२८	८	२४	८	२०	८	१६	८	१२	८	८	८	४	८	१	७	५७	७	५३	७	४९	७	४५	७	४१	७	३८
कुं. अं.	९	५८	९	५४	९	५०	९	४६	९	४२	९	३८	९	३४	९	३१	९	२७	९	२३	९	१९	९	१५	९	११	९	८
मी. अं.	११	२५	११	२१	११	१७	११	१३	११	९	११	५	११	१	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४२	१०	३८	१०	३५
मे. अं.	१	१	१२	५७	१२	५३	१२	४९	१२	४५	१२	४१	१२	३७	१२	३४	१२	३०	१२	२६	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	११
वृ. अं.	२	५७	२	५३	२	४९	२	४५	२	४१	२	३७	२	३३	२	३०	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	१०	२	७
मि. अं.	५	११	५	७	५	३	४	५९	४	५५	४	५१	४	४७	४	४४	४	४०	४	३६	४	३२	४	२८	४	२४	४	२१

श्रा. कृ. ११ शु. इ. ४६।३५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	१	३	१०	४	९	३	९
१०	१९	८	१८	२३	१४	१५	१५
३२	३२	४७	३१	२६	४९	३०	४०
१४	३७	५२	३७	१२	४५	३६	३६
५७	४२	१२५	४	६८	$\frac{४}{५७}$	३	३
८	११	९	५३	८	व.	११	११

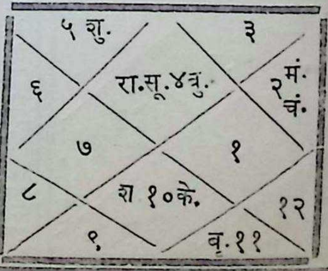

दि. मा. घ. प.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा. घ. प.			सू. उ. घं. मि.		सू. अ. घं. मि.		औ. स्पष्ट सूर्यः रा. अं. क. वि.				गतिः क. वि.	
३२	५८	१	बु.	३१	४५	श्ले	४३	४९	व्य.	४८	४३	किं.	०	९	वव	३१	४५	रक्ष	१	२९	१६	सिं.	४३	४९	५	२४	६	३६	३	१४	२६	१६	५७	१०
३२	५५	२	गु.	३६	३१	म.	४९	३५	व.	५०	९	वा.	४	६	कौ.	३६	३१	मुसल	२	१	१७				५	२५	६	३५	३	१५	२३	२६	५७	११
३२	५२	३	शु.	४१	४६	पू.	५६	५५	प.	५१	४४	तै.	९	९	ग.	४१	४६	सिद्धि	३	२	१८				५	२५	६	३५	३	१६	२०	३७	५७	१२
३२	४९	४	श.	४७	५५	उ.	६०	०	शि.	५४	१३	व.	१४	५१	वि.	४७	५५	उत्पात	४	३	१९	कं.	१३	५०	५	२६	६	३४	३	१७	१७	४९	५७	१४
३२	४७	५	र.	५४	१५	उ.	४	३४	सि.	५६	४४	वव	२१	०	वा.	१४	१५	मित्र	५	४	२०				५	२६	६	३४	३	१८	१५	३	५७	१६
३२	४४	६	चं.	६०	०	ह.	१२	१५	सा.	५९	१७	कौ.	२७	१०	तै.	६०	०	वज्र	६	५	२१	तु.	४५	५३	५	२७	६	३३	३	१९	१२	१९	५७	१८
३२	४१	६	मं.	०	१६	चि.	१९	३१	शु.	६०	०	तै.	०	१६	ग.	३२	५६	ध्वांक्ष	७	६	२२				५	२७	६	३३	३	२०	९	३७	५७	१९
३२	३९	७	बु.	५	२६	स्वा	२६	१३	शु.	१	२१	व.	५	३६	वि.	३७	३५	धूम्र	८	७	२३				५	२८	६	३२	३	२१	६	५६	५७	२०
३२	३६	८	गु.	९	४४	वि.	३१	३३	शु.	२	१९	वव	९	४४	वा.	४१	९	प्रवर्ध.	९	८	२४	वृ.	१५	५३	५	२८	६	३२	३	२२	४	१६	५७	२२
३२	३४	९	शु.	१२	३४	अ.	३५	१२	ब्र.	२	१३	कौ.	१२	३४	तै.	४२	१२	रक्ष	१०	९	२५				५	२९	६	३१	३	२३	१	३८	५७	२४
३२	३१	१०	श.	१३	१२	ज्ये.	३६	९	ऐं.	० ५८	४७ ३६	ग.	१३	१२	व.	४३	२७	मुसल	११	१०	२६	ध.	३६	९	५	३०	६	३०	३	२३	५८	५२	५७	२५
३२	२९	११	र.	११	४१	मू.	३६	१६	वि.	५२	५२	वि.	११	४१	वव	३९	५६	सिद्धि	१२	११	२७				५	३०	६	३०	३	२४	५६	१७	५७	२६
३२	२६	१२	चं.	८	१२	पू.	३४	५	प्री.	४६	३६	वा.	८	१२	कौ.	३५	२८	उत्पात	१३	१२	२८	म.	४७	२२	५	३१	६	२९	३	२५	५३	४३	५७	२७
३२	२२	१३	मं.	२ ५३	४४ १३	उ.	२९	५५	आ.	३८	५१	तै.	२	४४	ग.	२ ५५	२० ५७	गानस	१४	१३	२९				५	३१	६	२९	३	२६	५१	१०	५७	२८
३२	१८	१५	बु.	४७	२६	श्र.	२४	३७	सौ.	२९	५६	वि.	२०	१४	वव	४७	२६	मुद्गर	१५	१४	३०	कुं.	५१	२४	५	३२	६	२८	३	२७	४८	३८	५७	३१
+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+ +	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+

श्री शुभ संवत् २०१९ शके १८८४ श्रावण शुक्लपक्षः ।
याम्यायनम् सौम्यगोलः । अगस्त १ से १५ तक ।

अगस्त । चन्द्रदर्शनं सम्भवः । a शुक्रः ३६।५४ ।
रवी उल अव्वल । मृगशिरा भे भौमः २१।५१ । कन्यायां a
श्लेषा भे रविः २२।५६ । मधुश्रवा ३ । bया. जय मु. ।
भ. १४।५१ उ. ४७।५५ या. । गणेश ४ । c ४७।५४ ।
नागपञ्चमी । स. सि. योगः । हस्त भे प्राच्यां यात्रा मु. ।b
तिथिदानात् हस्त भे दक्षिणस्यां यात्रा मु. ।
सिंहे बुधः १६।२३ । dभ. ५५।५७ उ. ।
भ. ५।३६ उ. ३७।३५ या. । शीतलापूजनम् ।
दुर्गा ८ । अनु. भे उत्तरस्यां यात्रा मु. तिथिदानात् ।
हस्ते शुक्रः ४२।३७ । बुधोदयः पश्चिमायाम् २९।६ ।
भ. ४३।२७ उ. । मिथुने भौमः १३।५२ । शत. भे ३ वक्री गुरुःe
पुत्रदा ११ व्रतं सर्वेषाम् । मिथुने भौमः भ. ११।४१ या. ।
स. सि. योगः । cयात्रा मु. ।
उत्तरायोगे यायी जय मु. । त्रयोदशी उत्तरा योगे या. जय मु.d
भ. २०।१४ या. । श्रावणी । रक्षावन्धनम् । दक्षिणस्यांe

श्रा. शु. ३ शुक्रे. इ. ४६।२६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	१	३	१०	५	९	३	९
१७	२४	२२	१७	१	१४	१५	१५
११	१८	४८	४४	१८	२५	१८	१८
५२	३४	५४	१२	१	१३	२२	२२
५७	४१	१२१	५ १५	६६	४ ४०	३	३
१२	४५	३९	व.	५९	व.	११	११

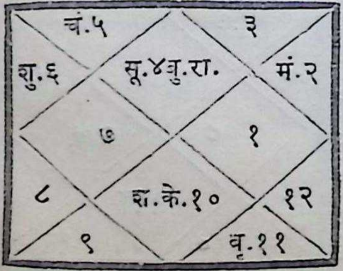

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.		२ बृ.		३ शु.		४ श.		५ र.		६ चं.		६ मं.		७ बु.		८ बृ.		९ शु.		१० श.		११ र.		१२ चं.		१३ मं.		१५ बु.	
क. अं.	६	३५	६	३१	६	२७	६	२३	६	१९	६	१५	६	११	६	८	६	५	६	१	५	५७	५	५३	५	४९	५	४५	५	४१
सिं. अ.	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३६	८	३२	८	२८	८	२५	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०	८	६	८	२	७	५९
कं. अ.	११	८	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४१	१०	३८	१०	३४	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४
तु. अं.	१	२६	१	२२	१	१८	१	१४	१	१०	१	६	१	२	१२	५९	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२
वृ. अं.	३	४४	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४	३	२०	३	१७	३	१४	३	१०	३	६	३	२	२	५८	२	५४	२	५०
ध. अं.	५	४९	५	४५	५	४१	५	३७	५	३३	५	२९	५	२५	५	२२	५	१८	५	१५	५	११	५	७	५	३	४	५९	४	५५
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
म. अं.	७	३४	७	३०	७	२६	७	२२	७	१८	७	१४	७	१०	७	७	७	४	७	०	६	५६	६	५२	६	४८	६	४४	६	४०
कुं. अं.	९	४	९	०	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३७	८	३४	८	३०	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०
मी. अं.	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१५	१०	११	१०	७	१०	४	१०	१	९	५७	९	५३	९	४९	९	४५	९	४१	९	३७
मे. अं.	१२	७	१२	३	११	५९	११	५५	११	५१	११	४७	११	४३	११	४०	११	३७	११	३३	११	२९	११	२५	११	२१	११	१७	११	१३
वृ. अं.	२	३	१	५९	१	५५	१	५१	१	४७	१	४३	१	३९	१	३६	१	३३	१	२९	१	२५	१	२१	१	१७	१	१३	१	९
मि. अं.	४	१७	४	१३	४	९	४	५	४	१	३	५७	३	५३	३	५०	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५	३	३१	३	२७	३	२३

श्रा. शु. ९ शुक्रे. इ. ४६।१७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	१	४	१०	५	९	३	९
२३	२८	६	१६	८	१३	१४	१४
५२	५९	३७	४७	५८	५४	५६	५६
५९	५१	१८	५	५९	१९	१४	१४
५७	४१	११७	६ ५२	६५	४ ३३	३	३
२४	९	१८	व.	३७	व	११	११

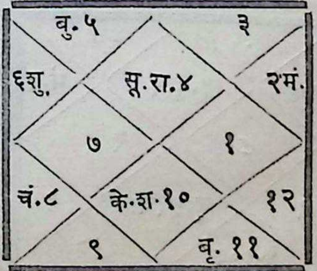

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		त.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
व.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३२	१३	१	गु.	३८	३९	ध.	१८	१५	शो.	२०	३१	वा.	१३	३	कौ.	३८	३९	श्रीवत्स	१६	१५	३१				५	३३	६	२७	३	२८	४६	९	५७	३३
३२	१०	२	शु.	२९	४४	श.	११	१८	अ.	१०	३७	तै.	४	११	ग.	२/५५	४४/२०	सौम्य	१७	१६	३२	मी.	५८	३१	५	३४	६	२६	३	२९	४४	४२	५७	३४
३२	७	३	श.	२०	५७	पू.	३/५६	५६/१	सु.	०/५२	५०/५२	वि.	२०	५७	बव	४६	५८	कालदं.	१८	१७	१				५	३५	६	२५	४	०	४२	१६	५७	३५
३२	४	४	र.	१२	५९	रे.	५२	३५	शू.	४१	४३	वा.	१२	५९	कौ.	३९	२३	प्रवधं.	१९	१८	२	मे.	५२	३५	५	३५	६	२५	४	१	३९	५१	५७	३७
३२	१	५	चं.	५/५४	४७/१२	अ.	४८	१५	गं.	३३	२३	तै.	५	४७	ग.	२९/५	५३/५	रक्ष	२०	१९	३				५	३६	६	२४	४	२	३७	२८	५७	३८
३१	५७	७	मं.	५४	३	भ.	४५	१३	वृ.	२६	११	वि.	२४	७	व.	५४	१३	मुशल	२१	२०	४	वृ.	५९	४८	५	३७	६	२३	४	३	३५	६	५७	४०
३१	५४	८	बु.	५२	१५	कृ.	४३	३१	ध्रु.	२०	६	वा.	२३	८	कौ.	५२	१५	सिद्धि	२२	२१	५				५	३७	६	२३	४	४	३२	४६	५७	४१
१	५१	९	गु.	५०	३४	रो.	४३	११	व्या	१५	९	तै.	२१	१९	ग.	५०	३४	उत्पा.	२३	२२	६				५	३८	६	२२	४	५	४०	२७	५७	४३
३१	४७	१०	शु.	४९	५६	मृ.	४४	१२	ह.	११	२७	त्र.	२०	११	वि.	४९	४६	मानस	२४	२३	७	मि.	११	४१	५	३९	६	२१	४	६	३८	१०	५७	४५
३१	४४	११	श.	५०	५३	आ.	४६	२६	व.	८	३१	व.	२०	२५	वा.	५०	५३	मुद्गर	२५	२४	८				५	३९	६	२१	४	७	३५	५५	५७	४६
३१	४१	१२	र.	५२	४७	पु.	४९	५१	सि.	६	५५	कौ.	२१	४९	तै.	५२	४७	ध्वज	२६	२५	९	क.	३३	५९	५	४०	६	२०	४	८	३३	४१	५७	४८
३१	३७	१३	चं.	५६	११	पु.	५६	३५	व्य.	६	१६	ग.	२४	२८	व.	५६	११	धाता	२७	२६	१०				५	४१	६	१९	४	९	३१	२९	५७	५०
३१	३४	१४	मं.	६०	०	श्ले	६०	०	व.	६	३७	वि.	२८	१४	श.	६०	०	आनंद	२८	२७	११				५	४१	६	१९	४	१०	२९	१९	५७	५२
३१	३०	१४	बु.	१	१९	श्ले.	०	११	प.	६	५७	श.	१	१९	च.	२३	२६	रक्ष	२९	२८	१२	सिं.	०	११	५	४२	६	१८	४	११	२७	११	५७	५४
३१	२७	३०	गु.	५	३३	म.	६	२६	शि.	८	३६	ना.	५	३३	किं.	३८	१४	मुशलं	३०	२९	१३				५	४३	६	१७	४	१२	२५	५	५७	५६
+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+

श्री शुभ संवत् २०१९ शके १८८४ भाद्रपद कृष्णपक्षः। याम्यायनम्। सौम्यगोलः अगस्त १६ से ३० तक।

प्रतीच्यां यात्रा मु.। या. जय मु. १८।१५ या.।
भ. ५५।२० उ.। सं. मघायां सिंहेचार्कः १६।१९। चर कर्म मु.।
भ. २०।५७ या.। उग्र कर्म मु.। उ. भा. योगे या. जय मु. g
अश्वि. मे प्राच्यां यात्रा मु.। पञ्चमी योगे या. जय मु.।
भ. ५९।५९ उ.। हलषष्ठी।
भ. २४।७ या.।
g२०।५७ या.।
आर्द्रायां भौमः ३४।१७। स. सि. योगः उत्तराफाल्गुनी भे i
या. जय. मु.।iबुधः ३८।५९ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रतं सर्वेषाम्
भ. २०।११ उ. ४९।४६। या.। कन्यायां बुधः ५१।५४ ।j
जया ११ व्रतं स्मार्तानाम्। पुनर्वसौ याम्य प्रतीच्यां यात्रा मु.
जया ११ व्रतं वैष्णवानाम्। jचित्रा भे शुक्रः २३।२९।
भ. ५६।११ उ.। स. सि. योगः।
भ. २८।१४ या.। स. सि. योगः। मासशिवरात्रि व्रतम्।
श्राद्धादौ अमा.।
पूर्वा फाल्गुनी भे रविः ५९।५८।कुशोत्पाटिनी ३०।ॐ फट् मन्त्रेण

भा. कृ. २ शुक्रे. इ. ४६।५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	२	४	१०	५	९	३	९
०	३	१८	१६	१६	१३	१४	१४
३६	३६	४९	१२	२४	२४	३४	३४
३७	१५	१५	५	१७	१७	१	१
५७	४०	१०५	७/२९	६३	४/१३	३	३
३४	४१	३९	व.	५३	व.	११	११

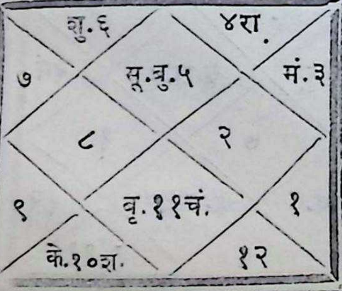

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१गु.	२ शु.	तिथयः	३ श.	४ र.	५ चं.	७ मं.	८बु.	९ गु.	१० श.	११ श.	१२ र.	१३चं.	१४मं.	१४बु.	३० गु.
क. अं.	५ ३८	५ ३४	सिं. अं.	७ ४७	७ ४३	७ ३९	७ ३५	७ ३२	७ २९	७ २५	७ २१	७ १७	७ १३	७ ९	७ ६	७ ३
सिं. अं.	७ ५६	७ ५१	कं. अं.	१० ३	९ ५९	९ ५५	९ ५१	९ ४८	९ ४५	९ ४१	९ ३७	९ ३३	९ २९	९ २५	९ २२	९ १९
कं. अं.	१० ११	१० ७	तु. अं.	१२ २१	१२ १७	१२ १३	१२ ९	१२ ६	१२ ३	११ ५९	११ ५५	११ ५१	११ ४७	११ ४३	११ ४०	११ ३७
तु. अं.	१२ २९	१२ २५	वृ. अं.	२ ३९	२ ३५	२ ३१	२ २७	२ २४	२ २१	२ १७	२ १३	२ ९	२ ५	२ १	१ ५८	१ ५५
वृ. अं.	२ ४७	२ ४३	ध. अं.	४ ४४	४ ४०	४ ३६	४ ३२	४ २९	४ २६	४ २२	४ १८	४ १४	४ १०	४ ६	४ ३	४ ०
ध. अं.	४ ५२	४ ४८	म. अं.	६ २९	६ २५	६ २१	६ १७	६ १४	६ ११	६ ७	६ ३	५ ५९	५ ५५	५ ५१	५ ४८	५ ४५
राशयः	रा०	रा०	राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
म. अं.	६ ३७	६ ३३	कुं. अं.	७ ५९	७ ५५	७ ५१	७ ४७	७ ४४	७ ४१	७ ३७	७ ३३	७ २९	७ २५	७ २१	७ १८	७ १५
कुं. अं.	८ ७	८ ३	मी. अं.	९ २६	९ २२	९ १८	९ १४	९ ११	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५२	८ ४८	८ ४५	८ ४२
मी. अं.	९ ३४	९ ३०	मे. अं.	११ २	१० ५८	१० ५४	१० ५०	१० ४७	१० ४४	१० ४०	१० ३६	१० ३२	१० २८	१० २४	१० २१	१० १८
मे. अं.	११ १०	११ ६	वृ. अं	१२ ५८	१२ ५४	१२ ५०	१२ ४६	१२ ४३	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१२ २०	१२ १७	१२ १४
वृ. अं.	१ ६	१ २	मि. अं.	३ १२	३ ८	३ ४	३ ०	२ ५७	२ ५४	२ ५०	२ ४६	२ ४२	२ ३८	२ ३४	२ ३१	२ २८
मि. अं.	३ २०	३ १६	क. अं.	५ ३०	५ २६	५ २२	५ १८	५ १५	५ १२	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५६	४ ५२	४ ४९	४ ४६

भा. कृ. १० शुक्रे. इ. ४५।४३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	२	४	१०	५	९	३	९
७	८	२९	१५	२३	१३	१४	१४
१८	७	५०	१९	४२	३	११	११
४६	४५	४७	१०	४४	३	४३	४३
५७	४०	९०	७/५५	६१	३/५४	३	३
४५	२५	४७	व.	४७	व	११	११

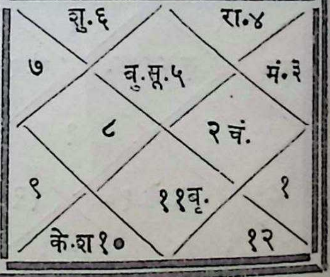

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र.			सू. उ.		सू. ज.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३१	२३	१	शु.	१०	५६	पू.	१३	१४	सि.	१०	१५	व.	१०	५६	व.	४४	५	सिद्धि	३१	३०	१४	कं.	३०	१०	५	४३	६	१७	४	१३	२३	१	५७	५८
३१	२०	२	श.	१७	१४	उ.	२०	४७	सा.	१२	२९	कौ.	१७	१४	तै.	५०	२२	उत्पात	१	१	१५				५	४४	६	१६	४	१४	२०	५९	५८	०
३१	१७	३	र.	२३	३१	ह.	२८	२१	शु.	१५	३०	ग.	२३	३१	व.	५६	४१	मानस	२	२	१६				५	४५	६	१५	४	१५	१८	५९	५८	२
३१	१३	४	चं.	२९	५१	चि.	३६	१४	शु.	१७	१८	वि.	२९	५१	व.	६०	०	मुद्गर	३	३	१७	तु.	२	१७	५	४५	६	१५	४	१६	१७	१	५८	४
३१	९	५	मं.	३५	३५	स्वा	४३	५	ब्र.	१९	३६	ब.	२	४३	वा.	३५	३५	ध्वज.	४	४	१८				५	४६	६	१४	४	१७	१५	५	५८	६
३१	६	६	बु.	४०	१४	वि.	४९	९	ऐं.	२१	२९	कौ.	७	४९	तै.	४०	१४	धाता.	५	५	१९	वृ.	३२	३८	५	४७	६	१३	४	१८	१३	११	५८	८
३१	२	७	गु.	४३	४१	अ.	५४	१५	वै.	२२	१०	ग.	११	५७	व.	४३	४१	आनंद	६	६	२०				५	४८	६	१२	४	१९	११	१९	५८	१०
३०	५३	८	शु.	४५	२६	ज्ये.	५७	३४	विं.	२१	५०	वि.	१४	३५	व.	४५	२६	चर	७	७	२१	ध.	५७	३४	५	४८	६	१२	४	२०	९	२९	५८	१२
३०	५५	९	श.	४५	२५	मू.	५८	५४	प्री.	२०	१२	वा	१५	२६	कौ.	४५	२५	गद	८	८	२२				५	४९	६	११	४	२१	७	४१	५८	१४
३०	५१	१०	र.	४३	१६	पू.	५८	३१	आ.	१६	५९	तै.	१४	२१	ग.	४३	१६	शुभ	९	९	२३				५	५०	६	१०	४	२२	५	५५	५८	१७
३०	४८	११	चं.	३९	२१	उ.	५५	५५	सौ.	११	५	व.	११	१९	वि	३९	२१	मृत्यु	१०	१०	२४	म.	१३	२२	५	५०	६	१०	४	२३	४	१२	५८	१९
३०	४४	१२	मं.	३३	३५	श्र.	५२	१७	शो.	५ ५२	५७ ४५	व.	६	२७	व.	३३ ५९	१५ १४	लुम्ब	११	११	२५				५	५१	६	९	४	२४	२	३१	५८	२२
३०	४१	१३	बु.	२५	३३	ध.	४५	२१	सु.	४८	३८	तै.	२५	३३	ग.	५१	७	मित्र	१२	१२	२६	कुं.	१८	१९	५	५२	६	९	४	२५	०	५३	५८	२४
३०	३७	१४	गु.	१६	४१	श.	३८	१५	धृ.	३८	१४	ब.	१६	४१	व.	४१	४५	वज्र	१३	१३	२७				५	५३	६	७	४	२५	५९	१७	५८	२७
३०	३३	१५	शु.	६ ५२	५० १४	पू.	३०	३५	शू.	२७	३९	व.	६	५०	बा.	३९ ५७	५७ ४	ध्वांक्ष	१४	१४	२८	मी.	१७	३०	५	५३	६	७	४	२६	५७	४४	५८	२९

श्री शुभ संवत् २०१९ शके १८८४ भाद्रपद शुक्लपक्षः ।
याम्यायनम् सौम्यगोलः । अगस्त ३१ से सितम्बर १४ तक ।

चन्द्रदर्शनम् । हस्त भे बुधः ५८।५९ । तुलायां शुक्रः ३।७ ।a
सितम्बर । रवि उस्सानी । aउग्र कर्म मु. ।
भ. ५६।४१उ. । मन्वादि । हरितालिका तीज व्रतम् । गणेश ४b
भ. २९।५१ या. । bव्रतम् । या. जय मु. चन्द्रदर्शनं s
ऋषि पञ्चमी व्रतम् । s निषिद्धम् । स. सि. योगः ।
प्रतीच्यां यात्रा मु. तिथि दानात् । i यायी जय मु. ।
भ. ४३।४१ उ. । स्वाती भे शुक्रः ५०।३९ । महालक्ष्मी d
भ. १४।१५ या. । hअनन्त १४ व्रतम् । महालयारम्भः ।
वक्री शते २ चरणे गुरुः ५१।३७ । तीक्ष्ण कर्म मु. ।
पुष्ये ३ चरणे राहु श्रवणे १ चरणे केतुः ५९।५५ । उग्र कर्म मु.
भ. ११।१९ उ. ३९।२१ या. । परिवर्तिनी ११ व्रतं सर्वेषाम् । i
चित्रा भे बुधः ४९।७ । वामनावतारः । दक्षिण यात्रा मु. । y
पुनर्वसु भे भौमः १८।९ । प्रतीच्यां यात्रा मु. । yतिथिदानात् ।
भ. १६।४१ उ. ४१।४५ । उत्तरा फाल्गुनी भे रविः ४४।३९ । h
प्रौष्ठपदी १५ । dव्रतारम्भः । वैधृत्युपरान्तं उदीच्यांयात्रा मु. ।

भा. शु. १ शु. इ. ४५।४२

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	२	५	१०	६	९	३	९
१४	१२	९	१४	०	१२	१३	१३
३	५३	४२	२४	४२	३३	४९	४९
५७	२५	१४	५	१३	२८	१४	१४
५७	३९	७८	७ ५२	५९	३ ३९	३	३
५८	३९	१४	व.	२२	व.	१०	११

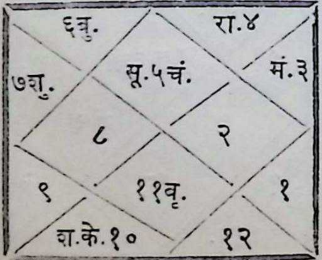

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.		२ श.		३ र.		४ चं.		५मं.		६ बु.		७ वृ.		८ शु.		९ श.		१० र.		११ चं.		१२ मं.		१३ बु.		१४ वृ.		१५ शु.	
सिं. अं.	७	०	६	५६	६	५२	६	४८	६	४४	६	४०	६	३७	६	३४	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१५	६	१२	६	९
कं. अं.	९	१६	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५६	८	५३	८	५०	८	४६	८	४२	८	३८	८	३४	८	३१	८	२८	८	२५
तु. अं.	११	३४	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	११	११	८	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४९	१०	४६	१०	४३
वृ. अं.	१	५२	१	४८	१	४४	१	४०	१	३६	१	३२	१	२९	१	२६	१	२२	१	१८	१	१४	१	१०	१	७	१	४	१	१
ध. अं.	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५	३	४१	३	३७	३	३४	३	३१	३	२७	३	२३	३	१९	३	१५	३	१२	३	९	३	६
म. अं.	५	४२	५	३८	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२	५	१९	५	१६	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५७	४	५४	४	५१
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कुं. अं.	७	१२	७	८	७	४	७	०	६	५६	६	५२	६	४९	६	४६	६	४२	६	३८	६	३४	६	३०	६	२७	६	२४	६	२१
मी. अं.	८	३९	८	३५	८	३१	८	२७	८	२३	८	१९	८	१६	८	१३	८	९	८	५	८	१	७	५७	७	५४	७	५१	७	४८
मे. अं.	१०	१५	१०	११	१०	७	१०	३	९	५९	९	५५	९	५२	९	४९	९	४५	९	४१	९	३७	९	३३	९	३०	९	२७	९	२४
वृ. अं.	१२	११	१२	७	१२	३	११	५९	११	५५	११	५१	११	४८	११	४५	११	४१	११	३७	११	३३	११	२९	११	२५	११	२१	११	१७
मि. अं.	२	२५	२	२१	२	१७	२	१३	२	९	२	५	२	२	१	५९	१	५५	१	५१	१	४७	१	४३	१	४०	१	३७	१	३४
क. अं.	४	४३	४	३९	४	३५	४	३१	४	२७	४	२३	४	२०	४	१७	४	१३	४	९	४	५	४	१	३	५९	३	५५	३	५२

भा. शु. १५ शु. इ. ४५।१६

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	२	५	१०	६	९	३	९
२७	२१	२५	१२	१३	१२	१३	१३
३८	३३	१८	८	५०	०	४	४
५९	१५	३७	५२	५१	३६	४७	४७
५८	३८	४०	७ १५	५१	२ ३३	३	३
२९	१४	३२	व.	५६	व.	११	११

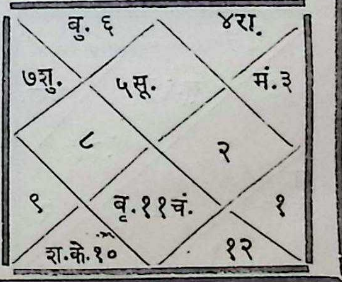

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः		श्री शुभ संवत् २०१९ शके १८८४ आश्विन कृष्णपक्षः। याम्यायनम् सौम्यगोलः। सितम्वर १५ से २८ तक।
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	
३०	३०	२	श.	४६	४३	उ.	२२	४५	गं.	१६	४५	तै.	१८	२८	ग.	४६	४३	धूम्र	१५	१५	२९				५	५४	६	६	४	२७	५६	१३	५८	३१	प्रतीच्यां यात्रा मु.। रेवत्याम्।
३०	२६	३	र.	३८	१७	रे.	१४	५३	वृ.	६/५६	५५/५०	व.	१२	२९	वि.	३८	१७	प्रवर्ध.	१६	१६	३०	मे.	१४	५३	५	५५	६	५	४	२८	५४	४४	५८	३४	भ. १२।२९ उ. ३८।१७ या.। या. जय मु. १४।५३ या.।
३०	२३	४	चं.	३०	३३	अ.	८	४७	व्या	४६	५१	व.	४	२५	वा.	३०/५७	३३/१९	रक्ष	१७	१७	३१				५	५५	६	५	४	२९	५३	१८	५८	३६	कन्यायामर्कः १७।३५।
३०	१९	५	मं.	२४	१६	भ.	३/५५	५/१	ह.	३८	५१	तै.	२४	१६	ग.	५२	११	मुशल	१८	१८	१	वृ.	१७	५	५	५६	६	४	५	०	५२	५४	५८	३८	aविशाखा भे शुक्रः ९।४२। मातृ नवमी। प्रतीच्यां b
३०	१५	६	बु.	२०	११	रो.	५८	२०	व.	३२	१६	व.	२०	११	वि.	४८	२४	शुभ	१९	१९	२				५	५७	६	३	५	१	५१	३२	५८	४०	भ. २०।११ उ. ४८।२४ या.। स. सि. योगः।
३०	१२	७	गु.	१७	२७	मृ.	५८	५९	सि.	३२	३४	व.	१७	२७	वा.	४६	५१	मृत्यु	२०	२०	३	मि.	२८	४०	५	५८	६	२	५	२	५०	१२	५८	४३	प्रतीच्यां यात्रा मु. २८।४० उ.।
३०	८	८	शु.	१६	३६	आ.	६०	०	व्य.	२३	४३	कौ.	१६	३६	तै.	४६	३८	पद्म	२१	२१	४				५	५८	६	२	५	३	४८	५५	५८	४५	bयात्रा मु. तिथि दानात्।
३०	४	९	श.	१७	३९	आ.	०	१६	व.	२४	५५	ग.	१७	३९	व.	४८	५१	मुद्गर	२२	२२	५	क.	४७	५२	५	५९	६	१	५	४	४७	४०	५८	४७	भ. ४८।५१ उ.। वक्री बुधः ३४।५६। पुन. या.जय योग : ।a
३०	०	१०	र.	२०	३	पु.	३	४३	प.	२०	४५	वि.	२०	३	व.	५२	०	ध्वज	२३	२३	६				६	०	६	०	५	५	४६	२७	५८	४९	भ. २०।३ या.।
२९	५७	११	चं.	२३	५७	पु.	८	३३	शि.	२१	१५	वा.	२३	५७	कौ.	५६	२१	धाता	२४	२४	७				६	१	५	५९	५	६	४५	१६	५८	५१	इन्दिरा ११ व्रतं सर्वेषाम्। पश्चिमोत्तर यात्रा मु. ८।३३c
२९	५३	१२	मं.	२८	४६	श्ले.	१४	३१	सि.	२२	१६	त.	२८	४६	ग.	६०	०	आनंद	२५	२५	८	सिं.	१४	३१	६	१	५	५९	५	७	४४	७	५८	५३	cया.। या. जय योगः ८।३३ उ.।
२९	५०	१३	बु.	३४	४३	म.	२१	२७	सा.	२३	५४	ग.	१	४४	व.	३४	४३	चर.	२६	२६	९				६	२	५	५८	५	८	४३	०	५८	५५	भ. ३४।४३ उ.। युगादि। मास शिवरात्रि व्रतम्
२९	४६	१४	गु.	४०	१९	पू.	२८	३५	शु.	२५	५५	वि.	७	३०	श.	४०	१९	गद	२७	२७	१०	कं.	४५	२२	६	३	५	५७	५	९	४१	५५	५८	५७	भ. ७।३० या.। हस्त भे रविः २३।४। शास्त्रादि हस्तानांd
२९	४२	३०	शु.	४७	१	उ.	३५	५४	शु.	२८	१४	च.	१३	३९	ना.	४७	१	शुभ	२८	२८	११				६	४	५	५६	५	१०	४०	५२	५९	०	पितृविसर्जनम्। dश्राद्धम्।

आ. कृ. ८ शु. इ. ४५।४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	२	५	१०	६	९	३	९
४	२६	२८	११	१९	११	१२	१२
२९	२१	२०	४७	४२	३६	४२	४२
७	१७	१४	६	४५	५४	३९	३९
५८	३७	६	०/४३	४६	१/४७	३	३
४५	१४	११	व	४४	व.	११	११

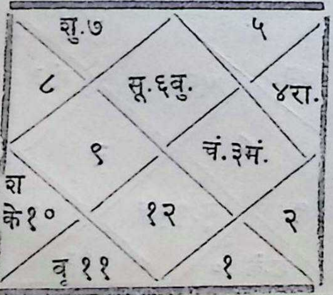

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	२ श.		३ र.		४ चं		तिथयः	५ मं.		६ बु.		७ बृ.		८ शु.		९ श.		१० र.		११ चं.		१२ मं.		१३ बु.		१४ बृ.		३० शु.	
सिं. अं.	६	६	६	२	५	५८	कं. अं.	८	१०	८	७	८	४	८	१	७	५७	७	५३	७	४९	७	४४	७	४१	७	३८	७	३५
कं. अं.	८	२२	८	१८	८	१४	तु. अं.	१०	२८	१०	२५	१०	२२	१०	१९	१०	१५	१०	११	१०	७	१०	३	९	५९	९	५६	९	५३
तु. अं.	१०	४०	१०	३६	१०	३२	वृ. अं.	१२	४६	१२	४३	१२	४०	१२	३७	१२	३३	१२	२९	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१४	१२	११
वृ. अं.	१२	५८	१२	५४	१२	५०	ध. अं.	२	५१	२	४८	२	४५	२	४२	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	२	२२	२	१९	२	१६
ध. अं.	३	३	२	५९	२	५५	म. अं.	४	३६	४	३३	४	३०	४	२७	४	२३	४	१९	४	१५	४	११	४	७	४	४	४	१
म. अं.	४	४८	४	४४	४	४०	कुं. अं.	६	६	६	३	६	०	५	५७	५	५३	५	४९	५	४५	५	४१	५	३७	५	३४	५	३१
राशयः	रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कुं. अं.	६	१८	६	१४	६	१०	मी. अं.	७	३३	७	३०	७	२७	७	२४	७	२०	७	१६	७	१२	७	८	७	४	७	१	६	५८
मी. अं.	७	४५	७	४१	७	३७	मे. अं.	९	९	९	६	९	३	९	०	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३६	८	३३
मे. अं.	९	२१	९	१७	९	१३	वृ. अं.	११	५	११	२	१०	५९	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३३	१०	३०
वृ. अं.	११	१७	११	१३	११	९	मि. अं.	१	१९	१	१६	१	१३	१	१०	१	६	१	२	१२	५८	१२	५४	१२	५०	१२	४७	१२	४४
मि. अं.	१	३१	१	२७	१	२३	क. अं.	३	३७	३	३४	३	३१	३	२८	३	२४	३	२०	३	१६	३	१२	३	८	३	५	३	२
क. अं.	३	४९	३	४५	३	४१	सिं. अं.	५	५४	५	५१	५	४८	५	४५	५	४१	५	३७	५	३३	५	२९	५	२५	५	२२	५	१९

आ. कृ. १५ शु. इ. ४४।५१

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	२	५	१०	६	९	३	९
११	२९	२७	१०	२४	११	१२	१२
२१	२७	२१	४०	५३	२६	२०	२०
२७	१४	४७	९	५५	५९	१२	१२
५९	३६	४०/४१	५/१३	३९	१/४	३	३
०	४४	व	व	५०	व	११	११

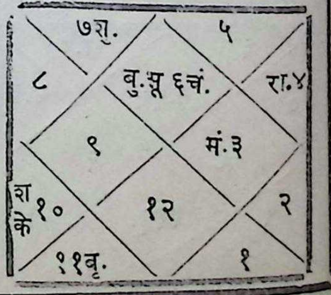

श्री शुभ संवत् २०१९ शके १८८४ आश्विन शुक्लपक्षः ।
याम्यायनम् सौम्यगोलः । सितम्बर २९ से अक्टूबर १३ तक ।

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	व.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२९	३९	१	श.	५३	६	ह.	४३	४१	व्र.	३०	३३	कि.	२०	४	व.	५३	६	मृत्यु	२९	२९	१२				६	५	५	५५	५	११	३९	५२	५९	२
२९	३५	२	र.	५९	१५	चि.	५०	५६	ऐं.	३२	५१	वा.	२६	११	कौ.	५९	१५	पद्म	३०	३०	१३	तु.	१७	१७	६	५	५	५५	५	१२	३८	५४	५९	४
२९	३१	३	चं.	६०	०	स्वा	५७	५१	वै.	३५	१६	तै.	३१	५९	ग.	६०	०	छत्र	१	१	१४				६	६	५	५४	५	१३	३७	५८	५९	६
२९	२७	३	मं.	४	४३	वि.	६०	०	वि.	३६	३३	ग.	४	४३	व.	३७	१	श्रीवत्स	२	२	१५	वृ.	४७	३२	६	७	५	५३	५	१४	३७	४	५९	९
२९	२४	४	बु.	९	१९	वि.	४	५	प्री.	३७	१६	वि.	९	१९	व.	४१	२०	धाता	३	३	१६				६	७	५	५३	५	१५	३६	१३	५९	११
२९	२०	५	गु.	१३	२१	अ.	९	३७	आ.	३७	४९	वा.	१३	२१	कौ.	४४	३२	आनन्द	४	४	१७				६	८	५	५२	५	१६	३५	२४	५९	१४
२९	१६	६	शु.	१५	४४	ज्ये.	१३	५७	सौ.	३५	५७	तै.	१५	४४	ग.	४५	४१	चर	५	५	१८	ध.	१३	५७	६	९	५	५१	५	१७	३४	३८	५९	१६
२९	१३	७	श.	१६	४५	मू.	१६	३९	शो.	३५	३	व.	१६	४५	वि.	४६	३१	गद	६	६	१९				६	९	५	५१	५	१८	३३	५४	५९	१८
२९	९	८	र.	१६	१७	पू.	१७	४९	अ.	३१	४१	व.	१६	१७	वा.	४५	१	शुभ	७	७	२०	म.	४७	३८	६	१०	५	५०	५	१९	३३	१२	५९	२०
२९	५	९	चं.	१३	४५	उ.	१७	१६	सु.	२६	५७	कौ.	१३	४५	तै.	३९	३८	मृत्यु	८	८	२१				६	११	५	४९	५	२०	३२	३२	५९	२२
२९	२	१०	मं.	९	३१	श्र.	१४	५६	धृ.	२०	४३	ग.	९	३१	व.	३६	२८	लुम्ब	९	९	२२	कुं.	४२	४४	६	१२	५	४८	५	२१	३१	५४	५९	२४
२८	५८	११	बु.	३ ५२	२६ २८	ध.	१०	३५	शू.	१३	१६	वि.	३	२६	व.	२९ ५५	४० ५४	मित्र	१०	१०	२३				६	१२	५	४८	५	२२	३१	१८	५९	२६
२८	५४	१३	गु.	४७	१५	श.	५	१४	गं.	४ ५४	५४ २२	कौ.	१९	५०	तै.	४७	१५	वज्र	११	११	२४	मी	४८	२५	६	१३	५	४७	५	२३	३०	४४	५९	२८
२८	५१	१४	शु.	३७	३९	पू.	२ ५१	५० ४७	ध्रु.	४५	५०	ग.	१२	२६	व.	३७	३९	ध्वांक्ष	१२	१२	२५				६	१४	५	४६	५	२४	३०	१२	५९	३१
२८	४८	१५	श.	२७	४५	रे.	४३	१६	व्या	३५	५९	वि.	२	४२	व.	२७	४५	धाता	१३	१३	२६	मे.	४३	१६	६	१४	५	४६	५	२५	२९	४३	५९	३३

कर्के भौमः ३७।५२ । शारदीय नवरात्रारम्भः ।
चन्द्रदर्शनम् । बुधास्तः पश्चिमायाम् ३४।१२ ।
अक्टूबर । जमादि उल अव्वल । या. जय मु. ।
भ. ३७।१ उ. । मिश्र कर्म मु. । a९।३८ या. ।
भ. ९।१९ या. । वक्री हस्ते बुधः ४८।५२ ।
उपांग ललिता व्रतम् । या. जय मु. उदीच्यां यात्रा मु. स्च. a
पुष्ये भौमः ४७।३७ । सरस्वत्यावाहनम् ।
भ. १६।४५ उ. ४६।३१ या. । cयात्रा मु. । शरत् पूर्णिमा ।d
वृश्चिके शुक्रः ११।२६ । उत्तरा योगे या. जय मु. ।
शनि मार्गी ५७।५९ । बुद्ध जयन्ती । या.जय योगः१७।१६ या. ।
भ. ३६।२८ उ. । विजया दशमी । दक्षिणस्यां यात्रा मु. ।
भ. ३।२६ या. । वक्री शते १ गुरुः १७।५२ । चित्रा भे रविः b
चर कर्म मु. । b५२।४५ । पापाङ्कुशा ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
भ. ३७।३९ उ. । d बुधोदयः पूर्वस्याम् ४०।५ ।
भ. २।४२ या. । कोजागर्ति १५ । कोजागरी १५ । प्रतीच्यां c

आ. शु. ६ शुक्रे. इ. ४४।३८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	३	५	१०	६	९	३	९
१८	३	२०	१०	२९	२१	११	११
१४	१८	३९	२८	१५	२२	५८	५८
५९	३८	१७	५९	७	५	७	७
५९	३५	८३ २३	४ ४५	३०	० २१	३	३
१६	४८	व.	व.	५५	व.	११	११

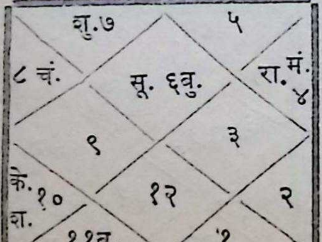

दैनिकलग्नसारिणी

तिथयः	१ श.	२ र.	३ चं.	३ मं.	४ बु.	५ बृ.	६ शु.	७ श.	८ र.	९ चं.	१० मं.	११ बु.	१३ बृ.	१४ शु.	१५ श.
कं. अं.	७ ३१	७ २७	७ २३	७ १९	७ १९	७ १५	७ ११	७ ८	७ ५	७ २	६ ५८	६ ५४	६ ५०	६ ४६	६ ४३
तु. अं.	९ ४९	९ ४५	९ ४१	९ ३७	९ ३३	९ २९	९ २६	९ २३	९ २०	९ १६	९ १२	९ ८	९ ४	९ १	८ ५८
वृ. अं.	१२ ७	१२ ३	११ ५९	११ ५५	११ ५१	११ ४७	११ ४४	११ ४१	११ ३८	११ ३४	११ ३०	११ २६	११ २२	११ १९	११ १६
ध. अं.	२ १२	२ ८	२ ४	२ ०	१ ५६	१ ५२	१ १९	१ ४६	१ ४३	१ ३९	१ ३५	१ ३१	१ २७	१ २४	१ २१
म. अं.	३ ५७	३ ५३	३ ४९	३ ४५	३ ४१	३ ३७	३ ३४	३ ३१	३ २८	३ २४	३ २०	३ १६	३ १२	३ ९	३ ६
कुं. अं.	५ २७	५ २३	५ १९	५ १५	५ ११	५ ७	५ ४	५ १	४ ५८	४ ५४	४ ५०	४ ४६	४ ४२	४ ३९	४ ३६
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मी. अं.	६ ५४	६ ५०	६ ४६	६ ४२	६ ३८	६ ३४	६ ३१	६ २८	६ २५	६ २१	६ १७	६ १३	६ ९	६ ६	६ ३
मे. अं.	८ ३०	८ २६	८ २२	८ १८	८ १४	८ १०	८ ७	८ ४	८ १	७ ५७	७ ५३	७ ४९	७ ४५	७ ४२	७ ३९
वृ. अं.	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० १०	१० ६	१० ३	१० ०	९ ५७	९ ५३	९ ४९	९ ४५	९ ४१	९ ३८	९ ३५
मि. अं.	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१२ २०	१२ १७	१२ १४	१२ ११	१२ ७	१२ ३	११ ५९	११ ५५	११ ५२	११ ४९
क. अं.	२ ५८	२ ५५	२ ५०	२ ४६	२ ४२	२ ३८	२ ३४	२ २९	२ २५	२ ४१	२ १७	२ १३	२ १०	२ ७	२ ३
सिं. अं.	५ १५	५ ११	५ ७	५ ३	४ ५९	४ ५५	४ ५२	४ ४९	४ ४६	४ ४२	४ ३८	४ ३४	४ ३०	४ २७	४ २४

आ. शु. १४ शुक्रे. इ. ४४।२५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	३	५	१०	७	९	३	९
२५	६	१४	९	२	११	११	११
१०	५३	१०	५१	३०	२१	३५	३५
४२	५९	१५	९	५२	२०	४९	४९
५९	३४	३८ ३७	३ ३८	१९	० २४	३	३
३१	३९	व.	व.	२८	व.	११	११

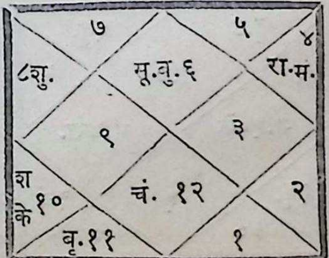

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	श्रीशुभ संवत् २०१९ शके १८८४ कार्तिक कृष्णपक्षः । याम्यायनगोलौ । अक्टूबर १४ से २८ तक ।
२८	४४	१	र.	१८	२५	अ.	३५	४७	ह.	२५	५९	कौ.	१८	२५	तै.	४३	५६	आनंद	१४	१४	२७				६	१५	५	४५	५	२६	२९	२६	५९	३५	स. सि. योगः
२८	४०	२	चं.	९	२७	भ.	२८	४४	व.	१६	३४	ग.	९	२७	ब.	३५	३१	चर	१५	१५	२८	वृ.	४२	२७	६	१६	५	४४	५	२७	२९	१	५९	३७	भ. ३५।३१ उ. । मार्गी वुधः ४८।५५ । अनु. भे शुक्रः १७ । d
२८	३६	३	मं.	५ ५४	३५ ५५	कृ.	२३	३५	सि.	७ ५२	५३ २	वि.	१	३५	व.	२९	१	गद	१६	१६	२९				६	१७	५	४३	५	२८	२८	३८	५९	३९	भ. १।३५ । कर्क चतुर्थी (करवा चौथ) । स. सि. योगः ।
२८	३३	५	बु.	५१	५९	रो.	१९	३७	व.	४८	३३	कौ.	२२	२६	तै.	५१	५९	शुभ	१७	१७	३०	मि.	४८	४०	६	१७	५	४३	५	२९	२८	७	५९	४१	तुलायामर्कः ३१।४७ । मृग भे दक्षिण यात्रा मु. । स. सि. योगः
२८	२९	६	गु.	४९	२१	मृ.	१७	४५	प.	४१	३६	ग.	१९	५९	व.	४९	२१	मृत्यु	१८	१८	१				६	१८	५	४२	६	०	२७	४८	५९	४३	भ. ४९।२१ उ. । d ५४ । तृतीयाभरणीयोगे या. जय. मु. ।
२८	२६	७	शु.	४९	३१	आ.	१७	५९	शि.	३७	४३	वि.	१९	१६	व.	४९	३१	पद्म	१९	१९	२				६	१९	५	४१	६	१	२७	३१	५९	४६	भ. १९।१६ या. ।
२८	२२	८	श.	५१	२६	पु.	२०	३१	सि.	३५	४५	वा.	२०	१८	कौ.	५१	२६	छत्र	२०	२०	३	क.	४	५२	६	२०	५	४०	६	२	२७	१७	५९	४९	प्रतीच्यां यात्रा मु. तिथि दानात् पुष्य भे उदीच्यां यात्रा मु. ।
२८	१९	९	र.	५४	५९	पु.	२४	३७	सा.	३५	३४	तै.	२३	०	ग.	५४	४९	श्रीवत्स	२१	२१	४				६	२०	५	४०	६	३	२७	६	५९	५१	वक्री शुक्रः ५९।५५ । स. सि. योगः २४।३७ या. ।
२८	१५	१०	चं.	६०	०	श्ले	३०	२१	शु.	३५	५६	व.	२७	१२	वि.	६०	०	सौम्य	२२	२२	५	सिं.	३०	२१	६	२१	५	३९	६	४	२६	५७	५९	५३	भ. २७।१२ उ. ।
२८	१२	१०	मं.	०	३९	म.	३६	३६	शु.	३७	३६	वि.	०	३९	व.	३३	३४	कालदं.	२३	२३	६				६	२२	५	३८	६	५	२६	५०	५९	५६	भ. ०।३९ या. ।
२८	८	११	बु.	६	२९	पू.	४४	२४	ब्र.	३९	५३	वा.	६	२९	कौ.	३९	३४	स्थिर	२४	२४	७				६	२२	५	३८	६	६	२६	४६	५९	५७	स्वाती भे रविः १६।५४ । रमा ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
२८	५	१२	गु.	१२	३८	उ.	५१	४७	ऐं.	४२	२६	तै.	१२	३८	ग.	४५	४७	मातंग	२५	२५	८	कं.	१	१५	६	२३	५	३७	६	७	२६	४३	६०	०	गोवत्स १२ । त्रयोदशी उ. फा. योगे या. जय. मु. ।
२८	१	१३	शु.	१८	५७	ह.	४९	३६	व.	४४	५१	व.	१८	५७	वि.	१२	१२	अमृत	२६	२६	९				६	२४	५	३६	६	८	२६	४३	६०	२	भ. १८।५७ उ. । दीपदानम् । मास शिवरात्रि व्रतम् ।
२७	५८	१४	श.	२५	२७	चि.	६०	०	वि.	३६	४९	श.	२५	२७	च.	५८	१२	काण	२७	२७	१०	तु.	३३	१७	६	२४	५	३६	६	९	२६	४५	६०	४	चित्रा भे वुधः ३३।५७ ।
२७	५५	३०	र.	३०	५८	चि.	६	३८	प्री.	४८	४९	ना.	३०	५८	किं.	६०	०	पद्म	२८	२८	११				६	२५	५	३५	६	१०	२६	४९	६०	७	महालक्ष्मी पूजन दीपावली । स्वाती योगे या जय मु. ।

का. कृ. ७ शुक्रे. इ. ४४।१३

सू	म.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	३	५	१०	७	९	३	९
२	१०	१४	९	४	११	११	११
८	४२	३१	४२	१८	२६	१३	१३
१७	३८	१८	२४	५५	१५	२२	२२
५९	३३	४७ २६	२ १०	५	१	३	३
४६	३२	मा.	व.	१७	११	११	११

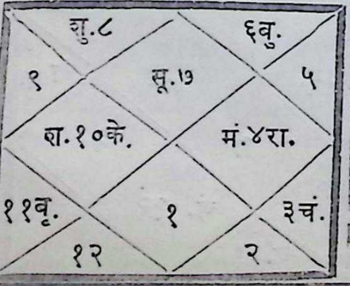

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.		२ चं.		३ मं.		५ बु.		तिथयः	६ गु.		७ शु.		८ श.		९ र.		१० चं.		१० मं.		११ बु.		१२ गु.		१३ शु.		१४ श.		३० र.	
कं. अं.	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	तु. अं	८	३८	८	३४	८	३१	८	२८	८	२४	८	२०	८	१६	८	१२	८	९	८	६	८	३
तु. अं.	८	५४	८	५०	८	४६	८	४२	वृ. अं	१०	५६	१०	५२	१०	४९	१०	४६	१०	४१	१०	३८	१०	३४	१०	३०	१०	२७	१०	२४	१०	२१
वृ. अं.	११	१२	११	८	११	४	११	०	ध. अं.	१	१	१२	५७	१२	५४	१२	५१	१२	४७	१२	४३	१२	३९	१२	३५	१२	३२	१२	२९	१२	२६
ध. अं.	१	१५	१	१३	१	९	१	५	म. अं.	२	४६	२	४२	२	३९	२	३६	२	३२	२	२८	२	२४	२	२०	२	१७	२	१४	२	११
म. अं.	३	२	२	५८	२	५४	२	५०	कुं. अं.	४	१६	४	१२	४	९	४	६	४	२	३	५८	३	५४	३	५०	३	४८	३	४४	३	४१
कुं. अं.	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०	मी. अं.	५	४३	५	३९	५	३६	५	३३	५	२९	५	२५	५	२१	५	१७	५	१४	५	११	५	७
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मी. अं	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७	मे. अं.	७	१९	७	१५	७	१२	७	९	७	५	७	१	६	५७	६	५३	६	५०	६	४७	६	४४
मे. अं.	७	३५	७	३१	७	२७	७	२३	वृ. अं.	९	१५	९	११	९	८	९	५	९	१	८	५७	८	५३	८	४९	८	४६	८	४३	८	४०
वृ. अं.	९	३१	९	२७	९	२३	९	१९	मि. अं	११	२९	११	२५	११	२२	११	१९	११	१५	११	११	११	७	११	३	११	०	१०	५७	१०	५४
मि. अं.	११	४५	११	४१	११	३७	११	३३	क. अं.	१	४७	१	४३	१	४०	१	३७	१	३२	१	२९	१	२५	१	२१	१	१९	१	१५	१	१२
क. अं.	२	३	१	५९	१	५५	१	५१	सिं. अं	४	४	४	०	३	५७	३	५४	३	५०	३	४६	३	४२	३	३८	३	३५	३	३२	३	२९
सिं.अं.	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	कं. अं	६	२०	६	१६	६	१३	६	१०	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	५१	५	४८	५	४५

का. कृ. १३ शुक्रे. इ. ४४।१

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	३	५	१०	७	९	३	९
९	१४	२२	९	४	११	१०	१०
६	७	१०	३३	१२	३६	५१	५१
३८	५२	३७	४	१६	१४	१६	१६
६०	३२	८३	० ५४	१० ४७	१	३	३
२	२७	२७	व.	व.	५१	११	११

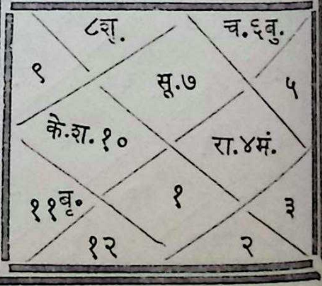

दि.मा.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		ओ.स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२७	५१	१	चं.	३५	५९	स्वा	१३	३७	आ.	४९	५३	किं.	३	२८	व.	३५	५९	छत्र	२९	२९	१२				६	२६	५	३४	६	११	२६	५६	६०	९
२७	४८	२	मं.	४०	३२	वि.	१९	२५	सौ.	५०	४४	वा.	८	५	कौ.	४०	३२	श्रीवत्स	३०	३०	१३	वृ.	२	५८	६	२६	५	३४	६	१२	२७	५	६०	११
२७	४५	३	बु.	४३	३३	अ.	२४	३७	शो.	५०	३९	तै.	११	५२	ग.	४३	३३	सौम्य	३१	१	१४				६	२७	५	३३	६	१३	२७	१६	६०	१४
२७	४२	४	गु.	४५	५१	ज्ये.	२८	३८	अ.	४९	३३	व.	१४	३६	वि.	४५	५१	कालदं.	१	२	१५	ध.	२८	३८	६	२८	५	३२	६	१४	२७	३०	६०	१६
२७	३८	५	शु.	४६	५१	मू.	३१	४०	सु.	४७	३३	ब.	१६	११	वा.	४६	५१	स्थिर	२	३	१६				६	२८	५	३२	६	१५	२७	४६	६०	१८
२७	३५	६	श.	४६	३९	पू.	३३	३२	धृ.	४५	२८	कौ.	१६	३५	तै.	४६	३९	मातंग	३	४	१७	म.	४८	३७	६	२९	५	३१	६	१६	२८	४	६०	२०
२७	३२	७	र.	४५	२६	उ.	३३	५१	शू.	४१	३४	ग.	१५	४७	व.	४५	२६	अमृत	४	५	१८				६	३०	५	३०	६	१७	२८	२४	६०	२२
२७	२९	८	चं.	४२	३६	श्र.	३२	५६	गं.	३६	३९	वि.	१३	४१	व.	४२	३६	सिद्धि	५	६	१९				६	३०	५	३०	६	१८	२९	१६	६०	२४
२७	२६	९	मं.	३८	२४	ध.	३०	५३	वृ.	३०	३७	वा.	१०	१०	कौ.	३८	२४	उत्पात	६	७	२०	कुं.	१	५४	६	३१	५	२९	६	१९	२९	४०	६०	२५
२७	२२	१०	बु.	३२	५३	श.	२७	३७	ध्रु.	२३	३४	तै.	५	२३	ग.	$\frac{३२}{५९}$	$\frac{५३}{२६}$	मानस	७	८	२१				६	३२	५	२८	६	२०	३०	५	६०	२७
२७	२०	११	गु.	२५	५९	पू.	२२	५३	व्या	१५	४३	वि.	२५	५९	व.	५२	१४	मुद्गर	८	९	२२	मी.	८	५४	६	३२	५	२८	६	२१	३०	३८	६०	२९
२७	१६	१२	शु.	१८	२१	उ.	१९	२१	ह.	$\frac{६}{५३}$	$\frac{५६}{१५}$	वा.	१८	२९	कौ.	३८	२	श्रीवत्स	९	१०	२३				६	३३	५	२७	६	२२	३१	१	६०	३०
२७	१३	१३	श.	९	५५	रे.	१०	३६	सि.	४६	३५	तै.	९	५५	ग.	३५	२६	धाता	१०	११	२४	मे.	१०	३६	६	३३	५	२७	६	२३	३१	३१	६०	३१
२७	१०	१४	र.	$\frac{०}{५९}$	$\frac{४७}{१२}$	अ.	$\frac{३}{५०}$	$\frac{५६}{०}$	व्य.	३६	१	व.	०	४७	वि.	२७	२३	आनंद	११	१२	२५				६	३४	५	२६	६	२४	३२	२	६०	३३

श्री शुभ सवत् २०१९ शाके १८८४ कार्तिकशुक्ल पक्षः ।
याम्यायन गोलौ । अक्टूबर २९ से नवम्बर ११ तक ।

अन्नकूट गोवर्धन पूजा । या. जय.मु. १३।३७या. । uबुधास्तः n
चन्द्रदर्शनम् । यम २ । भातृ द्वितीया । चित्रगुप्त पूजनम् ।y
जमादि उस्सानी । तुलायां बुधः ५३।५४ । वक्री विशाखा भे ।h
नवम्बर । भ. १४।३६ उ. ४५।५१ या. । श्लेषा भे भौमः २३।९u
तीक्ष्ण कर्म मु. । i पश्चिमास्तं १२।३५ । गोपाष्टमी । स.सि.यो. ।
सप्तमी योगे या. जय मु. । h शुक्रः ३।४३ । प्रतीच्यां यात्रा ।
भ. ४५।२६ उ. । कल्पादि । या.जय मु. स.सि.योगः३३।५१ या.।
भ. १३।४१ या.। स्वाती भे बुधः ११।९ । दक्षिण यात्रा मु.शुक्रःi
विशाखा भे रविः ३४।१ । युगादि । अक्षयनवमी । nपूर्वस्याम् ।
भ. ५९।२६उ. । वक्री तुलायां शुक्रः१८।२२ । yमार्गी गुरुः३०।५७
भ. २५।५९ या. । प्रबोधिनी ११ व्रतं सर्वेषाम् । तुलसी विवाहः ।
मन्वादि । रेवतीयोगे स.सि.योगः। eश्राद्धादौ १५। प्राच्यांयात्रा मु.
वैकुण्ठ १४ । रेवत्यां प्रतीच्यांयात्रा मु. । fमु.।स.सि.अ.सि.योगः।
भ. ०।४७ उ. २७।२३ या. । कार्तिकी १५ । व्रताय १५ । e

का. शु. ५ शुक्रे इ. ४३।४९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	३	६	१०	७	९	३	९
१६	१७	१२	९	२	११	१०	१०
८	२१	५१	३५	११	५०	२९	२९
४४	५२	३४	१२	३	२७	७	७
६०	३०	३३	$\frac{०}{२५}$	$\frac{७५}{५२}$	२	३	३
१८	३५	१२	मा.	व.	३०	१२	११

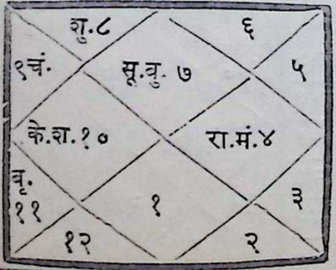

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.		२ मं.		३ बु.		४ बृ.		५ शु.		६ श.		७ र.		८ चं.		९ मं.		१० बु.		११ बृ.		१२ शु.		१३ श.		१४ र.	
तु. अं.	७	५८	७	५४	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	७	३०	७	२६	७	२२	७	१८	७	१४	७	१०	७	६
वृ. अं.	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४
ध. अं.	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	५	१२	१	११	५७	११	५३	११	४९	११	४५	११	४१	११	३७	११	३३	११	२९
म. अं.	२	६	२	२	१	५८	१	५४	१	५०	१	४६	१	४२	१	३८	१	३४	१	३०	१	२६	१	२२	१	१८	१	१४
कुं. अं.	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४	३	२०	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५६	२	५२	२	४८	२	४४
मी. अं.	५	३	४	५९	४	५५	४	५१	४	४७	४	४३	४	३९	४	३५	४	३१	४	२७	४	२३	४	१९	४	१५	४	११
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मे. अं.	६	३९	६	३५	६	३१	६	२७	६	२३	६	१९	६	१५	६	११	६	७	६	३	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७
वृ. अं.	८	३५	८	३१	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३
मि. अं.	१०	४९	१०	४५	१०	४१	१०	३७	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२१	१०	१७	१०	१३	१०	९	१०	५	१०	१	९	५७
क. अं.	१	७	१	३	१२	५९	१२	५५	१२	५१	१२	४७	१२	४३	१२	३९	१२	३५	१२	३१	१२	२७	१२	२३	१२	१९	१२	१५
सिं. अं.	३	२४	३	२०	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५६	२	५२	२	४८	२	४४	२	४०	२	३६	२	३२
कं. अं.	५	४०	५	३६	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०	५	१६	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५६	४	५२	४	४८

का. शु. १२ शुक्रे इ. ४३।३८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	३	६	१०	६	९	३	९
२३	२०	१४	९	२८	१२	१०	१०
११	३४	१८	४५	३५	९	६	६
३७	१	३९	५५	३९	२४	५२	५२
६०	२८	९९	१	३४	३	३	३
३०	३७	५	४४	४४	१४	११	११

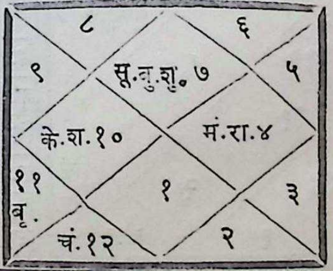

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं.रा.प्र. रा.	घ.	प.	सू.उ. घं.	मि.	सू.अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	श्री शुभ संवत् २०१९ शाके १८८४ मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः। याम्यायन गोलौ। नवम्बर १२ से २७ तक।
२७	५	१	चं.	४३	५४	कृ	५०	३७	व.	२३	१०	बा.	१७	२८	कौ.	४३	५४	स्थिर	१२	१३	२६	वृ.	२७	३४	६	३४	५	२६	६	२५	३२	३५	६०	३४	मिश्र कर्म मु.।
२७	५	२	मं.	३६	५६	रो.	४५	३८	प.	१६	५६	तै.	१०	२०	ग.	३६	५६	मातंग	१३	१४	२७				६	३५	५	२५	६	२६	३३	९	६०	३६	विशाखा भे बुधः १९।४९। मृगशिरसि दक्षिणस्यां यात्रा मु.
२७	२	३	बु.	३१	४६	मृ.	४१	५८	शि.	८	५०	व.	४	२१	वि.	३१	४६	अमृत	१४	१५	२८	मि.	१३	४८	६	३६	५	२४	६	२७	३३	४५	६०	३७	भ. ४।२१ उ. ३१।४६ या.। श्लेषा भे २ गुरुः ३७।१७। a
२६	५९	४	बृ.	२८	३३	आ.	४०	३४	सि.	१ ५१	५६ ४१	व.	०	९	वा.	२८ ५७	३३ ५९	काण	१५	१६	२९				६	३६	५	२४	६	२८	३४	२२	६०	३९	पुन. भे प्रतीच्यां यात्रा मु.। व्यतिपात दोषः। b मु. हस्त भे।
२६	५७	५	शु.	२७	२६	पु.	४०	५४	शु.	५३	११	तै.	२७	२६	ग.	५७	४२	लुम्ब	१६	१७	३०	क.	५५	४९	६	३७	५	२३	६	२९	३५	१	६०	४०	वृश्चिकेऽर्कः २४।७। स. सि. योगः ४३।३१ उ.। d दानात्।
२६	५४	६	श.	२७	५८	पु.	४३	३१	शु.	५१	२५	व.	२७	५८	वि.	५९	५४	मित्र	१७	१८	१				६	३७	५	२३	७	०	३५	४१	६०	४२	भ. २७।५८ उ. ५९।५४ या.। शुक्रोदयः पूर्वस्याम् २३।५२।
२६	५१	७	र.	३१	२५	श्ले.	४८	२३	ब्र.	५१	१८	वव	३१	२५	वा.	६०	०	वज्र	१८	१९	२	सिं.	४८	२३	६	३८	५	२२	७	१	३६	२३	६०	४४	वृश्चिके बुधः २१।५७। अनुराधा भे सूर्यः ४६।१४ या. जय यो.।
२६	४९	८	चं.	३५	४७	म.	५४	२४	ऐं.	५	२१	वा.	३	२६	कौ.	३५	४७	ध्वांक्ष	१९	२०	३				६	३८	५	२२	७	२	३७	७	६०	४६	उग्र कर्म मु.। a दक्षिणपश्चिमयोः यात्रा मु.।
२६	४६	९	मं.	४२	३९	पू.	६०	०	वै.	५३	५२	तै.	९	४	ग.	४२	३९	धूम्र	२०	२१	४				६	३९	५	२१	७	३	३७	५३	६०	४८	क्रूर कर्म मु.। e या. जय मु. ६।३८ या.।
२६	४४	१०	बु.	४७	४९	पू.	१	३५	वि.	५५	५७	व.	१९	५४	वि.	४७	४९	स्थिर	२१	२२	५	कं.	१८	१२	६	३९	५	२१	७	४	३८	४१	६०	५०	भ. १९।५४ उ. ४७।४९ या.। अनुराधा भे बुधः ३८।१२।
२६	४२	११	बृ.	५४	३६	उ.	८	४३	प्री.	५८	३०	व.	२१	१३	वा.	५४	३६	मातंग	२२	२३	६				६	४०	५	२०	७	५	३९	३१	६०	५२	उत्पन्ना ११ व्रतं स्मार्तानाम्। यायी जय मु.। प्राच्यां यात्रा. b
२६	३९	१२	शु.	६०	०	ह.	१६	३४	आ.	६०	०	कौ.	२७	४६	तै.	६०	०	अमृत	२३	२४	७	तु.	४६	९	६	४०	५	२०	७	६	४०	२३	६०	५३	उत्पन्ना ११ व्रतं वैष्णवानाम्। प्राच्यां यात्रा मु. हस्ते तिथि d
२६	३७	१२	श.	०	५७	चि.	२३	४४	आ.	०	३५	तै.	०	५७	ग.	३३	४७	काण	२४	२५	८				६	४१	५	१९	७	७	४१	१६	६०	५४	
२६	३२	१३	र.	६	३८	स्वा	३०	३७	सौ.	२	३२	व.	६	३८	वि.	३९	३	लुम्ब	२५	२६	९				६	४१	५	१९	७	८	४२	१०	६०	५६	भ. ६।३८ उ. ३९।३ या.। वक्री स्वात्यां शुक्रः ४९।४६ e
२६	३३	१४	चं.	११	२८	वि.	३५	५३	शो.	३	३६	श.	११	२८	च.	४३	६	मित्र	२६	२७	१०	वृ.	१९	३४	६	४१	५	१९	७	९	४३	६	६०	५७	मिश्र कर्म मु.।
२६	३०	३०	मं.	१४	५६	अ.	४०	५३	अ.	३	३६	ना.	१४	४६	किं.	४८	४३	वज्र	२७	२८	११				६	४२	५	१८	७	१०	४४	३	६०	५९	स्नान श्राद्धादौ ३०

मा.शी. कृ. ५ शुक्रे इ. ४३।२८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	३	६	१०	६	९	३	९
०	२३	२५	१०	२४	१२	९	९
१५	२	३६	६	२०	३३	४४	४४
२३	३९	३७	३७	२९	२१	२४	२४
६०	२६	९९	३	३४	३	३	३
४०	२९	४५	१२	१७	५४	११	११

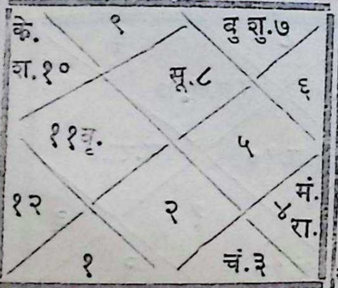

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ चं.		२ मं.		३ बु.		४ बृ.		५ शु.	
तु.	७	३	६	५९	६	५४	६	५०	६	४६
वृ.	९	२१	९	१७	९	१२	९	८	९	४
ध.	११	२६	११	२२	११	१७	११	१३	११	९
म.	१	११	१	७	१	२	१२	५८	१२	५४
कुं.	२	४१	२	३७	२	३२	२	२८	२	२४
मी.	४	८	४	४	३	५९	३	५५	३	५१
रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मे:	५	४४	५	४०	५	३५	५	३१	५	२७
वृ.	७	४०	७	३६	७	३१	७	२७	७	२३
मि.	९	५४	९	५०	९	४५	९	४१	९	३७
क.	१२	१६	१२	८	१२	३	११	५९	११	५५
सिं.	२	२९	२	२५	२	२०	२	१६	२	१२
कं.	४	४५	४	४१	४	३६	४	३२	४	२८

ति.	६ श.		७ र.		८ चं.		९ मं.		१० बु.		११ बृ.		१२ शु.		१२श.		१३ र.		१४ चं.		३० मं.	
वृ.	९	०	८	५६	८	५२	८	४७	८	४२	८	३८	८	३४	८	३०	८	२६	८	२२	८	१८
ध.	११	५	११	१	१०	५७	१०	५२	१०	४७	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३
म.	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३७	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	९
कुं.	२	२०	२	१६	२	१२	२	७	२	२	१	५८	१	५४	१	५०	१	४६	१	४२	१	३८
मी.	३	४७	३	४३	३	३९	३	३४	३	२९	३	२५	३	२१	३	१७	३	१३	३	९	३	५
मे.	५	२३	५	१९	५	१५	५	१०	५	५	५	१	४	५७	४	५३	४	४९	४	४५	४	४१
रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ.	७	१९	७	१५	७	११	७	६	७	१	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४१	६	३७
मि.	९	३३	९	२९	९	२५	९	२०	९	१५	९	११	९	७	९	३	८	५९	८	५५	८	५१
क.	११	५१	११	४७	११	४३	११	३८	११	३३	११	२९	११	२५	११	२१	११	१७	११	१३	११	९
सिं.	२	८	२	४	२	०	१	५५	१	५०	१	४६	१	४२	१	३८	१	३४	१	३०	१	२६
कं.	४	२४	४	२०	४	१६	४	११	४	६	४	२	३	५८	३	५४	३	५०	३	४६	३	४२
तु.	६	४२	६	३८	६	३४	६	२९	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	८	६	४	६	०

मा.शी. कृ. १२ शुक्रे इ. ४३।२०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	३	७	१०	६	९	३	९
७	२५	६	१०	२०	१३	९	९
२०	३६	४७	३७	५०	१	२२	२२
५४	३४	३९	५४	३	४	३४	३४
६०	२४	९९	४	२४	४	३	३
५३	१०	३९	९	३४	२४	११	११

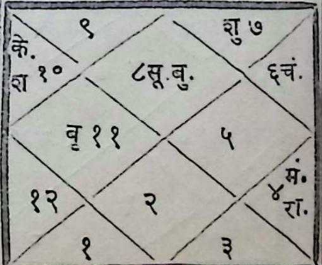

दि. मा घ. प.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
																						रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२६	२८	१	बु.	१७	२४	ज्ये.	४३	५३	सु.	३	२४	व.	१७	२४	वा.	४८	२	ध्वांक्ष	२८	२९	१२	ध.	४३	५३	६	४२	५	१८	७	११	४३	२	६१	०
२६	२६	२	गु.	१८	४१	मू.	४६	३१	धृ.	१/५६	५५/११	कौ.	१८	४१	तै.	४८	३९	धूम्र	२९	१	१३				६	४३	५	१७	७	१२	४४	२	६१	२
२६	२५	३	शु.	१८	३८	पू.	४७	३७	गं.	५५	४४	ग.	१८	३८	व.	४८	५	प्रवर्ध.	३०	२	१४				६	४३	५	१७	७	१३	४५	४	६१	३
२६	२३	४	श.	१७	३३	उ.	४७	३९	वृ.	५१	४६	वि.	१७	३३	व.	४६	४३	रक्ष	१	३	१५	म.	२	३८	६	४३	५	१७	७	१४	४६	७	६१	४
२६	२१	५	र.	१५	५३	श्र.	४७	३२	ध्रु.	४७	३३	वा.	१५	५३	कौ.	४४	४२	गद	२	४	१६				६	४४	५	१६	७	१५	४७	११	६१	५
२६	२०	६	चं.	१३	३२	ध.	४५	४६	व्या	४१	५५	तै	१३	३२	ग.	१६	१२	शुभ	३	५	१७	कुं.	१६	३९	६	४४	५	१६	७	१६	४८	१६	६१	६
२६	१८	७	मं.	९	४४	श.	४३	३५	ह.	३५	४९	व.	९	४४	वि.	३७	३८	मृत्यु	४	६	१८				६	४४	५	१६	७	१७	४९	२२	६१	७
२६	१७	८	बु.	५	३२	पू.	४०	३९	व.	२९	२५	ब.	५	२२	वा.	३३	४	पद्म	५	७	१९	मी.	२६	२३	६	४५	५	१५	७	१८	५०	२९	६१	८
२६	१५	९	गु.	०/५४	३६/१४	उ.	३६	४४	सि.	२१	४३	कौ.	०	३६	तै.	२७/५४	४३/५०	छत्र	६	८	२०				६	४५	५	१५	७	१९	५१	३७	६१	९
२६	१४	११	शु.	४८	३२	रे.	३२	२९	व्य.	१३	३९	व.	२१	१३	वि.	४८	३२	श्रीवत्स	७	९	२१	मे.	३२	२९	६	४५	५	१५	७	२०	५२	४६	६१	११
२६	१२	१२	श.	४१	२८	अ.	२७	२३	व.	८/५३	५९/२०	व.	१४	४०	वा.	४१	२८	सौम्य	८	१०	२२				६	४६	५	१४	७	२१	५३	५७	६१	१२
२६	११	१३	र.	३४	२१	भ.	२१	३६	शि.	४७	३३	कौ.	७	३४	तै.	३४	२१	काल	९	११	२३	वृ.	३५	२१	६	४६	५	१४	७	२२	५५	९	६१	१३
२६	१०	१४	चं.	२७	२९	कृ.	१६	३८	सि.	३८	३८	ग.	०	५४	व.	२७/५४	२९/६	स्थिर	१०	१२	२४				६	४६	५	१४	७	२३	५६	२२	६१	१४
२६	९	१५	मं.	२०	४३	रो.	११	३७	सा.	३०	३९	व.	२०	४३	वा.	४८	९	मातंग	११	१३	२५	मि.	३९	३४	६	४६	५	१४	७	२४	५७	६	६१	१५
+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+ +	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+

श्री शुभ संवत् २०१९ शके १८८४ मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः । याम्यायन गोलौ । नवम्बर २८ से दिसम्बर ११ तक ।

चन्द्रदर्शनम् । श्रवणे २ चरणे शनिः १३।५२ ।
रज्जव । तीक्षण कर्म मु. । d अश्विन्यां प्राच्यां यात्रा मु. ।
भ. ४८।५ उ. । ज्येष्ठा भे वुधः १।९ ।
दिसम्बर । भ. १७।३३ या. । पञ्चमी उत्तरा योगे या जय a
ज्येष्ठा भे रविः ५३।१४ । प्राच्यां यात्रा मु. । c कर्म मु. ।
चम्पा ६ ।
भ. ९।४४ उ. ३७।३८ या. । मार्गी शुक्रः ३६।१४ । चर c
उग्र कर्म मु. । e तीर्थ यात्रा । लोटा भंटा । या. जय मु. b
कल्पादि । या. जय मु. ०।३६ या. । रेवत्यां स. सि. योगः
भ. २१।१३ उ. ४८।३२ या. । मोक्षदा ११ व्रतं स्मार्तानाम् । d
धनुषि वुधः २५।१४ । मोक्षदा ११ व्रतं वैष्णवानाम् ।
या. जय मु. २१।३६ या. । a मु. । श्रवसि दक्षिण यात्रा मु.
भ. २७।२९ उ. ५४।६ या. । सिंहे भौमः ५७।१४ । विमल e
दत्त जयन्ती । मृगशिरसि दक्षिण यात्रा मु. । b १६।३८ उ. ।

मा. शी. शुक्ल ३ शुक्रे इ. ४३।१२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	३	७	१०	६	९	३	९
१४	२७	१७	११	१९	१३	९	९
२७	२७	४९	२१	५	२८	०	०
५२	२८	२७	५७	२	८	४	४
६१	२०	९९	५	०/६	४	३	३
३	५७	२८	२९	व.	५९	११	११

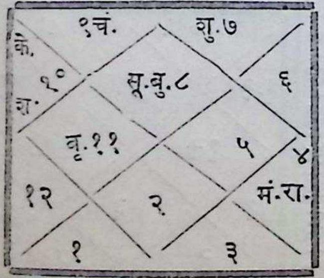

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.		२ बृ.		३ शु.		४ श.		५ र.		६ चं.		७ मं.		८ बु.		९ बृ.		११ श.		१२ श.		१३ र.		१४ चं.		१५ मं.	
वृ. अं.	८	१३	८	९	८	५	८	१	७	५७	७	५३	७	४९	७	४५	७	४०	७	३५	७	३१	७	२७	७	२३	७	१९
ध. अं.	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	६	१०	२	९	५८	९	५४	९	५०	९	४५	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४
म. अं.	१२	३	११	५९	११	५५	११	५१	११	४७	११	४३	११	३९	११	३५	११	३०	११	२५	११	२१	११	१७	११	१३	११	९
कुं. अं.	१	३३	१	२९	१	२५	१	२१	१	१७	१	१३	१	९	१	५	१	०	१२	५५	१२	५१	१२	४७	१२	४३	१२	३९
मी. अं.	३	०	२	५६	२	५२	२	४८	२	४४	२	४०	२	३६	२	३२	२	२७	२	२२	२	१८	२	१४	२	१०	२	६
मे. अं.	४	३६	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	३	३	५८	३	५४	३	५०	३	४६	३	४२
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	६	३२	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	८	६	४	५	५९	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८
मि. अं.	८	४६	८	४२	८	३८	८	३४	८	३०	८	२६	८	२२	८	१८	८	१३	८	८	८	४	८	०	७	५६	७	५२
क. अं.	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३१	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०
सिं. अं.	१	२१	१	१७	१	१३	१	९	१	५	१	१	१२	५७	१२	५३	१२	४८	१२	४३	१२	३९	१२	३५	१२	३१	१२	२७
कं. अं.	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५	३	२१	३	१७	३	१३	३	९	३	४	२	५९	२	५५	२	५१	२	४७	२	४३
तु. अं.	५	५५	५	५१	५	४७	५	४३	५	३९	५	३५	५	३१	५	२७	५	२२	५	१७	५	१३	५	९	५	५	५	१

मा. शी. शुक्ल ११ शुक्रे. इ. ४३।८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	३	७	१०	६	९	३	९
२१	२९	२८	१२	१९	१४	८	८
२५	४	५०	३	१४	७	३७	३७
२८	५२	५२	२४	८	५७	४५	४५
६१	१७	९७	६	७/५	५	३	३
११	९	३९	४९	मा.	२६	११	११

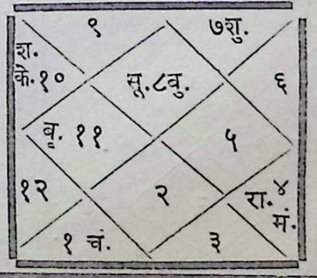

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	८	१	बु.	१५	३५	मृ.	७	५१	शु.	२३	९	कौ.	१५	३५	तै.	४३	४०	अमृत	१२	१४	२६				६	४६	५	१४	७	२५	५८	२१	६१	१६
२६	७	२	गु.	११	४६	आ.	६	३९	शु.	१७	११	ग.	११	४६	व.	४०	५५	काण	१३	१५	२७	क.	५०	२७	६	४७	५	१३	७	२६	५९	३७	६१	१७
२६	७	३	शु.	९	५४	पु.	५	३	ब्र.	१२	३५	वि.	९	५४	व.	३९	५०	लुम्ब	१४	१६	२८				६	४७	५	१३	७	२८	०	५५	६१	१८
२६	६	४	श.	९	४६	पु.	६	१५	ऐं.	९	३५	वा.	९	४६	कौ.	४०	५८	मित्र	१५	१७	२९				६	४७	५	१३	७	२९	२	१२	६१	१९
२६	६	५	र.	१२	११	श्ले.	९	३९	वै.	८	२७	तै.	१३	११	ग.	४४	०	वज्र	१६	१८	१	सिं	९	३९	६	४७	५	१३	८	०	३	३१	६१	२०
२६	६	६	चं.	१५	४९	म.	१४	३१	वि.	७	५९	व.	१५	४९	वि.	४८	३५	ध्वांक्ष	१७	१९	२				६	४७	५	१३	८	१	४	५१	६१	२१
२६	६	७	मं.	२१	१६	पू.	२०	५९	प्री.	९	६	व.	२१	१६	वा.	५४	२१	धूम्र	१८	२०	३	कं.	३७	४९	६	४७	५	१३	८	२	६	११	६१	२१
२६	५	८	बु.	२७	२६	उ.	२८	१३	आ.	१०	५४	कौ.	२७	१६	तै.	६०	०	प्रवर्ध.	१९	२१	४				६	४७	५	१३	८	३	७	३२	६१	२१
२६	५	९	गु.	३४	३	ह.	३५	४६	सौ.	१२	५९	तै.	०	४४	ग.	३४	३	रक्ष	२०	२२	५				६	४७	५	१३	८	४	८	५३	६१	२२
२६	५	१०	शु.	४१	१७	चि.	४३	१२	शो.	१५	१५	ब.	७	९	वि.	४०	१७	मुसल	२१	२३	६	तु.	९	२९	६	४७	५	१३	८	५	१०	१५	६१	२२
२६	४	११	श.	४६	१६	स्वा	५०	६	अ.	१७	१६	व.	१३	११	वा	४६	१६	लुम्ब	२२	२४	७				६	४७	५	१३	८	६	११	३७	६१	२३
२६	४	११	र.	५०	३६	वि.	५५	४९	सु.	१८	२९	कौ.	१८	२१	तै.	५०	३६	उत्पा.	२३	२५	८	वृ.	३९	२३	६	४७	५	१३	८	७	१३	०	६१	२३
२६	४	१२	चं.	५३	५३	अ.	६०	०	धृ.	१८	४४	ग.	२२	१४	ब.	५३	५३	मानस	२४	२६	९				६	४७	५	१३	८	८	१४	२३	६१	२४
२६	४	१३	मं.	५५	३१	अ.	०	१९	शू.	१७	५५	वि.	२४	४२	श.	५५	३१	वज्र	२५	२७	१०				६	४७	५	१३	८	९	१५	४७	६१	२४
२६	४	३०	बु.	५५	५१	ज्ये.	३	१४	गं.	१५	५१	च.	२५	४०	ना.	५५	५१	ध्वांक्ष	२६	२८	११	ध.	३	१४	६	४७	५	१३	८	१०	१७	११	६१	२५

श्री शुभ संवत् २०१९ शके १८८४ पौष कृष्णपक्षः। याम्यायनगोलौ। दिसम्बर १२ से २६ तक।

दक्षिण पश्चिमयोः यात्रा मु. ७।५१ या.।
भ. ४०।५५ उ.। प्रतीच्यां यात्रा मु.स. सि. योगश्च ६।३९a
भ. ९।५४ या.। विशाखा भे शुक्रः६।३९। स.सि.योगः५।३ या.।
सं. मूले धनुष्यर्कः ५६।४९।
पूर्वाषाढ़ा भे बुधः ५९।४१। *बुधोदयः पश्चिमायाम्। ५।९।
भ. १५।४९ उ. ४८।४५ या.। शते ३ गुरुः ३५।१२।*
क्रूर कर्म मु.। उग्र कर्म मु.।
स्थिर कर्म मु.। aउ.। तृतीया योगे या. जय मु.।
यायी जय योगः।
भ. ७।९ उ. ४०।१७ या.।
सफला ११ प्रायः सर्वेषाम्। या. जय योगः।
मिश्र कर्म मु.। g व्रतम्
भ. ५३।५३ उ.। पश्चिमोत्तरयोः यात्रा मु.। मास शिवरात्रि g
भ. २४।४२ या.।
उत्तराषाढ़ भे बुधः ३६।३४।

पौ. कृ. ३ शुक्रे. इ..४३।४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	४	८	१०	६	९	३	९
२८	०	९	१२	२१	१४	८	८
४४	११	४५	४७	८	४२	१५	१५
९	५२	५७	५८	४२	४५	२४	२४
६१	५	९६	७	२१	५	३	३
१८	१८	२७	४२	१२	५१	११	११

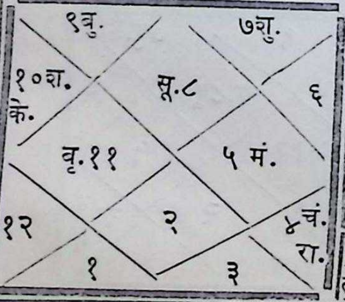

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१बु.		२बृ.		३शु.		४श.		तिथयः	५र.		६चं.		७मं.		८बु.		९बृ.		१०शु.		११श.		१२र.		१३चं.		१४मं.		३०बु.	
वृ. अं.	७	१३	७	९	७	४	६	५९	ध. अं.	८	५९	८	५५	८	५१	८	४७	८	४२	८	३७	८	३२	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५
ध. अं.	९	१८	९	१४	९	९	९	४	म. अं.	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२७	१०	२२	१०	१७	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०
म. अं.	११	३	१०	५९	१०	५४	१०	४९	कुं. अं.	१२	१४	१२	१०	१२	६	१२	२	११	५७	११	५२	११	४७	११	४२	११	३८	११	३४	११	३०
कुं. अं.	१२	३३	१२	२९	१२	२४	१२	१९	मी. अं.	१	४१	१	३७	१	३३	१	२९	१	२४	१	२०	१	१५	१	१०	१	५	१	१	१२	५७
मी. अं.	२	०	१	५६	१	५१	१	४६	मे. अं.	३	१७	३	१३	३	९	३	४	३	०	२	५५	२	५०	२	४५	२	४१	२	३७	२	३३
मे. अं.	३	३६	३	३२	३	२७	३	२२	वृ. अं.	५	१३	५	९	५	५	५	१	४	५६	४	५१	४	४६	४	४१	४	३७	४	३३	४	२९
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	५	३१	५	२७	५	२३	५	१८	मि. अं.	७	२७	७	२३	७	१९	७	१५	७	१०	७	५	७	०	६	५५	६	५१	६	४७	६	४३
मि. अं.	७	४६	७	४२	७	३७	७	३२	क. अं.	९	४५	९	४१	९	३७	९	३३	९	२८	९	२३	९	१८	९	१३	९	९	९	५	९	१
क. अं.	१०	४	१०	०	९	५५	९	५०	सिं. अं.	१२	२	११	५८	११	५४	११	५०	११	४५	११	४०	११	३५	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८
सिं. अं.	१२	२१	१२	१७	१२	१२	१२	७	कं. अं.	२	१८	२	१४	२	१०	२	६	२	१	१	५६	१	५१	१	४६	१	४२	१	३८	१	३४
कं. अं.	२	३७	२	३३	२	२८	२	२३	तु. अं.	४	३६	४	३२	४	२८	४	२४	४	१९	४	१४	४	९	४	४	४	०	३	५६	३	५२
तु. अं.	४	५५	४	५१	४	४६	४	४१	वृ. अं.	६	५४	६	५०	६	४६	६	४२	६	३७	६	३२	६	२७	६	२२	६	१८	६	१४	६	१०

पौ. कृ. १० शुक्रे. इ. ४३।२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	४	८	१०	६	९	३	९
५	०	२०	१४	२४	२५	७	७
५३	४३	३८	७	१८	२७	५३	५३
३६	५९	१७	९	२५	५६	१२	१२
६१	६	९३	८	३२	६	३	३
२२	३७	४४	४१	१९	१७	११	११

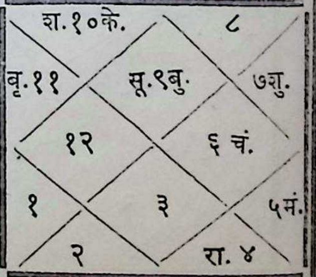

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	श्री शुभ संवत् २०१९ शके १८८४ पौष शुक्लपक्षः । याम्यायन गोलौ । दिसम्बर २७ से जनवरी९ सन् १९६३ई०तक
२६	५	१	बृ.	५४	१३	मू.	४	३५	वृ.	१२	४३	किं.	२५	१	व.	५४	१३	धूम्र	२७	२९	१२				६	४७	५	१३	८	११	१८	३६	६१	२५	मकरे बुधः ५६।४५ । a ५८।३५ ।
२६	५	२	शु.	५२	१९	पू.	४	४५	ध्रु.	८	२६	वा.	२३	६	कौ.	५२	१९	प्रवर्ध.	२८	३०	१३	म.	१९	३५	६	४७	५	१३	८	१२	२०	१	६१	२६	चन्द्रदर्शनम् । वक्री भौमः २८।५४ । पूर्वाषाढ़ भे रविः a
२६	६	३	श.	४९	२१	उ.	४	५	व्या.	३/५५	५७/५	तै.	२०	५९	ग.	४९	२१	रक्ष	२९	१	१४				६	४७	५	१३	८	१३	२१	२७	६१	२६	वृश्चिके शुक्रः ३३।३२ । शावान । या. जय मु. ४।५ या. ।
२६	६	४	र.	४५	२९	श्र.	२/५७	५/५३	व.	५१	३३	व.	१७	२४	वि	४५	२९	गद	३०	२	१५	कुं.	३१	५५	६	४७	५	१३	८	१४	२२	५३	६१	२६	भ. १७।२४ उ. ४५।२९ या. ।
२६	६	५	चं.	४१	२५	श.	३७	२४	सि.	४५	११	ब.	१३	२५	वा.	४१	२५	अमृत	३१	३	१६				६	४७	५	१३	८	१५	२४	१९	६१	२६	चर कर्म मु. ।
२६	७	६	मं.	३६	४९	पू.	५४	३५	व्य.	३८	३५	कौ.	९	६	तै.	३६	४९	काण	१	४	१७	मी.	४०	१७	६	४७	५	१३	८	१६	२५	४५	६१	२६	जनवरी १९६३ । उग्र कर्म मु. । b ३ चरणे शनिः १५।५६ ।
२६	७	७	बु.	३२	३	उं.	५२	२४	व.	३१	३६	ग.	४	२५	व.	३२/५९	३/४२	लुम्ब	२	५	१८				६	४७	५	१३	८	१७	२७	११	६१	२६	भ. ३२।३ उ. ५९।४२ या. । अनु. भे शुक्रः ४३।३५ । श्रवणे b
२६	७	८	बृ.	२७	१९	रे.	४७	५९	प.	२४	३४	ब.	२७	१९	वा.	५४	५३	मित्र	३	६	१९	मे.	४७	९	६	४६	५	१४	८	१८	२८	३७	६१	२६	स. सि. योगः । उदीच्यां यात्रा मु. । d या. जय मु. ।
२६	८	९	शु.	२२	१७	अ.	४४	३१	शि.	१७	१५	कौ.	२२	१७	तै.	४९	३१	वज्र	४	७	२०				६	४६	५	१४	८	१९	३०	३	६१	२६	श्रवणे बुधः ३७।५७ । प्राच्यां यात्रा मु. । स. सि. योगः ।
२६	९	१०	श.	१६	४५	भ.	४०	४१	सि.	९	४५	ग.	१६	४५	व.	४४	९	ध्वांक्ष	५	८	२१	वृ.	५४	४९	६	४६	५	१४	८	२०	३१	२९	६१	२६	भ. ४४।९ उ. । वक्री कर्के भौमः । १६।५७ । एकादशी योगे d
२६	१०	११	र.	११	३३	कृ.	३७	१४	सा	२/५५	१२/५	वि.	११	३३	वव	३८	५२	धूम्र	६	९	२२				६	४६	५	१४	८	२१	३२	५५	६१	२६	भ. ११।३३ या. । शने ४ गुरुः । पुत्रदा ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
२६	११	१२	चं.	६	१२	रो.	३३	५३	शु.	४८	५	वा.	६	१२	कौ	३३	५५	प्रवर्ध	७	१०	२३				६	४६	५	१४	८	२२	३४	२१	६१	२६	मृग भे याम्यां यात्रा मु. । स. सि. योगः ।
२६	१२	१३	मं.	१/५५	३०/४९	मृ.	३१	१४	ब्र.	४१	४१	तै.	१	३९	ग.	२/५७	३३/२८	रक्ष	८	११	२४	मि.	५	९	६	४५	५	१५	८	२३	३५	४६	६१	२५	भ. ५७।२८ उ. ।
२६	१३	१५	बु.	५४	३५	आ.	२९	१६	ऐं.	३५	५७	वि.	२५	१२	वव	५४	३५	मुसल	९	१२	२५				६	४५	५	१५	८	२४	३७	११	६१	२५	भ. २५।१२ या. । माघ स्नानारम्भः । चन्द्रग्रहणम् ।

पौ. शु. २ शुक्रे इ. ४३।२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	४	९	१०	६	९	३	९
१३	०	१	१५	२९	१६	७	७
३	४१	५	९	२५	१०	३१	३१
२९	५	५२	१८	५७	१८	१	१
२१	०/२२	८५	९	४०	६	३	३
२६	व.	३९	३८	५३	३३	११	११

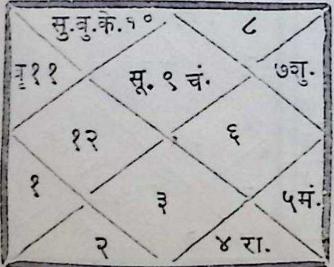

दैनिकलग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.	२ शु.	३ श.	४ र.	५ चं.	६ मं.	७ बु.	८ बृ.	९ शु.	१० श.	११ र.	१२ चं.	१३ मं.	१५ बु.
ध. अं.	८ १०	८ ६	८ २	७ ५९	७ ५४	७ ५०	७ ४६	७ ४२	७ ३७	७ ३२	७ २७	७ २३	७ १९	७ १५
म. अं.	९ ५५	९ ५१	९ ४७	९ ४३	९ ३९	९ ३५	९ ३१	९ २७	९ २२	९ १७	९ १२	९ ८	९ ४	९ ०
कुं. अं.	११ २५	११ २१	११ १७	११ १३	११ ९	११ ५	११ १	१० ५७	१० ५२	१० ४७	१० ४२	१० ३८	१० ३४	१० ३०
मी. अं.	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१२ १९	१२ १४	१२ ९	१२ ५	१२ १	१२ ५७
मे. अं.	२ २८	२ २४	२ २०	२ १६	२ १२	२ ८	२ ४	२ ०	१ ५५	१ ५०	१ ४५	१ ४१	१ ३७	१ ३३
वृ. अं.	४ २४	४ २०	४ १६	४ १२	४ ८	४ ४	४ ०	३ ५६	३ ५१	३ ४६	३ ४१	३ ३७	३ ३३	३ २९
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मि. अं.	६ ३८	६ ३४	६ ३०	६ २६	६ २२	६ १८	६ १४	६ १०	६ ५	६ ०	५ ५५	५ ५१	५ ४७	५ ४३
क. अं	८ ५६	८ ५२	८ ४८	८ ४४	८ ४०	८ ३६	८ ३२	८ २८	८ २३	८ १८	८ १३	८ ९	८ ५	८ १
सिं. अं.	११ १३	११ ९	११ ५	११ १	१० ५७	१० ५३	१० ४९	१० ४५	१० ४०	१० ३५	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८
कं. अं.	१ २९	१ २५	१ २१	१ १७	१ १३	१ ९	१ ५	१ १	१२ ५६	१२ ५१	१२ ४६	१२ ४२	१२ ३८	१२ ३४
तु. अं.	३ ४७	३ ४३	३ ३९	३ ३५	३ ३१	३ २७	३ २३	३ १९	३ १४	३ ९	३ ४	३ ०	२ ५६	२ ५२
वृ. अं.	६ ५	६ १	५ ५७	५ ५३	५ ४९	५ ४५	५ ४१	५ ३७	५ ३२	५ २७	५ २२	५ १८	५ १४	५ १०

पौ. शु. ९ शुक्रे. इ. ४३।४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	४	९	१०	७	९	३	९
२०	०	१०	१६	४	१६	७	७
१३	४	४	२४	५४	५६	८	८
२७	३६	५२	३३	३१	५७	४७	४७
६१	७/२५	६२	१०	४७	६	३	३
२६	व.	३३	१८	३४	५२	११	११

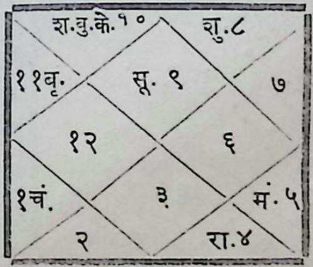

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	आ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	२०	१	गु.	५३	१४	पु.	२८	४६	वै.	३१	२४	वा.	२३	४९	कौ.	५३	१४	सिद्धि	१०	१३	२६	क.	१३	५३	६	४४	५	१६	८	२५	३८	३६	६१	२४
२६	२१	२	शु.	५२	५६	पु.	२९	४३	वि.	२७	५३	तै.	२३	१	ग.	५२	५६	उत्पात	११	१४	२७				६	४४	५	१६	८	२६	४०	०	६१	२४
२६	२३	३	श.	५४	४६	श्ले.	३२	३६	प्री.	२६	३	व.	२३	५२	वि.	५४	४६	मानस	१२	१५	२८	सिं.	३२	३६	६	४३	५	१७	८	२७	४१	२४	६१	२४
२६	२५	४	र.	५८	१३	म.	३६	३६	आ.	२४	५६	ब.	२६	२९	वा.	५८	१३	मुद्गर	१३	१६	२९				६	४३	५	१७	८	२८	४२	४८	६१	२३
२६	२७	५	चं.	६०	०	पू.	४२	१७	सौ.	२५	१५	कौ.	३०	४०	तै.	६०	०	ध्वज	१४	१७	३०	कं.	५८	५६	६	४३	५	१७	८	२९	४४	११	६१	२३
२६	२९	५	मं.	३	६	उ.	४८	५३	शो.	२६	३६	तै.	३	६	ग.	३५	५७	धाता	१५	१८	१				६	४३	५	१७	९	०	४५	३४	६१	२२
२६	३१	६	बु.	८	४९	ह.	५६	२५	अ.	२८	२६	व	८	४९	वि.	४२	८	आनन्द	१६	१९	२				६	४२	५	१८	९	१	४६	५६	६१	२१
२६	३८	७	गु.	१५	२७	चि.	६०	०	सु.	३०	११	ब.	१५	२७	वा.	४८	३६	चर	१७	२०	३	तु.	३०	११	६	४२	५	१८	९	२	४८	१७	६१	२०
२६	३५	८	शु.	२१	४५	चि.	३	५७	धृ.	३२	४४	कौ.	२१	४५	तै.	५४	५०	मुसल	१८	२१	४				६	४१	५	१९	९	३	४९	३७	६१	१९
२६	३७	९	श.	२७	५४	स्वा	११	११	शू.	३४	३१	ग.	२७	५४	व.	६०	०	सिद्धि	१९	२२	५				६	४१	५	१९	९	४	५०	५६	६१	१८
२६	४०	१०	र.	३३	१	वि.	१६	४६	गं.	३५	१४	व.	०	२७	वि.	३३	१	उत्पात	२०	२३	६	वृ.	०	२२	६	४१	५	१९	९	५	५२	१४	६१	१७
२६	४२	११	चं.	३५	५७	अ.	२२	१६	वृ.	३४	४७	ब.	४	२९	वा.	३५	५७	मानस	२१	२४	७				६	४०	५	२०	९	६	५३	३१	६१	१६
२६	४४	१२	मं.	३७	३९	ज्ये.	२५	३६	ध्रु.	३३	९	कौ.	६	४७	तै.	३७	३९	मुद्गर	२२	२५	८	ध.	२५	३६	६	४०	५	२०	९	७	५४	४७	६१	१५
२६	४७	१३	बु.	३६	३६	मू.	२७	२९	व्या	३०	१७	ग.	७	८	व.	३६	३६	ध्वज	२३	२६	९				६	३९	५	२१	९	८	५६	२	६१	१४
२६	४९	१४	गु.	३५	३१	पू.	२६	५६	ह.	२५	२५	वि.	६	४	शु.	३५	३१	धाता	२४	२७	१०	म.	४१	२८	६	३९	५	२१	९	९	५७	१६	६१	१३
२६	५२	३०	शु.	३२	९	उ.	२५	४	व.	१९	४७	च.	३	४९	ना.	३२	९	आनंद	२५	२८	११				६	३८	५	२२	९	१०	५८	२९	६१	१३

श्री शुभ संवत् २०१९ शके १८८४ माघ कृष्णपक्षः।
याम्यायन गोलौ। मकरार्कतः सौम्यायनम्। जनवरी १० n

उत्तराषाढ़ भे रविः ५९।५५। n से २५ तक।
वक्री बुधः ३८।५। उदीच्यां यात्रा मु.।
भ. २३।५२ उ. ५४।४६ या.। c गणेश ४ व्रतम्।
पुष्ये ३ चरणे राहुः उत्तराषाढ़ ३ चरणे केतुः ४३।५७। c
सं. मकरेऽर्कः १४।५७। बुधास्तः पश्चिमायाम् २२।९।
स्थिर कर्म मु.। g प्रतीच्युदीच्यौ या. ज. मु.।
भ. ८।४९ उ. ४२।८ या.। दक्षिणस्यां यात्रा मु.।
वक्री उत्तराषाढ़ भे बुधः ३३।२३। ज्येष्ठा भे शुक्रः ३९।५६।

या. जय मु. ११।११ या.।
भ. ०।२७ उ. ३३।१ या.।
षट्तिला ११ व्रतं सर्वेषाम्। स.सि. योगः २२।१६ या.। g
तीक्ष्ण कर्म मु.।
भ. ३६।३६ उ.। पूर्वाषाढ़ भे १ चरणे गुरुः ९।२४। मास d
भ. ६।४ या.। श्रवणे रविः २।४९। d शिवरात्रिव्रतम्।
वक्री धनुषि बुधः ४७।२९। स्नान श्राद्धादौ ३०।

मा. कृ. २ शुक्रे. इ. ४३।११

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	३	९	१०	७	९	३	९
२७	२८	१३	१७	११	१७	६	६
३	४७	१६	४४	७	४४	४६	४६
४४	११	४	३५	२८	१४	२३	२३
६१	१९	११	११	५३	७	३	३
२४	१२	व	२	४	१२	११	११

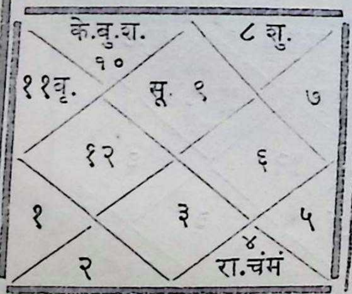

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ बृ.	२ शु.	३ श.	४ र.	५ चं.	ति.	५ मं.	६ बु.	७ बृ.	८ शु.	९ श.	१० र.	११ चं.	१२ मं.	१३ बु.	१४ बृ.	३० शु.
ध.	७ ९	७ ५	७ ०	६ ५५	६ ५०	म.	८ ३१	८ २७	८ २३	८ १९	८ १४	८ ९	८ ५	८ १	७ ५७	७ ५३	७ ४९
म.	८ ५४	८ ५०	८ ४५	८ ४०	८ ३५	कुं.	१० १	९ ५७	९ ५३	९ ४९	९ ४४	९ ३९	९ ३५	९ ३१	९ २७	९ २३	९ १९
कुं.	१० २४	१० २०	१० १५	१० १०	१० ५	मी.	११ २८	११ २४	११ २०	११ १६	११ ११	११ ६	११ २	१० ५८	१० ५४	१० ५०	१० ४६
मी.	११ ५१	११ ४७	११ ४२	११ ३७	११ ३२	मे.	१ ४	१ ०	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४७	१२ ४२	१२ ३८	१२ ३४	१२ ३०	१२ २६	१२ २२
मे.	१ २७	१ २३	१ १८	१ १३	१ ८	वृ.	३ ०	२ ५६	२ ५२	२ ४८	२ ४३	२ ३८	२ ३४	२ ३०	२ २६	२ २२	२ १८
वृ.	३ २३	३ १९	३ १४	३ ९	३ ४	मि.	५ १४	५ १०	५ ६	५ २	४ ५[illegible]	४ ५२	४ ४८	४ ४४	४ ४०	४ ३६	४ ३२
रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मि.	५ ३७	५ ३३	५ २८	५ २३	५ १८	क.	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २०	७ १६	७ १०	७ ६	७ २	६ ५८	६ ५४	६ ५०
क.	७ ५५	७ ५१	७ ४६	७ ४१	७ ३६	सिं.	९ ४९	९ ४५	९ ४१	९ ३७	९ ३२	९ २८	९ २३	९ १९	९ १५	९ ११	९ ७
सिं.	१० १२	१० ८	१० ३	९ ५८	९ ५३	कं.	१२ ५	१२ १	११ ५७	११ ५३	११ ४८	११ ४३	११ ३९	११ ३५	११ ३१	११ २७	११ २३
कं.	१२ २८	१२ २४	१२ १९	१२ १४	१२ ९	तु.	२ २३	२ १९	२ १५	२ ११	२ ६	२ १	१ ५७	१ ५३	१ ४९	१ ४५	१ ४१
तु.	२ ४६	२ ४२	२ ३७	२ ३२	२ २७	वृ.	४ ४१	४ ३७	४ ३३	४ २९	४ २४	४ १९	४ १५	४ ११	४ ७	४ ३	३ ५९
वृ.	५ ४	५ ०	४ ५५	४ ५०	४ ४५	ध.	६ ४६	६ ४२	६ ३८	६ ३४	६ २९	६ २४	६ २०	६ १६	६ १२	६ ८	६ ४

मा. कृ. ३० शुक्रे. इ. ४३।२४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	३	९	१०	७	९	३	९
११	२५	०	२०	२४	१९	६	६
४१	१४	५	३६	५२	२२	१	१
३७	३५	३२	१८	१९	४७	५६	५६
६१	३० ५७	६४ ३	१२	५९	७	३	३
१३	व	व	११	४३	२८	११	११

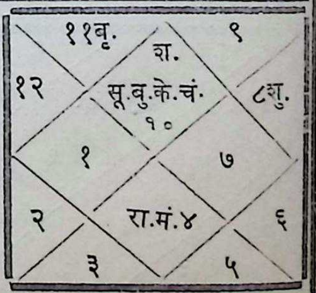

दि. घ.	मा. प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	५४	१	श.	२७	२६	श्र.	२२	१५	सि.	१२	५९	ब.	२७	२६	वा.	५४	४१	स्थिर	२६	२९	१२	कुं.	५०	२३	६	३८	५	२२	९	११	५९	४२	६१	१२
२६	५७	२	र.	२१	५६	ध.	१८	३१	व्य.	५/६३	५७/४२	कौ.	२१	५६	तै.	४९	१	मातंग	२७	३०	१३				६	३७	५	२३	९	१३	०	५४	६१	११
२७	०	३	चं.	१६	७	श.	१४	१७	प.	४९	६	ग.	१६	७	व.	४३	१२	अमृत	२८	१	१४	मी.	५६	१६	६	३६	५	२४	९	१४	२	५	६१	१०
२७	३	४	मं.	१०	१६	पू.	१०	१४	शि.	४१	५१	वि.	१०	१६	वव	३७	१	काण	२९	२	१५				६	३५	५	२५	९	१५	३	१५	६१	९
२७	६	५	बु.	४/६४	७/१७	उ.	६	११	सि.	३४	१४	बा.	४	७	कौ.	३१/६८	१५/२४	लुम्ब	३०	३	१६				६	३५	५	२५	९	१६	४	२४	६१	७
२७	८	७	गु.	५३	२३	रे.	२/६७	९/१७	सा.	२६	४६	ग.	२३	४९	व.	५३	२३	मित्र	३१	४	१७	मे.	२	९	६	३४	५	२६	९	१७	५	३१	६१	६
२७	११	८	शु.	४८	३१	अ.	५६	१३	शु.	१९	३६	वि.	२०	५१	वव	४८	३१	मुद्गर	१	५	१८				६	३४	५	२६	९	१८	६	३७	६१	४
२७	१४	९	श.	४४	१५	कृ.	५३	४४	शु.	१२	४५	वा.	१५	१३	कौ.	४४	१५	ध्वज	२	६	१९	वृ.	१०	३६	६	३३	५	२७	९	१९	७	४१	६१	३
२७	१७	१०	र.	४०	११	रो.	५१	३७	ब्र.	६	२५	तै.	१२	७	ग.	४०	११	धाता	३	७	२०				६	३३	५	२७	९	२०	८	४४	६१	२
२७	२०	११	चं.	३७	१४	मृ.	५०	१५	ऐं.	०/६७	५५/३१	व.	८	४२	वि.	३७	१४	आनन्द	४	८	२१	मि.	२०	५६	६	३२	५	२८	९	२१	९	४६	६१	१
२७	२३	१२	मं.	३४	३६	आ.	४९	२६	वि.	५०	५१	व.	५	५६	वा.	३४	३६	चर	५	९	२२				६	३१	५	२९	९	२२	१०	४७	६१	०
२७	२७	१३	बु.	३३	१२	पु.	४९	३७	प्री.	४६	५९	कौ.	३	४९	तै.	३३	१२	गद	६	१०	२३	क.	३४	३५	६	३१	५	२९	९	२३	११	४७	६०	५८
२७	३०	१४	गु.	३२	४१	पु.	५१	१४	आ.	४३	५९	ग.	१	५१	व.	३२	४१	शुभ	७	११	२४				६	३०	५	३०	९	२४	१२	५५	६०	५६
२७	३३	१५	शु.	३३	१६	श्ले.	५३	४१	सौ.	४२	१५	वि.	२	५९	वव	३३	१६	मृत्यु	८	१२	२५	सिं.	५३	४१	६	२९	५	३१	९	२५	१३	५१	६०	५५

श्री शुभ संवत् २०१९ शके १८८४ माघ शुक्लपक्षः ।
सौम्यायनम् । याम्यगोलः । जनवरी २६ से फरवरी ८ तक ।

बुधोदयः पूर्वस्याम् ४३।७ । द्वितीयायां दक्षिण यात्रा मु. ! h
चन्द्रदर्शनम् । h स.सि. योगः ।
रमजान । भ. ४३।१२ उ. । तिल ४ । चर कर्म मु. ।
भ. १०।१६ या. । उग्र कर्म मु. । b श्री पञ्चमी ।
धनुषि शुक्रः ३२।३९ । श्रवणे ४ शनिः ५५।५४ । वसन्त ५ b
भ. ५३।२३ उ. । मन्वादि । रथ ७ । या. जय. मु. । २।९ या. । c
फरवरी । भ. २०।५१ या. । मार्गी बुधः ४९।५६ । भीष्माष्टमी ।
मिश्र कर्म मु. । c स. सि. योगः । २।९ या. ।
स्थिर कर्म मु. । e दक्षिण पश्चिम यात्रा मु. ।
भ. ८।४२ उ. ३७।१४ या. । जया ११ व्रतं सर्वेषाम् । e
भीष्म १२ । f ५७।४९ । दक्षिण पश्चिमयोः यात्रा मु. ।
धनिष्ठा भे रविः ८।४१ । कल्पादि । पूर्वा भाद्रपद भे गुरुः b
भ. ३२।४१ उ. । मकरे बुधः ५०।१२। उदीच्यां यात्रा मु. g
भ. २।५९ या. । g तिथि दानात् । अ. सि. योगः ।

मा. शु. ८ शुक्रे इ. ४३।३५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	३	८	१०	८	९	३	९
१८	२२	२७	२१	२	२०	५	५
४९	३२	२१	१५	१३	१२	३९	३९
३५	१	१६	४२	४४	५२	४७	४७
६१	३४/६४	०/६३	१२	६१	७	३	३
४	व.	व.	३८	७	२१	११	११

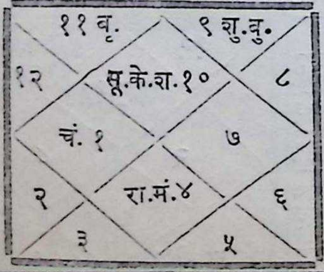

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.		२ र.		३ चं		४ मं.		५ बु.		७ बृ.		८ शु.		९ श.		१० र.		११ चं.		१२ मं.		१३ बु.		१४ बृ.		१५ शु.	
म. अं.	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६	५	३२	५	२७	५	२३	५	१९	५	१५	५	११	५	७
कुं. अं.	७	४५	७	४१	७	३७	७	३३	७	२९	७	२५	७	२१	७	१७	७	१२	७	८	७	४	७	०	६	५६	६	५२
मी.अं.	९	१५	९	११	९	७	९	३	८	५९	८	५५	८	५१	८	४७	८	४२	८	३८	८	३४	८	३०	८	२६	८	२२
मे. अं.	१०	४२	१०	३८	१०	३४	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	९	१०	५	१०	१	९	५७	९	५३	९	४९
वृ. अं.	१२	१८	१२	१४	१२	१०	१२	६	१२	२	११	५८	११	५४	११	५०	११	४६	११	४१	११	३७	११	३३	११	२९	११	२५
मि.अं.	२	१४	२	१०	२	६	२	२	१	५८	१	५४	१	५०	१	४६	१	४१	१	३७	१	३३	१	२९	१	२५	१	२१
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
क. अं.	४	२८	४	२४	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५५	३	५१	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५
सिं. अं.	६	४६	६	४२	६	३८	६	३४	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१३	६	९	६	५	६	१	५	५७	५	५३
कं. अं.	९	३	८	५९	८	५५	८	५१	८	४७	८	४३	८	३९	८	३५	८	३०	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०
तु. अं.	११	१९	११	१५	११	११	११	७	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	५१	१०	४६	१०	४२	१०	३८	१०	३४	१०	३०	१०	२६
वृ. अं.	१	३७	१	३३	१	२९	१	२५	१	२१	१	१७	१	१३	१	९	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४
ध. अं.	३	५५	३	५१	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५	३	३१	३	२७	३	२२	३	१८	३	१४	३	१०	३	६	३	२

मा. शु. १५ शुक्रे इ. ४३।४७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	३	९	१०	८	९	३	९
२५	२१	०	२३	९	२१	५	५
५६	४६	३२	४२	४९	२	१७	१७
४७	३८	१७	१४	५४	५९	१७	१७
६	३४/३४	३७	१२	६४	७	३	३
५८	व.	५७	५४	९	२१	११	११

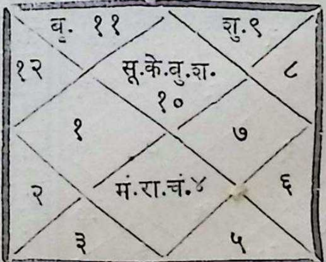

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२७	३६	१	श.	३५	२५	म.	५७	३१	शो.	४१	३१	वा.	४	२१	कौ.	३५	२५	पद्म	९	१३	२६				६	२९	५	३१	९	२६	१४	४६	६०	५३
२७	३९	२	र.	३९	१२	पू.	६०	०	अ.	४१	७	तै.	७	१३	ग.	३९	१२	छत्र	१०	१४	२७				६	२८	५	३२	९	२७	१५	३९	६०	५१
२७	४३	३	चं.	४३	४४	पू	२	३९	सु.	४२	१३	व.	११	२२	वि.	४३	४४	ध्वज	११	१५	२८	क.	१९	२१	६	२८	५	३२	९	२८	१६	३०	६०	४९
२७	४६	४	मं.	४९	६	उ.	९	२६	धृ.	४३	५७	वव	१६	२६	वा.	४९	६	धाता	१२	१६	२९				६	२७	५	३३	९	२९	१७	१९	६०	४७
२७	४९	५	बु.	५५	४२	ह.	१६	४१	शू.	४६	९	कौ.	२२	२५	तै.	५५	४२	आनंद	१३	१७	१	तु.	५०	२३	६	२६	५	३४	१०	०	१८	६	६०	४५
२७	५३	६	गु.	६०	०	चि.	२४	६	गं.	४८	३७	ग.	२८	५५	व.	६०	०	चर	१४	१८	२				६	२५	५	३५	१०	१	१८	५१	६०	४३
२७	५६	६	शु.	२	६	स्वा	३१	३९	वृ.	५०	३६	व	२	६	वि.	३५	१५	गद	१५	१९	३				६	२५	५	३५	१०	२	१९	३४	६०	४२
२८	०	७	श.	८	२५	वि.	८	४४	ध्रु.	५२	१२	वव	८	२५	वा.	४१	७	शुभ	१६	२०	४	वृ.	२१	५७	६	२४	५	३६	१०	३	२०	१६	६०	४१
२८	३	८	र.	१३	३९	अ.	४४	२७	व्या	५२	३३	कौ.	१३	३९	तै.	४५	४१	मृत्यु	१७	२१	५				६	२३	५	३७	१०	४	२०	५७	६०	३९
२८	६	९	चं.	१७	४३	ज्ये.	५०	५३	ह.	५१	४४	गं.	१७	४३	व.	४८	५९	पद्म	१८	२२	६	ध.	५०	५३	६	२३	५	३७	१०	५	२१	३६	६०	३८
२८	१०	१०	मं.	२०	१५	मू.	५१	२५	व.	४९	३५	वि.	२०	१५	वव	५०	२६	छत्र	१९	२३	७				६	२२	५	३८	१०	६	२२	१४	६०	३६
२८	१४	११	बु.	२०	३६	पू.	५१	५१	सिं.	४५	४३	वा.	२०	३६	कौ.	४९	३८	श्रीवत्स	२०	२४	८				६	२१	५	३९	१०	७	२३	५०	६०	३५
२८	१७	१२	गु.	१८	४१	उ.	५०	२३	व्य.	४०	२३	तै.	१८	४१	ग.	४६	५८	सौम्य	२१	२५	९	म.	६	१९	६	२१	५	३९	१०	८	२४	२५	६०	३३
२८	२०	१३	शु.	१५	१५	श्र.	४७	२४	व.	३३	३३	व.	१५	१५	वि.	४२	२८	धूम्र	२२	२६	१०				६	२०	५	४०	१०	९	२५	५८	६०	३१
२८	२४	१४	श.	९	४१	ध.	४२	४१	प.	२५	३५	श.	९	४१	च.	३६	२०	प्रवर्ध	२३	२७	११	कुं.	१	५२	६	१९	५	४१	१०	१०	२६	२३	६०	३०
२८	२८	३०	र.	२ ५२	७० ५५	श.	३७	९	शि.	१६	४१	ना.	२	५९	किं.	२९ ५५	२६ ५४	रक्ष	२४	२८	१२				६	१८	५	४२	१०	११	२६	५९	६०	२८

श्री शुभ संवत् २०१९ शके १८८४ फाल्गुन कृष्णपक्षः। सौम्यायनम् । याम्यगोलः। फरवरी ९ से २४ तक।

उग्र कर्म मु.।

क्रूर कर्म मु.।

भ. ११।२२ उ. ४३।४४ या.। पूर्वाषाढ़ भे शुक्रः ५९।५७। a

कुम्भेऽर्कः ४२।३९। तिथिदानात् हस्त भे दक्षिण यात्रा मु.

हस्त भे दक्षिण यात्रा मु.। स. सि. योगः।

a उत्तरा योगे या. जय मु.।

भ. २।६ उ. ३५।१५ या.।

अनु. भे पश्चिमयात्रा मु. तिथिदानात्।

c १८।३७। त्रयोदशी योगे या. जय मु.।

भ. ४८।५९ उ.। श्रवणे रविः ३४।३१। तीक्ष्ण कर्म मु.।

भ. २०।१५ या.। शतभिष भे रविः १७।५७। दारुण b

विजया ११ व्रतं सर्वेषाम्। शनि उदयः पूर्वस्याम् १।३५।

वक्री पुष्ये भौमः। २।३७। पूर्वा भाद्रपद भे ३ चरणे गुरुः c

भ. १५।१५ उ.४२।१८या.। महाशिवरात्रि व्रतम्। दक्षिण d

उ. षाढ़ भे शुक्रः ४४।२१। श्राद्धादौ ३०। b कर्म मु.।

स्नानदानादौ ३०। d यात्रा मु.।

फा. कृ. ६ शुक्रे इ. ४३।५८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	३	९	१०	८	९	३	९
३	१८	७	२५	१७	२१	४	४
२	०	४	१३	३५	५२	५५	५५
२७	४	५२	४५	४८	५९	८	८
६०	३० २८	६१	१३	६४	७	३	३
४८	व.	१८	१४	१४	११	११	११

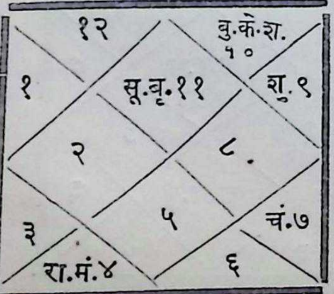

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ श.		२ र.		३ चं.		४ मं.		ति.	५ बु.		६ बृ.		६ शु.		७ श.		८ र.		९ चं.		१० मं.		११ बु.		१२ बृ.		१३ शु.		१४ श.		३० र.	
म.	६	४७	६	४३	६	३९	६	३५	कुं.	८	१	७	५७	७	५३	७	४९	७	४५	७	४१	७	३७	७	३३	७	२९	७	२५	७	२१	७	१७
कुं.	८	१७	८	१३	८	९	८	५	मी.	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४
मी.	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	मे.	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०
मे.	११	२०	११	१६	११	१२	११	८	वृ.	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६
वृ.	१	१६	१	१२	१	८	१	४	मि.	३	१४	३	१०	३	६	३	२	२	५८	२	५४	२	५०	२	४६	२	४२	२	३८	२	३४	२	३०
मि.	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	क.	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०	५	१६	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५६	४	५२	४	४८
रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
क.	५	४८	५	४४	५	४०	-	३६	सिं.	७	४९	७	४५	७	४१	७	३७	७	३३	७	२९	७	२६	७	२१	७	१७	७	१३	७	९	७	५
सिं.	८	५	८	१	७	५७	७	५३	क.	१०	५	१०	१	९	५७	९	५३	९	४९	९	४५	९	४१	९	३७	९	३३	९	२९	९	२५	९	२१
क.	१०	२१	१०	१७	१०	१३	१०	९	तु.	१२	२३	१२	१९	१२	१५	१२	११	१२	७	१२	३	११	५९	११	५५	११	५१	११	४७	११	४३	११	३९
तु.	१२	३९	१२	३५	१२	३१	१२	२७	वृ.	२	४१	२	३७	२	३३	२	२३	२	२५	२	२१	२	१७	२	१३	२	९	२	५	२	१	१	५७
वृ.	२	५७	२	५३	२	४९	२	४५	ध.	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	४	२
ध.	५	२	४	५८	४	५४	४	५०	म.	६	३१	६	२७	६	२३	६	१९	६	१५	६	११	६	७	६	३	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७

फा कृ. १३ शुक्रे इ. ४४।१०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	३	९	१०	८	९	३	९
१०	१६	१५	२६	२५	२२	४	४
६	०	३९	५१	३०	४१	३२	३२
५९	४	२८	७	५२	५९	५७	४३
६१	३३ ३४	७७	१३	६६	७	३	३
३१	व.	२८	२३	५७	९	११	११

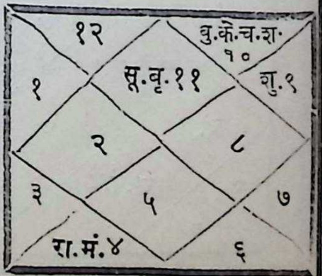

श्री शुभ संवत् २०१९ शके १८८४ फाल्गुन शुक्लपक्षः । सौम्यायनम् । याम्यगोलः । फरवरी २५ से मार्च १० तक ।

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२८	३१	२	चं.	४७	३७	पू.	३१	६	सि.	७	५७	वा	१९	५६	कौ.	४७	३७	मुशल	२५	२९	१३	मी.	१७	३६	६	१८	५	४२	१०	१२	२७	२७	६०	२७
२८	३५	३	मं.	३९	३५	उ.	२५	५	शु.	४८	२५	तै.	१३	२६	ग.	३९	३५	सिद्धि	२६	१	१४				६	१७	५	४३	१०	१३	२७	५४	६०	२५
२८	३७	४	बु.	३२	१६	रे.	१९	२३	शु.	३९	१६	व.	५	४५	वि.	३२/५८	१६/४४	उत्पा.	२७	२	१५	मे.	१९	२३	६	१७	५	४३	१०	१४	२८	१९	६०	२४
२८	४२	५	गु.	२५	१२	अ.	१४	१७	व्र	३१	१९	वा.	२५	१२	कौ.	५२	१७	मानस	२८	३	१६				६	१६	५	४४	१०	१५	२८	४३	६०	२२
२८	४६	६	शु.	१९	२३	भ.	१०	११	ऐं.	२३	३३	तै.	१९	२३	ग.	४७	०	मुद्गर	१	४	१७	वृ.	२४	२२	६	१५	५	४५	१०	१६	२९	५	६०	२०
२८	४९	७	श.	१४	३७	कृ.	६	५४	वै.	१६	५९	व.	१४	३७	वि.	४२	३९	ध्वज	२	५	१८				६	१४	५	४६	१०	१७	२९	२५	६०	१८
२८	५३	८	र.	१०	४१	रो.	४	५१	वि.	११	१४	वव	१०	४१	वा.	३९	२५	धाता	३	६	१९	मि.	३४	१४	६	१३	५	४७	१०	१८	२९	४३	६०	१६
२८	५७	९	चं.	८	१६	मृ.	३	३७	प्री.	६	२१	कौ.	८	१६	तै.	३७	२१	आनंद	४	७	२०				६	१३	५	४७	१०	१९	२९	५९	६०	१४
२९	१	१०	मं.	६	२६	आ.	४	७	आ.	५ २/७	५ ५/३	ग.	६	२६	व.	३६	१९	चर	५	८	२१	क.	५०	१	६	१२	५	४८	१०	२०	३०	१३	६०	१२
२९	४	११	बु.	६	१३	पु.	५	१९	शो.	५७	२७	वि.	६	१३	वव	३६	३३	गद	६	९	२२				६	११	५	४९	१०	२१	३०	२५	६०	१०
२९	८	१२	गु.	६	५३	पु.	७	४७	अ.	५६	१०	वा.	६	५३	कौ.	३७	४२	शुभ	७	१०	२३				६	१०	५	५०	१०	२२	३०	३५	६०	८
२९	११	१३	शु.	८	३१	श्ले.	११	१३	सु.	५५	५४	तै.	८	३१	ग.	४०	५	मृत्यु	८	११	२४	सिं.	११	१३	६	१०	५	५०	१०	२३	३०	४३	६०	५
२९	१३	१४	श.	११	३९	म.	१५	४७	धृ.	५६	९	व्र.	११	३९	वि	४३	३६	पद्म	९	१२	२५				६	९	५	५१	१०	२४	३०	४८	६०	२
२९	१६	१५	र.	१५	३३	पू.	३१	१३	शू.	४७	१३	व.	१५	३३	बा.	४८	४१	छत्र	१०	१३	२६	कं.	४५	२१	६	८	५	५२	१०	२५	३०	५०	६०	०
+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+ +	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+

चन्द्रदर्शनम् । उग्र कर्म मु.। तृतीया उत्तरा योगे या. ज. मु.।
मकरे शुक्रः ३६।५९। शव्वाल।
भ. ५।४५ उ.। ३२।१६ या. dस.सि.योगः। प्राच्यां यात्रा मु.।
धनिष्ठा भे बुधः २७।५९। धनिष्ठा भे १ पादे शनिः १०।३८ d
मार्च। h अ. सि. योगः। उदीच्यां यात्रा मु. तिथिदानात्।
भ. १४।३७ उ. ४२।३९या.। रोहिणी सप्तमी योगे या.जय मु.।
होलाष्टकारम्भः। स्थिर कर्म मु.। kयात्रा मु. पुन. भे।
पूर्वा भाद्रपद भे रविः ३२।४५। स. सि. योगः ३।३७ या.।
भ. ३६।१९ उ.। कुम्भे बुधः १।३५। पुन. भे दक्षिण यात्रा मु.।
भ. ६।१३ या.। आमलकी ११ व्रतं सर्वेषाम्। प्रतीच्यां k
श्रवणे शुक्रः १५।३७। पूर्वा भाद्र भे ४ चरणे गुरुः १६।४७। h
तीक्ष्ण कर्म मु.। n दहन भद्रान्तरे। व्रतादौ १५।
भ. ११।३९ उ. ४३।३६ या.। शते बुधः १२।५३। होलिका-n
मन्वादि ३०। उग्र कर्म मु.। स्नान श्राद्धादौ ३०।

फा. शु. ६ शुक्रे इ. ४४।२३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	३	९	१०	९	९	३	९
१७	१४	२५	२८	३	२३	४	४
९	२९	१०	३४	३२	३०	१०	१०
४२	३	१५	४४	१७	५२	३७	३७
६०	१२	८८	१३	६८	६	३	३
२०	व	२७	२९	५	३२	११	११

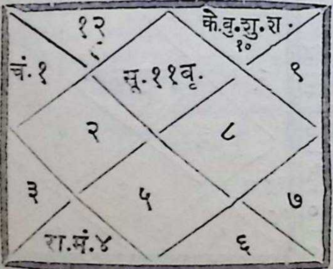

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	२ चं.		३ मं.		४ बु.		५ बृ.		६ शु.		७ श.		८ र.		९ चं.		१० मं.		११ बु.		१२बृ.		१३ शु.		१४ श.		१५ र.	
कुं. अं.	७	१३	७	९	७	५	७	१	६	५८	६	५५	६	५२	६	४८	६	४४	६	४०	६	३६	६	३२	६	२९	६	२६
मी. अं.	८	४०	८	३६	८	३२	८	२८	८	२५	८	२२	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५६	७	५३
मे. अं.	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	१	९	५८	९	५५	९	५१	९	४७	९	४३	९	३९	९	३५	९	३२	९	२९
वृ. अं.	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५७	११	५४	११	५१	११	४७	११	४३	११	३९	११	३५	११	३१	११	२८	११	२५
मि. अं.	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	११	२	८	२	५	२	१	१	५७	१	५३	१	४९	१	४५	१	४२	१	३९
क. अं.	४	४४	४	४०	४	३६	४	३२	४	२९	४	२६	४	२३	४	१९	४	१५	४	११	४	७	४	३	४	०	३	५७
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
सिं. अं.	७	१	६	५७	६	५३	६	४९	६	४६	६	४३	६	४०	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	६	२०	६	१७	६	१४
कं. अं.	९	१६	९	१२	९	८	९	५	९	२	८	५९	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३६	८	३३	८	३०
तु. अं.	११	३५	११	३१	११	२७	११	२३	११	२०	११	१७	११	१४	११	१०	११	६	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	५१	१०	४८
वृ. अं.	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१	१	३८	१	३५	१	३२	१	२८	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२	१	९	१	६
ध. अं.	३	५८	३	५४	३	५०	३	४६	३	४३	३	४०	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५	३	२१	३	१७	३	१४	३	११
म. अं.	५	४३	५	३९	५	३५	५	३१	५	२८	५	२५	५	२२	५	१८	५	१४	५	१०	५	६	५	२	४	५९	४	५६

फा. शु. १३ शुक्रे इ. ४४।३६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	३	१०	११	९	९	३	९
२४	१३	५	०	११	२४	३	३
११	२०	५२	१९	४१	१६	४९	४९
१७	२७	३८	१४	१	४४	२६	२६
६०	२ ८/९	९८	१३	६८	६	३	३
५	व	२३	२७	३७	४२	११	११

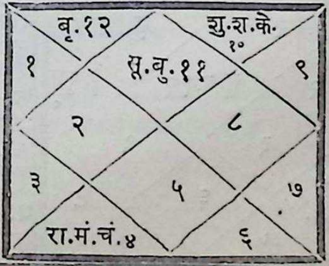

दि.मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि
२९	२४	१	चं.	२१	४९	उ.	२७	४७	गं.	४८	४३	कौ	२१	४९	तै	५४	१४	श्रीवत्स	११	१४	२७				६	८	५	५२	१०	२६	३०	५०	५९	५८
२९	२६	२	मं.	२६	२९	ह.	३४	४१	वृ.	६०	०	ग.	२६	२९	व.	५९	३८	सौम्य	१२	१५	२८				६	८	५	५२	१०	२७	३०	४८	५९	५६
२९	३०	३	बु.	३२	३४	चि.	४२	३०	वृ.	०	५३	वि.	३२	३४	बव	६०	०	काल	१३	१६	२९	तु.	८	२५	६	७	५	५३	१०	२८	३०	४४	५९	५४
२९	३४	४	गु.	३८	४४	स्वा	४९	५७	ध्रु.	३	३९	व.	५	४९	वा.	३८	४४	स्थिर	१४	१७	३०				६	६	५	५४	१०	२९	३०	३८	५९	५१
२९	३८	५	शु.	४५	३३	वि.	५७	३३	व्या	५	३९	कौ.	११	५८	तै.	४५	३३	मातंग	१५	१८	१	वृ.	४०	३९	६	५	५	५५	११	०	३०	२९	५९	४९
२९	४१	६	श.	५१	५९	अ.	६०	०	ह	७	४४	ग.	१८	५	व.	५१	४९	अमृत	१६	१९	२				६	५	५	५५	११	१	३०	१८	५९	४७
२९	४५	७	र.	५५	४६	अ.	३	५९	व.	९	५१	वि.	२३	१७	व.	५५	४६	मृत्यु	१७	२०	३				६	४	५	५६	११	२	३०	१५	५९	४५
२९	४९	८	चं.	५८	५३	ज्ये.	९	३७	सि.	९	४३	वा.	२७	१३	कौ.	५८	५३	पद्म	१८	२१	४	ध.	९	३७	६	३	५	५७	११	३	३०	०	५९	४३
२९	५३	९	मं.	६०	०	मू.	१३	३९	व्य.	८	३३	तै.	२९	३०	ग.	६०	०	छत्र	१९	२२	५				६	२	५	५८	११	४	२९	४३	५९	४१
२९	५६	९	बु.	० ५९	५० २०	पू.	१५	४७	व.	६	२९	ग.	०	१९	व	२९ ५२	५९ ३९	श्रीवत्स	२०	२३	६	म.	३०	४५	६	२	५	५८	११	५	२९	२३	५९	३९
२९	५९	११	गु.	५६	४१	उ.	१५	३९	प.	२ २६	५६ २२	बव	५८	२०	वा.	५६	४१	सौम्य	२१	२४	७				६	१	५	५९	११	६	२९	२	५९	३७
३०	०	१२	शु.	५२	३२	श्र.	१३	३७	सि.	४९	३४	कौ.	२४	२१	तै	५२	३२	धूम्र	२२	२५	८	कुं.	४१	४०	६	०	६	०	११	७	२९	३९	५९	३५
३०	४	१३	श.	४५	३६	ध.	९	४३	सा.	४१	४३	ग.	१८	४४	व.	४५	३६	प्रवर्ध	२३	२६	९				५	५९	६	१	११	८	२८	३४	५९	३३
३०	७	१४	र.	३७	३३	श.	४ ५४	५० २७	शु.	३१	२५	वि	११	२४	श.	३७	३३	रक्ष	२४	२७	१०	मी.	४५	४७	५	५८	६	२	११	९	२८	७	५९	३०
३०	११	३०	चं.	२८	३७	उ.	५०	१२	शु.	२०	४३	च.	२	३५	ना.	२८	३७	गद	२५	२८	११				५	५७	६	३	११	१०	२७	३७	५९	२८

श्री शुभ संवत् २०१९ शाके १८८४ चैत्र कृष्णपक्षः।
सौम्यायनम् । याम्यगोलः। मार्च ११ से २५ तक सन् १९६३

वसन्तोत्सवः । धूलिवन्दनम् । या. जय मु. । २१।४९ या. ।
भ. ५९।३८ उ. । दक्षिणस्यां यात्रा मु. । d५३।४२ ।
भ. ३२।३४ या. । कल्पादि । bराहुः उ. षा. भे २ चरणे c
सं. मीनेऽर्कः २९।३४ । cकेतुः ३३।४२ । उ.भा. भे रविः d
मिश्र कर्म मु. । a२९।२ । उदीच्यां यात्रा मु. तिथिदानात् ।
भ. ५१।४९ उ. । मार्गी भौमः ४६।१४ । बुधास्तः पूर्वस्याम् a
भ. २३।१७ या. । पूर्व भाद्रपद भे बुधः ६।१२ पुनर्वसु भे b
घनिष्ठा भे शुक्रः ४३।४१ । शीतलाष्टमी ।
दारुण कर्म मु. । f बुधः २३।४६ ।
भ. २९।५९ उ. ५९।३९ या. । eया. जय. मु. १५।३९ या. ।
उ. भा. भे. गुरुः ११।५ । पापमोचिनी ११ व्रतं स्मार्तानाम् । e
मीने बुधः ३९।२३ । पापमोचिनी ११ व्रतं वैष्णवानाम् ।
भ. ४५।३६ उ. । प्रदोषः । या. जय. मु. ९।४३ या. ।
भ. ११।२४ या. । कुम्भे शुक्रः२०।४४ । उत्तरा भाद्रपद भे f
सोमवती ३० । मन्वादि । कपिलधारा तीर्थे श्राद्धम् ।

चै. कृ. ५ शुक्रे इ. ४४।४९

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	३	१०	११	९	९	३	९
१	१२	१७	२	१९	२५	३	३
१०	५८	३४	१	५०	१	२६	२६
५३	४४	११	३४	५२	३४	९	९
५९	० ५९	१०७	१३	५९	६	३	३
४९	व.	२९	३७	२८	२६	११	११

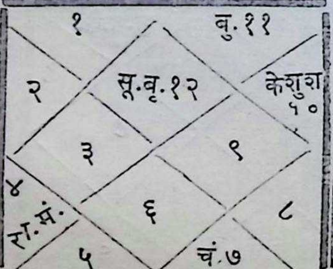

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.		२ मं.		३ बु.		४ वृ.		तिथयः	५ शु.		६ श.		७ र.		८ चं.		९ मं.		९बु.		११ वृ.		१२ शु.		१३ श.		१४ र.		३० चं.	
कुं. अं.	६	२२	६	१८	६	१४	६	१०	मी. अं.	७	३३	७	२९	७	२६	७	२३	७	१९	७	१५	७	११	७	७	७	३	७	०	६	५६
मी. अं	७	४९	७	४५	७	४१	७	३७	मे. अं.	९	९	९	५	९	२	८	५९	८	५५	८	५१	८	४७	८	४३	८	३९	८	३६	८	३३
मे अं.	९	२५	९	२१	९	१७	९	१३	वृ. अं	११	५	११	१	१०	५८	१०	५५	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३२	१०	२९
वृ. अं.	११	२१	११	१७	११	१३	११	९	मि. अं.	१	१९	१	१५	१	१२	१	९	१	५	१	१	१२	५७	१२	५३	१२	४९	१२	४६	१२	४३
मि. अं.	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	क. अं.	३	३७	३	३३	३	३०	३	२७	३	२३	३	१९	३	१५	३	११	३	७	३	४	३	१
क. अं.	३	५३	३	४९	३	४५	३	४१	सिं. अं.	५	५४	५	४०	५	४७	५	४४	५	४०	५	३६	५	३२	५	२८	५	२४	५	२१	५	१८
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
सिं. अं.	६	१०	६	६	६	२	५	५८	क. अं.	८	१०	८	६	८	३	८	०	७	५६	७	५२	७	४८	७	४४	७	४०	७	३७	७	३४
क. अं.	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४	तु. अं.	१०	२८	१०	२४	१०	२१	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	६	१०	२	९	५८	९	५५	९	५२
तु. अं.	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	वृ. अं.	१२	४६	१२	४२	१२	३९	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१३	१२	१०
वृ. अं.	१	२	१२	५८	१२	५४	१२	५०	ध. अं.	२	५१	२	४७	२	४४	२	४१	२	३७	२	३३	२	२९	२	२५	२	२१	२	१८	२	१५
ध. अं.	३	७	३	३	२	५९	२	५५	म. अं.	४	३६	४	३२	४	२९	४	२६	४	२२	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	४	३	४	०
म. अं.	४	५२	४	४८	४	४४	४	४०	कुं. अं.	६	६	६	२	५	५९	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६	५	३३	५	३०

चै. कृ. १२ शुक्रे इ. ४५।०

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के
११	३	११	११	९	९	३	
८	१३	०	३	२८	२५	३	
८	४	९	४१	८४	३	३	
३९	५६	१४	३९	३७	१७	५८	५
५९	५	११५	१३	७०	६	३	
३५	२२	३९	३९	२५	१०	११	१

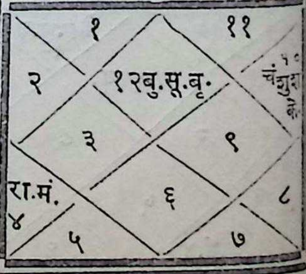

विवाहे पञ्चशलाका चक्रम्

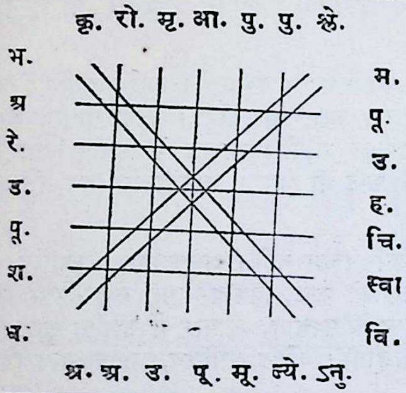
कृ. रो. मृ. आ. पु. पु. श्ले.
भ.
अ
रे.
उ.
पू.
श.
ध.
म.
पू.
उ.
ह.
चि.
स्वा
वि.
श्र. अ. उ. पू. मू. ज्ये. ऽनु.

राजा भौमः

श्रीगणेशाय नमः

मन्त्री शनिः

अन्येषु सप्तशलाका चक्रम्

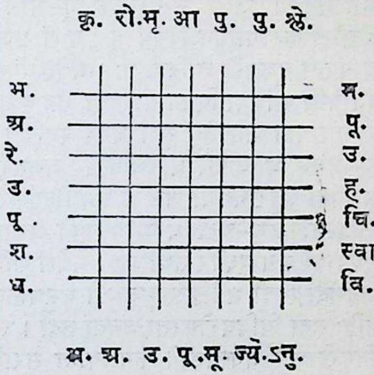
कृ. रो.मृ. आ पु. पु. श्ले.
भ.
अ.
रे.
उ.
पू.
श.
ध.
म.
पू.
उ.
ह.
चि.
स्वा
वि.
श्र. ध. उ. पू.मू. ज्ये.ऽनु.

श्री संवत् २०२०, शकः १८८५, हिजरी सन् १३८२-८३, फसली सन् १३७०-७१, ईस्वी सन् १९६३-६४।

नल नाम संवत्सरः

श्री काश्याम्
शुद्धमकरन्दीय दशवर्षीय पञ्चाङ्गम्

श्री गंगा

काशी पञ्चाङ्गम्

विंशोत्तरी मतेन आयव्यय चक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
२	११	२	११	१४	२	११	२	१४	८	८	१४
११	५	५	१४	११	५	५	११	२	५	५	२

अष्टोत्तरी मतेन आयव्यय चक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
२	८	२	११	१४	२	८	२	८	११	११	८
१४	५	८	५	११	८	५	१४	५	१४	१४	५

देखने की रीति

आयव्ययौ समौ कृत्वा एक हीनं तु कारयेत्।
अष्टभिस्तु हरेद्भागं शेषाङ्के फलमादिशेत् ॥
१ लाभं, २ सौख्यं तथा ३ क्लेशं ४ रोगं ५ लोकापवादकम्।
६ सम्मानं ७ विजयं ८ हानिः कथितं पूर्व सूरिभिः।

समय-शुद्धिः

गुरु—चैत्र शुक्ल ११ गुरौ पूर्वोदयः

शुक्र—भाद्रपद कृ. ३ गुरौ पूर्वास्तः।
अधिक आश्विन शु. १० शनौ पश्चिमोदयः

शनि—माघ शुक्ल १४ भौमे कुम्भ राशिगतः प्राक् मकर राशिगत

राहु—ज्येष्ठ कृष्ण ११ रवौ मिथुनराशिगतः प्राक् कर्क राशिगतः

प्रधान वितरक—**श्री गंगा पुस्तकालय,**
गायघाट, बनारस।

सम्पादक—**पं० चन्द्रशेखर पाठक ज्योतिषाचार्य, ज्योतिषरत्न**
सी. के. ६४/७० हीरापुरा, वाराणसी।

प्रकाशक व मुद्रक—**पं० पृथ्वीनाथ भार्गव,**
भार्गव भूषण प्रेस, गायघाट, बनारस।

वर्ष-फल

श्री संवत् २०२० शके १८८५

अथास्मिन्वर्षे राजा भौमस्तत्फलम्—भौमे नृपेवन्हिभयं जनक्षयः चौरा कुलं पार्थिव विग्रहं च। दुःखं प्रजा व्याधिवियोग पीड़ा स्वल्पंपयो मुञ्चति वारिवाहाः। मंत्रीशनिस्तत्फलम्—रविसुते यदिमंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहिता बहु दुःखदा। न जलदाजलदा जनता पदा जनपदेषु सुखं धनदं क्वचित्। सस्येशोभौमस्तत्फलम्—प्रथम धान्यपतौ धरिणीपतौ गजतुरंग खरोष्टगवामपि। प्रभवदा बहुरोगगणो जलं न समसौख्यकरं तुषधान्यहृत्। धान्येशस्चद्रस्तत्फलम्—चन्द्रे धान्यधिपेजाते प्रजावृद्धि प्रजायते। गोधूमासर्षपाश्चैव गोषुक्षीरं तथा बहु। मेघेशोशनिस्तस्तत्फलम्—रविसुते जलदस्यपतौ भवैद्विरतवृष्टवती वसुधातदा। मनसिताप करो नृपतिः सदा विविधरोगरता जनता तदा। रसेशो गरुस्तत्फलम्—यदिगुरौरसपे जनसौख्यदे कमलवन्ति सरांसि तृणानिच। जनपदाद्विज पूजन तत्परा गज सवाजिरथोष्ट्र युता नृपाः। नीरसेशो भौमस्तत्फलम्—नीरसेशोयदा भौमप्रवालां रक्तवाससाम्। रक्त चन्दन ताम्राणामर्घ वृद्धिर्दिनेदिने। फलेशो शुक्रस्तत्फलम्—यदि फलस्यपतौ भृगुजे धरा मृदु कुमार महीरुह राशयः। बहु यथा नरनाथ सुयोगदा द्विजवरा श्रुतिपाठपरायणाः। धेनेशो भौमस्तत्फलम्—असम मौल्यकरौ धरणीसुतः शरदि ताप करस्तुष धान्यहृत्। सहसिमासिभवे द्विगुणं तदा नरपतिर्जन शोक विधायकः। दुर्गेशोशनिस्तत्फलम्—रविसुते गढ़पातिनि विग्रहे सकल देशगताचलिता जनाः। विविधवैरि विशोषित नागरा कृषिधनं न लभेद् भुवि कश्चन। नलनामसंवत्सस्तलम्—नलाऽदे मध्य सस्यार्घ वृष्टिभिः प्रवरा धराः। नृप संक्षोभ संजाता भूरितस्कर भीतयः।

इस वर्ष के राजा भौम, प्रधान मन्त्री शनि हैं। राजा भौम ने ही पूर्वधान्य, नीरस पदार्थ, अर्थ का मन्त्रित्व ग्रहण किया है। प्रधान मन्त्री शनि ने ही सिंचाई तथा गृहरक्षा का भार वहन किया है। खाद्य मन्त्री चन्द्र, रस मन्त्री गुरु, फलमन्त्री शुक्र है। इस प्रकार का अधिकार विभाजन जनता की भलाई का द्योतक नहीं; जनता में कष्ट रहेगा। नौकरशाही का बोलवाला रहेगा। धान्य की उत्पत्ति अच्छी न रहेगी। जनता में अर्थ संकट भी रहेगा। सिंचाई योजनायें भी हवाई ही रहेगी। सेना का संगठन भी ठीक न रहेगा। रस और फल की कमी न रहेगी। वृष्टि अल्प होगी। नदियाँ सूख जायँगी। अकाल पड़ेगा। चतुष्पदों को पीड़ा होगी। श्वेत वस्तुयें तेल, घी मन्दा होगा। पूर्व के ५ मासों में अनाज तेज; ततः मन्दा होगा। नर्वदा के तट पर भी अकाल की काली छाया रहेगी। वैशाख वदी ११ से १॥ वर्ष तक चाँदी में गहरी मन्दी होगी।

इस वर्ष में क्षयमास है यह अधिक वर्षों के वाद आया है संवत् २०३९, २०८५ २१०४ २१२९ आदि संवत्सरों में फिर आवेगा। इसका फल है :—

क्षयमासो भवेद्यस्मिन्तस्मिन्वर्षेऽति विग्रहम्। दुर्भिक्षंवाथवा पीड़ा छत्रभंगं करोति वा। पुनश्च। पक्षस्य मध्ये द्वितिथी विनष्टे महाहवो रौरव विग्रहं च। पक्षं विनष्टे च पती विनष्टं मासक्षयश्चे क्षयती वसुन्धरा। अर्थात् क्षयमासवाले वर्ष में छत्रभंग अकाल अथवा भूमिनाश की सम्भावना रहती है। यह भी सम्भव है राज्यपरिवर्तन हो। गृहयुद्ध हो।

वार्षिक राशि-फल

मेष——वर्ष अच्छा नहीं है। शुभ काम में अधिक व्यय होगा। हृदय में रोग, दुर्बलता, लीवर या हृदय का रोग होगा। माता-पिता कष्ट में रहेंगे। असफलता मिलेगी। आषाढ़ से व्यापार में उन्नति, धर्म में अरुचि, लाभ में वृद्धि होगी। आलस्य रहेगा। वैशाख, श्रावण, अगहन, चैत्र बुरे रहेंगे।

वृष——वर्ष लाभ तथा सफलता की दृष्टि से ठीक है, परंतु दैन्य, रहेगा। व्यापार में उन्नति रहेगी। श्रावण से कष्ट, चिढ़, हानि परिवार में अशान्ति बढ़ जायेगी। चोट व्रण, उदर-विकार से सावधान। धर्म में अरुचि रहेगी ही। वैशाख, ज्येष्ठ, पौष, भाद्रपद बुरे रहेंगे।

मिथुन——वर्ष अच्छा नहीं। अनेक प्रकार की आपत्तियाँ चिढ़, चिन्ता, रोग, परिवार में अशान्ति, धन-हानि रहेगी। अषाढ़ के पश्चात् स्त्री को भी कष्ट होगा। चोट व्रण, उदर-विकार की सम्भावना है। ज्येष्ठ, आषाढ़, आश्विन, माघ बुरे रहेंगे।

कर्क——वर्ष साधारण से अच्छा है। लाभ, उल्लास, विजय सफलता रहेगी। स्त्री को कष्ट होगा। आप भी रोगी रहेंगे आषाढ़ के पश्चात् व्यय की अधिकता, स्त्री-कष्ट में वृद्धि हो जायगी। आषाढ़, श्रावण, कार्तिक, फाल्गुन अच्छे न रहेंगे।

सिंह——वर्ष अच्छा नहीं। चिढ़-चिन्ता, असफलता दृष्टिगोचर होगी। लाभ का क्रम पूर्ववत् रहेगा। आषाढ़ तक मध्यम विजय रहेगी। ततः चिढ़, सन्तान को कष्ट बढ़ जायगा। साथ ही लाभ में वृद्धि होगी। श्रावण, भाद्रपद, अगहन, चैत्र बुरे रहेंगे।

कन्या——वर्ष साधारण अच्छा है। कुछ शुभ काम में सफलता रहेगी। साधारण लाभ भी रहेगा। चिढ़, सन्तान को कष्ट चिन्ता भी व्याप्त रहेगी। आषाढ़ के पश्चात् विवाद-व्यथा, माता-पिता को कष्ट भी होगा। भाद्रपद, आश्विन, पौष, वैशाख बुरे रहेंगे।

तुला——वर्ष अच्छा नहीं। असफलता, अशान्ति, चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट, विवाद-व्यथा, माता-पिता को कष्ट रहेगा। आषाढ़ के पश्चात्, व्यापार में उन्नति, लाभ रहेगा। धर्म में अवनति होगी। ज्येष्ठ, आश्विन, कार्तिक, माघ बुरे रहेंगे।

वृश्चिक——वर्ष अच्छा है। व्यापार में उन्नति, लाभ, हर्ष, सफलता, भाइयों को कष्ट रहेगा। धर्म में रुचि न रहेगी। आषाढ़ के बाद परिवार में हानि, परिवार में अशान्ति रहगी। रोग ग्रस्त भी हो जायेंगे। आषाढ़, कार्तिक, अगहन, फाल्गुन बुरे रहेंगे।

धनु——वर्ष अच्छा नहीं; विवाद-व्यथा, हानि, कष्ट, चिढ़, असफलता रहेगी। आषाढ़ के पश्चात् रोग, स्त्री को कष्ट, उदर-विकार भी बढ़ जायगा। श्रावण, अगहन, पौष, चैत्र बुरे रहेंगे।

मकर——वर्ष अच्छा नहीं। रोग, व्यय, असफलता, स्त्री को कष्ट, चिढ़ होगी। वायु रोग से त्रस्त रहेंगे। पौष, माघ, वैशाख, श्रावण, भाद्रपद बुरे रहेंगे। आषाढ़ के पश्चात् व्यय, विजय, उन्नति होगी।

कुम्भ—वर्ष अच्छा है। लाभ, उन्नति, शुभ कार्य, सफलता रहेगी। व्ययाधिक्य भी होता रहेगा, आषाढ़ से लाभ, चिढ़, सन्तान को कष्ट चिन्ता बढ़ जायगी। ज्येष्ठ, भाद्रपद, आश्विन, माघ, फाल्गुन बुरे रहेंगे।

मीन—वर्ष साधारण है। लाभ अच्छा रहेगा परन्तु कार्यों में असफलता मिलेगी, आषाढ़ के बाद माता पिता को कष्ट, चिढ़ झगड़ा उदर-विकार बढ़ जायगा। आषाढ़ आश्विन, कार्तिक, चैत्र मास बुरे रहेंगे।

श्री संवत् २०२० आषाढ़ शुक्ल १५ शनौ

खण्डग्रास चन्द्रग्रहणम्

पूर्वाषाढ़ भे धनु राशौ । ६, ७ जुलाई के बीच रात में

सन् १९६३ ई०

	घ. प. वि.
स्पर्श	५२।४ । ३०
मोक्ष	५९।२९। ३०

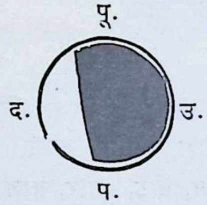

श्री संवत् २०२० पौष शुक्ल १५ चन्द्रे

खग्रास ग्रस्तोदय चन्द्रग्रहणम्

पुन. भे. मिथुन राशौ । ३० दिस. १९६३ ई०

	घ. प. वि.
स्पर्श	२०।१२
मोक्ष	२८।५४।३०

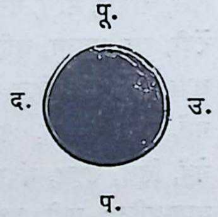

ग्रहण राशि-फल

	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
(१)	मा. ना.	म. क.	स्त्री क.	सौख्य	चिन्ता	व्यथा	श्रीः	क्षति	घातः	व्यय	लाभ	सुख
(२)	श्रीः	क्षतिः	घात	व्यय	लाभ	सुख	मा. ना.	म. क.	स्त्री क.	सुख	चिन्ता	व्यथा

वर्ष लग्नम्

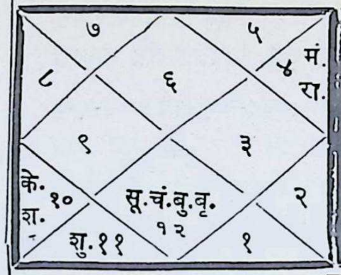

आर्द्रा प्रवेश लग्नम्

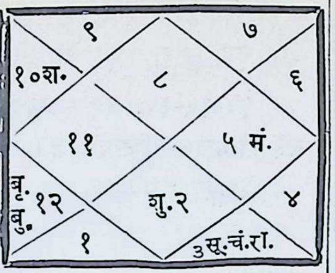

संवत् २०२० विवाहमुहूर्ताः

संवत् २०२० विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुद्ध चैत्र	कृष्ण	१	शुक्र उ. फा. भे. ल. ८
,,	,,	२	शनौ हस्त भे.
,,	,,	७	गुरौ अनु. भे. ल. ७
,,	,,	३	रवौ हस्त भे. दिवा. लग्नम् ।
,,	,,	९	शनौ मूले ल. ७
,,	,,	१०	चन्द्र उ. षा. भे. ल. ७
,,	,,	४	चन्द्र स्वाती भे.
,,	,,	५	भौमेस्वाती भे. दिवा लग्नं का गोधूलि लग्नम्

वैशाख मासः

वैशाख	कृष्ण	८	बुध उ. षा. भे. ल. ८
,,	,,	१२	रवौ. उ. भा. भे. लग्न ८
,,	शुक्ल	२	गुरौ रोहिण्यां. ल. १२
,,	,,	३	शुक्र रोहि. भे. ल. ८
,,	,,	८	बुधे मघायां. ल. चि.
,,	,,	९	गुरौ मघायां. ल. ८
,,	,,	११	शनौ उ. फा. भे. ल. ८
,,	,,	१२	सूर्ये हस्ते ल. चि.
,,	,,	१४	स्वत्यां. ल. ८

ज्येष्ठ मासः

ज्येष्ठ	कृष्ण	१	गुरौ अनु. भे.
,,	,,	५	चन्द्र उ. षा. भे. ल. १२
,,	,,	६	भौ. उ. षा. भे. ल. ८
,,	,,	११	सूर्ये उ. भा. भे. रेवत्यां ल. चि. ८
,,	,,	१२	चन्द्र रेवत्यां ल. ८
ज्येष्ठ	शुक्ल	२	शुक्रे मृगे ल. १२
,,	,,	७	बुधे मघायां लग्न. चिन्त्यम् ।
,,	,,	९	शुक्र उ. फा. भे. ल. चिन्त्यम् ।
,,	,,	१०	शनौ हस्ते ल. चिन्त्यम् ।
,,	,,	१२	चन्द्रे स्वात्यां. ल. चिन्त्यम् ।
,,	,,	१३	बुधे अनु. भे. ल. १२

अषाढ़ मासः

आषाढ़	कृष्ण	१	शनौ मूलभे. लग्नं चिन्त्यम् ।
,,	,,	८	शनौ उ. भा. भे. ल. चिन्त्यम् ।
,,	,,	३	चन्द्रे उ. षा. भे. चिन्त्यम् ।
,,	शुक्ल	४	भौमे. मघायां. ल.
,,	,,	५	बुधे मघा भे. दिवा. लग्नं. चिन्त्यनम् ।
,,	,,	७	शुक्रे हस्ते ल. चि.
,,	,,	६	गुरौ उ. फा. भे. ल. चिन्त्यम् ।
,,	,,	९	सूर्ये स्वात्यां ल. चि.
,,	,,	१०	चन्द्रे स्वात्यां लग्नं चिन्त्यम् ।

माघ मासः

माघ	शुक्ल	५	सूर्ये उ. भा. भे. ल. ८
,,	,,	६	चन्द्र रेवत्यां ल. ८ रे.
,,	,,	१०	शुक्र रोहिणी भे. लग्नं चिन्त्यम् ।
,,	,,	११	शनौ रोहिणी भे. दिवा लग्नम् ।
,,	,,		मृग भे. रात्रौ लग्नं चिन्त्यम् ।
,,	,,	१२	रवौ मृग. भे. दिवालग्न चिन्त्यम् ।

फाल्गुन मासः

फाल्गुन	कृष्ण	४	शनौ उ. फा. भे. ल. ७–८
,,	,,	५	रवौ हस्त भे. ल. ८
,,	,,	८	गुरौ अनु. भे. ल. ७
,,	,,	७	भौमे. स्वाती भे. लग्नं चिन्त्यम् ।
,,	,,	१०	शनौ मूले. ल. ७
,,	,,	११	सूर्ये मूले. ल. ६
,,	,,	१३	भौमे उ. फा. भे.
,,	शुक्ल	३	रवौ उ. भा. भे.
,,	,,	४	चन्द्र रेवती भे.
,,	,,	९	शुक्र रोहिणी भे.
,,	,,	१०	मृग भे.

भविष्य-वाणी संवत् २०२०

चैत्र शुक्लपक्ष

सुदी ६ से १४ दिन में गेहूँ, गुड़, खाँड़ तेज; सुदी ७ से १४ दिन में कवलगट्टा, धान, सिघाड़ा, रस, धान्य, मणि, चावल, धान्य, तेल, मोती, रत्न, फल-फूल, नमक, सुगन्ध, चतुष्पद, तूवर, मूँग, उड़द, लहसुन, लाख, चपड़ा, केसर, सज्जी, मजीठ, कुसुम्ब, लाल वस्तुयें; तीसी, सरसों, रेंड़ी, मूँगफली तेज; सुदी ११ से २ मास में राजाओं में विग्रह, कष्ट, रूई मन्दी; चाँदी तेज; सुदी १३ से ८ दिन में गेहूँ,चना, यव, मोती, जवाहरात, चाँदी-सोना, चौपाये तेज; ईख, गुड़, खाँड़, दूध, रस, घी, मन्दा होगा।

३१ मार्च १-२, ७-८ अप्रैल को साधारण बादल-वृष्टि तथा वायु की सम्भावना है।

चाँदी––तेजी की ओर।

वैशाख

वदी १ से ११ दिन में वृष्टि; वदी ३ से १५ दिन में रूई, धान, कपड़ा, चाँदी, सोना मन्दा; वदी ४ से ८ दिन में हाथियों को पीड़ा; धान्य तेज; प्रजा पीड़ा; रोग, वृष्टि कम; वदी ५ से १ मास में रूई, ईख, तिल, तेल, चाँदी, सोना, गुड़, खाँड़ तेज; उसी दिन से १४ दिन में सर्वधान्य, सर्वरस, सर्वधातु, ऊन, वस्त्र, तीसी, रेंड़ी, तिल, मेथी, आल्ता, लाल चन्दन, इलायची, लौंग, सोपारी, नारियल, कपूर, हींग तेज; वदी ९ से २२ दिन में रूई, धान्य मन्दा; चाँदी तेज होकर मन्दी; वदी १२ से ८ दिन में चावल, मोती, शक्कर, कपूर मंदा; अमावस से २२ दिन में अफीम तेज; रूई मन्दी होकर तेज; पृथ्वी पर कलह, युद्ध; सुदी १ से १४ दिन में चावल, हल्दी, मिर्च, गुड़, घी, यव, चना, मोठ, तूवर, तीसी, सोना-चाँदी, ताँबा, घी, पीतल, अफीम, धातुयें तेज; मनुष्यों को पीड़ा होगी। सुदी ९ से १२ दिन में पथिकों को पीड़ा; रूई, चन्दन, कपूर, जवाहरात मंदा; सुदी १३ से २१ दिन में चाँदी, शेयर, ईख, गुड़, खाँड़, कपूर, रस, तिल, रेंड़ी, बिनौला तेज होगा।

१४-१५-१६, २१-२२-२३, २७-२८-२९ अप्रैल ४-५-६ मई को बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी––तेज रहेगी।

ज्येष्ठ

वदी १ से चाँदी रूई, घटबढ़ कर तेज; वदी ३ से १४ दिन में श्वेतपुष्प, यव, गेहूँ, चावल, मूँग, मोंठ, राई, सरसों, तीसी, रेंड़ी, सोना-चाँदी तेज; वदी ५ से तिल, यव, चावल, तीसी, चना, सोंठ, सर्व रस, अन्न, धातु ऊन मन्दा; रूई, चाँदी तेज; वदी ६ से १ मास में स्वर्ण धान्य, अफीम, कपड़ा, शस्त्र तेज; गेहूँ, रूई, चाँदी मंदी; वदी ११ से ७ मास में घी, सभी धान्य, सन, सूत तेज; ततः मंदा; रूई, चाँदी-सोना मंदा; वदी १२ से १॥ मास में लालीमिर्च, सोना, रूपा, चाँदी, ताँबा, लोहा, लाल रंग, तीसी, सरसों तेज; अवृष्टि; तिल, उड़द, मूँग का नाशः; सुदी ३ से १४ दिन में चावल, सभी धान्य, तीसी, सरसों, मिर्च, सोपारी, हींग, खजूर, राई, तेल, दाख, गुड़, रूई, सूत, सन तेज; चाँदी मंदी; सुदी ५ से १६ दिन में चाँदी, रूई, तेज; सुदी १० से १५ दिन में तृण, काष्ट, रूई, गेहूँ, यव, चना, अनाज तेज; शेयर, घटबढ़ कर मंदा; अफीम, कपूर, चन्दन, अगर, तगर, रेशम, तीसी, मूँगफली, गुड़, बिनौला मंदा; सुदी १२ से २ मास में गुजरात, काठियावाड़, गौड़ाना में जलाधिक्य पूर्व में भूकम्प; यात्रियों को भय; हुंडी, प्रामिसरी नोट, धान्य गेहूँ, मूँग, ज्वार, दाख, खजूर, जायफल, घी, हल्दी, तिल, धनिया, मेथी, जीरा, अफीम, घोड़ा तेज; सोना-चाँदी, सभी धातुयें, मणि, मोती, रत्न मंदा; नारियल, सोपारी, लवँग, तिल, तेल, मंदा; सुदी १३ से १२ दिन में रूई, चाँदी, घी, हींग, खजूर कपास, नील, तिल, रेंड़ी, सरसों, यव, चावल मंदा; सुदी १४ से २१ दिन में कलह युद्ध; भय-वृद्धि; सुदी १५ से २५ दिन में धान्य तेज; शेयर, रूई मंदी होगी।

११-१२-१३-१४, १८-१९-२०, २४-२५-२६, ३१ मई १-२ जून को बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी––इस मास में घटकर बढ़ेगी। पूर्णिमा के आसपास फिर घटेगी।

आषाढ़

वदी १ से १४ दिन में ग्रीष्म की तीव्रता; सोना-चाँदी, लोहा, राँगा, तावाँ, जलजपदार्थ, रूई, रेशम, सूत, उड़द, मूँग, मोठ, ज्वार, बाजरा, कपूर, चन्दन, सुगन्ध, कराई तेज; वायु की तीव्रता; वदी ५ से १ मास में कपास, कन्दमूल, तिल, धान्य तेज; वदी ९ से १८ दिन में प्रजा पीड़ा; गुड़, खाँड़, तिल, घी, रस, तेज; चाँदी-सोना, तीसी, रेंड़ी, सरसों, घी, तेल, गुड़, खाँड़, सोपारी, ऊन मंदा; वदी १२ से ८ दिन में कपास, तिल, तेल, सूत तेज; चावल, गुड़, खाँड़, राई, तूवर, सन मन्दा; सुदी १ से १४ दिन में कहीं-कहीं वृष्टि, घी, गुड़, खाँड़, खल, चावल, मणि, मोती, कराई, गेहूँ, सुरमा, कपूर, सूत, तीसी, रेंड़ी, रस, सुगन्ध, रूई, हल्दी, सोंठ, लोहा, चपड़ा, चन्दन तेज; सुदी १ से ११ दिन में धान्य नाश, मधुर पदार्थ, रस तेज; गेहूँ, चना, ज्वार, कराई, मन्दा; सुदी ६ से ११ दिन में गेहूँ, तिल, उड़द, मंदा; वायु-वृष्टि; सुदी १२ से २२ दिन में वायु-वृष्टि; सुदी ११ से २५ दिन में रुई, सूत, कपड़ा, सन तेज; सुदी १३ से ८ दिन में वायु-वृष्टि की तीव्रता, बाढ़ से यवनों का नाश; सुदी १५ से १४ दिन में उड़द, मूँग, मोंठ, चावल, मसूर, नमक, ज्वार, तीसी, बिनौला, सज्जी, लाख, नील, तिल, रेंड़ी, मजीठ, माजूफल, केसर, हरड़, कुसुम्व, कपूर, चन्दन, देवदारु, लवँग, नारियल, श्वेतपदार्थ तेज; इञ्जीनियर दास, धनी को पीड़ा वृष्टि होगी।

८-९-१०, १५-१६, २१-२२-२३, २८-२९-३० जून ५-६ जुलाई को बादल-वृष्टि योग है।

श्रावण

वदो १ से ११ दिन में अति-वृष्टि, कोशल, कलिग में जननाश; वदी ४ से १८ दिन में जलावरोध चतुष्पद पीड़ा, गुड़, खाँड़, अश्व तेज; वदी ५ से ८ दिन में कपास सूत मन्दा; वदी ४ से २२ दिन में चाँदी तेज; खाँड़, सोना, श्वेत पदार्थ, श्वेत वस्त्र मन्दा। वदी १० से १॥ मास में चन्दन, रेशम, लाल वस्त्र, लाल पदार्थ, लाल मिर्च, तीसी, गुड़, मजीठ, रुई तेज; वृष्टि; वदी ११ से १ मास में चाँदी कोद्रव तेज; वृष्टि; वदी १२ से ११ दिन में अस्मक, विदर्भ में जननाश, रुई मन्दी; विनौला तेज; अमावस तक से १४ दिन में तिल, मद्य, गुड़, ज्वार, गुगुल, सोपारी, सोंठ, मोम, हींग, हल्दी, लाख, सन, चपड़ा, ऊनी वस्त्र, शीशा, सोना, चाँदी, चावल, शक्कर तेज; रुई तेज; होकर मन्दा; सुदी ३ से ८ दिन में वृष्टि, गुजारत में दृष्टि, तिल, उड़द, रस तेज; सुदी ६ से १५ दिन में चाँदी रुई, धान, कपड़ा, मन्दा; वायु-वृष्टि की अधिकता अनाज शेयर तीसी, गुड़, खाँड़, शक्कर तेज; सुदी ८ से ११ दिन में लाख चपड़ा, गुड़, कपूर, पारा, हींग, हिगुल, मन्दा; रुई, सन पाट, सूत, धान्य तेज; सुदी ९ से २२ दिन में दही, चटनी, अँचार, चीनी, मुरब्बा देवदारु, कपड़ा, रेल स्लीपर, रुई, चाँदी-सोना तेज; शेयर, खाँड़, शक्कर, कपूर, रस, मन्दा; सुदी १४ से गेहूँ, चना, तीसी, तिल, तेल, गुगुल, प्रामिसरी नोट, उड़द, नील, विनौला, चावल, सोना, चाँदी, रस, अफीम तेज; वृष्टि उत्तर, पूर्व में बाधा होगी।

१२-१३-१४, १८-१९, २०, २५-२६-२७ जुलाई १-२-३ अगस्त को बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी—तेज जायगी।

भाद्रपद

वदी १ से ८ दिन में नृपयुद्ध, क्षेत्र बाधा; अनाज मन्दा; वदी ३ से २ मास में सुभिक्ष, दूध, घी, रस, मैदा; खाँड़, घी, तेल नमक, धान्य तेज; वदी ४ से ९ दिन में वर्षा में कमी; चावल, मोठ, चना, कराई, मन्दी; सोना, चाँदी तेज; रुई में बहुत घटबढ़; मारवाड़ में अकाल, पहाड़ी, देशों में रोग, धान्य नाश; वदी १३ से १ मास में ईख, गुड़, शक्कर, रवतपदार्थ, तिल, तेल, रत्न, रेंड़ी, घी, रुई, चाँदी तेज; धान्य मंदा; उसी दिन से १४ दिन में ज्वार, मूँग, रुई, तिल, रेंड़ी, दाख, मिर्च, अफीम तेज; वृष्टि; सुदी १ से २५ दिन में स्वर्ण लाल रंग तथा रक्तपदार्थ तेज; रुई, चाँदी मंदी; चतुष्पद पीड़ा; धान्य तेज; सुदी ४ से १८ दिन में चावल, गेहूँ, धातुयें तेज; घी मंदा; सुदी ११ से ११ दिन में गेहूँ, यव, ज्वार, बाजरा, चना मंदा; सुदी १२ से १४ दिन में सोना-चाँदी, सूत, कपड़ा, चावल, गेहूँ, सरसों, तिल, ज्वार, जीरा, घी, ऊनी कपड़ा तेज; बादल; सुदी १४ से ४५ दिन में सर्व धान्य, महर्घ, उड़द, मूँग, रुई, सूत, सन, कपास, गुड़, घी, धान्य, श्वेत वस्तुयें, उड़द तेज होगा।

८-९-१०, १५-१६, २१-२२-२३, २९-३०-३१ अगस्त को बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी—साधारण तेज रहेगी।

आश्विन (प्रथम)

वदी २ से १६ दिन में सोना-चाँदी, शयर तेज; ईख, गुड़, खाँड़, कपूर, रस, तिल, रेंड़ी, बिनौला तेज; शेष वस्तुयें मंदी; वदी ८ से ११ दिन में चाँदी मंदी; धान्य तेज; वदी १० से १८ दिन में रुई, ऊख, रस, गेहूँ, थातु, तिल, तेल तेज; वदीं ११ से ९ दिन में शाल, अनाज, चावल, थांन तेज; चाँदी, रुई मंदी; वदी ११ से १६ दिन में रुई, चाँदी मंदी; केराना तेज; चोरों का भय; राजपूताने में वृष्टि; वदी १२ से १४ दिन में सोना, चाँदी, लोहा, तेल, घी, सरसों, रेंड़ी, सोपारी, मूँज, बाँस, नील, अफीम, रेशम, ज्वार, उड़द, तीसी, कपास तेज; अमावस से ३० दिन में मजीठ, नारियल, तिल, तेल, घी, कपास तेज; चाँदी मन्दी; सुदी ४ से ११ दिन में अवर्षण, रुई, धान्य मन्दा; वदी ५ से धान्य, ताँवा, पीतल, धातुयें तेज; सुदी ९ से १४ दिन में गेहूँ, ज्वार, जव, धान, लकड़ी, भूसा, गाँजा, गुड़, खाँड़, सन, कपास, हल्दी, हरड़, हींग, क्षार, कथीर तेज; सुदी १० से १४ दिन में रुई, चाँदी तेज; राजपूताने में वृष्टि; सुदी ११ से ३ दिन में तृण, काष्ट, लकड़ी, भूसा तेज; रुई, पाट, कूट, शेयर मन्दा होकर तेज; अफीम, कपूर, चन्दन, अगर, तगर, रेशम मन्दा; सुदी १५ से १८ दिन में कपास, रुई, गेहूँ तेज; वृष्टि की कमी; गुजरात, बम्बई में वृष्टि होगी।

४-५-६, ११-१२-१३, १८-१९-२०, २५-२६-२७ तिसम्बर २-३ अक्टूबर को बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी—घटबढ़ कर मन्दी।

आश्विन (द्वितीय)

वदी ३ से २१ दिन में वायु-वृष्टि की अधिकता; सोना, उत्तम खाँड़, यव, चना तेज; वदी ५ से २२ दिन में सोना तेज; चाँदी, रुई, घटबढ़ कर मन्दी; वदी ९ से १४ दिन में धान्य, गेहूँ, चना, सूत, कपास, रुई, अरहर, सोना-चाँदी, सूत, केसर, लाख चपड़ा, जवाहरात, गुड़ तेज; वदी १० से ११ दिन में अनाज मन्दा; रस तेज; जल-दृष्टि, वदी १३ से ८ दिन में रुई, सूत, सन, पाट, वस्त्र, तिल, चावल, चाँदी तेज; अमावस से ४५ दिन में सभी द्रव्य तेज; अफीम, रुई, धातुयें, शस्त्र तेज; सुदी १ से ३० दिन में स्वर्ण धान्य, तीसी, गेहूँ, अनाज, आमला तेज; हाथियों का नाश; रुई, चाँदी, अफीम मन्दा; सुदी ४ से १८ दिन में गेहूँ, लाल मिर्च तेज; ५ दिन में रुई, काफी मन्दी; चाँदी मन्दी; २ मास में तिल, सरसों, हींग, मिर्च तेज; सुदी ५ से ८ दिन में रुई मन्दी; सुदी ६ से १४ दिन में सर्व धातु गुड़, खाँड़, मिर्च, तेल, राई, हींग, कपूर, लाख, बिनौला, केराना, गुगुल, हल्दी, सन, पाट, लाख, चपड़ा तेज; सुदी ७ से २१ दिन में पवन-वर्षा, शीत की वृद्धि; चाँदी, तीसी,

सरसों, रेंड़ी, बिनौला, मूँगफली मन्दी; सुदी १४ से ११ दिन में रुई, शेयर, चाँदी मन्दी होगी।

८-९-१०, १५-१६-१७, २२-२३-२४, २९-३०-३१ अक्टू- को बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी—मन्दी का प्रभाव रहेगा।

कार्तिक

वदी २ से ११ दिन में चावल, खाँड़, चाँदी मन्दी; भूकम्प की सम्भावना; वदी ६ से ८ दिन में रुई मदी; वदी ७ से १४ दिन में चाँदी, धातु, नोट, तिल, चावल, सर्वरस, घी, अफीम, सरसों, मसूर, रेंड़ी, तेजी; पूर्व, दक्षिण में उपद्रव; वदी ८ से ८ दिन में अफीम तेज; जलाभाव, रोग-वृद्धि; सुदी २ से १ मास में ऊनी वस्त्र, चाँदी, ताँबा सभी द्रव्य, तेल, रुई, अफीम तेज; धान्य मंदा; सुदी ४ से १४ दिन में रस, धातु, चना, ऊन, गेहूँ, नोट तेज; सोना-चाँदी मंदा; सुदी ७ से ८ दिन में ईख, गुड़, चावल, घी, रस, तेज; अश्व पीड़ा; सुदी ८ से २२ दिन में रुई, चाँदी मन्दी; शेयर तेज; वैश्यों को चिन्ता; सुदी १० से १।। मास में सूत, बिनौला, घी, कपड़ा, घास, भूसा, लकड़ी, मूल, द्रव्य, पशु, घी, कपास, कराई, चाँदी तेज; सुदी १२ से १५ दिन में रुई, धान, कपड़ा, चाँदी मन्दी होगी।

४-५-६, ११-१२-२३, १९-२०-२१, २६-२७-२८ नवम्बर को बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी—घटबढ़ कर तेज; २८ नवम्बर से मंदी होगी।

मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष

वदी १ से २२ दिन में रुई, चाँदी, मंदी; अफीम तेज; वदी ३ से १४ दिन में सोना-चाँदी, गुड़, रेंड़ी, धान्य, गुगुल, पारा, चावल, सरसों, वस्त्र, अफीम तेज; वदी ५ से ११ दिन में जलज पदार्थ, उड़द, तेल, क्षार, नमक मंदा; जलचर, जन्तुओं को व्यथा; वदी ६ से १२ दिन में उत्तर पाञ्चाल, काश्मीर, कुरुक्षेत्र में विशेष वृष्टि; चाँदी, सरसों, घी, तेज; लाख, चपड़ा, रुई, चावल मंदा; वदी ७ से १० दिन में चावल, कराई, अगर, तगर, चना, गेहूँ, तीसी तेज; घास, भूसा मंदा; वदी ११ से बिनौला तेज; धान्य मंदा; वदी १४ से १८ दिन में जलवृष्टि, चावल, तिल, तेल, घी, उड़द तेज; पशु पक्षियों को पीड़ा; अमावस से १ मास में तिल, तेल, अनाज, सूत, चाँदी, रुई तेज; कोटा, मालवा में उपद्रव होगा।

२-३, ८-९-१०, १६ दिसम्बर को बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी—साधारण तेजी की ओर।

पौष शुक्लपक्ष

सुदी २ से २५ दिन में अन्न, रस, रुई, चाँदी, शेयर, अफीम, गेहूँ, गुड़, खाँड़, घी, चना, तेज; सुदी १० से १५ दिन में कपूर, रस, तिल, तेल, रेंड़ी, बिनौला, मूँगफली, चाँदी-सोना, शेयर, रुई तेज; सुदी १३ से शेयर, चाँदी, घटबढ़ कर मंदा; सुदी १४ से १४ दिन में तिल, तेल, गुड़, गुगुल, हल्दी, लाख, चपड़ा, कपूर, ऊनी वस्त्र, चना, बिनौला, सन, पाट, चाँदी, अफीम तेज होंगी।

१७-१८, २३-२४-२५, २९-३० दिसम्बर को बादल-वृष्टि योग है।

माघ

वदी १ से १८ दिन में रुई, तिल, तेल, बिनौला, रेंड़ी, मूँगफली तेज; वदी ६ से ४५ दिन में तिल तेल, ऊन, तीसी, रुई, सोना, चाँदी, गेहूँ, तेज; रुई मन्दी; वदी ७ से १२ दिन में चावल, मूँग, मोठ, उड़द तेज; हाथियों को पीड़ा; वदी ११ से १० दिन में राजपूताने में वृष्टि रुई, चाँदी घटबढ़ कर तेज; वदी १२ से १४ दिन में उड़द, मूंग, चावल, रेंड़ी, रेशम, गुड़, कपास, पिपरामूल, लाख, चपड़ा, मूंग, बाँस, सरसों, तीसी, घी, लोहा, तेज वृष्टि; अमावस से १ मास में घी, तीसी, तेल, रुई, लालवस्त्र तेज; गुड़, वृद्धि, वायु की तीव्रता; मालवा में वृष्टि; सुदी २ से ८ दिन में तृण, काष्ट, भूसा, घास, चौपाये, गेहूँ, ईख, चावल, यव, चना तेज; गुड़, बिनौला, अगर, तगर, चना, अफीम, कपूर मन्दा; सुदी ३ से १८ दिन में गेहूँ, गुड़, अफीम, धातु, तिल, जव, खाँड़, चावल तेज; सुदी ९ से ८ दिन में में बिनौला तेज; धान्य मन्दा; सुदी १० से १४ दिन में गेहूँ, यव, चावल, चाँदी, सोना, लोहा, ताँबा, पारा, नोट, तीसी, पिप्पली, सोपारी, लवँग, गेहूँ, शक्कर, अफीम तेज; सुदी १४ से ८ दिन में रुई तेज; पूर्णिमा से ३ वर्ष कन्नौज, गोदावरी तट में अवृष्टि अकाल होगा। यवनों में तथा पश्चिम में युद्ध होगा। बड़े-बड़े लोगों का नाश होगा; अनेक उपद्रव, गाय, भैंसों के नाश राजवंशों का नाश, बिहार, चन्देरी, गौड़ तथा त्रिहार में भी युद्ध पीड़ा होकर रहेगा।

३१ दिसम्बर, ५-६-७, १२-१३-१४, १९-२०-२१, २६-२७ जनवरी को साधारण बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी—तेज होकर मन्दी होगी। इस मास के शुक्लपक्ष में गेहूँ का व्यापार कीजिये। २४ जनवरी से अच्छी तेजी जायगी।

फाल्गुन

वदी १ से २२ दिन में हिमपात, चौपायों को व्यथा; वदी ७ से १८ दिन में गुड़, शक्कर, गेहूँ, धातु, राई, जव तेज; रुई, सूत मन्दा; वदी ८ से २५ दिन में रुई, चाँदी तेज; धान, बिनौला मंदा; वदी ९ से १४ दिन में जवाहरात, रुई, सोना-चाँदी, मसूर, नील तेज; वदी १९ से ११ दिन में चावल, मोती, शक्कर, कपूर मन्दा; वदी १४ से १८ दिन में रुई, चाँदी में फेरफार; आवरेज मन्दा; अमावस से १ मास में नमक, तेल, धान्य तेज; अफीम, गुड़, रक्तपदार्थ की वृद्धि, अन्न, रेंड़ी, तीसी मन्दा; सुदी ६ से १४ दिन में चाँदी, सोना, सरसों, सन, पाट, कपड़ा, नील, तेल, हींग, केराना, रेंड़ी, गुड़, जायफल, दाख, सोपारी, खारक, सोंठ तेज; सुदी १४ से धान्य, तीसी, घी, रुई मन्दी; चांदी, रुई मन्दी होकर तेज; घी, तेल, रस तेज होगा।

१-२३, ८-९-१०-११, १५-१६-१७, २२-२३-२४ फरवरी को साधारण वादल-वृष्टि योग है।

चाँदी—तेजी की ओर।

चैत्र कृष्णपक्ष

वदी ३ से ८ दिन में गायों को पीड़ा; वदी ४ से २५ दिन में सर्वधान्य, रुई, चाँदी तेज; तिल, यव, उड़द, चना, सोंठ, रस, धातु, तीसी, ऊन, मंदा; वदी ५ से ३ दिन बाद शेयर सरसों, रेंड़ी, विनौला, मूँगफली मंदी; गुड़, खाँड़, लोहा, जस्ता, सीसा, रंग तेज; वदी ६ से १४ दिन में सोना-चाँदी, गेहूँ, चना, गुड़, उड़द, घी, रुई, रेशम, गुगुल, पिपरामूल, ज्वार, वाजरा, तिल तेज; वदी ९ से १८ दिन में चाँदी मंदी २) ३); तिल, तेल, वस्त्र, सोपारी, कपास, सोना, सूत, रुई, तीसी, रेंड़ी तेज; वदी १४ से १३ दिन में उड़द, मूंग, अफीम, रक्तपदार्थ, रुई, चाँदी, गेहूँ मन्दा; रुई, बिनौला, मेथी, तीसी, लौंग तेज; अमावस से १ मास में धान्य, नमक, तिल, तेल, केराना, रस तेज; अफीम मन्दी; अमावस से ३ मास में गुड़, कपड़ा मंदा; रुई में ६०) की घटबढ़ होगी।

२८-२९ फरवरी १-७-८-९, १४ मार्च को साधारण वादल वायु का योग है।

अपने जन्म की अंग्रेजी तारीख से अपना भविष्य जानिये

चाँदी—मंदी होगी।

१, १०, १९, २८ ता. को जन्म लेनेवाले

स्वभाव—साहसी, निरंकुश, प्रथम श्रेणी के व्यवसायी, अपने कर्मचारियों पर स्नेह करनेवाले, उनके श्रद्धा पात्र।

रोग—हृदयरोग, नेत्रदोष, रक्त-प्रवाह-दोष, टान्सिल।

चमत्कारी वर्ष—१९, २०, २८, ३७, ५५वें वर्ष की अवस्था में विशेष घटनायें घटेंगी।

श्रेष्ठ मास—सौर भाद्रपद और फाल्गुन।

२, ११, २०, २९ ता. को पैदा होनेवाले—

स्वभाव—भद्रता और शिष्टता-युक्त, आविष्कारक, कल्पनाशील, संवेदनशील, तीव्र-विचारशक्ति वाले।

रोग—उदर रोग, अजीर्ण, गिल्टी दोष, आँतों में कष्ट।

चमत्कारी वर्ष—२०, २५, २९, ४३, ४७, ५२, ६५ वर्ष की अवस्था में विशेष घटनायें घटेंगी।

श्रेष्ठ मास—सौर श्रावण मास।

३, १२, २१, ३० ता. को पैदा होनेवाले।

स्वभाव—उच्चाभिलाषी प्रबन्धक, नैष्ठिक आज्ञापालक, प्रसिद्ध, अकस्मात् उनकी उन्नति होती है। ये सैनिक अच्छे हो सकते हैं।

रोग—चर्मरोग, स्नायु रोग, कूल्हे के रोग, वायुरोग।

चमत्कारी वर्ष—१२, २१, ३९, ४८,५७वाँ वर्ष विशेष घटनापूर्ण रहेगा।

श्रेष्ठ मास—सौर फाल्गुन तथा कार्त्तिक।

४, १३, २२, ३१ ता. को पैदा होनेवाले।

स्वभाव—विरोधी, क्रान्तिकारी, धन के दुरुपयोगी होते हैं। मित्र बहुत कम होते हैं।

रोग—रक्तहीनता, मस्तक, पीठ, गुर्दा; मूत्राशय में पीड़ा होती है। मस्तिष्क रोग भी पाया जाता है।

चमत्कारी वर्ष—१३, २२, ३१, ४०, ५८ वर्ष की अवस्था में कोई बड़ा परिवर्तन होगा।

शुभ मास—सौर आषाढ़, श्रावण अच्छे होते हैं।

५, १४, २३ तारीख को पैदा होनेवाले।

स्वभाव—ये अल्पव्ययी, धनी, मौलिकतायुक्त, सटोरिया होते हैं।

रोग—स्नायु, मस्तिष्क, रोग, हाथ, आँख, मुख पर गाँठ, पक्षाघात की सम्भावना।

चमत्कारी वर्ष—१४, २३, ४१, ५०वाँ वर्ष विशेष आकर्षक होता है।

श्रेष्ठ मास—सौर ज्येष्ठ, भाद्रपद।

६, १५ २४ ता. को पैदा होनेवाले।

स्वभाव—फुर्तीले, चञ्चल, दृढ़ विचारक, प्रेमी।

योग—नासिका, फेफड़ा, अण्डकोश, मूत्रकृच्छ्, यक्ष्मा।

शुभ मास—सौर वैशाख, आश्विन।

चमत्कारी वर्ष—६, १५, २४, ३३, ४८, ५१, ६० वाँ वर्ष प्रवर्तक होगा।

७, १६, २५ ता. को पैदा होनेवाले।

स्वभाव—अस्थिर मालिक, यात्राशील, विदेशयात्री, लेखक, दार्शनिक, व्यवसायी।

रोग—अजीर्ण, फोड़ा, स्वेद का आधिक्य।

शुभ मास—सौर ज्येष्ठ।

चमत्कारी वर्ष—७, १६, २५, ३४, ४३, ५२, ६१ वाँ वर्ष चमत्कारपूर्ण होगा।

८, १७, २६ ता. को पैदा होनेवाले।

स्वभाव—भाग्यवादी, धार्मिक, रूढ़िवादी, दीनों के प्रति सहानुभूति वाले।

रोग—पित्त, रक्त-विकार, गठिया, आन्त्र, लीवर रोग।

शुभ मास—सौर आश्विन और माघ।

चमत्कारी वर्ष—१७, २६, ३३, ३५, ४४, ५६ वाँ वर्ष विप्लवकारी होता हैं।

९, १८, २७ ता. को पैदा होनेवाले—

स्वभाव—योद्धा, दृढ़-संकल्पी, नेता, अहमन्य।

रोग—ज्वर, शीतला, लीवर दोष, रक्त-विकार, छूत की बीमारियाँ।

शुभ मास—सौर चैत्र और कार्त्तिक।

चमत्कारी वर्ष—९, १८, २७, ३६, ४५, ६३ वाँ वर्ष जीवन में कोई विशेष बात लायेगा।

पूतना-विधान

प्रत्येक मन्त्र को २१ बार पढे और बलि को ७ बार शिर घुमाकर ययोक्त स्थान पर मौन होकर रखआवें

नाम पूतना	पूतना–लक्षण	मूर्तिनिर्माणार्थ द्रव्य	पूजन द्रव्य	बलिविधानाय समय	स्नान पूजा मार्जन मंत्र	धूप
प्रथम दिन मास वर्ष में **योगिनी**	ज्वर, स्वेद, मन्दस्वर, कम्पन, अरुचि, अंगशोथ	नदी के दोनों किनारों की मृत्तिका	श्वेतचन्दन, तिलक, श्वेतपुष्प, ५ रंग की झंडी, ५, ५ दीपक, आटे की ५ रोटी, कपूर लोहवान	श्वेत भात, ५ कचौड़ी, १ पहर रात चढ़े पूर्व दिशा में चौरस्ते पर रखना।	ॐ ब्रह्मा विष्णुश्च रुद्रश्च स्कन्दो वैश्रवणस्तथा। रक्षन्तुत्वरितं वालं मुञ्च मुञ्च कुमारकम्।	राई, खस, आक के फल, बिल्ली और मनुष्य के बाल।
द्वितीय दिन मास वर्ष में **सुनन्दना**	ज्वर, हाथ-पर अकड़ना, संकोच, दांत चवाना, नेत्र खुले, नेत्ररोग भय, कृशता।	एक सेर चावल का आटा	चावल के आटे के सतिया १० १० दीपक, १० झंडी, पुष्प।	भात, एक सेर आटे की पूड़ी, मत्स्य व बकरे का मांस रात के समय पश्चिम दिशा में चौरस्ते पर रखना	ॐ नमश्चामुण्डायै विच्चे ह्लां ह्लीं ह्लीं ह्ल, ह्ल, दुष्टा ग्रहा गच्छन्त्वतः स्थानाद्रुद्रज्ञाय स्वाहा	निम्वपत्र गोघृत।
तृतीय दिन मास वर्ष में **पूतना**	हडफूटन, खांसी, शिरझुकाना, श्वास, नेत्रमीलन, श्यामता, अरुचि, रुदन, नेत्रपीड़ा।	एक सेर चावल का आटा	रक्तचंदन, रक्तपुष्प, श्वेत-ध्वजा दीपक १०, गेहूँ के आटे के सतिया १०।	एक सेर लाल भात, आधसेर पूड़ी कचौड़ी, पश्चिम दिशा में रात १० बजे तक किसी वृक्ष के नीचे रखना	सुनन्दनाविधानोक्त	लहसुन, गोका श्रृंग साँप की केंचुली, नीम के पत्ते।
चतुर्थ दिन मास वर्ष में **मुखमंडिका**	गात्रभंग, शिरझुकाना, खांसी, श्वास, नेत्रमिलन, अरुचि, अनिद्रा, श्यामता।	तिलचूर्ण एक सेर	श्वेतपुष्प, श्वेतध्वजा ५, दीपक, मिल सकें तो अर्जुन वृक्ष के पुष्प।	भात १ सेर आटे की पूड़ी, आध सेर कचौड़ी सायंकाल पश्चिम दिशा में वृक्ष के नीचे रखना।	ॐ भगवती ह्लीं ह्लीं ह्लं ह्लं मुंच रक्षां कुरु कुरु बहल गृह्ल गृह्ल अस्त्रं ठः ठः चामुण्डे सर्वारिचण्डिके ठः ठः स्वाहा	पुरुष और बिल्ली के बाल गोघृत।
पंचम दिन मास वर्ष में **विडालिका**	पेट में दर्द, हिचकी, श्वास, अरुचि, ज्वर शरीर में तेज, गर्मी।	एक सेर चावल का आटा	श्वेतचन्दन, श्वेतपुष्प, दीपक ५, श्वेतध्वजा ५, गेहूँ के आटे के सतिया।	श्वेतभात, ७ पूड़ियाँ, सायंकाल पश्चिम दिशा में वृक्ष के नीचे रखना	योगिनीविधानोक्त	
षष्ठ दिन मास वर्ष में **षट्कारिका**	ज्वर, हडफूटन, हंसना, कभी कभी रोना, मोह, मूर्च्छा।	नदी के दोनों किनारों की मिट्टी	श्वेतचन्दन, श्वेतपुष्प, दीपक ५, श्वेतध्वजा ५।	भात, ७ मिठाई, ७ सादी, ७ पूड़ियाँ, १ पहर रात चढ़े पूर्व में चौरस्ते पर रखना।	विडालिकाविधानोक्त	कूट गुग्गुल, राई,
सप्तम दिन मास वर्ष में **कालिका**	खांसी, श्वास, वमन, अरुचि, शरीरकम्पन।	चावल का आटा एक सेर	श्वेतंचन्दन, श्वेतपुष्प, दीपक ५, श्वेतध्वजा ५।	भात, ७ पूड़ियाँ, आधीरात पश्चिम में चौरस्ते पर मौन होकर रखना।	विडालिकाविधानोक्त	हाथी दांत, घृत।
अष्टम दिन मास वर्ष में **कामिनी**	ज्वर, मुखशोथ, अरुचि, सन्ताप।	जल के दोनों किनारों की मिट्टी	रक्तचन्दन, ५ रंग की झंडी ५ दीपक ५।	गेहूँ की रोटी, मसूर की दाल, हरासाग, छागमांस, रात में चौरस्ते पर रखना।	ॐनमो भगवते वासुदेवाय कृष्णाय मंडलबलिमादाय हनहन हुं फट्स्वाहा	गोश्रृङ्ग, लहसुन।
नवम दिन मास वर्ष में **सदना**	ज्वर, खांसी, श्वास, शूल, अफारा, घृणा।	एक सेर गेहूँ का आटा	चन्दन, पुष्प, ५ दीपक ५, रंग की झंडी ५।	भात, मत्स्य, मांस, पापड़ी सादी उत्तर में प्रातः चौरस्ते पर रखना।	ॐनमो भगवते वैश्वदेवाय हन हुं फट् स्वाहा।	सर्प केंचुली निम्बपत्र।
दशम दिन मास वर्ष में **रेवती**	ज्वर, हड़फूटन, शूल, अरुचि, वमन, खाँसी, श्वास।	एक सेर गेहूँ का आटा	रक्तपुष्प, २५ झंडी, २५ दीपक, २५ सतिया।	गुड़, घी, भुने चावल, गोघृत, सायंकाल दक्षिण में चौरस्ते पर रखना।	नमो भगवते रावणाय चन्द्रहास वज्रहस्ताय ज्वल २ दुष्टग्रहादीन्	मनुष्य और बिल्ली के बाल।
एकादश दिन मास वर्ष में **सुदर्श्नना**	ज्वर, हडफूटन, मुखशोथ, अरुचि, रोदन, कृशता।	काले उड़द का आटा एक सेर	श्वेतपुष्प, २५ दीपक, २५ सफेद झंडी, २५ आटेके सतिया	श्वेतभात, ७ पूड़ी, कचौड़ी ७ सायं व प्रातः दक्षिण में चौरस्ते पर रखना।	ॐ ह्लीं फट् स्वाहा।	लोहबान, चोंकर
द्वादश दिन मास वर्ष में **अद्भुता**	ज्वर, दाँत चवाना, रोमांच, बहुरोदन, नेत्रपीड़ा, संताप।	चावल का आटा एक सेर	१३ दीपक, १३ झंडी, १३ सतिये आटे के।	सादी ७, पूड़ियाँ ७, मत्स्य-मांस, पापड़ी, मध्यरात्रि दक्षिण चौरस्ते पर रखना।	ॐनमो नारायणाय ज्वलद्धस्ताय हनहन मर्दय २ शोषय २ हुं ३ हन २ दुष्टानां ह्लं हुं फट स्वाहा	राई, गोघृत।

दि. घ.	मा. प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा	वं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३०	१३	१	मं.	१९	१५	रे.	४२	५७	ब्र.	१० ४९	५७ ४४	वव	१९	१५	वा.	४६	१	शुभ	२६	२९	१२	मे.	४२	५७	५	५६	६	४	११	११	२७	५	५९	२५
३०	१७	२	बु.	१२	४६	अ.	३५	४९	वै.	४९	३४	कौ.	१२	४६	तै.	४०	०	मृत्यु	२७	१	१३				५	५५	६	५	११	१२	२६	३०	५९	२३
३०	२१	३	गु.	७ ५२	५४ ३३	भ.	२९	३७	वि.	४०	१३	ग.	१	४	व.	३३ ५९	३ ४७	पद्म	२८	२	१४	वृ.	५७	५	५	५४	६	६	११	१३	२५	५३	५९	२०
३०	२५	५	शु.	४६	२७	कृ.	२४	३३	प्री.	३१	५५	व.	१९	१०	वा.	४६	२७	छत्र	२९	३	१५				५	५३	६	७	११	१४	२५	१३	५९	१८
३०	२८	६	श.	४१	१५	रो.	२०	४४	आ.	२४	४४	कौ.	१३	५१	त.	४१	१५	श्रीवत्स	३०	४	१६	मि.	४९	४५	५	५२	६	८	११	१५	२४	३१	५९	१६
३०	३२	७	र.	३७	४६	मृ.	१८	४७	सौ.	१९	१४	ग.	९	३०	व.	३७	४६	सौम्य	३१	५	१७				५	५१	६	९	११	१६	२३	४७	५९	१४
३०	३८	८	चं.	३५	५१	आ.	१८	१७	शो.	१४	४६	वि.	६	४८	व.	३५	५१	काल	१	६	१८				५	५१	६	९	११	१७	२३	१	५९	१२
३०	४३	९	मं.	३५	३३	पु.	१९	१७	अ.	११	३९	वा.	५	४१	कौ	३५	३३	स्थिर	२	७	१९	क.	४	२	५	५०	६	१०	११	१८	२२	१३	५९	१०
३०	४८	१०	बु.	३६	४९	पु.	२२	१३	सु.	९	४१	तै.	६	१०	ग.	३६	४९	मातंग	३	८	२०				५	४९	६	११	११	१९	२१	२३	५९	८
३०	५३	११	गु.	३९	१५	श्ले.	२५	३७	धृ.	८	५६	व.	८	२	वि.	३९	१५	अमृत	४	९	२१	सिं.	२५	३७	५	४९	६	११	११	२०	२०	३१	५९	६
३०	५६	१२	शु.	४३	१२	म.	३१	१४	शू.	९	३६	वव	११	८	वा.	४३	१२	काग	५	१०	२२				५	४९	६	११	११	२१	१९	३७	५९	४
३१	०	१३	श.	४७	३६	पू.	३६	५६	गं.	१०	१२	कौ.	१५	१८	तै.	४७	३६	लुम्ब	६	११	२३	कं.	५३	४०	५	४८	६	१२	११	२२	१८	४१	५९	२
३१	४	१४	र.	५३	१३	उ.	४३	५१	वृ.	११	३९	ग.	२०	२४	व.	५३	१३	मित्र	७	१२	२४				५	४७	६	१३	११	२३	१७	४३	५८	५९
३१	७	१५	चं.	५८	४३	ह.	५०	४७	ध्रु.	१३	३३	वि.	२५	५८	वव	५८	४३	वज्र	८	१३	२५				५	४७	६	१३	११	२४	१६	४२	५८	५७

श्रा शुभ सवत् २०२० शके १८८५ चैत्र शुक्लपक्षः । सौम्यानयम् । याम्यगोलः । मार्च २६ से अप्रैल ८ तक सन् १९६३

चन्द्रदर्शनम् । नवरात्रारम्भः । नववर्षारम्भः । ध्वजारोपणम् ।a
जिल्काद । मत्स्य जयन्ती । aस.सि.अ.सि. योगः ४२।५७ उ. ।
भ. ३३।३१ उ. ५९।४७ या. । मन्वादि । गण गौरी व्रतम् ।b
शतभिष भे शुक्रः ५९।५३ । कल्पादिः ।
स. नि. योगः २०।४४ या. । bया. जय यु. ७।१४ या. ।
भ. ३७।४६ उ. । रेवती भे रविः २०।५७ । रेवती भे बुधः १०।११
अप्रैल । भ. ६।४८ या. । धनिष्ठा भे २ पादे शनि २८।३९c
श्री रामनवमी व्रतम् । cभवानी जयन्ती । नवम्याँ या. जय मु. ।
उत्तराभाद्र पद भे २पादे गुरुः ५८।४७ । प्रतीच्याँ यात्रा मु. ।
भ. ८।२ उ. ३९।१५ या. । उदयं गुरुः २५।४७ । कामदाd
हरिदमनोत्सवः । d११ व्रतं सर्वेषामु ।
मेषे बुधः ३५।३७ । eरम्भः । दक्षिणस्याँ या त्रा मु. ।
भ. ५३।१३ उ. । स. सि. योगः ।
भ. २५।५८ या. । मन्वादि । हनुमज्जयन्ती । वैशाखस्नानाe

चै. शु. ६ शनौ इ. ४५।१४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	३	११	११	१०	९	३	९
१६	१३	१५	५	७	२६	२	२
४	५८	४४	४६	४९	३०	३८	३८
५७	३९	३५	५७	२५	३१	३७	३७
५९	१०	११५	१३	७०	५	३	३
६६	४५	९	२४	४५	४४	११	११

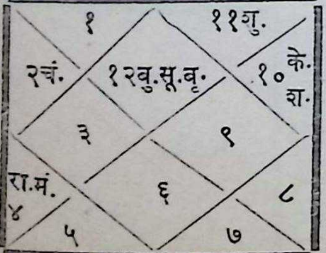

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.	२ बु.	३ वृ.	५ शु.	६ श.	७ र.	८ चं.	९ मं.	१० बु.	१२ वृ.	१२ शु.	१३ श.	१४ र.	१५ चं.
मी. अं.	६ ५३	६ ४९	६ ४५	६ ४१	६ ३८	६ ३४	६ ३१	६ २८	६ २४	६ २०	६ १६	६ १२	६ ८	६ ५
मे. अं.	८ २९	८ २५	८ २१	८ १७	८ १३	८ १०	८ ७	८ ५	८ ०	७ ५६	७ ५२	७ ४८	७ ४४	७ ४१
वृ. अं.	१० २५	१० २१	१० १७	१० १३	१० ९	१० ६	१० ३	१० ०	९ ५६	९ ५२	९ ४८	९ ४४	९ ४०	९ ३७
मि. अं.	१२ ३९	१२ ३५	१२ ३१	१२ २७	१२ २३	१२ २०	१२ १७	१२ १४	१२ १०	१२ ६	१२ २	११ ५८	११ ५४	११ ५१
क. अं.	२ ५७	२ ५३	२ ४९	२ ४५	२ ४१	२ ३८	२ ३५	२ ३२	२ २८	२ २४	२ २०	२ १६	२ १२	२ ९
सिं. अं.	५ १४	५ १०	५ ६	५ २	४ ५८	४ ५५	४ ५२	४ ४९	४ ४५	४ ४१	४ ३७	४ ३३	४ २९	४ २६
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
कं. अं.	७ ३०	७ २६	७ २२	७ १८	७ १४	७ ११	७ ८	७ ५	७ १	६ ५७	६ ५३	६ ४९	६ ४५	६ ४२
तु. अं.	९ ४८	९ ४४	९ ४०	९ ३६	९ ३३	९ २९	९ २६	९ २३	९ १९	९ १५	९ ११	९ ७	९ ३	९ ०
वृ. अं.	१२ ६	१२ २	११ ५८	११ ५४	११ ५०	११ ४७	११ ४४	११ ४१	११ ३७	११ ३३	११ २९	११ २५	११ २१	११ १८
ध. अं.	२ ११	२ ७	२ ३	१ ५९	१ ५५	१ ५२	१ ४९	१ ४६	१ ४२	१ ३८	१ ३४	१ ३०	१ २६	१ २३
म. अं.	६ ५६	३ ५२	३ ४८	३ ४४	३ ४०	३ ३७	३ ३४	३ ३१	३ २७	३ २३	३ १९	३ १५	३ ११	३ ८
कुं. अं.	५ २६	५ २२	५ १८	५ १४	५ १०	५ ७	५ ४	५ १	४ ५७	४ ५३	४ ४९	४ ४५	४ ४१	४ ३८

चै. शु. १३ शनौ इ. ४५।३०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	३	०	११	१०	९	३	९
२२	१५	०	७	१५	२७	२	२
५९	४९	५	१६	५१	६	१६	१६
३७	१५	३४	३७	४५	३७	१८	१८
५९	१४	१२३	१२	७१	५	३	३
२	५५	१७	४८	२५	१९	११	११

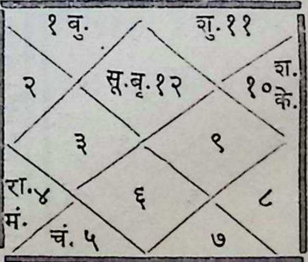

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३१	११	१	मं.	६०	०	चि.	५८	१६	व्या	१५	४१	वा.	३१	५३	कौ.	६०	०	ध्वांक्ष	९	१४	२६	तु.	२४	४१	५	४६	६	१४	११	२५	१५	३९	५८	५५
३१	१४	१	बु.	५	५	स्वा	६०	०	ह.	१८	७	कौ.	५	५	तै.	३८	२०	धूम्र	१०	१५	२७				५	४५	६	१५	११	२६	१४	३७	५८	५३
३१	१८	२	गु.	११	३५	स्वा	५	४७	व.	२०	१९	ग	११	३५	व.	४४	३४	स्थिर	११	१६	२८	वृ.	५६	२१	५	४४	६	१६	११	२७	१३	३०	५८	५१
३१	२२	३	शु.	१७	३३	वि.	१३	१३	सि	२२	२५	वि.	१७	३३	वव	५०	१४	मातंग	१२	१७	२९				५	४४	६	१६	११	२८	१२	२१	५८	४९
३१	२५	४	श.	२२	५४	अ.	२०	७	व्य.	२४	१३	वा.	२२	५४	कौ.	५५	२२	अमृत	१३	१८	३०				५	४३	६	१७	११	२९	११	१०	५८	४७
३१	२९	५	र.	२७	५१	ज्ये.	२६	१६	व.	२६	६	तै.	२७	५१	ग	५९	३७	काण	१४	१९	१	ध.	२६	१६	५	४२	६	१८	०	०	९	५७	५८	४५
३१	३२	६	चं.	३१	२३	मू.	३१	१७	प.	२५	१३	व.	३१	२३	वि.	६०	०	लुम्ब	१५	२०	२				५	४२	६	१८	०	१	८	४२	५८	४३
३१	३६	७	मं.	३३	४३	पू.	३४	३५	शि.	२४	१४	वि	२	४३	वव	३३	४३	मित्र	१६	२१	३	म.	४०	१०	५	४१	६	१९	०	२	७	२५	५८	४०
३१	३९	८	बु.	३३	५९	उ.	३६	३९	सि.	२१	३४	वा.	३	५१	कौ	३३	५९	वज्र	१७	२२	४				५	४०	६	२०	०	३	६	५	५९	३८
३१	४२	९	गु.	३०	४९	श्र.	३६	१६	सा.	१७	४१	तै.	३	२३	ग.	३० ५८	४७ ५२	ध्वांक्ष	१८	२३	५				५	४०	६	२०	०	४	४	४३	५८	३४
३१	४६	१०	शु.	२५	३७	ध.	३४	२४	शु.	१२	१६	वि.	२५	३७	व.	५२	२१	धाता	१९	२४	६	कुं.	५	२१	५	३९	६	२१	०	५	३	१७	५८	३२
३१	४९	११	श.	१९	१५	श.	३०	३७	शु.	५ ५३	५ २७	वा.	१९	१५	कौ.	४६	१७	आनंद	२०	२५	७				५	३८	६	२२	०	६	१	४९	५८	२९
३१	५३	१२	र.	१३	१९	पू.	२५	१६	ऐं.	४७	१६	त.	१३	१९	ग.	३९	४३	चर	२१	२६	८	मी.	११	३७	५	३७	६	२३	०	७	०	१८	५८	२७
३१	५६	१३	चं.	६ ५२	८ १९	उ.	१८	३९	वै.	३६	५३	व.	६	८	वि.	३२ ५८	१७ २७	गद	२२	२७	९				५	३७	६	२३	०	७	५८	४५	५८	२४
३१	५९	३०	मं.	४८	८	रे.	१०	५१	वि.	२५	५३	च.	१९	४३	ना.	४८	८	शुभ	२३	२८	१०	मे.	१०	५१	५	३६	६	२४	०	८	५७	९	५८	२२

श्री शुभ संवत् २०२० शके १८८५ वैशाख कृष्णपक्षः। मेषार्कतः सौम्यायनगोलौ। अप्रैल ९ से २३ तक।

aयात्रा मु. तिथि तानात्। अनु. भे स. सि. योगः।
पूर्व भाद्रपद भे शुक्रः १।१९। चर कर्म मु.।
भ. ४४।३४ उ.।
भ. १७।३३ या.। बुधोदयः पश्चिमायाम् ४।४९। उदीच्यांa
सं. मेषेऽर्कः ४९।७। भरणी भे बुधः ११।५७। प्रतीच्यांb
श्लेषा भे भौमः ०।३७। तीक्ष्ण कर्म मु.। eसि. योगः।
भ. ३१।२३ उ.। दारुण कर्म मु.। dतिथि दानात्।
भ. २।४३ या.। उग्र कर्म मु.। cतिथि दानात्।
उ. भा. भे ३ चरणे गुरुः ५१।५७। श्रवसि दक्षिण यात्रा मु.d
मीने शुक्रः ३४।५७। भ. ५८।१२ उ.। प्राच्यां यात्रां मु.c
भ. २५।३७ या। hउ. भा. भे स.सि.योगः। प्रदोष व्रतम्?
वरूथिनी ११ व्रतम् सर्वेषाम्। bयात्रा मु. तिथि दानात्।
कृत्तिका भे बुधः२०।१४। उत्तरा भाद्र पद भे शुक्रः २०।५६h
भ. ६।८ उ. ३२।१७ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्
वृषे बुधः ३७।५७। स्नान श्राद्धादौ ३०। आश्वि, भे स.e

वै. कृ. ४ शनौ इ. ४५।४२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	३	०	११	१०	९	३	९
२९	१६	१४	९	२४	२७	१	१
५९	३८	४४	६	३०	५१	५३	५३
५०	५४	५६	४९	५७	३९	१४	१४
५८	१९	१११	१३	७१	४	३	३
४७	१८	४९	२१	५२	५०	११	११

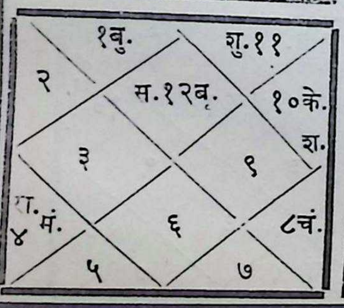

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ म.	१ बु.	२ बृ.	३ शु.	४ श.	तिथयः	५ र.	६ चं.	७ मं.	८ बु.	९ बृ.	१०शु.	११ श.	१२ र.	१३ चं.	३० मं.
मी. अं.	६ २	५ ५८	५ ५४	५ ५०	५ ४६	मे. अं.	७ १८	७ १४	७ १२	७ ८	७ ४	७ ०	६ ५६	६ ५३	६ ५०	६ ४७
मे. अं.	७ ३८	७ ३४	७ ३०	७ २६	७ २२	वृ. अं.	९ १४	९ ११	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५२	८ ४९	८ ४६	८ ४३
वृ. अं.	९ ३४	९ ३०	९ २६	९ २२	९ १८	मि. अं.	११ २९	११ २५	११ २२	११ १८	११ १४	११ १०	११ ६	११ ३	११ ०	१० ५७
मि. अं.	११ ४९	११ ४५	११ ४१	११ ३७	११ ३३	क. अं.	१ ४६	१ ४३	१ ४०	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २४	१ २१	१ १८	१ ५
क. अं.	२ ६	२ २	१ ५८	१ ५४	१ ५०	सिं. अं.	४ ३	४ ०	३ ५७	३ ५३	३ ४९	३ ४५	३ ४१	३ ३८	३ ३५	३ ३२
सिं. अं.	४ २३	४ १९	४ १५	४ ११	४ ७	कं. अं.	६ १९	६ १६	६ १३	६ ९	६ ५	६ १	५ ५७	५ ५४	५ ४१	५ ४८
राशय	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
क. अं.	६ ३९	६ ३५	६ ३१	६ २७	६ २३	तु. अं.	८ ३८	८ ३४	८ ३१	८ २८	८ २४	८ २०	८ १६	८ १२	८ ९	८ ६
तु. अं.	८ ५७	८ ५३	८ ४९	८ ४५	८ ४१	वृ. अं.	१० ५५	१० ५२	१० ४९	१० ४५	१० ४१	१० ३७	१० ३३	१० ३०	१० २७	१० २४
वृ. अं.	११ १५	११ ११	११ ७	११ ३	१० ५९	ध. अं.	१ ०	१२ ५७	१२ ५४	१२ ५०	१२ ४६	१२ ४३	१२ ३८	१२ ३५	१२ ३२	१२ २९
ध. अं.	१ २०	१ १६	१ १२	१ ८	१ ४	म. अं.	२ ४५	२ ४२	२ ३९	२ ३५	२ ३१	२ २७	२ २३	२ २०	२ १७	२ १४
म. अं	३ ५	३ १	२ ५७	२ ५३	२ ४९	कुं. अं.	४ १५	४ १२	४ ९	४ ५	४ १	३ ५७	३ ५३	३ ५०	३ ४७	३ ४४
कुं. अं.	४ ३५	४ ३१	४ २७	४ २३	४ १९	मी. अं.	५ ४३	५ ४०	५ ३६	५ ३२	५ २८	५ २४	५ २०	५ १७	५ १४	५ ११

वै. कृ. ३० शनौ इ. ४६।१७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	३	०	११	११	९	३	९
६	१८	२६	१०	२	२८	१	१
४०	४४	०	३८	३८	१२	३०	३०
१६	१३	१	१४	४४	५९	५९	५९
५८	२२	८७	१२	७२	४	३	३
२९	३७	९	५९	१४	१५	११	११

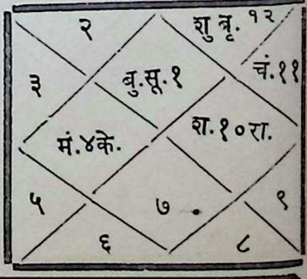

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३२	३	१	बु.	३९	३६	अ.	५ ५२	५४ ४	प्री.	१५	३७	किं.	१४	५२	वव	३९	३६	मृत्यु	२४	२९	११				५	३५	६	२५	०	९	५५	३१	५८	१९
३२	६	२	गु.	३१	२७	कृ.	४८	५७	आ.	४ ५४	५४ ३०	वा.	४	५०	कौ.	३१	२७	लुम्ब	२५	३०	१२	वृ.	१०	४३	५	३५	६	२५	०	१०	५३	५०	५८	१६
३२	९	३	शु.	२३	४४	रो	४३	३३	शो.	४५	३१	ग.	२३	४४	व.	५०	१९	मित्र	२६	१	१३				५	३४	६	२६	०	११	५२	६	५८	१४
३२	१२	४	श.	१६	५५	मृ.	३८	५१	अ.	३७	५५	वि.	१६	५५	वव	४२	४४	वज्र	२७	२	१४	मि.	११	३७	५	३३	६	२७	०	१२	५०	२०	५८	१२
३२	१६	५	र.	८	३३	आ.	३५	४९	सु.	३२	४६	वा.	८	३३	कौ.	३७	२७	ध्वांक्ष	२८	३	१५				५	३३	६	२७	०	१३	४८	३२	५८	१०
३२	१९	६	चं.	६	२१	पु.	३५	३५	धृ.	२७	४८	तै.	६	२१	ग.	३५	२८	धूम्र	२९	४	१६	क.	२०	३८	५	३२	६	२८	०	१४	४६	४२	५८	८
३२	२२	७	मं.	४	३५	पु.	३७	३७	शू.	२५	२९	व.	४	३५	वि.	३४	३५	प्रवर्ध.	३०	५	१७				५	३२	६	२८	०	१५	४४	५०	५८	६
३२	२५	८	बु.	४	३६	श्ले.	४०	४४	गं.	२३	४४	वव	४	३६	वा.	३६	११	रक्ष	१	६	१८	सिं.	४०	४४	५	३१	६	२९	०	१६	४२	५६	५८	४
३२	२८	९	गु.	७	५८	म.	४४	५७	वृ.	२५	२६	कौ.	७	५८	तै.	३९	३८	मुसल	२	७	१९				५	३०	६	३०	०	१७	४१	०	५८	२
३२	३१	१०	शु.	११	४२	पू.	५२	३५	ध्रु.	२४	३९	ग.	११	४२	व.	४४	२०	सिद्धि	३	८	२०				५	३०	६	३०	०	१८	३९	२	५८	०
३२	३४	११	श.	१६	३८	उ.	५९	३९	व्या	२६	३३	वि.	१६	३८	वव	४८	४१	उत्पा.	४	९	२१	कं.	९	२१	५	२९	६	३१	०	१९	३७	२	५७	५७
३२	३७	१२	र.	२२	४३	ह.	६०	०	ह.	२८	४६	बा.	२२	४३	कौ.	५५	४१	मानस	५	१०	२२				५	२९	६	३१	०	२०	३४	५९	५७	५५
३२	४०	१३	चं.	२८	३९	ह.	६	२	व.	३१	३५	तै.	२८	३९	ग.	६०	०	वज्र	६	११	२३	तु.	४०	७	५	२८	६	३२	०	२१	३२	५४	५७	५३
३२	४३	१४	मं.	३४	४९	चि.	१४	११	सि.	३३	३१	ग.	१	४४	व.	३४	४९	ध्वांक्ष	७	१२	२४				५	२७	६	३३	०	२२	३०	४७	५७	५१
३२	४६	१५	बु.	४०	३९	स्वा	२१	३७	व्य.	३५	४१	वि.	७	४३	वव	४०	३९	धूम्र	८	१३	२५				५	२७	६	३३	०	२३	२८	३८	५७	४९

श्री शुभ संवत् २०२० शके १८८५ वैशाख शुक्लपक्षः ।
सौम्यायन गोलौं । अप्रैल २४ से मई ८ तक ।

चन्द्र दर्शनम् । रो, योगे या. जय योगः ।
भ. २३।४४ उ. । जिलहिज । कल्पादि ३ । अक्षय ३ । श्री a
भ. १६।५५ या. । भरणी भे रविः ३७।४ । मिथुने चन्द्रे b
c मु. १६।३८ या. ।
प्रतीच्यां यात्रा मु. ६।२१ उ. । a परशुराम जयन्ती ।
भ. ४।३५ उ. ३४।४५ या. । b दक्षिण पश्चिम यात्रा मु. ।
मई । उत्तरा भाद्रपद भे ४ चरणे गुरुः ५०।४७ ।
रेवती भे शुक्रः १३।५८ ।
भ. ४४।२० उ. ।
भ. १६।३८ या. । मोहिनी ११ व्रतं सर्वेषाम् । या. जय. c
वक्री बुधः ५३।५७ । प्राच्यां यात्रा मु. तिथि दानात् । स. d
याम्ये यात्रा मु. । या. जय मु. ६।२ या. ।
भ. ३४।४९ उ. । नृसिंह जयन्ती ।
भ. ७।४३ या. । कूर्म जयन्ती । d सि. योगः ।

वै. शु. ४ शनौ इ. ४६।६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	३	१	११	११	९	३	९
१३	२१	३	१२	११	२८	१	१
२८	३	३८	९	०	३९	८	८
४३	३४	१४	४५	४८	२९	३९	३९
५८	२४	४७	१३	७२	३	३	३
१०	५४	५८	४४	३९	४४	११	११

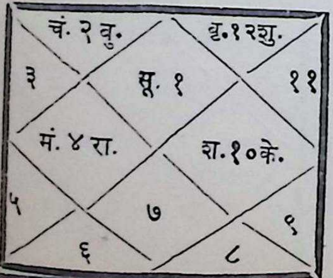

दैनिक लग्नसारिणो

१८६२

तिथयः	१ बु.		२ बृ.		३ शु.		४ श.		५ र.		६ चं.		७ मं.		८ बु.		९ बृ.		१० शु.		११ श.		१२ र.		१३ चं.		१४ मं.		१५ बु.	
मे. अं.	६	४३	६	३९	६	३५	६	३१	६	२७	६	२३	६	१९	६	१५	६	११	६	७	६	३	५	५९	५	५५	५	५२	५	४८
वृ. अं.	८	३९	८	३५	८	३१	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५५	७	५१	७	४८	७	४४
मि. अं.	१०	५३	१०	४९	१०	४५	१०	४१	१०	३७	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२१	१०	१७	१०	१३	१०	९	१०	५	१०	२	९	५८
क. अं.	१	११	१	७	१	३	१२	५९	१२	५५	१२	५१	१२	४७	१२	४३	१२	३९	१२	३५	१२	३२	१२	२७	१२	२३	१२	२०	१२	१६
सिं. अं.	३	२८	४	२४	३	२०	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५६	२	५२	२	४८	२	४५	२	४०	२	३७	३	३३
कं. अं.	५	४४	५	४०	५	३६	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०	५	१६	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५६	४	५३	४	४९
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
तु. अं.	८	२	७	५८	७	५४	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	७	३०	७	२६	७	२२	७	१८	७	१४	७	११	७	७
वृ. अं.	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	९	२९	९	२५
व. अं.	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	५	१२	१	११	५७	११	५३	११	४९	११	४५	११	४१	११	३७	११	३४	११	३०
म. अं.	२	१०	२	६	२	२	१	५८	१	५४	१	५०	१	४६	१	४२	१	३८	१	३४	१	३०	१	२६	१	२२	१	१९	१	१५
कुं. अं.	६	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४	३	२०	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५६	२	५२	२	४९	२	४५
मी. अं.	५	७	५	३	४	५९	४	५५	४	५१	४	४७	४	४३	४	३९	४	३५	४	३१	४	२७	४	२३	४	१९	४	१६	४	१२

वै. शु. ११ शनौ इ. ४६।१७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	३	१	११	११	९	३	९
२०	२३	७	१३	१९	२८	१	१
१५	३८	२६	४६	४६	५९	४६	४६
१९	१४	५४	२	१४	२४	२५	२५
५७	२८	३	१२	७२	२	३	३
५७	९	५९	१६	५६	५८	११	११

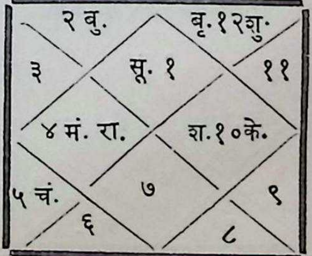

१२

द. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि
३२	४९	१	वृ.	४६	३७	वि.	२८	३४	व.	३७	४३	वा.	१३	३४	कौ.	४६	३७	प्रवर्ध.	९	१४	२६	वृ.	१२	०	५	२६	६	३४	०	२४	२६	२७	५७	४७
३२	५२	२	शु.	५१	४४	अ.	३१	१३	प.	३९	३६	तै.	१९	२	ग.	५१	४४	रक्ष	१०	१५	२७				५	२६	६	३४	०	२५	२४	१४	५७	४६
३२	५४	३	श.	५५	४३	ज्ये.	४०	५७	शि.	४०	२८	व.	२३	३८	वि.	५५	४३	मुसल	११	१६	२८	ध.	४०	५७	५	२५	६	३५	०	२६	२२	०	५७	४५
३२	५७	४	र.	५९	२१	मू.	४५	३६	सि.	४०	१७	व.	२७	२१	वा.	५९	२१	सिद्धि	१२	१७	२९				५	२५	६	३५	०	२७	१९	४५	५७	४४
३३	०	५	चं.	६०	०	पू.	४९	३१	सा.	३९	३८	कौ.	३०	८	तै.	६०	०	उत्पात	१३	१८	३०				५	२४	६	३६	०	२८	१७	२९	५७	४२
३३	२	५	मं.	१	३५	उ.	५१	५३	शु.	३७	५४	तै.	१	३५	ग.	३२	१	मानस	१४	१९	३१	म.	५	६	५	२४	६	३६	०	२९	१५	११	५७	४१
३३	५	६	बु.	२	२७	श्र.	५३	३९	शु.	३५	३६	व.	२	२७	वि.	३४	६	छत्र	१५	२०	१				५	२३	६	३७	१	०	१२	५२	५७	३९
३३	७	७	वृ.	$\frac{३}{५६}$	$\frac{४५}{७}$	ध.	५३	५८	ब्र.	३१	३६	ब.	३	४५	वा.	$\frac{३१}{५९}$	$\frac{४८}{५२}$	श्रीवत्स	१६	२१	२	कु.	२३	४८	५	२३	६	३७	१	१	१०	३१	५७	३८
३३	९	९	शु.	५६	२	श.	५१	३१	ऐं.	२६	२५	तै.	२६	८	ग.	५६	२	सौम्य	१७	२२	३				५	२२	६	३८	१	२	८	९	५७	३६
३३	१२	१०	श.	५०	५३	पू.	५७	५९	वै.	१९	३५	व.	२३	३२	वि	५०	५३	कालदं	१८	२३	४	मी.	४३	५२	५	२२	६	३८	१	३	५	४५	५७	३४
३३	१५	११	र.	४४	३७	उ.	४३	३९	वि.	१२	२२	वव	१७	३९	वा.	४४	७७	स्थिर	१९	२४	५				५	२१	६	३९	१	४	३१	१९	५७	३३
३३	१७	१२	चं.	३६	३८	रे.	३७	२७	प्री.	$\frac{२}{५३}$	$\frac{३}{२९}$	कौ.	१०	२२	तै.	३६	३८	मातंग	२०	२५	६	मे.	३७	२७	५	२१	६	३९	१	५	०	५२	५७	३१
३३	१९	१३	मं.	२८	१४	अ.	३०	२८	सौ.	४३	२८	ग.	२०	३६	व.	$\frac{२८}{५४}$	$\frac{१४}{३६}$	अमृत	२१	२६	७				५	२०	६	४०	१	५	५८	२३	५७	३०
३३	२२	१४	बु.	२०	५९	भ.	२२	५१	शो.	३२	३१	श.	२०	५९	च.	४६	४८	काण	२२	२७	८	वृ.	३६	२	५	२०	६	४०	१	६	५५	५३	५७	२८
३३	२४	३०	वृ.	१२	३७	कृ.	५३	१४	अ.	२२	२८	ना.	१२	३७	किं.	४०	१२	लुम्ब	२३	२८	९				५	१९	६	४१	१	७	५३	२१	५७	२७

श्री शुभ संवत् २०२० शके १८८५ ज्येष्ठ कृष्णपक्षः।
सौम्यायन गोलौ। मई ९ से २३ तक।

वुधास्तः पश्चिमायाम् ५।७। अनु. प्रतिपद योगे या, जय योग
स. सि. योगः। e राहुः उत्तराषाढ़ भे १ चरणे धनुपि केतुः
भ. २३।३८ उ. ५५।४३ या.। कृत्तिका भे रविः २४।५७।
स. सि. योगः। f ३४।५९। अपरा ११ प्रायः सर्वेपाम्।
मेषे शुक्रः ३१।२६। g यात्रा मु.।
सं. वृषेऽर्कः ४५।१२।
भ. २।२७ उ. ३४।६ या.। सप्तम्यां दक्षिण पूर्व यात्रा मु.।
पश्चिम यात्रा मु. २३।४८ उ.।
चर कर्म मु.।
भ. २३।३२उ.५०।५३या.। रेवती भे प्रथम चरणे गुरुः५१।४१।
सिंहे भौम ३२।५९। स.सि.योगः। पुन. भे उ २ चर,मिथुने e
प्राच्यामुदीच्याम् यात्रा मु. तिथि दानात्।
भ. २८।१४ उ. ५४।३६ या.। अमृत सिद्धिः योगः। प्राच्यां g
वक्री मेषे बुधः ३।२१ ऽ भरणी भे शुक्रः ४९। भावुका ३०

ज्ये. कृ. ३ शनौ. इ. ४६।२७

सू.	मं.	वु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	३	१	११	११	९	३	९
२७	२६	६	१५	२७	२९	०	०
०	५६	१९	१८	५४	१६	२४	२४
३८	४४	१७	९	३४	५०	३५	३५
५७	२८	$\frac{२६}{२९}$	११	७३	२	३	३
४५	५०	व.	५३	३५	१६	११	११

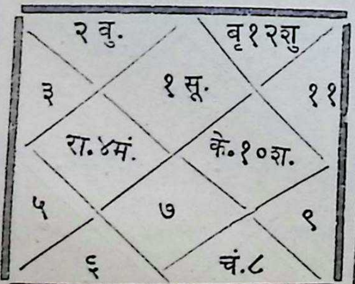

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ वृ.		२ शु.		३ श.		४ र.		५ चं.		५ मं.		ति.	६ बु.		७ वृ.		९ शु		१० श.		११ र.		१२ चं.		१३ मं.		१४ बु.		३० वृ.	
मे. अं.	५	४५	५	४१	५	३७	५	३३	५	२९	५	२५	वृ.	७	१६	७	१२	७	९	७	५	७	१	६	५७	६	५४	६	५१	६	४७
वृ. अं.	७	४०	७	३६	७	३२	७	२८	७	२४	७	२०	मि.	९	३०	९	२७	९	२३	९	१९	९	१५	९	११	९	८	९	५	९	१
मि. अं.	९	५४	९	५०	९	४६	९	४२	९	३८	९	३४	क.	११	४८	११	४५	११	४१	११	३७	११	३३	११	२९	११	२६	११	२३	११	१९
क. अं.	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५६	११	५२	सिं.	२	५	२	२	१	५८	१	५४	१	५०	१	४६	१	४३	१	४०	१	३६
सिं. अं.	२	२९	२	२५	२	२१	२	१७	२	१३	२	९	कं.	४	२१	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	४	२	३	५९	३	५६	३	५२
कं. अं.	४	४५	४	४१	४	३७	४	३३	४	२९	४	२५	तु.	६	३९	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	६	२०	६	१७	६	१४	६	१०
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा·	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
तु. अं.	७	३	६	५९	६	५५	६	५१	६	४७	६	४३	वृ.	८	५७	८	५४	८	५०	८	४६	८	४२	८	३८	८	३५	८	३२	८	२८
वृ. अं.	९	२१	९	१७	९	१३	९	९	९	५	९	१	ध.	११	२	१०	५९	१०	५५	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	४०	१०	३७	१०	३३
ध. अं.	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	६	म.	१२	४७	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२५	१२	२२	१२	१८
म. अं.	१	११	१	७	१	३	१२	५९	१२	५५	१२	५१	कुं.	२	१७	२	१४	२	१०	२	६	२	२	१	५९	१	५६	१	५२	१	४७
कुं. अं.	२	४१	२	३७	२	३३	२	२९	२	२५	२	२१	मी	३	४४	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५	३	२२	३	१९	३	१५
मी. अं.	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५२	३	४८	मे.	५	२१	५	१७	५	१३	५	९	५	५	५	१	४	५८	४	५५	४	५१

ज्ये. कृ. १० शनौ. इ. ४६।३६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	१	११	०	९	३	९
३	२९	२	१६	६	२९	०	०
४४	३१	५७	४३	४६	२९	१	१
३७	५२	३७	३७	३७	३७	५९	५९
५७	३०	$\frac{३६}{२९}$	११	७३	१	३	३
३४	११	व.	१८	४०	३९	११	११

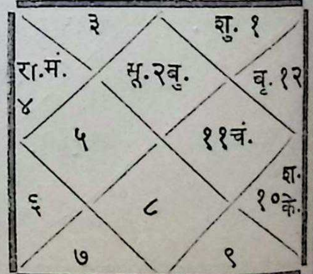

दि.मा.		ति.	वा	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		ओ. स्पष्टसूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	भि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३३	२६	१	शु.	५ ५२	४९ १	रो.	८	४१	सु.	१२	१८	व.	२०	४७	वा.	३१ ५७	५२ ५८	मित्र	२४	२९	१०	मि.	३५	४८	५	१९	६	४१	१	८	५०	४८	५७	२५
३३	२८	३	श.	४४	१३	मृ.	२ ५५	५६ ३६	धृ.	२ ५६	३२ ४	तै.	१७	३०	ग.	४४	१३	वज्र	२५	१	११				५	१८	६	४२	१	९	४८	१३	५७	२३
३३	३०	४	र.	३९	१४	पुन.	५६	१७	गं.	५०	३	व.	११	४३	वि.	३९	१४	ध्वज	२६	२	१२	क.	४१	४८	५	१८	६	४२	१	१०	४५	३६	५७	२२
३३	३१	५	चं.	३६	१६	पु.	५६	१८	वृ.	४५	५३	वव	७	४५	वा.	३६	१६	धाता	२७	३	१३				५	१८	६	४२	१	११	४२	५८	५७	२०
३३	३३	६	मं.	३५	४९	श्ले.	५८	१५	ध्रु.	४३	१३	कौ.	५	३३	तै.	३५	४९	आनन्द	२८	४	१४	सिं.	५८	१५	५	१७	६	४३	१	१२	४०	१८	५७	१९
३३	३५	७	व.	३६	५४	म.	६०	०	व्या	४२	१४	ग.	६	२१	व.	३६	५४	चर	२९	५	१५				५	१७	६	४३	१	१३	३७	३७	५७	१७
३३	३७	८	गु.	४०	१६	म.	२	३	ह.	४२	४५	वि.	८	३६	व.	४०	१६	मुसल	३०	६	१६				५	१७	६	४३	१	१४	३४	५४	५७	१६
३३	३८	९	शु.	४५	९	पू.	७	४१	व.	४३	५५	वा.	१८	४२	कौ.	४५	९	सिद्धि	३१	७	१७	कं.	२४	२०	५	१६	६	४४	१	१५	३२	१०	५७	१४
३३	४०	१०	श.	५०	४७	उ.	१४	१६	सि.	४६	१३	तै.	१७	५८	ग.	५०	४७	उत्पात	१	८	१८				५	१६	६	४४	१	१६	२९	२४	५७	१३
३३	४१	११	र.	५७	७	ह.	२१	५७	व्य.	४५	३९	व.	२३	५३	वि.	५७	७	मानस	२	९	१९	तु.	५५	४०	५	१६	६	४४	१	१७	२३	३७	५७	१२
३३	४३	१२	चं.	६०	०	चि.	२९	१४	व.	४१	११	ब.	३०	८	वा.	६०	०	मुद्गर	३	१०	२०				५	१५	६	४५	१	१८	२३	४९	५७	११
३३	४५	१२	मं.	३	१७	स्वा	३६	१६	प.	५३	३५	वा.	३	१७	कौ.	३६	१५	ध्वज	४	११	२१				५	१५	६	४५	१	१९	२१	०	५७	१०
३३	४६	१३	व.	९	१४	वि.	४३	५१	शि.	५५	२६	तै.	९	१४	ग.	४१	५५	धाता	५	१२	२२	वृ.	२६	५७	५	१५	६	४५	१	२०	१८	१०	५७	९
३३	४७	१४	गु.	१४	३६	अ.	५०	५	सि.	५६	३७	व.	१४	३६	वि.	४६	४४	आनंद	६	१३	२३				५	१५	६	४५	१	२१	१५	१९	५७	७
३३	४८	१५	शु.	१८	५३	ज्ये.	५५	३४	सा.	५७	१३	वव	१८	५३	वा.	५०	४२	चर	७	१४	२४	ध.	५५	३४	५	१४	६	४६	१	२२	१२	२७	५७	७

श्री शुभ संवत् २०२० शके १८८५ ज्येष्ठ शुक्लपक्षः।
सौम्यायन गोलौ। मई २४ से जून ७ ततक।

चन्द्रदर्शनम्। मृग भे दक्षिण यात्रा मु.।
मुहर्रम हिजरी सन् १३८३। प्रतीच्याँ यात्रा मु.। यात्रा मु.
भ. ११।४३ उ. ३९।१४ या.। पञ्चमी पुन. योगे या. जय यु.
बुधोदयः पूर्वस्याम्।स.सि.योगः। उ,र पश्चिमोत्तरयो यात्रा मु.
स.सि.योगः। स.सि.योग.या.जययोगश्च। प्राच्याँ यात्रा मु.।
भ. ३६।५४ उ.।
भ. ८।३६ या.।
उग्र कर्म मु.।
जून।मार्गी बुधः २७।४२।गंगा दशहरा। हस्त भे दक्षिणया.मु.
भ. २३।५३ उ. ५७।७या.। निर्जला ११ व्रतं स्मार्तानाम्।
निर्जला ११ व्रतं वैष्णवानाम्। वक्री शनिः ४९।५२।
कृत्तिका भे शुक्रः ३३।४७। प्रदोषः।
रेवती भे २ पादे गुरुः ५६।५७।
भ. १४।३६ उ.४६।४४या.। वृषे वुधः२४।३३। स.सि.योगः।
वृषे शुक्रः ३०।५७।

ज्ये. शु. ६ शु. इ. ४६।५५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	४	०	११	०	९	२	८
१०	२	२९	१८	१६	२९	२९	२९
२६	२७	२३	०	१२	३७	३९	३९
३९	३६	३५	११	२४	५२	५२	५२
५७	३१	४ २	१०	७३	०	३	३
२३	३७	व.	३८	३४	५७	११	११

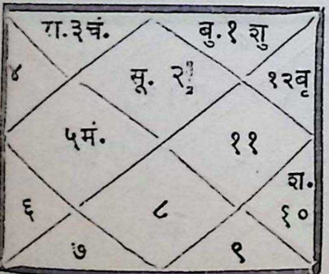

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	२शु.		३ श.		४र.		५ चं.		६मं.		७ बु.		८बृ.		९शु.		१० श.		११ र.		१२ चं.		१२मं.		१३बु.		१४बृ.		१५ शु.	
वृ. अं.	६	४२	६	३८	६	३४	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१४	६	९	६	५	६	१	५	५७	५	५३	५	४९	५	४४
मि. अं.	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३६	८	३२	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५८
क. अं.	११	१४	११	१०	११	६	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४५	१०	४१	१०	३७	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२१	१०	१६
सिं. अं.	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५	१	११	१	७	१	२	१२	५८	१२	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३३
कं. अं.	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५	३	३१	३	२७	३	२३	३	१८	३	१४	३	१०	३	६	३	२	२	५८	२	५४	२	४९
तु. अं	६	५	६	१	५	५७	५	५३	५	४९	५	४५	५	४१	५	३६	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०	५	१६	५	१२	५	७
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५४	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	७	३०	७	२५
ध. अं.	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४	९	५९	९	५५	९	५१	९	४७	९	४३	९	३९	९	३५	९	३०
म. अं.	१२	१३	१२	९	१२	५	१२	१	११	५८	११	५३	११	४९	११	४४	११	४०	११	३६	११	३२	११	२८	११	२४	११	२०	११	१५
कुं. अं.	१	४३	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१४	१	१०	१	५	१	२	१२	५८	१२	५४	१२	५०	१२	४५
मी. अं.	३	१०	३	६	३	२	२	५८	२	५४	२	५०	२	४५	२	४१	२	३७	२	३३	२	२९	२	२५	२	२१	२	१७	२	१२
मे. अं.	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२	४	१७	४	१३	४	९	४	५	४	१	३	५७	३	५३	३	४८

ज्ये. शु. १२ शु. इ. ४६।५८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	४	०	११	०	९	२	८
१७	६	२९	१९	२३	२९	२९	२९
७	६	३९	१९	१६	१६	१६	१६
२५	४८	८	३५	१९	०	१३	१३
५७	३२	८	९	७३	० ११	३	३
१३	३४	मा.	४७	४४	व.	११	११

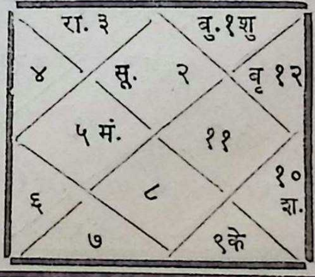

१४

दि.मा.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि
३३	४९	१	श.	२२	३१	मू.	१९	५१	शु.	१६	५३	कौ.	२२	३१	तै.	५३	४३	गद	८	१५	२५				५	१४	६	४६	१	२३	९	३४	५७	५
३३	५०	२	र.	२४	५६	पू.	६०	०	शु.	५५	४६	ग.	२४	५६	व.	५५	३३	शुभ	९	१६	२६				५	१४	६	४६	१	२४	६	२९	५७	४
३३	५३	३	चं.	२६	११	पू.	३	१३	ब्र.	५४	९	वि.	२६	११	वव	५६	२३	उत्पा.	१०	१७	२७	म.	३८	५२	५	१४	६	४६	१	२५	३	४२	५७	३
३३	५२	४	मं.	३६	३४	उ.	१	३९	ऐं.	५१	१६	वा.	२६	३४	कौ.	५५	४	मानस	११	१८	२८				५	१४	६	४६	३	२६	०	४६	५७	३
३३	५३	५	बु.	२५	३६	श्र.	६	५७	व.	४७	३७	तै.	२५	३६	ग.	५४	४६	छत्र	१२	१९	२९	कुं.	३७	६	५	१३	६	४७	१	२६	५७	४८	५७	०
३३	५३	६	गु.	२३	५७	ध.	७	१६	वि.	४३	१४	व.	२३	५७	वि	५२	३६	श्रीवत्स	१३	२०	३०				५	१३	६	४७	१	२७	१४	४८	५६	५९
३३	५४	७	शु.	२१	१६	श.	६	१३	प्री.	३७	५९	व.	२१	१६	वा	४९	४७	सौम्य	१४	२१	३१	मी.	५०	०	५	१३	६	४७	१	२८	५१	४७	५६	५८
३३	५५	८	श.	१७	१८	पू.	४	४५	आ.	३२	२१	कौ.	१७	१८	तै.	४३	५४	कालदं.	१५	२२	३२				५	१३	६	४७	१	२३	४८	४५	५६	५७
३३	५५	९	र.	१०	२१	उ.	०/५७	५९/५२	सौ.	२५	४९	ग.	१०	३१	त्र.	३६	५२	स्थिर	१६	२३	१	मे.	५८	११	५	१३	६	४७	२	०	४५	४२	५६	५६
३३	५	१०	चं.	३/५३	१४/१४	अ.	५३	१५	शौ.	१७	१५	वि	३	२४	व.	३०/५६	१/३८	रक्ष	१७	२४	२				५	१३	६	४७	२	१	४२	३८	५६	५६
३३	५६	१२	मं.	४८	९	भ.	४७	१३	अ.	६/५१	२/५३	कौ.	२०	४६	तै.	४८	९	मुसल	१८	२५	३				५	१३	६	४७	२	२	३९	३४	५६	५६
३३	५६	१३	बु.	४१	२४	कृ.	४१	१६	धृ.	४९	५७	ग.	१४	४७	व.	४१	२४	सिद्धि	१९	२६	४	वृ.	०	४४	५	१३	६	४७	२	३	३६	३०	५६	५५
३३	५६	१४	गु.	३६	३४	रो.	३५	१३	शू.	४०	४३	वि.	७	५९	श.	३६	३४	उत्पा.	२०	२७	५				५	१३	६	४७	२	४	३३	२५	५६	५५
३३	५६	३०	शु.	२८	५०	मृ.	२९	१६	गं.	३१	४५	चं.	२	४२	ना.	२९/५४	५०/५३	मानस	२१	२८	६	मि.	२	१५	५	१३	६	४७	२	५	३०	२०	५६	५५

श्री शुभ सवत् २०२० शके १८८५ आषाढ़ कृष्ण पक्षः। सौम्यायन गोलौ। जून ८ से २१ तक।

मृगशिरा भे रविः १७।४५ ऽ a तृतीया भे या. जय मु.।
भ. ५५।३३ उ.। उग्र कर्म मु.।
भ. २६।११ या.। उ. षा. योगे स. सि. योगः। उत्तरा a
श्रवसि दक्षिण यात्रा यु.।
चर चर्म मु.।
भ. २३।५७ उ. ५२।३६ या.। प्रतीच्याँ यात्रा मु. ७।१५ या.
चर कर्म मु.। b रोहिणी भे शुक्रः ४४।५२।
मिथुनेऽर्कः १२।४७। पूर्वा फाल्गुनी भे भौमः ५८।५९। b
भ. ३६।६२ उ.। या. जय. मु.।
भ. ३।१४ या.। योगिनी ११ व्रतं स्मार्तानाम्। भरणी c
रोहिणी भे बुधः १५।५९। योगिनी ११ व्रतं वैष्णवानाम्।
भ. ४१।२४ उ.। मास शिवरात्रि व्रतम्।
भ. ७।५५ या.। c भ एकादशी योगे या, जय. मु.।
अमावस्या। स्नान श्राद्धादौ ३०।

आ. कृ. १ शनौ इ. ४६५५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	४	१	११	१	९	२	८
२२	९	१	२०	१	२९	२८	२८
४७	३६	३६	२९	३४	३९	५५	५५
१४	४६	३३	४४	४१	४५	१	१
७५	३३	३१	९	७३	०/१४	३	३
५	२७	४२	१८	५४	व.	११	११

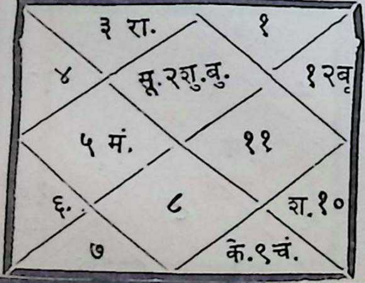

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.	२ र.	३चं.	४मं.	५बु.	६गु.	७शु.	८श.
वृ. अं	५ ४०	५ ३६	५ ३२	५ २८	५ २४	५ २०	५ १७	५ १३
मि. अं.	७ ५४	७ ५०	७ ४६	७ ४२	७ ३८	७ ३४	७ ३०	७ २६
क. अं.	१० १२	१० ८	१० ४	१० ०	९ ५६	९ ५२	९ ४८	९ ४४
सिं. अं.	१२ २९	१२ २५	१२ २१	१२ १७	१२ १३	१२ ९	१२ ५	१२ १
कं. अं.	२ ४५	२ ४१	२ ३७	२ ३३	२ २९	२ १५	२ २१	२ १७
तु. अं.	५ ३	४ ५९	४ ५५	४ ५१	४ ४७	४ ४४	४ ४०	४ ३६
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ. अं.	७ २१	७ १७	७ १३	७ ९	७ ५	७ १	६ ५७	६ ५३
ध. अं.	९ ३६	९ २२	९ १८	९ १५	९ १०	९ ६	९ २	८ ५८
म. अं.	११ ११	११ ७	११ ३	१० ५८	१० ५५	१० ५१	१० ४७	१० ४३
कुं. अं.	१२ ४१	१२ ३७	१२ ३३	१२ २९	१२ २५	१२ २१	१२ १७	१२ १३
मी. अ.	२ ८	२ ४	२ ०	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४४	१ ४०
मे. अं.	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २४	३ २०	३ १६

तिथयः	९र.	१०चं.	१२मं.	१३बु.	१४गु.	३०शु.
मि.अं.	७ २२	७ १८	७ १४	७ १०	७ ६	७ २
क. अं.	९ ४०	९ ३६	९ ३२	९ २८	९ २४	९ २०
सिं.अं.	११ ५७	११ ५३	११ ४९	११ ४५	११ ४१	११ ३७
कं. अं.	२ १३	२ ९	२ ६	२ ३	१ ५९	१ ५५
तु. अं.	४ ३२	४ २८	४ २४	४ २०	४ १६	४ २२
वृ. अं.	६ ४९	६ ४५	५ ४१	५ ३७	६ ३२	६ २८
रा. अं.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
ध. अं.	८ ५४	८ ५०	८ ४६	८ ४२	८ ३८	८ ३४
म. अं.	१० ३९	१० ३५	१० ३१	१० २७	१० २३	१० १९
कु. अं.	१२ ९	१२ ५	१२ १	११ ५७	११ ५३	११ ४९
मी.अं.	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २४	१ २०	१ १३
मे.अं.	३ १२	३ ८	३ ४	३ ०	२ ५६	२ ५३
वृ. अं.	५ ९	५ ५	५ १	४ ५७	४ ५३	४ ४९

आ. कृ. ८ शनौ इ. ४६।५८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	१	११	१	९	२	८
०	१३	७	२१	१०	२९	२८	२८
२४	१३	२४	३८	४	३३	३२	३२
३२	९	२१	३५	३९	५३	५९	५९
५६	३४	६४	८	७२	२ १/१	३	३
५७	३७	१२	२९	२२	व.	११	११

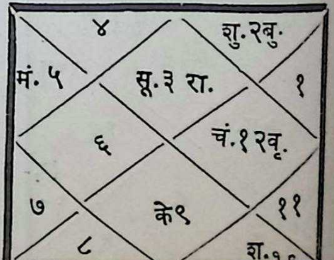

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गातः	
घं.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३३	५६	१	श.	२०	५६	आ.	२४	४१	वृ.	२३	३३	व.	२०	५६	वा.	४७	३२	सुद्गर	२२	२९	७				५	१३	६	४७	२	६	२७	१५	५६	५४
३३	५६	२	र.	१४	९	पु.	२१	१४	ध्रु.	१६	५३	कौ.	१४	९	तै.	४२	१२	ध्वज	२३	१	८	क.	७	५५	५	१३	६	४७	२	७	२४	९	५६	५३
३३	५६	३	चं.	१०	१६	पु.	१९	४१	व्या	११	१६	ग.	१०	१६	व.	३९	३०	धाता	२४	२	९				५	१३	६	४७	२	८	२१	२	५६	५२
३३	५६	४	मं.	८	४३	श्ले	१९	५९	ह.	७	११	वि.	८	४३	वव	३८	४७	आनद	२५	३	१०	सिं.	१९	५९	५	१३	६	४७	२	९	१७	५५	५६	५२
३३	५५	५	बु.	८	५१	म.	२२	२६	व.	४	५७	वा	८	५१	कौ.	३९	३४	चर	२६	४	११				५	१३	६	४७	२	१०	१४	४७	५६	५२
३३	५५	६	गु.	१०	१७	पू.	२६	४७	सि.	४	३१	तै.	१०	१७	ग.	४२	४५	गद	२७	५	१२	कं.	४३	१६	५	१३	६	४७	२	११	११	३९	५६	५१
३३	५५	७	शु.	१५	१४	उ.	३२	४४	व्य.	४	५३	व.	१५	१४	वि.	४७	५६	शुभ	२८	६	१३				५	१३	६	४७	२	१२	८	३०	५६	५१
३३	५५	८	श.	२०	३९	ह.	३९	४५	व.	६	२६	वव	२०	३९	वा.	५३	३७	मृत्यु	२९	७	१४				५	१३	६	४७	२	१३	५	२१	५६	५०
३३	५४	९	र.	२६	३५	चि.	४७	१२	प.	८	४७	कौ.	२६	३५	तै.	५९	५१	पद्म	३०	८	१५	तु.	१३	३६	५	१३	६	४७	२	१४	२	११	५६	५०
३३	५३	१०	चं.	३२	४७	स्वा	५४	५३	शि.	११	१९	ग.	३२	४७	व.	६०	०	छत्र	१	९	१६				५	१३	६	४७	२	१४	५९	१	५६	५०
३३	५२	११	मं.	३८	३५	वि.	६०	०	सि.	१४	१४	व.	५	४१	वि.	३८	३५	श्रीवत्स	२	१०	१७	वृ.	४९	५९	५	१४	६	४६	२	१५	५५	५१	५६	५०
३३	५१	१२	बु.	४४	१६	वि.	१	४१	सा.	१५	४५	ब.	११	२०	वा.	४४	१६	धाता	३	११	१८				५	१४	६	४६	२	१६	५२	४१	५६	५०
३३	५०	१३	गु.	४८	१५	अ.	८	१६	शु.	१७	९	कौ.	१६	९	तै.	४८	१५	आनंद	४	१२	१९				५	१४	६	४६	२	१७	४९	३१	५६	५०
३३	४९	१४	शु.	५०	५५	ज्ये.	१३	१५	शु.	१७	२१	ग.	१९	३२	ब.	५०	५५	चर	५	१३	२०	ध.	१३	१५	५	१४	६	४६	२	१८	४६	२१	५६	५०
३३	४८	१५	श.	५२	३४	मू.	११	७२	व्र.	१६	३७	वि.	२१	३८	व.	५३	३४	गद	६	१४	२१				५	१४	६	४६	२	१९	४३	११	५६	५०

श्रीं शुभ संवत् २०२० शके १९८५ अषाढ़ शुक्लपक्षः ।
सौम्यायन गोलौ । जून २२ जुलाई ६ तक ।

चन्द्रदर्शनम् । आर्द्रा भे रविः २०।९। पुनः भे प्रतीच्याँ यात्रा मु.
सफर । a ४०।५७ । एकादशी स्वाती योगे या. जय मु. ।
भ. ३९।३० उ. । प्रतीच्यामुदीच्याँ यात्रा मु. ।
भ. ८।४३ या. । स. सि. योगः १९।५९ या. ।
मृगशिरा भे बुधः ५६।४२ । मृग भे शुक्रः १४।२४ ।
उग्र कर्म मु. । d गुरुव्यासियो पूजनम् । चन्द्रग्रहणम् । c
भ. १५।१४ उ. ४७।५६ या. ।
रेवती भे ३ चरणे गुरुः ३७।४७ । नवमीहस्त योगे.या.जय मु. ।
मिथुने बुधः ४७।२९ । b चातुर्मास्य व्रतारम्भः ।
जुलाई । मिथुने शुक्रः ५२।५९ । मन्वादि । बुधास्तःपूर्वस्याम् a
भ. ५।४१ उ. ३८।३५ या. । हरिशयनी ११ व्रतं सर्वेषाम् । b
अनु. भे. स. सि. योगः । c योगश्च ८।१६ या. ।
आर्द्रा भे बुधः ९।१९ । प्रदोषः । उदीच्याँ यात्रा मुच्स.सि. c
भ. ५०।५५ उ. । e वायु परीक्षा अषाढ़ी योग ।
भ. २१।३८ या. । पुनर्वसु भे रविः २२।५६ । मन्वादि । d

आ. शु. १ शनौ. इ. ४६।५८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	१	११	१	९	२	८
७	१६	१६	२२	१८	२३	२८	२८
५	५८	२९	३८	४८	२२	१०	१०
१	३९	३५	१९	१७	४४	४४	४४
५६	३४	९२	७	७४	५२	३	३
५४	४	९	३४	५	व	११	११

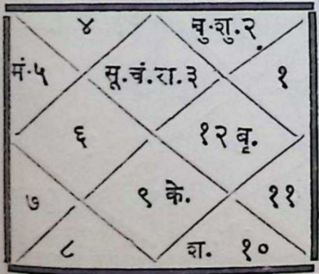

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.		२ र.		३ चं.		४ मं.		५ बु.		६ बृ.		७ शु.		८ श.		९ र.		१० चं.		११ मं.		१२ बु.		१३ बृ.		१४ शु.		१५ श.	
मि. अं.	६	५८	६	५४	६	४९	६	४५	६	४१	६	३७	६	३३	६	२९	६	२५	६	२१	६	१७	६	१३	३	९	६	५	६	१
क. अं.	९	१६	९	१२	९	७	९	३	८	५९	८	५५	८	५१	८	४७	८	४३	८	३९	८	३५	८	३१	८	२७	८	२३	८	१९
सिं. अं	११	३३	११	२९	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२	११	८	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६
कं. अं.	१	४९	१	४५	१	४०	१	३६	१	३२	१	२८	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२
तु. अं.	४	७	४	३	३	५८	३	५४	३	५०	३	४६	३	४२	३	३८	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	३	१४	३	१०
वृ. अं.	६	२५	६	२१	६	१६	६	१२	६	८	६	४	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६	५	३२	५	२८
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
ध. अं.	८	३०	८	२६	८	२१	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	१	७	५७	७	५३	७	४९	७	४५	७	४१	७	३७	७	३३
म. अं.	१०	१५	१०	११	१०	६	१०	२	९	५८	९	५४	९	५०	९	४६	९	४२	९	३८	९	३४	९	३०	९	२६	९	२२	९	१८
कुं. अं.	११	४५	११	४१	११	३६	११	३२	११	२८	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२	११	८	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८
मी. अं.	१	१२	१	८	१	३	१२	५९	१२	५५	१२	५१	१२	४७	१२	४३	१२	३९	१२	३५	१२	३१	१२	२७	१२	२३	१२	१९	१२	१५
मे. अं.	२	४८	२	४४	२	३९	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३	२	१९	२	१५	२	११	२	७	२	३	१	५९	१	५५	१	५१
वृ. अं.	४	४४	४	४०	४	३५	४	३१	४	२७	४	२३	४	१९	४	१५	४	११	४	७	४	३	३	५९	३	५५	३	५१	३	४७

आ. शु. १५ शनौ. इ. ४६।५४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	२	११	२	९	२	८
२०	२४	१२	२४	५	२८	२७	२७
११	३७	९	१५	४८	४७	२६	२६
३७	१२	२७	२९	३६	५९	३९	३९
५६	३६	१२४	५	७४	३	३	३
५०	२०	३७	२८	२८	२७	११	११

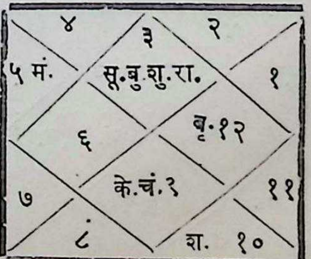

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	४७	१	र	५२	५६	पू.	१९	५३	ऐं.	१५	५	वा.	२२	२८	कौ.	५२	५३	शुभ	७	१५	२२	म.	३५	११	५	१५	६	४५	२	२०	४०	१	५६	५१
३३	४५	२	चं.	५१	३६	उ.	२१	५	वै.	१२	२७	तै.	२२	४	ग.	४१	३६	मृत्यु	८	१६	२३				५	१५	६	४५	२	२१	३६	६२	५६	५१
३३	४४	३	मं.	४९	३६	श्र.	२१	३९	वि.	८	४५	व.	२०	३६	वि.	४९	३६	लुम्ब	९	१७	२४	कुं.	५१	१७	५	१५	६	४५	२	२२	३३	४३	५६	५२
३३	४३	४	बु.	४५	३७	ध.	२०	५४	प्री.	४/५२	५०/५४	व.	१७	३६	वा.	४५	३७	मित्र	१०	१८	२५				५	१५	६	४५	२	२३	३०	३५	५६	५२
३३	४२	५	गु.	४३	९	श.	१९	४३	सौ.	५४	११	कौ.	१४	२२	तै.	४३	९	वज्र	११	१९	२६				५	१६	६	४४	२	२४	२७	२७	५६	५३
३३	४०	६	शु.	३९	१७	पू.	१७	४६	शो.	४८	२५	ग.	११	१२	व.	३९	१७	ध्वांक्ष	१२	२०	२७	मी.	३	१५	५	१६	६	४४	२	२५	२४	२०	५६	५४
३३	३८	७	श.	३४	३६	उ.	१५	२१	अ.	४२	१७	वि.	६	५७	वव	३४	३६	धूम्र	१३	२१	२८				५	१६	६	४४	२	२६	२१	१४	५६	५५
३	३७	८	र.	२९	२७	रे.	१२	२७	सु	३५	१४	वा.	२	१	कौ.	२०/५६	२७/५०	प्रवर्ध.	१४	२२	२९	मे.	१२	२७	५	१७	६	४३	२	२७	१८	८	५६	५५
३३	३५	९	चं.	२४	१४	अ.	९	१५	धृ.	२८	१९	ग.	२४	१४	व.	५१	१५	रक्ष	१५	२३	३०				५	१७	६	४३	२	२८	१५	३	५६	५५
३३	३३	१०	मं.	१८	१६	भ.	५	१५	शू.	२०	३९	वि.	१८	१६	वव	४५	४	मुसल	१६	२४	३१	वृ.	१९	५५	५	१७	६	४३	२	२९	१९	५८	५६	५६
३३	३१	११	बु.	११	५३	कृ.	७/५३	५६/३१	गं.	१२	५१	बा.	११	५३	कौ.	३८	३५	सिद्धि	१७	२५	१				५	१८	६	४२	३	०	८	५४	५६	५६
३३	३०	१२	गु.	५/५३	९७/४९	मृ.	५२	३९	वृ.	५/५३	५/३७	तै.	५	१७	ग.	३२/५९	१५/६	मृत्यु	१८	२६	२	मि.	२६	३	५	१८	६	४२	३	१	५	५०	५६	५६
३३	२८	१४	शु.	१३	३१	आ.	४८	३६	व्या	५०	१७	वि.	२३	३५	श.	५३	३१	पद्म	१९	२७	३				५	१८	६	४२	३	२	२	४६	५६	५७
३३	२६	३०	श.	४८	१३	पु.	४५	३९	ह.	४३	३६	चि.	२०	४७	ना.	४८	१३	छत्र	२०	२८	४	क.	३१	२२	५	१९	६	४१	३	२	५९	५३	५६	५७

श्री शुभ संवत् २०२० शक १८८५ श्रावण कृष्ण पक्षः।
सौम्यायनगोलौ। कर्कार्कतःयाम्यायनम्। जुलाई ७ से २० त

आर्द्रा भे शुक्रः २७।९। उत्तरा योगे या.जय मु.स.सि.योग
श्रवसि दक्षिण यात्रा मु. स. सि. योगश्च।
भ. २०।३६ उ. ४९।३६ या.। उत्तरा फाल्गुनी भे शुक्रः
पुनर्वसु भे बुधः ३३।२८। प्रतीच्याँ यात्रा मु. तिथि दानात्।
चर कर्म मु.। a ५६।४८। दक्षिण यात्रा मु.
भ. ३९।१७ उ.। उग्र कर्म मु.।
भ. ६।५७ या.। या. जय मु. १५।२१ या.।
b ४।५६। या. जय मु. ९।१५ उ. २४।१४ या.
भ. ५१।१५ उ.। कन्यायाँ भौमः ४५।३७। कर्के बुधः
सं. कर्केऽर्कः ४९।७। भ. १८।१६ या.। पुष्ये बुधः ३९।५५
कामदा ११ व्रत सर्वेषाम्। स. सि. योगः १।५६ या.।
भ. ५९।६ उ.। पुनर्वसु भे शुक्रः २२।५३।
भ. २३।३५ या.। तीक्ष्ण कर्म मु.। c स.सि.योगः। ५।१५
पुष्य भे रविः २६।३९। स्नान श्राद्धादौ ३०।

श्रा. कृ. ७ शनौ. इ. ४६।४९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	२	११	२	९	२	८
२६	२८	२७	२५	१४	२८	२७	२७
५९	४६	१६	०	२४	२४	३	३
३८	५३	१३	१०	१५	४४	२६	२६
५८	३७	१७	४	७४	५ ३/०	३	३
५४	९	११	२१	२६	व.	११	११

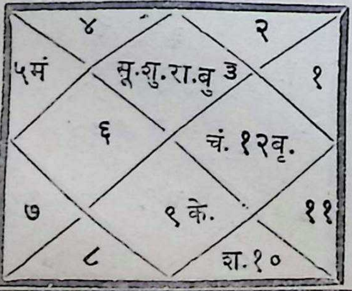

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.	२ चं.	३ मं.	४ बु.	५ बृ.	६ शु.	७ श.	८ र.	९ चं.	१० मं.	तिथयः	११ बु.	१२ बृ.	१४ शु.	३० श.
मि. अं.	५ ५६	५ ४२	५ ४८	५ ४४	५ ४०	५ ३६	५ २२	५ २८	५ २४	५ २०	क. अं.	७ ३४	७ ३०	७ २६	७ २२
क. अं.	८ १४	८ १०	८ ६	८ २	७ ५८	७ ५४	७ ५०	७ ४६	७ ४२	७ ३८	सिं. अं.	९ ५१	९ ४७	९ ४३	९ ३९
सि. अं.	१० ३१	१० २७	१० २३	१० १९	१० १५	१० ११	१० ७	१० ३	९ ५९	९ ५५	कं. अं,	१२ ७	१२ ३	११ ५९	११ ५५
कं. अं.	१२ ५७	१२ ४३	१२ ३९	१२ ३५	१२ ३१	१२ २७	१२ २३	१२ १९	१२ १५	१२ ११	तु. अं.	२ २५	२ २१	२ १७	२ १३
तु. अं.	३ ५	३ १	२ ५७	२ ५३	२ ४९	२ ४५	२ ४१	२ ३७	२ ३३	२ २९	वृ. अं.	४ ४३	४ ३९	४ ३५	४ ३१
वृ. अं.	५ २३	५ १९	५ १५	५ ११	५ ७	५ ३	४ ५९	४ ५५	४ ५१	४ ४७	ध.अं.	६ ४८	६ ४४	६ ४०	६ ३६
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०
घ. अं.	७ २८	७ २४	७ २०	७ १६	७ १२	७ ८	७ ४	७ ०	६ ५६	६ ५२	म. अं.	८ ३३	८ २९	८ २५	८ २१
म. अ.	९ १३	९ ९	९ ५	९ १	८ ५७	८ ५३	९ ४९	८ ४५	८ ४१	८ ३७	कुं. अं.	१० ३	९ ५९	९ ५५	९ ५१
कुं. अं.	१० ४३	१० ३९	१० ३५	१० ३१	१० २७	१० २३	१० १९	१० १५	१० ११	१० ७	मी. अं.	११ ३०	११ २६	११ २२	११ १८
मी. अं.	१२ १०	१२ ६	१२ २	११ ५८	११ ५४	११ ५०	११ ४६	११ ४२	११ ३८	११ ३४	मे. अं.	१ ६	१ २	१२ ५८	१२ ५५
मे. अं.	१ ४६	१ ४२	१ ३८	१ ३४	१ ३०	१ २६	१ २२	१ १८	१ १४	१ १०	वृ. अं.	३ २	३ ५८	२ ५४	२ ५०
वृ. अं.	३ ४२	३ ३८	३ ३४	३ ३०	३ २६	३ २२	३ १८	३ १४	३ १०	३ ६	मि.अं.	५ १६	५ १२	५ ८	५ ४

. श्रा. कृ. ३० शनौ. इ. ४६।४३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	५	३	११	२	९	२	८
३	२	११	२५	२३	२७	२६	२
३५	५३	५२	३०	०	५९	४१	४
१४	३९	३३	२२	५	३२	१२	१
५६	३७	१२	२३	७४	४/५	३	
५७	२८	३९	१५	२७	व.	११	१

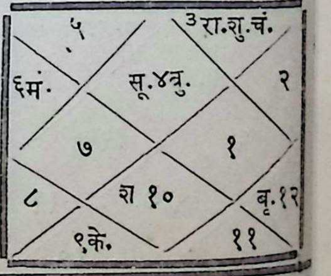

दि. मा. घ. प.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	का.	बं.	च. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्य				गतिः		श्री शुभ संवत् २०२० शके १८८५। श्रावण शुक्लपक्षः। याम्यायनम् सौम्यगोलः। जुलाई २१
																						रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	
३३	२४	१	र.	४४	३३	पु.	३४	४७	व.	३७	४३	किं.	१६	३३	वव	४४	२३	श्रीवत्स	२१	२९	५				५	१९	६	४१	३	३	५६	५०	५६	५८	पुन. भे २ चरणे राहुः पूर्वाषाढ़ भे ४ चरणे केतुः २८।३९ ।d
३३	२२	२	चं.	४२	३६	श्ले	४३	२६	सि.	३३	११	वा.	१३	३५	कौ.	४२	३६	सौम्य	२२	३०	६	सिं.	४३	२६	५	२०	६	४०	३	४	५३	४८	५७	०	चन्द्रदर्शनम् । dस.सि.योगः ।
३३	१९	३	मं.	४२	१९	म.	४४	५९	व्य.	३०	१३	तै.	१२	२६	ग.	४२	१८	कालदं	२३	१	७				५	२०	६	४०	३	५	५०	४८	५७	१	रवि उल अव्वल । श्लेषा भे बुधः ९।४ । मधुश्रवा ३ । उग्रb
३३	१७	४	बु.	४४	६	पू.	४८	२३	व	२८	३१	व.	१३	१३	वि.	४४	६	स्थिर	२४	२	८				५	२१	६	३९	३	६	४७	४९	५७	२	भ. १३।१३ उ. ४४।६ या. । वरद गणेश ४ ।
३३	१५	५	गु.	४७	२५	उ.	५३	७	प.	२८	१५	वव	१५	४४	वा.	४७	२५	मातंग	२५	३	९	कं.	४	४९	५	२१	६	३९	३	७	४४	५१	५७	३	नाग पञ्चमी । या. जय योगः । bकर्म मु. ।
३३	१३	६	शु.	५२	२१	ह.	५९	३१	शि.	२९	११	कौ.	१९	५१	तै.	५२	२१	अमृत	२६	४	१०				५	२१	६	३९	३	८	४१	५४	५७	४	कर्के शुक्रः ३०।९ । बुधोदयः पश्चिमायाम् ४३।१७ ।
३३	१०	७	श.	५७	४६	चि.	६०	०	सि.	३१	५३	ग.	२५	४	व.	५७	४६	काण	२७	५	११	तु.	३३	४	५	२१	६	३९	३	९	३८	५८	५७	५	भ. ५७।४६ उ. । शीतला पूजनम् ।
३३	८	८	र.	६०	०	चि.	६	३७	सा.	३३	१४	वि.	३०	५५	वव	६०	०	पद्म	२८	६	१२				५	२२	६	३८	३	१०	३६	३	५७	६	भ. ३०।५५ या. । दुर्गाष्टमी ।
३३	५	८	चं.	४	३	स्वा	१४	१५	शु.	३६	१३	व	४	१३	वा.	३६	४९	छत्र	२९	७	१३				५	२२	६	३८	३	११	३३	९	५७	७	पुष्य भे शुक्रः ११।९ । नवमी स्वाती योगे या. जय यु. ।
३३	३	९	मं.	९	५६	वि.	२१	३३	शु.	३७	४५	कौ.	९	५६	तै.	४२	४६	श्रीवत्स	३०	८	१४	वृ.	४	४३	५	२३	६	३७	३	१२	३०	१६	५७	८	सिंहे बुधः ११।३४
३३	०	१०	बु.	१७	३७	अ.	२२	३३	ब्र.	३९	३३	ग.	१७	३७	व.	४८	४५	सौम्य	३१	९	१५				५	२३	६	३७	३	१३	२७	२४	५७	९	भ. ४८।४५ उ. ।
३२	५६	११	गु.	१९	५३	ज्ये.	३३	४५	ऐं.	४	९	वि.	१९	५३	वव	५१	८	ध्वांक्ष	१	१०	१६	ध.	३३	४५	५	२४	६	३६	३	१४	२४	३३	५७	१०	अगस्त । भ. १९।५३ या. । हस्त भे भौमः ४४।३८a
३२	५५	१२	शु.	२२	२३	मू.	३७	४९	वै.	३९	४१	वा	२२	३३	कौ.	५३	३३	स्थिर	२	११	१७				५	२४	६	३६	३	१५	२१	५३	५७	११	प्रदोषः । aपुत्रदा ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
३२	५२	१३	श.	२४	४३	पू.	४०	१७	वि.	३७	५९	तै.	२४	४३	ग.	५३	५९	मातंग	३	१२	१८	म.	५०	३०	५	२६	६	३५	३	१६	१८	५४	५७	१२	श्लेषा भे रविः ३८।१५
३२	४९	१४	र.	२३	१५	उ.	४१	९	प्री.	३४	४५	व.	२३	१५	वि.	५२	३	अमृत	४	१३	१९				५	२६	६	३४	३	१७	१६	६	५७	१३	भ. २३।१५ उ. ५२।३ या. ।
३२	४७	१५	चं.	१८	५१	श्र.	४०	३४	आ.	३०	३१	वव	१८	५१	वा.	४८	१६	सिद्धि	५	१४	२०				५	२६	६	३४	३	१८	१३	१९	५७	१५	रक्षा बन्धनम् । श्रावणी कर्म ।

श्रा. शु. ७ शनौ इ. ४६।३५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	५	३	११	३	९	२	८
१०	७	२५	२५	१	२७	१६	२६
१६	४	१३	५२	३४	३१	१९	१९
२३	३	११	२३	१७	४४	५२	५२
५७	३७	११	९१	७४	४६	३	३
५	४४	३९	५०	३७	व.	११	११

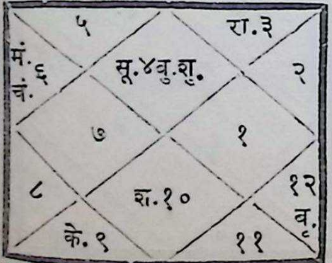

दैनिक लग्नसारिणी

तिथय	१ र.		२ चं.		३ मं.		४ बु.		५ बृ.		६ शु.		७ श.		८ र.		८ चं.		९ मं.		१० बु.		११ बृ.		१२ शु.		१३ श.		१४ र.		१५ चं.	
क. अं.	७	१८	७	१४	७	१०	७	६	७	२	६	५८	६	५५	६	५२	६	४८	६	४४	६	४०	६	३६	६	३२	६	२८	६	२५	६	२०
सिं. अ.	९	३५	९	३१	९	२७	९	२३	९	१९	९	१५	९	१२	९	९	९	५	९	१	८	५७	८	५३	८	४९	८	४५	८	४२	८	३७
कं. अ.	११	५१	११	४७	११	४३	११	३९	११	३५	११	३१	११	२८	११	२५	११	२१	११	१७	११	१३	११	९	११	५	११	१	१०	५८	१०	५३
तु. अं.	२	९	२	५	२	१	१	५७	१	५३	१	४९	१	४६	१	४३	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१६	१	११
वृ. अं.	४	२७	४	२३	४	१९	४	१५	४	११	४	७	४	४	४	१	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५	३	४१	३	३७	३	३४	३	२९
ध. अं.	६	३२	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	९	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३९	५	३४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
म. अं.	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	१	७	५७	७	५४	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९	७	३५	७	३१	७	२७	७	२४	७	१९
कुं. अं.	९	४७	९	४३	९	३९	९	३५	९	३१	९	२७	९	२४	९	२१	९	१७	९	१३	९	९	९	५	९	१	८	५७	८	५४	८	४९
मी. अं.	११	१४	११	१०	११	६	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	५१	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२१	१०	१६
मे. अं.	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२७	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५७	११	५२
वृ. अं.	२	४६	२	४२	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	२	२३	२	२०	२	१६	२	१२	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५३	१	४८
मि. अं.	५	०	४	५६	४	५२	४	४८	४	४४	४	४०	४	३७	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२	४	१८	४	१४	४	१०	४	७	४	२

श्रा. शु. १३ शनौ इ. ४६।२६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	५	४	११	३	९	२	८
१६	११	७	२६	१०	२७	२५	२५
५६	१८	२१	४	११	०	५६	५६
४४	२५	२७	८	२३	४४	४८	४८
५७	३८	९९	४५	७४	३४	३	३
१२	४५	३८	व.	३५	व	११	११

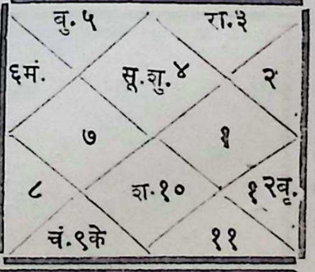

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३२	४४	१	मं.	१७	४१	ध.	३८	३९	सौ.	२५	१४	कौ.	१७	४१	तै.	४५	२७	उत्पात	६	१५	२१	कुं.	९	३६	५	२७	६	३३	३	१९	१०	३४	५७	१६
३२	४१	२	बु.	१३	१४	श.	३५	५५	शो.	१९	५३	ग.	१३	१४	व.	४०	४५	मानस	७	१६	२२				५	२८	६	३२	३	२०	७	५०	५७	१८
३२	३८	३	गु.	८	१६	पू.	३२	४७	अ.	१२	३९	वि.	८	१६	वव	३५	३०	मुद्गर	८	१७	२३	मी.	१८	३४	५	२८	६	३२	३	२१	५	८	५७	१९
३२	३५	४	शु.	२ ५४	४५ ३५	उ.	२९	१४	सु.	५ ५३	५८ २३	बा.	२	४५	कौ.	३० ५७	२ २०	ध्वज	९	१८	२४				५	२९	६	३१	३	२२	२	२७	५७	२१
३२	३१	६	श.	५१	३९	रे.	२४	३९	शू.	५८	९	ग.	२२	५२	व.	५१	३९	धाता	१०	१९	२५	मे.	२४	३९	५	३०	६	३०	३	२२	५९	४८	५७	२२
३२	२९	७	र.	४६	१७	अ.	२२	३९	गं.	४३	५९	वि.	१८	५५	व	४६	१७	आनन्द	११	२०	२६				५	३०	६	३०	३	२३	५७	१०	५७	२३
३२	२६	८	चं.	४१	१८	भ.	१८	४३	वृ.	३७	११		१३	४०	कौ.	४१	१८	चर	१२	२१	२७	वृ.	३२	५४	५	३१	६	२९	३	२४	५४	३३	५७	२४
३२	२३	९	मं.	३५	५३	कृ.	१५	२७	ध्रु	३०	११	तै.	८	३०	ग.	३५	५३	गद	१३	२२	२८				५	३१	६	२९	३	२५	५१	५७	५७	२६
३२	२०	१०	बु.	३०	४७	रो.	१२	२६	व्या	२३	३०	ब.	३	२०	वि	३० ५९	४७ ६	शुभ	१४	२३	२९	मि.	४०	५६	५	३२	६	२८	३	२६	४९	२३	५७	२८
३२	१७	११	गु.	२६	२५	मृ.	९	१५	ह.	१७	११	वा	२६	२५	कौ.	५४	२९	मृत्यु	१५	२४	३०				५	३३	६	२७	३	२७	४६	५१	५७	३०
३२	१३	१२	शु.	२२	३३	आ.	७	[illegible]	[illegible]	११	९	तै.	२२	३३	ग.	५०	४४	पद्म	१६	२५	३१	क.	५१	१०	५	३३	६	२७	३	२८	४४	२१	५७	३२
३२	१०	१३	श.	१८	५६	पुन	५	४३	सि.	५	४३	व.	१८	५६	वि.	४७	४५	छत्र	१७	२६	३२				५	३४	६	२६	३	२९	४१	५३	५७	३४
३२	७	१४	र.	१६	३४	पु.	४	४६	व्य	० ५६	५६ ४३	श.	१६	३४	च.	४५	५०	श्रीवत्स	१८	२७	१				५	३५	६	२५	४	०	३९	२७	५७	३५
३२	४	३०	चं.	१५	२७	श्ले.	५	१५	प.	५३	४३	ना.	१५	२७	किं.	४४	३७	सौम्य	१९	२८	२	सिं.	५	१५	५	३५	६	२५	४	१	३७	२	५७	३७

श्री शुभ संवत् २०२० शके १८८५ भाद्रपद कृष्णपक्षः। याम्यायनम् । सौम्यगोलः । अगस्त ६ से १९ तक ।

पूर्वाफाल्गुनी भे बुधः २२।३२ । aशनिः ४०।५१।
भ. ४०।४५ उ. । वक्री गुरुः ४।३६ । वक्री धनि. भे १ चरणेa
श्लेषा भे शुक्रः १।५९। शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ०।९। भ. ८।१६ या.
रेवत्याँ स. सि. अ. सि. योगश्चः । उदीच्याँ यात्रा यु. ।
भ. ५१।३९ उ. । प्रतीच्याँ यात्रा मु. तिथिदानात् ।
भ. १८।५५ या. । स. सि. योगः । सप्तमी भरणी योगेb
जन्माष्टमीव्रतं सर्वेषाम् । cउ. ४७।४५ या. उ, रा फाल्गुनीh
स. सि. योगः १५।२७ या. । hभे बुध ६।४६ प्रतीच्याँl
भ. ३।२० उ. ३०।४७ या. । मृग भे दक्षिण यात्रा मु. ।
जया ११ व्रतं सर्वेषाम् । bया. जय योगः।
प्रदोषः । उदीच्याँ यात्रा मु, तिथि दानात् ।
सं. सिंहे चार्कः १९।१२ । मास शिवरात्रि व्रतम् । भ. १८।५६c
स. सि. योगः । श्राद्धादौ ३० । lयात्रा मु. ।
सिंहे शुक्रः ४८।५२ । कुशोत्पाटिनी ३० । स्नानादौ ३० ।

भा. कृ. ६ शनौ इ. ४६।१६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	५	४	११	३	९	२	८
२३	१६	१८	२६	१८	२६	२५	२५
३५	३७	७	५४	४९	३०	३४	३४
१४	१४	२९	५९	३७	१५	५६	५६
५७	३१	८५	० ३	७४	४	३	३
२२	१४	४३	व.	३७	४०	११	११

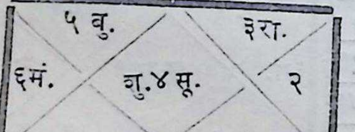

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.	२ बु.	३ बृ.	४ शु.	६ श.	७ र.	८ चं.	९ मं.	१० बु.	११ बृ.	१२ शु.	१३ श.	तिथयः	१४ र.	३० च.
क. अं.	६ १६	६ १२	६ ८	६ ४	६ ०	५ ५७	५ ५४	५ ५१	५ ४६	५ ४२	५ ३८	५ ३५	सिं.अं.	७ ४९	७ ४५
सिं. अं.	८ ३३	८ २९	८ २५	८ २१	८ १७	८ १४	८ ११	८ ७	८ ३	७ ५९	७ ५५	७ ५२	कं. अं.	१० ५	१० १
कं. अं.	१० ४९	१० ४५	१० ४१	१० ३७	१० ३३	१० ३०	१० २७	१० २३	१० १९	१० १५	१० ११	१० ९	तु. अं.	१२ २३	१२ १९
तु. अं.	१ ७	१ ३	१२ ५९	१२ ५५	१२ ५१	१२ ४८	१२ ४५	१२ ४१	१२ ३७	१२ ३३	१२ २९	१२ २६	वृ. अं.	२ ४१	२ ३७
वृ. अं.	३ २५	३ २१	३ १७	३ १३	३ ९	३ ६	३ २	२ ५९	२ ५५	२ ५१	२ ४७	२ ४४	ध. अं.	४ ४६	४ ४२
ध. अं.	५ ३०	५ २६	५ २२	५ १८	५ १४	५ ११	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५६	४ ५२	४ ४९	म. अ.	६ ३१	६ २७
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
म. अं.	७ १५	७ ११	७ ७	७ ३	६ ५९	६ ५६	६ ५३	६ ४९	६ ४५	६ ४१	६ ३७	६ ३४	कुं. अं.	८ १	७ ५७
कुं. अं.	८ ४५	८ ४१	८ ३७	८ ३३	८ २९	८ २६	८ २३	८ १९	८ १५	८ ११	८ ८	८ ४	मी.अं.	९ २८	९ २४
मी. अं.	१० १२	१० ८	१० ४	१० ०	९ ५६	९ ५३	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३८	९ ३४	९ ३१	मे. अं.	११ ४	११ ०
मे. अं.	११ ४८	११ ४४	११ ४०	११ ३६	११ ३२	११ २९	११ २६	११ २२	११ १८	११ १४	११ १०	११ ७	वृ. अं.	१ ०	१२ ५६
वृ. अं.	१ ४४	१ ४०	१ ३६	१ ३२	१ २९	१ २६	१ २२	१ १८	१ १४	१ १०	१ ६	१ ३	मि.अं.	३ १४	३ १०
मि. अं.	३ ५८	३ ५४	३ ५०	३ ४६	३ ४२	३ ३९	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २४	३ २०	३ १७	क. अं.	५ ३२	५ २८

भा. कृ. १३ शनौ इ. ४६।५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	४	११	३	९	२	८
०	२०	२७	२६	२७	२६	२५	२५
१९	२७	२६	१	२४	९	२०	२०
१७	१२	२१	३७	१७	५७	५८	५८
५७	३९	२३	२ २	७४	४०	३	३
३४	३४	२०	व	३४	व.	१०	११

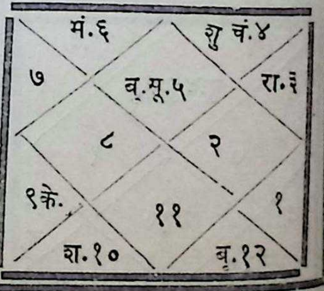

दि. घ.	मा. प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा.	प्र. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि	गतिः क.	वि.
३२	१	१	मं.	१५	४७	म.	६	२६	शि.	५२	१०	व.	१५	४७	वा.	४६	३२	कालदं	२०	२९	३				५	३६	६	२४	४	२	३४	३९	५७	३८
३१	५७	२	बु.	१७	१६	पू.	९	३७	सि.	५१	६	कौ	१७	१६	तै.	४७	५४	स्थिर	२१	१	४	कं.	२५	४६	५	३७	६	२३	४	३	३२	१७	५७	४०
३१	५४	३	गु.	१८	३१	उ.	१४	१२	सा.	५१	३३	ग.	१८	३१	व.	५१	२२	मातंग	२२	२	५				५	३७	६	२३	४	४	२९	५७	५७	४१
३१	५१	४	शु.	२४	१३	ह.	१९	५१	शु.	५२	३८	वि.	२४	१३	व.	५७	२२	अमृत	२३	३	६	तु.	२३	१३	५	३८	६	२२	४	५	२७	३८	५७	४३
३१	४७	५	श.	३०	३१	चि.	२६	३५	शु.	५४	४८	वा.	३०	३१	कौ.	६०	०	काण	२४	४	७				५	३९	६	२१	४	६	२५	२१	५७	४५
३१	४४	६	र.	३६	४५	स्वा	३३	५४	ब्र.	५७	२२	कौ.	३	३८	तै.	३६	४५	लुम्ब	२५	५	८				५	३९	६	२१	४	७	३२	६	५७	४३
३१	४१	७	चं.	४२	४९	वि.	४१	२५	ऐं.	५९	४४	ग.	९	४५	व.	४२	४९	मित्र	२६	६	९	वृ.	२४	३२	५	४०	६	२०	४	८	३०	५२	५७	४८
३१	३७	८	मं.	४८	३६	अ.	४८	५३	त्रै.	६०	०	वि.	१५	४४	वव	४८	३६	वज्र	२७	७	१०				५	४१	६	१९	४	९	१८	५०	५७	५०
३१	३४	९	बु.	५३	३७	ज्ये.	५४	५६	वै.	१	४९	वा.	२१	२	कौ.	५३	३७	ध्वांक्ष	२८	८	११	ध.	५४	५६	५	४१	६	१९	४	१०	१६	३०	५७	५२
३१	३०	१०	गु.	५७	४६	मू.	६०	०	वि.	३	१४	तै.	२५	३७	ग.	५७	४६	धूम्र	२९	९	१२				५	४२	६	१८	४	११	१४	२६	५७	५४
३१	२७	११	शु.	५८	१९	मू.	०	१५	प्री.	३	२३	व.	२८	२	वि.	५८	१९	स्थिर	३०	१०	१३				५	४३	६	१७	४	१२	१२	२०	५७	५६
३१	२३	१२	श.	५८	१५	पू.	३	१३	आ.	५६	४१	त्र.	२८	१०	वा.	५८	१५	मातंग	३१	११	१४	म.	५८	३३	५	४३	६	१७	४	१३	१०	१६	५७	५८
३१	२०	१३	र.	५५	४१	उ.	४	३४	शो.	५५	१८	कौ.	२६	५२	तै.	५५	४१	अमृत	१	१२	१५				५	४४	६	१६	४	१४	८	१४	५८	०
३१	१७	१४	चं.	५१	३६	श्र.	४	५४	अ.	४९	४६	ग.	२३	३८	व.	५१	३३	सिद्धि	२	१३	१६	कुं.	३२	५९	५	४५	६	१५	४	१५	६	१४	५८	२
३१	१३	१५	मं.	४५	५७	ध.	५८	३५	सु.	४२	५४	वि.	१८	४५	वव	४५	५७	उत्पात	३	१४	१७				५	४५	६	१५	४	१६	४	१६	५८	४

श्री शुभ संवत् २०२० शके १८८५ भाद्रपद शुक्लपक्षः।
याम्यायनम्। सौम्यगोलः। अगस्त २० से सितम्बर ३ तक।

चन्द्रदर्शनम्। कन्यायाँ बुधः १।९। उग्र कर्म मु.।
रवि उस्सानी। क्रुर कर्म मु.। c १९।५१ या,।
भ. ५१।२२ उ.। मन्वादि। हरतालिका ३ व्रतम्। हस्तौ a
भ. २४।१३ या.। चित्रा भे भौमः २१।२९। गणेश ४ व्रतम् d
ऋषिपञ्चमी। a प्राच्याँ यात्रा मु.। या. जय मु.।
चर कर्म मु.। अर्कषष्ठी। लोलार्ककुण्डे स्नानम्।
भ. ४२।४९ उ.। महालक्ष्मी व्रतारम्भः। अनु. भे उदीच्यां d
भ. १५।४४ या.। दूर्वाष्टमी। d यात्रा मु.।
तीक्ष्ण कर्म मु.। c १२। पद्मा ११ व्रतं स्मार्तानाम्।
दारुण कर्म मु.। bतिथि दानात् दक्षिण पूर्वयो यात्रा मु. c
भ. २८।२ उ. ५८।१९ या.। पूर्वा फाल्गुनी भे शुक्रः ३५। e
पूर्वा फाल्गुनी भे रविः १५।१६। हस्ते बुधः १९।९। पद्मा i
सितम्बर। स. सि. योगः यायी जय योगश्च ४।३४ या.।
भ. ५१।३६ उ.। तुलायां भौमः १२।५२। अनन्त १४ व्रतम्
भ. १८।४५ या.। महालयारम्भः। i ११ व्रतं वैष्णवानाम्।

भा. शु. ५ शनौ इ. ४५।५३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	५	११	४	९	२	८
७	२४	४	२५	६	२५	२४	२४
३	२७	५६	४४	१४	२९	५०	५०
२१	१३	२३	१४	२७	५२	४४	४४
५७	३९	५०	$१\frac{३}{४}$	७४	४	३	३
४५	४५	५२	व	३७	२५	११	११

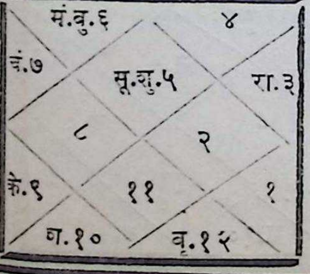

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.	२ बु.	३ बृ.	४ शु.	५ श.	६ र.	७ चं.	८ मं.	९ बु.	१० बृ.	११ शु.	१२ श.	१३ र.	१४ चं.	१५ मं.
सिं. अं.	७ ४१	७ ३७	७ ३३	७ २९	७ २५	७ २१	७ १८	७ १५	७ ११	७ ६	७ ३	६ ५९	६ ५३	६ ५०	६ ४६
क. अं.	९ ५७	९ ५३	९ ४९	९ ४५	९ ४१	९ ३८	९ ३५	९ ३१	९ २७	९ २३	९ १९	९ १५	९ १२	९ ९	९ ६
तु. अं.	१२ १५	१२ ११	१२ ७	१२ ३	११ ५९	११ ५६	११ ५३	११ ४९	११ ४५	११ ४१	११ ३७	११ ३३	११ ३०	११ २७	११ २४
वृ. अं.	२ ३३	२ २९	२ १५	२ २१	२ १७	२ १४	२ ११	२ ७	२ ३	१ ५९	१ ५५	१ ५१	१ ४८	१ ४५	१ ४२
ध. अं.	४ ३८	४ ३४	४ ३०	४ २६	४ २२	४ १९	४ १६	४ १२	४ ८	४ ४	४ ०	३ ५६	३ ५३	३ ५०	३ ४७
म. अं.	६ २३	६ १९	६ १५	६ ११	६ ७	६ ३	६ ०	५ ५७	५ ५३	५ ४९	५ ४५	५ ४१	५ ३८	५ ३५	५ ३२
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
कुं. अं.	७ ५३	७ ४९	७ ४५	७ ४१	७ ३७	७ ३४	७ ३१	७ २८	७ २४	७ १९	७ १५	७ ११	७ ८	७ ५	७ २
मी. अं.	९ २०	९ १६	९ १२	९ ८	९ ४	९ १	८ ५८	८ ५४	८ ५०	८ ४६	८ ४२	८ ३८	८ ३५	८ ३२	८ २९
मे. अं.	१० ५६	१० ५२	१० ४८	१० ४४	१० ४०	१० ३७	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१७ ११	१० ८	१० ५
वृ. अं.	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३३	१२ ३०	१२ २६	१२ २२	१२ १८	१२ १४	१२ १०	१२ ७	१२ ४	१२ १
मि. अं.	३ ६	३ २	२ ५८	२ ५४	२ ५०	२ ४७	२ ४४	२ ४०	२ ३६	२ ३२	२ २८	२ २४	२ २१	२ १८	२ १५
क. अं.	५ २४	५ २०	५ १६	५ १२	५ ८	५ ५	५ २	४ ५८	४ ५४	४ ५०	४ ४६	४ ४२	४ ३९	४ ३६	४ ३३

भा. शु. १२ शनौ इ. ४५।५७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	५	११	४	९	२	८
१३	२९	१०	२५	१४	२४	२४	२४
४८	२	१२	२०	४८	५०	२८	२८
५७	४८	२१	५	३७	४८	४२	४८
५७	४०	२३	$२\frac{४}{५}$	७४	$१\frac{४}{५}$	३	३
५८	२१	९	व	३९	व	११	११

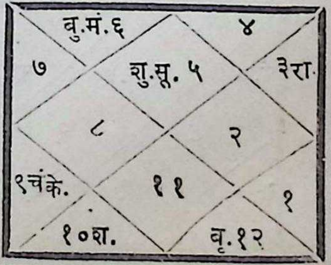

श्री शुभ संवत् २०२० शके १८८५ शुद्ध आश्विन कृष्णपक्षः। यास्म्यायनम् । सौम्यगोलः । सितम्बर ४ से १७ तक।

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३१	९	१	बु.	३९	३९	पू.	५३	१४	धृ.	२४	१३	बा.	१३	३८	कौ.	३९	३९	पद्म	२६	४	१८	मी.	३९	५१	५	४६	६	१४	४	१७	३	२०	५८	६
३१	६	२	गु.	३२	२६	उ.	४७	५७	शू.	२६	४३	तै.	६	२	ग.	३२ ५८	२६ ४१	छत्र	२७	५	१९				५	४७	६	१३	४	१८	०	२६	५८	८
३१	२	३	शु.	२४	५७	रे.	४२	५३	गं.	१७	५५	वि.	२४	५७	व.	४१	१५	श्रीवत्स	२८	६	२०	मे.	४२	५३	५	४८	६	१२	४	१८	५८	३४	५८	१०
३०	५९	४	श.	१७	३४	अ.	३७	४७	वृ.	९	३६	वा.	१७	१४	कौ.	४४	६	सौम्य	२९	७	२१				५	४८	६	१२	४	१९	५६	४४	५८	१२
३०	५५	५	र.	१०	३९	भ.	३२	५३	ध्रु.	० ५६	५३ ५१	तै.	१०	३२	ग.	३७	३८	कालदं.	३०	८	२२	वृ.	४६	५२	५	४९	६	११	४	२०	५४	५६	५८	१४
३०	५१	६	चं.	४ ५४	३७ ३१	कृ.	२८	४७	ह.	४७	३१	व.	४	३७	वि.	३[illegible] ५९	५६ १६	स्थिर	३१	९	२३				५	५०	६	१०	४	२१	५३	१०	५८	१२
३०	४६	८	मं.	५४	३९	रो.	२४	४५	व.	३८	३७	बा.	२४	३८	कौ.	५४	३९	मातंग	१	१०	२४	मि.	५४	१	५	५०	६	१०	४	२२	५१	२७	५८	२०
३०	४४	९	बु.	५१	१७	मृ.	२३	१६	सि.	३२	३३	तै.	२२	४९	ग.	५१	१७	अमृत	२	११	२५				५	५१	६	९	४	२३	४९	४७	५८	२२
३०	४१	१०	गु.	४७	१७	आ.	२०	५३	व्य.	२६	५३	व.	१९	५	वि.	४७	१७	काण	३	१२	२६				५	५२	६	८	४	२४	४८	९	५८	२५
३०	३७	११	शु.	४६	१४	पु.	२१	२१	व.	२२	३४	व.	१६	४०	बा.	४६	१४	लुम्ब	४	१३	२७	क.	६	१४	५	५३	६	७	४	२५	४६	३४	५८	२७
३०	३३	१२	श.	४५	१५	पु.	२१	३१	प.	१८	२५	कौ.	१५	४३	तै.	४५	१५	मित्र	५	१४	२८				५	५३	६	७	४	२६	४५	१	५८	३०
३०	३०	१३	र.	४५	३९	श्ले.	२२	३९	शि.	१५	३२	ग.	१५	२२	व.	४५	३९	वज्र	६	१५	२९	सिं.	२२	३९	५	५४	६	६	४	२७	४३	३१	५८	३२
३०	२६	१४	चं.	४६	३६	म.	२४	४५	सि	१२	३९	वि.	१६	२	श.	४६	३६	ध्वांक्ष	७	१६	३०				५	५५	६	५	४	२८	४२	३	५८	३४
३०	३३	३०	मं.	४९	१३	पू.	२८	३६	सा.	११	३९	च.	१७	५४	ना.	४९	१३	धुम्र	८	१७	३१	कं.	४४	३३	६	५५	६	५	४	२९	४०	३७	५८	३६

उग्र कर्म मु.। b षाव्। बुधास्त-पश्चिमायाम् ३९।४७।

भ. ५८।४१ उ.। वक्री बुधः १०।४७। रेवत्यां उदीच्यों c

भ. २४।५७ या.। उदीच्यां यात्रा मु.।

या. जय मु.। c यात्रा मु.। तृतीया योगे या. जय मु.।

भ. ४।३७ उ. ३१।५६ या.।

उत्तरा फाल्गुनी भे शुक्रः १९।१७। कन्यायां शुक्रः५९।४७।

मातृनवमी। मृग भे दक्षिण पश्चिमयोः यात्रा मु. तिथिदानात्।

भ. १९।५ उ. ४७।१७ या.। स्वाती भे भौमः २३।४३। c

उत्तरा फाल्गुनी भे रविः ५९।५८। इन्दिरा ११ व्रतं प्रायस्सर्वो

भ. ४५।३९ उ.। प्रदोषः। या. जय. मु.। h व्रतम्।

भ. १६।८ या.। शास्त्रादि हतानां श्राद्धम्। मास शिवरात्रि h

सं. कन्यायामर्कः २९।३७। सर्वपैत्री ३०। पितृ विसर्जनम्।

आ. कृ. ४ शनौ इ. ४५।२९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	६	५	११	४	९	२	८
२०	३	११	२४	२३	२४	२४	२४
३५	३८	५६	४५	३०	३०	५	५
१४	१५	३५	५५	११	२५	५२	५२
५८	४०	१५ २२	५ २५	७४	३ ५२	३	३
१२	३७	व.	व.	२७	व.	११	११

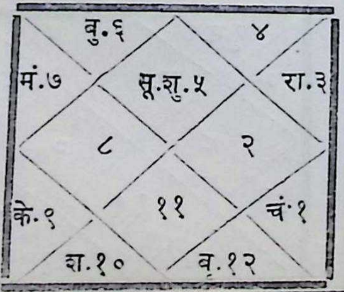

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१बु.	२बृ.	३शु.	४श.	५र.	६चं.	८मं.	९बु.	१०बृ.	११शु.	१२श.	१३र.	१४चं.	१५मं.
सिं. अं.	६ ४३	६ ४०	६ ३६	६ ३३	६ ३०	६ २७	६ २४	६ २०	६ १६	६ १२	६ ८	६ ५	६ २	५ ५९
कं. अं.	९ ३	८ ५९	८ ५५	८ ५१	८ ४७	८ ४३	८ ४०	८ ३६	८ ३२	८ २८	८ २४	८ २१	८ १८	८ १५
तु. अं.	११ २१	११ १७	११ १३	११ ९	११ ५	११ १	१० ५८	१० ५४	१० ५०	१० ४६	१० ४२	१० ३९	१० ३६	१० ३३
वृ. अं.	१ ३९	१ ३५	१ ३१	१ २७	१ २३	१ १९	१ १६	१ १२	१ ८	१ ४	१ ०	१२ ५७	१२ ५४	१२ ५१
ध. अं.	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३३	३ २८	३ २४	३ २१	३ १७	३ १३	३ ९	३ ५	३ २	२ ५९	२ ५६
म. अं.	५ २९	५ २५	५ २१	५ १७	५ १३	५ ९	५ ६	५ २	४ ५८	४ ५४	४ ५०	४ ४७	४ ४४	४ ४१
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
कुं. अं.	६ ५९	६ ५५	६ ५१	६ ४७	६ ४३	६ ३९	६ ३६	६ ३२	६ २८	६ २४	६ २०	६ १७	६ १४	६ ११
मी.अं.	८ २६	८ २२	८ १८	८ १४	८ १०	८ ६	८ ३	७ ५९	७ ५५	७ ५१	७ ४७	७ ४४	७ ४१	७ ३८
मे. अं.	१० २	९ ५८	९ ५४	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३९	९ ३५	९ ३१	९ २७	९ २३	९ २०	९ १७	९ १४
वृ. अं.	११ ५८	११ ५४	११ ५०	११ ४६	११ ४२	११ ३८	११ ३५	११ ३१	११ २७	११ २३	११ १९	११ १६	११ १३	११ १०
मि.अं.	२ १२	२ ८	२ ४	२ ०	१ ५६	१ ५२	१ ४९	१ ४५	१ ४१	१ ३७	१ ३३	३ ३०	१ २७	१ २४
क. अं.	४ ३०	४ २६	४ २२	४ १८	४ १४	४ १०	४ ७	४ ३	३ ५९	३ ५५	३ ५१	३ ४८	३ ४५	३ ४२

आ. कृ. ११ शनौ इ. ४५।१६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	६	५	११	५	९	२	८
२७	८	८	२४	२	२४	२३	२३
२३	१६	४३	४	११	४९	४३	४३
४९	२४	४३	५२	२७	४८	३७	३७
५८	४१	५० ५३	६ २२	७४	३	३	३
३०	१२	व.	व.	२४	२८	११	११

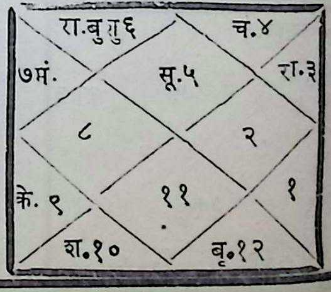

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३०	१९	१	बु.	५२	४९	उ.	३२	५३	शु.	११	२३	कि	२०	५०	वव	५२	४९	प्रवर्धं.	१८	२९	१				५	५६	६	४	५	०	३९	३	५८	३८
३०	१५	२	बृ.	५७	५७	ह.	३८	५५	शु.	११	१३	वा.	२५	१७	कौ.	५७	५७	रक्ष	१९	३०	२				५	५७	६	३	५	१	३८	४	५८	४०
३०	१२	३	शु.	६०	०	चि.	४१	३४	ब्र.	१२	३४	तै.	३०	३०	ग.	६०	०	मुशल	२०	१	३	तु.	१२	१५	५	५८	६	२	५	२	३७	२१	५८	४३
३०	८	३	श.	३	३३	स्वा	५२	३३	ऐ.	१४	२५	ग.	३	३३	व	३६	३३	सिद्धि	२१	२	४				५	५८	६	२	५	३	३६	४	५८	४५
३०	४	४	र.	९	३३	वि.	६०	०	वै.	१६	४१	वि.	९	३३	वव	४२	४३	उत्पा.	२२	३	५	वृ.	४२	१९	५	५९	६	१	५	४	३४	४९	५८	४७
३०	०	५	चं.	१५	५३	वि.	०	१७	वि.	१८	३६	वा.	१५	५३	कौ.	४९	१०	मित्र	२३	४	६				६	०	६	०	५	५	३३	३६	५८	४९
२९	५७	६	मं.	२२	२७	अ.	७	४९	प्री.	२१	३६	तै.	२२	२७	ग.	५५	१	वज्र	२४	५	७				६	१	५	५९	५	६	३२	२५	५८	५२
२९	५३	७	बु.	२७	३५	ज्ये.	१४	५६	आ.	२३	३८	व.	२७	३५	वि.	५९	३७	ध्वांक्ष	२५	६	८	ध.	१४	५६	६	१	५	५९	५	७	३१	१७	५८	५४
२९	५०	८	बृ.	३१	२९	मू.	२०	३४	सौ.	२४	३७	वव	३१	३९	वा.	६०	०	धूम्र	२६	७	९				६	२	५	५८	५	८	३०	११	५८	५६
२९	४६	९	शु.	३४	३७	पू.	२५	३५	शो.	२४	३७	वा.	३	१८	कौ.	३४	३७	प्रवर्ध	२७	८	१०	म.	४१	५०	६	३	५	५७	५	९	२९	७	५८	५९
२९	४२	१०	श.	३४	४५	उ.	२७	५६	अ.	२२	४६	तै.	४	२६	ग.	३४	४५	रक्ष	२८	९	११				६	४	५	५६	५	१०	२८	६	५९	१
२९	३९	११	र.	३३	३९	श्र.	२८	४६	सु.	१९	४१	व.	४	२	वि.	३३	३९	गद	२९	१०	१२	कुं.	५८	६	६	५	५	५५	५	११	२७	७	५९	३
२९	३५	१२	चं.	२९	४६	ध.	२७	३६	धृ.	१४	५९	वा.	२९	४६	कौ.	५७	४९	शुभ	३०	११	१३				६	५	५	५५	५	१२	२६	१०	५९	६
२९	३१	१३	मं.	२४	३७	श.	२४	२१	शू.	८	३३	तै.	२४	३७	ग.	५०	९	मृत्यु	१	१२	१४				६	६	५	५४	५	१३	२५	१६	५९	८
२९	२७	१४	बु.	१७	३४	पू.	१९	३५	गं.	० ५८	५१ ५७	व.	१७	३४	वि.	४३	३६	पद्मं	२	१३	१५	मी.	५	४६	६	७	५	५३	५	१४	२४	२४	५९	९
२९	२४	१५	बृ.	९	३९	उ.	१३	१५	ध्रु.	४२	२७	वव	९	३९	वा.	३६	७	छत्र	३	१४	१६				६	७	५	५३	५	१५	२३	३३	५९	११

श्री शुभ सवत् २०२० शके १८८५ अधिक आश्विन शुक्लपक्षः
याम्यायनम् । सौम्य गोल । सितम्बर १८ से अक्टूबर ३ तक ।

f ४५।५९ । वक्री श्रवणे ४ g
चन्द्रदर्शनम् । प्राच्यां यात्रा मु. । b केतुः २०।३२
जमादिउल अव्वल । g चरणे ईनि ५२।४१ ।
भ. ३६।३३ उ. । वक्री रेवत्यां २ पादे गुरुः २८।७ । हस्त a
भ. ९।३३ या. । पुन भे १ चरणे राहुः पूर्वाषाढ़ भे ३ चरणे b
वक्री सिंहे बुधः ९।३६ । अनु. भे उदीच्यां यात्रा मु. यायी c
ज्ये. भे तीक्ष्ण कर्म मु. । c जय मुश्च ।
भ. २७।३५ उ. ५९।३७ या. । दारुण कर्म मु. ।
तीक्ष्ण कर्म मु. । a भे शुक्रः २।५८ । या. जय मु. ३।३३ या. ।
हस्त भे रविः २७।१६ । मन्वादि । बुधोदयः पूर्वस्याम् ४२।५३ ।
एकादशी उत्तरा योगे या.जयमु. । शुक्रोदयःपश्चिमायाम् ३७।१४
भ. ४।२ उ. ३३।३९ या. । मार्गी बुधः २३।३८ । युगादि d
प्रदोषः । प्रतीच्यां यात्रा मु. तिथि दानात् । e यात्रा मु. ।
अक्टूबर । विशाखा भे भौमः ५५।३४ चित्रा भे शुक्रः f
भ. १७।३४ उ. ४३।३६ या. । व्रताय पूर्णिमा ।
स्नान दानादौ १५ । d कमला ११ व्रतं सर्वेषाम् । दक्षिण e

अ. आ. शु. ३ शनौ इ. ४४।४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	६	५	११	५	९	२	८
४	१३	१	२३	११	२३	२३	२३
१३	०	४०	१६	२०	३६	२१	२१
१६	३१	५२	५४	४२	४१	३५	३५
५८	४१	७३	७	७४	३	३	३
४५	२७	१४	१२	२४	२४	११	११

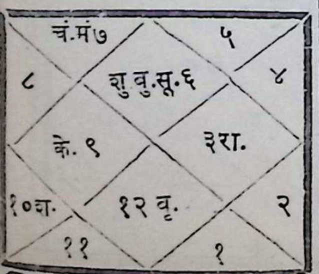

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१बु.	२वृ.	३शु.	३श.	४र.	५चं.	६मं.	७बु.	८बृ.	९शु.	१०श.	११र.	१२चं.	१३मं.	१४बु.	१५बृ.
कं. अं.	८ १२	८ ८	८ ४	८ ०	७ ५६	७ ५३	७ ५०	७ ४७	७ ४३	७ ३९	७ ३५	७ ३१	७ २७	७ २४	७ २१	७ १७
तु. अं.	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० ११	१० ८	१० ५	१० १	९ ५७	९ ५३	९ ४९	९ ४५	९ ४२	९ ३९	९ ३५
वृ. अं.	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३२	१२ २९	१२ २६	१२ २३	१२ १९	१२ १५	१२ ११	१२ ७	१२ ३	१२ ०	११ ५७	११ ५३
ध. अं.	२ ५३	२ ४९	२ ४५	२ ४१	२ ३७	२ ३४	२ ३१	२ २८	२ २४	२ २०	२ १६	२ १२	२ ८	२ ५	२ २	१ ५८
म. अं.	४ ३८	४ ३४	४ ३०	४ २६	४ २२	४ १९	४ १६	४ १३	४ ९	४ ५	४ १	३ ५७	३ ५३	३ ५०	३ ४७	३ ४३
कुं. अं.	६ ८	६ ४	६ ०	५ ५६	५ ५२	५ ४९	५ ४६	५ ४३	५ ३९	५ ३५	५ ३१	५ २७	५ २३	५ २०	५ १७	५ १३
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मी. अं.	७ ३५	७ ३१	७ २७	७ २३	७ १९	७ १६	७ १३	७ १०	७ ६	७ २	६ ५८	६ ५४	६ ५०	६ ४७	६ ४४	६ ४०
मे. अं.	९ ११	९ ७	९ ३	८ ५९	८ ५५	८ ५२	८ ४९	८ ४६	८ ४२	८ ३८	८ ३४	८ ३०	८ २६	८ २३	८ २०	८ १६
वृ. अं.	११ ७	११ ३	१० ५९	१० ५५	१० ५१	१० ४८	१० ४५	१० ४२	१० ३८	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १९	१० १६	१० १२
मि. अं.	१ २१	१ १७	१ १३	१ ९	१ ५	१ २	१२ ५९	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३३	१२ ३०	१२ २६
क. अं.	३ ३९	३ ३५	३ ३१	३ २७	३ २३	३ २०	३ १७	३ १४	३ १०	३ ६	३ २	२ ५८	२ ५४	२ ५१	२ ४८	२ ४४
सिं. अं.	५ ५६	५ ५२	५ ४८	५ ४४	५ ४०	५ ३७	५ ३४	५ ३१	५ २७	५ २३	५ १९	५ १५	५ ११	५ ८	५ ५	५ १

अ. आ. शु. १० शनौ इ. ४४।५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	६	४	११	५	९	२	८
११	१७	२७	[illegible]	१९	२३	२२	२२
६	४५	२८	२४	३७	२६	५३	५९
२७	३७	५९	१२	१४	३९	४५	४५
५९	४१	२ ४/३	४ ७/३	७४	२/१०	३	३
१	४२	व.	व.	३२	व.	११	११

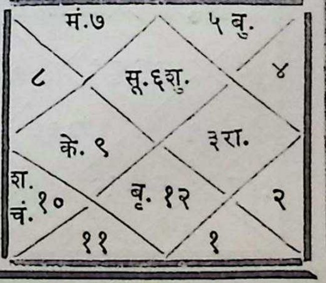

श्री शुभ संवत् २०२० शाके १८८५ अधिक आश्विन कृष्णपक्षः याम्यायनम्। सौम्यगोलः। अक्टूबर ४ से १७ तक।

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	वं.	मि.	वं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि
२९	२०	१	शु.	२/५८	३५/२९	रे.	६/५२	५९/१८	व्या	३२	७	कौ.	२	३५	तै.	३०/५८	२७/१४	श्रीवत्स	४	१५	१७	मे.	६	५९	६	८	५	५२	५	१६	२२	४४	५९	१४
२९	१६	३	श.	४८	३७	भ.	५३	५१	ह.	२१	५६	व.	१७	३	वि.	४८	३७	ध्वांक्ष	५	१६	१८				६	९	५	५१	५	१७	२१	५८	५९	१६
२९	१३	४	र.	४४	५०	कृ.	४६	४७	व.	११	१४	व.	८	४३	वा.	४४	५०	धूम्र	६	१७	१९	वृ.	७	४	६	९	५	५१	५	१८	२१	१४	५९	१८
२९	९	५	चं.	३७	४५	रो.	४१	३६	सि	२/५४	४४/१३	कौ.	११	२७	तै.	३७	४५	प्रवर्ध.	७	१८	२०				६	१०	५	४	५	१९	२०	३२	५९	२०
२९	५	६	मं.	३२	७	मृ.	३७	५५	व.	४७	१	ग.	३५	६	व.	३२	७	रक्ष	८	१९	२१	मि.	३२	५५	६	११	५	४९	५	२०	१९	५२	५९	२२
२९	२	७	बु.	२७	३७	आ.	३५	३३	प.	४०	४४	व.	२७	३७	वा.	५६	१४	मुशल	९	२०	२२				६	१२	५	४८	५	२१	१९	१४	५९	२४
२८	५६	८	गु.	२४	५१	पुन.	३४	२९	शि.	३५	३४	कौ.	२४	५१	तै.	५१	३९	सिद्धि	१०	२१	२३	क.	१४	४५	६	१२	५	४८	५	२२	१८	३८	५९	२६
२८	५५	९	शु.	१८	२८	पु.	३४	५४	सि.	३१	४६	ग.	१८	२८	व.	४५	४९	उत्पात	११	२२	२४				६	१३	५	४७	५	२३	१८	४	५९	२८
२८	५१	१०	श.	१३	१०	श्ले.	३६	४३	सा.	२८	४६	वि	१३	१०	बव	४३	४४	मानस	१२	२३	२५	सिं.	३६	४३	६	१४	५	४६	५	२४	१७	३२	५९	३१
२८	४८	११	र.	१४	१९	म.	३९	५४	शु.	२७	१७	वा.	१४	१९	कौ.	४५	३१	मुद्गर	१३	२४	२६				६	१४	५	४६	५	२५	१७	३	५९	३३
२८	४४	१२	चं.	१६	४३	पू.	४४	७	शु.	२६	९	तै.	१६	४३	ग.	४८	३१	ध्वज	१४	२५	२८				६	१५	५	४५	५	२६	१६	३६	५९	३५
२८	४०	१३	मं.	२०	२५	उ.	४९	२१	ब्र.	२६	३१	ब.	२०	२५	वि.	५२	३२	धाता	१५	२६	२८	कं.	०	२६	६	१६	५	४४	५	२७	१६	११	५९	३७
२८	३६	१४	बु.	२४	४१	ह.	५५	१४	ऐं.	२६	५१	श.	२४	४१	च.	५७	४६	आनंद	१६	२७	२९				६	१७	५	४३	५	२८	१५	४८	५९	३९
२८	३३	३०	गु.	३०	११	चि.	६०	०	वै.	२८	१५	ना.	३०	११	कि.	६०	०	चर.	१७	२८	३०	तु.	८	३४	६	१७	५	४३	५	२९	१५	२७	५९	४१

उदीच्यां यात्रा मु.।

भ.१७।३ उ.४८।१७ या.। कन्यायां बुधः २०।७। या.जय मु.

मिश्र कर्म मु.।

तुलायां शुक्रः ७।९। मृगभे दक्षिण यात्रा मु.।

भ. ३२।७ उ. ५९।५२ या.।

तीक्ष्ग कर्म मु.।

प्रतीच्यां यात्रा मु.। पुष्ये स.सि.अ.सि.योगः। उदीच्यां यात्रा मु.

भ. ४५।४९ उ.। चित्रा भे रविः ९४१

भ. १३।१० या.। हस्ते बुधः ५८।४४। स्वाती भे शुक्रः २६।३६

कमला ११ व्रतं सर्वेषाम्।

भ. २०।२५ उ. ५२।३२ या.।

वक्री रेवती भे शुक्रः ४२।५६ g पूर्वस्याम्।

तुलायामर्कः ५१।२२। वृश्चिके भौमः १८।५७ बुधास्त g

अ. आ. कृ. ३ शनौ इ. ४४।३८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	६	५	११	५	९	२	८
१७	२२	०	२१	२८	२३	२२	२२
५९	३५	२७	२८	१८	१३	३६	३६
४८	१७	३२	३४	२७	१४	५६	५६
५९	४२	६४	५/८३	७४	१/३४	३	३
१६	१३	५७	व.	२७	व.	११	११

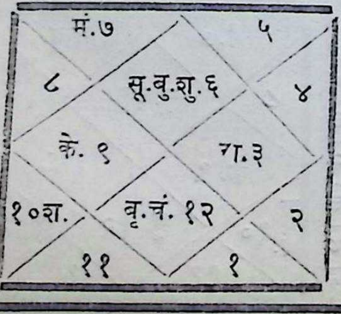

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.	३ श.	४ र.	५ चं.	६ मं.	७ बु.	८ बृ.	९ शु.	१० श.	११ र.	१२ चं.	१३ मं.	१४ बु.	३० बृ.
कं. अं.	७ १३	७ ९	७ ५	७ १	६ ५८	६ ५५	६ ५२	६ ४८	६ ४४	६ ४०	६ ३६	६ ३३	६ ३०	६ २६
तु. अं.	९ ३१	९ २७	९ २३	९ १९	९ १५	९ १३	९ १०	९ ६	९ २	८ ५९	८ ५४	८ ५१	८ ४८	८ ४४
वृ. अं.	११ ४९	११ ४५	११ ४१	११ ३७	११ ३४	११ ३१	११ २८	११ २४	११ २०	११ १६	११ १२	११ ९	११ ६	११ २
ध. अं.	१ ५४	१ ५०	१ ४६	१ ४२	१ ३९	१ ३६	१ ३३	१ २९	१ २५	१ २१	१ १७	१ १४	१ ११	१ ७
म. अं.	३ ३९	३ ३५	३ ३१	३ २७	३ २४	३ २१	३ १८	३ १४	३ १०	३ ६	३ २	२ ५९	२ ५६	२ ५२
कुं. अं.	५ ९	५ ५	५ १	४ ५७	४ ५४	४ ५१	४ ४८	४ ४४	४ ४०	४ ३६	४ ३२	४ २९	४ २६	४ २२
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मी. अं.	६ ३६	६ ३२	६ २८	६ २४	६ २१	६ १८	६ १५	६ ११	६ ७	६ ३	५ ५९	५ ५६	५ ५३	५ ४९
मे. अं.	८ १२	८ ८	८ ४	८ ०	७ ५७	७ ५४	७ ५१	७ ४७	७ ४३	७ ३९	७ ३५	७ ३२	७ २९	७ २५
वृ. अं.	१० ८	१० ४	१० ०	९ ५६	९ ५३	९ ५०	९ ४७	९ ४३	९ ३९	९ ३५	९ ३१	९ २८	९ २५	९ २१
मि. अं.	१२ २२	१२ १८	१२ १४	१२ १०	१२ ७	१२ ४	१२ १	११ ५७	११ ५३	११ ४९	११ ४५	११ ४२	११ ३९	११ ३५
क. अं.	२ ४०	२ ३६	२ ३२	२ २८	२ २५	२ २२	२ १९	२ १५	२ ११	२ ७	२ ३	२ ०	१ ५७	१ ५३
सिं. अं.	४ ५७	४ ५३	४ ४९	४ ४५	४ ४२	४ ३९	४ ३६	४ ३२	४ २८	४ २४	४ २०	४ १७	४ १४	४ १०

अ. आ. कृ. १० शनौ इ. ४४।२४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	६	५	११	६	९	२	८
२४	२७	९	२०	७	२३	२२	२२
५५	२८	३९	३१	४	४	१४	१४
३९	१२	१४	४४	२२	५९	४२	४२
५९	४३	९३	७/८२	७४	०/८२	३	३
३१	३३	४४	व.	२६	व.	११	११

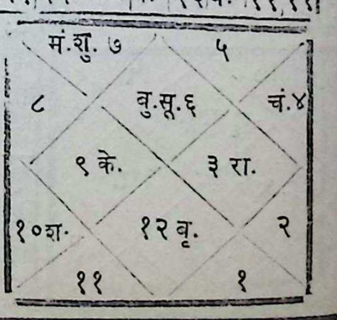

दि.मा.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि
२८	२९	१	शु.	३५	५७	चि.	१	५७	वि.	२३	५९	किं.	३	४	बव	३५	५७	मुसल	१८	२९	१				६	१८	५	४२	६	०	१५	८	५९	४३
२८	२६	२	श.	४२	१५	स्वा	९	१६	प्री.	३१	५९	वा.	९	०	कौ.	४२	१५	सिद्धि	१९	३०	२	वृ.	५९	५९	६	१९	५	४१	६	१	१४	५१	५९	४६
२८	२२	३	र.	४८	४४	वि.	१६	५३	आ.	३४	३४	तै.	१५	२७	ग.	४८	४४	उत्पात	२०	१	३				६	२०	५	४०	६	२	१४	३७	५९	४९
२८	१९	४	चं.	५४	४९	अ.	२४	३९	सौ.	३६	५५	व.	२१	४७	वि	५४	४९	मानस	२१	२	४				६	२०	५	४०	६	३	१४	३६	५९	५१
२८	१५	५	मं.	६०	०	ज्ये.	३१	५९	शो.	३८	५७	व.	२७	४८	वा.	६०	०	मुद्गर	२२	३	५	ध.	३१	५९	६	२१	५	३९	६	४	१४	११	५९	५३
२८	१२	५	बु.	०	४७	मू.	३८	३४	अ.	४०	४१	वा.	०	४७	कौ	३३	९	ध्वज	२३	४	६				६	२२	५	३८	६	५	१४	४	५९	५६
२८	८	६	गु.	५	३५	पू.	४३	३३	सु.	४१	२९	तै.	५	३५	ग.	३७	११	धाता	२४	५	७	.	५९	४८	६	२२	५	३८	६	६	१४	०	५९	५८
२८	५	७	शु.	८	५३	उ.	४८	३१	धृ.	४१	७	व.	८	५३	वि	३९	५२	आनन्द	२५	६	८				६	२३	५	३७	६	७	१३	५८	६०	०
२८	१	८	श.	१०	५१	श्र.	५०	३९	शू.	३९	२४	व.	१०	५१	वा.	४०	४७	स्थिर	२६	७	९				६	२४	५	३६	६	८	१३	५८	६०	२
२७	५८	९	र.	१०	४४	ध.	५०	५७	गं.	३६	१५	कौ.	१०	४४	तै	३९	४२	मातंग	२७	८	१०	कुं.	२०	४८	६	२४	५	३६	६	९	१४	०	६०	४
२७	५५	१०	चं.	८	४१	श.	४९	३७	वृ.	३१	३२	ग.	८	४१	व.	३६	४२	अमृत	२८	९	११				६	२५	५	३७	६	१०	१४	४	६०	०
२७	५१	११	मं.	४ ५८	४२ ४५	पू.	४६	३२	ध्रु.	२४	५३	वि.	४	४२	वव	३२ ५९	४ २७	काण	२९	१०	१२	मी.	३२	१७	६	२६	५	३४	६	११	१४	११	६०	९
२७	४८	१३	बु.	४९	२४	उ.	४०	३४	व्या	१६	४९	कौ.	२१	२५	तै.	४९	२४	लुम्ब	३०	११	१३				६	२६	५	३४	६	१२	१४	२०	६०	११
२७	४५	१४	गु.	४२	३१	रे.	३४	१९	ह.	७ ५१	५७ २१	ग.	१५	४८	व.	४२	३१	मित्र	३१	१२	१४	मे.	३४	१९	६	२७	५	३३	६	१३	१४	३१	६०	१४
२७	४२	१५	शु.	३४	३९	अ.	२६	५३	सि.	४६	४१	वि.	७	३०	वव	३५	२१	वज्र	१	१३	१५				६	२८	५	३२	६	१४	१४	४५	६०	१६

श्री शुभ संवंत्२०२० शाके १८८५ शुद्ध आश्विन शुक्लपक्ष।
याम्यायन गोलौ। अक्टूबर १८ से नवम्बर १ तक।

शारदीय नवरात्रारम्भः। मातामह श्राद्धम्। fबुधः ५८।२६।
चन्द्रदर्शनम्। स. सि. योगः ९।४९ अ.।
जमाद उस्सानी। अनुराधा भे भौमः ५८।९। चित्रा भेf
भ. २१।४७ उ. ५४।४९ या.। मार्गी शनिः १४।३९।b
उपांग ललिता व्रतम्। सरस्वत्यावाहनम् मूले।
विशाखा भे शुक्रः ९।७। bउदीच्यां यात्रा मु. तिथिदानात्।
स्वाती भे रविः ३२।९। तुलायां बुधः ३७।५२।
भ. ८।५३ उ. ३९।५२ या.। कल्पादि।
सरस्वती विसर्जनम्। स. सि. योगः दक्षिण यात्रा मु.
विजया १०। दशहरा। बुद्ध जयन्ती। या. जय.मु.१०।४४या.।
भ. ३६।४२ उ.। स्वाती भे बुधः ३५।५२।
भ. ४।४२ या.। पापाङ्कुशा ११ व्रतं सर्वेषाम्। उग्र कर्म मु.
स्थिर कर्म मु.। cकोजागर्ति। कोजागरी १५। कार्तिकd
भ. ४२।३१ उ.। वृश्चिके शुक्रः ६।५२। dस्नानारम्भः।
नवम्बर। भ. ७।३० या.। मन्वादि। शरद् पूर्णिमा।e

शुद्ध आ. शु. शनौ इ. ४४।१३

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	७	५	११	६	९	२	८
१	२	२१	१९	१५	२३	२१	२१
५३	२६	१५	३६	४७	१	५२	५२
२३	१४	३३	४७	१४	१८	३४	३४
५९	४२	१०२	७ ३८	७४	० ११	३	३
४६	४७	३९	व.	३५	व.	११	११

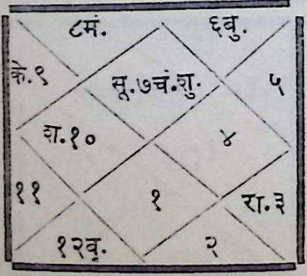

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.		२ श.		३ र.		४ चं.		५ मं.		५ बु.		६ वृ.		७ शु.		८ श.		९ र.		१० चं.		११ मं.		१३ बु.		१४ वृ.		१५ शु.	
तु. अं.	८	४०	८	३६	८	३२	८	२८	८	२४	८	२०	८	१७	८	१४	८	१०	८	६	८	२	७	५८	७	५४	७	५०	७	४७
वृ. अं.	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४२	१०	३८	१०	३५	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	५
ध. अं.	१	३	१२	५९	१२	५५	१२	५१	१२	४७	१२	४३	१२	४०	१२	३७	१२	३३	१२	२९	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	१०
म. अं.	२	४८	२	४४	२	४०	२	३६	२	३२	२	२८	२	२५	२	२२	२	१८	२	१४	२	१०	२	६	२	२	१	५८	१	५५
कुं. अं.	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	४	२	३	५८	३	५५	३	५२	३	४८	३	४४	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२५
मी. अं.	५	४५	५	४१	५	३७	५	३३	५	२९	५	२५	५	२२	५	१९	५	१५	५	११	५	७	५	३	४	५९	४	५५	४	५२
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मे अं.	७	२१	७	१७	७	१३	७	९	७	५	७	१	६	५८	६	५५	६	५१	६	४७	६	४३	६	३९	६	३५	६	३१	६	२८
वृ. अं.	९	१७	९	१३	९	९	९	५	९	१	८	५७	८	५४	८	५१	८	४७	८	४३	८	३९	८	३५	८	३१	८	२७	८	२४
मि. अं.	११	३१	११	२७	११	२३	११	१९	११	१५	११	११	११	७	११	४	११	१	१०	५७	१०	५३	१०	४९	१०	४५	१०	४१	१०	३८
क. अं.	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७	१	३३	१	२९	१	२६	१	२३	१	१९	१	१५	१	११	१	७	१	३	१२	५९	१२	५६
सिं. अं.	४	६	४	२	३	५८	३	५५	३	५०	३	४६	३	४३	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४	३	२०	३	१६	३	१३
क. अं.	६	२२	६	१८	६	१४	६	१०	६	६	६	२	५	५९	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६	५	३२	५	२९

शुद्ध. आ. शु. ८ शनौ इ. ४४।१

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	७	६	११	६	९	२	८
८	७	३	१८	२४	२३	२१	२१
५२	२६	३८	४५	२८	२	३०	३०
४७	२७	२२	४४	५१	२७	१४	१४
६०	४३	१०२	६ ५५	७४	० ४४	३	३
२	१५	३४	व.	३३	व.	११	११

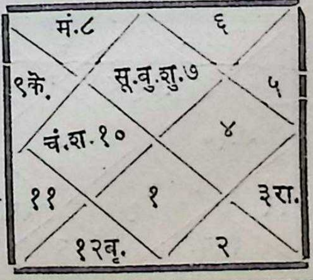

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२७	३८	१	श.	२२	३९	भ.	१८	४९	व्य.	३५	३३	कौ.	२२	३९	तै.	५०	४०	ध्वांक्ष	२	१४	१६	वृ.	३१	५८	६	२८	५	३२	६	१५	१५	१	६०	१८
२७	३५	२	र.	१४	३९	कृ.	११	२६	व.	२४	४५	ग.	१४	३९	व.	४०	६	धूम्र	३	१५	१७				६	२९	५	३१	६	१६	१५	१३	६०	२०
२७	३२	३	चं.	५ ५४	३४ २२	रो.	४ ५४	५८ २८	प.	१४	३६	वि.	५	३४	वव	३१	४५	प्रवर्ध.	४	१६	१८	मि.	३२	१२	६	३०	५	३०	६	१७	१५	३९	६०	२२
२७	२९	५	मं.	५०	३५	आ.	५०	४४	शि.	५ ५३	५७ २१	कौ.	२१	२८	तै.	५०	३५	चर	५	१७	१९				६	३०	५	३०	६	१८	१६	१	६०	२४
२७	२६	६	बु.	४६	३७	पु.	५१	२९	सा.	५०	१५	ग.	१८	३२	व.	४६	३७	गद	६	१८	२०	क.	३६	१७	६	३१	५	२९	६	१९	१६	२५	६०	२५
२७	२२	७	गु.	४४	१७	पु.	५०	३५	शु.	४५	२१	वि.	१५	२०	वव	४४	१७	शुभ	७	१९	२१				६	३२	५	२८	६	२०	१६	५०	६०	२७
२७	२०	८	शु.	४३	४१	श्ले	४१	२२	शु.	४१	३१	वा.	१३	५५	कौ.	४३	४१	मृत्यु	८	२०	२२	सिं.	४१	२२	६	३२	५	२८	६	२१	१७	१७	६०	२९
२७	१६	९	श.	४५	१७	म.	५४	२९	ब्र.	३९	२९	तै.	१४	२६	ग.	४५	१७	पद्म	९	२१	२३				६	३३	५	२७	६	२२	१७	४६	६०	३०
२७	१३	१०	र.	४७	४९	पू.	५८	३७	ऐं.	३[illegible]	२७	व.	१६	३०	वि.	४७	४९	छत्र	१०	२२	२४				६	३३	५	२७	६	२३	१८	१६	६०	३१
२७	१०	११	चं.	५२	२६	उ.	६०	०	वै.	३८	३३	व.	१९	५८	वा.	५२	२६	श्रीवत्स	११	२३	२५	कं.	१४	५६	६	३४	५	२६	६	२४	१८	४७	६०	३३
२७	८	१२	मं.	५७	३४	उ.	३	५४	वि.	३२	३१	कौ.	२४	४०	तै.	५७	३४	धाता	१२	२४	२६				६	३४	५	२६	६	२५	१९	२०	६०	३४
२७	५	१३	बु.	६०	०	ह.	१०	३१	प्री.	४०	५६	ग.	३०	१९	व.	६०	०	आनन्द	१३	२५	२७	तु.	४४	३	६	३५	५	२५	६	२६	१९	५४	६०	३६
२७	२	१३	गु.	३	३५	चि.	१७	३४	आ.	४२	५३	व.	३	३५	वि.	३६	३५	चर	१४	२६	२८				६	३६	५	२४	६	२७	२०	३०	६०	३७
२६	५९	१४	शु.	९	३६	स्वा	२४	५५	सौ.	४५	२४	श.	९	३६	च.	४२	१४	गद	१५	२७	२९				६	३६	५	२४	६	२८	२१	७	६०	३९
२६	५७	३०	श.	१४	५३	वि.	३२	३३	शो.	४७	३२	ना.	१४	५३	किं.	४८	४०	शुभ	१६	२८	३०	वृ.	१५	३८	६	३७	५	२३	६	२९	२१	४६	६०	४०

श्री शुभ संवत् २०२० शाके १८८५ कार्तिक कृष्णपक्षः। याम्यायनगोलौ। नवम्बर २ से १६ तक।

अनुराधा भ. शुक्रः ४८।५७। उग्र कर्म मु.। या. जय मु.।
भ. ४०।६ उ.। aपश्चिमयो यात्रा मु. तिथिदानात्।
भ. ५।३४ या.। मृग भे. दक्षिण यात्रा मु.।
विशाखा भे. बुधः ४६।९।
भ. ४६।३७ उ.। विशाखा भे. रविः ४९।३७। दक्षिणa
भ. १५।२० या.। उदीच्यां यात्रा मु.। स. सि. अ. सि. योगः।
ज्येष्ठा भे. भौमः ३६।३७। bदक्षिण यात्रा मु.।c
धनिष्ठा भे. १ चरणे शनि ५८।२९। eस. सि. योगः।
भ. १६।३० उ. ४७।४९ या.।
रमा ११ व्रतं स्मार्तानाम्। b यमदीप दानम्। नरक १४।
रमा ११ व्रतं वैष्णवानाम्। वृश्चिके बुधः ५।९।
ज्येष्ठा भे. शुक्रः २८।१२। धन्वन्तरि १३ (धन १३)।b
भ. ३।३५ उ. ३६।३५ या.। अनुराधा भे. बुधः २०।३३।d
महालक्ष्मी पूजन। दीपावली ३०। dमासशिवरात्रि व्रतम्।
वृश्चिकेऽर्कः ४८।१२। अन्नकूट। गोवर्धन पूजा।

का. कृ. १ शनौ इ. ४३।४९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	७	६	११	७	९	२	८
१५	१२	१४	१७	३	२३	२१	२१
५३	३०	५४	५८	१४	६	७	७
४४	१४	१६	५६	२३	१८	५४	५४
६०	४२	१०१	७ १०	७४	१	३	३
१८	३९	३९	व.	१३	३४	११	११

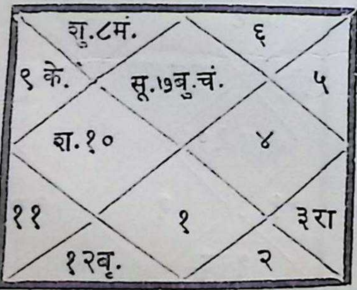

दैनिकलग्नसारिणी

तिथयः	१ श.	२ र.	३ चं.	५ मं.	६ बु.	७ बृ.	८ शु.	९ श.	१० र.	११ चं.	१२ मं.	१३ बु.	१३ बृ.	१४ शु.	३० श.
तु. अं.	७ ४३	७ ३९	७ ३५	७ ३१	७ २७	७ २३	७ १९	७ १५	७ ११	७ ७	७ ३	६ ५९	६ ५५	६ ५१	६ ४८
वृ. अं.	१० १	९ ५७	९ ५३	९ ४९	९ ४५	९ ४१	९ ३७	९ ३३	९ २९	९ २५	९ २१	९ १७	९ १३	९ ९	९ ६
ध. अं.	१२ ६	१२ २	११ ५८	११ ५४	११ ५०	११ ४६	११ ४२	११ ३८	११ ३४	११ ३०	११ २६	११ २२	११ १८	११ १४	११ ११
म. अं.	१ ५१	१ ४७	१ ४३	१ ३९	१ ३५	१ ३१	१ २७	१ २३	१ १९	१ १५	१ ११	१ ७	१ ३	१२ ५९	१२ ५६
कुं. अं.	३ २१	३ १७	३ १३	३ ९	३ ५	३ १	२ ५७	२ ५३	२ ४९	२ ४५	२ ४१	२ ३७	२ ३३	२ २९	२ २६
मी. अं.	४ ४८	४ ४४	४ ४०	४ ३६	४ ३२	४ २८	४ २४	४ २०	४ १६	४ १२	४ ८	४ ४	४ ०	३ ५६	३ ५३
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मे. अं.	६ २४	६ २०	६ १६	६ १२	६ ८	६ ४	६ ०	५ ५६	५ ५२	५ ४८	५ ४४	५ ४०	५ ३६	५ ३२	५ २८
वृ. अं.	८ २०	८ १६	८ १२	८ ८	८ ४	८ ०	७ ५६	७ ५२	७ ४८	७ ४४	७ ४०	७ ३६	७ ३२	७ २८	७ २५
मि. अं.	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० ९	१० ६	१० २	९ ५८	९ ५४	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३९
क. अं.	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१२ २०	१२ १६	१२ १२	१२ ८	१२ ४	१२ ०	११ ५७
सिं. अं.	३ १०	३ ६	३ १	२ ५७	२ ५३	२ ४९	२ ४५	२ ४१	२ ३७	२ ३३	२ २९	२ २५	२ २१	२ १७	२ १४
कं. अं.	५ २५	५ २१	५ १७	५ १३	५ ९	५ ५	५ १	४ ५७	४ ५३	४ ४९	४ ४५	४ ४१	४ ३७	४ ३३	४ ३०

मा. कृ. ३० शनौ इ. ४३।२९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	७	११	७	९	२	८
०	२२	७	१६	२०	२३	२०	२०
१	८	१७	५०	४१	३५	२३	२३
३९	२४	२४	२४	१४	१४	४४	४४
६०	४४	९८	३ ४	७२	२	३	३
४०	८	४२	व.	३	४४	११	११

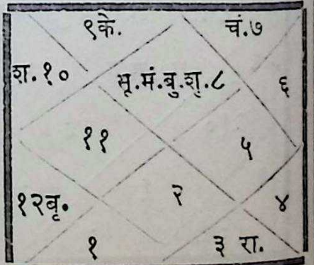

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ.स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	५४	१	र.	२२	३७	अ.	३९	५९	अ.	४९	३८	व.	२२	३७	वा.	५५	२७	मृत्यु	१७	२९	१				६	३७	५	२३	७	०	२२	२६	६०	४२
२६	५१	२	चं.	२८	१७	ज्ये.	४७	१३	सु.	५१	३७	कौ.	२८	१७	तै.	६०	०	पद्म	१८	१	२	ध.	४७	१३	६	३८	५	२२	७	१	२३	८	६०	४४
२६	४९	३	मं.	३३	५९	मू.	५३	४५	धृ.	५३	३२	तै.	१	८	ग.	३३	५९	छत्र	१९	२	३				६	३८	५	२२	७	२	२४	५२	६०	४६
२६	४६	४	बु.	३८	४३	पू.	५९	४६	शू.	५३	४६	व.	६	२१	वि.	३८	४३	श्रीवत्स	२०	३	४				६	३९	५	२१	७	३	२५	३८	६०	४८
२६	४४	५	गु.	४२	२३	उ.	६०	०	गं.	५४	२६	ब.	१०	३३	वा.	४२	२३	सौम्य	२१	४	५	म.	१५	५५	६	३९	५	२१	७	४	२६	२६	६०	५०
२६	४२	६	शु.	४४	५३	उ.	४	२३	वृ.	५३	१८	कौ.	१३	३२	तै.	४४	५३	आनंद	२२	५	६				६	४०	५	२०	७	५	२७	१६	६०	५२
२६	३९	७	श.	४५	४३	श्र.	७	५१	ध्रु.	५१	२१	ग.	१५	१८	व.	४४	४३	स्थिर	२३	६	७	कुं.	३८	५२	६	४०	५	२०	७	६	२८	८	६०	५३
२६	३७	८	र.	४५	१६	ध.	९	५४	व्या	४७	४७	वि.	१५	२९	व.	४५	१६	मातंग	२४	७	८				६	४१	५	१९	७	७	२९	१	६०	५४
२६	३५	९	चं.	४२	५८	श.	१०	९	ह.	४३	१७	वा	१४	७	कौ.	४२	५८	अमृत	२५	८	९	मी.	५४	६	६	४१	५	१९	७	८	२९	५५	६०	५६
२६	३३	१०	मं.	३८	३२	पू.	८	४६	व.	३६	५३	तै.	१०	४५	ग.	३८	३२	काण	२६	९	१०				६	४१	५	१९	७	९	३०	५१	६०	५७
२६	३०	११	बु.	३१	५३	उ.	४	३६	सि.	२९	१८	व.	५	१२	वि.	३१	५३	लुम्ब	२७	१०	११				६	४२	५	१८	७	१०	३१	४८	६०	५९
२६	२८	१२	गु.	२५	३१	रे.	० ५४	५४ ३३	व्य.	२०	३५	वा.	२५	३९	कौ.	५१	१८	मित्र	२८	११	१२	मे.	०	५४	६	४२	५	१८	७	११	३२	४७	६१	०
२६	२६	१३	शु.	१६	४७	भ.	४७	३०	व.	० ४९	५९ ५४	तै.	१६	४७	ग.	४१	५८	मुद्गर	२९	१२	१३				६	४३	५	१७	७	१२	३३	४७	६१	२
२६	२५	१४	श.	७ ५२	११ १८	कृ.	३९	२७	शि.	४९	१	व.	७	११	वि.	३३	१९	ध्वज	३०	१३	१४	वृ.	०	१७	६	४३	५	१७	७	१३	३४	४९	६१	३

श्री शुभ सवत् २०२० शाके १८८५ कातिक शुक्लपक्षः।
याम्यायन गोलौ। नव. १७ से ३० तक।

चन्द्रदर्शनम्। या. जय मु. २२।३७ या.।
रज्जब। भ्रातृ द्वितीया। यम २। चित्रगुप्त पूजनम्।
वक्री उत्तरा भाद्रपद भे ४ चरणे गुरुः ३१।५३।
भ. ६।२१ उ. ३८।४३ या.। अनुराधा भे रविः १।५१।
या. जय मु.।
ज्येष्ठा भे बुधः ४९।२२। b तुलसी विवाहः।
भ. ४४।४३ उ.। या. जय मु. ७।५१ उ.। दक्षिणस्यां यात्रा मु.
भ. १५।२९ या.। मूले धनुषि शुक्रः १२।४७। गोपाष्टमी।
अक्षय ९। आर्द्रा भे ४ चरणे राहुः पूर्वाषाढ़ा भे २ चरणे केतुa
धनुषि भौमः २७।५। उग्र कर्म मु.। a १२।२२।
भ. ५।१२ उ. ३१।५३ या.। प्रबोधिनी ११ व्रतं सर्वेषाम्। b
मन्वादि। बुधोदयः पश्चिमायाम्। २३।३७। स. सि. c
वैकुण्ठ १४। cयोगः ०।५४ उ.। भरणी भे या. जय मु.।
भ. ७।११ उ. ३३।१९ या.। दत्त जयन्ती।

का. शु. ७ शनौ इ. ४३।१९

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	७	११	७	९	२	८
७	२८	१८	१६	२९	२३	२०	२०
५	०	१२	२८	२४	५६	१	१
३७	४	२४	५८	१७	१२	२४	२४
६०	४४	९५	३२ ८	७३	३	३	३
५३	१७	२४	व.	५४	३४	११	११

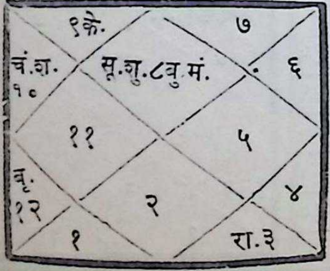

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.		२ चं.		३ मं.		४ बु.		५ बृ.		६ शु.		७ श.		८ र.		९ चं.		१० मं.		११ बु.		१२ बृ.		१३ शु.		१४ श.	
वृ. अं.	९	०	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३६	८	३१	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७
ध. अं.	११	५	११	१	१०	५७	१०	५३	१०	४९	१०	४५	१०	४१	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२
म. अं.	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२६	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	५	१२	१	११	५७
कुं. अं.	२	२०	२	१६	२	१२	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५१	१	४७	१	४३	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७
मी. अं.	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५	३	३१	३	२७	३	२३	३	१८	३	१४	३	१०	३	६	३	२	२	५८	२	५४
मे. अं.	५	२३	५	१९	५	१५	५	११	५	७	५	३	४	५९	४	५४	४	५०	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	४	३०
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	७	१९	७	१५	७	११	७	७	७	३	६	५९	६	५५	६	५०	६	४६	६	४२	६	३८	६	३४	६	३०	६	२६
मि. अं.	९	३३	९	२९	९	२५	९	२१	९	१७	९	१३	९	९	९	४	९	०	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०
क. अं.	११	५१	११	४७	११	४३	११	३९	११	३५	११	३१	११	२७	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	६	११	२	१०	५८
सिं. अं.	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५२	१	४८	१	४४	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५
कं. अं.	४	२४	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५५	३	५१	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५	३	३१
तु. अं.	६	४२	६	३८	६	३४	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१३	६	९	६	५	६	१	५	५७	५	५३	५	४९

का. शु. १४ शनौ इ. ४३।१२

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	८	७	११	८	९	२	८
१४	३	२८	१६	७	२४	१९	१९
१२	१०	४५	१६	५५	२२	३८	३८
१७	३९	२२	५२	२४	११	५९	५९
६१	४४	९२	१७	७३	४	३	३
३	३२	३७	व.	४७	८	११	११

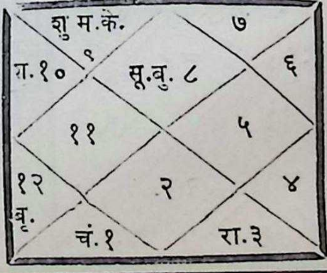

२६

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	२३	१	र.	४७	५३	रो.	३१	४७	सि.	३७	५१	बा.	१९	३५	कौ.	४७	५३	धाता	१	१४	१५	मि.	५८	८	६	४३	५	१७	७	१४	३५	५२	६१	४
२६	२१	२	चं.	३९	१६	मृ.	२४	२९	सा.	२७	११	तै.	१३	३०	ग.	३९	१६	आनंद	२	१५	१६				६	४४	५	१६	७	१५	३६	५६	६१	५
२६	२०	३	मं.	३१	२६	आ.	१८	१५	शु.	१७	३९	व.	५	१७	वि.	३१ ५	२६ २६	चर	३	१६	१७	क.	५९	३९	६	४४	५	१६	७	१६	३८	१	६१	६
२६	१८	४	बु.	२५	२६	पु.	१३	२७	शु.	९	१४	वा.	२५	२६	कौ.	५३	३६	गद	४	१७	१८				६	४४	५	१६	७	१७	३९	७	६१	७
२६	१७	५	बृ.	२१	४६	पु.	१०	३७	ब्र.	१ ५५	५ ३९	तै.	२१	४६	ग.	४९	२१	शुभ	५	१८	१९				६	४५	५	१५	७	१८	४०	१४	६१	८
२६	१५	६	शु.	२०	५६	श्ले.	९	५६	वै.	५२	४६	व.	२०	५६	वि.	५०	४३	मृत्यु	६	१९	२०	सिं.	९	५६	६	४५	५	१५	७	१९	४१	२२	६१	९
२६	१४	७	श.	२०	३१	म.	११	१७	वि.	५०	४७	व.	२०	३१	वा.	५१	३३	पद्म	७	२०	२१				६	४५	५	१५	७	२०	४२	३१	६१	११
२६	१२	८	र.	२२	३४	पू.	१४	३३	प्री.	५०	१९	कौ.	२२	३४	तै.	५४	४०	छत्र	८	२१	२२	कं.	३०	४८	६	४५	५	१४	७	२१	४३	४२	६१	१२
२६	११	९	चं.	२६	४६	उ.	१९	३३	आ.	५०	४९	ग.	२६	४६	व.	५९	२०	श्रीवत्स	९	२२	२३				६	४६	५	१४	७	२२	४४	५४	६१	१३
२६	१०	१०	मं.	३१	५५	ह.	२५	४७	सौ.	५२	१६	वि.	३१	५५	वव	६०	०	सौम्य	१०	२३	२४	तु.	५९	२६	६	४६	५	१४	७	२३	४६	७	६१	१४
२६	९	११	बु.	३७	१७	चि.	३३	६	शो.	५४	२३	वव	४	३६	वा.	३७	१७	कालदं	११	२४	२५				६	४६	५	१४	७	२४	४७	२१	६१	१५
२६	८	१२	बृ.	४४	३६	स्वा	४०	३६	अ.	५६	२९	कौ.	१०	५७	तै.	४४	३६	स्थिर	१२	२५	२६				६	४६	५	१४	७	२५	४८	३६	६१	१६
२६	७	१३	शु.	५१	३३	वि.	४८	३१	सु.	५९	१	ग.	१८	०	व.	५१	३३	मातंग	१३	२६	२७	वृ.	३१	३२	६	४७	५	१३	७	२६	४९	५२	६१	१७
२६	७	१४	श.	५७	४७	अ.	५५	५१	धृ.	६०	०	वि.	२४	३१	श.	५७	४७	अमृत	१४	२७	२८				६	४७	५	१३	७	२७	५१	९	६१	१८
२६	७	३०	र.	६०	०	ज्ये.	६०	०	धृ.	१	७	च.	३०	३३	ना.	६०	०	काण	१५	२८	२९				६	४७	५	१३	७	२८	५२	२७	६१	१९
२६	७	३०	चं.	३	२६	ज्ये.	२	५१	शू.	२	५४	ना.	३	२६	किं.	३६	१	पद्म	१६	२९	३०	ध.	२	५१	६	४७	५	१३	७	२९	५३	४६	६१	२०

श्री शुभ संवत् २०२० शाके १८८५ मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः। याम्यायनगोलौ। दिसम्बर १ से १६ तक।

दिसम्बर। मूले धनुषि बुधः ३२।५।

दक्षिण पश्चिमयोः यात्रा मु.।

भ. ५।१७ उ. ३१।२६ या.। ज्येष्ठा भे रविः ८।४३।

प्रतीच्यां यात्रा मु. तिथिदामात्।

पूर्वाषाढ़ा भे शुक्रः ४१:२७।

भौ २०।५६ उ. ५०।४३ या.। मार्गी गुरुः २९।४३।

भौमास्तः पश्चिमायाम् २५।३९।

उत्तरा फा. भे स. सि. योगः।

भ. ५९।२० उ.। या. जय मु. २६।४६ या.।

भ. ३१।५५ या.। पूर्वाषाढ़ा भ.बुधः ४२।५१। दक्षिण यात्राम्.।

उत्पन्ना ११ व्रतं सर्वेषाम्।

चर कर्म मु.।

भ. ५१।३३ उ.। पूर्वाषाढ़ा भे भौमः ५९।३४।

भ. २४।३१ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्।

तीक्ष्ण कर्म मु.। ꣹ सोमवती ३०। कपिलधारा तीर्थे श्राद्धम्।

सं. मूले धनुष्यर्कः ५।५९। उत्तारषाढ़ा भे शुक्रः ४२।५।

मा.शी. कृ. ७ शनौ इ. ४३।७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	९	८	११	८	९	२	८
२१	८	९	१६	१५	२४	१९	१९
१०	३२	०	१५	५०	५०	१६	१६
९	१४	२३	३६	२७	३९	४५	४५
६१	४४	८६	०	७३	४	३	३
११	५२	२९	१४	४४	४५	११	११

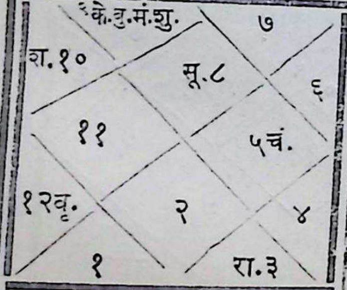

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१र.		२ चं.		३ मं.		४ बु.		५ बृ.		६ शु.		७ श.		८ र.		९ च.		१० मं.		११ बु.		१२ बृ.		१३ शु.		१४ श.		३० र.		३० चं.	
वृ. अं.	७	५७	७	५२	७	४८	७	४४	७	४०	७	३६	७	३२	७	२८	७	२४	७	२०	७	१५	७	१०	७	७	७	३	६	५९	६	५५
ध. अं.	१०	६	१०	२	९	५७	९	५३	९	४९	९	४५	९	४१	९	३७	९	३२	९	२७	९	२२	९	१८	९	१४	९	१०	९	६	९	१
म. अं.	११	५१	११	४७	११	४२	११	३८	११	३४	११	३०	११	२६	११	२२	११	१७	११	१२	११	७	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	५१	१०	४६
कुं. अं.	१	२१	१	१७	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४७	१२	४२	१२	३७	१२	३३	१२	२९	१२	२५	१२	२१	१२	१६
मी. अं.	२	४८	२	४४	२	३९	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३	२	१९	२	१४	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५२	१	४८	१	४३
मे. अं.	४	२४	४	२०	४	१५	४	११	४	७	४	३	३	५९	३	५५	३	५०	३	४५	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४	३	१९
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	६	२०	६	१६	६	११	६	७	६	३	५	५९	५	५५	५	५१	५	४६	५	४१	५	३६	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०	५	१५
मि. अं.	८	३४	८	३०	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	०	७	५५	७	५१	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	७	२९
क. अं.	१०	५२	१०	४८	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१८	१०	१३	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	९	४७
सिं. अं.	१	९	१	५	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३५	१२	३०	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	४
कं. अं.	३	२५	३	२१	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५६	२	५१	२	४६	२	४१	२	३७	२	३३	२	२९	२	२५	२	२०
तु. अं.	५	४३	५	३९	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८	५	१४	५	९	५	४	४	५९	४	५५	४	५१	४	४७	४	४३	४	३८

मा.शी. कृ. १४ शनौ इ. ४३।३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	८	८	११	८	९	२	
२८	१३	१८	१६	२५	२५	१८	
२८	४८	३६	१८	३९	२४	५४	
४६	३७	१७	४	१७	३७	२५	
६१	४५	७४	१	७३	५	३	
१९	९	२६	२८	२४	८	११	

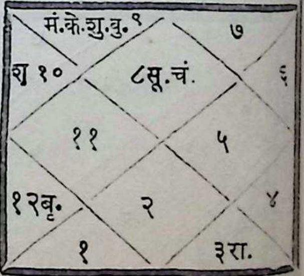

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	श्री शुभ संवत् २०२० शके १८८५ पौष शुक्लपक्षः। याम्यायनगोलौ। दिसम्बर १७ से ३० तक।
२६	६	१	मं.	८	३५	मू.	९	१२	गं.	३	५७	वव	८	३५	वा.	४०	३७	छत्र	१७	३०	१				६	४७	५	१३	८	०	५५	६	६१	२०	चन्द्रदर्शनम्। तीक्ष्ण कर्म मु.।
२६	६	२	बु.	१२	४१	पू.	१४	३६	वृं.	४	३१	कौ.	१२	४१	तै.	४४	१५	श्रीवत्स	१८	१	२	म.	३०	३९	६	४७	५	१३	८	१	५६	२६	६१	२१	शावान। मकरे शुक्रः २४।१४। दारुणकर्म मु.।
२६	५	३	गु	१५	५१	उ.	१८	४७	ध्रु.	४	३१	ग.	१५	५१	व.	४६	५७	सौम्य	१९	२	३				६	४७	५	१३	८	२	५७	४७	६१	२१	भ. ४६।५७ उ.।. या. जय. मु.।
२६	५	४	शु.	१८	१४	श्र.	२२	३४	व्या	३	१६	वि.	१८	१४	वव	४८	२८	धूम्र	२०	३	४	कुं.	५३	३९	६	४७	५	१३	८	३	५९	८	६१	२२	भ. १८।१४ या.। रेवत्यां १ गुरुः ५४।१५
२६	५	५	श.	१८	५३	ध.	२४	४५	ह.	१ ५८	५ २२	वा.	१८	५३	कौ.	४८	४९	प्रवर्ध.	२१	४	५				६	४७	५	१३	८	५	०	३०	६१	२२	प्रतीच्यां यात्रा मु. ।
२६	४	६	र.	१८	४५	श.	२५	५६	सि.	५४	५९	तै.	१८	४५	ग.	४८	३	रक्ष	२२	५	६				६	४७	५	१३	८	६	१	५२	६१	२३	चर कर्म मु.।
२६	४	७	चं.	१७	२२	पू.	२५	४९	व्य.	५०	३३	व.	१७	२२	वि	४५	५४	मुशल	२३	६	७	मी.	१०	५०	६	४७	५	१३	८	७	३	१५	६१	२३	भ. १७।२२ उ. ४५।५४ या.।
२६	४	८	मं.	१४	२७	उ.	२४	२३	व.	४४	१४	व.	१४	२७	वा.	४२	२४	सिद्धि	२४	७	८				६	४७	५	१३	८	८	४	३८	६१	२४	h ११ व्रतं स्मार्तानाम्। प्राच्यां यात्रा मु.।
२६	४	९	बु.	१०	२१	रे.	२१	३१	प.	३७	१५	कौ.	१०	२१	तै.	३७	३६	उत्पात	२५	८	९	मे.	२१	३१	६	४७	५	१३	८	९	६	२	६१	२४	वक्री बुधः ५२।४७।
२६	५	१०	गु.	४ ५३	५१ २७	अ.	१७	३९	शि.	२९	४६	ग.	४	५१	व.	३ ५८	३४ १८	मानस	२६	९	१०				६	४७	५	१३	८	१०	७	२६	६१	२५	भ. ३१।३४ उ. ५८।१८ या.। श्रवणे शुक्रः १९।३५। पुत्रदा h
२६	५	१२	शु.	५०	३५	भ.	११	३१	सि.	२०	१७	व.	२१	५६	वा	५०	३५	मुद्गर	२७	१०	११	वृ.	२५	२१	६	४७	५	१३	८	११	८	५१	६१	२५	पुत्रदा ११ व्रतं वैष्णवानाम्। i ४२।९।
२६	६	१३	श.	४१	५५	कृ.	६ ५३	२२ ३	सा.	१०	३६	कौ.	१६	१०	तै.	४१	५५	ध्वज	२८	११	१२				६	४७	५	१३	८	१२	१०	१६	६१	२६	धनिष्ठा २ चरणे शनिः २६।५२। बुधास्तः पश्चिमायाम् i
२६	६	१४	र.	३३	२१	मृ.	५२	३७	शु.	० ५०	१ ५२	ग.	७	३८	व.	३३ ५८	२१ ५८	सौम्य	२९	१२	१३	मि	२६	१६	६	४७	५	१३	८	१३	११	४२	६१	२६	भ. ३३।२१ उ. ५८।५८ या.। पूर्वाषाढ़ा भे रविः १४।२५।
२६	७	१५	चं.	२४	३५	आ.	४५	५७	ब्र.	४०	३	व.	२४	३५	वा.	५१	३५	कालदं	३०	१३	१४				६	४७	५	१३	८	१४	१३	८	६१	२६	चन्द्रग्रहण। दत्त जयन्ती। माघस्नानारम्भः।
+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+ +	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	

पौ. शु. ५ शनौ इ. ४३।२

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	८	८	११	९	९	२	८
५	१९	२५	१६	४	२६	१८	१८
३८	१४	३७	४२	१२	६	३१	३१
३७	२५	१४	३६	२१	४२	५९	५९
६१	४२	४५	२	७३	५	३	३
२२	२९	३७	५९	४३	३९	११	११

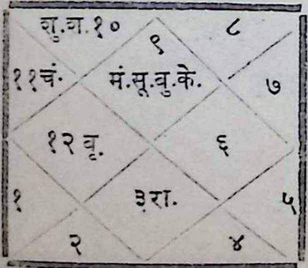

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.	२ बु.	३ वृ.	४ शु.	५ श.	६ र.	७ चं.	८ मं.	९ बु.	१०वृ.	१२ शु.	१३ श.	१४ र.	१५चं.
ध. अं.	८ ५६	८ ५१	८ ४६	८ ४१	९ ३७	८ ३३	८ २९	८ २४	८ १९	८ १५	८ ११	८ ७	८ ३	७ ५९
म. अं.	१० ४१	१० ३६	१० ३१	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० ९	१० ४	१० ०	९ ५६	९ ५२	९ ४८	९ ४४
कुं. अं.	१२ ११	१२ ६	१२ १	११ ५६	११ ५२	११ ४८	११ ४४	११ ३९	११ ३४	११ ३०	११ २६	११ २२	११ १८	११ १४
मी. अं.	१ ३८	१ ३३	१ २८	१ २३	१ १९	१ १५	१ ११	१ ६	१ १	१२ ५७	१२ ५३	१२ ४९	१२ ४५	१२ ४१
मे. अं.	३ १४	३ ९	३ ४	२ ५९	२ ५५	२ ५१	२ ४७	२ ४२	२ ३७	२ ३३	२ २९	२ २५	२ २१	२ १७
वृ. अं.	५ १०	५ ५	५ ०	४ ५५	४ ५१	४ ४७	४ ४३	४ ३८	४ ३३	४ २९	४ २५	४ २१	४ १७	४ १३
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मि. अं.	७ २४	७ १९	७ १४	७ ९	७ ५	७ १	६ ५७	६ ५२	६ ४७	६ ४३	६ ३९	६ ३५	६ ३१	६ २७
क. अं.	९ ४२	९ ३७	९ ३२	९ २७	३ २३	९ १९	९ १५	९ १०	९ ५	९ १	८ ५७	८ ५३	८ ४९	८ ४५
सिं. अं.	११ ५९	११ ५४	११ ४९	११ ४४	११ ४०	११ ३६	११ ३२	११ २७	११ २२	११ १८	११ १४	११ १०	११ ६	११ २
कं. अं.	२ १५	२ १०	२ ५	२ ०	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४३	१ ३८	१ ३४	१ ३०	१ २६	१ २२	१ १८
तु. अं.	४ ३३	४ २८	४ २३	४ १८	४ १४	४ १०	४ ६	४ १	३ ५६	३ ५२	३ ४८	३ ४४	३ ४०	३ ३६
वृ. अं.	६ ५०	६ ४६	६ ४१	६ ३६	६ ३२	६ २८	६ २४	६ १९	६ १४	६ १०	६ ६	६ २	५ ५८	५ ५४

पौ. शु. १३ शनौ इ. ४३।३

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	८	८	११	९	९	२	८
१२	२४	२६	१७	१२	२६	१८	१८
४७	३९	२६	१०	४६	४०	९	९
१४	१२	११	५४	३७	३६	५६	५६
६१	४५	३२ ३४	४	३७	६	३	३
२६	३४	व	८	१४	३	११	११

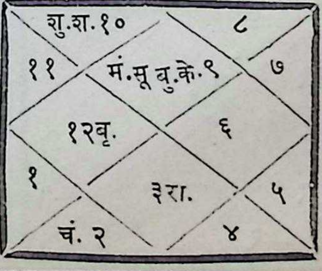

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	आ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	७	१	मं.	१८	३२	पु.	४०	१४	ऐं.	३०	५३	कौ.	१८	३२	तै.	४४	५४	स्थिर	३१	१४	१५	क.	२६	३९	६	४७	५	१३	८	१५	१४	३४	६१	२६
२६	७	२	बु.	११	१७	पु.	३६	११	वै.	२२	३३	ग.	११	१७	व	३८	५	मातंग	१	१५	१६				६	४६	५	१४	८	१६	१६	०	६१	२६
२६	८	३	गु.	४	५३	श्ले.	३३	३५	वि.	१५	३४	वि.	४	५३	वव	२३	२४	अमृत	२	१६	१७	सिं.	२३	३५	६	४६	५	१४	८	१७	१७	२६	६१	२६
२६	९	४	शु.	१	४४	म.	३३	१३	प्री.	१०	१६	वा.	१	४४	कौ.	३१	१६	काण	३	१७	१८				६	४६	५	१४	८	१८	१८	५२	६१	२६
२६	१०	५	श.	०	४७	पू.	३४	४६	आ.	६	४१	तै.	०	४७	ग.	२१	१७	लुम्ब	४	१८	१९	कं.	५०	४५	६	४६	५	१४	८	१९	२०	१८	६१	२६
२६	११	६	र.	१	४६	उ.	३८	४३	सौ.	४	५५	व.	१	४६	वि.	३३	२६	मित्र	५	१९	२०				६	४६	५	१४	८	२०	२१	४४	६१	२६
२६	१२	७	चं.	५	६	ह.	४४	९	शो.	५	२६	वव	५	६	वा	३७	२७	वज्र	६	२०	२१				६	४६	५	१४	८	२१	२३	१०	६१	२६
२६	१३	८	मं.	९	४७	चि.	५१	६	अ.	५	१६	कौ.	९	४७	तै.	४२	५८	ध्वांक्ष	७	२१	२२	तु.	१७	३७	६	४५	५	१५	८	२२	२४	३६	६१	२५
२६	१४	९	बु.	१६	९	स्वा	५८	१७	सु.	६	५९	ग.	१६	९	व.	४९	२१	धूम्र	८	२२	२३				६	४५	५	१५	८	२३	२६	१	६१	२५
२६	१५	१०	गु.	२२	३३	वि	६०	०	धृ.	८	५६	वि.	२२	३३	वव	५५	५१	प्रवर्ध	९	२३	२४	वृ.	४९	११	६	४५	५	१५	८	२४	२७	२६	६१	२५
२६	१८	११	शु.	२९	९	वि.	६	९	शू.	११	३३	वा.	२९	९	कौ.	६०	०	मातंग	१०	२४	२५				६	४४	५	१६	८	२५	२८	५१	६१	२४
२६	२०	१२	श.	३५	३१	अ.	१३	३५	गं.	१३	३४	कौ.	२	२०	तै.	३५	३१	अमृत	११	२५	२६				६	४३	५	१७	८	२६	३०	१५	६१	२४
२६	२१	१३	र.	४१	१७	ज्ये.	२०	२६	वृ.	१५	१७	ग.	८	२४	व.	४१	१७	काण	१२	२६	२७	ध.	२०	२६	६	४३	५	१७	८	२७	३१	३९	६१	२४
२६	२३	१४	चं.	४५	३९	मू.	२६	३३	ध्रु.	१६	२४	वि.	१३	२८	श.	४५	३९	लुम्ब	१३	२७	२८				६	४३	५	१७	८	२८	३३	३	६१	२३
२६	२५	३०	मं.	४९	१३	पू.	३१	१४	व्या	१६	३५	च.	१७	२६	ना.	४९	१३	मित्र	१४	२८	२९	म.	४७	१५	६	४३	५	१७	८	२९	३४	२६	६१	२३

श्रीं शुभ संवत् २०२० शके १८८५ माघ कृष्णपक्षः।
याम्यायन गोलौ। दिसम्बर ३१ से जनवरी १४ सन् १९६४ तक

उत्तराषाढ़ा भे भौमः २१।५७। दक्षिण यात्रा मु.।
जनवरी १९६४। भ. ३८।५ उ.। प्रतीच्यां यात्रा मु.।
भ. ४।५३ या.।
उग्र कर्म मु.।
मकरे भौमः ३५।४४। क्रूर कर्म मु.।
भ. १।४६ उ. ३३।२६ या.। स. सि. योगः।
धनिष्ठा भे शुक्रः ११।१४। दक्षिणस्यां यात्रा मु.।
g उदीच्यां यात्रा मु.। स. सि. योगश्चः ६।९ उ.।
भ. ४९।२१ उ.।
भ. २२।३३ या.। वक्री मूले बुधः ४८।३७।
षट्तिला ११ व्रतं सर्वेषाम्। बुधोदयः पूर्वस्याम् २५।३४।g
उत्तराषाढ़ा भे रविः १५।३७। कुम्भे शुक्रः २४।१४।
भ. ४१।१७ उ.।
भ. १३।२८ या.। तीक्ष्ण कर्म मु.। मास शिवरात्रि व्रतम्।
मकरेऽर्कः ३१।१४। मौनी ३०।

मा. कृ. ५ शनौ. इ. ४३।५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	९	८	११	९	९	२	८
१९	०	१९	१७	२१	२७	१७	१७
५८	५	१	४९	३२	२३	४७	४७
१४	३९	१४	१२	१७	२४	५४	५४
६१	४५	१०३	५	७२	६	३	३
२६	३७	१३	२१	४३	२७	११	११

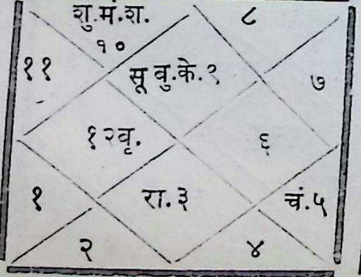

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.		२ बु.		३ बृ.		४ शु.		५ श.		६ र.		७ चं.		८ मं.		९ बु.		१० बृ.		११ शु.		१२ श.		१३ र.		१४ चं.		३० म.	
ध. अं.	७	५४	७	५०	७	४५	७	४१	७	३७	७	३३	७	२९	७	२४	७	१९	७	१४	७	९	७	५	७	१	६	५७	६	५३
म. अं.	९	३३	९	३५	९	३०	९	२६	९	२२	९	१८	९	१४	९	९	९	४	८	५९	८	५४	८	५०	८	४६	८	४२	८	३८
कुं. अं.	११	९	११	५	११	१	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३५	१०	३०	१०	२५	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८
मी. अं.	१२	३६	१२	३२	१२	२७	१२	२३	१२	१९	१२	१५	१२	११	१२	६	१२	१	११	५६	११	५१	११	४७	११	४३	११	३९	११	३५
मे. अं.	२	१२	२	८	२	३	१	५९	१	५५	१	५१	१	४७	१	४२	१	३७	१	३२	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५	१	११
वृ. अं.	४	८	४	४	३	५९	३	५५	३	५१	३	४७	३	४३	३	३८	३	३३	३	२८	३	२३	३	१९	३	१५	३	११	३	७
राशय	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मि. अं.	६	२२	६	१८	६	१३	६	९	६	५	६	१	५	५७	५	५२	५	४७	५	४२	५	३७	५	३३	५	२९	५	२५	५	२१
क. अं.	८	४०	८	३६	८	३१	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	१०	८	५	८	०	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९
सिं. अं.	१०	५७	१०	५३	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२७	१०	२२	१०	१७	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६
कं. अं.	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४३	१२	३८	१२	३३	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२
तु. अं.	३	३१	३	२७	३	२२	३	१८	३	१४	३	१०	३	६	३	१	२	५६	२	५१	२	४६	२	४२	२	३८	२	३४	२	३०
वृ. अं.	५	४९	५	४५	५	४०	५	३६	५	३२	५	२८	५	२४	५	१९	५	१४	५	९	५	४	५	०	४	५६	४	५२	४	४८

मा. कृ. १२ शनौ. इ. ४३।१०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	९	८	११	१०	९	२	८
११	१६	१६	२०	१७	२९	१६	१६
२६	२६	४६	३०	१३	४३	४०	४०
१४	१८	१३	२	४६	१४	२१	२१
६१	४६	५२	८	७२	७	३	३
२४	१७	४१	३७	५३	९	११	११

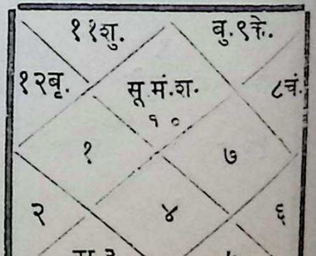

दि. मा घ.	प.	ति	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	फा.	अं.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	२९	१	बु.	५१	१३	उ.	३५	१३	ह.	१५	५३	किं.	२०	१३	बव	५१	१३	वज्र	१५	२९	१				६	४२	५	१८	९	०	३५	४९	६१	२२
२६	३१	२	गु.	५२	२५	श्र.	३७	५४	व.	१४	२१	वा.	२१	४८	कौ.	५२	२५	ध्वज	१६	३०	२				६	४२	५	१८	९	१	३७	११	६१	२१
२६	३२	३	शु.	५२	११	ध.	२९	२९	सि.	११	५४	तै..	२२	१६	ग.	५२	११	धाता	१७	१	३	कुं.	८	४१	६	४१	५	१९	९	२	३५	३२	६१	२०
२६	३५	४	श.	५१	१९	श.	४०	६	व्य.	८	३७	व.	२१	४५	वि.	५१	१९	आनंद	१८	२	४				६	४१	५	१९	९	३	३९	५२	६१	१९
२६	३७	५	र.	४९	३५	पू.	३९	५९	व.	४/५५	५ ४/६	बव	२०	२२	वा.	४९	३५	चर	१९	३	५	मी.	२५	१	६	४१	५	१९	९	४	४१	११	६१	१८
२६	४०	६	चं.	४६	३७	उ.	३८	५१	शि.	५४	२४	कौ.	१८	१	तै.	४६	३७	गद	२०	४	६				६	४०	५	२०	९	५	४२	२९	६१	१७
२६	४२	७	मं.	४३	९	रे.	३६	५७	सि.	४८	१९	ग.	१४	२	व.	४३	९	शुभ	२१	५	७	मे.	३६	५७	६	४०	५	२०	९	६	४४	४६	६१	१६
२६	४४	८	बु.	३९	१६	अ.	३४	३१	सा.	४१	३६	वि.	११	५	व.	३९	१६	मृत्यु	२२	६	८				६	३९	५	२१	९	७	४६	२	६१	१५
२६	४७	९	गु.	३३	५५	भ.	३०	३१	शु.	३४	३५	वा.	६	२९	कौ.	३३	५५	पद्म	२३	७	९	वृ.	४४	३९	६	३९	५	२१	९	८	४६	१७	६१	१४
२६	४९	१०	शु.	२८	९	कृ.	२६	२७	शु.	२६	२६	तै	१	१	ग.	२८/५४	६/२४	छत्र	२४	८	१०				६	३८	५	२२	९	९	४७	३१	६१	१३
२६	५२	११	श.	२०	४२	रो.	२१	३९	व.	१७	५४	वि.	२०	४३	वव	४७	४५	श्रीवत्स	२५	९	११	मि.	४९	८	६	३८	५	२२	९	१०	४८	४४	६१	१३
२६	५४	१२	र.	१४	४९	मृ.	१६	३७	ऐं.	९	४४	वा.	१४	४९	कौ.	४१	१५	सौम्य	२६	१०	१२				६	३८	५	२२	९	११	४९	५७	६१	१२
२६	४७	१३	चं.	७	४१	आ.	११	१९	वै.	०/६१	२५/५३	तै.	७	४१	ग.	२४	५	काल	२७	११	१३	क.	५२	५४	६	३७	५	२३	९	१२	५१	९	६१	११
२७	०	१४	मं.	०/५४	३७/१	पुन	६	२६	प्री.	४३	३६	व.	०	३०	वि.	२७/५४	३९/३१	स्थिर	२८	१२	१४				६	३६	५	२४	९	१३	५२	२०	६१	१०
+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+ +	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+

श्री शुभ संवत् २०२० शके १८८५। माघ शुक्लपक्षः।
सौम्यायन याम्यगोलः। जनवरी १५ से २८ तक।

b स. सि. योगश्च। दक्षिण यात्रा मु.।
चन्द्रदर्शनम्। मार्गी बुधः २३।२१। प्राच्यां यात्रा मु.।
रमजान। श्रवण भे भौमः २०।४२। शतभिषा भे गुरुः ०।२१
भ. २१।४५ उ. ५१।२९ या.। तिल ४।
वसन्त ५ । उत्तरा योगे स. सि. योगः।
उदीच्यां यात्रा मु. रेवत्याम्।
भ. ४३।९ उ.। रथ ७। c भीष्म द्वादशी।
भ. ११।५ या.। भीष्माष्टमी। a २।५२। या. जय मु.।
पूर्वाषाढ़ा भे बुधः २१।५९। रेवती भे २ पादे गुरुः a
भ. ५४।२४ उ.। श्रवण भे रवि. १८।२२। d १२।३७।
भ. २०।४२ या.। जया ११ व्रतं सर्वेषाम्। या. जय मु.।b
आर्द्रा भे ३ चरणे राहुः पूर्वाषाढ़ भे. १ चरणे केतुः ५।२२।c
पूर्वभाद्रपद भे शुक्रः ५९।३९। कल्पादि।
भ. ०।३० उ. २७।३९ या.। धनिष्ठा भे ३ कुम्भे च शनिd

मा. शु. ४ शनौ इ. ४३।१२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	९	८	११	१०	९	२	८
४	११	११	१९	८	२८	१७	१७
१७	२	४८	२७	४२	५४	३	३
२४	४२	३७	१४	१४	३४	१४	१४
६१	४६	२१	७	७२	६	३	३
१९	७	२३	३४	३५	५४	११	११

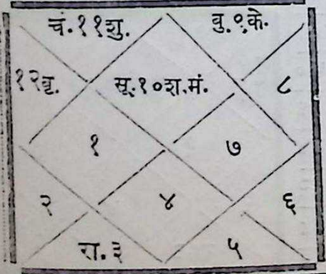

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.		२ बृ.		३ शु.		४ श.		५ र.		६ चं.		७ मं.		८ बु.		९ बृ.		१० शु.		११ श		१२ र.		१३ च.		१४ मं.	
म. अं.	८	३२	८	२८	८	२३	८	१८	८	१३	८	९	८	५	८	१	७	५७	७	५३	७	४९	७	४५	७	४१	७	३७
कुं. अं.	१०	४	९	५८	९	५३	९	४८	९	४३	९	३९	९	३५	९	३१	९	२७	९	२३	९	१९	९	१५	९	११	९	७
मी. अं.	११	३०	११	२५	११	२०	११	१५	११	१०	११	६	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४२	१०	३८	१०	३४
मे. अं.	१	६	१	१	१२	५६	१२	५१	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२६	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	१०
वृ. अं.	३	२	२	५७	२	५२	२	४७	२	४३	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	१०	२	६
मि. अं.	५	१६	५	११	५	६	५	१	४	५७	४	५२	४	४८	४	४४	४	४०	४	३६	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
क. अं.	७	३४	७	२९	७	२४	७	१९	७	१४	७	१०	७	६	७	२	६	५८	६	५४	६	५०	६	४६	६	४२	६	३८
सिं. अं.	९	५१	९	४७	९	४१	९	३६	९	३१	९	२७	९	२३	९	१९	९	१५	९	११	९	७	९	३	८	५९	८	५५
कं. अं.	१२	७	१२	२	११	५७	११	५२	११	४७	११	४३	१०	३०	११	३५	११	३१	११	२७	११	२३	११	१९	११	१५	११	११
तु. अं.	२	२५	२	२०	२	१५	२	१०	२	५	२	१	१	५७	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७	१	३३	१	२३
वृ. अं.	४	४३	४	३८	४	३३	४	२८	४	२३	४	१९	४	१५	४	११	४	७	४	३	३	५९	३	५५	३	५१	३	४८
ध. अं.	६	४८	६	४३	६	३८	६	३३	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	८	६	४	६	०	५	५६	५	५३

मा. शु ११ शनौ इ. ४३।२६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	९	८	११	१०	९	२	८
११	१६	१६	२०	१७	२९	१६	१६
२६	३२	५०	२१	१४	४२	४०	४०
२७	४४	३३	५	२४	३४	५४	५४
६१	४६	५२	८	७३	७	३	३
१३	४५	४२	३७	३२	९	११	११

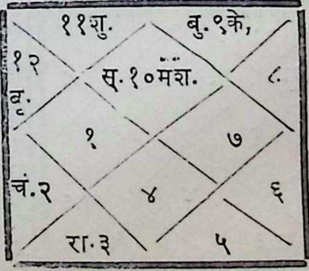

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२७	३	१	बु.	४९	२६	पु'	५ ५४	२७ १४	आ.	३६	२३	वा.	२१	४५	कौ.	४९	२६	मातंग	२९	१३	१५	सि,	५९	४१	६	३५	५	२५	९	१४	५३	३०	६१	८
२७	६	२	गु.	४४	५६	म.	५७	६४	सौ	३०	२३	तै.	१७	१२	ग.	४४	५६	मुसल	३०	१४	१६				६	३५	५	२५	९	१५	५४	३८	६१	७
२७	८	३	शु.	४६	१३	पू.	५८	३१	शो.	२५	४६	व.	१४	३४	वि.	४६	१३	सिद्धि	३१	१५	१७	क.	१४	८	६	३४	५	२६	९	१६	५५	४५	६१	६
२७	११	४	श.	४४	१४	उ:	६०	०	अ.	२२	४१	वव	१४	१३	वा.	४४	१४	उत्पात	१	१६	१८				६	३४	५	२६	९	१७	५६	५१	६१	५
२७	१४	५	र.	४५	४६	उ.	७	५९	सु.	२१	२५	कौ.	१५	४	तै.	४५	४६	मित्र	२	१७	१९				६	३३	५	२७	९	१८	५७	५६	६१	४
२७	१७	६	चं.	४९	४६	ह.	५	२७	धृ.	२०	५७	ग.	१७	४५	व.	४९	४६	वज	३	१८	२०	तु.	३८	१८	६	३३	५	२७	९	१९	५९	०	६१	३
२७	२०	७	मं.	५६	११	चि.	११	९	शू.	२१	५७	व.	२२	५७	वि.	५६	११	ध्वाछ	४	१९	२१				६	३२	५	२८	९	२१	०	३	६१	२
२७	२३	८	बु.	६०	०	स्वा	१८	३३	गं.	२३	४७	वव	२९	१७	वा.	६०	०	धूम्र	५	२०	२२				६	३१	५	३९	९	२२	१	५	६१	१
२७	२७	८	गु.	२	३५	वि.	२५	५६	वृ.	२६	५	कौ.	२	३५	तै.	३४	४५	प्रवर्ध	६	२१	२३	वृ.	९	५	६	३१	५	२९	९	२३	२	६	६१	०
२७	३०	९	शु.	७	१३	अ.	३३	२४	ध्रु.	२८	१३	ग.	७	१३	व.	४१	१४	रक्ष	७	२२	२४				६	३०	५	३०	९	२४	३	६	६०	५८
२७	३३	१०	श.	१५	१५	ज्ये.	४०	४५	व्या	३०	१६	वि.	१९	१५	वव	४८	५	मूसल	८	२३	२५	ध.	४०	५५	६	२९	५	३१	९	२५	४	४	६०	५६
२७	३६	११	र.	२०	५५	मू.	४६	५४	ह.	३१	२६	वा.	२०	५५	कौ.	५३	२	सिद्धि	९	२४	२६				६	२९	५	३१	९	२६	५	०	६०	५५
२७	३९	१२	चं.	२५	९	पू.	५१	३१	व.	३१	४३	तै.	२५	९	ग.	५६	५१	उत्पात	१०	२५	२७				६	२८	५	३२	९	२७	५	५५	६०	५३
२७	४३	१३	मं.	२८	३३	उ.	५५	१२	सिं.	३०	५७	व.	२८	३३	वि.	५८	३७	मानस	११	२६	२८	म.	५	२६	६	२७	५	३३	९	२८	६	४८	६०	५१
२७	४३	१४	बु.	२८	४१	श्र.	५६	५३	व्य.	२८	५३	श.	२८	४१	च.	५८	१०	छत्र	१२	२७	२९				६	२७	५	३३	९	२९	७	३९	६०	४९
२७	४९	३०	बृ.	२७	३९	ध.	५७	३५	व.	२५	४६	ना.	२७	३०	किं.	५६	५६	श्रीवत्स	१३	२८	१	कुं.	२६	२५	६	२६	५	३४	१०	३०	८	२८	६०	४६

श्री शुभ संवत् २०२० शाके १८८५। फाल्गुन कृष्णपक्षः।
सौम्यायनम्। याम्यगोलः। जनवरी २९ से फरवरी १३ तक

शनि अस्तं गतः १६।२९।
उग्र कर्म मु.।
भ. १४।३४ उ. ४६।१३ या.। क्रूर कर्म मु.।
फरवरी। y योगः २५।५६ उ.। अनु. योगे या. जय मु.।
स सि. योगः यायी जय योगश्च। हस्तौ प्राच्यां यात्रा मु.।
भ. ४९।४६ उ. धनिष्ठा भे. ५५।१२। उत्तरापाढ़ा २८।३५।
भ. २२।५७ या.। ढ शिवरत्रि व्रतम्। रेवती भे. ३ चरणे।
मीने शुक्रः १६।२७। e गुरुः ४६।१४।
धनिष्ठा भे. रविः २४।१२। मकरे बुधः ४।२८। स. सि. y
भ. ४१।१४ उ.। स. सि. योगः ३३।२४ उ.।
भ. १५।५५ या.। उत्तरा भाद्रपद भे. शुक्रः ११।५२।
विजया ११ व्रतं सर्वेषाम्। स. सि. योगः।
उ. षा. योगे या. जय मु.।
भ. २८।२३ उ. ५८।३७ या.। कुम्भे भौमः ५०।१४। महा
कुम्भेऽर्कः ५२।१७।
श्रवण भे. बुध १८।३७। या. जय मु.।

फा. कृ. ४ शनि, इ. ४३।३५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	९	८	११	१०	१०	२	८
१८	२१	२४	२१	२६	०	१६	१६
३४	३९	३४	५२	४४	३३	१८	१८
१४	८	१७	२५	२५	९	३३	४९
६१	४६	७०	९	७१	७	३	३
५	२५	४४	३४	३५	१४	११	११

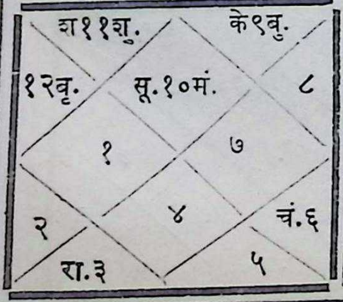

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ बु.	२ बृ.	३ शु.	४ श.	५ र.	६ चं.	७ मं.	८ बु.	८ बृ.	९ शु.	१० श.	११ र.	१२ चं.	१३ मं.	१४ बु	ति.	३० बृ.
म.	७ ३३	७ २९	७ २५	७ २१	७ १७	७ १३	७ ९	७ ४	७ १	६ ५७	६ ५३	६ ४९	६ ४५	६ ४१	६ ३७	कुं.	८ २
कुं.	९ ३	८ ५९	८ ५५	८ ५१	८ ४७	८ ४३	८ ३९	८ ३५	८ ३१	८ २७	८ २३	८ १९	८ १५	८ ११	८ ७	मी.	९ २९
मी.	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० १०	१० ६	१० ३	९ ५८	९ ५४	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३८	९ ३४	मे.	११ ५
मे.	१२ ६	१२ २	११ ५८	११ ५४	११ ५०	११ ४६	११ ४२	११ ३९	११ ३४	११ ३०	११ २६	११ २२	११ १८	११ १४	११ १०	वृ.	१ १
वृ.	२ २	१ ५८	१ ५४	१ ५०	१ ४६	१ ४२	१ ३८	१ ३४	१ ३०	१ २३	१ २२	१ १८	१ १४	१ १०	१ ६	मि.	३ १५
मि.	४ १६	४ १२	४ ८	४ ४	४ ०	३ ५६	३ ५२	३ ४८	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३३	३ २८	३ २४	३ २०	क.	५ ३३
रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा.	रा०
क.	६ ३४	६ ३०	६ २६	६ २२	६ १८	६ १४	६ १०	६ ६	६ २	५ ५८	५ ५४	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३८	सिं.	७ ५०
सिं.	८ ५१	८ ४७	८ ४३	८ ३९	८ ३५	८ ३१	८ २७	८ २३	८ १९	८ १५	८ ११	८ ७	८ ३	७ ५९	७ ५५	कं.	१० ६
क.	११ ७	११ ३	१० ५३	१० ५५	१० ५१	१० ४७	१० ४३	१० ३९	१० ३५	१० ३१	१० २७	१० २३	१० १९	१० १५	१० ११	तु.	१२ २४
तु.	१ २६	१ २१	१ १७	१ १३	१ ९	१ ५	१ १	१२ ५७	१२ ५३	१२ ४९	१२ ४५	१२ ४१	१२ ३७	१२ ३३	१२ २९	वृ.	२ ४२
वृ.	३ ४३	३ ३९	३ ३५	३ ३१	३ २७	३ २३	३ १९	३ १५	३ ११	३ ७	३ ३	२ ५९	२ ५५	२ ५१	२ ४७	ध.	४ ४७
ध.	५ ४८	५ ४५	५ ४०	५ ३६	५ ३२	५ २८	५ २४	५ २०	५ १६	५ १२	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५६	४ ५२	म.	६ ३२

फा. कृ. १३ शुक्रे इ. ४४।१०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.
९	९	९	११	११	१०	२
२५	२७	९	२२	३	१	१५
४१	३७	३९	४८	३७	२२	५६
१७	३३	१४	४७	४७	१२	४८
६०	४६	८२	१०	७८	७	३
५६	३७	३	२५	५	९	११

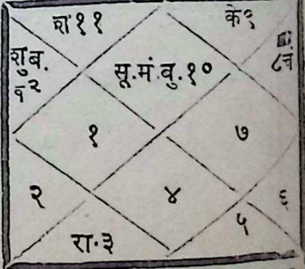

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घ.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२७	५३	१	शु.	२६	१३	श.	५७	११	प.	२१	४७	व.	२६	१३	वा.	५४	५	सौम्य	१४	२९	२				६	२५	५	३५	१०	१	९	१४	६०	४३
२७	५६	२	श.	२५	५५	पू.	५५	५३	शि.	१६	४४	कौ.	२५	५५	तै.	५३	२२	कालदं.	१५	१	३	मी.	४१	१२	६	२५	५	३५	१०	२	९	५७	६०	४२
२८	०	३	र.	२२	३६	उ.	५३	३१	सि.	१०	५७	ग.	२२	३६	व	५०	४१	स्थिर	१६	२	४				६	२४	५	३६	१०	३	१०	३९	६०	४१
२८	३	४	चं.	१८	३७	रे.	५१	१३	सा.	४ ५५	३४ १२	वि.	१८	३७	व.	४६	०	मातंग	१७	३	५	मे	५१	१३	६	२३	५	३७	१०	४	११	२०	६०	३९
२८	६	५	मं.	१४	१५	अ.	४५	११	शु.	५१	३१	वा.	१४	१५	कौ.	४२	३५	अमृत	१८	४	६				६	२३	५	३७	१०	५	११	५९	६०	३८
२८	१०	६	बु.	९	४६	भ.	४५	९	ब्र.	४४	३६	तै.	९	४६	ग.	३७	१४	काण	१९	५	७	वृ.	३९	२२	६	२२	५	३८	१०	६	१२	३७	६०	३६
२८	१४	७	गु.	४ ५४	५९ ४	कृ.	४१	५१	ऐं.	३७	१३	व.	४	५५	वि.	३२ ५९	२५ ५९	लुम्ब	२०	६	८				६	२१	५	३९	१०	७	१३	३	६०	३४
२८	१७	९	शु.	५४	१	रो.	३८	२१		३०	३१	वा.	२४	५०	कौ.	५४	४१	मित्र	२१	७	९				६	२१	५	३९	१०	८	१३	३७	६०	३२
२८	२०	१०	श.	४९	३३	मृ.	३४	५५	वि.	२२	५४	तै.	२२	१७	ग.	४९	२६	वज्र	२२	८	१०	मि.	६	३८	६	२०	५	४०	१०	९	१४	९	६०	३१
२८	२४	११	र.	४४	१७	आ.	३१	१६	प्री.	१५	५४	व.	१६	५१	वि.	४४	२५	ध्वांक्ष	२३	९	११				६	१९	५	४१	१०	१०	१४	४०	६०	२९
२८	२८	१२	चं.	३८	५३	पु.	२७	५९	आ.	८	५७	व.	११	३७	वा.	३८	१६	धूम्र	२४	१०	१२	क.	१३	५५	६	१८	५	४२	१०	११	१५	९	६०	२७
२८	३१	१३	मं.	३४	२१	पु.	२५	९	सौ.	५ ५७	५५ ५६	कौ.	६	३६	तै.	३४	२१	प्रवर्ध.	२५	११	१३				६	१८	५	४२	१०	१२	१५	२६	६०	२५
२८	३५	१४	बु.	३०	४७	श्ले.	२२	५६	अ.	४९	४७	ग.	२	३४	व.	३० ५९	४७ ११	रक्ष	२६	१२	१४	सिं.	२२	५६	६	१७	५	४३	१०	१३	१५	५१	६०	२४
२८	३७	१५	गु.	२७	३५	म.	२१	४३	सु.	४५	१६	व.	२७	३५	बा.	५६	५६	मुसल	२७	१३	१५				६	१७	५	४३	१०	१४	१६	१५	६०	२२

श्री शुभ संवत् २०२० शाके १८८५ फाल्गुन शुक्लपक्षः।
सौम्यायनम्। याम्यगोलः। फरवरी १४ से २७ तक।

चन्द्रदर्शनम् सम्भवः। चर कर्म मु.।
शव्वाल। उग्र कर्म मु.।
भ. ५०।२६ उ.। स. सि. योगः।
भ. १८।३७ या.। पञ्चमी योगे रेवत्यां प्रतीच्यां यात्रा मु.।
स. सि. अ. सि. योगश्च। a होलाष्टकारम्भः।
शतभिषा भे. रविः ३३।२७। रेवती भे. शुक्रः १४।२५।
भ. ४।५५ उ. ३२।२५ या.। शतभिषा भे. भौमः १२।३७। a
धनिष्ठा भे. बुधः ५५।३७।
दक्षिण प्रतीच्यां यात्रा मु.।
भ. १६।५१ उ. ४४।१७ या.। आमलकी ११ व्रतं प्रायः सर्वेषाम्।
धनिष्ठा भ. ४ चरणे शनिः ५७।५९। स. सि. योगः २७।५९ उ.।
कुम्भे बुधः ५५।३७। b बुधास्तः पूर्वस्याम् ३६।४४।
भ. ३०।४७ उ. ५९।११ या.। होलिका दहनं भद्रापुच्छे। b
उग्र कर्म मु.।

फा. शु. २ शनौ इ. ४३।४३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१०	९	११	११	१०	२	८
२	३	१३	२४	१२	२	१५	१५
४७	६	४४	७	३०	१३	३४	३४
१४	२७	३४	२५	१८	१२	१४	१४
६०	४६	९२	१०	७०	७	३	३
४८	३३	४५	५४	३४	२८	१०	११

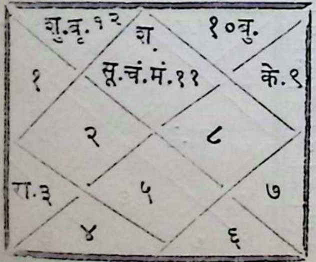

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.		२ श.		३ र.		४ चं.		५मं.		६ बु.		७ बृ.		९ शु.		१० श.		११ र.		१२ चं.		१३ मं.		१४ बु.		१५ बृ.	
कुं. अं.	७	५७	७	५३	७	४९	७	४५	७	४१	७	३७	७	३३	७	२९	७	२५	७	२१	७	१७	७	१३	७	१०	७	७
मी. अं.	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३७	८	३४
मे. अं.	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१३	१०	१०
वृ. अं.	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	९	१२	६
मि. अं.	३	१०	३	६	३	२	२	५८	२	५४	२	५०	२	४६	२	४२	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	२	२३	२	२०
क. अं.	५	२८	५	२४	५	२०	५	१६	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५६	४	५२	४	४८	४	४४	४	४१	४	३८
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
सिं. अं.	७	४५	७	४१	७	३७	७	३३	७	२९	७	२५	७	२१	७	१७	७	१३	७	९	७	५	७	१	६	५८	६	५५
कं. अं.	१०	१	९	५७	९	५३	९	४९	९	४५	९	४१	९	३७	९	३३	९	२९	९	२५	९	२१	९	१७	९	१४	९	११
तु. अं.	१२	१९	१२	१५	१२	११	१२	७	१२	३	११	५९	११	५५	११	५१	११	४७	११	४३	११	३९	११	३५	११	३२	११	२९
वृ. अं.	२	३७	२	३३	२	२९	२	२५	२	२१	२	१७	२	१३	२	९	२	५	२	१	१	५७	१	५३	१	५०	१	४७
ध. अं.	४	४२	४	३८	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	४	२	३	५८	३	५५	३	५२
म. अं.	६	२७	६	२३	६	१९	६	१५	६	११	६	७	६	३	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७	५	४३	५	४०	५	३७

फा. शु. १० शनौ इ. ४४।१०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१०	९	११	११	१०	२	८
९	८	२४	२५	२०	३	१५	१५
५१	३७	३९	३१	४६	३	१२	१२
४७	१४	१४	९	२	३४	९	९
६०	४६	१०२	११	६९	७	३	३
३१	२९	२७	२५	३७	२०	११	११

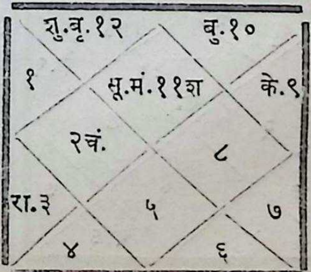

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२८	४२	१	शु.	२६	१७	पू.	२२	६	धृ.	४१	५	कौ.	२६	१७	तै.	५६	१४	सिद्धि	२८	१४	१६	कं.	३७	३३	६	१६	५	४४	१०	१५	१६	३७	६०	२०
२८	४६	२	श.	२६	११	उ.	२३	५३	शू.	४०	६	ग.	२६	११	व.	५७	१३	उत्पात	२९	१५	१७				६	१५	५	४५	१०	१६	१६	५७	६०	१९
२८	४९	३	र.	२८	१६	ह.	२७	३१	गं.	३८	५४	वि.	२८	१६	व.	५९	५३	मानस	१	१६	१८	तु.	५९	५०	६	१४	५	४६	१०	१७	१७	१६	६०	१८
२८	५३	४	चं.	३१	२३	चि.	३२	९	वृ.	३९	२१	वा.	३१	२३	का.	६०	०	मुद्गर	२	१७	१९				६	१३	५	४७	१०	१८	१७	३४	६०	१६
२८	५७	५	मं.	३६	३३	स्वा	३८	३७	ध्रु.	४०	४४	कौ.	३	५८	तै.	३६	३३	ध्वज	३	१८	२०				६	१३	५	४७	१०	१९	१७	५०	६०	१४
२९	१	६	बु.	४२	३४	वि.	४५	३५	व्या	४२	४९	ग.	९	३३	व.	४२	३४	धाता	४	१९	२१	वृ.	२८	५२	६	१२	५	४८	१०	२०	१८	४	६०	१२
२९	४	७	गु.	४८	४१	अ.	५३	१७	ह.	४४	५५	वि.	१५	३७	व.	४८	४१	आनंद	५	२०	२२				६	११	५	४९	१०	२१	१८	१६	६०	१०
२९	८	८	शु.	५५	१६	ज्ये.	६०	०	व.	४७	१६	वा.	२१	५३	कौ.	५५	१६	चर	६	२१	२३				६	१०	५	५०	१०	२२	१८	२६	६०	८
२९	११	९	श.	६०	०	ज्ये.	०	३६	सि.	४९	१२	तै.	२७	५६	ग.	६०	०	मुसल	७	२२	२४	ध.	०	३६	६	१०	५	५०	१०	२३	१८	३४	६०	६
२९	१५	९	र.	०	४७	मू.	७	२५	व्य.	४९	५३	गं.	०	४७	व.	३३	७	सिद्धि	८	२३	२५				६	९	५	५१	१०	२४	१८	४०	६०	४
२९	१९	१०	चं.	५	२७	पू	१२	१२	व.	४३	२६	वि.	५	२७	व.	३७	२	उत्पा.	९	२४	२६	म.	२८	२३	६	८	५	५२	१०	२५	१८	४४	६०	२
२९	२३	११	मं.	८	३७	उ.	१६	५६	प.	४७	४९	वा.	८	३७	कौ.	३९	२५	धाता	१०	२५	२७				६	८	५	५२	१०	२६	१८	४६	६०	०
२९	३६	१२	बु.	१०	१४	श्र.	१९	१६	शि.	४४	४१	तै.	१०	१४	ग.	३९	५९	छत्र	११	२६	२८	कुं.	४९	४५	६	७	५	५३	१०	२७	१८	४६	५९	५८
२९	३०	१३	गु.	९	३४	ध.	१९	५५	सि.	४०	११	व.	९	३४	वि.	३८	१४	श्रीवत्स	१२	२७	२९				६	६	५	५४	१०	२८	१८	५४	५९	५६
२९	३४	१४	शु.	७	१४	श.	१८	४९	सा.	३४	३५	श.	७	१४	च.	३५	२५	सौम्य	१३	२८	३०				६	५	५	५५	१०	२९	१८	५०	५९	५३
२९	३८	३०	श.	५३/६	३५/४	पू.	१६	३४	शु.	२७	५६	ना.	३	३१	किं.	३१	३३	काल	१४	२९	१	मी.	२	७	६	५	५	५५	११	०	१८	४३	५९	५०

श्री शुभ संवत् २०२० शके १८८५। शुद्ध चैत्र कृष्णपक्षः
सौम्यायनम्। याम्यगोलः। फरवरी २८ से मार्च १४ तक

रेवती भे ३ चरणे गुरुः १५।४६। वसन्तोत्सवः। उग्र कर्म म
भ. ५७।१३ उ.। शतिभिष भे बुधः ५४।३७। हस्ते पूर्वयात्राम
मार्च। भ. २८।१६ या.। मेषे शुक्रः ४०।७। कल्पादि।
शन्योदयः ५९।५४। h स. मि.योग
पूर्वभाद्रपद भे रविः ४८।१४।
भ. ४२।३४ उ.। स. सि. योगः ४५।३५ उ.।
भ. १५।३७ या.। स. सि. योग या. जय मु. ५३।१७ या.
शीतला पूजनम्। y बुधः २०।४९। स. सि. योगः ७।२५ या
तीष्ण कर्म मु.।
भ.३३।७उ.। पूर्वा भाद्रपद भे भौमः२६।४७। पू. भा. भे
भ. ५।२७ या.।
पापमोचिनी ११ व्रतंसर्वेषाम्। श्रवसिदक्षिण यात्रा मु.।
दक्षिण पूर्वयो. यात्रा मु. तिथिदानात्।
भ. ९।३४ उ. ३८।१४ या.। प्रतीच्यां यात्रा मु.।
स. मीनेऽर्कः ४१।११। मीनेबुधः३६।१४।भरणीभेशुक्र२५।
मेषे गुरुः ३६।१०। मन्वादि।

शु. चैं. कृ. २ शनौ इ. ४४।२३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१०	१०	११	११	१०	२	८
१७	१३	६	२६	२८	३	१४	१४
१	५८	२२	५७	५५	५४	४९	४९
२०	२५	८	१६	३९	१४	४०	४०
६०	४६	१०७	१२	६८	७	३	३
१९	२५	३४	९	४४	९	११	११

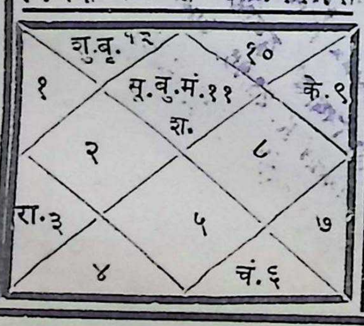

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१शु.	२ श.	३ र.	४ चं.	५ मं.	६ बु.	७ गु.	८ शु.	९ श.	९ र.	१० चं.	११ मं.	१२बु.	१३ गु.	१४ शु.	ति.	३० श.
कुं.	७ ३	६ ५९	६ ५५	६ ५१	६ ४७	६ ४३	६ ४०	६ ३७	६ ३३	६ २९	६ २५	६ २१	६ १८	६ १५	६ १२	मी.	७ ३१
मी.	८ ३०	८ २६	८ २२	८ १८	८ १४	८ १०	८ ७	८ ४	८ ०	७ ५६	७ ५२	७ ४८	७ ४३	७ ३९	७ ३५	मे.	९ ११
मे.	१० ६	१० २	९ ५९	९ ५४	९ ५०	९ ४६	९ ४३	९ ४०	९ ३६	९ ३२	९ २८	९ २४	९ २१	९ १८	९ १५	वृ.	११ ७
वृ.	१२ २	११ ५८	११ ५४	११ ५०	११ ४६	११ ४२	११ ३९	११ ३६	११ ३२	११ २८	११ २४	११ २०	११ १७	११ १४	११ ११	मि.	१ २१
मि.	२ १६	२ १२	२ ८	२ ४	२ ०	१ ५६	१ ५३	१ ४९	१ ४६	१ ४२	१ ३८	१ ३४	१ ३१	१ २८	१ २५	क.	३ ३९
क.	४ ३४	४ ३०	४ २६	४ २२	४ १८	४ १४	४ ११	४ ८	४ ४	४ ०	३ ५६	३ ५२	३ ४९	३ ४६	३ ४३	सिं.	५ ५६
रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा.	रा०
सिं.	६ ५१	६ ४७	६ ४३	६ ३९	६ ३५	६ ३१	६ २८	६ २५	६ २१	६ १७	६ १३	६ ९	६ ६	६ ३	६ ०	कं.	८ १२
कं.	९ ७	९ ३	८ ५९	८ ५५	८ ५१	८ ४७	८ ४४	८ ४१	८ ३७	८ ३३	८ २९	८ २५	८ २२	८ १९	८ १६	तु.	१० ३०
तु.	११ २५	११ २१	११ १७	११ १३	११ ९	११ ५	११ २	१० ५९	१० ५५	१० ५१	१० ४७	१० ४३	१० ४०	१० ३७	१० ३४	वृ.	१२ ४८
वृ.	१ ४३	१ ३९	१ ३५	१ ३१	१ २७	१ २३	१ २०	१ १७	१ १३	१ ९	१ ५	१ १	१२ ५८	१२ ५५	१२ ५२	ध.	२ ५३
ध.	३ ४८	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २५	३ २२	३ १८	३ १४	३ १०	३ ६	३ ३	३ ०	२ ५७	म.	४ ३८
म.	५ ३३	५ २९	५ २५	५ २१	५ १७	५ १३	५ १०	५ ७	५ ३	४ ५९	४ ५५	४ ५१	४ ४८	४ ४५	४ ४२	कुं.	६ ८

चै. कृ. ३० शनौ इ. ४४।

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.
११	१०	११	०	०	१०	२
१	२५	२	०	१४	५	१४
७	९	१४	१	५३	४७	५
२५	१३	२३	२५	४४	४७	४८
५९	४६	८३	१२	६७	६	३
५०	१५	३९	३३	४	५१	११

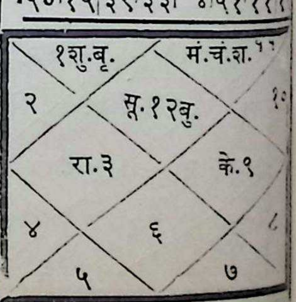

विवाहे पञ्चशलाकाचक्रम्

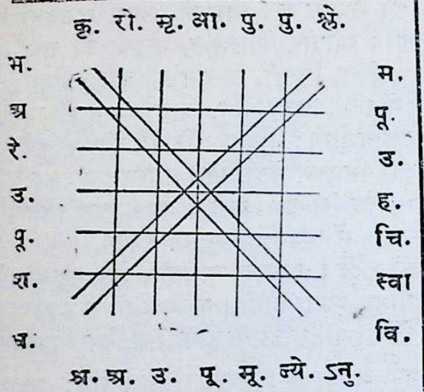

राजा शनिः

श्रीगणेशाय नमः

मन्त्री गुरुः

अन्येषु सप्तशलाकाचक्रम्

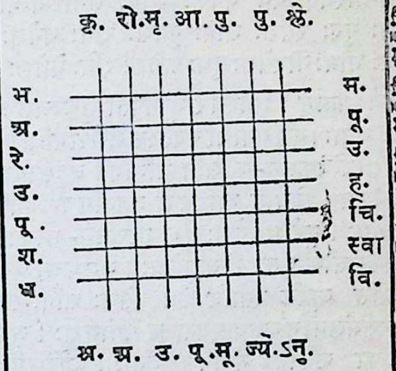

श्री संवत् २०२१, शकः १८८६, हिजरी सन् १३८३-८४, फसली सन् १३७१-७२, ईस्वी सन् १९६४-६५।

पिंगल नाम संवत्सरः

विंशोत्तरी मतेन आयव्यय चक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
८	२	८	२	५	८	२	८	५	१४	१४	५
५	१४	११	८	५	११	१४	५	११	११	११	११

अष्टोत्तरी मतेन आयव्यय चक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
१४	८	११	५	८	११	८	१४	२	५	५	२
१४	८	५	५	५	५	८	१४	८	२	२	८

देखने की रीति

आयव्ययौ समौ कृत्वा एक हीनं तु कारयेत्।
अष्टभिस्तु हरेद्भागं शेषाङ्के फलमादिशेत् ॥
१ लाभं, २ सौख्यं तथा ३ क्लेशं ४ रोगं ५ लोकापवादकम्।
६ सम्मानं ७ विजयं ८ हानिः कथितं पूर्व सूरिभिः।

प्रधान वितरक—**श्री गंगा पुस्तकालय,**
गायघाट, बनारस।

श्री काश्याम्

शुद्धमकरन्दीय दशवर्षीय पञ्चाङ्गम्

श्री गंगा

काशी पञ्चाङ्गम्

सम्पादक—**पं० चन्द्रशेखर पाठक ज्योतिषाचार्य, ज्योतिषरत्न**
सी. के. ६४/७० हीरापुरा, वाराणसी।

समय-शुद्धिः

गुरु—अधिक चैत्र कृष्ण ११ बुधे पश्चिमास्तः।
वैशाख शुक्ल १ भौमे पूर्वोदयः।

शुक्र—ज्येष्ठ शुक्ल १३ चन्द्रे पश्चिमास्तः।
आषाढ़ कृष्ण ४ चन्द्रे पूर्वोदयः।
फाल्गुन शुक्ल १० शुक्रे पूर्वास्तः।

शनि—कुम्भ राशौ वर्षपर्यन्तम्।

राहु—पौष शुक्ल १३ वृषराशिगतः प्राक् मिथुनराशिगतः।

प्रकाशक व मुद्रक—पं० पृथ्वीनाथ भार्गव,
भार्गवभूषण प्रेस, गायघाट, बनारस।

Budhavinayak, VARANASI-1.

वर्ष-फल

श्री संवत् २०२१ शाके १८८६

अथास्मिन् वर्षे वर्षेशः शनिः तथा मन्त्री चन्द्रः । पूर्व धान्येशः गुरुः रसेशः शनिः दुर्गेशः रविः धनेशः बुधः पश्चिम-धान्येशः भौमः नीरसेशः बुधः फलेशः रविः मेघेशः रविः ।

वर्षेशफलम् । शनैश्चरे भूमिपतौ सुक्रुज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनाः । युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैर्भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् । मन्त्रिफलम्—शशिनि मन्त्रिगते बहुसस्यवत्यपि धरारमते सुखमण्डिता । वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाः सुख राशि सुशोभिताः । पूर्व धान्थेशः गुरुः तत्फलम्—सस्यपतौ सुरराजपुरोहिते सकलसौख्ययुता द्विजपूर्वकाः । जलधरा, जलदा बहु सस्यदा रसपयांसि बहूनि रसानि वै । रसेशः शनिः तत्फलम्—रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदागददाश्च पयोधराः । अजवृषा गजवाजि खरोष्ट्रका जनपदेषु नरानसुखैर्युताः । दुर्गेशरविः तत्फलम्—भय विशेष करस्तरणि स्तदा जनपदा नरराज पुरोगदाः । समधिकेन तदा नृपतो न्यतस्स्वपथि संव्रजतां न भयं क्वचिद् । धनेशः बुधः तत्फलम्—द्रविणपो हिमरश्मिसुतो यदा विविध संग्रहवस्तु फलार्थदः । द्विजवरा जपयज्ञ सुसंयुता कृषि विशेष विशेषितमानसाः । पश्चिम धान्येशः भौमः तत्फलम्—धान्याभावो दुर्लभं मूलकन्दं नीरं स्वल्पं युद्धकृत्भूप वृन्दम् । रोगात्वह्निभीः प्रजानां समाजे पश्चाद्धान्य स्वामिनो क्ष्मातनूजे । नीरसेशः बुध तत्फलम्—चित्र-वस्त्रादिकं चैव शंखं चन्दन पूर्वकम् । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत् नीरसेशो बुधो यदि । मेघेशः रविः तत्फलम्—जलपतिर्यदिवासरपस्तदा सरसि वैरमते जनता रसम् । यवचणेक्षुजवारि सुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुवि वर्तते ।

इस वर्ष के राजा शनि तथा मुख्यमन्त्री चन्द्रमा हैं। दुर्ग-मन्त्री, फल-मन्त्री तथा सिंचाई मन्त्री रवि हैं, पूर्वधान्य मन्त्री गुरु; पश्चिम धान्य मन्त्री भौम; कोश और नीरस-मन्त्री बुध हैं।

यह अधिकार विभाजन जनता के लिए कल्याणकारक नहीं है। भारत का राष्ट्रपति नौकरशाही प्रवृत्ति का द्योतक होगा। राजनीति भी दुर्बल रहेगी। गोदावरी के तट पर दुर्भिक्ष, अनेक उपद्रव, रोग, सन्ताप होगा। पश्चिम में यवनों में युद्ध; बड़े-बड़े लोगों का नाशः; गाय, भैंसों का ह्रास होगा। चन्देरी, गौड़, और विहार में भी संघर्ष या पीड़ा, हानि होगी। वृष्टि अच्छी होगी; सुकाल रहेगा; गुड़, कपड़ा मन्दा रहेगा; यमुना नदी के तट पर धान्य तेज रहेगा। श्रावण, मार्गशीर्ष में तेजी रहेगी। मुख तथा पिंडुरी के रोग अधिक रहेंगे। सोना चांदी ताँबा तथा कपास प्रथम तीन मास मन्दे रहेंगे। भाद्रपदमें घी मन्दा रहेगा; आश्विन से फाल्गुन तक तेजी रहेगी।

वार्षिक राशि-फल

मेष—वर्ष मध्यम है; लाभ, उल्लास, व्यापार में उन्नति; धर्म में अरुचि रहेगी। कहीं असफलता मिलेगी; सम्भव है स्वास्थ्य भी बुरा रहे। बीच वर्ष के कुछ मास सफल रहेंगे; सौर वैशाख, श्रावण में यात्रा-व्यथा, मानसिक अशान्ति, चिढ़, चिन्ता रहेगी। आश्विन, फाल्गुन में लाभ, हर्ष, भोजन-वस्त्र में विशेषता, नये लोगों से भेंट होगी; आषाढ़, माघ, व्यापार में उन्नति के लिए श्रेष्ठ हैं। सौर चैत्र में व्यय होगा; शेष मास साधारण रहेंगे।

वृष—वर्ष अच्छा नहीं। व्यय, कष्ट, दैन्य, पिंडुरी में व्यथा परिवार में अशान्ति, धन-हानि रहेगी। व्यापार रहते हुए भी आलस्य कर जायेंगे; माता-पिता को कष्ट रहेगा। सौर ज्येष्ठ, भाद्रपद, पौष मास में यात्रा, व्यथा, चिन्ता, मानसिक, अशान्ति रहेगी। कार्तिक, चैत्र में लाभ, हर्ष, भोजन-वस्त्र में विशेषता, मित्रों से भेंट रहेगी। वैशाख में व्यय होगा; शेष मास साधारण हैं। बीच में कुछ मास सफलता की दृष्टि से श्रेष्ठ रहेंगे।

मिथुन—वर्ष अच्छा है। लाभ, उल्लास, सफलता रहेगी। शरीर रोगग्रस्त रहेगा; स्त्री को भी रोग रहेगा; गरीबी का आभास रहेगा। सौर आषाढ़, आश्विन, माघ में चिढ़-चिन्ता, कष्ट, यात्रा होगी। ज्येष्ठ में व्यय होगा। वैशाख, अगहन में लाभ, हर्ष, भोजन-वस्त्र में विशेषता; मित्रों से भेंट होगी। शेष मास साधारण रहेंगे।

कर्क—वर्ष साधारण है। व्यय, रोग, दुर्बलता, असफलता रहेगी। बीच वर्ष के कुछ मास सफल रहेंगे। शत्रु पराजित होंगे। वायु-विकार रहेगा। सौर श्रावण, कार्तिक, फाल्गुन, मास में चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट रहेगा। आश्विन मास में व्यापार वृद्धि पर रहेगा। पौष ज्येष्ठ में लाभ हर्ष रहेगा।

सिंह—वर्ष मध्यम है। लाभ, सफलता तो रहेगी। परन्तु रोग, चिढ़, चिन्ता, स्त्री, सन्तान को कष्ट भी रहेगा। शुभ काम होगा। लम्बी यात्रायें भी सम्भव है। भाद्रपद, मार्गशीर्ष, चैत्र मास में यात्रा, व्यथा, मानसिक अशान्ति, चिढ़, चिन्ता रहेगी। श्रावण में अधिक व्यय होगा। आषाढ़ माघ में लाभ, हर्ष, भोजन-वस्त्र में विशेषता; मित्रों से भेंट होगी। ज्येष्ठ, कार्तिक में व्यवसाय उन्नति पर होगा।

कन्या—वर्ष साधारण है। असफलता, मानसिक अशान्ति, चिढ़, चिन्ता रहेगी; सामान्य लाभ होता रहेगा। उदर या घुटने में व्यथा रहेगी। माता-पिता कष्ट में रहेंगे। सौर वैशाख, आश्विन, पौष में विवाद-व्यथा, हानि, चिढ़, यात्रा होगी। आषाढ़ मार्गशीर्ष में व्यापार उन्नति पर रहेगा; भाद्रपद में व्यय होगा; फाल्गुन और श्रावण में लाभ हर्ष रहेगा।

तुला—वर्ष मध्यम है। सामान्य, लाभ, सफलता रहेगी; शुभ काम होगा। व्यापार में उन्नति, भाइयों को कष्ट, धर्म में अरुचि रहेगी। चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट रहेगा। ज्येष्ठ, कार्तिक, माघ में कष्ट, चिढ़, हानि, चिन्ता रहेगी। श्रावण, पौष में व्यापार में उन्नति होगी; भाद्रपद और चैत्र में लाभ, हर्ष, भोजन-वस्त्र में विशेषता, मित्रों से भेंट होगी। आश्विन व्ययकारी है।

वृश्चिक—वर्ष अच्छा नहीं। असफलता विवाद-व्यथा, जीर्णरोग, परिवार में अशान्ति, धन-हानि होगी। बीच वर्ष के कुछ मास अच्छे रहेंगे। आषाढ़, मार्गशीर्ष और फाल्गुन में कष्ट चिढ़, हानि, यात्रा, व्यथा होगी। कार्तिक में व्यय होगा। माघ और भाद्रपद में व्यापारिक उन्नति होगी। कार्तिक व्ययकारक है।

धनु—वर्ष अच्छा है। व्यापार में उन्नति; भाइयों को व्यथा, लाभ, हर्ष, सफलता, शुभ काम होगा; रोग लगा रहेगा; स्त्री बीमार रहेगी। सौर पौष, श्रावण, चैत्र में कष्ट, चिढ़, हानि, चिन्ता रहेगी। आश्विन, फाल्गुन में व्यापार वृद्धि पर रहेगा। ज्येष्ठ और कार्तिक में लाभ, हर्ष, भोजन-वस्त्र में विशेपता, मित्रों से भेंट होगी। मार्गशीर्ष में व्यय होगा।

मकर—वर्ष अच्छा नहीं। धन हानि, परिवार में अशान्ति, चिढ़, चिन्ता, असफलता रहेगी। अनायास व्यय होगा। सामान्य लाभ होता रहेगा। वैशाख, भाद्रपद और माघ में कष्ट, चिढ़, हानि, मानसिक अशान्ति रहेगी। आषाढ़, अगहन मे लाभ, उल्लास, विजय रहेगी। पौष में अधिक व्यय होगा; चैत्र और कार्तिक में व्यापारिक उन्नति होगी।

कुम्भ—वर्ष अच्छा नहीं। रोग, चिढ़, चिन्ता, वायु-विकार, दुर्बलता, व्यय, सन्तान को कष्ट रहेगा। सामान्य लाभ होता रहेगा। बुद्धि अस्थिर रहेगी; धर्म से अरुचि होगी। ज्येष्ठ, आश्विन और फाल्गुन में यात्रा-कष्ट, चिढ़, हानि होगी। वैशाख और अगहन में कार्य-व्यस्त रहेंगे। श्रावण और पौष में लाभ, हर्ष, भोजन-वस्त्रमें नवीनता नये लोगों से भेंट होगी। माघ में व्यय होगा।

मीन—वर्ष मध्यम है। सामान्य लाभ, सफलता तो रहेगी परन्तु व्ययाधिक्य ,माता-पिता को कष्ट, रोग, विवाद, दुर्बलता रहेगी। सम्भव है उदर-विकार भी रहे। आषाढ़, कार्तिक और चैत्र में यात्रा-कष्ट, चिढ़, चिन्ता रहेगी। ज्येष्ठ और पौष में व्यापारिक उन्नति होगी। माघ और भाद्रपद में लाभ, हर्ष, भोजन-वस्त्र में विशेषता; मित्रों से भेंट होगी। फाल्गुन में व्यय होगा।

इस वर्ष ४ ग्रहण होंगे । २ सूर्य २ चन्द्र ।

सूर्य ग्रहणम्

(१) ज्येष्ठ शुक्ल १५ ने गुरौ ता० २५ जून १९६४ को चन्द्र ग्रहणम् ।

(२) आषाढ़ कृष्ण ३०, ९ जुलाई १९६४ ई० सूर्य ग्रहणम् ।

(३) मार्गशीर्ष कृष्ण ३० ने शुक्रे ता० ४ दिस० १९६४ सूर्य ग्रहणम् ।

(४) मार्गशीर्ष शुक्ल १५ शनौ ता० १९ दिस० १९६४ ई० चन्द्र ग्रहणम् ।

वर्षलग्नम्

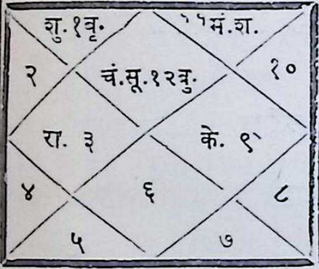

आर्द्राप्रवेशलग्नम्

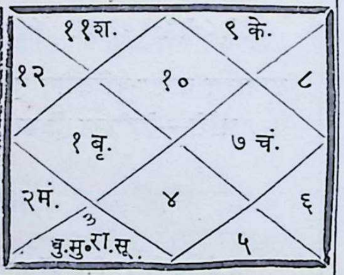

संवत् २०२१ विवाहमुहूर्ताः

वैशाख

वैशाख	शुक्ल	३	मृगे दिवा लग्नम् वा गोधूलि
,,	,,	७	चन्द्रे मघा भे. लग्न ११
,,	,,	८	भौमे मघा भे. दि. ल. चि.
,,	,,	९	वुधे उ. फा. भे. ल. ११
,,	,,	१०	गुरौ उ. फा. हस्त भे. ल. चि.
,,	,,	११	शुक्रे हस्त भे दि. ल. चि.
,,	,,	१२	शनौ स्वात्यां ल. चि.
,,	,,	१३	रवौ स्वात्यां दि. ल. चि. वा गोधूलि
,,	,,	११	चन्द्रे अनु. भे भद्रान्ते ल. चि.
,,	,,	१५	भौमे अनु. भे. ल. चि.

ज्येष्ठ

ज्येष्ठ	कृष्ण	१	वुधे मूल भ कालोऽल्पीयान्
,,	,,	२	गुरौ मूल भे ल. ११ वा १२
,,	,,	४	शनौ उ. षा. भे ल. ११ वा १२
,,	,,	५	रवौ उ. षा. भे. प्रातः कालोऽल्पीयान्
,,	,,	९	गुरौ उ. भा. भे. ल. ११ या १२
,,	,,	१०	शुक्रे उ. भा. भे. दि. ल. भद्रा प्राक् वा पश्चा.
,,	,,	११	शनौ रेवत्यां दि. ल. चि.
,,	शुक्ल	५	रवौ मघा भ. ल. ११ या १२
,,	,,	६	चन्द्रे मघा भे. दि. ल. चि.
,,	,,	७	भौमे उ. फा. भे. ल. ११ या १२
,,	,,	८	वुधे उ. फा. हस्तौ ल. चि.
,,	,,	९	गुरौ हस्त भे. ल. चि.
,,	,,	१०	शुक्र स्वात्यां ल. चि.
,,	,,	११	शनौ स्वात्यां ल. चि.

अग्रे शुक्रास्तः

आषाढ़

आषाढ़	कृष्ण	६	बुधे उ. भा. भे. ल. चि.
,,	,,	७	गुरौ उ. भा. भे. रेवत्यां ल. चि.
,,	,,	८	शुक्रे रेवत्यां दि. ल. चि. वा गोधूलि
,,	,,	१२	चन्द्रे रो. भे. ल. चि.
,,	,,	१३	भौमे रो. भे. दि. ल. चि.
,,	शुक्ल	३	रवौ मघा भ. भद्रा प्राक् ल. चि.
,,	,,	५	भौमे उ. फा. भ.
,,	,,	६	बुधे उ. फा. हस्त भे. ल. चि.
,,	,,	७	गुरौ हस्त भे. कालोऽल्पीयान् [अतः परं दक्षिणायनम्

मार्गशीर्ष

मार्गशीर्ष	कृष्ण	१	शुक्रे. रो. भे. ल. चि.
,,	,,	२	शनौ रो. मृग भे. ल. चि. भ. प्राक्
,,	,,	६	वुधे. मघा भे. ल. चि.
,,	,,	८	गुरौ मघा भे. दिवा. ल. गोधूलि वा
,,	,,	९	शुक्रे उ. फा. भे. ल. चि.
,,	,,	१०	शनौ उ. फा. हस्त भे. भद्रा प्राक्पश्चाद् वा
,,	,,	११	रवौ हस्त भे. दिवा. ल. वा गोधलि
,,	,,	१२	चन्द्रे स्वात्यां ल. चि.
,,	शुक्ल	१	शनौ मूल भे. ल. चि.
,,	,,	२	रवौ मूल भे. कालोऽल्पीयान्
,,	,,	३	चन्द्रे उ. षा. भे. भद्रा प्राक् ल. चि.
,,	,,	८	शनौ उ. भा. भे. ल. चि.
,,	,,	९	रवौ उ. भा. भे. रेवत्यां ल. चि.
,,	,,	१०	चन्द्रे रेवत्यां ल. चि.

माघ

माघ	कृष्ण	२	भौमे मघा भे. भद्रा प्राक्
,,	,,	३	वुधे मघा भे. भद्रान्ते कालोऽल्पीयान्
,,	,,	४	गुरौ उ. फा. भे. ल. चि.
,,	,,	५	शुक्रे उ. फा. हस्त भे. ल. चि.
,,	,,	६	शनौ हस्त भे. भद्रा प्राक् ल. चि.
,,	,,	७	रवौ स्वात्यां ल. चि.
,,	,,	८	चन्द्रे स्वात्यां दि. ल.
,,	,,	९	भौमे अनु. भे. भद्रा प्राक् ल. चि.
,,	,,	१०	वुधे अनु. भे. भद्रान्ते ल. चि.
,,	,,	११	गुरौ मूल. भे. ल. चि.
,,	,,	१२	शुक्रे मूल भे. ल. चि.
,,	,,	१३	शनौ उ. षा. भ. ल. चि.
,,	शुक्ल	४	शुक्रे उ. भा. भे. ल. चि. भद्रान्ते
,,	,,	५	शनौ उ. भा. भे. रेवत्यां ल. चि.
,,	,,	६	रवौ उ. भा. भे. प्रातः ल. चि.
,,	,,	९	वुधे रोहण्यां ल. चि.
,,	,,	१०	गुरौ रो. मृग भे. भद्रा प्राक् ल. चि.
,,	,,	१४	चन्द्रे मघा भ. ल. चि.

फाल्गुन

फाल्गुन	कृष्ण	१	भौमे मघा भे. ल. चि.
,,	,,	२	वुधे उ. फा. भे. ल. चि.
,,	,,	३	गुरौ उ. फा. हस्त भे. ल. चि. भ. प्राक् प. वा
,,	,,	४	शुक्रे हस्त भे. दि. ल. वा गोधूलि
,,	,,	५	शनौ स्वात्यां ल. चि.
,,	,,	६	रवौ स्वात्यां ल. चि.
,,	,,	७	चन्द्रे अनु. भे. ल. चि.
,,	,,	८	भौमे अनु. भे. ल. चि.
,,	,,	९	बुधे मूल भे. ल. चि.
,,	,,	१०	गुरौ मूल भे. ल. चि. भद्रा प्राक्
,,	,,	११	शनौ उ. षा. भे. ल. चि.
,,	,,	१२	रवौ उ. षा. भे. कालोऽल्पीयान्
,,	शुक्ल	१	गुरौ उ. भा. भे. ल. चि.
,,	,,	२	शुक्रे उ. भा. रेवत्यां ल. चि.
,,	,,	३	शनौ रेवत्यां ल. चि.
,,	,,	६	भौमे रो. भ. ल. चि.
,,	,,	७	बुधे रो. भे. ल. चि. भ. प्राक्

भविष्य-वाणी संवत् २०२१

शुद्ध चैत्र शुक्लपक्ष

सुदी १ से १ मास में रुई, ईख, तिल, तेल, चाँदी-सोना, गुड़, खाँड़, तेज; उसी दिन से १४ दिन में सर्वधान्य, सर्वरस, सोना-चाँदी, ताँबा, राँगा, सीसा, लोहा, पारा, ऊन, तीसी, रेंड़ी, तिल, तेल, मेथी, अल्ता, लाल चन्दन, इलायची, लौंग, सोपारी, नारियल, कपूर, हींग, हिंगलू तेज; सुदी ३ से ३८ दिन में मरु देशमें कष्ट, अवृष्टि, जननाश, अकाल, चतुष्पद-नाश, उत्तम वृष्टि, धान्योत्पत्ति, श्रेष्ठ; सुदी ५ से १८ दिन में सुभिक्ष धान्य तेज; सुदी ९ से १२ दिन में पाप-वृद्धि, जनसंहार अफीम तेज; दाख, खारक सोपारी, चाँदी-सोना, धातुयें तीसी, रेंड़ी, सरसों, घी, तेल, गुड़, खाँड़, अन्न मन्दा; सुदी १० से १६ दिन में धान्य, घी मन्दा; चाँदी-सोना, रुई घट-बढ़कर मन्दा; राजपूताने में वृष्टि; सुदी १५ से १४ दिन में चावल, हल्दी, मिर्च, गुड़, घी, जव, चना, मोठ, तूवर, तीसी, सोना-चाँदी, ताँबा, घी, पीतल, धातुयें, अफीम, पीपर, कपूर, खाँड़, रस, तिल, तेल, रेंड़ी, बिनौला, मूँगफली, नारियल, सोपारी, केराना तेज; गेहूँ, जव, चना मन्दा होगा।

१७-१८-२३, २४-२५ अप्रैल को तीव्र हवा, साधारण बादल-वृष्टि योग है ।

चाँदी—पोते का काम करें।

वैशाख

वदी १ से ४५ दिन में सर्वधान्य, प्रवाल, मन्दा; तिल, ज्वार, ऊन, कपास, चाँदी तेज; (१६-१७-१८ मई को अफीम तेज;) वदी ३ से २५ दिन में वायु की तीव्रता, वृष्टि, रुई, कपास, सूत, सन, पाट तेज; सुदी ८ से १६ दिन में वैश्यों को पीड़ा, राजपूताने में वृष्टि, अफीम, रुई, तेल, उड़द, तिल तेज; अनाज मन्दा; वदी ८ से १४ दिन में रुई, चाँदी, घट-बढ़कर तेज; राजपूताने में वृष्टि; चौपायों को कष्ट, टिड्डी भय; वदी ९ से २ मास में अफीम तेज; राजपूताने में वृष्टि, रुई, सोना मन्दा; वदी १४ से १४ दिन में श्वेतपुष्प, जव, चावल, गेहूँ, मोंठ, रुई, सरसों, तीसी, रेंड़ी, सोना-चाँदी तेज; सुदी ३ से १ मास में स्वर्ण, सर्वधान्य, अफीम, कपड़ा, शस्त्र तेज; रुई, चाँदी मन्दी होकर तेज; सुदी ५ से ५ दिन में तृण, काष्ठ, चौपाये, गेहूँ, जव, चना, अनाज तेज; तेल, तीसी, मूँगफली, गुड़, बिनौला मंदा; सुदी ६ से ३८ दिन में चाँदी-सोना धातु, जवाहरात, तीसी, जव, चावल, तिल, मोंठ, चना, लाख, चपड़ा, ऊन मंदा; सुदी १० से ८ दिन में हाथियों को पीड़ा, चाण्डाल नाश; धान्य, रुई, तेज, वृष्टि न्यून; सुदी १३ से १४ दिन में चावल, सर्वधान्य रस, तीसी, मिर्च, सोपारी, हींग, तिल, खजूर, सरसों, घी, रेंड़ी, ऊन, ज्वार, बाजरा, राई, तेल, दाख, गुड़, खाँड़, रुई, सूत, सन, पाट तेज होगा ।

१-२-३, ८-९, १४-१५-१६, २०-२१-२२ मई को बादल-वृष्टि या तीव्र हवा की सम्भावना है।

चाँदी—मंदी होकर तेज होगी ।

ज्येष्ठ

वदी ५ से ८ दिन में ब्राह्मणों को कष्ट; अल्पवृष्टि, ज्वर-बाधा; चाँदी, अफीम में गड़बड़ी; वदी ९ से २२ दिन में जनतामें कलह, भूमि पर कहीं युद्ध; भय, रुई मन्दी होकर तेज; अफीम तेज; वदी १२ से १४ दिन में सभी धातुयें, कवलगट्टा, सिंघाड़ा, धान, जलपदार्थ, नारियल, सूत, रेशम, उड़द, मूँग, मोंठ, बाजरा, चन्दन, कपूर, सुगन्ध, चना, कराई, धान्य तेज; वायु की तीव्रता, चौपायों की हानि; वदी १३ से १२ दिन में शेयर, रुई, घी, तेल, गेहूँ, जव तेज; वदी १४ से ४५ दिन में चन्दन, केसर, कपास, सोना, रुई तेज; अफीम, आवरेज मंदा; सुदी २ से १२ दिन में धान्य, घी, चतुष्पद तेज; सोना-चाँदी, रुई तीन बार घटबढ़ कर तेज; सुदी ५ से २१ दिन में चाँदी, सूत, कपड़ा, बिनौला, मूँगफली तेज; सुवृष्टि; सुदी ८ से २१ दिन में वायु-वृष्टि की अधिकता; चाँदी, सोना में घटबढ़; सुदी ११ से ६ मास में पाश्चात्य संसार में युद्ध; सोना-चाँदी मंदा; शेयर, गेहूँ, मूँग, ज्वार, चावल, घी, तेल, तीसी, सरसों, तम्बाकू, कपड़ा तेज; सुदी ११ से १४ दिन में सर्वत्र फुटकर वृष्टि, घी, गुड़, खाँड़, चावल, मणि, मोती, कराई, गेहूँ, सुरमा, कपूर, चन्दन, सुगन्ध, लालवस्त्र, रुई, हल्दी, सोंठ, लोह, चाँदी तेज; वकील, चोरों को पीड़ा होगी ।

२८-२९-३० मई, ४-५-६, १७-१८-१९, २५ जून को साधारण बादल-वृष्टियोग है।

चाँदी—तेजी का ही काम करें।

आषाढ़

वदी ६ से ८ दिन में रुई, चाँदी, शक्कर तेज; वदी ८ से ८ दिन में कापास, सूत मंदा; वदी ११ से १४ दिन में चाँदी, अफीम, उड़द, मूँग, मोंठ, चावल, मसूर, नमक, ज्वार, तीसी, बिनौला. कापास, सज्जी, लाख, चपड़ा, नील, तिल, देवदारु, रेंड़ी, मजीठ, माजूफल, केसर, हरड़, कुसुम्ब, कपूर, चन्दन, लौंग, नारियल, श्वेतपदार्थ तेज; भृत्य, इञ्जीनियर, धनिकों को पीड़ा, वृष्टि; अमावस से ८ दिन में जवाहरात मंदा; रुई, घट-बढ़कर मन्दी; सुदी ३ से १८ दिन में कपास, तिल, नाश; रुई मन्दी होकर तेज; सुदी ७ से १ मास में तिल, उड़द, धान्य, चाँदी तेज; रुई मन्दी; वृष्टि; सुदी १० से सोना-चाँदी, नोट ५ दिन तक मंदा ततः तेज; चावल, शक्कर, घी १ मास में तेज; सुदी ११ से १४ दिन में तिल, तेल, मद्य, गुड़, गुगुल, सोपारी, सोंठ, मोम, हींग, हल्दी, लाख, सन, पाट, ऊनी वस्त्र, सोना-चाँदी, चावल, शक्कर तेज; साधुओं, जलजीवियों को

पीड़ा; ईशान देशों में कष्ट; सुदी १२ से ४५ दिन में वृष्टि; दूध, दही, गुड़, खाँड़, रस, अनाज, अफीम, तीसी, ताँबा, कुसुम्ब, मजीठ, लाल वस्तुयें तेज; सुदी १४ से २२ दिन में खट्टे पदार्थ, दही, देवदारु, सोना-चाँदी तेज; शेयर, खाँड़, शक्कर, कपूर, रस मन्दा होगा।

२६-२७ जून १-२-३, ८-९, १४-१५-१६, २१-२२-२३ जुलाई को बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी—तेज जायगी।

श्रावण

वदी १ से २५ दिन में वायु-वृष्टि की अधिकता; कपास, सूत, कपड़ा, सन, पाट, मन्दा; अफीम तेज; वदी ७ से १८ दिन में तिल तथा भैंसों का नाश; वदी ९ से नृप-युद्ध; अनाज मन्दा; वदी १० से १४ दिन में गेहूँ, चना, तीसी, तिल, तेल, गुड़, प्रामिसरी नोट, विनौला, चावल, उड़द, नील, अफीम, सोना-चाँदी, रस तेज; पूर्व तथा उत्तर दिशा में बाधा; अमावस से ११ दिन में वर्षाधिक्य, कोशल, कलिङ्ग में जन-नाश; सुदी २ से २ मास में उत्पात, वृष्टि; सुदी ६ से ६ मास में गोरस, घी, अनाज तेज; रुई ५०) १००) तेज; आगामी चैत्र में घी, तेल, श्रावण में चना तेज; सुदी ८ से १ मास में ईख, गुड़, शक्कर, रक्तपदार्थ, रत्न, तिल, तेल, घी, रुई, चाँदी, रेंड़ी तेज; उसी दिन से १४ दिन में ज्वार, मूंग, रुई, तिल, रेंड़ी, दाख, लालमिर्च तेज, वृष्टि; सुदी १२ से १८ दिन में कपास, नमक रस, धान्य तेज; सुदी १३ से १६ दिन में ईख, गुड़, खाँड़, रस, कपूर, तिल, तेल, रेंड़ी, बिनौला, मूंगफली, शेयर तेज; गेहूँ, यव, चना मन्दा; चाँदी तेज होकर मन्दी होगी।

२८-२९-३० जुलाई ४-५-६, ११-१२, १८-१९-२० अगस्त को बादल-वृष्टि योग हैं।

चाँदी—साधारण तेजी ही रहेगी।

भाद्रपद

सुदी १ से १५ दिन में धान्य, घी मन्दा; चाँदी, रुई, घटबढ़ कर तेज; वृष्टि में न्यूनता; सुदी २ से १४ दिन में चाँदी, सोना, सूत, कपास, कपड़ा, ऊनी वस्त्र, चावल, गेहूँ, सरसों, तिल, ज्वार, जीरा, घी, अफीम तेज; आवरेज मन्दा; वदी ११ से २५ दिन में वायु-वृष्टि की अधिकता, शेयर, तीसी, रेंड़ी, गुड़, खाँड़, शक्कर, अन्न तेज; रुई, चाँदी मन्दी; वदी १२ से १॥ मास में सर्वधान्य तेज; भैंसों को व्यथा; ईख, गुड़, शक्कर, अफीम तेज; (४०वें दिन से ४५ दिन तक चाँदी मंदी); सुदी ३ से १२ दिन में अधिक वृष्टि; राजपूताने में वृष्टि; चाँदी, रुई तेज होकर मंदी; सुदी ७ से १४ दिन में सोना,-चाँदी, लोहा, तेल, घी, सरसों, रेंड़ी, सोपारी, मूँज, बाँस, नील, अफीम, रेशम, कपास तेज; चौपायों को पीड़ा; सुदी २ से ८ दिन में रुई, पाट, कूट, शेयर मन्दा होकर तेज; घास, गेहूँ, यव, चना, भूसा, लकड़ी, तेज; अफीम, कपूर, चन्दन, तगर, बिनौला, तीसी, मूँगफली, गुड़ मंदा; सुदी १० से १ मास में मजीठ, नारियल, तिल, तेल, घी, कपास तेज चाँदी मंदी होगी।

२५-२६-२७, ३१ अग. १, २, ७-८-९, १४-१५-१६, २१ सितम्बर को बादल-वृष्टियोग हैं।

चाँदी—मन्दी की ओर।

आश्विन

वदी ५ से ८ दिन में उड़द, मूँग, मोठ कुछ तेज; वदी ६ से १४ दिन में गेहूँ, ज्वार, कपास, जव, खाँड़, सन, पाट, कपास, हल्दी, हरड़, हींग, क्षार, कथीर, घास, चाँदी, सोना, रुई, लकड़ी तेज; धान्य, घी मन्दा; सुदी ७ से २५ दिन में स्वर्ण, लाल रंग तेज; चाँदी, रुई मन्दी; वदी ८ से २० दिन में वायु-वृष्टि की अधिकता ; स्वर्ण, खाँड़ तेज; सुदी ४ से १४ दिन में, धान्य, गेहूँ, चना, सन, अरहर, सोना, सूत, केसर, लाख, चपड़ा, गुड़, जवाहरात तेज; सुदी ७ से ११ दिन में वृष्टि; यव, गेहूँ, चना, ज्वार, बाजरा, मंदा; सुदी ८ से ८ दिन में अल्प-वृष्टि शिल्पी को पीड़ा; सुदी १ से १ मास में स्वर्ण, धान्य, तीसी, गेहूँ, अनाज, आमला तेज; युद्ध की बातचीत; रुई, चाँदी मन्दी होगी।

२२-२३, २८-२९ सित. ४-५-६, ११-१२-१३, १८-१९-२०, अक्टू. को बादलवृष्टि योग है।

चाँदी—तेजी में भी मत्थे का काम करें।

कार्तिक

वदी ४ से १४ दिन में सर्वधातु गुड़, खाँड़, मिर्च, तेल, राई, हींग, कपूर, लाख, चपड़ा, गुगुल, हल्दी, रुई, सन, लाख, चपड़ा, बिनौला, केराना तेज; वदी ३ से ४५ दिन में सोना, रूपा, चाँदी, ताँबा, लाल रंग, लालमिर्च, तीसी, गेहूँ, उड़द, मूंग तेज; सुदी ७ से २५ दिन में खेतियों का नाश; शाल विशेष तेज; अनाज, चावल, घास, भूसा, तेज; रुई, चाँदी मंदी; वदी २ से ८ दिन में रुई, मन्दी; वदी १३ से १२ दिन में चाँदी, कपड़ा, धान, रुई मन्दी; वदी १४ से १२ दिन में प्रजापीड़ा; धान, रुई मन्दा; अमावस से २२ दिन में वृष्टि, पवन की तीव्रता, शीत, ज्वर की वृद्धि; चाँदी, तीसी, सरसों, रेंड़ी, बिनौला, मूँगफली मन्दी; युद्ध का प्रसंग; सुदी २ से १४ दिन में चाँदी, धातु, तिल, नोट, चावल, सर्वरस, सूत, अफीम, सरसों, मसूर, तेज, बम्बई, गुजरात में वृष्टि; सुदी ९ से ८ दिन में ईख, घी, रस तेज; अश्वपीड़ा; सुदी १३ से २ मास में तेजी; सरसों, हींग, मिर्च तेजी, चाँदी, शेयर, रुई मन्दी; सुदी १२ से १४ दिन में खाँड़, गुड़, तेल, घी, रस धातु, नोट, चना, गेहूँ, तीसी, मिर्च तेज; चाँदी-सोना मंदा होगा।

२५-२६-२७ ३१ अक्टूबर १-२, ७-८-९-१०, १५-१६-१७ नव. को साधारण बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी—जहाँ बाजार तेज मिले मत्थे हो।

मार्गशीर्ष

वदी २ से २५ दिन में सोना तेज; चाँदी, रुई, तेज होकर मन्दी; वदी ५ से २२ दिन में रुई, कपास मन्दी; वदी ७ से १८ मास में चाँदी साधारण तेज; गुड़, रुई, तिल, तेल, कपास, कस्तूरी, कुमकुम तेज; वदी १३ से १४ दिन में सोना-चाँदी, गुड़, रेंड़ी, धान्य, गुगुल, पारा, सरसों, वस्त्र, अफीम तेज; सुदी २ से ११ दिन में रुई मन्दी; सुदी ७ से ११ दिन में नारियल, सोपारी, केराना, ईख, गुड़, खाँड़, रस, तिल, तेल, रेंड़ी, बिनौला, शेयर, मूँगफली, चाँदी, सोना तेज; सुदी २ से चाँदी, रुई, घट-बढ़ कर मन्दी; सुदी ११ से २५ दिन में रुई, शेयर, चाँदी, घटबढ़ कर मन्दी; सुदी १२ से १ मास में सुभिक्ष, तेल, तिल, कपास, अनाज, सूत, चाँदी तेज; कोटा, मालवा में उपद्रव; सुदी १३ से १२ दिन में अवर्षण, उपद्रव, खाँड़, चावल मन्दा; भूकम्प सम्भव है; सुदी १५ से १८ दिन में जलावरोध, चौपायों को कष्ट घोड़ा, गुड़, खाँड़ तेज होगा।

२१-२२-२३, २८-२९-३० नव. ५-६-७, १२-१३-१४, १९ दिस. को साधारण बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी—विशेष घटबढ़ होगी।

पौष

वदी ८ से १२ दिन में धान्य तेज; सोना-चाँदी, चावल, सरसों, तेल, हींग मन्दा; वदी १० से ८ दिन में चाँदी, रुई, घट-बढ़कर तेज; राजपूताने में वृष्टि; वदी ११ से १४ दिन में तिल, तेल, गुड़, गुगुल, सोपारी, हल्दी, चपड़ा, कपूर, ऊनी वस्त्र, सन, पाट, चाँदी, चना, बिनौला, अफीम तेज; सुदी १ से २५ दिन में रुई, चाँदी मन्दी; धान्य, शेयर तेज; वैद्यों को पीड़ा; सुदी २ से ५ दिन में ईख, चावल, तृण, काष्ट, भूसा, गेहूँ, यव, चना, अनाज तेज; तिल, तेल, तीसी, मूँगफली, गुड़, बिनौला, अफीम, कपूर, चन्दन, अगर, तगर, रेशम मन्दा; सुदी ४ से ८ दिन में रुई, कपास, चाँदी मन्दी; सुदी ११ से १२ दिन में उड़द, मूँग, मोठ, क्षार, तेल, नमक, गुड़, खाँड़, रस, मन्दा; सुदी १२ से १ मास में घी, तेल, रुई, लालवस्त्र, धान्य तेज; गुड़-वृद्धि, वायु की तीव्रता, मालवा में वृष्टि होगी।

२५-२६-२७ दिस. १-२-३-८-९-१०, १५-१६-१७ जन. साधारण बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी—घटबढ़ कर तेज जायगी।

माघ

वदी ४ से ८ दिन में बिनौला तेज; धान्य मन्दा; वृष्टि; वदी ७ से १४ दिन में गेहूँ, यव, चावल, चाँदी, सोना, लोहा, पारा, राँगा, सीसा, नोट, तीसी, पिप्पली, सोपारी, लवँग, शक्कर, अफीम तेज; वदी १३ से २२ दिन में सोना-चाँदी तेज; वदी १४ से २५ दिन में अन्न, रस, खाँड़, घी, गेहूँ, राई, चाँदी, अफीम, चना तेज; सुदी ३ से ८ दिन में गुड़ तीसी, धान, चना तेज; हिमपात से हानि; सुदी ५ से १४ दिन में मूँग, मसूर, नील, जवाहरात, रुई, सोना-चाँदी, मोती तेज; सुदी ८ से ११ दिन में रुई, तिल तेल तेज; गायों को पीड़ा; कर्णरोग होंगे। सुदी ११ से १ मास में अनाज मन्दा; नमक, तेल, धान्य, रुई तेज; तीसी, रेंड़ी, अनाज मन्दा; गुड़, रक्तपदार्थ की वृद्धि होगी।

२१-२२-२३, २८-२९-३०-३१ जन. ५-६-७, ११-१२-१३ फर. को बादल-वृष्टियोग है।

चाँदी—तेजी की लाइन है मन्दी भी आती रहेगी।

फाल्गुन

वदी १ से २२ दिन में तीसी, रुई मन्दी; चाँदी मन्दी होकर तेज; घी, तेल, रस तेज; वदी ३ से १४ दिन में चाँदी, सरसों, सन, पाट, कपड़ा, नील, तेल, हींग, रस, गुड़, रेंड़ी, केराना, खाँड़, जायफल, दाख, खारक, सोंठ तेज; वदी ७ से १८ दिन में चाँदी, रक्तपदार्थ, लालमिर्च तेज; अकाल, संग्राम; वदी ८ से २५ दिन में वृष्टि; वदी १३ से १२ दिन में गेहूँ, गुड़, खाँड़, चावल तेज; सुदी १ से १४ दिन में सोना चाँदी गेहूँ, चना, गुड़, घी, रुई, रेशम, गुगुल, पिपरामूल, ज्वार, बाजरा तेज; सुदी ३ से २२ दिन में रुई, तीसी, मेथी, गुड़, खाँड़, चावल, लौंग, बिनौला तेज; रुई, चाँदी, गेहूँ, मन्दा; सुदी ४ से २२ दिन में सोना, चाँदी, ताँबा, केसर, जस्ता, हीरा, मूँगफली, बिनौला तेज; सुदी ७ से १६ दिन में धान, कपड़ा, चाँदी, रुई मन्दी; वायु-वृष्टि; सुदी १० से ८ दिन में रुई तेज; सुदी १४ से ८ दिन में केसर, मजीठ, कुसुम्ब, रक्तपदार्थ तेज; सुदी १३ से १४ दिन में सर्वरस, धान्य, तेल, मणि, चावल, साधारण तेज होगा।

१८-१९-२०, २५-२६-२७ फर. ४-५-६, ११-१२, १७ मार्च को साधारण बादल-वृष्टि योग है।

चाँदी—मंदी तेजी दोनों के अचूक अवसर आयेंगे।

चैत्र कृष्ण पक्ष

वदी २ से रुई मन्दी; वदी ५ से ११ दिन में फल-फूल को पीड़ा; चावल, मोती, शक्कर, कपूर, कपड़ा तेज; वदी ११ से २२ दिन में मोती, जवाहरात, गेहूँ, चना, चौपाये, तेज; तिल, तेल, ईख, दुध, गुड़, खाँड़, रस, घी मन्दा; वदी १२ से २ मास में रुई, अनाज, चौपाये, घी, तेल, चना तेज; वदी १२ से १४ दिन में मोती, रत्न, फल, नमक, सुगन्ध, तूवर, मूँग, उड़द, चावल लहसुन, लाख, चपड़ा, सज्जी, रुई, तीसी, सरसों, रेंड़ी, मूँगफली तेज; अमावस से १२ दिन में रुई, कपास, चन्दन, कपूर, जवाहरात मंदा होगा।

१८-१९, २४-२५-२६-२७ मार्च को साधारण बादल-वृष्टि वायु योग है।

चाँदी—साधारण तेज।

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	ओ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ अधिक चैत्र शुक्लपक्षः। सौम्यायनम् याम्यगोलः। मार्च १५ से २८ तक।
२९	४०	२	र.	५२	५१	उ.	१३	७	शु.	२०	३९	वा.	२५	२६	कौ.	५२	५१	स्थिर	१५	३०	२				६	४	५	५६	११	१	१८	३३	५९	४७	चन्द्रदर्शनम्। उत्तरा भाद्रपद भे बुधः १७।५३ । स.सि. योगः
२९	४४	३	चं.	४५	५२	रे.	८	४४	ब्र.	१२	३३	तै.	१९	२१	ग.	४५	५२	मातंग	१६	१	३	मे.	८	४४	६	३	५	५७	११	२	१८	२०	५९	४५	जिल्काद। या. जय मु. ८।४४ या.।
२९	४८	४	मं.	४०	३५	अ.	४	२३	ऐं.	$\frac{४}{५५}$	$\frac{३५}{९}$	व.	१३	१३	वि.	४०	३५	अमृत	१७	२	४				६	२	५	५८	११	३	१८	५	५९	४३	भ. १३।१३ उ. ४०।३५ या.। उत्तराभाद्रपद भे रविः९।१४h
२९	५२	५	बु.	३४	२९	भ.	$\frac{३}{५६}$	$\frac{५}{१८}$	वि.	४९	५	व.	७	३२	वा.	३४	३९	काण	१८	३	५	वृ.	१७	९	६	१	५	५९	११	४	१७	४८	५९	४१	उग्रकर्म मु.। hस.सि.अ.सि.योगः। प्राच्यां यात्रा मु.४।२३ या.।
२९	५६	६	बृ.	२८	३६	रो.	५२	४	प्री.	४१	३१	कौ.	१	३६	तै.	$\frac{२८}{५५}$	$\frac{३६}{५१}$	उत्पात	१९	४	६				६	१	५	५९	११	५	१७	२९	५९	३९	मृगशिरा भे प्राच्यां यात्रा मु.।
२९	५९	७	शु.	२३	९	मृ.	४८	५३	आ.	३४	२५	व.	२३	९	वि.	५०	५३	मानस	२०	५	७	मि.	२०	२८	६	०	६	०	११	६	१७	८	५९	३७	भ. २३।९ उ. ५०।५३ या.। मीने भौमः ५५।२७
३०	०	८	श.	१८	१७	आ.	४५	५७	सौ	२७	५३	व.	१८	१७	वा.	४६	११	मुद्गर	२१	६	८				६	०	६	०	११	७	१६	४५	५९	३५	रेवती भे बुध ५५।५४। तीक्ष्ण कर्म मु.।
३०	१	९	र.	१३	५६	पुन	४३	१३	शो.	२१	३७	कौ.	१३	५६	तै.	४२	६	ध्वज	२२	७	९	क.	२९	२४	५	५९	६	१	११	८	१५	२०	५९	३३	या. जय मु. १३।५६ या.।
३०	५	१०	चं.	१०	१७	पु.	४१	१६	अ.	१५	१५	ग.	१०	१७	ब.	३८	४३	धाता	२३	८	१०				५	५८	६	२	११	९	१४	५३	५९	३०	भ. ३८।४३ उ.। स. सि. योगः।
३०	९	११	मं.	७	९	श्ले	४१	३६	सु.	१०	४१	वि.	७	९	बव	३५	५४	आनंद	२४	९	११	सिं.	४१	३६	५	५७	६	३	११	१०	१४	२३	५९	२८	भ. ७।९ या.। कमला ११ व्रतं सर्वेषाम्। स. सि.योगः।
३०	१३	१२	बु.	४	३९	म.	४१	१७	धृ.	६	१३	वा.	४	२९	कौ	३३	४७	चर	२५	१०	१२				५	५६	६	४	११	११	१३	५१	५९	२५	उत्तरा भाद्रपद भे भौमः १६।९। कृत्तिकाभे शुक्रः ३०।५२। i
३०	१९	१३	बृ.	२	५६	पू.	५२	१२	शू.	$\frac{२}{५७}$	$\frac{५}{४४}$	तै.	२	५६	ग.	३२	५०	गद	२६	११	१३				५	५६	६	४	११	१२	१३	१६	५९	२३	बुधोदयः पश्चिमायाम् ११।९।
३०	२५	१४	शु.	२	४३	उ.	४४	३३	वृ.	५८	७	व.	२	४३	वि.	३३	२	शुभ	२७	१२	१४	कं.	५	१७	५	५५	६	५	११	१३	१२	३९	५९	२०	भ.२।४३ उ.३३।२ या.। i शतभिष भे १ चरणे शनिः ५।९।
३०	३०	१५	श.	३	२१	ह.	४८	६	ध्रु.	५७	११	व.	३	२१	वा.	३४	३२	मृत्यु	२८	१३	१५				५	५४	६	६	११	१४	१२	५९	५९	१८	मेषे बुधः ५०।२३। वृषे शुक्रः ३८।२९। याम्येयात्रा मु.।

अ. चैत्र शु. ८ शनौ. इ. ४५।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	११	११	०	०	१०	२	८
७	०	१६	१	२२	६	१४	१४
५३	३८	९	३९	३६	१८	४३	४३
१४	१	१४	४४	४४	३७	१४	१४
५९	४६	११९	१७	१५	४	३	३
३५	१७	४५	१४	४४	३७	११	११

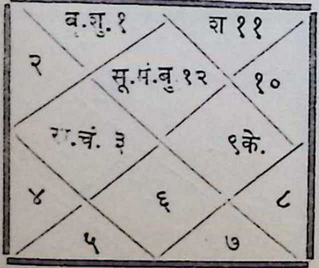

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	२ र.		३ चं.		४ मं.		५ बु.		६ बृ.		७ शु.		८ श.		९ र.		१० चं.		११ मं.		१२ बु.		१३ बृ.		१४ शु.		१५ श.	
मी. अं.	७	३१	७	२७	७	२३	७	१९	७	१५	७	१२	७	९	७	५	७	१	६	५७	६	५३	६	५०	६	४७	६	४३
मे. अं.	९	७	९	३	८	५९	८	५५	८	५१	८	४८	८	४५	८	४१	८	३७	८	३३	८	२९	८	२६	८	२३	८	१९
वृ. अं.	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	५१	१०	४७	१०	४४	१०	४१	१०	३७	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२२	१०	१९	१०	१५
मि. अं.	१	१७	१	१३	१	९	१	५	१	१	१२	५८	१२	५५	१२	५१	१२	४७	१२	४३	१२	३९	१२	३६	१२	३३	१२	२९
क. अं.	३	३५	३	३१	३	२७	३	२३	३	१९	३	१६	३	१३	३	९	३	५	३	१	२	५७	२	५४	२	५१	२	४७
सिं. अं.	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६	५	३३	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८	५	१४	५	११	५	८	५	४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कं. अं.	८	८	८	४	८	०	७	५६	७	५२	७	४९	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	७	३०	७	२७	७	२४	७	२०
तु. अं.	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	७	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८	९	४५	९	४२	९	३८
वृ. अं.	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२५	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	१०	१२	६	१२	३	१२	०	११	५६
ध. अं.	२	४९	२	४५	२	४१	२	३७	२	३३	२	३०	२	२७	२	२३	२	१९	२	१५	२	११	२	८	२	५	२	१
म. अं.	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२	४	१८	४	१५	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५३	३	५०	३	४६
कुं. अं.	६	४	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४५	५	४२	५	३८	५	३४	५	३०	५	२६	५	२३	५	२०	५	१६

अ. चैत्र शु. १५ शनौ. इ. ४५।१५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	११	११	०	१	१०	२	८
१४	६	२९	३	०	७	१४	१४
४९	६	५९	१४	७	१	२०	२०
१३	१७	५७	४६	१४	४४	५८	५८
५९	४६	१०८	१३	१४	१	३	३
१८	७	४४	२१	१७	२१	११	११

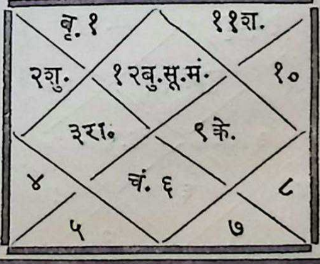

श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ अधिक चैत्र कृष्ण पक्षः।
सौम्यायनम्। याम्यगोलः। मार्च २९ से अप्रैल १२ तक।

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	का.	दं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३०	३५	१	र.	५	४३	चि.	५२	४३	व्या.	५७	१२	कौ.	५	४३	तै.	२७	३०	पद्म	२९	१४	१६	तु.	२०	२४	५	५२	६	८	११	१५	१२	१७	५९	१६
३०	४१	२	चं.	९	१७	स्वा	५९	४३	ह.	५८	२९	ग.	९	१७	व.	४१	१४	छत्र	३०	१५	१७				५	५२	६	८	११	१६	११	३३	५९	१४
३०	४७	३	मं.	१४	१२	वि.	६०	०	व.	६०	०	वि.	१४	१२	ब.	४६	५०	श्रीवत्स	३१	१६	१८	वृ.	४९	८	५	५१	६	९	११	१७	१०	९७	५९	१२
३०	५१	४	बु.	१९	२९	वि.	५	३७	व.	०	१९	वा.	१९	२९	कौ.	५२	३२	धाता	१	१७	१९				५	५०	६	१०	११	१८	९	५९	५९	१०
३०	५५	५	बृ.	२५	३५	अ.	१३	१३	सि.	२	२६	तै.	२५	३५	ग.	५८	५०	आनंद	२	१८	२०				५	४९	६	१७	११	१९	९	९	५९	९
३०	५९	६	शु.	३२	४	ज्ये.	२०	३५	व्य.	४	४९	व.	३२	४	वि.	६०	०	चर	३	१९	२१	ध.	२०	३५	५	४८	६	१२	११	२०	८	१७	५९	६
३१	४	७	श.	३८	७	मू.	२७	५९	व.	७	११	वि.	५	६	व.	३८	७	गद	४	२०	२२				५	४६	६	१४	११	२१	७	२३	५९	४
३१	८	८	र.	४२	५३	पू.	३४	१५	प.	७	४९	वा.	१०	३०	कौ.	४२	५३	शुभ	५	२१	२३	म.	५०	३०	५	४६	६	१४	११	२२	६	२७	५९	२
३१	११	९	चं.	४७	५	उ.	३९	१६	शि.	९	२३	तै.	१४	५७	ग.	४७	५	मृत्यु	६	२२	२४				५	४६	६	१४	११	२३	५	२९	५९	०
३१	१६	१०	मं.	४९	१	श्र.	४२	४३	सि.	८	५१	व.	१८	१	वि.	४९	१	लुम्ब	७	२३	२५				५	४५	६	१५	११	२४	४	२९	५८	५८
३१	१८	११	बु.	४८	५७	ध.	४४	११	सा.	६	४१	बव	१८	४९	वा	४८	५७	मित्र	८	२४	२६	कुं.	१३	२७	५	४४	६	१६	११	२५	४	२७	५८	५६
३१	२२	१२	बृ.	४६	५५	श.	४३	४४	शु.	२ ५६	५७ ४५	कौ.	१७	५६	तै.	४६	५५	वज्र	९	२५	२७				५	४४	६	१६	११	२६	३	२३	५८	५४
३१	२५	१३	शु.	४३	११	पूभा	४१	१७	ब्र.	५१	१	ग.	१५	३	व.	४३	११	ध्वांक्ष	१०	२६	२८	मी.	२६	५३	५	४३	६	१७	११	२७	२	२७	५८	५२
३१	२९	१४	श.	३७	२६	पूभा	३७	३३	ऐं.	४२	११	वि.	१०	१८	श.	३७	२६	धूम्र	११	२७	२९				५	४२	६	१८	११	२८	१	१९	५८	५१
३१	३२	३०	र.	३०	२३	रे.	३२	१५	वै.	३४	६	च.	३	५४	ना.	३०	२३	प्रवर्ध.	१२	२८	३०	मे.	३२	१५	५	४२	६	१८	११	२९	०	१०	५८	४८

आर्द्रा भे २ चरणे राहुः मूले ४ चरणे केतु १।५ ।
भ. ४१।१४ उ.। रेवती भे रविः ३६।२४। तृतीया स्वाती a
मई। भ. १४।१२ या.। a योगे या. जय मु.।

या. जय मु. १३।१३ या.। उदीच्यां यात्रा मु.।
भ. ३२।४ उ.। * चर कर्म मु.।
भ. ५।६ या.। तीक्ष्ण कर्म मु.।
भरणी भे वुधः ४७।५।
या. ज. मु.। रोहिणी भे शुक्रः १५।४५।
भ. १८।१ उ. ४९।१ या.। दक्षिणस्यां यात्रा मु.।
कमला ११ व्रतं स्मार्तानाम्। पञ्चकारम्भः १३।२७
कमला ११ व्रतं वैष्णवानाम्। गुरुरस्तं पश्चिमायाम् ७।५ *
भ. ४३।११ उ.। रेवती भे भौमः १४।३९।
भ. १०।१८ या.।
स्नान श्राद्धादौ ३०।

अ. चै. कृ. ७ शनौ. इ. ४५।३२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	११	०	०	१	१०	२	८
२१	११	११	४	७	७	१४	१४
१३	३२	९	५४	४४	१४	०	०
२७	४४	१४	४३	३३	५३	१४	१४
५९	४६	६४	१३	६४	२	३	३
४	४४	७	१४	४	७	११	११

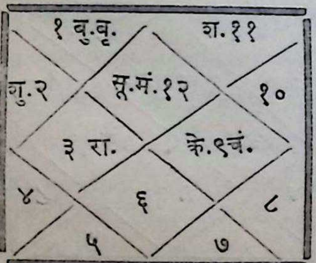

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.	२चं.	३मं.	४बु.	५बृ.	६ शु.	७श.	८र.	९चं.	१०मं.	११बु.	१२बृ.	१३शु.	१४श.	३०र.
मी. अं.	६ ३९	६ ३५	६ ३१	६ २७	६ २३	६ २०	६ १७	६ १३	६ ३	६ ५	६ १	५ ५७	५ ५४	५ ५१	५ ४८
मे. अं.	८ १५	८ ११	८ ७	८ ३	७ ५९	७ ५६	७ ५३	७ ४९	७ ४५	७ ४१	७ ३७	७ ३३	७ ३०	७ २७	७ २४
वृ. अं.	१० ११	१० ७	१० ३	९ ४९	९ ५५	९ ५२	९ ४९	९ ४५	९ ४१	९ ३७	९ ३३	९ २९	९ २६	९ २३	९ २०
मि. अं.	१२ २५	१२ २१	१२ १७	१२ १३	१२ ९	१२ ६	१२ ३	११ ५९	११ ५५	११ ५१	११ ४७	११ ४३	१० ४०	११ ३७	११ ३४
क. अं.	२ ४३	२ ३९	२ ३५	२ ३१	२ २७	२ २४	२ २१	२ १७	२ १३	२ ९	२ ५	२ १	१ ५८	१ ५५	१ ५२
सि. अं.	५ ०	४ ५६	४ ५२	४ ४८	४ ४५	४ ४१	४ ३८	४ ३४	४ ३०	४ २६	४ २२	४ १८	४ १५	४ १२	४ ९
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
कं. अं.	७ १६	७ १२	७ ८	७ ४	७ ०	६ ५७	६ ५४	६ ५०	६ ४६	६ ४२	६ ३८	६ ३४	६ ३१	६ २८	६ २५
तु. अं.	९ ३४	९ ३०	९ २६	९ २२	९ १८	९ १५	९ १२	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५२	८ ४९	८ ४६	८ ४३
वृ. अं.	११ ५२	११ ४८	११ ४४	११ ४०	११ ३६	११ ३३	११ ३०	११ २६	११ २२	११ १८	११ १४	११ १०	११ ७	११ ४	११ १
ध. अं.	१ ५७	१ ५३	१ ४९	१ ४५	१ ४१	१ ३८	१ ३५	१ ३१	१ २७	१ २३	१ १९	१ १५	१ १२	१ ९	१ ६
म. अं.	३ ४२	३ ३८	३ ३४	३ ३०	३ २६	३ २३	३ २०	३ १६	३ १२	३ ८	३ ४	३ ०	२ ५७	२ ५४	२ ५१
कुं. अं.	५ १२	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५६	४ ५३	४ ५०	४ ४६	४ ४२	४ ३८	४ ३४	४ ३०	४ २७	४ २४	४ २१

अ. चै. कृ. ३० शनौ. इ. ४५।४६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	११	०	०	१	१०	२	८
२८	१७	१७	६	१४	७	१३	१३
५२	५	१३	३६	३६	२७	३५	३५
४७	१७	९	४७	४७	१४	१३	१३
५८	४५	२१	१३	५९	२	३	३
४८	४६	३७	३८	५४	३८	११	११

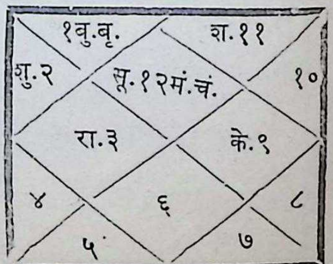

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	ओ. स्पष्ट सूर्यं रा.	अं.	क.	वि.	गति क.	वि.
३१	२८	१	चं.	२३	३७	अ.	३०	६	वि.	२७	५५	व.	२३	३७	वा.	५२	२	रक्ष	१३	२९	३१				५	४२	६	१८	११	२९	४८	५७	५८	४९
३१	३२	२	मं.	२०	२७	भ.	२[illegible]	५७	प्री.	१९	४३	कौ.	२०	२७	तै.	४५	५३	मुशल	१४	१	१	वृ.	४१	५२	५	४२	६	१८	०	०	४७	४६	५८	४९
३१	३६	३	बु.	११	१९	कृ.	२२	३८	आ.	१२	२	ग.	११	१९	व.	३८	४६	सिद्धि	१५	२	२				५	४१	६	१९	०	१	४६	३५	५८	४८
३१	४०	४	बृ.	५	१४	रो.	१८	३१	सौ.	४ ५६	२१ ५९	वि.	५	१४	व.	३३	१९	उत्पात	१६	३	३	मि.	४६	५७	५	४०	६	२०	०	२	४५	२४	५८	४६
३१	४४	५	शु.	० ५४	२१ ५७	मृ.	१४	२६	अ.	४९	२७	वा.	०	२१	कौ.	२७ ५४	२८ ५७	गानस	१७	४	४				५	३९	६	२१	०	३	४४	१३	५८	४४
३१	४८	७	श.	४९	५५	आ.	१०	३७	सु.	३८	२६	ग.	२१	५२	व.	४९	५५	मुद्गर	१८	५	५	क.	४३	६	५	३८	६	२२	०	४	४३	२	५८	४२
३१	५२	८	र.	४५	३५	पुन.	७	१५	धृ.	३६	८	वि.	१७	४५	व.	४५	३५	ध्वज	१९	६	६				५	३८	६	२२	०	५	४१	५१	५८	३९
३१	५६	९	चं.	४२	१२	पु.	४	३२	शू.	३०	२७	वा.	१३	५३	कौ.	४२	१२	धाता	२०	७	७				५	३७	६	२३	०	६	४०	४०	५८	३७
३१	५९	१०	मं.	३९	५२	श्ले.	२	३६	गं.	२५	४१	तै.	११	२	ग.	३९	५२	आनंद	२१	८	८	सिं.	२	३६	५	३६	६	२४	०	७	३९	९	५८	३५
३२	२	११	बु.	३८	४३	म.	१	३८	वृ.	२१	४४	व.	९	१७	वि.	३८	४३	चर	२२	९	९				५	३६	६	२४	०	८	३७	३८	५८	३१
३२	५	१२	बृ.	३८	५०	पूफा	१	४६	ध्रु.	१८	४४	व.	८	४६	वा.	३८	५०	गद	२३	१०	१०	कं.	१७	५	५	३५	६	२५	०	९	३६	७	५८	२९
३२	८	१३	शु.	४०	१६	उफा	३	५	व्या	१७	६	कौ	९	३३	तै.	४०	१६	शुभ	२४	११	११				५	३४	६	२६	०	१०	३४	३६	५८	२७
३२	११	१४	श.	४३	५४	ह.	५	२७	ह.	१५	५९	ग.	१२	५	व.	४३	५४	मृत्यु	२५	१२	१२	तु.	३७	३८	५	३४	६	२६	०	११	३३	५	५८	२५
३२	१४	१५	र.	४६	३५	चि.	९	४९	व.	१५	४१	वि.	१५	१४	व.	४६	३५	पद्म	२६	१३	१३				५	३३	६	२७	०	१२	३१	३४	५८	२१

श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ शुद्ध चैत्र शुक्ल पक्षः ।
अप्रैल १३ से २६ तक । (वसन्त ऋतुः) सौम्यायन गोलौ
मेषेऽर्के ११।३ । नवरात्रारंभ, चन्द्रदर्शनम् । a सि. योगः
वक्री बुधः२३।१९। मत्स्योत्पति। जिलहिज। सौरवैशाखारम्भः।
भ. ३८।४६ उ. । शेतशनिः १६।४२ । गणगौर ३ व्र. । स. a
भ. ५।१४ या. । या. जय. ५।१४ उ. १८।३१ या. ।
पश्चिमास्तां बुधः ३५।५१ । दक्षिणस्यां यात्रा मु. ।
भ. ४९।५५ उ.। पुन. योगे या.ज.मु.। b पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.।
भ. १७।४५ या. । दुर्गाष्टमी । स.सि. योगः ७।१५ उ. ।
श्रीरामनवमी व्रतम् । स. सि. योग ४।३२ या. । तिथि दानात् b
स. सि. योगः । c लक्ष्मीकांत दोलोत्सव ।
भ. ९।१७ उ. ३८।४३ या. । कामदा ११ व्रत सर्वेषाम् । c
मेषेभौमः ४२।४२ । हरिदमनोत्सवः। त्रयोदशी योगे या.ज.मु. ।
प्रदोष व्रतम् । हस्ते दक्षिणपूर्वौ यात्रा मु. ।
भ. ४३।५४ उ. । d वैशाख स्नान प्रा०। स्वात्यां या. ज. मु. ।
भ. १५।४१ या. । भरण्यांरविः ५२।३७ । हनुमज्जयंती । d

९

चै. शु. १ चं. इ. ११।३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	११	०	०	१	१०	२	८
०	२१	१६	८	१५	७	१३	१३
०	५८	१७	४१	४४	५०	१०	१०
०	५०	१५	४६	२७	४	४५	४५
५८	४५	४१	१३	३८	३	३	३
४९	१४	व३२	४६	५	१६	११	११

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.		तिथयः	२ मं.		३ बु.		४ बृ.		५ शु.		७ श.		८ र.		९ चं.		१० मं.		११ बु.		१२ बृ.		१३ शु.		१४ श.		१५ र.	
मी. अं.	५	४४	मे. अं.	७	१८	७	१४	७	१०	७	६	७	३	६	५९	६	५५	६	५१	६	४८	६	४४	६	४०	६	३६	६	३३
मे. अं	७	२१	वृ. अं.	९	१४	९	१०	९	६	९	२	८	५९	८	५५	८	५१	८	४७	८	४४	८	४०	८	३६	८	३२	८	२९
वृ. अं.	९	१७	मि. अं.	११	२८	११	२४	११	२०	११	१६	११	१३	११	९	११	५	११	१	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४३
मि. अं.	११	३१	क. अं.	१	४६	१	४३	१	३९	१	३५	१	३२	१	२८	१	२४	१	२०	१	१७	१	१३	१	९	१	५	१	२
क. अं.	१	४९	सिं. अं.	४	२	३	५८	३	५४	३	५०	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५	३	३२	३	२८	३	२४	३	२०	३	१७
सिं. अं.	४	६	कं. अं.	६	१६	६	१२	६	८	६	४	६	१	५	५७	५	५३	५	४९	५	४६	५	४२	५	३८	५	३४	५	३१
राशयः	रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कं. अं.	६	२०	तु. अं.	८	३३	८	२९	८	२५	८	२१	८	१८	८	१४	८	१०	८	६	८	३	७	५९	७	५५	७	५१	७	४८
तु. अं.	८	३८	वृ. अं.	१०	५२	१०	४७	१०	४२	१०	३८	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	५
वृ. अं.	१०	५७	ध. अं.	१२	५६	१२	५१	१२	४७	१२	४३	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	१०
ध. अं.	१	१	म. अं.	२	४१	२	३६	२	३२	२	२८	२	२५	२	२१	२	१७	२	१३	२	१०	२	६	२	२	१	५८	१	५५
म. अं.	२	४६	कुं. अं.	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५	३	४२	३	३८	३	३४	३	३०	३	२७
कुं. अं.	४	१६	मी. अं.	५	४०	५	३६	५	३२	५	२८	५	२५	५	२१	५	१७	५	१३	५	१०	५	६	५	२	४	५८	४	५५

चै. शु. ९ चं. इ. ११।४२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	११	०	०	१	१०	२	८
६	२७	११	१०	१९	८	१३	१३
४९	२१	२७	१८	५२	२५	०	०
५०	४५	१०	९	३८	५६	३०	३०
५८	४५	१७	१३	१४	४	३	३
२९	१४	व१६	४६	१६	२१	११	११

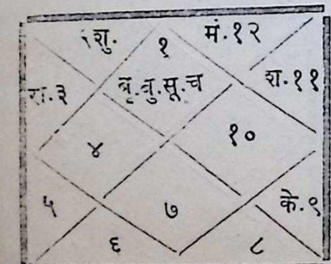

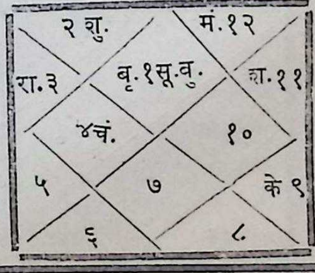

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	बं.	अं.	फा.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा	अं.	क	वि.	गतिः क.	वि.
३२	१८	१	चं.	५१	७	स्वा	१४	५६	सि.	१६	२६	वा.	१८	५१	कौ.	५१	७	छत्र	२७	१४	१४				५	३२	६	२८	०	१३	३०	३	५८	१९
३२	२१	२	मं.	५६	१०	वि.	२०	४६	व्य.	१७	२०	तै.	२३	४०	ग.	५६	१०	श्रीवत्स	२८	१५	१५	वृ.	४	१९	५	३२	६	२८	०	१४	२८	१२	५८	१७
३२	२४	३	बु.	६०	०	ऽनु.	२७	७	व.	१९	७	व.	२८	४१	वि.	६०	०	सौम्य	२९	१६	१६				५	३१	६	२९	०	१५	२६	२१	५८	१५
३२	२७	३	बृ.	१	१३	ज्ये.	३३	५१	प.	३९	३३	वि.	१	१३	व.	३३	५३	काल	३०	१७	१७	ध.	३३	५१	५	३१	६	२९	०	१६	२४	३०	५८	१३
३२	३०	४	शु.	६	३३	मू.	३९	५५	शि.	२१	४३	वा.	६	२३	कौ.	३९	३०	स्थिर	१	१८	१८				५	३०	६	३०	०	१७	२२	३९	५८	१०
३२	३३	५	श.	१२	२९	पू.	४५	५६	सि.	२२	२६	त.	१०	२९	ग	५२	४९	मातंग	२	१९	१९				५	२९	६	३१	०	१८	२०	४८	५८	६
३२	३६	६	र.	१३	१०	उ.	५०	६	सा.	२२	२२	व.	१३	१०	व.	४४	२५	अमृत	३	२०	२०	म.	१	५८	५	२९	६	३१	०	१९	१८	५७	५८	२
३२	४०	७	चं.	१५	३९	श्र.	५४	६	शु.	२१	१७	व.	१५	३९	वा.	४६	२९	सिद्धि	४	२१	२१				५	२८	६	३२	०	२०	१७	६	५७	५८
३२	४३	८	मं.	१९	१९	ध.	५७	२९	शु.	१९	१३	कौ.	१९	१९	तै.	४७	१७	उत्पा.	५	२२	२२	कुं.	२५	४७	५	२७	६	३३	०	२१	१४	५६	५७	५४
३२	४६	९	बु.	१५	१९	श.	५७	४८	ब्र.	१७	४३	ग.	१५	१९	व.	४४	१४	मानस	६	२३	२३				५	२७	६	३३	०	२२	१२	४६	५७	५०
३२	४५	१०	बृ.	१३	२४	पूभा	५७	४०	ऐं.	१२	२४	वि	१३	२४	वव	४१	५४	मुद्गर	७	२४	२४	मी.	४२	४२	५	२६	६	३४	०	२३	१०	३६	५७	४६
३२	५२	११	शु.	१०	२४	उभा	५६	४५	वै.	७	१९	वा.	१०	२४	कौ	३५	२	ध्वज	८	२५	२५				५	२६	६	३४	०	२४	८	२६	५७	४२
३२	५५	१२	श.	६	२९	रे.	५४	४५	वि.	५ २५	४७ ३३	तै.	६	२९	ग.	२८	२३	धाता	९	२६	२६	मे.	५४	४५	५	२५	६	३५	०	२५	६	१६	५७	३८
३२	५७	१३	र.	१ ५६	३८ ४३	अ.	५२	४	आ.	४८	४४	व.	१	३८	वि.	३ ५६	० ४३	आनंद	१०	२७	२७				५	२४	६	३६	०	२६	४	६	५७	३४
३३	२	३०	चं.	५०	३८	भ.	४८	४०	सौ.	४०	०	च.	२३	२८	ना.	५०	३८	चर	११	२८	२८				५	२४	६	३६	०	२७	१	५६	५७	३०

श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ वैशाख कृष्णपक्षः।
अप्रैल २७ से मई ११ तक। वसन्त ऋतुः सौम्यायन गोलो

या. ज. मु. १४।५६ या.।
aउ. ५०।६ या.। श्रवसि पूर्वदक्षिण यात्रा मु.।
भ. २८।४१ उ.। स.सि. योगः अ. सि. योगः।
भ. १।१३ या.। मृगे शुक्र ५६।२। पूर्वोदयं बुध।
मई। bयोगः ५२।४ या.।
मार्गी बुध ३६।४८।
भ. १३।१० उ. ४४।२५ या.। स.सि. योगः। या. जय१३।१०a
भरण्यांगुरुः १९।१६। दक्षिण यात्रा मु.। स. सि. योगः
दक्षिणस्यां यात्रा मु. २५।२७ या.। पञ्चकारम्भः २५।४७ उ.।
भ. ४४।१४ उ.।
भ. १३।२४ या.। या. ज. मु. ५७।४७ उ.।
वरुथिनी११सर्वेषाम्। स. सि. योग अ. सि. योगः ५६।४८उ.।
प्रदोष व्रतम्। पञ्चक समाप्ति ५४।४५।
भ. १।३८ उ. ३०।० या.। कृत्तिकायां रविः ४१।३। स. सि.b
सोमवती ३०। या. जय मु.।

वै. कृ. १ चं. इ. १२।२२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	०	०	०	१	१०	२	८
१३	२	९	११	२०	८	१२	१२
३६	१६	२६	४४	५१	५६	४६	४६
५	३४	३४	३१	३०	२३	१४	१४
५८	४५	५७ १६	१३	३४	४	३	३
९	१४	व.	४६	५५	२१	११	११

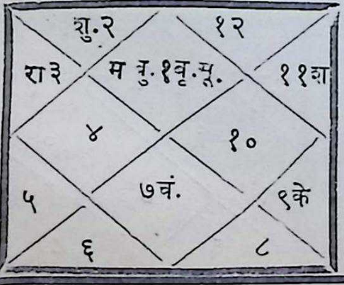

दैनिक लग्नसारिणी

न यः	१ चं	२मं.	३बु.	३बृ.	४शु.	५श.	६र.	७चं.	८मं.	९बु.	१०बृ.	११शु.	१२श.	१३र.	३० चं.
मे. अं.	६ २९	६ २५	६ २१	६ १८	६ १४	६ १०	६ ६	६ ३	५ ५९	५ ५५	५ ५१	५ ४८	५ ४४	५ ४०	५ ३६
वृ. अं.	८ २५	८ २१	८ १७	८ १४	८ १०	८ ६	८ २	७ ५९	७ ५५	७ ५१	७ ४७	७ ४४	७ ४०	७ ३६	७ ३२
मि. अं.	१० ३९	१० ३५	१० ३१	१० २८	१० २४	१० २०	१० १६	१० १३	१० ९	१० ५	१० १	९ ५८	९ ५४	९ ५०	९ ४६
क. अं.	१२ ५८	१२ ५४	१२ ५०	१२ ४७	१२ ४३	१२ ३९	१२ ३५	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१२ २०	१२ १७	१२ १३	१२ ९	१२ ५
सिं. अं.	३ १३	३ ९	३ ५	३ २	२ ५८	२ ५४	२ ५०	२ ४७	२ ४३	२ ३९	२ ३५	२ ३२	२ २८	२ २४	२ २०
राशय.	५ २७	५ २३	५ १९	५ १६	५ १२	५ ८	५ ४	५ १	४ ५७	४ ५३	४ ४९	४ ४६	४ ४२	४ ३८	४ ३४
क. अं.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
तु. अं.	७ ४४	७ ४०	७ ३६	७ ३३	७ २९	७ २५	७ २१	७ १८	७ १४	७ १०	७ ६	७ ३	६ ५९	६ ५५	६ ५१
वृ. अं.	१० १	९ ५७	९ ५३	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३८	९ ३५	९ ३१	९ २७	९ २३	९ २०	९ १६	९ १२	९ ८
ध. अं.	१२ ६	१२ २	११ ५८	११ ५५	११ ५१	११ ४७	११ ४३	११ ४०	११ ३६	११ ३२	११ २८	११ २५	११ २१	११ ७	११ १३
म. अं.	१ ५१	१ ४७	१ ४३	१ ४०	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २५	१ २१	१ १७	१ १३	१ १०	१ ६	१ २	१२ ५८
कुं. अं.	३ २३	३ १९	३ १५	३ १२	३ ८	३ ४	३ ०	२ ५७	२ ५३	२ ४९	२ ४५	२ ४२	२ ३८	२ ३४	२ ३०
मी. अं.	४ ५१	४ ४७	४ ४३	४ ४०	४ ३६	४ ३२	४ २८	४ २५	४ २१	४ १७	४ १३	४ १०	४ ६	४ २	३ ५८

वै. कृ. ७ चं. इ. १३।२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	०	०	०	१	१०	२	८
२०	७	७	१३	२४	९	१२	१२
२३	२७	२५	३०	५४	२६	२३	२३
४४	१५	५८	५३	५५	४७	५९	५९
५७	४५	४ ४४	१३	३४	४	३	३
५०	४४	व.	४६	५५	२१	११	११

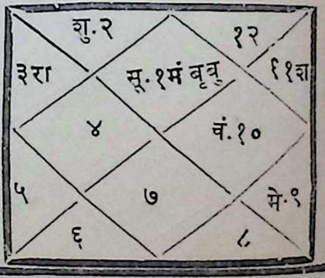

दि.मा.		ति.	वा	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
ग्र.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	चि.
३३	४	१	मं.	४४	३१	कृ.	४५	१०	शो.	३४	१	किं.	१७	३३	व.	४४	३१	गद	१२	२९	२९	वृ.	२	४७	५	२३	६	३७	०	२७	५९	२६	५७	२९
३३	६	२	बु.	३८	२६	रो	४०	३५	अ.	२६	२३	वा.	११	२८	कौ.	३८	२६	शुभ	१३	३०	३०				५	२३	६	३७	०	२८	५६	५६	५७	२८
३३	८	३	बृ.	३२	१४	मृ.	३६	१७	सु.	१७	५६	तै.	५	२०	ग.	३२	१४	मृत्यु	१४	१	३१	मि.	८	२६	५	२२	६	३८	०	२९	५१	५६	५७	२७
३३	१०	४	शु.	२६	३७	आ.	३२	२८	धृ.	११	३३	वि.	२६	३७	व.	५४	२	पद्म	१५	२	१				५	२२	६	३८	१	०	४९	२६	५७	२६
३३	१४	५	श.	२१	२८	पुन	२९	३१	शू.	४ ५७	३९ २९	वा.	२१	२८	कौ.	४८	५४	छत्र	१६	३	२	क.	१५	१६	५	२१	६	३९	१	१	४६	५६	५७	२५
३३	१८	६	र.	१७	२०	पु.	२५	५८	वृ.	५३	२७	तै.	१७	२०	ग.	४५	२९	श्रीवत्स	१७	४	३				५	२०	६	४०	१	२	४४	२६	५७	२४
३३	२२	७	चं.	१३	३८	श्ले.	२३	४६	ध्रु.	४७	२२	व.	१३	३८	वि.	३९	२४	सौम्य	१८	५	४	सिं.	२३	४६	५	२०	६	४०	१	३	४१	५७	५७	२३
३३	२५	८	मं.	११	१०	म.	२२	२८	व्या	४०	४६	व.	११	१०	वा.	४२	२४	कालदं	१९	६	५				५	१९	६	४१	१	४	३९	२७	५७	२२
३३	२७	९	बु.	९	५३	पू.	२२	२१	ह.	४०	१२	कौ.	९	५३	तै.	३९	५२	स्थिर	२०	७	६	कं.	३७	३३	५	१९	६	४१	१	५	३६	५८	५७	२१
३३	३०	१०	बृ.	९	५१	उ.	२३	१०	व.	३८	६	ग.	९	५१	व.	४३	४४	मातंग	२१	८	७				५	१८	६	४२	१	६	३४	२९	५७	२०
३३	३२	११	शु.	११	८	ह.	२५	२१	सि.	३६	५१	वि.	११	८	व.	४२	२२	अमृत	२२	९	८	तु.	५७	४	५	१८	६	४२	१	७	३२	०	५	१९
३३	३५	१२	श.	१३	३७	चि.	२८	४७	व्य.	३६	३९	वा.	१३	३७	कौ.	४५	२३	काण	२३	१०	९				५	१७	६	४३	१	८	२९	३१	५७	१९
३३	३७	१३	र.	१७	९	स्वा	३३	२८	ब.	३७	३२	तै.	१७	९	ग.	४९	२१	लुम्ब	२४	११	१०				५	१६	६	४४	१	९	२७	२	५७	१९
३३	४०	१४	चं.	२१	३३	वि.	३८	३५	प.	३८	२६	व.	२१	३३	वि.	५४	५	मित्र	२५	१२	११	वृ.	२२	१९	५	१६	६	४४	१	१०	२४	३३	५७	१८
३३	४१	१५	मं.	२६	२८	ऽनु.	४३	४५	शि.	३९	५३	व.	२६	२८	वा.	५८	३४	वज्र	२६	१३	१२				५	१६	६	४४	१	११	२१	५३	५७	१८

श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ वैशाख शुक्ल पक्षः ।
मई १२ से २६ तक । वसन्त ऋतुः । सौम्यायन गोलौ ।

भरण्यांभौमः ०।९।गुरुदयः पूर्वे २०।२ । स.सि. योगः ४५।१०या.
मिथुने शुक्र ५।१२ । चन्द्रदर्शनम् । स.सि. योगः ४०।३५ या. ।
भ. ५९।२५ उ. । वृषभेऽर्कः ८।४ । अक्षयतीज । परशुराम जन्मa
भ. २६।३७ या. । सौर ज्येष्ठारम्भः ।
या. ज. मु. २९।३१ या. । पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. ।
गङ्गोत्पत्तिः । स. सि. योगः २५।५८ या. ।
भ. १३।३८ उ. ४२।२४ या. ।
उग्र कर्म मु. । aमुहर्रम हिजरी १३८४ ।
उत्तरा योगे या. ज. मु. ।
भ. ४३।४४ उ. ।
भ. ११।८ या. । मोहिनी ११ सर्वेषाम् ।
कृत्तिकायां बुध २६।६ । प्रदोष व्रतम् । स.सि. योगः २८।४७ उ. ।
रोहण्यां रविः ३५।२८ । नृसिंह ज. । या. ज. मु. १७।२ या. ।
भ. २१।३३ उ. ५४।५ या. । वृषे बुध २२।३० ।
वैशाख स्नान स. । यमाय घट दानम् । कूर्म जयन्ती ।

वै. शु. ७ चं. इ. १३।३१

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	०	०	०	२	१०	२	८
३	१६	१९	१६	२	१०	१२	१२
५२	५१	३०	३६	४९	१९	२५	२५
१३	२२	१४	३७	४५	१७	२९	२९
५७	४२	८९	१२	२९	३	३	३
३१	३८	मा ८	४६	१०	९	११	११

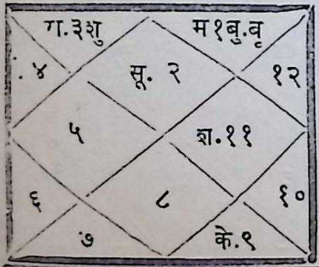

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ मं.	२ बु.	३ वृ.	ति.	४ शु.	५ श.	६ र.	७ चं.	८ मं.	९ बु.	१० बृ.	११ शु.	१२ श.	१३ र.	१४ चं.	१५ मं.
मे.	५ ३२	५ २८	५ २४	वृ.	७ १६	७ १२	७ ८	७ ४	७ ०	६ ५६	६ ५२	६ ४८	६ ४४	६ ४०	६ ३६	६ ३२
वृ.	७ २८	७ २४	७ २०	मि.	९ ३०	९ २६	९ २२	९ १८	९ १४	९ १०	९ ६	९ २	८ ५८	८ ५४	८ ५०	८ ४६
मि.	९ ४२	९ ३८	९ ३४	क.	११ ४९	११ ४५	११ ४१	११ ३७	११ ३३	११ २९	११ २५	११ २१	११ १७	११ १३	११ ९	११ ५
क.	१२ १	११ ५७	११ ५३	सिं.	२ ४	२ ०	१ ५६	१ ५२	१ ४९	१ ४४	१ ४०	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २४	१ २०
सिं.	२ १६	२ १२	२ ८	कं.	४ १८	४ १४	४ १०	४ ६	४ २	३ ५८	३ ५४	३ ५०	३ ४६	३ ४२	३ ३८	३ ३४
कं.	४ ३०	४ २४	४ २२	तु.	६ ३५	६ ३१	६ २७	६ २३	६ १९	६ १५	६ ११	६ ७	६ ३	५ ५९	५ ५५	५ ५१
रा.	रा०	रा०	रा०	रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
तु.	६ ४७	६ ४३	६ ३९	वृ.	८ ५२	८ ४८	८ ४४	८ ४०	८ ३६	८ ३२	८ २८	८ २४	८ २०	८ १६	८ १२	८ ८
वृ.	९ ४	९ ०	८ ५६	ध.	१० ५७	१० ५३	१० ४९	१० ४५	१० ४१	१० ३७	१० ३३	१० २९	१० २५	१० २१	१० १७	१० १३
ध.	११ ९	११ ५	११ १	म.	१२ ४२	१२ ३८	१२ ३४	१२ ३०	१२ २६	१२ २२	१२ १८	१२ १४	१२ १०	१२ ६	१२ २	११ ५८
म.	१२ ५४	१२ ५०	१२ ४६	कुं.	२ १४	२ १०	२ ६	२ २	१ ५८	१ ५४	१ ५०	१ ४६	१ ४२	१ ३८	१ ३४	१ ३०
कुं.	२ २६	२ २२	२ १८	मी	३ ४२	३ ३८	३ ३४	३ ३०	३ २६	३ २२	३ १८	३ १४	३ १०	३ ६	३ २	२ ५८
मी.	३ ५४	३ ५०	३ ४६	मे.	५ २०	५ १६	५ १२	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५६	४ ५२	४ ४८	४ ४४	४ ४०	४ ३६

वै. शु. १४ चं. इ. १३।२२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	०	०	०	२	१०	२	८
१०	२२	२९	१८	६	१०	१२	१२
३४	३०	४४	५	१३	४१	१७	१७
१	५४	१०	५९	५५	१०	१४	१४
५७	४२	१०३	१२	२३	१	३	३
२०	३८	३२	४६	१०	५७	११	११

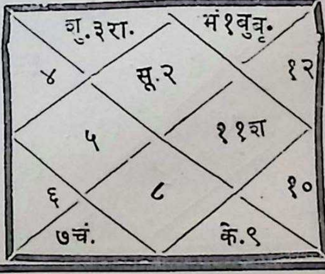

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	ब.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	४२	१	बु.	२१	२८	ज्ये.	५१	५०	सि.	४१	२१	कौ.	३१	२८	तै.	६०	०	ध्वांक्ष	२७	१४	१३	ध.	५१	५०	५	१५	६	४५	१	१२	१९	१३	५७	१७
३३	४३	२	बृ.	३६	१५	मू.	५८	१३	सा.	४२	४५	तै.	३	५१	ग.	३६	१५	धूम्र	२८	१५	१४				५	१५	६	४५	१	१३	१६	३३	५७	१६
३३	४४	३	शु.	४०	२९	पू.	६०	०	शु.	४३	३४	व.	८	२२	वि.	४०	२९	वर्द्धमा.	२९	१६	१५				५	१५	६	४५	१	१४	१३	५३	५७	१५
३३	४५	४	श.	४३	४३	पू.	४	६	शु.	४३	३७	व.	१२	६	वा.	४३	४३	मातंग	३०	१७	१६	म.	२०	३६	५	१५	६	४५	१	१५	११	१३	५७	१४
३३	४६	५	र.	४५	४५	उ.	१०	८	ब्र.	४२	५३	कौ.	१४	४४	तै.	४५	४५	अमृत	३१	१८	१७				५	१५	६	४५	१	१६	८	३३	५७	१३
३३	४८	६	चं.	४६	२३	श्र.	१३	५३	ऐं.	४१	५	ग.	१६	४	व.	४६	२३	सिद्धि	१	१९	१८	कुं.	४५	२०	५	१५	६	४५	१	१७	५	५३	५७	१२
३३	४९	७	मं.	४५	५४	ध.	१६	४२	वै.	३८	२४	वि.	१६	८	व.	४५	५४	उत्पात	२	२०	१९				५	१४	६	४६	१	१८	३	१३	५७	११
३३	५०	८	बु.	४४	६	श.	१८	०	वि	३४	३७	वा.	१५	०	कौ.	४४	६	मानस	३	२१	२०				५	१४	६	४६	१	१९	०	३३	५७	११
३३	५२	९	बृ.	४०	४६	पू.	१८	८	प्री.	३०	३	तै.	१२	२६	ग.	४०	४६	मुद्गर	४	२२	२१	मी.	३	६	५	१४	६	४६	१	१९	५७	५३	५७	११
३३	५४	१०	शु.	३६	४९	उ.	१७	४	आ.	२४	३४	व.	८	४७	वि	३६	४९	ध्वज	५	२३	२२				५	१३	६	४७	१	२०	५५	१३	५७	११
३३	५५	११	श.	३२	४	रे.	१४	३६	सौ.	१८	२४	व.	४	२६	वा.	३२ ५९	४ २२	धाता	६	२४	२३	मे.	१४	३६	५	१३	६	४७	१	२१	५२	३३	५७	११
३३	५७	१२	र.	२६	४०	अ.	१२	२६	शो.	११	३२	तै.	२६	४०	ग.	५३	४५	आनन्द	७	२५	२४				५	१३	६	४७	१	२२	४९	५३	५७	११
३३	५८	१३	चं.	२०	४९	भ.	९	२	अ.	४ ५८	३४ १२	व.	२०	४९	वि.	४७	४०	चर	८	२६	२५	वृ.	२३	५	५	१२	६	४८	१	२३	४७	१३	५७	१०
३३	५९	१४	मं.	१४	४२	कृ.	५	१३	धृ.	४९	२६	श.	१४	४२	च.	४१	३७	गद	९	२७	२६				५	१२	६	४८	१	२४	४४	२३	५७	१०
३३	०	३०	बु.	८	३२	रो.	१ ५६	८ २८	शू.	४१	४१	ना.	८	३२	किं.	३५	४१	शुभ	१०	२८	२७	मि.	२९	२	५	१२	६	४८	१	२५	४१	३३	५७	१०

श्री शुभ सवत् २०२१ शके १८८६ ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः। मई
२७ से जून १० तक। ग्रीष्म ऋतुः। सौम्यायनगोलौ

भ. ८।२२ उ. ४०।२९ या.। A१०।८। प्राच्यां यात्रा मु.।
कृत्तिकायां भौमः ५७।२६। पञ्चमी योगे या. ज. मु.।
रोहिण्यां बुधः १५।३१। पूर्वास्तं बुधः ३९।१०। या. ज. मु.A
भ.४६।२३उ.। जून। मा.वक्री भृगु १३।१२। पञ्चकारम्भः।B
भ. १६।८ या.। Bदक्षिणस्यां यात्रा मु. ४५।२० या.।
Cमोत्तरौ यात्रा मु. १४।३६ या.।
वृषेभौमः ३६।३०। या. ज. मु. १८।८ उ. ४०।४६ या.।
भ. ८।४७ उ. ३६।४९ या.। स.सि. अ. सि. योगः १७।४ उ.।
अपरा ११ सर्वेषाम्। पञ्चक समाप्त १४।३६ या.। पश्चि-C
मृगेरविः ३४।३९। मृगेबुधः २४।५०। प्रदोष व्रतम्। तिथि-D
भ. २०।४९ उ. ४७।४० या.। या. ज. मु. ९।२ या.।
स. सि. योगः ५।१ ३ या.। Dदानात् प्राच्यां यात्रा मु.E
मिथुने बुधः ५८।५१। E१२।२६ या.। स. सि. योग।

ज्ये. कृ. ६ चं. इ. १३।१२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	०	१	०	२	१०	२	८
१७	२७	११	१९	९	१०	११	११
१५	३४	४८	३५	५८	५४	५४	५४
१९	१८	५४	२१	५	५९	५९	५९
५७	४२	११	१२	१५ ६	१	३	३
२०	३८	५६	४६	व.	५७	११	११

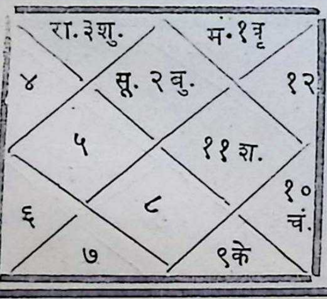

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.		२ बृ.		३ शु.		४ श.		५ र.		६ चं.		७ मं.		८ बु.		९ बृ.		१० शु.		११ श.		१२ र.		१३ चं.		१४ मं.		३० बु.	
वृ. अं.	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	८	६	४	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६	५	३२
मि. अं.	८	४२	८	३८	८	३४	८	३०	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०	८	६	८	२	७	५८	७	५४	७	५०	७	४६
क. अं.	११	१	१०	५७	१०	५३	१०	४९	१०	४५	१०	४१	१०	३७	१०	३३	१०	२९	१०	२६	१०	२१	१०	१७	१०	१३	१०	९	१०	५
सिं. अं.	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०
कं. अं.	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	३	१४	३	१०	३	६	३	२	२	५८	२	५४	२	५०	२	४६	२	४२	२	३८	२	३४
तु. अं.	५	४७	५	४३	५	३९	५	३५	५	३१	५	२७	५	२३	५	१९	५	१५	५	११	५	७	५	३	४	५९	४	५५	४	५१
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	८	४	८	०	७	५६	७	५२	७	४८	७	४४	७	४०	७	३६	७	३२	७	२८	७	२४	७	२०	७	१६	७	१२	७	८
ध. अं.	१०	९	१०	५	१०	१	९	५७	९	५३	९	४९	९	४५	९	४१	९	३७	९	३३	९	२९	९	२५	९	२१	९	१७	९	१३
म. अं.	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२	११	३८	११	३४	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	६	११	२	१०	५८
कुं. अं.	१	२६	१	२२	१	१८	१	१४	१	१०	१	६	१	२	१२	५८	१२	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०
मी. अं.	२	५४	२	५०	२	४६	२	४२	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	१०	२	६	२	२	१	५८
मे. अं.	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५२	३	४८	३	४४	३	४०	३	३६

ज्ये. कृ. १३ चं. इ. १३।२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	१	१	०	२	१०	२	८
२३	२	२४	२१	८	११	११	११
५५	१९	५१	५७	१२	८	३२	३२
४०	४२	३६	२३	२३	३८	४४	४४
५७	४२	१०३	१२	३० ०	०	३	३
१०	३८	३८	५६	व.	२१	११	११

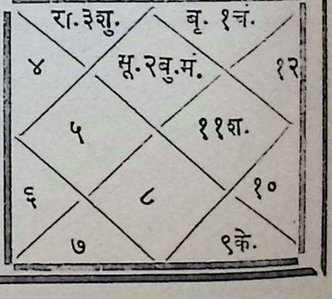

दि. घ.	ना. प.	ति.	वा	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३४	१	१	बृ.	२ ५६	५ ७	आ.	५२	४७	गं.	३४	३५	व.	२	५१	वा.	३१ ५७	२४ ७	काण	११	२९	२८				५	१२	६	४८	१	२६	३८	४३	५७	१०
३४	२	३	शु.	५१	५४	पु.	४१	२३	बृ.	२७	३४	तै.	२४	३०	ग.	५१	५४	लुम्ब	१२	१	२९	क.	३५	१४	५	१२	६	४८	१	२७	३५	५३	५७	१०
३४	३	४	श.	४७	२५	पु.	४६	१०	ध्रु.	२२	९	व.	१९	३९	वि.	४७	२५	मित्र	१३	२	३०				५	१२	६	४८	१	२८	३३	३	५७	१०
३४	४	५	र.	४३	४९	श्ले.	४२	५६	व्या	१५	२	व.	१५	३७	वा.	४३	४९	वज्र	१४	३	३१	सिं.	४२	५६	५	११	६	४९	१	२९	३०	५६	५७	१०
३४	६	६	चं.	४१	१४	म.	४२	३२	ह.	१०	३	कौ.	१२	३१	तै.	४१	१४	ध्वांक्ष	१५	४	१				५	११	६	४९	२	०	२८	६	५७	९
३४	७	७	मं.	३९	५०	पू.	४२	१४	व.	५	४८	ग.	१०	३२	व.	३९	५०	धूम्र	१६	५	२	कं.	५७	२७	५	११	६	४९	२	१	२५	७	५७	८
३४	९	८	बु.	३९	४१	उ.	४३	५	सि.	२	३२	वि.	९	४५	व.	३९	४१	वर्द्ध.	१७	६	३				५	१०	६	५०	२	२	२२	८	५७	७
३४	१०	९	बृ.	४०	४९	ह.	४५	१०	व्य.	० ५८	१३ ५१	वा.	१०	१५	कौ.	४०	४९	राक्षस	१८	७	४				५	१०	६	५०	२	३	१९	९	५७	६
३४	११	१०	शु.	४३	१२	चि.	४८	१२	प.	५८	३३	तै.	१२	१	ग.	४३	१२	मुशल	१९	८	५	तु.	१६	४१	५	१०	६	५०	२	४	१६	१०	५७	५
३४	१२	११	श.	४६	५७	स्वा	५३	२२	शि.	५९	०	व.	१५	५	वि.	४६	५७	सिद्धि	२०	९	६				५	९	६	५१	२	५	१३	११	५७	४
३४	१४	१२	र.	५०	१५	वि.	५८	२८	सि.	५९	५२	व.	१८	२६	वा.	५०	१५	उत्पात	२१	१०	७	वृ.	४२	११	५	९	६	५१	२	६	१७	१२	५७	२
३४	१४	१३	चं.	५५	४६	अनु	६०	०	सा.	६०	०	कौ.	२३	०	तै.	५५	४६	मानस	२२	११	८				५	९	६	५१	२	७	७	१३	५६	५९
३४	१४	१४	मं.	६०	०	अनु.	४	१७	सा.	१	३३	ग.	२८	३९	व.	६०	०	वज्र	२३	१२	९				५	१०	६	५०	२	८	४	४	५६	५८
३४	१३	१४	बु.	०	४४	ज्ये.	११	३६	शु.	३	८	व.	०	४४	वि.	३०	४४	ध्वांक्ष	२४	१३	१०	ध.	११	३६	५	१०	६	५०	२	९	०	५५	५६	५७
३४	१२	१५	बृ.	५	४१	मू.	१७	३४	शु.	४	१९	व.	५	४१	वा.	३७	४६	धूम्र	२५	१४	११				५	१०	६	५०	२	९	५७	४६	५६	५६

श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः। जून
११ से २५ तक। ग्रीष्म ऋतुः। सौम्यायनगोलौ

चन्द्रदर्शनम्। bबुधः १।६। पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.भद्रा प्राक्।
व. ग. आर्द्रा भे शुक्रः ३६।५। सफर। उदीच्यां यात्रा मु. ।a
भ. १९।३९ उ. ४७।२५ या.। वक्री शनिः ६।३४। आर्द्रा b
मिथुनेऽर्कः ३४।४। a ३५।१४ उ.।
सौराषाढ़ारम्भः। c ११। पश्चिमोदयं बुधः ३५।३२। d
भ. ३९।५० उ.। d या. ज. मु.।
भ. ९।४५ या.।
नवम्यां या. ज. मु.। प्राच्यांयात्रा मु. ति. दा.।
रोहिण्यां भौमः ५८।५९। गङ्गा दशहरा।
भ. १५।५ उ. ४६।५७ या.। पुनर्वसौबुधः ३९।३४। निर्जलाc
आर्द्रायां रविः ३५।४०।
पश्चिमास्तं भृगुः १२।५२। प्रदोष व्रतम्। या. ज. मु.e
वटसावित्री व्र.। e पश्चिमोत्तरौ यात्रा मुहूर्तश्च।
भ. ०।४४ उ. ३३।४४ या.।
वक्र ग. पुनः वृषेभृगुः ११।४४। वटसावित्री पूजनम्।

ज्ये. शु. ६ चं. इ. १२।५२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	१	२	२	२	१०	२	८
०	७	१०	२३	५	११	११	११
३६	१३	३९	३०	६	६	१०	१०
५२	५	१४	२	२३	१६	२९	२९
५७	४२	१०९	१२	३२ ८	० २१	३	३
१	३८	८	२६	व.	व.	११	११

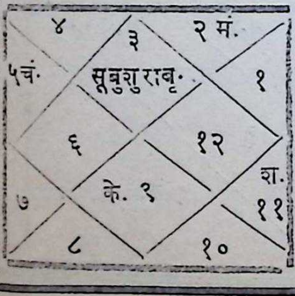

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१बृ.		३ शु.		४ श.		५ र.		तिथयः	६च.		७ मं.		८बु.		९बृ.		१० शु.		११ श		१२ र.		१३चं.		१४मं.		१४बु.		१५ बृ.	
वृ. अं.	५	२७	५	२३	५	१९	५	१५	मि. अं.	७	२५	७	२१	७	१७	७	१३	७	९	७	५	७	१	६	५७	६	५३	६	४९	६	४४
मि. अं.	७	४१	७	३७	७	३३	७	२९	क. अं.	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	८	९	३
क. अं.	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८	सिं. अं.	११	५९	११	५५	११	५१	११	४७	११	४३	११	३९	११	३५	११	३१	११	२७	११	२३	११	१८
सिं. अं.	१२	१५	१२	११	१२	७	१२	३	कं. अं.	२	१३	२	९	२	५	२	१	१	५७	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७	१	३२
कं. अं.	२	२९	२	२५	२	२१	२	१७	तु. अं.	४	३०	४	२६	४	२२	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	४	२	३	५८	३	५४	३	४९
तु. अं	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	वृ. अं.	६	४७	६	४३	६	३९	६	३५	६	३१	६	२७	६	२३	६	१९	६	१५	६	११	६	६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	७	३	६	५९	६	५५	६	५१	ध. अं.	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३६	८	३२	८	२८	८	२४	८	२०	८	१६	८	११
ध. अं.	९	८	९	४	९	०	८	५६	म. अं.	१०	३७	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२१	१०	१७	१०	१३	१०	९	१०	५	१०	१	९	५६
म. अं.	१०	५३	१०	४९	१०	४५	१०	४१	कुं. अं.	१२	९	१२	५	१२	१	११	५७	११	५३	११	४९	११	४५	११	४१	११	३७	११	३३	११	२८
कुं. अं.	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१३	मी. अं.	१	३७	१	३३	१	२९	१	२५	१	२१	१	१७	१	१३	१	९	१	५	१	१	१२	५६
मी. अं.	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१	मे. अं.	३	१५	३	११	३	७	३	३	२	५९	२	५५	२	५१	२	४७	२	४३	२	३९	२	३४
मे. अं.	३	३१	३	२७	३	२३	३	१९	वृ. अं.	५	११	५	७	५	३	४	५९	४	५५	४	५१	४	४७	४	४३	४	३९	४	३५	४	३०

ज्ये. शु. १३ चं. इ. १२।१८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	१	२	०	२	१०	२	८
७	११	२२	२५	१	११	१०	१०
१२	२४	३७	१	२४	३	४८	४८
४	२६	३८	८	२४	५५	१४	१४
५८	३८	१०६	१२	४३ ५	१५	३	३
५६	२६	३२	२६	व.	व.	११	११

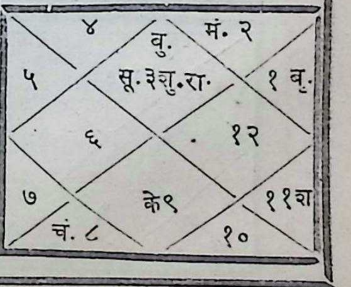

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि
३४	११	१	शु.	९	५१	पू.	२३	२५	व्र.	५	३०	कौ.	९	५१	तै.	४१	२५	प्रवर्ध.	२६	१५	१२	म.	३९	४८	५	१०	६	५०	२	१०	५४	३७	५६	५५
३४	१०	२	श.	१२	५९	उ.	२८	४७	ऐं.	५	४६	ग.	१२	५९	व.	४२	४६	रक्ष	२७	१६	१३				५	११	६	४९	२	११	५०	२८	५६	५३
३४	९	३	र.	१४	३३	श्र.	३२	४८	वै.	५	११	वि.	१४	३३	व.	४५	११	गद	२८	१७	१४				५	११	६	४९	२	१२	४७	१९	५६	५१
३४	८	४	चं.	१५	५०	ध.	३७	१०	वि.	३	४४	वा.	१५	५०	कौ.	४५	३३	शुभ	२९	१८	१५	कुं.	५	२४	५	११	६	४९	२	१३	४४	१०	५६	४८
३४	७	५	मं.	१५	१६	श.	३७	३१	प्री.	५/५७	५०/४४	तै.	१५	१६	ग.	४४	२२	मृत्यु	३०	१९	१६				५	११	६	४९	२	१४	४०	५८	५६	४६
३४	५	६	बु.	१३	२७	पू.	३७	४६	सौ.	५३	१५	व.	१३	२७	वि	४२	०	पद्म	१	२०	१७	मी.	२२	४२	५	११	६	४९	२	१५	३७	४४	५६	४६
३४	४	७	बृ.	१०	३४	उ.	३४	११	शो.	४७	५४	व.	१०	३४	वा	३८	३७	छत्र	२	२१	१८				५	१२	६	४८	२	१६	३४	३०	५६	४६
३४	३	८	शु.	६	४१	रे.	३१	४७	अ.	३९	१३	कौ.	६	४१	तै.	३४	११	श्रीवत्स	३	२२	१९	मे.	३५	४७	५	१२	६	४८	२	१७	३१	१६	५६	४६
३४	१	९	श.	१/५६	४५/११	अ.	३२	४०	सु.	३५	११	ग.	१	४१	व.	२९/५६	४६/११	सौम्य	४	२३	२०				५	१२	६	४८	२	१८	२८	२	५६	४६
३४	०	११	र.	५०	२१	भ.	२९	२८	धृ.	२८	४	व.	२३	१६	वा.	५०	२१	कालदं.	५	२४	२१	वृ.	४३	३२	५	१२	६	४८	२	१९	२४	५०	५६	४६
३३	५८	१२	चं.	४४	१५	कृ.	२५	४४	शू.	२०	३८	कौ.	१७	१८	तै.	४४	१५	स्थिर	६	२५	२२				५	१३	६	४७	२	२०	२१	३८	५६	४६
३३	५७	१३	मं.	३८	५	रो.	२१	४०	गं.	१३	१	ग.	११	१०	व.	३८	५	मातंग	७	२६	२३	मि.	४९	३५	५	१३	६	४७	२	२१	१८	१२	५६	४६
३३	५६	१४	बु.	३२	१२	मृ.	१७	३०	वृ.	५/५८	२६/७	वि.	५	८	श.	३२/९	१२/१७	अमृत	८	२७	२४				५	१३	६	४७	२	२२	१४	५८	५६	४६
३३	५५	३०	बृ.	२६	१७	आ.	१३	२७	व्या	५१	६	ना.	२६	१७	कि.	५३	५१	काण	९	२८	२५	क.	५५	३७	५	१३	६	४७	२	२३	११	४४	५६	४६

श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ आषाढ़ कृष्णपक्षः।
२६ जून से ९ जुलाई तक। ग्रीष्म ऋतु:। सौम्यायन गोलौ

कर्के बुधः १५।४८।

भ. ४२।४६ उ.।

भ. १४।३३ या. पुष्ये बुधः ३३।४४। प्राच्यां यात्रा मु.।

कृति. गुरुः १२।१७। पूर्वोदयं भृगुः ११।४४। पञ्चकारम्भः a

a ५।२४ उ.। b यात्रा मु. ति. दा.।

जुलाई। १३।२७ उ. ४२।० या.। c २९।२८ या.।

पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. रेवत्यां तिथि दानात्।

पञ्चक समाप्त ३५।४७। अ. सि. स. सि. योगश्च। उदीच्यां

भ. २८।५६ उ. ५६।११ या.। उदीच्यां यात्रा मु. भद्रा।

पुनर्वसौ रविः ४०।४१। योगिनी ११ स्मा.। या. ज. मु. c

योगिनी ११ वैष्णवानाम्। या. ज. मु. ४४।१५ उ.।

भ. ३८।५ उ.। सार्पेबुधः २४।४३। प्रदोष व्रतम्।

भ. ५।८ या.।

आ. कृ. ४ चं. इ. ११।४४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	१	३	०	१	१०	२	८
१३	१६	४	२६	२७	१०	१०	१०
५०	१८	१५	३०	१९	५०	२५	२५
८	१६	७	२५	५२	०	५९	५९
५६	३६	८७	११	३२/५४	१५	३	३
४८	२६	८	६	व.	व.	११	११

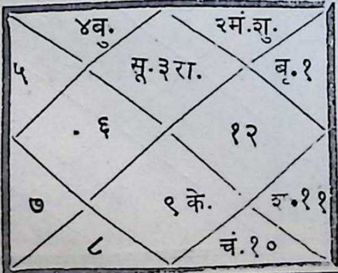

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.		२ श.		३ र.		४ चं.		५ मं.		६बु.		७बृ.		८शु.		९श.		११ र.		१२च.		१३मं.		१४बु.		३०बृ.	
मि. अं.	६	४०	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	८	६	४	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७
क. अं.	८	५९	८	५५	८	५१	८	४७	८	४३	८	३९	८	३५	८	३१	८	२७	८	२३	८	१८	८	१४	८	१०	८	६
सिं. अं.	११	१४	११	१०	११	६	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४२	१०	३८	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२१
कं. अं.	१	२८	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४७	१२	४३	१२	३९	१२	३५
तु. अं.	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५	३	२१	३	१७	३	१३	३	९	३	४	३	०	२	५६	२	५२
वृ. अं.	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८	५	३४	५	३०	५	२६	५	२१	५	१७	५	१३	५	९
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
ध. अं.	८	७	८	३	७	५९	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९	७	३५	७	३१	७	२६	७	२२	७	१८	७	१४
म. अं.	९	५२	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	११	९	७	९	३	८	५९
कुं. अं.	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२	११	८	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१
मी. अ.	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	११	१२	७	१२	३	११	५९
मे. अं.	२	३०	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	१०	२	६	२	२	१	५८	१	५४	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७
वृ. अं	४	२६	४	२२	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	४	२	३	५८	३	५४	३	५०	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३

आ. कृ. १२ चं. इ. ११।१०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	१	३	०	१	१०	२	८
२०	२०	१४	२७	२३	१०	१०	१०
२८	३६	२५	४८	३४	४६	३	३
१९	२५	१४	७	०	५	४४	४४
५६	३८	६१	९	५६/५०	१/१५	३	३
४६	१६	८	४४	व.	व.	११	११

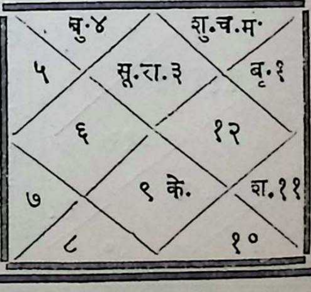

दि. मा. घ. प		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गातः	
																						रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३३	५४	१	शु.	२१	३५	पु.	९	४४	ह.	४४	३८	व.	२१	३५	वा.	४९	३	लुम्ब	१०	२९	२६				५	१३	६	४७	२	२४	८	३०	५६	४६
३३	५३	२	श.	१६	३१	पु.	६	१६	व.	३८	३१	कौ.	१६	३१	तै.	४४	३९	मित्र	११	१	२७				५	१४	६	४६	२	२५	५	१६	५६	४६
३३	५२	३	र.	१२	४८	श्ले	४	६	सि.	३३	३	ग.	१२	४८	व.	४०	८	वज्र	१२	२	२८	सिं.	४	६	५	१४	६	४६	२	२६	२	२	५६	४६
३३	५०	४	चं.	९	२८	म.	२	२४	व्य.	२८	२	वि.	९	२८	व.	३८	५	ध्वांक्ष	१३	३	२९				५	१५	६	४५	२	२६	५८	४८	५६	४७
३३	४९	५	मं.	८	४२	पू.	२	५१	व.	२४	५९	वा.	८	४२	कौ.	३८	३४	धूम्र	१४	४	३०	कं.	१७	४५	५	१५	६	४५	२	२७	५५	३७	५६	४८
३३	४८	६	बु.	८	२६	उ.	२	२६	प.	२२	२७	तै.	८	२६	ग.	३८	५८	प्रवर्ध.	१५	५	३१				५	१५	६	४५	२	२८	५२	२६	५६	४९
३३	४७	७	बृ.	९	३०	ह.	४	१५	शि.	२०	२८	व.	९	३०	वि.	४०	३९	रक्ष	१६	६	३२	तु.	३५	४७	५	१५	६	४५	२	२९	४६	१५	५६	५०
३३	४६	८	शु.	११	४९	चि.	७	२०	सि.	२०	२४	वव	११	४९	वा.	४४	३०	मुसल	१७	७	१				५	१५	६	४५	३	०	४६	४	५६	५२
३३	४५	९	श.	१५	११	स्वा	११	३४	सा.	२०	४०	कौ.	१५	११	तै.	४७	१९	सिद्धि	१८	८	२				५	१६	६	४४	३	१	४२	५३	५६	५४
३३	४४	१०	र.	१९	२७	वि.	१६	४९	शु.	२१	४०	ग.	१९	२७	व.	५१	५२	उत्पा.	१९	९	३	वृ.	०	३	५	१६	६	४४	३	२	३९	४२	५६	५६
३३	४२	११	चं.	२४	१६	ऽनु.	२२	४८	शु.	२३	१	त्र.	२४	१६	व.	५६	५०	मानस	२०	१०	४				५	१६	६	४४	३	२	३६	३८	५६	५६
३३	४०	१२	मं.	२९	२५	ज्ये.	२९	३७	ब्र.	२४	३४	वा.	२९	२५	कौ.	६०	०	मुद्गर	२१	११	५	ध.	२९	३७	५	१७	६	४३	३	४	३३	३४	५६	५७
३३	३८	१३	बु.	३४	१३	मू.	३६	३६	ऐं.	२६	७	कौ.	१	४९	तै.	३४	१३	ध्वज	२२	१२	६				५	१७	६	४३	३	५	३७	३०	५६	५७
३३	३६	१४	बृ.	३७	२५	पूषा	४२	१५	वै.	२७	६	ग.	५	४९	त्र.	३७	१५	धाता	२३	१३	७	म.	५८	३१	५	१७	६	४३	३	६	२७	२६	५६	५८
३३	३४	१५	शु.	४१	३६	उषा	३७	१८	वि.	२७	२८	व.	८	५७	व.	४१	३६	आनद	२४	१४	८				५	१८	६	४२	३	७	२४	२२	५६	५८

श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ आषाढ़ शुक्ल पक्षः
जुलाई १० से २४ तक। ग्रीष्म ऋतुः। सौम्यायन गोलौ

मृगेभौमः ४५।४८। चन्द्रदर्शनम्।
रथयात्रा। रविउल अव्वल। पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.।
भ. ४१।८ उ.। या. ज. मु. ४।६ या.।
भ. ९।२८ या.। a या. ज. मु. १९।२७ उ.।
वक्री बुधः ४७।२२।
दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु. ८।२६ उ.। स. सि. योगः ८।२६ उ.
भ. ९।३० उ. ४०।३९ या.। कर्केऽर्कः ११।५४ या. ज. मुc
सौरश्रावणारम्भः। c ४।१५ या.
या. ज. मु. ११।३४ या.।
भ. ५१।५१ उ.। पुष्ये रविः ४३।४२। वृषे गुरुः ३३।६ a
भ. २४।१६ या.। मार्गी भृगुः १०।८। हरिशयनी ११ सर्वे-b
मिथुने भौमः ५८।३८। प्रदोष व्रतम्।
तीक्ष्णकर्म मु.। dज. मु. २२।४८ या.। eयोगः।
भ. ३७।२५ उ.। उत्तरायोगे या. ज. मु.।
भ. ८।५७ या.। गुरु व्यासयोः पूजनम् वायु परीक्षा। आषाढ़ीe
b षाम्। चातुर्मास्यव्रतारम्भः। प्रतीच्यां यात्रामु. या. d

आ. शु. ४ चं. इ. १०।३६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	१	३	०	१	१०	२	८
२७	२४	२१	२८	२१	१०	९	९
७	५१	२०	५६	३६	३७	४१	४१
४५	४३	४	१५	१०	१०	२९	२९
५६	३७	१३	९	$\frac{४}{१८}$	५$\frac{२}{१}$	३	३
४९	३८	८	४४	व	व	११	११

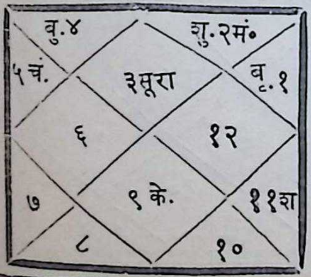

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ शु.		२ श.		३ र.		४चं.		५मं.		६बु.		७बृ.		ति.	८ शु.		९श.		१० र.		११ चं.		१२ मं.		१३ बु.		१४ बृ.		१५ शु.	
मि.	५	४२	५	३८	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८	क.	७	३३	७	२९	७	२५	७	२१	७	१७	७	१३	७	९	७	५
क.	८	१	७	५७	७	५३	७	४९	७	४५	७	४१	७	३७	सिं.	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०
सिं.	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	कं.	१२	२	११	५८	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२	११	३८	११	३४
कं.	१२	३०	१२	२६	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	१०	१२	६	तु.	२	१९	२	१५	२	११	२	७	२	३	१	५९	१	५५	१	५१
तु.	२	४७	२	४३	२	३९	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३	वृ.	४	३६	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०	४	१६	४	१२	४	८
वृ.	५	४	५	०	४	५६	४	५२	४	४८	४	४४	४	४०	ध.	६	४१	६	३७	६	३३	६	२९	६	२५	६	२१	६	१७	६	१३
रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
ध.	७	९	७	५	७	१	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	म.	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०	८	६	८	२	७	५८
म.	८	५४	८	५०	८	४६	८	४२	८	३८	८	३४	८	३०	कुं.	९	५८	९	५४	९	५०	९	४६	९	४२	९	३८	९	३४	९	३०
कुं.	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	६	१०	२	मी.	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	६	११	२	१०	५८
मी.	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२	११	३८	११	३४	११	३०	मे.	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६
मे.	१	३२	१	२८	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२	१	८	वृ.	३	०	२	५६	२	५२	२	४८	२	४४	२	४०	२	३६	२	३२
वृ.	३	२८	३	२४	३	२०	३	१६	३	१२	३	८	३	४	मि.	५	१४	५	१०	५	६	५	२	४	५८	४	५४	४	५०	४	४६

आ. शु. ११ चं. इ. १०।८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	१	३	१	१	१०	२	८
३	२८	१९	०	२२	१०	९	९
४३	११	५९	४	६	१७	२९	२९
५७	१७	८	२२	१६	१३	१४	१४
५६	३७	$\frac{४}{३}\frac{५}{५}$	९	$\frac{२}{२}\frac{०}{५}$	२	३	३
५६	३८	व	४४	मा	५१	११	११

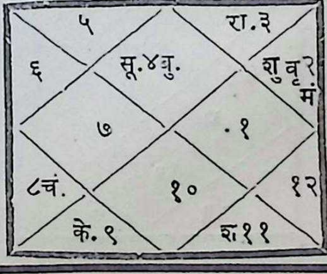

दि. मा.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	त्रं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः		श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ श्रावण कृष्णपक्षः। जुलाइ २५ से अगस्त ७ तक। याम्यायनम्। सौम्यगोलः। वर्षाऋतु
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	
३३	३२	१	श.	४३	५	श्र.	५१	३६	प्री	२७	७	वा.	१२	२०	कौ.	४३	५	स्थिर	२५	१५	९				५	१८	६	४२	३	८	२१	१८	५६	५९	याम्ये यात्रा मु.। स. सि. योगः।
३३	३०	२	र	४४	३८	ध.	५४	४४	आ.	२५	७	तै.	१३	५१	ग.	४४	३८	मातंग	२६	१६	१०	कुं.	२३	१०	५	१९	६	४१	३	९	१८	१४	५७	०	पञ्चकारम्भः २३।१०।
३३	२८	३	चं.	४४	१२	श.	५६	३७	सौ.	२३	८	व.	१४	२५	वि.	४४	१२	अमृत	२७	१७	११			१४	५	२०	६	४०	३	१०	१५	१०	५७	२	भ. १४।२५ उ.। ४४।१२ या.। सोमप्रदोष व्रतारम्भः।
३३	२५	४	मं.	४२	२७	पू.	५६	४१	शो.	२०	८	व.	१३	१९	वा.	४२	२७	काण	२८	१८	१२	मी.	४१	०	५	२१	६	३९	३	११	१२	१२	५७	४	उग्रकर्म मु.।
३३	२२	५	बु.	३९	३६	उ.	५७	४५	अ.	१५	४९	कौ.	११	१	तै.	३९	३६	लुम्ब	२९	१९	१३				५	२१	६	३९	३	१२	९	१४	५७	६	aयात्रा मु.। भद्रा प्राक्। स. सि. योगः।
३३	१९	६	बृ.	३३	४६	रे.	५६	१४	सु	४	३४	ग.	६	४१	व.	३३	४६	मित्र	३०	२०	१४	मे.	५६	१४	५	२२	६	३८	३	१३	६	१६	५७	८	भ. ३३।४६ उ.। पञ्चक समाप्तः ५६।१४। पश्चिमोत्तरोa
३३	१६	७	शु.	३१	८	अ.	५४	१९	धृ.	४ ५७	३ ५०	वि.	२	२७	बव	३१	४८	वज्र	३१	२१	१५				५	२३	६	३७	३	१४	३	१८	५७	१०	भ. २।२७ या.। स. सि. योगः।
३३	१३	८	श.	२५	४८	भ.	५१	१०	गं.	५०	४२	कौ.	२५	४८	तै.	५२	४८	ध्वांक्ष	१	२२	१६				५	२३	६	३७	३	१५	०	२०	५७	१२	अगस्त। या. ज. मु. २५।४८ उ. ५१।१० या.।
३३	१०	९	र.	१९	५५	कृ.	४७	१८	वृ.	४३	४६	ग.	१९	५५	व.	४६	३	धूम्र	२	२३	१७	वृ.	५	२२	५	२४	६	३६	३	१५	५७	२२	५७	१४	भ. ४६।३ उ.। सार्पेरविः ४३।४७। bयात्रा मु.।
३३	६	१०	चं.	१४	१२	रो.	४३	११	ध्रु.	३५	४०	वि.	१४	५२	बव	४१	१२	प्रवर्ध.	३	२४	१८				५	२५	६	३५	३	१६	५४	२४	५७	१६	भ. १४।५२ या.। आर्द्रायां भौमः ४१।०। स.सि. योगः।
३३	३	११	मं.	८	११	मृ.	३९	०	व्या	२८	२	बा.	८	११	कौ.	३७	५३	रक्ष	४	२५	१९	मि.	११	५	५	२५	६	३५	३	१७	५१	४४	५७	१८	पूर्वोदयं बुधः ४५।५८। कामदा ११ सर्वेषाम्। दक्षिणस्यांb
३३	०	१२	बु.	१ ५५	४१ ५७	आ.	३४	५३	ह.	२०	३६	तै.	१	४१	ग.	२९ ५५	९ ५७	मुशल	५	२६	२०				५	२६	६	३४	३	१८	४९	४	५७	२०	भ. ५५।५७ उ.। प्रदोष व्रतम्।
३२	५७	१४	बृ.	१०	३४	पुन	३१	२	व.	१३	२०	वि.	२३	१५	श.	५०	३४	सिद्धि	६	२७	२१	क.	१७	०	५	२७	६	३३	३	१९	४६	२४	५७	२२	भ. २३।१५ या.। स. सि. अ. सि. योगः। ३१।२ उ.।
३२	५४	३०	शु.	४६	१	पु.	२७	४०	सि.	६	२८	च.	१०	११	ना.	४६	१	उत्पात	७	२८	२२				५	२७	६	३३	३	२०	४३	४४	५७	२४	मार्गी बुधः २३।४२। यात्रा त्रिपुष्करे।

श्रा. कृ. ३ चं इ. ९।४०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	२	३	१	१	१०	२	८
१०	२	१५	१	२५	९	९	९
२१	४२	८	४०	३०	५७	६	६
५०	२७	३	५१	१२	१६	५९	५९
५७	३७	५८ ४	८	२०	४ ३	३	३
२	२४	व.	४	२५	व.	११	११

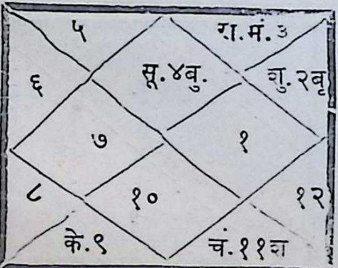

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.		२ र.		३ चं.		४ मं.		५ बु.		६ बृ.		७ शु.		८श.		९ र.		१० चं.		११ मं.		१२ बु.		१४ बृ.		३० शु.	
क. अं.	७	२	६	५८	६	५४	६	५०	६	४६	६	४२	६	३८	६	३४	६	३०	६	२७	६	२३	६	१९	६	१५	६	११
सिं. अं.	९	१७	९	१३	९	९	९	५	९	१	८	५७	८	५३	८	४९	८	४५	८	४२	८	३८	८	३४	८	३०	८	२६
कं. अं.	११	३१	११	२७	११	२३	११	१९	११	१५	११	११	११	७	११	३	१०	५९	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०
तु. अं.	१	४८	१	४४	१	४०	१	३६	१	३२	१	२८	१	२४	१	२०	१	१६	१	१३	१	९	१	५	१	१	१२	५७
वृ. अं.	४	५	४	१	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	३	१४
ध. अं.	६	१०	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८	५	३५	५	३१	५	२७	५	२३	५	१९
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
म. अं.	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९	७	३५	७	३१	७	२७	७	२३	७	२०	७	१६	७	१२	७	८	७	४
कुं. अं.	९	२७	९	२३	९	१९	९	१५	९	११	९	४	९	३	८	५९	८	५५	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३६
मी. अं.	१०	५५	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४
मे. अं.	१२	३३	१२	२९	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	५	१२	१	११	५८	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२
वृ. अं.	२	२९	२	२५	२	२१	२	१७	२	१३	२	९	२	५	२	१	१	५७	१	५४	१	५०	१	४६	१	४२	१	३८
मि. अं.	४	४३	४	३९	५	३४	४	३१	४	२७	४	२३	४	१९	४	१५	४	११	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५१

श्रा. कृ. १० चं. इ. ९।१२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	२	३	१	१	१०	२	८
१७	६	१३	२	२७	९	८	८
४	२४	१	३७	५३	२८	४४	४४
२६	६	३५	६	७	५५	४४	४४
५७	२९	४७ ४४	८	२०	४ ३	३	३
२०	५०	व.	४	२५	व.	११	११

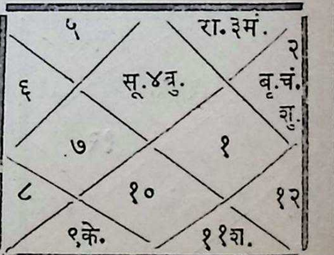

दि मा. घ. प.		ति. वा.		घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा. घ. प.			सू. उ. घ. मि.		सू. अ. घं. मि.		ओ. स्पष्ट सूर्य रा. अं. क. वि.				गतिः क. वि.		श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ श्रावण शुक्लपक्षः । अगस्त ८ से २३ तक । याम्यायनम् । सौम्यगोलः । वर्षा ऋतुः
३२	५१	१	श.	४२	१८	श्ले.	२४	५८	व्य.	५४	४३	कि.	१४	८	व.	४२	१८	मानस	८	२९	२३	सिं.	२४	५८	५	२८	६	३२	३	२१	४१	४	५७	२६	नक्त व्रतारंभ । या. ज. मु. २४।५८ या. ।
३२	४८	२	र.	३९	५	म.	२३	३	प.	५०	२	बा.	११	४१	कौ.	३९	५	मुद्गर	९	३०	२४				५	२९	६	३१	३	२२	३४	२४	५७	२८	मार्ग. पुन. मिथुने शुक्र २९।४० । चन्द्रदर्शनम् ।
३२	४४	३	चं.	३७	३४	पू.	२३	४	शि.	४६	१६	तै.	८	१३	ग.	३७	३४	ध्वज	१०	१	२५	कं.	३७	३७	५	२९	६	३१	३	२३	३५	४४	५७	२९	हरियाली तीज । मधुश्रवा ३ । वरद गणेश ४ । रविउस्सानी ।a
३२	४१	४	मं.	३७	१९	उ.	२२	२२	सि.	४४	२७	व.	७	२६	वि.	३७	१९	धाता	११	२	२६				५	३०	६	३०	३	२४	३३	१४	५७	३०	भ. ७।२६ उ. ३७।१९ या. । दक्षिण यात्रा मु. ३७।१९ उ.
३२	३५	५	बु.	३८	१९	ह.	२३	३६	सा.	४१	४२	व.	७	४९	वा.	३८	१९	आनन्द	१२	३	२७	तु.	५५	१०	५	३१	६	२९	३	२५	३०	४४	५७	३२	नागपंचमी । स. सि. योगः । दक्षिण पूर्वो यात्रा मु. ।
३२	३०	६	बृ.	४०	३६	चि.	२६	४४	शु.	४१	१५	कौ.	९	२७	तै.	४०	३६	चर	१३	४	२८				५	३१	६	२९	३	२६	२८	१४	५७	३४	या. ज. मु. ४०।३६ उ. ।
३२	३२	७	शु.	४३	५६	स्वा	३०	३५	शू.	४१	२८	ग.	१२	१६	व.	४३	५६	गद	१४	५	२९				५	३२	६	२८	३	२७	२५	४४	५७	३६	भ. ४३।५६ उ. । तुलसी जयंती ।
३२	२९	८	श.	४८	१२	वि.	३५	३६	व्र.	४१	५१	वि.	१६	४	बव	४८	१२	शुभ	१५	६	३०	वृ.	१९	२१	५	३२	६	२८	३	२८	२३	१४	५७	३८	भ. १६।४ या. । स्वतंत्रता दिवस ।
३२	२३	९	र.	५३	१	ऽन.	४१	२४	ऐं.	४२	५६	बा	२०	३६	कौ.	५३	१	मृत्यु	१६	७	३१				५	३३	६	२७	३	२९	२०	४७	५७	४०	सिंहेऽर्कः ४१।७ । aया. ज. मु. २३।४३ ३७।३४ या. ।
३२	२०	१०	चं.	५९	१	ज्ये.	४७	४४	वै.	४३	४५	तै.	२६	१	ग.	५९	१	पद्म	१७	८	१	ध.	४७	४४	५	३४	६	२६	४	०	१८	१७	५७	४२	सौर भाद्रपदारम्भः ।dयात्रा मु. । पञ्चकारम्भः ४०।२१। उ.
३२	२१	११	मं.	६०	०	मू.	५४	१२	वि.	४५	१५	व.	३०	५६	वि.	६०	०	छत्र	१८	९	२				५	३४	६	२६	४	१	१६	७	५७	४४	भ. ३०।५६ उ. । b पुत्रदा ११ सर्वेषाम् ।
३२	१८	११	बु.	२	५२	पूषा	६०	०	प्री.	४६	१३	वि.	२	५२	व.	३५	६	श्रीवत्स	१९	१०	३				५	३५	६	२५	४	२	१३	५७	५७	४६	भ. २।५२ या. । मार्ग. आर्द्रा०शुक्रः ३।२६ । सिंहेज्ञः २८।३९b
३२	१५	१२	बृ.	७	२०	पूषा	०	२१	आ.	४६	५१	वा.	७	२०	कौ.	३९	०	धाता	२०	११	४	म.	१६	२९	५	३६	६	२४	४	३	११	४७	५७	४८	प्रदोष व्रतम् । या. ज. मु. ७।२० उ. ।
३२	१२	१३	शु.	१०	३९	उषा	४	५५	सौ.	४६	३९	तै.	१०	३९	ग.	४१	४६	आनंद	२१	१२	५				५	३६	६	२४	४	४	९	३७	५७	५०	स. सि. योगः ४।५५ उ. । दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु. ।
३२	९	१४	श.	१२	५३	श्र.	८	१०	शो.	४५	३६	व.	१२	५३	वि.	४३	३३	चर	२२	१३	६	कुं.	४०	२१	५	३७	६	२३	४	५	७	२७	५७	५४	भ. १२।५३ उ. ४३।३३ या. ऋक् श्रावणी । भद्राप्राक् दक्षिणd
३२	६	१५	र.	१४	१३	ध.	१२	३३	अ	४२	१	व.	१४	१३	वा.	४३	५३	मातंग	२३	१४	७				५	३७	६	२३	४	६	५	१७	५७	५८	यजुर्वेदिनामुपाकर्म । रक्षाबंधनम् ।

श्रा. शु. ३ चं. इ. ८।४५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	२	३	१	२	१०	२	८
२३	९	१८	३	०	९	८	८
४५	३७	२१	१३	१६	०	२२	२२
३४	६	८	४१	२	३४	२९	२९
५७	२९	१७ २८	६	४	१ ५ ५	३	३
३०	५०	मा	४	५	व.	११	११

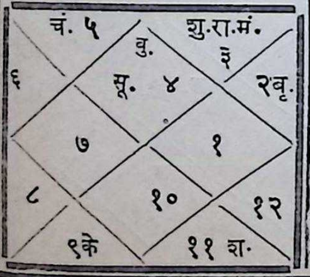

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ श.		२ र.		३ चं.		४ मं.		५ बु.		६ बृ.		७ शु.		८ श.		९ र.	
क.	६	८	६	४	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६
सिं.	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५५	७	५१
कं.	१०	३७	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२१	१०	१७	१०	१३	१०	९	१०	५
तु.	१२	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२६	१२	२२
वृ.	३	११	३	७	३	३	२	५९	२	५५	२	५१	२	४७	२	४३	२	३९
ध.	५	१६	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५६	४	५२	४	४८	४	४४
रा	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
म.	७	१	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४१	६	३७	६	३३	६	२९
कुं.	८	३३	८	२९	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	१
मी.	१०	१	९	५७	९	५३	९	४९	९	४५	९	४१	९	३७	९	३३	९	२९
मे.	११	३९	११	३५	११	३१	११	२७	११	२३	११	१९	११	१५	११	११	११	७
वृ.	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५	१	११	१	७	१	३
मि.	३	४९	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५	३	२१	३	१७

ति	१० चं.		११मं.		११बु.		१२ बृ.		१३शु.		१४ श.		१५ र.	
सि.	७	४७	७	४३	७	३९	७	३६	७	३२	७	२८	७	२५
कं.	१०	१	९	५७	९	५३	९	५०	९	४६	९	४२	९	३९
तु.	१२	१८	१२	१४	१२	१०	१२	७	१२	३	११	५९	११	५६
वृ	२	३५	२	३१	२	२७	२	२४	२	२०	२	१६	२	१३
ध.	४	४०	४	३६	४	३२	४	२९	४	२५	४	२१	४	१८
म.	६	२५	६	२१	६	१७	६	१४	६	१०	६	६	६	३
रा	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कुं.	७	५७	७	५३	७	४९	७	४६	७	४२	७	३८	७	३५
मी.	९	२५	९	२१	९	१७	९	१४	९	१०	९	६	९	३
मे	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४१
वृ	१२	५९	१२	५५	१२	५१	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३७
मि.	३	१३	३	९	३	५	३	२	२	५८	२	५४	२	५१
क.	५	३२	५	२८	५	२४	५	२१	५	१७	५	१३	५	१०

श्रा. शु. १० चं. इ. ८।१७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	२	३	१	२	१०	२	८
०	१२	२६	४	४	८	८	८
२६	५३	४१	१६	५८	२३	०	०
१६	२३	८	९	१७	४९	१४	१४
५७	२८	८५	६	५२	१ ५ ५	३	३
१०	२	८	४	५	व	११	११

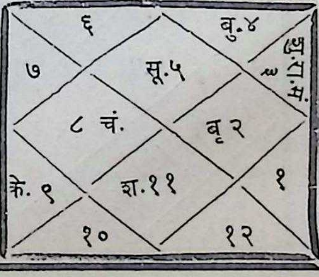

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३२	२	१	चं.	१३	३३	श.	१४	४९	सु.	३९	५५	कौ.	१३	३३	तै.	४८	४५	अमृत	२४	१५	८				५	३८	६	२२	४	७	३	८	५८	०
३१	५८	२	मं.	११	५८	पू.	१५	५०	धृ.	३५	५२	ग	११	५८	व.	४०	३०	काण	२५	१६	९	मी.	०	३५	५	३९	६	२१	४	८	१	८	५८	२
३१	५५	३	बु.	९	२	उ.	१५	३३	शू.	३०	४३	वि.	९	२	वव	३७	१३	लुम्ब	२६	१७	१०				५	४०	६	२०	४	८	५९	८	५८	४
३१	५१	४	बृ.	५	२४	रे.	१४	१७	गं.	२४	४९	बा.	५	२४	कौ.	३३	९	मित्र	२७	१८	११	मे.	१४	१७	५	४०	६	२०	४	९	५७	८	५८	५
३१	४८	५	शु.	० ५८	५३ ४३	अ.	१२	३	वृ.	१८	१७	तै.	०	५३	ग.	२८ ५८	४४ ४३	वज्र	२८	१९	१२				५	४१	६	१९	४	१०	५५	८	५८	७
३१	४४	७	श.	४९	५३	भ.	९	३	ध्रु.	११	११	वि.	२२	४८	वव	४९	५३	ध्वांक्ष	२९	२०	१३	वृ.	२३	३	५	४२	६	१८	४	११	५३	८	५८	९
३१	४१	८	र.	४४	१९	कृ.	५	३	व्या	३ ५६	० ४९	वा.	१७	६	कौ.	४४	१९	धूम्र	३०	२१	१४				५	४३	६	१७	४	१२	५१	८	५८	१०
३१	३६	९	चं.	३७	३५	रो.	१ ५४	२६ ४०	ब्र.	४	४३	तै.	१०	५८	ग.	३७	३७	प्रवर्ध	३१	२२	१५	मि.	२८	३	५	४३	६	१७	४	१३	४९	८	५८	११
३१	३२	१०	मं.	३१	३०	आ.	५३	५४	सि.	४०	३९	ब.	४	३३	वि	३१ २८	३० ४०	चर	१	२३	१६				५	४४	६	१६	४	१४	४७	१७	५८	१२
३१	२८	११	बु.	२५	४९	पुन	४९	६	व्य	३३	३७	वा	२५	४९	कौ.	५३	११	गद	२	२४	१७	क.	३५	१८	५	४५	६	१५	४	१५	४४	२६	५८	१३
३१	२४	१२	बृ.	२०	३३	पु.	४५	३६	व.	२६	४१	तै.	२०	३३	ग.	४८	४	शुभ	३	२५	१८				५	४६	६	१४	४	१६	४३	३५	५८	१४
३१	२०	१३	शु.	१५	३५	श्ले.	४२	४३	प.	१९	५२	व.	१५	३५	वि.	४३	४८	मृत्यु	४	२६	१९	सिं.	४२	४३	५	४६	६	१४	४	१७	४१	४४	५८	१५
३१	१६	१४	श.	१२	२	म.	४०	३७	शि	१४	२३	श.	१२	२	च.	४०	३८	पद्म	५	२७	२०				५	४७	६	१३	४	१८	३९	५३	५८	१६
३१	१२	३०	र.	९	१५	पूफा	३९	२६	सि.	९	२६	ना.	९	१५	किं.	३८	१९	छत्र	६	२८	२१	कं.	४५	२४	५	४८	६	१२	४	१९	३८	२	५८	१७

श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ भाद्रपद कृष्णपक्षः।
अगस्त २४ से सितम्बर ६ तक। याम्यायनम् सौम्यगोलः।

lयात्रा मु. १३।३ या.।
भ.४०।३०उ.। b१५।३३ उ.। कज्जली ३। गणेश ४ व्रतम्।
भ. ९।२ या.। पूर्वास्तं बुधः ४३।३३। प्रतीच्यां यात्रा मु.।
पञ्चक समाप्त १४।१७। पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. १२।१७ c
भ. ५५।४३ उ.। पू. फा. बुधः १२।५५। स.सि. योग प्राच्यांl
भ. २२।४८ या.। या. ज. मु. ९।३ या.।
पू. फा. रविः ३०।४४। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रतम् सर्वेषाम्।
पुनर्भे शुक्रः ५६।३। गोगा ९। स. सि. योगः। या.ज. मु. h
सितम्बर। भ. ४।३३ उ. ३१।३० या.।
अजा ११ सर्वेषाम्। cया. ततः पूर्वोत्तरौ यात्रा मु.।
प्रदोष व्रतम्। स. सि. अ.सि. योग पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. ।a
भ. १५।३५ उ. ४३।४८ या.। aया.ज. मु. ४५।३६ उ.।
उ. फा. बुधः ५५।२६। पिठौरा ३०।
कन्यायां बुधः ४५।३१। कुशोत्पाटिनी ३०। h१।२६ या.।

भा. कृ. १ चं. इ. ८।४३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	२	४	१	२	१०	२	८
७	१५	६	४	११	७	७	७
९	३८	३७	५८	८	४७	३७	३७
४९	२	४	३७	७	५	५९	५९
५८	२८	९९	६	६७	५ १५	३	३
०	२	८	४	५६	व.	११	११

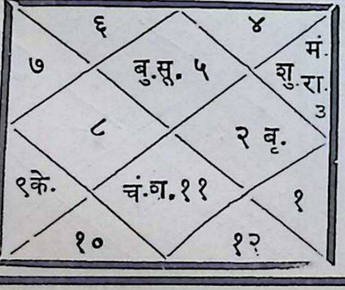

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ च.		२ मं.		३ बु.		४ बृ.		५ शु.		७ श.		८ र.		९ चं.		१० मं.		११ बु.		१२ बृ.		१३ शु.		१४श.		३० र.	
सिं. अं.	७	२१	७	१७	७	१४	७	१०	७	६	७	३	६	५९	६	५५	६	५२	६	४८	६	४४	६	४१	६	३७	६	३३
कं. अं.	९	३५	९	३१	९	२८	९	२४	९	२०	९	१७	९	१३	९	९	९	६	९	२	८	५८	८	५५	८	५१	८	४७
तु. अं.	११	५२	११	४८	११	४५	११	४१	११	३७	११	३४	११	३०	११	२६	११	२३	११	१९	११	१५	११	१२	११	८	११	४
वृ. अं.	२	९	२	५	२	२	१	५८	१	५४	१	५१	१	४७	१	४३	१	४०	१	३६	१	३२	१	२९	१	२५	१	२१
ध. अं.	४	१४	४	१०	४	७	४	३	३	५९	३	५६	३	५२	३	४८	३	४५	३	४१	३	३७	३	३४	३	३०	३	२६
म. अं.	५	५९	५	५५	५	५२	५	४८	५	४४	५	४१	५	३७	५	३३	५	३०	५	२६	५	२२	५	१९	५	१५	५	११
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कुं. अं.	७	३१	७	२७	७	२४	७	२०	७	१६	७	१३	७	९	७	५	७	२	६	५८	६	५४	६	५१	६	४७	६	४३
मी. अं.	८	५९	८	५५	८	५२	८	४८	८	४४	८	४१	८	३७	८	३३	८	३०	८	२६	८	२२	८	१९	८	१५	८	११
मे. अं.	१०	३७	१०	३३	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१९	१०	१५	१०	११	१०	८	१०	४	१०	०	९	५७	९	५३	९	४९
वृ. अं.	१२	३३	१२	२९	१२	२६	१२	२२	१२	१८	१२	१५	१२	११	१२	७	१२	४	१२	०	११	५६	११	५३	११	४९	११	४५
मि. अं.	२	४७	२	४३	२	४०	२	३६	२	३२	२	२९	२	२५	२	२१	२	१८	२	१४	२	१०	२	७	२	३	१	५९
क. अं.	५	६	५	२	४	५९	४	५५	४	५१	४	४८	४	४४	४	४०	४	३७	४	३३	४	२९	४	२६	४	२२	४	१८

भा. कृ. ९ चं. इ. ३।९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	२	४	१	२	१०	२	८
१३	१८	१८	५	१९	७	७	७
५६	८	११	४१	३	१०	१५	१५
४	३९	०	५	५३	१९	४४	४४
५८	१०	१०७	३	७१	५ १५	३	३
९	३८	३२	२४	५६	व.	११	११

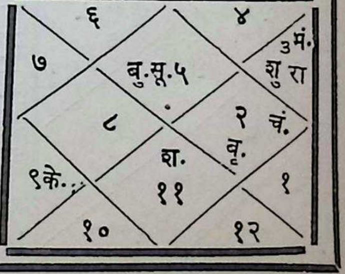

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३१	८	१	चं.	७	२३	उफा	३९	२१	सा.	४	२१	व.	७	२३	वा.	३७	१९	श्रीवत्स	७	२९	२२				५	४९	६	११	४	२०	३६	११	५८	१९
३१	४	२	मं.	७	१४	ह.	४०	३४	शु.	१	८	कौ.	७	१४	तै.	३७	४४	सौम्य	८	१	२३				५	५०	६	१०	४	२१	३४	३०	५८	२०
३१	१	३	बु.	८	१४	चि.	४२	५४	शु.	० ५९	२० ६	ग.	८	१४	व.	३९	२२	काल.	९	२	२४	तु.	११	४४	५	५०	६	१०	४	२२	३२	४९	५८	२१
३०	५७	४	बृ.	१०	३१	स्वा	४६	१०	ऐं.	५९	०	वि.	१०	३१	वव	४२	५	स्थिर	१०	३	२५				५	५१	६	९	४	२३	३१	८	५८	२२
३०	५४	५	शु.	१३	४०	वि.	५१	२६	वै.	५९	३५	वा.	१३	४०	कौ.	४५	५२	मातंग	११	४	२६	वृ.	३५	७	५	५२	६	८	४	२४	२९	२७	५८	२३
३०	५०	६	श.	१८	५	अ.	५७	७	वि.	६०	०	तै.	१८	५	ग.	५०	३२	अमृत	१२	५	२७				५	५३	६	७	४	२५	२७	४६	५८	२४
३०	४७	७	र.	२३	२	ज्ये.	६०	०	वि.	२	४१	व.	२३	२	वि.	५५	३३	काण	१३	६	२८				५	५४	६	६	४	२६	२६	५	५८	२५
३०	४२	८	चं.	२८	५	ज्ये.	३	२१	प्री.	४	४	व.	२८	५	वा.	६०	०	पद्म	१४	७	२९	ध.	३	२१	५	५५	६	५	४	२७	२४	१४	५८	२६
३०	३८	९	मं.	३३	१	मू.	९	४८	आ.	५	२६	वा.	०	३३	कौ.	३३	१	छत्र	१५	८	३०				५	५६	६	४	४	२८	२२	३४	५८	२८
३०	३४	१०	बु.	३७	१०	पू.	१६	३	सौ.	६	४७	तै.	५	२०	ग.	३७	१०	श्रीवत्स	१६	९	३१	म.	३२	३	५	५७	६	३	४	२९	२०	५४	५८	३०
३०	३०	११	बृ.	४१	१३	उ.	२०	४	शो.	७	२०	व.	९	२६	वि.	४१	१३	सौम्य	१७	१०	१				५	५७	६	३	५	३०	१९	१४	५८	३२
३०	२६	१२	शु.	४३	२७	श्र.	२७	५४	अ.	७	१३	व.	१२	२०	वा.	४३	२७	धूम्र	१८	११	२	कु.	५९	५२	५	५८	६	२	५	१	१७	३४	५८	३४
३०	२२	१३	श.	४४	३५	ध.	३१	५१	सु.	६	९	कौ.	१४	१	तै.	४४	३५	प्रवर्ध.	१९	१२	३				५	५९	६	१	५	२	१५	५४	५८	३६
३०	१८	१४	र.	४४	२६	श.	३३	१७	धृ.	५	९	ग.	१४	२९	व.	४४	३६	रक्ष	२०	१३	४				६	०	६	०	५	३	१४	१४	५८	३७
३०	१४	१५	चं.	४३	३	पूभा	३४	२७	शू.	५ ५७	११ ६	वि.	१३	१४	वव	४३	३	काण	२१	१४	५	मी.	१९	१०	६	१	६	५९	५	४	१२	३४	५८	३९

श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६। भाद्रपद शुक्लपक्षः।
सितम्बर ७ से २१ तक। याम्यायनम्। सौम्यगोलः।

चन्द्रदर्शनम्। या. ज. मु. ७।२३ या.। दक्षिणस्यां यात्रा मु.a
कर्के शुक्रः २६।२३।जमादि उलअव्वल।दक्षिणपूर्वौ यात्रा मु.।
भ. ३९।२२ उ.। हरतालिका ३ व्रतम्। गणेश ४ व्रतम्।
भ. १०।३१ या.।पुनर्वसौ भौमः ४५।३८। पञ्चमी योगे या. ज. मु.
पुष्ये शुक्रः १८।७। ऋषि ५। d योगे या. ज. मु.।
मकरे बुधः ९।२। अर्कषष्ठी। लोलार्क कुंडे स्नानम्। सप्तम।d
भ. २३।२ उ. ५५।३३ या.। उ. फा. रविः १६।४५।
राधाष्टमी व्रत। a ३९।२१ उ.।
वक्री गुरुः १६।४०।अगस्त्योदयः।बुधोदयः पश्चिमे ४६।४६।
कन्यार्कः ४२।३२। सौर आश्विन। c ज. मु. २०।४ या.।
भ. ९।२६ उ. ४१।१३ या.। परिवर्तिनी ११ सर्वेषाम्। या.c
वामन जयन्ती। पञ्चकारम्भः ५९।५२। स. सि. योगः *
चित्रायां बुधः ४७।४१। प्रदोष व्रतम्।
भ. ४४।२६ उ.। अनन्त चौदस। * २७।१४ या.।
भ. १३।१४ या.। प्रौष्ठपदी महालयारम्भ। उत्तरा योगे*
* या. ज. मु.।

भा. शु. १ चं. इ. ९।३५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	२	५	१	२	१०	२	८
२०	१९	०	६	२८	७	६	६
४३	२४	४३	४	२७	३३	५३	५३
१	४	४४	५३	५०	३४	२९	२९
५८	३०	१०९	३	७२	४ ३	३	३
११	३८	८	२४	८	व	११	११

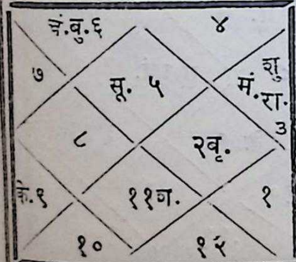

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.		२ मं.		३ बु.		४ बृ.		५ शु.		६ श.		७ र.		८ चं.		९ मं.		१० बु.	
सिं. अं.	६	३०	६	२६	६	२३	६	१९	६	१५	६	१२	६	८	६	५	६	१	५	५८
क. अं.	८	४४	८	४०	८	३७	८	३३	८	३०	८	२६	८	२२	८	१९	८	१५	८	१२
तु. अं.	११	१	१०	५७	१०	५४	१०	५०	१०	४७	१०	४३	१०	३९	१०	३६	१०	३२	१०	२९
वृ. अं.	१	१८	१	१४	१	११	१	७	१	४	१	०	१२	५६	१२	५३	१२	४९	१२	४६
ध. अं.	३	२३	३	१९	३	१६	३	१२	३	९	३	५	३	१	२	५८	२	५४	२	५१
म. अं.	५	८	५	४	५	१	४	५७	४	५४	४	५०	४	४६	४	४३	४	३९	४	३६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कुं. अं.	६	४०	६	३६	६	३३	६	२९	६	२६	६	२२	६	१८	६	१५	६	११	६	८
मी. अं.	८	८	८	४	८	१	७	५७	७	५४	७	५०	७	४६	७	४३	७	३९	७	३६
मे. अं.	९	४६	९	४२	९	३९	९	३५	९	३२	९	२८	९	२४	९	२१	९	१७	९	१४
वृ. अं.	११	४२	११	३८	११	३५	११	३१	११	२८	११	२४	११	२०	११	१७	११	१३	११	१०
मि. अं.	१	५६	१	५२	१	४९	१	४५	१	४२	१	३८	१	३४	१	३१	१	२७	१	२४
क. अं.	४	१५	४	११	४	८	४	४	४	१	३	५७	३	५३	३	५०	३	४६	३	४३

तिथयः	११ बृ.		१२ शु.		१३ श.		१४ र.		१५ चं.	
कं. अं.	८	९	८	५	८	१	७	५८	७	५४
तु. अं.	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१५	१०	११
वृ. अं.	१२	४३	१२	३९	१२	३५	१२	३२	१२	२८
ध. अं.	२	४८	२	४४	२	४०	२	३७	२	३३
म. अं.	४	३३	४	२९	४	२५	४	२२	४	१८
कु. अं.	६	५	६	१	५	५७	५	५४	५	५०
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मी. अं.	७	३३	७	२९	७	२५	७	२२	७	१८
मे. अं.	९	११	९	७	९	३	९	०	८	५६
वृ. अं.	११	७	११	३	१०	५९	१०	५६	१०	५२
मि.अं.	१	२१	१	१७	१	१३	१	१०	१	६
क. अं.	३	४०	३	३६	३	३२	३	२९	३	२५
सिं. अं.	५	५५	५	५१	५	४७	५	४५	५	४०

भा. शु. १५ चं. इ. ९।३४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	२	५	१	३	१०	२	८
४	२१	२९	६	१५	६	६	६
१९	५१	२९	३६	३०	२६	८	८
३६	४६	३६	९	११	५२	५९	५९
५८	१०	९४	१ ४	७३	२ ५१	३	३
३९	३८	४४	व	५५	व	११	११

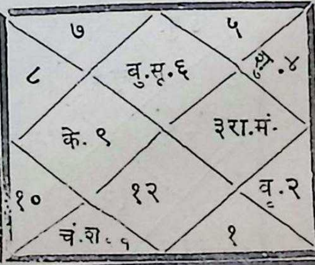

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	वं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	घ.	मि.
३०	१०	१	मं.	४०	३२	उभा	३४	१६	वृ.	५१	९	वा.	११	४७	कौ.	४०	३२	गद	२२	१५	६				६	२	५	५८	५	५	११	१३	५८	४१
३०	७	२	बु.	३६	५०	रे.	३३	१९	ध्रु.	४७	२४	तै.	८	४१	ग.	३६	५०	उत्पात	२३	१६	७	मे.	३३	१९	६	३	५	५८	५	६	९	५२	५८	४३
३०	४	३	बृ.	३२	२४	अ.	३१	२२	व्या	३९	४२	व.	४	३७	वि.	३२/५९	२४/१७	मानस	२४	१७	८				६	३	५	५७	५	७	८	३१	५८	४५
३०	०	४	शु.	२६	१०	भ.	२८	३८	ह.	३२	५७	वा.	२६	१०	कौ.	५३	५३	मुद्गर	२५	१८	९	वृ.	४२	४४	६	४	५	५६	५	८	७	१०	५८	४७
२९	५७	५	श.	२१	३७	कृ.	२५	४	व.	२५	२९	तै.	२१	३७	ग.	४८	३४	ध्वज	२६	१९	१०				६	५	५	५५	५	९	५	४९	५८	४९
२९	५३	६	र.	१५	३१	रो.	२१	११	सि.	१७	४८	व.	१५	३१	वि.	४२	४४	धाता	२७	२०	११	मि.	४९	६	६	६	५	५४	५	१०	४	२८	५८	५१
२९	४८	७	चं.	९	४८	मृ.	१७	२	व्य.	१०	०	व.	९	४८	वा.	३६	४३	आनन्द	२८	२१	१२				६	७	५	५३	५	११	३	७	५८	५३
२९	४४	८	मं.	३/५६	३३/११	आ.	१२	३२	व.	२/५२	४५/४०	कौ.	३	३९	तै.	३५/५६	४४/११	चर	२९	२२	१३	क.	५४	५०	६	७	५	५३	५	१२	२	६	५८	५६
२९	४०	१०	बु.	५२	४	पुन	८	५६	शि.	४७	४३	व.	२५	७	वि.	५२	४	गद	३०	२३	१४				६	८	५	५२	५	१३	१	५	५८	५९
२९	३६	११	बृ.	४७	३७	पु.	५	४०	सि	३९	३५	व.	१९	५०	वा.	४७	३७	शुभ	२	२४	१५				६	९	५	५१	५	१४	०	४	५९	२
२९	३२	१२	शु.	४३	५४	श्ले.	०/५९	०/४	सा.	३५	०	कौ.	१५	४५	तै.	४३	५४	मृत्यु	२	२५	१६	सिं.	०	१०	६	१०	५	५०	५	१४	५९	३	५९	५
२९	२८	१३	श.	४०	६	पू.	५८	५१	शु	२९	४३	ग.	१२	०	व.	४०	६	लुम्ब	३	२६	१७				६	११	५	४९	५	१५	५८	२	५९	९
२९	२४	१४	र.	३९	४७	उ.	५८	३	शु.	२५	२३	वि.	९	५१	श.	३९	४७	मित्र	४	२७	१८	कं.	१३	२४	६	११	५	४९	५	१६	५७	१	५९	१३
२९	२०	३०	चं.	३९	३५	ह.	५९	३	व्र.	२१	५६	च.	९	४१	ना.	३९	३५	वज्र	५	२८	१९				६	१२	५	४८	५	१७	५६	०	५९	१७

श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ आश्विन कृष्ण पक्षः। सित. २२ से अक्टू. ५ तक। याम्यायनम्। सौम्यगोलः। *

सार्पेशुक्रः ६।१०। * शरदृतु

तुले बुधः ३।६। प्रतीच्यां यात्रा मु.। पञ्चक समाप्त ३३।१९

भ. ४।३७ उ. ३२।२४ या.। प्राच्यां यात्रा मु.।

हस्तेरविः ५४।४६।

भ. १५।३१ उ. ४२।३९ या.।

स्वाति भे. बुधः १५।८। स. सि. योगः।

सौभाग्यवतीनां श्राद्धम्। मातृनवमी जीवित्पुत्रिका व्रतम्।

भ. २५।७ उ. ५२।४ या.।

अक्टूबर। इन्दिरा ११ सर्वेषाम्। पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.।

स. सि. अ. सि. योगः ५।४० या.।

सिंहे शुक्रः ४४।५६।

भ. ४०।६ उ.। प्रदोष व्रतम्।

भ. ९।५१ या.। शस्त्रादिना हतस्य श्राद्धम्।

सोमवती ३०। सर्वपितृ ३०। गजच्छाया योगः।

आ. कृ. ७ चं. इ. ९।८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	२	६	१	३	१०	२	८
११	२३	६	६	२४	६	५	५
१२	६	३२	२८	७	६	४६	४६
४२	१२	४४	४१	३६	५५	४४	४४
५८	१०	७६	२/१६	७३	२/५९	३	३
५९	३८	४४	व.	५५	व.	११	११

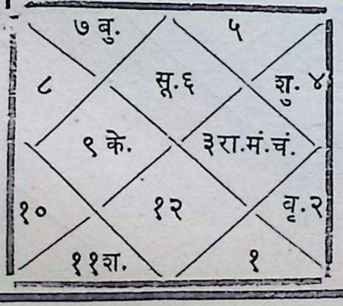

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१मं.		२बु.		३बृ.		४शु.		५श		६र.		७चं.		८मं.		९बु.		१०बृ.		११शु.		१२श.		१३र.		१४चं.	
कं. अं.	७	५०	७	४७	७	४३	७	३९	७	३६	७	३२	७	२८	७	२५	७	२१	७	१७	७	१४	७	१०	७	६	७	३
तु. अं.	१०	७	१०	४	१०	०	९	५६	९	५३	९	४९	९	४५	९	४२	९	३८	९	३४	९	३१	९	२७	९	२३	९	२०
वृ. अं.	१२	२४	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	१०	१२	६	१२	२	११	५९	११	५५	११	५१	११	४८	११	४४	११	४०	११	३७
ध. अं.	२	२९	२	२६	२	२२	२	१८	२	१५	२	११	२	७	२	४	२	०	१	५६	१	५३	१	४९	१	४५	१	४२
म. अं.	४	१४	४	११	४	७	४	३	४	०	३	५६	३	५२	३	४९	३	४५	३	४१	३	३८	३	३४	३	३०	३	२७
कुं. अं.	५	४६	५	४३	५	३९	५	३५	५	३२	५	२८	५	२४	५	२१	५	१७	५	१३	५	१०	५	६	५	२	४	५९
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मी.अं.	७	१४	७	११	७	७	७	३	७	०	६	५६	६	५२	६	४९	६	४५	६	४१	६	३८	६	३४	६	३०	६	२७
मे. अं.	८	५२	८	४९	८	४५	८	४१	८	३८	८	३४	८	३०	८	२७	८	२३	८	१९	८	१६	८	१२	८	८	८	५
वृ. अं.	१०	४८	१०	४५	१०	४१	१०	३७	१०	३४	१०	३०	१०	२६	१०	२३	१०	१९	१०	१५	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	१
मि.अं.	१	२	१२	५९	१२	५५	१२	५१	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३७	१२	३३	१२	२९	१२	२६	१२	२२	१२	१८	१२	१५
क. अं.	३	२१	३	१८	३	१४	३	१०	३	७	३	३	२	५९	२	५६	२	५२	२	४८	२	४५	२	४१	२	३७	२	३४
सिं.अं.	५	३६	५	३३	५	२९	५	२५	५	२२	५	१८	५	१४	५	११	५	७	५	३	५	०	४	५६	४	५२	४	४९

आ. कृ. ३० चं इ. ८।४३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	२	६	१	४	१०	२	८
१८	२४	१३	६	२	५	५	५
७	२०	५८	१२	४५	४७	२४	२४
४७	३८	४१	४९	१	५८	२९	२९
५९	१०	४१	२/१६	७४	२/५९	३	३
१७	३८	३२	व.	२९	व.	११	११

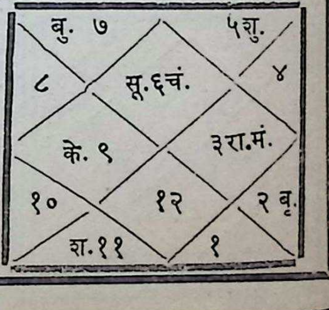

इं. मा. प्र. प.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		ओं. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
																						रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२९	१६	१	मं.	३९	४३	चि.	६०	०	ऐं.	१९	२०	कि	९	४५	व.	३९	४३	ध्वांक्ष	६	२९	२०	तु.	३०	६	६	१३	५	४७	५	१८	५५	१७	५९	१९
२९	१२	२	बु.	४२	७	चि.	१	९	वै.	१८	९	वा.	१०	५५	कौ.	४२	७	कालदं.	७	३०	२१				६	१४	५	४६	५	१९	५४	३४	५९	२१
२९	८	३	बृ.	४५	४३	स्वा	४	३१	वि.	१७	४२	तै.	१३	५५	ग.	४५	४३	स्थिर	८	१	२२	वृ.	५३	७	६	१५	५	४५	५	२०	५३	५१	५९	२२
२९	४	४	शु.	५०	९	वि.	९	१३	प्री.	१८	५	व.	१७	५६	वि	५०	९	मातंग	९	२	२३				६	१६	५	४४	५	२१	५३	८	५९	२३
२९	०	५	श.	५५	६	ऽनु	१४	३०	आ.	१९	०	व.	२२	३७	वा.	५५	६	अमृत	१०	३	२४				६	१७	५	४३	५	२२	५२	२५	५९	२८
२८	५६	६	र.	६०	०	ज्ये.	१९	५४	सौ.	२०	८	कौ.	२७	४१	तै.	६०	०	काण	११	४	२५	ध.	१९	५४	६	१८	५	४२	५	२३	५१	४२	५९	३०
२८	५२	६	चं.	०	१६	मू.	२७	५	शो.	२१	४९	तै.	०	१६	ग.	३२	४६	लम्ब	१२	५	२६				६	१९	५	४१	५	२४	५०	५९	५९	३२
२८	४८	७	मं.	५	१७	पू.	३३	२७	अ.	२२	४९	व.	५	१७	वि.	३७	२३	मित्र	१३	६	२७	म.	४९	५९	६	१९	५	४१	५	२५	५०	२६	५९	३४
२८	४५	८	बु.	९	४३	उ.	३९	३५	सु.	२२	५६	व.	९	४३	वा.	४१	४	वज्र	१४	७	२८				६	२०	५	४०	५	२६	४९	५३	५९	३७
२८	४२	९	बृ.	१२	२६	श्र.	४४	३७	धृ.	२३	३०	कौ.	१२	२६	तै.	४४	४	ध्वज	१५	८	२९				६	२१	५	३९	५	२७	४९	२०	५९	३९
२८	३८	१०	शु.	१५	४३	ध.	४८	३६	शू.	२२	३९	ग.	१५	४३	व.	४६	१३	धाता	१६	९	३०	कुं.	१६	३६	६	२१	५	३९	५	२८	४८	२७	५९	४१
२८	३५	११	श.	१७	७	श.	५१	२६	गं.	२०	४१	वि.	१७	७	बव	४७	१	आनंद	१७	१०	३१				६	२२	५	३८	५	२९	४७	५४	५९	४५
२८	३१	१२	र.	१६	५७	पूभा	५३	१४	वृ.	१८	४	वा.	१६	५७	कौ.	४६	१७	चर	१८	११	१	मी.	३७	५७	६	२३	५	३७	६	०	४७	२१	५९	४५
२८	२८	१३	चं.	१५	३७	उभा	५३	६	ध्रु.	१४	१५	तै.	१५	३७	ग.	४५	२०	गद	१९	१२	२				६	२४	५	३६	६	१	४६	४८	५९	४७
२८	२३	१४	मं.	१३	३	रे.	५२	३७	व्या	९	३	व.	१३	३	वि.	४१	१३	शुभ	२०	१३	३	मे.	५२	३७	६	२५	५	३५	६	२	४५	३५	५९	४९
२८	१९	१५	बु.	९	२३	अ.	५१	१	ह.	८ ३/६	५ १/२	व	९	२३	वा.	३७	११	मृत्यु	२१	१४	४				६	२६	५	३४	६	३	४५	२२	५९	५१

श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ आश्विन शुक्लपक्षः।
अक्टूबर ६ से २१ तक। याम्यायनम्। सौम्यगोलः। b

शारदीय नवरात्रारंभ। घटस्थापनम्। मातामहश्राद्धम्।
चन्द्रदर्शनम्।
जमादि उस्सानी। या. ज.मु. २।३१ या.।d१२।३० या.।
भ. १७।५६ उ. ५०।९ या.। bतुलार्कतः याम्यगोलः।
चित्रायांरविः २२।४७। उपांगललिता ६ व्रतम्। या.ज.मु.d
सरस्वत्यावाहनम् मूले स.सि. योगः १९।५४उ.। cपूजनम्।
eविसर्जनम्। दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु.।
भ. ५।१७ उ. ३७।३० या.। पू.फा. शुक्र. ३९।५५। सरस्वती-c
दुर्गाष्टमी। सरस्वती बलिदानम्।
वक्रीबुधः २।२९। दुर्गा ९। विजयादशमी। सरस्वतीe
भ. ४६।२३ उ.। राजपट्टाभिषेकः। पञ्चकारम्भः १६।३६।
भ. १७।७ या.। तुलेऽर्कः ६।५१। पापांकुशा ११ सर्वेषाम्।
प्रदोष व्रतम्। सौर कार्तिकारम्भः। स. सि. योगः ५३।१४ उ.।
पश्चिमास्तं बुधः २।४। या. ज. मु. १५।३७ या.।
भ. १३।३ उ. ४१।१३ या.। शरद् १५। कोजागरी १५।g
कार्तिक स्नान प्रारम्भः। g पञ्चक समाप्त ५२।३७।

आ. शु. ६ चं. इ. ८।१८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	२	६	१	४	१०	२	८
२५	२५	९	५	११	५	५	५
३	३५	७	५६	२४	२८	२	२
२३	४	४१	५०	२४	१	१४	१४
५९	१०	७/१६	२/१६	७४	५/१५	३	३
२७	३८	व.	व.	२९	व.	११	११

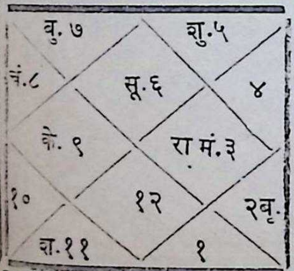

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१मं.	२बु.	३बृ.	४शु.	५श.	६र.	६चं.	७मं.	८बु.	९बृ.	१०शु.	११श.	ति.	१२र.	१३चं.	१४मं.	१५बु.
कं.	६ ५९	६ ५५	६ ५२	६ ४८	६ ४४	६ ४१	६ ३७	६ ३३	६ ३०	६ २६	६ २२	६ १८	तु.	८ ३१	८ २७	८ २३	८ १९
तु.	९ १६	९ १२	९ ९	९ ५	९ १	८ ५८	८ ५४	८ ५०	८ ४७	८ ४३	८ ३९	८ ३५	वृ.	१० ४८	१० ४४	१० ४०	१० ३६
वृ.	११ ३३	११ २९	११ २६	११ २२	११ १८	११ १५	११ ११	११ ७	११ ४	११ ०	१० ५६	१० ५२	ध.	१२ ५३	१२ ४९	१२ ४५	१२ ४१
ध.	१ ३८	१ ३४	१ ३१	१ २७	१ २३	१ २०	१ १६	१ १२	१ ९	१ ५	१ १	१२ ५७	म.	२ ३८	२ ३४	२ ३०	२ २६
म.	३ २३	३ १९	३ १६	३ १२	३ ८	३ ५	३ १	२ ५७	२ ५४	२ ५०	२ ४६	२ ४२	कुं.	४ १०	४ ६	४ २	३ ५८
कुं.	४ ५५	४ ५१	४ ४८	४ ४४	४ ४०	४ ३७	४ ३३	४ २९	४ २६	४ २२	४ १८	४ १४	मी.	५ ३८	५ ३४	५ ३०	५ २६
रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	राः	रा०	रा०	रा०	रा०
मी.	६ २३	६ १९	६ १६	६ १२	६ ८	६ ५	६ १	५ ५७	५ ५४	५ ५०	५ ४६	५ ४२	मे.	७ १६	७ १२	७ ८	७ ४
मे.	८ १	७ ५७	७ ५४	७ ५०	७ ४६	७ ४३	७ ३९	७ ३५	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २०	वृ.	९ १२	९ ८	९ ४	९ ०
वृ.	९ ५७	९ ५३	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३९	९ ३५	९ ३१	९ २८	९ २४	९ २०	९ १६	मि.	११ २६	११ २२	११ १८	११ १४
मि.	१२ ११	१२ ७	१२ ४	१२ ०	११ ५६	११ ५३	११ ४[illegible]	११ ४५	११ ४२	११ ३८	११ ३४	११ ३०	क.	१ ४५	१ ४१	१ ३७	१ ३३
क.	२ ३०	२ २६	२ २३	२ १९	२ १५	२ १२	२ ८	२ ६	२ १	१ ५७	१ ५३	१ ४९	सिं.	४ ०	३ ५६	३ ५२	३ ४८
सिं.	४ ४५	४ ४१	४ ३८	४ ३४	४ ३०	४ २७	४ २३	४ १९	४ १६	४ १२	४ ८	४ ४	कं.	६ १४	६ १०	६ ६	६ २

आ. शु. १३ चं. इ. ७।५२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	२	६	१	४	१०	२	८
२	२६	७	५	२०	५	४	४
१	४९	१	४१	७	१९	३३	३९
२३	३०	३३	५	४७	१६	५९	५९
५९	८	७ ४८	३ ४/६	७४	५/१५	३	१
४७	५०	व.	व.	२९	व.	११	१३

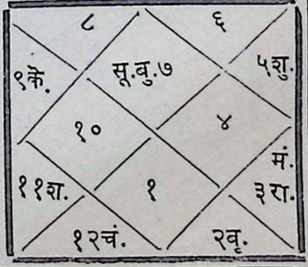

श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ कार्तिक कृष्ण पक्ष। अक्टूबर २३ से नवम्बर ४ तक। याम्यायनगोलो। शरदऋतु।

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	ब.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	ओं. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गातः क.	वि.
२८	१४	१	बृ.	४/५४	५९/५४	भ.	४७	५४	सि.	५०	३४	कौ.	४	५९	तै.	३४/५४	५६/५४	पद्म	२२	१५	५				६	२६	५	३४	६	४	४५	९	५३	५३
२८	१०	३	शु.	५४	४२	कृ.	४४	३१	व्य.	४२	२९	व.	२७	१८	वि.	५४	४२	छत्र	२३	१६	६	वृ.	२	३	६	२७	५	३३	६	५	४४	५६	५९	५५
२८	५	४	श.	४२	४०	रो.	४१	२०	व.	३५	२८	व.	२१	४१	वा.	४३	४०	श्रीवत्स	२४	१७	७				६	२७	५	३३	६	६	४४	४३	५९	५७
२८	१	५	र.	४३	२९	मृ.	३६	३६	प.	२७	३९	कौ.	१६	४	तै.	४३	२९	सौम्य	२५	१८	८	मि.	८	५८	६	२८	५	३२	६	७	४३	३०	६०	०
२७	५६	६	चं.	३६	३७	आ.	३२	२४	शि.	१९	५५	ग.	१०	३	व.	३६	३७	कालदं	२६	१९	९				६	२९	५	३१	६	८	४३	१७	६०	२
२७	५३	७	मं.	३१	५२	पुन	२८	१७	सि.	१२	४८	वि.	४	१४	वव	३१/५८	५२/५४	स्थिर	२७	२०	१०	क.	१४	१९	६	२९	५	३१	६	९	४३	२४	६०	४
२७	५०	८	बु.	२५	५५	पु.	२४	३२	सा.	५/५४	४५/२	कौ.	२५	५५	तै.	५३	५६	मातंग	२८	२१	११				६	३०	५	३०	६	१०	४३	३१	६०	६
२७	४७	९	बृ.	२१	५७	श्ले	२१	९	शु.	११	४८	ग.	२१	५७	व.	४९	५५	अमृत	२९	२२	१२	सिं.	२१	९	६	३०	५	३०	६	११	४३	३८	६०	८
२७	४४	१०	शु.	१७	३४	म.	१८	५६	ब्र.	४४	४६	वि.	१७	३४	वव	४६	४७	काण	३०	२३	१३				६	३१	५	२९	६	१२	४३	४५	६०	१०
२७	४१	११	श.	१५	०	पू.	१७	२३	ऐं.	४१	३८	वा.	१५	०	कौ.	४३	४३	लम्ब	३१	२४	१४	कं.	३२	३	६	३२	५	२८	६	१३	४३	५२	६०	१५
२७	३८	१२	र.	१३	३६	उ.	१७	३५	वै.	३७	५४	तै.	१३	३६	ग.	४३	३०	मित्र	१	२५	१५				६	३३	५	२७	६	१४	४३	५९	६०	१४
२७	३४	१३	चं.	१३	२४	ह.	१८	१५	वि.	३५	४	व.	१३	२४	वि.	४४	४	वज्र	२	२६	१६	तु.	४९	६	६	३३	५	२७	६	१५	४४	६	६०	१६
२७	३१	१४	मं.	१४	४४	चि.	१९	५७	प्री.	३३	२३	श.	१४	४४	च.	४५	५९	ध्वांक्ष	३	२७	१७				६	३४	५	२६	६	१६	४४	२४	६०	१८
२७	२८	३०	बु.	१७	१४	स्वा	२२	४४	आ.	३२	३५	ना.	१७	१४	किं.	४९	१६	धूम्र	४	२८	१८				६	३५	५	२५	६	१७	४४	४२	६०	३०

या. ज. मु. ४।५९ या.।

भ. २७।१८ उ. ५४।४२ या.। स्वाती भे रविः ४७।४८।

उ. फा. शुक्रः २३।२। कर्क ४ (करवा ४)।

b स. सि. योगः। दक्षिण यात्रा मु.।

भ. ३६।३७ उ.।

भ.४।१४या.। कन्यायां शुक्रः ५।६३। दक्षिण यात्रा मु.भद्रान्ते।

अहोई ८। पश्चिमायां यात्रा मु. तिथिदानात्।

भ. ४९।५५ उ.। या. ज. मु. २१।९ या.।

भ. १७।३४ या.। वक्री भौमः २५।०।

पूर्वोदयं बुधः। रमा ११ सर्वेषाम्। a नरक १४।

नवम्बर। मार्गीशनिः ४।३१। प्रदोष व्रतम्। गोवत्स पूजनम्।b

धन १३। यमदीपदानं। भ. १३।२४ उ. ४४।४ या.। a

मार्गीबुधः १९।४८। दीपमालिका। लक्ष्मी पूजनम्।

मकरे शुक्रः ८।५०। गोवर्धन पूजनम्। वलिपूजनम् अन्नकूट।

का. कृ. ६ चं. इ. ७।४६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	२	६	१	४	१०	२	८
९	२५	०	५	२८	५	४	४
१	४७	१६	९	४९	१०	१७	१७
२५	४०	५६	५३	१०	३१	४४	४४
६०	८	८/२०	४/३६	७४	०/२१	३	३
७	५०	व.	व.	२९	व.	११	११

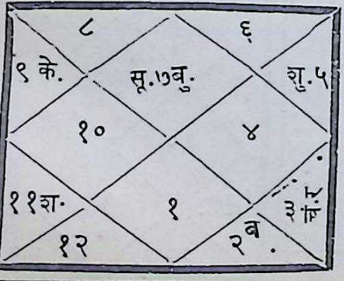

दैनिकलग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.		३ शु.		४ श.		५ र.		६ चं.		७ मं.		८ बु.		९ बृ.		१० शु.		११ श.		१२ र.		१३ चं.		१४ मं.		३० बु.	
तु. अं.	८	१६	८	१२	८	८	८	४	८	०	७	५६	७	५२	७	४८	७	४४	७	४०	७	३६	७	३२	७	२८	७	२४
वृ. अं.	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२१	१०	१७	१०	१३	१०	९	१०	५	१०	१	९	५७	९	५३	९	४९	९	४५	९	४१
ध. अं.	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२६	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	१०	१२	६	१२	२	११	५८	११	५४	११	५०	११	४६
म. अं.	२	२३	२	१९	२	१५	२	११	२	७	२	३	१	५९	१	५५	१	५१	१	४७	१	४३	१	३९	१	३५	१	३१
कुं. अं.	३	५५	३	५१	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५	३	३१	३	२७	३	२३	३	१९	३	१५	३	११	३	७	३	३
मी. अं.	५	२३	५	१८	५	१५	५	११	५	७	५	३	४	५९	४	५५	४	५१	४	४७	४	४३	४	३९	४	३५	४	३१
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मे. अं.	७	१	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४१	६	३७	६	३३	६	२९	६	२५	६	२१	६	१७	६	१३	६	९
वृ. अं.	८	५७	८	५३	८	४९	८	४५	८	४१	८	३७	८	३३	८	२९	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	९	८	५
मि. अं.	११	११	११	७	११	३	१०	५९	१०	५६	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१९
क. अं.	१	३०	१	२६	१	२२	१	१८	१	१४	१	१०	१	६	१	२	१२	५८	१२	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८
सिं. अं.	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५	३	२१	३	१७	३	१३	३	९	३	५	३	१	२	५७	२	५३
कं. अं.	५	५९	५	५४	५	५१	५	४७	५	४३	५	३९	५	३५	५	३१	५	२७	५	२३	५	१९	५	१५	५	११	५	७

का. कृ. १३ चं. इ. ७।४०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	२	५	१	५	१०	२	८
१६	२४	२९	४	७	५	३	३
२	४५	१८	३७	३०	८	५५	५५
५०	५०	३७	४१	३३	४	२९	२९
६०	४/२१	५६/२०	७/३६	७४	०/२१	३	३
१८	व.	मा.	व.	२९	व.	११	११

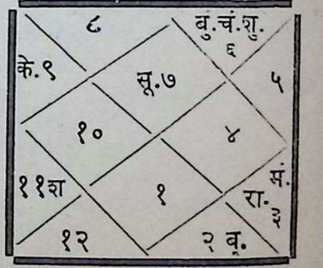

श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ कार्तिक शुक्ल पक्ष।
नवम्बर ५ से १९ तक। याम्यायन गोलौ। शरद् ऋतुः

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि
२७	२५	१	बृ.	२१	१८	वि	२७	७	सौ.	३२	४१	व.	२१	१८	वा.	५३	३८	प्रवर्ध	५	२९	१९	वृ.	११	१	६	३५	५	२५	६	१८	४५	०	६०	२१
२७	२२	२	शु.	२५	५६	ऽनु.	३२	२६	शो.	३४	१४	कौ.	२५	५६	तै.	५८	२८	राक्षस	६	१	२०				६	३६	५	२४	६	१९	४५	१८	६०	२२
२७	१९	३	श.	३१	४०	ज्ये.	३८	२४	अ.	३४	९	ग.	३१	०	व.	६०	०	मुसल	७	२	२१	ध.	३८	१४	६	३६	५	२४	६	२०	४५	३६	६०	२३
२७	१६	४	र.	३६	२०	मू.	४४	५४	सु.	३५	४३	व.	४	०	वि	३६	२०	सिद्धि	८	३	२२				६	३७	५	२३	६	२१	४५	५४	६०	२४
२७	१२	५	चं.	४०	५९	पू.	५४	५६	धृ.	३६	५४	व.	८	५९	वा.	४०	५९	उत्पात	९	४	२३				६	३७	५	२३	६	२२	४६	१२	६०	२५
२७	९	६	मं.	४५	५१	उ.	५५	५५	शू.	३७	२	कौ.	१३	५५	तै.	४५	५१	मानस	१०	५	२४	म.	७	११	६	३८	५	२२	६	२३	४६	३८	६०	२९
२७	६	७	बु.	४९	३२	श्र.	६०	०	गं.	३७	४६	ग.	१७	४१	ब.	४९	३२	छत्र	११	६	२५				६	३९	५	२१	६	२४	४७	४	६०	३३
२७	३	८	बृ.	५२	२	श्र.	१	५५	वृ.	३७	१२	वि	२०	४७	बव	५२	२	ध्वज	१२	७	२६	कुं.	३४	६	६	४०	५	२०	६	२५	४७	३०	६०	३६
२७	०	९	शु.	५२	५४	ध.	६	१७	ध्रु.	३४	३३	वा.	२२	२८	कौ.	५२	५४	धाता	१३	८	२७				६	४१	५	१९	६	२६	४७	५६	६०	४०
२६	५७	१०	श.	५३	१०	श	७	४४	व्या	३३	३	तै.	२३	२	ग.	५३	१०	आनन्द	१४	९	२८	मी.	५४	५२	६	४१	५	१९	६	२७	४८	२२	६०	४२
२६	५४	११	र.	५१	५२	पूभा	१०	३०	ह.	२९	३१	व.	२२	५१	वि	५१	५२	चर	१५	१०	२९				६	४२	५	१८	६	२८	४८	४६	६०	४४
२६	५०	१२	चं.	४८	४२	उभा	१२	४३	व.	२५	०	व.	२०	२	वा.	४८	४२	गद	१६	११	३०				६	४३	५	१७	६	२९	४९	५२	६०	४६
२६	४६	१३	मं.	४६	१२	रे.	११	१५	सि.	१९	२७	कौ.	१७	२७	तै.	४६	१२	शुभ	१७	१२	१	मे.	११	१५	६	४३	५	१७	७	०	४९	३८	६०	४८
२६	४३	१४	बु.	४०	१८	अ.	१०	२७	व्य.	१३	१	ग	१३	१५	व.	४०	१८	मृत्यु	१८	१३	२				६	४३	५	१७	७	१	४९	२४	६०	५०
२६	३९	१५	बृ.	३६	१६	भ.	८	२४	व.	६	२२	वि.	८	१७	बव	३६	१६	पद्म	१९	१४	३	वृ.	२२	२२	६	४४	५	१६	७	२	५०	१०	६०	५२

चन्द्रदर्शनम्। d ११।१५ प्राच्यां यात्रा मु. स. सि. e
विशाखायां रविः ७।४९। यम २। रज्जव।
तीक्ष्ण कर्म मु.। ०४२।४०। या. ज. मु. ९।२४ या.।
भ. ४।० उ. ३६।२० या.। स. सि. योगः ४४।५४ या.।
पुन.मार्ग.स्वाती भे बुधः ४२।२५। b प्रतीच्यां यात्रा मु.।
श्रवसि दक्षिणपूर्वो यात्रा मु.। e अ. सि. योगः ११।१५उ.।
भ. ४९।३२ उ.। दक्षिणपूर्वौ यात्रा मु. भद्राप्राक्।
भ. २०।४७ या.। गोपाष्टमी। पञ्चकारम्भः ३४।६।
अक्षय ९। युगादि ९। मथुरा परिक्रमा। कूष्मांड दानम्।
चित्रायां शुक्रः ५२।९। a तुलसी विवाह।
भ. २५।५१ उ. ५१।५२ या.। प्रबोधिनी ११ स्मा.। a
प्रबोधिनी ११ वैष्णवानाम्। वृश्चिकेऽर्कः ९।५४। रेवत्यां b
प्रदोष व्रतम्। सौरमार्गशीर्षारम्भः। पञ्चक समाप्त d
भ. ४०।१८ उ.। वैकुण्ठ १४।
भ. ८।१७ या.। अनु.या. रविः १६।५०। विशाखायां बुधः ०

का. शु. ५ चं. इ. ७।३४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	२	६	१	५	१०	२	८
२३	२४	५	३	१४	५	३	३
४	१५	५२	४४	११	५	३३	३३
३	२३	५७	२३	५६	४७	१४	१४
६०	६ ३९	८०	७ ३६	७४	५ २७	३	३
२६	व.	४४	व.	२९	मा.	११	११

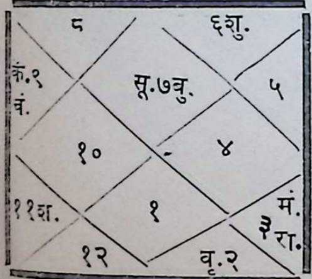

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.		२ शु.		२ श.		३ र.		४ चं.		५ मं.		६ बु.		७ बृ.		८ शु.		९ श.		१० र.		१२ चं.		ति.	१३ मं.		१४ बु.		१५ बृ.	
तु. अं.	७	२१	७	१७	७	१३	७	९	७	५	७	१	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४१	६	३७	वृ.	८	५०	८	४६	८	४२
वृ. अं.	९	३८	९	३४	९	३०	९	२६	९	२२	९	१८	९	१४	९	१०	९	६	९	२	८	५८	८	५४	.	१०	५५	१०	५१	१०	४७
ध. अं.	११	४३	११	३९	११	३५	११	३१	११	२७	११	२३	११	१९	११	१५	११	११	११	७	११	३	१०	५९	म.	१२	४०	१२	३६	१२	३२
म. अं.	१	२८	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	कुं.	२	१२	२	८	२	४
कुं. अं.	३	०	२	५६	२	५२	२	४८	२	४४	२	४०	२	३६	२	३२	२	२८	२	२४	२	२०	२	१६	मी.	३	४०	३	३६	३	३२
मी. अं	४	२८	४	२४	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५२	३	४८	३	४४	मे.	५	१८	५	१४	५	१०
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा.	रा०		रा०		रा०	
मे अं.	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	५२	५	४६	५	४२	५	३८	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२	वृ.	७	१४	७	१०	७	६
वृ. अं.	८	३	७	५८	७	५५	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	७	३०	७	२६	७	२२	७	१८	मि.	९	२८	९	२४	९	२०
मि. अं.	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	क.	११	४७	११	४३	११	३९
क अं.	१२	३५	१२	३१	१२	२७	१२	२३	१२	१९	१२	१५	१२	११	१२	७	१२	३	११	५९	११	५५	११	५१	सिं.	२	२	१	५८	१	५४
सिं. अं.	२	५०	२	४६	२	४२	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	१०	२	६	कं.	४	१६	४	१२	४	८
कं. अं.	५	४	५	०	४	५६	४	५२	४	४८	४	४४	४	४०	४	३६	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०	तु.	६	३३	६	२९	६	२५

का. शु. १२ चं. इ. ७।२८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	२	६	१	५	१०	२	८
०	२३	१५	२	२४	५	३	३
८	३८	१८	५१	५३	१९	१०	१०
१	५०	५	१७	१९	२६	५९	५९
६०	५२ २२	२७	७ ३६	७५	१	३	३
४६	व.	५६	व.	८	५७	११	११

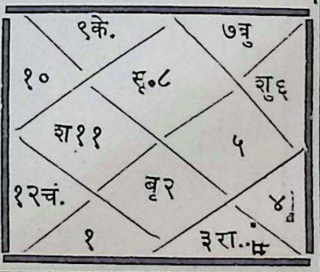

दि.मा. घ.प.		ति.	वा.	घ.प.		न.	घ.प.		यो.	घ.प.		क.	घ.प.		क.	घ.प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा. घ. प.			सू. उ. घं. मि.		सू. अ. घं. मि.		औ. स्पष्ट सूर्यः रा. अं. क. वि.				गतिः क. वि.	
२६	३२	१	शु.	३०	३६	कृ.	४	१९	प.	०/५२	५/२०	वा.	३	२६	कौ.	३०/५[illegible]	३६/७२	छत्र	२०	१५	४				६	४४	५	१६	७	३	५०	५६	६०	५३
२६	२९	२	श.	२३	४७	रो.	२/५७	६/९	सि.	४४	३१	ग.	२३	४७	व.	५१	१५	श्रीवत्स	२१	१६	५	मि.	२९	३७	६	४४	५	१६	७	४	५१	४२	६०	५४
२६	२६	३	र.	१८	४३	आ.	५४	५६	सा.	३६	३	वि.	१८	४३	वव	४५	५०	ध्वांक्ष	२२	१७	६				६	४४	५	१६	७	५	५२	२८	६०	५५
२६	२४	४	चं.	१२	५८	पु.	४८	४९	शु.	२८	३७	वा	१२	५८	कौ.	४०	११	धूम्र	२३	१८	७	क.	३५	२१	६	४५	५	१५	७	६	५३	१४	६०	५६
२६	२३	५	मं.	७	२४	पुन	४४	३८	शु.	२०	४०	तै.	७	२४	ग.	३४	५५	प्रवर्ध.	२४	१९	८				६	४५	५	१५	७	७	५४	१०	६०	५६
२६	२१	६	बु.	२/५७	२७/६	श्ले.	४१	३६	ब्र.	१३	२६	व.	२	२७	वि.	३६/५७	०/६	रक्ष	२५	२०	९	सिं.	४१	३६	६	४५	५	१५	७	८	५५	६	६०	५६
२६	२०	८	बृ.	५४	३७	म.	३९	५३	ऐं.	६	५३	व.	२६	२१	कौ.	५४	३७	मुसल	२६	२१	१०				६	४५	५	१५	७	९	५६	२	६०	५६
२६	१८	९	शु.	५१	३५	पू.	३६	४६	वै.	५/५५	३/८	तै.	२३	६	ग.	५१	३५	सिद्धि	२७	२२	११	कं.	५१	३६	६	४६	५	१४	७	१०	५६	५८	६०	५६
२६	१७	१०	श.	५१	१३	उ.	३६	४	प्री.	५१	५	व.	२१	२४	वि.	५१	१३	उत्पात	२८	२३	१२				६	४६	५	१४	७	११	५७	५४	६०	५६
२६	१५	११	र.	५०	५७	ह.	३६	१९	आ.	४७	५६	व.	२१	५	व.	५०	५७	मानस	२९	२४	१३				६	४६	५	१४	७	१२	५८	५०	६०	५६
२६	१४	१२	चं.	५२	१८	चि.	३७	३४	सौ.	४६	३९	कौ.	२१	५०	तै.	५२	१८	मुद्गर	३०	२५	१४	तु.	६	५७	६	४७	५	१३	७	१३	५९	४६	६०	५६
२६	१३	१३	मं.	५४	५७	स्वा	४४	४०	शो.	४४	१०	ग.	२३	३७	व.	९४	५७	ध्वज	१	२६	१५				६	४७	५	१३	७	१५	०	४२	६०	५६
२६	११	१४	बु.	५८	४५	वि.	४४	३९	अ.	४३	५३	वि.	२६	५१	श.	५८	४५	धाता	२	२७	१६	वृ.	२८	३९	६	४७	५	१३	७	१६	१४	३८	६०	५६
२६	१०	३०	बृ.	६०	०	अ.	४९	३९	सु.	४५	८	च.	३०	३३	ना.	६०	०	आनन्द	३	२८	१७				६	४७	५	१३	७	१७	१५	३४	६०	५६
२६	९	३०	शु.	२	२१	ज्ये.	५५	२८	धृ.	४६	५०	ना.	२	२१	किं.	३४	३६	चर	४	२९	१८	ध.	५५	२८	६	४८	५	१२	७	१८	१६	३०	६०	५७

श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः। नवम्बर २०से दिसम्बर ४ तक। शिशिर ऋतुः याम्यायनगोलौ।

तुलायां शुक्रः १०।४६।

भ. ५१।१५ उ.। स. सि. योगः २।६ या.।

भ. १८।४३ या.।

दक्षिणपश्चिमौ यात्रा मु. ३५।२१ या.। ततः उदीच्यां यात्राa

औषधि निर्माण मु.।

भ. २।२७ उ. ३१।० या.। स्वाती भे शुक्रः ३१।३१।*

उग्र कर्म मु.। aमु.। या. ज़. मु. १२।५ उ. ४८।४९ या.।

पूर्वास्तं बुधः ३१।३२।

भ. २१।२४ उ. ५१।१३ या.। अनु. या बुधः ७।२०।

उत्पत्ति ११ स्मार्तानाम्। स. सि. योगः ३६।१९ या.।

उत्पत्ति ११ वैष्णवानाम्। या. ज. मु. ५२।१८ उ.।

दिसम्बर। भ. ५४।५७ उ.। प्रदोष व्रतम्।

भ. २६।५१ या.। ज्येष्ठायां रविः ३३।५१। स.सि. अ. सि.b

b योगः ४४।३९ उ.। मा. शिव. व्रतम्।

*वृश्चिके बुधः ५१।४१।

मा. कृ. ४ चं. इ. ६।५५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	२	६	१	६	१०	२	८
७	२२	२५	१	३	५	२	२
१४	२	३३	५८	३९	३३	४८	४८
१९	१६	३७	५	१५	५	४४	४४
६०	२०/५६	९७	७/३३	७८	१	३	३
५६	व.	३२	व.	८	५७	११	११

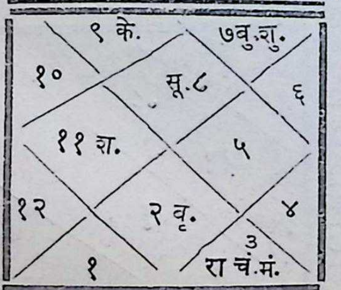

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु		२ श.		३ र.		४चं.		५ मं.		६ बु.		८ बृ.		९ शु		१० श.		११ र.		१२चं.		१३ मं.		१४बु.		३० बृ.		३० शु.	
तृ. अं.	८	३७	८	३३	८	२९	८	२४	८	२०	८	१६	८	११	८	७	८	३	७	५८	७	५४	७	४९	७	४५	७	४१	७	३६
ध. अं.	१०	४२	१०	३८	१०	३४	१०	२९	१०	२५	१०	२१	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	३	९	५९	९	५४	९	५०	९	४६	९	४१
म. अं.	१२	२७	१२	२३	१२	१९	१२	१४	१२	१०	१२	६	१२	१	११	५७	११	५३	११	४८	११	४४	११	३९	११	३५	११	३१	११	२६
कुं. अं.	१	५९	१	५५	१	५१	१	४६	१	४२	१	३८	१	३३	१	२९	१	२५	१	२०	१	१६	१	११	१	७	१	३	१२	५८
मी. अं.	३	२७	३	२३	३	१९	३	१४	३	१०	३	६	३	१	२	५७	२	५३	२	४८	२	४४	२	३९	२	३५	२	३१	२	२६
मे. अ.	५	५	५	१	४	५७	४	५२	४	४८	४	४४	४	३९	४	३५	४	३१	४	२६	४	२२	४	१७	४	१३	४	९	४	४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	७	१	६	५७	६	५३	६	४८	६	४४	६	४०	६	३५	६	३१	६	२७	६	२२	६	१८	६	१३	६	९	६	५	६	०
मि. अं.	९	१५	९	११	९	७	९	२	८	५८	८	५४	८	४९	८	४५	८	४१	८	३६	८	३२	८	२७	८	२३	८	१९	८	१४
क. अं.	११	३४	११	३०	११	२६	११	२१	११	१७	११	१३	११	८	११	४	११	०	१०	५५	१०	५१	१०	४६	१०	४२	१०	३८	१०	३४
सिं. अं.	१	४९	१	४५	१	४१	१	३६	१	३२	१	२८	१	२३	१	१९	१	१५	१	१०	१	६	१	१	१२	५७	१२	५३	१२	४८
कं. अं.	४	३	३	५९	३	५५	३	५०	३	४६	३	४२	३	३७	३	३३	३	२९	३	२४	३	२०	३	१५	३	११	३	७	३	२
तु. अं.	६	२०	६	१६	६	१२	६	७	६	३	५	५९	५	५४	५	५०	५	४५	५	४१	५	३७	५	३२	५	२८	५	२४	५	१९

मा. कृ. १२ चं. इ. ६।२२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	२	७	१	६	१०	२	८
१४	१९	६	१	१२	५	२	२
२०	३५	५६	४	२५	४६	२६	२६
३७	४४	२२	५३	११	४४	२९	२९
६०	२०/५६	१०३	७/३६	७५	३	३	३
५६	व.	३२	व.	८	९	११	११

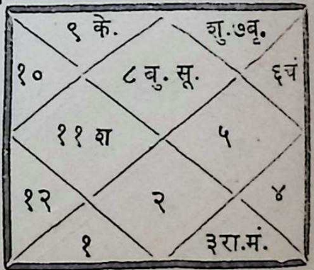

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घ.	मि.	सू. अ. घ.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि	गतिः क.	वि.
२६	७	१	श.	८	३०	मू.	६०	०	शू.	४७	६	व.	८	३०	वा.	४०	५४	गद	५	३०	१९				६	४८	५	१२	७	१९	१७	२६	६०	५८
२६	६	२	र.	१४	१८	मू.	१	४८	गं.	४८	१७	कौ.	१४	१८	तै.	४७	७	सिद्धि	६	१	२०				६	४८	५	१२	७	२०	१८	२२	६०	५९
२६	४	३	चं.	१९	५६	पू.	८	१६	बृ	४९	११	ग.	१९	५६	व.	५१	४५	उत्पात	७	२	२१	म.	२४	४३	६	४९	५	११	७	२१	१९	१८	६१	०
२६	३	४	मं.	२३	३५	उ.	१४	३	ध्रु	४९	३४	वि.	२३	३५	बव	५५	५२	मानस	८	३	२२				६	४९	५	११	७	२२	२०	२४	६१	०
२६	१	५	बु.	२७	१०	श्र.	१९	६	व्या	५०	१३	बा.	२७	१०	कौ.	५८	२५	छत्र	९	४	२३	कुं	५१	१४	६	४९	५	११	७	२३	२१	३०	६१	२
२६	०	६	बृ.	२९	४०	ध.	२३	२१	ह.	४८	४	तै.	२९	४०	ग.	६०	०	श्रीवत्स	१०	५	२४				६	५०	५	१०	७	२४	२२	३६	६१	५
२५	५८	७	शु.	३०	४९	श.	२७	४२	व.	४६	४०	ग.	०	१४	व.	३०	४९	सौम्य	११	६	२५	मी.	५८	२६	६	५०	५	१०	७	२५	२३	४२	६१	८
२५	५७	८	श.	३०	४९	पू.	२९	५१	सि.	४२	२	वि.	०	४७	बव	३०	४९	काल	१२	७	२६				६	५०	५	१०	७	२६	२४	४८	६१	११
२५	५६	९	र.	२३	२	उ.	२०	५०	व्य.	३५	३	कौ.	२९	२	तै.	५७	५३	सुस्थिर	१३	८	२७				६	५०	५	१०	७	२७	२५	५४	६१	१५
२५	५५	१०	चं.	२६	४५	रे.	२९	४२	व.	३२	५३	ग.	२६	४५	व.	५४	५९	मातंग	१४	९	२८	मे.	२९	४२	६	५०	५	१०	७	२८	२	०	६१	१९
२५	५४	११	मं.	२३	१४	अ.	२८	२३	प	२६	५४	वि.	२३	१४	बव	५१	२९	अमृत	१५	१०	२९				६	५१	५	९	७	२९	२८	४९	६१	२३
२५	५२	१२	बु.	२०	५४	भ.	२६	५	शि.	२०	१४	वा.	२०	५४	कौ.	४७	२९	काण	१६	११	१	वृ.	४०	१९	६	५१	५	९	८	०	३०	१४	६१	२५
२५	५१	१३	बृ.	१४	४	कृ.	२३	३	सि.	१४	७	तै.	१४	४	ग.	४१	१०	लुम्ब	१७	१२	२				६	५१	५	९	८	१	३१	३९	६१	२५
२५	५०	१४	शु.	८	१६	रो.	१९	१४	सा	६ ५७	१० ४४	व.	८	१६	वि.	३५	२३	मित्र	१८	१३	३	मि.	४७	२५	६	५१	५	९	८	२	३३	४	६१	२५
२५	४९	१५	श.	२	३१	मृ.	१५	३७	शु.	४९	४९	व.	२	३१	वा.	३४	३६	वज्र	१९	१४	४				६	५१	५	९	८	३	३४	२९	६१	२५

श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः।
दिसम्बर ५ से १९ तक। याम्यायन गोलौ। शिशि. ऋ.।

ज्येष्ठायां बुधः ४२।४८। चन्द्रदर्शनम्।
विशाखायां शुक्रः ९।०। शावान। स. सि. योगः १।४८ या.।
भ. ५१।४५ उ.। या. ज. मु. ८।१६ उ. १९।५६ या.।
भ. २३।३५ या.। श्रवसि दक्षिणपूर्वौ यात्रा मु.।
वक्रगत्या पुनः मेषे गुरुः ५९।३। पञ्चकारम्भः ५१।१४। a
चम्पा ६। प्रतीच्यां यात्रा मु. २३।२१ या.। d २८।२३ या.।
भ. ३०।४९ उ.। a दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु. ५१।१४ या.।
भ. ०।४७ या.। c स. सि. अ. सि. योगः प्राच्यां यात्रा मु. d
धनुषि बुधः २७।४३। स. सि. या. ज. योगः २९।२ या.।
भ.५४।५९उ.। वृश्चिके भृगु. ७।३६। पञ्चक समाप्त २९।४२।
भ.२३।१४या.। मूलेधनुष्यर्कः२८।१४। मोक्षदा ११ सर्वेषाम्। c
अनुराधायां शुक्रः ४७।३६। प्रदोष व्रतम्। सौरपौषारम्भः।
f १९।१४ उ. ४७।२५ या.। b पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. *
भ. ८।१६ उ. ३५।२३ या.। दत्त जयंती। दक्षिण यात्रा मु. f
पश्चिमोदयं बुधः। प्रतीच्यां यात्रा मु.। * २९।४२ या.।

मा. शु. ३ चं. इ. ५।४८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	२	७	१	६	१०	२	८
२१	१७	१९	०	२१	६	२	२
२३	९	१	११	११	८	४	४
४	१२	६	४१	७	४७	१४	१४
६१	१६/५८	१०२	३ ४/६	७५	३	३	३
६	व	२०	व	८	९	११	११

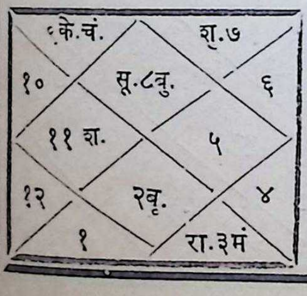

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.		२ र.		३ चं.		४ म.		५बु.		६ बृ.		७ शु.		८ श.		९ र.		१० चं.		११ मं.		तिथयः	१२ बु.		१३ बृ.		१४ शु.		१५ श.	
वृ. अं.	७	३२	७	२८	७	२३	७	१९	७	१५	७	१०	७	६	७	२	६	५७	६	५३	६	४९	ध. अं.	८	५०	८	४६	८	४२	८	३७
ध. अं.	९	३७	९	३३	९	२८	९	२४	९	२०	९	१५	९	११	९	७	९	२	८	५८	८	५४	म. अं.	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२२
म. अं.	११	२२	११	१८	११	१३	११	९	११	५	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४७	१०	४३	१०	३९	कुं. अं.	१२	७	१२	३	११	५९	११	५४
कु. अं.	१२	५४	१२	५०	१२	४५	१२	४१	१२	३७	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	१९	१२	१५	१२	११	मी. अं.	१	३५	१	३१	१	२७	१	२२
मी. अं.	२	२२	२	१७	२	१३	२	९	२	५	२	०	१	५६	१	५२	१	४७	१	४३	१	३९	मे. अं.	३	१३	३	९	३	५	३	०
मे. अं.	४	०	३	५६	३	५१	३	४७	३	४३	३	३८	३	३४	३	३०	३	२५	३	२१	३	१७	वृ. अं.	५	९	५	५	५	१	४	५६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	५	५६	५	५२	५	४७	५	४३	५	३९	५	३४	५	३०	५	२६	५	२१	५	१७	५	१३	मि. अं.	७	२३	७	१९	७	१५	७	१०
मि. अं.	८	१०	८	६	८	१	७	५७	७	५३	७	४८	७	४४	७	४०	७	३५	७	३१	७	२७	क्र. अं,	९	४२	९	३८	९	३४	९	२९
क. अं.	१०	२९	१०	२५	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	७	१०	३	९	५९	९	५४	९	५०	९	४६	सिं. अं.	११	५७	११	५३	११	४९	११	४४
सिं. अं.	१२	४४	१२	४०	१२	३५	१२	३१	१२	२७	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	९	१२	५	१२	१	क. अं.	२	११	२	७	२	३	१	५८
कं. अं.	२	५८	२	५४	२	४९	२	४५	२	४१	२	३६	२	३२	२	२८	२	२३	२	१९	२	१५	तु. अं.	४	२८	४	२४	४	२०	४	१५
तु. अं.	५	१५	५	११	५	६	५	२	४	५८	४	५३	४	४९	४	४५	४	४०	४	३६	४	३२	वृ. अं.	६	४५	६	४१	६	३७	६	३२

मा. शु. १० चं. इ. ५।१५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	२	८	०	६	१०	२	८
२८	१४	०	२९	२९	६	१	१
३७	४२	५९	३९	५७	३०	४२	४२
५९	४०	१३	२९	३	५५	५९	५९
६१	१०/५६	१५	३ ४/६	७५	४	३	३
२५	व	८	व	८	२१	११	११

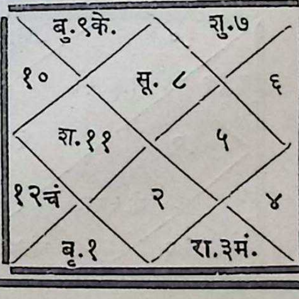

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ.स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ पौष कृष्णपक्षः। दिसम्बर २०से जनवरी१ सन् १९६५ई० तक। याम्यानगोलौ। शि.ऋ.
२५	४८	१	र.	६/२	४/५७	आ.	११	५१	व्र.	४१	५८	तै.	२३	४	ग.	३२	५९	ध्वांक्ष	२०	१५	५	क.	५३	१७	६	५०	५	१०	८	४	३५	५४	६१	२५	दक्षिण यात्रा मु. ५८।१७ या.।
२५	४८	३	चं.	४५	२४	पुन	७	६	ऐं.	३४	३१	व	१८	१०	वि.	४५	२४	धूम्र	२१	१६	६				६	५०	५	१०	८	५	३७	१९	६१	२५	भ. १८।१०उ. ४५।२४या.।सायन उत्तरे रविः। या.ज.मु.a
२५	४८	४	मं.	४०	५७	पु.	३/५९	०/३६	वै.	२७	१८	ब.	१२	५५	वा.	४०	५७	प्रवर्ध.	२२	१७	७	सिं.	५९	३६	६	५०	५	१०	८	६	३८	३४	६१	२५	पू. षा. बुधः २।३६।
२५	४९	५	बु.	३६	५	म.	५६	४८	वि.	२०	३०	कौ.	८	१६	तै.	३६	५	चर	२३	१८	८				६	५०	५	१०	८	७	३९	४९	६१	२५	a ७।६ या.। प्रतीच्यां यात्रा मु.।
२५	५०	६	गु.	३३	५४	पू.	५५	४३	प्री.	१४	२४	ग.	४	५९	व.	३३	५४	गद	२४	१९	९				६	५०	५	१०	८	८	४१	४	६१	२५	भ. ३३।५४ उ.।
२५	५१	७	शु.	३०	३३	उ.	५२	३४	आ.	८	९	वि.	२	१३	वव	३०/५९	३३/५९	शुभ	२५	२०	१०	कं.	१०	१०	६	५०	५	१०	८	९	४२	१९	६१	२५	भ. २।१३ या.।
२५	५२	८	श.	२९	२७	हृ.	५३	३२	सौ.	६	३१	कौ.	२९	२७	तै.	५९	२४	मृत्यु	२६	२१	११				६	४९	५	११	८	१०	४३	३४	६१	२५	दक्षिण यात्रा मु. तिथि दानात्।
२५	५३	९	र.	२९	२०	चि.	५४	४२	शो.	१/५८	१/५९	ग.	२९	२०	व.	६०	०	पद्म	२७	२२	१२	तु.	२४	३७	६	४९	५	११	८	११	४४	४९	६१	२५	ज्येष्ठा भे शुक्रः २५।३३। b ३०।५५ उ. ५७।० या.।
२५	५४	१०	चं.	३०	५५	स्वा	५७	०	सु.	५७	२१	व.	०	७	वि.	३०	५५	छत्र	२८	२३	१३				६	४९	५	११	८	१२	४६	४	६१	२५	भ. ०।७ उ. ३०।५५ या.। पू. षा. रविः ३०।५३। या. ज. मु.b
२५	५५	११	मं.	३३	३९	वि.	६०	०	धृ.	५७	५१	व.	२	१७	वा.	३३	३९	श्रीवत्स	२९	२४	१४	वृ.	४६	श१	६	४९	५	११	८	१३	४७	२९	६१	२५	सफला ११ सर्वेषाम्।
२५	५६	१२	बु.	३७	२५	वि.	०	२१	शू.	५८	७	कौ.	५	३२	तै.	३७	२५	धाता	३०	२५	१५				६	४८	५	१२	८	१४	४८	५४	६१	२५	स. सि. अ. सि. योगः ०।२१ उ.।
२५	५७	१३	गु.	४२	४	अ.	५	४६	गं.	५८	०	ग.	९	४४	व.	४२	४	आनंद	३१	२६	१६				६	४८	५	१२	८	१५	५०	१९	६१	२५	भ. ४२।४ उ.। प्रदोषव्रतम्। या. ज. मु. ५।४६ या.।
२५	५८	१४	शु.	४७	२८	ज्ये.	११	२७	वृ.	५९	१६	वि.	१४	४६	श.	४७	२८	चर	१	२७	१७	ध.	११	२७	६	४८	५	१२	८	१६	५१	४४	६१	२५	जनवरी १९६५ ई०। भ. १४।४६ या.।
२५	५९	३०	श.	५३	६	मू.	१७	४२	ध्रु.	६०	०	च.	२०	१७	ना.	५३	९	गद	२	२८	१८				६	४७	५	१३	८	१७	५३	९	६१	२५	उ. षा. बुधः ३५।४८।

पौ. कृ. ३ चं. इ. ७।३७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	२	८	०	७	१०	२	८
५	१३	१२	२९	८	७	१	१
४६	२५	५	७	४२	१	२०	२०
४३	३१	९	१७	५९	१७	४४	४४
६१	६/३९	८१	२/१६	७६	४	३	३
१५	व.	३२	व.	१०	२१	११	११

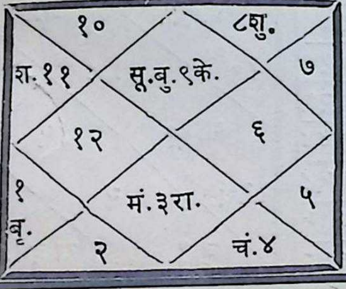

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.		३ चं.		४ मं.		५ बु.		६ बृ.		७ शु.		८ श.		९ र.		१० चं.		११ मं.		१२ बु.		१३ बृ.		१४ शु.		३० श	
ध. अं.	८	३३	८	२९	८	२४	८	२०	८	१५	८	११	८	७	८	२	७	५८	७	५४	७	४९	७	४५	७	४१	७	३६
म. अं.	१०	१८	१०	१४	१०	९	१०	५	१०	०	९	५६	९	५२	९	४७	९	४३	९	३९	९	३४	९	३०	९	२६	९	२१
कुं. अं.	११	५०	११	४६	११	४१	११	३७	११	३२	११	२८	११	२४	११	१९	११	१५	११	११	११	६	११	२	१०	५८	१०	५३
मी. अं.	१	१८	१	१४	१	९	१	५	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४७	१२	४३	१२	३९	१२	३४	१२	३०	१२	२६	१२	२१
मे. अं.	२	५६	२	५२	२	४७	२	४३	२	३८	२	३४	२	३०	२	२५	२	२१	२	१७	२	१२	२	८	२	४	१	५९
वृ. अं.	४	५२	४	४८	४	४३	४	३९	४	३४	४	३०	४	२६	४	२१	४	१७	४	१३	४	८	४	४	४	०	३	५५
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मि. अं.	७	६	७	२	६	५७	६	५३	६	४८	६	४४	६	४०	६	३५	६	३१	६	२७	६	२२	६	१८	६	१४	६	९
क. अं.	९	२५	९	२१	९	१६	९	१२	९	७	९	३	८	५९	८	५४	८	५०	८	४६	८	४१	८	३७	८	३३	८	२८
सिं. अं.	११	४०	११	३६	११	३१	११	२७	११	२३	११	१८	११	१४	११	९	११	५	११	१	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४३
कं. अं.	१	५४	१	५०	१	४५	१	४१	१	३६	१	३२	१	२८	१	२३	१	१९	१	१५	१	१०	१	६	१	२	१२	५७
तु. अं.	४	११	४	७	४	२	३	५८	३	५३	३	४९	३	४५	३	४०	३	३६	३	३२	३	२७	३	२३	३	१९	३	१४
वृ. अं.	६	२८	६	२४	६	१९	६	१५	४	१०	६	६	६	२	५	५७	५	५३	५	४९	५	४४	५	४०	५	३६	५	३१

पौ. कृ. १० चं. इ. ९।५८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	२	८	०	७	१०	२	८
१२	१२	२१	२८	१७	७	०	०
५६	३८	३५	११	३६	३१	५८	५८
१८	५८	५३	२५	९	४४	२९	२९
६१	६/३९	५६	२/१६	७६	५	३	३
२५	व.	२०	व.	१७	२३	११	११

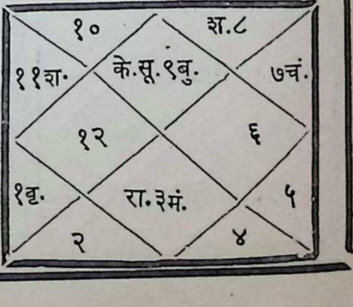

दि. मा.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ	पं.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२६	०	१	र.	५७	४०	पू.	२४	१०	ध्रु.	०	२७	किं.	२५	२३	वव	५७	४०	शुभ	३	२९	१९	म.	४१	८	६	४७	५	१३	८	१८	५४	३४	६१	२५
२६	१	२	चं.	६०	०	उ.	३२	३	व्या	१	२८	बा.	२९	५०	कौ.	६०	०	मृत्यु	४	३०	२०				६	४७	५	१३	८	१९	५५	५९	६१	२४
२६	३	२	मं.	२	२०	श्र.	३७	४६	ह.	१	५८	कौ.	२	२०	तै.	३३	५९	पद्म	५	१	२१				६	४७	५	१३	८	२०	५७	१४	६१	२४
२६	४	३	बु.	५	३९	ध.	४२	३४	व.	१	४६	ग.	५	३९	व.	३६	५५	मित्र	६	२	२२	कुं.	१०	१०	६	४६	५	१४	८	२१	५८	२९	६१	२४
२६	६	४	गु.	८	११	श.	४६	२९	सि.	० ५८	५८ ५६	वि.	८	११	व.	३८	१२	वज्र	७	३	२३				६	४६	५	१४	८	२२	५९	४४	६१	२४
२६	७	५	शु.	८	१३	पू.	४३	५१	व.	५७	८	वा.	८	१३	कौ.	३८	४५	ध्वांक्ष	८	४	२४	मी.	३०	१७	६	४६	५	१४	८	२४	०	५९	६१	२३
२६	९	६	श.	८	५७	उ.	५०	९	प.	५३	९	तै.	८	५७	ग.	३८	१३	धूम्र	९	५	२५				६	४६	५	१४	८	२५	२	१४	६१	२३
२६	१०	७	र.	७	३०	रे.	४८	५८	शि.	४७	१७	व.	७	३०	वि	३५	४	प्रवर्ध.	१०	६	२६	मे.	४८	५८	६	४५	५	१५	८	२६	३	२९	६१	२३
२६	११	८	चं.	४	३९	अ.	४८	५२	सि.	३९	३०	व.	४	३९	वा.	३२	५७	रक्ष	११	७	२७				६	४५	५	१५	८	२७	४	४४	६१	२३
२६	१४	९	मं.	१ ५६	१५ ५१	भ.	४४	५१	सा.	३५	१०	कौ.	१	१५	तै.	२९ ६	४० ४१	मुसल	१२	८	२८	वृ.	५९	३८	६	४५	५	१५	८	२८	६	९	६१	२३
२६	१५	११	बु.	५१	४९	कृ.	४३	५९	शु.	२९	१७	व.	२४	२०	वि.	५१	४९	सिद्धि	१३	९	२९				६	४५	५	१५	८	२९	७	३४	६१	२३
२६	१६	१२	गु.	४६	१८	रो.	४०	३४	शु.	२१	२६	व.	१९	३	वा	४६	१८	उत्पात	१४	१०	१				६	४४	५	१६	९	०	८	५३	६१	२३
२६	१७	१३	शु.	४०	२५	मृ.	३८	४२	ब्र.	१२	५८	कौ.	१३	२१	तै.	४०	२५	मानस	१५	११	२	मि.	९	३४	६	४४	५	१६	९	१	१०	२४	६१	२२
२६	१९	१४	श.	३४	३६	आ.	३१	५९	ऐं	[illegible] ५४	१७ ८	ग.	७	३०	व.	३४	३६	मुद्गर	१६	१२	३				६	४३	५	१७	९	२	११	४९	६१	२०
२६	२०	१५	र.	२८	५५	पुन	२८	१४	वि.	५०	१५	वि.	१	४५	वव	२८	५५	ध्वज	१७	१३	४	क.	१४	१०	६	४३	५	१७	९	३	१३	१४	६१	१८

श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ पौष शुक्लपक्ष। जन. ३
१७ तक। याम्यायन गोलौ। मकरार्कतः सौम्यायनम्।

उत्तरायोगे या. ज. मु.। e स्मा०। स. सि. योगः।
वक्री बुधः ५१।२। चन्द्रदर्शनम्। श्रावसि दक्षिणयात्रामु.।
रमजान। दक्षिणपूर्वौ यात्रा मु.। gयोगे या. ज. मु.।
भ. ३६।५५ उ.। पञ्चकारम्भः १०।१०।
भ. ८।११ या.। धनुषि शुक्रः ०।७। पश्चिमास्तं बुधः।
उग्र कर्म मु.। iसमाप्त ४८।५८। अश्विन्यां स. सि. योग :
मार्गीभौमः ५।४९। रेवत्यां प्रतीच्यां यात्रा मु.। सप्तमीg
भ. ७।३० उ. ३५।४ या.। उ. षा. रविः ३०।५४। पञ्चकI
भरणीयोगे या.ज. मु.। Iसमाप्त४८।५८।
तीक्ष्ण कर्म मु.। fमासारम्भः। वृषेराहुःवृश्चिके केतुश्च१७।५९
भ. २४।२० उ. ५१।४९ या.। मकरेऽर्कः ४०।७। पुत्रदा ११e
मार्गी गुरुः ५४।५८। पुत्रदा ११ वैष्ण० भागवतानाम्। सौरf
प्रदोष व्रतम्। दक्षिणस्यां यात्रा मु.।
भ. ३४।३६ उ.। h या. ज. मु. २८।१४ या.।
भ. १।४५ या.। पू. षा. शुक्रः ३१।३७। माघस्नानप्रा.।h

पौ. शु. २ चं. इ. १२।२७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	२	८	०	७	१०	२	८
२०	११	२८	२८	२६	८	०	०
६	५२	१०	३५	२९	९	३६	३६
४६	२५	१३	३३	१९	२५	१४	१४
६१	६ ३९	९	१ ४	७६	५	३	३
१५	व.	८	व.	२४	२३	११	११

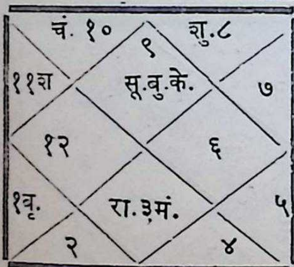

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.		२चं.		२ म.		३ बु.		४ बृ.		५ शु.		६ श.		७ र.		८ चं.		९ मं.		११ बु.		तिथयः	१२बृ.		१३ शु.		१४ श.		१५ र.	
ध. अं.	७	३२	७	२७	७	२३	७	१८	७	१४	७	१०	७	५	७	१	६	५६	६	५२	६	४७	म. अ.	८	२९	८	२४	८	२०	८	१६
म. अं.	९	१७	९	१२	९	८	९	३	८	५९	८	५५	८	५०	८	४६	८	४१	८	३७	८	३२	कुं. अं.	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८
कुं. अं.	१०	४९	१०	४४	१०	४०	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२२	१०	१८	१०	१३	१०	९	१०	४	मी.अं.	११	२८	११	२४	११	२०	११	१६
मी. अं.	१२	१७	१२	१२	१२	८	१२	३	११	५९	११	५५	११	५०	११	४६	११	४१	११	३७	११	३२	मे अं	१	६	१	२	१२	५८	१२	५४
मे. अं.	१	५५	१	५०	१	४६	१	४१	१	३७	१	३३	१	२८	१	२४	१	१९	१	१५	१	१०	व अं.	३	२	२	५८	२	५४	२	५०
वृ. अं.	३	५१	३	४६	३	४२	३	३७	३	३३	३	२९	३	२४	३	२०	३	१५	३	११	३	६	मि. अं.	५	१६	५	१२	५	८	५	४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	रा०		रा०		रा०		रा०	
मि. अं.	६	५	६	०	५	५६	५	५१	५	४७	५	४३	५	३८	५	३४	५	२९	५	२५	५	२०	क. अं.	७	३५	७	३१	७	२७	७	२३
क. अं.	८	२४	८	१९	८	१५	८	१०	८	६	८	२	७	५७	७	५३	७	४८	७	४४	७	३९	सिं.अं.	९	५०	९	४६	९	४२	९	३८
सिं. अं.	१०	३९	१०	३४	१०	३०	१०	२५	१०	२१	१०	१७	१०	१२	१०	८	१०	३	९	५९	९	५४	कं. अं.	१२	४	१२	०	११	५६	११	५२
कं. अं.	१२	५३	१२	४८	१२	४४	१२	३९	१२	३५	१२	३१	१२	२६	१२	२२	१२	१७	१२	१३	१२	८	तु. अं.	२	२१	२	१७	२	१३	२	९
तु. अं.	३	१०	३	५	३	१	२	५६	२	५२	२	४८	२	४३	२	३९	२	३४	२	३०	२	२५	वृ. अं.	४	३८	४	३४	४	३०	४	२६
वृ. अं.	५	२७	५	२२	५	१८	५	१३	५	९	५	५	५	०	४	५६	४	५१	४	४७	४	४२	ध. अं.	६	४३	६	३९	६	३५	६	३१

पौ. शु. ८ चं. इ. १४।४२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	२	८	०	८	१०	२	८
२७	११	२७	२८	५	८	०	०
२६	५	६	२८	२२	४७	१३	१३
३०	२२	१	५	२९	६	५९	५८
६१	८ ५०	४९ ५२	१ ४	७६	६	३	३
२५	व	व	व	२४	२१	११	११

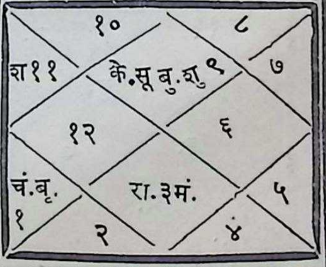

श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ माघ कृष्ण पक्षः। जन. १८ से फर. १ तक। सौम्यायनम्। याम्यगोलः। हेमन्त ऋतु

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	आं. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	
२६	२२	१	चं.	२३	२४	पु.	२४	४२	प्री.	४१	२३	कौ.	२३	२४	तै	५०	५८	धाता	१८	१४	५				६	४३	५	१७	९	४	१४	३९	६१	१६	स. सि. योगः प्रतीच्यां यात्रा मु.।
२६	२४	२	मं.	१८	३२	श्ले.	२१	२८	आ.	३५	२९	ग.	१८	३२	व	४६	३२	आनंद	१९	१५	६	सिं.	२१	२८	६	४२	५	१८	९	५	१५	५४	६१	१५	भ. ४६।३२ उ.।
२६	२६	३	बु.	१४	३२	म.	१७	४७	सौ.	२९	११	वि.	१४	३२	बव	४२	५२	चर	२०	१६	७				६	४१	५	१९	९	६	१७	९	६१	१४	भ. १४।३२ या.। गणेश ४ व्रतम् (संकष्ठी)।
२६	२९	४	बृ.	११	१२	पू.	१५	३७	शो.	२३	४०	वा.	११	१२	कौ.	४०	१२	गद	२१	१७	८	कं.	३०	३२	६	४१	५	१९	९	७	१८	२४	६१	१३	उत्तरायोगे या. ज. मु.।
२६	३१	५	शु.	९	१२	उ.	१५	१९	अ.	१९	११	तै.	९	१२	ग.	३८	३४	शुभ	२२	१८	९				६	४१	५	१९	९	८	१९	३९	६१	१२	पूर्वस्यां यात्रा मु.।
२६	३४	६	श.	७	५७	ह.	१५	१०	सु.	१५	१२	व.	७	५७	वि.	३८	८	मृत्यु	२३	१९	१०	तु.	४५	३६	६	४०	५	२०	९	९	२०	४४	६१	११	भ. ७।५७ उ. ३८।८ या.। श्रवणेरविः ३७।३।
२६	३६	७	र.	८	१९	चि.	१६	३	धृ.	१२	२७	व.	८	१९	वा.	३८	३३	पद्म	२४	२०	११				६	३९	५	२१	९	१०	२१	५९	६१	१०	a २६।१७ या.।
२६	३९	८	चं.	९	४७	स्वा	१८	१५	शू.	१०	१८	कौ	९	४७	तै.	४०	११	छत्र	२५	२१	१२				६	३९	५	२१	९	११	२३	१४	६१	९	या. ज. मु. ९।४७ उ. १८।१५ या.।
२६	४२	९	मं.	१२	३६	वि.	२१	५९	गं.	९	५९	ग.	१२	३६	व.	४४	३२	श्रीवत्स	२६	२२	१३	वृ.	६	३	६	३८	५	२२	९	१२	२४	२०	६१	८	भ. ४४।३२ उ.। पूर्वोदयं बुधः ५२।१।
२६	४५	१०	बु.	१६	२८	ऽनु.	२६	१७	वृ.	९	२१	वि.	१६	२८	बव	४०	४७	सौम्य	२७	२३	१४				६	३७	५	२३	९	१३	२५	२६	६१	७	भ. १६।२८ या.। उ. षा. शुक्रः १२।३। स. सि. अ. सि. योगः a
२६	४८	११	बृ.	२१	७	ज्ये.	३१	२३	ध्रु.	१०	४२	वा.	२१	७	कौ.	५२	४३	कालदं.	२८	२४	१५	ध.	३१	२३	६	३७	५	२३	९	१४	२६	३२	६१	६	मार्गी बुधः ४५।२०। षट्तिला ११ सर्वेषाम्।
२६	५१	१२	शु.	२६	२०	मू.	३८	२	व्या	११	५१	तै.	२६	२०	ग.	५९	३३	स्थिर	२९	२५	१६				६	३६	५	२४	९	१५	२७	३८	६१	५	प्रदोष व्रतम्।
२६	५४	१३	श.	३१	४६	पूषा	४४	३६	ह.	१२	५९	व.	३१	४६	वि.	६०	०	मातंग	३०	२६	१७				६	३५	५	२५	९	१६	२८	४४	६१	४	भ. ३१।४६ उ.। मकरे शुक्रः ३९।५५।
२६	५८	१४	र.	३६	५०	उषा	५०	१५	व.	१४	१३	वि.	४	१८	श.	३६	५०	अमृत	३१	२७	१८	म.	१	१	६	३५	५	२५	९	१७	२९	५०	६१	२	भ. ४।१८ या.। स. सि. योगः ५०।१५ या.।
२७	१	३०	चं.	४१	१५	श्र.	५६	१	सि	१४	२४	च.	९	२	ना.	४१	१५	सिद्धि	१	२८	१९				६	३५	५	२५	९	१८	३०	५६	६०	५६	फरवरी। सोमवती ३०। तिल पात्रदानम्।

मा. कृ. १ चं. इ. १४।५८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	२	८	०	८	१०	१	७
४	१२	२१	२८	१४	९	२९	२३
३१	७	१६	२०	१५	३१	५१	५१
४६	४२	५७	३७	३९	३३	४४	४४
६१	३$\frac{६}{६}$	२$\frac{२}{४}$	$\frac{१}{४}$	७६	६०	३	३
१५	मा	व.	व.	५०	२१	११	११

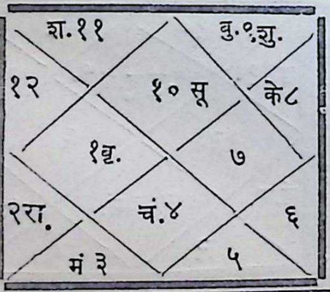

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.		२ मं.		३बु.		४ बृ.		५ शु.		६ श.		७ र.		८ चं.		९ मं.		१० बु.		११ बृ.		१२ शु.		१३ श.		१४ र.		३० चं.	
म. अं.	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९	७	३४	७	३०	७	२६	७	२२	७	१८	७	१४
कुं. अं.	९	४३	९	३९	९	३५	९	३१	९	२७	९	२३	९	१९	९	१५	९	११	९	६	९	२	८	५८	८	५४	८	५०	८	४६
मी. अं.	११	११	११	७	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	३९	१०	३४	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४
मे. अं.	१२	४९	१२	४५	१२	४१	१२	३७	१२	३३	१२	२९	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५६	११	५२
वृ. अं.	२	४५	२	४१	२	३७	२	३३	२	२९	२	२५	२	२१	२	१७	२	१३	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५२	१	४८
मि. अं.	४	५९	४	५५	४	५१	४	४७	४	४३	४	३९	४	३५	४	३१	४	२७	४	२२	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	४	२
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
क. अं.	७	१८	७	१४	७	१०	७	६	७	२	६	५८	६	५४	६	५०	६	४६	६	४१	६	३७	६	३३	६	२९	६	२५	६	२१
सिं. अं.	९	३३	९	२९	९	२५	९	२१	९	१७	९	१३	९	९	९	५	९	१	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३६
कं. अं.	११	४७	११	४३	११	३९	११	३५	११	३१	११	२७	११	२३	११	१९	११	१५	११	१०	११	६	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	५०
तु. अं.	२	४	२	०	१	५६	१	५२	१	४८	१	४४	१	४०	१	३६	१	३२	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५	१	११	१	७
वृ. अं.	४	२१	४	१७	४	१३	४	९	४	५	४	१	३	५७	३	५३	३	४९	३	४४	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४
ध. अं.	६	२६	६	२२	६	१८	६	१४	६	१०	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	४९	५	४५	५	४१	५	३७	५	३३	५	२९

मा. कृ. ३० चं. इ. १५।३१

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	२	८	०	९	१०	१	७
१८	१३	२२	२८	१	११	२९	२९
५३	४०	५९	५१	५७	०	७	७
५६	६	३७	५७	४४	२७	१४	१४
६०	६	$\frac{७२}{४४}$	$\frac{३}{२४}$	७४	७	३	३
५६	३६	मा.	मा.	२८	९	११	११

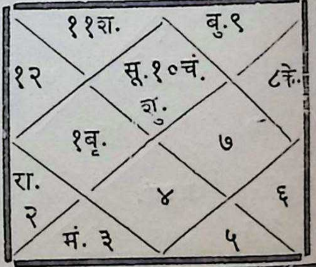

दि. मा घ.	प.	ति	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	फा	अं.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२७	५	१	मं.	४४	४३	ध.	६०	०	व्य.	१५	९	किं.	१२	५९	वव	४४	४३	उत्पा.	२	२९	२०	कुं.	२८	४०	६	३४	५	२६	९	१९	३१	५२	६०	५५
२७	८	२	बु.	४७	१	ध.	१	१९	व.	१५	३२	वा.	१५	५२	कौ.	४७	१	मित्र	३	३०	२१				६	३३	५	२७	९	२०	३२	४८	६०	५४
२७	१२	३	बृ.	४७	५४	श.	५	१९	प.	१२	५८	तै.	१७	२७	ग.	४७	५४	वज्र	४	१	२२	मी.	५२	२६	६	३२	५	२८	९	२१	३३	४४	६०	५३
२७	१५	४	शु.	४७	३०	पू.	८	८	शि.	१०	२७	व.	१७	४२	वि.	४७	३०	ध्वांक्ष	५	२	२३				६	३१	५	२९	९	२२	३४	४०	६०	५२
२७	१९	५	श.	४५	५१	उ.	९	४४	सि.	६	४५	व.	१६	४०	वा.	४५	५१	धूम्र	६	३	२४				६	३०	५	३०	९	२३	३५	३६	६०	५१
२७	२२	६	र.	४३	६	रे.	९	५३	सा.	२/५७	२४/२	कौ.	१४	२८	तै.	४३	६	प्रवर्धं.	७	४	२५	मे.	९	५३	६	३०	५	३०	९	२४	३६	३२	६०	४६
२७	२५	७	चं.	३९	२५	अ.	९	११	शु.	५१	०	ग.	११	१५	व.	३९	२५	रक्ष	८	५	२६				६	२९	५	३१	९	२५	३७	२८	६०	४६
२७	२८	८	मं.	३४	५६	भ.	८	२१	ब्र.	४४	१५	वि.	७	१०	वव	३४	५६	मुशल	९	६	२७	वृ.	२२	२१	६	२९	५	३१	९	२६	३८	१४	६०	४४
२७	३१	९	बु.	२९	४९	कृ.	४	२२	ऐं.	२७	२६	वा.	२	२२	कौ.	२९/६	४०/५७	सिद्धि	१०	७	२८				६	२८	५	३२	९	२७	३९	०	६०	४२
२७	३४	१०	बृ.	२४	६	रो.	१/५७	५/१६	वै.	२९	१६	ग.	२४	६	व.	५१	९	उत्पात	११	८	२९	मि.	२९	८	६	२७	५	३३	९	२८	३९	४६	६०	४०
२७	३७	११	शु.	१९	१२	आ.	५४	१२	वि.	२१	४४	वि.	१९	१२	वव	४५	१९	पद्म	१२	९	३०				६	२७	५	३३	९	२९	४०	३२	६०	३८
२७	४०	१२	श.	१२	२७	पुन	४९	३	प्री.	१३	५३	वा.	१२	२७	कौ.	३९	३५	छत्र	१३	१०	१	क.	३५	२०	६	२६	५	३४	१०	०	४१	१८	६०	३५
२७	४४	१३	र	६	४४	पु.	४५	२	आ.	६/५२	४७/४२	तै.	६	४४	ग.	३३	५९	श्रीवत्स	१४	११	२				६	२६	५	३४	१०	१	४२	४	६०	३३
२७	४७	१४	चं.	१/५६	५३/२६	श्ले.	४१	६	शो.	५२	४१	व.	१	२३	वि.	२०/५६	२६/२६	सौम्य	१५	१२	३	सिं.	४१	६	६	२५	५	३५	१०	२	४२	५०	६०	२८
+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+ +	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+

श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ माघ शुक्लपक्ष । फर. २
से १५ तक। सौम्यायनम्। याम्यगोलः। हेमन्त ऋतुः।

पञ्चकारम्भः। दक्षिण यात्रा मु. २८।४० या.।
चन्द्रदर्शनम् । b ९।५३। स. सि. योगः ९।५३ उ.।
शव्वाल। d फलानारम्भः। या.ज.मु.१२।२७उ.४९।३या.।
भ. १७।४२ उ. ४७।३० या.। धनिष्ठायां रविः ४१।३।
वसन्त ५। या.ज. मु.४५।५१या.। रेवत्यां पश्चिमोत्तरौ a
श्रवणे भृगुः ४१।२८। मकरे बुधः१७।५५। पञ्चक समाप्त b
भ. ३९।२५ उ.। रथ ७। भरणी योगे या.ज.मु. ९।११ उ. c
भ. ७।१० या.। भीष्माष्टमी। स. सि. योगः ८।२१ उ.।
शन्यस्तः पश्चि. २२।५। स. सि. योगः। c ३९।२५ या.।
भ. ५१।९ उ.। प्रतीच्यां यात्रा मु. २९।८ उ.।
भ. १९।१२ या.। कुम्भेऽर्कः १४।१८। जया ११ सर्वेषाम्।
श्रवणे बुधः ५६।२६। प्रदोष व्रतम्। भीष्म १२। (सौर d
स. सि. योगः ४५।२ या.। a यात्रा मु.।
भ. १।२३ उ. २९।२६ या.। पुनः मा. ग. वृषे गुरुः ३३।११।
माघ स्नान समाप्तः। या. ज. मु. १।१३ उ. ४१।६ या.।

मा. शु. ७ चं. इ. १५।४७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	२	९	०	९	१०	१	७
२५	१४	१	२९	१०	११	२८	२८
५७	२६	२८	१५	४२	५०	४४	४४
३०	१८	४५	४५	१९	३०	५९	५९
६०	२४	९१	६	७४	७	३	३
४६	५०	५६	४	२८	९	११	११

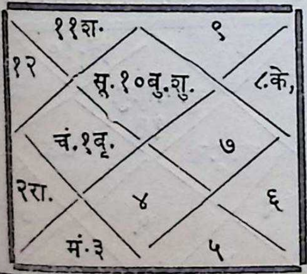

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ म.		२ बु.		३ बृ.		४ शु.		५ श.		६ र.		७ चं.		८ मं.		९ बु.		१० बृ.		११ शु.		तिथयः	१२ श		१३ र.		१४ चं.	
म. अं.	७	९	७	५	७	१	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४०	६	३६	६	३२	६	२८	कुं. अं.	७	५६	७	५२	७	४८
कुं. अं.	८	४१	८	३७	८	३३	८	२९	८	२५	८	२१	८	१७	८	१२	८	८	८	४	८	०	मी.अं.	९	२४	९	२०	९	१६
मी. अं.	१०	१०	१०	५	१०	१	९	५७	९	५३	९	४९	९	४५	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	मे. अं.	११	२	१०	५८	१०	५४
मे. अं.	११	४७	११	४३	११	३९	११	३५	११	३१	११	२७	११	२३	११	१८	११	१४	११	१०	११	६	वृ. अं.	१२	५८	१२	५४	१२	५०
वृ. अं.	१	४३	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१४	१	१०	१	६	१	२	मि.अं.	३	१२	३	८	३	४
मि. अं.	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९	३	२४	३	२०	३	१६	क. अं.	५	३१	५	२७	५	२३
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०	
क. अं.	६	१६	६	१२	६	८	६	४	६	०	५	५६	५	५२	५	४७	५	४३	५	३९	५	३५	सि.अं.	७	४६	७	४२	७	३८
सिं. अं.	८	३१	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५८	७	५४	७	५०	कं. अं.	१०	०	९	५६	९	५२
कं. अं.	१०	४५	१०	४१	१०	३७	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२१	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४	तु. अं.	१२	१७	१२	१३	१२	९
तु. अं.	१	२	१२	५८	१२	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३३	१२	२९	१२	२५	१२	२१	वृ. अं:	२	३४	२	३०	२	२६
वृ. अं.	३	१९	३	१५	३	११	३	७	३	३	२	५९	२	५५	२	५०	२	४६	२	४२	२	३८	ध. अं.	४	३९	४	३५	४	३१
घ. अं.	५	२४	५	२०	५	१६	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५५	४	५१	४	४७	४	४३	म. अं.	६	२४	६	२०	६	१६

मा. शु १४ चं. इ. १४।२१

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	२	९	०	९	१०	१	७
२	१७	१२	२९	१९	१२	२८	२८
५६	२०	१२	५८	२३	४०	२२	२२
१०	८	२७	१३	३५	३३	४४	४४
६०	२४	१०१	६	७३	७	३	३
२६	८	५६	४	३१	५७	११	११

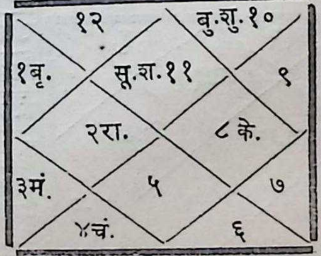

३०

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि
२७	५१	१	मंः	५३	७	म.	३८	१९	अ.	४६	१९	वा.	२४	४६	कौ.	५३	७	कालदं.	१६	१३	४				६	२४	५	३६	१०	३	४३	१६	६०	२६
२७	५४	२	बु.	४६	२०	पूफा	३६	१०	सु.	४७	२८	तै.	१९	४४	ग.	४६	२०	सुस्थिर	१७	१४	५	कं.	५०	४२	६	२३	५	३७	१०	४	४३	४२	६०	२४
२७	५८	३	बृ.	४७	१९	उफा	३४	१९	धृ.	३४	३५	व.	१६	४९	वि.	४७	१९	मातंग	१८	१५	६				६	२३	५	३७	१०	५	४४	८	६०	२२
२८	१	४	शु.	४६	११	ह.	३३	४४	शू.	३०	३६	व.	१६	४५	वा.	४६	११	अमृत	१९	१६	७				६	२१	५	३९	१०	६	४४	३४	६०	२०
२८	५	५	श.	४६	३२	चि.	३४	४२	गं.	२७	३१	कौ	१६	२१	तै.	४६	३२	काण	२०	१७	८	तु.	४	१३	६	२१	५	३९	१०	७	४५	०	६०	१८
२८	८	६	र.	४७	५९	स्वा	३६	३६	वृ.	२५	२४	ग.	१६	४५	व.	४७	५९	लुम्ब	२१	१८	९				६	२०	५	४०	१०	८	४५	२६	६०	१६
२८	१२	७	चं.	५०	५८	वि.	३९	५७	ध्रु.	२४	२८	वि.	१९	२८	बब	५०	५८	मित्र	२२	१९	१०	वृ.	२४	२	६	२०	५	४०	१०	९	४५	५२	६०	१६
२८	१६	८	मं.	५५	४०	ऽनु.	४४	१०	व्या	२४	१२	वा.	२३	१९	कौ.	५५	४०	वज्र	२३	२०	११				६	१९	५	४१	१०	१०	४६	८	६०	१५
२८	२०	९	बु.	५९	३५	ज्ये.	४९	३५	ह.	२४	५०	तै.	२७	३७	ग.	५९	३५	ध्वांक्ष	२४	२१	१२	ध.	४९	३५	६	१८	५	४२	१०	११	४६	२४	६०	१४
२८	२४	१०	बृ.	६०	०	मू.	५५	४०	व.	२५	५२	व.	३२	१०	वि.	६०	०	धूम्र	२५	२२	१३				६	१८	५	४२	१०	१२	४६	४०	६०	१३
२८	२८	१०	शु.	४	४५	पू.	६०	०	सिं.	२७	१६	वि.	४	४५	वव	३६	५५	वर्द्धमान	२६	२३	१४				६	१७	५	४३	१०	१३	४६	५६	६०	१२
२८	३२	११	श.	९	६	पू.	१	५०	व्य.	२८	२६	वा.	९	६	कौ.	४२	६	मातंग	२७	२४	१५	म.	१८	२३	६	१५	५	४५	१०	१४	४७	१२	६०	११
२८	३६	१२	र.	१५	६	उ.	८	२	व.	२९	३०	तै.	१५	६	ग.	४७	१०	अमृत	२८	२५	१६				६	१५	५	४५	१०	१५	४७	२८	६०	१०
२८	४०	१३	चं.	१९	१४	श्र.	१४	५२	प.	२९	५९	व.	१९	१४	वि.	५०	३१	सिद्धि	१	२६	१७	कुं.	४७	३०	६	१४	५	४६	१०	१६	४७	४४	६०	९
२८	४४	१४	मं.	२२	२९	ध.	२०	८	शि.	२९	४२	श.	२२	२९	च.	५३	३१	उत्पात	२	२७	१८				६	१३	५	४७	१०	१७	४७	५१	६०	८
२८	४८	३०	बु.	२४	३३	श.	२४	२६	सि.	२८	२४	ना.	२४	३३	किं.	५६	५	मानस	३	२८	१९				६	१२	५	४८	१०	१८	४७	५८	६०	७

श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ फाल्गुन कृष्णपक्षः।
फरवरी १६ से मार्च ३ तक। सौम्यायनम् ।याम्य- +

उग्र कर्म मु.। bशुक्रः २५।१४। या. ज. मु. ४७।१९ या.।
क्रूर कर्म मु.। + गोलः। हेमन्त ऋतुः।
भ. १६।४९ उ. ४७।१९ या.। शतेरविः ५१।३। धनिष्ठायांb
प्राच्यां यात्रा मु.।
स्वाती योगे या. ज. मु. ४६।३८ या.।
भ. ४७।५९ उ.। धनिष्ठायां बुधः ४७।२८।
भ. १९।२८ या.। अनु. भे. पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.।
कुम्भे शुक्रः ५३।५९।
तीक्ष्ण कर्म मु.।
भ. ३२।१० उ.। कुम्भे बुधः २९।४१।
भ. ४।४५ या.।
विजया ११ सर्वेषाम्।
पूर्वास्तं बुधः। स. सि. योगः ८।२ या.।
मार्च। मा. शते शुक्रः १५।२५। भ. १९।१४उ.५०।३१ या.।e
eमहाशिवरात्रि व्रत। दषिण यात्रा मु. पञ्चकारम्भः४७।३०।
शते बुधः ११।२६।

फा. कृ. ७ चं. इ. १२।५५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	२	९	१	९	१०	१	७
१०	२०	२४	०	२७	१३	२८	२८
०	१३	५	४०	५७	३६	०	०
४७	५८	४९	४१	२	१२	२३	२९
६०	२४	१०७	८	७३	७	३	३
१६	५०	५६	४	२१	५७	११	११

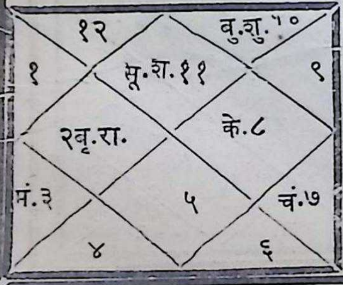

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ म.		२ बु.		३ बृ.		४ शु.		५ श.		६ र.		७ चं.		८ मं.		९ बु.		१० बृ.		१० शु.		११ श.		१२ र.		१३ चं.		१४ मं.		३० बु.	
कुं. अं.	७	४५	७	४१	७	३७	७	३३	७	३०	७	२६	७	२२	७	१८	७	१४	७	११	७	७	७	३	६	५९	६	५५	६	५२	६	४८
मी.अं.	९	१३	९	९	९	५	९	१	८	५८	८	५४	८	५०	८	४६	८	४२	८	३९	८	३६	८	३१	८	२७	८	२३	८	१९	८	१६
मे. अं.	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	३९	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१७	१०	१३	१०	९	१०	५	१०	१	९	५७	९	५४
वृ. अं.	१२	४७	१२	४३	१२	३९	१२	३५	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१३	१२	९	१२	५	१२	१	११	५७	११	५४	११	५०
मि.अं.	३	१	२	५७	२	५३	२	४९	२	४६	२	४२	२	३८	२	३४	२	३०	२	२७	२	२३	२	१९	२	१५	२	११	२	८	२	४
क. अं.	५	२०	५	१६	५	१२	५	८	५	५	५	१	४	५७	४	५३	४	४९	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	४	३०	४	२७	४	२३
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
सिं.अं.	७	३५	७	३१	७	२७	७	२३	७	२०	७	१६	७	१२	७	८	७	४	७	१	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४२	६	३८
कं. अं.	९	४९	९	४५	९	४१	९	३७	९	३४	९	३०	९	२६	९	२२	९	१८	९	१५	९	११	९	७	९	३	८	५९	८	५६	८	५२
तु. अं.	१२	६	१२	२	११	५८	११	५४	११	५१	११	४७	११	४३	११	३९	११	३५	११	३२	११	२८	११	२४	११	२०	११	१६	११	१३	११	९
वृ. अं.	२	२३	२	१९	२	१५	२	११	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५२	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७	१	३३	१	३०	१	२६
ध. अं.	४	२८	४	२४	४	२०	४	१६	४	१३	४	९	४	५	४	१	३	५७	३	५४	३	५०	३	४६	३	४२	३	३८	३	३५	३	३१
म. अं.	६	१३	६	९	६	५	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३९	५	३५	५	३१	५	२७	५	२३	५	२०	५	१६

फा. कृ. १३ चं. इ. ११।२९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के
१०	२	१०	१	१०	१०	१	७
१७	२३	६	१	६	१४	२७	२७
२	७	४०	३७	३०	३१	३८	३८
१९	४८	४१	९	२९	५१	१४	१४
६०	२४	१०७	८	७२	७	३	३
७	५०	५६	४	५४	५७	११	११

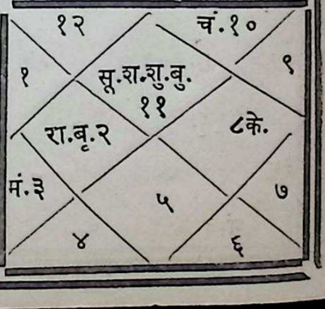

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि
२८	५२	१	बृ.	२५	३८	पू.	२७	३१	सा.	२६	१२	व.	२५	३८	वा.	५५	२२	मुद्गर	४	२९	२०	मी.	११	४५	६	११	५	४९	१०	१९	४८	५	६०	७
२८	५६	२	शु.	२५	६	उ.	२६	१८	शु.	२३	२	कौ.	२५	६	तै.	५३	१७	ध्वज	५	१	२१				६	११	५	४९	१०	२०	४८	१२	६०	६
२९	०	३	श.	२२	१९	रे.	२९	४६	शु.	२१	०	ग.	२२	१९	ब.	५१	२२	धाता	६	२	२२	मे.	२९	४६	६	१०	५	५०	१०	२१	४८	१९	६०	५
२९	४	४	र.	२०	२५	अ.	२९	४	ब्र.	१४	९	वि.	२०	२५	बव	४९	१४	आनंद	७	३	२३				६	९	५	५१	१०	२२	४८	२६	६०	२
२९	८	५	चं.	१८	३	भ.	२७	३८	ऐं.	७	५९	वा.	१८	३	कौ.	४५	४७	चर	८	४	२४	वृ.	४२	६	६	८	५	५२	१०	२३	४८	३३	६०	०
२९	१२	६	मं.	१३	३१	कृ.	२५	२९	वै.	२ ५३	४४ ५८	तै.	१३	३१	ग.	४०	५७	गद	९	५	२५				६	७	५	५३	१०	२४	४८	३०	५९	५७
२९	१६	७	बु.	८	२३	रो.	२२	३८	प्री.	४६	३५	व.	८	२३	वि.	३५	३०	शुभ	१०	६	२६	मि.	५०	२४	६	७	५	५३	१०	२५	४८	२७	५९	५५
२९	२०	८	बृ.	२ ५६	३७ ३३	मृ.	१८	११	आ.	३७	४३	व.	२	३७	वा.	३० ५६	५३ ३३	मृत्यु	११	७	२७				६	६	५	५४	१०	२६	४८	२४	५९	५२
२९	२४	१०	शु.	५०	४८	आ.	१४	१०	सौ.	२९	३०	तै.	२३	४०	गं.	५०	४८	पद्म	१२	८	२८	क.	५६	३	६	५	५	५५	१०	२७	४८	२१	५९	५०
२९	२८	११	श.	४५	१	पुन	१०	१	शो.	२२	२६	व.	१८	५४	वि.	४५	१	छत्र	१३	९	२९				६	४	५	५६	१०	२८	४८	१८	५९	४९
२९	३२	१२	र.	३९	३४	पु.	५	५८	अ.	१५	६	व.	१२	१७	वा.	३९	३४	श्रीवत्स	१४	१०	३०				६	३	५	५७	१०	२९	४८	१६	५९	४८
२९	३६	१३	चं.	३४	१८	श्ले.	२ ५७	१ ५८	सु.	८	१६	कौ.	६	५६	तै.	३४	१८	सौम्य	१५	११	१	सिं.	२	१	६	३	५	५७	११	०	४८	१२	५९	४७
२९	४०	१४	मं.	३०	९	पू.	५६	६	धृ.	१ ५६	५८ २४	ग.	२	१३	व.	३० ५८	९ २	धूम्र	१६	१२	२				६	२	५	५८	११	१	४७	५९	५९	४५
२९	४४	१५	बु.	२६	४८	उ.	५४	३७	गं.	५१	४६	व.	२६	४८	वा.	५५	५२	वर्द्धमा.	१७	१३	३	कं.	१०	४४	६	१	५	५९	११	२	४७	४६	५९	४३

श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ फाल्गुन शुक्लपक्षः।
मार्च ४ से १७ तक। सौम्यायनम्। याम्यगोलः। हेम. ऋ.

पू. भा. रविः २।३। चन्द्रदर्शनम्। ऽसमाप्त २९।४६।
फुलेरा २। जिलकाद। रेवत्यां स. सि. अ. सि. योगः।
भ. ५१।२२ उ.। रेवत्यां पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.। पञ्चकऽ
भ. २०।२५ या.। स. सि. योगः २९।४ या.। या. ज. मु.f
पू. भा. बुधः ३६।३८। या.ज.मु. १८।३ या.। f२९।४ उ.।
स. सि. योगः। aदीपनं। उ. भा. ज्ञः ३६।१५।
भ. ८।२३ उ. ३५।३०या.। होलाष्टक प्रा.। स. सि. योगः।
प्रतीच्यां यात्रा मु. मृग भे। iमु. १०।१ या.।
पूर्वास्तं भृगुः ५२।३४। पू. भा. शुक्रः ३९।१३।
भ.१८।५४उ. ४५।१ या.। आमलकी ११ सर्वेषाम्। या. ज.i
मीनेऽर्कः ४।२४। मीने बुधः४५।२४। स.सि.योग.५।५८या.।
प्रदोष व्रतम्। सौर चैत्रारम्भः। या. ज. मु. २।१३ या.।
भ: ३०।९ उ. ५८।२८ या.। कर्के भौमः ७।४१। होलिकाa
उ. भा. रवि. २२।३। धूलि वंदनम्। उदयं शनिः १४।५५।

फा. शु. ५ चं. इ. १०।३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	२	१०	१	१०	१०	१	७
२४	२६	१९	२	१५	१५	२७	२७
३	१	१४	३३	०	२७	१५	१५
११	३८	५३	३७	४७	३०	५९	५९
५९	२९	१०१	८	७२	७	३	३
२७	५०	३२	४	४८	५७	११	११

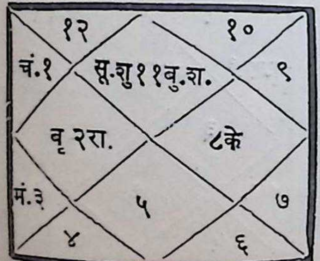

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.		२ शु.		३ श.		४ र.		५ चं.		६ मं.		७ बु.		८ बृ.		१० शु.		११ श.		१२ र.		तिथयः	१३ चं.		१४ मं.		१५ बु.	
कुं. अं.	६	४४	६	४०	६	३७	६	३३	६	२९	६	२५	६	२१	६	१८	६	१४	६	१०	६	६	मी. अं.	७	३०	७	२६	७	२२
मी. अं.	८	१२	८	८	८	५	८	१	७	५७	७	५३	७	४९	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	मे. अं.	९	८	९	४	९	०
मे. अं.	९	५०	९	४६	९	४३	९	३९	९	३५	९	३१	९	२७	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	वृ. अं	११	४	११	०	१०	५६
वृ. अं.	११	४६	११	४२	११	३९	११	३५	११	३१	११	२७	११	२३	११	२०	११	१६	११	१२	११	८	मि. अं.	१	१८	१	१४	१	१०
मि. अं.	२	०	१	५६	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७	१	३४	१	३०	१	२६	१	२२	क. अं.	३	३७	३	३३	३	२९
क. अं.	४	१९	४	१५	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५३	३	४९	३	४५	३	४१	सिं. अं.	५	५२	५	४८	५	४४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	रा०		रा०		रा०	
सिं. अं.	६	३४	६	३०	६	२७	६	२३	६	१९	६	१५	६	११	६	८	६	४	६	०	५	५६	कं. अं.	८	६	८	२	७	५८
कं. अं.	८	४८	८	४४	८	४१	८	३७	८	३३	८	२९	८	२५	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०	तु. अं.	१०	२३	१०	१९	१०	१५
तु. अं.	११	५	११	१	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४२	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७	वृ. अं.	१२	४०	१२	३६	१२	३२
वृ. अं.	१	२२	१	१८	१	१५	१	११	१	७	१	३	१२	५९	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	ध. अं.	२	४५	२	४१	२	३७
ध. अं.	३	२७	३	२३	३	२०	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	१	२	५७	२	५३	२	४९	म. अं.	४	३०	४	२६	४	२२
म. अं.	५	१२	५	८	५	५	५	१	४	५७	४	५३	४	४९	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	कुं. अं.	६	२	५	५८	५	५४

फा. शु. १३ चं. इ. ८।३७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	२	११	१	१०	१०	१	७
१	२९	१	३	२२	१६	२६	२६
३	३०	५	३०	३०	३	५३	५३
२०	२८	३७	५	४३	९	४४	४४
५४	२९	९१	९	७२	७	३	३
४७	५०	५६	४	४८	५७	११	११

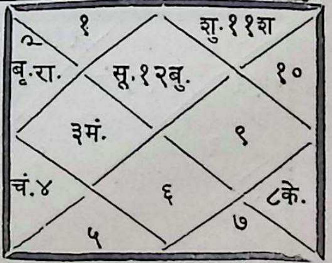

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२९	४८	१	बृ.	२४	५६	ह.	५३	५९	वृ.	४८	५	कौ.	२४	५६	तै.	५४	१३	राक्षस	१८	१४	४				६	१	५	५९	११	३	४७	३३	५९	४०
२९	५२	२	शु.	२३	३१	चि.	५४	४६	ध्रु.	४४	४६	ग.	२३	३१	व.	५३	२१	मुसल	१९	१५	५	तु.	२४	२२	६	१	५	५९	११	४	४७	२०	५९	३७
२९	५६	३	श.	२३	१२	स्वा	५६	२१	व्या	४४	३१	वि.	२३	१२	वव	५४	२४	सिद्धि	२०	१६	६				६	०	६	०	११	५	४७	७	५९	३५
३०	०	४	र.	२५	३६	वि.	५९	२९	ह.	४२	४४	वा.	२५	३६	का	५८	३२	उत्पात	२१	१७	७	वृ.	४३	४२	६	०	६	०	११	६	४६	५४	५९	३०
३०	४	५	चं.	३१	२७	ऽनु	६०	०	व.	४२	४९	तै.	३१	२७	ग.	६०	०	मानस	२२	१८	८				५	५८	६	२	११	७	४६	४१	५९	२७
३०	८	६	मं.	३६	०	ऽनु	२	३९	सि.	४३	३१	ग.	३	४३	व.	३६	०	वज्र	२३	१९	९				५	५७	६	३	११	८	४६	८	५९	२४
३०	१२	७	बु.	३७	३४	ज्ये.	८	५०	व्य.	४४	५०	वि.	६	४७	वव	३७	३४	ध्वांस	२४	२०	१०	ध.	८	५०	५	५६	६	४	११	९	४५	३५	५९	२२
३०	१६	८	बृ.	४१	१४	मू,	१४	४१	व.	४६	९	वा.	९	२४	कौ.	४१	१४	धूम्र	२५	२१	११				५	५६	६	४	११	१०	४५	२	५९	२०
३०	२०	९	शु.	४६	१९	पू.	२१	१७	प.	४७	३०	तै.	१३	४६	ग.	४६	१९	प्रवर्ध.	२६	२२	१२	म.	३७	२९	५	५५	६	५	११	११	४४	२९	५९	१९
३०	२४	१०	श.	५१	१३	उ.	२८	७	शि.	४८	३४	व.	१८	४७	वि.	५१	१३	रक्ष	२७	२३	१३				५	५४	६	६	११	१२	४३	५६	५९	१८
३०	२८	११	र.	५५	२५	श्र.	३३	४७	सि.	४८	५८	व.	२३	१९	वा.	५५	२५	गद	२८	२४	१४				५	५३	६	७	११	१३	४३	२३	५९	१७
३०	३२	१२	चं.	५८	३८	ध.	३८	५४	सा.	४८	४१	कौ.	२६	५६	.त	५८	२८	शुभ	२९	२५	१५	कुं.	६	२०	५	५२	६	८	११	१४	४२	५०	५९	१६
३०	३६	१३	मं.	५९	५०	श.	४४	०	शु.	४७	११	ग.	२९	३२	व.	५९	५०	मृत्यु	३०	२६	१५				५	५२	६	८	११	१५	४२	७	५९	१६
३०	४०	१४	बु.	५९	२८	पू.	४७	२०	शु.	४५	४	वि.	२९	४१	श.	५९	२८	पद्म	३१	२७	१७	मी.	३१	३०	५	५१	६	९	११	१६	४१	२४	५९	१५
३०	४४	३०	बृ.	५६	२७	उ.	४९	२५	ब्र.	४१	५३	च.	२८	१९	ना.	५६	२७	छत्र	१	२८	१८				५	५०	६	१०	११	१७	४०	४१	५९	१४

श्री शुभ संवत् २०२१ शके १८८६ चैत्र कृष्णपक्षः। मार्च १८ से अप्रैल १ तक। सौम्यायनम्। याम्यगोलः।वसन्त ऋ०।

वसन्तोत्सवः। प्राच्यां यात्रा. मु.।

भ. ५३।२१ उ.।

भ. २३।१२ या.। मीने भृगुः २८।३४।

पुष्ये भौमः ९।४२। या ज. मु. ३१।२७ या.।

भ. ३६।० उ.। उ. भा. शुक्रः १५।५। रेवत्यां बुधः १५।२१।

भ. ६।४७ या.।

शीतला ८।

उग्र कर्म मु.। a ६। २०उ.। पञ्चकारम्भः ६।२०।

भ. १८।४७ उ. ५१।१३ या.। स. सि. योगः २८।७ उ.।

पामोचिनी ११ स्मार्तानाम्। प्राच्यां यात्रा मु.।

पापमोचिनी ११ निम्बार्काणाम्। प्रतीच्यां यात्रा मु. a

रेवत्यांरविः ५३।३ प्रदोष व्रतम्। भ. ५९।२८ उ. २९।४१ या.।

चै. कृ. ५ च. इ. ८।५८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	३	११	१	११	१०	१	७
८	२	११	४	०	१७	२६	२६
३	५९	४९	३८	०	८	३१	३१
५९	१५	९	१३	३९	४८	१९	१९
५९	३२	७२	९	७१	७	३	३
२७	४४	४४	४४	५८	९	११	११

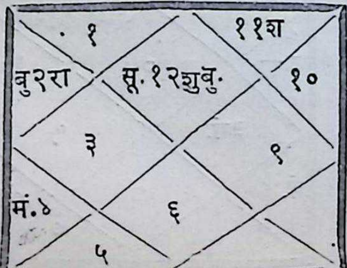

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१बृ.		२शु.		३श.		४र.		५चं.		५मं.		६ बु.		७ बृ.		८शु.		९श.		१० र.		११ चं.		१२ मं.		१३बु.		१४ बृ.	
मी.अं.	७	१९	७	१५	७	१२	७	८	७	४	७	१	६	५७	६	५३	६	५०	६	४६	६	४२	६	३९	६	३५	६	३२	६	२८
मे. अं.	८	५७	८	५३	८	५०	८	४६	८	४२	८	३९	८	३५	८	३१	८	२८	८	२४	८	२०	८	१७	८	१३	८	१०	८	६
वृ. अं.	१०	५३	१०	४९	१०	४६	१०	४२	१०	३८	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१३	१०	९	१०	६	१०	२
मि.अं.	१	७	१	३	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४९	१२	४५	१२	४१	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२७	१२	२३	१२	२०	१२	१६
क. अं.	३	२६	३	२२	३	१९	३	१५	३	११	३	८	३	४	३	०	२	५७	२	५३	२	४९	२	४६	२	४२	२	३९	२	३५
सिं.अं.	५	४१	५	३७	५	३४	५	३०	५	२६	५	२३	५	१९	५	१५	५	१२	५	८	५	४	५	१	४	५७	४	५४	४	५०
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कं. अं.	७	५५	७	५१	७	४८	७	४४	७	४०	७	३७	७	३३	७	२९	७	२६	७	२२	७	१८	७	१५	७	११	७	८	७	४
तु. अं.	१०	१२	१०	८	१०	५	१०	१	९	५७	९	५४	९	५०	९	४६	९	४३	९	३९	९	३५	९	३२	९	२८	९	२५	९	२१
वृ. अं.	१२	२९	१२	२५	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	११	१२	७	१२	३	१२	०	११	५६	११	५२	११	४९	११	४५	११	४२	११	३८
ध. अं.	२	३४	२	३०	२	२७	२	२३	२	१९	२	१६	२	१२	२	८	२	५	२	१	१	५७	१	५४	१	५०	१	४७	१	४३
म. अं.	४	१९	४	१६	४	१२	४	८	४	४	४	१	३	५७	३	५३	३	५०	३	४६	३	४२	३	३९	३	३५	३	३२	३	२८
कुं. अं.	५	५१	५	४७	५	४४	५	४०	५	३६	५	३३	५	२९	५	२५	५	२२	५	१८	५	१४	५	११	५	७	५	४	५	०

चै. कृ. १२ च. इ. ९।१९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	३	११	१	११	१०	१	७
१४	६	२०	५	१०	१७	२६	२६
५८	२७	१८	४६	२२	५८	९	९
४७	२४	१६	२१	४९	५१	१४	१४
५९	३२	३६	११	७०	७	३	३
१७	१४	५४	४	५०	९	११	११

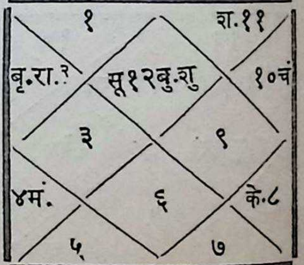

विवाहे पञ्चशलाकाचक्रम्

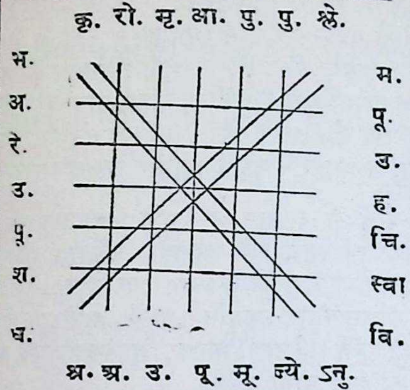
कृ. रो. मृ. आ. पु. पु. श्ले.
भ.
अ.
रे.
उ.
पू.
श.
ध.
म.
पू.
उ.
ह.
चि.
स्वा
वि.
अ. श्र. उ. पू. मू. ज्ये. ऽनु.

राजा शुक्रः

श्रीगणेशाय नमः

मन्त्री भौमः

अन्येषु सप्तशलाकाचक्रम्

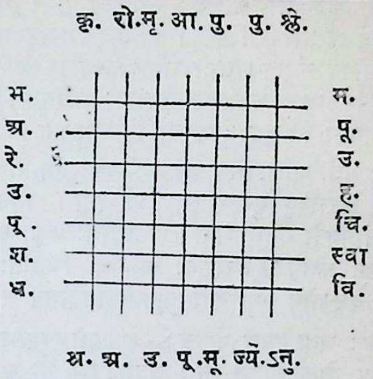
कृ. रो.मृ. आ.पु. पु. श्ले.
भ.
अ.
रे.
उ.
पू.
श.
ध.
म.
पू.
उ.
ह.
चि.
स्वा
वि.
अ. श्र. उ. पू.मू. ज्ये.ऽनु.

श्री संवत् २०२२, शकः १८८७, हिजरी सन् १३८४-८५, फसली सन् १३७२-७३, ईस्वी सन् १९६५-६६ ।

कालयुक्त नाम संवत्सरः

विंशोत्तरी मतेन आयव्यय चक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
११	५	११	५	८	११	५	११	८	२	२	८
५	१४	११	८	८	११	१४	५	११	१४	१४	११

अष्टोत्तरी मतेन आयव्यय चक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
२	११	१४	८	११	१४	११	२	५	८	८	५
८	१५	११	५	५	११	१४	८	१४	८	८	१४

देखने की रीति

आयव्ययौ समौ कृत्वा एक हीनं तु कारयेत्।
अष्टभिस्तु हरेद्भागं शेषाङ्के फलमादिशेत्॥
१ लाभं, २ सौख्यं तथा ३ क्लेशं ४ रोगं ५ लोकापवादकम्।
६ सम्मानं ७ विजयं ८ हानिः कथितं पूर्व सूरिभिः।

प्रधान वितरक–श्री गंगा पुस्तकालय,
गायघाट, बनारस ।

श्री काश्याम्

शुद्धमकरन्दीय दशवर्षीय पञ्चाङ्गम्

श्री

गंगा

काशी

पञ्चाङ्गम्

सम्पादक—पं० चन्द्रशेखर पाठक ज्यौतिषाचार्य, ज्योतिषरत्न
सी. के. ६४/७० हीरापुरा, वाराणसी ।

समय-शुद्धिः

गुरु—वैशाख शुक्ल १२ बुधे पश्चिमास्तः ।
ज्येष्ठ शुक्ल १२ गुरौ पूर्वोदयः ।

शुक्र—वैशाख शुक्ल १५ शनौ पश्चिमोदयः ।

शनि—यावद् वर्ष कुम्भ राशौ ।

राहु—वर्ष यावद् वृष राशौ ।

केतु—-वर्ष यावद् वृश्चिक राशौ ।

प्रकाशक व मुद्रक–पं० पृथ्वीनाथ भार्गव,
भार्गव भूषण प्रेस, गायघाट, बनारस ।

वर्ष-फल

श्री संवत् २०२२ शाके १८८७

वर्षेशः शुक्रः तस्य फलम् :—शुक्रस्य राज्ये बहुसस्य संकुला सुतीव्र वेगा सरितोम्बुराशिभिः। फलंति वृक्षाः बहुगोप्रसूतिर्वसुन्धरा प्रार्थिव सौख्य संयुता। मंत्री भौमः तस्य फलम्:—यदि धरा तनयो नृपमन्त्रवान् नजलदागददारश्च पयोधरा। नृपतयः परिपीड़ित मानसा विविध दुःखयुता विपयास्तदा।

तोय मंत्री शशिः तस्य फलम् :—शशिनि तोयपतौ यदि गो महिष्यज खरादिषु दुग्धरसस्तदा फलवती। धनधान्यवती धरा विविध भोगवती ननुभामिनी। फलाधीशः चन्द्रः तस्य फलम् :—यदि विधुः फलपे द्रुमराशयः फलयुता व्रततिः कुसुमैर्युता। द्विजमुख वर भोग समन्विता नृपतयो नयताड़न तत्परा।

दुर्गेशः चन्द्र तस्य फलम् :—गढ़पतौ मृगलाञ्छनको यदा नृपसुराज्य विलासितपौरजा। बहुधनेषुज गोरसभोगिनो नरवरावरर्वणित विग्रहः।

धनेशः गुरु तस्य फलम् :—सुमनसाञ्च गुरुर्द्रविड़ाधिपो वणिज वृत्त परासुख भाजनाः। फलित पुष्पित भूमिरुहाः विविध द्रव्ययुता भूविमानवाः। रसेश रवि तस्य फलम् :—रसाधिपे यदा सूर्ये सर्वेपापरता नराः। म्लेच्छानां जायते वृद्धिर्मध्यमा वृष्टिरेव च।

धान्येशः बुधः तस्य फलम् :—यवव्रीहि गोधूम मुद्गैक्षवानाम् प्रवृद्धिः सुखम् सर्व विद्वज्जनानाम्। पयो गोमहिष्यादिकानां ससारं बुधे प्रान्त्य धान्याधिपे भूरि नूनम्। नीरसेशः शुक्रः तस्य फलम् :—वज्रम् मुक्ता फलं कांस्यं रजतं शुक्रवाससम्॥ अर्धवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदा।

इस वर्ष के राजा शुक्र, मन्त्री भौमदेव हैं। सिंचाई मन्त्री शनि तथा राष्ट्ररक्षा का मंत्रित्वचन्द्र को दिया गया है। अर्थमंत्री गुरु, रस-मन्त्री रवि, धान्य-मंत्री बुध हैं। नीरस पदार्थों का मंत्रित्व भी राजा ने ही ग्रहण किया है।

इस प्रकार का अधिकार विभाजन देश के लिए हितावह नहीं है। वरिष्ठ नीति की प्रधानता रहेगी। राष्ट्ररक्षा ऐसे महत्त्वपूर्ण अंग पर कम ध्यान दिया जायगा। वृष्टि का बाहुल्य रहेगा। इसके कारण खेतियों का नाश होगा। घी, दूध, अनाज तेज रहेगा। प्रजा को कष्ट, घास की अधिकता रहेगी। गोदावरी तट पर दुर्भिक्ष, महाभय होगा। युद्ध की सम्भावना है। अनेक उपद्रव होंगे। रोग वृद्धि, सन्ताप होगा। यवनों में आपसी युद्ध होगा। बड़े-बड़े लोग पंचत्व को प्राप्त करेंगे। गाय, भैंसों की मृत्यु अधिक होगी। बिहार गौड़, चन्देरी में पीड़ा, कष्ट होगा। आषाढ़ से इन बातों में तीव्रता आ जायगी। पश्चिमी देशों में भयानक युद्ध सम्भव है।

वार्षिक राशि-फल

मेष——वर्ष अच्छा है। लाभ वर्ष भर रहेगा। आषाढ़ तक श्रेष्ठतम समय रहेगा। ततः साधारण अच्छा रहेगा। पौष से वर्षान्त तक किसी प्रकार का विवाद, व्यथा या असफलता रहेगी। कोई शोक लगा रहेगा। पुखराज, लहसुनिया धारण करें। आषाढ़, आश्विन, माघ, फाल्गुन अच्छे रहेंगे। श्रावण, वैशाख, अगहन बुरे रहेंगे। चैत्र में व्यय होगा।

वृष—वर्ष साधारण है, व्यापार बढ़ा रहेगा। परन्तु आलस्य अधिक रहेगा। आषाढ़ के पश्चात् ३ मास तक सफलता रहेगी। कोई रोग लगा रहेगा। आषाढ़ के पूर्व शुभ कार्य में अधिक व्यय होगा। ज्येष्ठ, भाद्रपद, पौष बुरे रहेंगे। वैशाख में व्यय होगा। श्रावण कार्तिक फाल्गुन और चैत्र अच्छे रहेंगे। स्त्री को कष्ट रहेगा। गोमेद लहसुनिया धारण करें।

मिथुन—वर्ष अच्छा नहीं। पौष माघ के पश्चात् अच्छा रहेगा। सफलता मिलेगी परन्तु लाभ हर्ष के होते हुए भी दैन्य रहेगा। आषाढ़ आश्विन माघ बुरे रहेंगे। बैशाख अगहन चैत्र भाद्रपद अच्छे रहेंगे। ज्येष्ठ में व्यय होगा। आषाढ़ से पौष तक असफलता, कष्ट रहेगा। शत्रु पराभूत होते रहेंगे।

कर्क—वर्ष ज्येष्ठ तक अच्छा है। शेष वर्ष बुरा रहेगा। पौष तक शुभकाम में व्यय होगा, ततः वर्षान्त तक असफलता मिलेगी। रोग अशान्ति चर्म या वायुरोग लगा रहेगा। अनुचित ढंग से लाभ होता रहेगा। चिढ़ चिन्ता सन्तान को कष्ट होगा। श्रावण कार्तिक फाल्गुन बुरे रहेंगे। बैशाख ज्येष्ठ आश्विन पौष अच्छे रहेंगे आषाढ़ में व्यय होगा।

सिंह—वर्ष साधारण अच्छा है। आषाढ़ से माघ तक का समय ठीक है शेष वर्षान्त तक शुभकाम में अधिक व्यय होगा। वर्षादि में असफलता रहेगी। कोई रोग, विवाद, माता-पिता को कष्ट, स्त्री को कष्ट रहेगा। ज्येष्ठ आषाढ़ कार्तिक माघ अच्छे रहेंगे। श्रावण में व्यय होगा। भाद्रपद मार्गशीर्ष चैत्र बुरे रहेंगे।

कन्या——वर्ष के वीच के ६ मास वुरे रहेंगे। शेष वर्ष लाभ हर्ष सफलता के लिये है। शत्रु पराजित होंगे। धर्म में अरुचि दैन्य रहेगा। वैशाख आश्विन पौष वुरे रहेंगे। आषाढ़, श्रावण, अगहन, और फाल्गुन अच्छे रहेंगे। भाद्रपद में व्यय होगा।

तुला—वर्ष के मध्य में ६ मास लाभ हर्ष सफलता के लिये हैं शेष वर्ष असफलता, कष्ट, चिढ़ चिन्ता रहेगी। सन्तान को कष्ट रहेगा। कोई रोग लगा रहेगा। कार्तिक, ज्येष्ठ, माघ वुरे रहेंगे। श्रावण, भाद्रपद, पौष चैत्र अच्छे रहेंगे। आश्विन में व्यय रहेगा। परिवार में अशान्ति धनहानि रहेगी। गोमेद लहसुनिया पहनें।

वृश्चिक—बीच के ६ मास बुरे रहेंगे। असफलता कष्ट चिढ़ होगी। शेष वर्ष लाभ हर्ष सफलता मिलेगी। शुभकाम होगा। कोई विवाद या रोग पूरे वर्ष भर लगा रहेगा। स्त्री को भी कष्ट होगा। नीलम गोमेद लहसुनिया पहनें। आषाढ़ मार्गशीर्ष और फाल्गुन वुरे रहेंगे। वैशाख, भाद्रपद आश्विन अच्छे रहेंगे कार्तिक में अधिक व्यय होगा।

धनु—वर्ष के मध्य के ६ मास लाभ, हर्ष सफलता के लिये होंगे, शेष वर्ष असफलता कष्ट के लिये होगा। व्यापार में उन्नति रहेगी। लाभ होता ही रहेगा। व्यय भी अनायास होगा। शत्रु पराजित होंगे। श्रावण पौष चैत्र वुरे रहेंगे। ज्येष्ठ आश्विन कार्तिक फाल्गुन अच्छे रहेंगे। मार्गशीर्ष में अधिक व्यय होगा।

मकर—वीच के ६ मास साधारण हैं। शेष वर्ष अच्छा रहेगा। लाभ हर्ष शुभ काम सफलता रहेगी। परिवार में अशान्ति धनहानि होती रहेगी। अनाचार से लाभ भी होता रहेगा। वैशाख भाद्रपद माघ वुरे रहेंगे। आषाढ़, कार्तिक, अगहन चैत्र अच्छे रहेंगे। पौष में व्यय होगा।

कुम्भ—वर्ष में मध्य के ६ मास श्रेष्ठ रहेंगे। शेष वर्ष झगड़ा तथा असफलता के लिए होगा। रोग तथा व्ययाधिक्य अधिक होगा। कोई विवाद भी रहेगा। माता-पिता को कष्ट होगा। गोमेद, नीलम, लहसुनिया धारण करें। ज्येष्ठ, आश्विन, फाल्गुन बुरे रहेंगे। श्रावण, वैशाख, अगहन, पौष अच्छे रहेंगे। माघ में व्यय होगा।

मीन—वर्ष का अन्तिम ३ मास श्रेष्ठ है। शेष वर्ष वुरा रहेगा। व्यय भी अधिकता धर्म में अरुचि होगी। श्रम से लाभ भी होगा। पुखराज नीलम पहनें। आषाढ़, कार्तिक, चैत्र अच्छे रहेंगे। ज्येष्ठ भाद्रपद पौष माघ अच्छे रहेंगे। फाल्गुन में व्यय होगा।

इस वर्ष २ ग्रहण हैं। पहला चन्द्रग्रहण ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा १४ जनवरी को, दूसरा सूर्यग्रहण मार्गशीर्ष कृष्ण अमावस्या २३ नवम्बर को

चन्द्रग्रहण का स्पर्श शायद भारत में दिखाई दे।

चन्द्रग्रहणम्।

स्पर्श ४ वजकर ४८ मिनट

मोक्ष ६ वजकर १७ मिनट

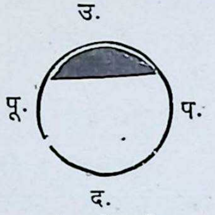

ज्येष्ठा नक्षत्रे वृश्चिक राशौ चन्द्र ग्रहणं भविष्यति।

सूर्यग्रहणम्

मार्गशीर्ष कृष्ण ३० भौमे अनुराधा नक्षत्रे वृश्चिक राशो सूर्यग्रहणं भविष्यति।

स्पर्श ७ वजकर ५९ मि०

मोक्ष १० वजकर ५२ मि०

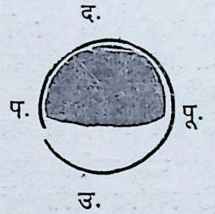

मे.	क.कष्ट
वृ.	स्त्री क.
मि.	सौख्य
क.	चिन्ता
सि.	व्यथा
क.	श्रीः
तु.	क्षतिः
वृ.	घातः
ध.	व्यय
म.	लाभ
कुं.	का.उ.
मी.	दैन्य

दोनों ग्रहणों का फल

ग्रहणफल देशों तथा नगरों पर

मोरक्को, ब्राजील, लिवरपूल, वाशिंगटन, डोवर मुहाना, दिल्ली के लिये दोनों ग्रहण विशेष वुरे रहेंगे। फ्रांस, कावुल, विन्ध्यप्रदेश, इटली, सिसली, रोम, विस्ट्रल, वम्बई के लिये साधारण वुरा है। स्पेन, अरव, हंगरी, काठियावाड़, शेफील्ड के लिये व्ययकारी हैं।

संवत् २०२२ विवाहमुहूर्ताः

ज्येष्ठ	शुक्ल	१४ शनौ अनुराधाभे गोधूलि शुभः
,,	,,	१५ चन्द्रे मूलभे संक्रान्ति दोषः
आषाढ़	कृष्ण	१ भौमे दिवालग्न मूलभे
,,	,,	२ वुधे उत्तराषाढ़भे
,,	,,	३ गुरौ उत्तराषाढ़भे दिवा. ल. भद्रा उ.
,,	,,	७ चन्द्रे उ. भा. भे.
,,	,,	८ भौमे उ. भा. रेवत्याम्
,,	,,	१२ शनौ रो. भे.
,,	,,	१३ रवौ रो. भे. भद्रा प्राक् मृगभे. भद्रान्ते। ततः कृष्णनंग दिनम्।
आषाढ़	शुक्ल	४ शुक्रे मघाभे. भद्रान्ते।
,,	,,	५ शनौ मघाभे दिवालग्न।
,,	,,	६ रवौ उ. फा. भे.
,,	,,	७ चन्द्रे उ. फा. भे. दिवालग्नं चिन्त्यम् रात्रौ हस्तभे भद्रा दोषः।
,,	,,	८ भौमे हस्तभे भद्रान्ते दिवालग्न चि.।
,,	,,	९ वुधे स्वातीभे ल. चि.।
,,	,,	१० गुरौ स्वातीभे दिवालग्न चि.।
माघ	कृष्ण	९ शनौ स्वातीभे दि. ल. चि.
,,	,,	१० रवौ अनुराधाभे ल. चि.
,,	,,	११ चन्द्रे अनु.भे. दि. ल. चि.।
माघ	कृष्ण	१२ भौमे मूलभे
,,	,,	१३ वुधे मूलभे दि. ल. भद्राप्राक्।
,,	,,	ततः कृष्णानंग चर्तुदिनम्
माघ	शुक्ल	५ वुधे उ. भा. भे।
,,	,,	६ गुरौ उ. भा. भे रेवत्याम् ल. चि.।
,,	,,	६ शुक्रे रेवत्यां दि. ल. चि.
,,	,,	९ चन्द्रे रो. भे ल. चि.
,,	,,	१० भौमे रो. मृग. भे भद्रां विहाय
,,	,,	१२ वुधे मृग. भे दि. ल.
फाल्गुन	कृष्ण	१ रवौ मघाभे
,,	,,	३ भौमे उ. फा. भे
,,	,,	४ वुधे हस्तभे
,,	,,	५ गुरौ स्वातीभे
,,	,,	६ शुक्रे 'स्वाती भे. भद्रान्ते ल. चि.।
,,	,,	७ शनौ अनु. भे. संक्रान्ति दोष।
,,	,,	१० भौमे मूलभे
,,	,,	१२ गुरौ उ. षा. भे
,,	शुक्ल	२ भौमे उ. भा. भे
,,	,,	३ वुधे उ. भा. भे रेवत्याम्।
,,	,,	४ गुरौ रेवत्यां भद्रा प्राक् दिवालग्न।
,,	,,	८ चन्द्रे रो. मृ. भे
,,	,,	९ भौमे मृग. भे
,,	,,	१३ शनौ मघाभे
,,	,,	१४ रवौ मघाभे भद्रा प्राक्।
,,	,,	१५ चन्द्रे उ. फा. भे
चैत्र	कृष्ण	२ भौमे उ. फा. हस्तभे
,,	,,	३ बुधे हस्तभे दिवालग्न चि.।
,,	,,	४ गुरौ स्वातीभे
,,	,,	५ शुक्रे स्वातीभे प्रातःकालोऽल्पीयान्।
,,	,,	६ शनौ अनु.भे भद्रा प्राक् ल. चि.

आयु-बिचार

इस भाव से शस्त्र धारण, रोग, संकट, छिद्र, जीवित रहने का, गुप्त स्थान, नदी में से पार उतरना अथवा जल-यात्रा, जहाज में से सुखपूर्वक पार उतरना, समुद्र में विघ्न, तथा अत्यंत कठिन दुर्गमस्थान आदि का विचार किया जाता है।

पंचम भाव में चन्द्रमा, नवम भावमें गुरु और दशवें भाव में मंगल क्रम से गये हों तो जातक दीर्घायु होता है।

अष्टमेश पापग्रह हो और वह लाभ भाव में हो तो अल्पायु और लाभ भाव के अतिरिक्त किसी अन्य भाव में हो तो दीर्घायु होता है।

अष्टमेश स्वराशि में हो अथवा शनि अष्टम भाव में हो तो दीर्घायु होता है ।

अष्टमेश लग्नेश और दशमेश ये तीनों ग्रह केन्द्र त्रिकोण वा लाभ स्थान में हों तो दीर्घायु होता है ।

शनि स्वराशि या उच्चराशि में स्थित होकर उपचय स्थान (लाज से ३।६।१०।११) में हों अथवा अष्टमेश शनि पंचम भाव में हो तो दीर्घायु होता है ।

अष्टमेश और लग्नेश अष्टम भाव में हों अथवा अष्टमेश लग्नेश दोनों लाभ भाव में हों तो दीर्घायु होता है। लग्नेश सूर्य हो या उसका मित्र लग्नेश हो तो दीर्घायु होती है ।

लग्नेश अष्टमेश दोनों स्वगृही हों तो दीर्घायु होती है षष्टेश और व्ययेश दोनों लग्न में हों अथवा दशमेश केन्द्र में हो वा लग्नेश केन्द्र में हो तो दीर्घायु होता है ।

दशमेश अपनी उच्चराशि में स्थित होकर पंचम भाव में हो अथवा अष्टमेश केन्द्र में हो वा केन्द्र स्थान में शुभ ग्रह हों तो दीर्घायु होता है ।

दशमेश लग्नेश और अष्टमेश ये तीनों ग्रह शनि से युक्त हो कर केन्द्र स्थान में हों तो दीर्घायु होता है ।

सर्व पापग्रह तीसरे ग्यारहवें तथा छठे भाव में और सर्व शुभ ग्रह केन्द्र त्रिकोण में हों तो दीर्घायु होता है ।

सर्व शुभ ग्रह छठे सातवें और आठवें भाव में और सर्व पाप ग्रह तीसरे, छठें ग्यारहवें भाव में हों तो दीर्घायु होता है ।

लग्नस्थ अष्टमेश गुरु शुक्र से दृष्ट हो तो दीर्घायु होता है ।

सर्व शुभग्रह केन्द्र कोण (१।४।७।१०।९।५) स्थान में गये हों और पापग्रह पारावतांश में हों तो दीर्घायु होता है ।

लग्नेश अति बलवान होकर केन्द्र-स्थित शुभ ग्रहों से दृष्ट हो तो दीर्घायु होता है ।

सर्वग्रह तीसरे चौथे अथवा अष्टम स्थान में हों तो दीर्घायु होता है

मध्यायु-योग

सर्व पापग्रह पणकर (लग्न से २।५।८।११ वें) स्थान में अथवा तीसरे और चतुर्थ भाव में हों तो मध्यायु होती है ।

लग्नेश निर्बल हो, गुरु केन्द्र या त्रिकोण में हो और पापग्रह ६।८। १२ वें भाव में हों तो मध्यायु होती है ।

सर्व शुभग्रह केन्द्र वा त्रिकोण स्थान में हों और शनि बलवान होकर छठे या आठवें भाव में हो अथवा पापग्रह बलवान होकर छठें व आठवें भाव में हों तो मध्यायु होती है ।

केन्द्र त्रिकोण स्थान (लग्न से १।४।५।७।१०।९) में शुभ और पाप दोनों ग्रह हों तो मध्यायु होती है ।

दिन में जन्म हो चन्द्रमा से आठवें स्थान में क्रूर ग्रह हों तो मध्यायु होती है ।

लग्नेश सूर्य या सम हो तो मध्यायु होती है ।

अल्पायु योग

अष्टमेश पापग्रह से युक्त होकर बारहवें भाव में अथवा छठे स्थान में हो तो अल्पायु होती है ।

सर्व पापग्रह आपोक्लिम (लग्न से ३।६।९।१२ वें) स्थान में हों तो अल्पायु होती है ।

लग्नेश और अष्टमेश ये दोनों ग्रह बारहवें या छठे भाव में हों तो अल्पायु होती है ।

लग्नेश सूर्य का शत्रु हो तो अल्पायु होती है ।

धनेश नवम भाव में शनि सातवें भाव में और गुरु शुक्र लाभ भाव में हों तो अल्पायु होती है ।

लग्न में शनि-मंगल, आठवें भाव में चंद्रमा और छठे स्थान में गुरु हो तो अल्पायु होती है ।

लग्नेश अष्टम भाव में गया हो तो अल्पायु (कभी दीर्घायु भी) पापग्रह ६।८।१२ वें भाव में हों और लग्नेश निर्बल हो तो अल्पायु होती है ।

शनि और अष्टमेश ये दोनों क्रूर षष्ट्यंश में हों और पाप ग्रहों से युक्त या दृष्ट हों तो अल्पायु होती है ।

केन्द्र स्थान (लग्न से १।४।७।१० वें) में गये हुए सभी पापग्रहों को शुभ ग्रह न देखते हों और लग्नेश बलहीन हो तो अल्पायु होती है ।

बारहवें और दूसरे भाव में पापग्रह हों और उनको शुभग्रह न देखते हों तो अल्पायु होती है ।

शुक्र गुरु लग्न में हो और पंचम में मंगल पापग्रह से युक्त हो तो अल्पायु होती है ।

सूर्य से युक्त होकर लग्नेश लग्न में हो और शुभग्रह पापग्रह दोनों से युक्त दृष्ट हो तो अल्पायु होती है ।

नोट :—सामान्यतः ३६ वर्ष पर्यन्त अल्यायु, ७२ वर्ष पर्यन्त मध्यायु ७२ वर्ष से ऊपर १०० वर्ष पर्यन्त दीर्घायु और १०० के पश्चात् उत्तमायु योग माना जाता है ।

आयुर्ज्ञान का दूसरा प्रकार

महर्षि जैमिनीय मत से आयुर्विचार चक्र

दीर्घायु	मध्यायु	अल्पायु
चर राशि लश्नेश	चर लग्नेश	चर लग्नेश
चर राशि अष्टमेश	स्थिर अष्टमेश	द्विस्वभाव रंध्रेश
स्थिर लग्नेश	स्थिर लग्नेश	स्थिर लग्नेश
द्विस्वभाव अष्टमेश	चर अष्टमेश	स्थिर रंध्रेश
द्विस्वभाव लग्नेश	द्विस्वभाव लग्नेश	द्विस्वभाव लग्नेश
स्थिर अष्टमेश	द्विस्वभाव रंध्रेश	चर रंध्रेश

ऊपर लिखे हुए जैमिनीय सूत्रानुसार आयुज्ञान के चक्र में जन्म समय के लग्नेश अष्टमेश (१) जन्मलग्न और चन्द्र लग्न (२) जन्म लग्न और होरा लग्न (३) (इष्ट काल को दूना करना ५ का भाग देना चाहिये। लब्धि राशि होगी। शेष को ६० से गुणाकर के पल जोड़ देना चाहिये १० का भाग देना चाहिये लब्धि अंश होगा इस प्रकार कला आदि भी निकल आयेगा। इस राशि अंश कला आदि को स्पष्ट रवि में जोड़ना चाहिये स्पष्ट होरा लग्न होगी। प्राचीन विद्वान और पद्धति काम में लाते हैं जो अशुद्ध है) अथवा यदि दूसरे प्रकार में लग्न से चन्द्र सप्तम में हो तो शनि चन्द्र से दीर्घ मध्य तथा अल्पायु योग का निर्णय करना चाहिये ।

यदि लग्नेश अष्टमेश दोनों ग्रह चर-चर अथवा स्थिर द्वि स्वभाव राशि में हों तो दीर्घायु ; चर स्थिर अथवा द्विस्वभाव द्विस्वभाव में दोनों गये हों तो मध्यायु योग; यदि चर द्विस्वभाव अथवा स्थिर स्थिर राशि में दोनों गये हों तो अल्पायु योग समझना चाहिये । इसी प्रकार जन्म लग्न, चन्द्र लग्न से, तथा जन्म लग्न, होरा लग्न से तथा शनि चन्द्र से आयु योग का विचार करना चाहिये ।

यदि तीनों प्रकार से या दो प्रकार से एक ही आयु योग आवे तो वही आयु ठीक समझना चाहिये ।

यदि तीनों प्रकार से भिन्न-भिन्न रूप का तीन प्रकार का आयु योग आवे तो जन्म लग्न और होरा लग्न पर से जो आयु योग आवे वही ठीक आयु जाननी चाहिये ।

एवं आयु-योग में विभिन्न आने पर लग्न में अथवा सातवें चन्द्रमा हो तो जन्म-लग्न चन्द्र-लग्न पर से जो आयु योग आया हो वही आयु योग जानना चाहिये ।

इस प्रकार आयु योग का निश्चय हो जाने पर भी यदि लग्नेश या अष्टमेश शनि हो तो कक्षा हानि होती है अर्थात् दीर्घायु योग आया हो तो उसको मध्यायु योग और मध्यायु योग आया हो तो अल्पायु योग तथैव अल्पायु योग आया हो तो स्वल्पतरायु योग समझना चाहिए।

परंतु यदि शनि स्वराशि का १०।११ अथवा अपनी उच्च-राशि में हो तो यह रीति नहीं समझना (जो आयु योग पहले आया हुआ है वही जानना चाहिये)।

तीसरा प्रकार

अष्टमेश द्वितीयेश इन दोनों में से जो बलवान हो वह जन्म लग्न से केन्द्र १।४।७।१० स्थान में हो तो दीर्घायु: पणकर२।५।८। ११ में हो तो मध्यायु, आपोक्लिम ३।६।९।१२ में हो तो अल्पायु जानना चाहिए॥

चौथा प्रकार

सूर्य से शनि तक सात ग्रहों में जिस ग्रह का अंश सबसे अधिक हो वही आत्मा कारक ग्रह होता है।

आत्मकारक ग्रह जिस स्थान में स्थित हो उससे अष्टम स्थान का स्वामी; और आत्मकारक ग्रह से जो सप्तम स्थान है उससे आठवें स्थान का स्वामी; इन दोनों ग्रहों में जो अधिक बलवान हो वह आत्मकारक ग्रह से केन्द्र स्थान में हो तो दीर्घायु और पणकर में हो तो मध्यायु और आपोक्लिम स्थान में हो तो अल्पायु योग जानना चाहिए।

आत्मकारक से और उसके सप्तम स्थान से जो अष्टम स्थान के स्वामी हों उनमें यदि एक स्वयं आत्मकारक ग्रह ही हो और दूसरा आत्मकारक की राशि में गया हो तो मध्यायु योग जानना चाहिए।

पाँचवाँ प्रकार

जन्म नक्षत्र की भुक्त घट्यादिक को चार से गुणन करना चाहिए फिर ३ का भाग देना चाहिए जो लब्ध वर्षादि आवे उनको १०० वर्ष में से घटाना जो शेष रहे वह स्पष्टायु जाननी चाहिए।

छठा प्रकार

लग्नेश यदि सूर्य का मित्र हो तो दीर्घायु सम हो तो मध्यायु शत्रु हो तो अल्पायु जानना चाहिए।

सातवाँ प्रकार लग्नायु

जन्म कुण्डली में जिस जिस स्थान में ग्रहस्थित हो उस उस स्थान में जो जो राशि हो उनके धुवांक निम्नलिखित हैं उन सबको मिलाने से जो आवे वही लग्नायु जानना चाहिए। यदि एक राशि में दो ग्रह या अधिक ग्रह हों तो सबको जोड़ना चाहिए।

राशि के ध्रुवांक ये हैं

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
१०	६	२०	५	८	२	२०	६	१०	१४	३	४

आठवाँ प्रकार–केन्द्रायु

जन्म कुण्डली में चारों ही केन्द्र स्थान में जो अंक हो उन चारों की संख्या का योग करना और यदि केन्द्र में भौम राहु युत हो तो भौम और राहु जिस जिस राशि पर हों उनके अंक की संख्या का योग करके केन्द्रांक की संख्या के योग में से निकाल देना शेष अंक को तीन से गुणा करने से जो अंक आवे उतने ही वर्ष की आयु जाननी चाहिये।

नवाँ प्रकार

जन्म नक्षत्र की गत घटी को ९० घटी में से घटाना चाहिये। शेष को चतुर्गुणित करना और उसमें ३ का भाग देना लब्ध वर्षादि आवे वह स्पष्ट आयु जाननी चाहिये।

जो आयु वर्षादि स्पष्ट आवे उसको १२० का भाग देना लब्धि में ६ का गुणा करने से रवि की दशा; १० का गुणा करने से चन्द्र की दशा; ७ का गुणा करके भौम की दशा; तथा इसी क्रम से १८, १६, १९, १७, ७, २० का गुणा करने से क्रमशः राहु, गुरु, शनि, बुध, केतु तथा शुक्र की महा दशाओं का वर्षादि आयेगा।

इस प्रकार दशाचक्र बनाने से विंशोत्तरी स्पष्टायु का दशा-चक्र होता है। जिस ग्रह की दशा में जन्म हो उसी ग्रह को आदि में ले के यह दशाचक्र लिखना और इसमें जन्म का सम्वत् और स्पष्ट सूर्य जोड़ना स्पष्ट दशा होगा।

दशवाँ प्रकार–खनामत से आयु गणना

जिसकी आयु निकालना हो उसके जन्म समय से लेकर जन्म नक्षत्र की जितनी भोग्य घटी हो उसकी पल करना और उसको १२ से गुणन करने से दिनादि स्पष्टायु जाननी चाहिये। ३६० का भाग देने से वर्षादि होगा।

ग्यारहवाँ प्रकार–गणितायु

जातक पद्धति में अंशायु, पिंडायु, निसर्गायु, जीव शर्मायु, मिश्रायु, का स्पष्ट गणित किया है उस गणित के अनुसार जो स्पष्टांशायु या मिश्रायु आवे उतने ही वर्ष का आयुमान समझना।

बारहवाँ प्रकार–योगायु

बालकों की १२ वर्ष की आयु पर्यन्त बालारिष्ट होता है। इनमें प्रथम ४ वर्ष बालक मातृकृतरिष्ट से; ततः ४ वर्ष (४ से ८ वर्ष तक) पितृकृतरिष्ट से; ततः ४ वर्ष (८ से १२ वर्ष तक) अपने पूर्व जन्मार्जितारिष्ट योग से बालक नष्ट हो जाते हैं यदि प्रबलरिष्ट भंग योग नहीं हो तो। अतः बालारिष्ट के १२ वर्षों तक की आयु के विशेष वर्णन किया जाता है इनकी अवस्था बीतने पर तब अल्प,मध्य,दीर्घायु योग का विचार करना चाहिये। १३ वर्ष से १२० वर्ष पर्यन्त के योगों का वर्णन क्रमशः लिखा जा रहा है।

१३––शनि राहु बारहवें हो और शनि वक्री हो तो १३ वर्ष की आयु होगी।

१४––मंगल राहु अथवा शनि राहु बारहवें हों तो १४ वर्ष की आयु होगी।

१५––चौथे चन्द्रमा छठे सूर्य हों तो १५ वर्ष की आयु होगी।

१६––अस्त चन्द्रमा की राशि का स्वामी सूर्य पापग्रह से युक्त होकर ६–८ वें भाव हो शुभ ग्रह की दृष्टि न हो तथा लग्नेश आपोक्लिम स्थान में हो तो सोलह वर्ष आयु होगी।

व––चौथे या दसवें राहु केतु हो तो शुभ ग्रह देखते हों तो १६ वर्ष की आयु होगी।

१६––तीसरे वा ग्यारहवें शनि और नवें वा पाँचवें रवि हो और गुरु शुक्र केन्द्र में न हो तो सोलह वर्ष की आयु होगी।

१७––कर्क व कुंभ राशि में सूर्य शनि हों और मेष राशि में गुरु शुक्र हों तो सत्रहवें वर्ष में अमाशय रोग से मृत्यु होगी।

१८––अष्टमेश नीच राशि में स्थित होकर केन्द्र में लग्नेश से युत हो तो अठारहवें वर्ष में मृत्यु होगी।

१८––सिंह वृश्चिक या कुंभ राशि के लग्न में राहु हो तो अठारहवें में मृत्यु होगी।

१८––लग्न सप्तम अष्टम स्थान में हों और शुभ ग्रह निर्बल हो तो अठारहवें वर्ष में मृत्यु होती है। *

(शेष संवत् २०२३ में इस * निशान में देखिये)

भविष्य-वाणी संवत् २०२१

चैत्र शुक्ल पक्ष

सुदी २ से तिल, तैल वस्त्र, सुपारी, कपास, सोना, चाँदी, सूत, मेहदी, सरसों, रुई, अलसी, रेड़ी तेज। सुदी ५ से दुर्भिक्ष, महाभय, रक्तदर्ण के सर्व-द्रव्य तेज। भौम वक्र अनावृष्टि। सुदी ६ से शक्कर, चावल, घृत इत्यादि तेज होकर मंदे होते हैं। रुई अथवा वस्त्र मंदे होते हैं। चाँदी मंदी। सुदी १२ से १ मास तक रुई, इक्षु, तिल तैलादि सर्व वस्तु महँगी होवे। चाँदी, सोना, गुड़, खाँड़ आदि तेज। उसी दिन से १४ दिन में सर्वधान्य, सर्वरस, सर्व धातु ऊन, वस्त्र, अलसी, एरंड आदि तिल, मेथी, आल, लाल चन्दन, इलायची, लौंग, सुपारी, नारियल, कपूर, हींग, हिंगलू आदि तेज। चाँदी तेज।

विशेष—इस मास में चाँदी, सरसों, तिल, तीसी का व्यवसाय कीजिए।

वैशाख

वदी ४ से १५ दिन में कपास में रु० ८ से ९ की मंदी, धान, कपड़ा, रुई मंदी। दुर्भिक्ष, वायु, वर्षा हो। चाँदी मंदी साधारण। वदी ८ से तृण, काष्ठादि १३ दिन में तेज और अफीम, कपूर, चन्दन, अगर आदि वस्तु तथा रेशम मंदा; रुई मंदी, शेयर घटबढ़ का निश्चय मंदा; गेहूँ, यव, चना, अनाज तेज, तेल, तीसी, मूँगफली, गुड़, विनौला मंदा; घी, गुड़, खाँड़, तेल, मूँगफली, एरंडा, बिनौला व रुई की मंदी होगी। वदी ९ से किरात यवनों को पीड़ा। १२ दिन में चाँदी, अफीम, रक्त द्रव्य, उड़द, मूँग, घी, तेल, तिल, नारियल मंदा, चना, तुवर, मोठ धान्य में घट, बढ़ होवे। राई ९०) तेज। वदी ११ से १४ दिन में चावल, हल्दी, मिर्च, गुड़, घी, जव, चने, मोठ, तुवर, अलसी, सोना, चाँदी, ताँबा, पीतल, धातु तेज, घृत, अफीम महँगा धातु तेज मनुष्यों को, पीड़ा होवे। वदी १२ से केशर आदि वस्तु तेज व ११ दिनमें केशर, मजीठ, कुसुम्व आदि सर्व लाल वस्तु व मालवे का अफीम तेज। वादा वाजार तेज। सुदी ३ से ११ दिन में वृष्टि सम्भव हैं। रुई, चाँदी, घी, हींग, खजूर, कपास, यव, चावल, चना, तेल, तिल, रेंड़ी, सरसो, मंदा होगा। सुदी ७ से २० दिन में चावल अफीम तेज, चाँदी, रुई, शेयर मंदा। सुदी ९ से धान, महर्घ, वर्षा का आधिक्य, रोग वृद्धि, सुदी ११ से १४ दिन में पुष्य, तीसी, रड़ी, रुई, सोना, चाँदी, जव, चावल, मूँग, मोंठ, गेहूँ, राई सरसों तेज होगा। सुदी १२ से ३१ दिन में दुर्भिक्ष भय, रुई, २०) तक मंदी, सोना, चाँदी, अनाज मंदा। सुदी १४ से १ मास में स्वर्ण, धान, अफीम, कपड़ा, शस्त्र तेज। चाँदी मैं एक बार १०) तक की मंदी, मासन्त में फिर वाजार ज्यों का त्यों हो जाएगा। सुदी १५ से १० दिन में पातक-वृद्धि, जनसंहार, दाख, चाँदी, सोना, तीसी, रेंड़ी, सरसों, घी, तेल, गुड़, खाँड़, सोपारी, ऊन मंदा, अफीम तेज, दूध तेज। उसी दिन से ८ दिन में धान्य वृद्धि मम्भव है। चाँदी में हेरफेर भी होगा।

विशेष—इस मास में चाँदी में तेजी का व्यापार कीजिए।

ज्येष्ठ

वदी ३ से ८ दिन में हाथियों को पीड़ा, चांडालों का क्षय, वृष्टि कम, रुई, धान्य तेज, लोगों में झगड़ा, वदी ६ से २० दिन में वृष्टि की अल्पता, गुड़, खाँड़, अवश्य तेज। बदी ९ से १४ दिन में चावल, धान्य, तीसी, राई, तेल, गुड़, खाँड़, अंगूर, सोपारी, रुई, सूत, सन, घी, रेंड़ी, ऊन, मिर्च, हींग, तिल, ख़जूर, सरसों तेज होगा। चाँदी की मंदी की सम्भावना है। वदी १० से ८ दिन में ज्वर का उपद्रव, चाँदी, अफीम में घटबढ़ होगी। वदी १२ से १० दिन में धान्य नाश, रस तेज, गेहूँ, चना, ज्वार, खरी, कराई मंदी। उसी दिन से २० दिन में कहीं युद्ध की सम्भावना होगी। रुई घटबढ़ कर तेज। वदी ३० से १५ दिन में धान्य, घी मंदा। रुई, चाँदी तीन-तीन दिन के क्रम से तेज मंदी होकर अन्त में तेज होगी। चौपायों का नाश होगा। सुदी १ से २० दिन में वायु की तीव्रता, वृष्टि योग है। रुई, कपास, सूत, कपड़ा, सन, मंदा होगा। अफीम तेज। तीसी में १) का घटबढ़। सुदी ५ से ८ दिन में कपास, तिल, तेल, सूत, चावल, गुड़, खाँड़, तेज, राई, सन मंदा, रुई घटबढ़ कर मंदी, सुदी ७ से १० दिन में वृष्टि योग कलिंग, कोशल में सुभिक्ष होगा। सुदी ९ से १४ दिन में गर्मी की अधिकता, सोना, चाँदी आदि सभी धातुएँ, जलोत्पन्न पदार्थ, नारियल, अनाज, सूत, रेशम, उड़द, मूँग, कपड़ा, मोठ, कपूर, चन्दन, सुगन्ध, खरी, कराई, तेज होगा। सुदी १२ से २ मास में धान्य चाँदी तेज। पत्थर, शाल, मणि रत्न तेज। दुर्भिक्ष भय, रुई मंदी, राजपूताने में वर्षा होगी।

विशेष—इस मास में चाँदी का व्यवसाय नजराने पेटे कीजिए।

आपाढ़

वदी १ से १ मास में कपास, कन्दमूल, तिल, धान्य, जव, तेल, सोना, घी तेज। चाँदी साधारण तेज, वायु वृष्टि की सम्भावना। वदी २ से चन्दन, रेशम, लाल रंग की सामग्री, गेहूँ, लाल वस्त्र, तीसी, गुड़, मजीठ, लालमिर्च तेज होगा। सोना, चाँदी साधारण तेज। अनावृष्टि होगी। वदी ५ से वृष्टि होगी। गेहूँ, तिल, उड़द मंदा। वदी ६ से विदर्भ में मनुष्यों का क्षय, विनौला तेज, सोना मंदा, कहीं-कहीं वर्षा वदी ७ से ६ मास तक चाँदी तेज। रुई में ५०) से १००) तक घटबढ़। शेयर काफी तेज। गेहूँ, मूँग, ज्वार, चावल, घी, तेल, तीसी, सरसों तेज, चौपायों का नाश; पृथ्वी पर भय; नृप युद्ध। वदी ८ से कहीं अधिक, कहीं कम जलवर्षा होगी। १४ दिन में घृत, सूत, तीसी, रेंड़ी, रस तेज, गुड़, खाँड़, खल, चावल, मणि, मोती, तुष, धान्य, गेहूँ, सुरमा, कपूर, चन्दनादि सुगन्धित वस्तु, लाल वस्त्र, कपास, रुई, हल्दी, सोंठ, लोह, १) चाँदी तेंज होगा, वकील, चोर आदि को पीड़ा होगी। वदी १२ से १५ दिन में चाँदी मंदी २) ३), अफीम मंदी ८) ९); धान, कपड़ा, रुई मंदी। विपत्ति होगी, चाँदी शायद तेज। वदी १३ से वायु, वृष्टि की अधिकता, रुई, चाँदी, तीसी, रेंड़ी, गुड़, खाँड़, शक्कर तेज। वदी ३० को चाँदी मंदी। सुदी १ से अफीम तेज, चाँदी साधारण तेज, खाँड़, सोना, श्वेत वस्त्र मंदा, रुई १०) मंदी, सुदी ६ से जलवृष्टि कोदो, साँवा, घी, गुड़, नमक तेज; जवाहरात मंदा; सुदी ८ से १४ दिन में उड़द, मूँग, मोठ, चावल, ज्वार, तीसी, मसूर, नमक, तिल, रेंड़ी, लाख, चपड़ा, सज्जी, विनौला, मजीठ, माजूफल, केशर हरण, कुसुम, कपूर, लवंग, चन्दन, देवदारु, नारियल, श्वेत वस्तु, कपास, सोना, चाँदी, साधारण तेज। सुदी ११ से साँपों का नाश, चावल, मोठ, चना, कराई, रुई मंदी, अनाज तेज। सुदी १२ से २ मास में चावल, घी, घास, भूसा मंदा; अनावृष्टि। सुदी १३ से ८ दिन में कराई, चाँदी मंदी १); रस, तिल, उड़द तेज, गुजरात में वर्षा, और प्रान्तों में साधारण वर्षा. कराई मंदी।

श्रावण

वदी ३ से १ मास में प्रजा सुखी, चाँदी साधारण तेज, धान्य तेज, अफीम मंदी; वदी ६ से १४ दिन में तिल, तेल, मद्य, गुड़, खाँड़, सुपारी, ज्वार, बाजरा, चावल, शक्कर, सोंठ, मोम, हींग, हल्दी, लाख, सन, चपड़ा, ऊनी वस्त्र, शीशा, सोना-चाँदी तेज; १) १॥); रुई २०) २५) तेज होकर मंदी; ८ दिन में वृष्टि, धान्य तेज। उसी दिन से २५ दिन में स्वर्ण, लाल रंग की वस्तु, चौपाये, धान्य तेज, मारवाड़ में वर्षा की कमी, वदी ६ से ८ दिन में सूत, कपड़ा, तेल, चन्दन, खट्टे पदार्थ, तेज शेयर, खाँड़, शक्कर, रस मंदा, सूत, कपड़ा तेज, वदी ३० से २० दिन में चावल, गेहूँ,

धान्य, सोना, सूत तेज; सुदी ४ से वृष्टि, राजाओं को भय, गेहूँ, जौ, ज्वार, बाजरा मंदा; वदी ५ से १० दिन में रुई १०) से १५) मंदी; राजपूताने में वर्षा, शेयर, चाँदी, पाट, हैसियत मंदा, सुदी ७ से चाँदी घटवढ़ कर तेज। ईख, गुड़, खाँड़, रस, तिल, तेल, रेंड़ी, विनौला तेज; सुदी ११ से ४५ दिन में सभी धान्य तेज; उड़द, मूंग, रुई, सूत, सन, कपास, गुड़, घी, श्वेत वस्तुएँ तेज, चाँदी शायद मंदी। सुदी १४ से उत्पात होगा, चाँदी शायद मंदी, धान्य कुछ तेज, सुदी १५ से १ वर्ष में भय, राजाओं में युद्ध, अल्पवृष्टि, पश्चिम और उत्तर के देशों में दुर्भिक्ष, ताँबा, चाँदी, नारियल, तेल, घी, सोपारी, अफीम तेज। मा.शी. की मंदी में खरीद कर बैशाख में वेचने से अच्छा लाभ होगा।

भाद्रपद

वदी २ से खेतियों का नाश, धान्य महँगे, चाँदी घटवढ़ कर तेज; रुई साधारण मंदी; वदी ५ से १ मास में ईख, गुड़, शक्कर, रक्त पदार्थ, रत्न, तिल, तेल, रुई, रेंड़ी, चाँदी, घी तेज; धान्य मंदा। उसी दिन से १५ दिन में ज्वार, मूँग, रुई, तिल, रेंड़ी, मिर्च, दाख, अफीम तेज; वृष्टि सम्भव हैं। वदी ८ से १० दिन में चाँदी तेज १) १॥); राजपूताने में वर्षा, सर्वत्र वृष्टि का आधिक्य, रुई २०) २५) तेज; वदी १०से २० दिन में वृष्टि में न्यूनता, धान्य, रुई मंदा, प्रजा को पीड़ा। वदी १२ से ८ दिन में तृण-घास-भूसा, लकड़ी, तेज; रुई मंदी होकर तेज; शेयर वटबढ़ कर मंदा; गेहूँ, जौ, चना, अनाज तेज, तेल, तिल, तिसी, विनौला, मूँगफली, गुड़, मंदा; सुदी ५ से १४ दिन में चाँदी, सोना, गहने, कपड़े, कपास, चावल, गेहूँ, चीनी, सरसों, तिल, ज्वार, जीरा, अफीम तेज। सुदी ८ से ८ दिन में वृष्टि की न्यूनता, सूत, कपड़ा, देवदारु तेज; सुदी ९ से १० दिन में वृष्टि अच्छी, वम्वई में वृष्टि की विशेषता; सुदी १२ से २० दिन में चाँदी में घटवढ़, रुई तेज होकर मंदा; सोना मंदा होकर तेज; सुदी १४ से २० दिन में कपास, रुई, गेहूं तेज; वर्षा की न्यूनता; सुदी १५ से १२ दिन में वृष्टि की अधिकता, चाँदी १) २) तेज। राजपूताने में वर्षा; रूई २५) तेज, सुभिक्ष होगा।

आश्विन

वदी २ से राजाओं में भय, १० दिन तक अनाज साधारण मंदा, वदी ३ से १४ दिन में सोना, चाँदी, लोहा, तेल, घी, सरसों, रेंड़ी, वाँस, मूंज, सुपारी, नील, रेशम, अफीम, पाट, उड़द, तिल, रस तेज; चौपायों में रोग होगा। वृष्टि योग है। चोरों का उपद्रव होगा। वदी ७ से १ मास में मजीठ, नारियल, तिल, तेल, घी, कपास तेज; चाँदी साधारण मंदी; वदी १० से ८ दिन में उड़द, मूँग, मोट कुछ तेज। वदी १२ से २० दिन में वायु और वर्षा की अधिक तेजी, सोने में साधारण तेजी, जौ, चना तेज, चाँदी साधारण मंदी, खाँड़ तेज होकर मंदी; सुदी १ से ४५ दिन में सभी पदार्थ तेज, चाँदी घटवढ़ कर तेज, धातुएँ, अफीम, रुई तेज; शस्त्रों की माँग वढ़ जायेगी। इससे कुछ तेजी भी होगी। सुदी २ से १४ दिन में गेहूँ, ज्वार, जौ, गुड़, खाँड़, सन, पाट, कपास, हल्दी, घास, लकड़ी, हर्रे, हींग, क्षार तेज होगा। वृष्टि की अधिकता होगी। रुई में घटवढ़। सुदी ९ से २० दिन में अनाजों में मंदी, रुई शेयरों में घटवढ़ होकर मंदी, सुदी १२ से १० दिन में क्षत्रियों में उपद्रव, अवर्षण, खाँड़, चावल, चाँदी मंदी, भूकंप सम्भव है, रोग होगा। सुदी १३ से ८ दिन में वृष्टि की न्यूनता, द्विज; शिल्पी गणिका को कष्ट। रुई घटबढ़ कर तेज। सुदी १४ से २० दिन में वर्षा योग है, चाँदी, गुड़, खाँड़, सोना, रुई, तीसी, सरसों, रेंड़ी, विनौला, मूँगफली, मंदा होगा, पवन तेज रहेगा, शीत-ज्वर की वृद्धि होगी, कमर के रोग अधिक होंगे। पृथ्वी पर युद्ध की सम्भावना है।

कार्तिक

वदी १ से १४ दिन में धान्य, गेहूँ, चना, सूत कपास, रुई, अरहर, सोना, सूत, चाँदी, केशर, जवाहरात, गुड़, लाख, चपड़ा, साधारण तेज; अन्त में मंदा। वदी ४ से ८ दिन में साधारण वृष्टि। वदी ७ से १ मास में स्वर्ण सव प्रकार के धान्य, तीसी, गेहूँ, अनाज, आमला तेज होगा। रूई, चाँदी, अफीम मंदी। वाजार में तेजी आयेगी। वदी ८ से २० दिन में रूई में घट वढ़ अफीम तेज, वृष्टि की न्यूनता। रोग वृद्धि, चाँदी में अच्छी मंदी; धान, कपड़ा, रूई, कपास मंदी। वदी ९ से १० दिन में उपद्रव, अवर्षण, धान्य कुछ तेज। सोना, चांदी, चावल, सरसो, तेल, हींग मंदा, बालकों को पीड़ा होगी; वदी १४ से २ मास में सुभिक्ष, दूध,घी, रस मंदा; रूई २०) से ४०) तक की मंदी; तीसी १॥) २) मंदी, गेहूँ, जौ, चावल मंदा, सोना तेज होगा। वदी ३० से १४ दिन में सभी धातुएँ गुड़, मिर्च, खाँड़, राई, तेल, हींग, कपूर, लाख, विनौला, केराना, गुगुल, हल्दी, रूई, सन, लाख, चपड़ा तेज। चाँदी शायद तेज। सुदी ३ से २० दिन में चौपाए रूई, चाँदी, तेज घी, तेल, अनाज मंदा सुदी ६ से २०दिन में खेतियों का नाश, रूई चाँदी मंदी, शेयर तेज, सुदी ११ से ४५ दिन में मूल द्रव्य, तृण, काष्ठ, चौपाए, घी, कपास, चाँदी, तेज; सूत, विनौला, कपड़ा, घास, लकड़ी तेज। सुदी १२ से १४ दिन में चाँदी, धातु, करेन्सी नोट, तिल, चावल, सूत, सर्व रस, अफीम, सरसो, मसूर, रेंड़ी तेज। दक्षिण में कुछ उपद्रव होगा। सुदी १५ से ८ दिन में ईख, चावल, घी, रस तेज, घोड़ों को पीड़ा होगी।

मार्गशीर्ष

वदी १ से २५ दिन में रूई १०) से १५) तेज, चाँदी तेज १) १॥)। राजपूताने में वर्षा होगी। उसी दिन से २ मास में तेल, सरसो, हींग, मिर्च, तेज, अफीम, रूई मंदी शेयर, चाँदी मंदी होगी। वदी ५ से ८ दिन में सिंघाड़ा, कमलगट्टा, तेल, उड़द, तिल, क्षार, नमक, गुड़, खाँड़, रस, मंदा, मूंग, मोठ तेज। वदी ८ से १ मास में ऊनी वस्त्र, चाँदी, तांवा, तेल, रूई, अफीम, तेज धान्य मंदा वदी ११ से १४ दिन में गेहूँ, करेंसी नोट, रस, धातु, चना, ऊन, तेज सोना, चाँदी मंदा; गेहूँ, तीसी तेज होकर मंदा; वदी ३० से ८ दिन में रस चाँदी की तेजी ईख, गुड़, खाँड़, कपूर, रस, तिल, तेल रेंड़ी, विनौला, शेयर, चांदी, सोना तेज; सुदी ३ से ८ दिन में रोग

वृद्धि; रूई में अच्छी घटवढ़; तीसी, रस मंदा; सुदी ६ से २० दिन में खेतियों की हानि; सर्व अन्न, रस, रूई, चादी, शेयर, अफीम, गुड़, खाँड़, घी, गेहूँ, चना तेज। सुदी ८से १४ दिनमें सोना, चाँदी, गुड़, धान्य, रेंड़ी, चावल, गुगुल, पारा, सरसों, वस्त्र तेज होना।

पौष

वदी २ से चाँदी तेज; १) १।।) रूई तेज १०) १५); राजपुताने में वृष्टि। वदी ३ से ८ दिन में रूई, तिल तेज; रूई मंदी चौपायों को पीड़ा। वदी ७ से चांदी घटवढ़ कर तेज, घास, भूसा, लकड़ी, गेहूँ, जौ, चना तेज। रूई, शेयर घटवढ़ कर मंदा, अफीम, कपूर, चन्दन, अगर, तगर, रेशम, तेल, तीसी, मूंगफली, गुड़, विनौला मंदा। वदी ९ से १ मास में सुभिक्ष, तिल, तेल, कपूर, अनाज, सूत, रूई, चांदी तेज। कोटा मालवे में उपद्रव। वदी १० से २ मास में तिल, तेल, हींग, मिर्च तेज, अफीम, रूई मंदी। वदी ७ से ४५ दिन में ऊन, घी, तेल, तीसी, रूई, सोना, चांदी तेज; धान्य मंदा; रूई में थोड़ी मंदी। सुदी १ से १ वर्ष में रुई ५०) से १००) तेज। अनाज तेज; चैत्र में घी, तेल श्रावण में चना तेज धान्य की अधिकता; वर्षा कम प्रजा पीड़ा विग्रह होगा। सुदी ५ से २० दिन में गेहूँ, अफीम, जौ, धातु, तेज। सुदी ६ से १४ दिन में तिल, तेल, गुड़, गुलगुल, हल्दी, चपड़ा, कपूर, चना, विनौला, ऊनी वस्त्र, सन, पाट, चांदी, अफीम, तेज, सुदी १२ से २० दिन में हरिण और हाथियों का नाश; रूई, कपास, चाँदी, मंदी; अफीम, तेज; कोई संघर्ष उठ खड़ा होगा। सुदी १३ से २० दिन में धान्य मंदा; घी,तेल तेज; रूई, चाँदी,सोना, गुड़,गेहूँ, जौ तेज होगा।

माघ

वदी ५ से १४ दिन में उड़द, मूंग, चावल, रेंड़ी, गुड़ कपास, तीसी, घी, लोहा, धातुएँ, लाख, चपड़ा, मूंज, बास, सरसो, पिपरामूल तेज। वदी ६ से ८ दिन में व्याधि; भय विनौला तेज धान्य मंदा। वदी ८ से १ मास में घी, तीसी लाल वस्त्र, धान्य तेज, गल्ला, गुड़ मंदा; वायु की अधिकता मालवा में वृष्टि। उसी दिन से २० दिन में गुड़ शक्कर, राई जौ गेहूँ धातुएँ तेज, धान्य मंदा घी , रूई, सूत घटवढ़ कर मंदा। वदी १२ से १५ दिन में धान्य, घी, मंदा रूई, चाँदी, सोना, घटवढ़ कर तेज; अफीम मंदी होकर तेज। वदी अमावस्या से १० दिन में बच्चों को कष्ट। सुदी १ से १० दिन में सोना, चांदी मंदी होकर तेज। वदी अमावस्या से १० दिन में बच्चों को कष्ट सुदी १ से १० दिन में सोना-चाँदी, सूत, कपड़ा, विनौला तेज; रोग-वृद्धि, उत्तर भारत में सुभिक्ष; मारवाड़ में अकाल; पहाड़ी देशों में उपद्रव होंगे। सुदी ३ से १४ दिन में गेहूँ, जौ, चावल, चांदी, धातुएँ, नोट, तिसी, पिप्पली, सोपारी, लवंग, शक्कर, अफीम तेज। सुदी ६ से ८ दिन में गुड़, तीसी, चना, धान तेज कहीं पर हिमपात होगा। राजवंश को कष्ट। सुदी ९ से १ मास में चाँदी, सोना, चावल, घटवढ़ कर तेज; राजाओं में युद्ध होगा। उसी दिन से २० दिन में अनाजों का नाश होगा।

फाल्गुन

वदी १ से १४ दिन में मूँग, मसूर, जवाहरात, रूई, सोना, चांदी, मोती, नील तेज, सुदी २ से ५ दिन में सोना, चांदी, नोट, मोती मंदा; ततः तेज। वदी ३ से २ मास में घास, भूसा मंदा; राजा प्रजा सुखी, चना गुड़, गेहूँ तीसी तेज, रूई मंदी। वदी ४ से रूई, तिल, तेज; अफीम तेज होकर मंदा, तीसी रूई मंदी, चांदी मंदी होकर तेज, घी, तेल रस साधारण तेज। वदी ७ से १ मास में अनाज रेंड़ी, तीसी मंदा; रूई, नमक तेज गुड़ रक्त वस्तुएँ तेज। वदी १२से २० दिन में तिल, तेल, वस्त्र,सोपारी, कपास, सोना, सूत पारा, सरसो, रूई, तीसी, रेंड़ी तेज। वदी १४ से १४ दिन में चांदी , सरसों, सन, सूत, कपड़ा, नील, तेल, हींग, केराना, रेंड़ी, गुड़, जायफल, दाख, सोंठ तेज। सुदी १ से चांदी, सरसो, तीसी, चावल तेज, घी का भाव समान। सुदी ६ से ८ दिन में चांदी, सोना, रूई, धान, कपड़ा, मंदा, घी, लाल वस्तुएँ तेज। सुदी ७ से २० दिन में मृग-हाथियों का नाश, रूई, चाँदी, गेहूँ, मंदा, तीसी, मेथी, लवंग तेज; सुदी ९ से ४५ दिन में घास, भूसा, लकड़ी, सोना चौपाए तेज। चाँदी मंदी होकर तेज। मरुस्थल में कष्ट होगा। सुदी १२ से १४ दिन में सोना-चाँदी, चना, उड़द, गुड़, घी, रूई, अरहर, ज्वार, बाजरा, तिल, तेल, रेशम, गुलगुल, पिपरा मूल तेज

चैत्र कृष्णपक्ष

वदी १ से राजाओं में विग्रह, पशु, पक्षी सुखी, चांदी में घटवढ़; वदी २ से २० दिन में बादल होते हुए भी वृष्टि नहीं सुगंध,कपूर, चावल तेज; वदी ८ से १ मास में धान्य, नमक, तिल, तेल, किराना, रस तेज; अफीम तेज; चांदी शायद मंदी। वदी ११ से १४ दिन में सर्व रस, धान्य, मणि, चावल तेल तेज होगा।

सट्टा लाटरी जीतने का विधि

विजय-यन्त्रम्

६०	६७	२	७
६	३	६४	६३
६६	६१	८	१
४	५	६२	६५

अनार की नवीन लेखनी से रक्त चन्दन द्वारा भोजपत्र पर लिखना चाहिये। अष्टधातु के यन्त्र में रखकर गुगुल की धूनी देकर दक्षिण भुजा पर धारण करना चाहिये लिखने का क्रम क्रमिक ढंग पर है। चक्र लिखते समय हाथ उठने न पाये।

गर्भ रक्षा यन्त्रम्

२४२	२४१	२४०	२३९
२३८	२३७	२३६	२३५
२३४	२३३	२३२	२३१
श्रीं	ह्रीं	लं	छि

अनार की लेखनी से अष्टगन्ध द्वारा भूर्जपत्र पर लिख ताँबे के यन्त्र में रविवार को धूपवत्ती की धूनी देकर कमर में बाँधे। उसी दिन रविवार को पुष्य नक्षत्र में लायी हुई काले धतूरे की जड़ को कुमारी छोटी कन्या के हाथ से काते सूत से कमर में बाँधे गर्भ न गिरेगा।

शीघ्र प्रसव यन्त्रम्

१६	६	८
२	१०	१८
१२	१४	४

अनार की लेखनी से काँसे की थाली में अष्टगन्ध लिखकर गंगाजल से या एक हाथ द्वारा कुयें से शुद्ध जल निकाल कर उस जल से धोकर गर्भिणी को पिलावे शीघ्र प्रसव होगा। प्रसव के पूर्व सहदेयी या अपामार्ग की जड़ लाकर मिश्रित घी, गुगुल से धूनी देकर कमर में बाँधे।

शनि यन्त्रम्

१२	७	१४
१३	११	९
८	१५	१०

यह यन्त्र शनिवार को भोजपत्र पर अष्टगन्ध लिखकर धारण करने से शनिकृत बाधा नष्ट होती है।

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	ओ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३०	४१	१	शु.	५८	३२	रे.	५०	४०	ऐं.	३९	७	किं.	२९	१	वव	५८	३२	श्रीवत्स	२	२८	१९	मे.	५०	४०	५	५१	६	९	११	१८	३८	४६	५९	२
३०	४५	२	श.	५६	२०	अ.	५०	१०	वै.	३४	१७	वा.	२७	२६	कौ.	५६	२०	सौम्य	३	२९	२०				५	५०	६	१०	११	१९	३९	४८	५९	२
३०	४९	३	र.	५३	८	भ.	४८	३७	वि.	२९	१३	तै.	२४	४४	ग.	५३	८	काल	४	१	२१				५	५०	६	१०	११	२०	३८	५०	५९	३
३०	५३	४	चं.	४९	०	कृ.	४६	१५	प्री.	२३	२३	व.	२१	४	वि.	४९	०	स्थिर	५	२	२२	वृ.	३	१	५	४९	६	११	११	२१	३७	५२	५९	२
३०	५७	५	मं.	४४	३	रो.	४३	६	आ.	१६	५३	वव	१६	३१	वा.	४४	३	मातंग	६	३	२३				५	४८	६	१२	११	२२	३६	५१	५९	१
३१	१	६	बु.	३८	३७	मृ.	३९	२७	सौ.	९	५०	कौ.	११	२०	तै.	३८	३७	अमृत	७	४	२४	मि.	११	१६	५	४७	६	१३	११	२३	३५	५०	५८	५९
३१	५	७	बृ.	३२	४५	आ.	३५	२२	शो.	२/५२	२५/२०	ग.	५	४१	व.	३२/५९	४५/४५	काण	८	५	२५				५	४७	६	१३	११	२४	३४	४७	५८	५७
३१	९	८	शु.	२६	४४	पुन.	३१	१५	सु.	४६	५८	वव	२६	४४	वा.	५३	४४	लुम्ब	९	६	२६	क.	१७	१७	५	४६	६	१४	११	२५	३३	४१	५८	५४
३१	१३	९	श.	२०	४३	पु.	२७	११	धृ.	३९	२०	कौ	२०	४३	तै.	४७	५०	मित्र	१०	७	२७				५	४५	६	१५	११	२६	३२	३२	५८	५१
३१	१७	१०	र.	१४	५७	श्ले.	२३	२२	शू.	११	५५	ग.	१४	५७	व.	४२	१७	वज्र	११	८	२८	सि.	२३	२२	५	४५	६	१५	११	२७	३१	२०	५८	४८
३१	२०	११	चं.	९	३६	म.	२०	३	गं.	२४	४२	वि.	९	३६	वव	३७	१२	ध्वांक्ष	१२	९	२९				५	४४	६	१६	११	२८	३०	८	५८	४६
३१	२४	१२	मं.	४	४८	पूफा	१७	५४	वृ.	१८	३१	वा.	४	४८	कौ.	३२	४७	धूम्र	१३	१०	३०	क.	३२	१५	५	४३	६	१७	११	२९	२८	५३	५८	४५
३१	२८	१३	बु.	०/५७	४६/१	उफा	१६	०	ध्रु.	१२	४५	तै.	०	४६	ग.	२०/५७	१६/४७	वर्द्धमा.	१४	११	१				५	४२	६	१८	०	०	२७	३६	५८	४३
३१	३२	१५	बृ.	५५	५०	ह.	१५	०	व्या	७	४८	वि.	२६	४८	वव	५५	५०	रक्ष	१५	१२	२	तु.	४५	५	५	४२	६	१८	०	१	२६	१७	५८	४०

श्री शुभ संवत् २०२२ शके १८८७ चैत्र शुक्लपक्षः। २ अप्रैल से १५ अप्रैल । सौम्यायनम् दक्षिणगोलः । वसन्त ऋतुः

रा. श. १८८७ । चैत्र नवरात्रारम्भः । नववर्षारम्भः । a
या ज. योगःतीयायाम् । चन्द्रदर्शनम् । पू. फा. भे भौमः ३।२५।
जिलहिज्ज । या. ज. मु. । a घटस्थापनम् । स. सि. योग । e
भ. २१।४ उ. ४९।० या. । या. ज. मु. पञ्चम्याम् ।
वक्रीभौमः । c पञ्चक समाप्त ५०।४० पर ।
तिथि दानात् दक्षिण पश्चिम यात्रा मु. । वक्रगत्या पुनर्रेवत्यांd
भ. ३२।४५ उ. ५९।४५ या. । वक्र गत्या मघा. भे. भौमः ।
दुर्गाष्टमी । अन्नपूर्णा परिक्रमा ८। d मीने वुधः । ५४।१८।
रामनवमी व्रतम् । पश्चिमोत्तर यात्रा मु. ।
भ. ४२।१७ उ. । शते ३ पादे शनिः ५६।१५ ।
भ. ९।३६ या. । कामदा ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
अश्विमेषेचार्कः २७।९ मु. । प्रदोष । अश्विन्यां मेषे भृगु १८।१७
भ. ५७।४७ उ । सौर चैत्र ।
भ. २६।४८ या. । पूर्व. यात्रा मु. । स्नान व्रतादौ १५ ।

चै. शु. ८ शुक्रे ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	४	११	१	११	१०	१	७
२५	१६	२९	१	२३	१६	२५	२५
१४	१०	३०	४१	४८	५४	५९	५९
१९	३७	५	४२	३	४५	१७	१७
५८	६/१५	१७	५	३७	३	३	३
५५	व.	व५९	४५	५८	१५	११	११

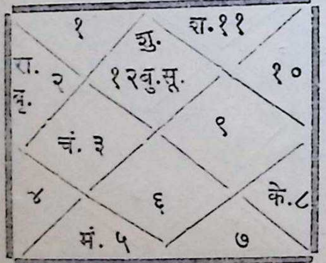

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१शु.		२ श.		३ र.		४ चं.		५ मं.		६ बु.		७ बृ.		८ शु.		९ श.		१० र.		११ चं.		१२मं.		तिथयः	१३बु.		१५ बृ.	
मी. अं.	६	२५	६	२२	६	१८	६	१४	६	१०	६	६	६	२	५	५९	५	५५	५	५२	५	४८	५	४४	मे. अं.	७	१९	७	१५
मे.	८	२	७	५९	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९	७	३५	७	३१	७	२८	७	२५	७	२२	वृ. अं.	९	१५	९	११
वृ. अं.	९	५९	९	५५	९	५१	९	४७	९	४३	९	४०	९	३६	९	३२	९	२९	९	२५	९	२१	९	१८	मि. अं.	११	२७	११	२३
मि. अं.	१२	११	१२	८	१२	४	१२	०	११	५६	११	५२	११	४९	११	४५	११	४१	११	३८	११	३५	११	३१	क. अं.	१	४६	१	४२
कं. अं.	२	३१	२	२७	२	२३	२	१९	२	१५	२	११	२	७	२	३	२	०	१	५६	१	५२	१	४९	सिं. अं.	४	०	३	५६
सिं. अं.	४	४५	४	४०	४	३६	४	३२	४	२९	४	२५	४	२१	४	१७	४	१४	४	१०	४	६	४	३	कं. अं.	६	१४	६	१०
र यः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०		रा०	
क. अं.	७	०	६	५६	६	५१	६	४७	६	४३	६	३९	६	३६	६	३२	६	२९	६	२५	६	२१	६	१८	तु. अं.	८	३०	८	२७
तु. अं.	९	१६	९	११	९	७	९	४	९	०	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३७	८	३४	वृ. अं.	१०	४७	१०	४३
वृ. अं.	११	३३	११	२९	११	२५	११	२१	११	१७	११	१४	११	१०	११	७	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	५१	ध. अं.	१२	५२	१२	४८
ध. अं.	१	३७	१	३३	१	२९	१	२५	१	२१	१	१७	१	१४	१	१०	१	६	१	३	१२	५९	१२	५६	म. अं.	२	३८	२	३४
म. अं.	३	२४	३	२०	३	१६	३	१२	३	९	३	६	३	२	२	५८	२	५४	२	५०	२	४६	२	४२	कुं. अं.	४	१३	४	९
कु. अं.	४	५६	४	५३	४	५०	४	४६	४	४२	४	३८	४	३५	४४	३२	४	२८	४	२४	४	२०	४	१६	मी. अं.	५	४०	५	३६

चै. शु. १२ भौ. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	४	११	१	०	१०	१	७
०	१५	२६	२	०	१७	२५	२५
१८	२४	६	४२	१२	३०	४३	४३
११	२३	९	२३	३५	४२	२०	२०
५८	६	१७	५	४२	३	३	३
४४	व९	व२५	५९	३	९	११	११

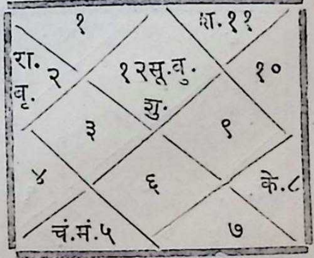

१०

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३१	३५	१	शु.	५५	५	चि.	१५	११	ह.	३	४१	वा.	२५	२७	कौ.	५५	५	मुसल	१६	१३	३				५	४१	६	१९	०	२	२४	५५	५८	३८
३१	३९	२	श.	५५	३६	स्वा	१६	३४	व.	५७	१३	तै.	२५	२०	ग.	५५	३६	सिद्धि	१७	१४	४				५	४०	६	२०	०	३	२३	३०	५८	३६
३१	४३	३	र.	५७	३३	वि.	१९	१६	व्य.	५७	२६	व.	२६	३४	वि.	५७	३३	उत्पात	१८	१५	५	वृ.	३	३५	५	४०	६	२०	०	४	२२	३	५८	३३
३१	४७	४	चं.	६०	०	ऽनु	२३	७	व.	५७	१३	वव	२९	३	वा.	६०	०	मानस	१९	१६	६				५	३९	६	२१	०	५	२०	३५	५८	३०
३१	५०	४	मं.	०	३४	ज्ये.	२८	६	प.	५७	४८	वा.	०	३४	कौ.	३२	३५	मुद्गर	२०	१७	७	ध.	२८	६	५	३८	६	२२	०	६	१९	५	५८	२८
३१	५४	५	बु.	४	३७	मू.	३३	५८	शि.	५९	३	तै.	४	३७	ग.	३७	१	ध्वज	२१	१८	८				५	३८	६	२२	०	७	१७	३०	५८	२६
३१	५८	६	बृ.	९	२६	पू.	४०	२३	सि.	६०	०	व.	९	२६	वि.	४२	१	धाता	२२	१९	९	म.	५७	२	५	३७	६	२३	०	८	१५	५८	५८	२४
३२	१	७	शु.	१४	३७	उ.	४६	५८	सि.	०	३४	वव	१४	३७	वा.	४७	१२	आनंद	२३	२०	१०				५	३६	६	२४	०	९	१४	२२	५८	२२
३२	४	८	श.	१९	४८	श्र.	५३	१८	सा.	२	९	कौ.	१९	४८	तै.	५२	७	स्थिर	२४	२१	११				५	३६	६	२४	०	१०	१२	४१	५८	२०
३२	७	९	र.	२४	२६	ध.	५९	१	शु.	३	२८	ग.	२४	२६	व.	५६	२३	मातंग	२५	२२	१२	कुं.	२६	९	५	३५	६	२५	०	११	१०	५६	५८	१७
३२	९	१०	चं.	२८	२१	श.	६०	०	शु.	४	१४	वि.	२८	२१	वव	५९	४४	अमृत	२६	२३	१३				५	३४	६	२६	०	१२	९	१६	५८	१५
३२	१२	११	मं.	३१	७	श.	३	४५	ब्र.	४	१४	वा.	३१	७	कौ.	६०	०	मृत्यु	२७	२४	१४	मी.	५१	३३	५	३४	६	२६	०	१३	७	३०	५८	१३
३२	१५	१२	बु.	३२	४३	उभा	७	२८	ऐं.	३	२१	क.	१	५५	त.	३२	४३	पद्म	२८	२५	१५				५	३३	६	२७	०	१४	५	४३	५८	११
३२	१७	१३	बृ.	३२	५७	पूभा	९	५५	वै.	१/७	२७/७	ग.	२	५०	व.	३२	५७	छत्र	२९	२६	१६				५	३२	६	२८	०	१५	३	५२	५८	७
३२	२०	१४	शु.	३१	५५	रे.	११	०	प्री.	५१	४०	वि.	२	२६	श.	३१	५५	श्रीवत्स	३०	२७	१७	मे.	११	०	५	३२	६	२८	०	१६	१	१८	५८	५
३२	२३	३०	श.	२९	३९	अ.	१०	५७	आ.	५९	५३	च.	०	४७	ना.	२९/५८	३/०	सौम्य	१	२८	१८				५	३१	६	२९	०	१७	०	६	५८	३

श्री शुभ संवत् २०२२ शके १८८७ वैशाख कृष्ण पक्षः।
अप्रैल १६ से १ मई तक। सौम्यायनगोलौ । वसन्त ऋतुः

स्वात्यां स. सि. योगः ।
भ. २६।३४ उ. ५७।३३ या. ।　　a पूर्वस्याम् ५५।५२
तिथि दानात् पश्चिमोत्तर यात्रा मु. अनु. भे. । बुधोदयः a
दारुण कर्म मु. । रा. वैशाख । कृत्तिका ३ पादे गुरुः ५।६ ।
तीक्ष्ण कर्म मु. । वक्र गत्या उ. भा. भे बुधः २२।३९ ।
भ. ९।२६ उ. ४२।१ या. ।
भानु ७ । शीतलाष्टमी ।　　i समाप्त ११।० ।
मार्गी बुधः २५।२९ ।　　e भरणी भे. शुक्रः ३५।१७ ।
भ. ५६।२३ उ. । नवम्यां या.ज.मु.। पञ्चकारम्भः २६।९ । उ.e
भ. २८।२१ या. ।　　t यात्रा मु. । मास शिवरात्रि व्रत ।
भरण्यामऽर्कः ८।४३ । वरुथिनी ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
उग्रकम मु. । प्रदोष व्रतम् । पुनर्रेवत्यां बुधः ३७।३८
भ. ३२।५७ उ. । उ. भा. भे. या. ज. मु. । रे. भे. पश्चिमोत्तर t
भ. २।२६ या.। स. सि. योगः। उदीच्यां यात्रा मु. । पञ्चक i
मई ५ । स्नानान्दौ ३० । कृत्तिकाभे २ पादे गुरुः ।

वै. कृ. ७ शु. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	४	११	१	०	१०	१	७
९	१५	१९	५	१२	१८	२४	२४
१४	३०	५४	०	३६	२४	११	११
२२	१०	३५	९	४४	३२	३०	३०
५८	म	३२	१५	७२	०	३	३
२१	उ०	५४	२	७	५	११	११

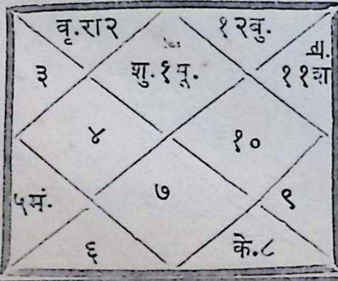

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१शु.		२श.		३र.		४चं.		४मं.		५बु.		६बृ.		७शु.		८श.		९र.		१०चं.		११मं.		१२बु.		१३बृ.		१४शु.		३०शु.	
मे.	७	१०	७	६	७	२	६	५८	६	५४	६	५१	६	४७	६	४३	६	३९	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२
वृ.	९	६	९	१	८	५७	८	५४	८	५०	८	४६	८	४२	८	३८	८	३४	८	३०	८	२६	८	२३	८	१०	८	१६	८	१२	८	८
मि.	११	१८	११	१४	११	१०	११	६	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४३	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०
क.	१	३७	१	३४	१	३०	१	२६	१	२२	१	१९	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५७	१२	५३	१२	४९	१२	४५	१२	४०
सि.	३	५१	३	४७	३	४३	३	३९	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४	३	२०	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५६	२	५३
कं.	६	७	६	३	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६	५	३३	५	२९	५	२५	५	२१	५	१७	५	१३	५	९
रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
तु.	८	२२	८	१७	८	१३	८	१	८	६	८	२	७	५८	७	५४	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	७	३०	७	२६	७	२३
वृ.	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२४	१०	२१	१०	१७	१०	१३	१०	१०	१०	६	१०	२	९	५८	९	५४	९	५०	९	४६	९	४१
ध.	१२	४३	१२	३९	१२	३५	१२	३१	१२	२७	१२	२३	१२	१९	१२	१५	१२	११	१२	७	१२	३	११	५९	११	५५	११	५१	११	४८	११	४४
म.	२	३०	२	२६	२	२३	२	२०	२	१७	२	१३	२	९	२	५	२	१	१	५७	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७	१	३२
कुं.	४	४	४	०	३	५६	३	५२	३	४९	३	४६	३	४२	३	३८	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	३	१४	३	१०	३	६
मी.	५	३१	५	२७	५	२३	५	१९	५	१६	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५७	४	५३	४	४९	४	४५	४	४१	४	३७	४	३३

वैशाख कृष्ण १४ शुक्रे इ ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	४	११	१	०	१०	१	७
१६	१६	२२	६	२१	१९	२४	२४
५०	२४	६	४५	१४	१८	४८	४८
५७	२६	११	१४	३४	२९	४४	४४
५८	०	२५	११	७२	०	३	३
५	७	मा.	१६	२४	०	११	११

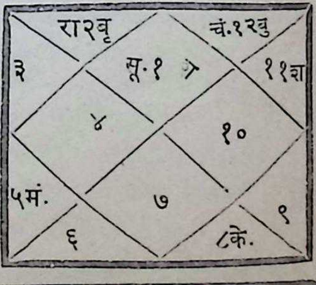

दि.मा.		वा.	ति.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३२	२५	१	र.	२६	२२	भ.	९	४५	सौ.	४४	१५	वव,	२६	२२	वा.	५४	२०	काल	२	२९	१९	वृ.	२४	१५	५	३०	६	३०	०	१७	५८	१६	५८	२
३२	२८	२	चं.	२२	९	कृ.	७	४५	शो.	३७	५७	कौ.	२२	९	तै.	४९	३९	स्थिर	३	१	२०				५	३०	६	३०	०	१८	५४	२०	५८	४
३२	३१	३	मं.	१७	८	रो	४	४८	ऽति	३१	१	ग.	१७	८	व.	४४	२२	मातंग	४	२	२१	मि.	३३	३	५	२९	६	३१	०	१९	५४	२४	५८	१
३२	३४	४	बु.	११	३७	मृ.	१/५६	१८/७	सु.	२३	४३	वि.	११	३७	वव.	३८	३९	अमृत	५	३	२२				५	२९	६	३१	०	२०	५२	२६	५८	०
३२	३७	५	बृ.	०/५३	४०/५३	पुनः	५३	१६	धृ.	१६	८	वा.	५	४२	कौ.	२/९	३८/३	सिद्धि	६	४	२३	क.	३९	१८	५	२८	६	३२	०	२१	५०	२४	५७	५८
३२	४०	७	शु.	५३	२९	पु.	४९	६	शू.	८	२४	ग.	२६	३२	व.	५३	२९	लुँवक	७	५	२४				५	२७	६	३३	०	२२	४८	२२	५७	५४
३२	४३	८	श.	४७	३८	श्ले.	४५	११	गं.	५/५१	४५/३४	वि.	२०	३३	वव	४७	३८	मित्र	८	६	२५	सिं.	४५	११	५	२७	६	३३	०	२३	४६	१८	५७	५०
३२	४६	९	र.	४२	१०	म.	४१	३९	ध्रु	४६	१६	वा.	१४	५४	कौ.	४२	१०	मुद्गर	९	७	२६				५	२६	६	३४	०	२४	४१	८	५७	४७
३२	४९	१०	चं.	३७	२०	पू.	३८	४५	व्या	३९	४६	तै.	९	४५	ग.	३७	२०	ध्वज	१०	८	२७	कं.	५३	१४	५	२६	६	३४	०	२५	४१	५६	५७	४५
३२	५३	११	मं.	३३	१५	उ.	३६	४२	ह.	३३	५४	व.	५	१७	वि.	३३	१५	धाता	११	९	२८				५	२५	६	३५	०	२६	३९	४५	५७	४३
३२	५६	१२	बु.	३०	११	ह.	३५	२९	व.	२८	५१	वव.	१	४३	वा.	०/५९	१९/९	आनंद	१२	१०	२९	तु.	५	२६	५	२५	६	३५	०	२७	३७	१४	५७	४०
३२	५९	१३	बृ.	२८	८	चि.	३५	२३	सि.	२४	३३	तै.	२८	८	ग.	५७	४३	चर	१३	११	३०				५	२४	६	३६	०	२८	३५	६	५७	४०
३३	२	१४	शु.	२७	१८	स्वा	३८	२७	व्य	२१	२०	व.	२७	१८	वि.	५७	३०	गद	१४	१२	३१	वृ.	२३	१६	५	२४	६	३६	१	२९	३२	५८	५७	४०
३३	५	१५	श.	२७	४३	वि.	३६	५२	व.	१९	३	वव.	२७	४३	वा.	५८	३८	शुभ	१५	१३	१				५	२३	६	३७	१	०	३०	२७	५७	३९

श्री शुभ संवत् २०२२ शके १८८७ वैशाख शुक्लपक्षः ।
मई २ से १५ मई तक । सौम्यायनगोलौ । वसन्त ऋतुः ।

चन्द्रदर्शनम् । या.ज.मु.भरण्याम्। पू.फा.भे. भौमः ३९।४१ ।
मुहर्रम । १३८५ । रो. भे. स. सि. योगः ।
भ. ४४।२२ उ. । अक्षय ३ । मृग. भे दक्षिण यात्रा मु. । कृत्तिकाभेa
भ. ११।३७ या. । मृग. भे स. सि. योगः ।
प्रतीच्यां यात्रा मु. । a शुक्रः ३५।४४
भ. ५३।२९ उ. । उदीच्यां यात्रा मु. । वृषे भृगुः २२।३५ ।
भ. २०।३३ या. । c योगः । दक्षिण यात्रा मु. ।
पू. भा. भे शनिः । b गुरुः पश्चिमायाम् ।
कृत्तिकायामर्कः ५७।९ । उत्तरायोगे या. ज. मु. । अस्तंगतःb
भ. ५।१७ उ. ३३।१५ या. । मोहिनी ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
अस्तंगुरुः पश्चिमायाम् ५२।७ । प्रदीष व्रतम् । स.सि.c

भ. २७।१८ उ. ५७।३० या. । वृषेऽर्कः २४।१० ।
रोहिणीभे शुक्रः १२।५५।सौर ज्येष्ठारम्भः । शुक्रोदयः पश्चि-d
d मांयाम् ५।३५ । रोहि. भे गुरुः २३।१४

११

वै. शु. २ चन्द्रे. र.

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	४	११	१	०	१०	१	७
१९	१६	२३	७	२४	१९	२३	२३
४४	२४	१८	१८	५४	१८	३९	३९
५७	४४	३५	४४	२३	४५	४०	४०
५८	मा.	मा	११	७२	०	३	३
०	०/६	२४/२३	५९	३९	५	११	११

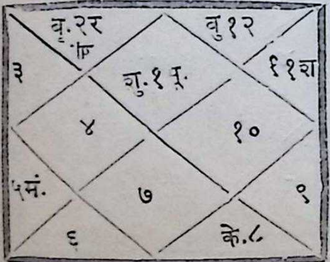

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.		२ चं.		३मं.		४ बु.		५ बृ.		७ शु.		८ श.		९ र.		१० च.		११ मं.		१२ बु.		१३ बृ.		१४ शु.		तिथयः	१५ श.	
मे. अं.	६	७	६	३	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७	५	४३	५	३९	५	३६	५	३३	५	२९	५	२५	५	२१	वृ अं.	७	१२
वृ. अं.	८	३	८	०	७	५६	७	५२	७	४८	४	४४	७	४०	७	३६	७	३२	७	२८	७	२४	७	२०	७	१६	मि. अं	९	२५
मि. अं.	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६	९	३३	९	२९	क अं.	११	४४
क. अं.	१२	३५	१२	३१	१२	२७	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५६	११	५२	११	४८	सिं अं	१	५८
सिं.अं.	२	४३	२	४५	२	४१	२	३७	२	३४	२	३०	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	१०	२	६	२	२	कं अं	४	१२
कं. अं.	५	४	५	०	४	५६	४	५२	४	४८	४	४४	४	४०	४	३६	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०	४	१६	तु अं	६	२८
राशयः	रा०		रा	०	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०	
तु. अं.	७	१९	७	१६	७	१२	७	८	७	४	७	०	६	५६	६	५२	६	४८	६	४४	४	४०	६	३६	६	३२	वृ अं	८	४६
वृ. अं.	९	३७	९	३४	९	३०	९	२६	९	२२	९	१८	९	१४	९	१०	९	६	९	२	८	५८	८	५४	८	५०	ध. अं.	१०	५०
ध. अं.	११	४१	११	३८	११	३४	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	६	११	२	१०	५८	१०	५४	म. अं.	१२	३७
म. अं.	१	२८	१	२५	१	२१	१	१७	१	१३	१	९	१	५	१	१	१२	५७	१२	५३	१२	४९	१२	४५	१२	४१	कुं. अं.	२	११
कुं. अं.	३	२	२	५८	२	५४	२	५०	२	४६	२	४२	२	३८	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३	२	१९	२	१५	मी. अं.	३	३८
मी. अं.	४	२९	४	२६	४	२२	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	४	२	३	५८	३	५४	३	५०	३	४६	३	४२	मे अं.	५	१७

वै. शु. १३ गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	४	०	१	१	१०	१	७
२८	१८	५	९	७	२०	२३	३३
२३	३६	३०	३६	२४	१८	७	७
१०	३	१०	४	३२	२४	५०	५०
५७	१२	७१	११	७४	५	३	३
४०	२३	३५	३५	२४	४५	११	११

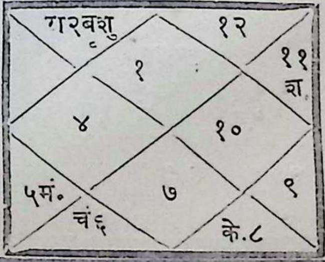

दि.मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३३	७	१	र.	२९	३४	अनु.	४४	११	प.	१७	४९	कौ.	२९	३४	तै.	६०	०	मृत्यु	१६	१४	२				५	२३	६	३७	१	१	२८	८	५७	३७
३३	१०	२	चं.	३२	२८	ज्ये.	४७	१८	शि.	१७	३०	तै.	१	१	ग.	३२	२८	पद्म	१७	१५	३	ध.	४७	१८	५	२२	६	३८	१	२	२५	४५	५७	३४
३३	१३	३	मं.	३६	२६	मू.	५२	५७	सि.	१८	४	व.	४	२७	वि.	३६	२६	छत्र	१८	१६	४				५	२२	६	३८	१	३	२३	२०	५७	३३
३३	१५	४	बु.	४१	९	पू.	५९	१५	सा.	१९	१३	वव	८	४६	वा.	४१	९	श्रीवत्स	१९	१७	५				५	२१	६	३९	१	४	२०	५४	५७	३०
३३	१८	५	बृ.	४६	१७	उ.	६०	०	शु.	२०	४५	कौ.	१३	४३	तै.	४६	१७	सौम्य	२०	१८	६	म.	१५	५४	५	२१	६	३९	१	५	१८	२४	५७	२८
३३	२१	६	शु.	५१	१९	उ.	५	५३	शु.	२२	२६	ग.	१८	४८	व.	५१	१९	आनंद	२१	१९	७				५	२०	६	४०	१	६	१५	५१	५७	२५
३३	२४	७	श.	५५	५६	श्र.	१२	१८	व्र.	२३	५३	वि.	२३	३८	वव	५५	५६	स्थिर	२२	२०	८	कुं.	४५	१३	५	२०	६	४०	१	७	१३	१८	५७	२४
३३	२६	८	र.	५९	४५	ध.	१८	९	ऐं.	२४	५०	वा.	२७	५०	कौ.	५९	४५	मातंग	२३	२१	९				५	१९	६	४१	१	८	१०	४४	५७	२३
३३	२७	९	चं.	६०	०	श.	२३	०	वै.	२५	४	तै.	३१	५	ग.	६०	०	अमृत	२४	२२	१०				५	१९	६	४१	१	९	८	९	५७	२२
३३	२८	९	मं.	२	२६	उभा	२७	३	वि.	२४	२७	ग.	२	२६	व	३३	१४	काण	२५	२३	११	मी.	११	२	५	१८	६	४२	१	१०	५	३३	५७	२०
३३	३१	१०	बु.	४	२	पूभा	२९	४५	प्री.	२२	५०	वि.	४	२	व	३४	९	लुम्ब	२६	२४	१२				५	१८	६	४२	१	११	२	५५	५७	१९
३३	३२	११	बृ.	४	१६	रे.	३१	१०	आ.	२०	१२	वा.	४	१६	कौ.	३३	४४	मित्र	२७	२५	१३	मे.	३१	१०	५	१८	६	४२	१	१२	०	१५	५७	१७
३३	३४	१२	शु.	३	१२	अ.	३१	३१	सौ.	१६	३४	तै.	३	१२	ग.	३२	३३	वज्र	२८	२६	१४				५	१७	६	४३	१	१२	५७	३३	५७	१५
३३	३५	१३	श.	५ ५५	५४ ४०	भ.	३०	२४	शो.	११	५९	व.	१	५४	वि.	२ २७	४४ ३४	ध्वांक्ष	२९	२७	१५	वृ.	४४	५६	५	१७	६	४३	१	१३	५४	५०	५७	१३
३३	३७	३०	र.	५३	१९	कृ.	२८	३२	धृति	६	३५	च.	२५	२६	ना.	५३	१९	धूम्र	३०	२८	१६				५	१७	६	४३	१	१४	५२	५	५७	१२

श्री शुभ संवत् २०२२ शके १८८७ ज्येष्ठ कृष्णपक्षः।
मई १६ से मई ३० तक। सौम्यायन गोलौ। ग्रीष्म ऋतुः

भ. ४।२७ उ. ३६।२६ या.। भरणी भे वुधः ३१।२५
गणेश ४ व्रतम्।
या. ज. मु.। Eपूर्वस्याम् ५५।४५।
भ. ५१।१९ उ.। उ. फा. भे भौमः ३।३३।
भ. २३।३८ या.। दक्षिण यात्रा मु. भद्रान्ते स. सि. यो.।
शीतलाष्टमी।
रोहिण्यामर्कः ५१।४४ Cयोगः। वृषे वुधः १५।४५।
भ. ३३।१४ उ.। Dसर्वेषाम्। स. सि. योगः।
भ. ४।२ या.। कृत्तिका भे वुध. ३५।३९।
या. ज. मु.। पश्चिम उत्तर यात्रा मु.। अपरा ११ व्रतं D
पूर्व यात्रा मु.। प्रदोष व्रतम्। मृग भे शुक्रः २१।२१। स.सि.C
भ. १।५४ उ. २९।४४ या.। या. ज. मु. १।५४ तक। वुवास्तःE
श्राद्ध स्नानादौ ३०। वटसावित्री व्रतम्।

ज्येष्ठ कृष्ण ८रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	४	०	१	१	१०	१	७
८	२१	२१	१२	१९	२०	२२	२२
१०	२४	१२	६	३६	४८	३६	३६
४४	३५	३	२९	४५	५२	०	०
५७	१७	१०७	१७	७५	०	३	३
२४	३५	४५	३५	३	३	११	११

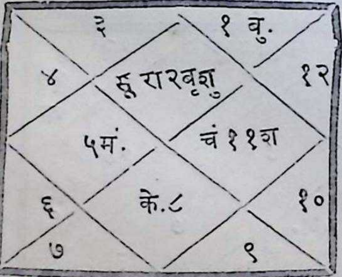

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.		२ चं.		३ मं.		४ बु.		५ बृ.		६ शु.		७ श.		८ र.		९ चं.		९ मं.		१० बु.		११ बृ.		१२ शु.		१३ श.		३० र.	
वृ. अं.	७	९	७	५	७	१	६	५८	६	५४	६	५०	६	४६	६	४२	६	३८	६	३४	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१४
मि. अं.	९	२१	९	१८	९	१४	९	१०	९	६	९	८	८	५८	८	५४	८	५०	८	४६	८	४२	८	३८	८	३४	८	३०	८	२६
क. अं.	११	४०	११	३६	११	३२	११	२८	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२	११	८	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४५
सिं. अं.	१	५४	१	५०	१	४६	१	४२	१	३८	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५	१	११	११	७	११	३	१२	५९
कं. अं.	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५२	३	४८	३	४४	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४	३	२०	३	१६	३	१३
तु. अं.	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	८	६	४	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६	५	३२	५	२९
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	८	४२	८	३८	८	३४	८	३०	८	२६	८	२२	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५५	७	५१	७	४७
ध. अं.	१०	४६	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१५	१०	११	१०	७	१०	३	९	५९	९	५५	९	५१
म. अं.	१२	३३	१२	२९	१२	२५	१२	२१	१२	१८	१२	१४	१२	१०	१२	६	१२	२	११	५८	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२	११	३८
कुं. अं.	२	७	२	४	२	०	१	५६	१	५२	१	४८	१	४४	१	४०	१	३६	१	३२	१	२८	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२
मी. अं.	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	३	१४	३	१०	३	६	३	२	२	५८	२	५५	२	५१	२	४७	२	४३	२	३९
मे. अं.	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५६	४	५२	४	४८	४	४५	४	४१	४	३७	४	३३	४	२९	४	२५	४	२१	४	१७

ज्येष्ठ कृष्ण ३० रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	४	१	१	१	१०	१	७
१४	२३	४	१३	२७	२१	२२	२२
३९	५४	३	४८	३	०	७	६
४४	१४	७	४४	१३	४४	१२	१२
५७	२३	१०५	१२	७४	६	३	३
१२	१७	१७	३८	४७	३	११	११

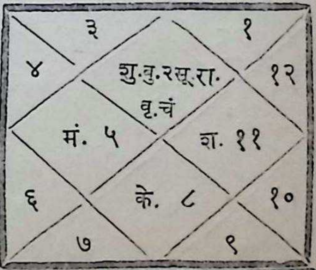

दि. ना.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः		श्री शुभ संवत् २०२२ शके १८८७ ज्येष्ठ शुक्लपक्षः ।
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	मई ३१ से १४ जून तक। सौम्यायन गोलौ। ग्रीष्म ऋतुः।
३३	३९	१	चं.	४८	१५	रो.	२५	४२	सु.	० ५३	३ १६	कि.	२०	४७	वव	४८	१५	वर्द्ध.	३१	२९	१७	मि.	५४	३	५	१६	६	४४	१	१५	४९	२०	५७	१२	यायीजय मु.। स. सि. यो.। मिथुने भृगुः ३५।४४।
३३	४०	२	मं.	४२	४०	मृ.	२२	२४	शू.	४५	३४	वा.	१५	२७	कौ.	४२	४०	राक्षस	१	३०	१८				५	१६	६	४४	१	१६	४६	३३	५७	११	जून ६। चन्द्रदर्शनम्। पश्चिम यात्रा मु.।
३३	४२	३	बु.	३६	३९	आ.	१८	३२	गं.	३९	७	तै.	९	४०	ग.	३६	३९	मुशल	२	१	१९				५	१६	६	४४	१	१७	४३	४१	५७	८	सफर। पुन. भे यात्रा मु. प्रतीच्यामुदीच्याम्।
३३	४५	४	बृ.	३०	२१	पुन.	१४	२८	वृ.	३१	२९	व.	३	३०	वि.	३० ५७	२१ २१	सिद्धि	३	२	२०	क.	०	२९	५	१५	६	४५	१	१८	४०	५४	५७	८	भ. ३।३० उ. ३०।२१ या.। स. सि. योगः १४।२८उ. ।e
३३	४६	५	शु.	२४	२०	पु.	१०	२७	ध्रु.	२३	५१	वा.	२४	२०	कौ.	५१	२२	उत्पात	४	३	२१				५	१५	६	४५	१	१९	३८	४	५७	८	रोहिणी भे बुधः ५।३ eप्रतीच्यामुदीच्यां यात्रा मु.।
३३	४७	६	श.	१८	२५	श्ले.	६	१६	व्या	१६	२६	तै.	१८	२५	ग.	४५	४७	मानस	५	४	२२	सिं.	६	१६	५	१५	६	४५	१	२०	३५	१४	५७	७	आर्द्रायां भृगुः ५६।२७।
३३	४७	७	र.	१३	१०	म.	२ ५६	४० ५७	ह.	८	२०	व.	१३	१०	वि.	४०	३२	मुद्गर	६	५	२३				५	१५	६	४५	१	२१	३२	२४	५७	७	भ. १३।१० उ. ४०।३२ या.।
३३	४८	८	चं.	७	५४	उ.	५७	२२	व.	२ ५८	४५ ५४	वव	७	५४	वा.	३५	५०	श्रीवत्स	७	६	२४	कं.	१४	३	५	१४	६	४६	१	२२	२९	३१	५७	६	मृगशिरस्यर्कः ५०।४५। नवम्यां या. ज. मु.।
३३	५०	९	मं.	३	४७	ह.	५५	५३	व्य.	५१	३०	कौ.	३	४७	तै	३२	११	सौम्य	८	७	२५				५	१४	६	४६	१	२३	२६	३५	५७	४	दशम्यां दक्षिण यात्रा मु.। नवम्यां या. ज. मु.।
३३	५१	१०	बु.	० ५७	३५ ५०	चि.	५५	३०	व.	४७	६	ग.	०	३५	व.	२ ५	३० २५	कालदं	९	८	२६	तु.	२५	४१	५	१४	६	४६	१	२४	२३	३८	५७	२	भ. २९।३० उ. ५८।२५ या.।
३३	५२	१२	बृ.	५७	२८	स्वा	५६	२१	प.	४३	४०	वव	२७	५६	वा.	५७	२८	स्थिर	१०	९	२७				५	१४	६	४६	१	२५	२०	४१	५७	०	पूर्वोदयं गुरु ५।२०।
३३	५३	१३	शु.	५७	४७	वि.	५८	२४	शि.	४१	१४	कौ.	२७	३७	तै.	५७	४७	मातंग	११	१०	२८	वृ.	४२	५३	५	१४	६	४६	१	२६	१७	४२	५७	०	मृग भे बुधः ५८।३७।
३३	५४	१४	श.	५९	२९	ऽनु.	६०	०	सि.	३९	४९	ग.	२८	३८	व.	५९	२३	अमृत	१२	११	२९				५	१३	६	४७	१	२७	१४	४४	५६	५९	भ. ५९।२९ उ.। उदीच्यां प्रदीच्याम्यात्रा मु. तिथि दानात्।
३३	५४	१५	र.	६०	०	ऽनु.	१	४९	सा.	३९	१९	वि.	३०	५०	वव	६०	०	मृत्यु	१३	१२	३०				५	१३	६	४७	१	२८	११	४४	५६	५८	भ. ३०।५० या.।
३३	५५	१५	चं.	२	१२	ज्ये.	६	१७	शु.	३९	४६	वव	२	१२	वा.	३४	९	पद्म	१४	१३	३१	ध.	६	१७	५	१३	६	४७	१	२९	१८	४३	५६	५७	मिथुनेऽर्कः ५०।१० मु.। मिथुने बुधः ५६।३७

ज्ये. शु. ३ बु. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	४	१	१	२	१०	१	७
१७	२५	९	१४	१	२१	२१	२१
४३	६	२४	२४	४८	१८	४	४
४१	३२	३५	४४	४६	३५	१०	१०
५७	२४	१०७	१२	७५	६	३	३
१०	४२	५९	२५	३५	५	११	११

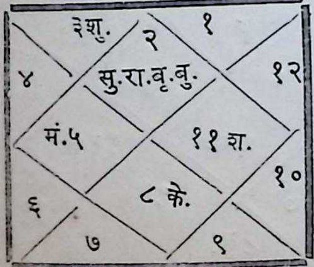

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ च.		२ मं.		३ बु.		४ बृ.		५ शु.		६ श.		७ र.		८ च.		९ मं.		१० बु.		१२ बृ.		१३ शु.		१४ श.		१५ र.		१५ चं.	
वृ. अं.	६	९	६	५	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२	५	१	५	१४
मि. अं.	८	२२	८	१८	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९	७	३५	७	३१	७	२७
क. अं.	१०	४१	१०	३७	१०	३३	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	६	१०	२	९	५८	९	५४	९	५०	९	४६
सिं. अं.	१२	५५	१२	५१	१०	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०
कं. अं.	३	९	३	५	३	२	२	५८	२	५४	२	५०	२	४६	२	४२	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४
तु. अं	५	२५	५	२१	५	१८	५	१४	५	१०	५	६	५	२	४	५८	४	५४	४	५०	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	४	३०
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	७	४३	७	३९	७	३५	७	३२	७	२८	७	२४	७	२०	७	१६	७	१२	७	८	७	४	७	०	६	५६	६	५२	६	४८
ध. अं.	९	४७	९	४३	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५६	८	५२
म. अं.	११	३४	११	३०	११	२६	११	२३	११	१९	११	१५	११	११	११	७	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	३९
कुं. अं.	१	८	१	४	१	०	१२	५६	१२	५३	१२	४९	१२	४५	१२	४१	१२	३७	१२	३३	१२	२९	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१३
मी. अं.	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३	२	१९	२	१५	२	११	२	७	२	३	२	०	१	५६	१	५२	१	४८	१	४४	१	४०
मे. अं.	४	१३	४	९	४	६	४	२	३	५८	३	५४	३	५०	३	४६	३	४२	३	३८	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८

ज्ये. शु. १५ रवौ

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	४	१	१	२	१०	१	७
२९	२९	२८	१६	१४	२१	२०	२०
१८	१८	३०	४८	६	२८	३३	३३
४३	३५	३२	३६	३५	३३	२०	३०
५६	२४	११४	१४	७८	३	३	३
५९	३७	३५	५	७	५	११	११

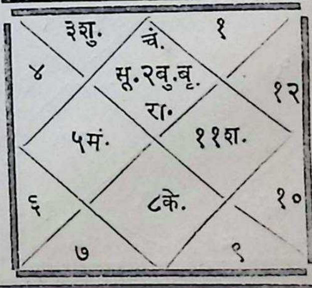

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	५५	१	मं.	६	६	मू.	११	४६	शु.	४०	५०	कौ.	६	६	तै.	३८	२४	छत्र	१५	१४	१				५	१३	६	४७	२	०	४	४१	५६	५६
३३	५५	२	बु.	१०	४२	पू.	१७	५७	व्र.	४२	१९	ग.	१०	४२	व.	४३	१२	श्रीवत्स	१६	१५	२	म.	३४	३४	५	१३	६	४७	२	१	१	३९	५६	५६
३३	५६	३	बृ.	१५	४३	उ.	२४	२७	ऐं.	४४	२	वि.	१५	४३	वव	४८	१३	सौम्य.	१७	१६	३				५	१३	६	४७	२	१	५७	३७	५६	५५
३३	५६	४	शु.	२०	४४	श्र.	३०	५८	वै.	४५	३२	बा.	२०	४४	कौ.	५३	२	धूम्र	१८	१७	४				५	१३	६	४७	२	२	५६	३४	५६	५४
३३	५६	५	श.	२५	२०	ध.	३६	५६	वि.	४६	४०	तै.	२५	२०	ग.	५७	१४	वर्द्धमा.	१९	१८	५	कुं.	३	५७	५	१३	६	४७	२	३	५१	३०	५६	५३
३३	५६	६	र.	२९	८	श.	४२	९	प्री.	४७	५	व.	२९	८	वि.	६०	०	रक्ष	२०	१९	६				५	१३	६	४७	२	४	४७	२४	५६	५२
३३	५६	७	चं.	३१	४९	पू.	४६	१४	आ.	४६	३४	वि.	०	२८	व	३१	४९	मुसल	२१	२०	७	मी.	३०	१३	५	१३	६	४७	२	५	४४	१७	५६	५२
३३	५६	८	मं.	३३	२७	उ.	४९	१२	सौ.	४५	१३	बा.	२	३८	कौ.	३३	२७	सिद्धि	२२	२१	८				५	१३	६	४७	२	६	४०	११	५६	५२
३३	५६	९	बु.	३३	४२	रे.	५०	५३	शो.	४२	४८	तै.	३	३४	ग.	३३	४२	उत्पात	२३	२२	९	मे.	५०	५३	५	१३	६	४७	२	७	३७	५	५६	५१
३३	५६	१०	बृ.	३२	४२	अ.	५१	२	अ.	३९	२३	व.	३	१२	वि.	३२	४२	मानस	२४	२३	१०				५	१३	६	४७	२	८	३३	५९	५६	५०
३३	५६	११	शु.	३०	२८	भ.	५०	३७	सु.	३५	०	वव	१	३५	वा	३० १८	२८ ४८	मुद्गर	२५	२४	११				५	१३	६	४७	२	९	३०	५०	५६	५०
३३	५६	१२	श.	२७	९	कृ.	४८	५३	धृ.	२९	४५	तै.	२७	९	ग.	५५	३	ध्वज	२६	२५	१२	वृ.	५	११	५	१३	६	४७	२	१०	२७	४२	५६	५०
३३	५५	१३	र.	२२	५७	रो.	४६	१७	शू.	२३	४८	त्र.	२२	५७	वि.	५०	२५	धाता	२७	२६	१३				५	१३	६	४७	२	११	२४	३५	५६	४९
३३	५५	१४	चं.	१७	५४	मृ.	४३	१	गं.	१७	१२	श.	१७	५४	च.	४५	५	आनंद	२८	२७	१४	मि.	१४	३९	५	१३	६	४७	२	१२	२०	२५	५६	४९
३३	५५	३०	मं.	१२	१७	आ.	३९	१५	वृ.	१०	६	ना.	१२	१७	किं.	३९	१७	चर	२९	२८	१५				५	१३	६	४७	२	१३	१७	१६	५६	४९

श्री शुभ संवत् २०२२ शके १८८७ आषाढ़ कृष्णपक्षः।
जून १५ से २९ सौम्यायन गोलौ ग्रीष्म ऋतुः ।

सौराषाढ़ारम्भः । d२६।१९। प्र. १३व्र. । कर्के शुक्रः५२।४४।
भ.४३।१२ उ.। कन्यायां भौमः २७।१५ aगणेश ४ व्रतम्।
भ. १५।४३ या.। या. ज. मु.। श्रवसि दक्षिण यात्रा मु.।a
पञ्चम्यां पूर्व यात्रा मु.। स. सि. योगः।
या. ज. मु.। पञ्चकारम्भः ४।५७ प्रतीच्यां यात्रा मु.।b
भ.२९।८उ.। वक्री शनिः ५९।३५।
भ. ०।२८ या.। शिव भेऽर्कः ५१।४६। शीतलाष्टमी।
c उ.। प्राच्यामुदीच्यां यात्रा मु. भद्रा प्राक्।
पञ्चक समाप्त ५०।५३।
भ. ३।१२ उ. ३२।४२ या.। स.सि.योगः। या.ज.मु.३२।४२c
योगिनी ११ व्रतं सर्वेषाम्। पुनर्भे बुधः ३१।३१।
रो. भे. या. ज. मु. स.सि.योगश्च। बुधोदयः प्रतीच्याम्d
भ. २२।५७ उ. ५०।२५ या.। या. ज. मु. २२।५७ या.।e
सोमवती ३०।१७।५४ उ.। e मास शिवरात्रि व्रतम्।
तीक्ष्ण कर्म मु.।bआर्द्रायां बुधः३५।२९। पुन.भे.भृगुः३२।४४।

आ. कृ. २ बुधे. इ. ७।३४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	५	२	१	२	१०	१	६
१	०	३	१७	१७	२१	१९	१९
४२	३०	३०	२२	५७	३४	२४	२४
३९	३७	१७	९	३१	३१	११	११
५६	२४	११७	१२	७४	३	३	३
५६	२५	३	५९	५	५	११	११

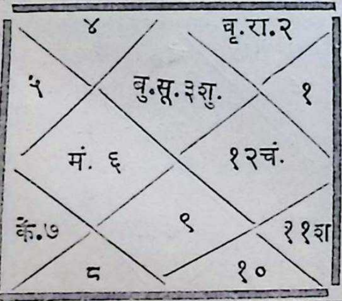

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१मं.		२बु.		३बृ.		४ शु.		५श.		६र.		७चं.		८मं.		९बु.		१०बृ.		११शु.		१२श.		१३ र.		१४चं.		३०मं.	
मि. अं.	७	२३	७	१९	७	१५	७	१२	७	७	७	३	६	५९	६	५५	६	५१	६	४६	६	४२	६	३८	६	३४	६	३०	६	२६
क. अं.	९	४२	९	३८	९	३४	९	३०	९	२६	९	२२	९	१८	९	१४	९	१०	९	५	९	१	८	५७	८	५३	८	४९	८	४५
सिं. अं.	११	५६	११	५२	११	४८	११	४४	११	४०	१४	३६	११	३२	११	२८	११	२४	११	१९	१०	१५	११	११	११	७	११	३	१०	५९
कं. अं.	२	१०	२	६	२	२	१	५८	१	५४	१	५०	१	४६	१	४२	१	३८	१	३३	१	२९	१	२५	१	२१	१	१७	१	१३
तु. अं.	४	२६	४	२२	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	४	२	३	५८	३	५४	३	४९	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९
वृ. अं.	६	४४	६	४०	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	७	६	३	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
ध अं.	८	४८	८	४४	८	४०	८	३६	८	३२	८	२८	८	२४	८	२०	८	१६	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५५	७	५१
म. अं.	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१५	१०	११	१०	७	१०	३	९	५८	९	५४	९	५०	९	४६	९	४२	९	३८
कु. अं.	१२	९	१२	५	१२	१	११	५७	११	५३	११	४९	११	४५	११	४१	११	३७	११	३२	११	२८	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२
मी. अं.	१	३६	१	३२	१	२८	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१२	५९	१२	५५	१२	५१	१२	४७	१२	४३	१२	३९
मे. अं.	३	१४	३	१०	३	६	३	२	२	५८	२	५४	२	५०	२	४६	२	४२	२	३७	२	३३	२	२९	२	२५	२	२१	२	१७
वृ. ⁝	५	१०	५	६	५	२	४	५८	४	५४	४	५०	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	४	२९	४	२५	४	२१	४	१७	४	१३

आ. कृ. ९ बुधे इ ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	५	२	१	२	१०	१	७
७	३	१७	१९	२६	२१	१९	१९
३२	५४	१२	१२	१२	४२	१	१
३३	३५	३	५२	३५	३५	३०	३०
५६	२४	११४	१८	७१	व	३	३
५३	०	१५	३५	३५	०६	११	११

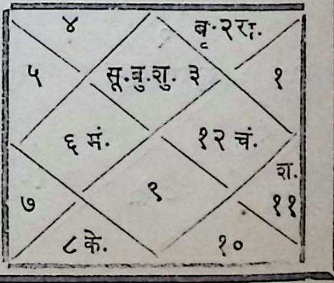

दि. मा. घ.	प	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	५४	१	बु.	६	१७	पुन	३५	१०	ध्रु.	२/५२	४०/२३	वव	६	१७	वा.	३३	१२	गद	३०	२९	१६	क.	२१	११	५	१३	६	४७	२	१४	१३	८	५६	४८
३३	५२	२	वृ.	०/५	७/४६	पु.	३०	५५	ह.	४७	२५	कौ.	०	७	तै.	२७/५३	०/५३	शुभ	१	१	१७				५	१३	६	४७	२	१५	१०	५५	५६	४६
३३	५२	४	शु.	४७	५४	श्ले	२६	५३	व.	३९	५७	व.	२०	५३	वि.	४७	५४	मृत्यु	२	२	१८	सिं.	२६	५३	५	१४	६	४६	२	१६	७	४८	५६	४६
३३	५२	५	श.	४२	१८	म.	२३	१०	सि.	३२	४६	वव	१५	६	वा	४२	१८	पद्म	३	३	१९				५	१४	६	४६	२	१७	४	३८	५६	४६
३३	५१	६	र.	३७	१२	पूफा	१९	५७	व्य.	२६	२	कौ.	९	४५	तै.	३७	१२	छत्र	४	४	२०	कं.	३४	१९	५	१४	६	४६	२	१८	०	२८	५६	४८
३३	४९	७	चं.	३२	४९	उफा	१७	२६	व.	१९	५६	ग.	५	०	त्र.	३२	४९	श्रीवत्स	५	५	२१				५	१४	६	४६	२	१८	५७	२०	५६	४८
३३	४८	८	मं.	२९	३९	ह.	१५	४७	प.	१४	३०	वि.	१	१४	वव	२९/५८	३९/३	सौम्य	६	६	२२	तु.	४५	२७	५	१४	६	४६	२	१९	५४	८	५६	४८
३३	४६	९	बु.	२७	२१	चि.	१५	७	शि.	९	५५	कौ.	२७	२१	तै.	५६	४९	काल	७	७	२३				५	१५	६	४५	२	२०	५१	५८	५६	४९
३३	४५	१०	बृ.	२६	१८	स्वा	१५	४२	सि.	६	१६	ग.	२६	१८	व.	५६	२५	स्थिर	८	८	२४				५	१५	६	४५	२	२१	४८	५०	५६	४९
३३	४४	११	शु.	२६	३२	वि.	१७	२८	सा.	३	४०	वि.	२६	३२	वव	५७	१८	मातंग	९	९	२५	वृ.	२	२	५	१५	६	४५	२	२२	४५	४०	५६	४९
३३	४२	१२	श.	२८	५	ऽनु.	२०	३२	शु.	२	२	वा.	२८	५	कौ.	५९	२४	अमृत	१०	१०	२६				५	१५	६	४५	२	२३	४२	३३	५६	५०
३३	४०	१३	र.	३०	४३	ज्ये.	२४	४६	शु.	१	२३	तै.	३०	४३	ग.	६०	०	काण	११	११	२७	ध.	२४	४६	५	१६	६	४४	२	२४	३९	२६	५६	५०
३३	३९	१४	चं.	३४	३१	मू.	३०	२	ब्र.	१	३६	ग.	२	३७	व.	३४	३१	लुम्ब	१२	१२	२८				५	१६	६	४४	२	२५	३६	१९	५६	५१
३३	३८	१५	मं.	३९	२	पू.	३६	२	ऐं.	२	३५	वि.	६	४६	त्र	३९	२	मित्र	१३	१३	२९	म.	५२	४०	५	१६	६	४४	२	२६	३३	१३	५६	५२

श्री शुभ संवत् २०२२ शके १८८७ आषाढ़ शुक्ल पक्षः।
जून ३० से १३ जुलाई तक । सौम्यायनगोलौ । ग्रीष्म ऋतुः।

चन्द्रदर्शनम् । रथयात्रा । कर्क बुधः ०।९ ।
जुलाई । रविउल अव्वल । अ. सि. योग ३०।५५ तक । a
भ. २०।५३ उ. । ४७।५४ या. । a पूर्वोत्तर यात्रा मु. ।
पुष्ये बुधः ५७।१५ । b पुष्ये शुक्रः २२।३७ ।
सप्तमी योगे या. ज. मु. । हस्त भे. भौमः ३७।४१ ।
भ. ३२।४९ उ. । पुनर्भेऽर्कः ५६।४७ । या. ज. मु. १७।१६ या.।
भ. १।१४ या. । दक्षिण पूर्व यात्रा मु. तिथि दानात् । b

भ. ५६।२५ उ. । c भृगुः ३२।४२ ।
भ. २६।३२ या. । हरिशयनी ११ व्रतं सर्वेषाम् । श्लेषायां c
प्रदोष व्रतम् । प्रतीच्योदीच्यां यात्रा मु.मृगभे गुरुः१६।१४ । d
y आषाढ़ी योगः
भ. ३४।३१ उ. । d श्लेषायांबुधः २५।१५ ।
भ. ६।४६ या । गुरुपूर्णिमा । गुरु व्यासयोः पूजनम् । y

आ. शु. ४ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	५	३	१	३	१०	१	७
१७	९	५	२१	८	२१	१८	१८
१	०	०	३०	२४	३६	२९	२९
९	४४	१३	१५	१७	४५	४०	४०
५६	३१	११८	१३	७२	व.	३	३
५०	५	२५	१५	३९	०/६	११	११

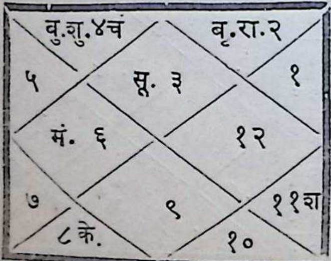

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.		२ वृ.		४ शु.		५ श.		६ र.		७ चं.		८मं.		९बु.		१० वृ.		११शु.		१२श.		१३ र.		१४चं.		१५ मं.	
मि. अं.	६	२१	६	१७	६	१३	६	९	६	५	६	१	५	५७	५	५३	५	४९	५	४५	५	४१	५	३७	५	३३	५	२९
क. अं.	८	४०	८	३६	८	३२	८	२८	८	२४	८	२०	८	१६	८	१२	८	८	८	४	८	०	७	५६	७	५२	७	४८
सिं. अं.	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४२	१०	३८	१०	३४	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	६	१०	२
कं. अं.	१	८	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६
तु. अं.	३	२४	३	२०	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५६	२	५२	२	४८	२	४४	२	४०	२	३६	२	३२
वृ. अं.	५	४२	५	३८	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८	५	१४	५	१०	५	६	५	२	४	५८	४	५४	४	५०
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
ध. अं.	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	७	३०	७	२६	७	२२	७	१८	७	१४	७	१०	७	६	७	२	६	५८	६	५४
म. अं.	९	३३	९	२९	९	२५	९	२१	९	१७	९	१३	९	९	९	५	९	१	८	५७	८	५२	८	४९	८	४५	८	४१
कुं. अं.	११	७	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१५
मी. अं.	१२	३४	१२	३०	१२	२६	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	१०	१२	६	१२	२	११	५८	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२
मे. अं.	२	१२	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५२	१	४८	१	४४	१	४०	१	३६	१	३२	१	२८	१	२४	१	२०
वृ. अं.	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५२	३	४८	३	४४	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४	३	२०	३	१६

आषाढ़ शु. १४ चन्द्रे. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	५	३	१	३	१०	१	७
२६	१४	२०	२३	२०	२१	१७	१७
३१	१२	३०	४२	२४	२४	५७	५७
२४	२४	१२	१४	१७	२३	५०	५०
५६	३१	९०	१२	७१	व	३	३
५३	२५	३७	११	३९	०/७	११	११

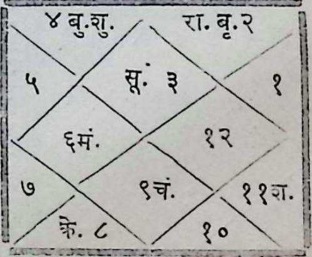

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	श्री शुभ संवत् २०२२ शके १८८७ श्रावण कृष्णपक्षः । जुलाई १४ से २८ तक । वर्षाऋतु सौम्यायनम् सौम्यगोलः ।
३३	३७	१	बु.	४४	३	उ.	४२	३२	वै.	४	०	वा.	११	३२	कौ.	४४	३	वज्र	१४	१४	३०				५	१६	६	४४	२	२७	३०	७	५६	५२	श्रवसि दक्षिण यात्रा मु. ।
३३	३५	२	बृ.	४९	३	श्र.	४९	१	वि.	५	४२	तै.	१६	३३	ग.	४९	३	ध्वज	१५	१५	३१				५	१७	६	४३	२	२८	२७	१	५६	५२	प्राच्यां यात्रा मु. ।
३३	३३	३	शु.	५३	३८	ध.	५५	११	प्री.	७	२७	व.	२१	२०	वि.	५३	३८	धाता	१६	१६	३२	कुं.	२२	६	५	१७	६	४३	२	२९	२४	५५	५६	५२	भ. २१।२० उ. ५३।३८ या. । कर्केऽर्कः २८।० मु. ।
३३	३१	४	श.	५७	३०	श.	६०	०	आ.	८	२६	वव	२५	२९	वा.	५७	३०	आनंद	१७	१७	१				५	१८	६	४२	३	०	२५	५२	५६	५४	सौर श्रावण ।
३३	२९	५	र.	६०	०	श.	०	३४	सौ.	८	५८	कौ.	२८	५३	तै.	६०	०	रक्ष	१८	१८	२	मी.	४८	४९	५	१८	६	४२	३	१	२२	५०	५६	५५	
३३	२७	५	चं.	०	१६	पूभा	४	५४	शो.	८	३९	तै.	०	१६	ग.	३१	८	मुशल	१९	१९	३				५	१८	६	४२	३	२	१९	४५	५६	५६	पुष्यभेर्कः ५९।४८ । b शुक्र १२।४४
३३	२५	६	मं.	२	०	उभा	८	९	अ	७	२९	व.	२	०	वि.	३२	९	सिद्धि	२०	२०	४				५	१९	६	४१	३	३	१६	४४	५६	५६	भ.२।० उ. ३२।९ या. । मघायां सिंहे बुधः ३७।४० । सिंहेb
३३	२३	७	बु.	२	१८	रे.	१०	७	सु.	५	१३	वव	२	१८	वा.	३१	५०	उत्पा.	२१	२१	५	मे.	१०	७	५	१९	६	४१	३	४	१३	४०	५६	५७	
३३	२१	८	बृ.	१ ५७	२९ ५२	अ.	१०	४८	धृ.	२ ५	० ४५	कौ	१	२१	तै.	३० ५९	१७ १३	मानस	२२	२२	६				५	२०	६	४०	३	५	१०	४०	५६	५८	भरण्यां या. ज. मु. । पूर्वोत्तर यात्रा मु. ।
३३	१९	१०	शु.	५६	०	भ.	१०	१९	गं.	५२	४१	व.	२७	३६	वि.	५६	०	मुद्गर	२३	२३	७	वृ.	२४	५५	५	२०	६	४०	३	६	७	४२	५६	५८	भ. २७।३६ उ. ५६।० या. ।
३३	१७	११	श.	५[illegible]	५०	कृ.	८	४५	वृ.	४६	५०	वव	२३	५५	वा.	५१	५०	ध्वज	२४	२४	८				५	२०	६	४०	३	७	४	४३	५७	०	रोहिणीभेया. ज. मु. । कामदा ११ व्रतं प्रायः सर्वेषाम् ।
३३	१४	१२	र.	४६	५१	रो.	६	२५	ध्रु.	४०	१८	कौ.	१९	२०	.	४६	५१	धाता	२५	२५	९	मि.	३४	५०	५	२१	६	३९	३	८	१	४४	५७	०	
३३	१२	१३	चं.	४१	१८	मृ.	३ २६	१५ १७	व्या	३३	१३	ग.	१४	४	व.	४१	१८	आनंद	२६	२६	१०				५	२१	६	३९	३	८	५८	४६	५७	१	भ. ४१।१८ उ. । दक्षिण पश्चिमयो यात्रा मु. । प्रदोष व्रतम् ।
३३	९	१४	मं.	३५	२१	पु.	५५	३०	ह.	२६	४९	वि	८	१९	श.	३५	२१	स्थिर	२७	२७	११	क.	४१	३१	५	२२	६	३८	३	९	५५	५०	५७	२	भ. ८।१९ या. । चित्रा भे भौमः ५८।२२
३३	७	३०	बु.	२९	११	पु.	५१	१८	व.	२८	१२	च.	२	१६	ना.	२० ५६	[illegible]	मातंग	२८	२८	१२				५	२२	६	३८	३	१०	५२	५६	५७	४	पुष्कर पर्व ३० ।

श्रा. कृ. २ गुरौ. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	र	के.
२	५	३	१	३	१०	१	६
२८	१५	२५	२४	२३	२१	१७	१७
२७	४५	४२	१८	५७	२४	४८	४८
१	४७	१७	३७	१८	३४	५४	५४
५६	३१	९१	१२	७१	० ८	३	३
५२	१७	२१	९	२१	व.	११	११

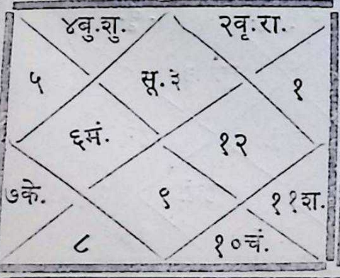

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.		२वृ.		३शु.		तिथयः	४श.		५र.		५चं.		६मं.		७बु.		८वृ.		१०शु.		११श.		१२र.		१३ चं.		१४मं.		३०बु.	
मि. अं.	५	२५	५	२१	५	१७	क. अं.	७	३२	७	२८	७	२४	७	२०	७	१६	७	१२	७	८	७	५	७	१	६	५७	६	५३	६	४९
क. अं.	७	४४	७	४०	७	३६	सिं. अं.	९	४६	९	४२	९	३८	९	३४	९	३०	९	२६	९	२२	९	१९	९	१५	९	११	९	७	९	३
सिं. अं.	९	५८	९	५४	९	५०	कं. अं.	१२	०	१२	५६	११	५२	११	४८	११	४४	११	४०	११	३६	११	३३	११	२९	११	२५	११	२१	११	१७
कं. अं.	१२	१२	१२	८	१२	४	तु. अं.	२	१६	२	१२	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५२	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७	१	३३
तु. अं.	२	२८	२	२४	२	२०	वृ. अं.	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२	४	१८	४	१४	४	१०	४	७	४	३	३	५९	३	५५	३	५१
वृ. अं.	४	४६	४	४२	४	३८	ध. अं.	६	३८	६	३४	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१४	६	११	६	७	६	३	५	५९	५	५५
राशयः	रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
ध. अं.	६	५०	६	४६	६	४२	म. अं.	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	१	७	५८	७	५४	७	५०	७	४६	७	४२
म. अं	८	३७	८	३३	८	२९	कुं. अं.	९	५९	९	५५	९	५१	९	४७	९	४३	९	३९	९	३५	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६
कुं. अं.	१०	११	१०	७	१०	३	मी. अं.	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	६	११	२	१०	५९	१०	५५	१०	५१	१०	४७	१०	४३
मी. अं.	११	३८	११	३४	११	३०	मे. अं.	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३७	१२	३३	१२	२९	१२	२५	१२	२१
मे. अं.	१	१६	१	१२	१	८	वृ. अं	३	०	२	५६	२	५२	२	४८	२	४४	२	४०	२	३६	२	३३	२	२९	२	२५	२	२१	२	१७
वृ. अं.	३	१२	३	८	३	४	मि. अं.	५	१३	५	९	५	४	५	१	४	५७	४	५३	४	४९	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	४	३०

श्रावण कृ. ८ गुरौ. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	५	४	१	४	१०	१	७
६	२०	१	२५	२	२१	१७	१७
०	०	५४	४८	२४	६	२६	२६
२४	९	४५	५४	३३	३५	०	०
५६	३६	६७	११	७२	० १८	३	३
५९	३१	३५	१९	५	व	११	११

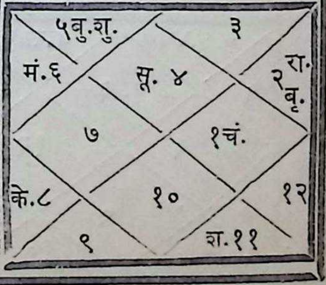

श्री शुभ संवत् २०२२ शके १८८७ श्रावण शुक्ल पक्षः । जुलाई २९ से अगस्त १२ तक । याम्यायनम् सौम्यगोलः । वर्षाऋतुः ।

दि· मा·		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्य				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घ.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३३	५	१	बृ.	२२	५७	श्ले.	४७	१२	सि.	१०	३०	वव	२२	५७	वा.	४९	५७	अमृत	२९	२९	१३	सिं.	४७	१२	५	२३	६	३७	३	११	४७	४	५७	६
३३	२	२	शु.	१६	५७	म.	४३	२४	व्य.	२ ५२	५७ ४२	कौ.	१६	५७	तै.	४४	८	काण	३०	१	१४				५	२३	६	३७	३	१२	४३	१३	५७	७
३३	०	३	श.	११	२०	पू.	३९	४८	प.	४८	४६	ग.	११	२०	व.	३८	४७	लुम्ब	३१	२	१५	कं.	५४	१७	५	२४	६	३६	३	१३	३९	२४	५७	७
३२	५७	४	र.	६	१३	उ.	३७	१५	शि.	४२	३०	वि.	६	१३	व	३४	४	मित्र	१	३	१६				५	२४	६	३६	३	१४	३६	३१	५७	८
३२	५४	५	चं.	१ ५६	५६ ३५	ह.	३५	२३	सि.	३६	५४	वा	१	५६	कौ.	३० ५८	१३ ३१	वज्र	२	४	१७				५	२५	६	३५	३	१५	३३	४४	५७	९
३२	५१	७	मं.	५६	११	चि.	३४	२८	सा.	३२	८	ग.	३०	१९	व.	५६	११	ध्वांक्ष	३	५	१८	तु.	४	५५	५	२५	६	३५	३	१६	२९	५५	५७	११
३२	४८	८	बु.	५५	१	स्वा	३४	४३	शु.	२८	१५	वि.	२५	३६	वव	५५	१	धूम्र	४	६	१९				५	२६	६	३४	३	१७	२६	८	५७	१२
३२	४५	९	बृ.	५५	१०	वि.	३६	१२	शु.	२५	२३	वा.	२५	५	कौ.	५५	१०	वर्द्धमान	५	७	२०	वृ.	२०	५०	५	२७	६	३३	३	१८	२३	२५	५७	१३
३२	४२	१०	शु.	५६	३८	ऽनु.	३८	५७	ब्र.	२३	२८	तै.	२५	५४	ग.	५६	३८	रक्ष	६	८	२१				५	२७	६	३३	३	१९	२०	४०	५७	१४
३२	३९	११	श.	५९	१२	ज्ये.	४२	५४	ऐं.	२२	३८	व.	२७	५५	वि.	५९	१२	मुशल	७	९	२२	ध.	४२	५४	५	२८	६	३२	३	२०	१७	५६	५७	१६
३२	३७	१२	र.	६०	०	मू.	४७	५६	वै.	२२	४१	वव	३१	४	वा.	६०	०	सिद्धि	८	१०	२३				५	२८	६	३२	३	२१	१४	१५	५७	१८
३२	३४	१२	चं.	२	५५	पूषा	५३	४७	वि.	२३	२८	वा.	२	५५	कौ.	३५	१०	उत्पात	९	११	२४				५	२९	६	३१	३	२२	११	३४	५७	२०
३२	३०	१३	मं.	७	२५	उषा	६०	०	प्री.	२४	४६	तै.	७	२५	ग.	३९	५५	मानस	१०	१२	२५	म.	१०	२३	५	२९	६	३१	३	२३	८	५६	५७	२१
३२	२८	१४	बु.	१२	२५	उषा	०	११	आ.	२६	२३	व.	१२	२५	वि.	४४	५८	लुम्ब	११	१३	२६				५	३०	६	३०	३	२४	५	२३	५७	२२
३२	२५	१५	बृ.	१७	३२	श्र.	६	४२	सौ.	२७	५७	वव	१७	३२	वा.	४९	५१	ध्वज	१२	१४	२७	कुं.	३९	४८	५	३१	६	२९	३	२५	२	४८	५७	२३
+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+ +	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	÷	+

चन्द्रदर्शनम्

रविउस्सानी ।

भ. ३८।४७ उ. । पू. फा. भे शुक्रः ४४।१६ ।

भ. ६।१३ या. । अगस्त । पञ्चमी योगे या. ज. मु. । स. सि. यो. ।

सार्पेऽर्कः ५९।४९ । बुधास्तः प्रतीच्याम् १९।५५ ।

भ. ५६।११ । bपुत्रदा ११ व्रतम् स्मार्तानाम् ।

भ. २५।३६ या. । वक्री बुधः ४५।३ ।

स. सि. यो. । वक्र गत्या कर्के बुधः २५।३२ ।

भ. २७।५५ उ. ५९।१२ या. । भौमः तुलायाम् ५।२५b

पुत्रदा ११ व्रतं वैष्णवानाम् । स. सि. यो. ।

प्रदोष व्रतम् । *गुरुः १२।१७ ।

पुनर्शतभे शनिः ५५।५७ । aविहाय दक्षिण यात्रा मु. ।

भ. १२।२५ उ. ४४।५८या. । उ. फा. भे शुक्रः ३।१४ भद्रां-a

प्राच्यां यात्रा मु. । रक्षावन्धनम् । श्रावणी कर्म । मिथुने*

श्रा. शु. ४ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	५	४	१	४	१०	१	७
१५	२५	४	२७	१४	२०	१६	१६
३०	४८	४२	५४	३०	३६	५४	५४
५३	३५	३७	२०	३१	७	१०	१०
५७	३४	१८	१२	७१	व	३	३
१०	१७	२५	२७	४७	०/३	११	११

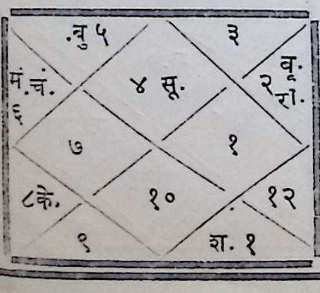

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ वृ.		२ शु.		३ श.		४ र.		५ चं.		७ मं.		८ बु.		९ वृ.		१० शु.		११ श.		१२ र.		१२ चं.		१३ मं.		१४ बु.		१५ बृ.	
क. अं.	६	४५	६	४०	६	३५	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१५	६	११	६	७	६	३	५	५९	५	५६	५	५२	५	४८
सिं. अं.	८	५९	८	५४	८	४९	८	४४	८	४०	८	३६	८	३२	८	२९	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	१०	८	६	८	२
कं. अं.	११	१३	११	८	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२४	१०	२०	१०	१६
तु. अं.	१	२९	१	२४	१	१९	१	१४	१	१०	१	६	१	२	१२	५९	१२	५५	१२	५१	१२	४७	१२	४३	१२	४०	१२	३६	१२	३२
वृ. अं.	३	४७	३	४२	३	३७	३	३२	३	२८	३	२४	३	२०	३	१७	३	१३	३	९	३	५	३	१	२	५८	२	५४	२	५०
ध. अं.	५	५१	५	४६	५	४१	५	३६	५	३२	५	२८	५	२४	५	२१	५	१७	५	१३	५	९	५	५	५	२	४	५८	४	५४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
म. अं.	७	३८	७	३३	७	२८	७	२३	७	१९	७	१५	७	११	७	८	७	४	७	०	६	५६	६	५२	६	४९	६	४५	६	४१
कुं. अं.	९	१२	९	७	९	२	८	५७	८	५३	८	४९	८	४५	८	४२	८	३८	८	३४	८	३०	८	२६	८	२३	८	१९	८	१५
मी. अं.	१०	३९	१०	३४	१०	२९	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	९	१०	५	१०	१	९	५७	९	५३	९	५०	९	४६	९	४२
मे. अं.	१२	१७	१२	१२	१२	७	१२	३	११	५८	११	५४	११	५०	११	४७	११	४३	११	३९	११	३५	११	३१	११	२८	११	२४	११	२०
वृ. अं.	२	१३	२	८	२	३	१	५८	१	५४	१	५०	१	४६	१	४३	१	३९	२	३८	१	३१	१	२७	१	२४	१	२०	१	१६
मि.अं.	४	२६	४	२१	४	१७	४	१२	४	७	४	३	३	५९	३	५६	३	५२	२	४८	३	४४	३	४०	३	३७	३	३३	३	२९

श्रा. शु. १४ बुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	६	३	१	४	१०	१	७
२४	१	२८	२९	२६	२०	१६	१६
३	४८	३६	४८	३६	०	२२	२२
२६	३७	४५	६	४५	१	२०	२०
५७	३६	३ ६/५	११	७१	व.	३	३
२४	२	व	५८	३७	०/३	११	११

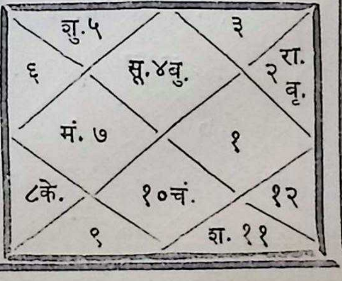

दि. मा.		ति.	वा.			न.			यो.			क.			क.			योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.			घ.	प.		घ.	प.		घ.	प.		घ.	प.		घ.	प.					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३२	२२	१	शु.	२२	११	ध.	१२	५५	शो.	२९	५	कौ.	२२	११	तै.	५३	४०	धाता	१३	१५	२८				५	३१	६	२९	३	२६	०	११	५७	२४
३२	२०	२	श.	२५	८	श.	१८	३१	अ.	२९	५१	ग.	२५	८	व.	५७	४	आनंद	१४	१६	२९				५	३२	६	२८	३	२७	५७	४०	५७	२५
३२	७	३	र.	२८	५९	पू.	२३	६	सु.	२९	३९	वि.	२८	५९	वव	५९	५६	चर	१५	१७	३०	मी.	६	५७	५	३२	६	२८	३	२८	४४	५	५७	२८
३२	१४	४	चं.	३०	५४	उ.	२६	३७	धृ.	२८	३७	वा.	३०	५४	कौ.	६०	०	गद	१६	१८	३१				५	३३	६	२७	३	२९	४१	३९	५७	३०
३२	११	५	मं.	३१	२१	रे.	२८	५१	शू.	२६	३५	कौ.	१	७	तै.	३१	२१	शुभ	१७	१९	१	मे.	२८	५१	५	३४	६	२६	४	०	३९	१२	५७	३२
३२	८	६	बु.	३०	३२	अ.	२९	४९	गं.	२३	३०	ग.	०	५६	व.	३० ५९	३२ ३१	मृत्यु	१८	२०	२				५	३४	६	२६	४	१	३६	४५	५७	३४
३२	५	७	वृ.	२८	३०	भ.	२९	३५	वृ.	१९	२५	वव	२८	३०	वा.	५६	५४	पद्म	१९	२१	३	वृ.	४४	१५	५	३५	६	२५	४	२	३४	२५	५७	३६
३२	१	८	शु.	२५	१९	कृ.	२८	१५	ध्रु.	१४	२६	कौ.	२५	१९	तै.	५३	२०	छत्र	२०	२२	४				५	३६	६	२४	४	३	३२	५	५७	३९
३२	०	९	श.	२१	२१	रो.	२६	६	व्या	८	३८	ग.	२१	२१	व.	४८	५३	श्रीवत्स	२१	२३	५	मि.	५४	३४	५	३६	६	२४	४	४	२९	४६	५७	४०
३१	५५	१०	र.	१६	२५	मृ.	२३	३	ह.	२ ५२	१० ५७	वि.	१६	२५	वव	४३	३९	सौम्य	२२	२४	६				५	३७	६	२३	४	५	२७	२५	५७	४०
३१	५४	११	चं.	१०	५३	आ.	१९	३५	सि.	४७	४४	वा	१०	५३	कौ.	३७	५६	काल	२३	२५	७				५	३८	६	२२	४	६	२५	९	५७	४०
३१	५०	१२	मं.	५ ५३	० ५३	पुन.	१५	२९	व्य	४०	७	तै.	५	०	ग.	३१ ५८	५६ ५३	स्थिर	२४	२६	८	क.	१	३१	५	३८	६	२२	४	७	२२	५१	५७	४१
३१	४७	१४	बु.	१२	४२	पु.	११	१७	व.	३२	२१	वि.	२५	४८	श.	५२	४२	मातंग	२५	२७	९				५	३९	६	२१	४	८	२०	३७	५७	४३
३१	४३	३०	वृ.	४६	४१	श्ले.	७	८	प.	२४	४३	च.	१९	४२	ना.	४६	४१	अमृत	२६	२८	१०	सिं.	७	८	५	४०	६	२०	४	९	१८	२४	५७	४६

श्री शुभ संवत् २०२२ शके १८८७ भाद्रपद कृष्ण पक्षः।
अगस्त १३ से २६ तक। याम्यायनम्। सौम्यगोलः वर्षाऋतुः।

भ. ५७।४ उ.। कन्यायां शुक्रः २५।२०।
भ. २८।५९ या.। उत्तरा योगे स. सि. योगः। गणेश ४ व्रतम्।
मघायां सिंहे चार्कः ५७।१३। प्रतीच्योदीच्यां मु.।a
सौर भाद्रपदारम्भ : aस्वाती भे भौमः ५८।४४।
भ. ३०।३२ उ. ५९।३१ या.। हलषष्ठी।
या. ज. मु.। कृष्ण जन्माष्टमी व्रतम्। बुधोदयः प्राच्याम्h
कृष्ण जन्माष्टमी व्रतम्। h५८।२५
भ. ४८।५३ उ.। या. ज. मु.। मृग भे दक्षिण पश्चिम यात्रा. मु.।
भ. १६।२५ या.। हस्त भे शुक्रः ५।२०
जया ११ व्रतं सर्वेषाम्।
भ. ५८।५३ उ.। प्रदोष। मार्गी बुधः ३६।३७।
भ. २५।४८ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्।
कुशोत्पाटिनी ३०। ॐ हूँ फट्' इति मन्त्रेण।

भा. कृ. २ शनौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	६	३	२	४	१०	१	६
२७	३	२८	०	२९	१९	२६	२६
४६	३६	१८	२१	४७	५९	१३	१३
४०	४४	१४	१४	११	५६	१९	१९
५७	३६	उ ६ २	११	७१	० उ	३	३
२५	८	व.	५८	३६	व	११	११

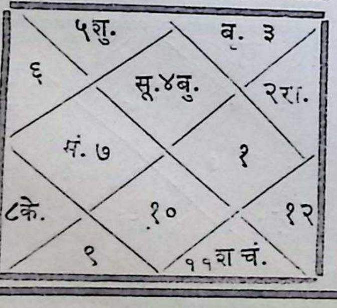

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.		२ श.		३ र.		४ चं.		ति.	५ मं.		६ बु.		७ वृ.		८ शु.		९ श.		१० र.		११ च.		१२ मं.		१४ बु.		३० वृ.	
क. अं.	५	४४	५	४०	५	३६	५	३२	सिं.	७	४२	७	३९	७	३५	७	३२	७	२८	७	२४	७	२१	७	१७	७	१३	७	१०
सिं. अं.	७	५८	७	५४	७	५०	७	४६	कं.	९	५६	९	५२	९	४८	९	४५	९	४१	९	३८	९	३५	९	३१	९	२७	९	२४
कं. अं.	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०	तु.	१२	१३	१२	९	१२	६	१२	२	११	५८	११	५४	११	५०	११	४७	११	४३	११	४०
तु. अं.	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	वृ.	२	३१	२	२७	२	२४	२	२१	२	१८	२	१४	२	१०	२	६	२	२	१	५९
वृ. अं.	२	४६	२	४२	२	३८	२	३४	ध.	४	३४	४	३१	४	२७	४	२४	४	२०	४	१७	४	१३	४	१०	४	६	४	३
ध. अं.	४	५०	४	४६	४	४२	४	३८	म.	६	२२	६	१८	६	१५	६	११	६	८	६	४	६	०	५	५७	५	५३	५	५०
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
म. अं.	६	३७	६	३३	६	२९	६	२५	कुं.	७	५६	७	५२	७	४९	७	४६	७	४३	७	३९	७	३५	७	३१	७	२७	७	२४
कुं. अं.	८	११	८	७	८	४	८	०	मी.	९	२३	९	१९	९	१५	९	११	९	७	९	४	९	०	८	५७	८	५४	८	५१
मी. अं.	९	३८	९	३४	९	३०	९	२६	मे.	११	०	१०	५७	१०	५४	१०	५०	१०	४७	१२	४३	१०	४०	१०	३६	१०	३३	१०	२९
मे. अं.	११	१६	११	१२	११	८	११	४	वृ.	१२	५६	१२	५२	१२	४९	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२७	१२	२४
वृ. अं.	१	१२	१	८	१	४	१	०	मि.	३	९	३	६	३	२	२	५८	२	५४	२	५०	२	४७	२	४३	२	३९	२	३६
मि. अं.	३	२५	३	२१	३	१७	३	१३	क.	५	२८	५	२५	५	२१	५	१७	५	१४	५	१०	५	७	५	३	४	५९	४	५६

भाद्रपद कृ. ९ शनी. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	६	३	२	५	१०	१	७
४	८	२३	१	८	१९	१५	१५
४७	६	४२	३०	३०	१२	५०	५०
४	३५	३९	३२	३२	५	३०	३०
५७	३७	२० ४५	२	७२	व.	३	३
३९	४५	व.	२७	३३	४ १८	११	११

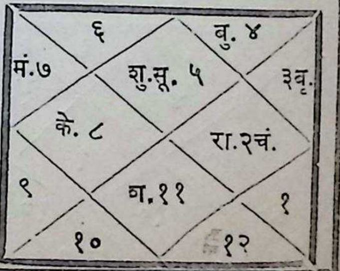

श्री शुभ संवत् २०२२ शके १८८७ भाद्रपद शुक्लपक्षः। २७ अगस्त से १० सितम्बर तक याम्यायनम् सौम्यगोल वर्षाऋतुः

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अ.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि	गतिः क.	वि.
३१	४०	१	शु.	४१	७	म.	३/५६	०/२७	शि.	१७	१८	किं.	१३	५४	वव	४१	७	काण	२७	२९	११				५	४०	६	२०	४	१०	१६	१५	५७	४९
३१	३६	२	श.	३६	१	उ.	५६	४१	सि.	१०	१६	वा.	८	३४	कौ.	३६	१	उत्पात	२८	३०	१२	कं.	१३	५३	५	४१	६	१९	४	११	१४	१३	५७	५३
३१	३३	३	र.	३१	४४	ह.	५४	४१	सा.	३/५४	४७/११	तै.	३	५२	ग.	३१	४४	मानस	२९	१	१३				५	४२	६	१८	४	१२	१२	८	५७	५७
३१	३०	४	चं.	२८	१७	चि.	५३	२९	शु.	५२	५७	व.	०	१	वि.	२८/५७	७/६	मुद्गर	३०	२	१४	तु.	२४	५	५	४२	६	१८	४	१३	१०	९	५८	०
३१	२६	५	मं.	२५	५६	स्वा	५३	२४	ब्र.	४८	४८	वा.	२५	५६	कौ.	५५	२१	ध्वज	३१	३	१५				५	४३	६	१७	४	१४	८	१२	५८	२
३१	२२	६	बु.	२४	४७	वि.	५४	३२	ऐं.	४५	३८	तै.	२४	४७	ग.	५४	५०	धाता	१	४	१६	वृ.	४५	५१	५	४४	६	१६	४	१५	६	१५	५८	४
३१	१९	७	वृ.	२४	५४	अन.	५६	५८	वै.	४३	३०	व.	२४	५४	वि.	५५	४२	आनन्द	२	५	१७				५	४५	६	१५	४	१६	४	२१	५८	६
३१	१६	८	शु.	२६	३१	ज्ये.	६०	०	वि.	४२	२२	वव	२६	३१	वा.	५७	४२	चर	३	६	१८				५	४५	६	१५	४	१७	२	२८	५८	७
३१	१२	९	श.	२८	५४	ज्ये.	१	८	प्री.	४०	५	कौ	२८	५४	तै.	६०	०	मुशल	४	७	१९	ध.	१	८	५	४६	६	१४	४	१८	०	३६	५८	८
३१	९	१०	र.	३२	३६	मू.	५	२४	आ.	४२	४०	तै.	०	४५	ग.	३२	३६	सिद्धि	५	८	२०				५	४७	६	१३	४	१८	५८	४५	५८	९
३१	५	११	चं.	३७	९	पूषा	११	४	सौ.	४३	५१	व.	४	५२	वि.	३७	९	उत्पात	६	९	२१	म.	२७	४०	५	४७	६	१३	४	१९	५६	५४	५८	१०
३१	१	१२	मं.	४२	१२	उषा	१७	२७	शो.	४५	२१	वव	९	४०	बा.	४२	१२	मानस	७	१०	२२				५	४८	६	१२	४	२०	५५	६	५८	१२
३०	५७	१३	बु.	४७	२०	श्र.	२३	५३	ति	४६	५४	कौ.	१४	४६	तै.	४७	२०	छत्र	८	११	२३	कु.	५७	३	५	४९	६	११	४	२१	५३	२१	५८	१४
३०	५४	१४	वृ.	५२	८	ध.	३०	१३	सु.	४८	१०	ग.	१९	४४	व.	५२	८	श्रीवत्स	९	१२	२४				५	५०	६	१०	४	२२	५१	३८	५८	१५
३०	५१	१५	शु.	५६	१२	श.	३५	५७	धृ.	४८	५६	वि.	२४	१०	वव	५६	१२	सौम्य	१०	१३	२५				५	५०	६	१०	४	२३	४९	५५	५८	१७

चन्द्रदर्शनम्। वृक्षरोपण मु.। तृतीया योगे या. ज. मु.।
जमादि उलअव्वल। गणेश ४ व्रतम्।
भ. ०।१ उ. २८।१७ या.। पूर्वा फाल्गुन्यामर्कः ४६।५० ।a
ऋषि पञ्चमी। aदक्षिण पूर्व यात्रा मु.।
सितम्वर। अर्क षष्ठी। bभौमः ३०।३७।
भ. २४।५४ उ. ५५।४२ या. स. सि. योग। या. ज. मु.। c
पुनर्मघायां सिंहे बुधः १५।१२। चित्रा भे शुक्र ३२।११।
वृक्ष रोपण मु.। cभद्रा पाक् प्रतीच्योदीच्यां यात्रा मु.।
स. सि. योगः ५।२४ या.। dपद्मा ११ व्रतं सर्वेषाम्।
भ. ४।५२ उ. ३७।९ या.। उत्तरा योगे या. ज. मु.। d

तुलायां शुक्र २।५। दक्षिण यात्रा मु.। प्रदोष। विशाखा भेb
भ. ५२।८ उ.। तिथि दानात् पश्चिम यात्रा मु.। अनन्त १४व्रतम्
भ. २४।१० या.। महालयारम्भ। बुधास्तः पूर्वस्याम् ३।९।

भाद्रपद शुक्ल ५ भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	६	३	२	५	१०	१	७
१४	१४	२८	३	२०	१८	१५	१५
१०	१०	१०	६	३०	२४	१८	१८
५६	३	२९	५	१४	७	४०	४०
५७	३६	२९/४७	१२	७१	४/३६	३	३
५८	१४	मा.	१४	३७	व.	११	११

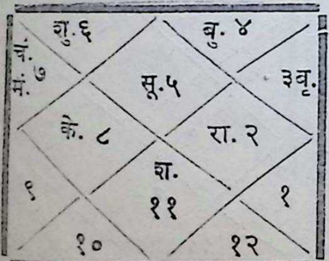

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.		२ श.		३ र.		४ चं.		५ मं.		६ बु.		७ वृ.		८ शु.		९ श.		१० र.		११चं.		१२मं.		१३बु.		१४वृ.		१५शु.	
सिं. अं.	७	७	७	३	७	०	६	५६	६	५२	६	४९	६	४५	६	४१	६	३८	६	३४	६	३०	६	२७	६	२३	६	२०	६	१६
कं. अं.	९	२१	९	१७	९	१४	९	१०	९	६	९	३	८	५९	८	५५	८	५२	८	४८	८	४४	८	४१	८	३७	८	३४	८	३
तु. अं.	११	३७	११	३३	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८	११	१५	११	११	११	८	११	४	११	०	१०	५७	१०	५३	१०	५०	१०	४६
वृ. अं.	१	५५	१	५१	१	४८	१	४४	१	४०	१	३७	१	३३	१	२९	१	२६	१	२२	१	१८	१	१५	१	११	१	७	१	४
ध. अं.	३	५९	३	५५	३	५२	३	४८	३	४४	३	४१	३	३७	३	३३	३	३०	३	२६	३	२२	३	१९	३	१५	३	१२	३	८
म. अं.	५	४६	५	४२	५	३९	५	३५	५	३१	५	२८	५	२४	५	२०	५	१७	५	१३	५	९	५	६	५	२	४	५९	४	५५
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कु. अं.	७	२०	७	१६	७	१३	७	९	७	५	७	२	६	५८	६	५४	६	५१	६	४७	६	४३	६	४०	६	३६	६	३३	६	२९
मी. अं.	८	४७	८	४३	८	४०	८	३६	८	३२	८	२९	८	२५	८	२१	८	१८	८	१४	८	१०	८	७	८	३	८	०	७	५६
मे. अं.	१०	२४	१०	२१	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	७	१०	३	९	५९	९	५६	९	५२	९	४८	९	४५	९	४१	९	३८	९	३४
वृ. अं.	१२	२१	१२	१७	१२	१४	१२	१०	१२	६	१२	३	११	५९	११	५५	११	५२	११	४८	११	४४	११	४१	११	३७	११	३४	११	३०
मि. अं.	२	३३	२	३०	२	२७	२	२३	२	१९	२	१६	२	१२	२	८	२	५	२	१	१	५७	१	५४	१	५०	१	४७	१	४३
क. अं.	४	५३	४	४९	४	४६	४	४२	४	३८	४	३५	४	३१	४	२७	४	२४	४	२०	४	१६	४	१३	४	९	४	६	४	२

भाद्रपद शु. १५ शुक्रे. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	६	४	२	६	१०	१	७
२३	२१	१०	४	२	१७	१४	१४
५९	६	४८	१५	२४	३०	५६	५६
१०	२२	५२	३५	१३	१५	५०	५०
५८	४१	७१	६	७२	४/५	३	३
१९	५९	१७	१	१५	व.	११	११

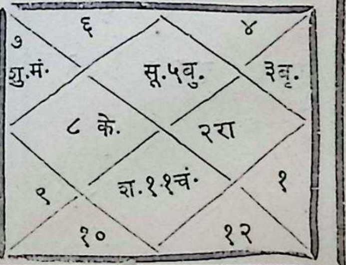

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा.	रा. घ.	प्र. प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३०	४७	१	श.	५९	१३	पू.	४०	४७	शू.	४८	५६	वा.	२७	४२	कौ.	५९	१३	कालद.	११	१४	२६	मी.	२४	३५	५	५१	६	९	४	२४	४८	१७	५८	२०
३०	४३	२	र.	६०	०	उ.	४४	३३	गं.	४८	४	त.	३०	१३	ग.	६०	०	स्थिर	१२	१५	२७				५	५२	६	८	४	२५	४६	४१	५८	२३
३०	४०	२	चं.	१	१२	रे	४७	७	वृ.	४६	८	ग.	१	१२	व.	३१	३०	मातंग	१३	१६	२८	मे	४७	७	५	५२	६	८	४	२६	४५	५	५८	२६
३०	३६	३	मं.	१	४७	अ.	४८	१९	धृ.	४३	११	वि.	१	४७	व.	३१	२५	अमृत	१४	१७	२९				५	५३	६	७	४	२७	४३	३५	५८	२९
३०	३२	४	बु.	५८	४/६	भ.	४८	२३	व्या	३९	१३	वा.	१	४	कौ.	३०/५९	७/१०	काण	१५	१८	३०				५	५४	६	६	४	२८	४२	५	५८	३०
३०	२९	६	बृ.	५६	१०	कृ.	४७	१६	ह.	३४	२२	ग.	२७	४०	व.	५६	१०	लुम्ब	१६	१९	३१	वृ.	३	६	५	५५	६	५	४	२९	४०	३४	५८	३१
३०	२५	७	शु.	५२	१३	रो.	४५	१७	व.	२८	४२	वि.	२४	११	वव	५२	१३	मित्र	१७	२०	१				५	५५	६	५	५	०	३९	७	५८	३३
३०	२१	८	श.	४७	२४	मृ.	४२	२६	सि.	२२	२०	वा.	१३	४८	कौ	४७	२४	वज्र	१८	२१	२	मि.	१३	५१	५	५६	६	४	५	१	३७	४४	५८	३६
३०	१८	९	र.	४२	१	आ.	३८	५४	व्य.	१५	२१	तै.	१४	४२	ग.	४२	१	ध्वांक्ष	१९	२२	३				५	५७	६	३	५	२	३६	२४	५८	३९
३०	१४	१०	चं.	३६	१०	पुन	३४	५९	व.	१७	५८	व.	९	५	वि.	३६	१०	धूम्र	२०	२३	४	क.	२०	५८	५	५८	६	२	५	३	३५	५	५८	४२
३०	११	११	मं.	३०	३	पु.	३०	४८	प.	०/५२	९९/११	व.	३	६	वा.	३०/५६	३/५९	वर्द्ध.	२१	२४	५				५	५८	६	२	५	४	३३	४७	५८	४४
३०	७	१२	बु.	२३	५६	श्ले	२६	३६	सि	४५	७	तै.	२३	५६	ग.	५०	५८	रक्ष	२२	२५	६	सिं.	२६	३६	५	५९	६	१	५	५	३२	३४	५८	४६
३०	३	१३	बृ.	१८	०	म.	२२	३४	सा.	३७	१३	व.	१८	०	वि.	४५	१३	मुशल	२३	२६	७				६	०	६	०	५	६	३१	२१	५८	४८
२९	५९	१४	शु.	१२	२७	पू.	१८	५५	शु.	३०	१	श.	१२	२७	च.	३९	५६	सिद्धि	२४	२७	८	कं.	३३	८	६	१	५	५९	५	७	३०	९	५८	५१
२९	५६	३०	श.	७	२५	उ	१५	४९	शु.	२३	१९	ना.	७	२५	किं.	३५	१८	उत्पात	२५	२८	९				६	१	५	५९	५	८	२९	१	५८	५३

श्री शुभ संवत् २०२२ शके १८८७ आश्विन कृष्ण पक्षः।
सितम्बर ११ से २५ तक। याम्यायन गोलौ। शरदृतुः।

स. सि. योगः। पू. फा. भे वुधः १२।१७

भ. ३१।३०उ.। उत्तराफाल्गुन्यामर्कः३२।५१।प्रतीच्योदीच्यांa

भ.१।४७या.। अमृ.सि.योगः। प्राच्यां यात्रा मु.। स्वात्यां शुक्रः५।४

भ.५६।१० उ.। कन्यायामर्कः ५७।३८ ।रो. योगे या. ज.मु.।

भ. २४।११ या. । सौराश्विनारम्भः।

दक्षिण पश्चिमौ. यात्रा मु.।लक्ष्मी व्रतम्। जीवित्पुत्रिका व्रतम्।

मातृनवमी।

भ. ९।५उ. ३६।१० या.। प्रतीच्यां यात्रा मु.।उ. फा. भे वुधः५।७

इन्दिरा ११ व्रतं सर्वेषाम्।

प्रदोष व्रतम्। कन्यायां वुधः १२।७।

भ. १८।० उ. ४५।१३ या.। aयात्रा मु.।

पितृ विसर्जनम्। वृश्चिके भौमः ५९।२५

आ. कृ. २ चन्द्रे. इ. ०।०

सू.	मं.	वु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	६	४	२	६	१०	१	७
२६	२३	१४	४	६	१७	१४	१४
४५	८	१२	३३	२	१८	४७	४७
५	३५	२७	४७	४१	२४	२१	२१
५८	४१	७०	५	७२	४/३	३	३
२६	४६	२५	५८	१७	व	११	११

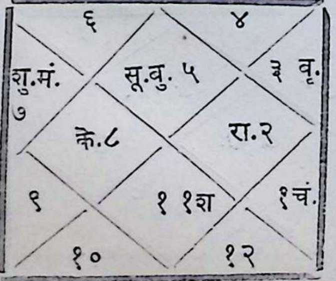

दैनिकलग्नसारिणी

तिथयः	१ श.		२ र.		२ चं.		३ मं.		४ बु.		६ बृ.	
सिं. अं.	६	१३	६	९	६	६	६	२	५	५९	५	५५
कं. अं	८	२७	८	२३	८	२०	८	१६	८	१३	८	९
तु. अं.	१०	४३	१०	३९	१०	३६	१०	३२	१०	२९	१०	२५
वृ. अं.	१	१	१२	५७	१२	५४	१२	५०	१२	४७	१२	४३
ध. अं.	३	५	३	१	२	५८	२	५४	२	५१	२	४७
म. अं.	४	५२	४	४८	४	४५	४	४१	४	३८	४	३४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कुं. अं.	६	२६	६	२२	६	१९	६	१५	६	१२	६	८
मी. अं.	७	५३	७	४९	७	४६	७	४२	७	३९	७	३५
मे. अं.	९	३१	९	२७	९	२४	९	२०	९	१७	९	१३
वृ. अं.	११	२७	११	२३	११	२०	११	१६	११	१३	११	९
मि. अं.	१	४०	१	३६	१	३३	१	२९	१	२६	१	२२
क. अं.	३	५९	३	५५	३	५२	३	४८	३	४५	३	४१

तिथयः	७ शु.		८ श.		९ र.		१० चं.		११ मं.		१२ बु.		१३ बृ.		१४ शु.		३० श.	
कं. अं.	८	६	८	३	८	०	७	५६	७	५३	७	५०	७	४६	७	४३	७	३९
तु. अं.	१०	२२	१०	१९	१०	१६	१०	१२	१०	९	१०	६	१०	२	९	५९	९	५५
वृ. अं.	१२	४०	१२	३७	१२	३४	१२	३०	१२	२७	१२	२४	१२	२०	१२	१७	१२	१३
ध. अं.	२	४४	२	४१	२	३८	२	३४	२	३१	२	२८	२	२४	२	२१	२	१७
म. अं.	४	३१	४	२८	४	२५	४	२१	४	१८	४	१५	४	११	४	८	४	४
कुं. अं.	६	५	६	२	५	५९	५	५५	५	५२	५	४९	५	४५	५	४२	५	३८
रा. अं.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मी अं.	७	३२	७	२९	७	२६	७	२२	७	१९	७	१६	७	१२	७	९	७	५
मे. अं.	९	१०	९	७	९	४	९	०	८	५७	८	५४	८	५०	८	४७	८	४३
वृ. अं.	११	६	११	३	११	०	१०	५६	१०	५३	१०	५०	१०	४६	१०	४३	१०	३९
मि. अं.	१	१९	१	१६	१	१३	१	९	१	६	१	३	१२	५९	१२	५६	१२	५२
क. अं.	३	३८	३	३५	३	३२	३	२८	३	२५	३	२२	३	१८	३	१५	३	११
सि. अं.	५	५२	५	४९	५	४६	५	४२	५	३९	५	३६	५	३२	५	२९	५	२५

आश्विन कृ. १० चंद्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	६	४	२	६	१०	१	७
३	२६	२६	५	१४	१६	१४	१४
४४	४८	२५	१८	१२	५४	२२	२२
०	५२	१३	३५	३७	३५	०	०
५८	३६	९६	५	७२	३४/८	३	३
४२	४६	१५	५९	३९	व	११	११

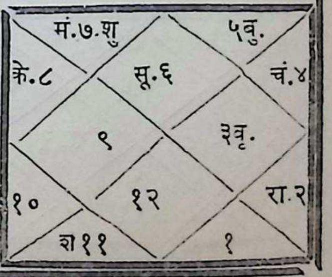

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	श्री शुभ संवत् २०२२ शके १८८७ आश्विन शुक्लपक्षः । सितम्बर २६ से अक्टूबर १० तक । याम्यायनगोलौ शरदृतुः
२९	५२	१	र.	३ ५६	११ ३६	ह.	१३	३६	व्र.	१७	१७	वव	३	११	वा.	३१ ५९	२० ४७	मानस	२६	२९	१०	तु.	४२	५२	६	२	५	५८	५	९	२७	५६	५८	५६	चन्द्रदर्शनम् । शारदीय नवरात्रारम्भः । स. सि. योगः ।
२९	४७	३	चं.	५७	२७	चि.	१२	९	ऐं.	११	५८	तै.	२८	३७	ग.	५७	२७	मुद्गर	२७	१	११				६	३	५	५७	५	१०	२६	५०	५८	५६	हस्तऽर्कः १०।५२। जमादि उस्सानी । विशाखा भे शुक्रः २।१ ।
२९	४३	४	मं.	५६	२०	स्वा	११	४९	वै.	७	३१	व.	२६	५४	वि	५६	२०	ध्वज	२८	२	१२	वृ.	५७	२८	६	३	५	५७	५	११	२५	५१	५८	५८	भ. २६।५४ उ. ५६।२० या. । हस्ते बुधः २५।४७ ।
२९	४१	५	बु.	५६	२४	वि.	१२	४१	वि.	४	१	वव	२७	९	वा.	५६	२८	धाता	२९	३	१३				६	४	५	५६	५	१२	२४	५१	५९	१	अनुराधा भे अमृत सि. योगः । अनु. भे भौमः २३।३९ ।
२९	३७	६	बृ.	५७	५८	ऽनु	१४	४७	प्री.	१	३५	कौ.	२७	१७	तै.	५७	५८	आनंद	३०	४	१४				६	५	५	५५	५	१३	२३	५३	५९	३	पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. । d व्रतं सर्वेषाम् ।
२९	३४	७	शु.	६०	०	ज्ये.	१८	१२	आ.	० ५९	६ २७	ग.	२९	१५	व.	६०	०	चर	१	५	१५	ध.	१८	१२	६	६	५	५४	५	१४	२२	५८	५९	६	अक्टूबर ।
२९	३०	७	श.	०	३५	मू.	२२	४३	शो.	५९	५१	व.	०	३५	वि.	३२	२८	गद	२	६	१६				६	६	५	५४	५	१५	२२	८	५९	९	भ. ०।३५ उ. ३२।२८ या. । दुर्गाष्टमी । महाष्टमी ।
२९	२६	८	र.	४	२२	पू.	२८	१२	अ.	६०	०	वव	४	२२	वा.	३७	१०	शुभ	३	७	१७	म.	४४	४५	६	७	५	५३	५	१६	२१	१६	५९	१२	उत्तरायोगे या. ज. मु । स. सि. योगः ।
२९	२२	९	चं.	८	५९	उ.	३४	२४	अ.	०	४८	कौ.	८	५९	तै.	४१	३१	मृत्यु	४	८	१८				६	८	५	५२	५	१७	२०	३०	५९	१५	श्रवसि दक्षिण यात्रा मु. स.सि. योगश्च । वृश्चिके शुक्रः ५।२९ ।
२९	१९	१०	मं.	१४	४	श्र.	४०	५४	सु.	२	१०	ग.	१४	४	व.	४६	४०	लुम्ब	५	९	१९				६	९	५	५१	५	१८	१९	४३	५९	१६	भ. ४६।४० उ. । विजया १० । दक्षिण यात्रा मु. ।
२९	१५	११	बु.	१९	१७	ध.	४७	१९	धृ.	३	४१	वि.	१९	१७	वव	५१	४४	मित्र	६	१०	२०	कुं.	१४	६	६	९	५	५१	५	१९	१९	१	५९	१८	भ. १९।१७ या. । प्रतीच्यां यात्रा मु. । पापाङ्कुशा ११ d
२९	१२	१२	बृ.	२४	११	श.	५३	१२	शू.	४	५८	वा.	२४	११	कौ.	५६	[illegible]	वज्र	७	११	२१				६	१०	५	५०	५	२०	१८	१८	५९	२०	प्रदोष व्रतम् । चित्रायां बुधः ४९।१२ । अनु भे शुक्रः ३५।१७ ।
२९	८	१३	शु.	२८	२०	पू.	५८	२१	गं.	५	५०	तै.	२८	२०	ग.	५९	७	ध्वांक्ष	८	१२	२२	मी.	४२	४	६	११	५	४९	५	२१	१७	४१	५९	२२	मास शिवरात्रि व्रतम् । e व्रताय १५ । कोजागरी १५ ।
२९	४	१४	श.	३१	२९	उ.	६०	०	बृ.	६	०	व.	३१	२९	वि.	६०	०	धूम्र	९	१३	२३				६	१२	५	४८	५	२२	१७	४	५९	२५	भ. ३१।२९ उ. । तुलायां बुधः ११।३१ ।
२९	१	१५	र.	३३	३२	उ.	२	१९	ध्रु.	५	११	वि.	२	२०	वव	३३	३२	स्थिर	१०	१४	२४				६	१२	५	४८	५	२३	१६	२९	५९	२७	भ. २।२० या. । चित्रायामर्कः ३८।५३ । शरद्पूर्णिमा । e
+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+ +	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	

आ. शु. ६ गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	७	५	२	६	१०	१	७
१३	४	१३	६	२५	१६	१३	१३
३२	३०	३०	६	४८	१२	५०	५०
४०	७	३४	१९	३४	३५	१०	१०
५९	४२	७२	४	६७	व.	३	३
५	३२	२५	३५	११	१ ३/२	११	११

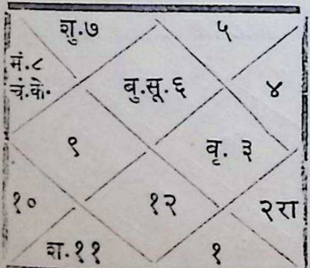

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.	३ चं.	४ मं.	५ बु.	६ बृ.	७ शु.	७ श.	८ र.	९ चं.	१० मं.	११ बु.	१२ बृ.	१३ शु.	१४ श.	१५ र.
कं. अं.	७ ३६	७ ३३	७ २९	७ २५	७ २१	७ १७	७ १४	७ १०	७ ७	७ ३	६ ५९	६ ५६	६ ५२	६ ४८	६ ४४
तु. अं.	९ ५१	९ ४८	९ ४४	९ ४१	९ ३७	९ ३३	९ ३०	९ २६	९ २३	९ १९	९ १५	९ १२	९ ८	९ ४	९ ०
वृ. अं.	१२ ९	१२ ६	१२ २	११ ५९	११ ५५	११ ५१	११ ४८	११ ४४	११ ४१	११ ३७	११ ३३	११ ३०	११ २६	११ २२	११ १८
ध. अं.	२ १३	२ १०	२ ६	२ ३	१ ५९	१ ५५	१ ५२	१ ४८	१ ४४	१ ४१	१ ३७	१ ३३	१ ३०	१ २६	१ २२
म. अं.	४ ०	३ ५७	३ ५३	३ ५०	३ ४६	३ ४२	३ ३९	३ ३५	३ ३२	३ २८	३ २४	३ २१	३ १७	३ १३	३ ९
कुं. अं.	५ ३४	५ ३१	५ २७	५ २४	५ २०	५ १६	५ १३	५ ९	५ ६	५ २	४ ५८	४ ५५	४ ५१	४ ४७	४ ४३
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मी. अं.	७ १	६ ५८	६ ५४	६ ५१	६ ४७	६ ४३	६ ४०	६ ३६	६ ३३	६ २९	६ २५	६ २२	६ १८	६ १४	६ १०
मे. अं.	८ ३९	८ ३६	८ ३२	८ २९	८ २५	८ २१	८ १८	८ १४	८ ११	८ ७	८ ३	८ ०	७ ५६	७ ५२	७ ४८
वृ. अ.	१० ३५	१० ३२	१० २८	१० २५	१० २१	१० १७	१० १४	१० १०	१० ७	१० ३	९ ५९	९ ५६	९ ५२	५ ४८	९ ४४
मि. अं.	१२ ४८	१२ ४५	१२ ४१	१२ ३८	१२ ३४	१२ ३०	१२ २७	१२ २३	१२ २०	१२ १६	१२ १२	१२ ९	१२ ५	१२ १	११ ५७
क. अं.	३ ७	३ ४	३ ०	२ ५७	२ ५३	२ ४९	२ ४६	२ ४२	२ ३९	२ ३५	२ ३०	२ २८	२ २४	२ २०	२ १६
सिं. अं.	५ २१	५ १८	५ १४	५ ११	५ ७	५ ३	५ ०	४ ५६	४ ५३	४ ४९	४ ४५	४ ४२	४ ३८	४ ३४	४ ३०

आ. शु. १५ रवौ इ. ३०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	७	६	२	७	१०	१	७
२३	११	१	६	७	१५	१३	१३
२५	३६	१२	२४	१८	२४	१८	१८
३१	९	३७	१७	३५	९	०	०
५९	४२	१०८	१	७२	व.	३	३
२७	३९	३५	४८	३९	४/८	११	११

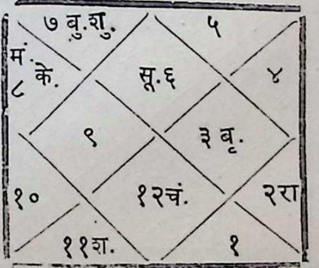

श्री शुभ संवत् २०२२ शके १८८७ कार्तिक शुक्लपक्षः ।
अक्टूबर २५ से नवम्बर ९ तक। याम्यायनगोलौ। शरदृतुः।

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	च.रा.प्र. रा.	घ.	प.	सू.उ घं.	मि.	सू.अ. घं.	मि.	आ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२८	७	१	चं.	३१	१९	स्वा	३०	३०	प्री.	२४	१७	कि	२	२५	वव	३१	१९	छत्र	२५	२९	८				६	२३	५	३७	६	८	१२	१९	५९	५८
२८	३	२	मं.	३०	१८	वि.	३१	४	आ.	२०	२७	वा.	०	४८	कौ.	३०	१८	श्रीवत्स	२६	३०	९	वृ.	१४	५६	६	२४	५	३६	६	९	१२	१९	६०	०
२८	०	३	बु.	३०	३५	ऽनु.	३२	५३	सौ.	१७	३७	तै.	०	२६	ग.	३०	३५	सौम्य	२७	१	१०				६	२४	५	३६	६	१०	१२	२२	६०	३
२७	५६	४	बृ.	३२	११	ज्ये.	३५	५७	शो.	१५	४५	व.	१	२३	वि.	३२	११	कालदं.	२८	२	११	ध.	३५	५७	६	२५	५	३५	६	११	१२	२६	६०	५
२७	५४	५	शु.	३४	५४	मू.	४०	९	अ.	१४	५३	वव	३	२२	वा.	३४	५४	स्थिर	२९	३	१२				६	२६	५	३४	६	१२	१२	३४	६०	८
२७	५१	६	श.	३८	४९	पूषा	४५	२८	सु.	१४	५१	कौ.	६	५१	तै.	३८	४९	मातंग	३०	४	१३				६	२६	५	३४	६	१३	१२	४२	६०	८
२७	४७	७	र.	४३	२९	उषा	५१	२८	धृ.	१५	३५	ग.	११	९	व.	४३	२९	अमृत	३१	५	१४	म.	१	५८	६	२७	५	३३	६	१४	१२	५१	६०	९
२७	४४	८	चं.	४८	४२	श्र.	५७	५६	शू.	१६	४५	वि.	१६	५	वव	४८	४२	सिद्धि	१	६	१५				६	२८	५	३२	६	१५	१३	१	६०	११
२७	४०	९	मं.	५४	०	ध.	६०	०	गं.	१८	१३	वा.	२१	३६	कौ.	५४	०	उत्पात	२	७	१६	कुं.	३१	८	६	२८	५	३२	६	१६	१३	१२	६०	११
२७	३७	१०	बु.	५८	५३	ध.	४	२१	वृ.	१९	३३	तै.	२६	२६	ग.	५८	५३	मित्र	३	८	१७				६	२९	५	३१	६	१७	१३	२५	६०	१३
२७	३४	११	बृ.	६०	०	श.	१०	२८	ध्रु.	२०	२६	व.	३१	०	वि.	६०	०	वज्र	४	९	१८	मी.	५९	२८	६	३०	५	३०	६	१८	१३	४१	६०	१६
२७	३१	११	शु.	३	६	पू.	१५	४८	व्या	२०	४२	वि.	३	६	वव	३४	४१	ध्वांक्ष	५	१०	१९				६	३०	५	३०	६	१९	१४	०	६०	१९
२७	२७	१२	श.	६	१७	उ.	२०	४	ह.	२०	५	वा.	६	१७	कौ.	३७	२०	धूम्र	६	११	२०				६	३१	५	२९	६	२०	१४	२०	६०	२२
२७	२५	१३	र.	८	२४	रे.	२३	१६	व.	१८	४०	तै.	८	२४	ग.	३८	४६	प्रवर्ध.	७	१२	२१	मे.	२३	१६	६	३१	५	२९	६	२१	१४	४४	६०	२४
२७	२२	१४	चं.	९	९	अ.	२५	९	सि	१६	९	व.	९	९	वि.	३८	५१	रक्ष	८	१३	२२				६	३२	५	२८	६	२२	१५	९	६०	२८
२७	१८	१५	मं.	८	३४	भ.	२५	४६	व्य.	१२	४२	वव	८	३४	वा.	४१	४०	मुसल	९	१४	२३	वृ.	४०	३८	६	३३	५	२७	६	२३	१५	३८	६०	३१

या. ज. मु.। अन्नकूट । गोवर्धन पूजा ।
चन्द्र दर्शनम् । यम २ । भातृ २। चित्रगुप्त पूजनम् २ ।
रज्जब । स. सि. योगः । वृश्चिके वुधः १२।४१ ।
भ. १।२३ उ. ३२।११ या. ।

उत्तरायोगे या. ज. मु.। मूल भे धनुराशौ शुक्रः २३।५२ ।
भ. ४३।२९ उ. । स. सि. या. ज. योगः ।
भ. १६।५ या. । नवम्बर । तिथि दानात् दक्षिण यात्रा मु. ।
दक्षिण यात्रा मु. ३१।८ या. । अक्षय ९ ।

भ. ३१।० उ. ।
a५८।२९
भ.३।६ या.। प्रवोधिनी ११ व्रतं सर्वेषाम् । धनुराशौ भौमः ।a
द्वीशेऽर्कः २३।५५ । त्रयोदशी योगे या.ज.मु. । प्रदोष व्रतम् ।b
या. ज. योगः ८।२४ या. । b रेवत्यां पश्चिम यात्रा मु. ।
भ. ९।९ उ. ३८।५१ या. । व्रताय १५ । वैकुंठ १४ । ज्येष्ठायांc
c बुधः ५९।२५ ।

का. शु. ६ श. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के
६	७	७	२	७	१०	१	७
१३	२५	४	६	२९	१४	१२	१२
२१	५४	१२	०	३६	४८	२४	२४
३८	३७	२५	२६	३७	४१	२०	२०
६०	४२	९६	व	६५	व	३	३
१०	११	१५	२/९	४७	४/१	११	११

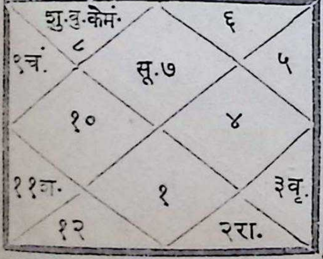

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ च.		२ मं.		३बु.		४ बृ.		५ शु.		६ श.		७ र.		८ चं.		९ मं.		१० बु.		११ बृ.		११ शु.		१२ श.		१३ र.		१४ च		१५ मं.	
तु. अं.	८	४	८	०	७	५६	७	५२	७	४८	७	४५	७	४१	७	३७	७	३३	७	२९	७	२५	७	२१	७	१८	७	१४	७	१०	७	६
वृ. अं.	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	६	१०	३	९	५९	९	५५	९	५१	९	४७	९	४३	९	३९	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४
ध. अं.	१२	२६	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	१०	१२	७	१२	३	११	५९	११	५५	११	५१	११	४७	११	४३	११	४०	११	३६	११	३२	११	२८
म. अं.	२	१३	२	९	२	५	२	१	१	५७	१	५४	१	५०	१	४६	१	४२	१	३८	१	३४	१	३०	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५
कुं. अं.	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५	३	३१	३	२८	३	२४	३	२०	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	१	२	५७	२	५३	२	४९
मी. अं.	५	१४	५	१०	५	६	५	२	४	५८	४	५५	४	५१	४	४७	४	४३	४	३९	४	३५	४	३१	४	२८	४	२४	४	२०	४	१६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मे. अं.	६	५२	६	४८	६	४४	६	४०	६	३६	६	३३	६	२९	६	२५	६	२१	६	१७	६	१३	६	९	६	६	६	२	५	५८	५	५४
वृ. अं.	८	४८	८	४४	८	४०	८	३६	८	३२	८	२९	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	२	७	५८	७	५४	७	५०
मि. अं.	११	१	१०	५७	१०	५३	१०	४९	१०	४५	१०	४२	१०	३८	१०	३४	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१५	१०	११	१०	७	१०	३
क. अं.	१	२०	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१	१	१२	५७	१२	५३	१२	४९	१२	४५	१२	४१	१२	३७	१२	३४	१२	३०	१२	२६	१२	२२
सिं. अं.	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	३	१५	३	११	३	७	३	३	२	५९	२	५५	२	५१	२	४८	२	४४	२	४०	२	३६
कं. अं.	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६	५	३२	५	२९	५	२५	५	२१	५	१७	५	१३	५	९	५	५	५	२	४	५८	४	५४	४	५०

का. शुक्ल १५ भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	८	७	२	८	१०	१	७
२३	३	१६	५	१०	१४	११	११
२५	१२	४२	३०	६	२४	५२	५२
११	१३	४३	३	१४	३३	३०	३०
६०	४२	७१	३/५	६५	२/१	३	३
३०	३८	५८	व.	४७	व.	११	११

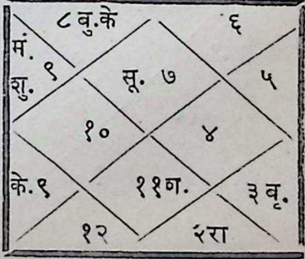

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	आ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	श्री शुभ संवत् २०२२ शके १८८७ मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः। नवम्बर १० से २३ तक। याम्यायन गोलौ। शिशिर ऋतुः
२७	१५	१	बु.	६	४७	कृ.	२५	१३	व.	८	१४	कौ.	६	४७	तै.	३५	१९	सिद्धि	१०	१५	२४				६	३३	५	२७	६	२४	१६	५१	६०	३४	स. सि. योगः। मार्गी शनि ९।४५। बुधास्तः प्रतीच्याम् ९।५
२७	१२	२	बृ.	३	५१	रो.	२३	३६	प.	०/५३	५५/५७	ग.	३	५१	व.	३१	५८	उत्पात	११	१६	२५	मि.	५२	२३	६	३४	५	२६	६	२५	१६	४५	६०	३७	भ. ३१।५८ उ.।
२७	९	३	शु.	०/५५	५/१६	मृ.	२१	११	सि.	५०	८	वि.	०	५	वव	२७/५५	४३/२१	मानस	१२	१७	२६				६	३४	५	२६	६	२६	२७	२१	६०	३८	भ. ०।५ या.। दक्षिणस्यां यात्रा मु.।
२७	६	५	श.	५०	४	आ.	१७	५९	सा.	४२	४१	कौ.	२२	४२	त.	५०	४	मुद्‌गर	१३	१८	२७				६	३५	५	२५	६	२७	१७	५४	६०	३८	पू. षा. भे शुक्रः ४।१९ ।
२७	३	६	र.	४४	२२	पुन.	१४	१६	शु.	३५	१४	ग.	१७	१३	व.	४४	२२	ध्वज	१४	१९	२८	क.	०	१२	६	३६	५	२४	६	२८	१८	३०	६०	३९	भ. ४४।२२ उ.। पुष्य भे स. सि. योगः। या. ज. मु. १४।१६ या.
२७	१	७	चं.	३८	२७	पु.	१०	८	शु.	२७	२४	वि.	११	२४	वव	३८	२७	धाता	१५	२०	२९				६	३६	५	२४	६	२९	२९	८	६०	३९	भ. ११।२४ या.। पुष्प भे स. सि. योगः ।
२६	५८	८	मं.	३२	२७	श्ले	५	५६	ब्र.	१९	३०	वा.	५	२७	कौ.	२/५९	२७/३२	आनंद	१६	२१	३०	सिं.	५	५६	६	३७	५	२३	७	०	१९	४८	६०	४१	वश्चिकेर्कः १५।४० मु.। गोपाष्टमी ।
२६	५६	९	बु.	२६	३६	म.	१/५६	८/४९	ऐं.	११	४२	ग.	२६	३६	व.	५३	५४	चर	१७	२२	१				६	३७	५	२३	७	१	२०	३०	६०	४३	भ. ५३।५४ उ.। सौर मार्गशीर्षारम्भः ।
२६	५४	१०	बृ.	२१	१२	उ.	५४	३५	वै.	४/५२	१४/४९	वि.	२१	१२	वव	४८	४५	मातंग	१८	२३	२	कं.	१२	६	६	३८	५	२२	७	२	२१	१३	६०	४५	भ. २१।१२ या.। एकादशी योगे या. ज. मु.।
२६	५१	११	शु.	१६	१९	ह.	५१	५१	प्री.	५०	२८	वा.	१६	१९	कौ.	४४	७	अमृत	१९	२४	३				६	३८	५	२२	७	३	२२	०	६०	४८	मैत्रेर्कः ३२।५६। उत्पन्ना ११ सर्वेषाम्। प्राच्यां यात्रा मु.।
२६	४७	१२	श.	१२	१५	चि.	५०	०	आ.	४४	३३	तै.	१२	१५	ग.	४०	४०	काण	२०	२५	४	तु.	२०	५५	६	३९	५	२१	७	४	२२	५१	६०	५१	प्रदोष। iभौमः ३१।२१। या. ज. मु. ९।५ या.।
२६	४६	१३	र.	९	५	स्वा	४९	७	सौ.	३९	२८	व.	९	५	वि.	३८	१	लुम्ब	२१	२६	५				६	३९	५	२१	७	५	२३	४०	६०	५३	भ. ९।५ उ. ३८।१ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्। पू. षा. भे. i
२६	४३	१४	चं.	६	५८	वि.	४९	२३	शो.	३५	१६	श.	६	५८	च.	३६	३१	मित्र	२२	२७	६	वृ.	३४	१९	६	४०	५	२०	७	६	२८	२९	६०	५४	श्राद्धादौ ३०। वक्री बुधः ४८।४३ ।
२६	४१	३०	मं.	६	४	अनु.	५०	५३	अ.	३२	२	ना.	६	४	कि.	३६	१६	वज्र	२३	२८	७				६	४०	५	२०	७	७	२५	२२	६०	५५	स्नान दानाय ३०।

मा. शी. कृ. ३ शुक्रे. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	८	७	२	८	१०	१	७
२६	५	२०	५	१३	१४	११	११
२७	१८	१४	२१	३१	१८	४३	४३
२०	१४	४३	१३	४४	१२	१४	१७
६०	४२	७१	३	६५	२	३	३
३८	३५	४४	व	४८	व	११	११

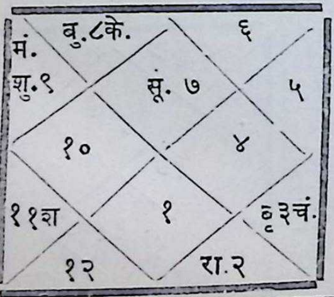

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.	२ बृ.	३ शु.	५ श.	६ र.	७ चं.	८ मं.	ति	९ बु.	१० बृ.	११ शु.	१२ श.	१३ र.	१४ चं.	३० मं.
तु. अं.	७ २	६ ५८	६ ५४	६ ५०	६ ४६	६ ४२	६ ३८	वृ.	८ ५१	८ ४७	८ ४३	८ ३९	८ ३४	८ ३०	८ २६
वृ. अं.	९ २०	९ १६	९ १२	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६	ध.	१० ५५	१० ५१	१० ४७	१० ४३	१० ३८	१० ३४	१० ३०
ध. अं.	११ २४	११ २०	११ १६	११ १२	११ ८	११ ४	११ ०	म	१२ ४२	१२ ३८	१२ ३४	१२ ३०	१२ २५	१२ २१	१२ १७
म. अं.	१ ११	१ ७	१ ३	१२ ५९	१२ ५५	१२ ५१	१२ ४७	कुं	२ १६	२ १२	२ ८	२ ४	१ ५९	१ ५५	१ ५१
कुं. अं.	२ ४५	२ ४१	२ ३७	२ ३३	२ २९	२ २५	२ २१	मी.	३ ४३	३ ३९	३ ३५	३ ३१	३ २६	३ २२	३ १८
मी. अं.	४ १२	४ ८	४ ४	४ ०	३ ५६	३ ५२	३ ४८	मे.	५ २१	५ १७	५ १३	५ ९	५ ४	५ ०	४ ५६
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मे. अं.	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३८	५ ३४	५ ३०	५ २६	वृ.	७ १७	७ १३	७ ९	७ ५	७ ०	६ ५६	६ ५२
वृ. अं.	७ ४६	७ ४२	७ ३८	७ ३४	७ ३०	७ २६	७ २२	मि.	९ ३०	९ २६	९ २२	९ १८	९ १३	९ ९	९ ५
मि. अं.	९ ५९	९ ५५	९ ५१	९ ४७	९ ४३	९ ३९	९ ३५	क.	११ ४९	११ ४५	११ ४१	११ ३७	११ ३२	११ २८	११ २४
क. अं.	१२ १८	१२ १४	१२ १०	१२ ६	१२ २	११ ५८	११ ५४	सिं.	२ ३	१ ५९	१ ५५	१ ५१	१ ४६	१ ४२	१ ३८
सिं. अं.	२ ३२	२ २८	२ २४	२ २०	२ १६	२ १२	२ ८	कं.	४ १७	४ १३	४ ९	४ ५	४ ०	३ ५६	३ ५२
कं. अं.	४ ४६	४ ४२	४ ३८	४ ३४	४ ३०	४ २६	४ २२	तु.	६ ३३	६ २९	६ २५	६ २१	६ १६	६ १२	६ ८

मा. शी. कृ. ११ शु. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	८	७	२	८	१०	१	७
३	१०	२२	४	२०	१४	११	११
३१	४२	४८	३०	१२	३०	२०	२०
५४	२१	४३	२१	१३	४५	४०	४०
६०	४१	६६	५८	६६	०	३	३
४८	३७	१३	व.	३३	मा.	११	११

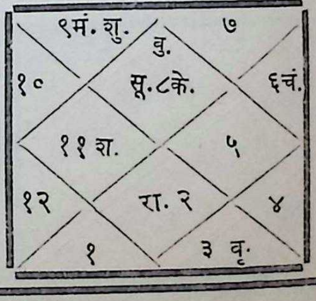

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः		श्री शुभ संवत् २०२२ शके १८८७ मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः। नवम्बर२४से दिसम्बर८ तक। याम्यायनगोलौ। शिशिर ऋतुः।
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घ.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	
२६	३९	१	बु.	६	२९	ज्ये.	५३	३९	सु	२९	०८	वव.	६	२९	बा.	३७	२१	ध्वांक्ष	२४	२९	८	ध.	५३	३९	६	४१	५	१९	७	८	२६	१५	६०	५६	चन्द्रदर्शनम् ।
२६	३६	२	बृ.	८	१३	मू.	५७	३७	धृ.	२८	३७	कौ.	८	१३	तै.	३९	३९	धूम्र	२५	१	९				६	४१	५	१९	७	९	२७	१२	६०	५७	शावान । वक्री बुधः ९।२५
२६	३४	३	शु.	११	५	पू.	६०	०	शू.	२८	१४	ग.	११	५	व.	४३	६	वर्धमा.	२६	२	१०				६	४२	५	१८	७	१०	२८	६	६१	०	भ. ४३।६ उ. । उ. षा भे शुक्रः ५।२४
२६	३१	४	श.	१५	७	पू.	२	४०	गं.	२८	४३	वि.	१५	७	वव	४७	२८	मातंग	२७	३	११	म	१९	७	६	४२	५	१८	७	११	२९	६	६१	१	भ. १५।७ या. । पञ्चमी योगे या. ज. मु. ।
२६	२९	५	र.	१९	५२	उ.	८	३०	वृ.	२९	४३	बा.	१९	५२	कौ.	५२	३१	अमृत	२८	४	१२				६	४२	५	१८	७	१२	३०	७	६१	३	सप्तमी भौमे दक्षिण यात्रा मु. या. ज. मु. । स.सि. यो. ८।३०या.।
२६	२६	६	चं.	२५	११	श्र.	१४	५३	ध्रु.	३१	०	तै.	२५	११	ग.	५७	५२	सिद्धि	३९	५	१३	कुं.	४८	१०	६	४३	५	१७	७	१३	३१	७	६१	४	मकरे शुक्र १९।४५ । पञ्चकारम्भः ४८।१० । चम्पा ६ ।a
२६	२५	७	मं.	३०	३४	ध.	२१	२७	व्या	३२	२०	व.	३०	३४	वि.	६०	०	उत्पात	३०	६	१४				६	४३	५	१७	७	१४	३२	११	६१	५	भ. ३०।३४ उ. । aस. सि. योग । ४।५३ या
२६	२४	८	बु.	३५	३१	श.	२७	३८	ह.	३३	२०	वि.	३	२	वव	३५	३१	मानस	१	७	१५				६	४३	५	१७	७	१५	३३	१४	६१	६	भ. ३।२ या. । शाक्रेऽर्कः ३९।५७ । दिसम्बर ।
२६	२२	९	बृ.	३९	४७	पू.	३३	१०	व.	३३	४८	बा.	७	३९	कौ.	३९	४७	मुद्गर	२	८	१६	मी.	१६	५०	६	४४	५	१६	७	१६	३४	१९	६१	७	वक्रगत्या अनु. भे बुधः २५।३७
२६	२१	१०	शु.	४२	५५	उ.	३७	४४	सि	३३	३०	तै.	११	२१	ग.	४२	५५	ध्वज	३	९	१७				६	४४	५	१६	७	१७	३५	२५	६१	९	रेवती योगे अ. सि. योगः या. ज. योगश्च ।
२६	१९	११	श.	४५	५	रे.	४१	१३	व्य	३२	२१	व.	१४	०	वि.	४५	५	धाता	४	१०	१८	मे.	४१	१३	६	४४	५	१६	७	१८	३६	३१	६१	१०	भ. १४।० उ. ४५।५ या. । पञ्चक समाप्त ४१।१३ पर ।b
२६	१७	१२	र.	४५	४९	अ.	४३	२४	व.	३०	१०	वव	१५	२७	बा.	४५	४९	आनन्द	५	११	१९				६	४५	५	१५	७	१९	३७	३९	६१	१०	स. सि. योगः।तिथि दानात् पूर्व यात्रा मु.। bमोक्षदा ११सर्वेषाम् ।
२६	१६	१३	चं.	४५	१७	भ.	४४	१९	प.	२६	५९	कौ.	१५	३३	तै.	४५	१७	चर	६	१२	२०	वृ.	५९	१५	६	४५	५	१५	७	२०	३८	४८	६१	११	या. ज. मु. । प्रदोष ।
२६	१५	१४	मं.	४३	३०	कृ.	४४	२	शि	२२	४९	ग.	१४	२४	व.	४३	३०	ध्वज	७	१३	२१				६	४५	५	१५	७	२१	३९	५८	६१	१२	भ. ४३।३० उ. । विमल तीर्थ यात्रा। (लोटाभंटा) । स. सि.यो.।
२६	१३	१५	बु.	४०	४०	रो.	४२	४०	सि.	१७	४६	वि.	१२	५	वव	४०	४०	शुभ	८	१४	२२				६	४६	५	१४	७	२२	४१	१०	६१	१४	भ. १२।५ या. । दत्त जयन्ती । स. सि. योग ।

मार्गशीर्ष. शु. ६ चं. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	८	७	२	८	१०	१	७
१३	१८	२०	३	२९	१४	१०	१०
४१	१२	४८	१८	४२	४८	४८	४८
२०	२५	२३	२९	२१	२६	२६	५०
६१	३६ १५	१२ १४	६ ७	५५	५ ४८	३	३
२	व.	व.	व.	१३	मा.	११	११

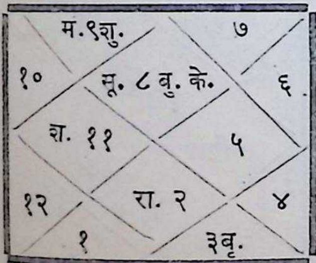

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.		२ बृ.		३ शु.		४ श.		५ र.		६ चं.		७ मं.		८ बु.		९ बृ.		१० शु.		११ श.		१२ र.		१३ चं.		१४ मं.		१५ बु.	
वृ. अं	८	२१	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	०	७	५५	७	५१	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	७	३०	७	२५	७	२१
ध. अं.	१०	२५	१०	२१	१०	१६	१०	१२	१०	७	१०	३	९	५९	९	५५	९	५०	९	४६	९	४२	९	३८	९	३४	९	२९	९	२५
म. अं.	१२	१२	१२	८	१२	३	११	५९	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२	११	३७	११	३३	११	२९	११	२५	११	२१	११	१६	११	१२
कु. अं.	१	४६	१	४२	१	३७	१	३३	१	२९	१	२४	१	२०	१	१६	१	११	१	७	१	३	१२	५९	१२	५५	१२	५०	१२	४६
मी. अं.	३	१३	३	९	३	४	३	०	२	५५	२	५१	२	४७	२	४३	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	२	२२	२	१७	२	१३
मे. अं.	४	५१	४	४७	४	४२	४	३८	४	३३	४	२९	४	२५	४	२१	४	१६	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५५	३	५१
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	६	४७	६	४३	६	३८	६	३४	६	२९	६	२५	६	२१	६	१७	६	१२	६	८	६	४	६	०	५	५६	५	५१	५	४७
मि. अं.	९	०	८	५६	८	५१	८	४७	८	४२	८	३८	८	३४	८	३०	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	९	८	४	८	०
क. अं.	११	१९	११	१५	११	१०	११	६	११	१	१०	५७	१०	५३	१०	४९	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२३	१०	१९
सिं. अं.	१	३३	१	२९	१	२४	१	२०	१	१५	१	११	१	७	१	३	१२	५८	१२	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३७	१२	३३
कं. अं.	३	४७	३	४३	३	३८	३	३४	३	२९	३	२५	३	२१	३	१७	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५६	२	५१	२	४७
तु. अं.	६	३	५	५९	५	५४	५	५०	५	४५	५	४१	५	३७	५	३३	५	२८	५	२४	५	२०	५	१६	५	१२	५	७	५	३

मार्गशीर्ष शु. १३ चं. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	८	७	२	९	१०	१	७
२०	२४	१४	२	५	१५	१०	१०
३८	१	३९	२७	४५	३	२६	२६
४२	१२	४५	३८	१४	१५	१६	१६
६१	३६	१२ १२	७ ४१	४८	१ ५८	३	३
११	४२	व.	व.	५६	मा.	११	११

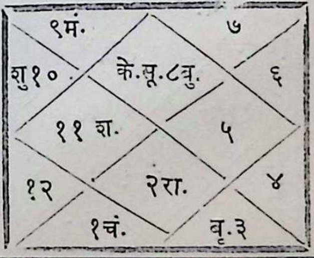

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ.स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	१२	१	बृ.	३६	५१	मृ.	४०	३०	सा.	११	५४	वा.	८	४५	कौ.	३६	५१	मृत्यु	९	१५	२३	मि	११	३५	६	४६	५	१४	७	२३	४२	२०	६१	१६
२६	१०	२	शु.	३२	१२	आ.	३७	२६	शु.	५ २२	२२ ४९	तै.	४	३१	ग.	३२ ५९	१७ ३६	पद्म	१०	१६	२४				६	४६	५	१४	७	२४	४३	३६	६१	१७
२६	८	३	श.	२७	०	पुन.	३३	५०	ब्र.	५०	४२	वि.	२७	०	वव	५४	१०	छत्र	११	१७	२५	क.	१९	४४	६	४६	५	१४	७	२५	४४	५१	६१	१८
२६	८	४	र.	२१	२१	पु.	२९	४९	ऐं.	४२	५१	वा.	२१	२१	कौ.	४८	२५	श्रीवत्स	१२	१८	२६				६	४६	५	१४	७	२६	४६	६	६१	१९
२६	७	५	चं.	१५	२९	श्ले.	२५	३५	वै.	३४	५५	तै.	१५	२९	ग.	४२	३२	सौम्य	१३	१९	२७	सिं.	२५	३५	६	४७	५	१३	७	२७	४७	२१	६१	२०
२६	७	६	मं.	९	३५	म.	२१	२५	वि.	२७	४	व.	९	३५	वि.	३६	४४	काल	१४	२०	२८				६	४७	५	१३	७	२८	४८	४०	६१	२०
२६	६	७	बु.	३ ५४	५३ ४१	पू.	१७	३९	प्री.	१९	२३	वव	३	५३	वा.	३१ ५[illegible]	१४ ३४	स्थिर	१५	२१	२९	कं.	३१	३६	६	४७	५	१३	७	२९	४९	५९	६१	२१
२६	६	९	बृ.	५३	४७	उ.	१३	५९	आ.	१२	३	तै.	२६	१०	ग.	५३	४७	मातंग	१६	२२	१				६	४७	५	१३	८	०	५१	१७	६१	२२
२६	५	१०	शु.	४९	५१	ह.	११	७	सौ.	५ ५३	१७ ५०	व.	२१	४९	वि.	४९	५१	अमृत	१७	२३	२	तु.	४०	७	६	४७	५	१३	८	१	५२	३६	६१	२३
२६	४	११	श.	४६	४७	चि.	९	८	अ.	५३	४५	वव	१८	१९	वा.	४६	४७	काण	१८	२४	३				६	४७	५	१३	८	२	५३	५६	६१	२४
२६	४	१२	र.	४४	४७	स्वा	७	५९	सु.	४९	२	कौ.	१५	४७	तै.	४४	४७	लुम्ब	१९	२५	४	वृ.	५३	०	६	४७	५	१३	८	३	५५	१७	६१	२५
२६	४	१३	चं.	४४	२	वि.	८	०	धृ.	४५	३६	ग.	१४	२४	व.	४४	२	मित्र	२०	२६	५				६	४७	५	१३	८	४	५६	४१	६१	२५
२६	४	१४	मं.	४४	३३	ऽनु	९	२२	शू.	४३	०	वि.	१४	२०	श.	४४	३३	वज्र	२१	२७	६				६	४७	५	१३	८	५	५७	५९	६१	२५
२६	३	३०	बु.	४६	२७	ज्ये.	११	४१	गं.	४१	२४	च.	१५	३०	ना.	४६	२७	ध्वांक्ष	२२	२८	७	ध.	११	४१	६	४७	५	१३	८	६	५९	२०	६१	२७

श्री शुभ संवत् २०२२ शके १८८७ पौष कृष्णपक्षः।
दिसम्बर ९ से २२ तक। याम्यायनगोलौ। शिशिरऋतुः।

वुधोदयः प्राच्याम् ५९।१५।

भ. ५९।३६ उ.। उ.षा.मे भौमः२७।२२। श्रवसि शुक्र ३०।४५।

भ. २७।० या.।

स. सि. योगः। a राहुः स्वात्यां प्रथमपादेकेतुः ५५।२०

भ. ९।३५ उ. ३६।४४ या.। कृत्तिकायां ४र्थपादे a

मूलेधनुषिचार्कः ४४।२०। मार्गी वुधः २३।४७। मकरे b

सौरपौषारम्भः। या. ज. योगः। प्राच्यां यात्रा मु. ति. दा.।

भ. २१।४९ उ. ४९।५१ या.। प्राच्यां यात्रा मु.।

स. सि.या.ज. योगः ९।८उ.। सफला११व्रतं प्राय सर्वेषाम्।

भ. ४२।२ उ.। पूर्वोत्तर यात्रा मु.। प्रदोष व्रतम्।

भ. १४।२० या.। मास शिवरात्रि व्रतम्। L भौमः ३८।४४

स्नान श्राद्धादौ ३०।

पौ. कृ. १ गुरौ. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	८	७	२	९	१०	१	७
२३	२५	१२	२	८	१५	१०	१०
५३	४८	१८	६	०	६	१७	१७
१	३१	३६	२५	७	१८	१०	१०
६१	३६	४७ ५६	७ १२	४९	५ ५८	३	३
१४	४४	व.	व.	११	मा.	११	११

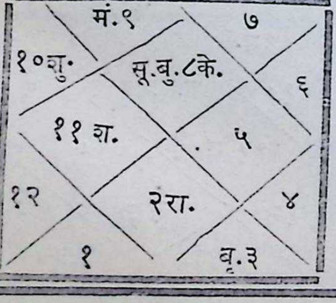

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.		२ शु.		३ श.		४ र.		५ चं.		६ मं.		७ बु.		ति.	९ बृ.		१० शु.		११ श.		१२ र.		१३ चं.		१४ मं.		३० बु.	
वृ. अं.	७	१७	७	१३	७	९	७	४	६	५९	६	५५	६	५०	ध.	८	५०	८	४५	८	४०	८	३६	८	३२	८	२८	८	२३
ध. अं.	९	२१	९	१६	९	१२	९	८	९	३	८	५९	८	५४	म.	१०	३६	१०	३२	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१५	१०	१०
म. अं.	११	८	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	५०	१०	४६	१०	४१	कुं.	१२	१०	१२	६	१२	१	११	५७	११	५३	११	४९	११	४४
कुं. अं.	१२	४२	१२	३७	१२	३३	१२	२९	१२	२४	१२	२०	१२	१५	मी.	१	३७	१	३३	१	२८	१	२४	१	२०	१	१६	१	११
मी. अं.	२	९	२	४	२	०	१	५६	१	५१	१	४७	१	४२	मे.	३	१५	३	११	३	६	३	२	२	५८	२	५४	२	४९
मे. अं.	३	४७	३	४२	३	३८	३	३४	३	२९	३	२५	३	२०	वृ.	५	११	५	७	५	२	४	५८	४	५४	४	५०	४	४५
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	५	४३	५	३८	५	३४	५	३०	५	२५	५	२१	५	१६	मि.	७	२४	७	२०	७	१५	७	११	७	७	७	३	६	५८
मि. अं.	७	५६	७	५१	७	४७	७	४३	७	३८	७	३४	७	२९	क.	९	४३	९	३९	९	३६	९	३१	९	२७	९	२३	९	१८
क. अं.	१०	१५	१०	१०	१०	६	१०	२	९	५७	९	५३	९	४८	सिं.	११	५७	११	५३	११	४८	११	४४	११	४०	११	३६	११	३१
सिं. अं.	१२	२९	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	११	१२	७	१२	२	कं.	२	११	२	७	२	२	१	५८	१	५४	१	५०	१	४५
कं. अं.	२	४३	२	३८	२	३४	२	३०	२	२५	२	२१	२	१६	तु.	४	२७	४	२३	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	४	१
तु. अं.	४	५९	४	५४	४	५०	४	४६	४	४१	४	३७	४	३२	वृ.	६	४५	६	४१	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	६	१९

पौष. कृ. १२ रवौ. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	९	७	२	९	१०	१	७
४	३	१२	०	१४	१५	९	९
६	४२	२४	३६	४८	४८	४५	४५
२२	११	३६	३५	८	५२	२०	२०
६१	४९	मा.	व.	३६	मा.	३	३
२२	४७	० २६	० ८	१५	४ ३	११	११

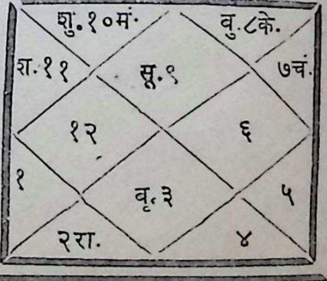

श्री शुभ संवत् २०२२ शके १८८७ पौष शुक्लपक्षः। दिसम्बर २३ से ७ जनवरी तक। याम्यायन गोलौ। शिशिर ऋतुः।

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	३	१	वृ.	४९	२६	मू.	१५	२५	वृ.	४०	४४	कि	१७	५६	वव	४९	२६	धूम्र	२३	२९	८				६	४७	५	१३	८	८	०	४४	६१	२६
२६	३	२	शु.	५३	३६	पू.	२०	१७	ध्रु.	४०	५५	वा.	२१	३१	कौ.	५३	३६	वर्द्धमा.	२४	३०	९	मं.	३६	४३	६	४७	५	१३	८	९	२	१२	६१	२६
२६	४	३	श.	५८	२९	उ.	२६	१	व्या	४१	४१	तै.	२६	२	ग.	५८	२९	रक्ष	२५	१	१०				६	४७	५	१३	८	१०	३	३६	६१	२६
२६	५	४	र.	६०	०	श्र	३२	२७	ह.	४२	५६	व.	३१	१०	वि.	६०	०	गद	२६	२	११				६	४७	५	१३	८	११	५	०	६१	२६
२६	५	४	चं.	३	५१	ध.	३८	५३	व.	४४	१९	वि.	३	५१	वव	३६	३३	शुभ	२७	३	१२	कुं.	५	४०	६	४७	५	१३	८	१२	६	२४	६१	२६
२६	५	५	मं.	९	१६	श.	४५	५४	सि.	४५	२६	वा	९	१६	कौ.	४१	४४	मृत्यु	२८	४	१३				६	४७	५	१३	८	१३	७	४८	६१	२७
२६	५	६	बु.	१४	१३	पूभा	५१	०	व्य.	४६	८	तै.	१४	१३	ग.	४६	२०	पद्म	२९	५	१४	मी.	३४	४४	६	४७	५	१३	८	१४	९	१५	६१	२७
२६	६	७	बृ.	१८	२७	उभा	५५	५१	व.	४६	१०	व.	१८	२७	वि.	५०	०	छत्र	३०	६	१५				६	४७	५	१३	८	१५	१०	४०	६१	२८
२६	६	८	शु.	२१	३४	रे.	५९	३८	प.	४५	१५	वव	२१	३४	वा.	५२	३४	श्रीवत्स	३१	७	१६	मे.	५९	३८	६	४७	५	१३	८	१६	१२	६	६१	२८
२६	७	९	श.	२३	३४	अ.	६०	०	शि.	४३	२५	कौ.	२३	३४	तै.	५३	५३	सौम्य	१	८	१७				६	४७	५	१३	८	१७	१३	३२	६१	२८
२६	७	१०	र.	२४	१२	अ.	२	११	सि.	४०	३७	ग.	२४	१२	व.	५३	५३	आनंद	२	९	१८				६	४७	५	१३	८	१८	१४	५८	६१	२८
२६	८	११	चं.	२३	३४	भ.	३	२४	सा.	३६	४९	वि.	२३	३४	वव	५२	३८	चर	३	१०	१९	वृ.	१८	२५	६	४६	५	१४	८	१९	१६	२६	६१	२७
२६	९	१२	मं.	२१	४२	कृ.	३	२७	शु.	३२	४	वा.	२१	४२	कौ.	५०	१४	गद	४	११	२०				६	४६	५	१४	८	२०	१७	५१	६१	२७
२६	१०	१३	बु.	१८	४७	रो.	२	२०	शु.	२६	२६	तै.	१८	४७	ग.	४६	५१	शुभ	५	१२	२१	मि.	३१	२१	६	४६	५	१४	८	२१	१९	१८	६१	२७
२६	११	१४	बृ.	१४	५५	मृ.	० ५७	२२ ११	ब्र.	२०	३	व	१४	५५	वि.	४२	३४	मृत्यु	६	१३	२२				६	४६	५	१४	८	२२	२०	४०	६१	२७
२६	१३	१५	शु.	१०	१३	पू.	५४	४	ऐं	१३	१५	वव	१०	१३	वा.	३७	३५	लुम्ब	७	१४	२३	कं.	४०	११	६	४५	५	१५	८	२३	२२	८	६१	२७

पुनः वृषे गुरुः २७।१२

चन्द्र दर्शनम्।

रमजान। या. ज. मु. २६।१ या.। दक्षिण यात्रा मु.। श्रवसि

भ. ३१।१० उ.। श्रवणे भौमः ३२।१२।

भ. ३।५१ या.। पञ्चकारम्भः ५।४० उ.। दक्षिण यात्रा मु.।

पूर्वाषाढ़ायामर्कः ४६।५९। पुनर्ज्येष्ठायां बुधः २१।३५।

भ. १८।२७ उ. ५०।० या.। या. ज. मु. १८।२७ या.।

पञ्चक समाप्त ५९।३८ या.। अ. सि. योगः।

जनवरी १९६६ ई०। उदीच्यां यात्रा मु.।

भ. ५३।५३ उ.। स. सि. योगः।

भ. २३।३४ या.। या. ज. मु. ३।२४ या.। पुत्रदा ११ सर्वेषाम्।

स. सि. योगः ३।२७ या.। मूल भे धनुराशौ बुधः ३५।४७।

स. सि. योगः। वक्री शुक्र २५।१३।

भ. १४।५५ उ. ४२।३४ या.।

पौष. शुक्ल ६ बुधे. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	९	७	१	९	१०	१	७
१४	११	२१	२९	१८	१६	९	९
२०	१८	४२	१८	४८	३०	१३	१३
४३	२२	१५	३५	२७	३५	३०	३०
६१	४८	५४	व.	२४	५	३	३
२५	१७	२५	७ ५	३३	१७	११	११

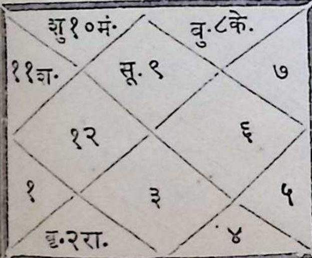

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ वृ.	२ शु.	३ श.	४ र.	४ चं.	५ मं.	६ बु.	७ बृ.	८ शु.	९ श.	१० र.	११ चं.	१२ मं.	१३ बु.	१४ बृ.	१५ शु.
घ. अं.	८ १९	८ १४	८ १०	८ ६	८ १	७ ५७	७ ५२	७ ४८	७ ४३	७ ३९	७ ३५	७ ३०	७ २६	७ २१	७ १६	७ १२
म. अं.	१० ६	१० १	९ ५७	९ ५३	९ ४८	९ ४४	९ ३९	९ ३५	९ ३०	९ २६	९ २२	९ १७	९ १३	९ ८	९ ४	९ ०
कुं. अं.	११ ४०	११ ३५	११ ३१	११ २७	११ २२	११ १८	११ १३	११ ९	११ ४	११ ०	१० ५६	१० ५१	१० ४७	१० ४२	१० ३८	१० ३४
मी. अं.	१ ७	१ २	१२ ५८	१२ ५४	१२ ४९	१२ ४५	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३१	१२ २७	१२ २३	१२ १८	१२ १४	१२ ९	१२ ५	१२ १
मे. अं.	२ ४५	२ ४०	२ ३६	२ ३२	२ २७	२ २३	२ १८	२ १४	२ ९	२ ५	२ १	१ ५६	१ ५२	१ ४७	१ ४३	१ ३९
वृ. अं.	४ ४१	४ ३६	४ ३२	४ २८	४ २३	४ १९	४ १४	४ १०	४ ५	४ १	३ ५७	३ ५२	३ ४८	३ ४३	३ ३९	३ ३५
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मि. अं.	६ ५४	६ ४९	६ ४५	६ ४१	६ ३६	६ ३२	६ २७	६ २३	६ १८	६ १४	६ १०	६ ५	६ १	५ ५६	५ ५२	५ ४८
क. अं.	९ १४	९ ९	९ ५	९ १	८ ५६	८ ५२	८ ४७	८ ४३	८ ३८	८ ३४	८ ३०	८ २५	८ २१	८ १६	८ १२	८ ८
सिं. अं.	११ २७	११ २२	११ १८	११ १४	११ ९	११ ५	११ ०	१० ५६	१० ५१	१० ४७	१० ४३	१० ३८	१० ३४	१० २९	१० २५	१० २१
कं. अं.	१ ४१	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २३	१ १९	१ १४	१ १०	१ ५	१ १	१२ ५७	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४३	१२ ३९	१२ ३५
तु. अं.	३ ५७	३ ५२	३ ४८	३ ४४	३ ३९	३ ३५	३ ३०	३ २६	३ २१	३ १७	३ १३	३ ८	३ ४	२ ५९	२ ५५	२ ५१
वृ. अं.	६ १५	६ १०	६ ६	६ २	५ ५७	५ ५३	५ ४८	५ ४४	५ ३९	५ ३५	५ ३१	५ २६	५ २२	५ १७	५ १३	५ ९

पौष शुक्ल १३ बुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	९	८	१	९	१०	१	७
२१	१५	१	२८	१९	१७	८	८
१९	४४	३२	२७	४८	२८	२७	२७
१८	३१	१३	३१	४५	४१	३५	३५
६१	३४	८२	२ ५/१	१ ६/२	४	३	३
२७	१६	१८	व.	व.	३२	११	११

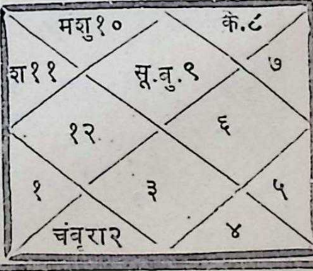

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क	घ. पं·		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः		श्री शुभ संवत् २०२२ शके १८८७ माघ कृष्णपक्षः। जनवरी ८ से २१ तक। सौम्यायनम्। याम्यगोलः। हेमन्त ऋतुः।
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	घ.	मि.	
२६	१५	१	श.	४ ५४	५७ ३२	पु.	५०	८	वै.	५ ५२	४० २०	कौ.	४	५७	तै.	३२ ५९	८ १९	मित्र	८	१५	२४				६	४५	५	१५	८	२४	२३	३०	६१	२७	पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.।
२६	१७	३	र.	५३	२७	श्ले.	४५	५८	प्री.	५०	१५	व.	२६	२३	वि.	५३	२७	वज	९	१६	२५	सिं.	४५	५८	६	४५	५	१५	८	२५	२४	५६	६१	२७	भ. २६।२३ उ. ५३।२७ या.।
२६	१८	४	चं.	४७	३५	म.	४१	५०	आ.	४२	२०	वव	२०	३१	बा.	४७	३५	ध्वांक्ष	१०	१७	२६				६	४४	५	१६	८	२६	२६	२०	६१	२६	उत्तराषाढायामर्कः ४७।०। गणेश ४ व्रतम्।
२६	२०	५	मं.	४१	५६	पू.	३७	५०	सौ.	३४	३५	कौ.	१४	४०	तै.	४१	५६	धूम्र	११	१८	२७	कं.	५१	५६	६	४४	५	१६	८	२७	२७	४१	६१	२६	
२६	२१	६	बु.	३६	४१	उ.	३४	१५	शो.	२७	६	ग.	९	१६	व.	३६	४१	वर्द्धमान	१२	१९	२८				६	४४	५	१६	८	२८	२९	४	६१	२५	भ. ३६।४१ उ.। पू. षा भे बुधः २३।५३।
२६	२३	७	बृ.	३१	५९	ह.	३१	१३	अ.	२०	६	वि.	४	२०	वव	३१	५९	रक्ष	१३	२०	२९				६	४३	५	१	८	२९	३०	२८	६१	२५	भ. ४।२० या.। या. ज. मु.। घनिष्ठा भे भौमः ३४।२१।
२६	२४	८	शु.	२८	९	चि.	२९	२	सु.	१३	४३	वा.	०	४	कौ.	२८ २६	९ ४१	मुशल	१४	२१	३०	तु	०	७	६	४३	५	१७	९	०	३१	५०	६१	२४	मकरेऽर्कः ३।१३ । d ११ सर्वेषाम्।
२६	२६	९	श.	२५	१३	स्वा	२७	४२	धृ.	८	२	ग.	२५	१३	व.	५४	१७	सिद्धि	१५	२२	१				६	४३	५	१७	९	१	३३	१०	६१	२४	भ. ५४।१७ उ.। सौर माघारम्भः। या. ज. मु.।
२६	२८	१०	र.	२३	२१	वि.	२७	२५	शू.	३ २६	१० ३	वि.	२३	२१	वव	५२	२	उत्पात	१६	२३	२	वृ.	१२	२९	६	४२	५	१८	९	२	३४	३१	६१	२३	भ. २३।२१ या.। या. ज. मु. २७।२५ उ.।
२६	३०	११	चं.	२२	४४	ऽनु.	२८	२२	वृ.	५६	१९	वा.	२२	४४	कौ.	५३	४	मानस	१७	२४	३				६	४२	५	१८	९	३	३५	३२	६१	२२	पश्चिमोत्तरौ या. मु.। या. ज. मु. २८।२२ या.। षट्तिलाd
२६	३२	१२	मं.	२३	२३	ज्ये.	३०	३४	ध्रु.	५४	२३	तै.	२३	२३	ग.	५४	२४	मुद्गर	१८	२५	४	ध.	३०	३४	६	४२	५	१८	९	४	३७	९	६१	२०	प्रदोषः। बुधास्तः प्राच्याम् २२।९।
२६	३५	१३	बु.	२५	२६	मू.	३४	३	व्या	५३	२८	व.	२५	२६	वि.	५६	५८	ध्वज	१९	२६	५				६	४१	५	१९	९	५	३८	२७	६१	१९	भ. २५।२६ उ. ५६।५८ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्।
२६	३७	१४	बृ.	२८	३१	पू.	३८	३९	ह.	५३	२५	श.	२८	३१	च.	६०	०	धाता	२०	२७	६	म.	५५	३	६	४१	५	१९	९	६	३९	४६	६१	१९	अभिजित्प्रवृत्यर्कः ३६।४४। उ. षा भे. बुधः ४५।२१।
२६	३८	३०	शु.	३२	४६	उ.	४४	१४	व.	५४	३	च.	०	३८	ना.	३२	४६	आनंद	२१	२८	७				६	४०	५	२०	९	७	४१	०	६१	१९	मौनी ३०। त्रिवेण्यां स्नानम्।

मा. कृ. १ शनौ. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	९	८	१	९	१०	१	७
२४	१७	५	२८	१९	१७	८	८
३२	६	३६	१२	२४	१२	२४	२४
४०	४६	५९	२३	३३	२५	३६	३६
६१	३५	८४	७ ३२	६ १	४	३	३
२४	४४	२३	व.	व.	४४	११	११

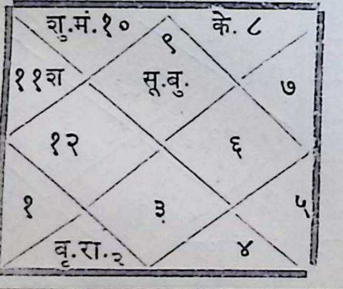

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.	३ र.	४ चं.	५ मं.	६बु.	७बृ.	८शु.	तिथयः	९श	१०र.	११चं.	१२मं.	१३बु.	१४बृ.	३०शु.
ध. अं.	७ ९	७ ४	७ ०	६ ५५	६ ५१	६ ४६	६ ४२	म. अ.	८ २४	८ १९	८ १५	८ ११	८ ७	८ ३	७ ५९
म. अं.	८ ५५	८ ५१	८ ४७	८ ४२	८ ३८	८ ३३	८ २९	कुं. अं.	९ ५८	९ ५३	९ ४९	९ ४५	९ ४१	९ ३७	९ ३३
कुं. अं.	१० २९	१० २५	१० २१	१० १६	१० १२	१० ७	१० ३	मी.अं.	११ २५	११ २०	११ १६	११ १२	११ ८	११ ४	११ ०
मी.अं.	११ ५६	११ ५२	११ ४८	११ ४३	११ ३९	११ ३४	११ ३०	मे अं	१ ३	१२ ५८	१२ ५४	१२ ५०	१२ ४६	१२ ४२	१२ ३८
मे. अं.	१ ३४	१ ३०	१ २६	१ २१	१ १७	१ १२	१ ८	वृ अं.	२ ५९	२ ५४	२ ५०	२ ४६	२ ४२	२ ३८	२ ३४
वृ. अं.	३ ३०	३ २६	३ २२	३ १७	३ १३	३ ८	३ ४	मि. अं.	५ १२	५ ७	५ ३	४ ५९	४ ५५	४ ५१	४ ४७
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मि. अं.	५ ४३	५ ३९	५ ३५	५ ३०	५ २६	५ २१	५ १७	क. अं.	७ ३१	७ २६	७ २२	७ १८	७ १४	७ १०	७ ६
क. अं.	८ ३	७ ५९	७ ५५	७ ५०	७ ४६	७ ४१	७ ३६	सिं.अं.	९ ४५	९ ४०	९ ३६	९ ३२	९ २८	९ २४	९ २०
सिं.अं.	१० १६	१० १२	१० ८	१० ३	९ ५९	९ ५४	९ ५०	कं. अं.	११ ५९	११ ५४	११ ५०	११ ४६	११ ४२	११ ३८	११ ३४
कं. अं.	१२ ३०	१२ २६	१२ २२	१२ १७	१२ १३	१२ ८	१२ ४	तु. अं.	२ १५	२ १०	२ ६	२ २	१ ५८	१ ५४	१ ५०
तु. अं.	२ ४६	२ ४२	२ ३८	२ ३३	२ २९	२ २४	२ २०	वृ. अं.	४ ३३	४ २८	४ २४	४ २०	४ १६	४ १२	४ ८
वृ. अं.	५ ४	५ ०	४ ५६	४ ५१	४ ४७	४ ४२	४ ३८	ध. अं.	६ ३७	६ ३२	६ २८	६ २४	६ २०	६ १६	६ १२

मा. कृ. १२ भौमे. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	९	८	१	९	१०	१	७
४	२६	२२	२७	१८	१८	७	७
४४	५४	६	६	१२	१८	५२	५२
४२	३५	२२	२१	२३	३४	४६	४६
६१	५६	१०२	७ ५	५ ४२	६	३	३
१९	१७	३२	व.	व.	१३	११	११

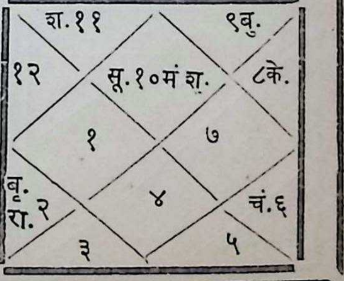

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अ.	फा.	वं.	च. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२६	४१	१	श.	३७	४४	श्र.	५०	२७	सि.	५५	११	किं.	५	१५	वव	३७	४४	स्थिर	२२	२९	८				६	४०	५	२०	९	८	४२	१८	६१	१८
२६	४४	२	र.	४३	९	ध.	५७	१	व्य.	५६	३८	वा.	१०	२६	कौ.	४३	९	मातंग	२३	३०	९	कुं.	२३	४४	६	३९	५	२१	९	९	४३	३२	६१	१७
२६	४७	३	चं.	४८	३२	श.	६०	०	व.	५७	५६	तै.	१५	५०	ग.	४८	३२	अमृत	२४	१	१०				६	३९	५	२१	९	१०	४४	४५	६१	१६
२६	५०	४	मं.	५३	२७	श.	३	२७	प.	५८	४८	व.	२१	०	वि.	५३	२७	मृत्यु	२५	२	११	मी.	५२	३५	६	३८	५	२२	९	११	४५	५८	६१	१४
२६	५४	५	बु.	५६	३६	पू.	९	२४	शि.	५९	७	वव	२५	१	वा.	५६	३६	पद्म	२६	३	१२				६	३७	५	२३	९	१२	४७	१२	६१	१३
२६	५७	६	बृ.	६०	०	उ.	१४	२९	सि.	५८	३३	कौ.	२८	३६	तै.	६०	०	छत्र	२७	४	१३				६	३७	५	२३	९	१३	५८	२१	६१	११
२७	०	६	शु.	०	३६	रे.	१८	३१	सा.	५७	९	तै.	०	३६	ग.	३१	३४	श्रीवत्स	२८	५	१४	मे.	१८	३१	६	३६	५	२४	९	१४	४९	३०	६१	१०
२७	३	७	श.	२	३२	अ.	२१	२०	शु.	५४	४२	व.	२	३२	वि.	३२	४८	सौम्य	२९	६	१५				६	३६	५	२४	९	१५	५०	३७	६१	९
२७	५	८	र	३	४	भ.	२२	५५	शु.	५१	१४	वव	३	४	वा.	३२	४२	काल	३०	७	१६	वृ.	३८	०	६	३५	५	२५	९	१६	५१	४५	६१	८
२७	७	९	चं.	२	२०	कृ.	२३	१५	ब्र.	४६	४९	कौ.	२	२०	तै.	३१	२०	स्थिर	३१	८	१७				६	३५	५	२५	९	१७	५२	५१	६१	७
२७	११	१०	मं.	० ५६	२५ ५९	रो.	२२	२५	ऐं.	४१	३२	ग.	०	२१	व.	२८ ५७	५० २०	मातंग	१	९	१८	मि.	५१	३१	६	३४	५	२६	९	१८	५३	५५	६१	६
२७	१४	१२	बु.	५३	२३	मृ.	२०	३७	वै.	३५	३२	वव	२५	२१	वा.	५३	२३	अमृत	२	१०	१९				६	३३	५	२७	९	१९	५५	०	६१	४
२७	१७	१३	बृ.	४८	३५	आ.	१७	५९	वि.	२८	४८	कौ.	२०	५९	तै.	४८	३५	काण	३	११	२०				६	३३	५	२७	९	२०	५६	२	६१	३
२७	२०	१४	शु.	४३	१५	पु.	१४	३६	प्री.	२१	३२	ग.	१५	५५	व.	४३	१५	लुम्ब	४	१२	२१	क.	०	२७	६	३२	५	२८	९	२१	५७	३	६१	२
२७	२२	१५	श.	३७	३३	पु.	१०	४८	आ.	१३	५६	वि.	१०	२४	वव	३७	३३	मित्र	५	१३	२२				६	३२	५	२८	९	२२	५८	४	६१	१

श्री शुभ संवत् २०२२ शके १८८७ माघ शुक्लपक्षः। जन.
२२ से फ. ५ तक। सौम्यायनम्। याम्यगोलः। हेमन्तऋतुः।

कुम्भे भौमः ३।२७। स. सि. योगः। शुक्रास्त पश्चियायां a
श्रवणेर्कः ५३।९। चन्द्रदर्शनम्। पञ्चकारम्भ २३।४४ उ.।
अभिजिन्निवृत्यर्कः ५०।२४। शव्वाल।
भ. २१।० उ. ५३।२७ या.। गणेश ४ व्रतम्।
वसन्त ५। श्री ५ a ५१।५९। मकरे बुधः २५।१२
श्रवसि बुधः ५९।२६।
पञ्चक समाप्त १८।३१। अ. सि. योग १८।२१ या.। b
भ. २।३२ उ. ३२।४८ या.। b उदीच्यां या. मु.।
या. ज. मु. ३।४ उ. २२।५५ या.। शते भौमः २२।२४।
शुक्रोदयः प्राच्यां ५।३९। c शनिः ५५।२९।
भ. २८।५० उ. ५७।२० या.। फरवरी। जया ११ व्रतं स्मार्तानाम्
दक्षिण पश्चिमौ यात्रा मु. ति दा.। जया ११ व्रतं वैष्णवानाम्।
प्रदोष। d मु.। धनिष्ठायां बुधः ३५।११।
भ. ४३।१५ उ.। व्रताय १५। मार्ग गत्यापुनर्पू. भा भे c
भ. १०।२४ या. वसुभेऽर्कः ५७।९। प्रतीच्यौदीच्यौ या. d

माघ शु. ६ शु. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	१०	९	१	९	१०	१	७
१४	४	१०	२६	१०	१९	६	६
५७	४८	०	१८	३०	२४	२०	२०
२६	४७	७	२२	३	२४	५६	५६
६१	४९	१०७	व.	व.	६	३	३
१०	५	४६	$\overset{५}{४२}$	$\overset{४७}{५६}$	१३	११	११

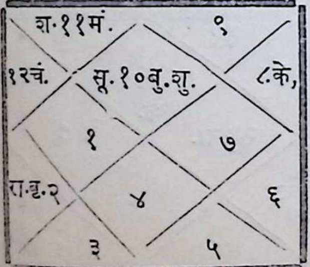

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.		२ र.		३ चं.		४ मं.		५ बु.		६ बृ.		६ शु.		७ श.		८ र.		९ च.		१० मं.		१२ बृ.		१३ बृ.		१४ शु.		१५ श.	
म. अं.	७	५५	७	५१	७	४७	७	४२	७	३८	७	३४	७	३०	७	२६	७	२१	७	१७	७	१३	७	९	७	५	७	१	६	५६
कुं. अं.	९	२९	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५५	८	५१	८	४७	८	४३	८	३९	८	३५	८	३०
मी. अं.	१०	५६	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	६	१०	२	९	५७
मे. अं.	१२	३४	१२	२९	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	५	१२	०	११	५६	११	५२	११	४८	११	४४	११	४०	११	३५
वृ. अं.	२	३०	२	२५	२	२१	२	१७	२	१३	२	९	२	५	२	१	१	५६	१	५२	१	४८	१	४४	१	४०	१	३६	१	३१
मि. अं.	४	४३	४	३८	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२	४	१८	४	१४	४	९	४	५	४	१	३	५७	३	५३	३	४९	३	४४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
क. अं.	७	२	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४१	६	३७	६	३३	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	८	६	३
सिं. अं.	९	१६	९	११	९	७	९	३	८	५९	८	५५	८	५१	८	४७	८	४२	८	३८	८	३४	८	३०	८	२६	८	२२	८	१७
कं. अं.	११	३०	११	२५	११	२१	११	१७	११	१३	११	९	११	५	११	१	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३१
तु. अं.	१	४६	१	४१	१	३७	१	३३	१	२३	१	२५	१	२१	१	१७	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४७
वृ. अं.	४	४	३	५९	३	५५	३	५१	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	३	१४	३	१०	३	५
ध. अं.	६	८	६	३	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७	५	४३	५	३९	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८	५	१४	५	९

मा. शु. १४ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	१०	९	१	९	१०	१	७
२१	१०	२२	२५	३	२०	५	५
५७	१८	८	५७	५६	६	५८	५९
३	२१	२१	४५	१४	२	९	९
६१	४७	१०१	५$\frac{२}{९}$	$\frac{९८}{२२}$	६	३	३
२	१३	५	व.	व.	२	११	११

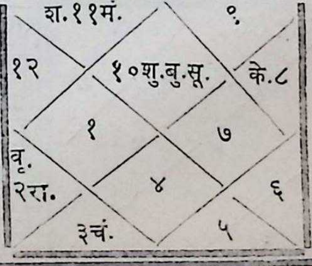

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२७	२५	१	र.	३१	३९	श्ले.	६	४३	सौ.	६/५२	०/५	वा.	४	३६	कौ.	३१/५८	३९/४३	वज्र	६	१४	२३	सिं.	६	४३	६	३१	५	२९	९	२३	५९	३	६१	०
२७	२८	२	चं.	२५	४७	म.	२/५५	३/५७	अ.	५०	२७	ग.	२५	४७	व.	५२	५८	ध्वांक्ष	७	१५	२४				६	३०	५	३०	९	२५	०	०	६०	५८
२७	३२	३	मं.	२०	८	उ.	५४	४७	सु.	४२	५८	वि.	२०	८	वव	४७	३२	धाता	८	१६	२५	कं.	१२	३३	६	३०	५	३०	९	२६	०	५४	६०	५६
२७	३५	४	बु.	१४	५६	ह.	५१	३७	धृ.	३५	४६	वा.	१४	५६	कौ.	४२	३६	आनंद	९	१७	२६				६	२९	५	३१	९	२७	१	४९	६०	५५
२७	३८	५	बृ.	१०	१७	चि.	४९	१८	शू.	२९	१४	तै.	१०	१७	ग.	३८	२१	चर	१०	१८	२७	तु.	२०	२७	६	२८	५	३२	९	२८	२	४०	६०	५३
२७	४१	६	शु.	६	२६	स्वा	४७	४३	गं.	२३	२०	व.	६	२६	वि.	३४	५६	गद	११	१९	२८				६	२८	५	३२	९	२९	३	३२	६०	५१
२७	४५	७	श.	३	२७	वि.	४७	१३	वृ.	१८	१५	वव	३	२७	वा.	३२	३९	शुभ	१२	२०	२९	वृ.	३२	२१	६	२७	५	३३	१०	०	१४	२०	६०	४९
२७	४८	८	र.	१	५१	ऽनु.	४७	५५	ध्रु.	१४	५	कौ	१	५१	तै.	३१	३४	मृत्यु	१३	२१	१				६	२६	५	३४	१०	१	५	१०	६०	४८
२७	५१	९	चं.	१	१७	ज्ये.	४९	५२	व्या	१०	५४	ग.	१	१७	व.	३१	३८	पद्म	१४	२२	२	ध.	४९	५२	६	२६	५	३४	१०	२	५	५८	६०	४७
२७	५४	१०	मं.	१	५९	मू.	५३	७	ह.	८	४४	वि.	१	५९	वव	३३	४	छत्र	१५	२३	३				६	२५	५	३५	१०	३	६	४३	६०	४५
२७	५८	११	बु.	४	९	पू.	५७	२६	व.	७	३५	वा.	४	९	कौ.	३५	४५	श्रीवत्स	१६	२४	४				६	२४	५	३६	१०	४	७	२४	६०	४२
२८	२	१२	बृ.	७	२२	उ.	६०	०	सिं.	७	१८	तै.	७	२२	ग.	३९	२४	सौम्य	१७	२५	५	म.	१३	४५	६	२४	५	३६	१०	५	८	६	६०	४०
२८	५	१३	शु.	११	३७	उ.	२	५१	व्य.	७	१०	व.	११	३७	वि.	४४	७	आनंद	१८	२६	६				६	२३	५	३७	१०	६	८	४३	६०	३८
२८	८	१४	श.	१६	३७	श्र.	८	५५	व.	८	५४	श.	१६	३७	च.	४९	१८	स्थिर	१९	२७	७	कु.	४२	१३	६	२२	५	३८	१०	७	९	१८	६०	३७
२८	११	३०	र.	२२	०	ध.	१५	३१	प.	१०	१९	ना.	२२	०	किं.	५४	३८	मातंग	२०	२८	८				६	२२	५	३८	१०	८	९	५५	६०	३६

श्री शुभ संवत् २०२२ शके १८८७ फाल्गुन कृष्णपक्षः।
फरवरी ६ से २० तक।सौम्यायनम्।याम्यगोलः।हेमन्त ऋतु।

b ५६।९
भ. ५२।२८ उ.। मार्गी शुक्र २५।३७। भौमास्तः प्रतीच्याम् b
भ. २०।८ या.। हस्त योगे दक्षिण पूर्व यात्रा मु.। पुनर्श्रवणि- e
दक्षिण पूर्व यात्रा मु.। स. सि. योगः। कुम्भे बुध २२।११।
e शुक्र ३१।९। गणेश ४।
भ. ६।२६ उ. ३४।५६ या.।
कुंभेऽर्कः ३०।२४। अनु. भे पश्चिम यात्रा मु.। शतेबुधः५।१२
सौर फाल्गुनारम्भः। नवमी योगे। या. ज. मु.।
भ. ३१।३८ उ.।
भ. १।५९ या.।
विजया ११ व्रतं सर्वेषाम्।
त्रयोदशी योगे या. ज. मु.। प्रदोष पू. भा. भे भौम २२।३६।
भ. ११।३७ उ. ४४।७ या.। श्रवसि दक्षिण पूर्व यात्रा मु.। +
शतभेऽर्कः ७।९। पञ्चकारम्भ ४२।१३
मार्गी गुरुः ४५।१३ + महा शिवरात्रि व्रतम्।

फाल्गुन कृ. २ चं. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	१०	९	१	९	१०	१	७
२५	१२	२७	२५	५	२०	५	५
८	४२	३०	४८	०	२४	४९	४९
१८	२१	१९	४७	१	३३	६	६
६०	४७	१०२	व.	व.	६	३	३
५७	५६	३५	३/१	२/४ ९/४	३	११	११

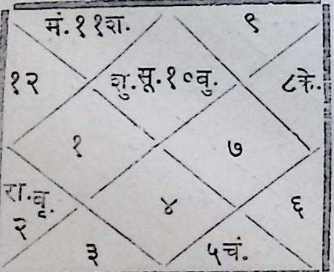

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.	२ चं.	३ मं.	४ बु.	५ बृ.	६ शु.	७ श.
म. अं.	६ ५१	६ ४८	६ ४४	६ ४०	६ ३६	६ ३१	६ २७
कुं. अं.	८ २६	८ २२	८ १८	८ १४	८ १०	८ ५	८ १
मी.अं.	९ ५३	९ ४९	९ ४५	९ ४१	९ ३७	९ ३२	९ २८
मे. अं.	११ ३१	११ २७	११ २३	११ १९	११ १५	११ १०	११ ६
वृ. अं.	१ २७	१ २३	१ १९	१ १५	१ ११	१ ६	१ २
मि.अं.	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २४	३ १९	३ १५
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
क. अं.	५ ५९	५ ५५	५ ५१	५ ४७	५ ४३	५ ३८	५ ३४
सिं.अं.	८ १३	८ ९	८ ५	८ १	७ ५७	७ ५२	७ ४८
कं. अं.	१० २७	१० २३	१० १९	१० १५	१० ११	१० ६	१० २
तु. अं.	१२ ४३	१२ ३९	१२ ३५	१२ ३१	१२ २७	१२ २२	१२ १८
वृ. अं.	३ १	२ ५७	२ ५३	२ ४९	२ ४५	२ ४०	२ ३६
ध. अं.	५ ५	५ १	४ ५७	४ ५३	४ ४९	४ ४४	४ ४०

तिथयः	८ र.	९ चं.	१० मं.	११ बु.	१२ बृ.	१३ शु.	१४ श.	३० र.
कुं. अं.	७ ५७	७ ५२	७ ४८	७ ४४	७ ४०	७ ३६	७ ३२	७ २९
मी. अं.	९ २४	९ १९	९ १५	९ ११	९ ७	९ ३	८ ५९	८ ५६
मे. अं.	११ २	१० ५७	१० ५३	१० ४९	१० ४५	१० ४१	१० ३७	१० ३४
वृ. अं.	१२ ५८	१२ ५३	१२ ४९	१२ ४५	१२ ४१	१२ ३७	१२ ३३	१२ ३०
मि. अं.	३ ११	३ ६	३ २	२ ५८	२ ५४	२ ५०	२ ४६	२ ४३
क. अं.	५ ३०	५ २५	५ २१	५ १७	५ १३	५ ९	५ ५	५ २
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
सिं. अं.	७ ४४	७ ३९	७ ३५	७ ३१	७ २७	७ २३	७ १९	७ १६
कं. अं.	९ ५८	९ ५३	९ ४९	९ ४५	९ ४१	९ ३७	९ ३३	९ ३०
तु. अं.	१२ १४	१२ ९	१२ ५	१२ १	११ ५७	११ ५३	११ ४९	११ ४६
वृ. अं.	२ ३२	२ २७	२ २३	२ १९	२ १५	२ ११	२ ७	२ ४
ध. अं.	४ ३६	४ ३१	४ २७	४ २३	४ १९	४ १५	४ ११	४ ८
म. अं.	६ २३	६ १८	६ १४	६ १०	६ ६	६ २	५ ५८	५ ५५

फा. कृ. १२ गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१०	१०	१	९	१०	१	७
५	२०	१४	२५	५	२१	५	५
१६	२४	३०	४२	११	३६	१७	१७
४३	३९	३८	३५	१२	१४	१६	१६
६०	४७	१०२	१/०	१/१०	७	३	३
४१	५६	३	व.	मा.	२	११	११

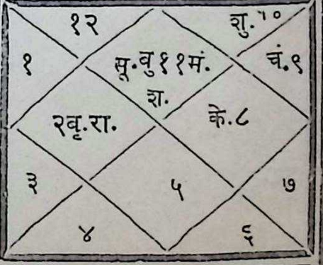

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	श्री शुभ संवत् २०२२ शके १८८७ फाल्गुन शुक्लपक्षः । फरवरी २१ से मार्च ७ तक । सौम्यायनम् । याम्यगोलः । हेमन्त ऋतुः
२८	१५	१	चं.	२७	१६	श.	२२	१	शि.	११	४२	वव	२७	१६	वा.	५९	४०	अमृत	२१	२९	९				६	२१	५	३९	१०	९	१०	३०	६०	३५	चन्द्रदर्शनम् ।
२८	१९	२	मं.	३२	५	पू.	२८	५	सि.	१२	४७	कौ.	३२	५	तै.	६०	०	काण	२२	१	१०	मी.	११	३४	६	२०	५	४०	१०	१०	११	३	६०	३४	जिल्काद ।
२८	२३	३	बु.	३६	८	उ.	३३	२७	सा.	१३	३३	तै.	४	६	ग.	३६	८	लुम्ब	२३	२	११				६	१९	५	४१	१०	११	११	३६	६०	३२	पू. भा. भे. बुधः २२।११
२८	२६	४	गु.	३८	५७	रे.	३७	४२	शु.	१३	१२	व.	७	३२	वि	३८	५७	मित्र	२४	३	१२	मे.	३७	४२	६	१९	५	४१	१०	१२	१२	५	६०	२९	भ. ७।३२ उ. ३८।५७ या. । पञ्चक समाप्त ३७।४२ ।
२८	२९	५	शु.	४०	४३	अ.	४०	५१	शु.	१२	८	वव	९	५०	वा.	४०	४३	वज्र	२५	४	१३				६	१८	५	४२	१०	१३	१२	३०	६०	२६	उदीच्यां यात्रा मु. । बुधोदयः प्रतीच्याम् ५६।२५ ।
२८	३३	६	श.	४१	८	भ.	४२	४२	ब्र.	१०	३	कौ.	१०	५५	तै.	४१	८	ध्वांक्ष	२६	५	१४	वृ.	५७	५१	६	१७	५	४३	१०	१४	१२	५५	६०	२३	
२८	३७	७	र.	४०	१४	कृ.	४३	२०	ऐं	६	५७	ग.	१०	४१	व.	४०	१४	धम्र	२७	६	१५				६	१७	५	४३	१०	१५	१३	१७	६०	२०	भ. ४०।१४ उ. । रो. भे स. सि. योगः । मीने बुधः ०।२६ ।
२८	४०	८	चं.	३८	७	रो.	४२	४४	व.	२ ५५	४३ १३	त्रि.	९	१०	वव	३८	७	वद्धि	२८	७	१६	मि.	११	५६	६	१६	५	४४	१०	१६	१३	३३	६०	१७	भ. ९।१० या. । मीने भौमः ५२।२९ ।
२८	४३	९	मं.	३४	५७	मृ.	४१	८	प्री.	५२	९	वा.	६	३५	कौ.	३४	५७	रक्ष	१	८	१७				६	१५	५	४५	१०	१७	१३	४९	६०	१४	मार्च ।
२८	४८	१०	बु.	३०	५५	आ.	३८	४२	आ.	४५	४१	तै.	२	५६	ग.	३० ८	५५ ५८	मुसल	२	९	१८	क.	२१	१७	६	१४	५	४६	१०	१८	१४	४	६०	१२	भ. ५८।२८ उ. ।
२८	५१	११	बृ.	२६	१	पुन.	३५	२८	सो.	३८	३७	वि.	२६	१	वव	५३	२०	सिद्ध	३	१०	१९				६	१४	५	४६	१०	१९	१४	१५	६०	१०	भ. २६।१ या. । पश्चिम यात्रा मु. । आमलकी ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
२८	५४	१२	शु.	२०	४०	पु.	३१	४७	शो.	३१	१०	वा.	२०	४०	कौ.	४७	४६	उत्पात	४	११	२०	सिं.	२७	४५	६	१३	५	४७	१०	२०	१४	२६	६०	९	पूर्वा भाद्रपदायामर्कः १८।९ । गोविन्द १२ । प्रदोष व्रतम् ।
२८	५८	१३	श.	१४	५२	श्ले.	२७	४५	अ.	२३	२५	तै.	१४	५२	ग.	४१	५३	मानस	५	१२	२१				६	१२	५	४८	१०	२१	१४	३३	६०	८	
२९	३	१४	र.	८	५४	म.	२३	३४	सु.	१५	३७	व.	८	५४	वि.	३५	५६	मुद्गर	६	१३	२२	क.	३२	४८	६	११	५	४९	१०	२२	१४	४४	६०	७	भ. ८।५४ उ. ३५।५६ या. । होलिका दहनम् भद्रान्ते ।
२९	७	१५	चं.	२ ४	५८ १९	पू.	१८	३०	धृ.	७	५२	वव	२	५८	वा.	३० ५७	७ १७	ध्वज	७	१४	२३				६	११	५	४९	१०	२३	१४	५०	६०	६	उत्तरा योगे या. ज. मु. । वसन्तोत्सवः ।

फा. शु. ७ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१०	१०	१	९	१०	१	७
१५	२८	२९	२५	६	२२	४	४
२२	१८	२४	५४	२४	४८	४५	४८
१२	२१	४२	३३	२३	५७	२६	२६
६०	४८	९०	१०	१	७	३	३
२२	१७	१७	मा.	१७	४	११	११

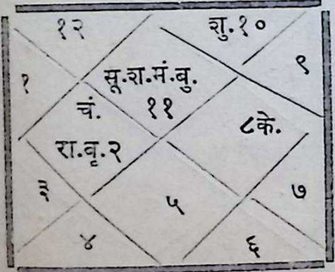

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.		२म.		३बु.		४ वृ.		५ शु.		६ श.		७ र.		८ च.		९ म.		१० बु.		११बृ.		१२ शु.		१३ श.		१४ र.		१५ चं.	
कुं. अं.	७	२५	७	२१	७	१७	७	१३	७	१०	७	६	७	२	६	५८	६	५४	६	५१	६	४७	६	४३	६	३९	६	३५	६	३१
मी. अं.	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३७	८	३३	८	२९	८	२५	८	२१	८	१८	८	१४	८	१०	८	६	८	२	७	५२
मे. अं.	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१५	१०	११	१०	७	१०	३	९	५३	९	५६	९	५२	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६
वृ. अं.	१२	२६	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	११	१२	७	१२	३	११	५९	११	५५	११	५२	११	४८	११	४४	११	४०	११	३६	११	३२
मि. अं.	२	३९	२	३५	२	३१	२	२७	२	२४	२	२०	२	१६	२	१२	२	८	२	५	२	१	१	५७	१	५३	१	४९	१	४५
क. अं.	४	५८	४	५४	४	५०	४	४६	४	४३	४	३९	४	३५	४	३१	४	२७	४	२४	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
सिं. अं.	७	१२	७	८	७	४	७	०	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४१	६	३८	६	३४	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८
कं. अं.	९	२६	९	२२	९	१८	९	१४	९	११	९	७	९	३	८	५९	८	५५	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३६	८	३२
तु. अं.	११	४२	११	३८	११	३४	११	३०	११	२७	११	२३	११	१९	११	१५	११	११	११	८	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८
वृ. अं.	२	०	१	५६	१	५२	१	४८	१	४५	१	४१	१	३७	१	३३	१	२९	१	२६	१	२२	१	१८	१	१४	१	१०	१	६
ध. अं.	४	४	४	०	३	५६	३	५२	३	४९	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	३	१४	३	१०
म. अं.	५	५१	५	४७	५	४३	५	३९	५	३६	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०	५	१७	५	१३	५	९	५	५	५	१	४	५७

फा. शु. १४ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	११	११	१	९	१०	१	७
२२	३	६	२६	९	२३	४	४
१४	२७	१२	१५	०	५४	२२	२२
४४	१३	७	४	१४	१४	१५	१५
६०	४७	५९	५	६६	५६	३	३
७	१५	१५	२४	७	२	११	११

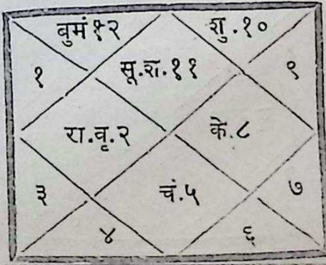

दि.मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि
२९	१०	-२	.	५२	०	उ.	१५	४३	शू.	०/५२	१६/४७	त.	२४	३८	ग.	५२	०	धाता	८	१५	२४				६	१०	५	५०	१०	२४	१४	५५	६०	६
२९	१३	३	वु.	४७	२२	ह.	१२	२८	वृ.	४६	२१	व.	१९	४१	वि	४७	२२	आनन्द	९	१६	२५	तु.	४१	११	६	९	५	५१	१०	२५	१४	५८	६०	५
२९	१६	४	वृ.	४३	३५	चि.	९	५४	ध्रु.	४०	२१	वव	१५	२८	वा.	४३	३५	चर	१०	१७	२६				६	९	५	५१	१०	२६	१५	१	६०	३
२९	२०	५	शु.	४०	४३	स्वा	८	८	व्या	३५	९	कौ.	१२	९	तै.	४०	४३	गद	११	१८	२७	वृ.	५२	३६	६	८	५	५२	१०	२७	१५	०	६०	०
२९	२४	६	श.	३८	५८	वि.	७	२५	ह.	३०	४३	ग.	९	५०	व.	३८	५८	शुभ	१२	१९	२८				६	७	५	५३	१०	२८	१४	५६	५९	५७
२९	२८	७	र.	३८	२४	ऽनु.	७	५२	व.	२७	२०	वि	८	४१	वव	३८	२४	मृत्यु	१३	२०	२९				६	६	५	५४	१०	२९	१४	५२	५९	५४
२९	३१	८	चं.	३९	१०	ज्ये.	९	३४	सि.	२४	५६	वा.	८	४७	कौ	३९	१०	पद्म	१४	२१	३०	ध.	९	३४	६	६	५	५४	११	०	२४	४२	५९	५२
२९	३५	९	मं.	४१	४९	मू.	१२	३१	व्य.	२३	३२	तै.	१०	३०	ग.	४१	४९	छत्र	१५	२२	१				६	५	५	५५	११	१	१४	३२	५९	५०
२९	३९	१०	वु.	४४	३१	पू.	१६	३३	व.	२३	५	व.	१३	१०	वि	४४	३१	श्रीवत्स	१६	२३	२	म.	३२	५१	६	४	५	५६	११	२	१४	२०	५९	४८
२९	४३	११	वृ.	४८	४९	उ.	२१	४७	प.	२३	२८	वव	१६	४०	वा.	४८	४९	सौम्य	१७	२४	३				६	३	५	५७	११	३	१४	४	५९	४६
२९	४६	१२	शु.	५३	४६	श्र.	२७	४९	शि.	२४	२७	कौ.	२१	१७	तै.	५३	४६	धूम्र	१८	२५	४				६	३	५	५७	११	४	१३	५०	५९	४४
२९	५०	१३	श.	५९	२	ध.	३४	१८	सि.	२५	५१	ग	२६	२४	व.	५९	२	वर्द्धमा.	१९	२६	५	कुं.	१	३	६	२	५	५८	११	५	१३	३०	५९	४२
२९	५४	१४	र.	६०	०	श.	४०	५२	सा.	२७	२३	वि.	३१	३७	श.	६०	०	रक्ष	२०	२७	६				६	१	५	५९	११	६	१३	८	५९	४०
२९	५८	१४	चं.	४	१६	पू.	४७	३	शु.	२८	३०	श.	४	१६	च.	३६	३६	मुसल	२१	२८	७	मी.	३०	३०	६	०	६	०	११	७	१२	४८	५९	३७
३०	१	३०	मं.	८	५७	उ.	५२	३७	शु.	२९	३१	ना.	८	५७	कि.	४०	५४	सिद्धि	२२	२९	८				६	०	६	०	११	८	१२	२३	५९	३४

श्री शुभ संवत् २०२२ शके १८८७ चैत्र कृष्ण पक्षः। मार्च ८ से २२ तक। सौम्यायनम्। याम्यगोलः। वसन्तऋतुः।

उ. भा. भौमः ३५।१२। उ. भा. भे वुधः २।२५।

भ. १९।४१ उ.। ४७।२२ या.। स. सि. योगः। दक्षिण पूर्व *

* या. मु.

b प्रवृत्तिः १।३। वारुणी पर्व। प्रदोष।

भ. ३८।५८ उ.।

भ. ८।४१ या.।

मीनेऽर्कः २०।३०। e११ प्रायः सर्वेषाम्।

सौर चैत्रारम्भः।

भ. १३।१० उ. ४४।३१ या.।

उत्तरा भाद्रपद्यामर्कः ३८।९। या. ज. मु.। पापमोचिनीe

भ. ५९।१२ उ.। या. ज. मु. पश्चिम यात्रा मु.। पञ्चकb

भ. ३१।३७ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्।

चै. कृ. ३ वुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	११	११	१	९	१०	१	७
२५	६	९	२६	११	२४	४	४
२४	१२	४८	३०	४८	६	१३	१३
२३	९	५	३५	४५	७	३६	३६
६०	४७	६०	५	३६	६	३	३
१	१६	२५	३१	१७	३	११	११

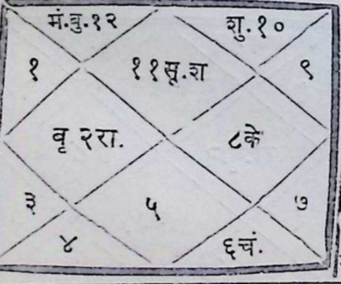

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	२ मं.		३ वु.		४ वृ.		५ शु.		६ श.		७ र.		८ चं.		ति.	९ मं.		१० वु.		११ वृ.		१२ शु.		१३ श.		१४ र.		१४ चं.		१५ मं.	
कुं. अं.	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	९	६	५	मी.	७	२९	७	२५	७	२२	७	१८	७	१५	७	११	७	८	७	४
मी. अं.	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९	७	३६	७	३२	मे.	९	७	९	३	९	०	८	५६	८	५३	८	४९	८	४६	८	४२
मे अं.	९	३३	९	२९	९	२५	९	२१	९	१७	९	१४	९	१०	वृ.	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	५२	१०	४९	१०	४५	१०	४२	१०	३८
वृ. अं.	११	२९	११	२५	११	२१	११	१७	११	१३	११	१०	११	६	मि.	१	१६	१	१२	१	९	१	५	१	२	१२	५८	१२	५५	१२	५१
मि. अं.	१	४२	१	३८	१	३४	१	३०	१	२६	१	२३	१	१९	क.	३	३५	३	३१	३	२८	३	२४	३	२१	३	१७	३	१४	३	१०
क. अं.	४	१	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५	३	४२	३	३८	सिं.	५	४९	५	४५	५	४२	५	३८	५	३५	५	३१	५	२८	५	२४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
सिं. अं.	६	१५	६	११	६	७	६	३	५	५९	५	५६	५	५२	कं.	८	३	७	५९	७	५६	७	५२	७	४९	७	४५	७	४२	७	३८
कं. अं.	८	२९	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	१०	८	६	तु.	१०	१९	१०	१५	१०	१२	१०	८	१०	५	१०	१	९	५८	९	५४
तु. अं.	१०	४५	१०	४१	१०	३७	१०	३३	१०	२९	१०	२६	१०	२२	वृ.	१२	३७	१२	३३	१२	३०	१२	२६	१२	२३	१२	१९	१२	१६	१२	१२
वृ. अं.	१	३	१२	५९	१२	५५	१२	५१	१२	४७	१२	४४	१२	४०	ध.	२	४१	२	३७	२	३४	२	३०	२	२७	२	२३	२	२०	२	१६
ध. अं.	३	७	३	३	२	५९	२	५५	२	५१	२	४८	२	४४	म.	४	२८	४	२४	४	२१	४	१७	४	१४	४	१०	४	७	४	३
म. अं.	४	५४	४	५१	४	४६	४	४२	४	३८	४	३५	४	३१	कुं.	६	२	५	५८	५	५५	५	५१	५	४८	५	४४	५	४१	५	३७

चै. कृ. १३ शनौ इ. ९।५८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	११	११	१	९	१०	१	७
५	१३	११	२७	१९	२५	३	३
२२	४८	५४	२४	२४	२४	४१	४१
२७	४५	३५	११	२३	३३	४६	४६
५९	४२	१२	५	४८	६	३	३
४१	११	२४	३९	२५	१५	११	११

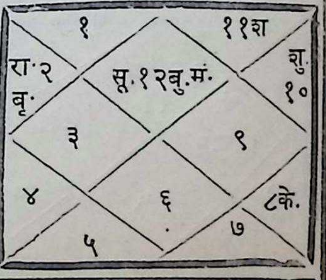

वर्ष-फल

श्री सवत् २०२३ शाके १८८८

अस्मिन् वर्षे वर्षेशः बुधः तस्य फलम्—बुधस्य राज्ये सजलं महीजलं गृहेगृहे तूर्य विवाह मंगलम्। सकुर्वंते दान दयां जनाअपि स्वास्थ्यं सुभिक्षं धन धान्य संकुलम्। मन्त्री बुधः तस्य फलम्—शशिसुते शुभ भक्ति समागते स्वपतिना रमते मदनप्रिया। बहुधनं बहुवारि समन्वितं यव, मसूर, चणान्न महर्घता। मेघेश बुधः तस्य फलम्–अमृतरश्मिसुते यदि नीरपे बहुरसं तुष धान्य रसादिकम्। द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसो विविध सौख्य युताधरणी सदा। फलाधीशः भौमःतस्य फलम्–फलाधिपो यदा भौमो नाफलं न जलं भुवि। सदाजिता जनाः सर्वे नृपाणां विग्रहो भवेत्। अथ दुर्गेशः भौमः तस्य फलम्–क्षितिसुतो गढ़पो जनविग्रहो न च जलं न धनं धरणी तले न जलदा जलदा जनतापदा विविध वैरयुता खलुमानवाः। रसेशःचन्द्र तस्य फलम्-प्रचुर सैक्षव तैलयवादिकं मखकरं क्षितिदेव कदम्बकम्। दिशति दुग्धमतीव गवाँ ततिर्यदि रसाधिपतौ रजनीपतिः। धनेशः शनिः तस्यफलम्—द्रविणपे रविजे बिरलं धनं गदगताः धरणी पतयः सदा। अधनता वणिजां कृषि जीवनां द्विजवरा परपीड़ित मानसाः। धान्येशः गुरुः तस्य फलम्–गुरौधान्याधिपे यत्र यवगोधूम राशयः। जायन्ते सर्वदेशेषु यज्वानो ब्राह्मणादयः। नीरसेशः शनिस्तस्य फलम्। नीरसेशो यदा सौरि मुक्ता माणिक्य हाटकम्। रजतादि महार्घाणि भवन्ति चैव सर्वदा।

इस वर्ष के राष्ट्रपति बुध हैं। राष्ट्रपति बुध ने ही प्रधान मन्त्री तथा सिंचाई मन्त्री का भी अधिकार ग्रहण किया है। फल तथा राष्ट्र रक्षा का भार भौम ने ग्रहण किया हैं। शेष मन्त्री इस प्रकार है। रसमन्त्री चन्द्र, नीरस तथा अर्थमन्त्री शनि, धान्यमन्त्री गुरु हैं।

इस प्रकार का अधिकार होना भाजन पूर्णतः श्रेष्ठ नहीं। राष्ट्र-रक्षा का भार उत्तम कोटि का हैं। इसमें कोई त्रुटि न होगी। बाहरी राजनीति तथा प्रशासन में भारत की नीति लड़कपन जैसी होगी। अर्थ का संकट रहेगा। विदेशी मुद्रा की विशेष कमी रहेगी। विदेशी व्यापार सन्तुलन भारत के विपरीत रहेगा। धान्य की उपज अच्छी होगी। फल की कमी होगी। सिंचाई योजनायें पूरी होंगी। वृष्टि की न्यूनता होगी। काश्मीर में गड़वड़ी होगी। सम्भव हैं उसके टुकड़े हों या और कहीं देश भंग की मांग की जाय। कहीं कहीं वर्षा की अधिकता होगी। रुई में १०० टके की तेजी होगी। गोदावरी तट पर दुर्भिक्ष होगा। होगा। भय उत्पन्न होगा युद्ध सम्भव है उपद्रव होंगे पश्चिम में युद्ध होगा यवनों का नाश होगा बड़े बड़े लोग नष्ट होंगे। गाय भैंसों का क्षय होगा। राज वंश की समाप्ति होगी। चन्देरी गौड़ विहार में पीड़ा होगी कुछ समय लोगों में व्याधि होगी। रक्तधारा प्रवाहित होगी। अनाज तेज होगा। सोना-चाँदी मन्दा होगा। यमुना के तट पर विशेष तेजी होगी। सिर, हृदय, पिंडुरी तथा जननेंद्रिय के रोग अधिक होंगे।

वार्षिक राशि फल

मेष—वर्ष असफलता का है। विवाद व्यथा रोग रहेगा। हृदय, लीवर की रक्षा करें। सिर में चोट व्रण सम्भव है। लाभ होता रहेगा। स्त्री को कष्ट रहेगा। गोमेद पुखराज धारण करें। वैशाख, श्रावण और मार्गशीर्ष बुरे रहेंगे। चैत्र में व्यय होगा। आषाढ़, आश्विन, माघ, फाल्गुन अच्छे रहेंगे।

वृष—वर्ष साधारण है। अनायास अधिक व्यय होगा। शत्रु नष्ट होंगे। आलस्य माता-पिता को कष्ट रहेगा। भातृवर्ग असन्तुष्ट रहेगा। व्यापार उन्नति पर रहेगा। ज्येष्ठ, भाद्रपद, पौष बुरे रहेंगे। वैशाख में व्यय होगा। श्रावण, कार्तिक, फाल्गुन, चैत्र अच्छे रहेंगे।

मिथुन—वर्ष अच्छा हैं। लाभ, हर्ष, सफलता रहेगी। कोई शुभ काम होगा। परिवार की उन्नति-अनुचित ढंग से लाभ होगा। सन्तान को कष्ट होगा। चिढ़, चिन्ता भी होगी। सौर आषाढ़, आश्विन, माघ बुरे रहेंगे। ज्येष्ठ में अधिक व्यय होगा। भाद्रपद, मार्गशीर्ष, चैत्र और वैशाख अच्छे रहेंग।

कर्क—वर्ष अच्छा नहीं। असफलता चिढ़, चिन्ता रोग माता-पिता को कष्ट, यात्रा, वायु-विकार आदि अनेक रोग होंगे। प्रेतबाधा भी सम्भव हैं। पुखराज, गोमेद, लहसुनिया, नीलम धारण करें। श्रावण, कार्तिक, फाल्गुन बुरे रहेंगे। आषाढ़ में अधिक व्यय होगा। आश्विन, पौष, वैशाख, ज्येष्ठ अच्छे रहेंगे।

सिंह—वर्ष साधारण बुरा हैं। शुभ काम में अधिक व्यय होगा। स्त्री को कष्ट यात्रा होगी। व्यापार में उन्नति रहेगी। भाइयों को कष्ट, सामान्य लाभ होता रहेगा। धर्म से अरुचि दैन्य रहेगा। भाद्रपद, मार्गशीर्ष तथा चैत्र सर्वदा बुरे रहेंगे। श्रावण में अधिक व्यय होगा। कार्तिक माघ, ज्येष्ठ, आषाढ़ मास अच्छे रहेंगे।

आश्विन—वर्ष अच्छा रहेगा। लाभ, हर्ष, सफलता शुभ काम होगा। शुभ मार्ग से लाभ, होगा। कोई-न-कोई रोग लगा रहेगा। लीवर तथा शिरोव्यथा भी सम्भव है। परिवार में अशान्ति, धन-हानि भी होगी। कोई नया कार्य होगा। आश्विन, वैशाख, पौष बुरे रहेंगे। भाद्रपद में अधिक व्यय द्रगा। आषाढ़, श्रावण, मार्गशीर्ष, फाल्गुन अच्छे रहेंगे गोमेद पहिनिये।

तुला—वर्ष अच्छा नहीं। चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट होगा। रोग रहगा; स्त्री भी कष्ट में रहेगी। असफलता रहेगी। लीवर चोट, व्रण आदि से सावधान। गोमेद, लहसुनिया धारण करे। कार्तिक, ज्येष्ठ और माघ बुरे रहेंगे। आश्विन में अधिक व्यय होगा, श्रावण, भाद्रपद, पौष और चैत्र अच्छे रहेंगे।

वृश्चिक—वर्ष अच्छा है। लाभ, हर्ष, सफलता, शुभ काम होगा। अनायास अधिक व्यय होगा। शत्रु पराजित होंगे। माता-पिता को कष्ट, विवाद, रोग, वायु-विकार रहेगा। मार्गशीर्ष, आषाढ़ और फाल्गुन बुरे रहेंगे। कार्तिक में अधिक व्यय होगा; वैशाख, भाद्रपद, आश्विन, माघ अच्छे रहेंगे।

धनु—वर्ष अच्छा नहीं। असफलता रहेगी। अधिक श्रम करना पड़ेगा; व्यापार में उन्नति भाइयों को कष्ट सामान्य लाभ रहेगा। चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट रहेगा। पौष, श्रावण और चैत्र बुरे रहेंगे। मार्गशीर्ष में अधिक व्यय होगा। ज्येष्ट आश्विन, कार्तिक और फाल्गुन अच्छे रहेंगे।

मकर—वर्ष मध्यम है। लाभ, स्त्री, सुख, सफलता, शुभ शुभ काम सम्भव है। विवाद, व्यथा, माता-पिता को कष्ट रहेगा। परिवार में अशान्ति धन-हानि होगी। माघ, वैशाख ,भाद्रपद बुरे रहेंगे। आषाढ़, कार्तिक, मार्गशीर्ष और चैत्र अच्छे रहेंगे। पौष में अधिक व्यय रहेगा। गोमेद लहसुनिया पहनें।

कुम्भ—वर्ष अच्छा नहीं। अशान्ति रोग, यात्रा, कष्ट, भाइयों को कष्ट रहेगा। शत्रु पराभूत होंगे; व्यापार में उन्नति सामान्य लाभ, धर्म में बाधा पड़ेगी। दैन्य रहेगा। ज्यष्ठ, आश्विन, फाल्गुन बुरे रहेंगे। माघ में अधिक व्यय होगा। वैशाख, श्रावण, मार्गशीर्ष, पौष अच्छे रहेंगे।

मीन—वर्ष साधारण है। शुभ काम होगा, सफलता मिलेगी, व्यथा अधिक होगी, परिवार में अशान्ति धन-हानि, रोग रहेगा। लीवर, अँतड़ियों के रोग से सावधान। प्रेत-बाधा सम्भव है। सौर चैत्र, आषाढ़ और कार्तिक बुरे रहेंगे। ज्येष्ठ, भाद्रपद पौष, माघ अच्छे रहेंगे। फाल्गुन में व्यय होगा।

शनि विचार

इस वर्ष शनि, कुम्भ तथा मीन राशियों पर उपस्थित रहेगा। जब तक कुम्भ पर रहेगा तब तक मकर, कर्क तथा वृश्चिक, राशियों के लिये २॥ वर्ष; कुम्भराशि के लिये ५ वर्ष; तथा मीन राशि के लिये ७॥ वर्ष बुरा रहेगा। जब मीन राशि पर पर होगा तो सिंह, धनु कुम्भ के लिये २॥ वर्ष, मेष के लिये ७॥ वर्ष; मीन के लिये ५ वर्ष बुरा रहेगा।

भविष्यवाणी संवत् २०२३

चैत्र शुक्ल पक्ष

सुदी ९ से १४ दिन में रस, नमक, घी, गुड़, जवाखार, चना, खार, तेल, रत्न, चावल, तेज; घास, भूसा, खरी, कराई, पत्थर क्रय करने का अच्छा समय है।

२८, २९-३० मार्च ४, ५ अप्रैल को बादल वृष्टि योग है।

वैशाख

वदी २ से १० दिन में गेहूँ, गुड़, खाँड़, चावल तेज; मद्यपी कष्ट में रहेंगे वदी ५ से ४५ दिन में ज्वार, बाजरा, चना, कराई तेज; तिल, ज्वार, ऊन, कपास, प्रवाल साधारण तेज होगा। वदी ८ से १ मास में रुई, ईख, तिल, तेल, चाँदी, सोना, चावल, गुड़, खाँड़ तेज; उसी दिन से १४ दिन में सभी धान्य घी, ईख, गुड़, खाँड़, सोना, चाँदी, ताँबा, राँगा, सीसा, पारा, जस्ता, ऊन, तीसी, रेंड़ी, तिल, तेल, मेथी, आल्ता, लाल चन्दन, इलायची, लौंग, सोपारी, नारियल, कपूर, हींग तेज; वदी अमावस से १० दिन में रुई मंदी वृष्टि सम्भव है। सुदी ५ से २० दिन में ब्राह्मणों को कष्ट; रुई, धान्य, चावल तेज; देश में गड़बड़ी, सुदी ६ से ३० मास में गोदावरी तट पर दुर्भिक्ष भय, युद्ध, उपद्रव रोग, सन्ताप बढ़ेगा। यवन जाति का क्षय होगा। पश्चिम में युद्ध होकर रहेगा। राजवंश क्षतिग्रस्त होगा। चन्देरी गौड़ बिहार में हानि होगी। उसी दिन से ८ दिन में केशर, मजीठ, कुसुम्ब, अफीम लाल वस्तुयें तेज होंगी सुदी ७ से १२ दिन में चावल, हल्दी, मिर्च, गुड़, घी, यव, चना, मोठ, तीसी, सोना, चाँदी, घी, पीतल, अफीम तेज होगी।

नोट :—इस मास में चावल, चाँदी, सोना, तेलहन अवश्य तेज होंगे।

१०-११-१२-१८-१९-२०-१४-१५-१६ अप्रैल १-८-९ मई को साधारण बादल-वृष्टि योग है।

ज्येष्ठ

वदी ७ से १४ दिन में श्वेत पुष्प, यव, चावल, गेहूँ, मूँग, मोठ, राई, सरसों, तीसी, रेंड़ी, राई, सोना, चाँदी तेज; वदी ८ से १६ दिन में सोना, चाँदी रुई में तेजी मंदी ततः तेजी प्रति ३ दिन के अन्तर से होगी; घी मन्दा होगा। वदी ९ से ३ मास में घी, चावल, तृण, नमक, जवाखार, चना, खार आदि मंदा वर्षा की संभावना है। वदी १० से १ मास में स्वर्ण धान्य, अफीम, कपड़े, शस्त्र तेज, रुई मंदी, चाँदी १०) मंदी होकर पुनः ज्यों की त्यों तेज; वदी १४ से १ मास में सर्व धान्य, चावल, चन्दन, केशर, वस्त्र, कपास, तेज; गल्ला तेज होकर मंदा, रुई १०)मंदी, सोना तेज, वदी ३०से २५ दिन में कलह, युद्ध-भय, रुई अफीम मन्दी होकर तेज; सुदी ५ से १४ दिन में चावल, रस, गुड़, धान्य तीसी, सरसों, राई, धनिया, मिर्च सोपारी, दाख, गुड़, खाँड़, सोपारी; रुई, सूत, सन, हींग, तिल, खजूर, घी, रेंड़ी, ज्वार, चना तेज होगा। वदी ६ से १० दिन में तिल. यव, उड़द, तीसी, चना, सोंठ, रस, धातु, ऊन, मन्दा, उसी दिन से २५ दिन में महिषी को कष्ट; रुई, चाँदी तेज तीसी, ऊन मंदा होगा। सुदी १३ से १० दिन में सुभिक्ष होगा वर्षा की सम्भावना है; गेहूँ, तिल, उड़द, मंदा चाँदी घटबढ़ कर मंदी रुई तेज; सुदी १५ से २५ दिन में चौपायों की हानि, कपास, शेयर, सूत, वस्त्र, सन, रेशम, गुड़, खाँड़, छुहारा, हींग, मिर्च, राई, सरसों, तेल तेज होंगे।

नोट :—चाँदी में १०) की मंदी पुनः १२) तेजी होगी।

८-९-१०, १५-१६-१७, २२-२३, २४-२८-२९-३० मई को साधारण बादल-वृष्टि योग है।

आषाढ़

वदी ३ से ६ मास में हिमाचल तट पर 'सौराष्ट्र' में दुर्भिक्ष होगा खेतियों का नाश अवर्षण होगा। वदी ४ से २० दिन में चौपायों का नाश, वृक्षों की हानि, रुई, रेशम, सूत, वस्त्र, गुड़, खाँड, छुहारा, हींग, मिर्च, राई, सरसों, तेल, तिल तेज होगा। चाँदी, कपास, धान, रुई, मंदी; वदी ५ से १४ दिन में सोना, चाँदी, ताँबा, राँगा, सीसा, जस्ता, नारियल, रुई, सूत, रेशम, उड़द, मूँग, कपड़ा, मोठ, कपूर, बाजरा, सुगन्ध, सिंघाड़ा, कमलगट्टा, कराई, भूसा, चावल, तेज होगा चौपायों की हानि वायु की तीव्रता रहेगी किरात, यवनों कोव्रपीड़ा, तीसी, घी, तेल मंदा; वदी ११ से १ मास में कपास, कन्दमूल, तिल, सम्पूर्ण धान्य तेज रुई मंदी होगी; वदी १३ से ३१ दिन में तेल, घी, नमक तेज, वर्षा की न्यूनता, मनुष्यों की मृत्यु-संख्या में वृद्धि; रुई, चाँदी, आनज मंदा; सुदी १ से ८ दिन में रुई, कपास, सूत मंदा; सुदी ४से २० दिन में कपास, तिल, नाश; वृष्टि की अधिकता, रुई मन्दी होकर तेज, सुदी ५ से १६ दिन में वायु-वृष्टि की अधिकता, सुदी ९ से ८ दिन में जवाहरात सोना, चाँदी मन्दा, सुदी १२ से ८ दिन में पाप की वृद्धि, जनसंहार, अफीम तेज; चाँदी, सोना, तीसी,रेंड़ी, सरसों, घी, तेल, गुड़, खाँड़, सोपारी, ऊन, मंदा; सुदी १२ से २५ दिन में वृष्टि का आधिक्य दूध, दही, खाँड़, रस, अनाज, अफीम, तीसी, ताँबा, कुसुम्ब, मजीठ, लाल वस्तुयें मंदी होगी। पूर्णिमा से राजपूताने में वृष्टि, उड़द, तिल, तेल तेज, अनाज मंदा होगा।

४-५-६, ११-१२-१३, १८-१९-२०, २५-२६-२७ जून, १-२ जुलाई को बादल-वृष्टि, योग है।

श्रावण (प्रथम)

वदी ४ से १४ दिन में कहीं वृष्टि होगी; घी, गुड़, खाँड़, तीसी, चावल, मणि, मोती, कराई, गेहूँ, सुरमा, कपूर, चन्दन, सुगन्ध, लाल वस्त्र, केशर, कुसुम्ब, कपूर, चन्दन, देवदारु, लवँग, नारियल, श्वेत वस्तुयें, बिनौला, कपास तेज होगा; वदी ६ से २० दिन में तिल, भैंसों की हानि, रुई, सूत, रेंड़ी, तीसी तेज; वदी७ से ८ दिन; में धान्य-नाश; चना, गेहूँ, ज्वार, कराई मंदी, वदी ९ से ८ दिन में वृष्टि का आधिक्य, गुजरात में वृष्टि तिल, उड़द, रस तेज; चाँदी मन्दी; वनी १० से ३ मास में रुई ५०) १००) की घटबढ़ सोना, चाँदी घटबढ़ कर तेज; शेयर अधिक तेज; गेहूँ, मूँग, ज्वार, चावल, घी, तेल, तीसी, सरसों, कपड़ा तेज, २ मास

में राजाओं में विग्रह, दुर्भिक्ष-भय, धान्य चाँदी तेज; रुई मंदी, ८ दिन में चाँदी, रुई, ईख, गुड़, खाँड़, कपूर, रस, तिल, तेल, रेंड़ी, बिनौला, मूँगफली, रुई तेज; गेहूँ, चना, यव, चना मंदा; वदी १४ से १ मास में वृष्टि का आधिक्य, प्रजा सुखी चाँदी, तेज; सुदी १ से १५ दिन में चाँदी घटबढ़ कर मंदी; सुदी २ से १४ दिन में तिल, तेल, मद्य, गुड़, ज्वार, गुगुल, सोपारी, सोंठ, मोम, हींग, हल्दी, लाख, चपड़ा, सन, पाट, ऊन, शीशा, सोना, चाँदी, रुई १०) तेज होकर मंदा; सुदी ५ से ८ दिन में वष्टि का आधिक्य; कलिंग, कोशल में गड़बड़ी; सुदी ९ से २ मास में चाँदी, रुई मन्दा, राई, अनाज तेज; कपास, सूत मंदा ८ दिन में होगा।

९-१०-११, १६-१७-१८, २२-२३-२४, २८-२९-३०, ३१ जुलाई को बादल वृष्टि योग है।

श्रावण द्वितीय

वदी १ से ८ दिन में आसाम, विदर्भ में जन-नाश, धान्य, विनौला तेज; रुई मंदी, कहीं वृष्टिः वदी २ से १४ दिन में चाँदी अवश्य तेज, गेहूँ, चना, तीसी, तिल, तेल, गुड़, प्रामिसरी नोट, बिनौला, चावल, उड़द, नील, अफीम, सोना, रस, रुई, तेज राजपूताने में वृष्टि होगी। बदी १२ से चाँदी, गेहूँ, रूई, यव, तृण, काष्ट, चना तेज, अफीम, कपूर, चन्दन, अगर-तगर, रेशम, गुड़, विनौला, तेल, शीला, मूँगफली मंदी होगी; शेयर घट बढ़ कर मन्दा होगा। वदी १३ से ८ दिन में लाख, चपड़ा, गुड़, कपूर, हींग, मंदा, रुई, सन, पाट, सूत धान तेज; वदी ३० से हिमालय के आस-पास जननाशः सुदी १ से १ मास में ईख, गुड़, शक्कर, रेड़ी, रक्त पदार्थ, रत्न, तिल, तेल, रुई, घी, चाँदी, तेज; उसी दिन से ११ दिन में ज्वार, मूँग, रुई, तिल, रेड़ी, दाख, मिर्च, तेज; वृष्टि होगी। सुदी ३ से२०दिन में धान्य तेज, वृष्टि की कमी; रुई, चाँदी, सोना में घट-बढ़, सुदी ८ से ८ दिन में चावल, चना, रुई, कराई मंदी, अनाज तेज, सुदी १३ से२ २० दिन में खट्टे-पदार्थ, देवदारु, रुई, सोना, चाँदी, सूत, कपड़ा, रेलवे स्लीपर तेज; शेयर, शक्कर कपूर, रस मंदा। सुदी १५ से १५ दिन में चाँदी, रुई, घटबढ़ कर तेज, धान, घी मन्दा होगा।

५, ६, ७, १२, १३, १४, १८, १९, २०, २५, २६, २८ अगस्त को बादल-वृष्टि योग है।

भाद्रपद

वदी १ से १४ दिन में चाँदी, सोना गहना, कपास, कपड़ा, मोती, ऊनी वस्त्र, चावल, गेहूँ, सरसों, तिल, ज्वार, जीरा, घी, तेज होगा, वदी ३ से २५ दिन में स्वर्ण, लाल रंग की वस्तुएँ, चौपाए, धान तेज; मारवाड़ में वृष्टि; रुई, चाँदी मँदी। वदी ६ से ८ दिन में राजाओं में युद्ध, खेतों की हानि, अनाज मंदा। वदी १० से २० दिन में वृष्टि की न्यूनता, धान्य की हानि; चावल तेज (१६वें से २०वें दिन तक चाँदी मंदी) वदी १३ से ८ दिन में उड़द, मूँग, मोठ तेज; वदी ३० से १४ दिन में सोना, चाँदी, लोहा, तेल, घी, सरसों, रेंड़ी, सोपारी, मूँज, बाँस, ज्वार, उड़द, तीसी, अफीम, रेशम, कपास तेज; चौपायों को पीड़ा; उसी से २ मास में रुई तेज; वर्षा की कमी, दुर्भिक्ष; उसी दिन से १७ दिन में वृष्टि अच्छी, देश में गड़बड़ी गेहूँ, जौ, चना, ज्वार, बाजरा, मंदा होगा। सुदी ३ से १ मास में चाँदी मंदी की ओर मजीठ, नारियल, तिल, तेज घी, कपास तेज। सुदी ५ से ८ दिन तक अनाज की मंदी, आकाश में बादल, सुदी ११ से ८ दिन में वृष्टि; चाँदी, मंदी धान कुछ तेज; सुदी १३ से १६ दिन में चाँदी, कपास, धान, कपड़ा, रुई, मंदी। उसी दिन से १४ दिन में गेहूँ, ज्वार, जव, गुड़, खाँड़, सन, पाट, कपास, हल्दी, घास, लकड़ी, भूसा, हर्रा, वहेरा, हींग· छार तेज होगा।

१-२-३, ८-९-१०, १५-१६-१७, २१-२२-२३, २८-२९ सितम्बर को बादल-वृष्टि योग है।

आश्विन

वदी १ से ५ दिन में सोना, चाँदी, रूई में विशेष गड़बड़ी होग। ताँबा, पीतल, जस्ता, हींग, केशर तेज। बदी २ से १॥ महीने में सोना, रूपा, चाँदी, ताँबा, लाल रंग, तीसी, लाल मिर्च, तेज; अनावृष्टि; उसी दिन से २० दिन में तिल, उड़द, मूँग तेज। वदी ४से २० दिन में वायु, वर्षा की अधिकता सोना, खाँड़, जौ, चला तेज; चाँदी मंदी; वदी ५ से २ मास में वर्षा की कमी; दुर्भिक्ष, रुई तेज, वदी१० से ८ दिन में वर्षा की कमी; धान रुई मंदा; वदी १२ से १४ दिन में धान, चावल, गेहूँ, चना, सूत, कपास, रुई, सोना, अरहर, सूत, केशर, जवाहरात, गुड़, लाख, चपड़ा तेज; चाँदी शायद मंदी; सुदी१ से ८ दिन में सुभिक्ष; व्याधि-भय रुई मंदी; सुदी ४ से म१ मास में चाँदी मंदी की ओर; स्वर्ण, धान्य, तीसी, गेहूँ, अनाज, आमला तेज; रुई, चाँदी, अफीम, मंदी युद्ध की सम्भावना है। सुदी ५ से ८ दिन में प्रजा पीड़ा। सुदी ८ से २० दिन में चाँदी मंदी, घी, तेल, अनाज मंदा; रुई में घटबढ़; सुदी ११ से १४ दिन में सभी धातुएँ, गुड़, मिर्च, खाँड़, तेल, राई, हींग, कपूर, लाख, चपड़ा, बिनौला, केराना, गुगुल, हल्दी, रुई, सन, पाट तेज; सुदी १२ से ८ दिन में धान्य का भाव मंदा; सुदी १५ से २० दिन में वृष्टि की न्यूनता, प्रजा-पीड़ा, गुड़, खाँड़, यव, तेज, घी, तेल, तेज होगा।

६-७-८, १२-१३ १४, १८-१९-२०, २१-२६-२७-२८ अक्टूबर को बादल वृष्टि योग है।

कार्तिक

वदी २ से १६ दिन में शेयर अवश्य तेज, ईख, गुड़, खोड़, तिल, तेल, रस, कपूर, रेड़ी, बिनौला तेज; व्यापारियोंमें घबराहट; चाँदी, सोना तेज; वदी ८ से १४ दिन में चाँदी, सोना, पारा, सीसा, राँगा, लोहा, नोट, तिल, चावल, रस, सूत, अफीम, सरसों, रेड़ी वेज; पूर्व दक्षिग में उपद्रव; वदी १० से ८ दिन में भूकम्प पीड़ा, चाँदी, सोना, शेयर घटवढ़ कर तेज; वदी १२ से ८ दिन में वृष्टि, व्यापारियों में भय, रुई मंदी। सुदी १ से २० दिन में वृष्टि की कमी; गुड़, खाँड़, अश्व तेज; चौपायों को पीड़ा सुदी ४ से १ मास में ऊनी वस्त्र, चाँदी, ताँबा, तेल, रुई, तिल, अफीम तेज ;चावल मंदा। वदी ५ से ८ दिन में अवर्पग

भूकम्प; चावल, चाँदी मंदी.; सुदी ८ से १४ दिन में रस, धातु, चाँदी, सोना मंदा; गेहूँ, तीसी, मिर्च, तेज होकर मंदा; चना, उड़द, गेहूँ, नोट तेज; सुदी १० से १५ दिन में चाँदी, सोना, रुई तेज; युद्ध भय; सुदी १५ से २ मास में घी, दूध, रस, तीसी, रुई, गेहूँ, चावल, मंदा; गुड़ तेज, चाँदी में घटवढ़ होगी।

२-३-४, ८-९-१०, १५-१६-१७, २२-२३-२४ नवम्बर को वादल-वृष्टि योग है।

मार्गशीर्ष

वदी २ से ८ दिन में अवर्षण धान कुछ तेज; सोना, चाँदी, चावल, सरसों, तेल, हींग, मंदा; वदी ६ से १४ दिन में सोना, चाँदी, गुड़, धान्य, रेंड़ी, गुगुल, पारा, चावल, सरसों, वस्त्र, अफीम तेज; रुई मंदी होकर तेज; वदी ९ से २० दिन में चौपाये, चाँदी, घी, रुई तेज; अनाज मंदा; वदी १२ से २० दिन में अल्प जलवृष्टि साँवा, कोदो, मड़ुआ घी, गुड़, नमक तेज; वदी १३ से २५ दिन में धान्यों में तेजी; खेतियों का नाश; रुई चाँदी मंदी शेयर तेज; वदी १४ से २ मास में तेल, सरसों, हींग, मिर्च तेज रुई मंदी सुभिक्ष; जल की बाधा होगी। सुदी ४ से १ मास में तिल, तेल, कपास, अनाज, सूत, रुई तेज; कोटा मालवे में उपद्रव; चाँदी शायद तेज; सुदी ७ से १० दिन में चाँदी साधारण तेज; रुई, सूत, सन, पाट, वस्त्र, सोना, चाँदी, तिल, चावल तेज; उसी दिन से ८ दिन में उड़द, तेल, छार, नमक मंदा; सुदी ९ से १० दिन में ईख, चावल, घी, अश्व, रस, चाँदी साधारण तेज होगा

२९-३० नवम्बर ६-७-८, १२-१३-१४, १९-२०-२१, २६-२७- दिसम्बर को साधारण बादल वृष्टि योग है।

पौष

वदी १ से २० दिन में मृग तथा हाथियों का नाश; रुई, कपास, चाँदी मंदी; अफीम तेज; वदी २ से रुई, सोना, तेज; चाँदी घटवढ़ कर तेज; धान्य घी मंदा; उसी दिन से १४ दिन में तिल, तेल, गुड़, गुगुल, हल्दी, चपड़ा, कपूर, चना, विनौला, ऊनी वस्त्र, सन, चाँदी, अफीम तेज; वदी ३ से १० दिन में रोग-वृद्धि, रस, तीसी, मंदा; रुई घटवढ़ कर मंदी; वदी ५ से २० दिन में अनाज, रस, राई, चाँदी, शेयर, अफीम, गुड़, खाँड़, घी, गेहूँ तेज खेतियों का नाश वदी १० से १० दिन में वर्षा विनौला तेज धान्य मंदा वदी १३ से २० दिन में रोग-पीड़ा, चावल, गेहूँ, तेज; धान्य सोना धातु तेज वदी ३० से १० दिन में रुई, तिल, तेल तेज; कान के रोग, चौपायों को पीड़ा; सुदी १ से १४ दिन में उड़द, मूँग, चावल, रेंड़ी, रेशम, गुड़, कपास, घी, लोहा, पिपरामूल, लाख, चपड़ा, मूँज, बाँस, सरसों, तेज; सुदी ४ से १ मास में घी, तीसी, तेल, रुई, लाल वस्त्र, गुड़, तेज; धान्य मंदा; वायु की तीव्रता मालवा में वर्षा होगी। सुदी १० से १० दिन में गुड़, तीसी, धान, चना तेज; हिमपात सम्भव है। चावल, मूँग, मोठ भी तेज सम्भव हैं; सुदी ११ से ३० मास में दुर्भिक्ष होगा साम्यवाद फैलेगा युद्ध की सम्भावना रहेगी धान्य नाश होगा। सोना चाँदी आदि धातुएँ मंदी हो जायेगी। सुदी १३ से १४ दिन में गेहूँ जौ, चावल, चाँदी, लोहा, पारा, राँगा, शीशा, लवंग, शक्कर नोट तीसी अफीम तेज होगा।

२८-२९ दिसम्बर २-३-४, ८-९-१०, १५-१६-१७-१८, २३-२४-२५ जनवरी को बादलवृष्टि साधारण योग है।

माघ

वदी १ से सर्व धान्य उड़द, मूँग, रुई, सूत, सन, पाट, कपास, गेहूँ, घी, धान्य, अफीम, श्वेत वस्तुएँ गुड़ तेज; चाँदी शायद मंदी; वृष्टि सम्भव है। वदी ८ से १५ दिन में चाँदी, रुई, धान्य, कपड़ा मंदा; नगरों की कायापलट; वदी १२ से १४ दिन में चाँदी, जवाहरात, रूई, सोना, मोती, मूँग, मसूर, नील तेज; सुदी १ से तिल, तेल छार, नमक, गुड़, खाँड़, रस, मंदा, मूँग, मोठ, चना तेज; सुदी ४ से १ मास में नमक तेल धान्य, रुई, गुड़, रक्त पदार्थ तेज; आनज, तीसी, रेंड़ी मंदा; सुदी ८ से २० दिन में अनावृष्टि रुई, गेहूँ, रस, धातु तिल, तेल तेज; सुदी ९ से चाँदी, रुई, तेज; धान विनौला, मंदा; सुदी १० से १४ दिन में चाँदी, सरसों, सन, पाट, रस, कपड़ा, नील, तेल, हींग, रेंड़ी, गुड़, जायफल, दाख, सोंठ तेज; सुदी १४ से १६ दिन में शेयर, चाँदी, पाट, हैसियन, रुई, चाँदी मंदी; राजपूताने में वर्षा होगी।

२९-३०-३१ जनवरी ५-६-७, १२-१३-१४, १९-२०-२१ फरवरी को बादल वृष्टि योग है।

फाल्गुन

वदी ३ से राजाओं में विग्रह, पशु-पक्षी सुखी; चाँदी में घटवढ़; वदी ५ से २ मास में धनियाँ, हल्दी, काली मिर्च, तेजपात, सोंठ आदि केराना, पीतल, लोहा, सोना, चाँदी, राँगा, पारा, साधारण तेज; वदी ८ से १४ दिन में सोना, चाँदी, गेहूँ, चना, गुड़, उड़द, घी, रुई, ज्वार, बाजरा, तेल, रेशम, गुगुल, पिपरामूल तेज; वदी १४ से २० दिन में तीसी, सोना, रुई चाँदी, सरसों, लालमिर्च तेज; दुर्भिक्ष—भय, वृष्टि की न्यूनता देश भंग; सुदी ३ से १ मास में नमक, तिल, तेल, हल्दी, धनियाँ, लालमिर्च, लवंग, गोलमिर्च, केराना, रस, तेज; चाँदी १) २) मंदी; सुदी ४ से २५ दिन में सर्वधान्य, रुई, चाँदी तेज तीसी, ऊन मंदा; साधारण वृष्टि; उसी दिन से १० दिन में जौ, चावल, उड़द, तीसी, चना, सोंठ, सभी रस, गुड़, घी, धातुएँ, ऊन मंदा; सुदी ६ से सोना, चाँदी, रुई तेज; राजपूताने में वर्षा; भूकम्प आदि सम्भव है। उसी दिन से १२ दिन में घी, चाँदी, सरसों, तीसी, चावल, तम्बाकू तेज; लाख, चपड़ा, रुई, चावल मंदा; सुदी ७ से १४ दिन में गुड़, घी, तेल, रस, नमक, छार, रत्न, चावल तेज होगा।

२५-२६-२७-२८ फरवरी ४-५-६, ११-१२-१३, १९-२०-२१, २५-२६ मार्च को बादल वृष्टि योग है।

चैत्र कृष्ण पक्ष

वदी १ से १२ दिन में किरात—यवनों को पीड़ा; चाँदी, अफीम, लालमिर्च, लाल कपड़ा, रुई, तीसी, मूँग, उड़द, घी, तेल, तिल, नारियल मंदा; चना, मोंठ में घटवढ़; वदी २ से चाँदी रुई, सोना मंदी; राजपूताने में वर्षा; पाट हैसियन मंदा; वदी ६ से १४ दिन में रत्न, मोती, कमलगट्टा, चावल, धान, फल, फूल, नमक, सुगन्ध, चौपाये, मूँग, उड़द, घी, चावल, लहसुन, लाख, चपड़ा, सज्जी, रुई, तीसी सरसों, रेंड़ी, मूँगफली तेज; वदी १३ से २० दिन में धान्य, अफीम तेज; चाँदी, रुई मंदा; वदी ३० से २० दिन में मृग हाथियों का नाश राजा प्रजा का विरोध। रुई, तीसी, मेथी, लवंग, बिनौला, चाँदी, गेहूँ मंदा होगा।

३१ मार्च १-२, ७-८-९, अप्रैल को साधारण वृष्टि योग है

सं० २०२३ विवाह मुहूर्ताः

वैशाख कृष्ण १३ चन्द्रवासरे कुंभ लग्नोदये उ.भा.भे. विवाहः
,, शुक्ल ३ शनौ रोहिणीभे कुंभोदये
,, ,, ४ रवौ रो. मृगभे कुम्भोदये
,, ,, ५ चन्द्रे मृगभे दिवा लग्नमन्वेष्टव्यम् ।
,, ,, ९ शुक्रेमघाभे ,,
,, ,, ११ रवौ उ.फा.भे. ,,
,, ,, १२ चन्द्रे हस्तभे ,,
,, ,, १५ बुधे स्वातीभे ,,
ज्येष्ठ कृष्ण १ गुरौ अनु. भे ,,
,, ,, २ शुक्रे अनु. भे ,,
,, ,, ३ शनौ मूलभे भद्रान्ते ,,
,, ,, ४ रवौ मूलभे ,,
,, ,, ५ चन्द्रौ उ.भा. भे ,,
,, ,, ३ भौमेभे. भद्राप्राक् ,,
,, ,, १० रवौ उ. भा. भे. ,,
,, ,, ११ चन्द्रे दिवालग्नं रेवत्यांरात्रौं ,,
,, ,, १२ भौमे रेवत्यां लग्नं ,,
ज्येष्ठ शुक्ल १ शनौ रोहिणी मृगभे लग्नमन्वेष्टव्यम्
,, ,, ६ गुरौ मघाभे लग्नमन्वेष्टव्यम्
,, ,, ८ शुक्रे मघाभे दिवालग्नं ,,
,, ,, ९ शनौ उ.फा.भे ,,
,, ,, १० उ.फा. हस्तभे ,,
,, ,, १२ भौमे स्वातीभे ,,
,, ,, २३ बुधे स्वातीभे. दिवालग्नं ,,
आषाढ़ कृष्ण १ शनौ मूलभे कुम्भोदये
,, ,, २ रवौ मूलभे दिवालग्नं
,, ,, ३ चन्द्रे उ.षा.भे लग्नंचिन्त्यम्
,, ,, ४ भौमे उ.षा.भे दिवालग्नं
,, ,, ८ शनौ उ.भा.भे लग्नं चिन्त्यम्

आषाढ़ कृष्ण ९ रवौ उ.भा. रेवत्यां लग्नं चिन्त्यम्
,, ,, १० चन्द्रे रेवत्यां लग्नं चिन्त्यम्
पौष शुक्ल ६ चन्द्रे उ.भा. भे रेवत्यां लग्नंचिन्त्यम्
,, ,, ६ भौमे उ.भा. रेवत्यां लग्नं चिन्त्यम्
,, ,, ७ रेवत्यां दिवालग्नं चिन्त्यम्
,, ,, १० रोहिणीभे लग्नं चिन्त्यम्
,, ,, ११ रोहिणी मृगभे लग्नं चिन्त्यम्
,, ,, १२ मृगभे दिवालग्नं चिन्त्यम्
माघ कृष्ण १ शुक्र मघाभे लग्नंचिन्त्यम्
माघ कृष्ण २ मघाभे दिवालग्नं चिन्त्यम्
,, ,, ३ रवौ उ.फा.भे चिन्त्यम्
,, ,, ५ चन्द्रे उ.फा. हस्तभे चिन्त्यम्
,, ,, ३ भौमे हस्तभे दिवालग्नं चिन्त्यम्
,, ,, ७ बुधे स्वातीभे चिन्त्यम्
,, ,, ९ शुक्रे अनु.भे चिन्त्यम्
,, ,, ११ रवौ मूलभे चिन्त्यम्
,, ,, १३ भौमे उ.षा.भ. चिन्त्यम्
माघ शुक्ल ३ रवौ उ.भा.भे संक्रान्ति दोषः ल. चिन्त्यम्
,, ,, ४ चन्द्रे उ.भा. रेवत्यां चिन्त्यम्
,, ,, ५ भौमे रेवत्यां चिन्त्यम्
,, ,, ९ शनौ रोहिणी चिन्त्यम्
,, ,, १० रवौ मृगभे चिन्त्य
,, ,, १५ शुक्रे मघाभे चिन्त्यम्
फाल्गुन कृष्ण २ उ.फा. हस्तभे मघाभे चिन्त्यम्
,, ,, ३ चन्द्रे हस्तभे मघाभे चिन्त्यम्
,, ,, ४ भौमे स्वातीभे चिन्त्यम्
,, ,, ३ गुरौ अनु.भे चिन्त्यतम्
,, ,, ८ शनौ मूलभे चिन्त्यम्
,, ,, ११ चन्द्रे उ.जा.भे. मघाभे चिन्त्यम्
फाल्गुन शुक्ल १ रवौ उ. भा. रेवत्यां ल. चिन्त्यम्
,, ,, २ चन्द्रे रेवत्यां ल. चिन्त्यम्

संवत् २०२३ शके १९९८ मध्ये

ग्रहणम्

(१) वैशाख शुक्ल पूर्णिमायां बुधे चन्द्रग्रहणम्
४ मई १९६६ ई०

(२) ज्येष्ठ कृष्ण ३० शुक्रे सूर्यग्रहणम् भारतेदृश्यम्
२० मई १९६६ ई०

(३) आश्विन शुक्ल १५ शनौ चन्द्रग्रहणम्
२९ अक्टूबर सन् १९६६ ई०

(४) कार्तिक कृष्ण ३० शनौ सूर्यग्रहणम्
१२ नवम्बर १९६६ ई०

वर्ष प्रवेश लग्नम्

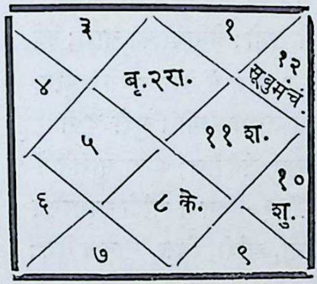

आर्द्रा प्रवेश लग्नम्

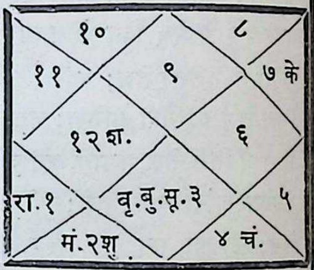

*१८—लग्नेश की राशि में अष्टमेश और अष्टमेश की राशि में लग्नेश हो शुभ ग्रह से युक्त या दृष्ट न हो तो अठारह वर्ष की आयु होगी।

१८—लग्नेश अष्टमेश ६-१२ वें भाव में पंचमेश से युक्त हो तो अठारहवें वर्ष मृत्यु होती है।

१९—कर्क में मंगल, मकर राशि में सूर्य शुक्र या शनिसे युत हो बुध अस्त हो तो १९ वर्ष की आयु होगी।

२०—लग्नेश शुभ ग्रह से युत होकर अष्टम हो और अष्टमेश किसी भी ग्रह से दृष्ट न होकर लग्न में हो तो २० वर्ष की आयु होगी।

२०—क्षीण चन्द्र और लग्नेश निर्बल हो अष्टमेश केन्द्र में हो और आठवें क्रूर ग्रह हो तो २० वर्ष की आयु होगी ।×

दि. मा घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३०	६	१	बु.	१२	५०	रे.	५७	८	व्र.	२९	३८	वव	१२	५०	वा.	४४	११	उत्पात	२३	३	९	मे.	५७	८	६	२	५	५८	११	९	२५	३४	५९	३८
३०	१०	२	बृ.	१५	३३	अ.	६०	०	ऐं.	२८	५२	कौ.	१५	३३	तै.	४६	२१	मानस	२४	१	१०				६	२	५	५८	११	१०	२५	४	५९	३०
३०	१३	३	शु.	१७	१०	अ.	०	३	वै.	२७	७	ग.	१७	१०	व.	४७	१७	वज्र	२५	२	११				६	३	५	५७	११	११	२४	३२	५९	२८
३०	१७	४	श.	१७	२५	भ.	२	४०	वि.	२४	२५	वि.	१७	२५	वव	४६	५४	ध्वांक्ष	२६	३	१२	वृ.	१७	५३	६	४	५	५६	११	१२	२३	५८	५९	२३
३०	२१	५	र.	१६	२४	कृ.	३	३३	प्री.	२०	३९	वा.	१६	२४	कौ.	४५	१६	धूम्र	२७	४	१३				६	४	५	५६	११	१३	२३	८१	५९	२३
३०	२५	६	चं.	१४	९	रो.	३	१४	आ.	१६	०	तै.	१४	९	ग.	४२	३१	वर्द्धमा.	२८	५	१४	मि.	३२	३०	६	५	५	५५	११	१४	२२	४१	५९	३०
३०	२८	७	मं.	१०	५३	मृ.	१ ५७	४० ४६	सौ.	१०	२८	व.	१०	५३	वि.	३८	४८	रक्ष	२९	६	१५				६	६	५	५४	११	१५	२२	१	५९	१८
३०	३२	८	बु.	६	४४	पु.	५६	३१	शो.	४ ५३	१० ८	वव	६	४४	वा.	३४	१५	गद	३०	७	१६	क.	४२	१७	६	६	५	५४	११	१६	२१	१९	५९	१६
३०	३६	९	बृ.	१ ५४	४६ ३२	पु.	५२	५६	सु.	५०	९	कौ	१	४६	तै.	२९ ५६	२ १८	शुभ	३१	८	१७				६	७	५	५३	११	१७	२०	२५	५९	१४
३०	४०	११	शु.	५०	२६	श्ले.	४८	५८	धृ.	४२	३१	व.	२३	२२	वि.	५०	२६	मृत्यु	१	९	१८	सि.	४८	५८	६	८	५	५२	११	१८	२०	४१	५९	१८
३	४३	१२	श.	४४	२५	म.	४४	४५	शू.	३४	४८	वव	१७	२५	वा.	४४	२५	पद्म	२	१०	१९				६	८	५	५२	११	१९	१९	५१	५९	९
३०	४७	१३	र.	३८	२४	पूफा	४०	४२	गं.	२७	२	कौ	११	२४	तै.	३८	२४	छत्र	३	११	२०	कं.	५४	५६	६	९	५	५१	११	२०	१८	५८	५९	६
३०	५०	१४	चं.	३२	४१	उफा	३७	०	वृ.	१९	२७	ग.	५	३२	व.	३२	४१	श्रीवत्स	४	१२	२१				६	१०	५	५०	११	२१	१७	४	५९	४
३०	५०	१५	मं.	२७	१९	ह.	३३	२५	ध्रु.	१८	१२	वि.	०	१	वव	२० ५४	१२ २८	सौम्य	५	१३	२२				६	११	५	४९	११	२२	१६	१७	५९	२

श्री शुभ संवत् २०२३ शके १८८८ चैत्र शुक्ल पक्षः। मार्च २३ अप्रैल ५ तक। याम्यायन सौम्यगोलः। वसन्त ऋतुः।

यायी जय मु.। पञ्चक समाप्त ५७।८ पर। चन्द्रदर्शनम् ।a
पूर्वोत्तर यात्रा मु.। स. सि. योगः। जिकअद।
भ. ४७।१७ उ.। a(भौमास्तः प्राक्वर्षे एव)
भ. १७।२५ या.।
या. ज. मु. १६।२४ या.।
स.सि.योगः। दक्षिण पश्चिमयोः यात्रा मु.।
भ. १०।५३ उ. ३८।४८ या.।
रामनवमी व्रतम्।
रेवत्यामर्कः ९।९। स.सि.अ.सि. योगः। पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.।
भ. २३।२२ उ. ५०।२६ या. अप्रैल। कामदा ११ व्रतं प्रायःd dसर्वेषाम्।
उत्तरा योगे स.सि. योगः। प्रदोष।
भ. ३२।४१ उ.। २।१५।
भ. ०।१ या.। भद्रोपरि यात्रा मु. दक्षिण पूर्वयोः।

चै. शु. ७ भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	११	११	१	९	१०	१	७
१५	२१	५	२८	२९	२६	४	४
१७	३६	२४	२०	१२	४२	७	७
४०	२७	१३	२९	२२	४३	९	९
५	४२	६	८	३०	७	३	३
१८	९	५२	५६	५३	१६	११	११

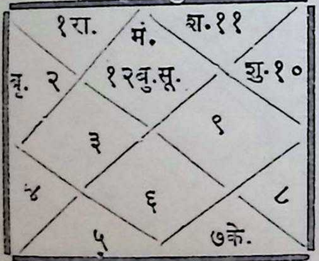

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.		२ बृ.		३ शु.		४ श.		५ र.		६ चं.		७ मं.		८ बु.		९ बृ.		११ शु.		१२ श.		१३ र.		१४ चं.		१५ मं.	
मी. अं.	७	१	६	५८	६	५४	६	५०	६	४६	६	४२	६	३८	६	३५	६	३१	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२
मे. अं.	८	३९	८	३५	८	३२	८	२८	८	२४	८	२०	८	१६	८	१२	८	९	८	५	८	१	७	५७	७	५३	७	४९
वृ. अं.	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	९	१०	५	१०	१	९	५७	९	५३	९	४९	९	४६
मि. अं.	१२	४९	१२	४६	१२	४२	१०	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२६	१२	२२	१८	१९	१२	१५	१२	११	१८	७	१४	३	१२	०
कं. अं.	२	८	३	४	३	०	२	५६	२	५२	२	४८	२	४५	२	४१	२	३७	८	३३	२	३०	२	२६	२	२२	२	१९
सिं. अं.	५	२३	५	२०	५	१६	८	१२	५	८	५	४	५	०	४	५७	४	५३	४	४९	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४
राशःय	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
क. अं.	७	३७	७	३४	७	३०	७	२६	७	२२	७	१८	९	१५	७	११	७	७	७	३	६	५९	६	५५	६	५१	६	४९
तु. अं.	९	५४	९	५०	९	४६	९	४३	९	३९	९	३५	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	८	९	३
वृ. अं.	१२	११	१२	८	१२	४	१२	०	११	५७	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२	११	३८	११	३४	११	३०	११	२६	११	२८
ध. अं.	२	१६	२	१२	२	९	२	५	२	१	१	५७	१	५४	१	५०	१	४६	१	४२	१	३८	१	३४	१	३०	१	२७
म. अं.	४	१	३	५७	३	५४	३	५०	३	४६	३	४२	३	३९	३	३५	३	३१	३	२७	३	२३	३	१९	३	१५	३	१२
कु. अं.	५	३३	५	२९	५	२५	५	२१	५	१७	५	१४	५	१०	५	६	५	२	४	५९	४	५५	४	५१	४	४८	४	४४

चै. शु. १५ भौमे. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	११	११	१	१०	१०	१	७
२२	२६	१२	२९	४	२७	३	३
१६	१२	३६	३५	३४	३५	४५	४५
१७	१७	११	१४	१७	११	१४	१४
५९	४१	६१	७	३५	६	३	३
२	१७	१३	१२	४१	४५	११	११

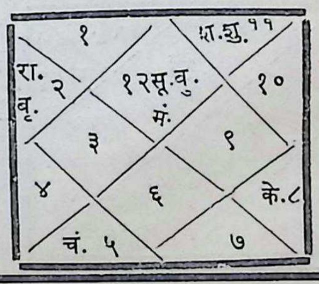

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	श्री शुभ संवत् २०२३ शके १८८८ वैशाख कृष्णपक्षः अप्रैल ६ से २० तक । सौम्यायनम् । याम्यगोल । मेषार्कतः सौम्यगोलः ।
३०	५८	१	बु.	२२	३८	चि.	३०	४०	व्या	५ ५३	२८ ५२	कौ	२२	३८	तै.	५०	४२	काल	६	१४	२३	तु.	२	२	५	४८	६	१२	११	२३	५	४३	५९	०	
३१	१	२	बृ.	१८	४७	स्वा	२८	४८	व.	५४	४५	ग.	१८	४७	व.	४७	२०	स्थिर	७	१५	२४				५	४७	६	१३	११	२४	४	४२	५८	५८	भ. ४७।२० उ. । शते शुक्रः ९।४४ ।
३१	१	३	शु.	१५	५३	वि.	२७	४८	सि.	४९	२१	वि.	१५	५३	वव	४४	५८	मातंग	८	१६	२५	वृ.	१३	३	५	४६	६	१४	११	२५	३	३९	५८	५६	भ. १५।५३ या. । aया. ज. मु. ।
३१	८	४	श.	१४	३	ऽनु	२७	४९	व्य.	४५	४२	वा.	१४	३	कौ.	४३	४५	अमृत	९	१७	२६				५	४६	६	१४	११	२६	२	३३	५८	५३	रिक्ताऽऽन्ते पश्चिमोत्तरायां यात्रा मु. । पञ्चमी योगे a
३१	१२	५	र.	१३	२७	ज्ये.	२९	२३	व.	४३	७	तै.	१३	२७	ग.	४३	४८	काण	१०	१८	२७	ध.	२९	२३	५	४५	६	१५	११	२७	१	२५	५८	५०	मेषे भौमः २।९ ।
३१	१६	६	चं.	१४	१०	मू.	३२	४	प.	४१	३६	व.	१४	१०	वि.	४५	१५	लुम्ब	११	१९	२८				५	४४	६	१६	११	२८	०	१५	५८	४८	भ. १४।१० उ. ४५।१५ या. ।
३१	१९	७	मं.	१६	२१	पू.	३४	५६	शि.	४१	७	वव	१६	२१	वा.	४७	५४	मित्र	१२	२०	२९	म.	५२	१२	५	४४	६	१६	११	२८	५९	१२	५८	४६	उ. भा. भे वुधः ५८।२३ ।
३१	२३	८	बु.	१९	२७	उ.	४०	५९	सि.	४१	६	कौ.	१९	२७	तै.	५१	३२	वज्र	१३	२१	३०				५	४३	६	१७	११	२९	५७	४७	५८	४४	अश्विन्यांमेषेचार्कः ४२।४० ।
३१	२६	९	बृ.	२३	३८	श्र.	४९	४८	सा.	४२	२	ग.	२३	३८	व.	५६	३	ध्वज	१४	२२	१				५	४२	६	१८	०	०	५६	३०	५८	४२	भ. ५६।३ उ. । प्राच्यां यात्रा मु. । सौर वैशाखारम्भ ।e
३१	३०	१०	शु.	२८	२९	ध.	५३	१३	शु.	४३	२९	वि.	२८	२९	वव	६०	०	धाता	१५	२३	२	कुं.	२०	०	५	४२	६	१८	०	१	५५	११	५८	४०	भ. २८।२९ या. । पञ्चकारम्भ २०।० उ. ।
३१	३४	११	श.	३३	४३	श.	५९	५१	शु.	४५	४	वव	१	६	वा.	३३	४३	आनंद	१६	२४	३				५	४१	६	१९	०	२	५३	५०	५८	३७	बरूथिनी ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
३१	३७	१२	र.	३८	५२	पू.	६०	०	ब्र.	४६	३२	कौ.	६	१७	तै.	३८	५२	चर	१७	२५	४	मी.	४९	३६	५	४०	६	२०	०	३	५२	२७	५८	३४	प्रदोष । eकत्तिकाभे २चरणे राहुः विशाखाभे ४चरणे केतुः ५।९
३१	४१	१३	चं.	४३	२४	पू.	६	११	ऐं.	४७	३४	ग.	११	८	व.	४३	२५	मुसल	१८	२६	५				५	३९	६	२१	०	४	५१	०	५८	३२	भ. ४३।२५ उ. । उत्तरायोगे या. ज. मु. ।
३१	४५	१४	मं.	४७	१४	उभा	११	५२	वै.	४३	८७	वि.	१५	१९	श.	४७	१४	सिद्धि	१९	२७	६				५	३९	६	२१	०	५	४९	३२	५८	३०	भ. १५।१९ या. । मास शिवरात्रि व्रतम् ।
३१	४९	३०	बु.	४९	५०	रे.	१६	३७	वि.	४७	३०	च.	१८	३२	ना.	४९	५०	उत्पात	२०	२८	७	मे.	१६	३७	५	३८	६	२२	०	६	४८	१२	५८	२८	पञ्चक समाप्त १६।३७। पू.फा. भे शुक्रः ३।२९।

वै. कृ. ८ वुधे. इ. ०।०

सू.	मं.	वु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	०	११	२	१०	१०	१	७
०	३	१३	०	८	२८	३	३
२	६	४८	४७	३६	३६	२१	११
५३	३	४७	५९	४९	५९	३५	३५
५८	४२	६०	९	३७	६	३	३
४४	४४	व४५	१०	५८	२५	११	११

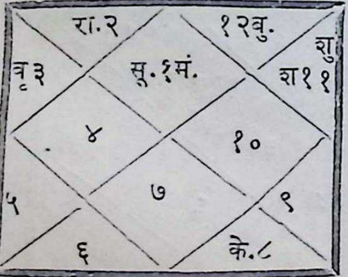

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१बु.		२बृ.		३शु.		४श.		५र.		६चं.		७मं.		८बु.		ति.	९बृ.		१०शु.		११श.		१२र.		१३चं.		१४मं.		१५बु.	
मी. अ.	६	९	६	६	६	३	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४५	मे.	७	२०	७	१७	७	१४	७	१०	७	७	७	३	६	५९
मे. अं.	७	४६	७	४३	७	४०	७	३७	७	३४	७	३१	७	२८	७	२४	वृ.	९	१६	९	१२	९	८	९	४	९	१	८	५७	८	५३
वृ. अं	९	४२	९	३९	९	३६	९	३३	९	३०	९	२६	९	२२	९	१९	मि.	११	३०	११	२६	११	२२	११	१९	११	१५	११	१२	११	८
मि. अं.	११	५७	११	५४	११	५१	११	४७	११	४४	११	४१	११	३८	११	३४	क.	१	४९	१	४५	१	४२	१	३८	१	३२	१	३०	१	२६
क. अं.	२	१६	२	१२	२	९	२	६	२	३	२	०	१	५६	१	५३	सि.	४	४	४	०	३	५६	३	५३	३	४९	३	४६	३	४२
सिं. अं.	४	३१	४	२७	४	२४	४	२१	४	१८	४	१४	४	११	४	८	कं.	६	१८	६	१४	६	१०	६	७	६	३	६	०	५	५५
रा०	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कं. अं.	६	४५	६	४२	६	३९	६	३५	६	३२	६	२८	६	२४	६	२१	तु.	८	३४	८	३१	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	१२
तु. अं.	९	०	८	५७	८	५३	८	५०	८	४७	८	४४	८	४१	८	३८	वृ.	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३७	१०	३४	१०	३०
वृ. अं.	११	१९	११	१६	११	१३	११	१०	११	७	११	३	११	०	१०	५६	ध.	१२	५७	१२	५३	१२	४९	१२	४५	१२	४१	१२	३७	१२	३४
ध. अं.	१	२४	१	२०	१	१७	१	१४	१	११	१	७	१	४	१	१	म.	२	४२	२	३८	२	३४	२	३१	२	२७	२	२३	२	१९
म. अं.	३	९	३	६	३	३	३	०	२	५६	२	५३	२	४९	२	४६	कुं.	४	१४	४	१०	४	७	४	३	४	०	३	५६	३	५२
कुं. अं.	४	४१	४	३८	४	३४	४	३१	४	२८	४	२५	४	२२	४	१८	मी.	५	४२	५	३८	५	३४	५	३१	५	२७	५	२३	५	१९

वैशाख कृष्ण ३० वुधे इ ०।०

सू.	मं.	वु.	बृ.	शु.	श.	रा	के.
०	०	११	२	१०	१०	१	७
६	८	१०	१	२०	२९	२	२
४८	५	५६	५८	२१	२४	५३	५३
१२	३९	४४	३९	३९	३३	१२	१२
५८	४२	३२	९	५१	६	३	३
२९	३७	व९	१८	२२	१७	११	११

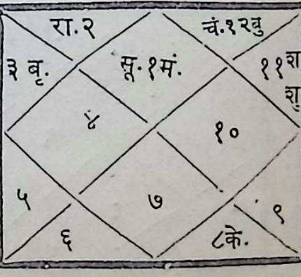

दि.मा.		वा.	ति.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
ग्र.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३१	५३	१	बृ.	५१	२१	अ.	२०	१८	प्री.	४६	७	कि.	२०	३५	वव.	५१	२१	मानस	२१	२९	८				५	३७	६	२३	०	७	४६	२९	५८	२६
३१	५७	२	शु.	५१	३०	भ.	२२	४३	आ.	४३	४३	वा.	२१	२५	कौ.	५१	३०	मुद्गर	२२	१	९	वृ.	३७	५९	५	३६	६	२४	०	८	४४	५५	५८	२४
३२	१	३	श.	५०	२३	कृ.	२३	५०	सौ.	४९	१९	तै.	२०	५६	ग.	५०	२३	ध्वज	२३	२	१०				५	३६	६	२४	०	९	४३	२०	५८	२२
३२	४	४	र.	४८	३	रो	२३	४६	शो.	३५	५५	व.	१९	१३	वि.	४८	३	धाता	२४	३	११	मि.	५३	९	५	३५	६	२५	०	१०	४१	२०	५८	२०
३२	७	५	चं.	४४	४१	मृ.	२२	३२	ऽति	३०	४१	वव	१६	२२	वा.	४४	४१	आनंद	२५	४	१२				५	३४	६	२६	०	११	३९	५९	५८	१८
३२	१०	६	मं.	४०	२६	आ.	२०	३२	सु.	२४	४३	कौ.	१२	३३	तै.	४०	२६	चर	२६	५	१३				५	३४	६	२६	०	१२	३८	१५	५८	१६
३२	१४	७	बु.	३५	२६	पुनः	१७	३३	धृ.	१८	७	ग.	७	५६	व.	३५	२६	गद	२७	६	१४	क.	३	१८	५	३३	६	२७	०	१३	३६	३८	५८	१३
३२	१७	८	बृ.	२९	५०	पु.	१४	६	शू.	१०	५८	वि.	२	३८	वव	२०/६	५०/२१	शुभ	२८	७	१५				५	३२	६	२८	०	१४	३४	४१	५८	१०
३२	२०	९	शु.	२३	५३	श्ले.	१०	११	गं.	३/५२	२७/२८	कौ.	२३	५३	तै.	५०	४९	मृत्यु	२९	८	१६	सिं.	१०	११	५	३२	६	२८	०	१५	३२	५३	५८	८
३२	२३	१०	श.	१७	४६	म.	६	६	ध्रु	४८	८	ग	१७	४६	व.	४४	४३	पद्म	३०	९	१७				५	३१	६	२९	०	१६	३१	१	५८	७
३२	२६	११	र.	११	४१	पू.	१/५६	५४/२	व्या	४०	३४	वि.	११	४१	वव.	३८	४२	छत्र	१	१०	१८	कं.	१५	५४	५	३०	६	३०	०	१७	२९	९	५८	६
३२	२९	१२	चं.	५	५४	ह.	५४	२७	ह.	३३	१६	वा.	५	५४	कौ.	३३	५	वज्र	२	११	१९				५	३०	६	३०	०	१८	२७	१५	५८	६
३२	३३	१३	मं.	०/२५	२८/१५	चि.	५१	३३	व.	२६	२५	तै.	०	२८	ग.	२८/५५	१३/४३	ध्वांक्ष	३	१२	२०	तु.	२३	०	५	२९	६	३१	०	१९	२५	२१	५८	४
३२	३६	१५	बु.	५१	४६	स्वा	४९	३१	सि.	२०	११	वि.	२३	४४	वव	५१	४६	धूम्र	४	१३	२१				५	२९	६	३१	०	२०	२३	२४	५८	२

श्री शुभ संवत् २०२३ शके १८८८ वैशाख शुक्लपक्षः।
अप्रैल २१ से मई ४ तक। सौम्यायनगोलौ वसन्त ऋतुः।

स.सि. योगः। भरणी योगे या. ज. योगश्चः। चन्द्रदर्शनम्
जिलहिज। b यात्रा मु.।
रोहिणी योगे या. ज. योगः। अक्षय ३।परशुराम जयन्ती ३।
भ. १९।१३ उ. ४८।३ या. a ५९।१४
स.सि. योगः। दक्षिण पश्चिमयो यात्रा मु.। भर यां भौम a
कुम्भे शनिः ३।१९। रेवत्यां बुधः २४।४४
भ. ३५।२६उ. भरण्यांमर्कः २४।१४। दक्षिण पश्चिमयो b
भ. २।३८ या.। अ. सि. योगः पुष्ये। उदीच्यां यात्रा मु.+
c स. सि. योगश्च। मोहिनी ११ व्रतं सर्वेषाम्
भ. ४४।४३ उ. + तिथि दानात् भद्रान्ने।
भ.११।४१या.। मई। एकादश्यां उत्तरायोगे या.ज. योगः। c
दक्षिणास्यां यात्रा मु.। प्रदोष व्रतम्।
भ. ५५।४३ उ.
भ. २३।४४ या.।

वैशाख शु. ३ शनौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	०	११	२	१०	१०	१	७
९	१०	१३	२	२३	२९	२	२
४८	५४	२४	२४	३६	४२	४४	४४
५	३५	१३	२५	४७	१५	३८	३८
५८	४२	३०	९	६१	६	३	३
२१	४५	४६	२०	२७	२४	११	११

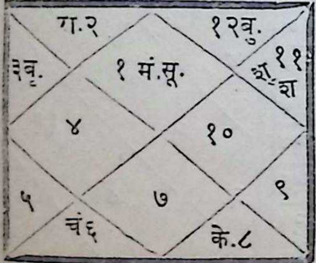

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.		२ शु.		३ श.		४ र.		५ चं.		६ मं.		७ बु.		८ बृ.		९ शु.		१० श.		११ र.		१२ चं.		१३मं.		१५ बु.	
मे. अं.	६	५३	६	४९	६	४५	६	४२	६	३८	६	३४	६	३०	६	२७	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	८	६	४
वृ. अं.	८	४९	८	४५	८	४२	८	३८	८	३४	८	३०	८	२७	८	२४	८	२०	८	१६	८	१२	८	८	८	४	८	०
मि. अं.	११	३	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४९	१०	४५	१०	४२	१०	३८	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१५
क. अं.	१	२२	१	१८	१	१४	१	१०	१	७	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३३
सिं.अं.	३	३७	३	३४	३	३०	३	२७	३	२४	३	२०	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५९	२	५३	२	४९
कं. अं.	५	५१	५	४७	५	४४	५	४०	५	३६	५	३३	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८	५	१४	५	१०	५	६	५	२
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
तु. अं.	८	८	८	४	८	०	७	५६	७	५३	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८	७	३५	७	३१	७	२७	७	२३	७	१९
वृ. अं.	१०	२५	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	७	१०	४	१०	०	९	५७	९	५३	९	४९	९	४५	९	४१	९	३७
ध. अं.	१२	३०	१२	२६	१२	२३	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५७	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२
म. अं.	२	१५	२	११	२	८	२	४	२	०	१	५७	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७	१	३३	१	२९	१	२५
कुं. अं.	३	४७	३	४४	३	४०	३	३६	३	३३	३	२९	३	२५	३	२१	३	१७	३	१४	३	१०	३	७	३	४	२	५९
मी. अं.	५	१५	५	११	५	७	५	४	५	०	४	५७	४	५३	४	४९	४	४५	४	४१	४	३७	४	३४	४	३०	४	२६

वैशाख शु. १३ भौमे ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	र	के.
०	०	११	२	११	११	१	७
१९	१८	२८	४	४	०	२	२
२७	५	४७	१८	४७	४८	७	७
३८	१८	५६	४५	४७	२	८	८
५८	४६	१०२	१३	७३	२	३	३
०	१७	५८	२५	३५	५८	११	११

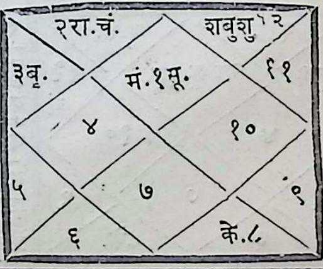

दि.मा.		वा.	ति.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घ.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३१	५३	१	वृ.	५१	२१	अ.	२०	१८	प्री.	४६	७	किं.	२०	३५	वव.	५१	२१	मानस	२१	२९	८				५	३७	६	२३	०	७	४६	२९	५८	२६
३१	५७	२	शु.	५१	३०	भ.	२२	४३	आ.	४३	४३	वा.	२१	२५	कौ.	५१	३०	मुद्गर	२२	१	९	वृ.	३७	५९	५	३६	६	२४	०	८	४४	५५	५८	२४
३२	१	३	श.	५०	२३	कृ.	२३	५०	सौ.	४९	१९	तै.	२०	५६	ग.	५०	२३	ध्वज	२३	२	१०				५	३६	६	२४	०	९	४३	२०	५८	२२
३२	४	४	र.	४८	३	रो	२३	४६	शो.	३५	५५	व.	१९	१३	वि.	४८	३	धाता	२४	३	११	मि.	५३	९	५	३५	६	२५	०	१०	४१	२०	५८	२०
३२	७	५	चं.	४४	४१	मृ.	२२	३२	ऽति	३०	४१	वव	१६	२२	वा.	४४	४१	आनंद	२५	४	१२				५	३४	६	२६	०	११	३९	५९	५८	१८
३२	१०	६	मं.	४०	२६	आ.	२०	३२	सु.	२४	४३	कौ.	१२	३३	तै.	४०	२६	चर	२६	५	१३				५	३४	६	२६	०	१२	३८	१५	५८	१६
३२	१४	७	बु.	३५	२६	पुनः	१७	३३	धृ.	१८	७	ग.	७	५६	व.	३५	२६	गद	२७	६	१४	क.	३	१८	५	३३	६	२७	०	१३	३६	३८	५८	१३
३२	१७	८	बृ.	२९	५०	पु.	१४	६	शू.	१०	५८	वि.	२	३८	वव	२० ६	५० २१	शुभ	२८	७	१५				५	३२	६	२८	०	१४	३४	४१	५८	१०
३२	२०	९	शु.	२३	५३	श्ले.	१०	११	गं.	३ ५२	२७ २८	कौ.	२३	५३	तै.	५०	४९	मृत्यु	२९	८	१६	सिं.	१०	११	५	३२	६	२८	०	१५	३२	५३	५८	८
३२	२३	१०	श.	१७	४६	म.	६	६	ध्रु	४८	८	ग	१७	४६	व.	४४	४३	पद्म	३०	९	१७				५	३१	६	२९	०	१६	३१	१	५८	७
३२	२६	११	र.	११	४१	पू.	९ ५६	५४ २	व्या	४०	३४	वि.	११	४१	वव.	३८	४२	छत्र	१	१०	१८	कं.	१५	५४	५	३०	६	३०	०	१७	२९	९	५८	६
३२	२९	१२	चं.	५	५४	ह.	५४	२७	ह.	३३	१६	वा.	५	५४	कौ.	३३	५	वज्र	२	११	१९				५	३०	६	३०	०	१८	२७	१५	५८	६
३२	३३	१३	मं.	० ५५	२८ १५	चि.	५१	३३	व.	२६	२५	तै.	०	२८	ग.	२८ ५५	७ ४३	ध्वांक्ष	३	१२	२०	तु.	२३	०	५	२९	६	३१	०	१९	२५	२१	५८	४
३२	३६	१५	बु.	५१	४६	स्वा	४९	३१	सि.	२०	११	वि.	२३	४४	वव	५१	४६	धूम्र	४	१३	२१				५	२९	६	३१	०	२०	२३	२४	५८	२

श्री शुभ संवत् २०२३ शके १८८८ वैशाख शुक्लपक्षः।
अप्रैल २१ से मई ४ तक। सौम्यायनगोलौ वसन्त ऋतुः।

स.सि. योगः। भरणी योगे या. ज. योगश्चः। चन्द्रदर्शनम्
जिलहिज। b यात्रा मु.।
रोहिणी योगे या. ज. योगः। अक्षय ३। परशुराम जयन्ती ३।
भ. १९।१३ उ. ४८।३ या. a ५९।१४
स.सि. योगः। दक्षिण पश्चिमयो यात्रा मु.। भर यां भौम a
कुम्भे शनिः ३।१९। रेवत्यां बुधः २४।४४
भ. ३५।२६उ. भरण्यांमर्कः २४।१४। दक्षिण पश्चिमयो b
भ. २।३८ या.। अ. सि. योगः पुष्ये। उदीच्यां यात्रा मु.+
c स. सि. योगश्च। मोहिनी ११ व्रतं सर्वेषाम्
भ. ४४।४३ उ. + तिथि दानात् भद्रान्ने।
भ.११।४१या.। मई। एकादश्यां उत्तरायोगे या.ज. योगः। c
दक्षिणास्यां यात्रा मु.। प्रदोष व्रतम्।
भ. ५५।४३ उ.
भ. २३।४४ या.।

वैशाख शु. ३ शनौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	०	११	२	१०	१०	१	७
९	१०	१३	२	२३	२९	२	२
४८	५४	२४	२४	३६	४२	४४	४४
५	३५	१३	२५	४७	१५	३८	३८
५८	४२	३०	९	६१	६	३	३
२१	४५	४६	२०	२७	२४	११	११

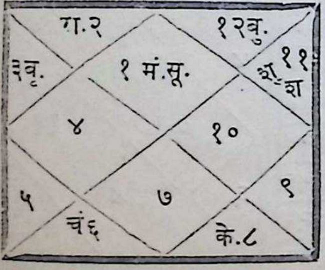

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ वृ.		२ शु.		३ श.		४ र.		५ चं.		६ मं.		७ बु.		८ बृ.		९ शु.		१० श.		११ र.		१२ चं.		१३ मं.		१५ बु.	
मे. अं.	६	५३	६	४९	६	४५	६	४२	६	३८	६	३४	६	३०	६	२७	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	८	६	४
वृ. अं.	८	४९	८	४५	८	४२	८	३८	८	३४	८	३०	८	२७	८	२४	८	२०	८	१६	८	१२	८	८	८	४	८	०
मि. अं.	११	३	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४९	१०	४५	१०	४२	१०	३८	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१५
क. अं.	१	२२	१	१८	१	१४	१	१०	१	७	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३३
सिं.अं.	३	३७	३	३४	३	३०	३	२७	३	२४	३	२०	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५६	२	५३	२	४९
कं. अं.	५	५१	५	४७	५	४४	५	४०	५	३६	५	३३	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८	५	१४	५	१०	५	६	५	२
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
तु. अं.	८	८	८	४	८	०	७	५६	७	५३	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८	७	३५	७	३१	७	२७	७	२३	७	१९
वृ. अं.	१०	२५	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	७	१०	४	१०	०	९	५७	९	५३	९	४९	९	४५	९	४१	९	३७
ध. अं.	१२	३०	१२	२६	१२	२३	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५७	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२
म. अं.	२	१५	२	११	२	८	२	४	२	०	१	५७	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७	१	३३	१	२९	१	२५
कुं. अं.	३	४७	३	४४	३	४०	३	३६	३	३३	३	२९	३	२५	३	२१	३	१७	३	१४	३	१०	३	७	३	४	२	५९
मी. अं.	५	१५	५	११	५	७	५	४	५	०	४	५७	४	५३	४	४९	४	४५	४	४१	४	३७	४	३४	४	३०	४	२६

वैशाख शु. १३ भौमे ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	र	के.
०	०	११	२	११	११	१	७
१९	१८	२८	४	४	०	२	२
२७	५	४७	१८	४७	४८	७	७
३८	१८	५६	४५	४७	२	८	८
५८	४६	१०२	१३	७३	२	३	३
०	१७	५८	२५	३५	५८	११	११

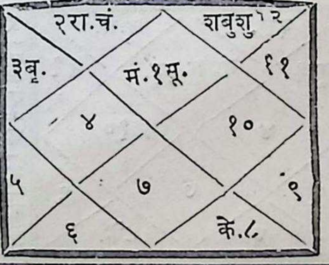

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३२	३८	१	बृ.	४८	४८	वि.	४८	१८	व्य.	१४	३८	वा.	२०	२	कौ.	४८	४८	वर्द्ध.	५	१४	२२	बृ.	३३	३६	५	२९	६	३१	०	२१	११	२९	५७	५९
३२	४१	२	शु.	४६	५४	अनु.	४८	१३	व.	९	५३	तै.	१७	३६	ग.	४६	५४	राक्षस	६	१५	२३				५	२८	६	३२	०	२२	१७	१८	५७	५७
३२	४४	३	श.	४६	१३	ज्ये.	४९	१९	प.	६	५	व.	१६	३३	वि.	४६	१३	मुशल	७	१६	२४	ध.	४६	१९	५	२८	६	३२	०	२३	१७	२६	५७	५४
३२	४७	४	र.	४६	५१	मू.	५१	४५	शि.	३	८	वव	१६	३२	वा.	४६	५१	सिद्धि	८	१७	२५				५	२७	६	३३	०	२४	१५	२०	५७	५७
३२	५०	५	चं.	४८	५०	पूषा	५५	२४	सि.	१	२९	कौ.	१७	५१	तै.	४८	५०	उत्पात	९	१८	२६				५	२६	६	३४	०	२५	१३	१२	५७	४८
३२	५३	६	मं.	५१	५५	उषा	६०	०	सा.	०	४३	ग.	२०	२२	व.	५१	५५	मानस	१०	१९	२७	म.	११	३५	५	२६	६	३४	०	२६	११	१	५७	४५
३२	५६	७	बु.	५६	१	उषा	०	९	शु.	०	५४	वि.	२३	५८	वव	५६	१	मुद्गर	११	२०	२८				५	२६	६	३४	०	२७	८	४८	५७	४२
३२	५८	८	बृ.	६०	०	श्र.	५	४८	शु.	१	४७	वा.	२८	२४	कौ.	६०	०	श्रीवत्स	१२	२१	२९	कु.	३८	५७	५	२५	६	३५	०	२८	६	३१	५७	४०
३३	१	८	शु.	०	४८	ध.	१२	६	ब्र.	३	१०	कौ.	०	४८	तै.	३३	२१	सौम्य	१३	२२	३०				५	२४	६	३६	०	२९	९	१२	५७	३९
३३	३	९	श.	५	५५	श.	१८	४२	ऐं.	४	५०	ग.	५	५५	व.	३८	२१	कालदं	१४	२३	३१				५	२४	६	३६	१	०	१	५३	५७	३९
३३	६	१०	र.	१०	५६	पूभा	२५	८	वै.	६	२६	वि.	१०	५६	वव	४३	१२	स्थिर	१५	२४	१	मी.	८	३२	५	२३	६	३७	१	०	५९	३३	५७	३८
३३	८	११	चं.	१५	२८	उभा	३१	०	वि.	७	२७	वा.	१५	२८	कौ.	४७	२०	मातंग	१६	२५	२				५	२२	६	३८	१	१	५७	१३	५७	३७
३३	१०	१२	मं.	१७	१२	रे.	३५	५९	प्री.	८	१५	तै.	१७	१२	ग.	५०	२८	अमृत	१७	२६	३	मे.	३५	५९	५	२२	६	३८	१	२	५९	५३	५७	३५
३३	१२	१३	बु.	२१	४४	अ.	३९	५३	आ.	८	०	व.	२१	४४	वि.	५२	२८	मृत्यु	१८	२७	४				५	२१	६	३९	१	३	५८	२८	५७	३४
३३	१४	१४	बृ.	२३	१२	भ.	४२	३५	सौ.	६	५७	श.	२३	१२	च.	५७	१४	पद्म	१९	२८	५	बृ.	५७	५६	५	२१	६	३९	१	४	५०	१	५७	३७
३३	१३	३०	शु.	२३	१७	कृ.	४४	१	शो.	४	४८	ना.	२३	१७	किं.	५२	४२	क्षत्र	२०	२९	६				५				१	५	४७	३८	५७	२८

श्री शुभ संवत् २०२३ शके १८८८ ज्येष्ठ कृष्णपक्षः। मई ५ से २० तक। सौम्यायनगोलौ ग्रीष्मऋतुः।

उदीच्यां यात्रा मु.।
भ. १६।३३ उ. ४६।१३ या.।
स.सि. योगः। दारुण कर्म मु.।

भ. ५१।५५ उ.
भ. २३।५८ या.। कृत्तिकायामर्कः १२।४०। भद्रोपरि e
पञ्चकारम्भ ३८।५७। बुधास्त पूर्वस्याम् ०।१९।

भ. ३८।२१ उ.। सं. वृषेर्कः ३९।४१। e दक्षिण यात्रा मु.।
भ. १०।५६ या.। उत्तरायोगे या. ज. मु.। सौर ज्येष्ठारम्भः।
या. ज. मु.। अचला ११ व्रतं सर्वेषाम्। रेवत्यां पश्चिम
यात्रा मु.। प्रदोष। पञ्चक समाप्त ३५।५९ पर।
भ. २१।४४ उ. ५२।२८ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्।

वटसावित्री व्रतम्। वृषे बुधः २९।४४।

ज्येष्ठ कृष्ण ८ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	०	०	२	११	११	१	७
२९	२५	१६	६	१५	१	१	१
७	२९	३६	२३	४८	४७	३९	२९
५०	२९	५	४५	३	४७	३८	३८
५७	४६	११९	१३	७०	३	३	३
३९	१७	३५	२६	२५	१	११	११

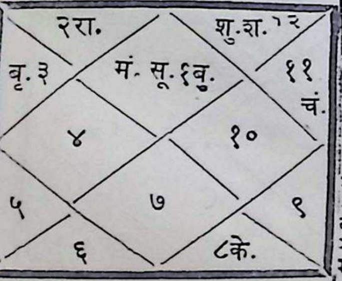

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ बृ.		२ शु.		३ श.		४ र.		५ च.		६ मं.		७ बु.		८ बृ.		९ शु.		१० श.		ति.	११ र.		१२ च		१३ मं		१४ बु.		१५ बृ.		१६ शु.	
मे.	६	०	५	५६	५	५२	५	४९	५	४५	५	४२	५	३८	५	३४	५	३०	५	२६	बृ.	७	१८	७	१४	७	१०	७	६	७	२	६	५८
वृ.	७	५६	७	५२	७	४९	७	४५	७	४१	७	३७	७	३४	७	३०	७	२६	७	२२	मि.	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	७	१२
मि.	१०	१०	१०	६	१०	२	९	५८	९	५५	९	५१	९	४७	९	४३	९	३९	९	३६	क.	११	५१	११	४७	११	४३	११	३९	११	३५	११	३१
क.	१२	२९	१२	२५	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	११	१२	७	१२	३	११	५९	११	५५	सि.	२	६	२	२	१	५८	१	५४	१	५०	१	४६
सिं.	२	४४	२	४०	२	३६	२	३३	२	२९	२	२५	२	२१	२	१७	२	१४	२	१०	कं.	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	४	४	०
कं.	४	५८	४	५५	४	५१	४	४७	४	४३	४	३९	४	३५	४	३१	४	२७	४	२४	तु.	६	३७	६	३३	६	२७	६	२५	६	११	६	१७
रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
तु.	७	१५	७	१२	७	८	७	४	७	०	६	५७	६	५३	६	४९	४	४५	६	४१	वृ.	८	५४	८	५०	८	४६	८	४२	८	३८	८	३४
वृ.	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	९	९	६	९	२	८	५८	ध.	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०
ध.	११	३७	११	३४	११	३०	११	२६	११	२३	११	२०	११	१६	११	१२	११	८	११	४	म.	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४
म.	१	२२	१	१८	१	१४	१	१०	१	७	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४२	कुं.	२	१६	२	१२	२	८	२	४	२	०	१	५६
कुं.	२	५४	२	५०	२	४६	२	४२	२	३८	२	३५	२	३२	२	२८	२	२४	२	२०	मी.	३	४४	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४
मी.	४	२२	४	१८	४	१४	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५२	३	४८	मे.	५	२२	५	१८	५	१४	५	१०	५	६	५	२

ज्ये. कृ. ३० शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	१	०	२	११	११	१	७
५	०	२९	७	२४	२	१	१
१८	२०	४८	५२	०	१५	१	१
४३	१४	१४	३४	९	३९	४	४
५६	४५	१२१	९	६४	५	३	३
५९	३९	९	८	१७	४१	११	११

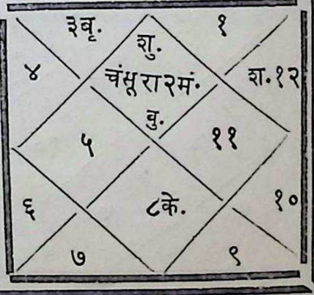

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	श्री शुभ संवत् २०२३ शके १८८८ ज्येष्ठ शुक्लपक्षः। मई २१ से जून ३ तक। सौम्यायनगोलौ। ग्रीष्म ऋतुः।
३३	१८	१	श.	२२	८	रो.	४४	१३	ऽति	१/५५	४०/५१	वव	२२	८	वा.	५०	५७	श्रीवत्स	२१	३०	७				५	२०	६	४०	१	६	४५	०	५७	२७	स.सि. योगः। मृगभे दक्षिण यात्रा मु.। चन्द्रदर्शनम्।
३३	२०	२	र.	१९	४६	मृ.	४३	१६	धृ.	५२	३१	कौ.	१९	४६	तै.	४८	३	सौम्य	२२	१	८	मि.	१३	४४	५	२०	६	४०	१	७	४२	२७	५७	२५	दक्षिण यात्रा मु.। १३।४४ या.। मुहर्रम।
३३	२२	३	चं.	१६	२०	आ.	४१	२३	शू.	४६	४५	ग.	१६	२०	व.	४४	११	काल	२३	२	९				५	१९	६	४१	१	८	३९	५३	५७	२४	भ. ४४।११ उ.।
३३	२४	४	मं.	१२	३	पु.	३८	३९	गं.	४०	१९	वि.	१२	३	वव	३९	२९	स्थिर	२४	३	१०	क.	२४	२०	५	१९	६	४१	१	९	३७	१९	५७	२४	भ. १२।३ या.। दक्षिण यात्रा मु. २४।२९ या.।
३३	२६	५	बु.	६	५५	पु.	३५	१५	वृ.	३३	१८	वा.	६	५५	कौ.	३४	८	मातंग	२५	४	११				५	१८	६	४२	१	१०	३४	४२	५७	२२	रोहिण्यामर्कः ७।४५। प्रतीच्यां यात्रा मु.।
३३	२७	६	बृ.	१/५४	२१/१४	श्ले	३१	२३	ध्रु.	२५	५८	तै.	१	२१	ग.	२८/५२	३१/३५	अमृत	२६	५	१२	सिं.	३१	२३	५	१८	६	४२	१	११	३२	४	५७	२१	भ. ५५।३५ उ.। मेषे शुक्रः ०।९।
३३	२९	८	शु.	४९	१४	म.	२७	१९	व्या	१८	२६	वि.	२२	२६	वव	४९	१४	काण	२७	६	१३				५	१७	६	४३	१	१२	२८	२५	५७	१९	भ. २२।२६ या.।
३३	३१	९	श.	४३	३	पू.	३२	२१	ह.	१०	४५	वा.	१६	८	कौ.	४३	३	मातंग	२८	७	१४	कं.	३७	१८	५	१७	६	४३	१	१३	२६	२४	५७	१७	उत्तरायोगे या. ज. मु.।
३३	३३	१०	र.	३७	१०	उ.	१९	९	व.	३/[illegible]	११/४५	तै.	१०	६	ग.	३७	१०	मित्र	२९	८	१५				५	१७	६	४३	१	१४	२४	१	५७	१५	स.सि. योगः। दशहरा।
३३	३५	११	चं.	३१	४०	ह.	१५	३१	व्य.	४९	१	व.	४	२५	वि.	३१/५९	४०/१४	वज्र	३०	९	१६	तु.	४४	४	५	१६	६	४४	१	१५	२१	१६	५७	१५	भ. ४।२५ उ. ३१।४० या.। निर्जला ११ व्रतं सर्वेषाम् ।C
३३	३६	१२	मं.	२६	४८	चि.	१२	३९	ब.	४२	४१	वा.	२६	४८	कौ.	५४	४६	ध्वांक्ष	३१	१०	१७				५	१६	६	४४	१	१६	१८	३१	५७	१४	प्रदोष। Cदक्षिण यात्रा मु.।
३३	३८	१३	बु.	२२	४५	स्वा	१०	१४	प.	३७	३	तै.	२२	४५	ग.	५१	१२	धूम्र	१	११	१८	वृ.	५४	९	५	१६	६	४५	१	१७	१५	४५	५७	१२	जून। मृगभे बुधः ३३।९।
३३	४०	१४	बृ.	१९	३९	वि.	८	४७	शि.	३२	१४	व.	१९	३९	वि.	४८	३९	वर्धमा.	२	१२	१९				५	१५	६	४५	१	१८	१२	५७	५७	११	भ. १९।३९ उ. ४८।३९ या.। आर्द्रभे गुरुः ३९।४४।
३३	४२	१५	शु.	१७	३९	ऽनु.	८	२५	सि.	२८	१७	वव	१७	३९	वा.	४७	१४	रक्ष	३	१३	२०				५	१५	६	४५	१	१९	१७	८	५७	८	रोहिण्यां भौमः ३।२५।

ज्येष्ठ शुक्ल ३ चन्द्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	१	१	२	११	११	१	७
८	२	५	८	२६	२	०	०
४२	३६	३०	३०	१२	३०	५२	५२
५८	३७	३३	४५	३२	३५	८	८
५७	४६	१२३	१३	६६	५	३	३
२४	३५	१७	२४	४५	४५	११	११

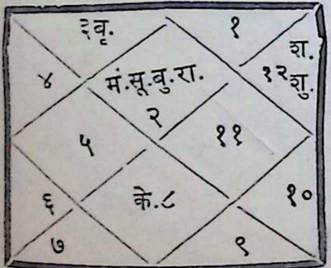

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.		२ र.		३ चं.		४ मं.		५ बु.		६ बृ.		८ शु.		९ श.		१० र.		११ चं.		१२ मं.		१३ बु.		१४ बृ.		१३ शु.	
वृ. अं.	६	५४	६	५०	६	४६	६	४२	६	३८	६	३४	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१४	६	१०	६	६	६	२
मि. अं.	९	८	९	४	९	०	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	४	३६	८	३२	८	२८	८	२४	८	२०	८	१६
क. अं.	११	२७	११	२३	११	१९	११	१५	११	११	११	७	११	३	१०	५९	१०	५५	११	५१	१०	४७	१०	४३	१०	३९	१०	३५
सिं. अं.	१	४२	१	३८	१	३४	१	३०	१	२६	१	२२	१	१८	१	१४	१	१०	१	६	१	२	१२	५८	१२	५४	१२	५०
कं. अं.	३	५६	३	५२	३	४८	३	४४	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४	३	२०	३	१६	३	१२	३	८	३	४
तु. अं.	६	१३	६	९	६	५	६	१	५	५७	५	५३	५	४९	५	४५	५	४१	५	३७	५	३३	५	२९	५	३५	५	२१
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	८	३०	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०	८	६	८	२	७	५८	७	५४	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८
ध. अं.	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१५	१०	११	१०	७	१०	३	९	५९	९	५५	९	५१	९	४७	९	४३
म. अं.	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५६	११	५२	११	४८	११	४४	११	४०	११	३६	११	३२	११	२८
कुं. अं.	१	५२	१	४८	१	४४	१	४०	१	३६	१	३२	१	२८	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१	०
मी. अं.	३	२०	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५६	२	५२	२	४८	२	४४	२	४०	२	३६	२	३२	२	२८
मे. अं.	४	५४	५४	५०	४	४६	६	४२	४	३८	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	४	२

ज्येष्ठ शुक्ल १४ गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	१	१	२	०	११	१	७
१८	९	२४	१०	८	३	०	०
२७	४८	२४	३६	४८	१२	१४	१४
२९	४३	२३	३५	४९	१६	३८	३८
५७	४६	१२०	१३	६७	६	३	३
११	४४	२१	२१	४६	२	११	११

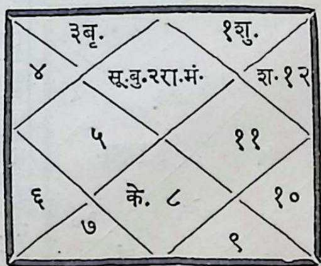

१२

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. वं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	ओ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	४४	१	श.	१६	५०	ज्ये	९	१७	सा.	२५	०	कौ.	१६	५०	तै.	४७	४	मुसल	४	१४	२१	ध.	९	१७	५	१४	६	४६	१	२०	७	१८	५७	८
३३	४५	२	र.	१७	१९	मू.	११	२२	शु.	२३	२४	ग.	१७	१९	व.	४८	१४	सिद्धि	५	१५	२२				५	१४	६	४६	१	२१	४	२६	५७	७
३३	४६	३	चं.	१९	१०	पू.	१४	४६	श	२२	३२	वि.	१९	१०	वव	५०	३७	उत्पात	६	१६	२३	म.	३०	५४	५	१४	६	४६	१	२२	१	३५	५७	७
३३	४७	४	मं.	२२	४	उ.	१९	२०	व्र.	२२	३१	बा.	२२	४	कौ.	५४	५	मानस	७	१७	२४				५	१४	६	४६	१	२२	५८	४८	५७	६
३३	४९	५	बु.	२६	६	श्र.	२४	४९	ऐं.	२३	१७	तै.	२६	६	ग.	५८	२५	छत्र	८	१८	२५	कुं.	५७	५४	५	१४	६	४६	१	२३	५५	४८	५७	५
३३	५०	६	बृ.	३०	४५	ध.	३१	०	वै.	२४	३६	व.	३०	४५	वि.	६०	०	श्रीवत्स	९	१९	२६				५	१४	६	४६	१	२४	५२	५३	५७	२
३३	५१	७	शु.	३५	५१	श.	३७	३१	वि.	२६	१५	वि.	३	१८	वव	३५	५१	सौम्य.	१०	२०	२७				५	१४	६	४६	१	२५	४९	५५	५७	२
३३	५२	८	श.	४०	५१	पू.	४४	१	प्री.	२७	५३	बा.	८	२१	कौ.	४०	५१	काल	११	२१	२८	मी.	२७	२४	५	१४	६	४६	१	२६	४६	५७	५७	१
३३	५३	९	र.	४५	२०	उ.	४९	५८	आ.	२९	१४	तै.	१३	५	ग.	४५	२०	स्थिर	१२	२२	२९				५	१४	६	४६	१	२७	४३	५८	५७	१
३३	५५	१०	चं.	४९	३	रे.	५५	१२	सौ.	३०	१	व.	१७	११	वि.	४९	३	मातंग	१३	२३	३०	मे.	५५	१२	५	१४	६	४६	१	२८	४०	५९	५६	५९
३३	५६	११	मं.	५१	३५	अ.	५९	१५	शो.	२९	५७	वव	२०	१९	वा.	५१	३५	अमृत	१४	२४	३१				५	१४	६	४६	१	२९	३७	५८	५६	५९
३३	५७	१२	बु.	५३	४	भ.	६०	०	अ.	२९	६	कौ.	२२	१९	तै.	५३	४	काण	१५	२५	१			११	५	१४	६	४६	२	०	३४	५७	५६	५८
३३	५६	१३	बृ.	५३	२	भ.	२	१३	सु.	२७	१२	ग.	२३	३	व.	५३	२	पद्म	१६	२६	२	वृ.	१७	३८	५	१४	६	४६	२	१	३१	५५	५६	५७
३३	५६	१४	शु.	५२	२	कृ.	३	५४	धृ.	२४	१३	त्रि.	२२	३२	श.	५२	२	छत्र	१७	२७	३				५	१४	६	४७	२	२	२८	५२	५६	५७
३३	५६	३०	श.	४९	४०	रो.	४	२०	शू.	२०	१७	च.	२०	५१	ना.	४९	४०	श्रीवत्स	१८	२८	४	मि.	३३	५८	५	१४	६	४७	२	३	५५	४९	५६	५६

श्री शुभ संवत् २०२३ शके १८८८ आषाढ़ कृष्णपक्षः।
जून ४ से १८ तक। सौम्यायनगोलौ। ग्रीष्म ऋतुः।

भ. ४८।१४ उ.। स.सि. योगः। कुंभे शनिः ३९।४४।
भ. १९।१० या.। या. ज. मु. उत्तरायोगे। रोहिणी भे A
श्रवसि दक्षिणपूर्वौ यात्रा मु.। भरणीभे शुक्रः ३७।२७। B
मृगभेर्कः ६।१६। पञ्चक प्रवृत्तिः ५७।५४।
मृगभेर्कः ६।१६। पञ्चक प्रवृत्तिः ५७।५४ या.।
भ. ३०।४५ उ.। प्रतीच्यां यात्रा मु.।
भ. ३।१८ या.। शीतलाष्टमी। A भौमः१९।४४
स. सि. योगः। B बुधोदयः पश्चिमायाम् ५६।४।
भ. १७।११ उ. ४९।३ या.। प्रतीच्यां यात्रा मु.। पञ्चक C
मिथुनेर्कः ५।४१ मु.। योगनिी २२ व्रतं प्रायः सर्वेषाम्। D
सौराषाढ़ारम्भः। D अ. सि. योगः। प्राच्यायाम् मु.
भ. ५३।२ उ.। प्रदोष। अस्तंगुरुः पश्चिमायां ९।४५।
भ. २२।३२ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्। C समाप्त ५५।१२।

आ. कृ. २ बुधे. इ. ७।३४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	१	२	२	०	११	१	७
२१	१२	९	११	१२	३	०	०
४	०	५	१५	४८	२८	४	४
२६	९	९	४४	१४	५१	४६	४६
५७	४५	१२०	१२	०	६१	३	३
७	४६	९	४८	१२	१४	११	११

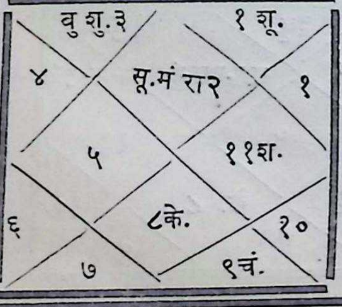

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१श.		२र.		३चं.		४मं.		५बु.		६बृ.		७शु.		८श.		९र.		१०चं.		११मं.		तिथयः	१२बु.		१३बृ.		१४शु.		३०श.	
वृ. अं.	५	५८	५	५४	५	५०	५	४५	५	४१	५	३७	५	३३	५	२९	५	२५	५	२१	५	१७	मि. अं	७	२७	७	२३	७	१९	७	१५
मि. अं.	८	१२	८	८	८	४	८	०	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९	७	३५	७	३१	क. अं.	९	४६	९	४३	९	३८	९	३४
क. अं.	१०	३१	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	६	१०	२	९	५८	९	५४	९	५०	सिं. अं	१२	१	११	५७	१२	५३	११	४९
सिं. अं.	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	५	कं. अं	२	१५	२	११	२	१०	२	६
कं. अं.	३	०	२	५६	२	५२	२	४८	२	४४	२	४०	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३	२	१९	तु. अं	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०
तु. अं.	५	१७	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५६	६	५२	४	४८	४	४४	४	४०	४	३६	वृ. अं.	६	४९	६	४५	६	४१	६	३७
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	७	३४	७	३०	७	२६	७	२१	७	१७	७	१३	७	९	७	५	७	१	६	५७	६	५३	ध. अं.	८	५४	८	५०	८	४६	८	४२
ध अं.	९	३९	९	३५	९	३१	९	२६	९	२२	९	१८	९	१४	९	१०	९	६	९	२	८	५८	म. अं.	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७
म. अं.	११	२४	११	२०	११	१५	११	११	११	७	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	५१	१०	४७	१०	४३	कुं. अं.	१२	११	१२	७	१२	३	११	५९
कुं. अं.	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४३	१२	३९	१२	३५	१२	३१	१२	२७	१२	२३	१२	१९	१२	२५	मी. अं.	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७
मी. अं.	२	२४	२	२०	२	१५	२	११	२	७	२	३	१	५९	१	५५	१	५१	१	४७	१	४३	मे. अं	३	१७	३	१३	३	९	३	५
मे. अं.	४	२	३	५८	३	५४	३	५०	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५	३	२१	वृ. अं.	५	१३	५	९	५	५	५	१

आ. कृ. ९ बु. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	१	२	२	०	११	०	६
२७	१७	१२	१३	२५	३	२९	२९
४८	०	५४	०	३०	५४	३७	३७
८	१९	२५	७	३३	३७	८	८
१७	४६	११९	८	६७	४	३	३
०	९	४५	३५	२२	२१	११	११

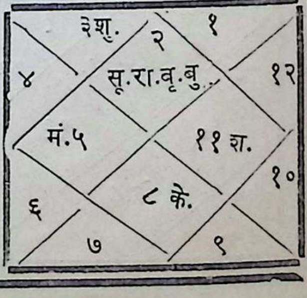

श्री शुभ संवत् २०२३ शके १८८८ आषाढ़ शुक्लपक्षः । जून १९ से जुलाई २ तक। सौम्यायनगोलौ। ग्रीष्मऋतुः।

दि. मा. घ.	प	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गांतः	
																						रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३३	५६	१	र.	४६	१६	मृ.	३	३७	गं.	२५	२९	कि.	१७	५८	वव	४६	१६	सौम्य	१९	२९	५				५	१३	६	४७	२	४	२२	४४	५६	५४
३३	५७	२	चं.	३१	५६	आ.	५/५७	५२/४	वृ.	१	५३	वा.	१४	६	कौ.	४१	५६	काल	२०	३०	६	क.	४४	४०	५	१३	६	४७	२	५	१९	३८	५६	५४
३३	५७	३	मं.	३६	५१	पु.	५६	०	ध्रु.	५३/३	५३/७	तै.	९	२३	ग.	३६	५१	स्थिर	२१	१	७				५	१३	६	४७	२	६	१६	३३	५६	५४
३३	५७	४	बु.	३१	१३	श्ले	५२	१३	हृ.	४९	९४	व.	४	२	वि.	३५/२८	५३/१२	रक्ष	२२	२	८	सिं.	५२	१३	५	१३	६	४७	२	७	१३	३७	५६	५४
३३	५७	५	बृ.	२५	११	म.	४८	६	व.	४०	५३	वा.	२५	११	कौ.	५२	६	मुशल	२३	३	९				५	१३	६	४७	२	८	१०	२१	५६	५३
३३	५७	६	शु.	१९	१	पू.	४३	५४	सि.	३४	१२	तै.	१९	१	ग.	४५	५६	सिद्धि	२४	४	१०	कं.	५७	५३	५	१३	६	४७	२	९	७	१४	५६	५२
३३	५७	७	श.	१२	५२	उ.	३९	५१	व्य.	२६	४०	व.	१२	५२	वि.	३९	५३	उत्पा.	२५	५	११				५	१३	६	४७	२	१०	४	६	५६	५२
३३	५६	८	र.	६	५४	हृ.	३६	२	व.	१९	७	वव	६	५४	वा.	३४	६	मानस	२६	६	१२				५	१३	६	४७	२	११	०	५८	५६	५२
३३	५६	९	चं.	५/२५	५९/३	चि.	३२	५६	प.	१२	२३	कौ.	१	१९	तै.	२८/५६	५०/२२	मुद्गर	२७	७	१३	तु.	४	२९	५	१३	६	४७	२	११	५७	५१	५६	५१
३३	५५	११	मं.	५२	९	स्वा	३०	२७	शि.	५	५७	व.	२४	१५	वि.	५२	९	ध्वज	२८	८	१४				५	१३	६	४७	२	१२	५४	४२	५६	५१
३३	५५	१२	बु.	४९	१	वि.	२८	४८	सि.	०/५५	५३/१	वव	२०	३५	वा.	४९	१	धाता	२९	९	१५	वृ.	१४	१३	५	१३	६	४७	२	१३	५१	३७	५६	५०
३३	५४	१३	बृ.	४६	५३	ऽनु.	२८	९	शु.	५१	५	कौ.	१७	५८	तै.	४६	५३	आनन्द	३०	१०	१६				५	१३	६	४७	२	१४	४८	२३	५६	५०
३३	५३	१४	शु.	४५	५६	ज्ये.	२८	४५	शु.	४७	५८	ग.	१६	२४	व.	४५	५६	चर	१	११	१७	ध.	२८	४५	५	१३	६	४७	२	१५	४५	१३	५६	५०
३३	५२	१५	श.	४६	१७	मू.	३०	३३	ब्र.	४५	२९	वि.	१६	६	वव	४६	१७	गद	२	१२	१८				५	१३	६	४७	२	१६	४२	३	५६	५०

पुनभे बुधः २।९

दक्षिण पश्चिमयोः यात्रा मु.। रथयात्रा २। चन्द्रदर्शनम्।

मृगभे भौमः २२।२१। सफर।

भ. ४।२ उ. ३१।१३ या.। शिवभेऽर्कः ७।१७।

मिथुने बुधः २४।२१। a दक्षिण यात्रा मु.।

भ. १२।५२ उ. ३९।५३ या.। या. ज. मु. १२।५२ या.। a

प्राच्यां यात्रा मु.। स.सि. योगः

पुष्ये बुधः ३४।७।

भ. २४।१५ उ. ५२।९ या.। हरिशायिनी ११ प्रायः सर्वेषाम्।

स.सि. योगः २८।४८ उ.। रोहिणीभे शुक्रः ३७।१२।

पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.। प्रदोष। मिथुने भौमः ४४।१७।

भ. ४५।५६ उ.। जुलाई। मास शिवरात्रि व्रतम्।

भ. १६।६ या.। आषाढ़ी योगः। वायु परीक्षा १५। गुरु b

b व्यासयोः पूजनम् १५। गुरुपूर्णिमा १५। भौमोदयः पूर्वस्याम् h

h ५९।७

आ. शु. ४ बुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	१	२	२	१	११	०	६
७	२४	२९	१५	२	४	२८	१८
१७	०	१८	१२	१२	६	५९	५९
१५	५	४६	२५	२३	२५	३८	३८
५६	४७	११६	१२	७२	१	३	३
५३	२	२५	१८	३५	२५	११	११

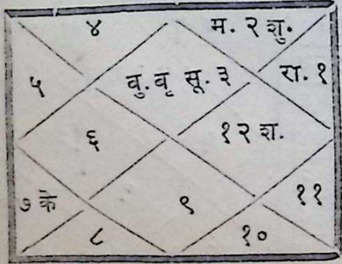

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.		२ चं.		३ मं.		४ बु.		५ बृ.		६ शु.		७ श.		८ र.		९ चं.		११ मं.		१२ बु.		१३ बृ.		१४ शु.		१५ श.	
मि. अं.	७	१०	७	६	७	२	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४०	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६
क. अं.	९	२९	९	२५	९	२०	९	१६	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५५	८	५१	८	४७	८	४२	८	३८	८	३५
सिं. अं.	११	४४	११	४०	११	३५	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	६	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	५०
कं. अं.	१	५८	१	५४	१	५०	१	४६	१	४२	१	३८	१	३४	१	३०	१	२५	१	२१	१	१७	१	१३	१	९	१	५
तु. अं.	४	१५	४	११	४	७	४	३	३	५९	३	५५	३	५१	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५	३	३२	३	२७	३	२३
वृ. अं.	६	३२	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	८	६	४	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
ध. अं.	८	३७	८	३३	८	२८	८	२४	८	२०	८	१६	८	१२	८	८	८	४	८	०	७	५६	७	५२	७	४८	७	४४
म. अं.	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	६	१०	२	९	५८	९	५३	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८
कु. अं.	११	५४	११	५०	११	४५	११	४१	११	३७	११	३२	११	२८	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२	११	८	११	४	११	०
मी. अं.	१	२२	१	१८	१	१४	१	१०	१	६	१	२	१२	५८	१२	५३	१२	४९	१२	४५	११	४१	१२	३७	१२	३३	१२	२९
मे. अं.	३	०	२	५६	२	५२	२	४८	२	४४	२	४०	२	३६	२	३२	२	२८	२	२४	२	२०	२	१६	२	११	२	७
वृ. अं.	४	५६	४	५२	४	४८	४	४४	४	४०	४	३६	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०	४	१६	४	१२	४	७	४	३

आषाढ़ शु. १५ शनौ. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	३	२	१	११	०	६
१६	०	११	१७	१४	४	२८	२८
४४	५४	५४	२४	०	१८	२२	२२
२०	३	३५	२३	१३	२५	८	८
५६	४४	८०	१२	७३	१	३	३
५०	१३	३५	४८	३७	१६	११	११

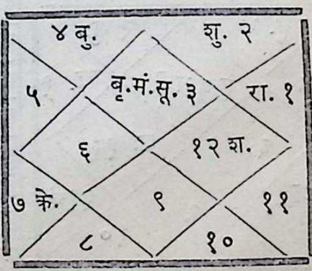

दि. मा. घ.		ति.	वा.	घ.		न.	घ.		यो.	घ.		क.	घ.		क.	घ.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
	प.				प.			प.			प.			प.			प.					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३३	५१	१	र.	४८	३	पू.	३३	४०	ऐं.	४४	४६	वा.	१७	१०	कौ.	४८	३	शुभ	३	१३	१९	म.	४९	४३	५	१४	६	४६	२	१७	३८	५४	५६	४८
३३	५०	२	चं.	५०	४८	उ.	३७	५४	वै.	४४	३१	तै.	१९	२५	ग.	५०	४८	मृत्यु	४	१४	२०				५	१४	६	४६	२	१८	४५	४४	५६	४८
३३	४९	३	मं.	५४	४१	श्र.	४३	९	वि.	४५	११	व.	२२	४४	वि.	५४	४१	लुम्ब	५	१५	२१				५	१४	६	४६	२	१९	३२	३४	५६	४८
३३	४७	४	बु.	५९	१९	ध.	४९	११	प्री.	४६	२५	वव	२७	०	वा.	५९	१९	मित्र	६	१६	२२	कुं.	१६	१०	५	१४	६	४६	२	२०	२९	२५	५६	४९
३३	४६	५	बृ.	६०	०	श.	५५	४०	आ.	४७	५९	कौ.	३१	४९	तै.	६०	०	वज्र	७	१७	२३				५	१५	६	४५	२	२१	२६	६	५६	४९
३३	४५	५	शु.	४	२०	पू.	६०	०	सौ.	४९	४०	तै.	४	२०	ग.	३६	४९	ध्वांक्ष	८	१८	२४	मी.	४५	३४	५	१५	६	४५	२	२२	२३	७	५६	४९
३३	४४	६	श.	९	१९	पू.	२	१२	शो.	५१	३	व.	९	१९	वि.	४१	३३	काल.	९	१९	२५				५	१५	६	४५	२	२३	१९	५९	५६	५०
३३	४३	७	र.	१३	४८	उ.	८	१९	अ.	५१	५८	वव	१३	४८	वा.	४५	४०	स्थिर	१०	२०	२६				५	१५	६	४५	२	२४	१६	५१	५६	५०
३३	४२	८	चं.	१७	३३	रे.	१३	४१	सु.	५२	६	कौ.	१७	३३	तै.	४८	५२	मातंग	११	२१	२७	मे.	१३	४१	५	१५	६	४५	२	२५	१३	४३	५६	५०
३३	४०	९	मं.	२०	१२	अ.	१८	१	धृ.	५१	२०	ग.	२०	१२	व.	५०	५८	अमृत	१२	२२	२८				५	१६	६	४४	२	२६	१०	३५	५६	५२
३३	३८	१०	बु.	२१	४५	भ.	२१	१६	शू.	४९	३७	वि.	२१	४५	वव	५१	५०	काण	१३	२३	२९	वृ.	३६	४५	५	१६	६	४४	२	२७	७	२९	५६	५२
३३	३७	११	बृ.	२१	५६	कृ.	२३	१३	गं.	४६	५१	बा	२१	५६	कौ.	५१	२४	लुम्ब	१४	२४	३०				५	१६	६	४४	२	२८	४	२३	५६	५२
३३	३६	१२	शु.	२०	५२	रो.	२३	५४	वृ.	४३	६	तै.	२०	५२	ग.	४९	४२	मित्र	१५	२५	३१	मि.	५३	३८	५	१६	६	४४	२	२९	१	१८	५६	५२
३३	३५	१३	श.	१८	३२	मृ.	२३	२३	ध्रु.	३८	२५	व.	१८	३२	वि.	४६	५२	वज्र	१६	२६	३२				५	१६	६	४४	२	२९	५८	१८	५६	५३
३३	३४	१४	र.	१५	१२	आ.	२१	५०	व्या	३१	५५	श.	१५	१२	च.	४३	५	ध्वांक्ष	१७	२७	१				५	१७	६	४३	२	०	५५	७	५६	५४
३३	३३	३०	चं.	१०	५८	पु.	१९	२९	ह.	१६	४५	ना.	१०	५८	किं	३८	२५	धूम्र	१८	२८	२	क.	५	४	५	१७	६	४३	२	१	५२	४	५६	५५

श्री शुभ संवत् २०१३ शुद्ध श्रावण कृष्णपक्षः। जुलाई ३ से २८ तक। सौम्यायनगोलौ। कर्कार्कतः याम्यायनम्। वर्षाऋतुः।

उत्तरायोगे या. ज. मु. स. सि. योगश्च।

भ. २२।४४ उ. ५४।४१ या.। दक्षिण यात्रा मु. भद्राप्राक्।
पुनर्भेऽर्कः १२।१८। पञ्चक प्रवृत्तिः १६।१०।

उग्र कर्म मु.। A आर्द्राभे भौमः २६।४।
भ. ९।१९ उ. ४१।३३ या.। सप्तमीयोगे या. ज. मु.। A
या. ज. मु. .ससि. योगः। मृगभे शुक्रः २।३।
पञ्चक समाप्तिः १३।४१। पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. रेवती B
भ. ५०।५८ उ.। स.सि.अ.सि. योगः प्राच्यां यात्रा मु.।
भ. २१।४५ या.। शनिः वक्री ४७।१३। C पूर्वस्याम् ३।९
कामदा ११ व्रतम् सर्वेषाम्। B भे। श्लेषायां बुधः ५६।४।
प्रदोषः। पुन.भे गुरुः ६।७ वक्री बुधः ३।९। उदयं गुरु C
भ. १८।३२ उ. ४६।५२ या.। कर्केऽर्कः ४३।३१। मास D
सौर श्रावणारम्भः। D शिवरात्रि व्रतम्

शुद्धश्रावण कृ. ३ भौमे. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	३	२	१	११	०	६
१९	३	१५	१८	१७	४	२८	२८
३२	१२	३४	१	३९	२२	१२	१२
३४	९	११	५	५२	३९	८	८
५६	४७	८१	११	७३	१	३	३
४८	१७	३४	५९	३४	१७	११	११

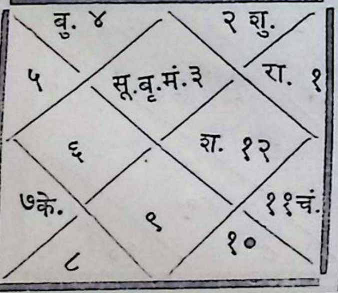

दैनिक लग्नसारिणी

ति	१ र.		२ चं.		३ मं.		४ बु.		५ बृ.		७ शु.		८ श.		९ र.		१० चं.		११ मं.		१२ व.		१२ बृ.		१३ शु.		१४ श.		ति.	१५ बृ.		३० शु.	
मि.	६	१२	६	८	६	४	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०	क.	७	३५	७	३१
क.	८	३१	८	२७	८	२३	५	१८	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९	सिं.	९	५०	९	४६
सिं.	१०	४६	१०	४२	१०	३८	१०	३४	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	६	१०	२	९	५८	९	५४	कं.	१२	४	१२	०
कं.	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	तु.	२	२१	२	१७
तु.	३	१७	३	१३	३	१०	३	५	३	१	२	५७	२	५३	२	४९	२	४५	२	४१	२	३६	८	३३	२	३०	२	२५	वृ.	४	३८	४	३४
वृ.	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८	५	१४	५	१०	५	६	५	२	४	५८	४	५४	४	५०	४	४६	४	४२	ध.	५	४३	६	३९
रा	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा	रा०		रा०	
ध.	७	३९	७	३५	७	३१	७	२७	७	२३	७	१९	७	१५	७	११	७	७	७	३	६	५९	६	५५	६	५१	६	४७	म.	८	२८	८	२४
म.	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३६	८	३२	कु.	१०	०	९	५६
कुं.	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४	मी.	११	२८	११	२४
मी.	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५६	११	५२	११	४८	११	४४	११	४०	११	३६	११	३२	मे.	१	६	१	२
मे.	२	२	१	५८	१	५४	१	५०	१	४६	१	४२	१	३८	१	३४	१	३०	१	२६	१	२२	१	१८	१	१४	१	१०	वृ.	३	२	२	१८
वृ.	३	५८	३	५४	३	५०	३	४६	५	४२	३	३८	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	३	१४	३	१०	३	६	सि.	५	१६	५	१२

शुद्ध श्रावण कृ. ९ भौमे इ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	३	२	१	११	०	६
२६	७	१६	१९	२५	४	२७	२७
१६	२४	५४	१२	४८	३०	४४	४४
०	३७	२५	१५	३३	३	३८	३८
५६	४४	३७ १५	११	७१	० २३	३	३
५३	३५	व.	४८	२५	व	११	११

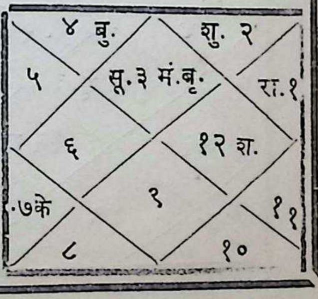

श्री शुभ संवत् २०२३ अधिक श्रावण शुक्लपक्षः। जुलाई १९ अगस्त १ तक। याम्यायनम् । सौम्यगोलः । वर्षाऋतुः ।

दि. घ.	मा. प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि
३३	३०	१	मं.	५	५३	पु.	१६	१९	व्र.	१३	५	वव	५	५३	वा.	३३	५	वर्धमान	१९	२९	३				५	१८	६	४२	३	२	४९	१	५६	५६
३३	२८	२	बु.	०/५३	१७/५८	श्ले.	१२	३६	सि.	१२	४३	कौ.	०	१७	तै.	२७/५४	१६/१५	रक्ष	२०	१	४	सिं.	१२	३६	५	१८	६	४२	३	३	४५	४९	५६	५६
३३	२६	४	बृ.	४८	२	म.	८	३४	व्य	५/५२	१४/१८	व.	२१	८	वि.	४८	२	मुशल	२१	२	५				५	१९	६	४१	३	४	४२	५८	५६	५७
३३	२४	५	शु.	४१	५१	पू.	४	२२	प.	४१	१८	वब	१४	५६	वा.	४१	५१	सिद्धि	२२	३	६	कं.	१८	२१	५	१९	६	४१	३	५	३९	५७	५६	५८
३३	२१	६	श.	३५	५३	उ.	०/५६	१६/९	शि.	४२	३४	कौ.	८	५२	तै.	३५	५३	उत्पात	२३	४	७				५	१९	६	४१	३	६	३६	५७	५६	५९
३३	१६	७	र.	३०	१८	चि.	५३	२	सि.	२५	१९	ग.	३	५	व.	३०/५७	१८/४६	पद्म	२४	५	८	तु.	२४	४३	५	२०	६	४०	३	७	३३	५७	५७	०
३३	१७	८	चं.	२५	१५	स्वा	५०	२०	सा.	२८	१३	वव	२५	१५	वा.	५३	९	छत्र	२५	६	९				५	२०	६	४०	३	८	३०	५९	५७	०
३३	१८	९	मं.	२१	४	वि.	४८	२९	शु.	१२	५९	कौ.	२१	४	तै.	४९	२६	श्रीवत्स	२६	७	१०	वृ.	३३	५७	५	२०	६	४०	३	९	२८	२	५७	२
३३	१२	१०	बु.	१७	४८	ऽनु.	४७	३७	शु.	१७	४८	ग.	१७	४८	व.	४६	४१	सौम्य	२७	८	११				५	२१	६	३९	३	१०	२५	६	५७	३
३३	१०	११	बृ.	५	३४	ज्ये.	४७	५२	ब्र.	१३	१७	वि.	१५	३४	वव	४५	४	काल	२८	९	१२	ध.	४७	५२	५	२१	६	३९	३	११	२२	११	५७	५
३३	८	१२	शु.	१४	३५	मू.	४९	२३	ऐं.	१०	५	वा.	१४	३५	कौ.	४४	४२	स्थिर	२९	१०	१३				५	२२	६	३८	३	१२	१९	१८	५७	५
३३	६	१३	श.	१४	५०	पू.	५२	११	वै.	७	४६	तै.	१४	५०	ग.	४५	३९	मातंग	३०	११	१४				५	२२	६	३८	३	१३	१६	२६	५७	७
३३	५	१४	र.	१६	२९	उ.	५६	९	वि.	६	१४	व.	१६	२९	वि.	४८	०	अमृत	३१	१२	१५	म.	८	१०	५	२३	६	३७	३	१४	१३	३५	५७	७
३३	२	१५	चं.	१९	१०	श्र.	६०	०	प्री.	५	५९	वव	१९	१०	वा.	५१	६	सिद्धि	१	१३	१६				५	२४	६	३६	३	१५	१०	४६	५७	८

चन्द्रदर्शनम् । बुधास्तः पश्चिमायाम् ४१।१७।

पुष्यभेर्कः १५।१९ । रवि उल अव्वल ।

भ. २१।८ उ. ४८।२ या.। आर्द्राभे शुक्र ५२।३७ ।

दक्षिण यात्रा मु.। सप्तमी योगे या. ज. मु.।

भ. ३०।१८ उ. ५७।४६ या. ।

नवमीयोगे या. ज. मु.।

पुन.भे गुरुः ४।४१ ।

भ. ४६।४१ उ.। स.सि.अ.सि. योगश्च। प्रतीच्यां यात्रा मु.।

भ. १५।३४ या.। कमला ११ व्रतं सर्वेषाम्।

प्रदोष aयोगः। व्रताय १५।

वक्रगत्या पुनर्वसौ बुध ५९।७

भ. १६।२९ उ. ४८।० या.। पूर्णिमायोगे या.ज.मु.। स.सि.a

अगस्त। दक्षिण यात्रा मु.। स्नान दानादौ १५।

अ. श्रावण शु.५ बुधे. इ. ०।०°

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	२	३	२	२	११	०	६
५	१४	११	२२	७	४	२७	२७
३९	२४	५४	१२	४९	१२	२१	२१
५७	३९	३५	१७	५१	३७	१३	१३
५६	४४	७३/१८	१३	७८	२	३	३
५८	३७	व.	३४	२३	व१	११	११

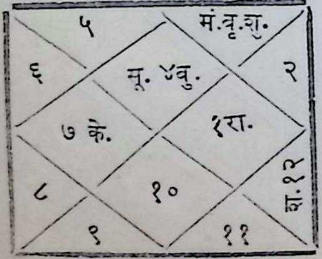

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.		२ बु.		४ बृ.		५ शु.		६ श.		७ र.		८ चं.		९ मं.		१० बु.		११ बृ.		१२ शु.		१३ श.		१४ र.		१५ चं.	
क. अं.	७	२८	७	२४	७	२०	७	१६	७	१२	७	९	७	५	७	१	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४१	६	३७
सिं. अं.	९	४३	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५६	८	५२
कं. अं.	११	५७	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२	११	३८	११	३४	१०	३०	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	६
तु. अं.	२	१४	२	१०	२	६	२	३	१	५९	१	५५	१	५१	१	४७	१	४३	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३
वृ. अं.	४	३१	४	२७	४	२४	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५२	३	४८	३	४४	३	४०
ध. अं.	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	८	६	४	६	०	५	५६	५	५३	५	४९	५	४५
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
म. अं.	८	२१	८	१७	८	१४	८	१०	८	६	८	२	७	५८	७	५४	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	७	३०
कुं. अं.	९	५३	९	४९	९	४५	९	४१	९	३८	९	३४	९	३०	९	२६	९	२२	८	१८	९	१४	९	१०	९	६	९	२
मी. अं.	११	२१	११	१७	११	१४	११	१०	११	६	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४२	१०	३८	१०	३४	१०	३०
मे. अं.	१२	५९	१२	५५	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८
वृ. अं.	२	५५	२	५१	२	४७	२	४४	२	४०	२	३६	२	३२	२	२८	२	२४	२	२०	२	१६	२	१२	२	८	२	४
मि. अं.	५	९	५	५	५	१	४	५८	४	५४	४	५०	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२	४	१८

अ. श्रावण शु. १५ चं. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	२	३	२	२	११	०	६
१५	२१	६	२४	१६	३	२७	२७
१५	१२	६	२९	०	५३	७	७
२८	३७	५	३७	१	५७	८	८
५७	४४	३७	१८	८०/२३	२	३	३
१०	३७	१८	२७	व.	व९	११	११

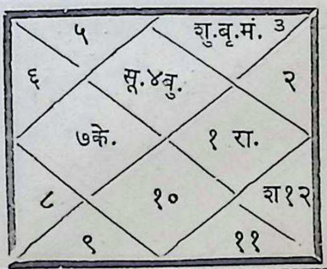

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घं.	प.	सू. उ. वं.	मि.	सू. अ. वं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३२	५७	१	मं.	२३	२	श्र.	१	११	आ.	६	२७	कौ.	२३	२	तै.	५५	१९	लुम्ब	२	१४	१७	कु.	३४	६	५	२५	६	३५	३	१६	७	५५	५७	८
३२	५५	२	बु.	२७	३६	ध.	७	२	सो.	७	३०	ग.	२७	३६	व.	६०	०	मित्र	३	१५	१८				५	२५	६	३५	३	१७	५	७	५७	१०
३२	५२	३	गु	३२	३६	श.	१३	२८	शो.	९	३	व.	०	६	वि	३२	३६	वज्र	४	१६	१९				५	२६	६	३४	३	१८	२	२१	५७	१२
३२	४९	४	शु.	३७	३६	पू.	२०	०	अ.	१०	४१	वव	५	६	वा.	३७	३६	ध्वांक्ष	५	१७	२०	मी.	३	२२	५	२६	६	३४	३	१८	५९	३५	५७	१३
३२	४६	५	श.	४२	१०	उ.	२६	१२	सु.	१२	६	कौ.	९	५३	तै.	४२	१०	धूम्र	६	१८	२१				५	२७	६	३२	३	१९	५६	५०	५७	१३
३२	४७	६	र.	४६	३	रे.	३१	४५	धृ.	१३	३	ग.	१४	६	व.	४६	३	वृद्धि	७	१९	२२	मे.	३१	४५	५	२७	६	३३	३	२०	५४	७	५७	१५
३२	४१	७	चं.	४८	४६	अ.	३६	२१	शू.	१३	१९	वि.	१७	२४	वव	४८	४६	रक्ष	८	२०	२३				५	२८	६	३२	३	२१	५१	२६	५७	१७
३२	३८	८	मं.	५०	२६	भ.	३९	५०	गं.	१२	४३	वा.	१९	३६	कौ.	५०	२६	मुशल	९	२१	२४	वृ.	५५	२४	५	२८	६	३२	३	२२	४८	४६	५७	१९
३२	३५	९	बु.	५०	४५	कृ.	४२	५	वृ.	११	८	तै.	२०	३५	ग.	५०	४५	सिद्धि	१०	२२	२५				५	२९	६	३१	३	२३	४५	७	५७	२०
३२	३२	१०	बृ.	४९	४८	रो.	४३	१	ध्रु.	८	३४	व.	२०	१६	वि.	४९	४८	उत्पात	११	२३	२६				५	२९	६	३१	३	२४	४३	३०	५७	२२
३२	३०	११	शु.	४७	३८	मृ.	४२	४६	व्या	४	५८	वव	१८	४३	वा.	४७	३८	मानस	१२	२४	२७	मि.	१२	५३	५	३०	६	३०	३	२५	४०	५५	५७	२४
३२	२७	१२	श.	४४	२५	आ.	४१	२५	ह.	० ५४	२६ ३६	कौ.	१६	१	तै.	४४	२५	मुद्गर	१३	२५	२८				५	३०	६	३०	३	२६	३८	२२	५७	२४
३२	२४	१३	र.	४०	१३	पुन.	३९	१७	सि.	४८	५९	ग.	१२	१९	व.	४०	१३	ध्वज	१४	२६	२९	क.	२४	४९	५	३१	६	२९	३	२७	३५	४८	५७	२५
३२	२२	१४	चं.	३५	१३	पु.	३६	१३	व्य	४२	१६	वि.	७	४३	श.	३५	१३	धाता	१५	२७	३०				५	३२	६	२८	३	२८	३३	१६	५७	२७
३२	१९	३०	मं.	२९	४१	श्ले.	३२	३९	व.	३५	३	च.	२	२७	ना.	२९ ५६	४१ ४२	आनंद	१६	२८	३१	सि.	३२	३९	५	३३	६	२७	३	२९	३०	४६	५७	२९

श्री शुभ संवत् २०२३ शके १८८८ अधिक श्रावण कृष्णपक्षः।
अगस्त १ से १६ तक। याम्यायनं सौम्यगोलः। वर्षाऋतुः।

दक्षिण यात्रा मु. ३४।६ प्राक्। पञ्चकारम्भः ३४।६। a
सार्पेऽर्कः १५।२०। बुधोदयः पूर्वस्याम् ५।१९।
भ. ०।६ उ. ३२।३६ या.। * योगे या. ज. मु.।

प्रतीच्यां यात्रा मु.। a पुन.भे. शुक्रः ६।९
भ. ४६।३ उ.। पञ्चक समाप्तः ३१।४५।
भ. १७।२४ या.। उदीच्यां यात्रा मु.१७।२४ उ.। भरणी-*

भ. २०।१६ उ. ४९।४८ या.।
दक्षिण पश्चिमयोः: यात्रा मु.। पुरुषोत्तमी ११ प्रायः सर्वेषाम्।
मार्गी बुधः ३५।४४। पुष्ये भृगुः ५६।१७।
भ. ४०।१३ उ.। प्रदोष। मास शिवरात्रि व्रतम्। या.ज.मु.।
भ. ७।४३ या.। नग्रगत्या पू.भा.भे४र्थ चरणे शनिः २।९।
वक्रगत्या भरणीभे राहुः विशाखा ३ चरणेकेतुः ७।१२।

अ. श्रा. कृ. ३ गुरौ इ ०।०

चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	२	३	२	२	११	०	६
१८	२३	८	२५	२४	३	२७	२७
२	२४	१	२३	४०	४७	१६	१६
२१	४४	४७	२५	३१	५१	४१	४१
५७	४४	३८	१२	३१		३	३
१२	३५	१५	२५	२५	व	११	११

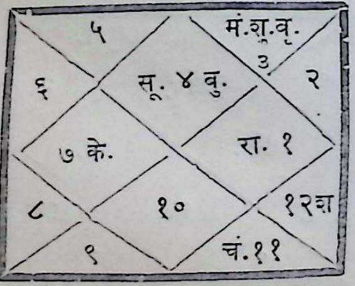

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१मं.		२बु.		३ बृ.		४ शु.		५ श.		६ र.		७ चं.		८ मं.		९ बु.		१०बृ.		११ शु.		१२ श.		१३ र.		१४ चं.		३० मं.	
क. अं.	६	३३	६	२९	६	२६	६	२२	६	१८	६	१४	६	१०	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८
सिं. अं.	८	४८	८	४४	८	४०	८	३७	८	३३	८	२९	८	२५	८	२१	८	१७	८	२३	८	९	८	५	८	१	७	५७	७	५३
कं. अं.	११	२	१०	५८	१०	५५	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	२९	१०	१५	१०	११	१०	७
तु. अं.	१	१९	१	१५	१	११	१	८	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	२०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४
वृ. अं.	३	३६	३	३२	३	२८	२	२५	३	२१	३	१७	३	१३	३	९	३	५	३	१	२	५७	१	५३	२	४९	२	४७	२	४१
ध. अं.	५	४१	५	३७	५	३३	५	२०	५	२६	५	२२	५	१८	५	१४	५	१०	५	६	५	२	४	५८	४	५४	४	५०	४	४६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
म. अं.	७	१६	७	२२	७	१२	७	१५	१	११	७	७	७	३	६	५९	६	५५	६	५१	६	४७	६	४३	६	३९	६	३५	६	३१
कुं. अं.	८	५८	८	५४	८	५०	८	४७	८	४३	८	३९	८	३५	८	३१	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	१३	८	७	८	३
मी. अं.	१०	२६	१०	२२	१०	१२	१०	१४	१०	१०	१०	७	७	३	९	५९	९	५५	९	५१	९	४७	९	४३	९	३९	९	३५	९	३१
मे. अं.	१२	४	१२	०	१२	५६	११	५२	११	४८	११	४४	११	४०	११	३६	११	३२	११	२८	११	२४	११	२०	११	१७	११	१३	११	९
वृ. अं.	२	०	१	५६	१	५२	१	४८	१	४४	१	४१	१	३७	१	३३	१	२९	१	२५	१	२१	१	१७	१	१३	१	९	१	५
मि. अं.	४	१४	४	१०	४	६	४	३	३	५९	३	६५	३	५१	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५	३	३१	३	२७	३	२३	३	१९

अ. श्रा. कृ. १० गुरौ. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	२	३	२	३	११	०	६
२४	२७	९	२६	१	३	२६	२६
४९	३६	३०	३५	५४	३०	४०	४
४७	४५	१३	५७	१३	६०	३९	३९
५७	४६	[illegible]	१८	७२	व	३	३
२२	२३	मा.	३७	३३	[illegible]	११	११

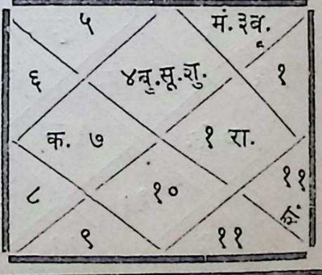

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३१	२६	१	वु.	६०	०	श.	३०	५०	सु.	२७	३४	वा.	२९	१०	कौ	६०	०	मानस	३१	१४	१४				५	४३	६	१७	४	१३	५७	१४	५८	२
३१	२३	१	वृ.	१	५७	पू.	३७	१५	धृ.	१९	५५	कौ.	१	५७	तै.	३४	३०	मुद्गर	१	१५	१५	मी.	२०	३९	५	४४	६	१६	४	१४	५५	१८	५८	४
३१	१९	२	शु.	७	३	उ.	४३	४५	शू.	१२	२७	ग.	७	३	व.	३९	२३	ध्वज	२	१६	१६				५	४४	६	१६	४	१५	५३	२३	५८	१५
३१	१६	३	श.	११	४३	रे.	४९	४८	गं.	६ / ५९	४३ / ४२	वि.	११	४३	वव	४३	४०	धाता	३	१७	१७	मे.	४९	४८	५	४५	६	१५	४	१६	५१	१९	५८	६
३१	१३	४	र.	१५	३८	अ.	५४	९	ध्रु.	५०	४२	वा.	१५	३८	कौ.	४७	४	आनंद	४	१८	१८				५	४५	६	१५	४	१७	४९	३७	५८	७
३१	९	५	चं.	१८	३१	भ.	५७	५५	व्या	४४	३५	तै.	१८	३१	ग.	४९	२२	चर	५	१९	१९				५	४५	६	१५	४	१८	४७	४५	५८	८
३१	५	६	मं.	२०	१४	कृ.	६०	०	ह.	३९	१०	व.	२०	१४	वि.	५०	२८	गद	६	२०	२०	वृ.	१३	३३	५	४६	६	१४	४	१९	४५	५६	५८	१०
३१	३	७	वु.	२०	४३	कृ.	०	२६	व.	३४	३४	वव	२०	४३	वा.	५०	१७	सिद्धि	७	२१	२१				५	४६	६	१४	४	२०	४४	८	५८	१२
३१	०	८	वृ.	१९	५२	रो.	१	३९	सि.	३८	५७	कौ.	१९	५२	तै.	४८	४७	उत्पा.	८	२२	२२	मि.	३१	४९	५	४६	६	१४	४	२१	४२	२१	५८	१४
३०	५७	९	शु.	१७	५२	मृ.	१	४१	व्य.	२८	१८	ग.	१७	५२	व.	४६	१५	मानस	९	२३	२३				५	४७	६	१३	४	२२	४०	३७	५८	१६
३०	५४	१०	श.	१४	४३	आ.	० / ५७	३५ / २	व.	२६	४०	वि.	१४	४३	वव	४२	४२	मुद्गर	१०	२४	२४	क.	४४	४	५	४८	६	१२	४	२३	३८	५३	५८	१९
३०	५०	११	र.	१०	४१	पु.	५५	४१	प.	२६	५९	वा.	१०	४१	कौ.	३८	१४	श्रीवत्स	११	२५	२५				५	४९	६	११	४	२४	३७	१५	५८	२१
३०	७	१२	चं.	५	४७	श्ले	५२	११	शि.	२६	१४	तै.	५	४७	ग.	३३	३	सौम्य	१२	२६	२६	सिं.	५२	११	५	५०	६	१०	४	२५	३५	३९	५८	२४
३०	४३	१३	मं.	० / ५४	१९ / ७	म.	४८	१६	सि	२९	७	व.	०	१९	वि	२७ / ५४	२२ / २६	कालदं.	१३	२७	२७				५	५१	६	९	४	२६	३४	४	५८	२६
३०	३९	३०	वु.	४८	२१	पू.	४४	५	सा.	२८	३०	च.	२१	२३	ना.	४८	२१	स्थिर	१४	२८	२८	कं.	५८	२	५	५२	६	८	४	२७	३२	३१	५८	२८

श्री शुभ संवत् २०२३ शके १८८८ भाद्रपद कृष्णपक्षः।
अगस्त ३१ से सितम्बर १४ तक। याम्यायन सौम्यगोलः०

पूर्वाफाल्गुन्यामर्कः २।२१ । ०वर्षाऋतुः।
सितम्बर । h कज्जली ३ । सिंहे शुकः ३६।४४।
भ. ३९।२३ उ. । रेवती योगे स. सि. अ. सि. योगश्च h
भ. ११।४३ या.। पंचक समाप्त ४९ । ४८ । गणेश४ व्रतम् ।
स. सि. योगः । प्राच्यां यात्रा मु. ।
या. ज. मु. १८।३१ या. ।
भ. २०।१४ उ. ५०।२८ या. । स.सि. योगः। हल ६। पू.फा.भे d
स.सि. योगः०।२६ उ.। श्रीकृष्ण जन्माष्टमीव्रतम् स्मार्तानाम्।
प्राच्यां यात्रा मु. । श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रतम् वैष्णवानाम् ।
भ. ४६।१५ उ. । श्लेषाभे भौमः ४६।१३ ।
भ. १४।४३ या. d पुष्ये गुरुः ३।९ पू.फा.भे शुक्रः ३९।४
जया ११ व्रतं सर्वेषाम्। स.सि. योगः ।
प्रदोषः। उ.फा. भे बुधः ४४।१७ ।
मास शिवरात्रिव्रतम् । भ. ०।१९ उ.२७।२२ या. । उत्तरा d
कुशोत्पाटिनी ३० । d फाल्गुन्यामर्क ४८।२२ ।

भाद्र. कृष्ण १ वुधे इ. १०।३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	३	४	३	३	११	०	६
१४	१०	५	०	२६	१	२५	२५
२	३५	१२	५३	११	५	२६	२६
२९	५५	२	५७	५१	५०	३९	३९
५७	४६	१०१	१३	८०	२ / ५	३	३
५८	१५	३५	१७	१५	व.	११	११

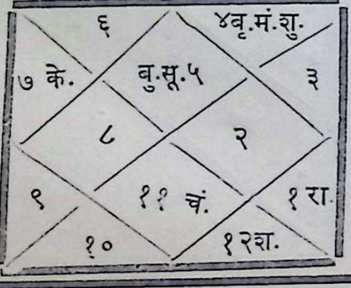

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.	२बृ.	३शु.	४श.	५र.	५चं.	६मं.	७बु.	८बृ.	१०शु.	११श.	१२र.	१३ चं.	१४मं.	३०बु.
सिं. अं.	६ ५९	६ ५६	६ ५२	६ ४८	६ ४४	६ ४०	६ ३६	६ ३२	६ २९	६ २६	६ २२	६ १८	६ १४	६ १०	६ ७
क. अं.	९ १३	९ १०	९ ७	९ ३	८ ५९	८ ५६	८ ५२	८ ४८	८ ४५	८ ४१	८ ३७	८ ३३	८ २९	८ २५	८ २१
तु. अं.	११ ३०	११ २७	११ २४	११ २०	११ १६	११ १२	११ ८	११ ४	११ ०	१० ५७	१० ५४	१० ५०	१० ४६	१० ४२	१० ३९
वृ. अं.	१ ४७	१ ४३	१ ४०	१ ३७	१ ३४	१ ३०	१ २७	१ २४	१ २०	१ १६	१ १३	१ ९	१ ५	१ १	१२ ५७
ध. अं.	३ ५२	३ ४८	३ ४४	३ ४१	३ ३७	३ ३४	३ ३०	३ २७	३ २३	३ १९	३ १५	३ ११	३ ७	३ ४	३ ०
म. अं	५ ३७	५ ३३	५ ३०	५ २६	५ २२	५ १८	५ १४	५ ११	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५७	४ ५३	४ ५०	४ ४६
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
कुं. अं.	७ ९	७ ६	७ २	६ ५९	६ ५६	६ ५२	६ ४८	६ ४४	६ ४१	६ ३८	६ ३४	६ ३०	४ २६	६ २२	४ १८
मी. अं.	८ ३७	८ ३४	८ ३०	८ २६	८ २२	८ १९	८ १५	८ ११	८ ८	८ ४	८ ०	७ ५६	७ ५३	७ ५०	७ ४६
मे. अं.	१० १५	१० १२	१० ९	१० ६	१० २	९ ५८	९ ५४	९ ५१	९ ४७	९ ४३	९ ४०	९ ३६	९ ३२	९ २८	९ २४
वृ. अं.	१२ ११	१२ ८	१२ ४	१२ ०	११ ५७	११ ५४	११ ५०	११ ४७	११ ४३	११ ४०	११ ३६	११ ३२	११ २८	११ २४	११ २०
मि. अं.	२ २६	२ २३	२ २०	२ १६	२ १२	२ ८	२ ४	२ ०	१ ५७	१ ५४	१ ५०	१ ४६	१ ४२	१ ३८	१ ३४
क. अं.	४ ४४	४ ४०	४ ३६	४ ३३	४ ३०	४ २६	४ २२	४ १८	४ १५	४ ११	४ ७	४ ३	४ ०	३ ५६	३ ५३

भा. कृ. १० शनौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	३	४	३	४	११	०	६
२३	१७	२२	२	८	०	२४	२४
४३	०	२९	४८	२४	४७	४९	४९
४२	५	४९	३५	५६	५७	९	९
५८	४६	११२	१२	७९	२	३	३
६९	३१	३५	४५	३५	५	११	११

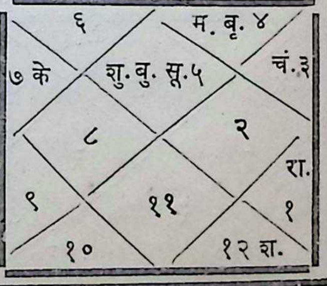

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	व. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.
३०	३५	१	बृ.	४२	५	उ.	३९	५३	शु.	३०	४	किं.	१५	१३	वव	४२	५	मातग	१५	२९	२९				५	५३	६	७	४	२८	३१	०	५८	३०
३०	३१	२	शु.	३६	१८	ह.	३५	४९	शु.	३१	४१	वा.	९	११	कौ.	३६	१८	अमृत	१६	३०	३०				५	५४	६	६	४	२९	२९	३२	५८	३२
३०	२७	३	श.	३०	४५	चि.	३२	११	ब्र.	३२	३२	तै.	३	३८	ग.	३० ५८	४५ १३	काग	१७	१	३१	तु.	४	०	५	५४	६	६	५	०	२८	५	५८	३४
३०	२३	४	र.	२५	४२	स्वा.	२९	६	ऐं.	३२	५३	वि.	२५	४२	वव	५३	३७	लुम्ब	१८	२	१				५	५६	६	४	५	१	२६	४१	५८	३७
३०	१९	५	चं.	२१	३२	वि.	२६	५३	वै.	३२	२५	वा.	२१	३२	कौ.	४९	५२	मित्र	१९	३	२	वृ.	१२	२६	५	५७	६	३	५	२	२५	१९	५८	३८
३०	१४	६	मं.	१८	१३	ऽनु.	२५	२६	वि.	३१	४	तै.	१८	१२	ग.	४७	४	वज्र	२०	४	३				५	५७	६	३	५	३	२३	५९	५८	४२
३०	१२	७	बु.	१५	५७	ज्ये.	२५	५	प्री.	२८	३८	व.	१५	५७	वि.	४५	२७	ध्वांक्ष	२१	५	४	ध.	२५	५	५	५७	६	३	५	४	२२	४२	५८	४४
३०	४	८	बृ.	१४	५७	मू.	२५	५८	आ.	२५	१४	वव	१४	५७	वा.	४५	५	धूम्र	२२	६	५				५	५९	६	१	५	५	२२	२७	५८	४६
३०	०	९	शु.	१५	१३	पूषा	२८	५	सौ.	२०	५०	कौ	१५	१३	तै.	४६	२	वर्धमा.	२३	७	६	म.	४३	५६	६	०	६	०	५	६	२०	१४	५८	४८
२९	५९	१०	श.	१६	५१	उषा	३१	३१	शो.	१३	३७	ग.	१६	५१	व.	४८	१३	रक्ष	२४	८	७				६	१	५	५९	५	७	१९	३	५८	५०
२९	५७	११	र.	१९	३६	श्र.	३६	२	अ.	९	३९	वि.	१९	३६	वव	५१	३२	गद	२५	९	८				६	१	५	५९	५	८	१७	५४	५८	५३
२९	५४	१२	चं.	२३	२८	ध.	४१	३२	सु.	३ ५२	५०	वा.	२३	२८	कौ.	५५	५७	शुभ	२६	१०	९	कुं.	८	४७	६	२	५	५८	५	९	१६	४७	५८	५६
२९	५०	१३	मं.	२८	७	श.	४७	४१	शू.	४८	२१	तै.	२८	७	ग.	६०	०	मृत्यु	२७	११	१०				६	३	५	५७	५	१०	१५	४४	५८	५८
२९	४७	१४	बु.	३३	१४	पू.	४४	१३	गं.	४०	३८	ग.	०	४०	व.	३३	१४	पद्म	२८	१२	११	मी.	३७	३५	६	३	५	५७	५	११	१४	४२	५९	५९
२९	४३	१५	बृ.	३८	२७	उ.	६०	०	वृ.	३८	५१	वि.	५	५०		३८	२७	छत्र	२९	१३	१२				६	४	५	५६	५	१२	१३	४३	५९	२

श्री शुभ संवत् २०२३ शके १८८८ भाद्रपद शुक्लपक्षः ।
सितम्बर १५ से २९ तक। याम्यायनम् । सौम्यगोलः। वर्षाऋतुः ।

यायी जय मु. । मघायां सिंह बुधः २।९ ।
दक्षिण पूर्व यात्रा मु. । चन्द्रदर्शनम् । b आश्विनारम्भः ।
भ. ५८।१३ उ। कन्यायामर्कः १३।९। हरतालिका ३ व्रतम् । a
भ.२५।४२ या. । पञ्चमी स्वाती योगे या. ज. मु.। सौर b
ऋषि पञ्चमी व्रतम् । अनु. भे प्रतीच्यां यात्रा मु. उदीच्यामपि ।
अर्कषष्ठी व्रतम् । हस्ते बुधः ३६।७ ।
भ. १५।५७ उ. ४५।२७ या. ।
a जमादि उस्सानी । गणेश ४ व्रतम् ।
d यात्रा मु. स. सि. योग ः ।
भ. ४८।८।१३ उ. । एकादशी योगे या. जय. मु. । श्रवसि दक्षिण d
भ.१९।३६ या.। पद्मा ११ व्रतं सर्वेषाम् । उ.फा. भे शुक्रः ३।३९ ।
पञ्चकार[illegible]ः ८।४७ । प्रदोष । घनिष्ठा भे पश्चिम यात्रा मु. ।
हस्त भे र्कः २६।२३ । बुधोदयः पश्चिमायाम् ४।९ ।
भ. ३३।१४ उ. । अनन्त १४ व्रतम् ।
भ. ५।५० या. । महालयारम्भः ।

भाद्रपद शु. ६ भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	३	५	३	४	११	०	६
३	२३	१०	४	२०	०	२४	२४
२८	१२	११	३५	४७	२९	११	११
३२	७	५९	५२	५१	५९	७	७
५८	४४	११६	१२	७८	२	३	३
४२	१५	१५	३५	२२	५	११	११

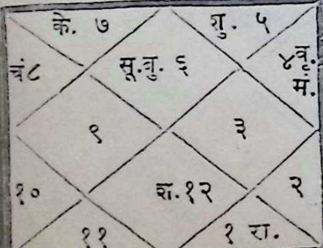

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.		२ शु.		३ श.		तिथयः	४ र.		५ चं.		६ मं.		७ बु.		८ बृ		९ शु.		१० श.		११ र.		१२ चं.		१३ मं.		१४ बु.		१५ बृ.	
सिं. अं.	६	४	६	०	५	५६	कं. अं.	८	७	८	३	८	०	७	५६	७	५२	७	४९	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	७	३०	७	२५
कं अं.	८	५८	८	१४	८	१०	तु. अं.	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०	९	५७	९	५४	९	५०	९	४७	९	४२
तु. अं.	१०	३५	१०	३१	१०	२७	वृ. अं.	१२	४०	१२	३६	१२	३३	१२	३०	१२	२६	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	१०	१२	७	१२	३	११	५९
वृ. अं.	१२	५२	१२	४८	१२	४४	ध. अं.	२	४५	२	४२	२	३८	२	३४	२	३१	२	२७	२	२४	२	२०	२	१६	२	१२	२	८	२	४
ध. अं.	२	५७	२	५३	२	४९	म. अं.	४	३०	४	२६	४	२३	४	२०	४	१७	४	१३	४	९	४	५	४	१	३	५७	३	५३	३	४९
म. अं.	४	४२	४	३८	४	३४	कुं. अं.	६	२	५	५८	५	५५	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३७	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२
राशयः	रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कु. अं.	६	१४	६	१०	६	६	मी. अं.	७	३०	७	२७	७	२४	७	२०	७	१६	७	१२	७	८	७	४	७	०	६	५७	६	५३	६	४९
मी. अं.	७	४२	७	३८	७	३४	मे. अं.	९	८	९	४	९	०	८	५७	८	५४	८	५०	८	४७	८	४३	८	३९	८	३५	८	३१	८	२७
मे. अं.	९	२०	९	१६	९	१२	वृ. अं	११	४	११	०	१०	५७	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४२	१०	३८	१०	३४	१०	३०	१०	२७	१०	२३
वृ. अं.	११	१६	११	१२	११	८	मि. अं.	१	१८	१	१४	१	१०	१	६	१	२	१२	५९	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४५	१२	४१	१२	३७
मि. अं.	१	३०	१	२६	१	२२	क. अं.	३	३८	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	३	१४	३	११	३	८	३	४	३	०	२	५६
क. अं.	३	४९	३	४५	३	४१	सिं. अं.	५	५३	५	४९	५	४५	५	४२	५	३८	५	३५	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०	५	१६	५	१२

भाद्रपद शु. १३ भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	३	५	३	४	१०	०	६
१०	२७	२०	५	२९	२९	२३	२३
१५	२४	१४	५०	२२	४६	५३	५३
४४	१८	१३	४४	५२	५४	५०	५०
५८	४४	११३	९	८३	४ ३	३	३
५८	७	२९	५०	४१	व.	११	११

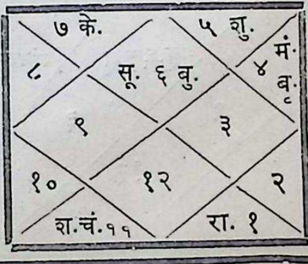

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं.	रा.	प्र.	सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः		श्री शुभ संवत् २०२३ शके१८८८ आश्विन कृष्णपक्षः। सित. ३०से अक्टू.१४ तक। याम्यायनम्। सौम्यगोलः। शरद्ऋतुः।
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	
२९	३४	१	शु.	४३	११	रे	०	३७	ध्रु.	२५	१०	वा.	१०	४३	कौ.	४३	११	ध्वज	३०	१४	१३	मे	०	३७	६	५	५	५५	५	१३	१२	४६	५९	४	रेवत्यां स. सि. अ. सि. योगः। उदीच्यां यात्रा मु.। शुक्रास्त a
२९	३०	२	श.	४७	१६	अ.	६	३०	व्या	१७	४७	त.	१५	१३	ग.	४७	१६	धाता	१	१५	१४				६	६	५	५४	५	१४	११	५०	५९	७	अक्टूबर। रेवत्यां पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.। सिंहे भौमः ०।१९
२९	३६	३	र.	५०	१३	भ.	११	३७	ह.	१०	५०	व.	१८	४४	वि.	५०	१३	आनन्द	२	१६	१५	वृ.	३१	१९	६	६	५	५४	५	१५	१०	५६	५९	१०	भ. १८।४४ उ.५०।१३ या.। स.सि. योगः। भरणी भे या.*
२९	२३	४	चं.	५२	९	कृ.	१५	३७	व.	४ ५२	२९ १८	वव	२१	२१	वा.	५२	३	चर	३	१७	१६				६	७	५	५३	५	१६	१०	६	५९	१२	कन्यायां बुधः ४।४४। a पूर्वस्याम् ४५।२३।
२९	१९	५	मं.	५२	४०	रो.	१८	२७	व्य.	५३	५६	कौ.	२२	२४	तै.	५२	४०	गद	४	१८	१७	मि.	५०	१२	६	८	५	५२	५	१७	९	१८	५९	१४	स. सि. योगः। पुण्ये गुरुः १४।१७। * या. ज. मु.।
२९	१५	६	बु.	५१	५४	मृ.	२०	२	व.	४९	५८	ग.	२२	१७	व.	५१	५४	शुभ	५	१९	१८				६	८	५	५२	५	१८	८	३३	५९	१६	भ. ५१।५४ उ.। स. सि. योगः।
२९	१२	७	बृ.	४९	५५	आ.	२०	२२	प.	४७	१	वि.	२०	५४	वव	४९	५५	मृत्यु	६	२०	१९				६	९	५	५१	५	१९	७	४६	५९	१८	भ. २०।५४ या.। d समाप्तम्।
२९	८	८	शु.	४६	५४	पुन	१९	३४	शि.	४५	३	वा.	१८	२४	कौ	४६	५४	पद्म	७	२१	२०	क.	३	१२	६	१०	५	५०	५	२०	७	७	५९	१८	दक्षिणस्यां यात्रा मु.। जीवितपुत्रिका व्रतम्। महालक्ष्मी व्रतं d
२९	५	९	श.	४२	५६	पु.	१७	४५	सि.	४४	६	तै.	१४	५५	ग.	४२	५६	छत्र	८	२२	२१				६	१०	५	५०	५	२१	६	२७	५९	२०	प्रतीच्यां यात्रा मु.। मातृनवमी।
२९	२	१०	र.	३८	९	श्ले	१५	४	सा.	४४	२	व.	१०	३२	वि.	३८	९	श्रीवत्स	९	२३	२२	सिं.	१५	४	६	११	५	४९	५	२२	५	४९	५९	२३	भ. १०।३२ उ. ३८।९ या.। स.सि. योगः। हस्ते शुक्रः ५।४४।
२९	०	११	चं.	३२	४५	म.	११	४४	शु.	४४	४३	वव	५	२७	वा.	३२	४५	सौम्य	१०	२४	२३				६	११	५	४९	५	२३	५	१५	५९	२६	चित्रायामर्कः ५४।२४। इन्दिरा ११ व्रतंसर्वेषाम्।
२८	५७	१२	मं.	२६	५७	पू.	७	५३	शु.	४५	५५	कौ.	०	६	तै.	२६ ५३	५७ ५७	कालदं.	११	२५	२४	कं.	१७	४४	६	१२	५	४८	५	२४	४	४४	५९	२८	प्रदोषः।
२८	५३	१३	बु.	२०	५८	उ	३ ५५	४८ ४४	व्र.	४७	२८	व.	२०	५८	वि.	४७	५६	स्थिर	१२	२६	२५				६	१३	५	४७	५	२५	४	१३	५९	३७	भ. २०।५८ उ. ४७।५६ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्।
२८	५०	१४	बृ.	१४	५४	ह.	५५	२७	ऐं.	४८	५०	श,	१४	५४	च.	४१	५८	रक्ष	१३	२७	२६				६	१४	५	४६	५	२६	३	४५	५९	३२	श्राद्धादौ ३०।
२८	४६	३०	शु.	९	२	चि.	५१	४४	वै.	४९	५५	ना.	९	२	किं.	३६	१८	मुशल	१४	२८	२७	तु.	२३	३५	६	१५	५	४५	५	२७	३	१८	५९	३४	पितृ विसर्जनम्। विशाखा भे बुधः ५८।२३।

आ. कृ. १ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	३	५	३	५	१०	०	६
१३	२९	२६	६	३	२९	२३	२३
१७	३६	५४	०	१२	४२	४४	४४
११	३	५	१	५	९	८	८
५९	४४	११६	१०	८२	व	३	३
५	१३	३५	२१	१५	४ ५	११	११

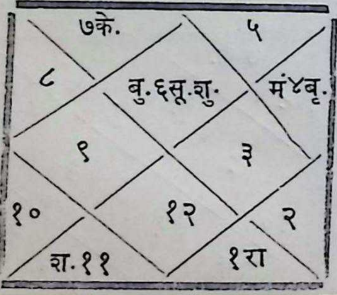

वैनिकलग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.	२ श.	३ र.	४ चं.	५ मं.	६ बु.	७ बृ.	८ शु.	९ श.	१० र.	११ चं.	१२ मं.	१३ बु.	१४ बृ.	३० शु.
कं. अं	७ २२	७ १९	७ १५	७ ११	७ ८	७ ४	७ ०	६ ५७	६ ५३	६ ५०	६ ४६	६ ४२	६ ३८	६ ३४	६ ३१
तु. अं.	९ ३९	९ ३६	९ ३२	९ २८	९ २५	९ २१	९ १७	९ १४	९ १०	९ ६	९ ३	९ ०	८ ५६	८ ५२	८ ४८
वृ. अं.	११ ५६	११ ५२	११ ४८	११ ४५	११ ४२	११ ३८	११ ३५	११ ३१	११ २७	११ २४	११ २०	११ १६	११ १२	११ ८	११ ४
ध. अं.	२ १	१ ५७	१ ५४	१ ५०	१ ४६	१ ४३	१ ४०	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २४	१ २१	१ १७	१ १४	१ १०
म. अं.	३ ४६	३ ४२	३ ३९	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २४	३ २१	३ १६	३ १२	३ ९	३ ६	३ २	२ ५८	२ ५५
कुं. अं.	५ १८	५ १४	५ ११	५ ८	५ ५	५ २	४ ५८	४ ५४	४ ५१	४ ४७	४ ४३	४ ३९	४ ३५	४ ३१	४ २७
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मी. अं.	६ ४६	६ ४२	६ ३८	६ ३४	६ ३१	६ २७	६ २४	६ २०	६ १७	६ १४	६ १०	६ ६	६ २	५ ५८	५ ५५
मे. अं.	८ २४	८ २०	८ १६	८ १३	८ १०	८ ६	८ २	७ ५९	७ ५६	७ ५२	७ ४८	७ ४४	७ ४०	७ ३६	७ ३३
वृ. अं.	१० २०	१० १७	१० १४	१० १०	१० ६	१० २	९ ५८	९ ५५	९ ५१	९ ४७	९ ४४	९ ४०	९ ३६	९ ३२	९ २९
मि. अं.	१२ ३४	१२ ३०	१२ २७	१२ २४	१२ २०	१२ १७	१२ १४	१२ १०	१२ ७	१२ ४	१२ ०	११ ५६	११ ५३	११ ४९	११ ४४
क. अं.	२ ५३	२ ५०	२ ४६	२ ४२	२ ३८	२ ३५	२ ३२	२ २८	२ २५	२ २१	२ १७	२ १३	२ ९	२ ५	२ २
सिं. अं.	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५७	४ ५४	४ ५०	४ ४७	४ ४४	४ ४०	४ ३६	४ ३२	४ २८	४ २४	४ २०	४ १७

आ. कृ. ११ चन्द्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	४	६	३	५	१०	०	६
२३	५	१४	७	१५	२८	२३	२३
१०	३०	२४	१८	३०	५४	६	६
१	५	५३	४७	५	३५	३८	३८
५९	४४	११४	८	७८	व.	३	३
२७	२१	२५	२५	२५	४ ३५	११	११

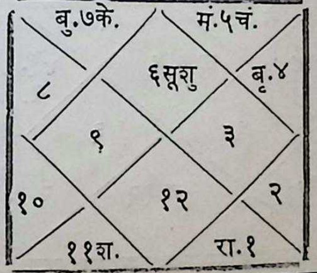

श्री शुभ संवत् २०२३ शके १८८८ आश्विन शुक्लपक्षः।
अक्टूबर १५ से २९ तक। याम्यायनगोलौ। शरद्ऋतुः।

दि. मा.		ति.	वा.			न.			यो.			क.			क.			योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.			घ.	प.		घ.	प.		घ.	प.		घ.	प.		घ.	प.					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२८	४३	१	श.	द३/द	३५/२	स्वा	४८	३०	वि	५०	६	वव	३	३५	वा.	३१/५८	६/३७	सिद्धि	१५	२९	२८				६	१६	५	४४	५	२८	२	५४	५९	३७
२८	४०	३	र.	५४	३२	वि.	४६	२	प्री.	४८	५६	तै.	२६	३४	ग.	५४	३२	उत्पात	१६	१	२९	वृ.	३१	३९	६	१७	५	४३	५	२९	२	३३	५९	३९
२८	३६	४	चं.	५१	१७	ऽनु	४४	२२	आ.	४६	४३	व.	२२	५४	वि	५१	१७	मानस	१७	२	३०				६	१७	५	४३	६	०	२	१५	५९	४२
२८	३२	५	मं.	४९	८	ज्ये.	४३	४७	सौ.	४३	३०	वव	२०	१२	वा.	४९	८	मुद्गर	१८	३	१	ध.	४३	४७	६	१८	५	४२	६	१	१	५८	५९	४४
२८	२८	६	बु.	४८	१०	मू.	४४	२२	शो.	३९	१८	कौ.	१८	३९	तै.	४८	१०	ध्वज	१९	४	२				६	१९	५	४१	६	२	१	४३	५९	४६
२८	२५	७	बृ.	४८	२९	पू.	४६	१४	अ.	३४	१३	ग.	१८	१९	व.	४८	२९	धाता	२०	५	३				६	२०	५	४०	६	३	१	३०	५९	४८
२८	२१	८	शु.	५०	१४	उ.	४९	१९	सु.	२८	२७	वि.	१९	२१	वव	५०	१४	आनंद	२१	६	४	म.	२	०	६	२०	५	४०	६	४	१	१९	५९	५०
२८	१७	९	श.	५३	२	श्र.	५३	३१	धृ.	२९	५०	वा.	२१	३८	कौ.	५३	२	स्थिर	२२	७	५				६	२१	५	३९	६	५	१	५०	५९	५२
२८	१३	१०	र.	५७	१	ध.	५८	४८	शू.	१४	१९	तै.	२५	१	ग.	५७	१	मातंग	२३	८	६	कुं.	२६	३९	६	२२	५	३८	६	६	१	५	५९	५५
२८	१०	११	चं.	६०	०	श.	६०	०	गं.	द७/२	८/७	व.	२९	२४	वि.	६०	०	अमृत	२४	९	७				६	२३	५	३७	६	७	१	०	५९	५७
२८	७	११	मं.	१	४७	श	४	४८	ध्रु.	५१	२९	वि.	१	४७	वव	३४	२३	मृत्यु	२५	१०	८	मी.	५४	३९	६	२४	५	३६	६	८	०	५९	६०	०
२८	४	१२	बु.	६	५९	पू.	११	१६	व्या	४३	४५	वा.	६	५९	कौ.	३९	३८	पद्म	२६	११	९				६	२४	५	३६	६	९	१	०	६०	२
२८	०	१३	बृ.	१२	१७	उ.	१७	४४	हृ.	३६	१३	तै.	१२	१७	ग.	४४	४३	छत्र	२७	१२	१०				६	२५	५	३५	६	१०	१	२	६०	४
२७	५७	१४	शु.	१७	९	रे.	२३	५१	व.	२९	२	व.	१७	९	वि.	४९	१२	श्रीवत्स	२८	१३	११	मे.	२३	५१	६	२६	५	३४	६	११	१	७	६०	६
२७	५३	१५	श.	२१	१६	अ.	२९	९	सि.	२५	४४	वव	२१	१६	वा.	५२	४७	सौम्य	२९	१४	१२				६	२७	५	३३	६	१२	१	१४	६०	८
+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+

प्रतिपदायां या.ज. मु.। शारदीय नवरात्रारम्भः। चन्द्रदर्शनम्।
अनु. भे या. ज. मु. तृतीया योगे। जमादि उस्सानी।
भ. २२।५४ उ.५१।१७। या. तुलायामर्कः ३८।२८।
सरस्वत्यावाहनम् रात्रौ मूल भे। सौर कार्तिकारम्भः।

भ. ४८।२९ उ.। eअ. सि. योगः। उदीच्यां यात्रा मु.।
भ. १९।२१ या.। महाष्टमी व्रतम्। वृश्चिके बुधः ६।४४
दक्षिण यात्रा मु.। स. सि. योगः। सरस्वती विसर्जनम्।
पञ्चकारम्भः २६।३९। विजया १० dस्वात्यां शुक्रः ४८।२४।
भ. २९।२४ उ.। स्वात्यामर्कः १९।२५।
भ. १।४७ या.। पापाङ्कुशा ११ व्रतं सर्वेषाम्।
प्रदोष।

भ. १७।९ उ. ४९।१२ या.। पञ्चक समाप्त २३।५१। स.सि.e
उदीच्यां यात्रा मु.। शरद्पूर्णिमा पू.फा. भे भौमः ९।४५d

आश्विन शु. ७ गुरौ. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के
६	४	६	३	५	१०	०	६
३	९	२८	८	२८	२८	२२	२२
६	३०	५	२४	५	२३	२९	२९
४	३	५९	३४	५६	५७	८	८
५९	४४	९९	७	८२	व.	३	३
४८	१६	३५	२५	१३	१३/५	११	११

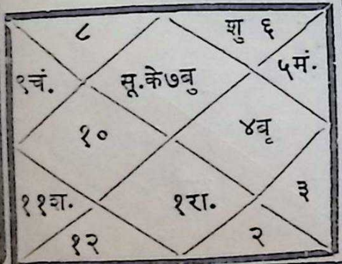

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.	३ र.	४ चं.	ति	५ मं.	६ बु.	७ बृ.	८ शु.	९ श.	१०र.	११ चं.	११ मं.	१२ बु.	१३ बृ.	१४ शु.	१५ श
कं. अं.	६ २७	६ २४	६ २०	तु	८ ३३	८ २९	८ २५	८ २१	८ १७	८ १३	८ ९	८ ५	८ १	७ ५७	७ ५३	७ ४९
तु. अं.	८ ४४	८ ४१	८ ३७	वृ	१० ५०	१० ४६	१० ४२	१० ३८	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० १०	१० ६
वृ. अं.	११ १	१० ५७	१० ५४	ध.	१२ ५५	१२ ५१	१२ ४७	१२ ४३	१२ ३९	१२ ३५	१२ ३१	१२ २७	१२ २३	१२ १९	१२ १५	१२ १३
ध. अं.	१ ६	१ ३	१२ ५९	म	२ ४०	२ ३६	२ ३२	२ २८	२ २४	२ २०	२ १६	२ १२	२ ८	२ ४	२ ०	१ ५६
म. अं.	२ ५१	२ ४८	२ ४४	कुं	४ १२	४ ८	४ ४	४ ०	३ ५६	३ ५२	३ ४८	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८
कुं. अं.	४ २३	४ २०	४ १६	मी.	५ ४०	५ ३६	५ ३२	५ २८	५ २४	५ २०	५ १६	५ १२	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५६
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मी. अं.	५ ५१	५ ४७	५ ४४	मे.	७ १८	७ १४	७ १०	७ ६	७ २	६ ५८	५ ५४	६ ५०	६ ४६	६ ४२	६ ३८	६ ३४
मे. अं.	७ २९	७ २६	७ २२	वृ.	९ १४	९ १०	९ ६	९ २	८ ५८	८ ५४	८ ५०	८ ४६	८ ४२	८ ३८	८ ३४	८ ३०
वृ. अं.	९ २५	९ २२	९ १८	मि.	११ २८	११ २४	११ ३०	११ १६	११ १२	११ ८	११ ४	११ ०	१० ५६	१० ५२	१० ४८	१० ४४
मि. अं.	११ ३९	११ ३६	११ ३२	क.	१ ४७	१ ४३	१ ३९	१ ३५	१ ३१	१ २७	१ २३	१ १९	१ १५	१ ११	१ ७	१ ३
क. अं.	१ ५८	१ ५५	१ ५१	सिं.	४ २	३ ५८	३ ५४	३ ५०	३ ४६	३ ४२	३ ३८	३ ३४	३ ३०	३ २६	३ २२	३ १८
सिं. अं.	४ १३	४ १०	४ ६	कं.	६ १६	६ १२	६ ८	६ ४	६ ०	५ ५६	५ ५२	५ ४८	५ ४४	५ ४०	५ ३६	५ ३२

आ. शु. १३ गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	४	७	३	६	१०	०	०
१०	११	०	९	३	१५	२२	२२
१	९	४४	२३	१२	३९	१७	१७
२	४५	३	४५	४१	४	४७	२७
६०	४२	१०५	१	७२	द४/५	३	३
२	१९	४	४४	१३	व.	११	११

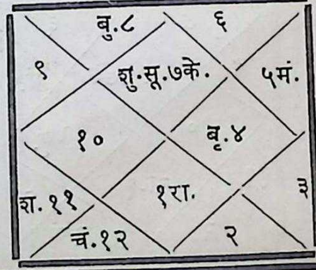

दि.मा.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यं				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि
२७	४९	१	र.	२४	१८	भ.	३३	२४	व्य.	१६	३१	कौ.	२४	१८	त.	५५	१८	कालदं.	३०	१५	१३	वृ.	४९	११	५	२७	६	३३	६	१३	१	२२	६०	९
२७	४५	२	चं.	२६	१७	कृ.	३६	३४	व.	११	२१	ग.	२६	१९	व.	३६	३६	श्रीवत्स	३१	१६	१४				५	२७	६	३३	६	१४	१	३१	६०	१०
२७	४२	३	मं.	२६	५४	रो.	३८	२७	प.	७	३	वि.	२६	५४	वव	३३	३३	मातंग	१	१७	१५				५	२८	६	३२	६	१५	१	४१	६०	११
२७	३९	४	बु.	२६	१२	मृ.	३९	३	शि.	३	४५	वा.	२६	१२	कौ.	५५	१४	अमृत	२	१८	१६	मि.	८	४५	५	२९	६	३१	६	१६	१	५१	६०	१२
२७	३६	५	वृ.	२४	१६	आ.	३८	३०	सि.	१	२७	तै.	२४	१६	ग.	५२	४६	काण	३	१९	१७				५	३०	६	३०	६	१७	१	४	६०	१४
२७	३२	६	शु.	२१	१७	पुन	३६	५३	सा.	० ५९	९ ३६	व.	२१	१७	वि	४९	२०	लुम्ब	४	२०	१८	क.	२२	१७	५	३०	६	३०	६	१८	२	२९	६०	१७
२७	२९	७	श.	१७	२३	पु.	३४	२६	शु.	६०	०	वव	१७	२३	वा.	४५	०	मित्र	५	२१	१९				५	३१	६	२९	६	१९	२	३६	६०	१९
२७	२५	८	र.	१२	३७	श्ले	३१	१३	शु.	०	९	कौ.	१२	३७	तै.	३९	५७	वज्र	६	२२	२०	सिं.	३१	१३	५	३१	६	२९	६	२०	२	५६	६०	२२
२७	२३	९	चं.	७	१७	म.	२७	३०	व्र.	१	९	ग.	७	१७	व.	३४	२५	ध्वज	७	२३	२१				५	३२	६	२८	६	२१	३	९	६०	२५
२७	१९	१०	मं.	१ ५४	३४ ३	पू.	२३	२४	ऐं.	२	३१	वि.	१	३४	वव	२ ५५	४ ३७	धूम्र	८	२४	२२	क.	३७	२१	५	३२	६	२८	६	२२	३	४४	६०	२८
२७	१५	१२	बु.	४९	४०	उ.	१९	१२	वै.	३	५६	कौ	२२	३८	तैं.	४९	४०	वर्द्धमा.	९	२५	२३				५	३३	६	२७	६	२३	४	१३	६०	३१
२७	१२	१३	बृ.	४३	५३	ह.	१५	४	वि.	५	३	ग.	१६	४६	व.	४३	५३	रक्ष	१०	२६	२४	तु.	४३	८	५	३३	६	२७	६	२४	४	४५	६०	३४
२७	९	१४	शु.	३८	३०	चि.	११	१३	प्री.	५	४२	वि.	११	११	श.	३८	३०	मुशल	११	२७	२५				५	३४	६	२६	६	२५	५	१६	६०	३६
२७	७	३०	श.	३३	३९	स्वा	७	४८	आ.	५	३९	च.	६	४	ना.	३३	३९	सिद्धि	१२	२८	२६	वृ.	५०	४७	५	३५	६	२६	६	२६	५	५३	६०	३६

श्री शुभ संवत् २०२३ शके १८८८ कार्तिक कृष्णपक्षः।
अक्टूबर ३० से नवम्बर १२ तक। याम्यायनगोलौ शरद्ऋतुः।

यायी जय मु.। वक्री बुधः ४५।१९ ।
भ. ५६।३६ मु.। रोहिणी भे या. जय मु.।
भ. २६।५४ या. नवम्बर । करक ४ व्रतम् । मृग भे दक्षिणa
प्रतीच्यां यात्रा मु.। aयात्रा मु.।

भ. २१।१७ उ. ४९।२० या.। ।याम् ४४।१७।
उदीच्यां यात्रा मु.। cभे वक्र २३।२४
द्वीशेऽर्कः ३९।२६ dधन १३
भ. ३४।२५ उ.। e१४।दीपावली । लक्ष्मी पूजनम्।
भ. १।३४ या.।रम्भा ११व्रतं स्मार्तानाम् । बुधास्त पश्चिमा-b
हस्त भे स. सि. योगः।रम्भा ११ व्रतं वैष्णवानाम् । विशाखाc
भ. ४३।५३ उ.। पूर्वे यात्रा मु.। या. ज. मु.।धन्वन्तरि १३।d
भ. ११।११ या.।मास शिवरात्रि व्रतम्। नरक १४।हनुमज्जन्मe.
दीपावली लक्ष्मी पूजनम्।

का. कृ. ४ बुधे. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	४	७	३	६	१०	०	६
१६	१३	६	९	६	१५	२२	२२
१	८	२९	२६	४२	२७	८	८
५१	४४	१२	५६	५३	८	४	४
६०	४२	१०४	१	७२	४	३	३
१२	४४	२	४२	५	१३	११	११

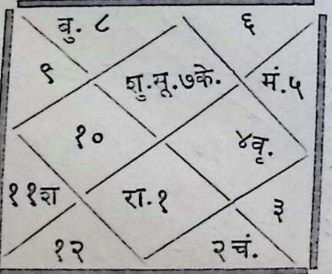

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.		२ च.		३ मं.		४ बु.		५ बृ.		६ शु.		७ श.		८ र.		९ चं.		१० मं		१२ बु.		१३बृ.		१४शु.		३० श.	
कं. अं.	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	७	३०	७	२६	७	२२	७	१८	७	१४	७	१०	७	६	७	२	६	५८	६	५४
तु. अं.	१०	३	९	५९	९	५५	९	५१	९	४७	९	४३	९	३९	९	३५	९	३१	९	२७	९	२३	९	१९	९	१५	९	११
वृ. अं.	१२	८	१२	४	१२	०	११	५६	११	५२	११	४८	११	४४	११	४०	११	३६	११	३२	११	२८	११	२४	११	२०	११	१६
ध. अं.	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७	१	३३	१	२९	१	२५	१	२१	१	१७	१	१३	१	९	१	५	१	१
म. अं.	३	२५	३	२१	३	१७	३	१३	३	९	३	५	३	१	२	५७	२	५३	२	४९	२	४५	२	४१	२	३७	२	३३
कुं. अं.	४	५३	४	४९	४	४५	४	४१	४	३७	४	३३	४	२९	४	२५	४	२१	४	१७	४	१३	४	९	४	५	४	१
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मी. अ.	६	३१	६	२७	६	२३	६	१९	६	१५	६	११	६	७	६	३	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७	५	४३	५	३९
मे. अं.	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९	७	३५
वृ. अं	१०	४१	१०	३७	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२१	१०	१७	१०	१३	१०	९	१०	५	१०	१	९	५७	९	५३	९	४९
मि. अं.	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८
क. अं.	३	१५	३	११	३	७	३	३	२	५९	२	५५	२	५१	२	४७	२	४३	२	३९	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३
सिं. अं.	५	२९	५	२५	५	२१	५	१७	५	१३	५	९	५	५	५	१	४	५७	४	५३	४	४९	४	४५	४	४१	४	३७

का. कृ. १२ बुधे इ. ३०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	४	७	३	६	१०	०	६
२३	२३	५	९	२३	२६	२१	२१
९	०	४२	४२	०	१८	१४	१४
४०	१४	४६	१५	२८	२५	८	८
६०	४४	६ ३५	२	८२	व.	३	३
३०	११	व	२५	२५	३ ५८	११	११

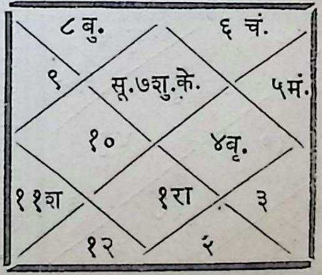

दि. मा. घ. प.	ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा. घ. प.	सू. उ. घं. मि.	सू. अ. घं. मि.	आ. स्पष्ट सूर्यः रा. अं. क. वि.	गतिः क. वि.
२७ ६	१	र.	२९ २७	वि	५ ६	सौ.	४ ३८	कि.	१ २३	वव	२९/५७ २७/५९	उत्पात	१३	२९	२७		६ ३५	५ २५	६ २७ ६ २८	५९ ३७
२७ ४	२	चं.	२६ ३२	ऽनु.	३ १५	शो.	२/५७ ३९/०	कौ.	२६ ३२	तै.	५५ ३०	मानस	१४	३०	२८		६ ३६	५ २४	६ २८ ७ ४	६० ३७
२७ १	३	मं.	२४ २८	ज्ये.	२ २३	सु.	५५ ४१	ग.	२४ २८	व.	५४ ३	मुद्गर	१५	१	२९	ध. २ २३	६ ३६	५ २४	६ २९ ७ ४१	६० ३९
२६ ५८	४	बु.	२३ ३८	मू.	२ ४०	धृ.	५० ४७	वि.	२३ ३८	वव	५३ ५२	ध्वज	१६	२	३०		६ ३७	५ २३	७ ० ८ २१	६० ४२
२६ ५६	५	बृ.	२४ ६	पूषा	४ ११	शू.	४५ २	वा.	२४ ६	कौ.	५५ १	धाता	१७	३	१	म. १९ ५३	६ ३७	५ २३	७ १ ९ २	६० ४४
२६ ५३	६	शु.	२५ ५६	उषा	६ ५८	गं.	३८ ३६	तै.	२५ ५६	ग.	५७ २२	आनन्द	१८	४	२		६ ३८	५ २२	७ २ ९ ४५	६० ४७
२६ ५०	७	श.	२८ ५९	श्र.	१० ५५	वृ.	३१ ३४	व.	२८ ४९	वि.	६० ०	स्थिर	१९	५	३	कुं. ४३ २७	६ ३८	५ २२	७ ३ १० ३२	६० ४९
२६ ४९	८	र.	३२ ५७	ध.	१६ ०	ध्रु.	२४ ४	वि.	० ५३	वव	३२ ५७	मातंग	२०	६	४		६ ३९	५ २१	७ ४ ११ २०	६० ५१
२६ ४५	९	चं.	३७ ४८	श.	२१ ५२	व्या	१६ १९	वा.	५ २२	कौ.	३७ ४८	अमृत	२१	७	५		६ ३९	५ २१	७ ५ १२ १०	६० ५२
२६ ४३	१०	मं.	४३ ७	पू.	२१ १५	ह.	१८ ३६	तै.	१० २७	ग.	४३ ७	काण	२१	८	६	मी. ५९ २८	६ ४०	५ २०	७ ६ १३ २	६० ५४
२६ ४०	११	बु.	४८ २९	उ.	३४ ४६	व.	०/५२ ३५/१८	व.	१५ ४८	वि.	४८ २९	लुम्ब	२२	९	७		६ ४०	५ २०	७ ७ १३ ५३	६० ५४
२६ ३८	१२	बृ.	५३ २४	रे.	४० ५७	व्य.	४५ ३२	वव	२० ५६	वा.	५३ २४	मित्र	२३	१०	८	मे. ४० ५७	६ ४१	५ १९	७ ८ १४ ४६	६० ५६
२६ ३६	१३	शु.	५७ ३६	अ.	४६ २९	व.	३८ ३२	कौ.	२५ ३०	तै.	५७ ३६	वज्र	२४	११	९		६ ४१	५ १९	७ ९ १५ ४१	६० ५७
२६ ३४	१४	श.	६० ०	भ.	५१ ४	प.	३२ ३१	ग.	२९ ८	व.	६० ०	ध्वांक्ष	२५	१२	१०		६ ४२	५ १८	७ १० १६ ३७	६० ५९
२६ ३१	१४	र.	० ४०	कृ.	५४ ३२	शि.	२७ ३	व.	० ४०	वि.	३१ ३९	धूम्र	२६	१३	११	वृ. ६ ५६	६ ४२	५ १८	७ ११ १७ ३६	६१ १
२६ २९	१५	चं.	२ ३८	रो.	५६ ४२	सि.	२५ २९	वव	२ ३८	वा.	३२ ५६	वर्धमान	२७	१४	१२				७ १२ १८ ३५	६१ ३

श्री शुभ संवत् २०२३ शके १८८८ कार्तिक शुक्लपक्षः।
नवम्बर १३ से २८ तक। याम्यायनगौलौ। शरद्ऋतुः।

अन्नकूट। अनु. भे या. ज. मु.। उ. फा. भे भौम ३०।३१
भातृ द्वितीया। यम२। चित्रगुप्त२। पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.।a
भ. ५४।३ उ.। रज्जन। a चन्द्रदर्शनम्।
भ. २३।३८ या. वृश्चिकेर्कः ३१।११। वक्रगत्या तुलायां d
उत्तरा योगेः यायी जय मु.। सौर मार्गशीर्षारम्भः। b
श्रवसि स. सि. योगः। दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु.। सूर्य षष्ठीc
भ. २८।४९ उ.। मैत्रेऽर्कः ४८।२७। दक्षिण यात्रा मु.। e
भ. ०।५३ या.। गोपाष्टमी। d बुधः ३५।४४
अक्षय ९। b अनु. भे शुक्रः ३६।४४।
बुधोदयः पूर्वस्याम् ९।४५। c व्रतम् (डाला ६)
भ. १५।४८ उ. ४८।२९ या.। प्रबोधिनी ११ प्रायः सर्वेषाम्।
पञ्चक समाप्त ४०।५७। स. सि. योगः। उदीच्यां यात्रा मु.।
स. सि. योगः। पूर्वोत्तरौ यात्रा मु.। प्रदोषः।
वैकुण्ठ १४। e पञ्चक प्रवृत्तः ४३।२७।
भ. ०।४० उ. ३१।३९ या.। उ. फा भे भौमः ४४।७।
स. सि. योगः। वक्री गुरुः ५।९।

का. शु. ७ श. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	४	६	३	७	१०	०	६
३	२८	२८	९	५	२७	२०	२०
१६	४२	२८	५४	४२	१७	३६	३६
२२	३५	२७	९	२७	३५	३७	३७
६७	३७	४६	१	५४	व	३	३
४८	३८	१५व	१५	२५	व ०/१५	११	११

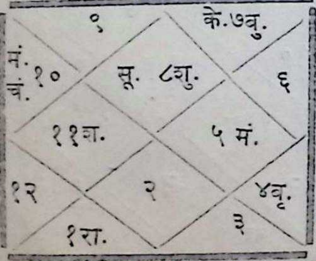

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ र.	२ चं.	३मं.	४ वु.	ति.	५ वृ.	६ शु.	७ श.	८ र.	९ चं.	१० मं.	११ वु.	१२ बृ.	१३ शु.	१४ श.	१४ र.	१५ चं.
तु.	६ ५१	६ ४७	६ ४२	६ ३८	वृ.	८ ५१	८ ४७	८ ४२	८ ३८	८ ३४	८ ३०	८ २५	८ २१	८ १७	८ १३	८ ९	८ ५
वृ.	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६	ध.	१० ५६	१० ५१	१० ४७	१० ४२	१० ३८	१० ३४	१० ३०	१० २५	१० २१	१० १७	१० १३	१० ९
ध.	११ १३	११ ८	११ ४	११ ०	म.	१२ ४२	१२ ३८	१२ ३४	१२ ३०	१२ २५	१२ २१	१२ १७	१२ १२	१२ ८	१२ ४	१२ ०	११ ५५
म.	१२ ५८	१२ ५४	१२ ५०	१२ ४६	कुं.	२ १३	२ ८	२ ४	२ ०	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४३	१ ३९	१ ३५	१ ३१	१ २७
कुं.	२ ३०	२ २५	२ २१	२ १७	मी.	३ ४२	३ ३८	३ ३४	३ ३०	३ २६	३ २१	३ १६	३ १२	३ ८	३ ४	३ ०	२ ५५
मी.	३ ५८	३ ५४	३ ५०	३ ४६	मे.	५ २०	५ १६	५ १२	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५५	४ ५१	४ ४६	४ ४२	४ ३८	४ ३३
रा	रा०	रा०	रा०	रा०	रा	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मे.	५ ३६	५ ३२	५ २८	५ २४	वृ.	७ १६	७ १२	७ ८	७ ४	६ ५९	६ ५४	६ ५०	६ ४६	६ ४१	४ ३६	६ ३२	६ २८
वृ.	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २०	मि.	९ २८	९ २४	९ २०	९ १६	९ १२	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५५	८ ५१	८ ४७	८ ४३
मि.	९ ४६	९ ४१	९ ३७	९ ३२	क.	११ ४८	११ ४४	११ ४०	११ ३६	११ ३२	११ २८	११ २४	१० २०	११ १६	११ ११	११ ७	११ २
क.	१२ ५	१२ ०	११ ५६	११ ५२	सिं.	२ २	१ ५८	१ ५४	१ ५०	१ ४५	१ ४१	१ ३७	१ ३३	१ २९	१ २५	१ २१	१ १७
सिं.	२ २०	२ १५	२ १०	२ ६	कं.	४ १६	४ १२	४ ८	४ ४	४ ०	३ ५५	३ ५१	३ ४७	३ ४३	३ ३९	३ ३५	३ ३१
कं.	४ ३४	४ २९	४ २५	४ २०	तु.	६ ३४	६ ३०	६ २५	६ २०	६ १६	६ १२	६ ८	६ ४	६ ०	५ ५६	५ ५२	५ ४८

का. शु. १४ श. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	५	६	३	७	१०	०	६
१०	२	२५	९	४	२७	२०	२०
१६	१२	५७	५०	११	१५	८	८
३७	३९	१४	१४	३		५	५
६०	४४	१८/४४	०/४४	८१	१/३८	३	३
५९	३७	व	व	३४	व	११	११

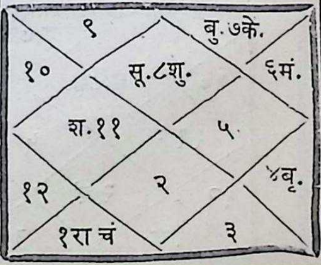

दि. मा.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२६	२७	१	मं.	३	१५	मृ.	५७	३६	सा.	१८	४३	कौ.	३	१५	तै.	३२	५४	रक्ष	२९	१५	१३	मि.	२७	९	६	४३	५	१७	७	१३	१९	३७	६१	३
२६	२५	२	बु.	२	३४	आ.	५७	१८	शु.	१६	३	ग.	२	३४	व.	३१	३६	मुशल	३०	१६	१४				६	४३	५	१७	७	१४	२०	३८	६१	४
२६	२४	३	वृ.	० ५८	३२ २	पुन.	५५	५६	शु.	१४	२७	वि.	०	३९	वव	२९ ५७	१० ४१	सिद्धि	१	१७	१५	क.	४१	१७	६	४३	५	१७	७	१५	२१	४१	६१	६
२६	२२	५	शु.	५३	४६	पु.	५३	४५	व्र.	१३	३८	कौ.	२५	४३	तै.	५३	४६	उत्पात	२	१८	१६				६	४३	५	१७	७	१६	२२	४६	६१	८
२६	२०	६	श.	४९	०	श्ले	५०	३१	ऐं.	१३	४७	ग.	२१	२३	व.	४९	०	मानस	३	१९	१७	सिं.	५०	३१	६	४४	५	१६	७	१७	२३	५३	६१	८
२६	१८	७	र.	४३	४२	म.	४७	३	वै.	१४	३५	दि.	१६	२१	वव	४३	४२	मुद्गर	४	२०	१८				६	४४	५	१६	७	१८	२४	५९	६१	९
२६	१७	८	चं.	३८	२	पू.	४३	२	वि.	१५	४८	वा.	१०	५२	कौ.	३८	२	ध्वज	५	२१	१९	कं.	५६	५९	६	४४	५	१६	७	१९	२६	७	६१	९
२६	१५	९	मं.	३२	१२	उ.	३८	५०	प्री.	१७	९	तै.	५	७	ग.	३२ ५९	१२ १४	धाता	६	२२	२०				६	४५	५	१५	७	२०	२७	१४	६१	११
२६	१४	१०	बु.	२६	१७	ह.	३४	४०	आ.	१८	२२	वि.	२६	१७	वव	५३	२७	आनंद	७	२३	२१				६	४५	५	१५	७	२१	२८	२४	६१	१३
२६	१३	११	वृ.	२०	३७	चि.	३०	४३	सौ.	१९	९	वा.	२०	३७	कौ.	४७	५८	चर	८	२४	२२	तु.	२	४१	६	४५	५	१५	७	२२	२९	३५	६१	१४
२६	११	१२	शु.	१५	२०	स्वा	२७	१२	शो.	१९	१५	तै.	१५	२०	ग.	४२	५८	गद	९	२५	२३				६	४५	५	१५	७	२३	३०	४८	६१	१६
२६	१०	१३	श.	१०	३७	वि.	२४	१८	अ.	१८	२६	व.	१०	३७	त्रि.	३८	४०	शुभ	१०	२६	२४	वृ.	१०	३	६	४५	५	१५	७	२४	३२	२	६१	१६
२६	९	१४	र.	६	४४	ऽनु.	२२	१७	सु.	१८	४८	श.	६	४४	च.	३५	१५	मृत्यु	११	२७	२५				६	४५	५	१५	७	२५	३३	१७	६१	१७
२६	८	३०	चं.	३	४६	ज्ये	२१	४	धृ.	१६	४४	ना.	३	४६	कि.	३२	४९	पद्म	१२	२८	२६	ध.	२१	४	६	४५	५	१४	७	२६	३४	३२	६१	१८

श्री शुभ संवत् २०२३ शके १८८८ मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः।
नवम्बर २९ से दिसम्बर १२ तक । याम्यायनगोलौ a

दक्षिण यात्रा मु. ।　　a शिशिरऋतुः ।
भ. ३१।३६ उ. । ज्येष्ठा भे शुक्रः ३४।११ ।
भ. ०।३९ या. । दिसम्बर । प्रतीच्यां यात्रामु. । या.ज.मु.*
शाक्रेऽर्कः ५५।२८ । उदीच्यां यात्रा मु. ।
भ. ४९।० उ. ।　　* ०।३९ तक ।
भ. १६।२१ या. ।
नवमी योगे या. ज. मु. । वृश्चिके बुधः ५४।२७ ।
भ. ५९।१४ उ. । हस्त भे भद्रा प्राक् दक्षिण यात्रा मु. ।
भ. २६।१७ या. । भद्रान्ते दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु. ।
उत्पन्ना ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
प्रदोषः । हस्ते भौमः २३।११ । धनौ शुक्रः ३४।११ ।
भ. १०।३७ उ. ३८।४० या. । मास शिवरात्रि व्रतम् ।
मार्गी शनिः ३।१५ ।
दानस्नानादौ ३० ।

मार्गशीर्ष कृष्ण १ भौमे इ.०।८

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	५	६	३	७	१०	०	७
१३	४	२५	९	८	२७	१९	११
२५	२४	०	४८	१२	१२	५९	५९
४८	२६	७	२९	४	२१	७	७
६१	४४	१९	० ४५	८२	व.	३	३
२	१७	व३५	व.	१५	३१	११	११

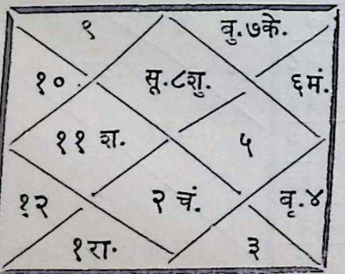

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.		२ बु.		३ बृ.		५ शु.		६ श.		७ र.		८ चं.		९ मं.		१० बु.		११ बृ.		१२ शु.		१३ श.		१४ र.		३० चं.	
वृ. अं.	८	०	७	५५	७	५१	७	४७	७	४२	७	३८	७	३४	७	३०	७	२५	७	२१	७	१७	७	१३	७	९	७	४
ध. अं.	१०	५	१०	०	९	५५	९	५१	९	४७	९	४३	९	३९	९	३५	९	३०	९	२६	९	२२	९	१८	९	१४	९	९
म. अं.	११	५०	११	४५	११	४१	११	३६	११	३२	११	२८	११	२४	११	२०	११	१५	११	११	११	७	११	३	१०	५८	१०	५४
कुं. अं.	१	२२	१	१७	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५५	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२६
मी. अं.	२	५०	२	४६	२	४२	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	२	२४	२	२०	२	१६	२	१२	२	७	२	२	१	५७
मे. अं.	४	२८	९	२४	४	१९	४	१५	४	१०	४	६	४	१	३	५७	३	५२	३	४८	३	४४	३	४०	३	३६	३	३२
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	६	२४	६	२०	६	१५	६	१०	६	६	६	२	५	५७	५	५३	५	४९	५	४५	५	४०	५	३६	५	३२	५	२८
मि. अं.	८	३८	८	३३	८	२९	८	२५	८	२०	८	१६	८	१२	८	८	८	३	७	५९	७	५५	७	५०	७	४६	७	४२
क. अं.	१०	५७	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३५	१०	३०	१०	२६	१०	२१	१०	१७	१०	१२	१०	८	१०	३	९	५९
सिं. अं.	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५५	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३७	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	२६
कं. अं.	३	२६	३	२२	३	१७	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५५	२	५१	२	४७	२	४३	२	३९	२	३५	२	३०
तु. अं.	५	४३	५	३८	५	३३	५	२९	५	२५	५	२०	५	१५	५	११	५	७	५	३	४	५८	५	५४	४	५०	४	४६

मा. शी. कृ. १२ शुक्रे. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	५	७	३	८	१०	०	६
२३	९	२	९	०	२७	१९	१९
३७	४२	५४	१२	४८	१२	३२	३२
२८	१३	६०	५	७	२२	१	१
६१	३७	४८ ३५	४ ३	७३	२ १५	३	३
४	३८	मा.	व	१५	मा.	११	११

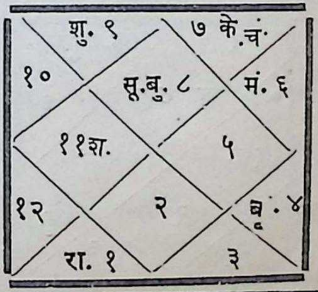

श्री शुभ संवत् २०२३ शके १८८८ मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः ।
दिसम्बर १३ से २७ तक । याम्यायनगोलौ । शिशिर ऋतुः ।

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घ.	मि.	सू. अ. घ.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	७	१	मं.	१	५२	मू.	२१	७	शू.	१०	२३	वत्र.	१	५२	वा.	३१	३२	छत्र	१३	२९	२७				६	४६	५	१४	७	२७	३५	४८	६१	१९
२६	७	२	बु.	१	१३	पू.	२२	१८	गं.	५	४३	कौ.	१	१३	तै	३१	३१	श्रीवत्स	१४	१	२८	म	३७	५५	६	४६	५	१४	७	२८	३७	५	६१	२०
२६	६	३	बृ.	१	५०	उ.	२४	४६	वृ.	५३	४८	ग.	१	५०	व	३२	४९	सौम्य	१५	२	२९				६	४६	५	१४	७	२९	३८	२४	६१	२०
२६	५	४	शु.	३	४९	श्र.	२८	३०	व्या	४७	५	वि.	३	४९	वव	३५	२२	धूम्र	१६	३	१				६	४६	५	१४	८	०	३९	४२	६१	२०
२६	५	५	श.	६	५५	ध.	३३	२२	ह.	३९	४०	वा.	६	५५	कौ.	३९	२	वर्धमा.	१७	४	२	कुं.	०	५६	६	४७	५	१३	८	१	४१	१	६१	२१
२६	४	६	र.	११	९	श.	३९	६	व.	३१	४१	तै.	११	९	ग.	४३	३८	रक्ष	१८	५	३				६	४७	५	१३	८	२	४२	२१	६१	२२
२६	४	७	चं.	१६	७	पू.	४५	३४	सि.	२४	९	व.	१६	७	वि.	४८	४८	मुशल	१९	६	४	मी.	२८	५७	६	४७	५	१३	८	३	४३	४२	६१	२३
२६	३	८	मं.	२१	३०	उ.	५१	५९	व्य.	१६	१२	वव	२१	३०	वा.	५४	११	सिद्धि	२०	७	५				६	४७	५	१३	८	४	४५	४	६१	२४
२६	३	९	बु.	२६	५३	रे.	५८	२०	व.	८	२४	कौ.	२६	५३	तै.	५९	२०	उत्पात	२१	८	६	मे.	५८	२०	६	४७	५	१३	८	५	४६	२७	६१	२४
२६	३	१०	बृ.	३१	४७	अ.	६०	०	प.	० ५२	५५ २७	ग.	३१	४७	व.	६०	०	मानस	२२	९	७				६	४७	५	१३	८	६	४७	५०	६१	२४
२६	३	११	शु.	३५	५६	अ.	४	६	सि.	४७	२४	व.	३	५१	वि.	३५	५६	वज्र	२३	१०	८				६	४७	५	१३	८	७	४९	१२	६१	२४
२६	३	१२	श.	३८	५७	भ.	८	५७	सा.	४१	३८	वव	७	२६	वा.	३८	५७	ध्वांक्ष	२४	११	९	वृ.	२४	५४	६	४७	५	१३	८	८	५०	३५	६१	२५
२६	३	१३	र.	४०	५२	कृ.	१२	४४	शु	३६	४०	कौ.	९	५४	तै.	४०	५२	धूम्र	२५	१२	१०				६	४७	५	१३	८	९	५२	५९	६१	२६
२६	४	१४	चं.	४१	२४	रो.	१५	१५	शु.	३२	३८	ग.	११	८	व.	४१	२४	वर्धमा.	२६	१३	११	मि.	४५	५१	६	४७	५	१३	८	१०	५३	२३	६१	२६
२६	४	१५	मं.	४०	४०	मृ.	१६	२८	ब्र.	३०	३१	वि.	११	२	वव	४०	४०	रक्ष	२७	१४	१२				६	४७	५	१३	८	११	५४	४९	६१	२७

रुद्रोपवास (पिडिया) । चन्द्रदर्शनम् । a१।५० या. ।

शावान ।

भ. ३२।४९ उ. । मूले धनुषि चार्कः ५९।५१ मु. । या. ज. मु. a

भ. ३।४९ या. । दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु. । सौर पौषारम्भः ।

पञ्चक प्रवृत्ति ०।५६ । या. ज. मु. । पश्चिम यात्रा मु. ।d

d६।५५ या. । श्रीराम विवाह दिनम् ।

भ. १६।७ उ. ४८।४८ या. । शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ३।९ ।n

nपू. षा भे शुक्रः १७।४ ।

पञ्चक निवृत्तिः ५८।२० । ज्येष्ठायां बुधः ३५।४१ ।

स. सि. योगः । प्राच्योदीच्यां यात्रा मु. ।

भ. ३।५१ उ. ३५।५६ या. । मोक्षदा ११ व्रतं सर्वेषाम् ।

प्रदोषः ।

भ. ४१।२४ उ. । विमल तीर्थयात्रा । लोटाभंटा । स. सि. योगः ।

भ. ११।२ या. । दत्त जयन्ती १५ ।

मा. शी. कृ. ७ च. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	५	७	३	८	१०	०	६
३	१४	१५	८	१३	२७	१९	१९
४८	१२	४२	२४	३०	४२	३८	३८
३३	२१	७	३३	२१	१५	३५	३५
६१	५५	८१	५ १८	८२	३ २७	३	३
२१	४१	१५	व.	१३	मा.	११	११

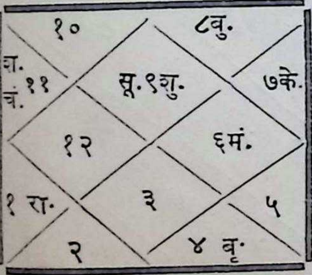

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं		२ बु.		३ बृ.		तिथयः	४ शु.		५ श.		६ र.		७ चं.		८ मं.		९ व.		१० बृ.		११ शु.		१२ श.		१३ र.		१४ चं.		१५ मं.	
वृ. अं	६	५९	६	५५	६	५१	घ. अं.	८	५१	८	४७	८	४२	८	३८	८	३४	८	३०	८	२५	८	२०	८	१६	८	१२	८	८	८	४
घ. अं.	९	४	९	०	८	५६	म. अ.	१०	३७	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१५	१०	१०	१०	६	१०	२	९	५८	८	५४	९	४९
म. अं.	१०	४९	१०	४५	१०	४१	कुं. अं.	१२	९	१२	४	१२	०	११	५६	११	५२	११	४८	११	४३	११	३९	११	३५	११	३०	११	२६	११	२१
कु. अं.	१२	२१	१२	१७	१२	१३	मी.अं.	१	३७	१	३२	१	२८	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१२	५९	१२	५४	१२	४९
मी. अं.	१	५२	१	४७	१	४२	मे अं	३	१४	३	१०	३	५	३	०	२	५६	२	५१	२	४७	२	४३	२	३९	२	३५	२	३१	२	२७
मे. अं.	३	२७	३	२२	३	१९	वृ अं.	५	१०	५	५	५	१	४	५७	४	५३	४	४८	४	४४	४	४०	४	३५	४	३१	४	२७	४	२३
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	५	२३	५	१९	५	१५	मि. अं.	७	२४	७	२०	७	१५	७	१०	७	६	७	२	६	५८	८	५४	६	५०	६	४५	६	४१	६	३७
मि. अं.	७	३७	७	३३	७	२९	क. अं.	९	४४	९	३९	९	३५	९	३०	९	२६	९	२१	९	१७	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५६
क. अं.	९	५६	९	५२	९	४८	सिं.अं.	११	५८	११	५४	११	५०	११	४५	११	४०	११	३६	११	३२	११	२८	११	२३	११	१९	११	१५	११	११
सिं. अं.	१२	११	१२	७	१२	३	कं. अं.	२	१२	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५१	१	४६	१	४१	१	३६	१	३२	१	२८	१	२४
कं. अं.	२	२५	२	२१	२	१९	तु. अं.	४	३०	४	२५	४	२१	४	१७	४	१२	४	८	४	४	३	५९	३	५५	३	५१	३	४७	३	४२
तु. अं.	४	४२	४	३८	४	३४	वृ. अं.	६	४६	६	४२	६	३८	६	३३	६	२९	६	२४	६	२०	६	१५	६	१०	६	६	६	२	५	५९

मार्गशीर्ष शु. १४ चं. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	५	७	३	८	१०	०	६
१०	१६	२५	७	२२	२७	१९	१९
५३	५९	२४	४०	१०	५७	२६	२६
२३	४५	४१	५१	२९	१४	१४	१४
६१	४८	१११	५ ३२	८०	५	३	३
२६	४४	५४	व.	१७	५६	११	११

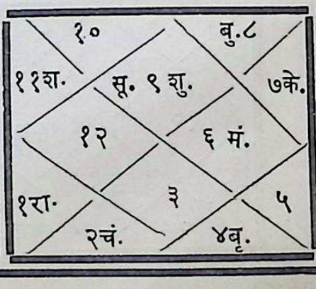

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	व.	च.रा.प्र. रा.	घ.	प.	सू.उ. घं.	मि.	सू.अ. घं.	मि.	औ.स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	४	१	बु.	३८	४१	आ.	१६	३१	ऐं.	२७	३२	वा.	९	४१	कौ.	३८	४१	चर	२८	१५	१३				६	४७	५	१३	८	१२	५६	१४	६१	२८
२६	५	२	बृ.	३५	४०	पुन.	१५	२३	वैं.	२६	२९	तै.	७	१०	ग.	३५	४०	सिद्धि	२९	१६	१४	क.	०	४०	६	४७	५	१३	८	१३	५७	३९	६१	२७
२६	६	३	शु.	३१	४६	पु.	१३	२४	वि.	२६	१७	व.	३	४३	वि.	३१/५९	४६/३२	उत्पान	३०	१७	१५				६	४७	५	१३	८	१४	५९	६	६१	२८
२६	६	४	श.	२६	५८	श्ले.	१२	१६	प्री.	२६	५१	वा.	२६	५८	कौ.	५४	१८	मानस	३१	१८	१६	सिं.	१२	१६	६	४७	५	१३	८	१५	०	३१	६१	२८
२६	७	५	र.	२१	३९	म.	७	५	आ.	२७	५६	तै.	२१	३९	ग.	४८	४७	मुद्गर	१	१९	१७				६	४७	५	१३	८	१६	१	५७	६१	२८
२६	८	६	चं.	१५	५६	पू.	३/२५	०/५२	सौ.	२९	५८	व.	१५	५६	वि.	४३	०	ध्वज	२	२०	१८	कं.	१७	७	६	४७	५	१३	८	१७	३	२४	६१	२८
२६	९	७	मं.	१०	३	ह.	५४	५१	शो.	३०	३२	वव	१०	३	वा.	३७	६	सौम्य	३	२१	१९				६	४६	५	१४	८	१८	४	५०	६१	२८
२६	१०	८	बु.	४/५४	१०/२३	चि.	५०	५१	अ.	३१	२६	कौ.	४	१०	तै.	३१/५८	२/३३	काल	४	२२	२०	तु.	२२	५१	६	४६	५	१४	८	१९	६	१६	६१	२८
२६	११	१०	बृ	५३	२२	स्वा	४६	१४	सु.	३१	४५	व.	२८	५१	वि.	५३	२२	स्थिर	५	२३	२१				६	४६	५	१४	८	२०	७	४१	६१	२७
२६	१२	११	शु.	४८	४२	वि.	४४	१४	धृ.	३१	१७	वव	२१	३२	वा.	४८	४२	मातंग	६	२४	२२	वृ.	२९	४४	६	४६	५	१४	८	२१	९	६	६१	२७
२६	१४	१२	श.	४४	५२	ऽनु	४२	३०	शू.	२९	५६	कौ.	१६	४७	तै.	४४	५२	अमृत	७	२५	२३				६	४६	५	१४	८	२२	१०	३१	६१	२७
२६	१५	१३	र.	४२	३	ज्ये.	४०	४२	ग.	२७	३३	ग.	१३	२७	व.	४२	३	काण	८	२६	२४	ध.	४०	४२	६	४५	५	१५	८	२३	११	५६	६१	२७
२६	१७	१४	चं.	४०	१७	मू.	४०	२६	वृ.	२४	१०	वि.	११	१०	श.	४०	१७	लुम्ब	९	२७	२५				६	४५	५	१५	८	२४	१३	२१	६१	२६
२६	१८	३०	मं.	३९	४४	पू.	४१	२३	ध्र.	२२	१७	च.	१०	०	ना.	३९	४४	मित्र	१०	२८	२६	म.	५६	५६	६	४४	५	१६	८	२५	१४	४५	६१	२६

श्री शुभ संवत् २०२३ शके १८८८ पौष कृष्ण पक्षः।
दिस.२८से जन.१० सन् १९६७ तक। याम्यायनगोलौ। शि.ऋ.

मूल भे धनौ बुधः १४।४१। बुधास्तः पूर्वस्याम् ५९।७।
पूर्वाषाढ़ायामर्कः २।३०। उदीच्यां यात्रा मु.। स.सि. योगः।C
भ. ३।४३ उ. ३१।४६ या.। उ. षा. भे शुक्रः ३।१७।

जनवरी १९६७ ई.। मकरे शुक्रः २६।४१।
भ. १५।५६ उ. ४३।० या.।
दक्षिणापूर्वौ यात्रा मु.। C१५।२३ उ.
श्री मालवीय जयन्ती।
भ. २८।५१ उ. ५३।२२ या.। पू. षा. भे बुधः १४।४।
सफला ११ व्रतं प्रायः सर्वेषाम्।
पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.। चित्रायां भौमः ५७।५३।
भ. ४२।३ उ.। प्रदोषः!
भ. ११।१० या.। मास शिवरात्रि व्रतम्।
श्रवसि शुक्रः ४।१८। व्रतादौ ३०।

पौषकृष्ण २ गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	५	८	३	८	१०	०	६
१३	१९	१	७	२६	२८	१९	१९
५७	३०	२९	२३	११	१२	२७	२७
३९	२९	५७	५६	५९	३	२१	२१
६१	५२	११२	५/३५	८१	५	३	३
२५	३८	२५	व.	३५	५७	११	११

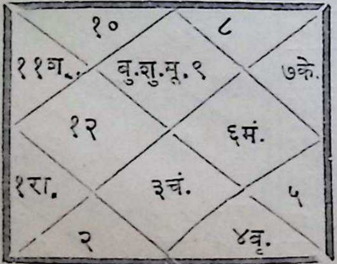

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१बु.	२बृ.	३शु.	४श.	५र.	६चं.	७मं.	८बु.	१०बृ.	११शु.	१२श.	१३र.	१४चं.	३०मं.
ध. अं.	७ ५९	७ ५४	७ ५०	७ ४५	७ ४१	७ ३७	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २०	७ १५	७ ११	७ ७	७ २
म. अं.	९ ४४	९ ४०	९ ३५	९ ३१	९ २७	९ २२	९ १८	९ १४	९ ९	९ ५	९ १	८ ५६	८ ५२	८ ४७
कुं. अं.	११ १६	११ १२	११ ७	११ २	१० ५८	१० ५४	१० ५०	१० ४५	१० ४१	१० ३७	१० ३३	१० २९	१० २५	१० २०
मी. अं.	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३२	१२ २८	१२ २३	१२ १९	१२ १५	१२ १०	१२ ५	१२ ०	११ ५६	११ ५२	११ ४७
मे. अं.	२ २२	२ १८	२ १३	२ ९	२ ४	२ ०	१ ५५	१ ५०	१ ४६	१ ४२	१ ३८	१ ३३	१ २९	१ २५
वृ. अं.	४ १८	४ १३	४ ९	४ ४	४ ०	३ ५५	३ ५०	३ ४५	३ ४१	३ ३७	३ ३३	२ २८	३ २४	३ २०
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मि. अं.	६ ३२	६ २८	६ २४	६ २०	६ १५	६ १०	६ ६	६ १	५ ५७	५ ५२	५ ४८	५ ४४	५ ४०	५ ३५
क. अं.	८ ५१	८ ४७	८ ४२	८ ३७	८ ३३	८ २९	८ २५	८ २०	८ १६	८ १२	८ ८	८ ४	८ ०	७ ५५
सिं. अं.	११ ६	११ १	१० ५७	१० ५३	१० ४८	१० ४४	१० ४०	१० ३५	१० ३०	१० २५	१० २१	१० १७	१० १३	१० ०
कं. अं.	१ २०	१ १५	१ ११	१ ७	१ २	१२ ५७	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	४२ ४०	१२ ३६	१२ ३१	१२ २७	१२ २३
तु. अं.	३ ३७	३ ३३	३ २९	३ २४	३ १९	३ १५	३ १०	३ ६	३ १	२ ५७	२ ५३	२ ४९	२ ४५	२ ४०
वृ. अं.	५ ५४	५ ५०	५ ४५	५ ४१	५ ३७	५ ३२	५ २८	५ २३	५ १८	५ १३	५ ९	५ ४	५ ०	४ ५६

पौ. कृ. १३ रवौ. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	५	८	३	९	१०	०	६
२३	२४	१८	६	८	२८	१९	१९
११	६	४२	५	४७	४८	३०	०
५६	३२	३५	५६	५५	५६	३	३
११	३७	११९	४/३५	८१	४	३	३
२४	१४	२५	व.	३५	१	११	११

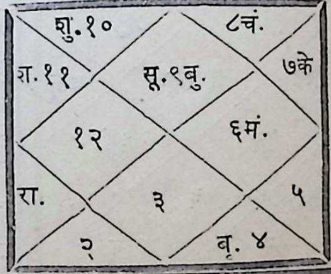

दि. मा. घ. प.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा. घ. प.			सू. उ. घं. मि.		सू. अ. घं. मि.		औ. स्पष्ट सूर्यः रा. अं. क. वि.				गतिः क. वि.	
२६	२०	१	बु.	४०	२८	उ.	४३	३४	व्या	१४	३७	कि	१०	६	वव	४०	२८	वज्र	११	२९	२७				६	४४	५	१६	८	२७	१६	७	६१	२४
२६	२१	२	बृ.	४२	४०	श्र	४७	४	ह.	८	३६	वा.	११	३४	कौ.	४२	४०	ध्वज	१२	३०	२८				६	४३	५	१७	८	२८	१७	२९	६१	२४
२६	२३	३	शु.	४५	५३	ध.	५१	४०	व.	५५	५४ २९	तै.	१४	१६	ग.	४५	५३	धाता	१३	१	२९	कुं.	१९	२२	६	४३	५	१७	८	२९	१८	५१	६१	२४
२६	२५	४	श.	५०	१२	श.	५७	१३	व्य	४७	७	व.	१८	२	वि.	५०	१२	आनन्द	१४	२	३०				६	४३	५	१७	९	०	२९	१४	६१	२४
२६	२७	५	र.	५५	१४	पू.	६०	०	व.	३९	१८	वव	२२	४३	वा.	५५	१४	चर	१५	३	१	मी.	४६	५५	६	४२	५	१८	९	१	२१	३६	६१	२३
२६	२९	६	चं.	६०	०	पूभा	३	२९	प	३१	२२	कौ.	२७	४५	त.	६०	०	मुशल	१६	४	२				६	४२	५	१८	९	२	२२	५६	६१	२३
२६	३१	६	मं.	०	३४	उभा	१०	२	शि.	२३	३२	तै.	०	३४	ग.	३३	१९	सिद्धि	१७	५	३				६	४२	५	१८	९	३	२४	१६	६१	२१
२६	३३	७	बु.	६	३	रे.	१६	२८	सि.	१५	५५	व.	६	३	वि.	३८	२९	उत्पा.	१८	६	४	मे.	१६	२८	६	४१	५	१९	९	४	२५	३५	६१	२०
२६	३५	८	बृ.	१०	५५	अ.	२२	३०	सा.	८	४३	वव	१०	५५	वा.	४२	५७	मृत्यु	१९	७	५				६	४१	५	१९	९	५	२६	५३	६१	२०
२६	३८	९	शु.	१५	०	भ.	२७	३१	शु.	२ ५३	[illegible] २९	कौ.	१५	०	तै.	४६	२७	मुद्गर	२०	८	६	वृ.	४३	३१	६	४०	५	२०	९	६	२८	११	६१	१९
२६	४०	१०	श.	१७	५४	कृ.	३१	३१	ब्र.	५०	४८	ग.	१७	५४	व.	४८	४८	ध्वज	२१	९	७				६	४०	५	२०	९	७	२९	२८	६१	१८
२६	४२	११	र.	१९	४३	रो.	३४	२०	ऐं.	४६	१४	वि.	१९	४३	वव	४९	५६	धाता	२२	१०	८				६	३९	५	२१	९	८	३०	४४	६१	१७
२६	४५	१२	चं.	२०	१०	मृ.	३५	५४	वै.	४३	२	वा.	२०	१०	कौ.	४९	४४	आनंद	२३	११	९	मि.	५	७	६	३९	५	२१	९	९	३१	५८	६१	१६
२६	४७	१३	मं.	१९	१९	आ.	३६	१४	वि.	४०	३८	तै.	१९	१९	ग.	४८	१६	चर	२४	१२	१०				६	३९	५	२१	९	१०	३३	१२	६१	१६
२६	५०	१४	बु.	१७	१४	पु.	३५	२३	प्री.	३९	१७	व	१७	१४	वि.	४५	४१	गद	२५	१३	११	क.	२०	३६	६	३८	५	२२	९	११	३४	२७	६१	१४
२६	५२	१५	बृ.	१४	९	पु.	३३	३४	आ.	३९	१०	वव	१४	९	वा.	४२	९	लुम्ब	२६	१४	१२				६	३८	५	२२	९	१२	३५	३९	६१	१३

श्री शुभ संवत् २०२३ शके १८८८ पौष शुक्लपक्षः।
जनवरी ११ से २३ तक। याम्यायनम् मकरार्कतः सौम्यायनम् a

उत्तराषाढ़ायामर्कः २।३१। घनिष्ठा भे वुध ५९।२३।
धनिष्ठा योगे या.ज.मु.। श्रवसि दक्षिण यात्रा मु.। चन्द्रदर्शनम्।
पञ्चकारम्भः १९।२२। वक्रगत्या पुनर्वसौ गुरुः ४।९। रमजान।
भ. १८।२ उ. ५०।१२ या.। मकरेऽर्कः १८।४४।
सौर माघारम्भः। b रेवन्यां पश्चिम यात्रा मु.।
a याम्यगोलौ शिशिर ऋतुः।
d कुम्भे शुक्रः ५६।४। तुलायां भौमः ५६।९।
भ. ६।३ उ. ३८।२९ या.। पञ्चक समाप्त १६।१८। b
अश्विन्यां पूर्वोत्तरौ यात्रा मु.। भरणी योगे या. ज. मु.।
श्रावसि बुधः ४४।१। c सर्वेषाम्।
भ. ४८।४८ उ.। धनिष्ठा भे शुक्र २।९। मीने शनिः ५८।२२।
भ. १९।४३ या.। या. ज. मु. १९।४३ या.। पुत्रदा ११ व्रतं c
दक्षिण पश्चिमौ यात्रा मु.। प्रदोष।
श्रवणेऽर्कः ८।४०। तुला यां भौम ५९।३।
भ. १७।१४ उ. ४५।४१ या। व्रतादौ १५।
स. सि. अ. सि. योगः। उदीच्यां यात्रा मु.। स्नानादौ १५। d

पौष. शु. ७ वुधे. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	५	९	३	९	१०	०	६
४	२८	६	४	२१	२९	२८	१८
१९	१२	१८	४२	२४	४८	३२	३२
६	१६	२५	३५	२३	५६	१४	१४
६१	२७	११९	२ व	८१	६	३	३
१९	२३	२५	व.	३७	१५	११	११

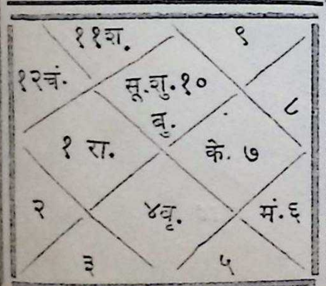

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ बु.		२ बृ.		३ शु.		४ श.		ति.	५ र.		६ चं.		६ मं.		७ बु.		८ बृ.		९ शु.		१० श.		११ र.		१२ चं.		१३ मं.		१४ बु.		१५ बृ.	
ध.	६	५७	६	५२	६	४८	६	४४	म.	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	१	७	५७	७	५३	७	४९	७	४५	७	४१
म.	८	४२	८	३७	८	३३	८	२९	कुं.	९	५७	९	५३	९	४८	९	४५	९	४१	९	३७	९	३३	९	२९	९	२५	९	२१	९	१७	९	१३
कुं.	१०	१४	१०	१०	१०	६	१०	१	मी.	११	२५	११	२१	११	१७	११	१३	११	९	११	५	११	१	१०	५७	१०	५३	१०	४९	१०	४५	१०	४१
मी	११	४२	११	३८	११	३४	११	३०	मे.	१	३	१२	५९	१२	५५	१२	५१	१२	४७	१२	४३	१२	३९	१२	३५	१२	३१	१२	२७	१२	२३	१२	१९
मे.	१	२०	१	१५	१	११	१	७	व.	३	०	२	५५	२	५१	२	४७	२	४३	२	३९	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३	२	२९	२	१५
वृ.	३	१६	३	१२	३	८	३	४	मि.	५	१३	५	९	५	५	५	१	४	५७	४	५३	४	४९	४	४५	४	४१	४	३७	४	३३	४	२९
रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मि.	५	३०	५	२५	५	२१	५	१७	क.	७	३२	७	२८	७	२४	७	२०	७	१६	७	१२	७	८	७	४	७	०	६	५६	६	५२	६	४८
क.	७	४९	७	४४	७	४०	७	३६	सिं.	९	४७	९	४३	९	३९	९	३५	९	३१	९	२७	९	२३	९	१९	९	१५	९	११	९	७	९	३
सिं.	१०	४	१०	०	९	५५	९	५१	कं.	१२	२	११	५८	११	५४	११	४९	११	४५	११	४१	११	३७	११	३३	११	२९	११	२५	११	२१	११	१७
कं.	१२	१८	१२	१४	१२	१०	१२	६	तु.	२	१८	२	१४	२	१०	२	६	२	२	१	५८	१	५४	१	५०	१	४६	१	४२	१	३८	१	३४
तु.	२	३५	२	३०	२	२६	२	२२	वृ.	४	३६	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०	४	१५	४	११	४	७	४	३	३	५९	३	५५	३	५१
वृ.	४	५२	४	४८	४	४४	४	४०	ध.	६	४०	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	८	६	४	६	०	५	५६

पौष शुक्ल १४ वुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	६	९	३	१०	११	०	६
११	०	१७	३	०	०	१८	१८
३४	१	५	४७	१४	३२	२३	२३
२७	९	२२	५१	११	११	२१	२१
६१	४०	११४	८ ४४	७३	५	३	३
२६	१५	२५	व.	२५	४४	११	११

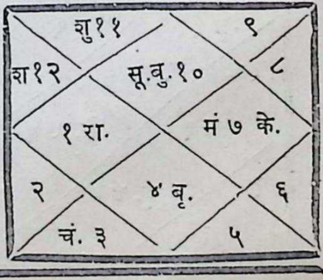

श्री शुभ संवत् २०२३ शके १८८८ माघ कृष्णपक्षः ।
जन. २७ से फर. ९ तक । सौम्यायनम् । याम्यगोलः हेमन्त ऋ.

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	व.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	ब.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः घ.	मि.
२६	५५	१	शु.	१०	९	श्ले.	३०	५४	सौ.	३९	७	कौ.	१०	९	तै.	३७	४३	मृत्यु	२७	१५	१३	सि.	३०	५४	६	३७	५	२३	९	१३	३६	४९	६१	१
२६	५८	२	श.	५	१८	म.	२७	३५	शो.	४०	१	ग.	५	१८	व.	३२	३९	पद्म	२८	१६	१४				६	३६	५	२४	९	१४	३७	५८	६१	९
२७	०	३	र.	० २४	१ १६	पू.	२३	४५	अ.	४१	१७	वि.	०	१	बव	२७ २४	० १७	छत्र	२९	१७	१५	कं.	३७	४४	६	३६	५	२४	९	१५	३९	५	६१	९
२७	३	५	चं.	४८	२४	उ.	१९	४०	सु.	४२	३९	कौ.	२१	२०	तै.	४८	२४	श्रीवत्स	३०	१८	१६		-		६	३५	५	२५	९	१६	४०	१२	६१	८
२७	६	६	मं.	४२	३२	ह.	१५	२८	धृ.	४३	४२	ग.	१५	२८	व.	४२	३२	सौम्य	३१	१९	१७	तु	४३	२७	६	३५	५	२५	९	१७	४१	१९	६१	८
२७	९	७	बु.	३६	५७	चि.	११	२६	शू.	४४	१९	वि.	९	४४	बव	३६	५७	काल	१	२०	१८				६	३४	५	२६	९	१८	४२	२८	६१	६
२७	१२	८	बृ.	३१	४३	स्वा	७	४३	गं.	४४	१०	वा.	४	२०	कौ.	३१ ५६	४३ २५	स्थिर	२	२१	१९	वृ.	५०	२१	६	३४	५	२६	९	१९	४३	२८	६१	४
२७	१५	९	शु.	२७	८	वि.	४	३४	वृ.	४३	१२	ग.	२७	८	व.	५५	१६	मातंग	३	२२	२०				६	३३	५	२७	९	२०	४४	३१	६१	३
२७	१८	१०	श.	२३	२४	ऽनु.	२	१३	ध्रु.	४१	११	वि.	२३	२४	बव	५२	०	अमृत	४	२३	२१				६	३३	५	२७	९	२१	४५	३२	६१	३
२७	२१	११	र.	२०	३७	ज्ये.	०	३९	व्या	३८	११	वा.	२०	३७	कौ.	४९	४७	काण	५	२४	२२	ध.	०	३९	६	३२	५	२८	९	२२	४६	३३	६१	१
२७	२४	१२	चं.	१८	५७	मू.	०	७	ह.	३४	१७	तै.	१८	५७	ग.	४८	४२	लुम्ब	६	२५	२३				६	३२	५	२८	९	२३	४७	३३	६०	५९
२७	२७	१३	मं.	१८	२८	पू.	०	४९	व.	२२	३४	व.	१८	२८	वि.	४८	५३	मित्र	७	२६	२४	म.	१६	१८	६	३१	५	२९	९	२४	४८	३०	६०	५७
२७	३०	१४	बु.	१९	१९	उ.	२	४६	सि.	२३	३०	श.	१९	१९	च.	५०	२६	वज्र	८	२७	२५				६	३०	५	३०	९	२५	४९	२५	६०	५६
२७	३४	३०	बृ.	२१	३३	श्र.	६	०	व्य.	१७	२०	ना.	२१	३३	किं.	५३	१२	ध्वज	९	२८	२६	कुं.	३८	९	६	२९	५	३१	९	२६	५०	२९	६०	५४

भ. ३२।३९ उ. ।
भ. ०।१ या. । संकष्टी गणेश ४ व्रतम् ।
या. ज. मु. हस्त भे दक्षिण यात्रा मु. ।
भ. ४२।३२ उ. । हस्त भे दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु. ।
भ. ९।४४ या. । फरवरी । भानुसप्तमी ।
बुधोदयः पश्चिमायाम् ४।१७
भ. ५५।१६ उ. । अनु. भे उदीच्यां यात्रा मु. ।
भ. २३।२४ या. ।
षट्तिला ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
वसुभेऽर्कः १२।४० । प्रदोषः । शते बुधः ४।११ ।
भ. १८।२८ उ. ४७।५३ या. । मास शिवरात्रि व्रतम् ।

स्नानदानादौ ३० । पञ्चकारम्भः ३८।९ ।

माघ कृष्ण २ शनौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	६	९	३	१०	११	०	६
१४	२	२३	३	३	०	१८	१८
४१	०	२४	२३	५३	४७	४	४
५०	२५	२३	५६	१९	५१	२१	२१
६१	४०	११३	४८	७३	५	३	३
१०	१७	३३	व.	३७	३५	११	११

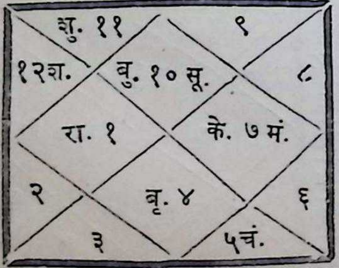

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.	२ श.	३ र.	५ चं.	६ मं.	७ बु.	८ बृ.	९ शु.	१० श.	११ र.	१२ चं.	१३ मं.	१४ बु.	३० बृ.
म. अं.	७ ३७	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २०	७ १५	७ १०	७ ६	७ २	६ ५८	६ ५४	६ ५०	६ ४६	६ ४२
कुं. अं.	९ ९	९ ५	९ ०	८ ५६	८ ५२	८ ४८	८ ४४	८ ४०	८ ३५	८ ३१	८ २७	८ २३	८ १९	८ १५
मी.अं.	१० ३७	११ ३२	११ २८	११ २४	११ २०	११ १६	११ १२	११ ८	११ ४	११ ०	१० ५६	१० ५२	१० ४८	१० ४३
मे. अं.	१२ १५	१२ १०	१२ ६	१२ २	११ ५८	११ ५३	११ ४९	११ ४५	११ ४०	११ ३६	११ ३२	११ २८	११ २४	११ २०
वृ. अं.	२ ११	२ ७	२ २	१ ५८	१ ५४	१ ५०	१ ४५	१ ४१	१ ३७	१ ३३	१ २९	१ २५	१ २१	१ १७
मि. अं.	४ २५	४ २०	४ १६	४ १२	४ ८	४ ३	३ ५९	३ ५५	३ ५०	३ ४६	३ ४२	३ ३८	३ ३४	३ ३०
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
क. अं.	६ ४४	६ ४०	६ ३५	६ ३२	६ २७	६ २३	६ १९	६ १५	६ १०	६ ६	६ २	५ ५८	५ ५३	५ ४९
सिं. अं.	८ ५९	८ ५५	८ ५१	८ ४७	८ ४२	८ ३८	८ ३४	८ ३०	८ २५	८ २०	८ १६	८ १२	८ ८	८ ४
कं. अं.	११ १३	११ ८	११ ४	११ ०	१० ५६	१० ५२	१० ४८	१० ४४	१० ४०	१० ३६	१० ३२	१० २८	१० २४	१० २०
तु. अं.	१ ३०	१ २५	१ २२	१ १६	१ १२	१ ८	१ ४	१ ०	१२ २६	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६
वृ. अं.	३ ४७	३ ४२	३ ३८	३ ३४	३ ३०	३ २६	३ २१	३ १७	३ १३	३ ९	३ ५	३ १	२ ५७	२ ५३
ध. अं.	५ ५२	५ ४८	५ ४३	५ ३९	५ ३५	५ ३२	५ २७	५ २३	५ १९	५ १५	५ ११	५ ७	५ ३	४ ५८

मा. कृ. १३ भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	६	१०	३	१०	११	०	६
२४	५	८	२	१६	१	१७	०
५४	०	५४	६	३०	४२	३७	३७
४१	१३	१५	७	२५	९	३२	३२
६०	२१	१००	३८	७८	६	३	३
५७	११	२	व.	४५	१	११	११

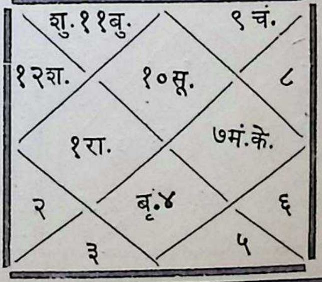

दि.मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः		श्री शुभ संवत् २०२३ शके १८८८ माघ शुक्लपक्षः।फरवरी १० से २४ तक। सौम्यायनम्। याम्यगोलः। हेमन्तऋतुः।
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि	
२७	३७	१	शु.	२४	५१	ध.	१०	१९	व.	१०	९	वव	२४	५१	वा.	५७	२	धाता	१०	२३	२७				६	२८	५	३२	९	२७	५१	११	६०	५२	चन्द्रदर्शनम्। पू. भा. भे. शुक्रः ३४।४१।
२७	४०	२	श.	२९	१३	श.	१५	४६	प.	२/५२	१६/४७	कौ.	२९	१३	तै.	६०	०	आनन्द	११	१	२८				६	२७	५	३३	९	२८	५२	२	६०	५२	शव्वाल।
२७	४३	३	र.	३४	१७	पू.	२१	५१	सि.	४७	४	तै.	१	४५	ग.	३४	१७	चर	१२	२	२९	मी.	५	२०	६	२७	५	३३	९	२९	५२	५३	६०	५१	कुंभेऽर्कः ४५।५५। उत्तरा योगे या. जय. मु. स. सि.योगश्च।
२७	४७	४	चं.	३९	४२	उ.	२८	२४	सा.	३७	१४	व.	६	५९	त्रि	३९	४२	गद	१३	३	१				६	२६	५	३४	१०	०	५३	४२	६०	४९	भ. ६।५९ उ.३९।४२ या.।रेवत्यां पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.।a
२७	५०	५	मं.	४५	२	रे.	३४	५७	शु.	३१	३३	वव	१२	२२	वा.	४५	२	शुभ	१४	४	२	मे	३४	५७	६	२५	५	३५	१०	१	५४	२९	६०	४७	आश्विनी योगे अ सि. योगः। पञ्चक समाप्त ३४।५७।
२७	५३	६	बु.	४९	४८	अ.	४१	१	शु.	२४	१७	कौ.	१७	२५	तै.	४९	४८	मृत्यु	१५	५	३				६	२५	५	३५	१०	२	५५	१५	६०	४४	प्राच्यां यात्रा मु.।
२७	५७	७	बृ.	५३	४९	भ.	४६	२१	ब्र.	१७	२२	ग.	२१	३३	व.	५३	४९	पद्म	१६	६	४				६	२४	५	३६	१०	३	५६	५७	६०	४२	भ. ५३।४९ उ.।या. ज. मु.। स्वात्यां भौमः ५८।८९। पू.भा.b
२८	०	८	शु.	५६	३४	कृ.	५०	३६	ऐं.	११	१४	वि.	२५	११	वव	५६	३४	छत्र	१७	७	५	वृ.	२	२५	६	२३	५	३७	१०	४	५६	२९	६०	३९	भ. २५।११ या.। भीष्माष्टमी। aसौर फाल्गुनारम्भः।
२८	४	९	श.	५८	१३	रो.	५३	४५	वै.	५	४२	वा.	२७	२३	कौ.	५८	१३	श्रीवत्स	१८	८	६				६	२३	५	३७	१०	५	५७	१६	६०	३७	मीने शुक्र ५९।२३। bभे बुधः ४९।११।
२८	७	१०	र.	५८	२९	मृ.	५५	३५	वि.	१/५६	३/२१	व.	२८	२१	ग.	५८	२९	सौम्य	१९	९	७	मि.	२४	४०	६	२२	५	३८	१०	६	५७	५२	६०	३७	शतभेऽर्कः २२।४०। c २ चरणे केतुः ५।१९।
२८	११	११	चं.	५७	३१	आ.	५६	१३	आ	५४	४२	तै.	२८	०	वि	५७	३१	काल	२०	१०	८				६	२१	५	३९	१०	७	५८	२८	६०	३६	भ. २८।० उ. ५७।३१ या.। ११ व्रतं स्मार्तानाम्।
२८	१३	१२	मं.	५५	२०	पु.	५५	३७	सौ.	५३	५	व.	२६	२५	वा.	५५	२०	स्थिर	२१	११	९	क.	४०	४६	६	२१	५	३९	१०	८	५९	२	६०	३६	उ. भा. भे शनिः ४१।१।
२८	१८	१३	बु.	५२	४	पु.	५४	०	शो.	५२	१७	कौ.	२३	४२	तै.	५२	४	मातंग	२२	१२	१०				६	२०	५	४०	१०	९	५९	३७	६०	३४	प्रतीच्यां यात्रा मु.। उ. भा. भे शनिः १४।७।
२८	२१	१४	बृ.	४७	५७	श्ले.	५१	३३	अ.	५२	२५	ग.	२०	०	व.	४७	५७	अमृत	२३	१३	११	सि.	५१	३३	६	१९	६	४१	१०	१०	०	१०	६०	३४	भ. ४७।५७ उ.। बुधास्तः पश्चिमायाम् ४४।१८।
२८	२५	१५	शु.	४३	३	म.	४८	२२	सु.	५३	१४	वि.	१५	३०	वव	४३	३	काण	२४	१४	१२				६	१९	६	४१	१०	११	०	४१	६०	३३	भ.१५।३० या.। वक्रगत्या आश्विनी भे४चरणे राहुः स्वात्यांe

माघ शु. ८ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	६	११	३	१०	११	०	६
४	७	२०	१	२८	२	१७	१७
५६	२३	२४	०	४८	५४	१०	१०
२९	५६	१९	७	२५	२३	२१	२१
६०	१३	२०	७/३७	७३	७	३	३
४१	२४	१७	व	४३	३५	११	११

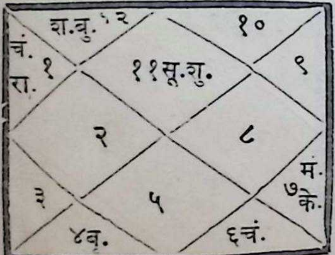

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.		२श.		३ र.		ति.	४ चं.		५ मं.		६ बु.		७ बृ.		८ शु.		९ श.		१० र.		११ चं.		१२मं.		१३बु.		१४ बृ.		१५ शु.	
म. अं.	६	३८	६	३४	६	३०	कुं.	७	५५	७	५४	७	५०	७	४७	७	४३	७	३९	७	३५	७	३१	७	२७	७	२४	७	२०	७	१६
कुं. अं.	८	१०	८	६	८	२	मी.	९	२६	९	२३	९	१९	९	१६	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४
मी. अं.	९	३८	९	३४	९	३०	मे.	११	४	११	०	१०	५६	१०	५३	१०	५०	१०	४६	१०	४२	१०	३८	१०	३४	१०	३०	१०	२५	१०	२२
मे अं.	११	१६	११	१२	११	८	वृ.	१	०	१२	५६	१२	५३	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२६	१२	२२	१२	१८
वृ. अं.	१	१२	१	८	१	४	मि.	३	१४	३	१०	३	७	३	४	३	०	२	५६	२	५२	२	४८	२	४४	२	४०	२	३६	२	३२
मि. अं.	३	२६	३	२२	३	१८	क.	५	३३	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८	५	१४	५	१०	५	६	५	२	४	५८	४	५४	४	५०
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
क अं.	५	४५	५	४१	५	३७	सिं.	७	४८	७	४४	७	४०	७	३६	७	३२	७	२९	७	२५	७	२२	७	१९	७	१५	७	११	७	७
सिं. अं.	८	०	७	५६	७	५२	कं.	१०	२	९	५८	९	५४	९	५०	९	४७	९	४३	९	३९	९	३६	९	३२	९	२८	८	२४	९	२०
कं. अं.	१०	१४	१०	१०	१०	६	तु.	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५७	११	५३	११	५०	११	४६	११	४२	११	३८
तु. अं.	१२	३१	१२	२७	१२	२३	वृ.	२	३६	२	३२	२	२८	२	२४	२	२०	२	१७	२	१४	२	१०	२	६	२	२	१	५८	१	५४
वृ. अं.	२	४८	२	४४	२	४०	ध.	४	४१	४	३७	४	३४	४	३१	४	२७	४	२३	४	१९	४	१५	४	११	४	७	४	३	३	५९
ध. अं.	४	५३	४	४९	४	४५	म.	६	२६	६	२२	६	१८	६	१४	६	११	६	८	६	४	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४

माघ. शु. १५ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	६	१०	३	११	११	०	६
११	८	२३	०	७	३	१६	१६
०	२९	७	१६	१४	४४	४२	४२
४१	५५	१४	११	४३	१४	३१	३१
६०	१०	२६	४/१४	७	७	३	३
३३	२७	४५	व.	१५	१४	११	११

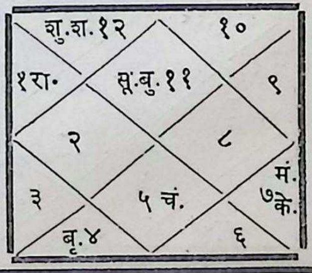

द.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	व.	चं. रा.प्र. रा.	घ.	प.	सू.उ. घं.	मि.	सू.अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्य. रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२८	२९	१	श.	३७	३९	पू.	४४	४०	धृ.	५४	२८	वा.	१०	२१	कौ.	३७	३९	लुम्ब	२५	१५	१३	कं.	५८	३९	६	१८	५	४२	१०	१३	१	८	६०	२८
२८	३२	२	र.	३१	५१	उ.	४०	३६	शू.	५५	५४	तै.	४	४६	ग.	३१/५८	५१/५२	मित्र	२६	१६	१४				६	१८	५	४२	१०	१४	१	३२	६०	२५
२८	३६	३	चं.	२५	५४	ह.	३६	२५	गं.	५७	११	वि.	२५	१४	वव	१२	५७	वज्र	२७	१७	१५				६	१७	५	४३	१०	१५	१	५३	६०	२२
२८	३९	४	मं.	२०	१	चि.	३२	२२	वृ.	५८	१	वा.	२०	१	कौ.	४७	१३	ध्वांक्ष	२८	१८	१६	तु.	४	२३	६	१६	५	४४	१०	१६	२	११	६०	१९
२८	४३	५	बु.	१४	२६	स्वा	२८	३६	ध्रु.	५८	१३	तै.	१४	२६	ग.	४१	५०	धूम्र	१	१९	१७				६	१५	५	४५	१०	१७	२	२७	६०	१७
२८	४७	६	बृ.	९	१४	वि.	२५	१८	व्या	५७	३१	व.	९	१४	वि	३६	५८	दर्द्ध.	२	२०	१८	वृ.	११	८	६	१४	५	४६	०	१८	२	३१	६०	१४
२८	५०	७	शु.	४	४२	ऽनु.	२२	४५	ह.	५५	५७	वव	४	४२	वा.	३२	४९	रक्ष	३	२१	१९				६	१४	५	४६	१०	१९	२	५३	६०	१२
२८	५४	८	श.	०/५७	५७/१३	ज्ये.	२०	५९	व.	५३	१९	कौ.	०	५७	तै.	२९/५८	३३/१०	मुशल	४	२२	२०	ध.	२०	५९	६	१३	५	४७	१०	२०	३	३	६०	११
२८	५८	१०	र.	५६	३	मू.	२०	१६	सि.	४९	४३	व.	२७	२०	वि.	५६	३१	सिद्धि	५	२३	२१				६	१२	५	४८	१०	२१	३	१२	६०	१०
२९	१	११	चं.	५६	४	पू.	२०	४३	व्य.	४५	९	वव	२६	१७	वा.	५६	४	उत्पात.	६	२४	२२	म.	३६	११	६	११	५	४९	१०	२२	३	२०	६०	९
२९	५	१२	मं.	५६	५७	उ.	२२	२५	व.	३९	४४	कौ.	२६	३०	तै.	५६	५७	मानस	७	२५	२३				६	१०	५	५०	१०	२३	३	२८	६०	८
२९	९	१३	बु.	५९	१२	श्र.	२५	२१	प.	३३	३६	ग.	२८	४	व.	५९	१२	छत्र	८	२६	२४	कु.	५७	२४	६	१०	५	५०	१०	२४	३	३४	६०	६
२९	१३	१४	बृ.	६०	०	ध.	२९	२८	शि.	३६	४४	वि	३०	५१	श.	६०	०	श्रीवत्स	९	२७	२५				६	९	५	५१	१०	२५	३	३८	६०	४
२९	१६	१४	शु.	२	३०	श.	३४	४१	सि.	१९	२५	श.	२	३०	च.	३४	४१	सौम्य	१०	२८	२६				६	८	५	५२	१०	२६	३	४०	६०	२
२९	२०	३०	श.	६	५३	पू.	४०	४०	सा.	११	५३	ना.	६	५३	किं.	३९	२४	काल.	११	२९	२७	मी.	२४	१०	६	७	५	५३	१०	२७	३	३९	६०	०

श्री शुभ संवत् २०२३ शके १८८८ फाल्गुन कृष्णपक्षः ।फरवरी २५ से मार्च ११ तक । सौम्यायनम् याम्यगौलः । हेमन्तऋतुः ।

भ. ५८।५२ उ. । स. सि. योगः । पू. भा. भे बुधः ४४।११ ।
भ. २५।५४ या. । भद्रान्ते दक्षिण यात्रा मु. ।
वक्री बुधः १५।४५ ।
मार्च । वक्रगत्या मिथुने गुरुः ४८।७ । bयोगश्च ।
भ. ९।१४ उ. ३६।५८ या. । अनु. भे. या. ज. स. सि. b
स. सि. योगः ।
पूर्वा भाद्रपदास्वर्कः ३३।४० ।
भ. २७।२० उ. ५६।३१ या. । स. सि. योगः ।
उत्तरा योगे ज. मु. । ११ स्मार्तानाम् । a बुधः ४।१९
श्रवसि दक्षिण यात्रा मु. । ११ वैष्णवानाम् । वक्रगत्या शते a
भ. ५९।१२ उ. । श्रवसि दक्षिणपूर्व यात्रा मु.। पञ्चकारम्भःc
भ. ३०।५१ या. । महाशिवरात्रि व्रतम् ।
वक्री भौमः १३।१४ ।
स्नानादौ ३० । c ५७।२४ । प्रद

फाल्गुन कृ. ३ चन्द्रे इ. ९।५८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	६	१०	३	११	११	०	६
१५	९	२४	०	११	४	१६	१६
६	०	१५	६	६	६	३३	३३
३४	५	३५	२६	२७	२५	३५	३५
६०	१०	२६	४	७५	७	३	३
१२	१७	३५	१५	३५	१५	११	११

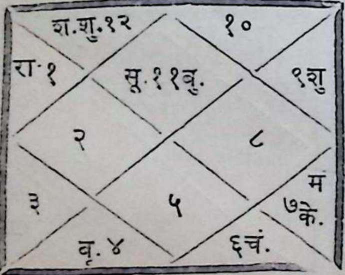

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.		२ र.		३ चं.		४ मं.		५बु.		६ बृ.		७ शु.		८ श.		१० र.		११ चं.		१२ मं.		१३ बु.		१४ बृ.		१४ शु.		३० श.	
कुं. अं.	७	१३	७	१०	७	६	७	२	६	५८	८	५४	६	५०	६	४७	६	४३	६	३९	६	३५	६	३१	६	२७	६	२३	६	१९
मी.अं.	८	४१	८	३७	८	३४	८	३०	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५५	७	५१	७	४७
मे. अं.	१०	१	१०	१५	१०	११	१०	७	१०	४	१०	०	९	५६	३	५२	९	४६	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४
वृ. अं.	१२	१५	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५६	११	५२	११	४८	११	४५	११	४१	११	३७	११	३३	११	२९	११	२५	११	२१
मि.अं.	२	२६	२	२६	२	२२	२	१८	२	१५	२	११	२	७	२	३	१	५९	१	५४	१	५०	१	४६	१	४२	१	३८	१	३४
क. अं.	४	४८	४	४४	४	४०	४	३६	४	३२	४	२८	४	२५	४	२१	४	१७	४	१३	४	९	४	५	४	१	३	५७	३	५३
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
सिं.अं.	७	३	७	०	६	५६	६	५२	६	४८	६	४४	६	४०	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	९
कं. अं.	९	१७	९	१४	९	१०	९	७	९	३	९	०	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३६	८	३२	८	२८	८	२३
तु. अं.	११	३४	११	३०	११	२६	११	२३	११	१९	११	१५	११	११	११	८	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०
वृ. अं.	१	५१	१	४८	१	४४	१	४०	१	३६	१	३२	१	२८	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५७
ध. अं.	३	५६	३	५२	३	४९	३	४६	३	४२	३	३८	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	३	१४	३	१०	३	७	३	३
म. अं.	५	४१	५	३	५	३४	५	३०	५	२६	५	२७	५	१८	५	१४	५	१०	५	७	५	३	५	०	४	५६	४	५२	४	४८

फाल्गुन कृ. १४ गुरौ. इ. ०।०

सू.	मं.		बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	६	१	२	११	११	०	६
२५	९	१९	९	२३	५	१६	१६
७	०	१६		४०	१८	६	६
४९	९	१३	२	५	१५	९	९
७	०	३७/१५	२/१५	८२	१३	३	३
३	१५	व.	व.	१७	९	११	११

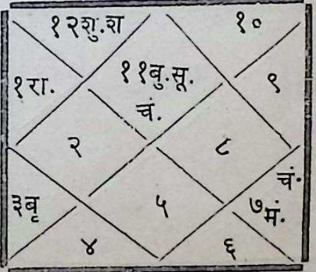

श्री शुभ संवत् २०२३ शके १८८८ फाल्गुन शुक्लपक्षः ।
मार्च १२ से २६ तक । सौम्यायनम् याम्यगोलौ । हेमन्तऋतुः ।

दि. मा.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं	फा.	वं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः		
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	
२९	२२	१	र.	११	५६	उ.	४७	८	शु.	४/५६	६/५	वव	११	५६	वा.	४४	३५	स्थिर	१२	३०	२८				६	७	५	५३	१०	२८	३	३६	५९	५७	स. सि. योगः । या. ज. मु. ११।८६ या. । चन्द्रदर्शनम् ।
२९	२७	२	चं.	१७	१४	रे.	५३	४२	ब्र.	४८	३४	कौ.	१७	१४	तै.	४९	५१	मातंग	१३	१	२९	मे.	५३	४२	६	६	५	५४	१०	२९	३	३१	५९	५५	पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. । जिकअद ।
२९	३१	३	मं.	२२	२९	अ.	५९	५६	ऐ.	४१	११	ग.	२२	२९	व.	५४	४९	अमृत	१४	२	३०				६	५	५	५५	११	०	३	२४	५९	५२	भ. ५४।४९ उ. । मीनेऽर्कः ३६।१ स. सि.अ.सि.योगः ।
२९	३६	४	बु.	२७	९	भ.	६०	०	वै.	३४	१२	वि.	२७	९	वव	५९	५	मृत्यु	१५		१				६	५	५	५५	११	१	३	१४	५९	५०	भ. २७।९ या. । सौर चैत्रारम्भः । मेषे शुक्रः ५।१४ ।
२९	४०	५	बृ.	३१	१	भ.	५	२८	वि.	२७	५२	वा.	३१	१	कौ.	६०	०	पद्म	१६	४	२	वृ.	२१	३६	६	४	५	५६	११	२	३	२	५९	४८	या. ज. मु. ५।२८ या. । वुधोदयः पूर्वस्याम् ४४।१७ ।
२९	४४	६	शु.	३३	४१	कृ.	९	५९	प्री.	२२	८	कौ.	२	२१	तै.	३३	४१	छत्र	१७	५	३				६	३	५	५७	११	३	२	४८	५९	४६	उत्तराभाद्र पदास्वर्कः ५३।४० । मार्गी गुरुः ५।८ ।
२९	४८	७	श.	३५	१२	रो.	१३	१४	आ.	१७	१५	ग.	४	२६	व.	३५	१२	श्रीवत्स	१८	६	४	मि.	४४	२३	६	२	५	५८	११	४	२	३३	५९	४४	भ. ३५।१२ उ. । स. सि. योगः । या. ज. मु. १३।१४या. ।*
२९	५२	८	र	३५	२०	मृ.	१५	३२	सौ.	१३	२२	वि.	५	१६	वव	३५	२०	सौम्य	१९	७	५				६	२	५	५८	११	५	२	१५	५९	४२	भ. ५।१६ या. । होलाष्टकारम्भः ।
२९	५२	९	चं.	३४	१३	आ.	१६	२४	शो.	१०	२९	वा.	४	४६	कौ.	३४	४३	काल	२०	८	६				६	१	५	५९	११	६	१	१५	५९	३९	*मृग भे दक्षिण पश्चिमौ यात्रा मु. ।
३०	०	१०	मं.	३१	५२	पु.	१६	४	अ.	८	२९	तै.	३	२	ग.	३१	५२	स्थिर	२१	९	७	क.	१	९	६	०	६	०	११	७	१	३३	५९	३७	याम्ये यात्रा मु. । ऽ ११ सर्वेषाम् ।
३०	१	११	बु.	२८	२९	पु.	१४	३८	सु.	७	३३	व.	०	१०	वि	२८/५६	२९/२१	मातंग	२२	१०	८				६	५९	६	१	११	८	१	८	५९	३४	भ. ०।१० उ. २८।२९ या. । प्रतीच्यां यात्रा मु. । आमलकी ऽ
३०	६	१२	बृ.	२४	१४	श्ले.	१२	२६	धृ.	७	२८	वा.	२४	१४	कौ.	५१	४४	अमृत	२३	११	९	सिं.	१२	२६	६	५९	६	१	११	९	०	४८	५९	३२	प्रदोषः । § त्सवः । चौसट्ठी दर्शनम् ।
३०	९	१३	शु.	१९	१५	म.	९	२२	शू.	८	१४	तै.	१९	१५	ग.	४६	२९	काण	२४	१२	१०				६	५८	६	२	११	१०	०	११	५९	३०	‡होलिकादाहः भद्रान्ते ।
३०	११	१४	श.	१३	४४	पू.	५	४५	गं.	९	२९	व.	१३	४४	वि.	४०	४९	लुम्ब	२५	१३	११	कं.	१९	४७	६	५८	६	२	११	१०	५९	४०	५९	२८	भ. १३।४४ उ. ४०।४९ या. । पूर्णिमा योगे या. ज. मु. ।‡
३०	१५	१५	र.	७	५४	उ.	१/५५	४७/५८	वृ.	११	१	वव	७	५४	वा.	३४	५२	मित्र	२६	१४	१२				६	३७	६	३	११	११	५९	७	५९	२६	स.सि. योगः१।४७ या.। होलिका विभूति धारण म् । वसन्तो-§

फा. शु. ८ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	६	१०	२	०	११	०	६
५	८	१३	२९	५	६	१५	१५
२	०	३७	१२	४३	२१	६	६
१५	३	३१	२५	४१	३७	९	९
५९	६/१५	८/१७	०	७८	१	३	३
४२	व.	व.	मा.	१५	१९	११	११

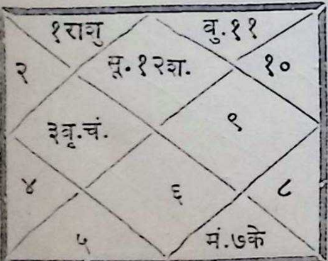

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.	२ चं.	३ मं.		४ बु.	५ बृ.	६ शु.	७ श.	८ र.	९ च.	१० मं.	११ बु.	१२ बृ.	१३ शु.	१४ श.	१५ र.
कुं. अं.	६ १६	६ १२	६ ८	मी.	७ ३२	७ २८	७ २५	७ २१	७ १७	७ १४	७ १०	७ ६	७ २	६ ५८	६ ५४	६ ५०
मी. अं.	७ ४४	७ ४०	७ ३६	मे.	९ १०	९ ६	९ २१	८ ५८	८ ५४	८ ५०	८ ४७	८ ४४	८ ४०	८ ३६	८ ३२	८ २८
मे. अं.	९ २१	९ १८	९ १४	वृ.	११ ६	११ २	१० ५८	१० ५४	१० ५०	१० ४६	१० ४२	१० ३९	१० ३६	१० ३३	१० २९	१० २५
वृ. अं.	११ १८	११ १४	११ १०	मि.	१ २०	१ १६	१ १२	१ ८	१ ४	१ ०	१२ ५७	१२ ५४	१२ ५०	१२ ४६	१२ ४२	१२ ३८
मि अं.	१ ३१	१ २८	१ २४	क.	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २९	३ २६	३ २२	३ १८	३ १४	३ १०	३ ६	३ २	२ ५८
क. अं.	३ ५०	३ ४७	३ ४३	सिं.	५ ५५	५ ५१	५ ४७	५ ४३	५ ४०	५ ३६	५ ३२	५ २८	५ २४	५ २०	५ १६	५ १२
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
सिं. अं.	६ ६	६ २	५ ५८	कं.	८ ८	८ ४	८ ०	७ ५७	७ ५३	७ ४९	७ ४६	७ ४२	७ ३८	७ ३४	७ ३०	७ २६
कं. अं.	८ १०	८ १६	८ १२	तु.	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० १०	१० ७	१० ३	९ ५९	५ ५४	९ ५०	९ ४६	९ ४२
तु. अं.	१० ३७	१० ३३	१० २९	वृ.	१२ ४२	१२ ३८	१२ ३४	१२ ३०	१२ २७	१२ २३	१२ २०	१२ १६	१२ १२	१२ ८	१२ ४	१२ ०
वृ. अं.	१२ ५४	१२ ५०	१२ ४६	ध.	२ ४७	२ ४३	२ ४०	२ ३६	२ ३२	२ २८	२ २४	२ २०	२ १७	२ १३	२ ९	२ ५
ध. अं.	३ ०	२ ५५	२ ५१	म.	४ ३२	४ २८	४ २५	४ २१	४ १७	४ १४	४ १०	४ ६	४ २	३ ५८	३ ५४	३ ५०
म. अं.	४ ४४	४ ४०	४ ३६	कुं.	६ ४	६ ०	५ ५६	५ ५२	५ ४९	५ ४५	५ ४१	५ ३७	५ ३४	५ ३०	५ २६	५ २२

फा. शु. १५ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	६	१०	२	०	११	०	६
११	६	१५	२९	१३	७	१४	१४
५९	५६	४१	१२	५८	२४	४७	४७
७	१४	४४	४	४४	११	१६	१५
५९	१०	२०	०/१	७८	१०	३	३
२६	२	१५	व.	१४	८	११	११

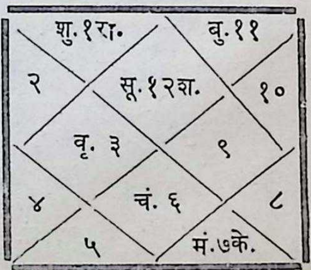

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	ग्रं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३०	२०	१	चं.	[illegible]/५४	५९/३	चि.	५३	३२	ध्रु	१२	२६	कौ.	१	५१	तै.	२८/५५	[illegible]/५४	मुद्गर	२७	१५	१३	तु.	२५	३८	५	५६	६	४	११	१२	५८	३१	५६	२३
३०	२४	३	मं.	५०	१६	स्वा	४९	३९	व्या	१३	३०	ब.	२३	५	वि.	५०	१६	ध्वज	२८	१६	१४				५	५५	६	५	११	१३	५७	५२	५९	२०
३०	२७	४	बु.	४५	१	वि.	४६	१४	ह.	१३	५६	वव	१७	३८	वा.	४५	१	धाता	२९	१७	१५	वृ.	३२	५	५	५४	६	६	११	१४	५७	११	५९	१८
३०	३१	५	बृ.	४०	२७	अनु.	४३	३०	व.	१३	२५	कौ.	१२	४४	तै.	४०	२७	आनंद	३०	१८	१६				५	५४	६	६	११	१५	५६	२५	५९	१६
३०	३५	६	शु.	३६	४१	ज्ये.	४९	४३	सि.	१३	२२	ग.	८	३४	व.	३६	४१	चर	३१	१९	१७	ध.	४९	४३	५	५३	६	७	११	१६	५५	४४	५९	१४
३०	३९	७	श.	३३	५५	मू.	४०	३८	व्य.	१०	७	वि.	५	१८	वव	३३	५५	गद	१	२०	१८				५	५२	६	८	११	१७	५४	५७	५९	१२
३०	४२	८	र.	३२	१३	पू.	४०	४९	व.	६	१२	वा.	३	४	कौ.	३२	१३	शुभ	२	२१	१९	म.	५६	१०	५	५२	६	८	११	१८	५४	८	५९	९
३०	४६	९	चं.	३१	३५	उ.	४२	१३	प.	४/५४	३६/५४	तै.	१	५९	ग.	३१	४५	मृत्यु	३	२२	२०				५	५१	६	९	११	१९	५३	१६	५९	६
३०	४९	१०	मं.	३२	३५	श्र.	४४	५५	सि.	११	३७	व.	२	१०	वि.	३२	३५	लुम्ब	४	२३	२१				५	५०	६	१०	११	२०	५२	२१	५९	४
३०	५३	११	बु.	३४	४७	ध.	४८	४७	सा.	४५	४	वव	३	४१	वा.	३४	४७	मित्र	५	२४	२२	कुं.	१६	५१	५	४९	६	११	११	२१	५१	२५	५९	२
३०	५७	१२	बृ.	३८	२	श.	५३	४७	शु.	३७	४०	कौ.	६	२४	तै.	३८	२	वज्र	६	२५	२३				५	४९	६	११	११	२२	५०	२७	५९	०
३१	०	१३	शु.	४२	२०	पू.	५९	३७	शु.	३०	२७	ग.	९	११	व.	४२	२०	ध्वांक्ष	७	२६	२४	मी.	४३	१०	५	४८	६	१२	११	२३	४९	२६	५८	५८
३१	४	१४	श.	४७	१९	उ.	६०	०	ब्र.	२२	४७	वि.	१४	४९	श.	४७	१९	धूम्र	८	२७	२५				५	४७	६	१३	११	२४	४८	२४	५८	५६
३१	८	३०	र	५२	३३	उ.	६	५	ऐं.	१७	४४	च.	१९	५२	ना.	५२	३३	स्थिर	९	२८	२६				५	४६	६	१४	११	२५	४७	१९	५८	५३

श्री संवत् २०२३ शके १८८८ चैत्र कृष्णपक्षः।
मार्च २७ से अप्रैल ९ तक। सौम्यायन याम्यगोलः। वसन्तऋतुः
वसन्तोत्सवः। चूतकुसुम प्राशनम्। भरणी भे.शुक्रः ४१।२५।
भ. २३।५ उ. ५०।१६ या.। बुधास्तः पश्चिमायाम् ०।९
अनु. भे. स. सि. योगः।
या. ज. मु. पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.।
भ. ३६।४१ उ.। रेवत्यामर्कः २४।४०।
भ. ५।१८ या.। अप्रैल।
उत्तरायोगे स. सि. योगः।
श्रवसि दक्षिण यात्रा मु.। स.सि.योगः। पुनः पू.भा. भे बुधः। भार
भ. २।१० उ. ३२।३५ या.।
दक्षिणपश्चिमौ यात्रा मु. १६।५१या.। पापमोचनी ११ a
प्रदोषः। a व्रतं सर्वेषाम् पञ्चकारम्भः १६।५१
भ. ४२।२० उ.। वृषे शुक्रः ५९।७।
भ. १४।४९ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्।
श्राद्धादौ ३०। मीने बुधः ५८।२९।

चत्र कृ. ४ बुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	६	१०	२	०	११	०	६
१४	५	१६	२९	१७	७	१४	१५
५७	६	४२	१२	४२	५४	३८	३९
११	३६	२३	७	१७	२५	४५	४५
५९	१०	२०	१	७८	१०	३	३
१८	७	११	मा.	२३	७	११	१

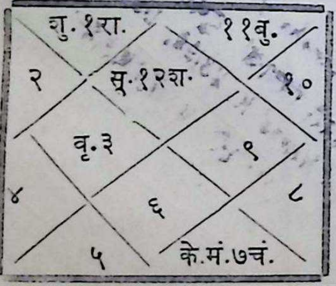

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.		३ मं.		४ बु.		५ बृ.		६ शु.		७ श.		८ र.		९ चं.		१० मं.		११ बु.		१२बृ.		१३ शु.		१४ श.		३० र.	
मी. अं.	६	४७	६	४४	६	४०	६	३६	६	३२	६	२९	६	२५	६	२१	६	१८	६	१५	६	११	६	७	६	३	५	५९
मे. अं.	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	१०	८	६	८	२	७	५९	७	५६	७	५२	७	४८	७	४४	७	४०	७	३६
वृ. अं.	१०	२१	१०	१७	१०	१४	१०	१०	१०	६	१०	२	९	५८	९	५५	९	५२	९	४७	९	४३	९	३९	९	३५	९	३७
मि. अं.	१२	३५	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५७	११	५४	१२	५०	११	४६
क. अं.	२	५४	२	५०	२	४७	२	४३	२	४०	२	३६	२	३२	२	२८	२	२४	२	२०	२	१७	२	१३	२	९	२	५
सिं. अं.	५	९	५	५	५	२	४	५८	४	५४	४	५०	४	४७	४	४३	४	३९	४	३५	४	३१	४	२७	४	२३	४	१९
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कं. अं.	७	२३	७	२०	७	१६	७	१२	७	८	७	४	७	०	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४२	६	३८	६	३४
तु. अं.	९	३९	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१७	९	१४	९	१०	९	६	९	२	८	५८	८	५५	८	५१
वृ. अं.	११	५७	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२	११	३८	११	३४	११	३०	११	२७	११	२३	११	१९	११	१५	११	१२	११	८
ध. अं.	२	२	१	५८	१	५४	१	५१	१	४७	१	४४	१	४०	१	३६	१	३२	१	२८	१	२४	१	२०	१	१६	१	१३
म. अं.	३	४७	३	४४	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२५	३	२२	३	१८	३	१४	३	२०	३	७	३	३	२	५९
कुं. अं.	५	१९	५	१६	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५७	४	५३	४	५०	४	४६	४	४२	४	३८	४	२४	४	३०

चैत्र कृ. १४ शनौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	६	१०	२	१	११	०	६
२३	२	२८	२९	०	९	१५	१५
४९	०	३६	४२	०	२	१५	१५
२६	७	९	३५	५	२२	२२	२३
५८	९	८१	३/१४	८१	९	३	३
५८	५८	३	मा.	४	१५	११	११

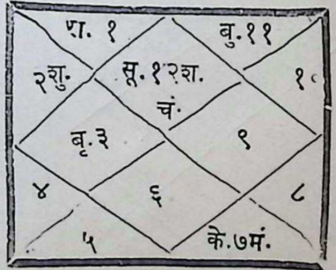

विवाहे पञ्चशलाकाचक्रम्

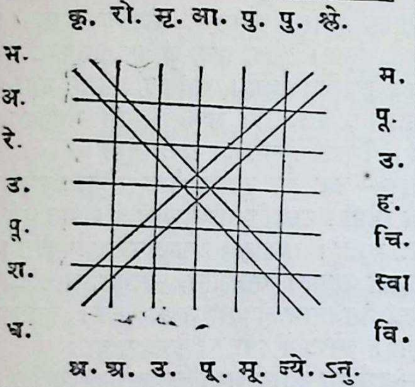

राजा चन्द्रः

श्रीगणेशाय नमः

मन्त्री गुरुः

अन्येषु सप्तशलाकाचक्रम्

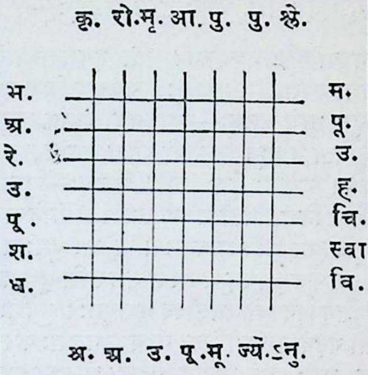

श्री संवत् २०२४, शकः १८८९, हिजरी सन् १३८६-८७, फसली सन् १३७४-७५, ईस्वी सन् १९६७-६८ ।
'रौद्र' नाम संवत्सरः

विंशोत्तरी मतेन आयव्यय चक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
११	५	११	५	८	११	५	११	८	२	२	८
१४	८	५	२	१४	५	८	१४	५	८	८	५

अष्टोत्तरी मतेन आयव्यय चक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
१४	१३	११	५	८	११	१३	१४	२	५	५	२
१२	१५	३	३	१२	३	१५	१२	६	५	५	६

देखने की रीति

आयव्ययौ समौ कृत्वा एक हीनं तु कारयेत्।
अष्टभिस्तु हरेद्भागं शेषाङ्के फलमादिशेत्॥
१ लाभं, २ सौख्यं तथा ३ क्लेशं ४ रोगं ५ लोकापवादकम्।
६ सम्मानं ७ विजयं ८ हानिः कथितं पूर्व सूरिभिः।

प्रधान वितरक—**श्री गंगा पुस्तकालय,**
गायघाट, बनारस।

श्री काश्याम्

शुद्धमकरन्दीय दशवर्षीय पञ्चाङ्गम्

श्री गंगा

काशी पञ्चाङ्गम्

सम्पादक—**पं० चन्द्रशेखर पाठक ज्योतिषाचार्य, ज्योतिषरत्न**
सी. के. ६४/७० हीरापुरा, वाराणसी।

समय-शुद्धिः

गुरु—श्रावण कृष्ण १ शनौ पश्चिमास्तः।
भाद्रपद कृष्ण १ चन्द्रे पूर्वोदयः।

शुक्र—भाद्रपद कृष्ण ३ बुधे पश्चिमास्तः।
भाद्रपद कृष्ण ३० चन्द्रे पूर्वोदयः।

शनि—यावदब्दं मीन राशौ।

राहु—पौष कृष्ण १२ गुरौ। मीन राशौ।

केतु—पौष कृष्ण १२ कन्या राशौ।

प्रकाशक व मुद्रक—पं० पृथ्वीनाथ भार्गव,
भार्गव भूषण प्रेस, गायघाट, वाराणसी।

23/3 Dudhavinayak VARANASI-1.

वर्ष-फल

श्री संवत् २०२४ शाके १८८९

अश्मिन् वर्षे वर्षेशः चन्द्रः तस्य फलम् :—

नरपतिर्मृगलाञ्छनको यदा नृपसुराज्यविलासितपौरजाः। धरणिधान्ययुताद्विजपालकाः गजसुवाजिरथोष्ट्रयुता नृपाः ॥ मंत्री गुरुः तस्य फलम्ः—विविधधान्ययुता खलु मेदिनीप्रचुरतोययुता मुदिता भवेत्। नृपतयो जनपालनतत्पराः सुरगुरौ ननुमंत्रिसमागते। जलेशः गुरुः तस्य फलम्ः—गुरुरपि प्रियवृष्टिकरः सदा खिल विलासवती धरणी तदा। श्रुतिविचार नराः परपालका रससमृद्धियुता भुवि मानवाः॥ फलेशः बुधः तस्य फलम्ः—यदि बुधे फलपे फलमुत्तमम् जलधरा जलराशि मुचस्तदा। बहुतृणं कुसुमं कमलैर्युतम् जनपदो जनसौख्य मुदायुतः॥ दुर्गेशः गुरुः तस्य फलम्ः—सुरपतौ गढ़नायक शोभिता नरवरा नयपाः करपालिताः। गिरिषुवै नगरेषु समं सुखं सुखमतिर्द्विज शास्त्रवतां सुखम् ॥ धान्येशः रविः तस्य फलम्ः—सस्याधिनाथे तरुणोहिपूर्वं धान्यं समर्घं बहवश्च चौराः। युद्धं नृपाणाम् जलदा जलाद्याः स्वल्पं च सस्यं बहुभूरुहाश्च॥ रसेशः भौमः तस्य फलम्ः—यदि धरातनयो रसपो भवेन्नरसराशियुता जनताशुभा। नरपति विषभोजन तापदो न जलदो बहुवृष्टिकरो भुवि। धान्येशः शनिः तस्य फलम्ः—शनौ पश्चिम धान्येशे पश्चाद् धान्यम् न पच्यते। सस्यं समार्घताम् याति स्वल्पं क्षीरं गवामपि। नीरसेशः रविः तस्य फलम्ः—नीरसाधिपतौ सूर्ये ताम्रचन्दनयोरपि। रक्त माणिक्य मुक्तादि रर्घवृद्धिप्रजायते।

इस वर्ष के राष्ट्रपति चन्द्रदेव हैं। प्रधानमन्त्री गुरुदेव हैं। सिंचाई तथा राष्ट्ररक्षा का मन्त्रित्व भी प्रधानमन्त्री गुरु ने ही ग्रहण किया है। शेष अधिकारियों हैं। फलमन्त्री बुध, खाद्य तथा नीरस पदार्थों के मन्त्री रवि, रसमन्त्री भौम है। दूसरे धान्य के मन्त्री शनिदेव है।

इस अधिकार विभाजन से राष्ट्र की बाहरी आवरण सन्तुलित और रङ्गीन रहेगा परन्तु जनता को कष्ट रहेगा। यद्यपि बहुमुखी योग्यता से जनता के कष्ट निवारण की चेष्टा की जायगी। परन्तु धान्य की उपज कम होने से त्राहि-त्राहि मँची रहेगी। फलों की उपज कहीं अत्यधिक होगी कहीं नाममात्र को भी नहीं। राष्ट्ररक्षा का काम योग्यता पूर्वक होगा। सिंचाई की योजनायें पूर्ण होंगी चीनी तथा तथा दूसरे रसों की उत्पत्ति अच्छी होगी।

वार्षिक राशि-फल

श्री सं० २०२४ शके १८८९

मेष—वर्ष का उत्तरार्द्ध सफलता का है। पूर्वार्द्धमें कष्ट, चिढ़, झगड़ा रहेगा। वर्ष भर व्यय होता रहेगा। रोग लगातार रहेगा। प्रेतबाधा भी सम्भव है। लीवर तथा शिरोव्यथा रहेगी। स्त्री को भी कष्ट रहगा। वैशाख, श्रावण, मार्गशीर्ष बुरे रहेंगे। आषाढ़, आश्विन, माघ, फाल्गुन अच्छे रहेंगे; चैत्र में व्यय होगा; कार्तिक में स्त्री को कष्ट रहेगा। पुखराज, गोमेद ,नीलम पहनें।

वृष—वर्ष अच्छा नहीं। उत्तरार्द्ध में झगड़ा, विवाद, हानि, असफलता रहेगी। लाभ होता रहेगा। अनायास व्यय भी होता रहेगा। शत्रु होंगे भी तथा पराजित भी होंगे। पुखराज पहनें। श्रावण, कार्तिक, फाल्गुन, चैत्र अच्छे रहेंगे। ज्येष्ठ, भाद्रपद, पौष बुरे रहेंगे। वैशाख में व्यय होगा। मार्गशीर्ष में स्त्री को कष्ट रहेगा।

मिथुन—वर्ष का पूर्वार्द्ध सफलता का है तथा असफलता रहेगी। लाभ होता रहेगा चाहे अनुचित ढंग से ही हो। चिढ़-चिन्ता, सन्तान को कष्ट होगा। व्यवसाय रहेगा, आलस्य भी कम न रहेगा। माता-पिता कष्ट में रहेंगे। आषाढ़, आश्विन, माघ बुरे रहेंगे। भाद्रपद, मार्गशीर्ष, चैत्र, वैशाख अच्छे रहेंगे। ज्येष्ठ में व्यय होगा। पौष में स्त्री को कष्ट होगा।

कर्क—वर्ष का पूर्वार्द्ध असफलता का है। शेष वर्ष सफलता है। कष्ट-चिढ़, चिन्ता, दैन्य रहेगा। माता-पिता को कष्ट होगा। झगड़े से सावधान। गोमेद, लहसुनिया धारण करें। श्रावण, कार्तिक, फाल्गुन बुरे रहेंगे। वैशाख, ज्येष्ठ, आश्विन, पौष अच्छे रहेंगे। आषाढ़ में अधिक व्यय होगा, माघ में स्त्री को कष्ट होगा।

सिंह—वर्ष अच्छा नहीं। व्ययाधिक्य-असफलता रहेगी। शुभ काम में व्यय होगा। चर्मरोग वायु-विकार रहेगा। श्रम से लाभ रहेगा। व्यापार में उन्नति, धार्मिक, अरुचि रहेगी। सम्भव है लम्बी-लम्बी यात्रायें करनी पड़ें। भाइयों को कष्ट रहेगा। भाद्रपद, मार्गशीर्ष, चैत्र बुरे रहेंगे। ज्येष्ठ, आषाढ़, कार्तिक, माघ अच्छे रहेंगे। श्रावण में अधिक व्यय होगा। फाल्गुन में स्त्री को कष्ट होगा।

कन्या—वर्ष का पूर्वार्द्ध श्रेष्ठ तथा सफलता का है। शेष वर्ष व्ययकारी होगा। शुभ कार्य में व्यय होगा; स्त्री को कष्ट रहेगा। आप को कोई रोग लगा रहेगा। लीवर, चोट, व्रण से सावधान। गोमेद, लहसुनिया धारण करें। परिवार में अशान्ति धन-हानि होगी। वैशाख, आश्विन, पौष बुरे रहेंगे। आषाढ़, श्रावण, मार्गशीर्ष, फाल्गुन अच्छे रहेंगे; भाद्रपद में अधिक व्यय होगा। चैत्र में स्त्री को कष्ट रहेगा।

तुला—वर्ष अच्छा है। वर्ष का उत्तरार्द्ध लाभदायक तथा सफलता सूचक होगा। पूर्वार्द्ध में असफलता रहेगी। स्त्री को कष्ट पूर्ववत् रहेगा। चोट, व्रण, लीवर का कष्ट आप को भी रहगा; शत्रु पराजित रहेंगे। कार्तिक, ज्येष्ठ, माघ बुरे रहेंगे; श्रावण, भाद्रपद, चैत्र, पौष अच्छे रहेंगे। आश्विन में अधिक व्यय होगा। वैशाख में स्त्री को कष्ट रहेगा।

वृश्चिक—वर्षा का पूर्वार्द्ध श्रेष्ठ रहेगा। सफलता, लाभ, हर्ष, विजय रहेगी। पदवृद्धि भी सम्भव है। शेष वर्ष असफलता चिढ़, चिन्ता का है। सन्तान को कष्ट पूरे वर्ष रहेगा। अनायास व्यय भी होता रहेगा। मार्गशीर्ष, फाल्गुन, आषाढ़ बुरे रहेंगे। भाद्रपद, आश्विन, माघ, वैशाख अच्छे रहेंगे। कार्तिक में व्ययाधिक्य रहेगा। ज्येष्ठ में स्त्री को कष्ट रहेगा।

धनु—वर्ष का पूर्वार्द्ध अशान्ति तथा असफलता सूचक है। चिढ़, झगड़ा, भूमि-गृह सम्बन्धी विवाद, मित्रों से मनमुटाव पूरे वर्ष भर रहेगा। पूर्वार्द्ध में अनायास लाभ होता रहेगा। ततः माता-पिता को कष्ट रहेगा। पौष, श्रावण, चैत्र बुरे रहेंगे। ज्येष्ठ, आश्विन, कार्तिक अच्छे रहेंगे; मार्गशीर्ष में अधिक व्यय होगा। आषाढ़ स्त्री को कष्टदायक होगा।

मकर—वर्ष का पूर्वार्द्ध सफलता सूचक है। व्यापार, उन्नति पर रहेगा। परन्तु विवाद, व्यथा, लीवर की गड़बड़ी माता-पिता को, कष्ट मित्रों से मनमुटाव रहेगा; उत्तरार्द्ध में झगड़ा पूर्ववत् रहेगा। असफलता भी मिलेगी। उदर-विकार रहेगा। चोट, व्रण से सावधान। माघ, वैशाख, भाद्रपद बुरे रहेंगे। कार्तिक मार्गशीर्ष, आषाढ़, चैत्र अच्छे रहेंगे। श्रावण में स्त्री को कष्ट होगा।

कुम्भ—वर्ष का पूर्वार्द्ध अरिष्टकारक रहेगा। उत्तरार्द्धमें सफलता, लाभ, हर्ष, शुभ काम होगा। परिवार में अशान्ति, धन-हानि पूरे वर्ष भर रहेगी। उत्तरार्द्ध में कोई गुप्त रोग भी प्रारम्भ हो जायगा। लहसुनिया पहिनिये।

मीन—वर्ष अच्छा नहीं, पूर्वार्द्ध में कुछ सफलता, लाभ, हर्ष रहेगा। परन्तु पूरे वर्ष भर कष्ट, चिढ़, हानि, चिन्ता, रोग, दुर्बलता, चोट, व्रण वायुविकार रहेगा। गोमेद, लहसुनिया धारण करें। स्त्री को कष्ट रहेगा। आषाढ़, कार्तिक, चैत्र बुरे रहेंगे। ज्येष्ठ, भाद्रपद, पौष, माघ अच्छे रहेंगे। फाल्गुन में व्यय होगा। आश्विन में स्त्री को कष्ट रहेगा।

मासिक भविष्यवाणी संवत् २०२४

वदी १ से ८ दिन तक रूई में घटवढ़; सुदी ३ से १ वर्ष तक कहीं वर्षाधिक्य, कहीं स्वल्प वृष्टि, दुर्भिक्ष तेजी देशभंग, काश्मीर में झगड़ा, राजाओं में विग्रह, तेजी होगी; रूई में ५०) १००) तक की तेजी होगी। सुदी ४ से १ मास में रूई, ईख, तिल, तेल, चांदी-सोना, गुड़, रंग तेज; उसी दिन से १४ दिन में चावल, सर्वधान्य, सभी रस, गुड़, घी, ऊन, तीसी, रेड़ी, तिल, तेल, मेथी, आल्ता, लालरंग, चन्दन, इलायची, लौंग, सुपारी, नारियल, कपूर, हींग तेज होगा; सुदी ५ से २० दिन में दुर्भिक्ष, संग्राम, युद्ध, धन-हानि, लालमिर्च, तेल, तीसी, चन्दन, रेशमी वस्त्र, गुड़, मजीठ, रुई तेज; अफीम मन्दी; वर्षा की कमी होगी।

१५-१६-१७, २१-२२-२३ को वादल-वृष्टि योग है।

वैशाख

वदी ३ से १४ दिन में चावल, हल्दी, मिर्च, यव, चना, गुड़, घी, मोठ, तूवर, तीसी, सोना, चांदी, ताँवा, लोहा, राँगा, सीसा, तीसी, घी, पीतल, अफीम तेज होगी; सुदी ४ से १० दिन चाँदी, रूई, सोना घटवढ़ कर तेज; अफीम मन्दा होकर तेज; धान्य घी, मन्दा; उसी दिन से २० दिन में गेहूँ, चना, यव, चौपाये, धोती, जवाहरात तेज; ईख, गुड़, दूध, खाँड़, रस, घी, मन्दा होगा; वदी ९ से ८ दिन में हाथियों को पीड़ा, चाण्डालों को कष्ट; रूई धान्य तेज; वदी १० से २० दिन में वायु की तीव्रता वृष्टि जल्दी होगी; रुई, कपास, सूत, कपड़ा, सन, पाट तेज; वदी ३० से २० दिन में वृष्टि की न्यूनता साँवा, मड़ुआ, घी, गुड़, नमक तेज; सुदी से ११ दिन में वृष्टि, कोशल, कलिङ्ग में गड़वड़ी, विप्रों को पीड़ा, ज्वर की वाधा, चाँदी, अफीम में गड़बड़ी होगी; सुदी २ से १४ दिन में श्वेत पुष्प, यव, चावल, गेहूँ, मूँग, मोठ, राई, सरसों, तीसी, रेड़ी, रूई, सोना, चाँदी तेज होगा। सुदी ३ से २० दिन में कलह, युद्ध की सम्भावना, महाभय, अफीम, रूई मन्दी होकर तेज होगी। सुदी ४ से ३ मास में रूई तेज; वर्षा की कमी; सुदी ५ से १ मास में स्वर्ण, धान्य, अफीम, कपड़ा, शस्त्र तेज; रूई चाँदी मंदी होगी। सुदी १३ से से ८ दिन में विदर्भ देश में जननाश; अन्न, विनौला तेज; कहीं वृष्टि प्रजा में भय होगा; सुदी १५ १६ दिन में चाँदी, रूई, धान, कपड़ा मन्दा होगा।

२८-२९-३० अप्रैल ५-६-७, १२-१३-१४, १९-२०-२१ मई को वादल-वृष्टि योग है।

ज्येष्ठ

वदी ८ से १४ दिन में चावल, धान्य, तीसी, सरसों, घी, रेड़ी, राई, तेल, दाख, गुड़, खाँड, सोपारी, रूई, सूत, सन, पाट, हींग. तिल, खजूर, सरसों, मिच तेज; चाँदी मंदी होगी उसी दिन से ८ दिन में वायु, वर्षा की सम्भावना गेहूँ, तिल, उड़द मंदा; वदी ९ से ८ दिन में वृष्टि, वाढ़, गहूँ, तिल, उड़द मंदा; वदी ११ से ८ दिन में वृष्टि योग है लाख, चपड़ा, गुड़, खाँड़, कपूर, पारा, हींग मन्दा; रुई, सन, पाट, सूत, धान्य तेज; वदी ३० से १४ दिन में सोना-चाँदी, लोहा, पारा, राँगा, सीसा, जस्ता, पीतल, चावल, सिंघाड़ा, कवलगट्टा, नारियल रूई, सूत ,रेशम, उड़द मूँग, कपड़ा, सनपाट, मोठ, बाजरा, चन्दन, सुगन्ध, कराई तेज; गर्मी की अधिकता, वायु तेज चलेगा। सुदी २ से ८ दिन में रोग-पीड़ा, चावल, गेहूँ, धातुयें, सोना, तेज; सुदी ३ से ८ दिन में जवाहरात, चाँदी, सोना, मंदा-रूई घटवढ़ कर मंदी, राजभय, वदी ३ से ६ मास में अवर्षण हाहाकार महाभय, दुर्भिक्ष, सोना, रूपा, मंदा गल्ला; तेज; सज्जी, उड़द, मूँग, तमाखू तेज; सुदी ८ से १ मास में कपास, कन्दमूल, तिल, धान्य, घी, तेल, रूई, यव, पीली सरसों तेज; उसी दिन से ८ दिन में चावल, चना, मोठ मन्दा अनाज तेज; सुदी १५ से १ मास में वृष्टि, घी, गुड़, खाँड़, चावल, मिर्च, रत्न, गेहूँ, कपूर, कराई, चन्दन सुगन्ध, लालवस्त्र, कपास, रुई, हल्दी, सोठ, लोहा, चपड़ा, चाँदी तेज होगी।

२५-२६-२७ मई १-२-३, १५-१६-१७, २१-२२ जून को साधारण बादल-वृष्टि योग है।

आषाढ़

वदी १ से २१ दिन में अफीम चाँदी तेज; खाँड़, गुड़, सोना, श्वेत वस्त्र मन्दा; वदी २ से २२ दिन में शेयर चाँदी, ईख, गुड़, खाँड़, कपूर, रस, तिल, तेल, रेंड़ी, बिनौला, मूँगफली, रुई तेज; तरकारी मंदी; वदी ६ से रुई चाँदी घटवढ़ कर तेज, राजपूताने में वृष्टि; वदी ७ से २२ दिन में स्वर्ण, रक्तपदार्थ; चौपाये तेज; रुई मंदी होकर तेज, चाँदी मंदी; वृष्टि; राजपूताने में वृष्टि की कमी; वदी १से ४५ दिन में सर्वधान्य महर्घ; उड़द, मूँग, रुई, सूत, सन, कपास, पाट, घी, श्वेत पदार्थ तेज; वदी ३ से २ मास में तेल, घी तेज; वदी १४ से १२ दिन में उड़द, मूँग, मोंठ, चावल, मसूर, नमक, ज्वार, तीसी, सज्जी, लाख, चपड़ा, नील, तिल, रेंड़ी, मजीठ, माजूफल, केसर, कुसुम्ब, कपूर, चन्दन, देवदारु लवंग, नारियल; श्वेत वस्तु, सोना, चाँदी, कपास, विनौला तेज; कहीं पर अच्छी वृष्टि होगी। सुदी २ से ८ दिन में वृष्टि योग है। सुदी ७ से २० दिन में अनावृष्टि, रुई, ईख, गेहूँ, रस, धातु, तिल, तेल, रुई तेज सुदी ८ से ८ दिन में गेहूँ, सन, बाजरा, ज्वार, चना मंदा; सुदी ९ से ८ दिन में हाथी थोड़ा, चना, मूँग, मोठ, भूसा, तृण; काष्ठ, तेज; अफीम, कपूर, रेशम, कपूर, अगर-तगर, गेहूँ, यव, तेल, तीसी, मूँगफली गुड़, विनौला मंदा; सुदी ११ से १ मास में प्रजा सुखी; अफीम मंदी; वर्षा; चाँदी तेज, सुदी १३ से ३ मास में चाँदी, सोना, शेयर काफी तेज; गेहूँ, यव, ज्वार, चावल घी, तेल, तीसी, सरसों, कपड़ा तेज; सुदी १४ से १४ दिन में तिल, तेल; मद्य, गुड़, ज्वार, गुगुल, सोपारी, सोंठ, मोम, हींग, हल्दी, लाख, सन, पाट, ऊनी वस्त्र, शीशा, सोना, चाँदी, चावल, शक्कर, तेज; रुई तेज होकर मंदी; उसी दिन से १० दिन में चाँदी रुई तेज; राजपूताने में वृष्टि होगी।

२८-२९-३०, जून १-६-७, १२-१३-१४, १९-२०-२१, जुलाई को बादल वृष्टि योग है।

श्रावण

वदी १ से ३० दिन में अनाज, सोना, चाँदी मंदी दुर्भिक्ष भय, रुई शेयर तेज; वदी ३ से कपास, सूत, कपड़ा मंदा; वदी १० से २० दिन में अफीम चाँदी तेज; खाँड़ सोना श्वेत वस्त्र, मंदा; सुदी ४ से १६ दिन में चाँदी, सोना, रुई, तेज, धान्य, घी मन्दा; सुदी ५ से २० दिन में कपास, रुई, गेहूँ तेज; सुदी ६ से १ मास में घी, तेल, गुड़, गेहूँ, यव, सोना, चाँदी, पीतल, गाय, बैल तेज; उसी दिन से ४५ दिन में गेहूँ, यव, चना, सोना, चाँदी, ताँबा, राँगा, सीसा, लोहा, अफीम, रुई तेज; राजाओं में क्रोध, सुदी १२ से १ मास में ईख, गुड़, शक्कर, रक्त पदार्थ; तिल, तेल, घी, रुई, चाँदी, रेड़ी तेज; उसी दिन से १४ दिन में ज्वार, मूँग, रुई, तिल, रेड़ी, दाख मिर्च, अफीम तेज वृष्टि होगी। सुदी १५ से १२ दिन में दही, खट्टा पदार्थ; सूत, कपड़ा, देवदारु, सोना, रुई, रेलवे स्लीपर, चाँदी तेज; शेयर, खाँड़, शक्कर, कपूर, रस मंदा होगा।

२६-२७-२८, जुलाई २-३-४, ९-१०-११, १५-१६-१७ अगस्त को बादल वृष्टि योग है।

भाद्रपद

वदी १ से २ मास में राजाओं में विग्रह, दुर्भिक्ष, चाँदी, धान्य तेज; रुई मंदी राजपूताने में वृष्टि, वदी ४ से १० दिन में सोना, चाँदी तेज; रुई में विशेष गड़बड़ी; मारवाड़ में दुर्भिक्ष; वदी ७ से ९ दिन में खेतों में बाधा, अनाज मंदा; वदी ११ से

१४ दिन में सोना, चाँदी, सोना, सूत, रेशम, कपड़ा, ऊनी वस्त्र, चावल, गेहूँ, सरसों, तिल, ज्वार, जीरा, घी तेज; वदी ३० से ७ दिन में उड़द, मूँग, मोठ तेज; सुदी १ से १५ दिन में ४ चोरों का भय; अनाज में मंदी; शेयर मंदा; सुदी २ से २२ दिन में वायु; वर्षा की अधिकता शेयर यव, चना, शक्कर, सोना तेज चाँदी मंदी सुदी ३ से २० दिन में रोग-वृद्धि, अफीम तेज, रुई में गड़बड़ी; अल्प वृष्टि; सुदी ७ से १५ दिन में चाँदी,सोना, धान, कपड़ा, रुई मंदा; सुदी ९ से ८ दिन में वादल साधारण वृष्टि अनाज मंदा; सुदी ११ से १४ दिन में सोना, चाँदी, लोहा, तेल, घी, सरसों, रेंड़ी, सोपारी मूँज, काँस, नील, अफीम, रेशम, कपास, तेज पशुओं में रोग; सुदी १४ से १ मास में मजीठ नारियल, तिल, तेल, घी, कपास तेज,चाँदी मंदी होगी।

२२-२३-२४, २९-३०-३१ अगस्त ५-६-७, ११-१२-१३ १८ सितम्बर को वादल वृष्टि योग है।

आश्विन

वदी १ से १ वर्ष में वृष्टि का वाहुल्य, सुभिक्ष; रुई, लाल रंग, घृत तेज; वदी २ से ८ दिन में रुई घटबढ़ कर तेजअल्प; वृष्टि; वदी ७ से २८ दिन में वर्षा, युद्ध की सम्भावना; गल्ला तेज चाँदी, तीसी, सरसों, रेंड़ी, विनौला, मूँगफली मन्दी; पवन, शीत, ज्वर की वृद्धि होगी। वदी ८ से १२ दिन में गेहूँ, ज्वार, यव, गुड़, खाँड़, सन, पाट, कपास, हल्दी, हर्रा वहर्रा, हींग, क्षार, घास, लकड़ी, भूसा तेज होगा वदी ९ से ६ दिन में सोना, चाँदी नोट, मोती मंदी ततः तेज रुई मंदी; सुदी २ से साधारण वृष्टि सुदी ८ से १४ दिन में धान्य गेहूँ, चना, सन, पाट, सूत, कपास, रुई, अरहर, चाँदी, केशर, लाख चपड़ा, जवाहरात, गुड़ तेज; चाँदी शायद मंदी उसी दिन से ४५ दिन में अधिकांश रत्न, सोना, चाँदी, लकड़ी, घास, चौपाये, पशु, घी, कपास, सूत, विनौला, कपड़ा, घी, तेज होगा सुदी ९ से रुई, चाँदी,शेयर, सोना मंदा; राजस्थान में वृष्टि; सुदी १० से १० दिन में गेहूँ, यव, चना, बाजरा, ज्वार, मंदा; सुदी १४ से १ मास में स्वर्ण, गेहूँ, तीसी, अनाज तेज; अफीम, चाँदी, रुई मंदी होगी।

२६-२७-२८ सितम्बर २-३-९-१०-११-१६-१७-१८ अक्टूबर को वादल वृष्टि योग है।

कार्तिक

वदी १ से १० दिन में रुई मंदी; सुभिक्ष, व्याधि, भय; वदी ४ से १८ दिन में शेयर चाँदी, कपूर, रस, तिल, तेल, विनौला, रेंड़ी, मूँगफली, रुई तेज; वदी ६ से १४दिन में सोना, पारा, राँगा, सीसा, गुड़, मिर्च, खाँड़, तेल, तिल, हींग, कपूर, लाख, चपड़ा, गुगुल, हल्दी, रुई, सन, पाट, बिनौला, केराना तेज होगा। चाँदी शायद तेज; वदी ११ से १०दिन में धान्य तेज; चाँदी मंदी वृष्टि सम्भव है। वदी १२ से २० दिन में जल-वृष्टि दूध की कमी चावल, घी, तिल, तेल, पशु तेज होंगे वदी १४ से २१ दिन में खेतियों का नाश, धान्य, शाल, दुशाले, अनाज, चावल, धास तेज रुई मंदी चाँदी में घटबढ़; सुदी ५ से १४ दिन में चाँदी, सोना, राँगा, पीतल, सीसा, तिल, तेल चावल सर्वरस गुड़ घी, सूत, अफीम, सरसों, अगर-तगर, रेंड़ी तेज; पूर्व दक्षिण में उपद्रव होगा सुदी ७ से १२ दिन में चाँदी, सोना, रुई शेयर तेज वृष्टि रास्जथान में वृष्टि होगी सुदी १२ से धान रुई मंदी; सुदी १४ से १ मास में ऊनी, वस्त्र, चाँदी, ताँबा, तेल, रुई, अफीम तेज धान्य मंदा होगा।

२३-२४-२५, ३०-३१ अक्टूबर १-५-६-७, १२-१३-१४ नवम्बर को बादल वृष्टि योग है।

मार्गशीर्ष

वदी १ से २० दिन में जलवृष्टि, चावल, तिल, घी, उड़द, तेज, अनाज की उत्पत्ति अच्छी होगी। वदी ३ से १४ दिन में रस धातु, गुड़, घी, चना, ऊन, सोंठ तेज गेहूँ; तीसी, मिर्च तेज होकर मन्दा, सोना, चाँदी मंदा वदी ४ से ४५ दिन में गेहूँ, ऊन, तीसी, सोना, चाँदी, रुई, घी, तिल, तेज; वदी १ से रोगपथ रुई मन्दी; वदी ११ से १० दिन में वृष्टि सम्भव है गुजरात बम्बई में वृष्टि होगी। सुदी १ से १५ दिन में चाँदी में घटबढ़ अफीम, सोना तेज होकर मंदा; सुदी २ से १४ दिन में सोना, चाँदी, गुड़, धान्य, रेंड़ी, चावल, गुड़, गुगुल, पारा, सरसों, वस्त्र, अफीम तेज; सुदी ३ से २० दिन में रुई, चाँदी तेज घी, तेल; अनाज मंदा, रुई में घटबढ़; सुदी ४ से २० दिन में गेहूँ, अफीम, धातुयें, तिल, यव तेज सुदी ५ से १० दिन में जल-वृष्टि,अनाज मंदा; रस तेज सुदी ८ से २० दिन में सोना-चाँदी रुई घटबढ़ कर तेज धान्य, घी मंदा; सुदी १२ से १० दिन में ईख, चावल, घी, रस तेज; घोड़ों को कष्ट; सुदी १५ से १ मास में तिल, तेल कपास, अनाज, सूत तेज; कोटा मालवा में उपद्रव होगा।

१९-२०-२१, २६-२७-२८ नवम्बर २-३,-४, ९-१०-११ दिसम्बर को बादल वृष्टि योग है।

पौष

वदी १ से १० दिन में रुई मंदी; वदी ५ से २० दिन में रुई, चाँदी, कपास मंदा; वदी ७ से २० दिन में गुड़, शक्कर, गेहूँ, धातु, राई, यव तेज; गुड़ घी, राई, रुई, सूत मंदा ; वदी १२ से १०दिनमें बिनौला तेल; धान्य मंदा, १वर्ष में दुर्भिक्ष; तीसी मंदी; वदी १३ से १४ दिन में तिल, तेल, गुड़, गुगुल, हल्दी, चपड़ा, लाख, कपूर, ऊनी वस्त्र, सन, पाट, चाँदी,चना, बिनौला तेज; वदी १४ से १० दिन में अवर्षण खाँड़, चाँदी, चावल मंदा; वदी ३० से ४५ दिन में रूई चाँदी में घटबढ़; धान्य तेज; सुदी १ से २० दिन में कीड़ों की वृद्धि धान्य नाश; सुदी १० से २० दिन में सोना, चाँदी, चावल, सरसों, तेल, हींग मंदा बालकों को पीड़ा; सुदी १४ से १ मास में घी, तेल, धान्य, रुई, लाल वस्त्र तेज गुड़ वृद्धि; वायु की तीव्रता; मालवा में वृष्टि होगी।

१७-१८-१९, २३-२४-२५-३०-३१ दिसम्बर ६-७-८, १३-१४-१५ जनवरी को बादल वृष्टि योग है।

माघ

वदी ६ से२० दिन में रुई चाँदी मंदी; शेयर तेज; वदी ८ से १६ दिन में चाँदी, रुई, सोना तेज; राजपूताने में वृष्टि वदी ९ से १४ दिन में गेहूँ, यव, चावल चाँदी, पिप्पली, सोपारी, लवंग, लोहा, सोना, पारा, हीरा, मोठ अफीम तेज; वदी १२ से १० दिन में तिल, तेल, वस्त्र, सोपारी, कपास, सोना, चाँदी, सूत, सरसों, रुई, तीसी, रेंड़ी, तेज; वदी १३ से ११ दिन में घी , तेल, रस, तेज; तीसी, रुई मंदी; चाँदी मंदी होकर तेज; सुदी ८ से १४ दिन में मूँग, मसूर, नील, जवाहरात, रुई, सोना, चाँदी, मोती तेज; सुदी ९ से ४५ दिन में लकड़ी, भूसा, भाँग, गाँजा, सोना तेज; चाँदी मंदी होकर तेज; वदी१०से शेयर तेज; ईख,गुड़, खाँड़, कपूर, तिल तेल, रेंड़ी बिनौला, मूँगफली तेज सुदी १४ से१मास में तीसी, रेंड़ी, अनाज मंदा; चावल, नमक, तेल, तेज; अफीम, गुड़ साधारण तेज होगा।

२०-२१-२२, २६-२७-२८ जनवरी २-३-४, ९-१०-११ फरवरी को साधारण बादल वृष्टि योग है।

फाल्गुन

वदी ६ से १४ दिन में चाँदी, सोना, सरसों, सन, पाट, सूत, कपड़ा, नील, तिल तेल, हींग, जायफल, दाख सोंठ, हल्दी, किराना, रेंड़ी, गुड़, तेज; वदी १२ से १० दिन में कान में कष्ट; रुई, तिल तेल तेज; सुदी १ से १० दिन में अनाज की वृद्धि; सुदी ४ से १४ दिन में सोना, चाँदी, गेहूँ, चना, गुड़, उड़द, घी, रुई, रेशम, गुगुल, पीपरामूल, ज्वार, बाजरा, तेल तेज; सुदी ८ से ६ मास में नदी तथा विन्ध्य पहाड़ के तट कष्ट, अकाल, कवियों का नाश सुदी ९ से १५ दिन में घास, भूसा, लकड़ी तेज होकर मंदा अफीम, कपूर, चन्दन, अगर, रेशम, तगर, तेल, तीसी, मूँगफली,

गुड़, बिनौला मंदा; सुदी १४ से १ मास में धान्य तेज; नमक, तिल, तेल, रस, विशेष तेज; अफीम मंदा होगा।

१६-१७-१८, २२-२३-२४, २९ फरवरी १-२-, ८-९-१०-१४ मार्च को साधारण वादल वृष्टि योग है।

चैत्र कृष्णपक्ष

वदी ३ से १४ दिन में गुड़, खट्टापदार्थ, नमक, तेल, तिल, धान्य, रत्न, चावल तेज; वदी ४ से ४५ दिन में धान्य, तिल, ज्वार, ऊन, कपास, प्रवाल, चाँदी, कराई, तेज; वदी १८ से १० दिन में वृष्टि योग है रुई तेज; वदी १३ से १६ दिन में रुई, सोना, चाँदी घटवढ़ कर तेज; धान्य घी मन्दा होगा राजस्थान में वृष्टि होगी।

१५-१६-, २१-२२-२३, २७-२८ मार्च को वादल वृष्टि योग है।

शनि-विचार

इस वर्ष शनि, मेष राशि वालों को ७॥ वर्ष, कुम्भ वालों को ५ वर्ष, मीन, धनु, सिंह वालों को १॥ वर्ष तक अरिष्ट होगा। वृष वालों को श्रेष्ठ है परन्तु सन्तान को कष्ट रहेगा। तुला वालों को अच्छा है विजय होगी; परन्तु मातुल को कष्ट होगा। मकर को अच्छा है परन्तु भातृ-वर्ग कष्ट में रहेगा।

सं० २०२४ विवाह मुहूर्ताः

चैत्र	शुक्ल	९	बुधे मघा भे
,,	,,	११	गुरौ मघा भे दिवा लग्नम्
,,	,,	१२	शुक्रे उ. पा. भे. ल. चि.
,,	,,	१३	शनौ उ. फा. हस्त भे ल. चि.
,,	,,	१४	रवौ हस्त भे. दिवा लग्नम्
,,	,,	१५	सौमे स्वाती भे
वैशाख	कृष्ण	१	भौमे स्वातौ प्रातः ल. चि.
,,	,,	२	बुधे अनु. भे भद्रा प्राक्
,,	,,	४	शुक्रे मूल भे
,,	,,	६	रवौ उ. पा. भे. भद्रोपरि ल. चि.
वैशाख	कृष्ण	११	शुक्रे उ. भा. भे
,,	,,	१२	शनौ उ. भा. भे दिवा लग्नम् रात्रौ रेवत्यां लग्नम् चि.
,,	,,	१३	रवौ रेवत्यां भद्रा प्राक् ल. चि.
,,	शुक्ल	१	बुधे रोहणी भे ल. चि.
,,	,,	२	गुरौ रो. मृ. भे ल. चि.
,,	,,	३	शुक्रे मृ. भे. ल. चि.
,,	,,	७	बुधे मघा भे ल. चि.
,,	,,	९	गुरौ उ. फा. भे. ल. चि.
,,	,,	१०	शुक्रे उ. फा. भे ल. चि.
,,	,,	११	शनौ हस्त भे
,,	,,	१२	रवौ स्वाती भे
,,	,,	१३	चन्द्रे स्वाती भे. दिवा ल. चि.
,,	,,	१५	भौमे अनु. भे. ल. चि.
ज्येष्ठ	कृष्ण	१	बुधे अनु. भे. दि. ल. चि.
,,	,,	२	गुरौ मूल भे
,,	,,	३	शुक्रे मूल भे. दि. चि.
,,	,,	४	शनौ उ. षा. भे
,,	,,	५	रवौ उ. षा. भे दि. ल. चि.
,,	,,	९	गुरौ उ. भा. भे. ल. चि.
,,	,,	१०	शुक्रे उ. भा. रे. ल. चि.
,,	,,	११	शनौ रेवत्यां ल. चि.
,,	शुक्ल	५	भौमे मघा भे ल. चि.
,,	,,	६	बुधे मघा भे. दि. ल. चि.
,,	,,	८	गुरौ उ. फा. भे संक्रान्ति दोषः
,,	,,	९	शुक्रे उ. फा. ह. भे. ल. चि.
,,	,,	११	रवौ स्वाती भे भद्रान्ते ल. चि.
,,	,,	१२	चन्द्रे अनु. भे
,,	,,	१३	भौमे अनु. भे. ल. चि.
,,	,,	१४	बुधे मूल भे
,,	,,	१५	गुरौ मूल भे
आषाढ़	कृष्ण	१	शुक्रे उ. षा. भे
,,	,,	२	शनौ उ. षा. भे भद्रा प्राक् ल. चि.
,,	,,	७	गुरौ उ. भा. भे.
,,	,,	८	शुक्रे उ. भा. रे. भे. ल. चि.
,,	,,	९	शनौ रेवत्यां कालोऽल्पीयान्
,,	,,	१२	भौमे रोहणी भे
,,	,,	१३	बुधे रो. मृ. भे भद्रा प्राक् ल. चि.
,,	शुक्ल	३	चन्द्रे मघा भे
,,	,,	४	भौमे मघा भे प्रातरेव भद्रा प्राक् ल. चि.
,,	,,	५	बुधे उ. फा. भे ल. चि.
,,	,,	६	गुरौ उ. फा. हस्त भे ल. चि.
,,	,,	७	शुक्रे हस्त भे भद्रा प्राक् ल. चि.
,,	,,	८	शनौ स्वाती भे
,,	,,	९	रवौ स्वाती भे दि. ल. चि.
मार्गशीर्ष	कृष्ण	१	शनौ रो. भे
,,	,,	२	रवौ मृग भे भद्रा प्राक्
,,	,,	३	चन्द्रे मृग भे प्रातः कोलोऽल्पीयान्
,,	,,	७	शुक्रे मघा भे ल. चि.
,,	,,	८	शनौ मघा भे प्रातः कोलोऽल्पीयान्
,,	,,	९	रवौ उ. फा. भे भद्रा प्राक् ल. चि.
,,	,,	१०	चन्द्रे उ. फा. हस्त भे भद्रान्ते ल. चि.
,,	,,	१३	बुधे स्वाती ल. चि. भद्रा प्राक्
,,	शुक्ल	१	शनौ मूल भे
,,	,,	२	रवौ मूल भे ल. चि.
,,	,,	३	चन्द्रे उ. षा. भे
,,	,,	४	भौमे उ. षा. भे दि. ल. चि.
,,	,,	८	शनौ उ. भा. भे
,,	,,	९	रवौ उ. भा. रे. भे. ल. चि.
,,	,,	१०	चन्द्रे रेवत्यां ल. चि.

माघ	कृष्ण	२	बुधे मघा भे
,,	,,	३	गुरौ मघा भे भद्रा प्राक् अन्ते वा
,,	,,	४	शुक्रे उ. फा. भे
,,	,,	५	शनौ उ. फा. हस्त भे
,,	,,	६	रवौ हस्त भे भद्रा प्राक् दि. ल. चि.
,,	,,	७	चन्द्रे स्वाती भे
,,	,,	८	भौमे स्वाती भे दि. ल. चि.
,,	,,	११	गुरौ अनु. भे
,,	,,	१२	शुक्रे मूल भे
,,		१३	शनौ मूल भे दि.ल. चि.
,,	शुक्ल	४	शुक्रे उ. भा. भे भद्रान्ते ल. चि.
,,	,,	५	शनौ उ. भा. रे. भे ल. चि.
,,	,,	६	रवौ रे. भे. दि. ल. चि.
,,	,,	९	वुधे रो. भे.
,,	,,	९	गुरौ रो. मृ. भे
,,	,,	१०	शुक्रे मृग भे
,,	,,	१५	वुधे मघा भे
फाल्गुन	कृष्ण	१	गुरौ मघा भे कालोऽल्पीयान्
,,	,,	२	शुक्रे उ. फा. भे भद्रा प्राक् ल. चि.
,,	,,	३	शनौ उ. फा. हस्त भे ल. चि.
,,	,,	६	चन्द्रे स्वाती भे ल. चि. भद्रा प्राक
,,	,,	७	भौमे अनु. भे
,,	,,	८	वुधे अनु. भे
,,	,,	९	गुरौ मूल भे भद्रा प्राक्
,,	,,	१०	शुक्रे मूल भे
,,	,	११	शनौ उ. पा. भे
,,	,,	१२	रवौ उ. पा. भे
,,	शुक्ल	१	गुरौ उ. भा. भे.
,,	,,	२	शुक्रे उ. भा. रे. भे
,,	,,	३	शनौ रे. भे
,,	,,	७	वुधे रो. भे भद्रा प्राक्
,,	,,	८	गुरौ मृ भे
,,	,,	९	शुक्रे मृ. भे दि. ल. चि.
,,	,,	१३	भौमे मघा भे

संवत् २०२४ शके १९८९ मध्ये

ग्रहणम्

(१) चैत्र शुक्ल १५ चन्द्रे चन्द्रग्रहणम्
२४ अप्रैल १९६७ ई०

(२) वैशाख कृष्ग ३० भौमे खण्डग्रास सूर्यग्रहणम्
९ मई १९६७ ई०

(३) आश्विन शुक्ल १५ बुधे चन्द्रग्रहणम्
१८ अक्टूबर १९६७ ई०

वर्ष प्रवेश लग्नम्

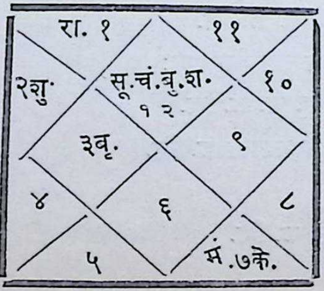

आर्द्रा प्रवेश लग्नम्

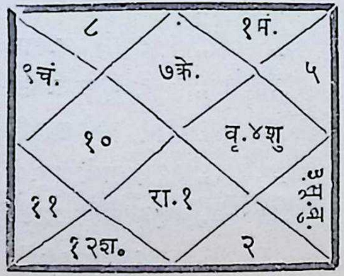

(संवत् २०२३ का शेष)

× २०——छठे आठवें शनि या चन्द्र हों और शुभ ग्रह आपोक्लिम स्थान में हों तो २० वर्ष की आयु होगी।

२०——दूसरे आठवें बारवें भाव में चंन्द्र राहु के बिना सभी क्रूर ग्रह हों तो २० वर्ष की आयु होगी।

२०——रवि शनि केन्द्र में हों और लग्न में मंगल हो लग्नेश निर्बल हो तो २० वर्ष की आयु होगी।

२०——केन्द्र स्थान में पापग्रह शुभ ग्रहों की दृष्टि से रहित हों और चन्द्रमा छठे आठवें भाव में हो तो २० वर्ष की आयु होगी।

२०——लग्नेश आठवें शुभ ग्रह चन्द्र राशिपति से दृष्ट हो केन्द्र में पापग्रह हों तो २० वर्ष की आयु होगी।

२०——आठवें चन्द्र सूर्य, सुख या नवम में राहु, सातवें मंगल, और धन में गुरु हो तो २० वर्ष की आयु होगी।

२०——गुरु शुक्र लग्न में सूर्य या राहु या मंगल (या तीनों) पञ्चम हो तो २० वर्ष की आयु होगी। लग्न में रवि या मंगल या दोनों; चर राशि के १५ अंश में गुरु; नवम में चन्द्रमा हो तो २० वर्ष की आयु होगी।

२०——केन्द्र में तथा आठवें सर्व पापग्रह, आपोक्लिम में शुभग्रह और छठे या आठवें चन्द्रमा हो तो २० वर्ष की आयु होगी।

२०——अष्टमेश बुध से युत हो लग्न को रवि देखता हो लग्नेश अष्टम में हो तो २० वर्ष की आयु होगी।

२०——जन्म लग्न या चन्द्र राशि सूर्य से युत हो ये दोनों भाव पापग्रह से दृष्ट हों तो २० वर्ष की आयु होगी।

२१——लग्न से आठवें क्रूर ग्रह; वृष या कन्या या कुंभ राशि में रवि, मेष में शनि, वृष में वुध हो तो २१ वर्ष की आयु होगी।

२२——लग्न में क्रूर ग्रह से युत गुरु हो चन्द्र से दृष्ट हो और आठवें कोई भी ग्रह हो तो २२ वर्ष की आयु होगी।

२२——गुरु से युत सूर्य कर्क राशि में हो और अष्टमेश केन्द्र में हो तो २२ वर्ष की आयु होगी।

२२——राहु से युत चन्द्रमा सप्तम या अष्टम में; लग्न में गुरु हो तो २२ वर्ष की आयु होगी।

२२——आठवें क्रूर-ग्रह चन्द्रमा पापग्रह की राशि में हो और पापग्रह के द्रेष्काण में अन्य सर्व ग्रह हों तो २२ वर्ष की आयु होगी।

२२——पापग्रह की राशि के लग्न में गुरु-राहु हो शनि से दृष्ट हो और आठवें भावमें कोई भी ग्रह हो तो २२ वर्ष की आयु होगी।

२३—चौथे चन्द्रमा, आठवें राहु, छठे गुरु, सातवें, शनि, आठवें पापग्रह हो २३ वर्ष की आयु होगी।

२४—पृष्टोदय राशि का लग्न हो, केन्द्र में पापग्रह हों, चन्द्रमा आठवें हों तो २४ वर्ष की आयु होगी।

२४—आठवें या बारहवें भाव में स्थित राहु को, चन्द्रमा देखता हो पापग्रह अपने शत्रु के नवमांश में हो तो २४ वर्ष की आयु होगी।

२४—अष्टमेश लाभ भाव में, लग्नेश क्रूरग्रह से दृष्ट होकर आठवें हो तो २४ वर्ष की आयु होगी।

२४—चन्द्र और लग्नेश आपोक्लिम स्थान स्थित हों और पापग्रह से दृष्ट बलहीन गुरु छठे हो तो २४ वर्ष की आयु होगी।

२४—अष्टमेश नवम भाव में हो क्रूरग्रह से दृष्ट लग्नेश अष्टम में हो तो २४ वर्ष की आयु होगी।

२४—अष्टमेश १–२–९ भावों में से किसी भी भाव में हो और लग्नेश अष्टम स्थान में पापग्रहों से युत या दृष्ट हो तो २४ वें वर्ष की आयु होगी।

२५—द्विस्वभाव राशि के लग्न में शनि हो व्ययेश और अष्टमेश बलहीन हो तो २५ वर्ष की आयु होगी।

२५—दो पापग्रहों के बीच में गया हुआ लग्नेश शुभ ग्रह से युत या दृष्ट न हो और जिस लग्न में पिता का जन्म हो उसी राशि के लग्न में जन्म हुआ हो तो पचीस वर्ष की आयु होगी।

२६—पापग्रह से युत चन्द्रमा १–७–८–१२ वें स्थान में हो तो २६ वर्ष की आयु होगी।

२६—दशम या लग्न में मंगल, नवम या आठवें भाव में राहु हो और दशम में गुरु, लाभ या व्यय भाव में शुक्र हो तो२६ वर्ष में की आयु होगी।

२७—स्वराशि का गुरु स्वराशि के द्रेष्काण में किसी भाव में हो तो २७ वर्ष की आयु होगी।

२७—अष्टमेश और लग्नेश दोनों का योग अष्टम भाव में हो तो २७ वर्ष की आयु होवे। अपनी शत्रु राशि में स्थित शनि लग्न में हो और सर्वशुभ ग्रह आपोक्लिम स्थान ३-६-९-१२वें गये हों तो २६ अथवा २७ वें वर्ष की आयु होगी।

२७—पापग्रह से युत चन्द्रमा १-७-८-९-१२ वें भाव में हो तो २७ वर्ष की आयु होगी।

२७—लग्नेश और अष्टमेश इन दोनों स्पष्ट ग्रहों का योग करने से जो राश्यादि हो वह केन्द्र में या आठवें हों तथा उसमें पाप-ग्रह स्थित हो तो २७ वर्ष की आयु होगी।

२८—लग्न और चन्द्रमा से अष्टम स्थान का स्वामी केन्द्र में तथा बारहवें स्थान में हो तो २८ वर्ष की आयु होगी।

२८—पापग्रह १-७-८वें भाव में हों और शुभ ग्रह पणफर २-५-८-११ वें तथा आपोक्लिम ३-६-९-१२ स्थान में हों तो २८ वर्ष की आयु होगी।

२८—अष्टमेश पापग्रह हो और वह गुरु से और पापग्रहों से दृष्ट हो अथवा लग्नेश अष्टम भाव में हो तो २८ वर्ष की आयु होगी।

२८—लग्न में चन्द्र शनि का योग; द्वादश रवि मंगल का योग हो तथा लग्न को शुभ ग्रह देखते हों तो २८ वर्ष की आयु होगी।

२८—चन्द्र सूर्य राहु लग्न में और गुरु धन भाव में हो तो २८ वर्ष की आयु होगी।

२९—रवि और चन्द्रमा शनि से सम्बन्धी होकर अष्टम भाव में हो तो २९ वे वर्ष मरण होगा।

२९—दशम भाव में सूर्य सभी क्रूर ग्रहों से दृष्ट हो तो २९ वें वर्ष बिजली से मृत्यु होगी।

३०—अतिबली बुध के केन्द्र में और अष्टम में कोई भी ग्रह न हो तो तीसवें वर्ष मृत्यु होगी। उस बुध को शनि देखता हो तो चालीसवें वर्ष मृत्यु होवे।

३०—अष्टमेश और लग्नेश दोनों निर्बल होकर केन्द्र में हों तो ३० वर्ष की आयु होगी।

३०—केवल शुभ ग्रह शुभ राशि में और शुभ राशि के नवांश में हों तो ३० वर्ष की आयु होगी।

३०—केन्द्र में कोई भी शुभग्रह न हो और आठवें कोई भी एक ग्रह हो तो ३० वर्ष की आयु होवे।

३०—लग्नेश और अष्टमेश के बीच में चन्द्रमा हो और द्वादश भाव में गुरु हो तो २७ वा ३० वें वर्ष की आयु होगी।

३०—बुध से युत चन्द्रमा बारहवें भाव में हो और निर्बल अष्टमेश शुभ ग्रह से युत या दृष्ट होकर केन्द्र में हो तो ३० वें वर्ष मृत्यु होगी।

३०—अष्टमेश लग्न में हो और लग्नेश बलरहित हो तो ३० वर्ष की आयु होगी।

३०—चन्द्रमा और लग्नेश पापग्रहों से दृष्ट तथा बलहीन होकर आपोक्लिम स्थान में हों तो ३० वर्ष की आयु जानिये।

३०—लग्न में मंगल शुभ ग्रहों से अदृष्ट हो और छठे तथा आठवें हो तो ३०वें वर्ष ज्वर से मृत्यु होवे।

३०—गुरु शुक्र चतुर्थ में और चन्द्रमा सप्तम में हो तो ३० तथा ४०वें वर्ष मृत्यु होगी।

३०—गुरु २-७-८-१२वें स्थान में पापग्रह से युक्त हो तो ३० वर्ष की आयु (३० वर्ष) होगी।

३०—गुरु से युत शुक्र धन भाव में और मंगल शनि पंचम भाव में हो चन्द्रमा बलहीन हो तो अल्पायु होगी।

३०—स्वराशिस्थ चन्द्रमा लग्न से अष्टम या केन्द्र में हो आठवें पापग्रह हो लग्नेश निर्बल हो तो ३० वर्ष की आयु होगी।

३०—अष्टमेश केन्द्र में और लग्नेश निर्बल हो तो ३० वर्ष की आयु होगी।

३१—लग्न और सूर्य दोनों पापग्रहों के मध्य में हो तो ३१ वर्ष की आयु होगी।

३१—क्षीण चन्द्रमा व्यय-भाव में शुभग्रहों से अदृष्ट हो लग्न में और आठवें पापग्रह हों तो ३१ वर्ष में मृत्यु होगी।

३२—लग्नेश और चन्द्रमा निर्बल होकर आपोक्लिम स्थान में हों और क्रूरग्रहों से दृष्ट हों तो ३२वें वर्ष में मृत्यु होगी।

३२—अष्टमेश बलवान होकर केन्द्र में अथवा लग्न में हो तो ३० या ३२वें वर्ष में मृत्यु होगी।

३२—चन्द्रमा सूर्य से युत हो अष्टमेश केन्द्र में और पापग्रह अष्टम भाव में हो और पापग्रह से युत होकर कोई भी निर्बल ग्रह लग्न में हो तो ३२वें वर्ष में मरण होगा।

३२—लग्न में राहु अन्य केन्द्र स्थानों ४-७-१०वें चन्द्रमा हो तो ३२वें वर्ष मृत्यु होगी।

३२—अष्टमेश केन्द्र में हो लग्नेश बलहीन होकर पापग्रहों से दृष्ट अथवा युक्त हो तो ३२वें वर्ष मृत्यु होगी।

३२—चन्द्रमा लग्न में, सूर्य एकादश, शनि बारहवें हो पाप से युक्त हो शुभग्र हों से अदृष्ट हो तो ३२वें वर्ष मरण होगा।

३२—चन्द्र और लग्नेश आपोक्लिम स्थान में हों निर्बल हों पापग्रह से दृष्ट हो तो ३२वें वर्ष मृत्यु होगी।

३३—मंगल की राशि में चन्द्रमा लग्न में पापग्रहों से दृष्ट हो और केन्द्र में शुभग्रह न हों तो ३३ वर्ष की आयु होगी।

३३—अष्टमेश पापग्रह चन्द्रमा से युत होकर केन्द्र या त्रिकोण में हो और वह दशमस्थान स्थित पापग्रहों से दृष्ट हो तो ३३ वर्ष की आयु होगी।

३३—चन्द्र और शनि लग्न में हां और शुभ राशि में मंगल हो तो ३३ वर्ष की आयु होगी।

३३—राहु चौथे, मंगल सातवें, चन्द्र लग्न में हो और चन्द्रमा पापग्रहों के मध्य में हो तो ३३ वर्ष की आयु होगी।

८

३३—चन्द्रमा चौथे और लग्न में पापग्रह हों तो ३३ वर्ष की आयु होगी।

३४—मंगल वृष में, गुरु तृतीय, बुध छठे या आठवें, शुक्र सप्तम भाव में हो तो ३४ वर्ष की आयु होगी।

३५—नीच राशि का मंगल आठवें या द्वादश भाव में और राहु पंचम भाव में हो तो ३५ वर्ष की आयु होगी।

३५—शत्रु राशि में गया हुआ सूर्य धन स्थानमें हो और आठवें तथा द्वादश भाव में मंगल हो तो ३५ वर्ष की आयु होगी।

३६—गुरु शुक्र केन्द्र में और पापग्रह से युक्त लग्नेश आपोक्लिम में हो, किसी संन्ध्याकाल में जन्म हो तो ३६ वर्ष की आयु होगी।

३६—पापग्रहों के बीच शत्रु राशि में स्थित निर्बल रवि लग्न में हो शुभ ग्रहों से अदृष्ट हो तो ३६ वर्ष ही परमायु होगी।

३६—लग्न में चन्द्र मंगल रवि हों केन्द्र तथा अष्टम भाव में शुभ ग्रह न हो और लग्न गुलिक युक्त हो तो ३६ वर्ष की आयु होगी।

३६—एक राशि में तथा एक नक्षत्र में पाँच ग्रह एकत्र होकर सूर्य के पीछे हों तो ३६ वर्ष की आयु होगी।

३६—लग्न से दशम तथा द्वादश में कोई पापग्रह हों तो ३६ वर्ष की आयु होगी।

३७—पापग्रहों के बीच में चन्द्रमा और सातवें मंगल हों तो ३७ वर्ष की आयु होगी।

३८—क्रूर ग्रह ६-८-१०वें भाव में हों और सातवें सूर्य हो तो ३८ वर्ष की आयु होगी।

३८—मंगल दशम, राहु लग्न अष्टम वा नवम भाव में और छठवें गुरु, द्वादश में शुक्र हो तो ३८वें वर्ष शस्त्र से मरण होगा।

३९—रवि से युक्त राहु सभी पापग्रहों से देखा जाता हो तो विष शस्त्र या अग्नि से ३९वें वर्ष मृत्यु होगी।

४०—अति वलवान बुध केन्द्र में हो आठवें कोई भी ग्रह न हो और अष्टम भाव को शुभग्रह देखते हों तो ४० वर्ष की आयु होगी।

४०—अष्टमेश लग्न में हो और आठवें कोई भी शुभग्रह न हो तो ४० वर्ष की आयु होगी।

४०—लग्नेश पापग्रह से युत होकर अष्टम भाव में हो और कोई भी शुभग्रह केन्द्र में न हो तो ४० वर्ष की आयु होगी।

४०—तीसरे तथा ग्यारहवें भाव में गुरु और पञ्चम नवम भाव म शुक्र हो और शुभग्रह से दृष्ट हो तो ८० वर्ष की आयु होगी और पापग्रह से दृष्ट हो तो ४० वर्ष की आयु होगी।

४०—धन भाव में मंगल सातवें शुक्र हो तो स्त्री के कारण से ४०वें वर्ष मृत्यु होगी।

४०—अष्टमेश लग्न में स्थिर राशि २।५।८।११ में हो तो ४० वर्ष की आयु होगी।

४१—लग्न धन और व्यय भाव में पापग्रह हों तो ४१ वर्ष की आयु होगी।

४२—मंगल से युक्त अष्टमेश लग्न में हो अथवा स्थिर राशि में स्थित मंगल अष्टम या व्यय में हो तो ४२ वर्ष की आयु होगी।

४२—क्षीण चन्द्रमा लग्न में, केन्द्र या अष्टम में पापग्रह हों तो ४२वें वर्ष की आयु होगी।

४२—सिंहराशि के नवांश में गये हुए राहु चन्द्रमा को पापग्रह देखते हों केन्द्र में यदि कोई शुभग्रह न हो तो ४२ वर्ष की आयु होगी।

४३—लग्न में रवि, अष्टम में गुरु और तुला या वृश्चिक राशि में भृगु हो तो ४३ वर्ष की आयु होगी।

४४—अष्टमेश केन्द्र में और मकरस्थ शनि या रवि तीसरे या छठें भाव में हो तो ४४ वर्ष की आयु होगी।

४४—केन्द्र में गुरु तथा दशवें शनि हो लग्न में चर राशि हो तो ४४ वर्ष की आयु होगी।

४४—उच्च राशि का शनि लग्न में, गुरु सप्तम भाव में हो या शनि दशम में हो तो ४४ वर्ष की आयु होगी।

४४—गुर आठवें या द्वादश भाव में, सूर्य बारहवें भाव में, चन्द्रमा लग्न में हो तो ४४ वर्ष की आयु होगी।

४४—अष्टमेश केन्द्र में हो मंगल लग्न में और सूर्य से मंगल तीसरे छठे स्थान में हो तो ४४ वर्ष की आयु होगी।

४५—पापग्रह से युक्त लग्नेश अष्टम भाव में और पापग्रह से युक्त. अष्टमेश छठे भाव में वलवान हो शुभ दृष्टि न हो तो ४५ वर्ष की आयु होगी।

४५—सूर्य लग्न में अथवा अष्टम भाव में और व्यय भाव में मंगल शनि हो तो ४५ वर्ष की आयु होगी।

४६—शनि लग्न में, मंगल आठवें, चन्द्रमा बारहवें हो, केतु क्रूर ग्रह से युक्त हो तो ४६ वर्ष की आयु होगी।

४६—लग्न से केन्द्र में गुरु स्थित होकर १।३।४।७।१०।११ राशि का हो शुक्र को देखता हो सातवें और आठवें स्थान में पापग्रह हों तो ४६ वर्ष की आयु होगी।

४७—सभी केन्द्र स्थानों में सभी पापग्रह स्थित हों और इनमें किसी स्थान पर पापग्रह से युक्त चन्द्रमा हों तो ४७वें वर्ष की आयु में महिष द्वारा मरण होगा।

४८—मेष राशि का पूर्ण चन्द्रमा लग्न में शुभग्रहों से दृष्ट हो तो ४८ वर्ष की आयु होगी।

४८—अष्टम स्थानमें चार ग्रह एकत्र होकर शनि से दृष्ट हों तो ४८ वें वर्ष की आयु होगी।

४८—वर्गोत्तमांश में गया हुआ चन्द्रमा लग्न में स्थित हो पापग्रह से युत दृष्ट न हो और शुभग्रह बलहीन हो तो ४८ वर्ष की आयु होगी।

४९—गुरु से चतुर्थ स्थान में शुक्र हो, वृषभ राशि में मंगल शनि से युक्त होकर तीसरे तथा पाँचवें भाव में हो सुख में तथा लाभ में चन्द्रमा हो तो ४९ वर्ष की आयु होगी।

५०—चतुर्थ या दशम स्थान में बुध, तथा लग्न अष्टम या द्वादश में चन्द्रमा हो और एक राशि स्थित गुरु शुक्र किसी भी भाव में हों तो ५० वर्ष की आयु होगी।

५०—गुरु चौथे, शुक्र नवम, रवि दशम, चन्द्रमा लाभ में हो तो ५० वर्ष की आयु होगी।

५०—गुरु ३।११ वं भाव में और भृगु ५-९ भाव में हो तो ५० वर्ष की आयु होगी (यदि ये दोनों नीच राशि के हों तो २५ वर्ष की आयु समझना चाहिए।)

५०—एक भी बलवान शुभग्रह केन्द्र में हो और अपनी उच्च राशि में अथवा मित्रराशिस्थ बुध केन्द्र में हो सप्तम स्थान में चन्द्रमा स्थित होकर गुरु से इष्ट हो तो ५० वर्ष की आयु होगी।

५०—लग्नेश अष्टमेश के नवांश में और अष्टमेश लग्नेश के नवमांस में हो पापग्रह से युक्त हो तो ५०वर्ष की आयु होगी।

५१—लग्न धन और चतुर्थ भाव में शुभग्रह हों तो ५१ वर्ष की आयु होगी।

५२—किसी भी ग्रह से युक्त होकर शनि लग्न में हो और अष्टम या व्यय भाव में चन्द्रमा हो तो ५२वर्ष की आयु होगी।

५२—रवि राहु लग्न में दशवें तथा छठे भाव में मंगल और बारहवें भाव में शनि हो तो ५२ वर्ष की आयु होगी।

५२—लग्न में द्विस्वभाव राशि हो शनि आठवें तथा बारहवें भाव में हो तो ५२ वर्ष की आयु होगी। +

(शेषांश संवत् २०२५ में इस + निशान में देखें)

श्री शुभ संवत् २०२४ शके १८८९ चैत्र शुक्ल पक्षः अप्रैल १० से २४ तक सन् १९६७ सौम्यायनं याम्यगोलः*

दि. मा.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		आं. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३१	१४	१	चं.	५७	४२	रे.	१२	४०	वै.	२९	४१	किं.	२५	७	वव	५७	४२	मातंग	१०	२९	२७	मे.	१२	४०	५	४६	६	१४	११	२६	५५	३४	५८	५०
३१	१७	२	मं.	६०	०	अ.	१९	०	वि.	३०	५१	वा.	२३	५९	कौ.	६०	०	अमृत	११	३०	२८				५	४५	६	१५	११	२७	५३	२४	५८	४८
३१	२१	२	बु.	२	१६	भ.	२४	४१	प्री.	३१	३६	कौ.	२	१६	तै.	३४	९	काण	१२	१	२९	वृ.	४०	५२	५	४५	६	१५	११	२८	५३	१८	५८	४५
३१	२४	३	गु.	६	२	कृ.	२९	२६	आ.	३१	३१	ग.	६	२	व.	३७	१९	लुम्ब	१३	२	३०				५	४४	६	१६	११	२९	५१	५७	५८	४३
३१	२८	४	शु.	८	३२	रो.	३३	४	सौ.	३०	३६	त्रि.	८	३२	वव	३९	१३	मित्र	१४	३	१				५	४३	६	१७	०	०	५०	४०	५८	४१
३१	३१	५	श.	९	५४	मृ.	३५	३१	शो.	२८	३९	वा.	९	५४	कौ.	३९	५५	वज्र	१५	४	२	मि.	४	१७	५	४३	६	१७	०	१	४९	२१	५८	३९
३१	३५	६	र.	९	५७	आ.	३६	३९	अ.	२५	४३	तै.	९	५७	ग.	३९	२०	ध्वांक्ष	१६	५	३				५	४२	६	१८	०	२	४८	०	५८	३७
३१	३८	७	चं.	८	४३	पुन.	३६	३८	सु.	२१	४८	व.	८	४३	वि.	३७	३०	धूम्र	१७	६	४	क.	२१	३९	५	४१	६	१९	०	३	४६	३७	५८	३४
३१	४२	८	मं.	६	१८	पु.	३५	२७	धृ.	१६	५९	वव	६	१८	वा.	३४	३०	वर्धमा.	१८	७	५				५	४०	६	२०	०	४	४५	११	५८	३२
३१	४५	९	बु.	२ ५८	४८ ४१	श्ले.	३३	२६	शू.	११	१०	कौ.	२	४८	तै.	३० ५८	३८ २९	रक्ष	१९	८	६	सिं.	३३	२६	५	४०	६	२०	०	५	४३	४३	५८	३०
३१	४९	११	बृ.	५३	२६	म.	३०	३२	गं.	[illegible] ५३	[illegible] ४	व.	२५	५७	वि	५३	२६	मुशल	२०	९	७				५	३९	६	२१	०	६	४२	१३	५८	२८
३१	५२	१२	शु.	४७	५२	पू.	२७	३	ध्रु.	५०	४५	वव	२०	३९	वा.	४७	५२	सिद्धि	२१	१०	८	कं.	४१	४	५	३८	६	२२	०	७	४०	४१	५८	२६
३१	५४	१३	श.	४१	५५	उ.	२३	९	व्या	५३	११	कौ.	१४	५३	तै.	४१	५५	उत्पात	२२	११	९				५	३८	६	२२	०	८	३९	७	५८	२४
३१	५६	१४	र.	३५	५०	ह.	१९	०	ह.	३५	२७	ग.	८	५१	व.	३५	५०	मानस	२३	१२	१०	तु.	४६	५५	५	३७	६	२३	०	९	३७	३१	५८	२२
३१	५९	१५	चं.	२९	४८	चि.	४१	५१	व.	२७	२१	वि.	२	४९	वव	२९ ५६	४८ ५७	मुद्गर	२४	१३	११				५	३६	६	२४	०	१०	३५	५२	५८	२०

नवरात्रारम्भः। नववर्षारम्भः। पूर्वोत्तरौ यात्रा मु.। उ.भा.भेa
चन्द्रदर्शनम्। ससि.अ.सि. योगः। प्राच्यां यात्रा मु.।
कत्तिकायां स.सि. योगः। जिलहिज। कर्के गुरुः ५९।५४।
भ. ३७।१७ उ.। अश्वि.मेषेचार्कः ५८।१२। गणश४ व्रतम्।
भ. ८।३२ या.। सौर वैशाखारम्भः। मृगभे पूर्वं यात्रा मु.
मृगभे प्रतीच्यां यात्रा मु.। श्रीपञ्चमी। वक्रगत्यां कन्यायाb
तीक्ष्णकर्ममु.। रोहिणीभे शुक्र ५।१९ *मेषार्कतः सौम्यगोलः।
भ. ८।४३ उ. ३७।३० या.। या.ज.मु. प्रतीच्यां c
रामनवमी व्रतम्। दुर्गानिवमी। अशोकाष्टमी।
रामनवमी व्रतम् अन्य मतेन। नवरात्र समाप्तः।
भ. २५।५७ उ. ५३।२६ या.। कामदा ११ व्रतं प्रायः सर्वेषाम्।
उग्रकर्म मु.। c यात्रा मु.। महाष्टमी।
या. ज. मु. २३।९ या.। प्रदोष व्रतम्। a बुधः ३५।४४।
भ. ३५।५० उ.। स.सि. योगः १९।० या.। व्रताय १५।
भ. २।४९ या.। स्नान-दानादौ१५। b भौमः ३४।११

चैं. शु. ३ गुरो. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	६	११	३	१	११	०	६
२९	०	७	०	६	९	१४	१४
४७	२६	६	०	६	४८	०	०
३५	१५	२५	५	१७	१५	१५	१५
१८	१८ ३४	१०१	४	६६	७	३	३
४५	व.	३५	३५	१४	१२	११	११

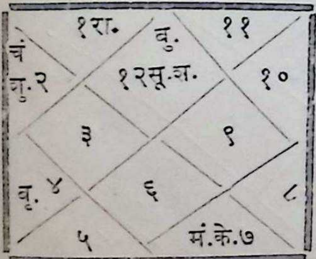

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१चं.		२मं.		२ बु.		३ बृ.		ति.	४शु.		५ श.		६ र.		७ च.		८ मं.		९ बु.		११बृ.		१२ शु.		१३ श.		१४ र.		१५ चं.	
मी.	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	मे.	७	१६	७	१२	७	८	७	४	७	०	६	५६	६	५२	६	४८	६	४४	६	४०	६	३७
मे.	७	३२	७	२८	७	२४	७	२०	वृ.	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३६	८	३३
वृ.	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	मि.	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	६	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४७
मि.	११	४२	११	३८	११	३४	११	३०	क.	१	४५	१	४१	१	३७	१	३३	१	२९	१	२५	१	२१	१	१७	१	१३	१	९	१	६
क.	२	१	१	५७	१	५३	१	४९	सिं.	४	०	३	५६	३	५२	३	४८	३	४४	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४	३	२१
सिं.	४	१६	४	१२	४	८	४	४	क.	६	१४	६	१०	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८	५	३५
रा०	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कं.	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	तु.	८	३१	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५५	७	५२
तु.	८	४७	८	४३	८	३९	८	३५	वृ.	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	९
वृ.	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	ध.	१२	५३	१२	४९	१२	४५	१२	४१	१२	३७	१२	३३	१२	२९	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१४
ध.	१	९	१	५	१	१	१२	५७	म.	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	१०	२	६	२	२	१	५९
म.	२	५४	२	५०	२	४६	२	४२	कु.	४	१०	४	६	४	२	३	५८	३	५४	३	५०	३	४६	३	४२	३	३८	३	३४	३	३१
कुं.	४	२६	४	२२	४	१८	४	१४	मी.	५	३८	५	३४	५	३०	४	२६	५	२२	५	१८	५	१४	५	१०	५	६	५	२	४	५९

चैं. शु. १४ रवौ इ ०।०

चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	५	११	३	१	११	०	६
९	२७	२४	०	१७	११	१२	१२
३२	६	१२	४८	४८	०	४८	४८
४७	२७	३७	१४	३६	९	२८	२८
५८	१८ ३५	१२	४	६६	७	३	३
२२	व.	२५	४६	१५	१८	११	११

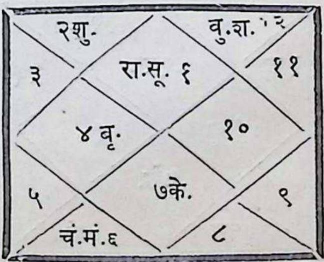

श्री शुभ संवत् २०२४ शके १८८९ वैशाख कृष्णपक्षः। अप्रैल २५ से मई ९ तक। सौम्यायनगोलौ। वसन्तऋतुः।

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३२	४	१	मं.	२४	६	स्वा	१०	२५	सि.	२०	२२	कौ	२४	६	तै.	५१	२६	ध्वज	२५	१४	१२	वृ.	५३	१८	५	३६	६	२४	०	११	३२	११	५८	१८
३२	८	२	बु.	१८	४६	वि.	७	२८	व्य.	१३	५८	ग.	१८	४६	व.	४६	२६	धाता	२६	१५	१३				५	३५	६	२५	०	१२	३२	२९	५८	१४
३२	१२	३	बृ.	१४	६	अनु	४	२४	व.	६	४४	वि.	१४	६	वव	४२	१०	आनंद	२७	१६	१४				५	३४	६	२६	०	१३	३०	४३	५८	१३
३२	१५	४	शु.	१०	१४	ज्ये.	२	१०	प.	० ५४	५१ ५५	वा.	१०	१४	कौ.	३८	४७	चर	२८	१७	१५	ध.	२	२४	५	३४	६	२६	०	१४	२८	५६	५८	१
३२	१८	५	श.	७	२१	मू.	१	३	सि.	५१	२८	तै.	७	२१	ग.	३६	३४	गद	२९	१८	१६				५	३३	६	२७	०	१५	२७	७	५८	९
३२	२२	६	र.	५	४७	पू.	१	५	सा.	४८	१०	व.	५	४७	वि.	३५	२४	शुभ	३०	१९	१७	म.	१६	१८	५	३२	६	२८	०	१६	२५	५६	५८	७
३२	२६	७	चं.	५	१	उ.	२	२८	शु.	४४	६२	वव	५	१	वा.	३५	२३	मृत्यु	१	२०	१८				५	३२	६	२८	०	१७	२३	२३	५८	४
३२	३०	८	मं.	५	४६	श्र.	४	५	शु.	४४	३८	कौ.	५	४६	तै.	३६	५०	लम्ब	२	२१	१९	कुं.	३५	१६	५	३१	६	२९	०	१८	२५	२७	५८	३
३२	३३	९	बु.	७	५४	ध.	८	५१	ब्र.	४४	१५	ग.	७	५४	व.	३९	२९	मित्र	३	२२	२०				५	३०	६	३०	०	१९	१७	३०	५८	१
३२	३६	१०	बृ.	११	४	श.	१२	३०	ऐं.	४५	४५	वि.	११	४	वव	४३	१०	वज्र	४	२३	२१				५	३०	६	३०	०	२०	१७	३१	५७	५८
३२	४०	११	शु.	१५	१७	पू.	१८	४७	वै.	४५	५२	वा.	१५	१७	कौ.	४७	४३	ध्वांक्ष	५	२४	२२	मी.	२	५	५	२९	६	३१	०	२१	१३	२९	५७	५७
३२	४४	१२	श.	२०	१०	उ.	२४	२३	वि.	४७	१७	तै	२०	१०	ग.	५२	४५	धूम्र	६	२५	२३				५	२९	६	३१	०	२२	१५	२६	५७	५५
३२	४६	१३	र.	२५	२०	रे.	३१	२३	प्री.	४८	५७	व.	२५	२०	वि.	५७	५१	वर्ध.	७	२६	२४	मे.	३१	२३	५	२८	६	३२	०	२३	११	२१	५७	५३
३२	४७	१४	चं.	३०	२२	अ.	३७	५२	आ	५०	१८	श.	३०	२२	च.	६०	०	रक्ष	८	२७	२५				५	२७	६	३२	०	२४	७	५४	५७	५१
३२	४८	३०	मं.	३४	५१	भ.	४३	४४	सौ.	५१	२४	च.	२	३६	ना.	३४	५९	मुशल	९	२८	२६	वृ.	५९	५९	५	२७	६	३३	०	२५	७	५	५७	५९

भ. ४६।२६ उ.। .ससि.योगः७।२५ उ.।प्रतीच्यां यात्रा मु.a
भ. १४।६ या.। भरण्यामर्कः ३९।४६ ।स.सि.योगःया.ज.मु.e
दारुण कर्म मु.। बुधास्तः पूर्वस्याम् ३४।११। मेषे बुधः३३।४१
तीक्ष्ण कर्म मु.। aअनुराधाभे।
भ. ५।४७ उ. ३५।२४ या.। स.सि. योगः १।३ उ.।सप्तमीb
मई। कालाष्टमी। दक्षिणस्यां यात्रा मु. श्रावसि।
दक्षिण पूर्व यात्रा मु.३६।१६ या.। पञ्चकारम्भः३६।१६ उ.।
भ.३९।२९उ.।प्रतीच्यां यात्रा मु.१।१या.।भरण्यां बुधः५६।४४।
भ. ११।४ या.। मिथुने शुक्रः ०।१९। bयोगे या.ज.मु.।
वरूथिनी ११ व्रतं सर्वेषाम्, ।eउदीच्यां यात्रा मु. ४।२४ या.
प्रदोष व्रतम्। या.ज.मु. २०।१० उ. या.।
भ.२५।२०उ.५७।५१या.। मास शिवरात्रि व्रतम्। या.ज.c
cमु. २५।२० या.। पञ्चक समाप्त ३१।२३ या.।
अमावस्या स्नान दानादौ।सक्तुदानम्। वक्रगत्या हस्तेभौमः३।२४

वै. कृ. २ बुधे. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	५	११	३	२	११	०	६
१२	२६	२९	१	०	१२	१२	१२
३२	१८	३३	१	३८	२०	३८	३८
२९	४२	५४	४४	१५	४४	११	११
५८	५८ ३४	१०३	४	६५	७	३	३
१४	व	१५	४२	४५	२९	११	११

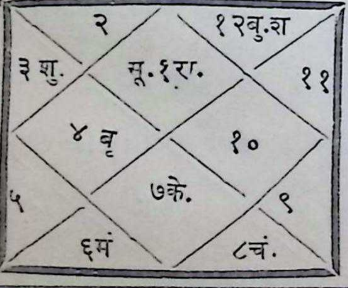

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१मं.		२बु.		३बृ.		४शु.		५श.		६र.		७चं		८ म.		९ बु.		१०बृ.		११शु.		१२श.		१३र.		१४चं.		३०मं.	
मे. अं.	६	३३	६	२९	६	२५	६	२१	६	१७	६	१३	६	९	६	५	६	१	५	५७	५	५३	५	४९	५	४५	५	४२	५	३८
वृ. अं	८	२९	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	१	७	५७	७	५३	७	४९	७	४५	७	४१	७	३७	७	३४
मि. अं.	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१५	१०	११	१०	७	१०	३	९	५९	९	५५	९	५२	९	४८
क. अं.	१	२	१२	५८	१२	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२६	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	११	१२	७
सिं. अं.	३	१७	३	१३	३	९	३	५	३	१	२	५७	२	५३	२	४९	२	४५	२	४१	२	३७	२	३३	२	२९	२	२६	२	२२
कं. अं.	५	३१	५	२७	५	२३	५	१९	५	१५	५	११	५	७	५	३	४	५९	४	५५	४	५१	४	४७	४	४३	४	४०	४	३६
रा०	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
तु. अं.	७	४८	७	४४	७	४०	७	३६	७	३२	७	२८	७	२४	७	२०	७	१६	७	१३	७	८	७	४	७	०	६	५७	६	५३
वृ. अं.	१०	५	१०	१	९	५७	९	५३	९	४९	९	४५	९	४१	९	३७	९	३३	९	२९	९	२५	९	२१	९	१७	९	१४	९	१०
ध. अं.	१२	१०	१२	६	१२	२	११	५८	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२	११	३८	११	३४	११	३०	११	२६	११	२२	११	१९	११	१५
म. अं.	१	५५	१	५१	१	४७	१	४३	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५	१	११	१	७	१	४	१	०
कुं. अं.	३	२७	३	२३	३	१९	३	१५	३	११	३	७	३	३	२	५९	२	५५	२	५१	२	४७	२	४३	२	३९	२	३६	२	३२
मी. अं.	४	५५	४	५१	४	४७	४	४३	४	३९	४	३५	४	३१	४	२७	४	२३	४	१९	४	१५	४	११	४	७	४	४	४	०

वैशाख कृष्ण ९ बुधे इ ०।०

सूः	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	५	०	३	२	११	०	६
१९	२६	१२	२	९	१३	१२	१२
१५	६	४२	०	०	१२	१६	१६
२५	२२	३३	१०	२३	३८	३५	३५
५८	६	१०८	७	६५	७	३	३
६	५व	१९	३	४९	२९	११	११

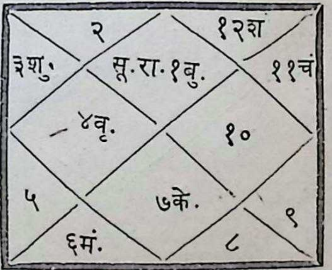

दि.मा. घ.	प.	वा.	ति.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ	.प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३२	४८	१	बु.	३८	२०	कृ.	४८	४४	शो.	५१	२५	किं.	६	३५	बव.	३८	२०	सिद्धि	१०	२९	२७				५	२७	६	३३	०	२६	४	५५	५७	४७
३२	५१	२	वृ.	४०	५९	रो	५२	४०	अ.	२०	४५	वा.	९	४०	कौ.	४०	५९	उत्पात	११	३०	२८				५	२७	६	३३	०	२७	२	४२	५७	४५
३२	५४	३	शु.	४२	२१	मृ.	५५	२३	सु.	४९	७	तै.	११	४०	ग.	४२	२१	मानस	१२	१	२९	मि.	२४	१	५	२६	६	३४	०	२८	०	२७	५७	४३
३२	५७	४	श.	४२	१८	आ.	५६	५१	धृ.	४६	२९	व.	१२	२०	वि.	४२	१८	मुद्गर	१३	२	३०				५	२६	६	३४	०	२८	५८	१०	५७	४२
३२	५९	५	र.	४१	१	पुनः	५७	४	शू.	४२	४९	बव	११	४०	वा.	४१	१	ध्वज	१४	३	३१	क.	४२	१	५	२५	६	३५	०	२९	५५	५२	५७	४०
३३	२	६	चं.	३८	३१	पु.	५६	८	गं.	३८	१४	कौ.	९	४६	तै.	३८	३१	धाता	१५	४	१				५	२५	६	३५	१	०	५३	३२	५७	३८
३३	४	७	मं.	३४	५९	श्ले.	५४	१७	वृ.	३२	५०	ग.	६	५०	व.	३४	५९	आनंद	१६	५	२	सिं.	५४	१७	५	२४	६	३६	१	१	५१	१०	५७	३७
३३	७	८	बु.	३०	३६	म.	५१	३४	ध्रु	३६	४२	वि.	२	४७	बव	३० १८	३६ २	चर	१७	६	३				५	२४	६	३६	१	२	४८	४७	५७	३४
३३	९	९	बृ.	२५	२८	पू.	३८	९	व्या	१९	५६	कौ.	२५	२८	तै.	५२	३८	गद	१८	७	४				५	२३	६	३७	१	३	४६	११	५७	३४
३३	१२	१०	शु.	१९	४९	उ.	४४	२०	ह.	१२	४५	ग	१९	४९	व.	४६	५०	अमृत	१९	८	५	कं.	२	१२	५	२३	६	३७	१	४	४३	५५	५७	३२
३३	१४	११	श.	१३	५०	ह.	४०	१७	व.	[illegible] ५४	२८ २१	वि.	१३	५०	बव.	४०	४४	मृत्यु	२०	९	६				५	२२	६	३८	१	५	४१	२९	५७	३१
३३	१७	१२	र.	७	३९	चि.	३६	५	व्य.	५०	४	वा.	७	३९	कौ.	३४	३६	पद्म	२१	१०	७	तु.	८	११	५	२२	६	३८	१	६	३८	५६	५७	२८
३३	२०	१३	चं.	५ ४	३४ १३	स्वा	३२	१७	व.	४२	३५	तै.	१	३४	ग.	२८ ५५	४० ४७	छत्र	२२	११	८				५	२१	६	३९	१	७	३६	२४	५७	२७
३३	२३	१५	मं.	५०	२२	वि.	२८	२७	प.	३५	२९	वि.	२३	५	बव	५०	२२	श्रीवत्स	२३	१२	९	वृ.	१४	२४	५	२०	६	४०	१	८	३३	५१	५७	२५

श्री शुभ संवत् २०२४ शके १८८९ वैशाख शुक्लपक्षः। मई
१०से २३ तक। सौम्यायनगोलौःवसन्त ऋतुः वृषार्कतःग्रीष्मऋतुः

रोहिणीभे स.सि. योगः। कृत्तिकायां बुधः ५६।४०। आर्द्रायांa
कृत्तिकायामर्कः २८।१२। चन्द्रदर्शनम्। तृतीयायोगे या.ज.मु.। ११
दक्षिणपूर्वे यात्रा मु.। अक्षय ३। परशुराम जयन्ती। मुहर्रमb
भ. १२।२० उ. ४२।१८ या.। गणेश ४ व्रतम्। पुष्ये गुरुः २।९।
वृषेऽर्कः ५५।१३। दक्षिण यात्रा मु.। या.ज.मु.।
सौर ज्येष्ठारम्भः। पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.।
भ. ३४।५९ उ.। गंगा सप्तमी। aशुक्रः २६।१४।
भ. २।४७ या.। b१३८७। वृषे बुधः ५७।५९।
उग्रकर्म मु.।
भ. ४६।५० उ.। eदक्षिण यात्रा मु.।
भ. १३।५० या.। मोहिनी ११ व्रतं सर्वेषाम्। या.ज.मु.e
प्रदोष। पुन.भे शुक्रः ४४।१७। sपश्चिमायाम् २४।११।
भ. ५५।४७ उ.। या.ज.मु. १।३४ या.। नृसिंह १४ व्रतम्।
भ. २३।५ या.। व्रताय १५। स्नान दानादौ १५। बुधोदयःs

वैशाख शु. ४ शनौ·इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	५	१	३	२	११	०	६
२८	२१	१	३	१०	१३	११	११
५८	४२	३०	१८	५४	२४	४४	४४
१०	३९	१७	४५	२५	१७	४८	४८
५६	२९ २८	११४	७	६५	७	३	३
४६	व.	१५	४९	३९	२	११	११

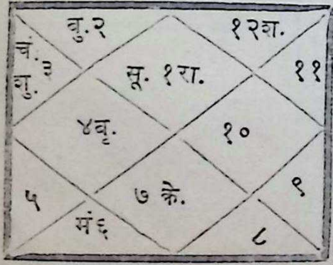

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.		२ [illegible]		३ शु.		४ श.		५ र.		तिथयः	६ चं.		७ मं.		८ बु.		९ बृ.		१० शु.		११ श.		१२ र.		१३ चं.		१५ मं.	
मे. अं.	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८	वृ. अं.	७	१०	७	६	७	२	६	५८	६	५४	६	५०	६	४६	६	४२	६	३९
वृ. अं.	७	३०	७	२६	७	२२	७	१८	७	१४	मी. अं.	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५६	८	५३
मि. अं.	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	कं. अं.	११	४३	११	३९	११	३५	११	३१	११	२७	११	२३	११	१९	११	१५	११	१२
क. अं.	१२	३	११	५९	११	५५	११	५१	११	४७	सिं. अं.	१	५८	१	५४	१	५०	१	४६	१	४२	१	३८	१	३४	१	३०	१	२७
सिं.अं.	२	१८	२	१४	२	१०	२	६	२	२	कं. अं.	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५२	३	४८	३	४४	३	४१
कं. अं.	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०	४	१६	तु. अं.	६	२९	६	२५	६	२१	६	१७	६	१३	६	९	६	५	६	१	५	५८
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
तु. अं.	६	४९	६	४५	६	४१	६	३७	६	३३	वृ. अं.	८	४६	८	४२	८	३८	८	३४	८	३०	८	२६	८	२२	८	१८	८	१५
वृ. अं.	९	६	९	२	८	५८	८	५४	८	५०	ध. अं.	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२६	१०	२३	१०	२०
ध. अं.	११	११	११	७	११	३	१०	५९	१०	५५	म. अं.	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	५
म. अं.	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	कुं. अं.	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५२	१	४८	१	४४	१	४०	१	३७
कुं. अं.	२	२८	२	२४	२	२०	२	१६	२	१२	मी. अं.	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४	३	२०	३	१६	३	१२	३	८	३	५
मी. अं.	३	५६	३	५२	३	४८	३	४४	३	४०	मे. अं.	५	१४	५	१०	५	६	५	२	४	५८	४	५४	४	५०	४	४६	४	४३

वैशाख शु. १५ भौमे ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	५	१	३	२	११	०	६
८	२१	२०	४	२२	१४	११	११
२९	१२	६	५४	०	१८	४३	४३
२४	२४	२७	४५	३९	३३	१	१
५७	३ ९	१०५	९	७०	५	३	३
२६	.	२१	५	२९	३८	११	११

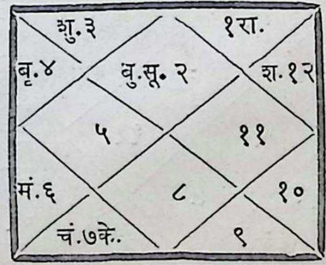

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः		श्री शुभ संवत् २०२४ शके १८८९ ज्येष्ठ कृष्णपक्षः। मई २४
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	से जून ८ तक। सौम्यायनगोलौ। ग्रीष्मऋतुः।
३३	२५	१	बु.	४५	३७	ऽनु.	२५	२३	शि.	२१	५१	वा.	१८	०	कौ.	४५	३७	सौम्य	२४	१३	१०				५	१९	६	४१	१	९	३१	१६	५७	२४	स.सि.अ.सि. योगः २५।२३ या.। प्रतीच्यां यात्रा मु.।
३३	२७	२	बृ.	४१	४३	ज्ये.	२३	८	सि.	२२	५५	तै.	१३	४०	ग.	४१	४३	कालदं	२५	१४	११	ध.	२३	८	५	१९	६	४१	१	१०	२८	४०	५७	२२	रोहिण्यामर्कः २२।४७। मृगभे बुधः २६।४४।
३३	२९	३	शु.	३८	४४	मू.	२१	३९	सा.	१७	४६	व.	१०	१३	वि.	३८	४४	स्थिर	२६	१५	१२				५	१८	६	४२	१	११	२६	२	५७	२१	भ. १०।१३ उ. ३८।४४ या.।
३३	३१	४	श.	३६	५२	पूषा	२१	१६	शु.	१३	१५	वव	७	४८	वा.	३६	५२	मातंग	२७	१६	१३	म.	३६	२९	५	१८	६	४२	१	१२	२३	२३	५७	१९	उग्र कर्ममु.। पञ्चमी योगे या.ज.मु.।
३३	३३	५	र.	३६	११	उषा	२२	७	शु.	९	४९	कौ.	६	३१	तै.	३६	११	अमृत	२८	१७	१४				५	१७	६	४३	१	१३	२०	४२	५७	१७	उत्तरा योगे या.ज.मु.। श्रवसि दक्षिण पूर्व यात्रा मु.।स.सि. योगः
३३	३५	६	चं.	३६	४९	श्र.	२४	१०	ब्र.	७	२२	ग.	६	३०	व.	३६	४९	सिद्धि	२९	१८	१५	कु.	५५	४१	५	१७	६	४३	१	१४	१७	५९	५७	१६	भ. ३६।४९ उ.। स. सि. योग दक्षिण यात्रा मु. ५५।४१ A
३३	३६	७	मं.	३८	५०	ध.	२७	३३	ऐं.	५	५९	वि.	७	५०	वव	३८	५०	उत्पात	३०	१९	१६				५	१७	६	४३	१	१५	१५	१५	५७	१५	भ. ७।५० या. A या.। पञ्चकारम्भः ५५।५१ उ.।
३३	३८	८	बु.	४१	५१	श.	३२	२	वै.	५	२७	वा.	१०	२०	कौ.	४१	५१	मानस	३१	२०	१७				५	१६	६	४४	१	१६	१२	३०	५७	१५	B सि. योगः उदीच्यां यात्रा मु.। पुष्ये शुक्रः ५।२९।
३३	४०	९	बृ.	४५	५६	पूभा	३७	३२	वि.	५	५८	तै.	१३	५३	ग.	४५	५६	मुद्गर	१	२१	१८	मी.	२१	१०	५	१६	६	४४	१	१७	१९	४५	५७	१३	जून। उग्रकर्म मु.। आर्द्रायां बुधः ५६।२५।
३३	४२	१०	शु.	५०	४२	उभा	४३	४१	प्री.	६	५५	व.	१८	१९	वि.	५०	४२	ध्वज	२	२२	१९				५	१६	६	४४	१	१८	६	५७	५७	११	भ. १८।१९ उ. ५०।४२ या.। रेवत्यां स.सि. योग अमृत B
३३	४३	११	श.	५५	४९	रे.	५०	१७	आ.	८	२७	वव	२३	१५	वा.	५५	४९	धाता	३	२३	२०	मे.	५०	१७	५	१६	६	४४	१	१९	१४	५८	५७	१०	अचला ११ स्मार्तानाम्। पञ्चक समाप्ति ५०।१७।D
३३	४४	१२	र.	६०	०	अ.	५६	४६	सौ.	१०	९	कौ.	२८	१७	तै.	६०	०	आनन्द	४	२४	२१				५	१५	६	४५	१	२०	११	१८	५७	१०	अचला ११ वैष्णवानाम्। स.सि. योगः। प्राच्यां यात्रा मु.।
३३	४५	१२	चं.	०	४६	भ.	६०	०	शो.	११	३८	तै.	०	४६	ग.	३२	५८	चर	५	२५	२२				५	१५	६	४५	१	२०	५८	२८	५७	७	त्रयोदशी योगे या.ज.मु.। प्रदोषः।
३३	४७	१३	मं.	५	११	भ.	२	४७	अ.	१२	४३	व.	५	११	वि.	३७	०	मुशल	६	२६	२३	बृ.	१९	६	५	१५	६	४५	१	२१	५५	३५	५७	६	भ. ५।११ उ. ३७।० या.। मास शिवरात्रि व्रतम्।
३३	४८	१४	बु.	८	४९	कृ.	८	२	सु.	१३	८	श.	८	४९	च.	४०	३	सिद्धि	७	२७	२४				५	१४	६	४६	१	२२	५२	४१	५७	६	रोहिणीभे. स. सि. योगः। D प्रतीच्यां उदीच्यां यात्रा मु.।
३३	४९	३०	बृ.	११	१७	रो.	१२	११	धृ.	१२	३७	ना.	११	१७	किं.	४१	५६	उत्पात	८	२८	२५	मि.	१६	३९	५	१४		४६	१	२३	४१	४७	५७	५	मृगभेऽर्कः २१।४८। स्नानदानादौ ३०। वटसावित्री व्रतम्।

ज्ये. कृ. ३ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	५	१	३	२	[illegible]		६
११	२१	२६	५	२५	१	११	११
२६	३	४	२४	३०	३२	३४	३४
२	१४	२१	११	३८	१०	१०	१०
५७	$\frac{३}{७}$	१६	९	७०	७	३	३
२१	व.	३८	८	३१	११	११	११

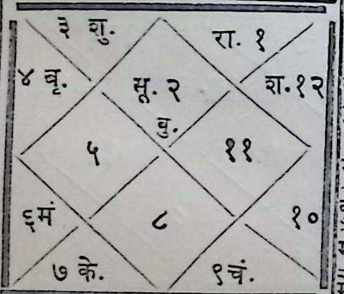

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१बु.		२ बृ.		३ शु.		४श.		५ र.		६ च.		७ मं.		८ बु.		९बृ.		१० शु.		११ श.		१२ र.		१२ चं.		१३ मं.		१४ बु.		१५ बृ.	
बृ. अं.	६	३५	६	३१	६	२७	६	२३	६	१९	६	१५	६	१२	६	८	६	४	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४१	५	३७
मि. अं.	८	४९	८	४५	८	४१	८	३७	८	३३	८	२९	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०	८	६	८	२	७	५७	७	५५	७	५१
क. अं.	११	८	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४५	१०	४१	१०	३७	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२१	१०	१७	१०	१४	१०	१०
सिं. अं.	१	२३	१	१९	१	१५	१	११	१	७	१	३	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२९	१२	२५
कं. अं.	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५	३	२१	३	१७	३	१४	३	१०	३	६	३	२	२	५८	२	५४	२	५०	२	४६	२	४३	२	३९
तु. अं.	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८	५	३४	५	३१	५	२७	५	२३	५	१९	५	१५	५	११	५	७	५	३	५	०	४	५६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५५	७	५१	७	४८	७	४४	७	४०	७	३६	७	३२	७	२८	७	२४	७	२०	७	१७	७	१३
ध. अं.	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६	९	५३	९	४९	९	४५	९	४१	९	३७	९	३३	९	२९	९	२५	९	२२	९	१८
म. अं.	१२	१	११	५७	११	५३	११	४९	११	४५	११	४१	११	३८	११	३४	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	७	११	३
कुं. अं.	१	३३	१	२९	१	२५	१	२१	१	१७	१	१३	१	१०	१	६	१	२	१२	५८	१२	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३९	१२	३५
मी. अं.	३	१	२	५७	२	५३	२	४९	२	४५	२	४१	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	१०	२	७	२	३
मे. अं.	४	३९	४	३५	४	३१	४	२७	४	२३	४	१९	४	१६	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५२	३	४८	३	४५	३	४१

ज्येष्ठ कृष्ण १० शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	५	२	३	३	११	०	६
१७	२२	७	६	३	१५	१०	१०
५९	६	०	४८	०	१२	४१	४१
१०	१७	२१	१४	११	३७	१३	१३
५७	$\frac{५}{उ}$	१०२	११	६५	७	३	३
१८	मा.	२५	१५	३७	३९	११	११

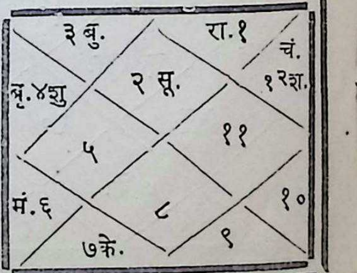

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	५०	१	शु.	१२	३६	मृ.	१५	७	शू.	११	१५	वव	१२	३६	वा.	४२	३६	मानस	९	२९	२६				५	१४	६	४६	१	२४	४६	५२	५७	४
३३	५१	२	श.	१२	३५	आ.	१६	५२	गं.	८	५०	कौ.	१२	३५	तै.	४१	५७	मुद्गर	१०	१	२७				५	१४	६	४६	१	२५	४३	५६	५७	२
३३	५२	३	र.	११	२०	पु.	१७	२२	वृ.	५	२३	ग.	११	२०	व.	४०	५	ध्वज	११	२	२८	क.	२	१५	५	१४	६	४६	१	२६	४०	५८	५७	१
३३	५३	४	चं.	८	५०	पु.	१६	३८	ध्रु.	१ ५२	० ४४	वि.	८	५०	वव	३७	४	धाता	१२	३	२९				५	१३	६	४७	१	२७	३७	५९	५७	१
३३	५३	५	मं.	५	१८	श्ले	१४	५५	ह.	४९	४८	वा.	५	१८	कौ.	३३	५	आनन्द	१३	४	३०	सिं.	१४	५५	५	१३	६	४७	१	२८	२५	०	५७	५९
३३	५४	६	बु.	० ५४	५३ ५१	म.	१२	२१	व.	४३	११	तै.	०	५३	ग.	२८ ५२	५८ ४४	चर	१४	५	३१				५	१३	६	४७	१	२९	३१	५९	५६	५९
३३	५४	८	बृ.	५०	४	पू.	९	४	सि.	३६	३	वि.	२२	५४	वव	५०	४	गद	१५	६	३२	कं.	२३	८	५	१३	६	४७	२	०	२८	५८	५६	५८
३३	५५	९	शु.	४४	२	उ.	५	१९	व्य.	२८	३८	वा.	१७	३	कौ.	४४	२	शुभ	१६	७	१				५	१३	६	४७	२	१	२५	५६	५६	५७
३३	५५	१०	श.	३७	५०	ह.	१ ५	५६ ४६	व.	२५	३	तै.	१०	५६	ग.	३७	५०	मृत्यु	१७	८	२	तु.	२९	९	५	१३	६	४७	२	२	२२	५३	५६	५७
३३	५६	११	र.	३१	३९	स्वा	५२	५४	प.	१३	१४	व.	४	४५	वि.	३ २८	३० ४२	लुम्ब	१८	९	३				५	१३	६	४७	२	३	१९	४९	५६	५६
३३	५६	१२	चं.	२५	४६	वि.	४९	१३	शि.	५ ५२	२७ ५०	वा.	२५	४६	कौ.	५३	१	मित्र	१९	१०	४	वृ.	३५	९	५	१३	६	४७	२	४	१६	४५	५६	५६
३३	५६	१३	मं.	२०	१६	अनु.	४६	०	सा.	५२	३	तै.	२०	१६	ग.	४७	५१	वज्र	२०	११	५				५	१३	६	४७	२	५	१३	४१	५६	५५
३३	५६	१४	बु.	१५	२६	ज्ये.	४३	२८	शु.	४५	५९	व.	१५	२६	वि.	४३	२६	ध्वांक्ष	२१	१२	६	ध.	४३	२८	५	१३	६	४७	२	६	१०	३६	५६	५३
३३	५६	१५	बृ.	११	२५	मू.	४१	४९	शु.	४०	३५	वव	११	२५	वा.	३९	५२	धूम्र	२२	१३	७				५	१३	६	४७	२	७	७	२९	५६	५३

श्री शुभ संवत् २०२४ शके १८८९ ज्येष्ठ शुक्लपक्षः । जून ९ से २२ तक । सौम्यायनगोलौ । ग्रीष्मऋतुः ।

चन्द्रदर्शनम् । दशहरा प्रारम्भः । A बुधः ५६।२९ ।
पुन. योगे या.ज.मु. । चित्रायां भौमः ३।१५ । सफर ।
भ. ४०।५ उ. । पुष्यभे स.सि.योगः । गणेश ४ व्रतम् । पुष्ये A
भ. ८।५० या. । भद्रोपरि प्राच्यामुदीच्यां यात्रा मु. । स.सि. B
B योगः १६।३८ या. । या.ज.मु. १६।३८ उ.
भ. ५५।४४ उ. । रेवत्यां शनिः ५९।४ ।
भ. २२।५४ या. । मिथुनेऽर्कः २१।१३ । नवमीयोगे या.ज.मु. । C
सौर आषाढ़ारम्भः । या.ज.मु ५।१९ या. । तिथिदानात् D
दक्षिणास्यां यात्रा मु. हस्तभे । दशहरा १० । गंगा जन्मदिनम् ।
भ. ४।४५ उ. ३१।३९ या. । निर्जला ११ सर्वेषाम् ।
स.सि. योगः ४९।१३उ. । प्रतीच्यामुदीच्यां यात्रा मु. । प्रदोषः । E
E कूर्म जयन्ती । C श्लेषायां शुक्रः २।१९
भ. १५।२६ उ. ४३।२६ या. । व्रतादौ १५ ।
शिवभेऽर्कः २२।४९ । स्नानादौन १५ ।
D दक्षिण यात्रा मु. ।

ज्येष्ठ शुक्ल ४ चन्द्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	५	२	३	३	११	०	६
२७	२४	२०	८	१३	१६	१०	१०
३२	६	३६	३५	१२	१२	९	४९
१०	४२	३६	५७	२१	२९	२६	२६
५७	१२	७८	१०	६०	६	३	३
०	७	१५	४७	११	१२	११	११

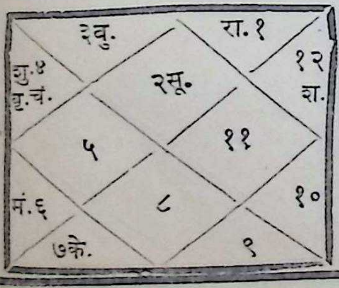

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.		२ श.		३ र.		४ चं.		५ मं.		६ बु.		८ बृ.		तिथयः	९ शु.		१० श.		११ र.		१२ चं.		१३ मं.		१४ बु.		१३ बृ.	
वृ. अं.	५	३३	५	२९	५	२५	५	२१	५	१७	५	१३	५	९	मि. अं	७	१९	७	१५	७	११	७	७	७	३	७	०	६	५६
मि. अं.	७	४७	७	४३	७	३९	७	३५	७	३१	७	२७	७	२३	क अं	९	३८	९	३४	९	३०	९	२६	९	२२	९	१९	९	१५
क. अं.	१०	६	१०	२	९	५८	९	५४	९	५०	९	४६	९	४२	सिं अं	११	५३	११	४९	११	४५	११	४१	११	३७	११	३४	११	३०
सिं. अं.	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	५	१२	१	११	५७	कं. अं.	२	७	२	३	१	५९	१	५५	१	५१	१	४८	१	४४
कं. अं.	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३	२	१९	२	१५	२	११	तु अं	४	२४	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	५	४	१
तु. अं.	४	५२	४	४८	४	४४	४	४०	४	३६	४	३२	४	२८	वृ. अं	६	४१	६	३७	६	३३	६	२९	६	२५	६	२२	६	१८
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	७	९	७	५	७	१	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	ध. अं.	८	४६	८	४२	८	३८	८	३४	८	३०	८	२७	८	२३
ध. अं.	९	१४	९	१०	९	६	९	२	८	५८	८	५४	८	५०	म. अ.	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१५	१०	१२	१०	८
म. अं.	१०	५९	१०	५५	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	३९	१०	३५	कुं. अं.	१२	३	११	५९	११	५५	११	५१	११	४७	११	४४	११	४०
कुं. अं.	१२	३१	१२	२७	१२	२३	१२	१९	१२	१५	१२	११	१२	७	मी अं.	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५	१	१२	१	८
मी. अं.	१	५९	१	५५	१	५१	१	४७	१	४३	१	३९	१	३५	मे. अं.	३	९	३	५	३	१	२	५७	२	५३	२	५०	२	४६
मे. अं.	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५	३	२१	३	१७	३	१३	वृ अं	५	५	५	१	४	५७	४	५३	४	४९	४	४६	४	४२

ज्येष्ठ शुक्ल १५ गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	५	२	३	३	११	०	६
७	२७	२७	१०	२३	१६	९	९
१	६	५४	३६	१२	४२	३७	३७
५६	२१	२५	४१	३२	३९	३९	३९
५६	१०	४२	१२	६०	३	३	३
५३	२५	३९	१५	११	५	११	११

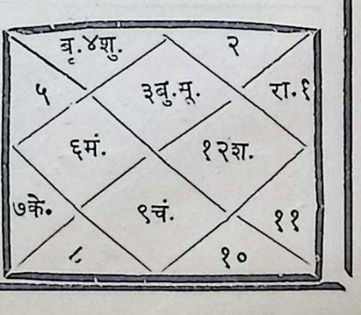

१४

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं.रा.प्र. रा.	घ.	प.	सू.उ. घं.	मि.	सू.अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	५६	१	शु.	८	२०	पू.	४१	९	व्र.	३६	१	कौ.	८	२०	तै.	३७	२०	वर्धमान	२३	१४	८	म.	५६	१७	५	१३	६	४७	२	८	५	२८	५६	५४
३३	५६	२	श.	६	२१	उ.	४१	४३	ऐं.	३२	१६	ग.	६	२१	व.	३५	५८	रक्ष	२४	१५	९				५	१३	६	४७	२	९	१	१६	५६	५२
३३	५६	३	र.	५	३६	श्र.	४३	३०	वै.	२९	५०	वि.	५	३६	वव	३५	५१	गद	२५	१६	१०				५	१३	६	४७	२	९	५८	८	५६	५२
३३	५५	४	चं.	६	६	ध.	४६	३५	वि.	२८	१४	वा.	६	६	कौ.	३७	२	शुभ	२६	१७	११	कुं.	१५	२	५	१३	६	४७	२	१०	५५	०	५६	५२
३३	५५	५	मं.	७	५८	श.	५०	४६	प्री.	२७	३७	तै.	७	५८	ग.	३९	२५	मृत्यु	२७	१८	१२				५	१३	६	४७	२	११	५१	५२	५६	५१
३३	५५	६	बु.	१०	५३	पू.	५६	३	आ.	२७	५२	व.	१०	५३	वि.	४२	५३	पद्म	२८	१९	१३	मी.	३९	४४	५	१३	६	४७	२	१२	४१	४३	५६	५१
३३	५४	७	बृ.	१४	५४	उ.	६०	०	सौ.	२८	५२	वव	१४	५४	वा.	४७	१४	छत्र	२९	२०	१४				५	१३	६	४७	२	१३	४१	१४	५६	५१
३३	५३	८	शु.	१९	३४	उ.	२	३	शो.	३०	१७	कौ.	१९	३४	तै.	५२	५	ध्वज	३०	२१	१५				५	१३	६	४७	२	१४	४३	१५	५६	५१
३३	५३	९	श.	२४	३६	रे.	८	३२	अ.	३१	०	ग.	२४	३६	व.	५६	५४	धाता	१	२२	१६	मे.	८	३२	५	१३	६	४७	२	१५	३९	१६	५६	५०
३३	५२	१०	र.	२९	१२	अ.	१५	७	सु.	३३	३२	त्रि.	२९	१२	वव	६०	०	आनन्द	२	२३	१७				५	१४	६	४६	२	१६	३६	६	५६	५०
३३	५१	११	चं.	३३	५७	भ.	२१	१४	धृ.	३४	२१	वव	१	३४	वा.	३३	५७	चर	३	२४	१८	वृ.	३७	३५	५	१४	६	४६	२	१७	३२	५६	५६	५०
३३	५०	१२	मं.	३७	३९	कृ.	२६	३९	शू.	३५	१४	को.	५	४८	तै.	३७	३९	गद	४	२५	१९				५	१४	६	४६	२	१८	२९	४६	५६	५१
३३	४९	१३	बु.	४०	६	रो.	३१	३	गं.	३४	५२	ग.	८	५२	व.	४०	६	शुभ	५	२६	२०				५	१४	६	४६	२	१९	२६	३७	५६	५१
३३	४८	१४	बृ.	४१	३०	मृ.	३४	१८	वृ.	३३	४१	वि.	१०	४८	श.	४१	३०	मृत्यु	६	२७	२१	मि.	२	४०	५	१४	६	४६	२	२०	२३	२८	५६	५१
३३	४७	३०	शु.	४१	३२	आ.	३६	१७	धु.	३१	२५	च.	११	३१	ना.	४१	३२	पद्म	७	२८	२२				५	१४	६	४६	२	२१	२०	१८	५६	५१

श्री शुभ संवत् २०२४ शके १८८९ आषाढ़ कृष्णपक्षः। जून २३ से जुलाई ७ तक। सौम्यायनगोलौ ग्रीष्मऋतुः।

उग्रकर्म मु.। कर्के बुधः ५६।४०। Aया.ज.मु.।
भ. ३५।५८ उ.। श्रवसि स.सि. योगः। वक्री बुधः ३०।१७।
भ. ५।३६ या.। गणेश ४ व्रतम्। दक्षिणपूर्वौ यात्रा मु.।
पञ्चकारम्भः१५।२ उ.। प्रतीच्यां यात्रा म.। पञ्चमी योगेA
B यात्रा मु.। श्लेषायां गुरुः ४६।११। C शुक्रः ४६।३४
भ. १०।५३ उ. ४२।५३ या.। बुधास्तः पश्चिमायाम् ४।३९।
शीतलाष्टमी। कालाष्टमी। या.ज.मु. १४।५४ या.। सिंहेC
रेवन्यां उदीच्यां यात्रा मु.। स.सि. योगः। पुनस्तुलायांD
भ. ५६।५४ उ.। जुलाई। पञ्चकान्तः ८।३२। प्रतीच्यां f
भ. २९।१२ या.। स.सि.योगः १५।७ या.। एकादशीयोगेE
योगिनी ११ व्रतं सर्वेषाम्। या.ज.मु. २१।२४ या.
स.सि. योगः २६।३९ या.। Dभौमः ३८।४४। Eया.ज.मु.।
भ. ४०।६ उ.। प्रदोष। स.सि. योगः ३१।३। मृगभे दक्षिणB
भ. १०।४८ या.। पुनर्भेऽर्कः २७।५०। मास शिवरात्रि व्रतम्।
स्नानदानादौ३०fयात्रामु.याजमु.८।३२या.।पू.फा.भेशुक्रः३।१९

आ. कृ. ३ रवौ इ. ०|०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	५	३	३	३	११	०	६
९	२७	९	११	२६	१६	९	९
५८	३६	५८	१२	४१	५१	२८	२८
८	४४	५१	४१	५२	५२	४२	४२
५६	९	४२	१२	६०	३	३	३
५८	५८	३९	१४	१२	५	११	११

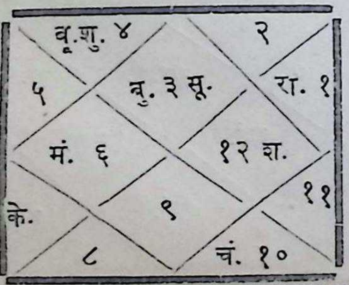

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१शु.		२श.		३र.		४चं.		५मं.		६बु.		७बृ.		८शु.		९श.		१०र.		११चं.		१२मं.		१३बु.		१४ बृ.		३०शु.	
मि. अं.	६	५२	६	४८	६	४४	६	४०	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६	६	१३	६	९	६	५	६	१	५	५७
क. अं.	९	११	९	७	९	३	८	५९	८	५५	८	५१	८	४७	८	४३	८	३९	८	३५	८	३२	८	२८	८	२४	८	२०	८	१६
सि. अं.	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	६	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४२	१०	३८	१०	३४	१०	३०
कं. अं.	१	४०	१	३६	१	३२	१	२८	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१	१	१२	५७	१२	५३	१२	४९	१२	४५
तु. अं.	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५	३	२१	३	१८	३	१४	३	१०	३	६	३	२
वृ. अं.	६	१४	६	१०	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८	५	३५	५	३१	५	२७	५	२३	५	१९
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
ध अं.	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३	७	४०	७	३६	७	३२	७	२८	७	२४
म. अं.	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	९	२५	९	२१	९	१७	९	१३	९	९
कुं. अं.	११	३६	११	३२	११	२८	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२	११	८	११	४	११	०	१०	५७	१०	५३	१०	४९	१०	४५	१०	४१
मी. अं.	१	४	१	०	१२	५६	१२	५	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९
मे. अं.	२	४२	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	१०	२	६	२	३	१	५९	१	५५	१	५१	१	४७
वृ. अं.	४	८	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	४	२	३	५९	३	५५	३	५१	३	४७	३	४३

आ. कृ. १० रवौ. इ. ७|३४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	६	२	३	४	११	०	६
१६	०	२५	१२	२	१७	९	९
३१	३०	६	४२	१२	१२	३५	३५
२९	१७	९	३१	४७	२५	५२	५२
५६	२०	५२/१४	१२	५४	३	३	३
५०	१४	व.	३६	५९	१	११	११

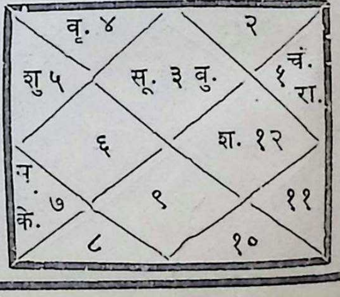

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	ब्रं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३३	४६	१	श.	४०	१६	पु	३६	५९	व्या	२८	१	कि.	१०	५५	वव	४०	१३	छत्र	८	२९	२३	क.	२१	४८	५	१५	६	४५	२	२२	१७	९	५६	५२
३३	४४	२	र.	३७	५२	पु.	३६	३१	ह.	१३	५५	वा.	९	५	कौ.	३७	५२	श्रीवत्स	९	३०	२४				५	१५	६	४५	२	२३	१४	१	५६	५२
३३	४३	३	चं.	३४	२३	श्ले	३४	५९	व.	१८	४९	तै.	६	७	ग.	३४	२३	सौम्य	१०	१	२५	सिं.	३४	४९	५	१५	६	४५	२	२४	१०	५३	५६	५२
३३	४२	४	मं.	३०	३	म.	३२	३९	सि.	१२	५७	व.	२	१३	वि.	३० ५७	३ २७	काल	११	२	२६				५	१६	६	४४	२	२५	७	४५	५६	५३
३३	४०	५	बु.	२४	५२	पू.	२९	२७	व्य.	६ ५२	३८ ५६	वा.	२४	५२	कौ.	५२	३	स्थिर	१२	३	२७	कं.	४३	३२	५	१६	६	४४	२	२६	४	३८	५६	५३
३३	३९	६	बृ.	१९	१५	उ.	२४	४८	प.	५२	०	तै.	१९	१५	ग.	४६	१३	मातंग	१३	४	२८				५	१६	६	४४	२	२७	१	३१	५६	५४
३३	३७	७	शु.	१३	११	ह.	२१	४५	शि.	४४	२८	व.	१३	११	वि.	४०	५	अमृत	१४	५	२९	तु.	४९	४०	५	१७	६	४३	२	२७	५८	२५	५६	५४
३३	३६	८	श.	६	५७	चि.	१७	३५	सि.	३६	४६	वव	६	५९	वा.	३३	५३	काण	१५	६	३०				५	१७	६	४३	२	२८	५५	१९	५६	५५
३३	३४	९	र.	० ५४	४७ ५	स्वा	१३	२८	सा.	२९	१५	कौ.	०	४७	तै.	२७ ५४	४ ५२	लुम्ब	१६	७	३१	वृ.	५५	३४	५	१७	६	४३	२	२९	५२	१४	५६	५६
३३	३२	११	चं.	४९	३७	वि.	९	३५	शु.	२२	१२	व.	२२	१४	वि.	४९	३७	मित्र	१७	८	१				५	१८	६	४२	३	०	४९	१०	५६	५६
३३	३०	१२	मं.	४४	२१	ऽनु.	६	१२	शु.	१५	१२	वव	१६	५९	वा.	४४	२१	वज्र	१८	९	२				५	१८	६	४२	३	१	४६	६	५६	५६
३३	२८	१३	बु.	४०	१६	ज्ये.	३	२९	ब्र.	८	५९	कौ.	१२	१८	तै.	४०	१६	ध्वांक्ष	१९	१०	३	ध.	३	२९	५	१८	६	४२	३	२	४३	२	५६	५८
३३	२६	१४	बृ.	३७	६	मू.	१	३८	ऐं.	३ ५२	२७ १७	ग.	८	४१	व.	३७	६	धूम्र	२०	११	४				५	१९	६	४१	३	३	४०	०	५६	५८
३३	२४	१५	शु.	३५	०	पू.	०	४३	वि.	५४	५५	वि.	६	३	वव	३५	०	वर्द्धमा.	२१	१२	५	म.	१५	४६	५	१९	६	४१	३	४	३६	५८	५६	५९

श्री शुभ संवत् २०२४ शके १८८९ आषाढ़ शुक्लपक्षः। जुलाई ८ से ११तक सौम्यायनगोलौ। ग्रीष्मऋतुः।

या.ज.मु.।
चन्द्रदर्शनम्। ससि.योगः। रथयात्रा २। वक्रगत्या आर्द्रायांh
या.ज.मु.। गणेश ४। रविउलअव्वल h.बुधः ३६।१२।
भ. २।१३ उ. ३०।३ या.

सप्तमी उत्तरायोगे या.ज.मु.।
भ. १३।११ उ. ४०।५ या.। स्वात्यां भौमः २८।११।
नवमी स्वाती योगे या.ज.मु.। पू.फा.भे शुक्रः २३।१९।
कर्केऽर्कः ४९।३ मु.। या.ज.मु. ०।४७ या.। मार्गी बुधः ३९।१२।
भ. २२।१४ उ. ४९।३७ या.। सौर श्रावणारम्भः। हरि-b
चातुर्मास्य व्रतारम्भः। वक्री शनिः ५।१४।
प्रदोषः।
भ. ३७।६ उ.। पुष्यभेऽर्कः २०।५१। बुधोदयः पूर्वस्याम् २।१९।
भ. ६।३ या.। व्रतस्नानादौ १५। गुरु पूर्णिमा। आषाढ़ी योगः।
bशयनी ११प्रायः सर्वेषाम्। अनु.भे प्रतीच्यामुदीच्यां यात्रा मु.।

आ. शु. ५ बुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	६	२	३	४	११	०	६
२६	४	२०	१५	१०	१७	८	८
३१	४८	०	०	१२	३६	५४	५४
२९	५२	२१	३७	२४	१५	५	५
५६	४९	४२ १३	१८	४८	२	३	३
५२	१५	व.	२५	४५	४८	११	११

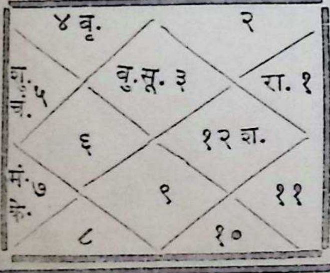

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.		२ र.		३ चं.		४ मं.		५ बु.		६ बृ.		७ शु.		८ श.		९ र.		तिथयः	११ चं.		१२ मं.		१३ बु.		१४ बृ.		१५ शु.	
मि. अं.	५	५३	५	४९	५	४५	५	४१	५	३७	५	३३	५	२९	५	२५	५	२२	क. अ.	७	३७	७	३३	७	२९	७	२५	७	२१
क. अं.	८	१२	८	८	८	४	८	०	७	५६	७	५२	७	४८	७	४४	७	४१	सिं. अं.	९	५२	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६
सिं. अं.	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	६	१०	२	९	५९	९	५६	कं. अं.	१२	६	१२	२	११	५८	११	५४	११	५०
कं. अं.	१२	४१	१२	३७	१२	३३	१२	२९	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	१०	तु. अं.	२	२३	२	१९	२	१५	२	११	२	७
तु. अं.	२	५८	२	५४	२	५०	२	४६	२	४२	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	वृ. अं.	४	४०	४	३६	४	३२	४	२८	४	२४
वृ. अं.	५	१५	५	११	५	७	५	३	४	५९	४	५५	४	५१	४	४७	४	४४	ध. वृ.	६	४५	६	४१	६	३७	६	३३	६	२९
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
ध. अं.	७	२०	७	१६	७	१२	७	८	७	४	७	०	६	५६	६	५२	६	४९	म. अं.	८	३०	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४
म. अं.	९	५	९	१	८	५७	८	५३	८	४९	८	४५	८	४१	८	३७	८	३४	कुं. अं.	१०	२	९	५८	९	५४	९	५०	९	४६
कु. अं.	१०	३७	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२१	१०	१७	१०	१३	१०	९	१०	६	मी. अं.	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४
मी. अं.	१२	५	१२	१	११	५७	११	५३	११	४९	११	४५	११	४१	११	३७	११	३४	मे. अं.	१	८	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२
मे. अं.	१	४३	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५	१	१२	वृ. अं.	३	४	३	०	२	५६	२	५२	२	४८
वृ. अं.	३	३९	३	३५	३	३१	३	२७	३	२३	३	१९	३	१५	३	११	३	८	मि. अं.	५	१८	५	१४	५	१०	५	६	५	२

आषाढ़ शु. १३ बुधे. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	६	२	३	४	११	०	६
२	९	१८	१७	१८	१७	७	७
४३	५	४८	४२	१५	१८	५२	५२
३	१२	५४	५४	३७	५	४५	४५
५६	२९	७ २	१२	३५	० ५५	३	३
५८	४५	व.	३३	३८	व.	११	११

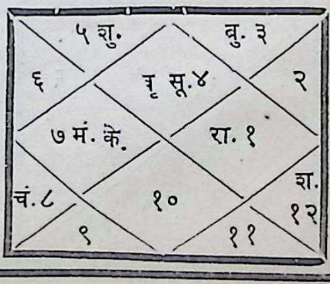

दि. मा. घ. प.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	का.	बं.	चं. रा. प्र. रा. घ. प.			सू. उ. घं. मि.		सू. अ. घं. मि.		औ. स्पष्ट सूर्य रा. अं. क. वि.				गतिः क. वि.	
३३	२२	१	श.	३४	७	उ.	०	५७	प्री.	५१	६	वा	४	३३	कौ.	३४	७	रक्ष	२२	१३	६				५	२०	६	४०	३	५	३३	५७	५७	१
३३	२०	२	र.	३४	३१	श्र.	२	१७	आ.	५०	१८	तै.	४	१९	ग.	३४	३१	गद	२३	१४	७	कुं.	३३	४४	५	२१	६	३९	३	६	३०	५५	५७	१
३३	१८	३	चं.	३६	१९	ध.	५	१२	सौ.	४९	३१	व.	५	२५	वि.	३६	१९	शुभ	२४	१५	८				५	२१	६	३९	३	७	२७	५९	५७	२
३३	१५	४	मं.	३९	९	श.	९	६	शो.	४९	३२	वव	७	४४	वा.	३९	९	मृत्यु	२५	१६	९	मी.	५७	५६	५	२१	६	३९	३	८	२५	१	५७	२
३३	१३	५	बु.	४३	६	पू.	१४	९	अ.	५०	२०	कौ.	११	७	तै.	४३	६	पद्म	२६	१७	१०				५	२२	६	३८	३	९	२२	३	५७	५
३३	११	६	बृ.	४७	४५	उ.	२०	२	सु.	५१	४२	ग.	१५	५५	व.	४७	४५	छत्र	२७	१८	११				५	२२	६	३८	३	१०	१९	९	५७	५
३३	८	७	शु.	५२	४६	रे.	२६	२७	धृ.	५३	२२	वि.	२०	१५	वव	५२	४६	श्रीवत्स	२८	१९	१२	मे.	२६	२७	५	२३	६	३७	३	११	१६	१३	५७	६
३३	६	८	श.	५७	४६	अ.	३३	०	शू.	५४	५२	बा.	२५	१६	कौ.	५७	४६	सौम्य	२९	२०	१३				५	२३	६	३७	३	१२	१३	१९	५७	७
३३	३	९	र.	६०	०	भ.	३९	१४	गं.	५६	४	तै.	३७	१	ग.	६०	०	काल	३०	२१	१४	वृ.	५५	३८	५	२४	६	३६	३	१३	१०	२६	५७	९
३३	१	९	चं.	२	१६	कृ.	४४	५०	वृ.	५६	४४	ग.	२	१६	व.	३४	८	स्थिर	३१	२२	१५				५	२४	६	३६	३	१४	७	३५	५७	९
३२	५८	१०	मं.	६	१	रो.	४९	३०	ध्रु.	५६	३१	वि.	६	१	वव	३७	१७	मातंग	१	२३	१६				५	२४	६	३६	३	१५	४	४४	५७	११
३२	५५	११	बु.	८	३४	मृ.	५३	०	व्या	५५	२९	वा.	८	३४	कौ.	३९	२०	अमृत	२	२४	१७	मि.	२१	१५	५	२५	६	३५	१	१६	१	१०	५७	१२
३२	५३	१२	बृ.	१०	६	आ.	५५	११	ह.	५३	२३	तै.	१०	६	ग.	४०	१०	काण	३	२५	१८				५	२५	६	३५	३	१६	५९	७	५७	१३
३२	५०	१३	शु.	१०	१५	पु.	५६	९	व्र.	५०	१६	व.	१०	१५	वि.	३९	४२	लुम्ब	४	२६	१९	क.	४०	५५	५	२६	६	३४	३	१७	५६	२०	५७	१३
३२	४७	१४	श.	९	९	पु.	५५	५५	सि.	४६	११	श.	९	९	च.	३७	५७	मित्र	५	२७	२०				५	२७	६	३३	३	१८	५३	४३	५७	१६
३२	४४	३०	र.	६	४६	श्ले.	५४	३६	व्य.	४१	४२	ना.	६	४६	किं	३५	५	वज्र	६	२८	२१	सिं	५४	३६	५	२७	६	३३	३	१९	५०	५१	५७	१६

श्री शुभ संवत् २०२४ शके १८८९ श्रावण कृष्णपक्षः। जुलाई ११ से अगस्त ६ तक। याम्यायनम् सौम्यगोलः। वर्षाऋतुः।

या.ज.मु ०।५७ या.। दक्षिणास्यां यात्रा मु. श्रावण वर्जये-A
पञ्चकारम्भः ३३।४४ उ.। दक्षिणपूर्व यात्रा मु.३३।४४ या.।
भ. ५।२५ उ.३६।१९ या.। प्रतीच्या यात्रा मु.जा जय ५।१२E
Cयात्रा मु.। अश्विन्यां प्राच्यामपि यात्रा मु.।
उत्तरापञ्चमी योगें या.ज.मु. ।Eया.। पुनःपुनर्भे बुधः१४।७।
भ. ४७।४५ उ.। सप्ताभ्यां या.ज.मु. स.सि.योगः २०।२ D
उ. २०।१५ या.। पञ्चकान्तः २६।२७। ससि.योगःउदीच्यांC
तिथि दानात् उदीच्यां यात्रा मु.।
या.ज.मु. ३९।१४ या.। Dउ.। रेवत्यां प्रतीच्यां यात्रा मु.।
भ. ३४।८ उ.। रोहिणीभे स.सि. योगः।
भ. ६।१ या.। अगस्त। पुनः कर्कबुधः ११।१५।
कामदा११ प्रायः सर्वेषाम्। स.सि. योगः दक्षिणपूर्वो यात्रा B
सार्पेऽर्कः ३०।५२। पुन.योगे या.ज.मु.। प्रदोषः।
भ. १०।१५ उ. ३९।४२ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्।
Aच्छाकम्। अस्तं गुरु पश्चिमायाम् ९।५।
स्नानदानादौ ३०। Bमु.।२५।१५ उ. पश्चिम यात्रा मु.।

श्रावण कृ. १ शनौ. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	६	२	३	४	११	०	६
५	९	१९	१८	२०	१७	८	८
२९	३६	१२	१५	३०	३०	२	२
४०	१५	३१	२२	४१	३१	१२	१२
५६	२९	७/५	१२	३६	०/५४	३	३
५९	४५	मा.	३४	३५	व	११	११

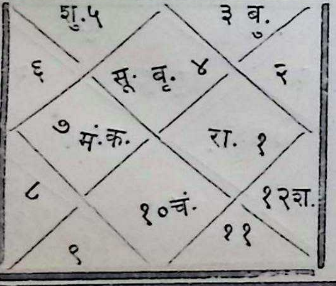

दैनिक लग्नसारिणी

ति	१ श.		२ र.		३ चं.		४ मं.		५ बु.		६ बृ.		७ शु.		८ श.		९ र.		१० चं.		११ मं.		१२ बु.		१२ बृ.		१३ शु.		१४ श.		३० र.	
मि.	७	१७	७	१३	७	९	७	५	७	१	६	५८	६	५४	६	५०	६	४६	६	४२	६	३८	६	३४	६	३०	६	२६	६	२३	६	१९
क.	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	९	९	५	९	१	८	५७	८	५३	८	४९	८	४५	८	४१	८	३८	८	३४
सिं	११	४६	११	४२	११	३८	१०	३४	११	३०	११	२७	११	२३	११	१९	११	१५	११	११	११	७	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	५२	१०	४८
कं.	२	३	१	५९	१	५५	१	५१	१	४७	१	४४	१	४०	१	३६	१	३२	१	२८	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२	१	९	१	५
तु.	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	४	४	१	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९	३	२६	३	२२
वृ.	६	२५	६	२१	६	१७	६	१३	६	९	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८	५	३४	५	३१	५	२७
रा	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
ध.	८	१०	८	६	८	२	७	५८	७	५४	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९	७	३५	७	३१	७	२७	७	२३	७	१९	७	१६	७	१२
म.	९	४२	९	३८	९	३४	९	३०	९	२६	९	२३	९	१९	९	१५	९	११	९	७	९	३	८	५९	८	५५	८	५१	८	४८	८	४४
कुं.	११	१०	११	६	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१६	१०	१२
मी.	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२९	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	५	१२	१	११	५७	११	५४	११	५०
मे.	२	४४	२	४०	२	३६	२	३२	३	२८	२	२५	२	२१	२	१७	२	१३	२	९	२	५	२	१	१	५७	१	५३	१	५०	१	४६
वृ.	४	५८	४	५४	४	५०	४	४६	४	४२	४	३९	४	३५	४	३१	४	२७	४	२३	४	१९	४	१५	४	११	४	७	४	४	४	०

श्रावण कृ. १० भौमे इ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	६	२	३	४	११	०	६
१५	१४	२९	१९	२५	१७	७	७
४	४२	१२	२४	४९	२४	३०	३०
१०	३९	२५	३७	३९	३१	३१	३१
५७	३०	६०	१२	२४	०/३४	३	३
८	२७	४५	५८	२५	व.	११	११

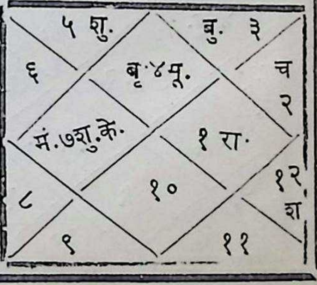

श्री संवत् २०२४ शके १८८९ श्रावण शुक्लपक्षः। अगस्त
७ से १० तक। याम्यायनम् सौम्यगोलः । वर्षाऋतुः ।

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३२	४१	१	चं.	३/५५	२४/४२	म.	५२	२८	व्र.	३५	२७	वव	३	२४	वा.	१/५९	१५/६	ध्वांक्ष	७	२९	२२				५	२८	६	३८	३	२०	४८	७	५७	१८
३२	३८	३	मं.	५४	१	पू.	४९	२४	प.	२९	१	तै.	२६	३३	ग.	५४	१	धूम्र	८	१	२३				५	२८	६	३८	३	२१	४५	२५	५७	२१
३२	३६	४	बु.	४८	२५	उ.	४५	५०	शि.	२२	१	व.	२१	१३	वि.	४८	२५	वर्धमान	९	२	२४	कं.	३	३०	५	२९	६	३१	३	२२	४२	४६	५७	२१
३२	३३	५	बृ.	४२	२५	ह.	४१	५१	सि.	१४	४०	वव	१५	२	वा.	४२	२५	रक्ष	१०	३	२५				५	३०	६	३०	३	२३	४०	७	५७	२३
३२	३०	६	शु.	३६	१४	चि.	३७	४०	सा.	७/५२	६/१६	कौ.	९	१९	तै.	३६	१४	मुशल	११	४	२६	तु.	९	४५	५	३०	६	३०	३	२४	३७	३०	५७	२५
३२	२७	७	श.	३०	४	स्वा	३३	३०	शु.	५१	४८	ग.	३	९	व.	३०/५७	४/६	सिद्धि	१२	५	२७				५	३१	६	२९	३	२५	३४	५५	५७	२६
३२	२३	८	र.	२४	९	बि.	२९	३३	व्र.	४४	१६	वव	२४	९	वा.	५१	२२	उत्पात	१३	६	२८	वृ.	१५	३२	५	३१	६	२९	३	२६	३२	१	५७	२७
३२	२०	९	चं.	१८	३५	ऽनु	२६	१	ऐं.	३७	२९	कौ.	१८	३५	तै.	४६	६	मानस	१४	७	२९				५	३२	६	२८	३	२७	२९	४८	५७	२९
३२	१७	१०	मं.	१३	३८	ज्ये.	२३	४	वै.	३१	४	ग.	१३	३८	व.	४१	३४	मुद्गर	१५	८	३०	ध.	२३	४	५	३३	६	२७	३	२८	२७	१७	५७	३१
३२	१४	११	बु.	९	३०	मू.	२१	४	वि.	२५	२१	वि.	९	३०	वव	३७	४८	ध्वज	१६	९	३१				५	३३	६	२७	३	२९	२४	४२	५७	३३
३२	११	१२	बृ.	६	१६	पू.	१९	५२	प्री.	२०	१६	वा.	६	१६	कौ.	३५	१३	गद	१७	१०	३२	म.	३४	५१	५	३४	६	२६	४	०	२२	२१	५७	३३
३२	८	१३	शु.	४	१०	उ.	१९	४९	आ.	१६	२३	तै.	४	१०	ग.	३३	४२	आनन्द	१८	११	१				५	३४	६	२६	४	१	१९	५५	५७	३५
३२	४	१४	श.	३	१४	श्र.	२०	५६	सो.	१३	१९	व.	३	१४	वि.	३३	२५	स्थिर	१९	१२	२	कु.	५२	९	५	३५	६	२५	४	२	१७	३०	५७	३८
३२	१	१५	र.	३	३६	ध.	२३	२२	शो.	११	११	वव	३	३६	वा.	३४	२८	मातंग	२०	१३	३				५	३६	६	२४	४	३	१५	८	५७	३९

चन्द्रदर्शनम् । b विशाखाभे भौमः २३।१९
रविउस्सानी ।
भ. २१।१३ उ.४८।२५या.। हस्तभे स.सि.योगः। गणेश ४ ।a
या.ज.मु. दक्षिण यात्रा मु. । नाग ५ । वक्री शुक्रः ४९।३।b
वृक्षरोपण मु. । वृश्चिके भौमः ९।११ ।
भ. ३०।४ उ. ५७।६ या. । स.सि. योगः या.ज.मु. ।
अनु.भे या.ज.मु. । a बुधास्तः पूर्वस्याम् ४६।५४ ।
या.ज.मु.।प्रतीच्यामुदीच्यां यात्रा मु.।श्लेषायां बुधः२२।११।
भ. ४१।३४ उ. । दुर्गायात्रा । d३६।१४ ।
भ. ९।३० या. । पुत्रदा ११ व्रतं सर्वेषाम् । *५२।९ या.
मघायांसिंहेचार्कः २८।१६ । त्रयोदश्यां या.ज.मु. । प्रदोषः ।
सौर भाद्रपदारम्भः।श्रवसि दक्षिण पूर्व यात्रा मु.स.सि.योगः।
भ. ३।१४ उ. ३३।२५ या. । व्रतादौ १५। पञ्चकारम्भः*
स्नानदानादौ१५ । रक्षाबन्धनम् १५।श्रावणी । सिंहे बुधः d

श्रावण शु. ६ शुक्रे. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	र	के.
३	६	३	३	४	११	०	६
२४	२०	१२	२१	२०	१७	६	६
३४	३०	५४	४२	६	१८	५८	५८
२६	३९	३५	३९	२७	१२	४४	४४
७	३६	७८	१२	४/८	०/४५	३	३
२३	४५	३५	३	व.	व	११	११

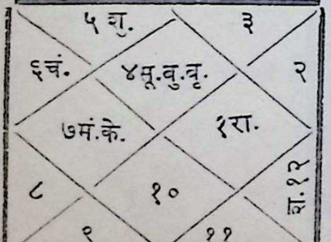

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.		३ मं.		४ बु.		५ बृ.		६ शु.		७ श.		८ र.		९ चं.		१० मं.		११ बु.		१२ बृ.		ति.	१३ शु.		१४ श.		३० र.	
क. अं.	६	१५	६	११	६	७	६	३	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७	५	४३	५	३९	५	३५	सिं.	७	४६	७	४२	७	३८
सिं. अं.	८	३०	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०	८	६	८	२	७	५८	७	५४	७	५०	कं.	१०	०	९	५६	९	५२
कं. अं.	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४	तु.	१२	१७	१२	१३	१२	९
तु. अं.	१	१	१२	५७	१२	५३	१२	४९	१२	४५	१२	४१	१२	३७	१२	३३	१२	२९	१२	२५	१२	२१	वृ.	२	३४	२	३०	२	२६
वृ. अं.	३	१८	३	१४	३	१०	३	६	३	२	२	५८	२	५४	२	५०	२	४६	२	४२	२	३८	ध.	४	३९	४	३५	४	३१
ध. अं.	५	२३	५	१९	५	१५	५	११	५	७	५	३	४	५९	४	५५	४	५१	४	४७	४	४३	म.	६	२४	६	२०	६	१६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा.	रा०		रा०		रा०	
म. अं.	७	८	७	४	७	०	६	५६	६	५२	६	४८	६	४४	६	४०	६	३६	६	३२	६	२८	कुं.	७	५६	७	५२	७	४८
कुं. अं.	८	४०	८	३६	८	३२	८	२८	८	२४	८	२०	८	१६	८	१२	८	८	८	४	८	०	मी.	९	२४	९	२०	९	१६
मी. अं.	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	मे.	११	२	१०	५८	१०	५४
मे. अं.	११	४६	११	४२	११	३८	११	३४	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	६	वृ.	१२	५८	१२	५४	१२	५०
वृ. अं.	१	४२	१	३८	१	३४	१	३०	१	२६	१	२२	१	१८	१	१४	१	१०	१	६	१	२	मि.	३	१२	३	८	३	४
मि. अं.	३	५६	३	५२	३	४८	३	४४	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४	३	२०	३	१६	क.	५	३१	५	२७	५	२३

श्रावण शु. १३ शुक्रे. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	६	३	३	४	११	०	६
१	२४	२४	२३	१८	१६	६	६
१९	३०	५६	१८	३३	४३	३५	३५
५५	४८	४४	१८	४४	४४	४४	४४
५७	३६	१०७	१२	११/४८	३ ०	३	३
३५	७	२३	३६	व.	व	११	११

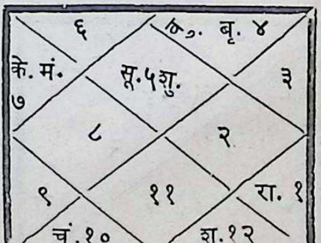

१८

दि. मा. घ.	दि. मा. प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३१	५८	१	चं.	५	२१	श.	२७	४	अ.	१०	८	कौ.	५	२१	तै.	३६	४४	अमृत	२१	१४	४				५	३६	६	२४	४	४	१२	४७	५७	४१
३१	५५	२	मं.	८	७	पू.	३१	४९	सु.	९	५३	ग.	८	७	व.	४०	४	काण	२२	१५	५	मी.	१५	३७	५	३७	६	२३	४	५	१०	२८	५७	४२
३१	५१	३	बु.	१२	१	उ.	३७	३०	धृ.	१०	२८	वि.	१२	१	व	४४	२०	लुम्ब	२३	१६	६				५	३८	६	२२	४	६	८	०	५७	४५
३१	४९	४	बृ.	१६	४०	रे.	४३	४९	शू.	११	४०	वा.	१६	४०	कौ.	४९	१३	मित्र	२४	१७	७	मे.	४३	४९	५	३८	६	२२	४	७	५	५५	५७	४६
३१	४५	५	शु.	२१	४६	अ.	५०	१९	गं.	१३	११	तै.	२१	४६	ग.	५४	१८	वज्र	२५	१८	८				५	३९	६	२१	४	८	३	४१	५७	४८
३१	४१	६	श.	२६	४९	भ.	५६	३९	वृ.	१४	४१	व.	२६	४९	वि.	५९	६	ध्वांक्ष	२६	१९	९				५	४०	६	२०	४	९	१	२९	५७	५१
३१	३८	७	र.	३१	२३	कृ.	६०	०	ध्रु.	१५	५८	वव	३१	२३	वा.	६०	०	धूम्र	२७	२०	१०	वृ.	१३	६	५	४०	६	२०	४	९	५९	२०	५७	५२
३१	३५	८	चं.	३५	१६	कृ.	२	२६	व्या	१६	४३	वा.	३	२०	कौ	३५	१६	स्थिर	२८	२१	११				५	४१	६	१९	४	१०	५७	१२	५७	५४
३१	३१	९	मं.	३७	५७	रो.	७	२४	ह.	१६	४१	तै.	६	३६	ग.	३७	५७	मातंग	२९	२२	१२	मि.	३९	१६	५	४३	६	१८	४	११	५५	६	५७	५६
३१	२	१०	बु.	३३	३७	मृ.	११	९	व.	१५	४६	व.	८	४७	वि.	३९	३७	अमृत	३०	२३	१३				५	४३	६	१७	४	१२	५३	२	५७	५८
३१	२	११	बृ.	३९	५२	आ.	३	४२	सि.	१३	४९	व.	९	४५	वा.	३९	५२	काण	३१	२४	१४	क.	५९	३८	५	४३	६	१७	४	१३	५१	०	५७	५९
३१	२	१२	शु.	३८	५४	पु.	१४	५७	व्य.	१०	५३	कौ.	९	२३	तै.	३८	५४	सिद्धि	१	२५	१५				५	४४	६	१६	४	१४	४८	५९	५८	२
३१	१७	१३	श.	३६	४०	पु.	१५	०	व.	६	५६	ग.	७	४७	व.	३६	४०	मित्र	२	२६	१६				५	४५	६	१५	४	१५	४७	१	५८	४
३१	१४	१४	र.	३३	२५	श्ले	१३	५४	प.	२ ५४	८ १०	वि.	५	२	श	३३	२५	वज्र	३	२७	१७	सिं.	१३	५४	५	४६	६	१५	४	१६	४५	५	५८	६
३१	९	३०	चं.	२९	१३	म.	११	५६	सि.	५०	९	च.	१	१९	ना.	२९ ५६	१३ ४३	ध्वांक्ष	४	२८	१८				५	४६	६	१४	४	१७	४३	११	५८	८

श्री संवत् २०२४ शके १८८९ भाद्रपद कृष्णपक्षः। अगस्त २० से सितम्बर४तक। याम्यायनम्सौम्यगोलः। वर्षाऋतुः।

दधिमाद्रपदे त्यजेत्।अशून्यशयनव्रतम् ।उदयंगुरुप्राच्याम्९।२५।
भ.४०।४उ.।स.सि. योगः३१।४९उ.। aपश्चिमायाम् ५५।२९
भ. १२।१ या.। वहुला गणेश ४ व्रतम्।कज्जली ३। शुक्रास्तa
स.सि. योगः। पञ्चमीयोगे या.ज.मु.। पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.।b
स.सि.योगः।पूर्वोत्तरौ यात्रा मु.। bपञ्चक समाप्तः ४३।२९
भ. २६।४९ उ. ५९।६ या.। सप्तमीयोगे या.ज.मु.। हलषष्टी
भानुसप्तमी। पूर्वाफाल्गुनीभेबुधः ३।१९। कृष्णाजन्मा*
कृष्णाजन्माष्टमी व्रतम्। स.सि.योगः२।२६उ.। cया. ज.मु.।
दक्षिण पूर्वौ यात्रामु.। वक्रगत्या मघाभेशुक्रः ३६।१९।
८।४७उ३९।३७या.।स.सि.योगः११।९या.। प्रतीच्यांयात्रामु.।
पूर्वाफाल्गुन्यमर्कः १७।५३। जया११ व्रतंसर्वेषाम्। पुन.योगे c
सितम्बर। *ष्टमीव्रतम्प्रायः सर्वेषाम्।
भ.३६।४० उ.। प्रदोषः। मासशिवरात्रिव्रतम्! उदीच्यांयात्रामु.
भ. ५।२या.। उत्तराफाल्गुनी भे. वुधः ५२।१५।
कुशोत्पाटिनी ३०। शुक्रोदयः प्राच्याम् ५६।२५।

भाद्र. कृष्ण १ चन्द्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	६	४	३	४	११	०	३
४	२६	०	२३	१८	१६	६	६
१२	१८	५४	५४	०	४२	२६	२६
४७	२५	२२	२५	२१	३१	५७	५७
५७	३६	१०८	१२	५५ ४	० ३	३	३
४२	९	३५	३७	व	व.	११	११

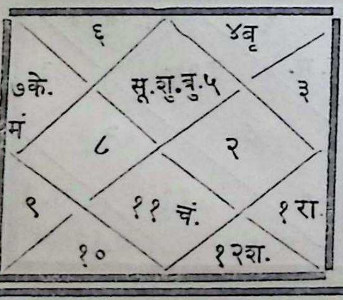

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.	२मं.	३बु.	४बृ.	५शु.	६श.	७र.	८चं.	९मं.	१०बु.	११बृ.	१२शु.	१३ श.	१४ र.	३०चं.
सिं. अं.	७ ३४	७ ३०	७ २६	७ २२	७ १८	७ १४	७ १०	७ ६	७ २	६ ५८	६ ५४	६ ५०	६ ४६	६ ४२	६ ३९
कं. अं.	९ ४८	९ ४४	९ ४०	९ ३६	९ ३२	९ २८	९ २४	९ २०	९ १६	९ १२	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५३
तु. अं.	१२ ५	१२ १	११ ५७	११ ५३	११ ४९	११ ४५	११ ४१	११ ३७	११ ३३	११ २९	११ २५	११ २१	११ १७	११ १३	११ १०
वृ. अं.	२ २२	२ १८	२ १४	२ १०	२ ६	२ २	१ ५८	१ ५४	१ ५०	१ ४६	१ ४२	१ ३८	१ ३४	१ ३०	१ २७
ध. अं.	४ २७	४ २३	४ १९	४ १५	४ ११	४ ७	४ ३	३ ५९	३ ५५	३ ५१	३ ४७	३ ४३	३ ३९	३ ३५	३ ३२
म. अं	६ १२	६ ८	६ ४	६ ०	५ ५६	५ ५२	५ ४८	५ ४४	५ ४०	५ ३६	५ ३२	५ २८	५ २४	५ २०	५ १७
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
कुं. अं.	७ ४४	७ ४०	७ ३	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २०	७ १६	७ १२	७ ८	७ ४	७ ०	६ ५६	६ ५२	६ ४९
मी. अं.	९ १२	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५२	८ ४८	८ ४४	८ ४०	८ ३६	८ ३२	८ २८	८ २४	८ २०	८ १७
मे. अं.	१० ५०	१० ४६	१० ४२	१० ३८	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० १०	१० ६	१० २	९ ५८	९ ५५
वृ. अं.	१२ ४६	१२ ४२	१२ ३८	१२ ३४	१२ ३०	१२ २६	१२ २२	१२ १८	१२ १४	१२ १०	१२ ६	१२ २	११ ५८	११ ५४	११ ५०
मि. अं.	३ ०	२ ५६	२ ५२	२ ४८	२ ४४	२ ४०	२ ३६	२ ३२	२ २८	२ २४	२ २०	२ १६	२ १२	२ ८	२ ५
क. अं.	५ १९	५ १५	५ ११	५ ७	५ ३	४ ५९	४ ५५	४ ५१	४ ४७	४ ४३	४ ३९	४ ३५	४ ३१	४ २७	४ २४

भा. कृ. १० गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	७	४	३	४	११	०	६
१३	२	१९	२६	११	१६	५	५
५१	१८	६	६	४८	६	५५	५५
०	२५	१९	२९	३५	१७	१०	१०
५७	३६	११३	११	३६ ४७	३	३	३
५९	२	५८	५८	व	५व	११	११

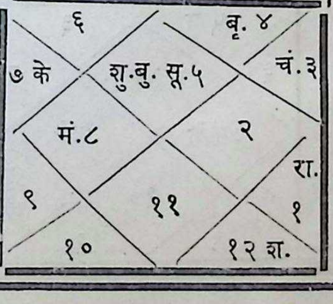

दि. मा.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गति		श्री संवत् २०२४ शके १८८९ भाद्रपद शुक्लपक्षः। सितम्बर ५ से १८ तक । याम्यायनम् सौम्यगोलः । वर्षाऋतुः।
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	
३१	५	१	मं.	२४	१३	पू.	१०	४६	सा.	४३	११	वव	२४	१३	वा.	५१	२६	धूम्र	५	२९	१९	क.	२४	२८	५	४७	६	१३	४	१८	४१	१८	५८	१०	चन्द्रदर्शनम् aवहुला गणेश ४ व्रतम् । वाराह जयन्ती ।y
३१	२	२	बु.	१८	४०	उ.	५	३५	शु.	३५	५१	कौ.	१८	४०	तै.	४५	४१	वर्द्धमा.	६	१	२०				५	४७	६	१३	४	१९	३९	२८	५८	१३	ससि.योग हस्तभे। दक्षिणपूर्वौ यात्रा मु.। कन्यायां बुधः५६।४४
३०	५९	३	बृ.	१२	४३	ह.	५/५५	४०/४७	शु.	२८	५२	ग.	१२	४३	व.	३९	३८	रक्ष	७	२	२१	तु.	२८	२२	५	४८	६	१२	४	२०	३७	४१	५८	५३	भ. ३९।३८ उ.। हरितालिका ३ व्रतम्। जुमादि उलअव्वलa
३०	५६	४	शु.	६	३४	स्वा	५३	१५	ब्र.	१०	२९	वि.	६	२४	वव	३३	३१	गद	८	३	२२				५	४९	६	११	४	२१	३५	५४	५८	१६	भ. ६।३४ या.। ऋषि ५। cस्नादानादौनम्। सिंहेगुरुः ५६।२३।
३०	५१	५	श.	०/५४	२०/५	वि.	४९	१३	ऐं.	१३	५०	वा.	०	२९	कौ.	२०/५४	३५/३४	शुभ	९	४	२३	वृ.	३५	१३	५	४९	६	१०	४	२२	३४	१०	५८	१९	पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.। अर्कषष्टी। लोलार्क कुण्डे स्नानम्।
३०	४९	७	र.	४९	५	ऽनु.	४५	४३	वै.	५/५२	१/५२	ग.	२१	४९	व.	४९	५	मृत्यु	१०	५	२४				५	५०	६	१०	४	२३	३२	२९	५८	२०	भ. ४९।५ उ.। मुक्ताभरण ७। बुधोदयः पश्चिमायाम् ५६।४।
३०	४५	८	चं.	४४	८	ज्ये.	४२	२८	प्री.	५१	३९	वि.	१६	३६	वव	४४	८	पद्म	११	६	२५	ध.	४२	२८	५	५०	६	९	४	२४	३०	४९	५८	२३	भ. १६।३६ या.। दुर्गाष्टमी। महालक्ष्मी व्रतारम्भः।
३०	४१	९	मं.	४०	२	मू.	४०	१४	आ.	४५	४२	बा.	१२	५	कौ.	४०	२	छत्र	१२	७	२६				५	५१	६	८	४	२५	२९	१२	५८	२५	तीक्ष्ण कर्ममु.।हस्ते बुधः ५।४ hप्रदोषः। nव्रतादौ १५।
३०	३६	१०	बु.	३६	५०	पू.	३८	४५	सौ.	४०	३३	तै.	८	२६	ग.	३६	५०	श्रीवत्स	१३	८	२७	म.	५३	४०	५	५२	६	७	४	२६	२७	३०	५८	२७	दशावतार १०। dपद्मा ११ व्रतं सर्वेषाम्। या.ज.मु.।
३०	३४	११	बृ.	३४	४३	उ.	३८	२३	शो.	३६	६	व.	५	४६	वि.	३४	४३	सौम्य	१४	९	२८				५	५३	६	७	४	२७	२६	४	५८	२८	भ. ५।४६ उ. ३४।४३ या.। उत्तरा फाल्गुन्यामर्कः ३।५४।d
३	३०	१२	शु.	३३	४८	श्र.	३९	१५	अ.	३२	४२	वव	४	१५	वा.	३३	४८	धूम्र	१५	१०	२९				५	५३	६	६	४	२८	२४	३२	५८	३१	स.सि.योगः३९।२५ या.। दक्षिणपूर्वौ यात्रा मु.। वामन१२ ।h
३०	२६	१३	श.	३४	११	ध.	४१	१९	सु.	३०	१७	कौ	४	०	तै.	३४	११	वर्धमा.	१६	११	३०	कुं.	१०	१९	५	५४	६	५	४	२९	२३	३	५८	३४	पञ्चकारम्भः १०।१९ उ.। या.ज.मु.।
३०	२३	१४	र.	३५	५४	श.	४४	४३	धृ.	२८	५०	ग.	५	२	व.	३५	५४	रक्ष	१७	१२	३१				५	५५	६	५	५	०	२१	३७	५८	३५	भ. ३५।५४ उ.। कन्यायामर्कः २८।४१। अनन्त १४ व्रतम्n
३०	२०	१५	चं.	३८	४२	पू.	४९	१३	शू.	२८	२३	वि.	७	१८	वव	३८	४२	मुशल	१८	१३	१	मी.	३३	५	५	५६	६	४	५	१	२०	१२	५८	३८	भ. ७।१८ या.। सौर आश्विनारम्भः। महालयारम्भः।c

भा. शु. ७ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	७	५	३	४	११	०	६
२३	८	६	२८	६	१५	५	५
२८	४२	५४	१८	०	३०	४३	४३
२३	३९	२३	२२	७	३५	२३	२३
५८	३५	१०३	११	३७/४८	३/३५	३	३
२२	५८	३५	४८	व.	व.	११	११

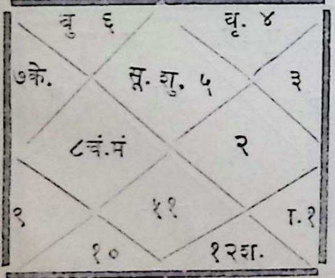

दैनिक लग्नसारिणी

yज्ये.भे. भौमः ३८।११।

तिथयः	१ म.	२ बु.	३ बृ.	४ शु.	५ श.	७ र.	८ चं.	९ मं.	१० बु.	११ बृ.	१२ शु.	१३श.	१४ र.	तिथयः	३० चं.
सि. अं.	६ ३५	६ ३१	६ २७	६ २३	६ १९	६ १५	६ ११	६ ७	६ ३	५ ५९	५ ५५	५ ५१	५ ४७	क. अं.	७ ५७
कं. अं.	८ ४९	८ ४५	८ ४१	८ ३७	८ ३३	८ २९	८ २५	८ २१	८ १७	८ १३	८ ९	८ ५	८ १	तु. अं.	१० १४
तु. अं.	११ ६	११ २	१० ५८	१० ५४	१० ५०	१० ४६	१० ४२	१० ३८	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८	वृ. अं.	१२ ३१
वृ. अं.	१ २३	१ १९	१ १५	१ ११	१ ७	१ ३	१२ ५९	१२ ५५	१२ ५१	१२ ४७	१२ ४३	१२ ३९	१२ ३५	ध. अं.	२ ३६
ध. अं.	३ २८	३ २४	३ २०	३ १६	३ १२	३ ८	३ ४	३ ०	२ ५६	२ ५२	२ ४८	२ ४४	२ ४०	म. अं.	४ २१
म. अं.	५ १३	५ ९	५ ५	५ १	४ ५७	४ ५३	४ ४९	४ ४५	४ ४१	४ ३७	४ ३३	४ २९	४ २५	कुं. अं.	५ ५३
रशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	राशयः	रा०
कु. अं.	६ ४५	६ ४१	६ ३७	६ ३३	६ २९	६ २५	६ २१	६ १७	६ १३	६ ९	६ ५	६ १	५ ५७	मी. अं.	७ २१
मी. अं.	८ १३	८ ९	८ ५	८ १	७ ५७	७ ५३	७ ४९	७ ४५	७ ४१	७ ३७	७ ३३	७ २९	७ २५	मे. अं.	८ ५९
मे. अं.	९ ५१	९ ४७	९ ४३	९ ३९	९ ३५	९ ३१	९ २७	९ २३	९ १९	९ १५	९ ११	९ ७	९ ३	वृ. अं.	१० ५५
वृ. अं.	११ ४७	११ ४३	११ ३९	११ ३५	११ ३१	११ २७	११ २३	११ १९	११ १५	११ ११	११ ७	११ ३	१० ५९	मि. अं.	१ ९
मि. अं.	२ १	१ ५७	१ ५३	१ ४९	१ ४५	१ ४१	१ ३७	१ ३३	१ २९	१ २५	१ २१	१ १७	१ १३	क. अं.	३ २८
क. अं.	४ २०	४ १६	४ १२	४ ८	४ ४	४ ०	३ ५६	३ ५२	३ ४८	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३२	सि. अं.	५ ४३

भा. शु. १४ रवौ. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	७	५	३	४	११	०	६
०	१३	१२	२९	५	१४	५	५
२१	१	१४	५१	३	५७	०	०
३७	४४	३	४५	९	४५	४८	४८
५८	४६	१०४	१०	७/४८	४/१४	३	३
३५	१५	२	५८	व.	व.	११	११

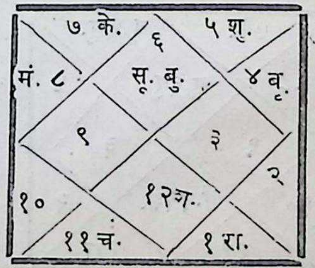

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गांतः		श्री शुभ संवत् २०२४ शके १८८९ आश्विन कृष्णपक्षः।
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	सित. १९ से अक्टू. ३ तक। याम्यायनम् सौम्यगोलः। शरद्ऋतुः
३०	१६	१	मं.	४२	४०	उ.	५४	४३	गं.	२८	४०	वा.	१०	४१	कौ.	४२	४०	सिद्धि	१९	१४	२				५	५७	६	३	५	२	१८	५०	५८	४०	स. सि. योगः। दुग्धंत्यजेत् अस्मिन्मासे। cगणेश ४ व्रतम्।
३०	१२	२	बु.	४७	२०	रे.	६०	०	वृ.	२९	४१	तै.	१५	०	ग.	४७	२०	उत्पात	२०	१५	३				५	५८	६	२	५	३	१७	३०	५८	४२	प्रतीच्यां यात्रा मु.। चित्रायां बुधः १४।४४। aयात्रा मु.।
३०	९	३	बृ.	५२	२५	रे	०	५३	ध्रु.	३१	५	व.	१९	५२	वि.	५२	२५	मित्र	२१	१६	४	मे	०	५३	५	५८	६	२	५	४	१६	१२	५८	४५	भ. १९।५२ उ. ५२।२५ या.। स.सि. योगः। पूर्वोत्तरौa
३०	५	४	शु.	५७	३६	अ.	७	२२	व्या	३८	३६	वव	२५	०	वा.	५७	३६	वज्र	२२	१७	५				५	५९	६	१	५	५	१४	५७	५८	४६	स. सि. योगः ७।२२ या.। तिथि दानात् पूर्व यात्रा मु.।c
३०	१	५	श.	६०	०	भ.	१३	४६	ह.	३३	५२	कौ.	२९	५६	तै.	६०	०	ध्वांक्ष	२३	१८	६	वृ.	३०	१४	६	०	६	०	५	६	१३	४३	५८	४९	या.ज.मु. १३।२६ या.। ‡व्रतम्। मातृनवमी।
२९	५७	५	र.	२	१७	कृ.	१९	३९	व.	३४	४२	तै.	२	१७	ग.	३४	१६	धूम्र	२४	१९	७				६	१	५	५९	५	७	१२	३२	५८	५१	मिश्रकर्म मु.। sया.ज.मु. ६।६ उ. २४।४९ या.।
२९	५४	६	चं.	६	१६	रो.	२४	४९	सि.	३४	४८	व.	६	१६	वि.	३७	४१	वर्धमान	२५	२०	८	मि.	५६	४९	६	१	५	५९	५	८	११	२३	५८	५३	भ. ६।१६ उ. ३७।४१ या.। स.सि.योगः २२।२९ या.।s
२९	५०	७	मं.	९	६	मृ.	२८	४८	व्य.	३४	२	वव	९	६	वा.	४०	०	रक्ष	२६	२१	९				६	२	५	५८	५	९	१०	१६	५८	५७	दक्षिण यात्रा मु.। महालक्ष्मी व्रत समाप्ति। महालक्ष्मी जीवितt
२९	४६	८	बु.	१०	५३	आ.	३१	४०	व.	३२	७	कौ.	१०	५३	तै.	४१	५	मुशल	२७	२२	१०				६	३	५	५७	५	१०	९	१३	५८	५७	हस्तभेऽर्कः४१।५५। tपुत्रिका व्रतम्। तुलायां बुधः३८।१४।‡
२९	४३	९	बृ.	११	१६	पुन	३३	१६	प.	२९	३४	ग.	११	१६	व.	४०	५०	सिद्धि	२८	२३	११	क.	१७	५२	६	३	५	५७	५	११	८	१०	५९	०	भ. ४०।५० उ.। स.सि.अ.सि. योगः ३३।१६ उ.। पश्चिमz
२९	३९	१०	शु.	१०	२३	पु.	३३	३८	शि.	२५	४८	वि.	१०	२३	वव	३९	२०	उत्पात	२९	२४	१२				६	४	५	५६	५	१२	७	१०	५९	३	भ. १०।२३ या.। 2यात्रा मु.। मार्गी शुक्रः ४५।३
२९	३५	११	श.	८	१७	श्ले	३२	५०	सि.	२१	८	वा.	८	१७	कौ.	३६	४२	मानस	३०	२५	१३	सिं.	३२	५०	६	५	५	५५	५	१३	६	१३	५९	६	इन्दिरा ११ व्रतं सर्वेषाम्।
२९	३२	१२	र.	५	८	म.	३१	२	सा.	१५	३५	तै.	५	८	ग.	४३	५	मुद्गर	१	२६	१४				६	६	५	५४	५	१४	५	१०	५९	६	अक्टूबर। प्रदोषः।
२९	२८	१३	चं.	५ ५५	२ ५	पू.	२८	२२	शु.	९	२५	व.	१	२	वि.	२८ १६	३४ ७	ध्वज	२	२७	१५	कं.	४२	३२	६	६	५	५४	५	१५	४	२५	५९	१०	भ. १।२ उ. २८।३४ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्।
२९	२६	३०	मं.	५०	३८	उ	२५	३	शु.	२ ५	२३ ४१	च.	२३	२२	ना.	५०	३८	सिद्धि	३	२८	१६				६	७	५	५३	५	१६	३	३५	५९	११	पितृविसर्जनम्। महालय समाप्ति ३०।

आ. कृ. २ बुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	७	५	४	४	११	०	६
३	१५	२३	०	४	१४	४	४
१३	१२	६	२४	४२	४५	५१	५१
२३	२५	१९	२३	३९	३९	३६	३६
५८	४६	१०३	११	७ ५२	४ १५	३	३
४१	१६	५८	३५	व.	व	११	११

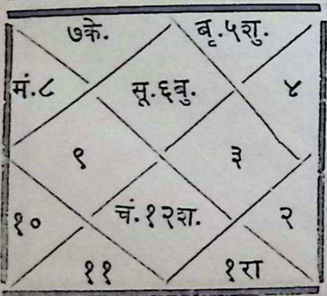

दैनिकलग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.		२ श.		३ र.		४ चं.		५ मं.		६ बु.		७ बृ.		८ शु.		९ श.		१० र.		११ चं.		१२ मं.		१३ बु.		१४ बृ.		३० शु.	
कं. अं	७	५३	७	४९	७	४५	७	४१	७	३७	७	३३	७	२९	७	२५	७	२१	७	१७	७	१३	७	९	७	५	७	१	६	५७
तु. अं.	१०	१०	१०	६	१०	२	९	५८	९	५४	९	५०	९	६	९	४२	९	३८	९	३४	९	३०	९	२६	९	२२	९	१८	८	१४
वृ. अं.	१२	२७	१२	२३	१२	१९	१२	१५	१२	११	१२	७	१२	३	११	५९	१	५५	११	५१	११	४७	११	४३	११	३९	११	३५	११	३१
ध. अं.	२	३२	२	२८	२	२४	२	२०	२	१६	२	१२	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५२	१	४८	१	४४	१	४०	१	३६
म. अं.	४	१७	४	१३	४	९	४	५	४	१	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५	३	२०
कुं. अं.	५	४९	५	४५	५	४१	५	३७	५	३३	५	२९	५	२५	५	२१	५	१७	५	१३	५	९	५	५	५	१	४	५७	४	५३
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मी. अं.	७	१७	७	१३	७	९	७	५	७	१	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४१	६	३७	६	३३	६	२९	६	२५	६	२१
मे. अं.	८	५४	८	५१	८	४७	८	४३	८	३९	८	३५	८	३१	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५९
वृ. अं.	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१५	१०	११	१०	७	१०	३	९	५९	९	५५
मि. अं.	१	५	१	१	१२	५७	१२	५३	१२	४९	१२	४५	१२	४१	१२	३७	१२	३३	१२	२९	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९
क. अं.	३	२४	३	२०	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५६	२	५२	२	४८	२	४४	२	४०	२	३६	२	३२	२	२८
सिं. अं.	५	३९	५	३५	५	३१	५	२७	५	२३	५	१९	५	१५	५	११	५	७	५	३	४	५९	४	५५	४	५१	४	४७	४	४३

आ. कृ. ११ शनौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	७	६	४	४	११	०	६
१३	२२	८	२	३	१३	४	४
१	६	५४	२४	४८	९	३९	३९
५८	९	२५	३९	३१	२५	४९	४९
५९	४२	६०	१२	६ १५	७ ३५	३	३
२	१५	१८	२७	व.	व.	११	११

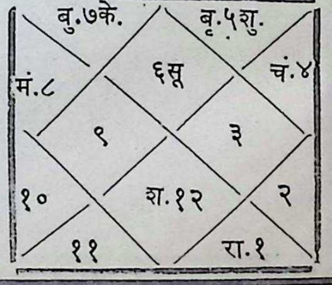

दि. मा.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२९	२४	१	बु.	४४	४८	ह.	२१	१४	ऐं.	४७	६	किं.	१७	४३	वव	४४	४८	आनन्द	४	२९	१७	तु	४९	१०	६	८	५	५२	५	१७	२	४६	५९	१३
२९	२१	२	बृ.	३८	४२	चि.	१७	७	वै.	३९	५६	वा	११	४५	कौ.	३८	४२	चर	५	३०	१८				६	९	५	५१	५	१८	१	५९	५९	१६
२९	१७	३	शु.	३२	४०	स्वा	१२	५४	वि	३८	४३	तै.	५	४१	ग.	३२ ५९	४० ४५	गद	६	१	१९	वृ.	५४	४८	६	९	५	५१	५	१९	१	१५	५९	१८
२९	१३	४	श.	२६	४९	वि.	८	४६	प्री.	२४	३०	वि.	२६	४९	वव	५४	६	शुभ	७	२	२०				६	१०	५	५०	५	२०	०	३३	५९	२०
२९	१०	५	र.	२१	२४	ऽनु	५	१	आ.	१७	१८	वा.	२१	२४	कौ.	४८	५७	मृत्यु	८	३	२१				६	११	५	४९	५	२०	५९	५३	५९	२३
२९	६	६	चं.	१६	३१	ज्ये.	५ ५७	४७ ३१	सौ.	१०	१३	तै.	१६	३१	ग.	४४	०	पद्म	९	४	२२	ध.	१	४७	६	१२	५	४८	५	२१	५९	२६	५९	२५
२९	४	७	मं.	११	२८	पू.	५७	३९	शो.	४ ५४	७ २८	व.	११	२८	वि	४०	२४	मित्र	१०	५	२३				६	१२	५	४८	५	२२	५८	४१	५९	२८
२९	२	८	बु.	९	२१	उ.	५७	१	सु.	५३	५०	त्रव	९	२१	वा.	३८	१९	वज्र	११	६	२४	म.	१२	३०	६	१३	५	४७	५	२३	५८	९	५९	२९
२८	५९	९	बृ.	७	१७	श्र.	५७	३५	धृ.	५९	१९	कौ.	७	१७	तै.	३६	५२	ध्वज	१२	७	२५				६	१४	५	४६	५	२४	५७	३८	५९	३२
२८	५५	१०	शु.	६	२७	ध.	५९	२३	शू.	४७	८	ग.	६	२७	व.	३६	४०	धाता	१३	८	२६	कुं.	२८	२९	६	१४	५	४६	५	२५	५७	१०	५९	३४
२८	५२	११	श.	६	५३	श.	६०	०	गं.	४५	२९	वि.	६	५३	वव	३७	४७	आनंद	१४	९	२७				६	१५	५	४५	५	२६	५६	४४	५९	३६
२८	४८	१२	र.	८	४१	श	२	२९	वृ.	४४	४५	वा.	८	४१	कौ.	४०	८	रक्ष	१५	१०	२८	मी.	५०	३९	६	१६	५	४४	५	२७	५६	२०	५९	३८
२८	४४	१३	चं.	११	३५	पू.	६	४२	ध्रु.	४४	१३	तै.	११	३५	ग.	४३	३५	मुशल	१६	११	२९				६	१७	५	४३	५	२८	५५	५८	५९	४१
२८	३७	१४	मं.	१५	३५	उ.	११	५८	व्या	४५	२	व.	१५	३५	वि.	४७	५८	सिद्धि	१७	१२	३०				६	१७	५	४३	५	२९	५५	३९	५९	४२
२८	३१	१५	बु.	२०	२२	रे.	१७	५४	ह.	४६	४४	वव	२०	२२	वा.	५२	५७	उत्पात	१८	१३	१	मे.	१७	५४	६	१८	५	४२	६	०	५५	५४	५९	४३
+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+ +	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+

श्री संवत् २०२४ शके आश्विन शुक्लपक्षः । अक्टूबर ४ से
१८ तक । याम्यायनम् । सौम्यगोलः । शरद्ऋतुः

स. सि. योगः । शारदीय नवरात्रारम्भः ।
चन्द्रदर्शनम् । वक्रगत्या स्वात्यांबुधः३९।४४। f भे भृगुः३।७।
भ.५९।४५ उ. गणेश४व्रतम् । जमादिउस्सानी । d १२।४४
भ. २६।४९ या. ।
या.ज.मु.५।१ या. । e बुधः ०।१९। बुधास्तःपश्चिमायाम्९।२.
सरस्वत्यावाहनम् । a पञ्चकारम्भः २८।२९ । पुन.पू.फा. f
भ. ११।२८ उ. ४०।२४ या. । दुर्गाष्टमी । महाष्टमी ।
चित्रायामर्कः९।५६। श्रवसि दक्षिण यात्रामु. । धनौ भौमः d
प्राच्यां यात्रामु । दुर्गा ९ । सरस्वती विसर्जनम् । विशाखाभे e
भ.३६।४०उ. । दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु.२८।२९ । विजया१० a
भ. ६।५३ या. । विजया ११ व्रतं सर्वेषाम् । h १७।५४।
प्रदोषः । पद्मनाभ १२ । b सि. योगः ११।५८ या. । g
या ज.मु. उत्तरा त्रयोदशी योगे । g वाराह१४ । व्रतादौ १५ ।
भ. १५।३५ उ. ४७।५८ या. । तुलायामर्कः ५४।० । स. b
सौर कार्तिकारम्भः । रेवत्यां प्रतीच्यां यात्रा मु. अश्विभे c
c प्राच्याम् । शारदीय१५ । कोजागरी१५ । पञ्चक समाप्त h

आश्विन शु. ७ भौमे. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के
५	७	६	४	४	११	०	६
२२	२९	१९	४	११	१३	३	३
५४	६	०	१८	२४	५	४८	४८
२२	२५	२२	२७	२७	३१	२	२
५९	४२	७८	११	४५ ३८	० ४५	३	३
३६	३५	१३	४७	मा.	व.	११	११

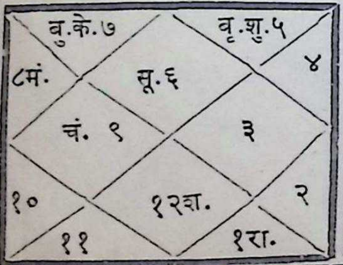

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.		२ बृ.		३ शु.		४ श.		५ र.		६ चं.		७ मं.		८ बु.		९ बृ.		१० शु.		११ श.		१२ र.		१३ च.		१४ मं.		ति	१५ बु.	
कं. अं.	६	५३	६	४९	६	४५	६	४१	६	३७	६	३३	६	२९	६	२५	६	२१	६	१७	६	१३	६	९	६	५	६	१	तु	८	१४
तु. अं.	९	१०	९	६	९	२	८	५८	८	५४	८	५०	८	४६	८	४२	८	३८	८	३४	८	३०	८	२६	८	२२	८	१८	वृ	१०	३१
वृ. अं.	११	२७	११	२३	११	१९	११	१५	११	११	११	७	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	३९	१०	३५	ध.	१२	३६
ध. अं.	१	३२	१	२८	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	म	२	२१
म. अं.	३	१७	३	१३	३	९	३	५	३	१	२	५७	२	५३	२	४९	२	४५	२	४१	२	३७	२	३३	२	२९	२	२५	कुं	३	५३
कुं. अं.	४	४९	४	४५	४	४१	४	३७	४	३३	४	२९	४	२५	४	२१	४	१७	४	१३	४	९	४	५	४	१	३	५७	मी.	५	२१
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		र:	रा०	
मी. अं.	६	१७	६	१३	६	९	६	५	६	१	५	५७	५	५३	५	४९	५	४५	५	४१	५	३७	५	३३	५	२९	५	२५	मे.	६	५९
मे. अं.	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९	७	३५	७	३१	७	२७	७	२३	७	१९	७	१५	७	११	७	७	७	३	वृ.	८	५५
वृ. अं.	९	५१	९	४७	९	४३	९	३९	९	३५	९	३१	९	२७	९	२३	९	१९	९	१५	९	११	९	७	९	३	८	५९	मि.	११	९
मि. अं.	१२	५	१२	१	११	५७	११	५३	११	४९	११	४५	११	४१	११	३७	११	३३	११	२९	११	२५	११	२१	११	१७	११	१३	क.	१	२८
क. अं.	२	२४	२	२०	२	१६	२	१२	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५२	१	४८	१	४४	१	४०	१	३६	१	३२	सिं.	३	४३
सिं. अं.	४	३९	४	३५	४	३१	४	२७	४	२३	४	१९	४	१५	४	११	४	७	४	३	३	५९	३	५५	३	५१	३	४७	कं.	५	५७

आ. शु. १४ भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	८	६	४	४	११	०	६
२९	२	२०	५	१४	१२	३	३
५५	१४	०	३६	९	३३	२६	२६
३९	४४	५२	१४	४१	४४	५८	५८
५९	४१	१४	११	४२	५ ४६	३	३
४५	९	७	५८	५८	व.	११	११

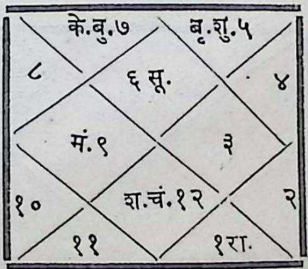

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२८	२६	१	बृ.	२५	३२	अ.	२४	२७	व.	४८	१४	कौ.	२५	३२	तै.	५८	९	मानस	१९	१४	२				६	१९	५	४१	६	१	५५	७	५९	४७
२८	२३	२	शु.	३०	४६	भ.	३०	५५	सि.	४९	२२	ग.	३०	४६	व.	६०	०	मुद्गर	२०	१५	३	वृ.	४७	२६	६	१९	५	४१	६	२	५४	४	५९	५०
२८	१९	३	श.	३५	३३	कृ.	३६	४९	व्य.	५०	२६	व.	३	१०	वि.	३५	३३	ध्वज	२१	१६	४				६	२०	५	४०	६	३	५४	४४	५९	५०
२८	१६	४	र	३९	३७	रो.	४२	२१	व.	५०	४८	बव	७	३५	वा.	३९	३७	धाता	२२	१७	५				६	२१	५	३९	६	४	५४	३४	५९	५४
२८	१३	५	चं.	४२	३३	मृ.	४६	३७	प.	५०	६	कौ.	११	५	तै.	४२	३३	आनन्द	२३	१८	६	मि.	१४	२९	६	२२	५	३८	६	५	५४	२८	५९	५६
२८	९	६	मं.	४४	२५	आ.	४९	५०	शि.	४८	३६	ग.	१३	२९	व.	४४	२५	चर	२४	१९	७				६	२२	५	३८	६	६	५४	२४	५९	५७
२८	६	७	बु.	४४	५३	पु.	५१	४४	सि.	४६	५	वि.	१४	३९	बव	४४	५३	गद	२५	२०	८	क.	३६	३१	६	२३	५	३७	६	७	५४	२१	६०	१
२८	२	८	बृ.	४४	५	पु.	५२	२१	सा.	४२	३५	वा.	१४	२९	कौ.	४४	५	शुभ	२६	२१	९				६	२४	५	३६	६	८	५४	२२	६०	२
२७	५९	९	शु.	४२	३	श्ले.	५१	४९	शु.	३८	५	तै.	१३	४	ग.	४२	३	मृत्यु	२७	२२	१०	सिं.	५१	४९	६	२४	५	३६	६	९	५४	२४	६०	४
२७	५५	१०	श.	३८	५८	म.	५०	१३	शु.	३८	४५	व.	१०	३०	वि.	३८	५८	पद्म	२८	२	११				६	२५	५	३५	६	१०	५४	२८	६०	६
२७	५२	११	र.	३४	५९	पू.	४७	८	ब्र.	२६	४१	बव	६	५८	वा.	३४	५९	छत्र	२९	२४	१२				६	२६	५	३४	६	११	५४	३४	६०	७
२७	४९	१२	चं.	३०	६	उ.	४४	३६	ऐ.	१९	५७	कौ.	२	३२	त.	३०/५७	६/२५	श्रीवत्स	३०	२५	१३	कं.	१	३०	६	२६	५	३४	६	१२	५४	४३	६०	१०
२७	४५	१३	मं.	२४	४४	ह.	४०	५३	वै.	१२	४१	व.	२४	४४	वि.	५१	५०	सौम्य	३१	२६	१४				६	२७	५	३३	६	१३	५४	५३	६०	१२
२७	४२	१४	बु.	१८	५७	चि.	३६	४८	वि.	५/५२	४/१४	श.	१८	५७	च.	४५	५७	काल	१	२७	१५	तु.	८	५०	६	२८	५	३२	६	१४	५५	५	६०	१५
२७	३९	३०	बृ.	१२	५६	स्वा	३२	३३	आ.	४९	२४	ना.	१२	५६	किं.	३९	५७	स्थिर	२	२८	१६				६	२८	५	३२	६	१५	५५	२०	६०	१६

श्री संवत् २०२४ शके १८८९. कार्तिक कृष्णपक्षः । अक्टू० १९ से नवम्बर २ तक । याम्यायनगोलौ । शरदृतुः ।

स. सि. योगः । पूर्वोत्तरो यात्रा मु. । कार्तिके द्विदलं त्यजेत् ।§
C रात्रिव्रतम् । नरक १४ । धन्वन्तरि १३ अन्य मतेन ।
भ. ३।१० उ. ३५।३३ या. । रोहिणी सें स. सि. योगः ।
मृगभे दक्षिण यात्रा मु. । करक गणेश ४ व्रतम् । वक्री ‡
दक्षिण यात्रा मु. १४।२९ या. ततः पश्चिम यात्रा मु. ।
भ. ४४।२५ उ. । स्वात्यामर्कः ३४।५७ ‡ बुधः ४०।५६ ।
भ. १४।३९ या. । § विशाखाभे बुधः २।९ ।
स. सि. अ. सि. योगः पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. । अशोक ८ । *
B १३ । पू. षा. भे. भौमः ३।९ । पुनः स्वात्यांबुधः ९।४
भ. १०।३० उ. ३८।५८ या. *अहोई ८ । राधा ८ ।
रम्भा ११ सर्वेषाम् । स. सि. योगः ४७।८ उ. । उ. फा. भेA
हस्तभे दक्षिण यात्रा मु. ।प्रदोषः । गो वत्स १२ । धन्वन्तरिB
भ. २४।४४ उ. ५१।५० या. । दक्षिणयात्रा मु. । मासशिव C
नवम्बर। हनुमान जन्म । दीपावली ३० । कन्यायां शुक्र ५६।४४
स्नान दानादौ ३० । अन्नकूट । A शुक्रः ३।१४ ।

का. कृ. २ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	८	६	४	४	११	०	६
२	६	२१	६	१६	१२	३	३
५४	१२	१२	१२	३०	१८	२६	२६
४	२१	२१	२५	३१	२५	१५	१५
५९	४१	१३	१२	४३	५/५२	३	३
४७	३८	९	८	[illegible]	व.	११	११

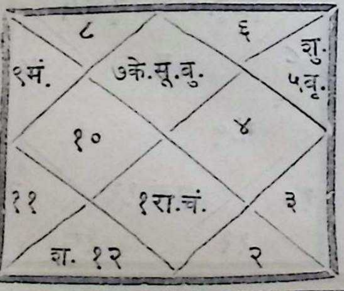

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.		२ शु.		३ श.		४ र.		५ च.		६ मं.		७ बु.		८ बृ.		९ शु.		१० श.		११ र.		१२ च.		१३ म.		१४ बु.		१५ बृ.	
तु. अं.	८	१०	८	६	८	२	७	५८	७	५४	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	७	३०	७	२६	७	२२	७	१९	७	१५
वृ. अं.	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१५	१०	११	१०	७	१०	३	९	५९	९	५५	९	५१	९	४७	९	४३	९	३९	९	३६	९	३२
ध. अं	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५६	११	५२	११	४८	११	४४	११	४१	११	३७
म. अं.	२	१७	२	१३	२	९	२	५	२	१	१	५७	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७	१	३३	१	२९	१	२६	१	२२
कुं. अं.	३	४९	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५	३	२१	३	१७	३	१३	३	९	३	५	३	१	२	५८	२	५४
मी. अं.	५	१७	५	१३	५	९	५	५	५	१	४	५७	४	५३	४	४९	४	४५	४	४१	४	३७	४	३३	४	२९	४	२६	४	२२
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मे. अं.	६	५५	६	५१	६	४७	६	४३	६	३९	६	३५	६	३१	६	२७	६	२३	६	१९	६	१५	६	११	६	७	६	४	६	०
वृ. अं.	८	५१	८	४७	८	४३	८	३९	८	३५	८	३१	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	८	०	७	५६
मि. अं.	११	५	११	१	१०	५७	१०	५३	१०	४९	१०	४५	१०	४१	१०	३७	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२१	१०	१७	१०	१४	१०	१०
क. अं.	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३३	१२	२९
सिं. अं.	३	३९	३	[illegible]	३	३१	३	२७	३	२३	३	१९	३	१५	३	११	३	७	३	२	२	५९	२	५५	२	५१	२	४८	२	४४
कं. अं.	५	५३	५	४९	५	४५	५	४१	५	३७	५	३३	५	२९	५	२५	५	२१	५	१७	५	१३	५	९	५	५	५	२	४	५८

का. कृ. १२ चं. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	८	६	४	४	११	०	६
१२	१३	१४	७	२७	११	२	२
५१	१८	३६	३६	१८	३६	५०	५०
४८	२५	२५	३९	२५	३५	२८	२८
६०	४२	४२/३३	८	५३	४/३१	३	३
६	२५	व.	५	५८	व.	११	११

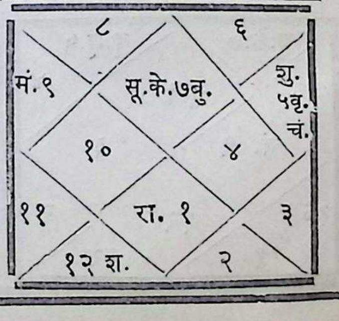

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	ता.	वं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ घं.	मि.	सू. अ. वं.	मि.	आ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२७	३६	१	शु.	६	५८	वि	२८	२५	सौ.	४१	४२	वव	६	५८	वा.	३४	५	मातंग	३	२९	१७	वृ.	१४	२७	५	३०	६	२९	६	१६	५५	३६	६०	१९
२७	३२	२	श.	५ २४	५९ ३७	अनु.	२४	३३	शो	३४	९	कौ.	१	११	तै.	३८ ५५	२० ४८	अमृत	४	१	१८				५	३०	६	३०	६	१७	५५	५५	६०	२०
२७	२९	३	र.	५१	०	ज्ये.	२१	१०	अ.	२७	४	व.	२३	२४	वि.	५१	०	काण	५	२	१९	ध.	२१	१०	५	२९	६	३०	६	१८	५६	१५	६०	२२
२७	२६	४	चं.	४७	४	मू.	१८	२७	धृ.	२०	३५	वव	१९	२	वा	४७	४	लुम्ब	६	३	२०				५	२९	६	३१	६	१९	५६	३७	६०	२४
२७	२३	५	मं.	४४	३	पूषा	१६	३५	शू.	१४	४४	कौ.	१५	३३	तै.	४४	३	मित्र	७	४	२१	म.	३१	२१	५	२८	६	३१	६	२०	५७	९	६०	२६
२७	२	६	बु.	४२	५	उषा	१५	४१	गं.	९	४३	ग.	१३	४	व.	४२	५	वज्र	८	५	२२				५	२७	६	३२	६	२१	५७	२७	६०	२८
२७	१७	७	बृ.	४१	२२	श्र.	१५	५६	वृ.	५	३६	वि.	११	४४	वव	४१	२२	ध्वज	९	६	२३	कुं.	४६	४०	५	२७	६	३३	६	२२	[illegible]	५५	६०	३०
२७	१४	८	शु.	४१	५५	ध.	१७	२४	ध्रु.	२	२७	वा.	११	३८	कौ.	४१	५५	धाता	१०	७	२४				५	२६	६	३३	६	२३	५८	२५	६०	३१
२७	११	९	श.	४३	३३	श.	२०	११	व्या	५०	५८ २५	तै.	१२	४४	ग.	४३	३३	आनन्द	११	८	२५				५	२६	६	३४	६	२४	५८	५६	६०	३४
२७	८	१०	र.	४६	५१	पू.	२४	८	ह.	५९	०	व.	१५	१२	वि.	४६	५१	चर	१२	९	२६	मी.	८	१६	५	२५	६	३४	६	२५	५९	३०	६०	३५
२७	५	११	चं.	५१	०	उ.	२९	११	व.	५९	२५	वव	१८	५५	वा	५१	०	गद	१३	१०	२७				५	२५	६	३५	६	२७	०	५	६०	३८
२७	३	१२	मं.	५५	५४	रे.	३५	१	सि.	६०	०	कौ.	२३	२७	त.	५५	५४	शुभ	१४	११	२८	मे.	३५	१	५	२४	६	३५	६	२८	०	४३	६०	३९
२७	०	१३	बु.	६०	०	अ.	४१	२४	सि.	१	३०	ग.	२८	३३	व.	६०	०	मृत्यु	१५	१२	२९				५	२४	६	३६	६	२९	१	२१	६०	४१
२६	५७	१४	बृ.	१	१२	भ.	४७	५५	व्य.	१	५०	व.	१	१२	वि.	३३	५१	पद्म	१६	१३	३०				५	२३	६	३७	७	०	२	२	६०	४२
२६	५४	१५	शु.	६	३०	कृ.	५४	६	व.	३	११	वव	६	२०	वा.	३८	५३	छत्र	१७	१४	१	वृ.	४	२८	५	२३	६	३७	७	१	२	४४	६०	४३

श्री शुभ संवत् २०२४ शके १८८९ कार्तिक शुक्लपक्षः।
नवम्बर३ से १७ तक। याम्यायनगौलौ। शरदृतुः।

चन्द्रदर्शनम्। अन्नकूट बलिपूजनम्। भातृ २। यम२।अनुभेb
अनुभे पश्चिमोत्तरौ यात्रामु। या. ज.मु. १।११ उ.। रज्जव।
भ. २३।२४ उ. ५१।० या।
द्वीशेऽर्कः ५४।५८। bउत्तरस्यायात्रामु।ससि.योगः२८।२५
उग्रकर्म मु। सूर्यषष्ठी व्रतम्। डाला६।
भ.४२।५उ.।श्रवसिदक्षिण पूर्वयात्रामु।बुधोदयःपूर्वस्याम्३।२९।
भ.११।४४या.।पंचकारम्भः ४६।१०। गोपाष्टमी।यमदष्ट्रारe
अक्षय ९। eम्भ अष्टदिनानि यावत्।
मार्गी बुधः ३।१८।
भ.१५।१२उ ४६।५१या।प्रबोधिनी११व्रतं प्रायः सर्वेषाम्।e

पंचकसमाप्त३५।१। प्रदोषव्रतम्।
बैकुण्ठ १४। eउत्तराभेस.सि.योगः। भीष्मपंचकारम्भः।
भ. १।१२ उ. ३३।५१ या.। वृश्चिकेऽर्कः ४६।४३। व्रताय१५
सौरमार्गशीर्षारम्भः।स्नानदानादौ१५। कार्तिकी पूर्णिमा।

का. शु. ७ गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	८	६	४	५	११	०	६
२२	२०	९	८	६	१०	२	२
५७	३३	५४	५४	५३	५३	२२	
५५	१५	२५	२५	५८	५१	४१	४१
६०	४२	३०	७	५४	४ १५	३	३
२६	३५	२८व	३५	२५	व	११	११

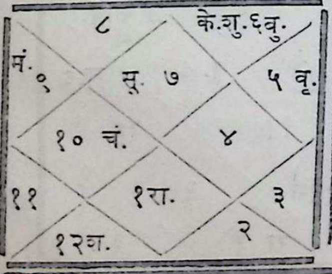

दैनिक लग्नसारिणी

तिथय	१शु.		२ श.		३र.		४ च.		५ मं.		६ बु.		७बृ.		८ शु.		९ श.		१० र.		११ च.		१२ मं.		१३ बु.		१४ बृ.		तिथय	१५ शु.	
तु. अं	७	११	७	७	७	३	६	५९	६	५५	६	५१	६	४७	६	४३	६	३९	६	३५	६	३१	६	२७	६	२३	६	२०	वृ. अं.	८	३३
वृ.. अं	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३७	ध. अं.	१०	३८
ध. अं.	११	३३	११	२९	११	२५	११	२१	११	१७	११	१३	११	९	११	५	११	१	१०	५७	१०	५३	१०	४९	१०	४५	१०	४२	म. अं.	१२	२३
म अं	१	१८	१	१४	१	१०	१	६	१	२	१२	५८	१२	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२७	कु. अं.	१	५५
कु. अं	२	५०	२	४६	२	४२	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	१०	२	६	२	२	१	५९	मी. अं.	३	२३
.मी अं.	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	४	२	३	५८	३	५४	३	५०	३	४६	३	४२	३	३८	३	३४	३	३०	३	२०	मे. अं.	५	१
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०	
मे. अं.	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०	५	१६	५	१२	५	८	५	५	वृ. अं.	६	५७
वृ. अ,	७	५२	७	४८	७	४४	७	४०	७	३६	७	३२	७	२८	७	२४	७	२०	७	१६	७	१२	७	८	७	४	७	९	मि. अं.	९	११
मि. अं.	१०	६	१०	२	९	५८	९	५४	९	५०	९	४६	९	४२	९	३८	९	३४	९	३०	९	२६	९	२२	९	१८	९	१५	क. अं.	११	३०
कं. अ.	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	५	१२	१	११	५७	११	५३	११	४९	११	४५	११	४१	११	३७	११	३४	सि. अं.	१	४५
सि अं.	२	४०	२	३६	२	३२	२	२८	२	२४	२	२०	२	१६	२	१२	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५२	१	४९	कं. अं.	३	५९
कं. अं	४	५४	४	५०	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	४	३	तु. मी.	६	१६

का. शु. १४ गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के
७	८	६	४	५	११	०	६
०	२६	१३	९	१४	१०	१	१
२	०	९	३३	०	३७	५०	५०
२	९	४५	५९	९	४४	४४	४४
६०	४७	२७ ५७	११	६५	० ५८	३	३
४२	१२	मा	९	१४	व	११	११

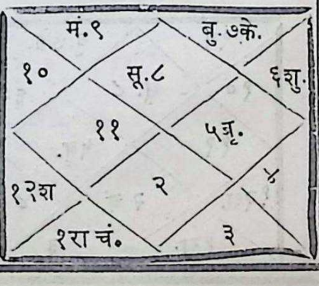

२४

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	श्री शुभ संवत् २०२४ शके १८८९ मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः। नव. १८ से दिस. १ तक । याम्यायनगोलौ शिशिरऋतुः।
२६	५२	१	श.	११	१७	रो.	५९	४१	प.	४	९	कौ.	११	१७	तै.	४३	२०	श्रीवत्स	१८	१५	२				६	३८	५	२२	७	२	३	२१	६०	४५	स.सि. योगः। उ. षा. भे. भौमः ५।९
२६	४९	२	र.	१५	२२	मृ.	६०	०	शि.	४	३६	ग.	१५	२२	व.	४६	५०	सौम्य	१९	१६	३	मि.	३१	५८	६	३८	५	२२	७	३	४	१२	६०	४८	भ. ४६।५० उ। प्राच्यां यात्रामु. १।५८ या.।
२६	४७	३	चं.	१८	१८	मृ.	४	१५	सि.	४	१४	वि.	१८	१८	वव	४९	१५	आनंद	२०	१७	४				६	३९	५	२१	७	४	५	०	६०	४९	भ. १८।१८ या.। मैत्रेर्कः ३।५९।
२६	४४	४	मं.	२०	११	आ.	७	४४	सा.	३	२	वा.	२०	११	कौ.	५०	२६	चर	२१	१८	५	क.	५४	२४	६	३९	५	२१	७	५	५	४९	६०	५०	तीक्ष्ण कर्म मु.। मकरेभौमः २९।५५।
२६	४२	५	बु.	२०	४१	पुन.	९	५७	शु.	० ५६	४६ ४५	तै.	२०	४१	ग.	५०	१८	गद	२२	१९	६				६	४०	५	२०	७	६	६	३९	६०	५१	
२६	४०	६	बृ.	१९	५५	पु	१०	५२	ब्र.	५३	१७	व.	१९	५५	वि.	४८	५५	शुभ	२३	२०	७				६	४०	५	२०	७	७	७	३१	६०	५३	भ १९।४४ उ. ४८।५५ या.। स. सि. योगः अमृसि. योगः।
२६	३७	७	शु.	१७	५४	श्ले	१०	३७	ऐं.	४८	१०	वव	१७	५४	वा.	४६	२२	मृत्यु	२४	२१	८	सिं.	१०	३७	६	४१	५	१९	७	८	८	२४	६०	५४	विशाखाभे. बुधः ०।९।
२६	३५	८	श.	१४	५०	म.	९	४४	वै.	४२	१२	कौ.	१४	५०	तै.	४२	५२	पद्म	२५	२२	९				६	४१	५	१९	७	९	९	१८	६०	५६	कालभैरवाष्टमी।
२६	३३	९	र.	१०	५४	पू.	७	४	वि.	३५	४२	ग.	१०	५४	व.	३८	२८	छत्र	२६	२३	१०	कं.	२१	१८	६	४१	५	१९	७	१०	१०	१४	६०	५८	भ. ३८।२८ उ.। उत्तरा भे. स. सि. योगः।
२६	३१	१०	चं.	६	३	उ.	४	१	प्री.	२८	३१	वि.	६	३	वव	३३	२३	श्रीवत्स	२७	२४	११				६	४२	५	१८	७	११	११	१२	६१	१	भ. ६।३ या.। हस्त भे दक्षिण यात्रा मु.।
२६	२९	११	मं.	० ५४	४३ १५	ह.	० ५	२५ ५९	आ.	२०	५८	वा.	०	४३	कौ	२७ ५४	५० ५[illegible]	सौम्य	२८	२५	१२	तु.	२८	२५	६	४३	५	१७	७	१२	१२	१२	६१	१	उत्पन्ना ११ व्रतं सर्वेषाम्।चित्राभे शुक्रः ५।४४।
२६	२७	१३	बु.	४९	२	स्वा	५२	१२	सौ.	१३	१४	ग.	२२	०	व.	४९	२	धूम्र	२९	२६	१३				६	४३	५	१७	७	१३	१३	१३	६१	२	भ. ४९।२ उ.। प्रदोष व्रतम्।
२६	२५	१४	बृ.	४३	६	वि.	४८	२	शो.	५ ५२	१३ १४	वि.	१६	४	श.	४३	६	वर्धमा.	३०	२७	१४	वृ.	३४	५	६	४३	५	१७	७	१४	१४	१५	६१	३	भ. १६।१४ या.। मास शिवरात्रिव्रतम्।
२६	२३	३०	शु.	३७	२७	ऽनु.	४४	५	सु.	४९	४७	च.	१०	१६	ना.	३७	२७	रक्ष	१	२८	१५				६	४३	५	१७	७	१५	१५	१७	६१	४	दिसम्बर। स्नानदानादौ ३०।

मार्गशीर्ष कृष्ण २ रवौ इ. ०।८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	८	६	४	५	११	०	६
३	२८	१४	१०	१७	१०	१	१
४	६	३०	६	१२	३६	४०	४०
१२	१५	२२	२९	२५	१९	५४	५४
६०	४८	२७	११	६५	० ५८	३	३
४६	१७	५८	५७	१५	व	११	११

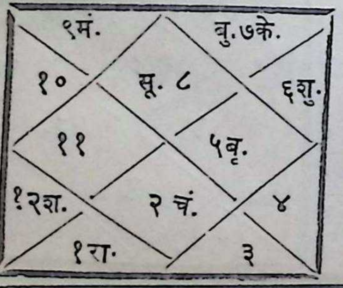

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.	२ र.	३ चं.	४ मं.	५ बु.	६ बृ.	७ शु.	८ श.	९ र.	१० चं.	११ मं.	१३ बु.	१४ बृ.	३० शु.
वृ. अं.	८ २९	८ २५	८ २१	८ १७	८ १३	८ ९	८ ५	८ १	७ ५७	७ ५३	७ ४९	७ ४५	७ ४१	७ ३७
ध. अं.	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० १०	१० ६	१० २	९ ५८	९ ५४	९ ५०	९ ४६	९ ४२
म. अं.	१२ १९	१२ १५	१२ ११	१२ ७	१२ ३	११ ५९	११ ५५	११ ५१	११ ४७	११ ४३	११ ३९	११ ३५	११ ३१	११ २७
कुं. अं.	१ ५१	१ ४७	१ ४३	१ ३९	१ ३५	१ ३१	१ २७	१ २३	१ १९	१ १५	१ ११	१ ७	१ ३	१२ ५९
मी. अं.	३ १९	३ १५	३ ११	३ ७	३ ३	२ ५९	२ ५५	२ ५१	२ ४७	२ ४३	२ ३९	२ ३५	२ ३१	२ २७
मे. अं.	४ ५७	४ ५३	४ ४९	४ ४५	४ ४१	४ ३७	४ ३३	४ २९	४ २५	४ २१	४ १७	४ १३	४ ९	४ ५
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ. अं.	६ ५३	६ ४९	६ ४५	६ ४१	६ ३७	६ ३३	६ २९	६ २५	६ २१	६ १७	६ १३	६ ९	६ ५	६ १
मि. अं.	९ ७	९ ३	८ ५९	८ ५५	८ ५१	८ ४७	८ ४३	८ ३९	८ ३५	८ ३१	८ २७	८ २३	८ १९	८ १५
क. अं.	११ २६	११ २२	११ १८	११ १४	११ १०	११ ६	११ २	१० ५८	१० ५४	१० ५०	१० ४६	१० ४२	१० ३८	१० ३४
सिं. अं.	१ ४१	१ ३७	१ ३३	१ २९	१ २५	१ २१	१ १७	१ १३	१ ९	१ ५	१ १	१२ ५७	१२ ५३	१२ ४९
कं. अं.	३ ५५	३ ५१	३ ४७	३ ४३	३ ३९	३ ३५	३ ३१	३ २७	३ २३	३ १९	३ १५	३ ११	३ ७	३ ३
तु. अं.	६ १२	६ ८	६ ४	६ ०	५ ५६	५ ५२	५ ४८	५ ४४	५ ४०	५ ३६	५ ३२	५ २८	५ २४	५ २०

मा. शी. कृ. १४ गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	९	६	४	५	११	०	६
१४	५	२६	१०	२८	१०	१	१
१४	४८	०	५४	१८	१८	१९	१९
१५	२३	२९	२५	९	२५	७	७
६१	४२	७२	४	६५	१ २०	३	३
१	१७	२७	३५	५८	व.	११	११

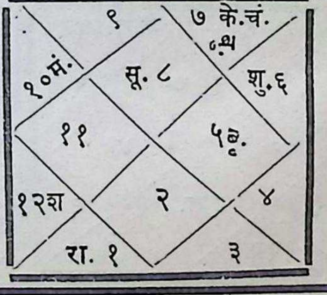

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	च. रा.	घ.	प.	सू. उ. घ.	मि.	सू. अ. घ.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	२२	१	श.	३२	१०	ज्ये.	४०	३२	धृ	४२	२३	किं.	४	४८	वत्र.	३२ १९	१० ४८	मुशल	२	२९	१६	ध.	४०	३२	६	४४	५	१६	७	१६	१६	२१	६१	६
२६	२०	२	र.	२७	२८	मू.	३७	३७	शू.	३५	४६	कौ	२७	२७	त.	५५	३१	सिद्धि	३	३०	१७				६	४४	५	१६	७	१७	१७	२७	६१	६
२६	१८	३	चं.	२३	३५	पू.	३५	३६	गं.	२९	४१	ग.	२३	३५	व.	५२	९	उत्पात	४	१	१८	म	५०	१८	६	४४	५	१६	७	१८	१८	३३	६१	७
२६	१७	४	मं.	२०	४३	उ.	३४	२६	वृ.	२४	२२	वि.	२०	४३	वव	४९	४९	मानस	५	२	१९		·		६	४५	५	१५	७	१९	१९	४१	६१	९
२६	१५	५	बु.	१८	५५	श्र.	३४	२३	ध्रु.	१९	५३	वा.	१८	५५	कौ.	४८	३७	म द्ग	६	३	२०				६	४५	५	१५	७	२०	२०	५०	६१	११
२६	१४	६	बृ.	१८	२०	ध.	३५	३२	व्या	१६	२४	तै.	१८	२०	ग.	४८	४१	श्रीवत्स	७	४	२१	कुं.	४	५७	६	४५	५	१५	७	२१	२२	१	६१	११
२६	१३	७	शु.	१९	२	श.	३७	५८	ह.	१३	५४	व.	१९	२	वि.	५०	६	सौम्य	८	५	२२				६	४५	५	१५	७	२२	२३	१२	६१	११
२६	१२	८	श.	२१	११	पू.	४१	३९	व.	१२	२७	वव	२१	११	वा.	५२	४६	काल	९	६	२३	मी.	२५	४४	६	४६	५	१४	७	२३	२४	२३	६१	१४
२६	१०	९	र.	२४	२१	उ.	४६	२८	सि.	११	५०	कौ.	२४	२१	तै.	५६	२८	स्थिर	१०	७	२४				६	४६	५	१४	७	२४	२५	३७	६१	१४
२६	९	१०	चं.	२८	३६	रे.	५२	९	व्य.	१२	५	ग.	२८	३६	व.	६०	०	मातंग	११	८	२५	मे.	५२	९	६	४६	५	१४	७	२५	२६	५१	६१	१५
२६	८	११	मं.	३३	३५	अ.	५८	३१	व.	१२	५५	व.	१	६	वि.	३३	३५	अमृत	१२	९	२६				६	४६	५	१४	७	२६	२८	६	६१	१६
२६	८	१२	बु.	३९	१	भ.	६०	०	प.	१४	१०	वव	६	१८	वा.	३९	१	काण	१३	१०	२७				६	४७	५	१३	७	२७	२९	२२	६१	१८
२६	७	१३	बृ.	४४	२४	भ.	४	५७	शि.	१५	३२	कौ.	११	४२	तैं.	४४	२४	लुम्ब	१४	११	२८	वृ.	२१	३२	६	४७	५	१३	७	२८	३०	४०	६१	१८
२६	६	१४	शु.	४९	१५	कृ.	११	१७	सि.	१६	३७	ग.	१६	५०	व.	४९	१५	छत्र	१५	१२	२९				६	४७	५	१३	७	२९	३१	५८	६१	१८
२६	५	१५	श.	५३	२१	रो.	१७	३	सा.	१७	१६	वि.	२१	१८	वत्र	५३	२१	श्रीवत्स	१६	१३	३०	मि.	४९	२८	६	४७	५	१३	८	०	३३	१६	६१	२०

श्री शुभ संवत् २०२४ शके १८८९ मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः ।
दिसम्वर ८ से १६ तक । याम्यायनगोलौ । शिशिरऋतुः ।

रुद्रोपवास (पिडिया) । तुलायांशुक्रः४५।१४ ।
शाक्रेऽर्कः ११।० । चन्द्रदर्शनम् । स. सि. योगः ३७।३७या. ।
भ.५२।९उ. । गणेश४व्रतम् । वृश्चिकेबुधः २।९ । शावान ।
भ. २०।४३ या. । दक्षिणस्यां यात्रा मु. । श्रवसि भौमः १४।४८।
दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु. । स्वात्यांशुक्रः ५ ४४ ।
सप्तमी धनिष्ठा योगे ज. मु ।a hव्रतादौ१५n
भ. १९।२ उ. ५०।६ या. ।बुधास्तपूर्वस्याम् ४७।१ । fयात्रामु.
उत्तरा योगे या.ज.मु.।aपञ्चकारम्भः ४।५७।nमृगभे दक्षिणयोf
स. सि. योगः । . या. ज. मु.१४।२१या. ।
या. ज. मु.२८।३६उ.५२।९ या.। पञ्चकसमाप्त ५२।९ ।b
भ. १।६उ. ३३।३५ या. । मोक्षदा ११ व्रतं सर्वेषाम् । स. सि.c
ज्येष्टायांबुधः१४।४१।bप्रतीच्यां यात्रा मु. । मार्गीशनिः५।१९।
या. ज.मु. ४।५७ या. । प्रदोष व्रतम् । c अ. सि. योगः
भ. ४२।१५ उ. । विमल तीर्थयात्रा । काश्यां (पिशाचमोचने)
भ.२१।१८या.। मूले धनुषि चाकः १५।२३ । स.सि.योगः ।h

मा. शी. कृ. ८ शनौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	९	७	४	६	११	०	६
२३	१३	१७	११	९	१०	०	०
२४	१२	४८	३०	२४	१६	४८	४८
२३	१८	१५	१८	३५	१५	५४	५४
६१	४२	५४	३	६५	५ ३५	३	३
१३	३५	३५	१५	३७	व.	११	११

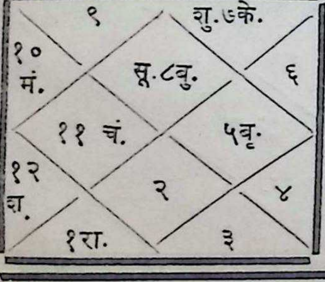

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.	२ र.	३ चं.	४ मं.	५ बु.	६ बृ.	७ शु.	८ श.	९ र.	१० चं.	११ मं.	१२ बु.	१३ बृ.	१४ शु.	१५ श.
वृ. अं	७ ३३	७ २९	७ २५	७ २१	७ १७	७ १३	७ ९	७ ५	७ १	६ ५८	६ ५३	६ ४९	६ ४५	६ ४१	६ ३८
ध. अं.	९ ३८	९ ३४	९ ३०	९ २६	९ २२	९ १८	९ १४	९ १०	९ ६	९ २	८ ५८	८ ५४	८ ५०	८ ४६	८ ४३
म. अं.	११ २३	१० १९	११ १५	११ ११	१२ ७	११ ३	१० ५९	१० ५५	१० ५१	१० ४७	१० ४३	१० ३९	१० ३५	१० ३१	१० २७
कुं. अं.	१२ ५५	१२ ५१	१२ ४७	१२ ४३	१२ ३९	१२ ३५	१२ ३१	१२ २७	१२ २३	१२ १९	१२ १५	१२ ११	१२ ७	१२ ३	१२ ०
मी. अं.	२ २३	२ १९	२ १५	२ ११	२ ७	२ ३	१ ५९	१ ५५	१ ५१	१ ४७	१ ४३	१ ३९	१ ३५	१ ३१	१ २७
मे. अं.	४ १	३ ५७	३ ५३	३ ३९	३ ४५	३ ४१	३ ३७	३ ३३	३ २९	३ २५	३ २१	३ १७	४ १३	३ ९	३ ६
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ. अं.	५ ५७	५ ५३	५ ४९	५ ४५	५ ४१	५ ३७	५ ३३	५ २९	५ २५	५ २१	५ १७	५ १३	५ ९	५ ५	५ २
मि. अं.	८ ११	८ ७	८ ३	७ ५९	७ ५५	७ ५१	७ ४७	७ ४३	७ ३९	७ ३५	७ ३१	७ २७	७ २३	७ १९	७ १६
क. अं.	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० १०	१० ६	१० २	९ ५८	९ ५४	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३८	९ ३५
सिं. अं.	१२ ४५	१२ ४१	१२ ३७	१२ ३३	१२ २९	१२ २५	१२ २१	१२ १७	११ १३	११ ९	१२ ५	१२ १	११ ५७	११ ५३	११ ५०
कं. अं.	२ ५९	२ ५५	२ ५१	२ ४७	२ ४३	२ ३९	२ ३५	२ ३१	२ २७	२ २३	२ १९	२ १५	२ ११	२ ७	२ ४
तु. अं.	५ १६	५ १२	५ ५	५ ४	५ ०	४ ५६	४ ५२	४ ४७	४ ४४	४ ४०	४ ३६	४ ३२	४ २८	४ २४	४ २१

मार्गशीर्ष शु. १५ शनौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	९	७	४	६	११	०	६
०	१८	२३	११	१८	१०	०	०
३३	३३	१	३५	२४	१९	४८	४८
१६	४४	४४	४४	१७	४८	४४	४४
६१	४१	१०१	१	६७	७ ४९	३	३
२०	५९	५८	४४	३५	मा.	११	११

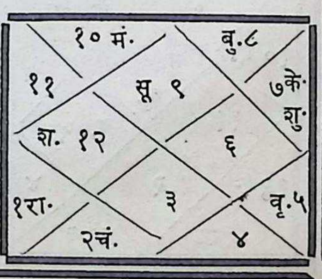

२६

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२६	५	१	र.	५६	१६	मृ.	२१	५४	शु.	१७	११	वा.	२४	४८	कौ.	५६	१६	सौम्य	१७	१४	१				६	४७	५	१३	८	१	३४	३६	६१	२०
२६	५	२	चं.	५८	७	आ.	२५	४२	शु.	१६	१३	तै.	२७	११	ग.	५८	७	काल	१८	१५	२				६	४७	५	१३	८	२	३५	५६	६१	२१
२६	५	३	मं.	५८	३६	पु.	२८	१५	ब्र.	१४	१२	व.	२८	२१	वि.	५८	३६	स्थिर	१९	१६	३	क.	१२	३७	६	४७	५	१३	८	३	३७	१७	६१	२१
२६	४	४	बु.	५७	४५	पु.	२९	३०	ऐं.	११	२२	वव	२८	१०	वा.	५७	४५	मातंग	२०	१७	४				६	४७	५	१३	८	४	३८	३२	६१	२२
२६	४	५	बृ.	५५	४०	श्ले	२९	३५	वै.	७	२६	कौ.	२६	४२	तै.	५५	४०	अमृन	२१	१८	५	सिं.	२९	३५	६	४७	५	१३	८	५	४०	०	६१	२३
२६	४	६	शु.	५२	३५	म.	२८	३०	वि.	२/५४	३५/१९	ग.	२४	७	व.	५२	३५	काण	२२	१९	६				६	४७	५	१३	८	६	४१	२३	६१	२३
२६	४	७	श.	४८	३५	पू.	२६	३१	आ.	५०	३४	वि.	२०	३५	वव	४८	३५	लम्ब	२३	२०	७	कं.	४०	४९	६	४७	५	१३	८	७	४२	४६	६१	२३
२६	४	८	र.	४३	४४	उ.	२३	४२	सौ.	४३	३३	वा.	१६	१०	कौ.	४३	४४	मित्र	२४	२१	८				६	४७	५	१३	८	८	४४	९	६१	२४
२६	५	९	चं.	३८	२५	ह.	२०	१२	शो.	३६	४	तै.	११	४	ग.	३८	२५	वज्र	२५	२२	९	तु.	४८	१५	६	४७	५	१३	८	९	४५	३३	६१	२५
२६	५	१०	मं.	३२	४१	चि.	१६	१९	अ.	२८	१९	व		५	३३	वि.	३२/५९	४९/४४	ध्वांक्ष	२६	२३	१०				६	४७	५	१३	८	१०	४६	५८	६१	२५
२६	५	११	बु.	२६	४७	स्वा	१२	११	सु.	२०	२७	वा.	२६	४७	कौ.	५३	५१	धूम्र	२७	२४	११	वृ.	५४	४	६	४७	५	१३	८	११	४८	२२	६१	२५
२६	५	१२	बृ.	२०	५५	वि.	८	१	धृ.	१२	३२	तै.	२०	५५	ग.	४८	६	वर्ध ♇	२८	२५	१२				६	४७	५	१३	८	१२	४९	४७	६१	२६
२६	५	१३	शु.	१५	१७	ऽनु.	४	१	शू.	४/५२	४९/३४	व.	१५	१७	वि.	४२	४०	रक्ष	२९	२६	१३				६	४७	५	१३	८	१३	५१	१३	६१	२६
२६	५	१४	श.	१०	३	ज्ये.	०/५६	२२/५८	वृ.	५०	२८	श.	१०	३	च.	३७	४५	मुशल	३०	२७	१४	ध.	०	२२	६	४७	५	१३	८	१४	५२	३९	६१	२६
२६	५	३०	र.	५	२८	पू.	५५	९	ध्रु.	४४	९	ना.	५	२८	किं.	३३	३५	मातंग	३१	२८	१५				६	४७	५	१३	८	१५	५४	४	६१	२७

श्री संवत् २०२४ शके १८८९ पौष कृष्णपक्षः ।
दिसम्बर १७ से ३१ तक । याम्यायनगोलौ । शिशिर ऋतुः ।

सौर पौषारम्भः । दक्षिणायां यात्रा मु. ।
पुन. भे या. ज. मु. । विशाखा भे शुक्रः १३।४१
भ. २८।२१ उ. ५८।३६ या. । दक्षिणास्यां यात्रा मु. ।
प्रतीच्यां यात्रा मु. । a राहुः मीनराशौ केतुः कन्याराशौ g
या. ज. मु. । धनुराशौ बुधः २४।३९ ।
भ. ५२।३५ उ. । धनिष्ठायां भौमः ४४।८ ।
भ. २०।३५ या. । उत्तरायाम् या. ज. मु. ।
स. सि. यो. हस्त भे. दक्षिण पूर्वो यात्रा मु. ।
हस्त भे. दक्षिण यात्रा मु. । g ५०।४१ ।
भ. ५।३३ उ. ३२।४१ या. ।
सकला ११ व्रतं सर्वेषाम् । पू. षा. भे बुधः ५८।२३ ।
स. सि. योगः ८।१ उ. । पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. ८।१ उ. । a
भ. १५।१७ उ. ४२।४० या. । पूर्वाषाढायामर्कः १८।२ । e
अनु. भे. शुक्रः ३४।४४ । e स. सि. योगः ४१।२० ।
उत्तरा भे स. सि. योगः । कुम्भे भौमः २।९ ।

पौष. कृ. ३ भौमे. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	९	७	४	६	११	०	६
३	२०	२८	११	२१	१०	०	०
३७	५४	०	४८	४५	२४	३८	३८
१७	२५	१	३५	२५	१५	२०	२०
६१	४२	१०२	१	६८	१/४९	३	३
१३	३५	३५	३५	३९	मा	११	११

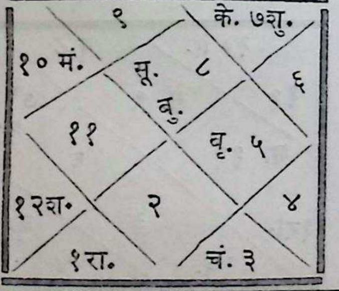

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.		२ चं.		३ मं.		४ बु.		५ बृ.		६ शु.		७ श.		८ र.		९ चं.		१० मं.		११ बु.		१२ बृ.		१३ शु.		१४ श.		३० र.	
ध. अं.	८	३९	८	३५	८	३१	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५५	७	५१	७	४८	७	४४
म. अं.	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६	९	३३	९	२९
कुं. अं.	११	५६	११	५२	११	४८	११	४४	११	४०	११	३६	११	३२	११	२८	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२	११	८	११	५	११	१
मी अं.	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३३	१२	२९
मे. अं.	३	२	२	५८	२	५४	२	५०	२	४६	२	४२	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	११	२	७
वृ. अं.	४	५८	४	५४	४	५०	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२	४	१८	४	१४	४	१०	४	७	४	३
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मि. अं.	७	१२	७	८	७	४	७	०	६	५६	६	५२	६	४८	६	४४	६	४०	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	६	२१	६	१७
क. अं.	९	३१	९	२७	९	२३	९	१९	९	१५	९	११	९	७	९	३	८	५९	८	५५	८	५१	८	४७	८	४३	८	४०	८	३६
सिं. अं.	११	४६	११	४२	११	३८	११	३४	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	६	११	२	१०	५८	१०	५५	१०	५१
कं. अं.	२	०	१	५६	१	५२	१	४८	१	४४	१	४०	१	३६	१	३२	१	२८	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२	१	९	१	५
तु. अं.	४	१७	४	१३	४	९	४	५	४	१	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९	३	२६	३	२२
वृ. अं.	६	३४	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१४	६	१०	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	५	४३	५	३९

पौष कृष्ण १३ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	९	८	४	७	११	०	६
१३	२८	१५	११	२	१०	०	०
५१	४२	२४	३०	३६	४२	७	७
१३	२१	१७	२५	३५	३५	४३	४३
६१	४८	१०१	१/२	६५	१/४८	३	३
२१	३७	३७	व.	३९	व	११	११

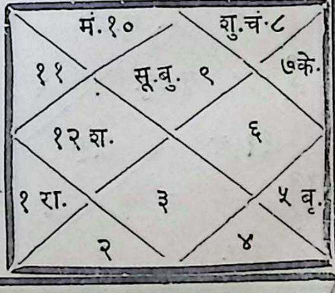

दि. मा.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.
२६	६	१	चं.	१ ५७	४३ ११	उ.	५३	४६	व्या	३८	३४	वव	१	४३	वा.	३० ५८	१८ ५४	रक्ष	१	२९	१६	म.	९	४८	६	४६	५	१४	८	१६	५५	३१	६१	२६
२६	७	३	मं.	५७	१३	श्र.	५३	२८	ह.	३३	४६	तै.	२८	४	ग.	५७	१३	लुम्ब	२	१	१७				६	४६	५	१४	८	१७	५६	५७	६१	२६
२६	८	४	बु.	५६	४४	ध.	५४	२४	व.	२९	५६	व.	२६	५८	वि.	५६	४४	मित्र	३	२	१८	कु.	२३	५६	६	४६	५	१४	८	१८	५८	२३	६१	२६
२६	९	५	बृ.	५७	३५	श.	५६	३३	सि.	२७	६	वव	२७	९	वा.	५७	३५	वज्र	४	३	१९				६	४६	५	१४	८	१९	५९	४८	६१	२६
२६	१०	६	शु.	५९	५०	पू.	६०	०	व्य	२५	१५	कौ.	२८	४२	तै.	५९	५०	ध्वांक्ष	५	४	२०	मी.	४४	९	६	४६	५	१४	८	२१	१	१४	६१	२६
२६	११	७	श.	६०	०	पू.	०	१	व.	२४	२१	ग.	३१	२९	व.	६०	०	काल	६	५	२१				६	४५	५	१५	८	२२	२	४०	६१	२५
२६	१२	७	र.	३	८	उ.	४	३५	प	२४	२२	व.	३	८	वि.	३५	२०	स्थिर	७	६	२२				६	४५	५	१५	८	२३	४	४	६१	२५
२६	१३	८	चं.	७	३१	रे.	१०	७	शि.	२५	४	वव	७	३१	वा.	४०	४	मातग	८	७	२३	मे.	१०	७	६	४५	५	१५	८	२४	५	२९	६१	२५
२६	१५	९	मं.	१२	३६	अ.	१६	२१	सि.	२६	१०	कौ.	१२	३६	तै.	४५	२०	अमृत	९	८	२४				६	४४	५	१६	८	२५	६	५४	६१	२४
२६	१७	१०	बु.	१८	३	भ.	२२	५४	सा.	२७	३३	गं.	१८	३	व.	५०	४४	काण	१०	९	२५	वृ.	३९	२८	६	४४	५	१६	८	२६	८	१७	६१	२४
२६	१८	११	बृ.	२३	२५	कृ.	२९	२०	शु.	२८	४५	वि.	२३	२५	वव	५५	४९	लुम्ब	११	१०	२६				६	४४	५	१६	८	२७	९	४१	६१	२३
२६	१९	१२	शु.	२८	१३	रो.	३५	१४	शु.	२९	३४	वा.	२८	१३	कौ.	६०	०	मित्र	१२	११	२७				६	४३	५	१७	८	२८	११	४	६१	२३
२६	२१	१३	श.	३२	१६	मृ.	४०	२२	ब्र.	२९	४७	कौ.	०	१४	तै.	३२	१६	वज्र	१३	१२	२८	मि.	७	४८	६	४३	५	१७	८	२९	१२	२७	६१	२१
२६	२३	१४	र.	३५	६	आ.	४४	२५	ऐं.	२९	८	ग.	३	४१	व.	३५	६	ध्वांक्ष	१४	१३	२९				६	४३	५	१७	९	०	१३	४८	६१	२१
२६	२५	१५	चं.	३६	५०	पु.	४७	१५	वै.	३७	३४	वि.	५	५८	वव	३६	५०	धूम्र	१५	१४	१	क.	३१	३३	६	४२	५	१८	९	१	१५	९	६१	२०

श्री शुभ संवत् २०२४ शके १८८९ पौष शुक्लपक्षः। १जन. से
१८ तक। याम्यायनगोलौ। शिशिर ऋतुः।

जनवरी १९६८। चन्द्रदर्शनम्।
पूर्व दक्षिणौ यात्रा मु.। रमजान। dव्रतं सर्वेषाम्।
भ.२६।५८ उ. ५६।४४ या.। गणेश ४। दक्षिणपूर्वौ यात्रा मु.a
cपश्चिमयाम् ५९।७। स्नान व्रतादौ१५।
उग्रकर्म मु.। a२३।५६ या.ततः। पञ्चकारम्भः २३।५६ उ.।
उत्तरायोगे या.ज.मु.। शतेभौमः २२।१७b
भ. ३।८ उ. ३५।२० या.। स.सि. योग ४।३५ या.। या.ज.c
पञ्चक समाप्त १०।७। उदीच्यां यात्रा मु.। नवमी रेवतीb
स.सि.अ.सि. योगः १६।५१ या। प्राच्यां यात्रा मु.।
भ.५०।४४ उ.। कृत्तिकायोगे स.सि.योगः। ज्येष्ठाभे शुक्रः२३।३९
भ. २३।२५ या.। उत्तराषाढ़ायामर्कः १८।३। पुत्रदा ११d
मृगभे दक्षिण यात्रा मु.। प्रदोष १३ व्रतम्।
दक्षिण पश्चिम यात्रा मु. ४०।२२ या.। cमु.३।८ या.।
भ. ३५।६ उ.। मकरेऽर्कः ३४।१६।
भ. ५।५८ या.। सौर माघारम्भः। या.ज.मु. दक्षिण पश्चिमयोn
nयात्रा मु. ३१।३१ या.। ततः उदीच्यां यात्रा मु.। बुधोदयःe

पौष शु. ८ चन्द्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	१०	९	४	७	११	११	५
२४	६	२	११	१४	११	२९	२९
५	१८	४२	६	३०	०	३६	३६
२९	२५	२१	१३	९	६	५६	५६
६१	४७	१०१	२ १	७१	१८	३	३
२५	५६	५६	व.	३५	या.	११	११

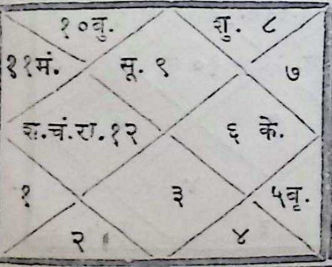

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.	३ मं.	४ बु.	५ बृ.	६ शु.	७ श.	७ र.	८ च.	९ म.	१० बु.	११ बृ.	१२ शु.	१३ श.	१४ र.	तिथयः	१५ च.
ध. अं.	७ ४०	७ ३६	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २०	७ १६	७ १२	७ ८	७ ४	७ ०	६ ५६	६ ५२	६ ४९	म. अं.	८ ३०
म. अं.	९ २५	९ २१	९ १७	९ १३	९ ९	९ ५	९ १	८ ५७	८ ५३	८ ४९	८ ४५	८ ४१	८ ३७	८ ३४	कुं. अं.	१० २
कु. अं.	१० ५७	१० ५३	१० ४९	१० ४५	१० ४१	१० ३७	१० ३३	१० २९	१० २५	१० २१	१० १७	१० १३	१० ९	१० ६	मी. अं.	११ ३०
मी. अं.	१२ २५	१२ २१	१२ १७	१२ १३	१२ ९	१२ ५	१२ १	११ ५७	११ ५३	११ ४९	११ ४५	११ ४१	११ ३७	११ ३४	मे. अं.	१ ८
मे. अं.	२ ३	१ ५९	१ ५५	१ ५१	१ ४७	१ ४३	१ ३९	१ ३५	१ ३१	१ २७	१ २३	१ १९	१ १५	१ १२	वृ. अं	३ २
वृ. अं.	३ ५९	३ ५५	३ ५१	३ ४७	३ ४३	३ ३९	३ ३५	३ ३१	३ २७	३ २३	३ १९	३ १५	३ ११	३ ८	मि. अं.	५ १८
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	राशयः	रा०
मि. अं.	६ १३	६ ९	६ ५	६ १	५ ५७	५ ५३	५ ४९	५ ४५	५ ४१	५ ३७	५ ३३	५ २९	५ २५	५ २२	क. अं.	७ ३७
क. अं.	८ ३२	८ २८	८ २४	८ २०	८ १६	८ १२	८ ८	८ ४	८ ०	७ ५६	७ ५२	७ ४८	७ ४४	७ ४१	सिं. अं.	९ ५२
सिं. अं.	१० ४७	१० ४३	१० ३९	१० ३५	१० ३१	१० २७	१० २३	१० १९	१० १५	१० ११	१० ७	१० ३	९ ५९	९ ५६	कं. अं.	१२ ६
कं. अं.	१ १	१२ ५७	१२ ५३	१२ ४९	१२ ४५	१२ ४१	१२ ३७	१२ ३३	१२ २९	१२ २५	१२ २१	१२ १७	१२ १३	१२ १०	तु. अं.	२ २३
तु. अं.	३ १८	३ १४	३ १०	३ ६	३ २	२ ५८	२ ५४	२ ५०	२ ४६	२ ४२	२ ३८	२ ३४	२ ३०	२ २७	वृ. अं.	४ ४०
वृ. अं.	५ ३५	५ ३१	५ २६	५ २३	५ १९	५ १५	५ ११	५ ७	५ ३	४ ५९	४ ५५	४ ५१	४ ४७	४ ४४	ध. अं.	६ ४५

पौष शु. १५ चन्द्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	१०	९	४	७	११	११	५
१	११	१४	१०	२३	११	२९	२९
१५	३८	४४	३३	२९	९	२०	२०
९	४४	१७	३१	५१	५४	४४	३४
६१	४८	७१	५ २२	७१	४ ३१	३	३
१०	७	२२	व.	३५	मा.	११	११

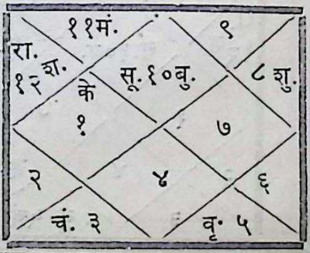

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः घ.	मि.
२६	२६	१	मं.	३७	११	पु.	४८	५२	वि.	२४	५९	वा.	७	०	कौ.	३७	११	वर्धमा	१६	१५	२				६	४२	५	१८	९	२	१६	५९	६१	२०
२६	२८	२	बु.	३६	१७	श्ले.	४९	१२	प्री.	२१	२७	तै.	६	४४	ग.	३६	१७	रक्ष	१७	१६	३	सिं.	४९	१२	६	४२	५	१८	९	३	१	४९	६१	२०
२६	३०	३	बृ.	३४	९	म.	४८	२५	आ.	१६	५३	व.	५	१३	वि.	३४	९	मुशल	१८	१७	४				६	४१	५	१९	९	४	१९	९	६१	१८
२६	३२	४	शु.	३०	५६	पू.	४६	३६	सौ.	११	३१	वव	२	३२	वा.	०/५८	५६/५४	सिद्धि	१९	१८	५				६	४१	५	१९	९	५	२०	२७	६१	१८
२६	३५	५	श.	२६	५२	उ.	४३	५७	शो.	५/५३	१५/१४	तै.	२६	५२	ग.	५४	२६	उत्पान	२०	१९	६	कं.	०	५६	६	४०	५	२०	९	६	२१	४५	६१	१७
२६	३६	६	र.	२२	१	ह.	४०	३८	सु.	५१	२२	व.	२२	१	वि.	४९	२०	मानस	२१	२०	७				६	४०	५	२०	९	७	२३	८	६१	१६
२६	४२	७	चं.	१६	४०	चि.	३६	५१	धृ.	४३	४५	वव	१६	४०	व.	४३	४७	मुद्गद	२२	२१	८	तु	८	४४	६	३९	५	२१	९	८	२४	१८	६१	१५
२६	४५	८	मं.	१०	५५	स्वा	३२	४६	शू.	३५	५७	कौ.	१०	५५	त.	३७	५८	ध्वज	२३	२२	९				६	३९	५	२१	९	९	२५	३३	६१	१४
२६	४७	९	बु.	५/५४	१/८	वि.	२८	३३	गं.	२२	१	ग.	५	१	व.	३२/५९	५/९	धाता	२४	२३	१०	वृ.	१४	३६	६	३८	५	२२	९	१०	२६	४७	६१	१३
२६	४९	११	बृ.	५३	३६	अनु.	२४	३०	वृ.	२०	१५	वव	२६	२२	वा.	५३	३६	आनन्द	२५	२४	११				६	३८	५	२२	९	११	२८	०	६१	११
२६	५१	१२	शु.	४८	२६	ज्ये.	२०	४८	ध्रु.	१२	४५	कौ.	२१	१	तै.	४८	२६	चर	२६	२५	१२	ध.	२०	४८	६	३७	५	२३	९	१२	२९	११	६१	११
२६	५५	१३	श.	४३	५६	मू.	१७	३८	व्य.	५/५३	३९/२९	ग.	१६	११	व.	४३	५६	गद	२७	२६	१३				६	३६	५	२४	९	१३	३०	३२	६१	१०
२६	५९	१४	र.	४०	१६	पू.	१५	१५	व.	५३	१८	वि.	१२	६	श.	४०	१६	शुभ	२८	२७	१४	म.	२९	५०	६	३६	५	२४	९	१४	३१	३८	६१	९
२७	२	३०	चं.	३७	३५	उ.	१३	३७	सि.	४८	१८	च.	८	५५	ना.	३७	३५	मृत्यु	२९	२८	१५				६	३५	५	२५	९	१५	३२	४१	६१	७

श्री शुभ संवत् २०२४ शके १८८९ माघ कृष्णपक्षः। जन. १६ से २९ तक । सौम्यायनम् । याम्यगोलः। हेमन्तऋतुः ।

C मोत्तरौ यात्रा मु.। स.सि. योगः २४।३० या. ।

B मु.। धनुराशौ शुक्रः १।७ ।

भ. ५।१३ उ. ३४।९ या.। संकष्टी गणेश४ व्रतम् । गणेशA

A जन्मदिनम् ।

या.ज.मु. २६।५२ या. ।

भ. २२।१ उ. ४९।२० या.। स.सि. योगः। दक्षिणपूर्वो यात्राB

भानु ७। घनिष्ठायां बुधः ४।९ ।

बुधोदयः पूर्वस्याम् ९।४१ ।

भ.३२।५उ. ५९।९या.। श्रवणेऽर्कः२४।१२। अनु.भे.ससि.योगः ।

षट्तिला ११ प्रायः सर्वेषाम्। या.ज.मु. २४।३० या.। पश्चि-C

तिल १२। पू.भा.भे भौमः २३।९ ।

भ. ४३।५६ उ.। प्रदोष व्रतम्। कुम्भे बुधः ४।१७ ।

भ.१२।६ या.। सि.सि. योगः । मास शिवरात्रि व्रतम् ।

स्नान श्राद्धादौ ३०। मौनी ३०। द्वापर युगोत्पत्तिः ।

मा. कृ. ३ गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	१०	९	४	७	११	११	५
४	१४	१६	१०	२६	११	२९	२९
१९	६	२५	१८	२४	४२	५	५
७४	२५	१७	३१	२९	१५	८	८
६१	४२	७१	२ ५/२	७१	३ ४/५	३	३
२५	५	३७	व.	३५	मा.	११	११

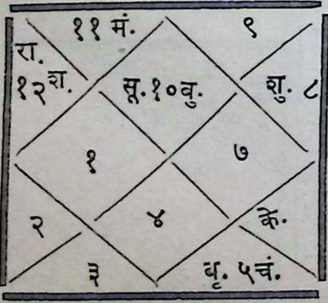

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.		२ बु.		३ बृ.		४ शु.		५ श.		६ र.		७ चं.		८ मं.		९ बु.		११ बृ.		१२ शु.		१३ श.		१४ र.		३० चं.	
म. अं.	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०	८	६	८	२	७	५८	७	५४	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८	७	३५
कुं. अं.	९	५८	९	५४	९	५०	९	४६	९	४२	९	३८	९	३४	९	३०	९	२६	९	२२	९	१८	९	१४	९	१०	९	७
मी.अं.	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	६	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४२	१०	३८	१०	३५
मे. अं.	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१३
वृ. अं.	३	०	२	५६	२	५२	२	४८	२	४४	२	४०	२	३६	२	३२	२	२८	२	२४	२	२०	२	१६	२	१२	२	९
मि. अं.	५	१४	५	१०	५	६	५	२	४	५८	४	५४	४	५०	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	४	३०	४	२६	४	२३
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
क. अं.	७	३३	७	२९	७	२५	७	२१	७	१७	७	१३	७	९	७	५	७	१	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४२
सिं. अं.	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५६
कं. अं.	१२	२	११	५८	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२	११	३८	११	३४	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	११
तु. अं.	२	१९	२	१५	२	११	२	७	२	३	१	५९	१	५५	१	५१	१	४७	१	४३	१	३८	१	३५	१	३१	१	२८
वृ. अं.	४	३६	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५२	३	४८	३	४५
ध. अं.	६	४१	६	३७	६	३३	६	२९	६	२५	६	२१	६	१७	६	१३	६	९	६	५	६	१	५	५७	५	५३	५	५०

माघ कृष्ण १४गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	१०	१०	४	८	११	११	५
१४	२१	१	९	८	१२	२८	२८
३१	४८	६	२४	४२	३६	३३	३३
३८	१३	१९	२५	११	१७	२०	२०
६१	४२	७७	३ ४/५	७१	४	३	३
१९	३९	४७	व.	५२	२८	११	११

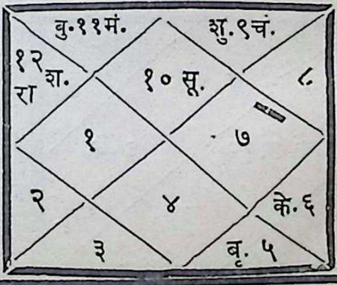

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि	श्री शुभ संवत् २०२४ शके १८८९ माघ शुक्लपक्षः। जन. ३० से फरवरी १४ तक। सौम्यायनम् याम्यगोलः। हेमन्तऋतुः।
२७	४	१	मं.	३६	०	श्र.	१३	५	व्य.	४४	१०	किं.	६	४७	वव	३६	०	लुम्ब	३०	२३	१६	कुं.	४३	२४	६	३५	५	२५	९	१६	३३	४९	६१	७	पञ्चकारम्भः ४३।२४ उ.। वल्लभ जयन्ती
२७	७	२	बु.	३४	३८	ध.	१३	४४	व.	४१	१	वा.	५	४६	कौ.	३५	३८	मित्र	३१	३०	१७				६	३४	५	२६	९	१७	३४	५५	६१	५	चन्द्रदर्शनम्। प्रतीच्यां यात्रा मु.।
२७	११	३	बृ.	३६	३७	श	१५	३९	प.	३८	५२	तै.	६	८	ग.	३६	३७	वज्र	१	१	१८				६	३४	५	२६	९	१८	३६	०	६१	४	फरवरी। शव्वाल। c बुधास्तः पूर्वस्याम् ३२।४१।
२७	१४	४	शु.	३८	५६	पू.	१८	४९	शि.	३७	४४	व.	७	४६	वि.	३८	५६	ध्वांक्ष	२	२	१९	मी.	३	२	६	३३	५	२७	९	१९	३७	४	६१	२	भ. ७।४६ उ. ३८।५६ या.। गणेश ४ व्रतम्।
२७	१७	५	श.	४२	१८	उ.	२३	८	सि.	३७	३१	वव	१०	३७	वा.	४२	१८	धूम्र	३	३	२०				६	३३	५	२७	९	२०	३८	६	६१	२	या.ज.मु. ४२।१८ या.। वसन्त ५। श्रीपञ्चमी।
२७	२०	६	र.	४६	४६	रे.	२८	२९	सा.	३८	१	कौ.	१४	३२	तै.	४६	४६	वर्धमान	४	४	२१	मे	२८	२९	६	३२	५	२८	९	२१	३९	८	६१	०	स.सि. योग २८।२९ उ.। पञ्चक समाप्त २८।२९ या.।
२७	२३	७	चं.	५१	१३	अ.	३४	३३	शु	३९	४	ग.	१९	०	व.	५१	१३	रक्ष	५	५	२२				६	३१	५	२९	९	२२	४०	८	६०	५९	भ. ५१।१३ उ.। s बुधः ३।११।
२७	२६	८	मं.	५७	१९	भ.	४१	५	शु.	४०	२४	वि.	२४	१६	वव	५७	१९	मुसल	६	६	२३				६	३१	५	२९	९	२३	४१	७	६०	५८	भ. २४।१६ या.। वसुभेऽर्कः २८।१२। भीमाष्टमी। शते s
२७	२९	९	बु.	६०	०	कृ.	४७	३४	ब्र.	४१	४५	वा.	२९	५८	कौ.	६०	०	सिद्धि	७	७	२४	वृ.	५७	४२	६	३०	५	३०	९	२४	४२	५	६०	५५	स.सि. योगः। या.ज.मु.४७।३४उ.। मीने भौमः ४२।१८।c
२७	३२	९	बृ.	२	३७	रो.	५३	४४	ऐं.	४५	४५	कौ.	२	३७	तै.	३४	५८	उत्पात	८	८	२५				६	३०	५	३०	९	२५	४३	०	६०	५५	या.ज.मु. २।२७ या.। वक्री बुधः ५।३१।
२७	३६	१०	शु.	७	२०	मृ.	५९	०	वै.	४३	१५	ग.	७	२०	व	३९	१७	मानस	९	९	२६	मि.	२६	३६	६	२९	५	३१	९	२६	४३	५५	६०	५२	भ. ३९।१७ उ.। दक्षिण पश्चियो यात्रा मु.।
२७	३०	११	श.	११	१५	आ.	६०	०	वि.	४२	५२	वि.	११	१५	वव	४२	३६	मुद्गर	१०	१०	२७				६	२८	५	३२	९	२७	४४	४७	६०	५२	भ. ११।१५ या.। जया ११ व्रतं सर्वेषाम्।
२७	४२	१२	र.	१३	५८	आ.	३	२३	प्री.	४१	१३	वा.	१३	५८	कौ.	४४	४५	ध्वांक्ष	११	११	२८	क.	५०	४६	६	२८	५	३२	९	२८	४५	३९	६०	४९	या.ज.मु. १३।५८ उ.। प्रदोष व्रतम्।
२७	४५	१३	चं.	१५	३२	पु.	६	३४	आ	३३	३०	तै.	१५	३२	ग.	४५	३८	धूम्र	१२	१२	२९				६	२७	५	३३	९	२९	४६	४८	६०	४९	या. ६।३४ या.। प्रतीच्यां यात्रा मु.।
२७	४९	१४	मं.	१५	४५	पु.	८	२७	सौ.	३६	१७	व.	१५	४५	वि	४५	२४	वर्धमान	१३	१३	३०				६	२६	५	३४	१०	०	४७	३७	६०	४७	भ.१५।४५ उ. ४५।२४ या.। कुंभेऽर्कः १।२७। व्रतादौ १५।
२७	५२	१५	बु.	१८	४२	श्ले.	९	४	शो.	३२	७	वव	१४	४२	वा.	४३	३४	रक्ष	१४	१४	१	सि.	९	४	६	२६	५	३४	१०	१	४८	४८	६०	४५	सौर फाल्गुनारम्भः। स्नानदानादौ १५।

माघ शु. २ वुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	१०	९	४	८	११	११	५
१७	२४	३	८	११	१२	२८	२८
२४	१४	४१	४८	२२	५२	१०	१०
५५	४१	१२	४९	१४	४४	४८	४८
६१	४८	७२	[illegible]	७१	४	३	३
५	७	२२	व	३५	३१	११	११

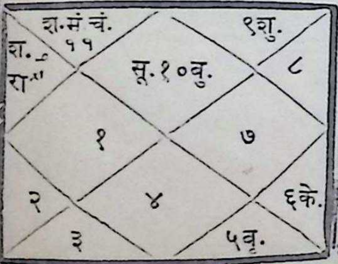

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ मं.		२ बु.		३ वृ.		४ शु.		५ श.		६ र.		७चं.		८मं.		९बु.		९ वृ.		१० शु.		११ श.		१२ र.		१३ चं.		१४ मं.		ति.	१५ बु.	
म.	७	३१	७	२७	७	२३	७	१९	७	१५	७	११	७	७	७	३	६	५९	६	५५	६	५१	६	४७	६	४३	६	४०	६	३६	कुं.	८	४
कुं.	९	३	८	५९	८	५५	८	५१	८	४७	८	४३	८	३९	८	३५	८	३१	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	१२	८	८	मी.	९	३२
मी.	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१५	१०	११	१०	७	१०	३	९	५९	९	५५	९	५१	९	४७	९	४३	९	४०	९	३६	मे	११	१०
मे.	१२	९	१२	५	१२	१	११	५७	११	५३	११	४९	११	४५	११	४१	११	३७	११	३३	११	२९	११	२५	११	२१	११	१८	११	१४	वृ.	१	६
वृ.	२	५	२	१	१	५६	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७	१	३३	१	२९	१	२५	१	२१	१	१७	१	१४	१	९	मि.	३	२०
मि.	४	१९	४	१५	४	११	४	७	४	३	३	५९	३	५५	३	५१	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५	३	३१	३	२८	३	२३	क.	५	३९
रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा	रा०	
क.	६	३८	६	३४	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१४	६	१०	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४७	५	४३	सिं.	७	५४
सिं.	८	५३	८	४९	८	४५	८	४१	८	३७	८	३३	८	२९	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	२	७	५८	कं.	१०	८
कं.	११	७	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१६	१०	१२	तु.	१२	२५
तु.	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३३	१२	२९	वृ.	२	४२
वृ.	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५	३	२१	३	१७	३	१३	३	९	३	५	३	१	२	५७	२	५३	२	५०	२	४६	ध.	४	४७
ध.	५	४६	५	४२	५	३८	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८	५	१४	५	१०	५	६	५	२	४	५८	४	५५	४	५१	म.	६	३२

माघ. शु. ९ वुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	१०	१०	४	८	११	११	५
२४	२९	७	८	२१	१३	२८	२८
४२	३०	०	६	०	२४	१	१
५	१५	५	१५	१७	१७	३२	३२
६१	४८	३६	१४/२	५२	४	३	३
१०	३१	५८	व.	३७	३६	११	११

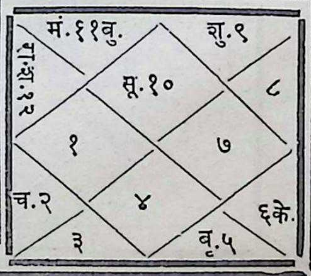

श्री शुभ संवत् २०२४ शके १८८९ फाल्गुन कृष्णपक्षः। फर. १५ से १८ तक। सौम्यायनम्। याम्यगोलः। हेमन्त ऋतुः।

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	
२७	५५	१	बृ.	१२	२७	म.	८	३१	अ.	२७	१६	कौ.	१२	२७	तै.	४०	४७	मुशल	१५	१५	२				६	२५	५	३५	१०	२	४९	४९	६०	४२	मकरे शुक्रः ४।११ ।
२७	५९	२	शु.	९	७	पू.	६	५६	सु.	२१	१९	ग	९	७	व.	३७	३	सिद्धि	१६	१६	३	कं.	२१	२०	६	२४	५	३६	१०	३	४९	३१	६०	४२	भ. ३७।३ उ.।
२८	२	३	श.	४	५९	उ.	४	३१	धृ.	१४	४५	वि.	४	५९	वव	३२	३१	उत्पात	१७	१७	४				६	२४	५	३६	१०	४	५०	१३	६०	४०	भ. ४।५९ या.। या.ज.मु. ४।५९ या. ।
२८	६	४	र.	० ५४	३ ३३	ह.	१ ५६	१० २०	शू.	७	४१	वा	०	३	कौ.	२७ ५४	३० ३६	मानस	१८	१८	५	तु.	२९	२९	६	२३	५	३७	१०	५	५०	५३	६०	३८	स.सि. योग १।२९ तक ।
२८	१०	६	चं.	४८	४७	स्वा	५३	३६	गं.	० ५२	१३ १६	ग	२१	४१	व.	४८	४७	छत्र	१९	१९	६				६	२२	५	३८	१०	६	५१	३१	६०	३७	भ. ४८।४७ उ. । शतभेऽर्कः ३८।१२ ।
२८	१३	७	मं.	४२	४९	वि	४९	२७	ध्रु.	४४	३५	वि.	१५	४८	वव	४२	४९	श्रीवत्स	२०	२०	७	वृ.	३५	२९	६	२१	५	३९	१०	७	५२	८	६०	३५	भ. १५।४८ या.। c जन्म। महा शिवरात्रिव्रतम्
२८	१६	८	बु.	३६	५८	ऽनु	४५	२०	व्या	३६	५४	वा.	९	५४	कौ.	३६	५८	सौम्य	२१	२१	८				६	२१	५	३९	१०	८	५२	४३	६०	३३	स.सि. योगः ४५।२०या.। प्रतीच्यां यात्रा मु.। जानकी जयंती
२८	२०	९	बृ.	३१	२२	ज्ये.	४१	३३	ह.	२९	१९	तै.	४	१०	ग.	३ ५८	२२ ४८	काल	२२	२२	९	ध.	४१	३३	६	२०	५	४०	१०	९	५३	१६	६०	३१	भ. ५८।४८ उ.। b सा.सि. योग ३३।१० या. । वैद्यनाथ c
२८	२३	१०	शु.	२६	१५	मू.	३८	१७	त्र.	२२	७	वि.	२६	१५	वव	५४	०	स्थिर	२३	२३	१०				६	१९	५	४१	१०	१०	५३	४७	६०	३०	भ. २६।१५ या.। a श्रवसि शुक्रः ४।११
२८	२७	११	श.	२१	४४	पू.	३५	४०	सि.	१५	१८	वा.	२१	४४	कौ.	४९	५५	मातंग	२४	२४	११	म.	५०	१३	६	१९	५	४१	१०	११	५४	१७	६०	२७	विजया ११ व्रतं सर्वेषाम्। वक्रगत्या मकरे बुधः ३।२१।
२८	३१	१२	र.	१८	७	उ.	३३	५३	व्य.	९	२८	तै.	१८	७	ग.	४६	४६	अमृत	२५	२५	१२				६	१८	५	४२	१०	१२	५४	५४	६०	२५	स.सि. योगः ३३।५७। या.ज.मु. १८।७ उ.। प्रदोष व्रतम् ।a
२८	३४	१३	चं.	१५	२६	श्र.	३३	१०	व.	४७ ५५	५ ३६	व.	१५	२६	वि.	४४	४१	सिद्धि	२६	२६	१३				६	१७	५	४३	१०	१३	५५	९	६०	२४	भ. १५।२६ उ.४४।४१ या.। दक्षिण यात्रा मु. भद्राप्राक् ।b
२८	३८	१४	मं.	१३	५६	ध.	३३	३४	शि.	५६	२८	श.	१३	५६	च.	४३	४७	उत्पात	२७	२७	१४	कुं.	३	२२	६	१६	५	४४	१०	१४	५५	३३	६०	२१	पञ्चकारम्भः ३।२२। श्राद्धादौ ३०
२८	४१	३०	बु.	१३	३८	श.	३५	१३	सि.	१४	४	ना.	१३	३८	किं.	४४	९	मानस	२८	२८	१५				६	१६	५	४४	१०	१५	५५	५४	६०	१९	स्नानदानादौ ३० ।

फा. कृ. ३ शनौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	११	१०	४	९	११	११	५
४	६	३	६	३	१४	२७	२७
५०	५४	१८	५४	१८	३०	२९	२९
१३	५५	२५	१५	१५	३५	४४	४४
६०	४६	२३ २	२	७१	६	३	३
४०	४२	व.	व.	२७	१५	११	११

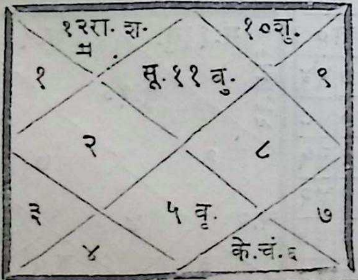

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.		२ शु.		३ श.		४ र.		६च.		७ म.		८ बु.		९ बृ.		१० शु.		११ श.		१२ र.		१३ चं.		१४ मं.		३० बु	
कुं. अं.	८	०	७	५६	७	५२	७	४८	७	४४	७	४०	७	३६	७	३३	७	२८	७	२४	७	२०	७	१६	७	१२	७	८
मी. अं.	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३६
मे. अं.	११	६	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४२	१०	३८	१०	३४	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४
वृ. अं.	१	२	१२	५८	१२	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२६	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	१०
मि. अं.	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५६	२	५२	२	४८	२	४४	२	४०	२	३६	२	३२	२	२८	२	२४
क. अं.	५	३५	५	३१	५	२७	५	२३	५	१९	५	१५	५	११	५	७	५	३	४	५९	४	५५	४	५१	४	४७	४	४३
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
सिं. अं.	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	७	३०	७	२६	७	२२	७	१८	७	१४	७	१०	७	६	७	२	६	५८
कं. अं.	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२
तु. अं.	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	५	१२	१	११	५७	११	५३	११	४९	११	४५	११	४१	११	३७	११	३३	११	२९
वृ. अं.	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	१०	२	६	२	२	१	५८	१	५४	१	५०	१	४६
ध. अं.	४	४३	४	३९	४	३५	४	३१	४	२७	४	२३	४	१९	४	१५	४	११	४	७	४	३	३	५९	३	५५	३	५१
म. अं.	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	८	६	४	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६

फा. कृ. १४ भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	११	९	४	९	११	११	५
१४	१४	२६	५	१५	१५	२६	२६
५५	४८	१२	३६	४९	३०	५७	५७
३३	१५	१४	३७	१४	१४	५६	५१
६०	४७	४२ ५२	३७ ५	७१	६	३	३
३८	३७	व.	व.	२७	१	११	११

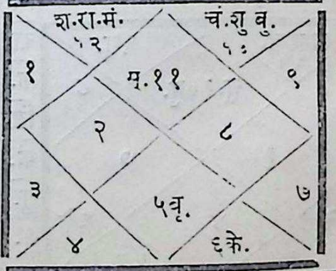

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२८	४५	१	बृ.	१४	४०	पू.	३८	९	सा-	५२	१४	वव	१४	४०	वा.	४५	५१	मुद्गर	२९	२९	१६	मी.	२२	२५	६	१५	५	४५	१०	१६	५६	१३	६०	१९
२८	४९	२	शु.	३७	२	उ.	४२	१०	शु.	५२	१३	कौ.	१७	२	तै.	४८	४६	ध्वज	१	१	१७				६	१४	५	४६	१०	१७	५६	३८	६०	१६
२८	५५	३	श.	२०	३१	रे.	४७	२२	शु.	५२	३४	ग.	२०	३१	व.	५२	४४	धाता	२	२	१८	मे.	४७	२२	६	१४	५	४६	१०	१८	५६	४८	६०	१३
२८	५६	४	र.	२४	५७	अ.	५३	१९	ब्र.	५३	३०	वि.	२४	५७	वव	५७	२७	आनन्द	३	३	१९				६	१३	५	४७	१०	१९	५७	१	६०	१२
२९	०	५	चं.	२९	५७	भ.	५९	५०	ऐ.	५४	५२	वा.	२९	५७	कौ.	६०	०	चर	४	४	२०				६	१२	५	४८	१०	२०	५७	१३	६०	१०
२९	४	६	मं:	३५	२०	कृ.	६०	०	वै.	५६	१९	कौ.	२	३८	तै.	३५	२०	गद	५	५	२१	वृ.	१५	४३	६	११	५	४८	१०	२१	५७	२६	६०	८
२९	७	७	बु.	४०	३३	कृ.	६	२३	वि.	५७	३१	ग.	७	५६	व.	४०	३३	सिद्धि	६	६	२२	.			६	११	५	४९	१०	२२	५७	३१	६०	५
२९	११	८	बृ.	४५	१	रो.	१२	४१	प्री.	५८	१५	वि.	१२	५२	व.	४५	११	उत्थान	७	७	२३	मि.	४५	२६	६	१०	५	५०	१०	२३	५७	३६	६०	४
२९	१५	९	शु.	४८	५६	मृ.	१८	११	आ.	५८	१६	वा.	१७	३	कौ.	४८	५६	मनस	८	८	२४				६	९	५	५१	१०	२४	५७	४०	६०	२
२९	१८	१०	श.	५१	३१	आ.	२२	४४	सौ.	५७	२२	तै.	२०	१४	ग	५१	३१	मुद्गर	९	९	२५				६	८	५	५२	१०	२५	५७	४२	५९	५९
२९	२२	११	र.	५२	५४	पु.	२६	११	शो.	५५	३५	व.	२२	१२	वि.	५२	५४	ध्वज	१०	१०	२६	क.	१०	१९	६	८	५	५२	१०	२६	५७	४८	५९	५७
२९	२६	१२	चं.	५२	५९	पु.	२८	२१	अ.	५२	४८	वव	२२	५६	वा.	५२	५९	धाता	११	११	२७				६	७	५	५३	१०	२७	५७	३८	५९	५५
२९	२९	१३	मं.	५१	४७	श्ले	२९	१६	सु.	४९	०	कौ.	२२	२३	तै.	५१	४७	आनद	१२	१२	२८	सिं.	२९	१६	६	६	५	५४	१०	२८	५७	३३	५९	५३
२९	३३	१४	बु.	४९	२३	म.	२८	५६	धृ.	४५	१७	ग.	२०	३५	तै.	४९	२३	चर	१३	१३	२९				६	५	५	५५	१०	२९	५७	२६	५९	५१
२९	३७	१५	बृ.	४५	५७	पू.	२७	३३	शू.	३८	४४	च.	१७	४०	श.	४५	५७	गद	१४	१४	१	कं.	४२	०	६	५	५	५५	११	०	५७	१७	५९	४८

श्री शुभ संवत् २०२४ शके १८८९ फाल्गुन शुक्लपक्षः ।
फर. २९ से मार्च १४ तक। सौम्यायनम् ।याम्यगोलः। हेमन्तऋतुः

चन्द्रदर्शनम् । रेवत्यां भौमः २९।१२ ।
मार्च । जिल्काद । c सर्वेषाम् । स. सि. योग २५।११ उ.।
भ. ५२।४४ उ. । प्रतीच्या यात्रा मु. भद्राप्राक् । गणेश ४ ।
भ. २४।५७ या. । पूर्वा भाद्रपदायामर्कः ५९।१२ । प्राच्यां a
या. ज.मु. २९।५७ या. । a यात्रा मु. भद्रान्ते । स. सि. योगः ।
स. सि. योगः । b कारम्भः । रेवत्यां शनिः ८५।७।
भ. ४०।३३ उ. । स. सि. योगः ।
भ. १२।५२ या. । प्राच्यां यात्रा मु. ५५।२६ या. । होलाष्ट- b
दक्षिणस्यां यात्रा मु. । मार्गी बुधः ५।३९ ।
पुनर्वसु भे प्रतीच्यां याम्यां यात्रा मु. ।
भ. २२।१२ उ. ५२।५४ या. । आमलकी ११ व्रतं प्रायः c
स. सि. योगः २८।२१ या.। पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. २८।२१ या
स. सि. योगः २९।१६ या.। प्रदोषः । e मकरे बुधः ४।७।
भ. ४९।२३ उ. । मीनेर्कः ५१।३३ । d होलिकादहनम् । e
भ. १७।४० या. । सौर चैत्रारम्भः । व्रतस्नानदानांदो १५ ।d

फाल्गुन शु. २ शुके इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	११	९	४	९	११	११	५
१७	१७	२४	५	१९	१५	२६	२६
५६	९	१	१५	४	४८	४८	४८
३८	१७	१२	३७	४८	४८	४१	४१
६०	४७	४२ ५२	३५	७१	६	३	३
१६	३७	व	१	२२	१	११	११

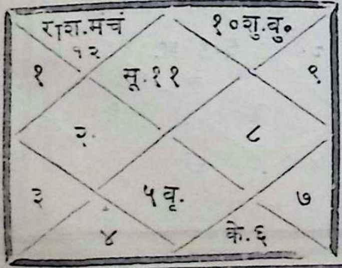

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.	२ शु.	३ श.	४ र.	५ चं.	६ मं.	७ बु.	८ बृ.	९ शु.	१० श.	११ र.	१२ चं.	१३ मं.	१४ बु.	ति.	१५ बृ.
कुं. अ.	७ ४	७ ०	६ ५६	६ ५२	६ ४८	६ ४४	६ ४०	६ ३६	६ ३२	६ २८	६ २४	६ २०	६ १६	६ १२	मी.	७ ३६
मी.अं.	८ ३२	८ २८	८ २४	८ २०	८ १६	८ १२	८ ८	८ ४	८ ०	७ ५६	७ ५२	७ ४८	७ ४४	७ ४०	मे.	९ १४
मे. अं.	१० १०	१० ६	१० २	९ ५८	९ ५४	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३८	९ ३४	९ ३०	९ २६	९ २२	९ १८	वृ.	११ १०
वृ. अं.	१२ ६	१२ २	११ ५८	११ ५४	११ ५०	११ ४६	११ ४२	११ ३८	११ ३४	११ ३०	११ २६	११ २२	११ १८	११ १४	मि.	१ २
मि.अं.	२ २०	२ १६	२ १२	२ ८	२ ४	२ ०	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४४	१ ४०	१ ३६	१ ३२	१ २८	क.	३ ४३
क. अं.	४ ३[illegible]	४ ३५	४ ३१	४ २७	४ २३	४ १९	४ १५	४ ११	४ ७	४ ३	३ ५९	३ ५५	३ ५१	३ ४७	सि.	५ ५८
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
सिं.अं.	६ ५४	६ ५०	६ ४६	६ ४२	६ ३८	६ ३४	६ ३०	६ २६	६ २२	६ १८	६ १४	६ १०	६ ६	६ २	कं.	८ १२
कं. अं.	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५२	८ ४८	८ ४४	८ ४०	८ ३६	८ ३२	८ २८	८ २४	८ २०	८ १६	तु.	१० २९
तु. अं.	११ २५	११ २१	११ १७	११ १३	११ ९	११ ५	११ १	१० ५७	१० ५३	१० ४९	१० ४५	१० ४१	१० ३७	१० ३३	वृ.	१२ ४६
वृ. अं.	१ ४२	१ ३८	१ ३४	१ ३०	१ २६	१ २२	१ १८	१ १४	१ १०	१ ६	१ २	१२ ५८	१२ ५४	१२ ५०	ध.	२ ५१
ध. अं.	३ ४७	३ ४३	३ ३९	३ ३५	३ ३१	३ २७	३ २३	३ १९	३ १५	३ ११	३ ७	३ ३	२ ५९	२ ५५	म.	४ ३६
म. अं.	५ ३२	५ २[illegible]	५ २४	५ २०	५ १६	५ १२	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५६	४ ५२	४ ४८	४ ४४	४ ४०	कुं.	६ ८

फाल्गुन शुके. ९ शुके. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	११	९	४	९	११	११	५
२४	२[illegible]	२७	४	२८	१६	२६	२६
५७	१२	४६	८	०	४८	२६	२६
४०	२५	१७	२	५	१५	८	८
७	४७	५२	७६	७२	७	३	३
१८	५६	मा.	१	९	४८	११	११

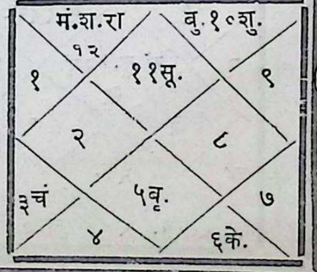

Nepal Sanskrit University, Valmeeki Campus, Kathmandu

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	त्रं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२९	४१	१	शु.	४१	४२	उ.	२५	२०	गं.	३२	२९	वा.	१३	५०	कौ.	४१	४२	शुभ	१५	१५	२				६	४	५	५६	११	१	५७	५	५९	४७
२९	४४	२	श.	३६	४२	ह.	२२	१८	वृ.	२५	३८	तै.	९	१२	ग.	३६	४२	मृत्यु	१६	१६	३	तु.	५०	३०	६	३	५	५७	११	२	५६	२२	५९	४५
२९	४८	३	र.	३१	११	चि.	१८	४२	ध्रु	१८	१७	व.	३	५६	वि.	३१/५८	११/१५	पद्म	१७	१७	४				६	२	५	५८	११	३	५६	३७	५९	४२
२९	५१	४	चं.	२५	१९	स्वा	१४	४४	व्या	१०	४२	वा.	२५	९९	कौ.	५२	१९	छत्र	१८	१८	५	वृ.	५६	३६	६	२	५	५८	११	४	५६	१९	५९	४०
२९	५६	५	मं.	१९	१८	वि.	१०	३३	ह.	२/५२	५५/१६	तै.	१९	१८	ग.	४६	२०	श्रीवत्स	१९	१९	६				६	१	५	५९	११	५	५५	५९	५९	३७
२९	५९	६	बु.	१३	२२	ऽनु.	६	२८	सि.	४७	३६	व.	१३	२२	वि.	४०	३२	सौम्य	२०	२०	७				६	०	६	०	११	६	५५	३६	५९	३६
३०	३	७	वृ.	७	४३	ज्ये.	२/५६	३६/३५	व्य.	३९	२१	वव	७	४३	वा.	३५	८	काल	२१	२१	८	ध.	२	३६	५	५९	६	१	११	७	५५	१२	५९	३३
३०	७	८	शु.	२/५५	३३/३०	पू.	५६	२४	व.	३३	३३	कौ.	२	३३	तै.	०/५८	१८/३	वर्धमा.	२२	२२	९				५	६९	६	१	११	८	५४	४५	५९	३१
३०	१०	१०	श.	५४	२१	उ.	५४	३१	प.	२७	२८	व.	२६	१२	वि.	५४	२१	रक्ष	२३	२३	१०	म.	१०	५६	५	५८	६	२	११	९	५४	१६	५९	३०
३०	१४	११	र.	५१	४०	श्र.	५३	२६	शि.	२२	३	वव	२३	०	वा.	५१	४०	गद	२४	२४	११				५	५७	६	३	११	१०	५३	४२	५९	३४
३०	१८	१२	चं.	५०	७	ध.	५३	३८	सि.	१७	३०	कौ.	२०	५३	तै.	५०	७	शुभ	२५	२५	१२	कुं.	२३	३२	५	५६	६	४	११	११	५३	१२	५९	३१
३०	२२	१३	मं.	४९	४७	श.	५५	०	सा.	१३	५२	ग.	१९	५७	व.	४९	४७	अमृत	२६	२६	१३				५	५६	६	४	११	१२	५२	३०	५९	२९
३०	२५	१४	बु.	५०	५०	पू.	५७	३९	शु.	११	६	वि.	२०	१८	श.	५०	५०	पद्म	२७	२७	१४	मी.	४१	५९	५	५५	६	५	११	१३	५१	३९	५९	२९
३०	२८	३०	बृ.	५३	१०	उ.	६०	०	शू.	९	३८	च.	२२	०	ना.	५३	१०	छत्र	२८	२८	१५				५	५४	६	६	११	१४	५०	४८	५९	२८

श्री शुभ संवत् २०२४ शके १८८९ चैत्र कृष्णपक्षः ।
मार्च १५ से २८ तक। सौम्यायनम्। याम्यगोलः।वसन्तऋतुः।

दक्षिण पूर्वी यात्रा मु. २५।२० उ.। होली । वसन्तोत्सवः । a
दक्षिण यात्रा मु. २२।१८ या. । a श्वपचस्पर्श ।
भ. ३।५६ उ. ३१।११या. ।उत्तराभाद्रपदायामर्कः ९।१२ । b
मेषे भौमः ९।४४। b स्वाती योगे या. ज. मु.। गणेश ४।
शते बुधः २२।११ । d प्रतीच्यां यात्रा मु.।
भ. १३।२२ उ. ४०।३२ या.। स. सि. अ. सि. योगः। d
शीतलाष्टमी ।
c २३।३२ उ.। पू.भा. भे शुक्रः ५८।२४ ।
भ. २६।१२ उ. ५४।२१ या.। स. सि. योगः ५४।३१ उ.।
पाप मोचिनी ११ प्रायः सर्वेषाम् । प्राच्यां यात्रा मु.।
दक्षिण पूर्वो यात्रा मु. ५३।३२ या. । पञ्चकारम्भः e
भ. ४९।४७ उ. । प्रदोष व्रतम् । वारुणी पर्व । पू भा भे g
भ. २०।१८ या. । मास । शिवरात्रिव्रवत् ।
या. ज. मु.। g बुधः७।४५ । बुधास्तः पूर्वस्याम् ३४।११

चैत्र कृ. ४ चन्द्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	११	१०	४	१०	११	११	५
४	२९	८	३	१०	१८	२५	२५
५६	४२	०	६	२४	६	५४	५४
१९	१७	२५	१५	१५	२५	२०	२०
५९	४१	६५	२ ७/९	७१	७	३	३
४२	५६	५८	व.	३५	४२	११	११

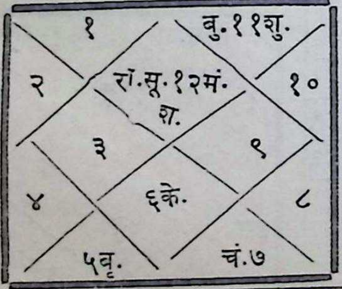

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.		२ श		३ र.		४ चं.		५ मं.		६ बु.		७ बृ.		८ शु.		१० श.		११ र.		१२ चं.		१३ मं.		१४ बु.		३० बृ.	
मी. अं.	७	३२	७	२८	७	२४	७	२०	७	१६	७	१२	७	९	७	५	७	१	६	५७	६	५३	६	४९	६	४६	६	४२
मे. अं.	९	१०	९	६	९	२	८	५८	८	५४	८	५०	८	४७	८	४३	८	३९	८	३५	८	३१	८	२७	८	२४	८	२०
वृ. अं.	११	६	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	२०	१०	१६
मि. अ.	१	२०	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५७	१२	५३	१२	४९	१२	४५	१२	४१	१२	३७	१२	३४	१२	३०
क. अं.	३	३९	३	३५	३	३१	३	२७	३	२३	३	१९	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५६	२	५३	२	२९
सिं. अं.	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८	५	३४	५	३१	५	३७	५	२३	५	१९	५	१५	५	११	५	८	५	४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कं. अं.	८	८	८	४	८	०	७	५६	७	५२	७	४८	७	४५	७	४१	७	३७	७	३३	७	२९	७	२५	७	२२	७	१८
तु. अं.	१०	२५	१०	२१	१०	१७	१०	१३	१०	९	१०	५	१०	२	९	५८	९	५४	९	५०	९	४६	९	४२	९	३९	९	३५
वृ. अं.	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२६	१२	२२	१२	१९	१२	१५	१२	११	१२	७	१२	३	११	५९	११	५६	११	५२
ध. अं.	२	४७	२	४३	२	३९	२	३५	२	३१	२	२७	२	२४	२	२०	२	१६	२	१२	२	८	२	४	२	१	१	५७
म. अं.	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०	४	१६	४	१२	४	९	४	५	४	१	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५	३	४१
कुं. अं.	६	४	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४१	५	३७	५	३३	५	२९	५	२५	५	२१	५	१८	५	१४

चैत्र कृ. ३० गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	०	१०	४	१०	११	११	५
१४	७	१२	२	२२	१९	२५	२५
५०	०	४८	१२	४८	२४	२३	२३
४८	१५	१७	२५	१७	३५	३२	३२
५९	४२	८३	६/५	७१	४ ७/८	३	३
८	५८	५६	व.	३५	व.	११	११

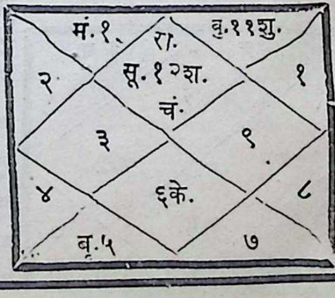

विवाहे पञ्चशलाकाचक्रम्

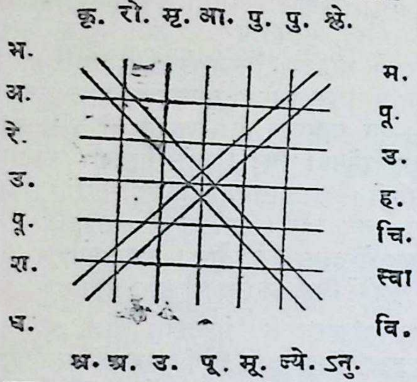
कृ. रो. मृ. आ. पु. पु. श्ले.
भ.
अ.
रे.
उ.
पू.
श.
ध.
म.
पू.
उ.
ह.
चि.
स्वा
वि.
अ. श्र. उ. पू. मू. ज्ये. ऽनु.

राजा शुक्रः

श्रीगणेशाय नमः

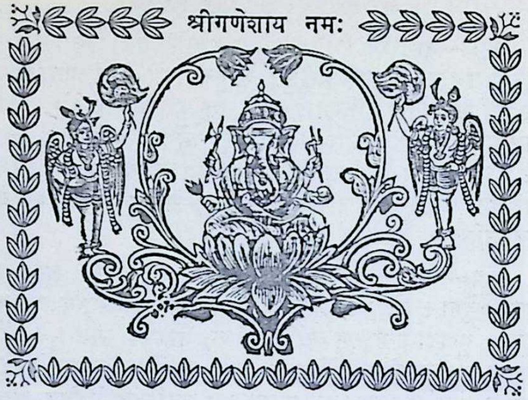

मन्त्री शनिः

अन्येषु सप्तशलाकाचक्रम्

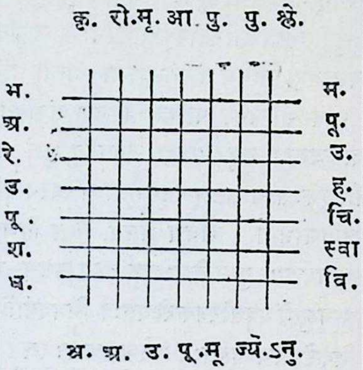
कृ. रो.मृ. आ पु. पु. श्ले.
भ.
अ.
रे.
उ.
पू.
श.
ध.
म.
पू.
उ.
ह.
चि.
स्वा
वि.
अ. श्र. उ. पू.मू ज्ये.ऽनु.

श्री संवत् २०२५, शकः १८९०, हिजरी सन् १३८७-८८, फसली सन् १३७५-७६, ईस्वी सन् १९६८-६९ ।
'दुर्मति' नाम संवत्सरः ।

विशोत्तरी मतेन आयव्यय चक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
११	५	११	५	८	११	५	११	८	२	२	८
५	१४	११	८	५	११	१४	५	११	१४	१४	११

अष्टोत्तरी मतेन आयव्यय चक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
२	११	१४	८	११	१	११	२	५	२	२	५
८	१४	११	११	५	११	१४	८	१४	८	८	१४

देखने की रीति

आयव्ययौ समौ कृत्वा एक हीनं तु कारयेत्।
अष्टभिस्तु हरेद्भागं शेषाङ्के फलमादिशेत्॥
१ लाभं, २ सौख्यं तथा ३ क्लेशं ४ रोगं ५ लोकापवादकम्।
६ सम्मानं ७ विजयं ८ हानिः कथितं पूर्व सूरिभिः ॥

प्रधान वितरक—श्री गंगा पुस्तकालय,
गायघाट, बनारस ।

श्री काश्याम्

शुद्धमकरन्दीय दशवर्षीय पञ्चाङ्गम्

श्री

गंगा

काशी

पञ्चाङ्गम्

सम्पादक—पं० चन्द्रशेखर पाठक ज्यौतिषाचार्य, ज्योतिषरत्न
सी. के. ६४/७० हीरापुरा, वाराणसी ।

समय-शुद्धिः

गुरु—भाद्र. कृष्ण १३ बुधे पश्चिमास्तः ।
आश्विन कृष्ण ३० रवौ पूर्वोदयः ।

शुक्र—ज्येष्ट कृष्ण ११ बुधे पूर्वास्तः ।
श्रावणकृष्ण १३ भौमे पश्चिमोदयः ।

शनि—यावदब्दं मीन राशौ मासद्वयं मेषराशौ ।

राहु—यावदब्दं मीन राशौ ।

केतु—यावदब्दं कन्याराशौ ।

प्रकाशक व मुद्रक—पं० पृथ्वीनाथ भार्गव,
भार्गव भूषण प्रेस, गायघांट, वाराणसी ।

वर्ष-फल

श्री संवत् २०२५ शाके १८९०

अस्मिन् वर्षे राजा शुक्रः तस्य फलम्—शुक्रस्य राज्ये बहुसस्य संकुला सुतीव्रवेगा सरितोम्बुराशिभिः। फलन्ति रक्षा बहु गो प्रसूतिः वसुन्धरा पार्थिव सौख्य शुक्ला। मन्त्री शनिः तस्य फलम्—रविसुते यदि मन्त्रिणि पार्थिवे विनय संरहिता बहु दुःखदा। न जलदा जलदा बहु पापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचिद्। जलमन्त्री शुक्रः तस्य फलम्—भृगुसुतो जलदस्य पतिर्यदा जलमुचो जलदा अतिशोभना। द्रविण धान्य युता द्विजपालका नृपतयोः जनतासुखदायकाः। दुर्गाधीशः शुक्रः तस्य फलम्—नगप देश विशेष-पतिर्यदा भृगुसुतो बहुसौख्यकरो यतः। विनयवाणिज गेहसमं सुखं नगवनं निकटेऽपिच दूरतः। धनेशः चन्द्रः तस्य फलम्—धनपति-मृगलाञ्छनको यदा रसचयाः क्रयविक्रयतो धनम्। वसन शालि सुगन्ध रजो बहु द्रविण तैल घृतं नृपसौख्यदम्। रसेश गुरुः तस्य फलम्। यदि गुरूः रसपो जनसौख्यदः कमलवन्ति सरांसि तृणानिच। जनपदा द्विजपूजन तत्पराः गज सुवाजि रथोष्ट्र युता नृपाः। धान्यपतिः रविः तस्य फलम्—पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदानहि। विग्रहो भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वरपीड़नम्॥

इस वर्ष राष्ट्रपति शुक्र, प्रधान मन्त्री शनि है। सिंचाई राष्ट्ररक्षा का भार राष्ट्रपति शुक्र ने स्वयं सम्हाला है। अर्थमन्त्री चन्द्र, रस मन्त्री गुरु खाद्यमन्त्री रवि है। ये शेष मन्त्री है। इस प्रकार के अधिकार विभाजन में कोई विशेष गड़बड़ी न होगी। भारतीय राष्ट्र-रक्षा तथा विदेश नीति पूर्णतः शुद्ध नीतिपूर्ण होगी। परन्तु आपसी बातें हवाई होंगी। वृष्टि अच्छी होगी। रस तथा धान्य की उत्पत्ति भी श्रेष्ठ होगी। कमर पैर के रोग वहुत होंगे। जनता में आंतक से क्षेम आयेगा। धन-धान्य की स्थिति ठीक रहेगी। वर्षा अच्छी होगी। अनाज अच्छा उत्पन्न होगा। गेहूँ, रुई, लालरंग, घी तेज होगा; प्रजा सुखी रहेगी। विग्रह होगा। कहीं युद्ध सम्भव है पशु तथा धान्य का नाश होगा। धातुयें सस्ती होंगी।

वार्षिक राशि-फल

श्री सं० २०२५ शके १८९०

मेष—साधारण है। रोग से मुक्ति मिलेगी। सफलता होगी, शुभ काम होगा। वर्षान्त में पुनः वायु रोग या शिरोव्यथा होगी। पूरे वर्ष भर व्यय अधिक होगा। शत्रु पराजित होंगे। नेत्रों से सावधान। श्रावण, वैशाख, अगहन बुरे रहेंगे। भाद्रपद में सन्तान को कष्ट होगा। आषाढ़, माघ में श्रम अधिक करना पड़ेगा। आश्विन, फाल्गुन में लाभ, हर्ष रहेगा; भाद्रपद में अधिक व्यय होता रहेगा।

वृष—वर्ष साधारण है। असफलता रहेगी। लाभ हर्ष, होता रहेगा। विवाद, झगड़ा, उदर-विकार, सन्तान को कष्ट होगा। पुखराज धारण करें। ज्येष्ठ, भाद्रपद, पौष बुरे रहेंगे। श्रावण, फाल्गुन में कार्याधिक्य रहेगा; कार्तिक, चैत्र अच्छे रहेंगे। वैशाख में अधिक व्यय करना पड़ेगा। आश्विन में चिढ़, सन्तान को कष्ट होगा।

मिथुन—वर्ष साधारण है। भाइयों को कष्ट होगा; कार्याधिक्य होते हुये भी आलस्य करेंगे। व्यापार उन्नति पर रहेगा। माता-पिता को कष्ट होगा। आषाढ़, आश्विन, माघ बुरे रहेंगे। ज्येष्ठ में अधिक व्यय होगा। भाद्रपद, चैत्र में कार्य-व्यस्त रहेंगे। कार्तिक में सन्तान को कष्ट होगा। मार्गशीर्ष, वैशाख, श्रेष्ठ होंगे।

कर्क—वर्ष अच्छा है। शुभ-काम होगा। सफलता, लाभ, हर्ष रहेगा। धर्म से अरुचि रहेगी। अध्यात्म से दूर रहेंगे। व्यापार में उन्नति रहेगी। मातृ-वर्ग कष्ट में रहेगा। श्रावण, कार्तिक, फाल्गुन, बुरे रहेंगे। आश्विन, वैशाख में कार्य-व्यस्त रहेंगे। पौष, ज्येष्ठ में लाभ-हर्ष रहेगा। आषाढ़ में व्यय होगा। मार्गशीर्ष में चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट होगा।

सिंह—वर्ष अच्छा नहीं। असफलता रोग, दुर्बलता, वायु-विकार, चर्मरोग, लीवर की गड़बड़ी रहेगी। लम्बी यात्रायें भी सम्भव है। भाद्रपद, मार्गशीर्ष, चैत्र बुरे रहेंगे। श्रावण में व्यय होगा। आषाढ़, माघ में लाभ, हर्ष रहेगा। पौष में चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट होगा। कार्तिक, ज्येष्ठ में कार्य-व्यस्त रहेंगे।

कन्या—वर्ष अच्छा नहीं। यात्रा, अशान्ति, स्त्री को कष्ट, व्यय की अधिकता रहेगी। गुप्तांग या कमर के रोग अधिक रहेंगे। प्रेतबाधा भी सम्भव है। लहसुनिया धारण कीजिये। आश्विन, पौष, वैशाख बुरे रहेंगे। भाद्रपद में अधिक व्यय होगा। माघ में चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट होगा। आषाढ़, मार्गशीर्ष में कार्य-व्यस्त रहेंगे। फाल्गुन, श्रावण में लाभ हर्ष रहेगा।

तुला—वर्ष अच्छा है। लाभ, हर्ष, सफलता, उन्नति, शुभ-काम होगा। शत्रु पराजित न होंगें। व्यय भी अनायास अधिक होगा। कार्तिक ज्येष्ठ, माघ बुरे रहेंगे। पौष, श्रावण में कार्य-व्यस्त रहेंगे। भाद्रपद, चैत्र अच्छे रहेंगे। आश्विन में व्यय होगा। फाल्गुन में चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट होगा।

वृश्चिक—वर्ष साधारण है। व्यापार में वृद्धि होते हुए भी लाभ साधारण रहेगा। चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट होगा। बुद्धि अस्थिर रहेगी। अनायास लाभ हो जाया करेगा। आषाढ़, अगहन, फाल्गुन बुरे रहेंगे। कार्तिक में अधिक व्यय होगा, वैशाख, आश्विन में लाभ, हर्ष रहेगा। माघ, भाद्रपद में कार्य-व्यस्त रहेंगे। चैत्र में चिढ़, सन्तान को कष्ट होगा।

धनु—वर्ष साधारण है। सफलता, लाभ, हर्ष रहेगा; विवाद-व्यथा, कष्ट, चिढ़, हानि रहेगी। माता-पिता को कष्ट, यात्रा होगी। गोमेद, लहसुनिया धारण करें। मार्गशीर्ष में अधिक व्यय होगा। श्रावण, पौष, चैत्र बुरे रहेंगे। कार्तिक, ज्येष्ठ में लाभ हर्ष, सफलता रहेगी। आश्विन, फाल्गुन में कार्य-व्यस्त रहेंगे। वैशाख में चिढ़-चिन्ता, सन्तान को कष्ट रहेगा।

मकर—वर्ष अच्छा नहीं। श्रम, लाभ, व्यापार में उन्नति रहेगी; परन्तु कष्ट, चिढ़, उदर-विकार, असफलता रहेगी। भातृ-वर्ग कष्ट में रहेगा। माघ, वैशाख, भाद्रपद बुरे रहेंगे। पौष में अधिक व्यय होगा। चैत्र कार्तिक में कार्य-व्यस्त रहेंगे। आषाढ़, मार्गशीर्ष में लाभ, हर्ष रहेगा; ज्येष्ठ में चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट होगा।

कुम्भ—वर्ष साधारण अच्छा है। लाभ, हर्ष, सफलता, शुभ, लाभ होगा; परिवार में अशान्ति, धन-हानि रहेगी। कोई रोग लगा रहेगा। अनेक आपत्तियाँ रहेंगी। ज्येष्ठ, आश्विन, फाल्गुन बुरे रहेंगे। माघ में अधिक व्यय होगा। श्रावण, पौष में लाभ-हर्ष रहेगा। आषाढ़ में चिढ़, सन्तान को कष्ट होगा। वैशाख, अगहन में कार्य-व्यस्त रहेंगे।

मीन—वर्ष अच्छा नहीं। असफलता, चिढ़, चिन्ता, वायु-रोग, लीवर की गड़बड़ी, स्त्री को कष्ट होगा। लम्बी यात्रायें या स्थान परिवर्तन करना पड़ेगा। मन भ्रमित रहेगा। भाद्रपद, माघ अच्छे रहेंगे। पौष, ज्येष्ठ में कार्य-व्यस्त रहेंगे। फाल्गुन में अधिक व्यय होगा। आषाढ़, कार्तिक, चैत्र बुरे रहेंगे। श्रावण में चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट होगा।

संवत् २०२५ शके १९९० मध्ये

ग्रहणम्

(१) चैत्र शुक्ल १५ रवौ चन्द्रग्रहणम्
१३ अप्रैल १९६८ ई०

(२) आश्विन कृष्ण ३० रवौ सूर्यग्रहणम्
२२ सितम्बर १९६८ ई०

(३) आश्विन शुक्ल १५ रवौ चन्द्रग्रहणम्
६ अक्टूबर १९६८ ई०

(४) चैत्र कृष्ण ३० भौमे सूर्यग्रहणम् ।
१८ मार्च १९६८

वर्ष प्रवेश लग्नम्

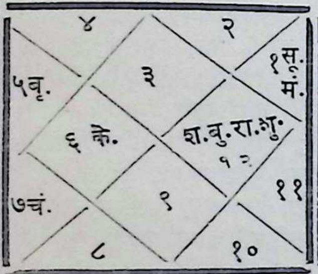

आर्द्रा प्रवेश लग्नम्

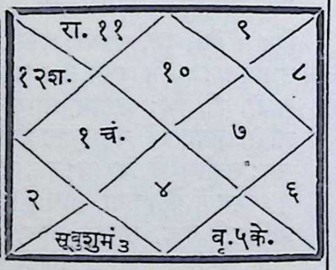

सं० २०२५ विवाह मुहूर्ताः

वैशाख	कृष्ण	१	रवौ स्वातीभे दिवालग्नं गोधूलिर्वा ।
,,	,,	३	चन्द्रे अनु. भे लग्नं विचार्यम् ।
,,	,,	४	भौमे अनु. भे दिवालग्नम् ।
,,	,,	५	वुधे मूल भे लग्नं विचार्यम् ।
,,	,,	६	गुरौ मूल भे दिवा ल. ।
वैशाख	कृष्ण	७	शुक्रे उ. षा. भे ल. चि. ।
,,	,,	८	शनौ उ. षा. भे दिवा. लग्नम् ।
,,	,,	१२	वुधे उ. भा भे ल. चि. ।
,,	,,	१३	गुरौ उ. भा. रेवत्यां ल. चि. ।
,,	शुक्ल	२	चन्द्रे रोहिणी भे ल. चि. ।
,,	,,	३	भौमे रोहिणी मृगभे ल. चि. ।
,,	,,	८	चन्द्रे मघाभे ल. चि. ।
,,	,,	९	भौमे मघा भे दिवा ल. चि. ।
,,	,,	११	वुधे उ. भा. ल. चि. ।
,,	,,	१४	शनौ स्वातीभे ।
,,	,,	१५	रवौ अनु. भे कालोऽल्पीयान् ।
ज्येष्ठ	कृष्ण	१	चन्द्रे अनु. भे ल. चि. ।
,,	,,	२	भौमे मूल भे ल. चि. ।
,,	,,		अतोऽग्रे शुक्रास्तादि दोषः ।
मार्गशीर्ष	कृष्ण	११	शनौ उ. फा. हस्त भे ल. चि. ।
,,	,,	१२	रवौ हस्तभे दिवा लग्न चि. ।
,,	,,	१३	चन्द्रे स्वाती भे ल. चि. ।
,,	शुक्ल	२	शुक्रे मूलभे ल. चि. ।
,,	,,	५	रवौ उ षा. भे ल. चि. ।
,,	,,	९	गुरौ उ. भा. भे ।
,,	,,	१०	शुक्रे उ. भा रे. भे ल. चि. ।
,,	,,	११	शनौ रेवती भद्रान्ते ल. चि. ।
,,	,,	१५	बुधे रोहिणीभे ल. चि. ।
पौष	कृष्ण	१	गुरौ रोहिणी मृगभे ल. चि. ।
,,	,,	२	शुक्रे मृगभे ल. चि. दिवा लग्नम् ।
,,	,,	५	भौमे मघाभे ल. चि. ।
,,	,,	६	वुधे मघाभे ल. चि. ।
,,	,,	७	गुरौ उ. फा. भे ल. चि. ।
,,	,,	८	शुक्रे उ. फा. हस्तभे ल. चि. ।
माघ	कृष्ण	१२	वुध मूलभे ल. चि. ।
,,	,,	१३	गुरौ मूलभे ल. चि. ।
,,	शुक्ल	५	वुधे उ. भा. भे ल. चि. ।
,,	,,	६	गुरौ उ. भा. रेवतीभे ल. चि. ।
,,	,,	७	शुक्रे रेवती ल. चि. दिवा. ।
,,	,,	१०	चन्द्रे रोहिणीभे ल. चि. ।
,,	,,	१०	भौ रोहिणी मृगभे ल. चि. ।
,,	,,	११	वुधे मृगभे ल. चि. ।
फाल्गुन	कृष्ण	१	चन्द्रे मघाभे ल. चि. ।
,,	,,	२	भौमे मघा भे दिवा. ल. चि. ।
,,	,,	३	बुधे उ. फा. ल. चि. ल. चि. ।
,,	,,	४	गुरौ उ. फा. हस्तभे ल. चि. ।
,,	,,	५	शुक्रे हस्तभे दिवा. ल. चि. ।
,,	,,	६	शनौ स्वातीभे ल. चि. भद्रां विहाय ।
,,	,,	७	रवौ स्वातीभे दिवालग्नम् ।
,,	,,	८	चन्द्रे अनु. भे ल. चि. ।
,,	,,	९	भौमे अनु. भे दिवा. लग्नम् ।
,,	,,	१०	बुधे मूलभे ल. चि. सं.दोषः ।
,,	,,	११	गुरौ मूलभे कालोऽल्पीयान् ।
,,	,,	१२	शुक्रे उ. षा. भे. ल. चि. ।
,,	शुक्ल	२	भौम उ. षा. ल. चि. ।
,,	,,	३	बुधे उ. भा. रेवतीभे ल. चि. ।
,,	,,	४	गुरौ रेवतीभे ल. चि. भद्रां विहाय ।
,,	,,	८	चन्द्रे रोहिणीभे ल. चि. ।
,,	,,	९	भौमे रोहिणी मृगभे ल. चि. ।
,,	,,	१०	वुधे मृगभे ल. चि. कालोऽल्पीयान् ।
,,	,,	१३	रवौ मघाभे ल. चि. ।
,,	,,	१४	चन्द्रे मघाभे ल. चि. भद्रां विहाय ।
,,	शुक्ल	१५	भौ उ. फा. भे ल. चि. ।
चैत्र	कृष्ण	१	बुधे उ. फा. हस्ते भे ।
,,	,,	२	गुरौ हस्तभे भद्राप्राक् ।
,,	,,	३	शुक्रे स्वातीभे ल. चि. ।
,,	,,	४	शनौ स्वातीभे ल. चि. ।
,,	,,	६	रवौ अनु. ल. चि. ।
,,	,,	७	चन्द्रे अनु. ल. चि. ।
,,	,,	८	भौमे मूलभे ल. चि. ।
,,	,,	९	वुधे मूलभे दिवा. ल. चि. ।
,,	,,	१०	गुरौ उ. भा. भे ल. चि. ।

मासिक भविष्यवाणी संवत् २०२५

चैत्र शुक्लपक्ष

सुदी २ से १४ दिन में चावल, कमलगट्टा, धान, सिघाड़ा, मोती, रत्न, फल, नमक, सुगन्ध, मूँगे, चावल, लहसुन, लाल चपड़ा, सज्जी, तीसी, सरसों, रेंड़ी, मूँगफली तेज ; सुदी ५ से १० दिन में चाँदी, रुई, सोना तेज; वायु की तीव्रता वर्षा की सम्भावना; सुदी ८ से १० दिन में ब्राह्मणों को कष्ट, रुई, धान्य तेज; देश को पीड़ा; सुदी १० से १० दिन में चावल, मोती, शक्कर, हल्दी, कपूर, फलमूल तेज; सुदी १३ से १० दिन में केसर, कस्तूरी, मजीठ, कुसुम्ब, रक्त पदार्थ, अफीम तेज; सुदी १३ से १५ दिन में सौना चाँदी रूई घटवढ़ कर तेज धान्य, घी मन्दा, राजपूताने में वृष्टि, सुदी १५ से १ मास में रुई, ईख, तिल, तेल, चाँदी, सोना गुड़, खाँड़ तेज उसी दिन से १४ दिन में सर्वधान्य सर्वरस सर्वधातु सोना, चाँदी आदि तीसी, रेंड़ी, तिल, मेथी, लाल चन्दन, इलायची, लौंग, सोपारी नारियल, कपूर, हींग तेल तेज होगा।

४. ५. ६. ११. १२. १३. अप्रैल को वादल वृष्टियोग है।

वैशाख

वदी ६ से १० दिन में रुई कपास, चन्दन, जवाहरात, कपूर, चन्दन मंदा; वदी ८से १० दिन में चौपाये, मोती, जवाहरात तेज; चना, गेहूँ, गुड़, पत्थर, तीसी, तेंज, रुई मंदी; वदी ९ से २ मास में रुई शेयर सरसों, रेंड़ी, विनौला, मूँगफली मंदी; गुड़, खाँड़, लोहा, जस्ता, सीसा, मूँग, सज्जी, लहसुन, चावल, रंग तेज; वदी ११ से १० दिन में देश में मन्दी की सम्भावना; तपस्वियों को पीड़ा, सूत कपड़ा, रुई, तिल तेल, घी, गेहूँ, राई, रेंड़ी, चावल, मसूर, मोंठ, तेज; सुदी १ से १४ दिन में सोना, चाँदी चावल, हल्दी, मिर्च, गुड़, घी, मोंठ, तूवर, तीसी, घी, पिप्पली, ताँबा, पारा, सीसा, अफीम धातुएँ तेज; सुदी २ से २० दिन में सर्वधान्य रुई, चाँदी, तेज; तीसी ऊन मंदा; उसी दिन से १२ दिन में तिल, यव, उड़द, तीसी, चना, सोंठ, रस, धातु, ऊन मंदा; सुदी ३ से ४५ दिन में धान्य, केसर, कपास, कपड़ा, सोना, रुई तेज; सुदी २ से २० दिन में संसार में कलह, युद्ध, रुई मंदी होकर तेज; अफीम तेज; सुदी ११ से ८ दिन में किरात, यवनों को पीड़ा चाँदी, अफीम, रक्तपदार्थ तीसी, उड़, मूँग, घी तेल, तिल, नारियल मंदा; चना, मोठ, में घटबढ़; सुदी १४ से १४ दिन में रुई, सूत, चाँदी, घी, हींग, खजूर, कपास, तिल तेल, रेंड़ी, यव, चावल, गेहूँ, मूँग, सरसों तेज होगा। सुदी १४ से १० दिन में चाँदी, रुई, धोन, कपड़ामंदा होगा।

१७-१८-१९, २४-२५-२६ अप्रैल १-२-३, ८-९-१० मई को साधारण बादल-वृष्टि योग है।

ज्येष्ठ

वदी २ से १ मास में स्वर्ण धान्य, अफीम, कपड़ा, शस्त्र, तेज, रुई, चाँदी, मन्दी, वदी ३ से २० दिन में वृक्षों चौपायों का नाश, कपास, सूत, शेयर, रुई, सन, पाट, रेशम, गुड़, खाँड़, छुहारा, हींग, मिर्च, राई, सरसों, तेल, तेज; वदी १० से २० दिन में धान, चावल, अफीम, तेज; शेयर चाँदी, रुई, मंदी; वदी ११ से ८ दिन में सोना, चाँदी, रुई में विशेष घटबढ़ होगी। ताँबा, पीतल जस्ता, हींग, पाट, शेयर तेज; चौपायों को कष्ट, वृष्टि की संभावना प्रजा को कष्ट; वदी १२ से १० दिन में वायु वृष्टि की सम्भावना, रुई, चाँदी, सोना मंदा; वदी ३ से १४ दिन में चावल, धान, तीसी, सरसों, मिर्च, सोपारी, हींग, तिल, खजूर, घी, रेंड़ी, राई, तेल, दाख, गुड़, खाँड़, रुई, सूत, सन, पाट, ऊन, तेज होगा। सुदी ३ से पातक वृद्धि-जनसंहार, अफीम तेज; चाँदी, सोना, दाख, खारक, तीसी, रेंड़ी, सरसों, घी तेल गुड़, खाँड़, सोपारी, ऊन मंदा; वदी ४ से कहीं वृष्टि बाढ़, गेहुँ, तिल, उड़द, मैदा; सुदी ५ से २० दिन में कपास, तिल, तेल तेज रुई मंदी होकर तेज; सदी १२ से १४ दिन में सोना, चाँदी, लोहा, पारा, राँगा, सीसा, जस्ता, कमलगट्टा, सिघाड़ा, चावल, मोती, नारियल, रुई, गुड़ की, सूत रेशम, उड़द, मूँग, मोठ, बाजरा, चन्दन, सुगन्ध, कराई तेज; वायु की तीव्रता चौपायों की हानि होगी। सुदी १५ से ईख, गुड़, रस, चाँदी, शेयर, तेल, तिल, रेंड़ी, बिनौला, मूँगफली, रुई तेज; तरकारी सस्ती होगी।

१४-१५-१६, २१-२२-२३, २८-२९-३० मई ४-५-६ जून को बादल वृष्टि योग है।

आषाढ़

वदी १ से ४५ दिन में दूध, दही, गुड़, खाँड़, रस, अनाज, अफीम, तीसी, ताँबा, कुसुम्ब, मजीठ, लाल वस्तुएँ तेज, वदी ४ से १ मास में कपास, कन्दमूल, तिल, धान्य, रुई, तेल, पीले रंग के पदार्थ घी, तेल, तेज; वदी ६ से २५दिन में वायु-वृष्टि की तीव्रता, कपास, सूत, कपड़ा, सन, पाट, मंदा; अफीम तेज; तीसी, घटबढ़, वदी १० से अति वृष्टि; वदी ११ से १४ दिन में वृष्टि, घी, गुड़, खाँड़, चावल, मणि, मोती, कराई, खरी, गेहूँ, सुरमा, कपूर, चन्दन, सुगन्ध, लाल वस्त्र, रुई हल्दी, सोंठ, लोहा, चाँदी तेज; तिल तथा भैंसों का नाश होगा। सुदी २ से १० दिन में चाँदी रुई, तेज; राजपूताने में वर्षा और भी बाजार तेज होगा। सुदी ६ से ३ महीने में सोना, चाँदी ताँबा, मोती, रुई, रत्न, पुखराज तेज होगा। यमुना तट पर उपद्रव, पूर्व देश में पीड़ा, नर्मदा के किनारे तिल, कपास, शक्कर, तेज; पूर्व पश्चिम में भय; सुदी ८ से चाँदी रुई तेज; तृण काष्ठ रुई, सोना, गेहूँ, जौ, चना, आनज तेज शेयर गुड़, बिनौला, कपूर, चन्दन, अगर-तगर, रेशम मंदा; सुदी १० से १४ दिन में उड़द, मूँग, मोठ, चावल, मसूर, नमक, ज्वार, तीसी, विनौला, सज्जी, लाख, चपड़ा, नील, तिल, रेंड़ी, मजीठ, कुसुम्ब, माजूफल, केशर, हरड़, कपास, कपूर, चन्दन, लवंग, नारियल, सफेद वस्तुएँ सोना, चाँदी तेज; सुदी १५ से २०दिन में वायु वृष्टि की अधिकता; रुई चाँदी मंदी; शेयर तीसी रेंड़ी, गुड़, खाँड़, शक्कर तेज, रुई का भाव तेज होगा। खंड-वृष्टि भी सम्भव है।

११-१२-१३ १७-१८-१९-२०, २५-२६-२७ जून २-३-४, ८-९-१० जुलाई को बादल वृष्टि योग है।

श्रावण

वदी १ से १० दिन में बादल वृष्टि बाढ़, गेहूँ, तिल, उड़द, कपास, नमक, रस तेज; वदी ७ से १ मास में अफीम मंदा; चाँदी, अनाज, चावल, तेज; वदी ९ से १४ दिन में तिल, तेल, गद्य, गुड़, ज्वार, गुगुल, सोपारी, सोंठ, मूँग, हींग, चावल, शक्कर, हींग, हल्दी, लाख, सन, पाट, चपड़ा, ऊनी वस्त्र, शीशा, सोना, चाँदी, तेज रुई तेज होकर मंदा; वदी ११ से ८ दिन में रुई, सूत मंदा; तथा वदी १३ से ८दिन में वर्षा, सूत, सन, पाट, वस्त्र, सोना, चाँदी, तिल, चवाल तेज; वदी १४ से १० दिन में चावल, मोंठ, चना, कराई, धान्य, रुई मंदा और अनाज तेज; सुदी १ से ४५ दिन में ईख, गुड़, शक्कर, अफीम, खाँड़, धान, रूई तेज; वर्षा की संभावना; ४० से ४५वें दिन तक चाँदी मंदी; सुदी ३ से ८दिन में चाँदी, रुई, तेज; अफीम, धान्य, घी मंदा; सुदी ४ से १० दिन में चाँदी, सोना, रुई, जवाहरात मंदा; सुदी ६ से २० दिन में चोर-भय; राजाओं में विरोध; रुई, सोना, चाँदी में घटबढ़; सुदी ८ से १४ दिन में गेहूँ, चना, तीसी, तिल, तेल, गुड़, बिनौला, चावल, प्रामिसरी नोट, उड़द, नील, अफीम, सोना, चाँदी, रस तेज होगा। सुदी ११ से २० दिन में सोना, लाल रंग तेज; चाँदी मंदी, रुई मंदी होकर तेज होगा।

१५-१६-१७, २२-२३-२४, २९-३०-३१ जुलाई ५-६ अगस्त को बादल वृष्टि योग है।

भाद्रपद

वदी ५ से २० दिन में दही, खट्टा पदार्थ, देवदारु, रुई, सोना, चाँदी, सूत, कपड़ा, रेलवे स्लीपर, तेज; शेयर, खाँड़, शक्कर, रस, कपूर मंदा। उसी दिन से २ मास में सोना, चाँदी, शेयर, गेहूँ, मूँग, ज्वार, चावल, घी, तेल, तीसी, सरसों, कपास, कपड़ा तेज; रुई में घटबढ़ पृथ्वी पर कष्ट; वदी ७ से १० दिन में गेहूँ, जौ,

बाजरा, ज्वार, चना मंदा ; वदी ८ से १ मास में ईख, गुड़, शक्कर, रक्त पदार्थ, रत्न, तिल, तेल, रुई, चाँदी, रेंड़ी, घी, तेज धान्य मंदा; उसी दिन से १५ दिन में ज्वार, रुई, मूग, रेंड़ी, तिल, दाख, मिर्चा तेज; वदी १० से २० दिन में वैश्यों को पीड़ा, राजपुताने में वर्षा; उड़द, तिल, तेल, रुई तेज अनाज मंदा; वदी १३ से २ मास में दुर्भिक्ष भय, धन-नाश, रुई, सोना, चाँदी, अनाज मंदा; उसी दिन से २० दिन में अल्प वृष्टि धान्य तेज अन्तिम चार दिनों में चाँदी २) ३) मंदी। वदी ३० से १० दिन में चाँदी, रुई, धान, कपड़ा मंदा चौपायों की मृत्यु; सुदी १ से ८ दिन में गेहूँ, जौ, बाजरा, कपास, मंदा चाँदी शायद तेज; सुदी ५ से २० दिन में खेतियों का नाश चावल, धान तेज; शाल-दुशाले विशेप तेज; रुईमंदी; वदी ६ से ८ दिन में वायु वृष्टि की अधिकता गेहूँ, जौ, चना तेज; चाँदी अवश्य मंदी; सुदी ७ से १४ दिन में चाँदी, सोना, सूत, गहना, कपड़ा, कपास, चावल, गेहूँ, सरसों, तिल, ज्वार, जीरा, घी, अफीम तेज; सुदी १२ से १० दिन में बादल की सम्भावना, अनाज मंदा; सुदी १४ से अवर्षण, धान, रुई, चावल, मंदा होगा।

११-१२-१३, १८-१९-२०, २५-२६-२७ अगस्त १-२-३ सितम्बर को बादल वृष्टि योग है।

आश्विन

वदी ४ से ४५ दिन में सोना, चाँदी, रूपा, ताँबा, गेहूँ, लाल रंग, तीसी, लाल मिर्चा तेज; उसी दिन से २० दिन में वर्षा, तिल, उड़दी, मूँग, अनाज तेज वदी ६ से १४ दिन में सोना, चाँदी, लोहा, तिल, घी, सरसों, रेंड़ी, सुपारी, ज्वार, बाजरा, उड़द, तीसी, मूँज, बाँस, नील, अफीम, रेशम, तेज चौपायों को पीड़ा; वदी ९ से १ मास में मजीठ, नारियल, तिल, तेल, घी, कपास तेज; चाँदी मंदी; वदी १० से १ साल में दुर्भिक्ष चौपायों की हानि; अनावृष्टि भयंकर युद्ध, राजाओं का नाश गुड़, घी, अनाज, तेज अकाल पड़ेगा। वदी १२ से २० दिन में वर्षा धान्य, रुई तेज; युद्ध होगा। चाँदी, तीसी, सरसों, रेंड़ी, बिनौला, मूँगफली मंदी; वदी १४ से २० दिन में विरोध बढ़ेगा चाँदी घटबढ़ कर मंदी, सोना, अफीम तेज; वदी ३० से २ मास में धान्य तेज सोना चाँदी तेज, राजाओं में विग्रह; सुदी ५ से १४ दिन में गेहूँ, ज्वार, जौ, गुड़, खाँड़, सन, पाट, कपास, हल्दी, घास, भूसा, लकड़ी, हर्रा, बहेर्रा, हींग, छार तेज; सुदी ७ से ९ दिन में वृष्टि, अनाज मंदा, रस तेज; सुदी १० से २० दिन में अल्प-वृष्टि खाँड़, गुड़, घी, तेल, रस, लाल मिर्चा तेज होगा। सुदी १२ से शेयर, चाँदी, रस, घी, कपूर, तिल, तेल, रेंड़ी, बिनौला, मूँगफली तेज; गेहूँ, जौ, चना, मंदा; सुदी १४ से १० दिन में रुई, चाँदी मंदी राजपूताना में वृष्टि होगी।

७-८-९, १५-१६-१७, २२-२३-२४, २८-२९-३० सितम्बर ५-६ अक्टूबर को बादल वृष्टि योग है।

कार्तिक

वदी २ से ८ दिन में वृष्टि होगी रुई मंदी; वदी ४ से १५ दिन में धान्य गेहूँ, चना, सूत, कपास, रुई, अरहर, सोना, चाँदी केशर, जवाहरात, गुड़, लाख, चपड़ा तेज; वदी ६ से २० दिन में वायु वर्षा की अधिकता होगी जौ, चना तेज; चाँदी, सोना, खाँड़ मंदा; वदी ८ से चाँदी, सरसों, घी, तीसी, चावल, तम्बाकू, घी तेज; लाख, चपड़ा, रुई चावल मंदा; वदी १० से १ मास में सोना, धान चावल, तीसी, गेहूँ, अनाज, आमला तेज; अफीम, रुई, सोना, चाँदी मंदी; वदी ११ से १० दिन में क्षत्रियों में उपद्रव वर्षा की न्यूनता; खाँड़, चावल, चाँदी मंदी; भूकम्प की सम्भावना; सुदी २ से २० दिन में जलवृष्टि में न्यूनता, गुड़, खाँड़ तेज; चौपायों को कष्ट; उत्पात होगा। सुदी ३ से १४ दिन में सोना, चाँदी, लोहा, पारा, राँगा, शीशा, गुड़, मिर्च, खाँड़, तेल, राई, हींग, कपूर, लाख, चपड़ा, बिनौला, केराना, धनिया तेजपात, हल्दी गुगुल, रुई, सन, पाट, लाख, चपड़ा तेज; सुदी ७ से चाँदी, सोना, रुई तेज; राजपूताने में वर्षा। सुदी ८ से १० दिन में अवर्षण धान्य तेज सोना, चाँदी, चावल, सरसों, तेल, हींग, मंदा, सुदी ९ से ४५ दिन में चंदन, रेशमी वस्त्र, लालमिर्च लाल वस्त्र लाल गेहूँ, तीसी, सरसों, गुड़, मजीठ, सोना, चाँदी, तेज थोड़ी वर्षा होगी।

१२-१३-१४ १९-२०-२१, २५-२६-२७ अक्टूबर १-२-३ नवम्बर को बादल वृष्टि योग है।

मार्गशीर्ष

वदी १ से १४ दिन में चाँदी, सोना, लोहा, राँगा, शीशा, जस्ता, नोट, तिल, चावल, रस, सूत, अफीम, सरसों, मसूर, रेंड़ी तेज, दक्षिण और पूर्व में उपद्रव; वदी ४से २५ दिन में धान्य तेज; रुई, चाँदी मंदी; शायद शेयर तेज; वदी ११से १मास में ऊनी वस्त्र चाँदी, ताँबा, तेल, तिल, रुई, अफीम तेज वदी १३ से ८ दिन में रुई मंदी; वदी १४से १४ दिन में रस धातु, चना, गेहूँ, नोट, तीसी, मिर्च तेज; सोना, चाँदी मंदी; वदी ३० से उड़द, तेल, तिल, छार नमक, गुड़, खाँड़, रस मंदा; मूँग, मोठ तेज; सुदी १२ से ८ दिन में रुई में घटबढ़; तीसी रस मंदा; सुदी १३से १४ दिन में सोना, चाँदी, गुड़, धान्य, रेंड़ी, चावल, गुगुल, पारा, सरसों, अफीम वस्त्र तेज; सुदी १५ से २० दिन में खेतियों का नाश, चना, रुई, चाँदी शेयर, गुड़, घी, गेहूँ, अनाज, रस तेज होगा।

८-९-१०, १५-१६-१७, २२-२३-२४, २८-२९-३० नवंबर को बादल वृष्टि योग है।

पौष

वदी ३ से २० दिन में रोग-वृद्धि, पीड़ा, धान्य, सोना, चावल, गेहूँ, धातुएँ तेज; वदी ९ से १० दिन में कर्णरोग बढ़ेंगे चौपाये दुखी रहेंगे रुई, तिल, तेल तेज रुई, कपास, चाँदी मंदी; वदी १० से १मास में तिल, तेल, कपास, सन, चाँदी, रुई तेज, कोट मालवा में अशान्ति; वदी १२ से २ मास में सुभिक्ष; सुवृष्टि रुई, गुड़, खाँड़, घी, तेल, मोती, रस, मंदा; वदी ३० से ४५ दिन तक सर्वधान्य, उड़द, मूँग, रुई, सन, कपास, गेहूँ, घी, धान्य, अफीम, श्वेत पदार्थ गुड़, तेज; चाँदी मंदी; सुदी १ से १० दिन में बिनौला, तेल धान्य मंदा, सुदी ५ से १० दिन में हाथियों को कष्ट चाँदी तेज चावल, रुई, तिल, मूँग, मोठ, उड़द, तेल, तेज, सुदी ९ से १४ दिन में तिल तेल, गुड़, गुगुल, हल्दी लाख, चपड़ा, कपूर, चना, बिनौला, ऊनी वस्त्र, सन, पाट, चाँदी, अफीम तेज; उसी दिन से चाँदी, रुई, धान, कपड़ा २० दिन तक मंदा, सुदी १० से २९ दिन में अनावृष्टि, रुई, सूत, ईख, गेहूँ, रस, धातुयें, तिल, तेल, रुई तेज; सुदी १३ से २० दिन में अफीम, चाँदी मंदी होकर तेज, घी, तेल, रस, तेज तीसी मंदी, होगी।

५-६-७-८, १३-१४-१५, १९-२०-२१, २६-२७-२८ दिसम्बर २-३ जनवरी को साधारण बादल वृष्टि योग है।

माघ

वदी २ से ८ दिन में गेहूँ, गुड़, खाँड़, चावल तेज; वदी ५ से ५० दिन में गुड़, तीसी, धान, चना तेज; हिमपात सम्भव है; वदी ७ से १४ दिन में उड़द, मूँग, चावल, रेंड़ी, रेशम, गुड़, कपास, तीसी, घी, पिपरामूल, घी, लोहा, धान, लाख, चपड़ा, मूँज, बाँस, सरसों तेज; वदी १०से १ मास में घी, तीसी, तेल, रूई, लाल वस्त्र, धान्य, गुड़, तेज; वायु की तीव्रता वर्षा की सम्भावना; वदी ३० से १० दिन में रुई तेज; सुदी २ से १५ दिन में रुई शेयर, चाँदी, पाट, हैसियत मंदा; राजपूताने में वर्षा; सुदी ६से १४ दिन में गेहूँ, गुड़, जौ, चावल, चाँदी, पिप्पली, सोपारी, लवंग, शक्कर, नोट, तीसी, अफीम, राई, सोना, लोहा, पारा, शीशा, राँगा, जस्ता, तेज, सुदी ७ से २० दिन में कपास, रुई, गेहूँ, तेज; वृष्टि में कमी;

सुदी ९ से २०दिन में रुई, चाँदी तेज, धान मंदा; सुख बढ़ेगा। सुदी १० से गोरस, रुई, तीसी, गेहूँ, जौ, चावल, रस, गुड़, घी मंदा, तिल, तेल, कपास, नमक, ऊन, सोना, चाँदी, लोहा तेज; उसी दिन से १० दिन तक ईख, गुड़, खाँड़, कपूर, रस, तिल, तेल, रेंड़ी, बिनौला, मूँगफली तेज, गेहूँ, यव, चना मंदा होगा।

४-९-१०-११, १५-१६-१७, २२-२३-२४, २९-३०-३१ जनवरी को साधारण बादल वृष्टि योग है।

फाल्गुन

वदी १ से रुई, चाँदी तेज, राजपुताने में वर्षा, वदी ३ से १४ दिन में जवाहरात, मूँग, मसूर, रुई, सोना, चाँदी, मोती, नील तेज; वदी १० से १ मास में नमक, तेल, गुड़, रक्त पदार्थ तेज, अनाज, रेंड़ी, तीसी मंदा; उसी दिन से ४५ दिन में रुई, चाँदी, तेज, घी, तेल, अनाज मंदा; सुदी २से गेहूँ, जौ, चना, तृण, काष्ठ तेज; शेयर, रुई घटबढ़ कर मंदा; अफीम, कपूर अगर, रेशम, तेल, तीसी, गुड़, मूँगफली, बिनौला, मंदा; सुदी ३ से १४ दिन में चाँदी, सरसों, सूत, सन, पाट, कपड़ा, नील, केराना, धनिया तेजपात मिर्च, लवंग, गुड़, जायफल, दाख तेज; सुदी ८ से रुई का भाव बदलेगा सुदी १५ से १४ दिन में सोना, चाँदी, गेहूँ, चना, गुड़, उड़द, घी, रुई, अरहर, रेशम, गुगुल, पीपरामूल, ज्वार, बाजार, तिल, तेल तेज होगा।

५-६-७, १२-१३-१४, १८-१९-२०, २५-२६-२७-२८, फरवरी को बादल वृष्टि योग है।

चैत्र कृष्ण पक्ष

वदी १ से २० दिन में धान्य महर्घ, रुई, चाँदी तेज; ऊन, तीसी मंदा; पशुओं को कष्ट अल्प वृष्टि; वदी २ से २० दिन में गेहूँ, लाल मिर्च तेज; वदी ११ से १ मास में धान,नमक,तिल, तेल, रस, तेज; चाँदी, अफीम, मंदा; वदी ३० से १४ दिन में सर्वरस गुड़, तिल, तेल, चावल तेज; उसी दिन से ३० मास में पृथ्वी पर सुभिक्ष,मनुष्यों को पीड़ा, राज्य, धन, धान्य, नाश, मुनियों, यमुना तट वासियों को पीड़ा; नर्मदा तट पर अकाल; बिहार प्रान्त व यवनों को पीड़ा; पूर्व पश्चिम में भय, तिल, कपास, शक्कर रस तेज होगा।

५-६-७, ११-१२-१३, १७-१८ मार्च को साधारण बादल वृष्टि योग है।

(संवत् २०२४ का शेष)

५३—मेष में सूर्य, वृष में चन्द्र हो और गुरु लग्न में हो तो ५३ वर्षकी आयु होगी।

५४—कर्कराशि में गुरु हो मीन राशि में गया हुआ शुक्र दशम भाव में चन्द्रमा से युक्त हो तो ५४ वर्ष की आयु होगी।

५५—सूर्य के लग्न में कर्कराशि का चन्द्र, दशम भाव में पापग्रह से युत और गुरु चतुर्थ या सप्तम भाव में हो तो ५५ वर्ष की आयु होगी।

५५—लग्न में मीन राशि का शुक्र और कर्क में गुरु हो तो ५५ वर्ष में मरण होगा।

५५—द्विस्वभाव राशि के लग्न में शनि हो और व्ययेश निर्बल होकर अष्टम भाव में हो तो ५५ वर्ष की आयु होगी।

५५—लग्न में सूर्य पापग्रहों से युक्त हो चन्द्रमा दशम और गुरु केन्द्र में हो तो ५५ वर्ष की आयु होगी।

५६—बलवान शुक्र और बुध लग्न में हो और शुभग्रह से दृष्ट हों तो ५६ वर्ष की आयु होगी।

५७—लग्नेश लग्न में अथवा केन्द्र स्थान में हों शुभ ग्रहों से दृष्ट हो तो ५७ वर्ष की आयु होगी।

५७—धनराशि का गुरु लग्न में हो और राहु से युत मंगल आठवें भाव में हो तो ५७ वर्ष में मरण होगा।

५८—त्रिकस्थान (६।८।१२) में चन्द्र से युत लग्नेश हो, शनि के नवांश में हो तो ५८ वर्ष की आयु होगी।

५८—अष्टमेश सप्तम भाव में और पापयुत चन्द्रमा ६।८ भाव में हो तो ५२वें वर्ष मृत्यु होगी।

५८—बुध शत्रु क्षेत्र में हो पापग्रह से और चन्द्रमा से युक्त हो तो ५८वें वर्ष में मृत्यु होगी।

५८—छठे भाव में बुध शुक्र हों और कृष्णपक्ष के चन्द्र से दृष्ट हो १ अंश से अल्प चन्द्रमा लग्न में अथवा त्रिक स्थान में हो तो ५८वें वर्ष मरण होगा।

५९—अष्टम स्थान में रवि रांहु का योग हो तो ५९वें वर्ष में मरण होगा।

५९—पाँचवें किंवा दशवें बुध हो आठवें गुरु, द्वादश भाव में चन्द्र गुरु शुक्र हों तो ५९वें वर्ष में मरण होगा।

६०—चन्द्रमा अपनी उच्चराशि का हो शुभग्रह अपनी स्वराशि में हों बलवान लग्नेश लग्न में स्थित हों तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६०—स्वराशि का चन्द्रमा लग्न में और सातवें भाव में शुभग्रह हो तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६०—वृष का चन्द्रमा लग्न में और सभी शुभग्रह अपनी स्वराशि में हो तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६०—अष्टम स्थान के बिना अन्य स्थान में शुभग्रह गये हों और पापग्रह से युत लग्नेश त्रिक स्थान (६-८-१२) में स्थित हो तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६०—जन्म राशि का स्वामी सूर्य से युक्त हो और लग्नेश अष्टम स्थान में स्थित हो केन्द्र में गुरु न हो तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६०—सर्वग्रह पंचम भाव में हों तो ६० वर्ष की आयु होवे।

६०—अष्टमेश से युक्त गुरु लग्न में हो अथवा कुम्भ राशि का गुरु पापग्रह से युक्त होकर केन्द्र स्थान में स्थित हो तो ६०वें वर्ष मरण होगा।

६०—लग्न में शनि, चतुर्थ चन्द्रमा, सप्तम में मंगल, दशम में सूर्य हो और ये बुध गुरु शुक्र में से किसी एक से भी युक्त हों तो ६० वर्ष तक जीवन रहेगा।

६०—लग्न में गया हुआ शुक्र चन्द्र बुध या गुरु से दृष्ट हो तथा पंचम भाव में गुरु हो तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६०—लग्न में शुक्र केन्द्र में बुध शनि, और ३-११ वें भाव में परमोच्च राशि गत कोई भी ग्रह गया हो तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६०—लग्नेश से ६-८-१२ स्थान में पापग्रह हों और सातवें तथा आठवें गुरु युत हों तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६०—जिसका केन्द्र स्थान पापग्रह से युक्त हो और लग्नेश पापग्रह से युक्त हो तो लग्न में गुरु न हो तो ६०वें वर्ष मृत्यु होगी।

६०—तीसरे ग्यारहवें भाव में शुक्र और नववें पाँचवें भाव में चन्द्र हो तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६१—लग्न में चार गृह हों शेषग्रह दुसरे तीसरे चतुर्थ भाव में हों तो ६१ वर्ष की आयु होगी।

६२—धन मीन अथवा कर्कराशि का गुरु लग्न में हो तो ६२ वर्ष पर्यन्त जीवित रहेगा।

६३—धनराशि में शुक्र, मीन राशि में गुरु केन्द्र में बुध और वृश्चिक राशि में सूर्य चन्द्रमा हों तो ६३ वर्ष की आयु होगी।

६४—जन्म लग्न का स्वामी सूर्य चन्द्रमा से युक्त हो और ११-७१-१० स्थान में से किसी भी स्थान में गुरु हों तो ६४वें वर्ष मरण होगा।

६५—सिंहराशि में गया हुआ चन्द्रमा किसी भी ग्रह से युक्त हो तो ६५वें वर्ष मरण होगा।

६५—कर्कराशि का चन्द्रमा लग्न में, नीच का शनि दशवें और सप्तम भाव में सूर्य हो तो ६५ वर्ष की आयु होगी।

६६—लग्नेश और तत्काल होरा लग्नेश ये दोनों आठवें भाव में हों और अष्टमेश केन्द्र में हो तो (६०) या ६६ वर्ष की आयु होगी।

६६—लग्न में सूर्य वुध, गुरु, का योग हो मीन राशि का शनि-किसी भी भाव में हो और व्यय भाव में चन्द्रमा हो तो ६६ वर्ष पर्यन्त जीवन रहेगा।

६६—यदि सर्वग्रह कर्कराशि के नवांश में हों तो ६६ वर्ष की आयु होगी।

६७—वुध गुरु शुक्र लग्न में हों और उनको सभीग्रह देखते हों तो ६७ वर्ष की आयु होगी।

६८—छठे आठवें द्वादश भाव में समस्त ग्रह हों तो ६८ वर्ष की आयु होगी।

६८—दशम भाव में रवि–चन्द्रमा, लग्न में शनि और चतुर्थ भाव में गुरु हो तो ६८ वर्ष की आयु होगी।

७०—लग्न से अथवा चन्द्रमा से केन्द्र स्थान में शुभग्रह हो लग्न में गुरु हो और वह स्वराशिगत क्रूर ग्रहों से युत दृष्ट न हो तो ७० वर्ष की आयु होगी।

७०—लग्न अैंर चन्द्रमा क्रूर ग्रहों से युक्त न हों, लग्न में गुरु हो, अष्टम में कोई भी ग्रह न हो, केन्द्र में शुभ ग्रह हों तो ७० वर्ष की आयु होगी।

७०—गुरु निर्बल हो शुभग्रहों से युक्त सूर्य लग्न में, चन्द्रमा व्यय या पाँचवें हो तो ७० वर्ष की आयु होगी।

७०—केन्द्र में अथवा त्रिकोण में नीच का शनि हो शुभ ग्रह केन्द्र में हो अथवा वुध सहित सूर्य केन्द्र में हो तो ७० वर्ष पर्यन्त जीयेगा।

७०—वलवान शुभग्रह केन्द्र में हों, अष्टम भाव में कोई पापग्रह न हों, लग्नेश पापग्रहों से दृष्ट न हो तो ७० वर्ष की आयु होगी।

७०—पंचम भाव में मंगल, नीच राशि में शनि किसी भी भाव में और सप्तम भाव में रवि हो तो ७० वर्ष की आयु होगी।

७०—सभी शुभ ग्रह लग्न से छठे भाव पर्यन्त क्रम से ६ भावोंमें हों या सप्तम से व्यय पर्यन्त ६ भाव में क्रम से सभीग्रह गये हों में ७० वर्ष की आयु होगी।

६०—यदि केन्द्र में शुक्र अपनी स्वराशि उच्चराशि वा मित्र राशि का हो तो ७० वर्ष पर्यन्त जीवन रहेगा।

७०—अपनी स्वराशि या उच्चराशि गत शनि सभी शुभ ग्रहों से दृष्ट होकर किसी भी भाव में हो तो ७० वें वर्ष मरण होगा।

७०—सूर्य–मंगल शनि या शुक्र से युक्त हो, लग्न में गुरु निर्वल हो चन्द्रमा द्वादश या पञ्चम भाव में हो तो ७० वर्ष पर्यन्त जीवन होगा।

७०—केवल गुरु लग्नेश से केन्द्र स्थान में हो तो ७० वें वर्ष की आयु होगी।

७१—लग्न शुभ ग्रहों से इष्ट हो मंगल सप्तम में हो तो ७१ वर्ष की आयु होवे।

७२—केतु लग्न में शनि के नवांश में हो तो ७२ वर्ष की आयु होगी।

७३—किसी भी भाव में शुभ ग्रहों में षड् वर्ग में गया हुआ चन्द्रमा हो और क्रूर ग्रह से लग्नेश दृष्ट हो सभी शुभ ग्रह वलवान हों तो ७३ वर्ष की आयु होगी।

७३—शत्रु क्षेत्र में वुध हो और चन्द्रमा पापग्रह से युक्त हो तो ७३ वर्ष की आयु होगी।

७४—आठवें या द्वादश भाव में गये हुए राहु को चन्द्रमा पूर्ण देखता हो तो ७४ वर्ष की आयु होगी।

७५—पूर्ण चन्द्रमा शुभग्रहों से दृष्ट होकर लग्न में या वर्गोत्तम हो तो ७५ वर्ष की आयु होगी।

७६—लग्न का स्वामी लग्न में अथवा केन्द्र स्थान में वली हो या लग्न को पूण देखता हो तो ७६ वें वर्ष मरण होगा।

७७—पाँचवें या नवम भाव म शुक्र हो गुरु सप्तम भाव में बुध चौथे या दशम भाव में हो तो ७७ वर्ष की आयु होगी।

७९—चार ग्रह यदि अपनी उच्चराशि में स्थित होकर केन्द्र स्थान में हो तो ७९ वर्ष की आयु होगी।

८०—गुरु अपनी उच्चराशि में हो लग्नेश अति वलवान हो अन्य सभी शुभग्रह मूल त्रिकोण राशि में हों पो ८० वर्ष की होगी।

८०—कर्क राशिस्थ गुरु लग्न में हो और ५-९वें भाव में शुभग्रह हो तो ८० वर्ष की आयु होगी।

८०—सभी पापग्रह शुभ ग्रह के नवांश में स्थित होकर केन्द्र में हों तो ८० वर्ष की आयु होगी।

८०—लग्न से छठे भाव पर्यन्त वलवान शुभग्रह और सप्तम भाव से वारहव भाव पर्यन्त सर्व पापग्रह गय हों तो ८० वर्ष की आयु होगी।

८०—यदि सभी ग्रह मेषराशि के दसवें अंश पर हों और चन्द्रमा भी मेषराशि में हों तो ८० वर्ष की आयु होगी।

८०—लग्न में गुरु, सातवें शुक्र, लाभ में शनि हो तो ८० वर्ष की आयु होगी।

८०—चतुर्थ में गुरु चन्द्रमा, लाभ में वलवान लग्नेश, दशम में वुध हो तो ८० वर्ष की आयु होगी।

८५—सूर्य मंगल शनि गुरु के नवांश में स्थित होकर केन्द्र में हों गुरु लग्न में और शेष सभी गृह अष्टम स्थान के बिना अन्य स्थान में गये हों तो ८५वें वर्ष में मृत्यु होगी।

८६—चन्द्रमा से युक्त गुरु केन्द्र स्थान में हो शेष ग्रह शुभ ग्रह से दृष्ट हो शेष अन्य ग्रह २-११वें भाव में हों तो ८६वें वर्ष मरण होगा।

८६—केन्द्र स्थान में सभी शुभ ग्रह और अष्टम भाव के विना अन्य भावों में सभी पापग्रह हों और छठे भाव में चन्द्रमा हो तो ८६वें वर्ष मरण होगा।

९०—धनुराशि के १२वें अंश पर सभी ग्रह स्थित हो तो ९०वें वर्ष में मरण होगा।

१००—शुक्र गुरु केन्द्र में अपनी उच्चराशि या वर्गोत्तमांश में हों तो १०० वर्ष की आयु होगी।

१००—कर्क लग्न में गुरु और केन्द्र में शुक्र स्वगृही हो तो १०० वर्ष की आयु होगी।

१००—नवम अथवा लग्न में शनि वर्गोत्तम में और बारहवें या नवम भाव में चन्द्रमा उच्च का हो तो १०० वें वर्ष मरण होगा।

१००—केन्द्र त्रिकोण और अष्टम स्थान के अतिरिक्त अन्य स्थानों में क्रूर ग्रह हों शुक्र अथवा गुरु केन्द्र में हों धन अथवा मीन राशि का लग्न हो अष्टम और नवम भाव को शुभग्रह पूर्ण देखते हों तो १०० वर्ष में मरण होगा।

१००—मीन लग्न में शुक्र हो शुभग्रह से दृष्ट चन्द्रमा अष्टम में हो केन्द्र में गुरु स्थित हो तो १०० वें वर्ष मरण होगा।

१००—लग्नेश-आठवें, दशम भे चन्द्रमा ,गुरु वलवान हो अन्य ग्रह नवम में हों तो १०० वें वर्ष की आयु होगी।

१००—कर्क राशि का लग्न हो ३-६-११ वें भाव में गुरु हो चन्द्र शुक्र, वुध केन्द्र में हो तो १०० वर्ष में मृत्यु होगी।

१००—सभी क्रूर-ग्रह गुरु के नवांश में अथवा मिथुन राशि के नवांश में स्थित होकर नवम तथा चतुर्थ भाव में हों, शुभ ग्रह व्यय तथा धन में, और लग्न में; पूर्ण चन्द्रमा हो तो १०० वर्ष में शरीर छूटेगा।

१००—धन राशि के अन्तिम नवमांश में लग्न हो। धन के आद्य नवांश में गये हुए शुभग्रह केन्द्र में हों तो १०० वर्ष में मरण होगा।

१००—लग्नेश से केन्द्र स्थान में गुरु हो और ३-६-११-१२ वें भाव में पापग्रह स्थित हो १०० वर्ष में मरण होगा।

१२०—शुक्र, गुरु बलवान हों लग्न और चन्द्रमा से अष्टम स्थान में कोई भी ग्रह न हो तो १२० वर्ष की आयु होगी।

१२०—लग्न में धनु राशि १५ अंश से अधिक हो। सभी ग्रह अपनी उच्चराशि में हों वृषभ राशि के २४ अंश का बुध हो हो तो १२० वर्ष की आयु होगी।

१२०—केन्द्र में गुरु, शुक्र और लाभ में चन्द्रमा हो तो १२० वर्ष की आयु होगी।

१२०—शुभ ग्रहों के नवमांश में गये हुए पराजित क्रूर ग्रह ३-६-१०-११ वें हो और शुभ ग्रह केन्द्र में हों तो १२० वर्ष की आयु होगी।

१२०—लग्नेश और गुरु केन्द्र में गये हों केन्द्र त्रिकाणाष्टम स्थान में पापग्रह न हों तो १२० वर्ष की आयु होगी।

१२०—सभी ग्रह नवम स्थान में हों तो १२० वर्ष की आयु होगी।

१२०—क्रूर ग्रहों की राशि में क्रूर ग्रह हों और शुभ ग्रहों की राशि में शुभ ग्रह हों लग्नेश बलवान हो तो १२० वर्ष की आयु होगी।

१२०—शुक्र, मंगल, शनि चरराशि के नवमांश में हो रवि और गुरु स्थिर राशि के नवमांश में हों तो १२० वर्ष की आयु होगी।

१२०—तीन ग्रह अपनी उच्चराशि में हो वृषभ किंवा कर्क राशि के लग्न में गुरु हो मकर में मंगल हो और शेष सभी ग्रह केन्द्र में हों तो १२० वर्ष की आयु होगी।

अमितायु योग

बुध गुरु और शुक्र ये तीनों ग्रह एक राशि में एक ही अंश में हो नवमभाव में शनि हो तो अमितायु होगी।

बुध गुरु और शनि एक ही अंश में स्थित होकर नवम अथवा लग्न में हों तथा छठे आठवें चन्द्रमा हो तो अत्यधिक आयु होगी।

सभी ग्रह गुरु के नवमांश में स्थित होकर केन्द्र धन अथवा धर्म भाव में हों तो अत्यधिक आयु होगी।

वली रवि गुरु और मंगल ये तीनों शनि के नवमांश में स्थित होकर नवम् अथवा दशम् भाव में हों और चन्द्रमा लग्न के अन्तिम अंश में गया हो तो अत्यधिक आयु होगी।

असीम आयु योग

पूर्ण चन्द्रमा मित्रग्रह के नवांश में स्थित होकर लाभ में अथवा लग्न में हो भाग्येश शनि बलवान हो तोअसीम आयु होगी।

गुरु शनि धन धर्म या दशम भावों में से किसी एक स्थान में एक ही अंश में हों लग्न में सूर्य बुध का योग हो तो असीम या अति दीर्घायु होगी।

ये सभी योग धार्मिक, सुशील, सुभोजी, नियमपूर्वक चलने वाले के लिये होते हैं उन्हीं को बराबर मिलते हैं। पापियों को नहीं मिलते।

तेरहवाँ प्रकार रश्मिजायु

सूर्य के १०; चन्द्र के ११; भौम के ५; बुध के ५; गुरु के ७, शुक्र के ८; शनि के ५; उच्चरश्मि के गुणकांक है।

स्पष्ट ग्रह में से अपने-अपने उच्च को घटाना शेष ६ राशि से अल्प रहे तो उसका १२ राशि में से घटाना तदनन्तर शेष अपने गुणकांक से गुणा करना उसकी कला करना और उस कला में २१६०० का भाग देना लब्ध जो वर्षादि आवे वह उस ग्रह की रश्मिजायु के वर्षादि होते हैं। इस प्रकार सभी ग्रहों द्वारा लाये हुए वर्षादिको में से जो ग्रह स्वगृही उच्चराशि का व मित्र क्षत्री वा वक्री हो वली हो उसके वर्षादि को द्विगुणित करना १२ वें स्थान के ग्रह की आयु की अष्टमांश षष्टस्थान में स्थित ग्रह की आयु की द्वादशांश शनि व शुक्र के बिना अन्य ग्रह अस्तंगत हो तो द्वितीयांश उसकी आयुर्दाय के वर्षादिक में से कम करना शेष जोड़ देना वह रश्मिजायु होती है।

मरण काल के ग्रह

१—जब मारकेश की दशा में मारकेश का अन्तर प्रत्यन्तर सूक्ष्मादि आवे तथा आयु समाप्त के लगभग हो तो मृत्यु होती है।

२—जन्म नक्षत्र त्रिपता की से विद्ध हो।

३—सूर्य मंगल तथा गुरु गोचर से अशुभ स्थान में हों आयु समाप्त हो चली हो।

४—लग्न या चन्द्रमा से २ रे शनि, ४ थे राहु, ८ वें रवि, १२ वें स्थान में मंगल जिस समय जावे।

५—लग्न अथवा चन्द्रमा की राशि में सभी पापग्रह जावें।

६—लग्न के किंवा चन्द्र से सातवीं राशि में सभी पापग्रह जावे।

७—लग्न में अथवा चन्द्रमा की राशि में एक पापग्रह आवे शेष पापग्रह सातवीं राशी में जावे।

८—लग्न से या चन्द्रमा से आठवें अथवा बारहवें स्थान में सर्व पापग्रह हों।

९—लग्न में अथवा चन्द्र की राशि में एक पापग्रह हो शेष पापग्रह लग्न वा चन्द्र से आठवें या बारहवें स्थान में हों।

१०—रोगेश की दशा में मारिकेश का अन्तर हो आयु समाप्त हो गयी हो।

११—लग्न और चन्द्र के एकादश या तृतीय स्थान में कुछ पापग्रह आवे शेष उनके व्ययस्थान या अष्टम स्थान में हो।

१२—चन्द्र की राशि में एक या अनेक पापग्रह हों शेष लग्न में अथवा आठवें या बारहवें अष्टम भी हों।

१३—चन्द्र से अष्टम व्यय स्थान में एक या अनेक पापग्रह हो शेष पापग्रह लग्न से अष्टम या व्यय स्थान में हो।

१४—लग्न में एक या अनेक पापग्रह हो शेष लग्न के अष्टम या बारहव स्थान में हो।

१५—लग्न वा दूसरे बारहवें स्थान में अथवा लग्न से छठे सातवें और आठवें स्थान में सभी पापग्रह हों।

१६—चन्द्र राशि में या उसके दूसरे बारहवें व स्थान में या चन्द्र से छठे सातव आठवें स्थान में सभी पापग्रह हों।

१७—लग्न या चन्द्रमा के दशम स्थान से लग्नपर्यन्त अथवा चन्द्रपर्यन्त सभी पापग्रह हों।

१८—मेष कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक और मकर राशियों में शनि तथा इन राशियों पर रहते हुए जिस राशि से साढ़े हो साती हो अथवा उपर्युक्त स्थान में ये राशि हों और उसमें शनि हो तो अतीव अनिष्टकारक जानना। इसी तरह रवि राहु मंगल भी उपर्युक्त राशि में पूर्वोक्त स्थान में हो उस समय अतीव पीड़ा देते हैं।

१९—जन्मकुण्डली के सभी ग्रह अपनी सातवीं राशी में गोचर से आ जावें उस समय मनुष्य की मृत्यु होती है।

पूर्वोक्त योगों में से जितने अधिक योग आवें उतना ही मृत्यु कालयोग अधिक बलवान समझना।

मरणकाल संभव समय के पूर्व पूर्वोक्त नियमानुसार ग्रहों की स्थिति जब आती है तब भारी पीड़ा, संकट वा अपघात मृत्यु प्राप्त होती है।

सिंह से मृत्यु योग

जन्मकुण्डली में सूर्य चन्द्रमा का योग छठे या आठवें भाव में हो तो सिंह से मृत्यु होगी। चतुर्थ भाव में मंगल और दशवें भाव में शनि हो तो सिंह से मृत्यु होगी। (शेष आगे के पञ्चांगों में या आयुर्निमाण नामक इसी प्रेस की पुस्तक में देखिये)

दि. मा. घ. प.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.घ. प.			सू. उ. घं. मि.		सू. अ. घं. मि.		औ. स्पष्ट सूर्यः रा. अं. क. वि.				गांतः क. वि.	
३०	३१	१	शु.	५६	३७	उ.	१	२८	ब्र.	९	०	किं.	२४	५३	बव	५६	३७	ध्वज	२९	२९	१६				५	५६	६	४	११	१५	३६	५२	५९	१९
३०	३४	२	श.	६०	०	रे.	६	२८	ऐं.	९	१४	वा.	२८	४९	कौ.	६०	०	धाता	३०	३०	१७	मे.	६	२८	५	५५	६	५	११	१६	२६	११	५९	१६
३०	३७	२	र.	१	२	अ.	१२	१८	वै.	१०	७	को	१	२	तै.	३३	३२	आनंद	३१	१	१८				५	५४	६	६	११	१७	३५	२७	५९	१३
३०	४१	३	चं.	६	३	भ.	१८	४२	वि.	११	२७	ग.	६	३	व.	३८	४०	चर	१	२	१९	वृ.	३४	२०	५	५२	६	८	११	१८	३४	४०	५९	१०
३०	४५	४	मं.	११	१८	कृ.	२५	१६	प्री.	१२	५९	वि.	११	१८	बव	४३	५२	गद	२	३	२०				५	५१	६	९	११	१९	३३	५०	५९	७
३०	४९	५	बु.	१६	२६	रो.	३१	४२	आ.	१३	५०	वा.	१६	२६	कौ.	४८	४०	शभ	३	४	२१				५	५०	६	१०	११	२०	३२	५७	५९	४
३०	५२	६	बृ.	२०	५५	मृ.	३७	२१	सौ.	१५	१७	तै.	२०	५५	ग.	५२	४२	मृत्यु	४	५	२२	मि.	४	३१	५	५०	६	१०	११	२१	३२	१	५९	२
३०	५६	७	शु.	२४	३०	आ.	४२	९	शो.	१५	४६	व.	२४	३०	वि.	५५	४३	पद्म	५	६	२३				५	४९	६	११	११	२२	३०	३	५९	०
३१	०	८	श.	२६	५७	पु.	४५	५२	ऽति	१५	२	बव	२६	५७	वा.	५७	३६	मित्र	६	७	२४	क.	२९	५६	५	४८	६	१२	११	२३	२८	३	५८	५८
३१	३	९	र.	२८	१५	पु.	४८	१९	सु.	१३	३६	कौ.	२८	१५	तै.	५८	१३	श्रीवत्स	७	८	२५				५	४७	६	१३	११	२४	२७	१	५८	५६
३१	७	१०	चं.	२८	१२	श्ले	४९	२७	धृ.	११	७	ग.	२८	१२	व.	५७	३२	सौम्य	८	९	२६	सिं.	४९	२७	५	४७	६	१३	११	२५	२५	५६	५८	५३
३१	१०	११	मं.	२६	५३	म.	४९	२५	शू.	७	३७	वि.	२६	५३	बव	५५	३८	काल	९	१०	२७				५	४६	६	१४	११	२६	२३	५१	५८	५३
३१	१४	१२	बु.	२४	२३	पू.	४८	१४	ग.	३ ५४	८ ४२	वा.	२४	२३	कौ.	५२	३७	स्थिर	१०	११	२८				५	४५	६	१५	११	२७	२५	४१	५८	५०
३१	१६	१३	बृ.	२०	५२	उ.	४६	१५	वृ.	५१	४९	तै	२०	५२	ग.	४८	४१	मातंग	११	१२	२९	कं.	२	४४	५	४५	६	१५	११	२८	२४	३०	५८	४८
३१	२१	१४	शु.	१६	३१	ह.	४३	२१	व्या	४५	६	व.	१६	३१	वि.	४३	५७	अमृत	१२	१३	३०				५	४४	६	१६	११	२९	२३	१६	५८	४६
३१	२५	१५	श.	११	२३	चि.	३९	४३	ह.	३८	१	बव	११	२३	वा.	३८	३४	काण	१३	१४	३१	तु.	११	३२	५	४३	६	१७	०	०	२२	२	५८	४४

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० चैत्र शुक्लपक्षः मार्च २९ से अप्रैल १३ तक सौम्यायनम् याम्यगोलः। वसन्तऋतुः

मार्च। नववर्षारम्भः। नवरात्रारम्भ। स.सि.योगः १।१८ उ.।
रेवत्यामर्कः ४०।१२। चन्द्रदर्शनम्। प्रतीच्यामुदीच्यौ यात्राi
स.सि. योगः १२।१८ या.। जिलहिज । उ.फा.भेa
भ. ३८।४० उ.। अप्रैल। या.ज.मु. ६।३ या.
भ. ११।१८ या.। ससि. योग २५।१६ या.।
स.सि. योग। मृगभे दक्षिणपूर्वौ यात्रा मु.। बुधोदयः प्राच्याम्]
प्रतीच्यां यात्रा मु.। iमु.। पञ्चक समाप्त ६।२८
भ. २४।३० उ. ५५।४३ या.। भरणीभे भौमः ९।२५।
महाष्टमी व्रतम्। अन्नपूर्णा परिक्रमा। aबुधः १५।४५।
रामनवमी व्रतम्। स.सि.योगः।]५१।१७
भ. ५७।३२ उ.। उ.फा.भे शुक्रः २७।११।
भ. २६।५३ या.। कामदा ११ व्रतं सर्वेषाम्।
प्रदोष व्रतम्। रेवत्यां बुधः ५४।२०।
या.ज.मु. २०।५२ या.। श्री महावीर स्वामिनः जन्मदिनम्।S
भ. १६।३१ उ. ४३।५७ या.। Sबुधास्तः प्राच्याम् १४।४५।
अश्वेमेषेचार्कः १३।४३। वैशाख स्नानारम्भः।

चैत्र शु. ९ रवि. इ. ०।०

सू.	म.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	०	११	४	११	११	११	५
२४	१४	१०	१	२	२०	२५	२५
३८	२४	१२	२४	१८	४२	९	९
१	३५	२४	२९	२५	३९	१५	१६
५८	४२	५४	९ वव	५४	५	३	३
५८	४२	३५	व.	२५	२४	११	११

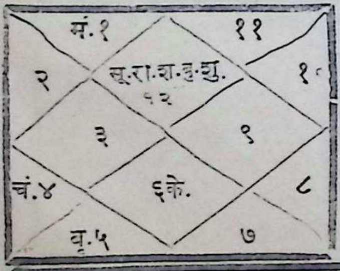

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१शु.	२श.	२र.	३चं	४मं.	५बु.	६बृ.	७शु.	८श.	९र.	१०चं.	११मं.	१२बु.	१३बृ.	१४शु.	१५श.
मी. अं.	६ ३९	६ ३५	६ ३१	६ २७	६ २३	६ २०	६ १६	६ १३	६ ९	६ ५	६ २	५ ५९	५ ५५	५ ५२	५ ४८	५ ४४
मे. अं.	८ १७	८ १३	८ ९	८ ५	८ १	७ ५८	७ ५५	७ ५१	७ ४७	७ ४३	७ ४०	७ ३७	७ ३३	७ ३०	७ २६	७ २२
वृ. अं	१० १३	१० ९	१० ५	१० १	९ ५७	९ ५४	९ ५१	९ ४७	९ ४३	९ ३९	९ ३६	९ ३३	९ २९	९ २६	९ २२	९ १८
मि. अं.	१२ २७	१२ २३	१२ १९	१२ १५	१२ ११	१२ ८	११ ५	१२ १	११ ५७	११ ५३	११ ५०	११ ४७	११ ४३	११ ४०	११ ३६	११ ३२
क. अं.	२ ४६	२ ४२	२ ३८	२ ३४	२ ३०	२ २७	२ २४	२ २०	२ १६	२ १२	२ ९	२ ६	२ २	१ ५९	१ ५५	१ ५१
सिं. अं.	५ १	४ ५७	४ ५३	४ ४९	४ ४५	४ ४२	४ ३९	४ ३५	४ ३१	४ २७	४ २४	४ २१	४ १७	४ १४	४ १०	४ ६
रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
कं. अं.	७ १५	७ ११	७ ७	७ ३	६ ४९	६ ५६	६ ५३	६ ४९	६ ४५	६ ४१	६ ३८	६ ३५	६ ३१	६ २८	६ २४	६ २०
तु. अं.	९ ३२	९ २८	९ २४	९ २०	९ १६	९ १३	९ १०	९ १६	९ २	८ ५८	८ ५५	८ ५२	८ ४८	८ ४५	८ ४१	८ ३७
वृ. अं.	११ ४९	११ ४५	११ ४१	११ ३७	११ ३३	११ ३०	११ २६	११ २३	११ १९	११ १५	११ १२	११ ९	११ ५	११ २	१० ५८	१० ५४
ध. अं.	१ ५४	१ ५०	१ ४६	१ ४२	१ ३८	१ ३५	१ ३२	१ २८	१ २४	१ २०	१ १७	१ १४	१ १०	१ ७	१ ३	१२ ५९
म. अं.	३ ३९	३ ३५	३ ३१	३ २७	३ २३	३ २०	३ १६	३ १३	३ ९	३ ५	३ २	२ ५९	२ ५५	२ ५२	२ ४८	२ ४४
कुं. अं.	५ ११	५ ७	५ ३	४ ५९	४ ५५	४ ५२	४ ४९	४ ४५	४ ४१	४ ३७	४ ३४	४ ३१	४ २७	४ २४	४ २०	४ १६

चैत्र शुक्ल १५ शनौ इ ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	०	११	४	११	११	११	५
०	१८	१९	१	११	२१	२४	२४
२२	१२	५४	१२	४२	३६	३८	३८
२	३५	३७	२७	३१	१९	२८	२८
५८	४२	११९	१	१८	७	३	३
४४	३७	१७	७व	३७	४८	११	११

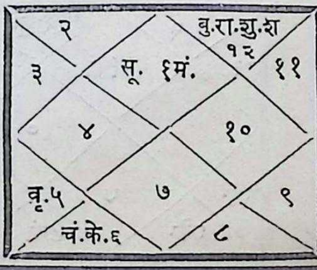

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा.प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि
३१	२८	१	र.	५/५४	४६/१	स्वा	३५	४६	व.	३०	३३	कौ.	५	४६	तै.	३२/५९	४६/४७	लुम्ब	१४	१५	१				५	४२	६	१८	०	१	२०	४३	५८	४२
३१	३२	३	चं.	५३	४०	वि.	३१	४०	सि.	२२	४३	व.	२६	४३	वि.	५३	४०	मित्र	१५	१६	२	वृ.	१७	४२	५	४२	६	१८	०	२	१९	२३	५८	२९
३१	३५	४	मं.	४७	४३	ऽनु	२७	३१	व्य.	१५	११	वव	२०	४१	वा.	४७	४३	वज्र	१६	१७	३				५	४१	६	१९	०	३	१८	१	५८	३७
३१	३९	५	बु.	४२	०	ज्ये.	२३	३५	व.	७	३७	कौ.	२४	५१	तै.	४२	०	ध्वांक्ष	१७	१८	४	ध.	२३	३५	५	४०	६	२०	०	४	१६	३६	५८	३४
३१	४२	६	बृ.	३६	४६	मू.	२०	६	प.	०/५३	२१/०	ग.	९	२३	व.	३६	४६	धूम्र	१८	१९	५				५	४०	६	२०	०	५	१५	९	५८	३२
३१	४५	७	शु.	३२	१२	पू.	१७	१२	सि.	४७	१८	वि.	४	२९	वव	३२	१२	वर्द्धमा.	१९	२०	६	म.	३१	४१	५	३९	६	२१	०	६	१३	३९	५८	३०
३१	४९	८	श.	२८	२६	उ.	१५	९	सा.	४१	४५	वा.	०	१९	कौ.	२८/५७	२६/५	रक्ष	२०	२१	७				५	३८	६	२२	०	७	१२	८	५८	२८
३१	५२	९	र.	२५	४४	श्र.	१३	५७	शु.	३७	४	ग.	२५	४४	व.	५४	५५	गद	२१	२२	८	कुं.	४२	२४	५	३८	६	२२	०	८	१०	३६	५८	२६
३१	५६	१०	चं.	२४	७	ध.	१३	५२	शु.	३३	१६	वि.	२४	७	वव	५३	५६	शुभ	२२	२३	९				५	३७	६	२३	०	९	९	१	५२	२४
३१	५९	११	मं.	२३	४५	श.	१४	५८	ब्र.	३०	३२	वा.	२३	४५	कौ.	५४	१४	मृत्यु	२३	२४	१०				५	३६	६	२४	०	१०	७	२३	५८	२१
३२	२	१२	बु.	२४	४३	पू.	१७	२४	ऐं.	२८	४५	तै.	२४	४३	ग.	५५	४९	पद्म	२४	२५	११	मी.	१	४८	५	३६	६	२४	०	११	५	४४	५८	१९
३२	६	१३	बृ.	२६	५६	उ,	२१	३	वै.	२७	१८	व.	२६	५६	वि.	५९	७	छत्र	२५	२६	१२				५	३५	६	२५	०	१२	४	१	५८	१६
३२	९	१४	शु.	३०	१९	रे.	२५	४९	वि.	२८	४	श.	३०	१९	च.	६०	०	श्रीवत्स	२६	२७	१३	मे.	२५	४९	५	३४	६	२६	०	१३	२	१६	५८	१४
३२	१२	३०	श.	३४	३६	अ.	३१	३२	प्री.	२८	५५	च.	२	२७	ना.	३४	३६	सौम्य	२७	२८	१४				५	३४	६	२६	०	१४	०	३१	५८	१२

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० वैशाख कृष्णपक्षः । अप्रैल
१४ से २७ तक । सौम्यायनगोलो । वसन्त ऋतुः

सौर वैशाखारम्भः । या.ज.मु. ५।४६ या. ।
भ. २६।४३ उ. ५३।४० या. ।स.सि. योगः ३७।४० उ. ।a
गणेश ४ व्रतम् ।
aपश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. । या.ज.मु. ५३।४० उ. ।
भ. ३६।४६ उ. । रेवत्यां शुक्रः ४।२१। c३४।११।
भ. ४।२९ या. । मेषे बुधः ४४।११ । भौमास्तः प्रतीच्याम्c
स.सि. योगः । दक्षिण यात्रा मु. ५।९ । शीतलाष्टमी ८ ।
भ. ५४।४५ उ. । पञ्चकारम्भः ४१।४४ उ. । दक्षिणपूर्वौ e
भ.२४।७या. ।.योगः २५।३ उ. । मास शिवरात्रि व्रतम् ।
वरूथिनी ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
प्रदोष व्रतम् । कृत्तिकायां भौमः ३४।११ । dसमाप्त २५।९ या.
भ. २६।५६ उ. ५९।७या. । या.ज.मु.२६।५६ या. । स.सि.b
भररायामर्कः ५५।१७ । स.सि. योगः २५।४९या. । पञ्चकd
eयात्रा मु. ४१।२४ या. । रन्योदयः प्राच्याम् १४।७ ।

वै. कृ. ४ भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	०	११	४	११	११	११	५
३	२०	२५	१	१४	२१	२४	२४
१८	२४	४८	९	१८	५८	२९	२९
१	३१	११	४९	४७	१९	१४	१४
५८	४२	११८	५/८	४९	७	३	३
३७	३७	४७	व.	३७	४९	११	११

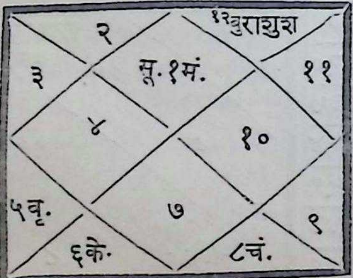

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.		३ च.		४ मं.		५ बु.		६ बृ.		७ शु.		८ श.		९ र.		१० चं.		११ मं		१२ बु.		१३बृ.		१४शु.		३० श	
मे. अं.	७	१८	७	१५	७	११	७	७	७	३	६	५९	६	५५	६	५१	६	४७	६	४३	६	४०	६	३६	६	३२	६	२८
वृ. अं	९	१४	९	११	९	७	९	३	८	५९	८	५५	८	५१	८	४७	८	४३	८	३९	८	३६	८	३२	८	२८	८	२४
मि. अं.	११	२८	११	२५	११	२१	११	१७	११	१३	११	९	११	५	११	१	१०	५७	१०	५३	१०	५०	१०	४६	१०	४२	१०	३८
क. अं.	१	४७	१	४४	१	४०	१	३६	१	३२	१	२८	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२	१	२९	१	५	१	१	१२	५७
सिं. अं.	४	२	३	५९	३	५५	३	५१	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५	३	३१	३	२७	३	२४	३	२०	३	१६	३	१२
कं. अं.	६	१६	६	१३	६	९	६	५	६	१	५	५७	५	५३	५	४९	५	४५	५	४१	५	३८	५	३४	५	३०	५	२६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
तु. अं.	८	३३	८	३०	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०	८	६	८	२	७	५८	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३
वृ. अं.	१०	५०	१०	४७	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१५	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०
ध. अं.	१२	५५	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	५
म. अं.	२	४०	२	३७	२	३३	२	२९	२	२५	२	२१	२	१७	२	१३	२	९	२	५	२	२	१	५८	१	५४	१	५०
कुं. अं.	४	१२	४	९	४	५	४	१	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५	३	४१	३	३७	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२
मी. अ.	५	४०	५	३७	५	३३	५	२९	५	२५	५	२१	५	७१	५	१३	५	९	५	५	५	२	४	५८	४	५४	४	५०

वै. कृ. ११ भौमे इ. ३०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	०	०	४	११	११	११	५
१०	२५	८	१	२४	२२	२४	२४
७	२४	४८	०	१२	५४	६	६
२	१७	१७	१	३५	१३	५८	५८
५८	४२	११४	०	७१	७	३	३
२१	३४	३७	५६	५९	५६	११	११

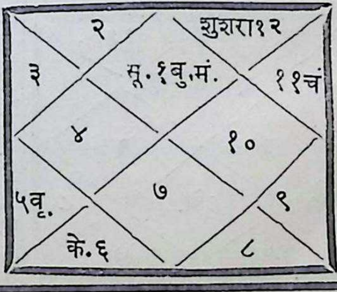

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० । वैशाख शुक्लपक्षः । अप्रैल २८ से मई १२ तक । सौम्यायनगोलौ । वसन्त ऋतुः ।

दि. मा.		वा.	ति.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३२	१६	१	र.	३९	३०	भ.	३७	५०	आ.	३०	१४	कि.	७	३	वव.	३९	३०	काल	२८	२९	१५	वृ.	५४	२९	५	३३	६	२७	०	१४	५८	४२	५८	१०
३२	१९	२	चं.	४४	४१	कृ.	४४	२६	सौ.	३१	५३	वा.	१२	५	कौ.	४४	४१	स्थिर	२९	३०	१६				५	३२	६	२८	०	१५	५६	५१	५८	८
३२	२२	३	मं.	४९	४२	रो	५०	५१	शो.	३३	२२	तै.	१७	११	ग.	३९	४२	मातंग	३०	१	१७				५	३२	६	२८	०	१६	५४	५९	५८	७
३२	२५	४	बु.	५४	८	मृ.	५६	४४	अ.	३२	३०	व.	२१	५५	वि.	५४	८	अमृत	१	२	१८	मि.	२३	४७	५	३१	६	२९	०	१७	५३	७	५८	६
३२	२८	५	बृ.	५७	४१	आ	६०	०	सु.	३५	४	वव	२५	४९	वा.	५७	४१	काण	२	३	१९				५	३०	६	३०	०	१८	५१	१३	५८	५
३२	३१	६	शु.	६०	०	आ.	१	४२	धृ.	३४	४२	कौ.	२८	५२	तै.	६०	०	पद्म	३	४	२०	क.	४९	३६	५	३०	६	३०	०	१९	४९	१९	५८	४
३२	३४	६	श.	०	४	पु.	५	३४	शू.	३३	३४	तै.	०	४	ग.	३०	३९	छत्र	४	५	२१				५	२९	६	३१	०	२०	४७	२३	५८	२
३२	३७	७	र.	१	१५	पु.	८	१६	गं.	३१	२१	ग.	१	१५	वि.	३१	११	श्रीवत्स	५	६	२२				५	२९	६	३१	०	२१	४५	२४	५७	५९
३२	४०	८	चं.	१/५९	७/३७	श्ले.	९	४१	वृ.	२८	८	वव	१	७	वा.	३०/२९	२७/४४	सौम्य	६	७	२३	सिं.	९	४१	५	२८	६	३२	०	२२	४३	२३	५७	५७
३२	४३	१०	मं.	५७	८	म.	९	५२	ध्रु.	२३	५५	तै.	२८	२६	ग.	५७	८	काल	७	८	२४				५	२७	६	३३	०	२३	४१	१९	५७	५४
३२	४६	११	बु.	५३	४३	पू.	८	५४	व्या	१८	५०	व.	२५	२५	वि.	५३	४३	स्थित	८	९	२५	कं.	२३	२६	५	२७	६	३३	०	२४	३९	१३	५७	५१
३२	४९	१२	बृ.	४९	४	उ.	७	१	ह.	१३	०	वव	२१	२३	वा.	४९	४	मातंग	९	१०	२६				५	२६	६	३४	०	२५	३७	४	५७	४८
३२	५१	१३	शु.	४३	५७	ह.	४	१३	व.	६/५२	३०/५८	कौ.	१६	३०	तै.	४३	५७	अमृत	१०	११	२७	तु.	३२	३३	५	२६	६	३४	०	२६	३४	५१	५७	४५
३२	५४	१४	श.	३८	१८	चि.	०/५६	५१/७	व्य.	५२	९	ग	११	७	व.	३८	१८	काण	११	१२	२८				५	२५	६	३५	०	२७	३२	३६	५७	४२
३२	५७	१५	र.	३२	१३	वि.	५२	५४	वि.	४४	३६	वि.	५	४५	वव.	३२/५९	१३	उत्पात	१२	१३	२९	वृ.	३८	५५	५	२५	६	३५	०	२८	३०	१८	५७	४०

या.ज.मु. ३७।५० या. । मेषे शुक्रः ४६।१७ ।
चन्द्रोदयः । अक्षय ३ । परशुराम जन्म ३ ।
दक्षिण यात्रा मु. ५०।५१ उ. । वृषे भौमः ३६।४१ । मुहर्रम ।
भ. २१।५५ उ. ५४।८ या. । मई ।
शंकराचार्य जयन्ती ।

या.ज.मु.०।४ उ. ५।३४ या. । गंगा ७ । पश्चिमोत्तरौ यात्रामु.
भ. १।१५ उ. ३१।११ या. । स. सि. योगः ८।१६ या. ।
वृषे बुधः ५६।४४ ।
b या.ज.मु ५२।५४ उ. ।
भ. २५।२५ उ. ५३।४३ या. । मोहिनी ११ व्रतम् सर्वेषाम्
प्राच्यां यात्रा मु. ७।१ उ. । भरण्यां शुक्रः ४।४१ ।
कृत्तिकायामर्कः ४३।४३ । प्रदोषः । दक्षिणपूर्वौ यात्रा मु.४।१६ ।
भ. ३८।१८ उ. । नृसिंह जयन्ती । बुधोदयः प्रतीच्याम् ५६।२९
भ. ५।४५ या. । कूर्म जयन्ती । बुद्ध जयन्ती ।व्रताय १५ ।b

वैशाख शु. ६ शनौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	१	०	४	०	११	११	५
२०	२	२३	१	६	२४	२३	२३
४७	३०	१२	६	१२	१२	३५	३५
२३	१४	२५	१७	२५	२३	११	११
५९	५४	५६	०/२७	७१	०	३	३
४	१५	५५	मा.	३७	४८	११	११

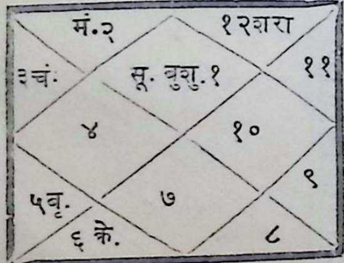

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.		२ चं.		३ मं.		४ बु.		५ बृ.		६ शु.		६ श.		७ र.		८ चं.		१० म.		११ बु.		१२ बृ.		१३ शु.		१४ श.		१५ ह्र.	
मे. अं.	६	२४	६	२०	६	१६	६	१३	६	९	६	५	६	१	५	५८	५	५४	५	५०	५	४७	५	४३	५	३९	५	३	५	३२
वृ. अं.	८	२०	८	१६	८	१२	८	९	८	५	८	१	७	५९	७	५४	७	५०	७	४६	७	४३	७	३९	७	३५	७	३१	७	२८
मि. अं.	१०	३४	१०	३०	१०	२६	१०	२३	१०	१९	१०	१५	१०	११	१०	७	१०	४	१०	०	९	५७	९	५३	९	४९	९	४५	९	४२
क. अं.	१२	५३	१२	४९	१२	४५	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२७	१२	२३	१२	१९	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	१
सिं.अं.	३	८	३	४	३	०	२	५७	२	५३	२	४९	२	४५	२	४२	२	३८	२	३४	२	३१	२	२७	२	२३	२	१९	२	१६
कं. अं.	५	२२	५	१८	५	१४	५	११	५	७	५	३	४	५९	४	५६	४	५२	४	४८	४	४५	४	४१	४	३७	४	३३	४	३०
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		०		रा०	
तु. अं.	७	३९	७	३५	७	३१	७	२८	७	२४	७	२०	७	१६	७	१३	७	९	७	५	७	२	६	५८	६	५४	६	५०	६	४७
वृ. अं.	९	५६	९	५२	९	४८	९	४५	९	३१	९	३७	९	३३	९	३०	९	२६	९	२२	९	१९	९	१५	९	११	९	७	९	४
ध. अं.	१२	१	११	५७	११	५३	११	५०	११	४६	११	४२	११	३८	११	३५	११	३१	११	२७	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२	११	९
म. अं.	१	४६	१	४२	१	३८	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	२०	१	१६	१	१२	१	९	१	५	१	१	१२	५७	१२	५४
कुं. अं.	३	१८	३	१४	३	१०	३	७	३	३	२	५९	२	५५	२	५२	२	४८	२	४४	२	४१	२	३७	२	३३	२	२९	२	२६
मी. अं.	४	४६	४	४२	४	३८	४	३५	४	३१	४	२७	४	२३	४	२०	४	१६	४	१२	४	९	४	५	४	१	३	५७	३	५४

वैशाख शु. १३ भौमे ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	१	१	४	०	११	११	५
२६	७	९	१	१५	२५	२३	२३
३४	२०	२१	२७	८	१६	१२	१२
५१	३४	१८	२९	७३	३७	३३	२३
५७	४२	१०५	३ ३/५	७१	६	३	३
४५	३९	३७	मा.	३१	५८	११	११

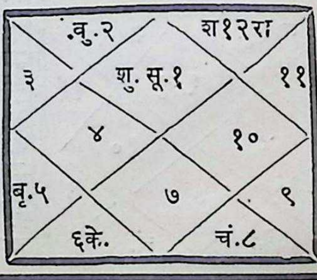

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं.रा.प्र. रा.	घ.	प.	सू.उ. घं.	मि.	सू.अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	०	१	चं.	२६	३	ऽनु	४८	४४	प.	३६	५६	कौ.	२६	३	तै.	५३	१	मानस	१३	१४	३०				५	२४	६	३६	०	२९	२७	५९	५७	४०
३३	२	२	मं.	२०	०	ज्ये.	४४	४५	शि.	२९	२५	ग.	२०	०	व.	४७	६	मुद्गर	१४	१५	३१	ध.	४४	४५	५	२४	६	३६	१	०	२५	४१	५७	३९
३३	५	३	बु.	१४	१२	मू.	४१	६	सि.	२२	११	वि.	१४	१२	वव	४१	३३	ध्वज	१५	१६	१				५	२३	६	३७	१	१	२३	२१	५७	३९
३३	७	४	बृ.	८	५५	पू.	३८	४	सा.	१५	१३	वा.	८	५५	कौ.	३६	३५	धाता	१६	१७	२	म.	५२	३१	५	२३	६	३७	१	२	२१	०	५७	३७
३३	१०	५	शु.	४	१५	उ.	३५	५२	शु.	८	५६	तै.	४	१५	ग.	३२	१९	आनन्द	१७	१८	३				५	२२	६	३८	१	३	१८	३७	५७	३४
३३	१२	६	श.	० ५७	२४ १	श्र.	३४	२६	शु.	३ ५५	१७ ४	व.	०	२४	वि.	२८ ५७	५८ ३३	स्थिर	१८	१९	४				५	२२	६	३८	१	४	१६	१२	५७	३२
३३	१५	८	र.	५५	५१	ध.	३४	३	ऐं.	५४	३३	वा.	२६	४२	कौ.	५५	५१	मातंग	१९	२०	५	कु.	४	१४	५	२१	६	३९	१	५	१३	४४	५७	२९
३३	१६	९	चं.	५५	२२	श.	३४	५७	वै.	५०	२७	तै.	२५	३६	ग.	५५	२२	अमृत	२०	२१	६				५	२१	६	३९	१	६	११	१५	५७	२७
३३	१९	१०	मं.	५६	११	पू.	३७	४	वि.	४९	४१	व.	२५	४६	वि.	५६	११	कांण	२१	२२	७	मी.	२१	३२	५	२०	६	४०	१	७	८	४२	५७	२५
३३	२१	११	बु.	५८	१९	उ.	४०	२९	प्री.	४८	४७	वव	२७	१५	वा.	५८	१९	लुम्ब	२२	२३	८				५	२०	६	४०	१	८	६	८	५७	२४
३३	२३	१२	बृ.	६०	०	रे.	४५	१	आ.	४८	४६	कौ.	२९	५६	तै.	६०	०	मित्र	२३	२४	९	मे.	४५	१	५	१९	६	४१	१	९	३	३४	५७	२४
३३	२५	१२	शु.	१	३४	अ.	५०	३३	सौ.	४९	३३	तै.	१	३४	ग.	३३	४०	वज्र	२४	२५	१०				५	१९	६	४१	१	१०	०	५९	५७	२२
३३	२८	१३	श.	५	४७	भ.	५६	४५	शो.	५०	४९	व.	५	४७	वि.	३८	१३	ध्वांक्ष	२५	२६	११				५	१८	६	४२	१	१०	५८	२१	५७	२०
३३	३०	१४	र.	१०	४०	कृ.	६०	०	अ.	५२	२७	श.	१०	४०	च.	४३	१२	धूम्र	२६	२७	१२	वृ.	१३	२४	५	१८	६	४२	१	११	५५	४४	५७	१९
३३	३२	३०	चं.	१५	४५	कृ.	३	२१	सु.	५४	५	ना.	१५	४५	किं.	४८	१५	स्थिर	२७	२८	१३				५	१८	६	४२	१	१२	५३	४	५७	१७

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० ज्येष्ठ कृष्णपक्षः। मई१३ २७ तक । सौम्यायनगोलौ । ग्रीष्म ऋतुः ।

या.ज.मु. २६।३ या.। d ४५।१ या.। मिथुने वुधः २४।७

भ. ४७।६ उ.। वृषेऽर्कः १०।४। रोहिणी भे भौमः १४।५१।

भ. १४।१२ या.। सौर ज्येष्ठारम्भः। गणेश ४।

या.ज.मु. ३८।४ उ.। a दक्षिण-पूर्वो यात्रा मु. २८।५८ उ.।b

स.सि. योगः ३५।५२ उ.। b या. ज. मु. ३४।२६ उ.

भ. ०।२४ उ. २८।५८ या.। स. सि. योगः ३४।२६ या.। a

पञ्चकारम्भः ४।१४ उ.। शीतलाष्टमी । g ५।४७ या.।

भ. २५।४६ उ. ५६।११ या.। वृषे शुक्रः २४।५१।

अपरा ११ व्रतं स्मार्तानाम्। शुक्रास्त पूर्वस्याम् ३५।३३।

अपरा ११ व्रतं वैष्णवानाम्। स.सि. योग।। पञ्चक समाप्त d

रोहिण्यामर्कः ३८।१८। प्रदोषः। स.सि.योगः।

भ. ५।४७ उ. ३८।१३ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्। या.ज.मु.g

स्नानदानादौ ३०। वटसावित्री व्रतम्। स.सि योगः ३।२१ उ.

ज्ये. कृ. १ चन्द्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	१	१	४	०	११	११	५
२९	९	१४	१	१८	२५	२३	२३
३६	३०	३०	३६	४२	२४	३	३
२०	३४	१८	३९	१३	१७	२३	२३
५७	४२	१०२	३ ३/५	७१	६	३	३
४४	३९	३७	मा.	३१	५८	११	११

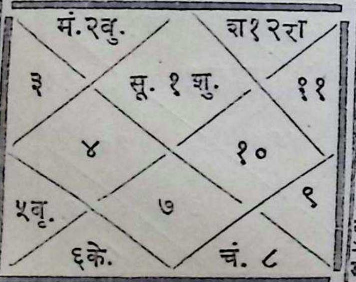

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.		२ म.		तिथयः	३ बु.		४ बृ.		५ शु.		६ श.		८ र.		९ चं.		१० मं.		११ बु.		१२ बृ.		१२ शु.		१३ श.		१४ र.		३० चं.	
मे. अं.	५	२८	५	२४	वृ. अं	७	१६	७	१२	७	८	७	४	६	५९	६	५५	६	५१	६	४७	६	४३	६	३९	६	३५	६	३१	६	२७
वृ. अं.	७	२४	७	२०	मि. अं	९	३०	९	२६	९	२२	९	१८	९	१३	९	९	९	५	९	१	८	५७	८	५३	८	४९	८	४५	८	४१
मि. अं.	९	३८	९	३४	क. अं	११	४९	११	४५	११	४१	११	३७	११	३२	११	२८	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२	११	८	११	४	११	०
क. अं.	११	५७	११	५३	सिं अं	२	४	२	०	१	५६	१	५२	१	४७	१	४३	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५
सिं. अं.	२	१२	२	८	कं. अं	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	४	१	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९
कं. अं.	४	२६	४	२२	तु. अं	६	३५	६	३१	६	२७	६	२३	६	१८	६	१४	६	१०	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६
राशयः	रा०		रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
तु. अं.	६	४३	६	३९	वृ. अं	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३५	८	३१	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३
वृ. अं.	९	०	८	५६	ध. अं.	१०	५७	१०	५३	१०	४९	१०	४५	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८
ध. अं.	११	५	११	१	म. अ.	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	५	१२	१	११	५७	११	५३
म. अं.	१२	५०	१२	४६	कुं. अं.	२	१४	२	१०	२	६	२	२	१	५८	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७	१	३३	१	२९	१	२५
कुं. अं.	२	२२	२	१८	मी. अं.	३	४२	३	३८	३	३४	३	३०	३	२५	३	२१	३	१७	३	१३	३	९	३	५	३	१	२	५७	२	५३
मी. अं.	३	५०	३	४६	मे. अं.	५	२०	५	१६	५	१२	५	८	५	३	४	५९	४	५५	४	५१	४	४७	४	४३	४	३९	४	३५	४	३१

ज्ये. कृ. १२ गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	१	१	४	१	११	११	५
९	१६	२९	२	१	२६	२२	२२
१३	३६	१२	१८	१२	३०	३२	३२
३४	१५	२५	४५	११	९	३७	३७
५७	४२	९०	४	७१	६	३	३
२५	१३	३४	३७	३७	५	११	११

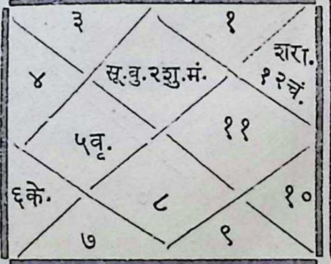

दि.मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३३	३३	१	मं.	२०	४४	रो.	९	४९	धृ.	५५	२१	वव	२०	४४	वा.	५२	५४	मातंग	२८	२९	१४	मि.	४२	४९	५	१७	६	४३	१	१३	५०	२२	५७	१५
३३	३५	२	बु.	२५	४	मृ.	१५	४८	शू.	५६	८	कौ.	२५	४	तै.	५६	४८	अमृत	२९	१	१५				५	१७	६	४३	१	१४	४७	३८	५७	१३
३३	३७	३	बृ.	२८	३३	आ.	२१	१	गं.	५६	४	ग.	२८	३३	व.	५९	४३	काण	३०	२	१६				५	१७	६	४३	१	१५	४४	५२	५७	१३
३३	३९	४	शु.	३०	५४	पु.	२५	८	वृ.	५५	१०	वि.	३०	५४	वव	६०	०	लुम्ब	३१	३	१७	क.	९	६	५	१६	६	४४	१	१६	४२	७	५७	१२
३३	४०	५	श.	३२	४	पु.	२८	४	ध्रु.	५३	१४	वव	१	३९	वा.	३२	४	मित्र	१	४	१८				५	१६	६	४४	१	१७	३९	२१	५७	१०
३३	४२	६	र.	३१	५४	श्ले	२९	४६	व्या	५०	१६	कौ.	१	५९	तै.	३१	५४	वज्र	२	५	१९	सिं.	२९	४६	५	१६	६	४४	१	१८	३६	३२	५७	८
३३	४३	७	चं.	३०	३०	म.	३०	१४	ह.	४६	१८	ग.	१	१२	व.	३०/५९	३०/११	ध्वांक्ष	३	६	२०				५	१५	६	४५	१	१९	३३	४२	५७	८
३३	४५	८	मं.	२७	५३	पू.	२९	३०	व.	४१	२८	वव	२७	५३	वा.	५६	४	धूम्र	४	७	२१	कं.	४४	४	५	१५	६	४५	१	२०	३०	५१	५७	७
३३	४६	९	बु.	२४	१६	उ.	२७	४६	सि.	३५	५१	कौ.	२४	१६	तै.	५२	१	वर्धमा.	५	८	२२				५	१५	६	४५	१	२१	२८	०	५७	७
३३	४७	१०	बृ.	१९	४७	ह.	२५	१२	व्य.	२९	३०	ग.	१९	४७	व.	४७	१०	रक्ष	६	९	२३	तु.	५३	३३	५	१५	६	४५	१	२२	२५	९	५७	५
३३	४८	११	शु.	१४	३४	चि.	२१	५५	व.	२२	३८	वि.	१४	३४	वव	४१	३७	मुशल	७	१०	२४				५	१४	६	४६	१	२३	२२	१६	५७	३
३३	४९	१२	श.	८	४१	स्वा	१८	८	प.	१५	२२	वा.	८	४१	कौ.	३५	४५	सिद्धि	८	११	२५				५	१४	६	४६	१	२४	१९	२१	५७	२
३३	५०	१३	र.	२/५३	४२/५४	वि.	१४	३	शि.	७	५०	तै.	२	४९	ग.	२९/५६	४१/३४	उत्पात	९	१२	२६	वृ.	०	४	५	१४	६	४६	१	२५	१६	२४	५७	०
३३	५२	१५	चं.	५०	२७	ज्ये.	९	५१	सि.	०/५२	११/२८	वि.	२३	३०	वव	५०	२७	मानस	१०	१३	२७				५	१४	६	४६	१	२६	१३	२६	५७	०

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० ज्येष्ठ शुक्लपक्षः। मई २८ से जून १० तक। सौम्यायनगोलौ। ग्रीष्मऋतुः।

चन्द्रोदयः। दश दिनात्मक दशहरा प्रारम्भः।

दक्षिण पश्चिमौ यात्रा मु. १५।४९ या.। सफर

भ. ५९।४३ उ.। स.सि. योगः २१।१ उ.। प्रतीच्यां यात्रा मु. a

भ. ३०।५४ या.। स.सि.योगः २५।८ या.। उदीच्यां यात्रा मु.। b

जून। प्रतीच्यां यात्रा मु. २८।४ या.। मृगभे भौमः ५५।१३।

a २१।१ उ.। गणेश ४। रोहिणीभे शुक्रः ३६।४४।

भ. ३०।३० उ. ५९।११ या.। b आर्द्रायां बुधः ३६।११

स.सि. योगः २७।४६ उ.। दक्षिणपूर्वौ यात्रा मु. २७।४६ उ.

भ.४७।१० उ.। गंगा दशहरा। प्राच्यां यात्रा मु.२५।१२ या.।

भ.१४।३४ या.मृगभेऽर्कः ३७।१९। निर्जला ११ व्रतं सर्वेषाम्।

प्रदोषः। स.सि. योग। १८।८ या.।

भ. ५६।३४ उ। वक्री बुधः ५९।२५।

भ. २३।३० या.। स.सि. योगः ९।५१ मृगभे शुक्रः ५६।४४।

c या. वटसावित्री व्रतम्। पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. ९।५१ या.

ज्येष्ठ शुक्ल ६ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	१	२	४	१	११	११	५
१८	२३	८	३	१३	२७	२२	२२
३६	३६	६	३०	१८	३६	०	०
३२	५८	२७	१९	१५	१५	५०	५०
२७	४१	५३	७	७२	६	३	३
१२	५४	५७	३	५	३६	११	११

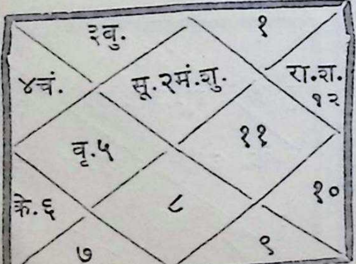

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ म.		२ बु.		३ बृ.		४ शु.		५ श.		६ र.		७ च.		८ म.		९ बु.		१० बृ.		११ शु.		१२ श.		१३ र.		१५ च.	
वृ. अं.	६	२३	६	१९	६	१५	६	११	६	७	६	३	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७	५	४३	५	३९	५	३५	५	३१
मि. अं.	८	३७	८	३३	८	२९	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	१	७	५७	७	५३	७	४९	७	४५
क. अं.	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४
सिं. अं.	१	११	१	७	१	३	१२	५९	१२	५५	१२	५१	१२	४७	१२	४३	१२	३९	१२	३५	१२	३१	१२	२७	१२	२३	१२	१९
कं. अं.	३	२५	३	२१	३	१७	३	१३	३	९	३	५	३	१	२	५७	२	५३	२	४९	२	४५	२	४१	२	३७	२	३३
तु. अं.	५	४२	५	३८	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८	५	१४	५	१०	५	६	५	२	४	५८	४	५४	४	५०
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	७	५९	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९	७	३५	७	३१	७	२७	७	२३	७	१९	७	१५	७	११	७	७
ध. अं.	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२
म. अं.	११	४९	११	४५	११	४१	११	३७	११	३३	११	२९	११	२५	११	२१	११	१७	११	१३	११	९	११	५	११	१	१०	५७
कुं. अं.	१	२१	१	१७	१	१३	१	९	१	५	१	१	१२	५७	१२	५३	१२	४९	१२	४५	१२	४१	१२	३७	१२	३३	१२	२९
मी. अं.	२	४९	२	४५	२	४१	२	३७	२	३३	२	२९	२	२५	२	२१	२	१७	२	१३	२	९	२	५	२	१	१	५७
मे. अं.	४	२७	४	२३	४	१९	४	१५	४	११	४	७	४	३	३	५९	३	५५	३	५१	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५

ज्येष्ठ शुक्ल १३ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	१	२	४	१	११	११	५
२५	२८	७	४	२५	२८	२१	२१
१६	१६	१६	२१	१६	२१	३८	३८
२४	१५	३१	१६	४१	१९	३१	३१
५७	४६	१२	७	७१	५	३	३
०	२६	३५	१२	३७	५२	११	११

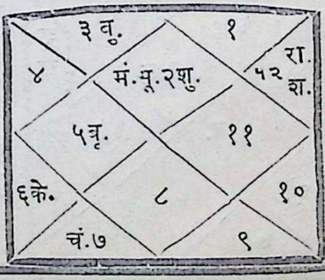

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३३	५२	१	मं.	४४	३७	ज्ये.	५	४६	शु.	४५	१७	वा.	१७	३२	कौ.	४४	३७	मुद्गर	११	१४	२८	ध.	५	४६	५	१४	६	४६	१	२७	१०	२८	५६	५९
३३	५३	२	बु.	३९	१३	मू.	२/५६	३/४८	शु.	३८	१९	तै.	११	५५	ग.	३९	१३	ध्वज	१२	१५	२९				५	१३	६	४७	१	२८	७	२९	५६	५८
३३	५४	३	बृ.	३४	२६	उ.	५६	२४	ब्र.	३१	५५	व.	६	४९	वि.	३४	२६	सौम्य	१३	१६	३०	म.	१३	१४	५	१३	६	४७	१	२९	४	३०	५६	५७
३३	५४	४	शु.	३०	३०	श्र.	५४	४४	ऐं.	२६	१०	वव	२	२८	वा.	३०/५९	३०/२	धूम्र	१४	१७	३१				५	१३	६	४७	२	०	१	२८	५६	५६
३३	५५	५	श.	२७	३४	ध.	५४	८	वै.	२१	१२	तै.	२७	३४	ग.	५६	३८	वर्धमा.	१५	१८	१	कुं	२४	२६	५	१३	६	४७	२	०	५८	२६	५६	५६
३३	५५	६	र.	२५	४३	श.	५४	४४	वि.	१७	६	व.	२५	४३	त्रि.	५५	२४	रक्ष	१६	१९	२				५	१३	६	४७	२	१	५५	२४	५६	५५
३३	५६	७	चं.	२५	५	पू.	५६	३४	प्री.	१४	२	वव	२५	५	वा.	५५	२५	मुशल	१७	२०	३	मी.	४१	७	५	१३	६	४७	२	२	५२	२१	५६	५४
३३	५६	८	मं.	२५	४६	उ.	५९	४२	आ.	११	५६	कौ.	२५	४६	तै.	५६	४७	सिद्धि	१८	२१	४				५	१३	६	४७	२	३	४९	१७	५६	५४
३३	५६	९	बु.	२७	४८	रे.	६०	०	सौ.	१०	५४	ग.	२७	४८	व.	५९	२०	उत्पा.	१९	२२	५				५	१३	६	४७	२	४	४६	१३	५६	५३
३३	५७	१०	बृ.	३०	५३	रे.	३	५५	शो.	१०	४२	वि.	३०	५३	वव	६०	०	मित्र	२०	२३	६	मे.	३	५५	५	१३	६	४७	२	५	४३	७	५६	५२
३३	५७	११	शु.	३५	०	अ.	९	१३	अ.	११	२३	वव	२	५६	वा.	३५	०	वज्र	२१	२४	७				५	१३	६	४७	२	६	४०	१	५६	५२
३३	५७	१२	श.	३९	४७	भ.	१५	१८	सु.	१२	३७	कौ.	७	२३	तै.	३९	४७	ध्वांक्ष	२२	२५	८	वृ.	३१	५५	५	१३	६	४७	२	७	३६	५३	५६	५२
३३	५७	१३	र.	४४	५१	कृ.	२१	४८	धृ.	१४	१२	ग.	१२	१९	व.	४४	५१	धूम्र	२३	२६	९				५	१३	६	४७	२	८	३३	४९	५६	५२
३३	५६	१४	चं.	४६	४८	रो.	२८	१८	शू.	१५	५५	वि.	१७	१९	श.	४९	४८	वर्धमा.	२४	२७	१०				५	१३	६	४७	२	९	३०	४१	५६	५०
३३	५६	३०	मं.	५४	१०	मृ.	३२	३	गं.	१७	१८	च.	२१	४९	ना	५४	१०	रक्ष	२५	२८	११	मि.	०	१०	५	१३	६	४७	२	१०	२७	३४	५६	५०

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० आषाढ़ कृष्ण पक्षः। जून ११ से २५ तक। सौम्यायनगोलौ। ग्रीष्मऋतुः।

मिथुने भौमः ३६।४१। Aश्रवसि पूर्व यात्रा मु.। गणेश ४।
B२४।२६ या. ततः प्रतीच्यां यात्रा मु.
भ. ६।४९ उ. ३४।२६ या.। या.ज.मु. ३४।२६ या.। A
मिथुनेऽर्कः ३६।४४। स.सि. योगः दक्षिणपूर्वो यात्रा मु.।
सौराषारम्भः। पञ्चकारम्भः२४।२६ उ.दक्षिण यात्रा मु.B
भ. २५।४३ उ. ५५।२४ या.। मिथुने शुक्रः ६।४७।
C ५५।३९ पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. ३।५५ या. ततः*
* उत्तर यात्रा मु.। Dयात्रा मु.। आर्द्रायां भौमः २४।१८
भ. ४९।२० उ.। दशम्यां प्रतीच्यां यात्रा मु.।
भ. ३०।४३ या.। पञ्चक समाप्तं ३।५५। आर्द्रायां शुक्रःC
शिवभेऽर्कः ३८।२०। योगिनी ११ व्रतं सर्वेषाम्। पूर्वोत्तरौD
वक्र गत्या वृषे बुधः १८।३९ E २८।१८ या.
भ. ४४।५१ उ.। प्रदोषः। त्रयोदशी रोहिणी भौमे या.ज.मु.।
भ. १७।१९ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्। स.सि. योगःE
भौमवती ३०। स्नानादानादौ ३०

आ. कृ. २ बुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	२	२	४	१	११	११	५
२८	०	७	४	२५	२८	२१	२१
७	१८	४२	४२	३६	३६	२९	२९
२९	१५	३१	४१	३९	४२	३	३
५७	४१	१२	७	७१	५	३	३
०	२६	३५	१२	३७	५२	११	११

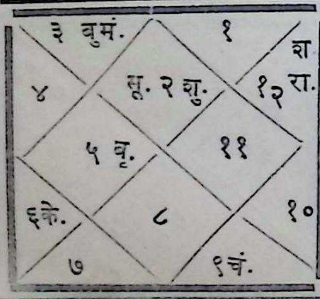

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१मं.		२बु.		३बृ.		४शु.		ति.	५श.		६र.		७चं.		८मं.		९ बु.		१० बृ.		११शु.		१२श.		१३र.		१४चं.		३०मं.	
वृ. अं.	५	२७	५	२३	५	२०	५	१६	मि.	७	२६	७	२२	७	१८	७	१४	७	१०	७	६	७	२	६	५८	६	५३	६	४९	६	४५
मिं. अं.	७	४१	७	३७	७	३४	७	३०	क.	९	४५	९	४१	९	३७	९	३३	९	२९	९	२५	९	२१	९	१७	९	१२	९	८	९	४
क. अं.	१०	०	९	५६	९	५३	९	४९	सिं.	१२	०	११	५६	११	५२	११	४८	११	४४	११	४०	११	३६	११	३२	११	२७	११	२३	११	१९
सिं. अं.	१२	१५	१२	११	१२	८	१२	४	कं.	२	१४	२	१०	२	६	२	२	१	५८	१	५४	१	५०	१	४६	१	४१	१	३७	१	३३
कं. अं.	२	२९	२	२५	२	२२	२	१८	तु.	४	३१	४	२७	४	२३	४	१९	४	१५	४	११	४	७	४	३	३	५८	३	५४	३	५०
तु. अं.	४	४६	४	४२	४	३९	४	३५	वृ.	६	४८	६	४४	६	४०	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	६	२०	६	१५	६	११	६	७
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	७	३	६	५९	६	५६	६	५२	ध.	८	५३	८	४९	८	४५	८	४१	८	३७	८	३३	८	२९	८	२५	८	२०	८	१६	८	१२
ध. अं.	९	४	९	४	९	१	८	५७	म.	१०	३८	१०	३४	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	५	१०	१	९	५७
म. अं.	१०	५३	१०	४९	१०	४६	१०	४२	कुं.	१२	१०	१२	६	१२	२	११	५८	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२	११	३७	११	३३	११	२९
कुं. अं.	१२	२५	१२	२१	१२	१८	१२	१४	मी.	१	३८	१	३४	१	३०	१	२६	१	२२	१	१८	१	१४	१	१०	१	५	१	१	१२	५७
मी. अं.	१	५३	१	४९	१	४६	१	४२	मे	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५६	२	५२	२	४८	२	४३	२	३९	२	३५
मे. अं.	३	३१	३	२७	३	२४	३	२०	वृ.	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५६	४	५२	४	४८	४	४४	४	३९	४	३५	४	३१

आ. कृ. १२ शनौ. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	२	४	२	११	११	५
७	७	०	६	८	२९	२०	२०
३६	६	१२	१२	०	१८	५७	५७
५३	९	१५	३८	९	२५	१५	१५
५६	४१	४१/२२	९	७७	५	३	३
५३	५६	व.	१	२७	२८	११	११

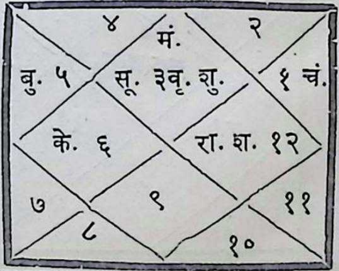

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	ओ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० आषाढ़ शुक्लपक्षः जून २६ से जुलाई १० तक। सौम्यायनगोलो ग्रीष्म ऋतुः
३३	५६	१	बु.	५७	४१	आ.	३८	५०	वृ.	१८	१२	किं.	२५	५५	वव	५७	४१	मुशल	२६	२९	१२				५	१३	६	४७	२	११	२४	२६	५६	५०	
३३	५६	२	गु.	६०	०	पुन.	४४	९	ध्रु.	१९	२०	वा.	२८	५२	कौ.	६०	०	सिद्धि	२७	३०	१३	क.	२७	४९	५	१३	६	४७	२	१२	२१	१७	५६	४९	चन्द्रोदयः। प्रतीच्यां यात्रा मु.। रथयात्रा २। बुधोदयः a
३३	५५	२	शु.	०	३	पु.	४७	२३	व्या	१७	३६	कौ.	०	३	तै.	३०	३९	उत्पात	२८	१	१४				५	१३	६	४७	२	१३	१८	८	५६	४९	उदीच्यां यात्रा मु.। रविउलअव्वल। aप्राच्याम् २।२९।
३३	५५	३	श.	१	१५	श्ले.	४९	१९	ह.	१५	५२	ग.	१	१५	व.	३१	११	मानस	२९	२	१५	सिं.	४९	१९	५	१३	६	४७	२	१४	१४	५९	५६	४९	भ. ३१।११ उ.। या. ज.मु. १।१५ या.। गणेश ४।
३३	५४	४	र.	५/५८	८/३९	म.	४९	५८	व.	१३	४	वि.	१	८	वव	३०/५९	२७/४७	मुद्गर	३०	३	१६				५	१३	६	४७	२	१५	११	४९	५६	४८	भ. १।८ या.।
३३	५३	६	चं.	५७	१२	पू.	४९	२८	सि.	९	१७	कौ.	२८	२९	तै.	५७	१२	ध्वज	१	४	१७				५	१३	६	४७	२	१६	८	४०	५६	४८	जुलाई। पुनःभे शुक्र।४६।१२। मेषे शनिः ५८।५९।
३३	५३	७	मं.	५३	३५	उ.	४७	५४	व्य.	४/५४	३६/३०	ग.	२५	२३	व.	५३	३५	धाता	२	५	१८	कं.	४	४	५	१४	६	४६	२	१७	५	३०	५६	४८	भ. ५३।३५ उ.। हस्ते दक्षिण यात्रा मु.।
३३	५२	८	बु.	४९	९	ह.	४५	३१	प.	५२	५५	वि.	२१	२२	वव	४९	९	आनन्द	३	६	१९				५	१४	६	४६	२	१८	२	२०	५६	४८	भ. २१।२२ या.। मार्गी बुधः ३।११।
३३	५१	९	बृ.	४३	५७	चि.	४२	२३	शि.	४६	७	वा.	१६	३३	कौ.	४३	५७	चर	४	७	२०	तु.	१३	५७	५	१४	६	४६	२	१८	५९	१०	५६	४८	*चातुर्मास्य व्रतारम्भः।
३३	५०	१०	शु.	३८	१२	स्वा	३८	३९	सि.	३८	५१	तै.	११	४	ग.	३८	१२	गद	५	८	२१				५	१४	६	४६	२	१९	५६	०	५६	४८	पुनर्भेऽर्कः ४३।२१
३३	४९	११	श.	३२	९	वि.	३४	३५	सा.	३१	२१	व.	५	१०	वि	३२/५९	०/१	शुभ	६	९	२२	वृ.	२०	३६	५	१४	५	४६	२	२०	२२	५२	५६	४९	भ. ५।१० उ. ३२।९ या.। हरिशयनी ११ व्रतं सर्वेषाम्।*
३३	४८	१२	र.	२५	५४	ऽनु.	३०	२५	शु.	२३	४१	वा.	२५	५४	कौ.	५२	४९	मृत्यु	७	१०	२३				५	१५	५	४५	२	२१	४९	४३	५६	४९	प्रदोषः। C शुक्रः १६।४४।
३३	४६	१३	चं.	१९	४५	ज्ये.	२६	१८	शु.	१६	७	तै.	१९	४५	ग.	४६	४८	पद्म	८	११	२४	ध.	२६	१८	५	१५	५	४५	२	२२	४६	३४	५६	४९	
३३	४५	१४	मं.	१३	५२	मू.	२२	१७	ब्र.	८	४३	व.	१३	५२	वि.	४१	६	छत्र	९	१२	२५				५	१५	५	४५	२	२३	४३	२६	५६	५०	भ. १३।५२ उ. ४१।६ या.। व्रताय १५।
३३	४४	१५	बु.	८	२०	पू.	१९	७	ऐ.	९/५३	३८/२८	वव	८	२०	वा.	३५	५५	श्रीवत्स	१०	१३	२६	म.	४७	४६	५	१५	५	४५	२	२४	४०	१८	५६	५०	गुरुपूर्णिमा। गुरुव्यासयोः पूजनम्। स्नानदानादौ १५। कर्कC

आ. शु. ७ भौ. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	१	४	२	०	११	५
१७	१४	२९	७	२०	०	२०	२०
५	०	१२	५४	१२	०	२५	२५
३०	१	२१	७	२५	१	२६	२६
५६	४१	५/५८	९	७१	४	३	३
५०	४८	व.	३१	२७	५	११	११

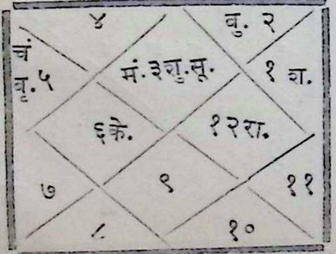

दैनिक लग्नसारिणी

तिथय	१ बु.	२ बृ.	२ शु.	३ श.	४ र.	६ च.	७ म.	८ बु.	९ बृ.	१० शु.	११ श.	१२ र.	१३ च.	१४म.	१५बु.
मि. अं.	६ ४१	६ ३६	६ ३२	६ २८	६ २४	६ २०	६ १६	६ १२	६ ८	६ ४	६ ०	५ ५६	५ ५२	५ ४८	५ ४४
क. अं.	९ ०	८ ५५	८ ५१	८ ४७	८ ४३	८ ३९	८ ३५	८ ३१	८ २७	८ २३	८ १९	८ १५	८ ११	८ ७	८ ३
सिं. अं.	११ १५	११ १०	११ ६	११ २	१० ५८	१० ५४	१० ५०	१० ४६	१० ४२	१० ३८	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८
कं. अं.	१ २९	१ २४	१ २०	१ १६	१ १२	१ ८	१ ४	१ ०	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३२
तु. अं.	३ ४६	३ ४१	३ ३७	३ ३३	३ २९	३ २५	३ २१	३ १७	३ १३	३ ९	३ ५	३ १	२ ५७	२ ५३	२ ४९
वृ. अं.	६ ३	५ ५८	५ ५४	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३८	५ ३४	५ ३०	५ २६	५ २२	५ १८	५ १४	५ १०	५ ६
रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
ध. अं.	८ ८	८ ३	७ ५९	७ ५५	७ ५१	७ ४७	७ ४३	७ ३९	७ ३५	७ ३१	७ २७	७ २३	७ १९	७ १५	७ ११
म. अं.	९ ५३	९ ४८	९ ४४	९ ४०	९ ३६	९ ३२	९ २८	९ २४	९ २०	९ १६	९ १२	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६
कुं. अं.	११ २५	११ २०	११ १६	११ १२	११ ८	११ ४	११ ०	१० ५६	१० ५२	१० ४८	१० ४४	१० ४०	१० ३६	१० ३१	१० २८
मी. अं.	१२ ५३	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१२ २०	१२ १६	१२ १२	१२ ८	१२ ४	१२ ०	११ ५६
मे. अ.	२ ३१	२ २६	२ २२	२ १८	२ १४	२ १०	२ ६	२ २	१ ५८	१ ५४	१ ५०	१ ४६	१ ४२	१ ३८	१ ३४
वृ. अं.	४ २७	४ २२	४ १८	४ १४	४ १०	४ ६	४ २	३ ५८	३ ५४	३ ५०	३ ४६	३ ४२	३ ३८	३ ३४	३ ३०

आ. शु. १४ भौ. इ. ०।०

चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	२	४	२	०	११	५
२३	१८	५	९	२९	०	२०	२०
४३	२८	२२	९	२४	३३	४	४
२६	१५	३१	१८	१६	१४	३८	३८
५६	३५	४७	११	७१	३	३	३
५०	५२	२६	३९	३९	३८	११	११

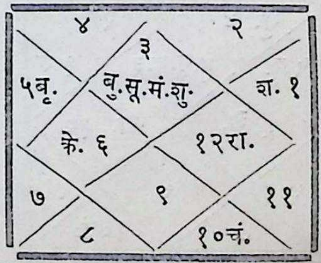

दि- मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	४२	१	बृ.	२६	३१/०	उ.	१६	२५	वि.	४९	१४	कौ.	३	३१	तै.	३१/५६	३१/३१	सौम्य	११	१४	२७				५	१६	६	४४	२	२५	३७	१०	५६	५०
३३	४१	३	शु.	५६	२७	श्र.	१४	३६	प्री.	४४	६	व.	२७	५९	वि.	५६	२७	धूम्र	१२	१५	२८	कुं.	४४	१०	५	१६	६	४४	२	२६	३४	४	५६	५२
३३	३९	४	श.	५४	३२	ध.	१३	४५	आ.	३९	४८	वव	२५	२९	वा.	५४	३२	वर्ध.	१३	१६	२९				५	१६	६	४४	२	२७	३०	५८	५६	५२
३३	३८	५	र.	५३	४६	श.	१४	३	सौ.	३६	३०	कौ.	२४	९	तै.	५३	४६	रक्ष	१४	१७	३०				५	१६	६	४४	२	२८	२७	५२	५६	५२
३३	३६	६	चं.	५४	२०	पू.	१५	३६	शो.	३४	१५	ग.	२४	३	व.	५४	२०	मुशल	१५	१८	३१	मी.	०	१३	५	१७	६	४३	२	२९	२४	४६	५६	५२
३३	३४	७	मं.	५६	१५	उ.	१८	२५	अ.	३८	५६	वि.	२५	१७	वव	५६	१५	सिद्धि	१६	१९	३२				५	१७	६	४३	३	०	२१	४१	५६	५३
३३	३२	८	बु.	५९	१३	रे.	२२	२३	सु.	३८	३४	वा.	२७	४४	कौ.	५९	१३	उत्पात	१७	२०	१	मे.	२२	२३	५	१८	६	४२	३	१	१८	३६	५६	५४
३३	३०	९	बृ.	६०	०	अ.	२७	२८	धृ.	३३	६	तै.	३१	१३	ग.	६०	०	मानस	१८	२१	२				५	१८	६	४२	३	२	१५	३४	५६	५५
३३	२८	९	शु.	३	१४	भ.	३३	२४	शू.	३४	१२	ग.	३	१४	व.	३५	३६	मुद्गर	१९	२२	३	वृ.	५०	०	५	१८	६	४२	३	३	१२	३१	५६	५६
३३	२७	१०	श.	७	५८	कृ.	३९	४६	गं.	३५	४६	वि.	७	५८	वव	४०	२९	ध्वज	२०	२३	४				५	१९	६	४१	३	४	९	२९	५६	५६
३३	२४	११	र.	१३	०	रो.	४६	२१	वृ.	३७	२८	वा.	१३	०	कौ.	४५	२७	धाता	२१	२४	५				५	१९	६	४१	३	५	६	२७	५६	५७
३३	२२	१२	चं.	१७	५५	मृ.	५२	३४	ध्रु.	३८	५४	तै.	१७	५५	ग.	५०	७	आनन्द	२२	२५	६	मि.	१९	२७	५	२०	६	४०	३	६	३	२७	५६	५८
३३	२०	१३	मं.	२२	१९	आ.	५८	७	व्या	३९	५४	व.	२२	१९	वि.	५४	९	चर	२३	२६	७				५	२०	६	४०	३	७	०	२७	५६	५९
३३	१८	१४	बु.	२५	५९	पु.	६०	०	ह.	४०	१३	श.	२५	५९	च.	५७	१२	गद	२४	२७	८	क.	४६	३३	५	२०	६	४०	३	७	५७	२९	५६	०
३३	१६	३०	बृ.	२८	२५	पु.	२	४२	व.	३९	३४	ना.	२८	२५	किं	५९	५	सिद्धि	२५	२८	९				५	२१	६	३९	३	८	५४	३१	५६	०

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० श्रावण कृष्ण पक्षः जुलाई ११ से २५ तक। सौम्यायनगोलौ वर्षा ऋतुः

या.ज.मु.३।३१ या.। प्राच्यां यात्रा मु.। पुन.भे भौमः ४६।१४A
भ. २७।५९ उ.५६।२७ या.। स.सि. योगः। दक्षिणपूर्वो।B
A आर्द्रायां बुधः १।९ ।
B यात्रा मु. ४।१० या.। पञ्चकारम्भः ४४।१० उ.
भ. ५४।२० उ.। C पुन.भे बुधः ३६।१८।
भ. २५।१७ या.। कर्कोऽर्कः १४।३४।
सौर श्रावणारम्भः। पञ्चक समाप्त २२।२३ ।
या.ज.मु २७।२८ उ.।
भ. ३५।३६ उ.। पुष्यभेऽर्कः ४६।२२। या.ज.मु. ४।१४ या.।
भ. ७।५८ या.। स.सि. योगः ३९।४६ उ. ।
कामदा ११ व्रतं सर्वेषाम्। मृगभे दक्षिणपूर्वं यात्रा मु.। C
प्रदोषः। प्रतीच्यां यात्रा मु. १९।२७ उ.।
भ.२२।१९ उ.५४।९ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्। शुक्रोदयःD
Dप्रतीच्याम् १४।२१। श्लेषायां शुक्रः १४।७।
स.सि.अ.सि. योग २।२९ उ.। स्नानदानादौ ३०। कर्केE
E भौमः ५६।१४।

श्रावण कृ. ३ शुक्रे. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	२	४	३	०	११	५
२६	२०	७	९	२	०	१९	१९
४२	४२	४२	४२	२४	४२	५५	५८
१५	१५	३१	११	१	१	२८	३८
५६	३५	४७	११	७१	३	३	३
४३	५२	३६	३९	३९	३८	११	११

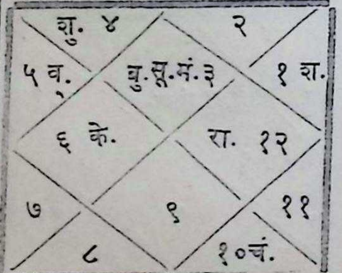

दैनिक लग्नसारिणी

ति	१ बृ.	३ शु.	४ श.	५ र.	६ चं.	७ मं.	ति.	८ बु.	९ बृ.	९ श.	१० श.	११ र.	१२ चं.	१३ मं.	१४ बु.	३० बृ.
सि.	५ ३९	५ ३५	५ ३१	५ २७	५ २३	५ १९	मे.	७ ३४	७ ३०	७ २६	७ २२	७ १८	७ १४	७ १०	७ ६	७ २
क.	७ ५८	७ ५४	७ ५०	७ ४६	७ ४२	७ ३८	वृ.	९ ४९	९ ४५	९ ४१	९ ३७	९ ३३	९ २९	९ २५	९ २१	९ १७
सिं	१० १३	१० ९	१० ५	१० १	९ ५७	९ ५३	मि.	१२ ३	११ ५९	११ ५५	११ ५१	११ ४७	११ ४३	११ ३९	११ ३५	११ ३१
कं.	१२ २७	१२ २३	१२ १९	१२ १५	१२ ११	१२ ७	क.	२ २०	२ १६	२ १२	२ ८	२ ४	२ ०	१ ५६	१ ५२	१ ४८
तु.	२ ४४	२ ४०	२ ३६	२ ३२	२ २८	२ २४	सिं.	४ ३७	४ ३३	४ २९	४ २५	४ २१	४ १७	४ १३	४ ९	४ ५
वृ.	५ १	४ ५७	४ ५३	४ ४९	४ ४५	४ ४१	क.	६ ४२	६ ३८	६ ३४	६ ३०	६ २६	६ २२	६ १८	६ १४	६ १०
रा	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
ध.	७ ६	७ २	६ ५८	६ ५४	६ ५०	६ ४६	तु.	८ २७	८ २३	८ १९	८ १५	८ ११	८ ७	८ ३	७ ५९	७ ५५
म.	८ ५१	८ ४७	८ ४३	८ ३९	८ ३५	८ ३१	वृ.	९ ५९	९ ५५	९ ५१	९ ४७	९ ४३	९ ३९	९ ३५	९ ३१	९ २७
कुं.	१० २३	१० १९	१० १५	१० ११	१० ७	१० ३	ध.	११ २७	११ २३	११ १९	११ १५	११ ११	११ ७	११ ३	१० ५९	१० ५५
मी.	११ ५१	११ ४७	११ ४३	११ ३९	११ ३५	११ ३१	म.	१ ५	१ १	१२ ५७	१२ ५३	१२ ४९	१२ ४५	१२ ४१	१२ ३७	१२ ३३
मे.	१ २९	१ २५	१ २१	१ १७	१ १३	१ ९	कु.	३ १	२ ५७	२ ५३	२ ४९	२ ४५	२ ४१	२ ३७	२ ३३	२ २९
वृ.	३ २५	३ २१	३ १७	३ १३	३ ९	३ ५	मी.	५ १५	५ ११	५ ७	५ ३	४ ५९	४ ५५	४ ५१	४ ४७	४ ४३

श्रावण कृ. १२ चन्द्रे इ० ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	२	२	४	३	०	११	५
६	२७	२२	११	१४	०	१९	१९
३	२४	६	४२	४८	५४	२३	२३
२७	१५	९	१३	५	११	५०	५०
५७	४१	९०	११	७१	१	३	३
०	३९	३५	५८	३७	१८	११	११

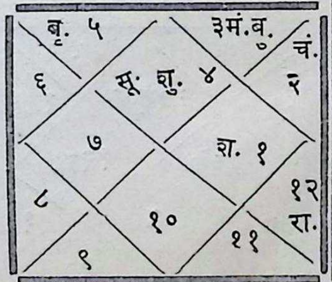

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० श्रावणशुक्ल पक्षः जुलाई २६ से अगस्त ८ तक । याम्यायनम् सौम्यगोलः । वर्षा ऋतुः

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं.रा.प्र. रा.	घ.	प.	सू.उ. घं.	मि.	सू.अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि
३३	१३	१	शु.	२९	४५	पू.	६	१३	सि.	३७	५७	वव	२९	४५	वा	५९	४५	उत्पात	२६	२९	१०				५	२१	६	३९	३	९	५१	३४	५७	२
३३	११	२	श.	२९	४५	श्ले	८	२५	व्य.	३५	२१	कौ.	२९	४५	तै.	५९	७	मानस	२७	१	११	सिं.	८	२५	५	२२	६	३८	३	१०	४८	३८	५७	३
३३	८	३	र.	२८	२९	म.	९	२१	व.	३१	४४	ग.	२८	२९	व.	५७	१५	मुद्गर	२८	२	१२				५	२२	६	३८	३	११	४५	४४	५७	५
३३	६	४	चं.	२६	१	पू.	९	५	प.	२७	११	वि.	२६	१	वव	५४	१६	ध्वज	२९	३	१३	कं.	२३	४५	५	२३	६	३७	३	१२	४२	५२	५७	७
३३	३	५	मं.	२२	३१	उ.	७	४४	शि.	२१	४६	वा.	२२	३१	कौ.	५०	२०	धाता	३०	४	१४				५	२३	६	३७	३	१३	४०	१	५७	७
३३	१	६	बु.	१८	१०	ह.	५	३५	सि.	१५	४३	त.	१८	१०	ग.	४५	३४	आनन्द	३१	५	१५	तु.	३४	३	५	२४	६	३६	३	१४	३७	१०	५७	८
३२	५८	७	बृ.	१२	५८	चि.	२ ५६	३२ २४	सा.	८	५७	व.	१२	५८	वि.	४०	८	चर	१	६	१६				५	२४	६	३६	३	१५	३४	०	५७	८
३२	५६	८	शु.	७	१९	वि.	५४	५६	शु.	५ ५२	४४ २९	वव	७	१९	वा.	३४	१७	मातंग	२	७	१७	वृ.	४०	५६	५	२५	६	३५	३	१६	३१	३१	५७	१०
३२	५३	९	श.	१ ५३	१६ ४	अनु.	५०	४५	ब्र.	४६	३६	कौ.	१	१६	तै.	२८ ५५	१ ५	अमृत	३	८	१८				५	२५	६	३५	३	१७	२८	४३	५७	१२
३२	५०	११	र.	४८	५२	ज्ये.	४६	३३	ऐं.	३८	५५	व.	२१	५८	वि.	४८	५२	काण	४	९	१९	ध.	४६	३३	५	२६	६	३४	३	१८	२५	५७	५७	१३
३२	४७	१२	चं.	४२	५९	मू.	४२	३७	वै.	३१	२६	वव	१५	५	वा.	४२	५९	लुम्ब	५	१०	२०				५	२७	६	३३	३	१९	२३	१२	५७	१३
३२	४५	१३	मं.	३७	२७	पू.	३९	७	वि.	२४	१५	कौ.	१०	१३	तै.	३७	२७	मित्र	६	११	२१	म.	५३	२४	५	२७	६	३३	३	२०	२०	२८	५७	१५
३२	४२	१४	बु.	३२	३५	उ.	३६	१४	प्री.	१७	३६	ग.	५	१	व.	३२	३५	वज्र	७	१२	२२				५	२८	६	३२	३	२१	१७	४५	५७	१७
२२	३९	१५	बृ.	२८	३३	श्र.	३४	१४	आ.	११	३१	वि.	०	३४	वव	२८ ५७	३३ ०	ध्वज	८	१३	२३				५	२८	६	३२	३	२२	१५	४	५७	१९

चन्द्रोदयः । aभौमः २६।१४ । पू.फा.भे. गुरुः २।४४ ।
रविउस्सानी । *या.ज. मु. । b सर्वेषाम् । सिंहे शुक्रः ३९।४१ ।
भ. ५७।१५ उ. । गणेश ४ । बुधास्तः प्राच्याम् ४४।११ ।
भ. २६।१ या. । पञ्चमी योगे या.ज.मु. । पुष्ये बुधः ३६।१४ ।
हस्तभे दक्षिणपूर्वो यात्रा मु. । नागपञ्चमी ।
हस्तभे दक्षिणपूर्वो यात्रा मु. । कल्कि जयन्ती ६ । पुष्ये a
भ. १२।५८ उ.४०।८या. । अगस्त । सप्तमी स्वाती योगे*
सार्पेऽर्कः ४६।२३ । अनु.भे या.ज. योगः स.सि. योगश्च ।
अनुभे पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. । या.ज. योगः १।१६ या. ।
भ. २१।५८ उ. ४८।५२ या. । पुत्रदा ११ व्रतं प्रायः b
वीरकर्मारम्भः ।
प्रदोषः । d बन्धनम् । हयग्रीवोत्पत्तिः ।
भ. ३२।३५ उ. ।
भ. ०।३४ या. । दक्षिण यात्रा मु. । श्रावणी योगः । रक्षा- d

श्रावण शु. ७ गुरौ. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	र	के.
३	३	३	४	३	०	११	६
१५	४	९	१३	२६	१	१८	१८
४३	४२	६	४२	५४	६	५२	५२
०	२१	१७	२	५	५	२	२
५७	४१	१०१	११	७१	१	३	३
१२	३९	२५	२८	४१	१२	११	११

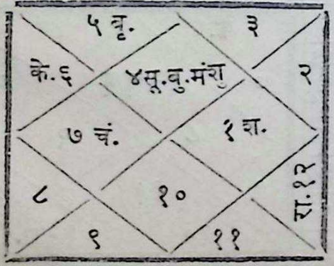

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.		२ श.		३ र.		४ चं.		५ मं.		६ बु.		७ बृ.		८ शु.		९ श.		११ र.		१२ चं.		१३ मं.		१४ बु.		१५ बृ.	
क. अं.	६	५८	६	५५	६	५१	६	४७	६	४३	६	३९	६	३५	६	३१	६	२७	६	२३	६	१९	६	१६	६	१२	६	८
सिं. अं.	९	१३	९	१०	९	६	९	२	८	५८	८	५४	८	५०	८	४६	८	४२	८	३८	८	३४	८	३१	८	२७	८	२३
कं. अं.	११	२७	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२	११	८	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४५	१०	४१	१०	३७
तु. अं.	१	४४	१	४१	१	३७	१	३३	१	२९	१	२५	१	२१	१	१७	१	१३	१	९	१	५	१	२	१२	५८	१२	५४
वृ. अं.	४	१	३	५८	३	५४	३	५०	३	४६	३	४२	३	३८	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२	३	१९	३	१५	३	११
ध. अं.	६	६	६	३	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७	५	४३	५	३९	५	३५	५	३१	५	२७	५	२४	५	२०	५	१६
रात्रयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
म. अं.	७	५१	७	४८	७	४४	७	४०	७	३६	७	३२	७	२८	७	२४	७	२०	७	१६	७	१२	७	९	७	५	७	१
कुं. अं.	९	२३	९	२०	९	१६	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४१	८	३७	८	३३
मी. अं.	१०	५१	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	९	१०	५	१०	१
मे. अं.	१२	२९	१२	२९	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	१०	१२	६	१२	२	११	५८	११	५४	११	५०	११	४७	११	४३	११	३९
वृ. अं.	२	२५	२	२२	२	१८	२	१४	२	१०	२	६	२	२	१	५८	१	५४	१	५०	१	४६	१	४३	१	३९	१	३५
मि. अं.	४	३९	४	३६	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५७	३	५३	३	४९

श्रावण शु. १५ गुरौ. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	३	३	४	४	०	११	५
२२	८	२२	१५	५	१	१८	१८
१५	२६	३२	१८	१५	१२	२९	२९
४	३५	१५	३५	२७	१५	१६	१६
५७	३७	१०७	१२	७७	०	३	३
१९	२८	२५	९	३७	४८	११	११

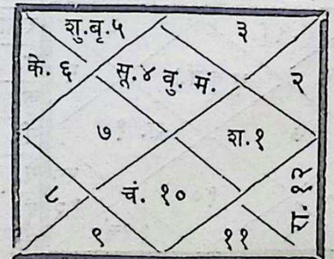

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्टसूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३२	३६	१	शु.	२५	२७	ध.	३३	५	सौ.	६	११	कौ.	२५	२७	तै.	५४	२७	धाता	९	१४	२४	कुं.	३	३९	५	२९	६	३१	३	२३	१२	२५	५७	२०
३२	३३	२	श.	२३	२७	श.	३३	४	शो.	७ ५६	४७ २७	ग.	२३	२७	व.	५३	३	आनन्द	१०	१५	२५				५	२९	६	३१	३	२४	९	४७	५७	२२
३२	३०	३	र.	२२	३९	पू.	३४	१५	सु.	५५	३१	वि.	२२	३९	वव	५२	५४	चर	११	१६	२६	मी.	१८	५७	५	३०	६	३०	३	२५	७	१२	५७	२४
३२	२७	४	चं.	२३	९	उ.	३६	४१	धृ.	५४	३	वा.	२३	९	कौ.	५४	५	गद	१२	१७	२७				५	३१	६	२९	३	२६	४	३७	५७	२४
३२	२४	५	मं.	२५	१	रे.	४०	२७	शू.	५३	२९	तै.	२५	१	ग.	५६	२८	शुभ	१३	१८	२८	मे.	४०	२७	५	३१	६	२९	३	२७	२	३	५७	२५
३२	२१	६	बु.	२७	५६	अ.	४५	१६	गं.	५३	४७	व.	२७	५६	वि.	५९	५६	मृत्यु	१४	१९	२९				५	३२	६	२८	३	२७	५९	३०	५७	२७
३२	१८	७	बृ.	३१	५५	भ.	५०	५९	वृ.	५४	४७	वव	३१	५५	वा.	६०	०	पद्म	१५	२०	३०				५	३२	६	२८	३	२८	५६	५९	५७	२९
३२	१५	८	शु.	३[illegible]	३८	कृ.	५७	३३	ध्रु.	५६	६	वा.	४	१६	कौ	३६	३८	छत्र	१६	२१	३१	वृ.	७	३७	५	३३	६	२७	३	२९	५४	२९	५७	३२
३२	११	९	श.	४१	४३	रो	६०	०	व्या	५७	५२	तै.	९	१०	ग.	४१	४३	श्रीवत्स	१७	२२	१				५	३४	६	२६	४	०	५२	४	५७	३४
३२	८	१०	र.	४६	४०	रो.	३	५१	ह.	५९	२४	व.	१४	११	वि.	४६	४०	धाता	१८	२३	२	मि.	३७	१	५	३४	६	२६	४	१	४९	४०	५७	३७
३२	५	११	चं.	५१	१२	मृ.	१०	११	व.	६०	०	वव	१६	५६	वा.	५१	१२	आनंद	१९	२४	३				५	३५	६	२५	४	२	४७	१८	५७	३९
३२	२	१२	मं.	५४	५५	आ.	१५	५३	सि.	०	२९	कौ.	२३	३	तै.	५४	५५	चर	२०	२५	४				५	३६	६	२४	४	३	४४	५९	५७	३९
३१	५८	१३	बु.	५७	२७	पु.	२०	४३	सि	०	४१	ग	२६	११	व.	५७	२७	गद	२१	२६	५	क.	४	३१	५	३६	६	२४	४	४	४२	३९	५७	४०
३१	५५	१४	बृ.	५८	५५	पु.	२४	२९	व.	० ५८	१७ ३५	वि.	२८	११	श	५८	५५	शुभ	२२	२७	६				५	३७	६	२३	४	५	४०	२०	५	४०
३१	५२	३०	शु.	५९	४	श्ले	२७	०	प.	५६	१८	च.	२९	०	ना.	५९	४	मृत्यु	२३	२८	७	सिं.	२७	०	५	३८	६	२२	४	६	३८	२	५७	४२

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० भाद्रपद कृष्ण पक्षः
अग. ९ से २३ तक। याम्यायनम्। सौम्यगोलः। वर्षाऋतुः।

पञ्चकारम्भः ३१।३९ उ.। दक्षिण यात्रा मु. ३।२९ या.
भ. ५३।३ उ.।
भ. २२।३९ या.। उत्तरायोगे या.ज.मु.। गणेश ४ व्रतम्।*
पञ्चमीयोगे या.ज.मु.। रेवत्यां पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.।
वक्री शनि ५।५९। पञ्चक समाप्त ४०।२७। सिंहे बुधः२।७।
भ. २७।५६ उ. ५९।५६ या.। हलषष्टी। *कज्जली ३
या.ज. योगः३१।५५या.। कृष्ण जन्माष्टमी व्रतम् स्मार्तानाम्।a
मघायां सिंहे चार्कः ४.३।४७। कृष्ण जन्माष्टमी व्रतम्।
सौर भाद्रपदारम्भः। aपू.फा.भे शुक्रः ३।४४।
भ. १४।११ उ. ४६।४० या.। भौमोदयः प्राच्याम् १२।१०।
अजा ११ व्रतं प्रायः सर्वेषाम्। स.सि. योगः मृगभे।
n प्रतीच्याम् १६।७। श्लेषायां भौमः ७।१४
भ. ५७।२७ उ.। प्रदोषः। प्रतीच्यां यात्रा मु.। मुरोरस्तःn
भ. २८।११ या.। स.सि. योगः अ.सि. योगः २४।२९ या.।e
कुशोत्पाटिनी ३०। बुधोदयः प्रतीयाम् २।९।

भाद्र. कृष्ण ३ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	३	३	४	४	०	११	५
२५	१०	१७	१५	९	१	१८	१८
७	१४	१२	५४	६	१२	२०	२०
१८	२५	५	२५	१७	६	१५	१५
५७	३७	१०७	१२	७७	०	३	३
२५	१८	२५	९	३७	४८	११	११

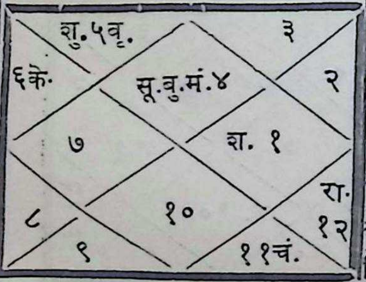

दैनिक लग्नसारिणी

eमास शिवरात्रि व्रतम्।

तिथयः	१ शु.		२ श.		३ र.		४ चं.		५मं.		६बु.		७ बृ.		८शु.		तिथयः	९श.		१० र.		११चं.		१२ मं.		१३ बु.		१४ बृ.		३०शु.	
क. अं.	६	४	६	०	५	५६	५	५२	५	४९	५	४५	५	४१	५	३७	सि. अं.	७	४८	७	४४	७	४०	७	३७	७	३३	७	२९	७	२६
सिं. अं.	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	८	८	०	७	५६	७	५२	कं. अं.	१०	२	९	५८	९	५४	९	५१	९	४७	९	४३	९	४०
कं. अं.	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२१	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	६	तु. मी.	१२	१९	१२	१५	१२	११	१२	८	१२	४	१२	०	११	५७
तु. अं.	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३५	१२	३१	१२	२७	१२	२३	वृ. अं.	२	३६	२	३२	२	२८	२	२५	२	२१	२	१७	२	१४
वृ. अं.	३	७	३	३	२	५९	२	५५	२	५२	२	४८	२	४४	२	४०	ध. अं.	४	४१	४	३७	४	३३	४	३०	४	२६	४	२२	४	१९
ध. अं.	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५७	४	५३	४	४९	४	४५	म. अं.	६	२६	६	२२	६	१८	६	१५	६	११	६	७	६	४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०.		रा०	
म. अं	६	५९	६	५३	६	४९	६	४५	६	४२	६	३९	६	३४	६	३०	कु. अं.	७	५८	७	५४	७	५०	७	४७	७	४३	७	३९	७	३६
कुं. अं.	८	२९	८	२५	८	२१	८	१७	८	१४	८	१०	८	६	८	२	मी. अं.	९	२६	९	२२	९	१८	९	१५	९	११	९	७	९	४
मी. अं.	९	५७	९	५३	९	४९	९	४५	९	४२	९	३८	९	३४	२	३०	मे. अं.	११	४	११	०	१०	५६	१०	५३	१०	४९	१०	४५	१०	४२
मे. अं.	११	३५	११	३१	११	२७	११	२३	११	२०	११	१६	११	१२	११	८	वृ. अं.	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४९	१२	४५	१२	४१	१२	३८
वृ. अं.	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१६	१	१२	१	८	१	४	मि. अं.	३	१४	३	१०	३	६	३	३	२	५९	२	५५	२	५२
मि. अं	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	क. अं.	५	३३	५	२९	५	२५	५	२२	५	१८	५	१४	५	११

भा. कृ. १३ बुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के
४	३	४	४	४	०	११	५
४	१६	१५	१८	२१	०	१७	१७
४२	३६	३०	६	१८	४८	४८	४९
२९	२९	९	७	१५	५	२८	२८
५७	३७	११३	१७	७१	५८	३	३
४४	४१	३८	४२	२९	व.	११	११

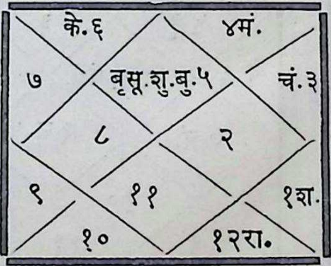

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	व.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि
३१	४८	१	श.	५७	५६	म.	२८	१२	शि.	५२	५१	किं.	२८	३०	वव	५७	५६	पद्म	२४	२९	८				५	३८	६	२२	४	७	३५	४६	५७	४५
३१	४५	२	र.	५५	३४	पू.	२८	१४	सि.	४८	२५	वा.	२६	४५	कौ.	५५	३५	छत्र	२५	३०	९	कं.	४२	५७	५	३९	६	२१	४	८	३३	३३	५७	४८
३१	४१	३	चं.	५२	११	उ.	२७	५	सा.	४३	११	तै.	२३	५३	ग.	५२	११	श्रीवत्स	२६	१	१०				५	४०	६	२०	४	९	३१	२१	५७	४८
३१	३८	४	मं.	४७	५६	ह.	२५	६	शु.	३७	१०	व.	२०	३	वि.	४७	५६	सौम्य	२७	२	११	तु.	५३	४०	५	४०	६	२	४	१०	२९	१३	५७	५१
३१	३५	५	बु.	४२	५०	चि.	२२	१५	शु.	३९	३०	वव	१५	२३	वा.	४२	५०	काल	२८	३	१२				५	४१	६	१९	४	११	२७	८	५७	५४
३१	३१	६	वृ.	३७	१४	स्वा	१८	४१	ब्र.	२३	८	कौ.	१०	२	तै.	३७	१४	स्थिर	२९	४	१३				५	४२	६	१८	४	१२	२५	७	५७	५७
३१	२८	७	शु.	३१	१५	व.	१४	४५	ऐं.	१५	४६	ग.	४	१५	व.	३१ ५८	१५ ११	मातंग	३०	५	१४	वृ.	०	४४	५	४२	६	१८	४	१३	२३	७	५७	५९
३१	२४	८	श.	२५	८	ऽनु.	१०	३४	वै.	२	९	वव	२५	८	वा.	५२	३	अमृत	३१	६	१५				५	४३	६	१७	४	१४	२१	१०	५८	२
३१	२१	९	र.	१८	५८	ज्ये.	६	२२	वि.	६ ५२	४२ १५	कौ.	१८	५८	तै.	४६	२	काण	१	७	१६	ध.	६	२२	५	४४	६	१६	४	१५	१९	१५	५८	४
३१	१७	१०	चं.	१३	६	मू.	२ ५६	२० २२	आ.	४५	३९	ग.	१३	६	व.	४०	२१	लुम्ब	२	८	१७				५	४५	६	१५	४	१६	१७	२१	५८	५
३१	१४	११	मं.	७	३६	उ.	५५	३७	सौ.	३८	३९	वि.	७	३६	वव	३५	९	मानस	३	९	१८	म.	१२	५६	५	४५	६	१५	४	१७	१५	२८	५८	६
३१	१०	१२	बु.	२ ५५	४२ ५३	श्र.	५३	२४	शो.	३८	२२	वा.	२	४२	कौ.	३० २८	३८ ३५	क्षत्र	४	१०	१९				५	४६	६	१४	४	१८	१३	३६	५८	७
३१	७	१४	वृ.	५५	३१	ध.	५२	०	अ.	२६	४७	ग.	२७	३	व.	५५	३१	श्रीवत्स	५	११	२०	कुं.	२२	४२	५	४७	६	१३	४	१९	११	४५	५८	८
३१	३	१५	शु.	५३	३०	श.	५१	४१	सु.	२२	१	वि.	२४	३०	वव	५३	३०	सौम्य	६	१२	२१				५	४७	६	१३	४	२०	९	५५	५८	१०

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० भाद्रपद शुक्ल पक्षः। अगस्त २४ से सितम्बर ६ तक। याम्यायनम् सौम्यगोलः। वर्षाऋतुः।

उ.फा.भे शक्रः ३।२४। n३। हरतालिका ३ व्रतम्।

चन्द्रोदयः।

जमादि उलअव्वल। या.ज. योगः १७।५ या.। वाराह जयन्तीn

भ. २०।३ उ. ४७।५६ या.। गणेश ४ व्रतम्।

ऋषि पञ्चमी। कन्यायां शुक्रः १४।११। d५४।१७

अर्कषष्टी। लोलार्क कुडेस्नानम् काश्याम्। कन्यायां बुधःd

भ. ३१।१५ उ. ५८।११ या.। पूर्वा फाल्गुन्यामर्कः ३३।३४।c

अनुभे पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.। पाक्षिक लक्ष्मी व्रतारम्भः।

सितम्बर। मूलभे. ससि. योगः।

भ. ४०।२१ उ.।

भ. ७।३६ या.। परिवर्तिनी ११ व्रतं सर्वेषाम्।

प्रदोषः। दक्षिणपूर्वो यात्रा मु.। हस्ते बुधः ३४।११

भ. ५५।३१ उ.। प्रतीच्यां यात्रा मु.। पञ्चकारम्भः २२।४२a

भ. २४।३० या.। महालयारम्भः। ३उ.। हस्ते शुक्रः ४६।१७

भा. शु. १ शनौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	३	४	४	४	०	११	५
७	१८	२१	१८	२५	०	१७	१७
३५	३०	३६	५६	५८	४२	३९	३९
४६	२५	१३	१३	१२	१	५१	५१
५७	३५	९५	११	७७	२ ८	३	३
४५	४७	१८	३९	३५	व.	११	११

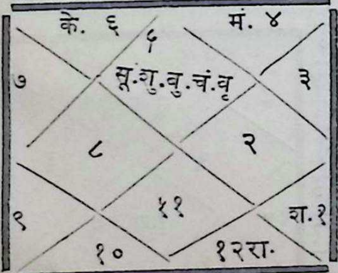

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.		२ र.		३ चं.		४ मं.		५ बु.		६ बृ.		७ शु.		८श.		९ र.		१० चं.		११ मं.		१२ बु.		१४ वृ.		१४ शु.	
सिं. अं.	७	२२	७	१८	७	१५	७	११	७	७	७	४	७		६	५६	६	५३	६	४९	६	४५	६	४२	६	३८	६	३४
कं. अं.	९	३६	९	३२	९	२९	९	२५	९	२१	९	१८	९	१४	९	१०	९	७	९	३	८	५९	८	५६	८	५२	८	४८
तु. अं.	११	५३	११	४९	११	४६	११	४२	११	३२	११	३५	११	३१	११	२७	११	२४	११	२०	११	१६	११	१३	११	९	११	५
वृ. अं.	२	१०	२	६	२	३	१	५९	१	५५	१	५२	१	४८	१	४४	१	४१	१	३७	१	३३	१	३०	१	२६	१	२२
ध. अं.	४	१५	४	११	४	८	४	४	४	०	३	५७	३	५३	३	४९	३	४६	३	४२	३	३८	३	३५	३	३१	३	२७
म. अं.	६	०	५	५५	५	५३	५	४९	५	४५	५	४२	५	३८	५	३४	५	३१	५	२७	५	२३	५	२७	५	१६	५	१२
रश यः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कु. अं.	७	३२	७	२८	७	२५	७	२१	७	१७	७	१४	७	१०	७	६	७	३	६	५९	६	५५	६	५२	६	४८	६	४४
मी. अं.	९	०	८	५६	८	५३	८	४९	८	४५	८	४२	८	३८	८	३४	८	३१	८	२७	८	२३	८	२०	८	१६	८	१२
मे. अं.	१०	३८	१०	३४	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	९	१०	५	१०	१	९	५२	९	५४	९	५०
वृ. अं.	१२	३४	१२	३०	१२	२७	१२	२३	१२	१९	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	५	१२		११	५७	११	५४	११	५०	११	४६
मि. अं.	२	४८	२	४४	२	४१	२	३७	२	३३	२	३०	२	२६	२	२२	२	१९	२	१५	२	११	२	८	२	४	२	०
क. अं.	५	७	५	३	५	०	४	५६	४	५२	४	४९	४	४५	४	४१	४	३८	४	३४	४	३०	४	२७	४	२३	४	१९

भा. शु. ८ शनौ. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	३	५	४	५	०	११	५
१४	२३	२	२०	३	०	१७	१७
२१	४२	४८	१८	३६	२४	१६	१६
१०	३९	१७	३३	११	५	४०	४०
५८	४१	११३	११	७१	२ २४	३	३
४	४५	४८	३७	२७	व.	११	११

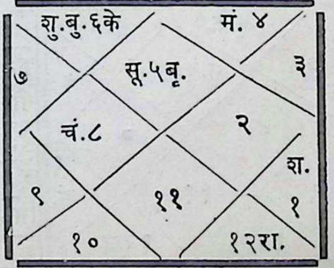

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घ.	मि.	सू. अ. घ.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३०	५९	१	श.	५२	४३	पू.	५२	३५	धृ.	१८	१२	वा.	२३	६	कौ.	५२	४३	काल	७	१३	२२	मी.	३७	२२	५	४८	६	१२	४	२१	८	८	५८	१२
३०	५६	२	र.	५३	११	उ.	५४	४२	शू.	१५	२३	तै.	२२	५७	ग.	५३	११	स्थिर	८	१४	२३				५	४९	६	११	४	२२	६	२२	५८	१४
३०	५२	३	चं.	५५	६	रे.	५८	१०	गं.	१३	३२	व.	२४	८	वि.	५५	६	मातंग	९	१५	२४	मे.	५८	१०	५	५०	६	१०	४	२३	४	४०	५८	१६
३०	४९	४	मं.	५८	३	अ.	६०	०	वृ.	१२	४१	वव	२६	३४	वा.	५८	३	अमृत	१०	१६	२५				५	५०	६	१०	४	२४	२	५९	५८	१९
३०	४५	५	बु.	६०	०	अ.	२	४३	ध्रु.	१२	४५	कौ.	३०	२	तै.	६०	०	मृत्यु	११	१७	२६				५	५१	६	९	४	२५	१	२०	५८	२१
३०	४१	५	बृ.	२	२	भ.	८	१३	व्या	१३	३१	तै.	२	२	ग	३४	२०	पद्म	१२	१८	२७	वृ.	२४	४५	५	५२	६	८	४	२५	५९	४४	५८	२४
३०	३८	६	शु.	६	३९	कृ.	१४	२२	ह.	१४	५२	व	६	३९	वि.	३९	१७	छत्र	१३	१९	२८				५	५२	६	८	४	२६	५८	१०	५८	२६
३०	३४	७	श.	११	५६	रो.	२०	५३	व.	१६	२३	वव	११	५६	वा.	४४	२८	श्रीवत्स	१४	२०	२९	मि.	५४	४	५	५३	६	७	४	२७	५६	३८	५८	२८
३०	३०	८	र.	१७	१	मृ.	२७	१६	सि.	१७	४८	कौ.	१७	१	तै.	४९	१९	सौम्य	१५	२१	३०				५	५४	६	६	४	२८	५५	९	५८	३०
३०	२७	९	चं.	२१	३७	आ.	३३	१०	व्य.	१८	५०	ग.	२१	३७	व.	५३	३१	काल	१६	२२	३१				५	५५	६	५	४	२९	५३	४१	५८	३२
३०	२४	१०	मं.	२५	२६	पु.	३८	१५	व.	१९	१८	वि.	२५	२६	वव	५६	४६	स्थिर	१७	२३	१	क.	२१	५९	५	५५	६	५	५	०	५२	१५	५८	३४
३०	२०	११	बु.	२८	७	पु.	४२	१३	प.	१८	४४	वा.	२८	७	कौ.	५८	५४	मातंग	१८	२४	२				५	५६	६	४	५	१	५०	५१	५८	३७
३०	१६	१२	बृ.	२९	४२	श्ले	४५	०	शि.	१७	३९	तै.	२९	४२	ग.	५९	४९	अमृत	१९	२५	३	सिं.	४५	०	५	५७	६	३	५	२	४९	३०	५८	३९
३०	१२	१३	शु.	२९	५७	म.	४६	३३	सि.	१५	२४	व.	२९	५७	वि.	५९	२५	काण	२०	२६	४				५	५८	६	२	५	३	४८	११	५८	४२
३०	९	१४	श.	२८	५४	पू.	४६	५०	सा	१२	७	श.	२८	५४	च.	५७	४६	लुम्ब	२१	२७	५				५	५८	६	२	५	४	४६	५६	५८	४४
३०	५	३०	र.	२६	३९	उ.	४५	५९	शु.	७	५१	ना.	२६	३९	किं.	५५	१	मित्र	२२	२८	६	कं.	१	३७	५	५९	६	१	५	५	४५	४२	५८	४६

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० आश्विन कृष्णपक्षः।
सितम्बर ७ से २२ तक। याम्यायनम् सौम्यगोलः शरदृतुः।

gहस्त भे २ चरणे केतुः
e५।३७। मातृनवमी। या. ज. मु. २१।३७ या.।
भ. २४।८ उ. ५५।६ या.। पश्चिमोत्तरो यात्रा मु.।
स. स. अ. सि. योग। सिंहे भौमः ३।७

या. ज. मु २।८ या.। वक्रगत्या उ. भा. भे ४ र्थ चरणे राहुःg
भ. ६।३९ उ. ३९।१७ या.। उत्तरा फाल्गुन्यामर्कः १९।२५।
मृगभे दक्षिण पश्चिमौ यात्रा मु.।
महालक्ष्मी व्रतम्। जीवितपुत्रिका व्रतम्। दक्षिण यात्रा मु.।
भ. ५३।३१ उ. कन्यायामर्कः ४४।१२। पुनर्मीन राशौ शनिःe
भ. २५।२६ या.। सौर आश्विनारम्भः।
इन्दिरा ११ व्रतं सर्वेषाम्। प्रतीच्यां यात्रा मु.।
कन्याआं बुधः ५।४८।प्रदोषः।या. ज. मु. २९।४२ उ. ४५।०A
भ. २९।५७ उ. ५९।२५ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्।
तुलायां शुक्रः ६।४४। Aया.। तुलायां बुधः १४।४१।
पितृविसर्जनम्। गुरोरुदयः प्राच्याम्।

आश्विन. कृ. ४ भौमे. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	क.
४	३	५	४	५	०	११	५
२४	२९	१८	२२	१६	०	१६	१६
२३	३०	३६	३६	०	०	४४	४४
२६	२५	१३	१३	१	१	५१	५१
५८	३५	९५	११	७७	२	३	३
२२	४७	१८	३९	३५	५	११	११

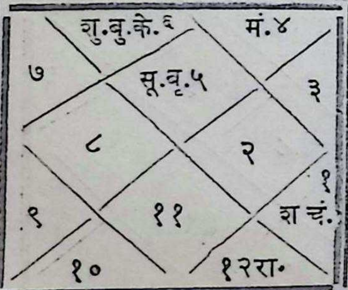

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.		२ र.		३ चं.		४ मं.		५ बु.		५ बृ.		६ शु.		७ श.		८ र.		९ चं.		ति.	१० मं.		११ बु.		१२ बृ.		१३ शु.		१४ श.		३० र.	
सिं. अं.	६	३१	६	२७	६	२३	६	२०	६	१६	६	१२	६	९	६	५	६	२	५	५९	कं.	८	९	८	५	८	१	७	५८	७	५४	७	५०
कं. अं.	८	४५	८	४१	८	३७	८	३४	८	३०	८	२६	८	२३	८	१९	८	१६	८	१३	तु.	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१५	१०	११	१०	७
तु. अं.	११	२	१०	५२	१०	५४	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	४०	१०	३६	१०	३३	१०	३०	वृ.	१२	४३	१२	३५	१२	३५	१२	३२	१२	२८	१२	२४
वृ. अं.	१	९	१	१५	१	११	१	८	१	४	१	०	१२	५७	१२	५३	१२	५०	१२	४७	ध.	२	४८	२	४४	२	४०	२	३७	२	३३	२	२९
ध. अं.	३	२४	३	२०	३	१६	३	१३	३	९	३	५	३	२	२	५८	२	५५	२	५२	म.	४	३३	४	२९	४	२५	४	२२	४	१८	४	१४
म. अं.	५	९	५	४५	५	१	४	५८	४	५४	४	५०	४	४७	४	४३	४	४०	४	३७	कुं.	६	५	६	१	५	५७	५	५४	५	५०	५	४६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कुं. अं.	६	४१	६	३७	६	३३	६	३०	६	२६	६	२२	६	१९	६	१५	६	१२	६	९	मी.	७	३३	७	२९	७	२५	७	२२	७	१२	७	१४
मी अं.	८	३९	८	५	८	१	७	५८	७	५४	७	५०	७	४७	७	४३	७	४०	७	३७	मे.	९	११	९	७	९	३	९	०	८	५६	८	५३
मे. अं.	९	४७	९	४३	९	३९	९	३६	९	३२	९	२८	९	२५	९	२१	९	१८	९	१५	वृ.	११	७	११	३	१०	५९	११	५६	१०	५२	१०	४८
वृ. अं.	११	४३	११	३९	११	३५	११	३२	११	२८	११	२४	११	२१	११	१७	११	१४	११	११	मि.	१	२१	१	१७	१	१३	१	१०	१	६	१	२
मि. अं.	१	५७	१	५७	१	४९	१	४६	१	४२	१	३८	१	३५	१	३१	१	२८	१	२५	क.	३	४०	३	३६	३	३२	३	२९	३	२५	३	२१
क. अं.	४	१६	४	१२	४	८	४	५	४	१	३	५७	३	५४	३	५०	३	४७	३	४४	सिं.	५	५५	५	५१	५	४७	५	४४	५	४०	५	३६

आश्विन कृष्ण १३ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	४	६	४	५	११	११	५
३	५	०	२४	२८	२९	१६	१६
४८	३०	४२	४८	१२	१२	१३	१३
११	९	१३	१५	५	१५	३	३
५८	३५	७१	११	७१	४ ४/६	३	३
४५	५८	३७	४८	२१	व	११	११

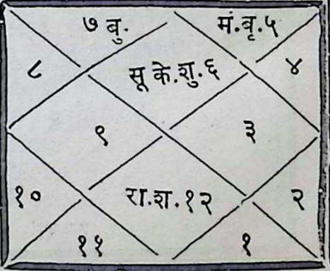

दि. मा.		ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
३०	१	१	चं.	२३	२४	ह.	४४	९	शु.	२/५४	४ ४/६	वव	२३	२४	वा.	५१	१८	वज्र	२३	२९	७				६	०	६	०	५	६	४४	२९	५८	४८
२९	५७	२	मं.	१९	१३	चि.	४१	२७	ऐं.	५०	१६	कौ.	१९	१३	तै.	४६	४४	ध्वांक्ष	२४	१	८	तु	१२	४८	६	१	५	५९	५	७	४३	१९	५८	५०
२९	५४	३	बु.	१४	१५	स्वा	३८	५	वै.	४३	७	ग.	१४	१५	व.	४१	२९	धूम्र	२५	२	९				६	१	५	५९	५	८	४२	१७	५८	५३
२९	५०	४	बृ.	८	४३	वि.	३४	१५	वि	३५	३९	वि.	८	४३	वव	३५	४६	वर्धमा.	२६	३	१०	वृ.	२०	१३	६	२	५	५८	५	९	४१	५	५८	५६
२९	४६	५	शु.	२/५३	५०/८	ऽनु	३०	८	प्री.	२७	५७	बा.	२	५०	कौ.	२०/६	४७/४५	रक्ष	२७	४	११				६	३	५	५७	५	१०	४०	४	५८	५८
२९	४३	७	श.	५०	४२	ज्ये.	२५	५५	आ.	२०	७	ग.	२३	४३	व.	५०	४२	मुशल	२८	५	१२	ध.	२५	५५	६	३	५	५७	५	११	३९	३	५९	०
२९	३९	८	र.	४४	५१	मू.	२१	५०	सौ.	१२	१६	वि.	१७	४६	वव	४४	५१	सिद्धि	२९	६	१३				६	४	५	५६	५	१२	३८	४	५९	२
२९	३५	९	चं.	३९	२६	पू.	१८	५	शो.	४/५८	२०/५७	वा.	१२	८	कौ.	३९	२६	उत्पात	३०	७	१४	म.	३२	१७	६	५	५	५५	५	१३	३७	७	५९	४
२९	३२	१०	मं.	३४	३६	उ.	१४	५३	सु.	५१	२४	तै.	७	१	ग.	३४	३६	मानस	१	८	१५				६	६	५	५४	५	१४	३६	१२	५९	७
२९	२८	११	बु.	३०	३३	श्र.	१२	२६	धृ.	३५	३४	व.	२	३४	वि	३०/५९	३ ३/२	छत्र	२	९	१६	कुं.	४१	३७	६	६	५	५४	५	१५	३५	२०	५९	१०
२९	२४	१२	बृ.	२७	३१	ध.	१०	४८	शू.	४०	४३	वा	२७	३१	कौ.	५६	३२	श्रीवत्स	३	१०	१७				६	७	५	५३	५	१६	३४	३२	५९	१२
२९	२१	१३	शु.	२५	३२	श	१०	१३	गं.	३६	२३	तै.	२५	३२	ग.	५५	९	सौम्य	४	११	१८	मी.	५५	४१	६	८	५	५२	५	१७	३३	४५	५९	१४
२०	१७	१४	श.	२४	४६	पू.	१०	५०	वृ.	३३	१२	व.	२४	४६	वि.	५५	१	काल	५	१२	१९				६	९	५	५१	५	१८	३३	०	५९	१६
२९	१३	१५	र.	२५	१७	उ.	१२	४३	ध्रु.	३१	२	वव	२५	१७	वा.	५६	१७	स्थिर	६	१३	२०				६	९	५	५१	५	१९	३२	१६	५९	१८
+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+ +	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+
+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+ +	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+	+

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८७० आश्विन शुक्लपक्षः ।
सित. २३ से अक्टू. ६। तक याम्यायनम् सौम्यगोलः शरद्ऋतुः

चन्द्रोदयः। शारदीय नवरात्रारम्भः । दक्षिण यात्रा मु. द्वितीया-a
जमादि उस्सानी । a पाद । या. ज. मु. २३।२४ या. ।
भ.४१।२९ उ. । b अनु. भे । पश्चिमौत्तरौ यात्रा मु. अनु. भे ।
भ. ८।४३ या. हस्तभेर्कः ५७।२६ । या. ज. यो. स. सि. योगः b
उदीच्यां यात्रा मु. २।५० या. ।
भ. ५०।४२ उ. । स्वात्यां शुक्रः ५।४४ ।
भ. १७।४६ या. । स. सि. योगः ३१।५० या । दुर्गाष्टमी ।
उत्तरायोगे या. ज. मु. । दुर्गा नवमी ।
अक्टूबर । श्रवसि दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु. । विजया १० । c
भ. २।३४ उ. ३०।३३ या. । पञ्चकारम्भः ४१।३७ उ. । d
वक्रीबुधः ५२।९ । प्रतीच्यां यात्रा मु. ।
d दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु. । वक्रगत्या पुर्नसिंहे गुरुः ५।४८ । e
भ. २४।४६ उ. ५५।१ या. । व्रताय १५ । बुधास्तः प्रतीच्याम् f
स.सि. योगः १२।४३ या.। शरद १५ । कोजागरी १५ । कार्तिक g
g स्नानारम्भः । e पापाङ्कुशा ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
f २४।११ । c १ फा. वे भौमः २४।४८

आश्विन शु. १ चन्द्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	४	६	४	६	११	११	५२
६	७	७	२५	२१	२८	१६	१६
४४	१६	१६	१६	४२	५८	४	४
२९	५	२१	२५	३९	३१	२८	२८
५८	३६	२३	३ ४/५	७१	१ ४/२	३	३
४८	७	५८	व.	२१	व.	११	११

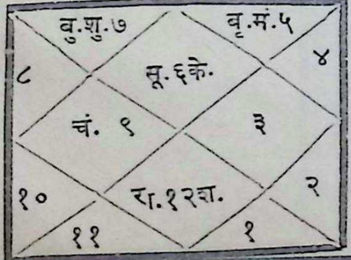

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.		२ मं.		३ बु.		४ बृ.		५शु.		७ श.		८ र.		९ चं.		१० मं.		११ व.		१२ बृ.		१३ शु.		१४ श.		१५ र.	
क. अं	७	४७	७	४३	७	३९	७	३६	७	३२	९	२८	७	२५	७	२१	७	१६	७	१४	७	१०	७	६	७	३	६	५९
तु. अं	१०	४	१०	०	९	५६	९	५३	९	४९	९	४५	९	४२	९	३८	९	३४	९	३१	९	२७	९	२३	९	२०	९	१६
वृ. अं.	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	१०	१२	६	१२	२	११	५९	११	५५	११	५१	११	४८	११	४४	११	४०	११	३७	११	३३
ध. अं.	२	२६	२	२२	२	१८	२	१५	२	११	२	७	२	४	२	०	१	५६	१	५३	१	४९	१	४५	१	४२	१	३८
म. अं.	४	११	४	७	४	३	४	०	३	५६	३	५२	३	४९	३	४५	३	४१	३	३८	३	३४	३	३०	३	२७	३	२३
कुं. अं.	५	४३	५	३९	५	३५	५	३२	५	२८	५	२४	५	२१	५	१७	५	१३	५	१०	५	६	५	२	४	५९	४	५५
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मी. अं.	७	११	७	७	७	३	७	०	६	५६	६	५२	६	४९	६	४५	६	४१	६	३८	६	३४	६	३०	६	२७	६	२३
मे. अं.	८	४९	८	४५	८	४१	८	३८	८	३४	८	३०	८	२७	८	२३	८	१९	८	१६	८	१२	८	८	८	५	८	१
वृ. अ.	१०	४५	१०	४१	१०	३७	१०	३४	१०	३०	१०	२६	१०	२३	१०	१९	१०	१५	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	१	९	५७
मि. अं.	१२	५९	१२	५५	१२	५१	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३७	१२	३३	१२	२९	१२	२६	१२	२२	१२	१८	१२	१५	१२	११
क. अं.	३	१८	३	१४	३	१०	३	७	३	३	२	५९	२	५६	२	५२	२	४८	२	४५	२	४१	२	५२	२	३४	२	३०
सिं. अं.	५	३३	५	२९	५	२५	५	२२	५	१८	५	१४	५	११	५	७	५	३	५	०	४	५६	४	५२	४	४९	४	४५

आ. शु. ९ चन्द्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	४	६	४	६	११	११	५
१३	१२	५	२६	१०	२८	१५	१५
३७	६	३६	५४	३०	२४	४१	४१
७	१७	७	२५	११	१२	१६	१६
५९	४१	२९	२९/१८	७१	३/१८	३	३
६	३९	५८	व.	१९	व.	११	११

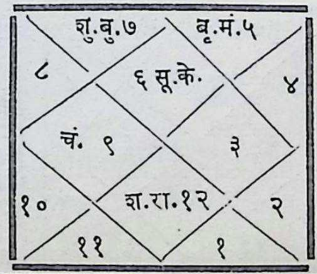

दि. मा.		ति.	वा.			न.			यो.			क.			क.			योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.			घ.	प.		घ.	प.		घ.	प.		घ.	प.		घ.	प.					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२९	१०	१	चं.	२७	१६	रे.	१५	५१	व्या	२९	५६	कौ.	२७	१६	तै.	५८	४५	मातंग	७	१४	२१	मे.	१५	५१	६	१०	५	५०	५	२०	३१	३५	५९	२०
२९	६	२	मं.	३०	१४	अ.	२०	५	ह.	२९	२८	ग.	३०	१४	व.	६०	०	अमृत	८	१५	२२				६	११	५	४९	५	२१	३०	५६	५९	२३
२९	२	३	बु.	३४	२१	भ.	२५	२४	व.	३०	३	व.	२	१७	वि.	३४	२१	काण	९	१६	२३	वृ.	४१	५४	६	१२	५	४८	५	२२	३०	२१	५९	२६
२८	५९	४	बृ.	३९	११	कृ.	३१	२६	सिं.	३१	७	वव	६	४६	वा.	३९	११	लुम्ब	१०	१७	२४				६	१२	५	४८	५	२३	२९	४७	५९	२८
२८	५५	५	शु.	४४	२४	रो.	३७	५६	व्य.	३२	३०	कौ.	११	४७	तै.	४४	२४	मित्र	११	१८	२५				६	१३	५	४७	५	२४	२९	१५	५९	३०
२८	५१	६	श.	४९	३७	मृ.	४४	२४	व.	३३	५५	ग.	१७	०	व.	४९	३७	वज्र	१२	१९	२६	मि.	११	१०	६	१४	५	४६	५	२५	२८	४६	५९	३२
२८	४८	७	र	५४	१९	आ.	५०	२७	प.	३५	२	वि.	२१	५८	वव	५४	१९	ध्वांक्ष	१३	२०	२७				६	१४	५	४६	५	२६	२८	१८	५९	३४
२८	४४	८	चं.	५८	१४	पु.	५५	४७	शि.	३५	३८	वा.	२६	३१	कौ.	५८	१४	धूम्र	१४	२१	२८	क.	३९	२७	६	१५	५	४५	५	२७	२७	५३	५९	३७
२८	४१	९	मं.	६०	०	पु.	६०	०	सि.	३५	२७	तै.	२९	५२	ग.	६०	०	वर्धमा.	१५	२२	२९				६	१६	५	४४	५	२८	२७	३१	५९	३९
२८	३७	९	बु.	१	०	पु.	१	१८	सा.	३२	२३	ग.	१	०	व.	३१	५१	मातंग	१६	२३	३०				६	१७	५	४३	५	२९	२७	१०	५९	४२
२८	३३	१०	बृ.	२	४२	श्ले.	३	८	शु.	३८	१९	वि.	२	४२	वव	३२	५२	अमृत	१७	२४	३१	सिं.	३	८	६	१७	५	४३	६	०	२६	५२	५९	४४
२८	३०	११	शु.	३	२	म.	५	०	शु.	२९	१६	वा.	३	२	कौ.	३२	३३	कांण	१८	२५	१				६	१८	५	४२	६	१	२६	३६	५९	४६
२८	२६	१२	श.	२/५७	४/४८	पू.	५	३६	व्र.	२५	१३	तै.	२	४	ग.	३०/५९	५८/५२	लुम्ब	१९	२६	२	कं.	२०	२७	६	१९	५	४१	६	२	२६	२२	५९	४८
२८	२३	१४	र.	५६	४०	उ.	५	१	ऐ.	२०	१७	वि.	२८	१६	श.	५६	४०	मित्र	२०	२७	३				६	१९	५	४१	६	३	२६	१०	५९	५०
२८	१९	३०	चं.	५२	३३	ह.	३	२३	वै.	१४	३०	च.	२४	३६	ना.	५२	३३	वज्र	२१	२८	४	तु.	३२	९	६	२०	५	४०	६	४	२६	१	५९	५२

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० कार्तिक कृष्ण पक्षः।
अक्टू. ७ से २१ तक। याम्यायनम् सौम्यगोलः तुलार्कतः a
पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.। १५।५१ या. ततः उदीच्यां यात्रा मु.।b
स. सि. अ. सि. योगः २०।५ या.। विशाखाभे शुक्रः ५६।४४।
भ. २।१७ उ. ३४।२१ या.। स. सि. योगः २५।२४ उ.।
चित्रायामर्कः २५।२७। पञ्चमी योगे या. ज. मु.।
वक्रगत्या पुत्रकन्यान्यां बुधः ५८।२६। मृगभे दक्षिण यात्रा मु.।
भ. ४९।३७ उ.। दक्षिण पश्चिमयो यात्रा मु.। b या. जय g
भ. २१।५८ या.। पुन. भे दक्षिण यात्रा मु.। g १५।५१ या.।
मार्गीगुरुः ५८।२३। दक्षिण पश्चिमोः यात्रा मु. ३८।२७ या.c
d धन्वन्तरि १३। धन १३। धन्वन्तरि जन्म १३।
भ. ३१।५१ उ.। प्रतीच्यां यात्रामु.। aयाम्यगोलः शरदऋतुः।
भ.२।४२या.।तुलायामर्कः९।३१।cततः पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.।
सौर कार्तिकारम्भा। रमा ११व्रतं सर्वेषाम्। अनुभे शुक्रः२६।४९।
भ. ५९।५२ उ.। प्रदोषः। त्रयोदशी उत्तरा योगे या. ज. मु.।d
भ. २८।१६ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्। हनुमज्जन्म।
स्नानदानादौ ३०।दीपावली। वक्रगत्या पुनर्हस्ते बुधः ११।४।

का. कृ. ४ गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	४	६	४	६	११	११	५
२३	१८	१	२९	२२	२७	१५	१५
२९	६	६	६	४२	४२	९	९
४७	५	२१	२५	३९	३१	२८	२८
५९	३६	२३	४/३५	७१	४/१२	३	३
५६	७	५८	व.	२१	व.	११	११

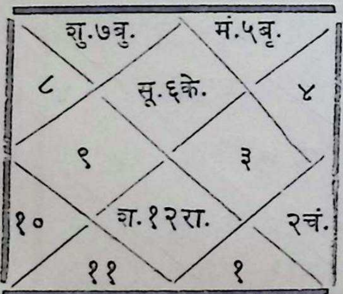

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.		२ मं.		३ बु.		४ बृ.		५ शु.		६ श.		७ र.		८ चं.		९ मं.		९ बु.		१० बृ.		ति.	११ शु.		१२ श.		१४ र.		३० चं.	
कं. अं.	६	५५	६	५२	६	४८	६	४४	६	४१	६	३७	६	३३	६	३०	६	२६	६	२३	६	१९	तु	८	३२	८	२८	८	२४	८	२०
तु. अं.	९	१२	९	९	९	५	९	१	८	५८	८	५४	८	५०	८	४७	८	४३	८	४०	८	३६	वृ	१०	४९	१०	४५	१०	४१	१०	३७
वृ. अं.	११	२९	११	२६	११	२२	११	१८	११	१५	११	११	११	७	११	४	११	०	१०	५७	१०	५३	ध.	१२	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२
ध. अं.	१	३४	१	३१	१	२७	१	२३	१	२०	१	१६	१	१२	१	९	१	५	१	२	१२	५८	म	२	३९	२	३५	२	३१	२	२७
म. अं.	३	१९	३	१६	३	१२	३	८	३	५	३	१	२	५७	२	५४	२	५०	२	४७	२	४३	कुं	४	११	४	७	४	३	३	५९
कुं. अं.	४	५१	४	४८	४	४४	४	४०	४	३७	४	३३	४	२९	४	२६	४	२२	४	१९	४	१५	मी.	५	३९	५	३५	५	३१	५	२७
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		र.	रा०		रा०		रा०		रा०	
मी. अं.	६	१९	६	१६	६	१२	६	८	६	५	६	७	५	५७	५	५४	५	५०	५	४७	५	४३	मे.	७	१७	७	१३	७	९	७	५
मे. अं.	७	५७	७	५४	७	५०	७	४६	७	४३	७	३९	७	३५	७	३२	७	२८	७	२५	७	२१	वृ.	९	१३	९	९	९	५	९	१
वृ. अं.	९	५३	९	५०	९	४६	९	४२	९	३९	९	३५	९	३१	९	२८	९	२४	९	२१	९	१७	मि.	११	२७	११	२३	११	१९	११	१५
मि. अं.	१२	७	१२	४	१२	०	११	५६	१२	५३	११	४९	११	४५	११	४२	११	३८	११	३५	११	३१	क.	१	४६	१	४२	१	३८	१	३४
क. अं.	२	२६	२	२३	२	१९	२	१५	२	१२	२	८	२	४	२	१	१	५७	१	५४	१	५०	सिं.	४	१	३	५७	३	५३	३	४९
सिं. अं.	४	४१	४	३८	४	३४	४	३०	४	२७	४	२३	४	१९	४	१६	४	१२	४	९	४	५	कं.	६	१५	६	११	६	७	६	३

का. कृ. १४ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	४	५	५	७	११	११	५
३	२४	२४	१	५	२६	१४	१४
२६	१८	१८	६	०	३८	३८	३८
१०	३७	३१	९	९	३८	३८	३८
५९	३५	४५/३८	२/४	७६	५/०	३	३
४७	५२	व.	मा.	३६	व.	११	११

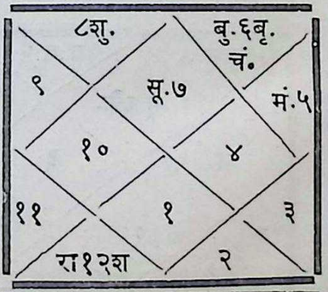

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र.			सू. उ		सू. अ.		आ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ. प.																						रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२८	१६	१	मं.	४७	४१	चि.	०/५६	५६/४६	गि.	८	४	कि.	२०	७	वव	४७	४१	ध्वांक्ष	२२	२९	५				६	२१	५	३९	६	५	२५	५२	५९	५५
२८	१२	२	बु.	४२	१४	वि.	५३	५८	प्री.	१/५२	१/३३	वा.	१४	५७	कौ.	४२	१४	धाता	२३	३०	६	वृ.	३९	५४	६	२२	५	३८	६	६	२५	४७	५९	५७
२८	९	३	वृ.	३६	२७	अनु.	४९	५२	सौ.	४५	५०	तै.	९	२०	ग.	३६	२७	आनन्द	२४	१	७				६	२२	५	३८	६	७	२५	४४	६०	०
२८	५	४	शु.	३०	२६	ज्ये.	४५	३९	शो	३७	५७	व.	३	२७	वि.	३०/५७	२६/२३	चर	२५	२	८	ध.	४५	३९	६	२३	५	३७	६	८	२५	४३	६०	२
२८	२	५	श.	२४	२७	मू.	४१	३२	अ.	३०	१०	बा.	२४	२७	कौ.	५१	३४	गद	२६	३	९				६	२४	५	३६	६	९	२५	४५	६०	४
२७	५८	६	र.	१८	४१	पूषा	३७	४१	सु.	२८	३५	तै.	१८	४१	ग.	४६	१	शुभ	२७	४	१०	म.	५१	५०	६	२४	५	३६	६	१०	२५	४९	६०	६
२७	५५	७	चं.	१३	२२	उषा	३४	१७	धृ.	१५	३९	व.	१३	२२	वि.	४०	५९	मृत्य	२८	५	११				६	२५	५	३५	६	११	२५	५५	६०	८
२७	५२	८	मं.	८	३६	श्र.	३१	३६	शू.	८	३४	वव	८	३६	बा.	३६	३७	लुम्ब	२९	६	१२				६	२६	५	३४	६	१२	२६	२	६०	९
२७	४८	९	बु.	४	३९	ध.	२९	४६	गं.	२/५४	२८/३९	कौ	४	३९	तै.	३२	११	मित्र	३०	७	१३	कुं.	०	४१	६	२६	५	३४	६	१३	२६	१०	६०	१०
२७	४५	१०	वृ.	१/२८	४२/८	श.	२८	५६	ध्रु.	५२	३५	ग.	१	४३	व.	३०/२९	४७/५१	वज्र	३१	८	१४				६	२७	५	३३	६	१४	२६	१९	६०	११
२७	४२	१२	शु.	५९	१०	पू.	२९	१४	व्या	४९	४	वव	२९	४८	बा.	५९	१०	ध्वांक्ष	१	९	१५	मी.	१४	१०	६	२८	५	३२	६	१५	२६	२९	६०	१२
२७	३९	१३	श.	५९	४५	उ.	३०	४७	ह.	४६	३४	कौ.	२९	२७	तै.	५९	४५	धूम्र	२	१०	१६				६	२८	५	३२	६	१६	२६	४१	६०	१४
२७	३५	१४	र.	६०	०	रे.	३३	३५	व.	४५	५७	ग.	३०	४७	व.	६०	०	वर्धमा.	३	११	१७	मे.	३३	३५	६	२९	५	३१	६	१७	२६	५५	६०	१७
२७	३२	१४	चं.	१	५०	अ.	३७	३२	सि.	४५	१७	व.	१	५०	वि.	३३	२२	रक्ष	४	१२	१८				६	३०	५	३०	७	१८	२७	१०	६०	१७
२७	२९	१५	मं.	४	५५	भ.	४२	४०	व्य.	४४	२८	वव	४	५५	बा.	३७	१	मुशल	५	१३	१९	वृ.	५९	८	६	३०	५	३०	७	१९	२७	२८	६०	१९

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० कार्तिक शुक्लपक्षः ।
अक्टूबर २२ से नवम्बर ५ तक याम्यायनगोलौ शरद्ऋतुः

गो क्रीड़नम् । गोवर्धन पूजा । अन्नकूट ।
स्वात्यामर्कः ५०।२८ । चन्द्रोदयः । चित्रगुप्त २ । भातृ २ ।a
या. जय. ३६।२७ या. । रज्जब । स. सि. योगः४९।५२ या. ।
भ. ३।२७ उ. ३०।२६ या. । aउ. फा. भे भौमः ६।५४ ।
तीक्ष्णकर्म मु. । चित्राभे वुधः ३।५४४ ।
मार्गी वुधः २५।३१ ।
भ. १३।२२ उ. ४०।५९ या. । या.जय १३।२२ या. । श्रवसिसe
दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु.। गोपाष्टमी ।ज्येष्ठाभे शुक्रः । ३७।४१ ।b
पञ्चक प्रवृत्तिः ०।४१ उ. । प्रवीच्यो यात्रा मु. ।
भ. ३०।४७ उ. ५९।५१ या. । प्रबोधिनी ११ व्रतं स्मार्तानाम्
नवम्बर । प्रबोधिनी ११ व्रतं वैष्णवानाम् ।
प्रदोषः । या. ज. मु. । रेवत्यां पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. ।
पञ्चक निवृत्तिः ३३।३५ । स. सि. योगः ३३।३५ उ. ।
भ. १।५० उ. ३३।२२ या. । भरणीभे या. ज. मु. ।
गुरु नानक जयन्ती । e कन्यायां भौमः ४८।१२ ।
bस. सि. योगः दक्षिण यात्रा मु. । बुधोदय :प्राच्याम् ४४।७ ।

का. शु. २ वुधे इ. ०।०.

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के
६	४	५	५	७	११	११	५
६	२६	२	२	८	२६	१४	१४
२५	३	३६	१४	४८	५१	२९	२९
४७	३३	३८	२५	२५	२५	५२	५२
५९	३५	५९	१०	७२	४/३८	३	३
४७	४८	५५	२५	२७	व	११	११

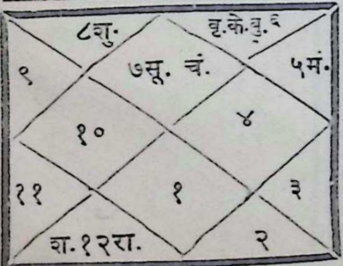

दैनिक लग्नसारिणी

तिथय	१ मं.		२ बु.		३ बृ.		४शु.		५ श.		६र.		७ चं.		८ मं.		९ बु.		१० बृ.		१२ शु.		१३ श.		१४ र.		१४ चं.		१५ मं.	
तु. अं	८	१६	८	१३	८	९	८	५	८	१	७	५७	७	५३	७	४९	७	४५	७	४१	७	३७	७	३३	७	२९	७	२५	७	२१
वृ.. अं	१०	३३	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	२४	१०	१०	१०	६	१०	२	९	५८	९	५४	९	५०	९	४६	९	४२	९	३८
ध. अं.	१२	३८	१२	३५	१२	३१	१२	२७	१२	२३	१२	१९	१२	१५	१२	११	१२	७	१२	३	११	५९	११	५५	११	५१	११	४७	११	४३
म अं	२	२३	२	२०	२	१६	२	१२	२	८	२	४	२	०	१	५६	१	५२	१	४८	१	४४	१	४०	१	३६	१	३२	१	२८
कु. अं	३	५५	३	५२	३	४८	३	४४	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४	३	२०	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०
मी. अं.	५	२३	५	२०	५	१६	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५६	४	५२	४	४८	४	४४	४	४०	४	३६	४	३२	४	२८
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मे. अं.	७	१	६	५८	६	५४	६	५०	६	४६	६	४२	६	३८	६	३४	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१४	६	१०	६	६
वृ. अं,	८	५७	८	५४	८	५०	८	४२	८	४२	८	३८	८	३४	९	३०	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०	८	६	८	२
मिं. अं.	११	११	११	८	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६
कं. अं.	१	३०	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५	१	११	१	७	१	३	१२	५९	१२	५५	१२	५१	१२	४७	१२	४३	१२	३९	१२	३५
सि अं.	३	४५	३	४२	३	३८	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	३	१४	३	१०	३	६	३	२	२	५८	२	५४	२	५०
क. अं.	५	५९	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०	५	१६	५	१२	५	८	५	४

का. शु. ९ बुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	५	५	७	११	११	५
१३	०	२६	३	१७	२६	१४	१४
२६	१४	१८	६	६	०	६	६
१०	१३	३१	७	२२	३	४०	४०
६०	३६	१२/२५	११	७१	५/१२	३	३
६	४२	मा.	५८	३९	व	११	११

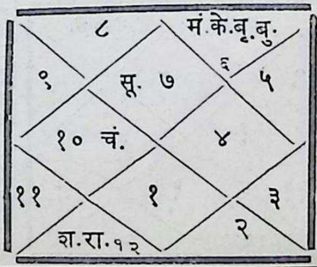

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ.प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः	
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घ.	मि.	घ.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
२७	२६	१	बु.	९	८	कृ.	४८	३२	व.	४५	१८	कौ.	९	८	तै.	४२	६	सिद्धि	६	१४	२०				६	३१	५	२९	६	२०	२७	४९	६०	२२
२७	२३	२	बृ.	१४	४	रो.	५४	५७	प.	४६	३१	ग.	१४	४	व.	४६	४४	उत्पात	७	१५	२१				६	३१	५	२९	६	२१	२८	१४	६०	२५
२७	२०	३	शु.	१९	२५	मृ.	६०	०	शि.	४७	५४	वि.	१९	२५	वव	५२	३	मानस	८	१६	२२	मि.	२८	१२	६	३२	५	२८	६	२२	२८	४१	६०	२८
२७	१७	४	श.	२४	४१	मृ.	१	२७	सि.	४८	६	वा.	२४	४१	कौ.	५६	५९	वज्र	९	१७	२३				६	३३	५	२७	६	२३	२९	१०	६०	३१
२७	१४	५	र.	२९	२७	आ.	७	३७	सा.	४९	५०	तै.	२९	२७	ग.	६०	०	ध्वांक्ष	१०	१८	२४	क.	५६	४५	६	३३	५	२७	६	२४	२९	४९	६०	३४
२७	११	६	चं.	३३	२५	पु.	१३	७	शु.	४९	५२	ग.	१	२६	व.	३३	२५	धूम्र	११	१९	२५				६	३४	५	२६	६	२५	३०	१७	६०	३६
२७	८	७	मं.	३६	१४	पु.	१७	३९	शु.	४९	०	वि.	४	४९	वत्र.	३६	१४	वर्धमा.	१२	२०	२६				६	३४	५	२६	६	२६	३०	५२	६०	३६
२७	५	८	बु.	३७	५८	श्ले.	२१	६	व्र.	४७	१४	वा.	७	६	कौ.	३७	५८	रक्ष	१३	२१	२७	सिं.	२१	६	६	३५	५	२५	६	२७	३१	२९	६०	३७
२७	२	९	बृ.	३८	२१	म.	२३	१५	ऐं.	४४	२३	तै.	८	९	ग.	३८	२१	मुशल	१४	२२	२८				६	३६	५	२४	६	२८	३२	४	६०	३७
२६	५९	१०	शु.	३७	२५	पू.	२४	८	वै.	४०	४१	व.	७	४३	वि.	३७	२५	सिद्धि	१५	२३	२९	कं.	३९	३	६	३६	५	२४	६	२३	३२	४२	६०	३९
२६	५७	११	श.	३५	१५	उ.	२३	४९	वि.	३५	५८	वव	६	२०	वा.	३५	१५	उत्पात	१६	२४	३०				६	३७	५	२३	७	०	३३	२२	६०	४२
२६	५४	१२	र.	३२	०	ह.	२२	२६	प्री.	३०	२१	कौ	३	३७	तै.	३२	०	मानस	१७	२५	१	तु.	५१	१९	६	३७	५	२३	७	१	३४	४	६०	४४
२६	५१	१३	चं.	२८	०	चि.	२०	१२	आ.	२४	९	ग.	०	१	व.	२८ ५५	० ३२	मुद्गर	१८	२६	२				६	३८	५	२२	७	२	३४	४९	६०	४७
२६	४९	१४	मं.	२३	५	स्वा	१७	७	सौ.	१७	१५	श.	२३	५	च.	५०	२५	ध्वांक्ष	१९	२७	३	वृ.	५९	२४	६	३८	५	२२	७	३	३५	३७	६०	४९
२६	४६	३०	बु.	१७	४५	वि.	१३	२९	शो.	९	५०	ना.	१७	४५	किं.	४४	५२	धाता	२०	२८	४				६	३९	५	२१	७	४	३६	२६	६०	५१

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८८० मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः।
नवम्बर ६ से २० तक। याम्यायनगोलौ। शिशिरऋतुः।

द्वीशेऽर्कः १०।२९ a धनौ शुक्रः २२।३८।
भ. ४६।४४ उ.। तृतीया योगे या. जय. मु.।
भ. १९।२५ या.। भद्रान्ते दक्षिण यात्रा मु.।
मृग भे दक्षिण पश्चिमौ यात्रा मु.। स्वत्यांबुधः ४।११। a
तीक्ष्णकर्म मु.। b विशाखायां बुधः ९।४१
भ. ३३।२५ उ.। पश्चिमोत्तरौ यात्रामु.।
भ. ४।४९ या.। c शुक्र ३६।४७
भैरवाष्टमी। काश्यांकालभैरव यात्रा ८।

भ. ७।५३ उ. ३७।२५ या.। हस्ते बुधः ३८।४१।
वृश्चिकेऽर्कः २।१४। उत्पन्ना ११ व्रतं सर्वेषाम्। या. ज. मु.।
सौर मार्गशीर्षारम्भः। दोषः। स. सि. योग।
भ. २८।० उ. ४५।३२ या.। मास शिवरात्रिव्रतम्। b
मैत्रेऽर्कः १९।३०। बुधास्तः प्राच्याम् ५९।४७।
अनुभे स. सि. अ.सि. योगः। स्नान दानादौ ३०। पू.षाभे e

मा. शी. कृ. ४ शनौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	६	५	७	११	११	५
२३	६	६	४	२९	२६	१३	१३
२९	३०	३६	५४	१८	१२	३४	३४
१०	३३	३२	२५	२५	२५	५२	५२
७	३५	५९	१०	१०	७२	३	३
२६	४८	५५	२५	२५	२७	११	११

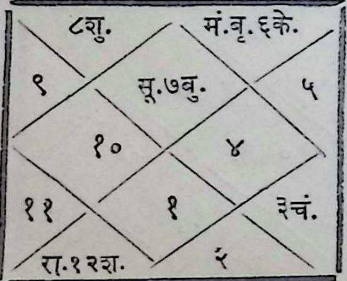

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.		२ बृ.		३ शु.		४ श.		५ र.		६ चं.		७ मं.		८ बु.		९ बु.		१० शु.		११ श.	
तु. अं.	७	१७	७	१३	७	९	७	५	७	१	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४१	६	३७
वृ. अं	९	३४	९	३०	९	२६	९	२२	९	१८	९	१४	९	१०	९	६	९	२	८	५८	८	५४
ध. अं.	११	३९	११	३५	११	३१	११	२७	११	२३	११	१९	११	१५	११	११	११	७	११	३	१०	५९
म. अं.	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२	१	५	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४
कुं. अं.	२	५६	२	५२	२	४८	२	४४	२	४०	२	३६	२	३२	२	२५	२	२४	२	२०	२	१६
मी. अं.	४	२४	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५२	३	४८	३	४४
मे. अं.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
राशयः	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३५	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२
वृ. अं.	७	५८	७	५४	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	७	३०	७	२६	७	२२	७	१८
मि. अं.	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२
क. अं.	१२	३१	१२	२७	१२	२३	१२	१९	१२	१५	१२	११	१२	७	१२	३	११	५९	११	५६	१२	५१
सिं. अं.	२	४६	२	४२	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	१०	२	६
कं. अं.	५	०	४	५६	४	५२	४	४८	४	४४	४	४०	४	३६	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०

तिथयः	१२ र.		१३ चं.		१४ मं.		३० ब.	
वृ. अं.	८	५०	८	४६	८	४२	८	३८
ध. अं.	१०	५५	१०	५१	१०	४७	१०	४३
म. अं.	१२	४४	१२	३६	१२	३२	१२	२८
कुं. अं.	२	१२	२	८	२	४	२	०
मी. अं.	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८
मे. अं.	५	१८	५	१४	५	१०	५	६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	७	१४	७	१०	७	६	७	२
मि. अं.	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६
क. अं.	११	४७	११	४३	११	३९	११	३५
सिं. अं.	२	२	१	५८	१	५४	१	५०
कं. अं.	४	१६	४	१२	४	८	४	४
तु. अं.	६	३३	६	२९	६	२५	६	२१

मार्गशीर्ष कृ. १४ भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	५	६	५	८	११	११	५
३	१२	२०	६	११	२४	१३	१३
३५	३०	५४	४२	२४	४५	३	३
३७	५८	५४	४२	३७	९	५	५
६	३६	८३	११	७१	५ ४८	३	३
४६	३९	१७	२८	३७	व.	११	११

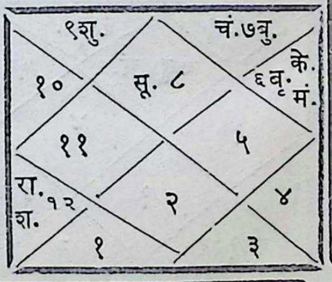

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घ.	मि.	सू. अ. वं.	मि.	ओ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	४४	१	बृ.	११	५९	अनु.	९	२७	अ.	२/५२	०/७	वव	११	५९	वा.	३९	१	आनंद	२१	२९	५				६	३९	५	२१	७	५	३७	१७	६०	५२
२६	४१	२	शु.	६	३	ज्ये.	५	१५	धृ.	४६	३५	कौ.	६	३	तै.	३३	५	चर	२२	१	६	घ.	५	१५	६	४०	५	२०	७	६	३८	७	६०	५२
२६	३९	३	श.	०/५४	८/३०	मू.	५६	५/४	शू.	३८	४०	ग.	०	८	व.	२७/५४	२८/२८	गद	२३	२	७				६	४०	५	२०	७	७	३८	५९	६०	५४
२६	३७	५	र.	४९	१२	उ.	५३	३९	गं.	३१	११	वव	२१	५०	वा.	४९	१२	अमृत	२४	३	८	म.	११	१६	६	४१	५	१९	७	८	३९	५३	६०	५६
२६	३५	६	चं.	४४	३४	श्र.	५०	४७	वृ.	२४	१३	कौ.	१६	५३	त.	४४	३४	सिद्धि	२५	४	९				६	४१	५	१९	७	९	४०	४९	६०	५७
२६	३३	७	मं.	४०	४८	ध.	४८	४६	ध्रु.	१७	५३	ग.	११	४१	व.	४०	४८	उत्पात	२६	५	१०	कुं.	१९	४६	६	४२	५	१८	७	१०	४१	५६	६०	५९
२६	३०	८	बु.	३७	५८	श.	४७	३८	व्या	१२	११	वि.	९	२३	वव	३७	५८	मानस	२७	६	११				६	४२	५	१८	७	११	४२	४५	६१	१
२६	२८	९	बृ.	३६	१३	पू.	४७	३९	ह.	७	२१	वा.	७	५	कौ.	३६	१३	मुद्गर	२८	७	१२	मी.	३२	३९	६	४२	५	१८	७	१२	४३	४५	६१	३
२६	२६	१०	शु.	३५	४१	उ.	४८	५०	व.	३	२४	तै.	५	५७	ग.	३५	४१	ध्वज	२९	८	१३				६	४३	५	१७	७	१३	४४	४७	६१	३
२६	२५	११	श.	३६	२७	रे.	५१	२१	सि.	०/५	२८/३	व.	६	४	वि.	३६	२७	धाता	३०	९	१४	मे.	५१	२१	६	४३	५	१७	७	१४	४५	४९	६१	४
२६	२३	१२	र.	३८	३८	अ.	५५	५	.	५७	३३	वव	७	३२	वा.	३८	३८	आनंद	१	१०	१५				६	४३	५	१७	७	१५	४६	५३	६१	६
२६	२१	१३	चं.	४१	५१	भ.	५९	५५	प.	५७	२५	कौ.	१०	१४	तै.	४१	५१	चर	२	११	१६				६	४४	५	१६	७	१६	४७	५९	६१	८
२६	१९	१४	मं.	४६	१३	कृ.	६०	०	शि.	५८	३	ग.	१४	२	व.	४६	१३	गद	३	१२	१७	वृ.	१६	२०	६	४४	५	१६	७	१७	४९	५	६१	८
२६	१८	१५	बु.	५१	१३	कृ.	५	३६	सि.	५९	७	वि.	१८	४३	वव	५१	१३	सिद्धि	४	१३	१८				६	४४	५	१६	७	१८	५०	१२	६१	९

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः।
नवम्बर २१ से दिसम्बर ४ तक याम्यायनगोलौ शिशिरऋतुः।

चन्द्रदर्शनम् । स. सि. योगः या. जय. ११।४९ या. ।
तीक्ष्ण कर्म मु. । शावान ।
भ. २७।१८ उ. ५८।२८ या. ।
या. जय मु. । d पिशाचमोचने स्नानम् (लोटाभंटा)
दक्षिण यात्रा मु. । a प्रवृत्तिः १९।४६ उ. ।
भ. ४०।४८ उ.। दक्षिण यात्रा मु.१९।४६ या.। पञ्चक a
भ. ९।२३ या. । e बुधः ४६।२५ । मकरे शुक्रः ६।७ ।
उग्रकर्म मु. । अनुभे बुधः ४६।१७ ।
रेवत्यां उदीच्यां यात्रा मु. । b निवृत्तिः ५१।११ या. ।
भ. ६।४उ. ३६।२७ या.। मोक्षदा ११ व्रतंसर्वेषाम् । पञ्चकb
दिसम्बर । स. सि. योगः भरणीभे या.जय.। उ. षाभे शुक्रःc
शाक्रेऽर्कः २६।३१ । प्रदोषः । या. जय मु. । c ३६।३७
भ. ४६।१३उ.। स. सि. योगः । विमलतीर्थ यात्रा । काश्यां d
भ. १८।४३ या. । स.सि. योगः । दत्त जयन्ती । ज्येष्ठाभे e

मार्गशीर्ष शुक्ल २ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	५	६	५	८	११	११	५
६	१४	२०	७	१४	२४	१२	१२
३८	१४	४८	३०	५७	२८	५४	५४
७	१७	४६	११	११	४५	२९	२९
६०	३६	७१	५	७१	३/६	३	३
५२	३५	५५	३८	३७	व.	११	११

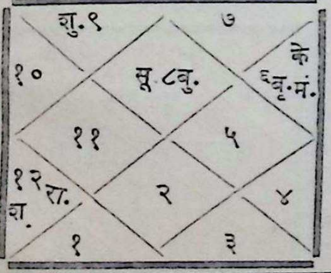

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.	२ शु.	३ श.	५ र.	६ चं.	७ मं.	८ बु.	९ बृ.	१० शु.	११ श.	१२ र.	१३ चं.	१४ मं.	१५ बु.
वृ. अं.	८ ३३	८ २९	८ २५	८ २०	८ १६	८ १२	८ ७	८ ३	७ ५९	७ ५४	७ ५०	७ ४६	७ ४२	७ ३७
ध. अं.	१० ३८	१० ३४	१० ३०	१० २५	१० २१	१० १७	१० १२	१० ८	१० ४	९ ५९	९ ५५	९ ५१	९ ४७	९ ४२
म. अं.	१२ २३	१२ १९	१२ १५	१२ १०	१२ ६	१२ २	११ ५७	११ ५३	११ ४९	११ ४४	११ ४०	११ ३६	११ ३२	११ २७
कुं. अं.	१ ५५	१ ५१	१ ४७	१ ४२	१ ३८	१ ३४	१ २९	१ २५	१ २१	१ १६	१ १२	१ ८	१ ४	१२ ५९
मी. अं.	३ २३	३ १९	३ १५	३ १०	३ ६	३ २	२ ५७	२ ५३	२ ४९	२ ४४	२ ४०	२ ३६	२ ३२	२ २७
मे. अं.	५ १	४ ५७	४ ५३	४ ४८	४ ४४	४ ४०	४ ३५	४ ३१	४ २७	४ २२	४ १८	४ १४	४ १०	४ ५
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ. अं.	६ ५७	६ ५३	६ ४९	६ ४४	६ ४०	६ ३६	६ ३१	६ २७	६ २३	६ १८	६ १४	६ १०	६ ६	६ १
मि. अं.	९ ११	९ ७	९ ३	८ ५८	८ ५४	८ ५०	८ ४५	८ ४१	८ ३७	८ ३२	८ २८	८ २४	८ २०	८ १५
क. अं.	११ ३०	११ २६	११ २२	११ १७	११ १३	११ ९	११ ४	११ ०	१० ५६	१० ५१	१० ४७	१० ४३	१० ३९	१० ३४
सिं. अं.	१ ४५	१ ४१	१ ३७	१ ३२	१ २८	१ २४	१ १९	१ १५	१ ११	१ ६	१ २	१२ ५८	१२ ५४	१२ ४९
कं. अं.	३ ५९	३ ५५	३ ५१	३ ४६	३ ४२	३ ३८	३ ३३	३ २९	३ २५	३ २०	३ १६	३ १२	३ ८	३ ३
तु. अं.	६ १६	६ १२	६ ८	६ ३	५ ५९	५ ५५	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३७	५ ३३	५ २९	५ २५	५ २०

मा. शी. शुक्ल १० शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	५	७	५	८	११	११	५
१३	१८	७	८	२३	२४	१२	१२
४४	१८	३६	१२	२४	१२	३१	३१
४७	३७	३३	२५	९	७	१७	१७
६१	३६	९५	१०	७१	३/८	३	३
२	७	४५	३८	३७	व	११	११

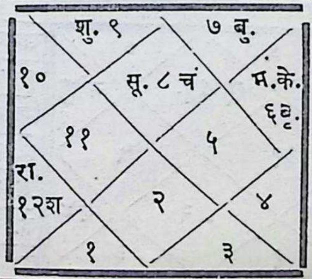

दि. मा.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अ.	फा.	बं.	चं. रा. प्र.			सू. उ.		सू. अ.		औ. स्पष्ट सूर्यः				गतिः		श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० पौष कृष्णपक्षः ।
घ.	प.																					रा.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	दिसम्बर ५ से १९ तक । याम्यायनगौलौ शिशिर ऋतुः
२६	१६	१	बृ.	५६	३९	रो.	१२	९	सा.	६०	०	वा.	२३	५६	कौ.	५६	३९	उत्पात	५	१४	१९	मि.	४५	१८	६	४५	५	१५	७	१९	५१	१९	६१	९	या जय. मु. १२।९ या. । प्राच्यां यात्रा मु. ।
२६	१५	२	शु.	६०	०	मृ.	१८	२७	सा.	०	२६	तै.	२९	१९	ग.	६०	०	मानस	६	१५	२०				६	४५	५	१५	७	२०	५२	२७	६१	११	दक्षिण यात्रा मु. । १८।२७ या. ।
२६	१४	२	श.	२	०	आ.	२४	४७	शु.	१	४५	ग.	२	०	व.	३४	२३	मुद्गर	७	१६	२१				६	४५	५	१५	७	२१	५३	३९	६१	१३	भ. ३४।२३ उ । चित्रायां भौमः ४६।१७ ।
२६	१२	३	र.	६	४७	पु.	३०	२८	शु.	२	३७	वि.	६	४७	वव	३८	४८	ध्वज	८	१७	२२	क.	१४	३	६	४६	५	१४	७	२२	५४	५०	६१	१४	भ. ६।४७ या. ।
२६	११	४	चं.	१०	४९	पु.	३५	१६	व्र.	२	५२	वा.	१०	४९	कौ.	४२	१४	धाता	९	१८	२३				६	४६	५	१४	७	२३	५६	३	६१	१६	पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. । श्लेषाभे या. ज. मु. ।
२६	१०	५	मं.	१३	३९	श्ले.	३९	१	ऐ.	२	१६	तै.	१३	३९	ग.	४४	३२	आनंद	१०	१९	२४	सि.	३९	१	६	४६	५	१४	७	२४	५७	१७	६१	१६	b मास शिवरात्रि व्रतम् । स. सि. अ सि. योगः २९।१० या. ।
२६	९	६	बु.	१५	२२	म.	४१	२८	वै	०/५७	५५/३१	व.	१५	२२	वि.	४५	२०	चर	११	२०	२५				६	४६	५	१४	७	२५	५८	३२	६१	१७	भ. १५।२२ उ. ४५।३२ या. ।
२६	८	७	बृ.	१५	४२	पू.	४२	३८	प्री.	५४	५४	वव	१५	४२	वा.	४५	१५	गद	१२	२१	२६	कं.	५७	३८	६	४६	५	१४	७	२६	५९	४८	६१	१८	उग्र कर्म मु. ।
२६	७	८	शु.	१४	४८	उ.	४२	३८	आ.	५०	२६	कौ.	१४	४८	तै.	४३	४३	शुभ	१३	२२	२७				६	४७	५	१३	७	२८	१	५	६१	१९	हस्तभे दक्षिण यात्रा मु. ।
२६	६	९	श.	१२	३९	ह.	४१	२७	सौ.	२५	९	ग.	१२	३९	व.	४१	१	मृत्य	१४	२३	२८				६	४७	५	१३	७	२९	२	२३	६१	२०	भ. ४१।३ उ. । धनौ बुधः ३८।११ । श्रवसि शुक्रः १२।४१ ।
२६	६	१०	र.	९	२८	चि.	३९	२७	शो.	३९	४	वि.	९	२८	वव	३७	२६	पद्म	१५	२४	२९	तु.	१०	२७	६	४७	५	१३	८	०	३	४१	६१	२०	भ. ९।२८ या. । मूलेधनुषि चार्कः ३०।५४ । स्वातीभे या ज.मु.
२६	५	११	चं.	५	२४	स्वा	३६	३५	अ.	३८	१०	वा.	५	२४	कौ.	३२	५८	छत्र	१६	२५	१				६	४७	५	१३	८	१	५	०	६१	२१	सौरपौषारम्भः । सफला ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
२६	५	१२	मं.	०/५४	३३/३८	वि.	३३	४	सु.	२५	४	तै.	०	३३	ग.	२७/५५	५५/११	श्रीवत्स	१७	२६	२	वृ.	१८	५४	६	४७	५	१३	८	२	६	१९	६१	२२	भ. ५५।११ उ. । प्रदोषः । हस्तभे गुरुः ४।१७ ।
२६	४	१४	बु.	४९	२७	ऽनु.	२९	१०	धृ.	१७	२६	वि.	२२	१९	श.	४९	२७	सौम्य	१८	२७	३				६	४७	५	१३	८	३	७	३९	६१	२३	भ. २२।१९ या. । मार्गी शनिः ५९।३५ । तुलायां भौमः ४८।११b
२६	४	३०	बृ.	३०	३२	ज्ये.	२५	२	शू	९	३६	च.	१६	२९	ना.	४३	३२	काल	१९	२८	४	ध.	२५	२	६	४७	५	१३	८	४	९	२	६१	२४	स्नानदानादौ ३० । पू. धा. भे बुधः ४८।५२

पौष कृ. ४ चन्द्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	५	७	५		११	११	५
२३	२४	२४	९	५९	२३	११	११
५६	२४	४८	३०	२४	४८	५९	५९
३	१७	४६	११	११	४५	२९	२९
६१	३६	१०१	५	७१	३ २/६	३	३
१४	३५	५५	३८	३७	व.	११	११

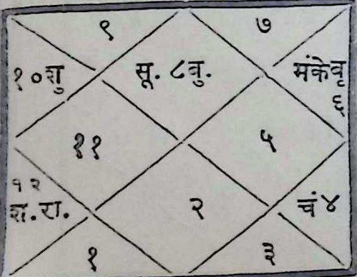

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.		२ शु.		२ श.		३ र.		४ चं.		५ मं.		६ बु.		७ बृ.		८ शु.		९ श.		१० र.		तिथयः	११ चं.		१२ मं.		१४ बु.		१५ बृ.	
वृ. अं	७	३३	७	२९	७	२४	७	२०	७	१६	७	११	७	७	७	३	६	५९	६	५४	६	५०	ध. अं.	८	५१	८	४७	८	४२	८	३८
ध. अं.	९	३८	९	३४	९	२९	९	२५	९	२१	९	१६	९	१२	९	८	९	४	८	५९	८	५५	म. अं.	१०	३६	१०	३२	१०	२७	१०	२३
म. अं.	११	२३	११	१९	११	१४	११	१०	११	६	११	१	१०	५७	१०	५३	१०	४९	१०	४४	१०	४०	कुं. अं.	१२	८	१२	४	११	५९	११	५५
कु. अं.	१२	५५	१२	५१	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३३	१२	२९	१२	२५	१२	२१	१२	१६	१२	१२	मी. अं.	१	३६	१	३२	१	२७	१	२३
मी. अं.	२	२३	२	१९	२	१४	२	१०	२	६	२	१	१	५७	१	५३	१	४९	१	४४	१	४०	मे. अं	३	१४	३	१०	३	५	३	१
मे. अं.	४	१	३	५७	३	५२	३	४८	३	४४	३	३९	३	३५	३	३१	३	२७	३	२२	३	१८	वृ. अं.	५	१०	५	६	५	१	४	५७
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	५	५७	५	५३	५	४८	५	४४	५	४०	५	३५	५	३१	५	२७	५	२३	५	१८	५	१४	मि. अं.	७	२४	७	२०	७	१५	७	११
मि. अं.	८	११	८	७	८	२	७	५८	७	५४	७	४९	७	४५	७	४१	७	२७	७	३२	७	२८	क. अं.	९	४३	९	३९	९	३४	९	३०
क. अं.	१०	३०	१०	२५	१०	२१	१०	१७	१०	१३	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६	९	५१	९	४७	सिं. अं.	११	५८	११	५४	११	४९	११	४५
सिं. अं.	१२	४५	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२३	१२	१९	१२	१५	१२	१०	१२	६	१२	२	कं. अं.	२	१२	२	८	२	३	१	५९
कं. अं.	२	५९	२	५५	२	५०	२	४६	२	४२	२	३९	२	३३	२	२९	२	२५	२	२०	२	१६	तु. अं.	४	२९	४	२५	४	२०	४	१६
तु. अं.	५	१६	५	१२	५	७	५	३	४	५९	४	५४	४	५०	४	४६	४	४२	४	३७	४	३३	वृ. अं.	६	४६	६	४२	६	३७	६	३३

पौष कृ. ३० गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	६	८	५	९	११	११	५
४	०	१२	१०	१७	२३	११	११
९	६	०	३६	१२	४८	२७	२७
२	३२	२३	४७	५	५१	५१	५१
६१	३६	१७७	५	७१	०/१	३	३
११	९	३५	५८	३९	मा.	११	११

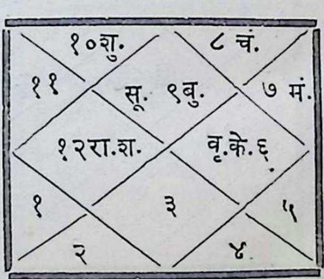

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० पौष शुक्लपक्षः। दिस. २० से जन. ३ स. १९६९तक। याम्यायन गोलौ। शिशिर ऋतुः।

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा.	रा. घ.	प्र. प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	४	१	शु.	३७	३९	मू.	२०	५२	गं.	$\frac{[illegible]}{५२}$	$\frac{३६}{१५}$	कि.	१०	३५	वव	३७	३९	स्थिर	२०	२९	५				६	४७	५	१३	८	५	१०	२४	६१	२४
२६	३	२	श.	३२	५	पू.	१६	५२	ध्रु.	४६	१५	वा.	४	५२	कौ.	$\frac{३२}{५९}$	$\frac{५}{२९}$	मातंग	२१	३०	६	म.	३०	५८	६	४७	५	१३	८	६	११	४६	६१	२४
२६	३	३	र.	२६	५३	उ	१३	१५	व्या	३९	५	ग.	२६	५३	व.	५४	३७	अमृत	२२	१	७				६	४७	५	१३	८	७	१३	१०	६१	२४
२६	३	४	चं.	२२	२१	श्र.	१०	१६	ह.	३८	२७	वि.	२२	२१	वव	५०	३०	सिद्धि	२३	२	८	कुं.	३९	११	६	४७	५	१३	८	८	१४	३४	६१	२५
२६	३	५	मं.	१८	४०	ध.	८	६	व.	२६	२८	वा	१८	४०	कौ.	४७	१७	उत्पात	२४	३	९				६	४७	५	१३	८	९	१५	५९	६१	२५
२६	४	६	बु.	१५	५५	श.	६	४६	सि.	२१	२०	तै.	१५	५५	ग.	४५	७	मानस	२५	४	१०	मी.	५१	३६	६	४७	५	१३	८	१०	१६	२४	६१	२५
२६	४	७	बृ.	१४	२०	पू.	६	३१	व्य.	१७	१४	व.	१४	२०	वि.	४४	८	मुद्गर	२६	५	११				६	४७	५	१३	८	११	१७	४९	६१	२५
२६	४	८	शु.	१३	५६	उ.	७	२८	व.	१३	४५	वव	१३	५६	वा.	४४	२४	ध्वज	२७	६	१२				६	४७	५	१३	८	१२	१८	१४	६१	२६
२६	५	९	श.	१४	५२	रे	९	४१	प.	११	२७	कौ.	१४	५२	तै.	४६	०	धाता	२८	७	१३	मे	९	४१	६	४७	५	१३	८	१३	१९	४०	६१	२६
२६	५	१०	र.	१७	९	अ.	१३	११	शि.	१०	१३	ग.	१७	९	व.	४८	५०	आनंद	२९	८	१४				६	४६	५	१४	८	१४	२१	६	६१	२६
२६	५	११	चं.	२०	३२	भ.	१७	४७	सि.	९	४७	वि.	२०	३२	वव	५२	४५	चर	३०	९	१५	वृ.	३४	१०	६	४६	५	१४	८	१५	२२	३२	६१	२६
२६	६	१२	मं.	२४	५८	कृ.	२३	२१	सा.	१०	८	वा.	२४	५८	कौ.	५७	३१	गद	३१	१०	१६				६	४६	५	१४	८	१६	२३	५८	६१	२६
२६	६	१३	बु.	३०	४	रो.	२९	३६	शु.	११	८	तै.	३०	४	ग.	६०	०	शुभ	१	११	१७				६	४६	५	१४	८	१७	२५	२४	६१	२६
२६	७	१४	बृ.	३५	३०	मृ.	३६	९	शु.	११	२७	ग.	२	४७	व.	३५	३०	मृत्यु	२	१२	१८	मि.	२	५२	६	४६	५	१४	८	१८	२६	५०	६१	२६
२६	८	१५	शु.	४०	४९	आ.	४२	३४	ब्र.	१३	४५	वि.	८	९	वव	४०	४९	पद्म	३	१३	१९				६	४६	५	१४	८	१९	२८	१६	६१	२७

tया. ततः प्रवीच्यां यात्रा मु.। पञ्चकारम्भः३९।११ उ.
चन्द्रदर्शनम् । तृतीयायोगे या. जय मु.।
भ. ५४।३७ उ.। स. सि. या. ज. मु. १३।१५ या.। रमजान।
भ. २२।२१ या.। स. सि. योगः दक्षिण यात्रा मु. २२।२१ उ.t
घनिष्ठायां शुक्रः ६।११।
वड़ा दिन। cयात्रा मु.। वुधोदयः प्रतीच्याम् २।३।
भ. १४।२० उ. ४४।८ या.। उत्तरायोगे या जय मु.।
f१७।९ उ.। प्राच्यां यात्रा मु.। स्वात्यां भौम; ३६।५१।
पूर्वाषाढ़ायामर्कः ३३।३३। या. ज. मु.। ९।४१ या.। उदीच्यांc
भ. ४८।५० उ.। स. सि. योगः १३।११ या.। या ज. मु.।f
भ. २०।३२ या.।पुत्रदा ११ व्रतं सर्वेषाम्।या. जय. १७।४७z
प्रदोषः। स. सि. योगः २३।२१ या.। कुम्भे शुक्रः ७।४१।
जनवरी १९६९ ई०। स. सि. योगः।
भ. ३५।३० उ.। यात्रा मु.। zया.। मकरे वुधः ९।४४।
भ. ८।९ या.। स्नान व्रतादौ ३०।

पौ. शु. ३ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	६	८	५	१०	११	११	५
७	९	१७	१०	२०	२३	११	१५
१३	५४	३६	५१	५४	५१	१८	१८
१०	१५	१५	१२	१२	५३	१५	१५
६१	३६	७७	५	६५	$\frac{०}{५}$	३	३
२४	३	३५	२५	३५	म.	११	११

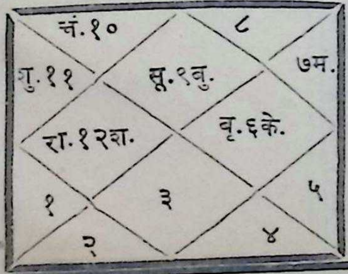

दैनिकलग्नसारिणी

तिथय.	१ बु.		२ श.		३ र.		४ चं.		५ मं.		६ बु.		७ बृ.		८ शु.		९ श.		१० र.		११ चं.		१२ मं.		१३ बु.		१४ बृ.		३० शु.	
ध. अं.	८	३४	८	२९	७	२४	७	२०	७	१६	७	१२	७	६	७	२	७	५८	७	३४	७	५०	७	४६	७	४१	७	३६	७	३१
म. अं.	१०	१९	१०	१४	१०	१०	१०	५	१०	०	९	५६	९	५१	९	४६	९	४२	९	३८	९	३४	९	३०	९	२६	९	२१	९	१६
कुं. अं.	११	५१	११	४६	११	४२	११	३७	११	३२	११	२८	१५	२४	११	२०	११	१५	११	१०	११	६	११	२	१०	५८	१०	५३	१०	४८
मी. अं.	१	१९	१	१४	१	१०	१	५	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४७	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२५	१२	२०	१२	१६
मे. अं.	२	५७	२	५२	२	४७	२	४२	२	३८	२	३४	२	३०	२	२५	२	२०	२	१६	२	१२	२	८	२	४	१	५९	२	५४
वृ. अं.	४	५३	४	४८	४	४४	४	४०	४	३५	४	३०	४	२५	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५५	३	५०
राशय:	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मि. अं.	७	७	७	२	६	५८	६	५४	६	५०	६	४५	६	४०	६	३५	६	३०	६	२५	६	२०	६	१६	६	१२	६	८	६	४
क. अं	९	२६	९	२१	९	१७	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५५	८	५०	८	४५	८	४०	८	३६	८	३२	८	२८	९	२३
सिं. अं.	११	४१	११	३६	११	३२	११	२८	११	२४	११	२०	११	१५	११	१०	११	५	११	०	१०	५५	१०	५०	१०	४६	१०	४२	१०	३८
कं. अं	१	५५	१	५०	१	४५	१	४०	१	३५	१	३०	१	२६	१	२२	१	१८	१	१४	१	१०	१	५	१	०	१२	५६	१२	५२
तु. अं.	४	१२	४	७	४	३	३	५९	३	५५	३	५०	३	४५	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४	३	२०	३	१५	३	१०
वृ. अं.	६	२९	६	२४	६	२०	६	१५	६	१०	६	५	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३५	५	३०	५	२६

पौ. शु. १० रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	६	८	५	९	११	११	५
१४	५	२८	११	२८	२३	१०	१०
२१	५४	१८	३०	४८	५४	५६	५६
६	३७	४५	१५	३५	५२	३	३
६१	२९	९६	५	६५	५$\frac{०}{८}$	३	३
२५	५८	५	२५	२५	मा	११	११

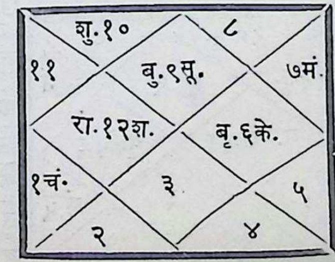

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं.रा.प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गांतः क.	वि.
२६	९	१	श.	४५	३५	पु	४८	२८	ऐं.	१४	४८	वा.	१३	१२	कौ.	४५	३५	छत्र	४	१४	२०	क.	३२	०	६	४५	५	१५	८	२०	२९	४३	६१	२७
२६	११	२	र.	४९	३२	पु.	५३	३३	वै.	१५	२०	तै.	१७	३३	ग.	४९	३२	श्रीवत्स	५	१५	२१				६	४५	५	१५	८	२१	३१	१०	६१	२७
२६	१३	३	चं.	५२	१८	श्ले	५७	३२	वि.	१५	३	व.	२०	५५	वि.	५२	१८	सौम्य	६	१६	२२	सिं.	५७	३२	६	४५	५	१५	८	२२	३४	२७	६१	२७
२६	१४	४	मं.	५३	५५	म.	६०	०	प्री.	१३	५७	वव	२३	६	वा.	५३	५५	काल	७	१७	२३				६	४५	५	१५	८	२३	३५	५२	६१	२६
२६	१६	५	बु.	५४	१०	म.	०	२०	आ.	११	४८	कौ.	२४	२	तै.	५४	१०	चर	८	१८	२४				६	४५	५	१५	८	२४	३७	१६	६१	२६
२६	१७	६	बृ.	५३	११	पू.	१	५२	सौ.	८	४१	ग.	२३	४०	व.	५३	११	गद	९	१९	२५	कं.	१६	५४	६	४५	५	१५	८	२५	३८	४०	६१	२६
२६	१९	७	शु.	५०	५७	उ.	२	०	शो.	८ ४/५	३ ४/१	वि.	२२	४	वव	५०	५७	शुभ	१०	२०	२६				६	४४	५	१६	८	२६	४०	३	६१	२४
२६	२१	८	श.	४७	४०	ह.	१/८	१९/९	सु.	५३	४५	वा.	१९	१८	कौ.	४७	४०	मृत्यु	११	२१	२७	तु.	३०	२८	६	४४	५	१६	८	२७	४१	२७	६१	२४
२६	२२	९	र.	४३	३२	स्वा	५६	४७	धृ.	४७	१५	तै.	१५	३६	ग.	४३	३२	लुम्ब	१२	२२	२८				६	४४	५	१६	८	२८	४२	४९	६१	२४
२६	२४	१०	चं.	३८	४१	वि.	५३	२७	शू.	४०	७	व.	११	६	वि.	३८	४१	मित्र	१३	२३	२९	वृ.	३९	१७	६	४३	५	१७	८	२९	४४	११	६१	२४
२६	१६	११	मं.	३३	१८	अनु.	४९	३८	गं.	३२	३७	वव	५	५९	वा.	३३	१८	वज्र	१४	२४	१				६	४३	५	१७	९	०	४५	३३	६१	२४
२६	२८	१२	बु.	२७	३३	ज्ये.	४५	३२	वृ.	२२	५०	कौ.	०	२५	तै.	२७/५४	३३/३	ध्वांक्ष	१५	२५	२	ध.	४५	३२	६	४३	५	१८	९	१	४६	५४	६१	२३
२६	३०	१३	बृ.	२१	३८	मू.	४१	१९	ध्रु.	१६	५२	व.	२१	३८	वि.	४८	४२	धूम्र	१६	२६	३				६	४२	५	१८	९	२	४८	१४	६१	२२
२६	३२	१४	शु.	१५	४९	पू.	३७	१८	व्या	९	३	श.	१५	४९	च.	४३	२	वर्द्धमा.	१७	२७	४	म.	५१	२२	६	४२	५	१८	९	३	४९	३४	६१	२१
२६	३४	३०	श.	१०	१६	उ.	३३	३६	ह.	१/५२	२९/४२	ना.	१०	१६	कि.	३७	४३	रक्ष	१८	२८	५				६	४१	५	१९	९	४	५०	५२	६१	२०

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० माघ कृष्ण पक्षः।
जनवरी ४ से १८ तक। याम्यायनगोलौ मकरार्कतः सौम्यायनम्

या. ज. मु.। प्रतीच्यां यात्रा मु.। f हेमन्तऋतुः।

स. सि. योगः। शते शुक्रः ४६।५९।

भ. २०।५५ उ. ५२।१८ या.। या. जय. मु.।

गणेश ४ व्रतम्।

श्रवासि बुधः ४४।७।

भ. ५३।११ उ.। bदक्षिण पूर्व यात्रा मु.।

भ. २२।४ या.। उत्तराषाढ़ायामर्कः ३३।३४। भद्रान्तेb

1 योगः ५३।२७ उ.।

या. जय.मु.।

भ. ११।६ उ. ३८।४१ या.। मकरेऽर्कः ४९।४७। स. सि.h

सौरमाघारम्भः। षट्तिला ११ व्रतं सर्वेषाम्।

प्रदोषः।

भ. २१।३८ उ. ४८।४२ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्।

पू. भा. भे शुक्र. ५६।४४।

स्नान दानादौ ३०। मौनी ३०।

माघ कृ. ५ बुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	६	९	५	४	११	११	५
२४	११	११	१२	९	२३	१०	१०
३७	३६	३६	०	५४	५४	२४	२४
१६	१५	१५	१	१२	१२	१५	१५
६१	३६	७७	२	६५	०/५	३	३
२६	३	३५	२५	३५	मा.	११	११

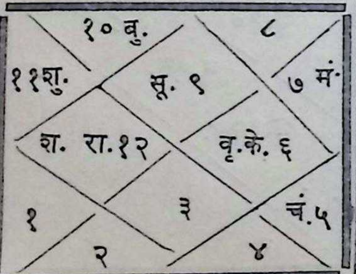

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.		२ र.		३ चं.		४ मं.		५ बु.		६ बृ.		७ शु.		८ श.		९ र.		१० चं.	
ध. अं.	७	२७	७	२३	७	१९	७	१५	७	१०	७	६	७	१	६	५७	६	५२	६	४७
म. अं.	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५५	८	५१	८	४६	८	४२	८	३७	८	३२
कुं. अं.	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२३	१०	१८	१०	१४	१०	९	१०	४
मी. अं.	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५५	११	५१	११	४६	११	४२	११	३७	११	३२
मे. अं.	१	५०	१	४६	१	४२	१	३८	१	३३	१	२९	१	२४	१	२०	१	१५	१	१०
वृ. अं.	३	४६	३	४२	३	३८	३	३४	३	२९	३	२५	३	२०	३	१६	३	११	३	६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मि. अं.	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४३	५	३९	५	३४	५	३०	५	२५	५	२०
क. अं.	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	२	७	५८	७	५३	७	४९	७	४४	७	३९
सिं. अं.	१०	३४	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१७	१०	१३	१०	८	१०	४	९	५९	९	५४
कं. अं.	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३१	१२	२७	१२	२२	१२	१८	१२	१३	१२	८
तु. अं.	३	५	३	१	२	५७	२	५३	२	४८	२	४४	२	३९	२	३५	२	३०	२	२५
वृ. अं.	५	२२	५	१८	५	१४	५	१०	५	५	५	१	४	५६	४	५२	४	४७	४	४२

तिथयः	११ मं.		१२ बु.		१३ बृ.		१४ शु		३० श.	
म. अं.	८	२८	८	२४	८	२०	८	१६	८	१२
कुं. अं.	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८	९	४४
मी. अं.	११	२८	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२
मे. अं.	१	६	१	२	१२	५८	१२	५४	१२	५०
वृ. अं	३	२	२	५८	२	५४	२	५०	२	४६
मि. अं.	५	१६	५	१२	५	८	५	४	५	०
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
क. अं.	७	३५	७	३१	७	२७	७	२३	७	१९
सिं. अं.	९	५०	९	४६	९	४२	९	३८	९	३४
कं. अं.	१२	४	१२	०	११	५६	११	५२	११	४८
तु. अं.	२	२१	२	१६	२	१३	२	९	२	५
वृ. अं.	४	३८	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२
ध. वृ.	६	४३	६	३९	६	३५	६	३१	६	२७

माघ कृ. ३० शनौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	६	९	५	१०	११	११	५
४	१७	१९	१२	६०	२४	९	९
५०	०	३०	१८	५४	३०	५२	५२
५२	१	२५	२१	२५	२३	२५	२५
६१	३५	९५	०	६	४/२५	३	३
१९	५७	२७	४०	२५	मा.	११	११

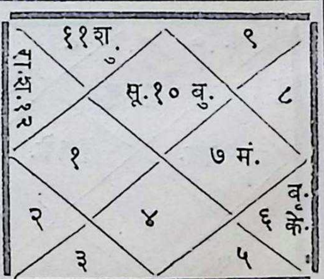

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	३७	१	र.	५	११	श्र.	३०	२७	सि.	४७	१४	वव	५	११	वा.	३२	५७	गद	१९	२३	६	कुं.	५९	१६	६	४१	५	१९	९	५	५२	१०	६१	२०
२६	३७	२	चं.	० ५६	४४ ३३	ध.	२८	६	व्य.	४१	७	कौ.	०	४४	तै.	२८ ५७	५५ ७	शुभ	२०	१	७				६	४१	५	१९	९	६	५३	२८	६१	१९
२६	४१	४	मं.	५४	२९	श	२६	३३	व.	३५	४३	व.	२५	४८	वि.	५४	२९	मृत्यु	२१	२	८				६	४०	५	२०	९	७	५४	४४	६१	१८
२६	४४	५	बु.	५३	२	पू.	२६	२	प.	३३	९	वव	२३	४५	वा.	५३	२	पद्म	२२	३	९	मी.	११	१०	६	३९	५	२१	९	८	५५	५९	६१	१७
२६	४६	६	बृ.	५२	४६	उ.	२६	४५	शि.	२७	३३	कौ.	२२	५४	तै.	५२	४६	छत्र	२३	४	१०				६	३९	५	२१	९	९	५७	१४	६१	१६
२६	४९	७	शु.	५३	५२	रे.	२८	४१	सि.	२५	०	ग.	२३	१९	व.	५३	५२	श्रीवत्स	२४	५	११	मे	२८	४१	६	३८	५	२२	९	१०	५८	२८	६१	१६
२६	५१	८	श.	५६	१६	अ.	३१	५७	सा.	२३	२४	वि.	२५	४	वव	५६	१६	सौम्य	२५	६	१२				६	३८	५	२२	९	११	५९	४१	६१	१४
२६	५४	९	र.	५९	४६	भ.	३६	१७	शु	२२	४३	वा.	२८	१	कौ.	५९	४६	काल	२६	७	१३	वृ.	५२	३८	६	३७	५	२३	९	१३	०	५२	६१	१३
२६	५७	१०	चं.	६०	०	कृ.	४१	४१	शु.	२२	५४	तै.	३२	२	ग.	६०	०	स्थिर	२७	८	१४				६	३७	५	२३	९	१४	२	२	६१	११
२६	५९	१०	मं.	४	१८	रो	४७	४६	ब्र.	२३	४३	ग.	४	१८	व.	३६	५२	मातंग	२८	९	१५				६	३६	५	२४	९	१५	३	१०	६१	९
२७	२	११	बु.	९	२६	मृ.	५४	१७	ऐ.	२४	५७	वि.	९	२६	वव	४२	९	अमृत	२९	१०	१६	मि.	२१	१	६	३६	५	२४	९	१६	४	२८	६१	९
२७	५	१२	बृ.	१४	५३	आ.	६०	०	वै.	२६	२२	वा.	१४	५३	कौ	४७	३२	काण	३०	११	१७				६	३५	५	२५	९	१७	५	२४	६१	८
२७	८	१३	शु.	२०	११	आ.	०	४९	वि.	२७	३५	तै.	२०	११	ग.	५२	३२	पद्म	३१	१२	१८	क.	५०	२१	६	३४	५	२६	९	१८	६	३१	६१	८
२७	११	१४	श.	२४	५३	पु.	६	५२	प्री.	२८	२१	व.	२४	५३	वि	५६	४७	छत्र	१	१३	१९				६	३४	५	२६	९	१९	७	३६	६१	६
२७	१४	१५	र.	२८	४२	पु.	१२	११	आ	२८	१४	वव	२८	४२	वा	६०	०	श्रीवत्स	२	१४	२०				६	३३	५	२७	९	२०	८	३८	६१	४

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० माघ शुक्लपक्षः । जन. १९
से फरवरी २ तक । सौम्यायनम् याम्यागोलः । हेमन्तऋतुः ।

चन्द्रदर्शनम् । दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु. । पञ्चक प्रवृत्ति §
प्रतीच्यां यात्रा मु. । बुधास्तः पश्चिमायाम् ५७।३३ । शव्वाल
भ. २५।४८ उ. ५४।२९ या. । गणेश ४ ।
उग्र कर्म मु. । c विशाखा यां भौमः ०।१७ । यात्रा मु. ।
श्रवणेऽर्कः ३९।४३ s शुक्रः १४।१३ ।
भ. ५३।५२ उ. । पञ्चक निवृत्तिः २८।४१ । प्रतीच्यां c
भ. २५।४ या. । § ५९।१६
वक्री गुरुः ५७।२३ । या. जय मु. ३६।१७ या. । मीने s
वक्रीबुधः ५।२२ । स. सि. भौमः ४१। उ. ।
भ. ३६।५२ उ. । m यात्रा मु. भद्रान्ते । स. सि. योग ।
भ. ९।२६ या. । जया ११ व्रत सर्वेषाम् । दक्षिण पूर्वौ m
प्रदोषः ।
तीक्ष्ण कर्म मु. ।
भ. २४।५३ उ. ५६।४७ या. । फरवरी ।
स. सि. योगः १२।११ या. ततःया. जय. मु । स्नान व्रतादौ b
b १५ । बुधोदयः प्राच्याम् ५९।२२ ।

माघ. शु. ४ भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	६	९	५	११	११	११	५
७	१८	२४	१२	२१	२४	९	९
५४	४१	१८	२०	१२	४२	४३	४३
४४	३१	१५	१५	३५	५७	५९	५९
६१	३५	९	३	५४	४	३	३
१८	३८	५५	२	२	७	११	११

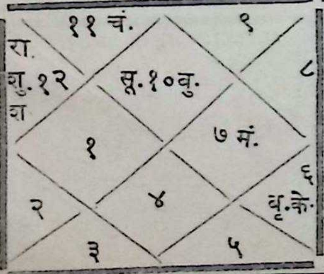

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.	३ चं.	४ मं.	५ बु.	६ बृ.	७ शु.	८ श.	९ र.	१० चं.	१० मं.	बु. ११	१२ बृ.	१३ शु.	१४ श.	१५ र.
म. अं.	८ ८	८ ३	७ ५९	७ ५५	७ ५१	७ ४७	७ ४३	७ ३९	७ ३५	७ ३१	७ २७	७ २२	७ १८	७ १४	७ १०
कुं. अं	९ ४०	९ ३५	९ ३१	९ २७	९ २३	९ १९	९ १५	९ ११	९ ७	९ ३	८ ५९	८ ५४	८ ५०	८ ४६	८ ४२
मी. अं.	११ ७	११ ३	१० ५९	१० ५५	१० ५१	१० ४७	१० ४३	१० ३९	१० ३५	१० ३१	१० २७	१० २२	१० १८	१० १४	१० १०
मे. अं.	१२ ४६	१२ ४१	१२ ३७	१२ ३३	१२ २९	१२ २५	१२ २१	१२ १७	१२ १३	१२ ९	१२ ५	१२ ०	११ ५६	११ ५२	११ ४८
वृ. अं	२ ४२	२ ३७	२ ३३	२ २९	२ २५	२ २१	२ १७	२ १३	२ ९	२ ५	२ १	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४४
मि. अं.	४ ५६	४ ५१	४ ४७	४ ४३	४ ३९	४ ३५	४ ३१	४ २७	४ २३	४ १९	४ १५	४ १०	४ ६	४ २	३ ५८
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
क. अं.	७ १५	७ १०	७ ६	७ २	६ ५८	६ ५४	६ ५०	६ ४६	६ ४२	६ ३८	६ ३३	६ २९	६ २५	६ २१	६ १७
सिं. अं.	९ ३०	९ २५	९ २१	९ १७	९ १३	९ ९	९ ५	९ १	८ ५७	८ ५३	८ ४९	८ ४४	८ ४०	८ ३६	८ ३२
कं. अं.	११ ४४	११ ३९	११ ३५	११ ३१	११ २७	११ २३	११ १९	११ १५	११ ११	११ ७	११ ३	१० ५८	१० ५४	१० ५०	१० ४६
तु. अं.	२ १	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४४	१ ४०	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २४	१ २०	१ १५	१ ११	१ ७	१ ३
वृ. अं.	४ १८	४ १३	४ ९	४ ५	४ १	३ ५७	३ ५३	३ ४९	३ ४५	३ ४१	३ ३७	३ ३२	३ २८	३ २४	३ २०
ध. अं.	६ २३	६ १९	६ १४	६ १०	६ ६	६ २	५ ५८	५ ५४	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३७	५ ३३	५ २९	५ २५

माघ शु. १० भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	६	९	५	११	११	११	५
१५	२२	१८	१२	१	२५	९	९
३	८	१८	६	६	६	२०	२०
१०	२२	७	९	३८	९	३७	३७
६१	२९	६/५	३ ०/६	६५	५	३	३
५	५८	व	व	३५	३५	११	११

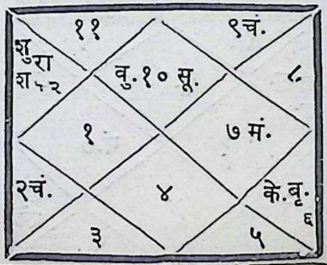

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० फाल्गुन कृष्णपक्षः। फरवरी ३ से १६ तक सन् १९६९ ई. सौम्यायनम् याम्यगोल हेमन्त
२७	१७	१	चं.	३१	१९	श्ले.	१६	२४	सौ.	२७	३१	वा.	०	१	कौ.	३१	१९	सौम्य	३	१५	२१	सि.	१६	२४	६	३३	५	२७	९	२१	९	४०	६१	३	या. जय. १६।२४ या. ।
२७	१९	२	मं.	३२	४८	म.	१९	३१	शो.	२५	५०	तै.	२	३	ग.	३२	४८	काल	४	१६	२२				६	३२	५	२८	९	२२	१०	४२	६१	३	aव्रतम् । वक्रगत्या उत्तराषाढ़भे बुधः ११।७ ।
२७	२३	३	बु.	३२	५४	पू.	२१	२२	अ.	२३	७	व.	२	५१	वि.	३२	५४	स्थिर	५	१७	२३	कं.	३६	३१	६	३२	५	२८	९	२३	११	४३	६१	१	भ. २।५१ उ. ३२।५४ या. । वसुभेऽर्कः ४३।४३ ।
२७	२६	४	बृ.	३१	४७	उ.	२१	५८	सु.	१९	२१	वव	२	२१	वा.	३१	४७	मातंग	६	१८	२४				६	३१	५	२९	९	२४	१२	४१	६०	५९	या. जय मु. । प्राच्यां यात्रा मु. ३१।४७ उ. ।
२७	२९	५	शु.	२९	२४	ह.	२१	२०	धृ.	१४	४०	कौ.	०	३५	तै.	२९ ५७	२४ ४४	अमृत	७	१९	२५	तु.	५०	३१	६	३०	५	३०	९	२५	१३	२७	६०	५७	दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु. । cवक्रगत्या श्रवसि बुध ५६।४१ ।
२७	३२	६	श.	२६	४	चि.	१९	४३	शू.	९	७	व.	२६	४	वि.	५३	५६	काण	८	२०	२६				६	३०	५	३०	९	२६	१४	३२	६०	५६	भ. २६।४ उ. ४३।५६ या. । स. सि. योगः १९।४५ उ. । c
२७	३५	७	र.	२१	४८	स्वा	१७	१६	गं.	२ ५३	५० ११	वव	२१	४८	वा.	४९	२०	लुम्ब	९	२१	२७	वृ.	५९	५१	६	२९	५	३१	९	२७	१५	२५	६०	५४	या. जय. मु. १७।६ या. । bवृश्चिके भौमः २६।११ ।
२७	३९	८	चं.	१६	५३	वि	१४	३	ध्रु.	४८	३८	कौ.	१६	५३	तै.	४४	९	मित्र	१०	२२	२८				६	२८	५	३२	९	२८	१६	१७	६०	५२	स. सि. योगः १४।३ उ. । पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. १४।३ उ. ।
२७	४२	९	मं.	११	२५	ऽनु.	१०	२०	व्या	४०	५७	ग.	११	२५	व.	३८	३१	वज्र	११	२३	२९				६	२८	५	३२	९	२९	१७	८	६०	५२	भ. ३८।३१ उ. । nशुक्रः २।९
२७	४५	१०	बु.	५ ५४	३७ २	ज्ये.	६	१७	ह.	३३	९	वि.	५	३७	वव	३२ ५९	३८ ३१	ध्वांक्ष	१२	२४	३०	ध.	६	१७	६	२७	५	३३	१०	०	१७	५८	६०	५१	भ.५।३७या.।कुंभेऽर्कः १६।५८। विजया ११व्रतंस्मार्तानान्।
२७	४९	१२	बृ.	५३	५३	मू.	२ ५५	६ ५८	व.	२५	१५	कौ.	२६	४६	तै.	५३	५३	धूम्र.	१३	२५	१				६	२६	५	३४	१०	१	१८	४६	६०	४९	सौर फाल्गुनारम्भ :। विजया ११ व्रतं वैष्णावानाम् ।
२७	५२	१३	शु.	४८	१९	उ.	५४	१६	सि.	१७	३५	ग.	२१	६	व.	४८	१९	आनन्द	१४	२६	२	म.	१२	७	६	२६	५	३४	१०	२	१९	३३	६०	४७	भ. ४८।१९ उ. । प्रदोषः। स. सि. योगः ५४।१६ उ. ।
२७	५५	१४	श.	४३	१७	श्र.	५१	१	व्य.	१०	१४	वि.	१५	४८	श.	४३	१७	चर	१५	२७	३				६	२५	५	३५	१०	३	२०	१७	६०	४४	भ. १५।४८ या. । स.सि. योगः ५१।१या. । मास शिवरात्रिa
२७	५९	३०	र.	३८	५०	ध.	४८	२७	व.	१३ ५३	१४ ४२	च.	११	३	ना.	३८	५०	मातंग	१६	२८	४	कुं.	१९	४४	६	२४	५	३६	१०	४	२०	५९	६०	४२	स्नान दानादौ ३० । पञ्चकारम्भः १९।४४ उ. । उ.भा. भे.n

फा. कृ. ५ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	६	९	५	११	११	११	५
२५	२७	१०	११	१०	२५	८	८
१३	३०	४८	३६	५४	४८	४९	४८
२७	३१	१५	१५	३५	५७	५९	५९
६०	२९	४७ ५५	३ २	५४	२	३	३
५५	३८	व.	व.	२	७	११	११

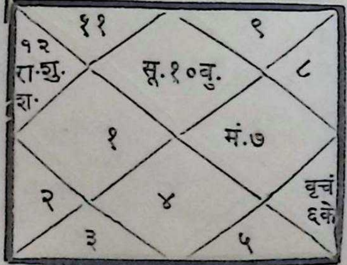

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.		२ मं.		३ बु.		४ बृ.		५ शु.		६ श.		७ र.		८ चं.		९ मं.		१० बु.	
म. अं.	७	६	७	२	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४१	६	३७	६	३३	६	२९
कुं. अं.	८	३८	८	३४	८	२९	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	१
मी. अं.	१०	६	१०	२	९	५७	९	५३	९	४९	९	४५	९	४१	९	३७	९	३३	९	२९
मे. अं.	११	४४	११	४०	११	३५	११	३१	११	२७	११	२३	११	१९	११	१५	११	११	११	७
वृ. अं.	१	४०	१	३६	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५	१	११	१	७	१	३
मि. अं.	३	५४	३	५०	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५	३	२१	३	१७
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
क. अं.	६	१३	६	९	६	४	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६
सिं. अं.	८	२८	८	२४	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५५	७	५१
कं. अं.	१०	४२	१०	३८	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२१	१०	१७	१०	१३	१०	९	१०	५
तु. अं.	१२	५९	१२	५५	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२६	१२	२२
वृ. अं.	३	१६	३	१२	३	७	३	३	२	५९	२	५५	२	५१	२	४७	२	४३	२	३९
ध. अं.	५	२१	५	१७	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५६	४	५२	४	४८	४	४४

तिथयः	१२ बृ.		१३ शु.		१४ श.		३० र.	
कुं. अं.	७	५७	७	५३	७	४९	७	४५
मी. अं.	९	२५	९	२१	९	१७	९	१३
मे. अं.	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	५१
वृ. अं.	१२	५९	१२	५५	१२	५१	१२	४७
मि. अं.	३	१३	३	९	३	५	३	१
क. अं.	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०	
सि. अं.	७	४७	७	४३	७	३	७	३५
कं. अं.	१०	१	९	५७	९	५३	९	४९
तु. अं.	१२	१८	१२	१४	१२	१०	१२	६
वृ. अं.	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३
ध. अं.	४	४०	४	३६	४	३२	४	२८
म. अं.	६	२५	६	२	६	१७	६	१३

फा. कृ. १३ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	७	९	५	११	११	११	५
२	०	९	११	१६	२६	८	८
१९	१	३३	०	४२	३३	२७	१७
३३	२५	२१	३५	३१	४९	१२	१८
६०	२९	५ ५८	४ ३३	५२	५	३	३
४७	३२	व.	व.	२१	५७	११	११

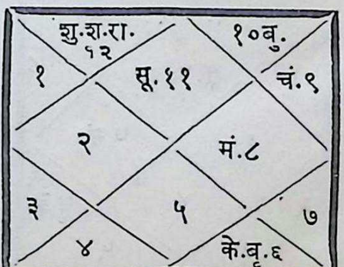

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ. प	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्य. रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२८	२	१	चं.	३५	१६	श.	४६	४२	शि.	५१	१२	किं.	७	वव	३५	१६	अमृत	१७	२९	५				६	२४	५	३६	१०	५	२१	३९	६०	३९
२८	६	२	मं:	३२	४१	पू.	४६	०	सि.	४६	३४	वा.	३	कौ.	३२	४१	कांण	१८	३०	६	मी.	३१	११	६	२३	५	३७	१०	६	२२	१५	६०	३७
२८	९	३	बु.	३१	१६	उ.	४६	२७	सा.	४२	४३	तै.	१	ग.	३१	१६	लुम्ब	१९	१	७				६	२२	५	३८	१०	७	२२	५१	६०	३७
२८	१३	४	वृ.	३१	७	रे.	४८	१०	शु.	३९	५२	व.	१	वि.	३१	७	मित्र	२०	२	८	मे.	४८	१०	६	२१	५	३९	१०	८	२३	२६	६०	३६
२८	१६	५	शु.	३२	१४	अ.	५	५	शु.	३८	०	वव	१	वा.	३२	१४	वज्र	२१	३	९				६	२१	५	३९	१०	९	२४	१	६०	३६
२८	२०	६	श.	३४	३९	भ.	५५	१३	ब्र.	३७	७	कौ.	३	तै.	३४	३९	ध्वांक्ष	२२	४	१०				६	२०	५	४०	०	१०	२४	३६	६०	३४
२८	२४	७	र.	३८	१४	कृ.	६०	०	ऐ.	३७	८	ग.	६	व.	३८	१४	धूम्र	२३	५	११	वृ.	११	३१	६	१९	५	४१	१०	११	२५	७	६०	३१
२८	२७	८	चं.	४२	४४	कृ.	०	२६	वै.	३७	५०	वि.	१०	वव	४२	४४	स्थिर	२४	६	१२				६	१९	५	४१	१०	१२	२५	३६	६०	२८
२८	३१	९	मं.	४७	५५	रो.	६	२४	वि.	३९	०	वा.	१५	कौ.	४७	१५	मातंग	२५	७	१३	मि.	३९	३८	६	१८	५	४२	१०	१३	२६	२	६०	२५
२८	३४	१०	बु.	५३	१७	मृ.	१२	५३	प्री.	४०	१८	तै.	२०	ग	५३	१७	अमृत	२६	८	१४				६	१७	५	४३	१०	१४	२६	२५	६०	२२
२८	३८	११	वृ.	५८	३२	आ.	१९	३०	आ.	४१	४९	व.	२५	वि	५८	३२	कांण	२७	९	१५				६	१६	५	४४	१०	१५	२६	४५	६०	१९
२८	४२	१२	शु.	६०	०	पु.	२५	४१	सौ.	४२	४७	वव	३०	वा.	६०	०	लुम्ब	२८	१०	१६	क.	१८	४७	६	१६	५	४४	१०	१६	२७	३	६०	१७
२८	४५	१२	श.	३	७	पु.	३१	१२	शो.	४३	१०	वा.	३	कौ.	३४	५८	मित्र	१	११	१७				६	१५	५	४५	१०	१७	२७	१८	६०	१४
२८	४९	१३	र.	६	४०	श्ले	३५	४२	अ.	४२	३७	तै.	६	ग.	३८	५	वज्र	२	१२	१८	सिं.	३५	४२	६	१४	५	४६	१०	१८	२७	३१	६०	१२
२८	५२	१४	चं.	९	२१	म.	३९	७	सु.	४१	१८	व.	९	वि.	३९	५९	ध्वांक्ष	३	१३	१९				६	१४	५	४६	१०	१९	२७	४१	६०	११
२८	५६	१५	मं.	१०	३८	पू.	४१	१३	धृ.	३८	५६	वव	१०	वा.	४०	३६	धूम्र	४	१४	२०	कं.	५६	२६	६	१३	५	४७	१०	२०	२७	५[illegible]	६०	१०

वत् २०२५ शके १८८० फाल्गुन शुक्लपक्षः।
फर. १७ से मार्च ४ तक। सौम्यायनम्।याम्यगोलः। हेमन्तऋतु

शतभेऽर्कः ५३।४३। चन्द्रदर्शनम्। मार्गीबुधः ३।३५।
जिल्काद। a स. सि. योगः पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.।
भ. १।११ उ. ३१।७ या.। पञ्चक समाप्त ४८।२० या.। a
पूर्वोत्तरौ यात्रा मु.।
या. जय ३४।३९ उ.। b भे गुरुः ३८।११।
भ. ३८।१४ उ.। मार्गगत्या पुनः श्रवसि बुधः ४८।४।
भ. १०।२९ या.। या.ज.मु.। नवमी योगे। वक्रगत्या उ.फा. b
मृगभे दक्षिण यात्रा मु.।
मृगभे दक्षिण पश्चिम यात्रा मु.। c स्नानदानादौ १५
भ. २५।५४ उ. ५८।३२ या.। आमलकी ११ व्रतं स्मार्तानाम्।
आमलकी ११ व्रतं वैणावानाम्। स. सि. योगः २५।११ या.।
मार्च १९६९ ई०। पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.। प्रदोषः।
या. ज मु. ६।५० या.।
भ. ९।२१ उ. ३९।५९ या.। होलिका दहनम्। व्रतादौ १।५
पूर्वाभाद्रपदायामर्कः ४।४३। धूलिवन्दन श्वपच स्पर्शः। c

फाल्गुन शु. १ चन्द्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	७	९	५	११	११	११	५
५	२	९	१०	१९	२६	८	८
२१	२४	१८	४८	४२	४८	१७	१७
३९	२५	२१	३५	३१	४९	१२	१२
६०	७	५ ५८	४ ३३	५२	५	३	३
३९	३२	व	व	३१	५७	११	११

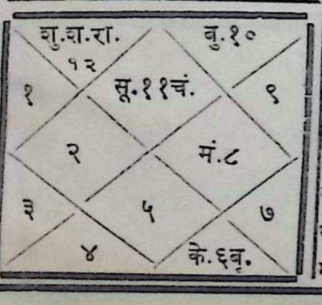

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.	२ म	३ बु.	४ वृ.	५ शु.	६ श.	७ र.	८ चं.	९ मं.	१० बु.	११ वृ.	१२ शु.	१२ श.	१३ र.	१४ चं.	१५ मं.
कुं. अं.	७ ४१	७ ३	७ ३४	७ ३०	७ २६	७ २२	७ १८	७ १५	७ ११	७ ७	७ ३	७ ०	६ ५६	६ ५२	६ ४८	६ ४४
मी.अं.	९ ९	९	९ २	८ ५८	८ ५४	८ ५०	८ ४६	८ ४३	८ ३९	८ ३५	८ ३१	८ २८	८ २४	८ २०	८ १६	८ १२
मे. अं.	१० ४७	१०	१० ४०	१० ३६	१० ३२	१० २८	१० २४	१० २१	१० १७	१० १३	१० ९	१० ६	१० २	९ ५८	९ ५४	९ ५०
वृ. अं.	१२ ४३	१२	१२ ३६	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१२ २०	१२ १७	१२ १३	१२ ९	१२ ५	१२ २	११ ५८	११ ५४	११ ५०	११ ४६
मि.अं.	२ ५७	२	२ ५०	२ ४६	२ ४२	२ ३८	२ ३४	२ ३१	२ २७	२ २३	२ १९	२ १६	२ १२	२ ८	२ ४	२ ०
क. अं.	५ १६	५	५ ९	५ ५	५ १	४ ५७	४ ५३	४ ५०	४ ४६	४ ४२	४ ३८	४ ३५	४ ३१	४ २७	४ २३	४ १९
राशयः	रा०	रा	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
सिं.अं.	७ ३१	७	७ २४	७ २०	७ १६	७ ११	७ ८	७ ५	७ १	६ ५७	६ ५३	६ ५०	६ ४६	६ ४२	६ ३८	६ ३४
कं. अं.	९ ४५	९	९ ३८	९ ३४	९ ३०	९ २६	९ २२	९ १३	९ १५	९ ११	९ ७	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५२	८ ४८
तु. अं.	१२ २	११	११ ५५	११ ५१	११ ४७	११ ४३	११ ३९	११ ३६	११ ३२	११ २८	११ २४	११ २१	११ १७	११ १३	११ ९	११ [illegible]
वृ. अं.	२ २०	२	२ १२	२ ८	२ ४	२ [illegible]	१ ५६	१ ५३	१ ४९	१ ४५	१ ४१	१ ३८	१ ३४	[illegible]		
ध. अं.	४ २४	४	४ १७	४ १३	४ [illegible]	[illegible] ५	४ १	३ ५८	३ ५४	३ ५०	३ ४६					
म. अं.	६ [illegible]	६	६ २	५ ५८	५ ५४	५ ५०	५ ४६	५ ४३	५ ३[illegible]							

फाल्गुन शु. ११ गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	७	९	५	११	११	११	५
१५	७	१७	९	२६	२७	७	७
२६	०	२४	५४	५४	४८	४५	२५
४५	१	२५	१५	३१	११	२४	२४
६०	२६	४७	४ ३८	४२	६	३	३
१८	३३	३७	व	२३	२	११	११

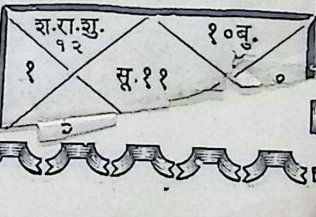

दि. मा. घ. प. | ति. | वा. | घ. प. | न. | घ. प. | क. | घ. प. | क. | घ. प. ३'१ वा. ०

दि.मा. घ.प.		ति.	वा.	घ. प.		न.	घ. प.		यो.	घ. प.		क.	घ. प.		क.	घ. प.		योगः	अं.	फा.	ग्रं.	चं. रा. प्र. रा. घ. प.			सू. उ. घं. मि.		सू. अ. घं. मि.		औ. स्पष्ट सूर्यः रा. अं. क. वि.				गतिः क. वि.	
२९	०	१	गु.	१०	३'१	उ.	४२	५	शू.	३५	३२	कौ.	१०	३५	तै.	३९	५६	वर्धमा.	५	१५	२१				६	१२	५	४८	१०	२१	२८	१	६०	[illegible]
२९	४	२	बु.	९	१८	ह.	४१	४४	गं.	३१	१०	ग.	९	१८	व.	३८	२	रक्ष	६	१६	२२				६	११	५	४९	१०	२२	२८	९	६०	८
२९	७	३	शु.	६	४७	चि.	४९	१७	वृ.	२५	५८	वि.	६	४७	वव	३५	२	मुशल	७	१७	२३	तु.	११	०	६	११	५	४९	१०	२३	२८	१६	६०	६
२९	११	४	श.	३/५५	८/३९	स्वा	३८	३	ध्रु.	१२	१९	वा.	३	१८	कौ.	३१/२८	७/५७	सिद्धि	८	१८	२४				६	१०	५	५०	१०	२४	२८	२०	६०	४
२९	१५	६	र.	५३	५५	वि.	३४	५७	व्या	१३	१८	ग.	२८	३२	व.	५३	५५	उत्पात	९	१९	२५	वृ.	२०	४४	६	९	५	५१	१०	२५	२८	२३	६०	[illegible]
२९	१८	७	चं.	४८	२१	ऽनु.	३१	२२	ह.	६/५२	६/३०	वि.	२१	८	वव	४८	२१	मानस	१०	२०	२६				६	८	५	५२	१०	२६	२८	२४	६०	[illegible]
२९	२२	८	मं.	४२	२९	ज्ये.	२७	२४	सि.	५०	५४	वा.	१५	१५	कौ.	४१	२९	मुद्गर	११	२१	२७	ध.	२७	२४	६	८	५	५२	१०	२७	२८	२४	५९	५७
२९	२६	९	बु.	३६	३२	मू.	२३	१३	व्य.	४३	६	तै.	९	३०	ग.	३६	३२	ध्वज	१२	२२	२८				६	७	५	५३	१०	२८	२८	२०	५९	५५
२९	३०	१०	बृ.	३०	३७	पू.	१९	७	व.	२५	२६	व.	३	३४	वि.	२०/५७	३०/५०	घाता	१३	२३	२९	म.	३३	१०	६	६	५	५४	१०	२९	२८	१४	५९	५२
२९	३३	११	शु.	२५	४	उ.	१५	१७	प.	२८	५	वा.	२५	४	कौ.	५८	३१	आनन्द	१४	२४	३०				६	५	५	५५	११	०	२८	५	५९	५०
२९	३७	१२	श.	१९	५८	श्र.	११	४३	शि.	२१	०	तै.	१२	५८	ग.	४७	४५	स्थिर	१५	२५	१	कुं.	४०	२८	६	५	५	५५	११	१	२९	५४	५९	४८
२९	४१	१३	र.	१५	३८	ध.	९	४	सि.	१४	३४	व.	१५	३२	वि.	४३	४६	मातंग	१६	२६	२				६	४	५	५६	११	२	२९	४१	५९	४६
२९	४५	१४	चं.	१२	१	श.	७	१५	सा.	८	४६	श.	१८	१	च.	४०	४३	अमृत	१७	२७	३	मी.	५१	३१	६	३	५	५७	११	३	२९	२८	५९	४४
२९	४८	३०	मं.	९	२५	पू.	६	१६	शु.	३/५५	५०/५५	ना.	९	२७	कि.	३८	४८	काण	१८	२८	४				६	२	५	५८	११	४	२९	११	५९	४२

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० चैत्र कृष्णपक्षः । मार्च ५ से १८ तक । सौम्यायनम याम्यगोलः । बसन्त ऋतु ।

स.सि. योगः ४१।५ उ. । दक्षिणपूर्वौ यात्रा मु. हस्तभे । a

भ. ३८।२ उ. । प्राच्यां यात्रा मु. । अनु.भे भौम ५६।४४ ।

भ. ६।४७ या. ।

स.सि. योगः ३८।३ या. । या.ज.मु. ३।२८ उ. ३०।३ या. ।

भ. ५३।१५ उ. ।

भ. २१।८ या. । पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. भद्रान्ते ।

a मेषे शुक्रः ६।१३ । कुंभे बुधः १६।४४ ।

भ. ३।३४ उ. ३०।३७ या. । या.ज.मु. ३०।३७ उ. ।

मीनेऽर्कः ७।४ । पापमोचिनी ११ व्रतं सर्वेषाम् ।

सौरं चैत्रारम्भः । प्रदोषः । स.सि.योगः ११।४३ या. । b

भ. १५।३२ उ. ४३।४६ या.

उत्तराभाद्रपदायामर्कः २४।४३ । मेषे शनिः ५७।२५ ।

b पञ्कारम्भः ४०।२८ उ.

चैत्र कृ. ६ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	७	१०	५	०	११	११	५
२५	११	१	८	२	२८	७	७
३७	१८	१८	४२	०	५४	१३	१३
१५	१९	३९	१३	९	३५	३५	३५
५९	२३	७७	४/३६	२५	५	३	३
५८	५८	५५	व.	५२	५२	११	११

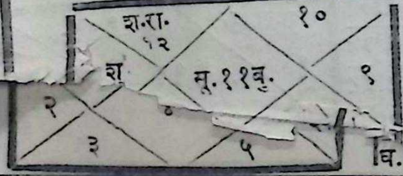

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ ब.		२ वृ.		३ शु.		४ श.		६ र.		७ चं.		८ मं.		९ बु.		१० गु.		११ शु.		ति.	१२ श.	
मी. अं.	६	४०	६	३७	६	३३	६	२९	६	२५	६	२२	६	१८	६	१४	६	१०	६	६	मी.	७	३०
मे. अं.	८	८	८	५	८	१	७	५७	७	५३	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	मे.	९	८
वृ. अं.	९	४६	९	४३	९	३९	९	३५	९	३१	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	वृ.	११	४
मि. अं.	११	४२	११	३९	११	३५	११	३१	११	२७	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२	११	८	मि.	१	१८
क. अं.	१	५६	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१	१	३८	१	३४	१	३०	१	२६	१	२२	क.	३	३७
सिं. अं.	४	१५	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५	३	४१	सि.	५	५२
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	रा०	
कं. अं.	६	३०	६	२७	६	२३	६	१९	६	१५	६	१२	६	८	६	४	६	०	५	५६	कं.	८	६
तु. अं.	८	४४	८	४१	८	३७	८	३३	८	२९	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०	तु.	१०	२३
वृ. अं.	११	१	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२७	वृ.	१२	४०
ध. अं.	[illegible]		[illegible]		१	११	१	७	१	३	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	ध.	[illegible]	
					६		३	१२	३	८	३	५	३	१	२	५७	२	५३	२	४०	म.	४	३०
																			४	३४	कुं.	६	२

१४ चं.		३० मं.	
७	२३	७	१९
९	१	८	५७
१०	५७	१०	५३
१	११	१	७
३	२९	३	२६
५	४५	५	४१
रा०		रा०	
७	५९	७	५५
१०	१६	१०	१२
१२	३३	१२	२९
२	३८	२	३४
४	२३	४	१९
५	५५	५	५१

चैत्र कृ. १० भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	७	१०	५	०	०	११	५
४	१४	१६	७	३	०	६	६
२९	१८	२६	४	५४	६	४१	४१
११	२२	११	२५	१९	७	४७	४७
५९	२३	१०१	४/२३	५	५	३	३
३९	५९	५७	व.	२३	५८	११	११

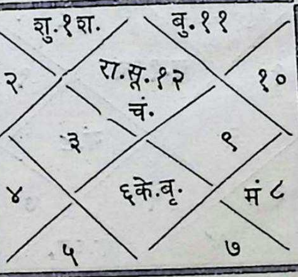

५०७
९८६३३

सुन्दर सस्ती लोकोपयोगी हमारी प्रकाशित पुस्तकें

श्रीरामचरितमानस, भाषा टीका सचित्र तथा सजिल्द (देवदीपिका टीका) आठ काण्ड, क्षेपक सहित रायल चौपेजी (ग्लेज) मूल्य ३०)

श्रीरामचरितमानस, भाषा टीका सचित्र तथा सजिल्द आठ काण्ड, क्षेपक सहित रायल चौपेजी रफ कागज मूल्य २५)

श्रीरामचरितमानस, भाषा टीका सचित्र तथा सजिल्द (देवदीपिका टीका) आठ काण्ड विलायती कागज २२ × ३२ = ८ पेजी मूल्य १५)

श्रीरामचरितमानस सटीक (सचित्र तथा सजिल्द आठ काण्ड चाँदी के ठप्पे सहित) २२ × २९ = ८ पेजी ग्लेज कागज मूल्य १६)

श्रीरामचरितमानस सटीक (सचित्र तथा सजिल्द आठ काण्ड चाँदी के ठप्पे सहित २२ × २९ = ८ पेजी रफ कागज मूल्य १२)

रामायण भाषा टीका सचित्र तथा सजिल्द ८ काण्ड डबल क्राउन १६ पेजी ग्लेज मूल्य ८)

रामायण भाषा टीका सचित्र तथा सजिल्द ८ काण्ड डबल क्राउन १६ पेजी रफ मूल्य ६।।)

रामायण मूल मध्यम सचित्र तथा सजिल्द (ग्लेज कागज पर) मूल्य १०)

रामायण मूल मध्यम सचित्र तथा सजिल्द (रफ कागज पर) मूल्य ८)

रामायण मूल डबल क्राउन १६ पेजी मूल्य ३)

रामायण मूल गुटका आठ काण्ड (ग्लेज) मूल्य २)

रामायण मूल गुटका आठ काण्ड (रफ) मूल्य १।।)

एकादशी माहात्म्य भाषा टीका मूल्य ३)

श्रीभगवद्गीता (भाषा) सजिल्द मूल्य २)

श्रीमद्भगवद्गीता भाषा (लाहौरी) मोटे अक्षर, कपड़े की जिल्द तथा पुट्ठे और जिल्द पर चाँदी के ठप्पों सहित २२ × ३२ = १६ पेजी, ग्लेज मूल्य ३)

श्री दुर्गा-सप्तशती मूल सजिल्द मूल्य ।।।=)

श्री दुर्गा-सप्तशती सटीक तथा सजिल्द मूल्य ३)

प्रेम-सागर संपूर्ण कपड़े की जिल्द मूल्य ५)

प्रेम-सागर सादी जिल्द मूल्य ४।।)

चाणक्य-नीति-दर्पण मूल्य ।।)

महाभारत (अठारहों पर्व सबलसिंह चौहान विरचित) कपड़े की जिल्द तथा चाँदी के ठप्पे सहित २२ × २९ = ८ पेजी (ग्लेज) मूल्य १०)

महाभारत ऊपर जैसी (अखबारी कागज) ८)

श्री सत्यनारायण व्रत-कथा (भाषा टीका) ।।)

हनुमान् ज्योतिष ।।)

श्री विष्णु सहस्रनाम सचित्र ।=)

सर्व प्रकार की पुस्तक मिलने का पता—श्री गंगा पुस्तकालय, गायघाट, वाराणसी ।

श्री गोपाल सहस्रनाम सचित्र	।=)
अर्जुन गीता	।-)
ज्ञानमाला	≡)
होड़ा चक्र	≡)
शिव महिम्न स्तोत्र भाषा-टीका	≡)
रामकलेवा	।)
शुक्ल यजुर्वेदीय संध्या	।)
भजन रामायण	।-)
आरती संग्रह	।-)
राशिमाला	।)
भरथरी चरित्र	=)
भजन रत्नाकर	=)
दुर्गा कवचम्	=)
गोपालगारी	=)
स्वप्न-विचार	=)
रसखान दोहावली	=)
मृत्युञ्जय स्तोत्र	=)
बद्रीनाथ स्तोत्र	=)
आनन्द भजनमाला	=)
भजन प्रभाती	=)

सूर्यपुराण	=)
हनुमान चालीसा	=)
शिवचालीसा	=)
दानलीला	=)
नवग्रह स्तोत्र	=)
पहाड़ा	=)
पहाड़ा सादा	=)
रामनाम माला	=)
हिन्दी प्राइमर	=)
हिन्दी-अंग्रेजी शिक्षक (छोटा)	॥)
नेताजी सुभाष (सचित्र) तथा सजिल्द	३)
कुंडली फार्म	=)
रामायण सुन्दरकाण्ड गुटका	।)
रामायण किष्किन्धाकाण्ड	≡)
तोता मैना (सजिल्द)	१॥)
सिंहासन बत्तीसी	१॥)
हातिमताई	१॥)
बैताल पचीसी	१)
गुलबकावली	१)

भार्गव हिंदी अंग्रेजी शिक्षक

अंग्रेजी एक विदेशी भाषा है। इसके सीखने में अनेक प्रकार की कठिनाइयाँ हैं। उन्हें दृष्टि में रखते हुए यह हिन्दी-अंग्रेजी-शिक्षक प्रस्तुत किया गया है। इस प्रकार की अब तक प्रकाशित पुस्तकों में यह सबसे बढ़कर उपयोगी है। केवल इसी का अध्ययन करने से अंग्रेजी की पूरी जानकारी हो जाती है। अंग्रेजी न जाननेवाले हिंदी-भाषियों और अंग्रेजी के हाई स्कूल व इण्टर-मीडिएट के विद्यार्थियों के लिए यह पुस्तक समान उपयोगी है। इसमें अनेक महत्त्वपूर्ण विषयों से संबंध रखनेवाले अंग्रेजी शब्दों और उनके हिन्दी पर्याय का संकलन है। सैकड़ों अंग्रेजी मुहावरे और कहावतें दी गई हैं। अनेक प्रकारके पत्रों के लिखने की रीति और उनके नमूने दिये गये हैं। पुस्तक में चार सौ बत्तीस पृष्ठ हैं। इसकी छपाई बहुत ही उत्तम है। प्रत्येक हिन्दी-भाषी को इसकी एक प्रति अवश्य अपने पास रखनी चाहिए। मूल्य केवल लागत मात्र। सजिल्द ग्लेज ४॥) अजिल्द ग्लेज ४) रफ ३॥)

सर्व प्रकार की पुस्तक मिलने का पता—श्री गंगा पुस्तकालय, गायघाट, वाराणसी।

[illegible]

भार्गव डिक्शनरी व हिन्दी शब्द-कोश

(१) सचित्र भार्गव स्टैण्डर्ड अंग्रेजी-हिन्दी डिक्शनरी बड़ी
२२ × ३६ = १६ पेजी, ग्यारहवां संस्करण,
पृष्ठ-संख्या प्रायः १३६५ मूल्य १०)

(२) भार्गव कन्साइज अंग्रेजी-हिन्दी डिक्शनरी छोटी
२२ × ३६ = ३२ पेजी, पांचवां संस्करण,
पृष्ठ-संख्या १०८८ मूल्य ४)

(३) सचित्र भार्गव स्टैण्डर्ड हिन्दी-अंग्रेजी डिक्शनरी बड़ी
यह अपने ढंग की अपूर्व पुस्तक है, २२ × ३६ = १६ पेजी,
पृष्ठ-संख्या १२८०, पांचवां संस्करण, मूल्य १०)

(४) भार्गव कन्साइज हिन्दी-अंग्रेजी डिक्शनरी छोटी
२२ × ३६ = ३२ पेजी, पृष्ठ-संख्या १०५१,
तृतीय संस्करण, मूल्य ४)

(१) भार्गव आदर्श हिन्दी शब्द-कोश
साइज २२ × ३६ = ८ पेजी, तीसरा संस्करण,
पृष्ठ-संख्या १२०० मूल्य १२)

(२) भार्गव आदर्श हिन्दी शब्द-कोश (संक्षिप्त)
साइज २० × ३० = १६ पेजी, दूसरा संस्करण,
पृष्ठ-संख्या ८०० मूल्य ६)

(३) भार्गव बाल हिन्दी शब्द-कोश
साइज २२ × ३६ = ३२ पेजी, चौथा संस्करण,
पृष्ठ-संख्या ६१२ मूल्य ३)

मिलने का पता—
श्री गंगा पुस्तकालय, गायघाट, वाराणसी

सर्वोपयोगी ! सुलभ मूल्य !! सुन्दर संस्करण !!!

श्रीमद्भागवत सम्पूर्ण

भाषाटीका सहित, पत्रानुमा

साइज २२ × २९ = ३ पेजी, दर्जनों रंग-बिरंगे चित्रों सहित

शीघ्र ही छपकर तैयार हो रही है।

बृहत् नवीन सुखसागर

श्रीमद्भागवत के १२ स्कन्धों का सरल सुन्दर और रोचक भाषा में हिन्दी अनुवाद २२ × २९ = ८ पेजी चाँदी के ठप्पे सहित, १५ रंगीन चित्रों से आभूषित

ग्लेज कागज मूल्य १५) रफ कागज मूल्य १२)

रामायण बतर्ज राधेश्याम

रामायण की सम्पूर्ण कथा मय क्षेपक के २८ भागों में, रायल ८ पेजी साइज, चाँदी के ठप्पे सहित सुन्दर जिल्द में अपने तर्ज की निराली, छपकर तैयार हो गई है।

रफ कागज मूल्य ८) ग्लेज कागज मूल्य १०)

महाभारत भाषा

महाभारत के १८ पर्वों की कथा केवल हिंदी भाषा में, सुपररायल ८ पेजी साइज, दर्जनों रंग-बिरंगे चित्रों से सुसज्जित, चाँदी के ठप्पे सहित सुन्दर जिल्द की बाइंडिंग में छपकर तैयार हो गई है।

ग्लेज कागज मूल्य ८) रफ कागज मूल्य ७)

मिलने का पता —
श्री गंगा पुस्तकालय, गायघाट, वाराणसी

हमारी नई प्रकाशित पुस्तकें

मुहूर्तचिन्तामणि भाषा टीका	३)
शीघ्रबोध भाषा टीका	॥)
ग्रहगोचर भाषा टीका	।)
चमत्कार-चिन्तामणि भाषा टीका	।=)
लग्नजातक भाषा टीका	।)
जातकालंकार भाषा टीका	॥-)
बृहद् अवकहड़ा चक्र भाषा टीका	।-)
गरुड़ पुराण भाषा टीका	२॥)
वैशाख मास माहात्म्य भाषा टीका	३)
नारायण कवच भाषा टीका	≡)
रामरक्षा स्तोत्र भाषा टीका	।)
चर्पटपञ्जरी भाषा टीका	।)
ज्ञानस्वरोदय	।)
सुदामा चरित्र	।)
नारद-गीता	=)

पाक-रत्नाकर

इस पुस्तक में भारतवर्ष के भिन्न-भिन्न प्रदेशों में प्रचलित तरह तरह के उत्तमोत्तम पक्वान्नों के बनाने की अलग-अलग विधियाँ दी गई हैं। इसकी सहायता से घर बैठे लोग बढ़िया से बढ़िया भोज्य पदार्थ बना सकेंगे। इसमें २२ × ३६ १६ पेजी आकार के १००० पृष्ठ होंगे। इसमें तिरंगे चित्र भी दिये जा रहे हैं और बढ़िया ग्लेज कागज पर पुस्तक छापी जा रही है।

मिलने का पता—
श्री गंगा पुस्तकालय, गायघाट, वाराणसी